॥ ॥ ॥श्रीगुरुभ्योनमः॥ दुहा॥ स्वस्तिश्रीवरसारदा॥ कुंदचंदसमकाय
॥ कमलमुखीनेंकमलकर ॥ प्रणमुतेहनापाय ॥१॥ जगचुडामणीजगजयो॥
जगकेवलदिनराज॥रीषभगतीगतीराजती॥ आदिदेवनमुआज ॥२॥ श्रमन
समननेंसमणजे॥ समक्षोवलिसमान ॥समणपदेचउअतीशया॥ वडश्रीवर्द्ध
मान॥३॥ अत्रव्याख्या॥श्रमणभगवान्महावीरइहांप्राकृतेंसमणपदें॥च्या
रअतिशयसूचव्याछें॥ तेइमरोगादिकउपद्रवअभावें॥ माटेंसमनकहिइ ॥ इ
तिअपायापगमातिशय ॥१॥ तथाअनुत्तरविमाननादेवतानासंशयटालवानें।
द्रव्यमनप्रवर्त्तावेंछें॥माटेंमनसहितवर्त्ते॥ तेसमनइतिज्ञानातिशय।२।तथास
म्यगूरुमीपरें।अणतिकहतांबोलेंसिद्धांतअविरोधी॥तेसमणकहीइ।इतिवचना
तिशय॥ ३ ॥ तथासहमानेनवर्त्तेते॥ मानेंकरीसहित॥ एतलेंसुरअसुरनीप
जारूपमानेंवर्त्तेंछें।तेहनेंसमानकहिइप्राकृतमाटें॥ क्रस्वथायइतिपूजातिशय
॥४॥ दूहा॥ परिसहसहताजेभडु॥सख्यापणितसशेस॥ केवलज्ञानदिवाकरू
नमुअजीतादीजीनेश॥ ४ ॥ गौतमपमुहागणहरा॥ सूरीनमुसुजगीस ॥अनु
क्रमेंजिणथीआवीउ॥ श्रूतएविसवावीस॥ ५॥ मुखरअलिश्रेणीमीली॥ कु
सूमवुठिसुरकीद्द॥ तिर्थप्रवर्त्तनसमयते॥ सद्रकरोसवसीद्द ॥६॥ गुणदायक
श्रुतआगला॥ वडगुरुगुणवत॥ जिणेंवचनेंकरीजाणीइ॥ तत्वातत्वमहंत॥ ७॥
समरादित्यसुसाधुनु॥ चरित्रअछेसुविचित्र॥हरीभद्रसूरेंसाषीउ॥ वचनविचा
रपवित्र॥८॥ अलपनिदांनउदइअती॥ बहुभवभवनाव॥सुणतांसुखउपजा
वस्यें॥ जेहथीसभाजभाव॥९॥ नवरवर्मेंकरीनीरमलो॥ रासरचुसूखकार॥
सत्तरसवसोहामणा॥ कह्रुविचित्रप्रकार॥१०॥ अपराधीनरउपरि॥ करिइ
नहींकांयक्रोध॥ तिणेंएसमरादित्यतणा॥ चरीत्रसुणोसुसबोध ॥११॥ ढाल॥
॥चोपई॥ गुणअनंतआतमनाकह्या॥ तहमांपणिदोयमुख्यजलह्या॥ दर्शन
नेंवलीबीजुज्ञान॥ तेहमांपणिज्ञानजपरधान॥१॥ यद्यपीज्ञानछेपंचप्रकार
॥मतिश्रूतअवधीनाणअवधारि॥ मनपर्यायतिमकेवलज्ञान॥ पणिश्रुतनाण
इहांवर्त्तमान॥२॥ कालादीकजेआठआचार॥ तेश्रुतज्ञानतणानीरधार॥ श्रू

गढमढमंदिरमालीआं ॥ मानुसूरेंद्रवीमान ॥ लालरे॥ जिहांमहीलाजनमो
हती ॥ रूपेरससमान ॥ लालरे ॥ ३७॥ जं० ॥ वदनेंकमलकोईअम्बरें ॥ नव
ऐंकुवलयपत्र ॥ ला०॥ राजहंसगतीइकरी ॥ जीतेरमणीययत्र ॥ ला ॥ जं०
॥ ३८ ॥ जीहांवीघाव्यसनीजना ॥ पापसीरुजसलोस ॥ ला ॥ धनवुधीघर
मेंकरी ॥ राषेयश्थीरपोस ॥ ला ॥ ज० ॥ ३९ ॥ पुरएमहलपरगडो ॥ अम
मननयणाणंद ॥ ला ॥ मयकलकेहीणमो ॥ नरपतीपुरणचंद ॥ ला ॥ ४०
॥ ज०॥ कुमुदीनीनामेंकामिनी ॥ अंतेउरसीरदार ॥ ला॥ मदनघरेरतीवल्लहा
सोगवेसोगउदार ॥ ला ॥ ज० ॥ ४१॥ गुणसेनकुमरतेतेहनें ॥ गुणगणरय
णसमार ॥ ला ॥ क्रीडाप्रियबालकपणें ॥ व्यतरसूरपरेंसार ॥ ला॥ ज०॥४२
अल्पारसपरिग्रही ॥ तिहांपुरोहीतएक ॥ ला ॥ धर्मसास्त्रपाठकघली ॥ जन्न
दत्तसुवीवेक ॥ ला ॥ ज० ॥ ४३ ॥ सोमदेवागरसेंघयो ॥ अगनीशर्मापुत्त ॥
॥ला ॥ मोहदुत्रीकोणमस्तकसही ॥ पिंगलनयणतेडत्त ॥ ला ॥ जं० ॥४४
चीपटुंनाकबेत्रीगयु ॥ विसमातरजत्राकांन ॥ला॥ दतदंतुग्रलनीपरे ॥ देहते
वीसत्तसमान ॥ ला ॥ ज० ॥ ४५॥ लवोदरकोटिवांकमी॥ वाकादुकाहाथ॥
॥ ला ॥ एकपासूउचुघली ॥ मानुपापनोसाथ ॥ ला ॥ ज० ॥ ४६ ॥ पुलक
ठीनलघुजेहनी ॥ जघनेंपोहलापाय॥ ला॥ विषमउरूकेसकाबरा ॥ विषमक
टितटथाय ॥ ला॥ ज० ॥ ४७॥ गुणसेनकुमरकौतकथकी ॥तालकसाल्लग
दंग ॥ला ॥ नाटिकनीत्यकरावतो॥ अग्निशर्मासंग ॥ला॥ज० ॥४८॥ हसतो
हस्ततालीदीइ ॥ गर्दभेंकरीआरोप ॥ ला॥ बालकस्वेंपरवस्यो ॥ उपजावेतस
कोप ॥ ला ॥ ज० ॥ ४९॥ फाटुत्रुटुसूपडुं ॥ उभकरेंशीरगाय ॥ ला ॥ मिंभि
मफुटाढोलज्यू ॥ कहेएजायमहाराय ॥ ला॥जं० ॥ ५० ॥राजपथेंउताबलो
नितहींफावेतेह ॥ ला ॥ इमकरतोतेतिकदर्थना ॥ उपजावेतसदेह ॥ ला ॥ जं०
॥ ५१ ॥ इमरवमताहवेउपनी ॥ वैराग्यसाधनाचीत्त ॥ ला ॥ चिंतवेईणिपरें
चित्तमां ॥ पुण्यकरयुनपवीत्त ॥ ला ॥ ज० ॥ ५२॥ तोधीकारबहुजन
करें ॥ परपरासनोगाम ॥ ला ॥ हासीकरतालोकनु ॥ सहीइसहुआम ॥

॥ ला ॥ ज० ॥ ५३ ॥ धर्मनकीधोपरसवे॥ तिऐएपामुविवाग ॥ ला॥ देषीन करूश्एेसर्वे ॥ तोकिमलकडुखताग ॥ ला ॥ ज० ॥ ५४ ॥ तिऐकरीइहवेष मेंनें ॥ जिमनवीपामुड ख ॥ ला ॥ डुर्जनजनथीविमंवणा ॥ नविलहीइलकसू ख ॥ ला ॥ ज० ॥ ५५ ॥ इमचितविराग्यथी ॥ मुक्योनयरीसग ॥ ला ॥ स छेत्राथा नकवर्जिइ ॥ इमजाणीएकग ॥ ला॥ ज० ॥ ५६ ॥ देत्रअर्तेसीमा लगें ॥ हिमतांययोएकमात्र ॥ ला ॥ तिहांतपोवनदिनुहवे॥ नामसूपरितोस जास॥ ला ॥ ज० ॥ ५७ ॥ चपकवकुलअशोकतीहां ॥ नागअनेपुन्नाग ॥ ला ॥ मृगमृगपतीरमेएकठा ॥ गुरूमतथावलीनाग ॥ ला॥ ज० ॥ ५८॥ धू मपमलघृतहोमनो ॥ उपजेतापसतोष॥ ला॥ गिरिनदिनीझरणावहे ॥ पाम्यो सूखनोपोष ॥ ला ॥ ज० ॥ ५९ ॥ विसामोइणिइहांकस्यो ॥ देषीजागिवि शाल ॥ ला ॥ पद्मविजइबीजीकही॥ ढालअतिसूरशाल॥ ला ॥ ज० ॥६०॥ ॥ डुहा ॥ करिविसामोतिहाकणें ॥ पेदथयोजबषीए ॥ तवउठ्योउतावलो॥ तापससूंतेलीए ॥ ६१ ॥ नयणेंलागोनीरषवा ॥ आर्जवकोमीनएह॥ नामेंते ध्यांनेरसो ॥ कदलीघरकस्यु गेह ॥ ६२ ॥ लेइरुद्राक्षमालाकरें ॥ जपतोवे गेजाप ॥ वांकलुपहेस्युवल्कनु॥ परगटनहीआलाप॥ ६३॥ जटाजुटजोगी सरो ॥ सूतिलगावीसाल ॥ कममलमुक्युकनें॥ सोमदृष्टीसंसालि॥ ६४ ॥ कम लपत्रउपरिकरयू ॥ आसनअतिहिउदार ॥ जोगपर्टेआसनसज्यु ॥ वरज्यो सेषव्यापार ॥ ६५ ॥ नाग्राइजोम्ध्यांनयन ॥ दृष्टिहरप्योदेखि ॥ रोमांचित्त थईहरषसु ॥ प्रणम्योघरनीपेषि॥ ६६॥ उत्तमागअवनीतलें ॥ थापीययोस नाथ ॥ मानेधन्यनिजआतमा॥ पारलसोसवपाथ॥ ६७॥ढाल ॥ रागविहा गमो ॥ मुझघरिआवज्योरेनाथ ॥ एदेशी॥ करजोमीनेंकहेइणिपरिं ॥ प्रसूपा रपाम्योआज ॥ तुह्मदिठेडुखसवीविसस्यां ॥ मुझनहीअवरसूकाज ॥ ६८॥ गुरुजीवीनतीमुझएह ॥ मुझकरोपावनदेह॥ गुरु० ॥ एआंकणी॥ इमसास लीतापसहवे॥ देषितेअतीबहुमान ॥ स्वागतपूछेइमतेंहनें॥ मुकीपोतानुध्यां न॥ ६९ ॥गुरु० ॥ दिइतापसआसनएहनें ॥ कहेबेसइणहीगय ॥ तवबेगे

गढमढमंदिरमालीआं ॥ मानुसूरेंद्रवीमान ॥ लालरे ॥ जिहांमहीआजनमो
हती ॥ रूपेरससमान ॥ लालरे ॥ ४७ ॥ जं० ॥ वदनेंकमलकोईअर्पर्वे ॥ नव
येंकुवलयपम ॥ ला० ॥ राजहंसगतीइकरी ॥ जीतेरमणीयपम ॥ ला ॥ जं०
॥ ४८ ॥ जीहांवीष्यासनीजना ॥ पापसीरुजसलोस ॥ ला ॥ धनबुधीपर
मेंकरी ॥ राधेयइथीरमोस ॥ ला ॥ जं० ॥ ४९ ॥ पुरणमंडलपरगमो ॥ जन
मननयणाणंद ॥ ला ॥ मयकलकेहीणमो ॥ नरपतीपुरणचंद ॥ ला ॥ ५० ॥
॥ जं० ॥ कुमुदीनीनामेंकामिनी ॥ अंतेउरसीरदार ॥ ला ॥ मदनघरेरतीवल्लहा
सोगवेसोगउदार ॥ ला ॥ जं० ॥ ५१ ॥ गुणसेनकुमरतेहनें ॥ गुणमणरय
णसभार ॥ ला ॥ कीडाप्रियबालकपणें ॥ व्यंतरसूरपरेंसार ॥ ला ॥ जं० ॥ ५२ ॥
अल्पारंभपरिग्रही ॥ तिहांपुरोहीतएक ॥ ला ॥ धर्मसास्त्रपाठकवली ॥ जन्न
दत्तसुवीवेक ॥ ला ॥ जं० ॥ ५३ ॥ सोमदेवाउदरेंथयो ॥ अगनीशर्मापुत्त ॥
॥ ला ॥ मोडदुभीकोणमस्तकसही ॥ पिंगलनयणतेरत्त ॥ ला ॥ जं० ॥ ५४ ॥
चीपटुंनाकवेशीगयु ॥ बिलमातरजत्राकांन ॥ ला ॥ दंतवतुआलनीपरे ॥ देहते
वीसंस्थान ॥ ला ॥ जं० ॥ ५५ ॥ लंबोदरकोटिवांकमी ॥ वाकादुकाहाथ ॥
॥ ला ॥ एकपासूउंचुवली ॥ मानुपापनोसाथ ॥ ला ॥ जं० ॥ ५६ ॥ युलक
ठीनलघुजेहनी ॥ जघनेंपोहलापाय ॥ ला ॥ विषमउरूकेसकाबरा ॥ विषमक
टितटपाय ॥ ला ॥ जं० ॥ ५७ ॥ गुणसेनकुमरकौतकथकी ॥ तालकंसालमृ
दंग ॥ ला ॥ नाटिकनीत्यकरावतो ॥ अग्निशर्मासंग ॥ ला ॥ जं० ॥ ५८ ॥ हसतो
हस्ततालीदीइ ॥ गर्दर्भेंकरीआरोप ॥ ला ॥ बालकवृंदपरवस्यो ॥ उपजावेतस
कोप ॥ ला ॥ जं० ॥ ५९ ॥ फादुभ्रदुसूपनु ॥ इमकरेंशीरगाय ॥ ला ॥ झिंझि
मफुटाढोलज्यू ॥ कहेएजायमहाराय ॥ ला ॥ जं० ॥ ६० ॥ राजधर्मेंउताबलो
नितहींमावेतेह ॥ ला ॥ इमकरतोतेकदर्थना ॥ उपजावेतसदेह ॥ ला ॥ जं०
॥ ६१ ॥ इमरवमतांहवेउपनी ॥ वैराग्यसावनाचीत्त ॥ ला ॥ चितवेइणिपरें
चित्तमां ॥ पुण्यकरयुनपवीत्त ॥ ला ॥ जं० ॥ ६२ ॥ तोपीकारवऊजन
करें ॥ परपरातत्तनोगंम ॥ ला ॥ हांसीकरतालोकनु ॥ सहीइसऊइआम ॥

नोनाद ॥८७॥ गुरु० ॥ रयणावलीउविजली ॥ धूपघटीमेघअंधार ॥ चमर श्रेणीबगपतीउ ॥ मुक्तावलीजलधार ॥ ८८ ॥ गुरु० ॥ पचवरणीपर्दासुकजि के ॥ लटकेतेइन्द्रधनुप ॥ सुगधप्रथवीमहमहे ॥ देखीनलागेसूष ॥ ८९ ॥ ॥ गुरू० ॥ मोहनीवमांजेधारीआ ॥ तेणेसुपनसरीखुथाय ॥ सकुनगरलोक विसर्जिआ ॥ सुखमांतेदिवगगमाय ॥ ९० ॥ गुरू० ॥ जबसूर्यउदयोतव करे ॥ गोसकृत्यतेसूपाल ॥ कहेपद्मश्रीजीढालए ॥ सुणतातेमगलमाल ॥९१ ॥ गुरू० ॥दुहा॥ नरपतीरमवानीकल्यो ॥ खेलावेबकुखास ॥ आसअति उतावलो ॥ पामेतेहथीप्यास ॥९२॥ तेहनोखेदउतारवा ॥ वेगेसहसबवन्न ॥ इणसमेतापसआवीआ ॥ नरपतिनेंआसन्न ॥ ९३ ॥ नारिंगानवरगना ॥आ पीवेआचीस ॥ सूपतिपणिउसोथई ॥ साचुनामेंसीस ॥ ९४ ॥ आपेआग्रन आदरे ॥ तषतापेरीषीतेह ॥ अमगुरूमोकलीआइहां ॥ दुखसुखपुछनतेह ॥ ॥ ९५ ॥ कहेनरपतिकिहांकुलपती ॥ तापसबोलेताम ॥ इणतपोवनमांआ वीइ ॥ देखोवरीसउद्याम ॥९६॥ कौतकनोलीधोयको॥ तपोवनपोहोतोतेह ॥ तापसबहुवलीकुलपती ॥ नमीउआणीनेह ॥ ९७॥ कुलपतिसूपतिनेंकहे ॥ सांसलिधर्मसनाथ ॥ विनइसासलीविनती ॥ साखेहवेसूनाथ ॥ ९८॥ढाल॥ श्रीरीषभाननगुणनिलो ॥ एदेशी ॥ नरपतिकरजोडीकहे ॥ मुझउपरिकरोसुप सायहो ॥ मुणिद ॥ ल्योआहारमाहरेघरे ॥ सकुतापसनोसमुदायहो ॥ मु० ॥ आवोगुरूमुझमदीरे ॥ एआकणी ॥ ९९ ॥ कुलपतिकहेसूणसूपती ॥ आव स्युपणिटालीएकहो ॥ मु० ॥ अगनीसर्मातेनामथी ॥ तेहनेंमासमासनीटेक हो ॥ मु० ॥ १००॥ आ० ॥ तेवातसुणीकहेराजीउ ॥ कीधोमुझनेंउपगारहो ॥ मु० ॥ पणिकिहांतपसीवमसागीउ ॥ करूदर्शनपामुपारहो ॥मु०॥१०१॥ ॥ आ० ॥ कहेकुलपतीउभ्यांनेंरसो ॥ जिहाश्रेणीअछेसहकारहो ॥ मु० ॥ जइदिठेपद्मासनरसो ॥ प्रशांतचित्तव्यापारहो ॥ मु० ॥ १०२ ॥ आ०॥ बहुहर्षधरीपुलकितथइ ॥ प्रणमेतेहनावरपायहो ॥ मु० ॥ तषदिइआचीस तापसतीहां ॥ सूखेंआव्यातुलेंइणगायहो ॥ मु० ॥ ३ ॥ आ० ॥ तुलेवेसो

कुसनेंआसनें ॥ कहेकिहांथीआयोसाय॥ ७२॥ गुरु०॥ अवकमुनिअवी तक सवे ॥ तवकहेतापसइम ॥ वरसपुर्वकृतकर्मेंकरी ॥ सकलेशपामेंनेम॥ ७३ ॥ गुरु०॥ तिर्येंचुर्पेपिम्याप्राणीआ ॥ वलीदलड्डहण्याजेह ॥ दोसागकर्मकेडसीआ ॥ होयत्राणथीयोगिनेंएह ॥ ७४ ॥ गुरु०॥ इहसर्वेपरसर्वेंसुखकरे ॥ एपरमसीतलगण ॥ परसगेंडखनवीपामीइ ॥ लोकथीनहीअपर्माण॥ ७५ ॥ गुरु०॥ डरगतिनवीजईइवली ॥ तिर्येधन्यछेवनवास॥इमकहेबोल्योतेहवे ॥ स्वामीकमुतेषास ॥७४॥ गुरु० ॥ जोहोयमुक्तउपरिकृपा ॥ जोजाणोव्रतनें जोग ॥ तोव्रतदेइअनुग्रहकरो ॥ तवबोल्यातपसीलोग ॥ ७६॥ गुरु०॥तुमवी नावीजोकूणहोइ॥ तुझनेंघणोवेराग॥पणिमार्गअमचोसमझीनें ॥ तुमेंव्रतवी उमहासाग ॥७७॥ गुरु० ॥ इमकहीसमझाव्योसलो॥ हतोजेहनिजआचार॥ रहीकेइक दिननेंव्रतदीउ ॥ मुसतिथीनषेतरवार ॥ ७७॥ गुरु० ॥ कोइडख गर्भितवैराग्यथी ॥ विस्तादिनेंकहेइम ॥ मास२ नेंकरुपारणा ॥ मुझमहाप्रती ज्ञाप्रेम ॥७८॥ गुरु० ॥ पारणादिनेंपहेलेघरे ॥ मुसअमुसजेमलेआहार ॥ अथवामिलेनहीतोहिपणि ॥ फिरीजाउआपणेंगार ॥ ७९॥ गुरु० ॥ पणि जावुनहीवीजेघरे ॥ सकलसललोएनेंम ॥ पालतांप्रतिज्ञावहीगयां ॥ बहुला षपूरवएम ॥८०॥गुरु०॥ इणिअवसरिवनडुकडु ॥ एकवसतपुरइणनांम॥ तसलोकगुणरागीथयो॥बहुलक्तिमतोतांम॥८१ ॥गुरु०॥अहोमहातपस्वीएहछे ॥ आलोकनीनहीआश ॥ निजशरीरनोप्रतिबधनही ॥ एहनुसफलजीवितवास ॥ ८२॥ गुरु० ॥ इमबहुप्रशसातेकरे ॥ हवेपुर्णचदजेराय ॥ गुणसेन नेंपरणावीउ ॥ वलीकीधलोमहाराय ॥८३॥ गुरु० ॥ तपोवनेंतापसशल्पथयो ॥ राणीसहीतअुसचित्त ॥ गुणसेनराज्यनेंपालतो ॥ मणिवर्गसाधेनीत्य ॥ ॥८४॥गुरु०॥ बहुरायसामतपदनमें ॥ साध्यतेबहुलादेश ॥ दशविशेनिर्मलजसवधें ॥ निजवेशनेंपरदेश ॥८५॥गुरु०॥ वसतसेनानामथी ॥ पटराणीसूएकदिनना॥वसंतपुरआव्योवही ॥ तपोवनमनेंआशन्न॥८६॥गुरु०॥थे ठेमहामगलकरी ॥ विमानउदमाशाव ॥ पाउसनीजीवाडथवें॥ नाटिकमाल

समो ॥ जिवचिंतवेआजनेकालहो ॥मु०॥ कामकरस्यूपणिजाणेनही ॥काल नेतोहापठेकालिहो ॥ मु०॥१८॥आ॥ तवनरपतीबोलेइमफरी ॥ निर्विघनेंआ वेतेदिन्नहो ॥ मु० ॥ पारणेंप्रसूआवधुमुझघरे ॥ आपहृथीतिणेंप्रतीपन्नहो ॥ ॥मु०॥१९॥आ०॥हखेराजाहरखेंप्रणमीउ॥गयोनयरमांनीजआवासहो॥मु० सगतिकरीकुलपतीनीघणी ॥ गयापाचदिवसपणितात्राहो॥ मु ०॥२०॥आ॥ कहीचोथीढालशणिपरि ॥ सझघरमनाअरथीजीवहो॥मु०॥कहेपद्मविजयस मझीकरो ॥ तोपामोसूखअतीवहो ॥ मु० ॥ २१ ॥ आ०॥ दूहा ॥ पारणक रवापोहचीउ ॥ गुणसेनरायनेंगेह ॥सिरवेदनअतीसयथइ॥ जालिमनृपनेंजे ह ॥ २२ ॥ आकुलव्याकुलसझथया ॥ आव्यावेधप्रसेस ॥ वैदकसा स्त्रवदेघणां ॥ पणिगईनपीमालेस ॥ २३ ॥ रयणवीचीत्तचुरणकरी ॥ लपल गायालख ॥ बुद्धीवतवलीआवझ ॥ विसुहामतिविलख ॥ २४ ॥ होमहवनपु रोहीतकरे ॥ सांतीकरमससाल ॥ अनेउरआंसूझरे ॥ म्लानथइफूलमाल ॥ ॥ २५ ॥ कमलायुमुखकमलते ॥ कम्याकउककील ॥ चित्रकर्मपरीचयत ज्यो ॥ लगीननाटिकलील ॥ २६ ॥ पमीहारागतप्राणजीम ॥ कचुइकतजे काम ॥ सूपकारसूखनवीकरे ॥ सामतसोकविश्राम ॥ २७ ॥ तापसदेखीते हवु ॥ वलीउचीत्तविचार ॥ पाछुनवीकोइपूछिउ ॥ पोहतोतपोवनपार ॥२८॥ ॥ढाल॥ जोगीसरचेलानीदेसी ॥ किमआव्यापाछाफिरिरे ॥ तापसपुछेवातरे जोगीसर ॥ खीणशरीरतुमारुंरेलाल ॥ अगनीशरमाबोलीउरी॥सांसलोकझअ मदातरे ॥ जो ॥ रायतणेघरिझगयोहोलाल ॥ २९ ॥ रायसरीरेंशातानहीरे ॥ लोककरेउदवेगरे ॥ जो० ॥ देखिनसक्योझसहीहोलाल ॥ तुरतहिंहांथीपाछो वल्योरे ॥ सझकहेघरीविवेगरे ॥ जो० ॥ साचुशातानतेहनेंरेलाल ॥ ३० ॥ अन्यथासत्कीवतोघणोरे ॥ किमनहोवेसावधानरे ॥ जो० ॥ गुणतुमचाजा णेंघणांरेलाल ॥ कुलपतीआगलवझकस्यारे ॥ इणतुमचागुणग्यानरे ॥ जो०॥ अगनीशर्मातवबोलीउरेलाल ॥ ३१ ॥ नहीप्रयोजनआहारनुंरे ॥ पणिएहनें यातेशातरे ॥ जो० ॥ इमकरीमाश्रकस्योवलीरेलाल ॥ कोइकसावीसावथीरे

इहाइर्णेषानिकें ॥ तबवेच्रीतेहनरिंदहो ॥ मु० ॥ कहेकिमढकरएआवस्युं ॥ तबबोल्योतेयोगिंदहो ॥ मु० ॥ ॥ आ० ॥ एकवालीढ खर्नेविरुपता ॥ कीपरपरिसवपणिहेतुहो ॥ मु० ॥ तिमगुणश्रेनवलीनृपसुतसलो ॥ कल्याणमीश्रसुतचेतहो ॥ मु० ॥ ॥ आ० ॥ नीजनामेंश्राक्योनरपती ॥ कहेतेकहोकारणकेमहो ॥ मु० ॥ सूपतीसुततूलहेतुथयो ॥ तबअगनीश्रर्माकहेश्महो ॥ मु० ॥ ६ ॥ आ० ॥ जेजेउत्तमनरहोयते ॥ पामेंप्रतीबोधस्वयमेवहो ॥मु० परप्रेस्यामध्यमनरलहे ॥ जघन्यलहेनसवैवहो ॥ मु० ॥ ७ ॥ आ० ॥ प्रेरेजेससारीजीवर्ने ॥ धर्मेकोश्कनयेणहो ॥ मु० ॥ काढ्योतिर्णेकारागारथी ॥ कल्याणभूपकऊतेणहो ॥ मु० ॥ ८ ॥ आ० ॥ निजचितकससारीमनें ॥ सद्भावनतकरीवयणहो ॥ मु० ॥ कहेकिमप्रेस्यातुलनेंतिर्णे ॥ किमतेथयोधरममासयणहो ॥ मु० ॥ ९ ॥ आ० ॥ कहेतेअगनीश्रर्माहवे ॥ प्रेरणातोछेअनेकहो ॥ मु० ॥ तिर्णेकोश्निमित्तेंप्रेरीउं ॥ म्हेघरिउंतेहथीविवेकहो ॥ मु० ॥ १० ॥ ॥ आ० ॥ तबचिंतेचित्तमांसुपती ॥ अहोअहोएहनोपरीणामहो ॥ ॥ मु० ॥ मार्नेएउपगारर्ने ॥ छेजेहपरासवगामहो ॥ मु० ॥ ११ ॥ आ० ॥ नकरेएनिश्चाकेहनी ॥ पणिम्हेतोकीधअकाजहो ॥ मु० ॥ पापकस्युतेप्रकासीइ ॥ इमचिंतवीतेमहाराजहो ॥ मु० ॥ १२ ॥ आ० ॥ महापापकारीऊतूमप्रसू ॥ तुलनेंकीधोसतापहो ॥ मु० ॥ ऊतेअगुणश्रेनजांणज्यो ॥ किधूघोरमेंअतीपापहो ॥ मु० ॥ १३ ॥ आ० ॥ इमनहीतपसीकहेसांसलो ॥ तुमुऊधरमसखायहो ॥ मु० ॥ नृपकहेगुणग्राहकतुलो ॥ पछ्रथीअगनीनऊरायहो ॥ मु० ॥ १४ ॥ आ० ॥ हवणांश्णवातेंतोसस्यू ॥ पणिपारणऊतुलकिवारहो ॥ मु० ॥ तपसीकहेपांचदिवश्रपछें ॥ प्रथवीपतीसाथेतिवारहो ॥ मु० ॥ ॥ १५ ॥आ०॥ माहरेघरेपारणऊकीजीइ ॥ जोकीजेंमुऊसूपसायहो ॥ मु० ॥ तुलप्रतिज्ञाविधीजीके ॥ मेंजाणीकुलपतीपासहो ॥ मु० ॥ १६ ॥ आ० ॥ तिर्णेअनागतऊथिनवु ॥ तबबोलेतपसीवाणिहो ॥ मु० ॥ तेहिमश्रावेतबहाकऊ ॥ विघमीतेविघननीपांणहो ॥ मु० ॥ १७ ॥ आ० ॥ जीवलोकमऊका

नीशर्मावोलावीउरे ॥ कहीनरेंद्रनीवातरे ॥ जो॰ अपराधएहनोमचितवेरेला
ल ॥ एहनोखेदनिवारवारे ॥ मलीकरवासुखशातरे ॥ जो॰ ॥ पारणएहनेंघरे
करोरेलाल ॥ ४२ ॥ एहसक्तीनउवेषीउरे ॥ माहरूंवचनपणिमानरे ॥ जो॰॥
तवतेतापसबोलीउरेलाल ॥ स्वामीखेदएस्येकरेरे ॥ मुऊतुऊवचनप्रमाणरे
॥ जो॰ ॥ मुऊउपगारकरयोशणेरेलाल ॥ ४४॥ राजावऊमानेंकरीरे ॥ मण
मीपोहतोगेहरे ॥ जो॰ ॥ इमकरतांवलीआवीउरे॥ पारणाकेरोदिन्नरे ॥जो॰॥
इणअवसरचरआवीआरेलाल ॥ साषेन्टपनेंवचन्नरे ॥ न ॥ मानसगन्टपआ
वीउरेलाल ॥ ४५ ॥ रातिवासोदेशमारीआरे ॥ आपणासैन्यनालोकरे ॥ न॰ ॥
हवेजिमजाणोतिमकरोरेलाल ॥ तवराजारिसेंचढ्योरे ॥ आणीमनमांशोक
रे ॥ न॰ ॥ कोपानलपणिदिपतोरेलाल ॥ ४६ ॥ निर्द्दशघरणीपगफतोरे ॥ अम
रषेबलनायणरे ॥न॰॥ तुरवजफावेप्रयाणनरेलाल ॥ गयवलहयवल
सजकरेरे ॥ करीविकरालतेनयणरे ॥ न॰ ॥ रहवरसमसन्नऊआरेलाल ॥
॥ ४७ ॥ चामरछत्रधरावतोरे ॥ वाजंतेवरतुररे ॥ न॰ ॥ त्रविविरूदबोलीजते
रेलाल ॥ मगलकलशचलावीउरे ॥ अगनीशर्मातपसूरिरे ॥ जो॰ ॥ पारणा
नेंइणअवशरेरेलाल ॥ ४८ ॥ आविनेंदरष्योतिहारे ॥ सऊजनसऊशपामरे
॥ जो॰ ॥ देखीनेंपाछोवल्योरेलाल ॥ कोईइंउलख्योनहीरे ॥ आव्योतेनीज
ठामरे ॥ जो॰ ॥ ज्योतिषीइणअवसरेसणेरेलाल ॥ ४९॥ लगनआवेलाछेस
सुरे ॥ किजेतुरतप्रयाणरे ॥ रा॰ ॥ राजाकहेंतवबातमीरेलाल ॥ अगनीशरमा
आच्यानहीरे ॥ मानीछेमुऊवाणिरे ॥जो॰ ॥आव्यापछीजईइसऊरेलाल ॥५०॥
तवएकनरबोल्योतीहारे ॥ आवीगयाइणवाररे ॥ रा॰ ॥हजीअहस्येपुरमांस
हीरेलाल ॥ तवराजाविलषोथइरे ॥ चाल्योतेहनील्हाररे ॥ रा॰ ॥ दि
ठेनीकलतांथकारेलाल ॥ ५१ ॥ उतरीरथथीपाइपमेरे ॥ विनतीकरेमहारा
यरे ॥ जो॰ ॥ करीअपराधपाछवलोरेलाल ॥ माहरेजाबुघणऊइहतुरे ॥ पणि
नवीगयोऊषीरायरे ॥ जो॰ ॥ वाटतुम्हारीजोवतारेलाल ॥ ५२ ॥ तुम्हेंअण
जाण्यापाछावल्यारे ॥ तिणेंचालोमुऊगेहरे ॥ जो॰ ॥ अगनीशर्मातबबोली

ञातायईनृपगातेरे ॥ जो० ॥ पुछेतपस्वीवातमीरेलाल ॥ २१ ॥ पारणवीकथ्य तेआजछेरे ॥ आव्याकेनहीतेहरे ॥ जो० ॥ आदरविधोकेनहीरेलाव ॥ तवप रीजनबोल्योतदारे ॥ आवीनेंगयाजेहरे ॥ नरेसर ॥ सहुनेंवीकथ्यजांणीकरी रेलाल ॥ २२॥ रायकहेघीगमुझनेरे॥ चुक्योलासअपाररे ॥ जो० ॥ अमर थययोपिम्यामुनीरेलाल ॥ बिजेदिनविहारेंगयोरे ॥ लाजतोरायअपाररे ॥ ॥ जो० ॥ कुलपतीपायजइनम्योरेलाल ॥ २३ ॥ आशीसदेइबेशामीउंरे ॥ पु छेवातचारीरे ॥ जो० ॥ नीचुजोइनृपबोलीउंरेलाल ॥ निसासोनाषेबसीरे ॥ कुलपतीकहेघाउघीररे ॥ नरे० ॥ कहोउदवेगकारणतुमेरेलाल ॥ २४ ॥ नृप कहेकहेवाइनहीरे ॥ कुलपतीकहेकहोतोहिरे ॥न० ॥ तवनरपतीकहेइणीपरें रेलाल॥निर्दयीचरीत्रकहेतायकारि ॥ चित्तनधाखेमोहिरे ॥ जो० ॥ पणितुम आणायीकहुंरेलाल ॥२५॥ मातपीतानेंसारीषारे ॥ कुलपतीकहेअमलेगरे ॥ ॥ न० ॥ तिहांलज्ञाकरवीकीसीरेलाल ॥ दुखकहेतोवीचारीइरे ॥ टालणनो उपयोगरे ॥ न० ॥ तवनरपतीकहेवातमीरेलाल॥ २७॥ मुझनिमित्तेतापश थयोरे ॥ मेंअवीचारीतकीधरे॥जो० ॥ वलिहिमणांपणिइमवम्यूरेलाल ॥ बि जोमासथयोएहनेंरे ॥ म्हेंअपजसबहुलीधरे ॥जो० ॥ तवकुलपतीइणिपरि सणेरेलाल ॥ २८ ॥ तुतोधरमकारणथयोरे ॥ पहेलानेंवलीआजरे ॥ न० ॥ कहेतेस्यूहीफकस्युरेलाल ॥ नरपतीकहेनिमत्रणारे ॥ किधीआहारनेंकाजरे ॥ जो० ॥ मस्तकथइमुझवेदनारेलाल ॥ २९ ॥ पारणेंमनकरावीउंरे ॥ उल टोकरस्योअतरायरे ॥जो०॥ धर्मांधिघनकारीथयोरेलाल ॥ कुलपतीकहेवछ सासलोरे ॥ तुझअपराधनकायरे ॥ न० ॥ रोगीकृत्याकृत्यनवीलहेरेलाल ॥ ॥ ४०॥ अतरायतुमेंनवीकरयोरे ॥ उलटोकिधोसहायरे ॥ न० ॥ खेदनक रोमनमातुम्हेरेलाल ॥ आहारनलीघोमुझघरेरे॥ तेहनोखेदमुझथायरे ॥जो० सूपतिइणिपरिखीनथेरेलाल ॥ ४१ ॥ माहरोखेदतेकीमटलेरे ॥ लिघावीणगुरु आहाररे ॥ जो० ॥ तवकुलपतीकहेरायनेंरेलाल ॥ मासखमणनुपारणेरे ॥ आवस्येएहनेंजीवाररे ॥ न० ॥ तवतुझघरिकरस्येहवेरेलाल ॥ ४२ ॥ अग

नीत्रमीबोलावीउरे ॥ कहीनरेंद्रनीवातरे ॥ जो० अपराधएहनोमांचतवेरेला
ल ॥ एहनोखेदनिवारवारे ॥ घलीकरवासुखत्रातरे॥ जो० ॥ पारणएहनेंघरे
करोरेलाल ॥ ४३ ॥ एहसक्तीनउवेषीइरे ॥ माहरूंवचनपणिमानरे ॥ जो०॥
तवतेतापसबोलीउरेलाल ॥ स्वामीखेदएस्येकरेरे ॥ मुऊतुऊवचनप्रमाणरे
॥ जो० ॥ मुऊउपगारकरयोश्णेरेलाल ॥ ४४ ॥ राजाबहुमानेंकरीरे ॥ प्रण
मीपोहतोगेहरे ॥ जो० ॥ इमकरतांवलीआवीउरे॥ पारणाकेरोदिन्नरे ॥जो०॥
इणअवसरचरआवीआरेलाल ॥ साषेनृपनेंवचन्नरे ॥ न ॥ मानसगनृपआ
वीउरेलाल ॥ ४५ ॥ रातिवासोदेइमारीआरे ॥ आपणसैन्यनालोकरे॥ न० ॥
हवेजिमजाणोतिमकरोरेलाल ॥ तवराजारिसेंचढ्योरे ॥ आणीमनमाशोक
रे ॥ न० ॥ कोपानलपणिदिपतोरेलाल ॥ ४६ ॥ निर्दइघरणीपगाम्तोरे ॥ अम
रषेबलनांवयणरे ॥ न०॥ तुरवजमावेभयाणनरेलाल ॥ गयबलहयबल
सजकरेरे ॥ करीविकरालतेनयणरे ॥ न० ॥ रहवरसमसन्नरूऊआरेलाल ॥
॥ ४७ ॥ चामरछत्रधरावतोरे ॥ वाजंतेवरतुररे ॥ न० ॥ त्रविविरूदबोलीजते
रेलाल ॥ मगलकलशचलावीउरे ॥ अगनीशर्मातपसूरिरे ॥ जो० ॥ पारणा
नेंइणअवसरेरेलाल ॥ ४८ ॥ आविनेंदेख्योतिहांरे ॥ सऊजनसहुशयामरे
॥ जो० ॥ देखीनेंपाछोवल्योरेलाल ॥ कोईइंउलख्योनहीरे ॥ आव्योतेनीज
ठामरे ॥ जो० ॥ ज्योतिषीइणअवसरेसणेरेलाल ॥ ४९ ॥ लगनआवेलोछेस
लुरे ॥ किजेतुरतप्रयाणरे ॥ रा० ॥ राजाकहेंतववातमीरेलाल ॥ अगनीशरमा
आव्यानहीरे ॥ मानीछेमुऊवाणिरे ॥ जो० ॥ आव्यापछीजईइसऊरेलाल ॥५०॥
तवएकनरबोल्योतीहारे ॥ आवीगयाइणवाररे ॥ रा० ॥ हजीअहस्येपुरमास
हीरेलाल ॥ तवराजाविलषोथइरे ॥ चाल्योतेहनील्हाररे ॥ रा० ॥ दि
ठेनीकलतांयकारेलाल ॥ ५१ ॥ उतरीरथथीपाइपमेरे ॥ विनतीकरेमहारा
यरे ॥ जो० ॥ करीयपश्चायपाछावलोरेलाल ॥ माहरेजावुघणऊश्हतुरे ॥ पणि
नथीगयोऋषीरायरे ॥ जो० ॥ वाटतुम्हारीजोवतारेलाल ॥ ५२ ॥ तुम्हेंप्रण
जाण्यापाछावल्यारे ॥ तिणेंचालोमुऊगेहरे ॥ जो० ॥ अगनीशर्मातबोली

उरेलाल ॥ तुजाणेंसवीवारतारे ॥ म्हारेमतिञाजेहरे ॥ रा० ॥ सत्यसघातप सीहोश्रेलाल ॥ ४६ ॥ लालालाससमभ्रेवमेरे ॥ इर्वबोलेमररायरे ॥ जो० ॥ म्हाराप्रमादचरीत्रथीरेलाल ॥ लाजुघुस्वामीघणोरे ॥ तेमुखथीनकहेवाय रे ॥ जो० ॥ तुम्हतपञ्चारीरपीमायकीरेलाल ॥ ४७ ॥ मुजमतीपिताजपजे रे ॥ उपजेहिंइंश्रतापरे ॥ जो० ॥ बोलीनसकुबयणथीरेलाल ॥ हैउउ स्वम्मं नहीरे ॥ म्हेंकिधूमहापापरे ॥ जो० ॥ उखउपसमगुणभावितबोरेलाल ॥ ४८ ॥ तवतापसमनचिंतवेरे ॥ रायबहुखेदायरे ॥ रा० ॥ गुरुसगतोएञतिघणोरे लाल ॥ पारणनकरूएहनेंघरेरे ॥ तोउ स्वएहनुनजायरे ॥ ४९ ॥ इंमचिंतीम पीउकहेरेलाल ॥ ५६ ॥ करस्यूनुजघरिपारणोरे ॥ निरविंघनेंदीनतेहरे ॥ रा० तवराजाहरप्योघणरेलाल ॥ नृपकहेविमसनाणीतुम्हारे ॥ प्रणमेञ्जासीनेहरे ॥ जो० ॥ प्रभुमुजनेंनिस्तारीउरेलाल ॥ ५७ ॥ समरादित्यनारासमारे ॥ एक हीपांचमीढालरे ॥ रा० ॥ बिहुजनमनराजीथयारेलाल ॥ पद्मवीजयकहे सांसलोरे ॥ ञागलेंवातरसालरे ॥ रा० ॥ गुणपक्षपातीराजाघणोरेलाल ॥ ५८ ॥ डुहा ॥ तपसीनेंकहेसूपती ॥ तुम्हेंजाउतपोवन्न ॥ कुलपतीपासेंकिम हीके ॥ नहिञावणनुमन्न ॥ ५९ ॥ मुखवेषाथीमाहरू ॥ नसकुनाथनीवान ॥ इमकहीराजाघरिगयो ॥ तपसीगयोतेरांन ॥ ६० ॥ कुलपतिनेंसघलुकमू ॥ कुलपतीकहेवरकाम ॥ कीधूइमपरसञीउ ॥ मासघीजोकरघोतांम ॥ ६१ ॥ घ घतेपरिणामेंभली ॥ तपपूरोतसथाय ॥ रायतणेंघरिपारणें ॥ पुन्नजनमममहा य ॥ ६२ ॥ प्रतिहारीमुखेंपामीउ ॥ अवलपूमञवतार ॥ ञापेञासूघणञ गना ॥ पुर्णकरीपतीहार ॥ ६३ ॥ गुणश्चेनरायनेंञागलें ॥ उंञवञतिहिउदा र ॥ मांम्योतेमहामोदथी ॥ परीघलपुम्यप्रकार ॥ ६४ ॥ ढाल ॥ इमरञांबा ञांबलीरे ॥ एदेशी ॥ रायहुकमफरमावीउरे ॥ मुंकोकारामार ॥ उदघोषणा करीदीजीइरे ॥ दानञनेकप्रकार ॥ ६५ ॥ सविकजनसांभलावतेहोय ॥ सा वीनटालेकोय ॥ सवि० ॥ एञांकणी ॥ जितशत्रुमुखरायमेरे ॥ कहेयराबो एवात ॥ नयरमांसहुससलाविइरे ॥ जिर्णेवहुमहोञवथात ॥ सवी० ॥ ६६ ॥

जेकमूंतेसवेकरयुरे।नाचेपगेंपगेंपात्र ॥ वरचिवरधरीरमणीउरे। गावेतेवाली
गात्र ॥ सवी० ॥६७॥ दानेंसतोषीतबोलतारे ॥ बदिजय२सब्द ॥ तालवि
णामादलतणारे ॥ सालसीश्वजनद्द॥६८॥ सवि० ॥ वधामणांआवेघणा
रे ॥ राजभवनसकीन्न ॥ इणअवसरतापसतिहारे ॥ करुं प्रतिज्ञातिन्ना।सवि०
॥६९॥ पारणानिमित्ततेआवीउरे ॥ राजकुलेतेंआय ॥ सकतेहर्षप्रमोदमां
रे ॥ नवीकोयनेंचित्तसाय ॥ सवि० ॥७०॥ आदुअवलूजोईनेरे ॥ वलि
उतिततकाल ॥ अमुसकरमउदइकरीरे ॥ चितवेआलपपाल ॥ सवि० ॥ ७१॥
आर्त्तध्यांनवसिचितवेरे ॥ अहो२एहराजान ॥ मुझउपरिबालसावयीरे ॥ वे
रसावअसमांन ॥ ७२॥ सवि० ॥ जूउमायाकरेकेतलीरे ॥ गुढाचारचरी
त ॥ सङ्घ्यारवेंकरेविनतीरे ॥ आचरेअतिविपरित॥ सवि० ॥ ७३॥ इमचि
तवतोनिकल्योरे ॥ पूरबाहिरतेजाम ॥ दोषअज्ञानेंआकरेरे ॥ क्रोधतणेंवली
धाम ॥ सवी ॥ ७४ ॥ वासितजैनमारगेंनहीरे ॥ धरमसरधागइतास॥ परलो
कनीवासनातजिरे ॥ आविअमैत्रीजाश ॥ सवि० ॥ ७५॥ सूरवेंकलकली
देहमीरे ॥ आकर्षोवलीसुख ॥ द्वेषजाग्योन्टपउपरेरे ॥ छुद्दिनरहीतिलतुष
॥ सवी० ॥७६॥ तपनुफलजोमाहरूरे ॥ तोएहनोवधकार ॥ करेनियाण
एहवुरे ॥ सवसवडरकदातार ॥ सवी० ॥ ७७॥ ग्रन्नूनेंउरवदिघूनहीरे ॥ वा
ल्हानेंछरवनविदिध ॥ मातविमलीतनेंरे ॥ जन्मलहिस्यूंकिध ॥ सवि०
॥ ७८॥ इमनियाणतिणेंकर्युरे ॥ आलोयुनहीतिठाण ॥ क्रोधानलबलतोकरे
रे ॥ कोमिवीकलअजाण ॥ सवी० ॥७९ ॥ पोहतोनपोवनतेहवेरे ॥ कुल
पतिमुक्याडर ॥ परीहरीन्नेषतापसवलीरे ॥ दिव्यतोमहाक्रूर ॥ सवी० ॥
॥८०॥ जईसहकारश्रेणिरसोरे ॥ चितवेमलिश्मचित्त ॥ अहोराजामुझउप
रिरे ॥ मत्यनीकसलीरीत ॥ सवी० ॥ ८१॥ हासीजोग्यमुझनेंकर्योरे ॥ ताप
ससर्वमकार ॥ जाणीप्रतिज्ञामाहरीरे ॥ किघोमायाप्रकार ॥ सवि० ॥ ८२ ॥
करियनिमन्नणाइणपरेंरे ॥ नवीआप्योमुझआहार ॥ इणवेलाखलनाकरीरे ॥
स्योएहनेंअहंकार ॥ सवि ॥ ८३॥ तपसीनेंकिमएकरेरे ॥ ग्रनुमीत्रसमजा

स ॥ अथवानतज्योमुलथीरे ॥ अहारतोपाम्योविपास ॥ सवि० ॥ ते
माटेहवेमुक्तसस्यूरे ॥ जावजिवलगेंआहार ॥ मकरुंश्मव्रतआदरयूंरे ॥ ठं
मीसर्वव्यापार ॥ सवि० ॥ ८५ ॥ दिगेतापसेंइंणसमेरे ॥ जाण्युंध्यानअह
ध ॥ पुछेकिमनवीपामीआरे ॥ कुसुमविलेपणशुद्ध ॥ सवि० ॥८६॥ गुण
शेनरायतणेंघरेरे ॥ स्यूनगयामतूआज ॥ पारणेंकिमनवीनीपनुंरे ॥ तेसाथोव
हाराज ॥ सवि० ॥ ८७ ॥ अगनीशर्मातवबोलीउंरे ॥ जगयोतपनेंगेह ॥ बालु
बालपणाथकीरे ॥ आजलगीहजीएह ॥ सवि० ॥ ८८॥ मीठेवचनेंबोलतो॥
करतोवीनयअपार ॥ वेरनटल्युमुक्तउपरिरे ॥ जाण्युमेंनिरधार ॥ सवि० ॥८९॥
पणिएमायावीपरोरे ॥ किधूमाहारूहास्य ॥ किधोपरासवश्णपरेंरे ॥ एहअ
नार्यविलास ॥ सवि० ॥ ९० ॥ सहसाउठवमांमीउंरे ॥ जांणीपारणविघ्न ॥
आदरदीगेनकेहनोरे ॥ वलिउविलषीतमन्न ॥ सवि० ॥ ९१ ॥ कहेतापसव
वीससवेरे ॥ एहनरिंद्रगुणवत ॥ अथवाविचित्रपरिणामछेरे ॥ स्यूंनकषाईंअं
॥ सवि०॥९२॥ जिनवरमतवासीतथीनारे ॥ उत्तमतानवीहोय ॥ तिणेंजिनम
तअंगीकरोरे ॥ ज्ञानप्रकाशकरुकोय ॥९३॥सवि०॥ ढीढालरुणिपरिरे ॥ साची
कर्मनिदान ॥ पद्मविजयकहेसांसलोरे ॥ ड खदाईअज्ञान ॥ सवि० ॥९४॥
॥ दुहा ॥ कुलपतिपासेंजईकह्यू ॥ अगनीसरमाआज ॥ पारणविणपाछाव
ल्या ॥ महातपसीमहाराज ॥ ९५ ॥ कुलपतिआव्यातिहांकनें ॥ तपसीश्यू
ज्याताम ॥ वछपारणुनवीकरयु ॥ किधूड करकोम ॥ ९६ ॥ राश्स्यूएआव
स्यू ॥ असरिसजनआचार ॥ अगनीसरमाश्मकहे ॥ रायप्रमादप्रकार ॥
॥ ९७ ॥ आहारतज्योनहीआदरे ॥ पाम्योआपदपेषि ॥ जावजिवहवेंपरजी
उ ॥ आसादेहउवेखि ॥ ९८ ॥ विनतिहवेकुविनवु ॥ कहेस्योहवेनकांम ॥
तवकुलपतिकहेतेहनें ॥ एहमांहाणिनकाय ॥ ९९ ॥ कालजतांवारजकी
सी ॥ तपसीबोलेतथ्य ॥ पणिनररायनेंउपरि ॥ कोधनकरोएकथ्य ॥१००॥ अपना
सव्वोपूव्वकयाण ॥ कम्माणपावएफलविवाग ॥ अवराहेसुगुणेसुअ ॥ निमीत्तमी
त्तपरोहोइ ॥ १ ॥ दुहा ॥ इमसिखामणदेइनइ ॥ सेवाकाजसकास ॥ तापस

मुंकीकुलपति ॥ पोहनोआसनपास ॥ १ ॥ ढाल ॥ नानोकेनानोनाहलोरे ॥
॥ एदेशी ॥ पारणवेलाअतिक्रमीरे ॥ सासखुंरायनेंताम ॥ लागीवेदनारे ॥ अ
होम्हारीअधन्यतोरे ॥ उत्सवमाथ्युआम ॥ २ ॥ लागी० ॥ आजपिणपा
रणुनवीथयुरे ॥ हैहैप्रगट्युंपाप ॥ ला० ॥ पुछेपासनामनुजनेंरे ॥ आप्यान
आप्यानीताप ॥ ३ ॥ ला० ॥ पोलिकरीनरतेकहेरे ॥ आविगयानीजठोर ॥
॥ ला० जनमउत्सवधामधूममारे ॥ चाल्यूनएहनुजोर ॥ ४ ॥ ला० ॥ रायक
हेम्हेपापीइरे ॥ तपसीनेंकर्योअंतराय ॥ ला० ॥ उदयआपदसणीमुझथयोरे ॥
एदू खमेंनखमाय ॥ ५ ॥ ला० ॥ अल्पपुण्यघरिनवीहोइरे ॥ दृष्टिसलीवसू
धार ॥ ला० ॥ फ्रतोतिहांनवीजइसकुरे ॥ मुखनदेखावुलगार ॥ ला० ॥ ६ ॥
सोमदेवपुरोहीतनेरे ॥ साथेइणिपरिबाण ॥ ला० ॥ अणजांण्योथइतुतिहांरा ॥
जइनेंजोतिणठांण ॥ ला० ॥ ७ ॥ तेहनीषवरकरोतुम्हेरे ॥ स्योकिधोव्यवसा
य ॥ ला० ॥ जोइकहेमुझनीपनुंरे तवतेगयोतिणठाय ॥ ला० ॥ ८ ॥ बहुता
पसथीपरिवर्योरे ॥ मासमथारेबइठ ॥ ला० ॥ अमरषसर्योन्टपनीकथारे ॥
करतोतेंऐदीठ ॥ ९ ॥ ला० ॥ गिरिनदीपासेंतेहनेंरे ॥ विनइकरीप्रणमत ॥ ला०
नामदेइवेचारीउरे ॥ दिइआशीसमहृत ॥ १० ॥ ला० ॥ पूछेपुरोहीततेहनेंरे ॥
किमप्रभुषीणशरीर ॥ ला० ॥ तापसकहेसुणिउवलारे ॥ तपसीहोइधीर ॥ ला०
॥ ११ ॥ पुरोहीतकहेसाचुप्रभुरे ॥ होयतपस्वीनीरीह ॥ ला० ॥ धनधान्यादिक
सहुतज्यारे ॥ पणिनहीधर्मनीदेह ॥ १२ ॥ ला० ॥ आहारमात्रलेवोघटेरे ॥
धरमसधाइजेण ॥ ला० ॥ इणनगरीमाउत्तमवसेरे ॥ आहारदीइहरपेण ॥ ला० ॥
॥ १३ ॥ तृणमणीपथरकनकमारे ॥ सत्रुमीत्रसमभाव ॥ ला० ॥ मोक्षमारग
तुह्मेआदर्योरे ॥ भवजलपोतस्वभाव ॥ ला० ॥ १४ ॥ तुह्मनेंआहारकमीक
सीरे ॥ तापसबोल्योताम ॥ ला० ॥ बातकहीसाचीतुह्मेरे ॥ पणिनरपतिदु ख
ठाम ॥ ला० ॥ १५ ॥ धरमीराजासांभल्योरे ॥ तुम्हेकीमभापोइम ॥ ला० ॥
तपसीबोल्योत्रटकीनेंरे ॥ एहवाधरमीनकेम ॥ ला० ॥ १६ ॥ जीतिदेत्रनें
आवीउरे ॥ तपसीमारणकाज ॥ ला० ॥ सोमदेवचिंतेतदारे ॥ क्रोधचढयोअ

तिआज ॥ ला॰ १७॥ बेगेसयारेदेखीइरे ॥ रामतर्णेमिरखेद ॥ ला॰ ॥ हो
स्येंअएसणआवस्युरे ॥ पामीअतिशयरखेद ॥ ला॰ ॥ १८॥ पुण्योबोलेवा
कमुरे ॥ तिर्णेनहीपुण्णलाग ॥ ला॰ ॥ भएमीउग्योतिहांचकीरे ॥ बालनोकाठ
वाताग ॥ ला॰ ॥ १९॥ फूलकरेनवीउतरेरे ॥ तापसएकतिवार ॥ ला॰ ॥ ते
हनेंपूछेइणीपरेंरे ॥ कहोएकीस्योविचार ॥ ला॰ ॥ २०॥ आमुसरीतेबोलीउ
र ॥ जेयश्वातविस्तार ॥ला॰॥ सांसलीनीजमांनिकगयोरे ॥ सोमदेवतिणवार
॥ २१ ॥ ससलावेसवीरायनेंरे ॥ सूपतिअधीकरवेदाय ॥ ला॰ ॥ चितवेजइ
परसन्नकरूंरे ॥ एतपसीरीषीराय ॥ ला॰ ॥ २२॥ धरमनोअरथीराजवीरे॥
बालतपस्वीनेह ॥ला॰॥ सानमीढालसोहामणीरे ॥ पद्मकहेससनेह ॥ ला॰ ॥
॥२३॥ दुहा ॥ नृपप्रीतउरलेइनें ॥परिजनसार्थेप्रधानापयचारीतपोवनमतें ॥
तपसीमेलनतांम ॥ २४ ॥ पोहनोतेपरीवारथी ॥ जाएयुतापसजांम ॥ कमूं
अगनीशर्माकन्हे ॥ आव्योतूपतीआम ॥ २५॥ कोधानलबलतोकहे ॥ ते
मोकुलपतीनात ॥ तवआव्याकहेतेहनें ॥ विनयनीमुकीवात ॥ २६॥ सो
सोकुलपतीफ्रसफ ॥ सूणज्योसाचीवात ॥ एहअधमराजाइहां ॥ तरूश्रेणी
आयात ॥ २७ ॥ मुखनदेखावेमुफनें ॥ करीइएहदुकांम ॥ जिमपाछोएजा
यतिम ॥ रुठुथाश्रांम ॥ २८॥ ढाल ॥ रामचदकेबाग ॥ एदेशी ॥ कुलपति
चितेएम ॥ एहकषाइहस्योरी ॥ दृष्टीइनहोइराय ॥ तोबरकांमकरस्योरी ॥
॥ २९॥ सनमुखचाल्योजाम ॥ कुलपतिरायतणेंरी ॥ तवपरीवारस्युराय ॥
दीठेखेदघणेंरी ॥ ३०॥ विनइभएमीपाय ॥ आव्रीसत्रीसलहेरी ॥ लसोन्भा
णवजबराय ॥ कुलपतीनामककहेरी ॥ ३१॥ आवोचपकश्रेणि ॥ बेत्रीशति
हांसूमनारी ॥ इमकहीतिहांलेईजाय ॥ आग्रनेंकुग्रातरणारी ॥ ३२॥
धिमलत्रीनापटगभि ॥ कुलपतिबेगजीस्येरी ॥ नरपतीबेगेसूमि ॥ आणाख
हियनिस्येरी॥३३॥ कुलपतिपुछेएम॥किमपयधारीतुमरी॥आव्याएवमिसूमि॥
अचरिजपामूअमेरी ॥३४॥ वलीआर्येपरीबारातवबोल्योसूपतिरी॥पूरूषअथ
मनीवात ॥ कहेविनहीजुगतीरी ॥ ३५ ॥ धरममांहिअतराय ॥ तपसीमेंमें

करयोरी ॥ पापतराणेघोर ॥ हवेकिमसवउतरयोरी ॥ ३६ ॥ अगनीशर्मा ॥
स्वामि ॥ किहांगेतेहकहोरी ॥ देखामोनमुआज ॥ पातिकसर्वदहोरी ॥ ३७॥
कुलपतिबोलेताम ॥ मतसतापकरोरी ॥ तुह्ममाटेनवीकीध ॥ अणसणएहप
रोरी ॥३८॥ अमचोएहआचार ॥ अणसणेदेहतजेरी ॥ चरमवयेंअमलोक ॥
तिर्णेअणसणएतजेरी ॥ ३९ ॥ तवबोलेनरराय ॥ स्युवक्कतुह्मनेंकडूरी ॥ द
रिशणतेहनुस्वामि ॥ एकवारक्कलकूरी ॥ ४० ॥ कुलपतिकहेसुणिराय ॥ एघ
णिवातनहिरी मकरोतसअतराय ॥ ध्यानमांवेगसहीरी ॥ ४१ ॥ वलीअब
सरलहीकोय ॥ दरिशणताशकरोरी ॥ सांभलीबोलेराय ॥ जेतुह्मेआणिधरो
री ॥ ४२ ॥ वलिआविसक्कस्वामि ॥ उठयोइमकहीरी ॥ आमणदूमणोतेह ॥
अवशरएहलहीरी ॥ ४३ ॥ प्रणमीकुलपतीपाय ॥ चाल्योनयरतणीरी ॥ त
वएकतापसआय ॥ वयतसबालपणीरी ॥ ४४ ॥ धरतोपश्चाताप ॥ वानते
शर्वकहेरी ॥ अगनीशर्माअसीभाय ॥ तवपरमार्थलहेरी ॥ ४५ ॥ हवेआव्ये
स्युहोय ॥ कुलपतीकष्टकरेरी ॥ तिर्णेनवीघटतुमुज ॥ रहेवुइणनयरेरी ॥
॥ ४६ ॥ वलीतपसीनीवाणि ॥ श्रवणेंसुणवीपमेरी ॥ जिमतिमबोलेतेह ॥ एघ
णिवातनमेरी ॥ ४७ ॥ पुहुलगननोदिन्न ॥ निजआवासजइरी ॥ जोसीमुल
अभ्यास ॥ कहेतुसुणिनरवइरी ॥ ४८ ॥ कालिमुहूर्त्ततेखास ॥ खितिपइठस
णीरी ॥ साथीसर्वनइवात ॥ कालिप्रयाणतणीरी ॥ ४९ ॥ सेनाकरीचतुरग ॥
चाल्याप्रयाणकरीरी ॥ महिर्नेपोहताठेठि ॥ आव्यातिणनयरीरी ॥ ५० ॥
सिणगारीसवीसहेर॥ पोहतानिजसुधनेरी॥ उछवमहोछवकीध॥ नहिविकल्प
मनेरी ॥ ५१ ॥ सर्वतोसइआवाश ॥ माहिकेलिकरेरी ॥ दिनदूखीजनजेह
॥ तेसक्कनेंउद्धरेरी ॥ ५२ ॥ समरादित्यनोरास ॥ आठमीढालकहीरी॥ पद्मक
हेसुरशाल ॥ आगलवातवहीरी ॥ ५३ ॥ दुहा ॥ इणअवशरउद्यानमा ॥ मा
सकल्पमर्याद ॥ मुनीवरविहारेंम्हालता ॥ पालताअप्रमाद ॥ ५४ ॥ शिष्यस
मुहेंश्रमणनें ॥ सुदरसर्वसरीर ॥ चौनाणीचारित्रीउ ॥ धोरीपरिसहधीर॥५५॥
वयजोवनआव्याव्रती ॥ गुणरयणागरजेह ॥ कुलगररवतीतपकहु ॥ निल

यधर्मनोतेह ॥ ५६ ॥ विजयसेनमुनीश्वरतिहा ॥ सूपतिकुलसमूत ॥ कुसम
पद्मानुढगकरयो ॥ आचारयअद्भूत ॥ ५७ ॥ अशोकदत्तसेठनुंअजब ॥
दिसेचैत्यउद्दाम ॥मागीअवमहंमुनीवरू ॥ उतस्यातिहाआराम ॥ ५८ ॥ ढाल
तोरणथीरथफेरीउरेहा ॥ एदेशी ॥ जिहासहकारसोहामणरिहा ॥ दुर्लभविष
रजणाय ॥ सविजनसांसलो ॥ नीतीघतानरपतिजिस्यारेहां ॥ तेहवासवलस
गाय ॥ सवि० ॥ ५९ ॥ रूपतेवाविकागेरसारेहां॥ सोसेअधोमुखतेह॥सवि०
परस्त्रीदेखणनेंयथारेहां ॥ उत्तमपुरुषसनेह ॥ सवि० ॥ ६० ॥ विषय
प्रसक्तपापमीआरेहां ॥ सोलिवनसोहेतेम ॥ स० ॥ एकअशोकशोसेजआरे
हा॥ कुसूसवसवरजेम ॥स०॥६१॥जिवलोकमनोरथपरेरेहां ॥ बहुविधपाव
पहोय ॥स०॥ हिमगिरीशिपरपरेंग्रहीरेहां ॥ जिनवरचैत्यतेजोय ॥स०॥६२॥
चरणकरणनीसित्तरीरेहा ॥ पालेसजमसार ॥स०॥ शणअवसररराजाहवेरेहां॥
पुछेवातउदार ॥स०॥६३॥ कौतुकविनुतोकहोरेहां ॥ तवनामेंकल्याण ॥स०॥
एकअछेरूजेकहुरेहा ॥ रायसूणोवरजांण ॥स० ॥ ६४ ॥ अशोकवनउद्या
नमरिहां ॥ पाउधारयाऋपीराय ॥स० ॥ जोधनेंकीत्योमारनेंरेहां ॥ सोवन
वरणीकाय ॥ स० ॥ ६५ ॥ जोपिणसगसहुतज्योरेहां ॥ सहुनेकरेउपगार ॥
॥स० ॥ धर्ममुरतीधरीआवीउरेहां ॥ विजयशेनगणधार॥ स० ॥ ६६ ॥ ग
धारदेशनोअधीपतीरेहां ॥ समरसेनराजांन ॥ स० ॥ तेहनोनतुउजांणीइरे
हां ॥ लक्ष्मिसेनसूतजाण ॥ स०॥६७॥ मेंवांधाहरषेकरीरेहां ॥ तवबोलेनर
राय ॥ स० ॥ ताहरोसवसफलोथयोरेहां ॥ तुकृतपुण्यजणाय ॥ ६८ ॥ स० ॥
कृपणिकालेवावस्यूरेहां ॥ ईमहरषेगईरात ॥ स० ॥ आनबरथीवदिआरेहां ॥
साधूसवेपरसात ॥ स० ॥ ६९ ॥ देखीदेखीहरषतोरेहां ॥ पुलकीतथाइतन्न ॥
॥ स० ॥ आणदबाहजलपूरीअरिहां ॥ नयनविकश्वरमन्न ॥ ७० ॥ स० ॥
वलि२प्रणम्योप्रेमस्पूरेहा ॥ मांनेधन्यअवतार ॥स०॥ धर्मलासदिघोगुरेरेहां ॥
शाश्वतसूखदातार ॥ स० ॥ ७१ ॥ चितासीदीवघूतणीरेहां ॥ तिणेंपूर्वलक्षपु
तन्न ॥ स० ॥ अठारसहससिलसारथीरेहां ॥ नविपेवायुमन्न ॥ ७२ ॥ स० ॥

एहवामुनीवरप्रणमीउरेहा ॥ वेगेगुरूनेंपाय ॥ स० ॥ रुपचरीत्रदेखीकरी रेहां ॥ मनमांविस्मीतथाय ॥ ७३॥स०॥ पुछेराज्यछोमीकरीरेहां ॥ किमली घोव्रतसार ॥ स० ॥ स्योवैराग्यतेउपनोरेहा ॥ किमछंम्योसत्रार।स०॥७४॥ मुनीवरकहेसुणिनरपतिरेहां ॥ स्यूपूछेवैराग ॥ स० ॥ जेसत्रारमादेखीश्रेहा॥ तेवैराग्यमहाभाग ॥ स० ॥ ७५ ॥ गमि२ निरवेदछेरेहा॥ चिहूंगतिमाससा लि ॥ स० ॥ जनममरणनहीकेहनेंरेहा ॥ सघलानेश्रिरकाल ॥ स० ॥ ७६ ॥ लषमीअथीरनवीसूखदिश्रेहा ॥ आम्योसूकरीपून्य ॥ स० ॥ जावुकिणछामें वलीरेहा ॥ एहानेंपिणसून्य ॥ स० ॥ ७७ ॥ वलीमानवनोभवसलोरेहां ॥ रयणचिंतामणीतुल ॥ स० ॥ मासअणीजलजेहवुरेहा ॥ जिवीतहारेयुल ॥ ॥ स० ॥ ७८ ॥ कुपित्तसूजगमसारिषारेहां ॥ कामभोगसत्रार ॥ स० ॥ गजकर्णवीजपचलयथारेहां ॥ ऋद्धिसारदजलधार ॥ स० ॥ ७९॥ तपचा रीत्रनआदरयेरेहा ॥ तेनरदूरगतीजाय ॥ स० ॥ पामेवीपाकवीहामणरिहां ॥ नारकतिरीगतीथाय ॥ स० ॥ ८० ॥ बहूदूखेंकरीवलीरझोरेहा ॥ रोगसोगवि प्रयोग ॥ स० ॥ सवनाटिकनाटिकसमुरेहां ॥ रिझीकरेमुळलोग ।स०॥८१॥ मोक्षसाधनतिणेसाधीश्रेहां ॥ एछ रकटालणहार॥ स० ॥ एमुझनिमीत्तवैरा ग्यनुरेहां ॥ सामान्येंगसार॥ स० ॥ ८२ ॥ वलिअविशेषसुणिमाहरूरेहा ॥ जेहचारीत्रनिमीत्त ॥ स० ॥ नवमीढालेपदमकहेरेहा ॥ मुनीवरचरीत्रपवित्र ।स०॥८३॥छहा॥जबुद्विपभरणविजयमा॥वैताछगधारउदाम॥निवसूगधारनयरी श॥तिणपुरिश्मुझनांम ॥८४॥मित्रएकतीहांमाहरे ॥ सोमवसुसुतसार ॥ वि सावसूधणवालहो ॥ पुरोहीतप्राणआधार ॥ ८५ ॥ एकदिनतेआनकथी ॥ देवेंदीधोदम ॥ मरणलहोमुझदेखतां ॥ छ खतेविधभचम ॥८६॥ ढाल ॥ झांझ रीआमुनीवरघन २ तुंभअवतार ॥ एदेशी ॥ भणअवसरतिहाआवियाजी॥ विचरतामुनीवरच्यार ॥ चोमासूरहेवासणीजी ॥ करताउग्रविहार ॥ ८७ ॥ सवीभावधरीनेंवदोएअणगार ॥ आंकणी ॥ गधारपर्वतनीगुफाजी॥ तिहा आवीनेंगय ॥ मुनीमुझनेंवाहलाघणाजी ॥ चरपुरसेंकसुआय ॥ ८८॥

॥ सधि० ॥ रूपणेजीप्रगयोनीहांजी ॥ दिराकरतांसठाय ॥
रीजी ॥ आएदअगनमाय ॥ ८॥ सबी० ॥ परमजासदिघोतिर्थंकी
ठीम्हेंसखजात ॥ चदिनेरूपांगयोजी ॥ नितकरुएअवदान ॥
वी०॥ मासपमएनेपारणजी॥करेप्यागमुनीराय॥
मुक्तिहासमकीतयाय ॥ ९१ ॥ सवी० ॥ प्यागमासतेवहिगयाजी
णीशंचितव्युश्म ॥ कालेमहातपसीजस्येजी ॥ तवकरस्यूकहोकम
॥ स० ॥ वदननिमित्तेंचालीउंजी ॥ प्यारघमीलेश्गति ॥ योगीसूमीमयोलेव
लेजी ॥ आव्योसुरलीतववात ॥ ९२ ॥अजुआलूगगनेंमयुजी ॥ गाव्योगीत
गघार ॥ प्रचलीतिहांवसुधराजी ॥ जयजयरववित्तार ॥ ९३ ॥ सबी०
अधीकहर्षतवमुक्थयोजी ॥ आगलिजाउजाम ॥ पृथविसमकरीनेंतिहांजी
काढ्यांतृणादिकताम ॥ ९४ ॥ सवी० ॥ गघोदकवरसेतिहाजी ॥ पुष्प
वृष्टीवलीथाय ॥ योके ४ देवताजि ॥ आविलतवनाकराय ॥ ९५ ॥सबी०
मानवलवलेंपामीयाजी ॥ पयकरचारागनेंदोस॥कर्मसेन्यजीत्युतुम्हेंजी ॥
सघआयरकस्योसोस ॥ ९७ ॥ सबी० ॥ श्मसांतलीमेंचितव्यूजी ॥ मुक्ष
साकेवलज्ञांन ॥ जन्ममरणदु खकापीयांजी ॥ पाम्याशाश्वतथान ॥
॥ सवी० ॥ रयणसिंहासनसुररचेंजी ॥ बेठाशांतस्वरूप ॥ मुक्तिवतगुणगण
तणांजि ॥ मुचोसक्समयकुप ॥ ९९ ॥ सबी० ॥ मेंकीघोदेखीकरिजी ॥ नि
श्चयनहीसंदेह ॥ रोमांचितथश्मणमीउंजी ॥ हर्षनमाइदेह ॥ २०० ॥स०॥
केवलीश्तीहांदिश्नाजी ॥ दिधीकरीवीस्तार ॥ निज ४ संदेहपुछताजी ॥ सु
रनरनावकवार ॥२१॥ सवी० ॥ मेंपणिमनमांचितव्यूजी ॥ पुछुमुक्तदेह ॥
विसावसुकिहांउपनोजी ॥ वालेजेमुकदेह ॥२२॥ सबी० ॥ पुछ्युश्मम्हेंचि
तवीजी ॥ स्वामीभयोकेश्काल ॥ माहरोमीप्रमुक्देखतांजी ॥ततषिणथयोवी
शराल ॥२३॥ सबी० ॥ किहांजश्नेंतेउपनोजी ॥ हिवणांप्रनुसवेंकांय ॥ जि
नमतजाणकरखरोजी ॥ पणिमुकदु खकिमथाय ॥२४॥ सबी० ॥ केवलीक
हेतुम्हेंसांसलोजी ॥ एहनासवविकराल ॥ घर्मकरयाविणमांणीयाजी ॥ कि

मलहेसूखअसराल ॥ ५ ॥ सवी० ॥ समरादित्यनारासमांजी ॥ सारवीएदश मीढाल ॥ पद्मवीजयकहेसासलोजी ॥ केवलीवचनरसाल ॥ ६ ॥ सवी० ॥

॥ दुहा ॥ रजकएकश्रणनयरमा ॥ ऊसदिन्नश्रणनांम ॥ स्वानीमघूपेगावर्से ॥ तेहनेंगरसेंताम ॥ ७ ॥ तपनोस्वानपर्णेश्हा ॥ रक्तुश्वांध्योरद्द ॥ सूप्योतरस्योरा सली ॥ निकटेंवरतोनद्द ॥ ८ ॥ रासलीपाटुप्रहारथी ॥ सयपामेंअतिसीत ॥ हवणांअनुसवेएहवु ॥ पणितुऽपुरवप्रीति ॥ ९ ॥ पुष्करअरधकुसमपुरें ॥ सरतषेत्रमांसाव ॥ कुसूमश्रारतुतिहाकिर्णे ॥ सेठसवेसीरदाव ॥ १० ॥ श्री कातारएस्त्रीहती ॥ नफ्रीतेतेहसनेह ॥ पोतानाजेपुरुषते ॥ तेमणमुकेतेह ॥ ॥ ११ ॥ ढाल ॥ दासअरदासंसीपरिकरेजी ॥ एदेशी ॥ तेहचाकरउसदिन्न घरेजी ॥ जश्नेमुकावीउस्वान ॥ आहारनेंपानदिघूवलीजी ॥ लेश्आव्यानि जथांन ॥ १२ ॥ जुउजुउकर्मविचित्रताजी ॥ एआकणी ॥ कृमिकुलेंव्या पीतदेहमीजी ॥ वज्ररेचांदांपमव्यातास ॥ षिणतनुरूधीरअगेंझरेजी ॥ गति अतीमदछेजास ॥ १३ ॥ जुउ० ॥ नजरेंआवेतेदतावलीजी ॥ काढतोजी सवीकराल ॥ देषीसवेगमुऽउपनोजी ॥ अहो २ सवचक्रवाल ॥ १४ ॥ जु० ॥ स्वानपिणपुढहलावतोजी ॥ वाहजलसरीयतेनयण ॥ देषीमुऽनेंतेउन्हाइउ जी ॥ नविकहेवाश्तेवयण ॥ १५ ॥ जुउ ॥ ज्ञानीनेंपुछ्युतवतेकहेजी ॥ पूर वसवनोएप्रेम ॥ वातविशेषजाणेंनहीजी ॥ पणिएसामान्यथीश्म ॥ १६ ॥ जुउ० ॥ एहस्वसावसथारनोजी ॥ आवेजेकीधोअत्यास ॥ कोईककाल अनासोगथीजी ॥ पोहचेपुरवतणीवास ॥ १७ ॥ जुउ० ॥ पुछ्युम्हेंस्वामीकु णकर्मथीजी ॥ पामीउएहविवाग ॥ जातिमदथीकेवलीकहेजी ॥ पुछीउतू म्हेंधरीलाग ॥ १८ ॥ जुउ० ॥ कुणअसीमांनश्र्णेकस्युजी ॥ वोलीआतवगुणवत ॥ अनतरसवेंगणीकातणांजी ॥ ददरमवानीकसत ॥ १९ ॥ जुउ० ॥ तरुणज नददस्युपरिवरीजी ॥ अनुसवेवशतनीक्रीम ॥ श्णसमेरजकनीचरीजी ॥ निकलीषईतसपीम ॥ २० ॥ जुउ ॥ जातिकुसवलगरवेंकरीजी ॥ किमजा र्शनिचअमपास ॥ दोपअज्ञानथींचितवेजी ॥ किधीकदर्थनातास ॥ २१ ॥

॥ जुउ० ॥ उसदिन्नमुख्यतेहमांअछेजी ॥ जकनीबाध्योदृढबंध ॥ बविचाले मोकलावीउजी ॥ श्मकस्योबङ्गलतिणेधङ्ग ॥ १२ ॥ जुउ ॥ मानपरिणामेमां वसयकीजी ॥ बांधीउअसुसतिहांआय॥ नयरलोकेंउसदिन्ननेंजी ॥ ठेम्भा ब्योकरीसूपसाय ॥ १३ ॥ जुउ० ॥ वेश्यातेकर्मथीकुतरोजी ॥ उपनोइंएस वएह ॥ सासलिमेंतिहांचितव्यूजी ॥ अहोसञ्चारदूखगेह ॥ १४ ॥ जुउ० ॥ म्हेंकरजोमीनेंपुछीउजी ॥ कबएहकर्मनोअत॥ सम्यअसम्यकेकिमप्रसूजी॥ साधिश्मुञ्जसगवत ॥ १५ ॥ जुउ० ॥ पामीउबीजकेएनहीजी ॥ तवकहे गुरूगुणवत ॥ सासलोतेहविस्तारथीजी ॥ जिमएहकर्मनोअत ॥१६॥ जुउ ॥ उसदिन्नघरिएकरासतीजी ॥तेहनीकुर्पेएखान ॥ उपजस्येएगर्दसपणेजी ॥ सारखहतोअप्रमाण ॥ १७ ॥ जुउ० ॥ छेद्यपमतोबङ्गतिहांकणेंजी ॥ का लकरीनेंतसगेह ॥ माईदिन्नचमालसारयाजी॥ अणहिगाकुर्पेरसोएह ॥१८ ॥ जुउ० ॥ तेहनपुसकनीपनोजी ॥ रुपदौर्लाग्यवेपाय ॥ सिहेमारयोवलीते हनीजी ॥ कुर्पेचमालणीथाय ॥ १९ ॥ जु० ॥ नागमसीउंबालकालमोजी ॥ मरीवलीउसदिन्नधाम॥ दत्तिआदासीकुर्पेययोजी॥ जातीअधनपुत्रक ताम॥ ॥ २० ॥ जु० ॥ वामणोनेंसङ्गपरिखवेजी ॥ श्णसमेंनयरनोदाह ॥ तेहमांम रिवलीतहनीजी ॥ कुर्पेस्त्रीसपतणोलाह ॥ २१ ॥ जु० ॥ राजमार्गेहएयोहा थीश्जी ॥ तिणेंकरयोतीहांयकीकाख॥ हवेतेहरजकनीसारजाजी ॥ कालज णीनामेंनीहाल ॥ २२ ॥ जुउ० ॥ तासकुर्पेयईपुत्रीकाजी ॥ पामीहवेजोबन वेद ॥ उसरस्त्रीतनामिरजकनेंजी ॥ दरीद्रनेंदिधीमहाषेद ॥ २३ ॥ गर्सवतीथ ईअनुक्रमेंजी ॥ प्रसवनीवेदनातास ॥ पचत्वपामीनीजमातनीजी ॥ कुर्पेउ पनोसुतपास ॥ २४ ॥ जु० ॥ तेहवेबालककालमांजी॥ गधारसरितानेंतीर ॥ रमतोगयोतिहांकिणेजी ॥ जेहमांउमाबङ्गनीर ॥ २५ ॥ जु० ॥ उसदिन्नस घुएकतिणसमेजी ॥ आवीउंनामथिलात ॥ कोटेशिलाबांधीषेपवीजी ॥ नवी अमांकरस्येघात ॥ २६ ॥ जु० ॥ जातिमदथीश्णिबांधीउजी ॥ कर्मनोए अवसान ॥ सम्यनेंसिद्धीगामीपरोजी॥ पएनलसोविजतांन ॥ २७ ॥ जु० ॥

वांधतांकर्मदीसेनहीजी ॥ भोगवतांमहाडख्ख ॥ ढालइग्यारमीइमकहीजी ॥
पद्मकहेधर्म्मेथीसुख्ख ॥ ३९ ॥जु०॥
॥ दुहा ॥ आचारयकहेपुछीउ ॥ म्हेकेवलीनेंतांम ॥ जलमरणेंजास्येकही ॥
कबसमकीतकिणठाम ॥ ३९ ॥ केवलीकहेसुणितिहांथकी ॥ पांमीसु
सपरीणांम ॥ सुरवरव्यंतरथायस्ये ॥ आगमकालेंआम ॥ ४० ॥ तिणेंसव
मांतिरथपती ॥ आणदइणअसीधान ॥ पासेंसमकीतपामीउ ॥ सुरतरूसीद्दी
समान ॥४१॥ चउगइभ्रमणसमीकरी ॥ सांसलिसवसख्यात ॥ इणगधारहज
णवइ ॥ थास्येप्रथवीनाथ ॥ ४२ ॥ विद्याधरवैरागीआ ॥ अमरतेजअणगा
र ॥ तेहनेंपासेंव्रतलेइ ॥ पालस्येप्रीतिअपार ॥ ४३ ॥ केवलज्ञानलहीकरी
॥ पांमस्येसवनोपार ॥ सांसलीनेंक्रुसमकीउ ॥ रागगयोससार ॥ ४४ ॥ एवै
राग्येंआदस्यु ॥ पुछिमातपीताय ॥ चारित्रचोखेंचित्तस्यु ॥ इन्द्रदत्तगुरुपाय ॥
॥ ४५ ॥ विजयसेनगुरुवर्णव्यो ॥ बारुनीजवैराग ॥ साचुकहेगुणवोनसुणी
सलातुम्हेमहासाग ॥ ४६ ॥ पणितुम्हेसाध्युपुरवें ॥ मोख्खनुआधनमुख्ख ॥ मो
ख्खनुसाधनकहोमुनें ॥ जेहहोइअबीरुख्ख ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ हसलानी ॥ एदे
शी ॥ मोरासाहिवहो ॥ श्रीशीतलननाथके ॥ एदेशी ॥ सुरिसाषेहो ॥ सांस
लिनरनाहके ॥ मोख्खथानिकशाश्वतकह्य ॥ जरामरणनेंहो ॥ नहीजनमनेंरोग
के ॥ शोकादिकउपद्रवसह्य ॥ ४८ ॥ नाणदरिशणहो ॥ छेजाससरूपके ॥ चौद
राज्यशिरजेरह्या ॥ हवेशांसलिहो ॥ कह्युनासउपायके॥ नाणदर्शनचरणजक
ह्या ॥ ४९ ॥ विह्वसेंदेहो ॥ साधूश्रावकधर्म्मके ॥ बारप्रकारगृहीतणो॥ पाच
अणव्रतहो ॥ त्रणगुणव्रतसारके ॥ च्यारशिक्षाव्रतइमगणो ॥ ५० ॥ मुनीरा
जनोहो ॥ दशविधजतिधर्मके॥ दोयनुमुलदर्शनसणो ॥ जेडलेसहो ॥ प्राणीव
सकर्मके ॥ तेहकर्मआठजसुणो ॥ ५१ ॥ ज्ञानावरणनेंहो ॥ वलीदर्शनावर
णके ॥ वेदनीमोहआयुवली ॥ नामगोत्रनेंहो॥ अतरायएआठके ॥ एहनाहे
तुकहेकेवली ॥ ५२ ॥ मीछ्अन्नाणहो ॥ अविरतिनेंप्रमादके ॥ वलिकखाय
जोगजाणीइ ॥ थिइदूविहाहो ॥ उक्कोसजहन्नके ॥ एकपरीणामेंतेआंणीइ ॥

॥ जुउ० ॥ उसदिन्नमुख्यतेहमांअगेजी ॥ जकमीबांध्योदढबध ॥ बहिवायें मोकलावीउंजी ॥ इमकस्योबहुलतिणेंधस्र ॥ १२ ॥ जुउ ॥ मानपरिणामेंनी वसयकीजी ॥ बांधीउअसुत्ततिहांआय॥ नयरलोकेंउसदिन्ननेंजी ॥ तेमा ध्योकरीसूपसाय ॥ १३ ॥ जुउ० ॥ वेश्यातेकर्मथीकुतरोजी ॥ उपनोईसस वएह ॥ सांसलिमेंतिहांचितव्यूजी ॥ अहोसअरदूखगेह ॥ १४ ॥ जुउ० ॥ म्हेंकरजोमीनेंपुछीउजी ॥ कबएहकर्मनोअत॥ सव्यअसव्यकेकिमप्रसूजी॥ साधिरमुनसगवत ॥ १५ ॥ जुउ० ॥ पामीउंबीजकेएनहीजी ॥ तबकहे गुरुगुणवत ॥ सासलोतेहविस्तारथीजी ॥ जिमएहकर्मनोअत ॥ १६ ॥ जुउ ॥ उसदिन्नघरिएकरासलीजी ॥तेहनीकुर्षेएखान ॥ उपजस्येएगर्इसपणेजी ॥ सारवहतोअप्रमाण ॥ १७ ॥ जुउ० ॥ क्लेशपमतोबहुतिहांकणेंजी ॥ का लकरीनेंतसगेह ॥ माईदिन्नचमालसारयाजी॥ अणहिंगाकुर्षेरसोएह ॥ १८ ॥ जुउ० ॥ तेहनपुसकनीपनोजी ॥ रुपदौर्भाग्यदेपाय ॥ सिहेंमास्योबलीते हनीजी ॥ कुर्षेचमालणीथाय ॥ १९ ॥ जु० ॥ नागमसीउंबालकालमांजी ॥ मरीवलीउसदिन्नधांम॥ दत्तिआदासीकुर्षेथयोजी॥ जातीअधनपुत्रकतांम॥ ॥ २० ॥ जु० ॥ वामणोनेंसहुपरिसवेजी ॥ इणसमेंनयरनोदाह ॥ तेहमांम रिवलीतहनीजी ॥ कुर्षेस्त्रीसवतणोलाह ॥ २१ ॥ जु० ॥ राजमार्गेहण्योहा थीइजी ॥ तिणेंकरथोतीहायकीकाल॥ हुयेतेहरजकनीसारजाजी ॥ कालज णीनांमेंनीहाल ॥ २२ ॥ जुउ० ॥ तासकुर्षेथईपुत्रीकाजी ॥ पांमीहवेजोबन वेद ॥ उसरस्तीतनामिरजकनेंजी ॥ दरीद्रनेंविधीमहाषेद ॥ २३ ॥ गर्सवतीथ ईअनुक्रमेंजी ॥ प्रसवनीवेदनातास ॥ पचत्सपामीनीजमातनीजी ॥ कुर्षेउ पनोसुतषास ॥ २४ ॥ जु० ॥ तेहवेबालककालमांजी॥ गयारसरितानेंतीर ॥ रमतोगयोतिहांकिणेजी ॥ जेहमांउमाबहुनीर ॥ २५ ॥ जु० ॥ उसदिन्नस घुएकतिणसमेजी ॥ आवीउंनांमचिलात ॥ कोटेशिलाबांधीथेपबीजी ॥ नदी अमाकरस्येघात ॥ २६ ॥ जु० ॥ जातिमदथीइणिबांधीउजी ॥ कर्मनोए अवसान ॥ सव्यनेंसिद्धीगामीथरोजी॥ पणनलह्योविजतांन ॥ २७ ॥ जु० ॥

बांधताकर्मदीसेनहीजी ॥ भोगवतांमहादुखक ॥ ढालइग्यारमीइमकहीजी ॥ पद्मकहेधर्म्मथीसुखक ॥ ३८॥जु०॥

॥ दुहा ॥ आचारयकहेपुछीउ ॥ म्हेकेवलीनेंताम ॥ जन्ममरणेंजास्येकही ॥ कबसमकीतकिणगंम ॥ ३९ ॥ केवलीकहेसुणितिहांथकी ॥ पामीसु सपरीणांम ॥ सुरवरभ्यतरथायस्ये ॥ आगमकालेंग्राम ॥ ४० ॥ तिणेंसव मांतिरथपती ॥ आणदइणअसीधान ॥ पासेंसमकीतपामीउ ॥ सुरतरुसीद्धी समान ॥४१॥ चउगइभ्रमणसमीकरी ॥ सासलिसवसरथ्यात ॥इणगधारहज णवइ ॥ थास्येप्रथवीनाथ ॥ ४२ ॥ विद्याधरवैरागीआ ॥ अमरतेजअणगा र ॥ तेहनेंपासेंव्रतलेइ ॥ पालस्येप्रीतिअपार ॥ ४३ ॥ केवलज्ञानलहीकरी ॥ पांमस्येभवनोपार ॥ सासलीनेंइसमजीउ ॥ रागगयोससार ॥ ४४ ॥ एवै राग्येंआदरयु ॥ पुछिमातपीताय ॥ चारित्रचोखेंचित्तस्यु ॥ इन्द्रदत्तगुरुपाय ॥ ॥ ४५ ॥ विजयसेनगुरुवर्णव्यो ॥ वारुनीजवैराग ॥ साचुकहेगुणगेनसुणी सलातुम्हेमहासाग ॥ ४६ ॥ पणितुम्हेसाध्युपुरवें ॥ मोक्षनुसाधनमुज ॥ मो क्षनुसाधनकहोमुनें ॥ जेहहोइअवीरुज ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ हसलानी ॥ एदे शी ॥ मोरासाहिवहो ॥ श्रीशीतलननाथके ॥ एदेशी ॥ सूरिसापेहो ॥ सांस लिनरनाहके ॥ मोक्षथानिकशाश्वतकह्यु ॥ जरामरणनेहो ॥ नहीजनमनेंरोग के ॥ शोकादिकउपद्रवसहु ॥ ४८ ॥ नाणदरिशणहो ॥ छेजाससरूपके ॥ चौद राज्यशिरजेरह्या ॥ हवेशासलिहो ॥ कह्युनासउपायके॥ नाणदर्शनचरणजक ह्यां ॥ ४९ ॥ विहुभेदेंहो ॥ साधूश्रावकधर्म्मके ॥ वारप्रकारगृहीतणो॥ पांच अणुव्रतहो ॥ त्रणगुणव्रतसारके ॥ च्यारशिक्षाव्रतइमगणो ॥ ५० ॥ मुनीरा जनोहो ॥ दशविधजतिधर्मके॥ दोयनुमुलदर्शनसणो ॥ जेदुर्लभहो ॥ प्राणीव सकर्मके ॥ तेहकर्मआठजसुणो ॥ ५१ ॥ ज्ञानावरणनेंहो ॥ वलीदर्शनावर णके ॥ वेदनीमोहआयुवली ॥ नामगोत्रनेंहो॥ अतरायएआठके ॥ एहनाहे तुकहेकेवली ॥ ५२ ॥ मीछअन्नाणहो ॥ अविरतिनेंप्रमादके ॥ वलिकखाय जोगजांणीइ ॥ छिदूविहाहो ॥ उकोसजहन्नके ॥ एकपरीणामेंतेआंणीइ ॥

॥५३॥ तिव्रपरिणामेहो ॥ उत्कृष्टबंधायके ॥ आदित्रणनेअंतरायनी ॥ त्रिश
सागरहोकोडाकोडीजाणके ॥ तेत्रीशसागरआयनी ॥ ५४ ॥ सीत्तेरनीहोमो
हनीकोडाकोडिके ॥ विशकोडाकोडीशेसनी॥मध्यमनाहो॥होयबहुपरकार
के ॥ थितीपरिणामविशेसनी ॥ ५५ ॥ आठ१२नीहो ॥ नामगोत्रमुहूर्तके
वेदनीयनीवारते ॥ शेपनीसीन्नहो ॥ मुहूर्त्तजहन्नके ॥ थितिबांधेएकवारनें
॥५६॥ घसनानेंहो ॥ घोलनापरकारके॥यथाप्रवृत्तकरणेकरी ॥ बहुपयकरे
हो ॥ आयुविनसगकर्मके ॥ कोडाकोडीएकजधरी ॥ ५७ ॥ इत्यादिकहो
विधिगठिभेदके ॥ रागद्वेषनीआकरी ॥ पामेसमकितहो ॥ करीअनीवृत्तिक
रणके ॥ छोडवेमोहनीचाकरी ॥ ५८ ॥ यत ॥ जांगठितापढम ॥ गठिसमइ
छत्तसवेबीय ॥ अनीअट्टिकरणपुण ॥समत्तपुरेरकमेजिवे ॥१॥ समसवेगहो॥
निरवेदअनुकंपके ॥ इत्यादिविस्तारबहु ॥ त्रणकरणनोहो ॥ कसोबहुअधी
कारके॥कर्मपयमीथीजाणोसहु ॥ ५९ ॥ अपराधीहो ॥ उपरिपणिक्रोध
के ॥ नकरेजाणीवीपाकनें ॥ चक्रीशक्रनांहो ॥ सूखतेदुखरूपके ॥ जाणे
तुल्यकिपाकनें ॥ ६० ॥ शिवसुखविणहो ॥ नविछेअन्यके ॥ अनुकंपाड
खीनीकरे ॥ द्रव्यसावथीहो ॥ होयशुभपरिणामके ॥ शकादिकदूषणहरे
॥ ६१ ॥ वलीजाणेंहो ॥ सत्यनेंनीश्शंकके ॥ जेजिनवरसाषीगया ॥ थोडा
कालमांहो ॥ एहवाजेजीवके ॥अव्याबाधसूखीथया॥ ६२ ॥ तेहसमकिती
हो ॥ अनुक्रमेंदेशविरतिके ॥ तसथुलव्रतअंगीकरे ॥ बारव्रतनेंहो ॥ तेहना
अतीचारके ॥ बधबधादीकनविधरे ॥ ६३ ॥ व्रतसंगाहो॥कोडयोगमेथायके
तेहसवीदेशवीरतीगणो ॥ तेहवातोहो ॥ बहुशास्त्रमझारिके ॥ इहांथाइथप
जघणो ॥ ६४ ॥ हलुउंयइहो ॥ अनुकर्मेजीवके ॥ सख्यसागरथयजबक
रे ॥ तबसंजमहो ॥ कोइउपसमश्रेणीके ॥ कोईषपकश्रेणीकरे॥६५॥यत॥
सणियचसमत्तमिउलधे ॥ पलीअपुहुत्तेणसावउंहोद्धा ॥ चरणोवसमप
याण ॥ सागरसखतराहुती ॥ ६६ ॥ पूर्वकाल ॥ पूरीषपकनीहो ॥ थाइजब
श्रेणिके ॥ घातिपइकेवलसहे ॥ अघातीहों ॥ करीकर्मनोघातके ॥ साविश्व

नतसूखमांरहे ॥ ६७ ॥ इमसांसलीहोगुणसेनराजानके ॥ शुभपरिणांमअ
नलेंदहें ॥ कर्म्मश्घणांहो ॥ बालीसमकीत्तके ॥ देशवीरतीसावेंलहे ॥ ६८ ॥
करजोमीहो ॥ कहेप्रभसूधन्यके ॥ जिणेंतुम्हवयणासांसल्या ॥ रागविषनुहो ॥
जेटालणहारके ॥ पापपकजलसममल्या ॥ ६९ ॥ ढालबारमीहो ॥ समरा
दित्यराशके ॥ साषीएहसोहामणी ॥ पद्मवीजयेंहो ॥ समकीतदेशविरतिके ॥
पामवाजीमहोयसूरमणी ॥ ७० ॥ डहा ॥ करजोमीनरपतिकहे ॥ विजयशे
नर्नेवांणि ॥ गृहस्थधर्म्मगुणशेनर्ने ॥ उच्चरावोप्रभूआणि ॥ ७१ ॥ अणुव्रत
तसउचराविया ॥ साचांसमकीतमुल ॥ बहुविधीतासवतावीउ ॥ नरपतिर्ने
अनुकुल ॥ ७२ ॥ प्रणमीगुरूपरिवारस्यू ॥ गयोतेआपणगेह ॥ सोजनकरी
घलीसावस्यू ॥ पोहतोगुरूपायतेह ॥ ७३ ॥ वलिसेवाकरीआदीउ ॥ उसय
कालनितएम ॥ सांसलेगुरुवांणीसदा ॥ मासगयोइमप्रेम ॥ ७४ ॥ समकोध
र्म्मसारीपढें ॥ विजयशेनकरेविहार ॥ धर्म्मकरेघरणिपती ॥ पुरेपुण्यप्रका
र ॥ ७५ ॥ ढाल ॥ मुनीमनसरोवरहंशलो ॥ एदेशी ॥ एकदिनेंहवेतेहनरप
ती ॥ बेगेजुश्तमासोरे ॥ देषेतिहांसवनरतणू ॥ पामेंअतिअविषासोरे ॥
॥ ७६ ॥ अथीरससारइणिपरि ॥ एआंकणी ॥ प्यारजणेंतेउपाडीउ ॥ बघू
जनपरिवाररे ॥ करेआक्रदअतिघणो ॥ पणिनवीकरेकोईसाररे ॥ ७७ ॥अथी॥
सवेगसावीतजीवर्ने ॥ उपजेसहुश्रजालरे ॥ मृतकर्मिमिमवाजतू ॥ जागवे
बालगोपालरे ॥ ७८ ॥ अथी० ॥ देषीनेंनरपतिचितवें ॥ धर्मध्यानजसचि
त्तोरे ॥ अम्हपणिइणपरिंहोयस्यें ॥ एसशारविचित्तोरे ॥ ७९ ॥ अथि० ॥
मरणधर्मासहुप्राणिआ ॥ हाहासवगयोआलेरे ॥ नरपतीसूरपतीसहुजना ॥
नथिदिशेकोइकालेरे ॥ ८० ॥ अथी० ॥ धन्यतेसेठसेनापती ॥ चिंतामणीस
मजाणीरे ॥ घरछामीव्रतआदरे ॥ धन २ तासकमाणीरे ॥ ८१ ॥ अथी० ॥
दिखालेईव्रतपालता ॥ शुधमांनलिइआहाररे ॥ दोषवेंतालीशटालता ॥ धनते
हनोअवताररे ॥ ८२ ॥ अथी० ॥ सजोजनादिकदोषजे ॥ पांचकह्याजिन
राजेंरे ॥ दोसनलगावेतेहमां ॥ जगमासहुसिरगाजेरे ॥ ८३ ॥ अथी० ॥ पां

॥५३॥ तिव्रपरिणामेंहो ॥ उत्कृष्टबधायके ॥ आदित्रणनेंअतरायनी ॥ विश सागरहोकोमाकोमीजांणके ॥ तेत्रीशसागरआयनी ॥ ५४ ॥ सीत्तेरनीहोमो हनीकोमाकोमिके ॥ विशकोमाकोमीगोत्तनी॥मध्यमनाहो॥होयबहुपरकार के ॥ थितीपरिणामविशेसनी ॥ ५५ ॥ आठ'र नीहो ॥ नामगोत्रमुहूर्त्तके वेदनीयनीवारते ॥ शेपनीतीन्नहो ॥ मुहूर्त्तजहन्नके ॥ थितिबाधेएकवारतें ॥५६॥ घसनानेंहो ॥ घोलनापरकारके ॥यथाप्रवृत्तकरणेकरी ॥ बहुपयकरे हो ॥ आयुविनसगकर्मके ॥ कोमाकोमीएकजधरी ॥ ५७ ॥ इत्यादिकहो विधिगठिसेदके ॥ रागद्वेपनीआकरी ॥ पामेसमकितहो ॥ करीअनीवृत्तिक रणके ॥ ठेमवेमोहनीचाकरी ॥ ५८ ॥ यत ॥ जांगठितापढम ॥ गंठिसमइ उत्तसवेवीय ॥ अनीअदिकरणपुण ॥समत्तपुरेरकमेजिवे ॥१॥ समसवेदहो॥ निरवेदअनुकपके ॥ इत्यादिविस्तारबहु ॥ त्रणकरणनेहो ॥ कसोबहुअधी कारके॥कर्मपयमीथीजाणोसहु ॥ ५९ ॥ अपराधीहो ॥ उपरिपणिकोध के ॥ नकरेजाणीवीपाकनें ॥ चक्रीशक्रनांहो ॥ सूखतेउखरूपके ॥ जाणें तुल्यकिपाकनें ॥ ६० ॥ शिवसुखविणहो ॥ नविइछेअन्यके ॥ अनुकपाउ खीनीकरे ॥ द्रव्यसावथीहो ॥ होयशुलपरिणामके ॥ चकादिकउपणहरे ॥ ६१ ॥ वलीजाणेंहो ॥ सत्यनेंनीशकके ॥ जेजिनवरताषीगया ॥ थोमा कालमांहो ॥ एहवाजेजीवके ॥अव्याबाधसूखीथया॥ ६२॥ तेहसमकिती हो ॥ अनुक्रमेंदेशविरतिके ॥ तवयुलव्रतअगीकरे ॥ बारव्रतनेंहो ॥ तेहना अतीचारके ॥ वधबधादीकनविधरे ॥ ६३॥ व्रतसंगाहो॥ कोमयोगमेथायके तेहसर्वविशवीरतीगणो ॥ तेहथातोहो ॥ बहुआत्ममज्ञारिके ॥ इहाथाइथ जयणो ॥ ६४ ॥ हुदुरंयशहो ॥ अनुकर्मेजीवके ॥ सख्यसागरषयजवक रे ॥ तवसंजमहो ॥ कोइउपसमश्रेणीके ॥ कोईषपकश्रेणीकरे॥६५॥ यत ॥ सम्यचसमत्तमिउलद्धे ॥ पलीअपुहुत्तेणसावर्तहोज्जा ॥ चरणोवसमष याण ॥ सागरसखतराहुती ॥ ६६ ॥ पूर्वदास ॥ पूरीषपकनीहो ॥ थाइजव श्रेणिके ॥ घातिपइकेवललहे ॥ अघातीहो ॥ करीकर्मनोघातके ॥ सादिअ

या ॥ अममांबुधीघणेरीरे ॥ पणिअम्हेमरणवारीसकु ॥ एहवीनहीकोसलेरी
रे ॥४० १॥ अ० ॥ हरषलह्योसूणिनरपति ॥ साषीतेरमीढालरे ॥ पद्मविजय
कहेंयांसलो ॥ आगलिवातरआलरे ॥ २ ॥ अ० ॥ दुहा ॥ रायकहेमप्रीम
तें ॥ मुक्नेंकुणकहेआम ॥ हितुउतूमटालीनही ॥ माहरीराषीमाम ॥ ३ ॥ र
मअतिशयआदरकरी ॥ देवरावेमहादाण ॥ सक्तिकरेजिनसूवनमा ॥ जिन
पमीमाजिनजाण ॥ ४ ॥ अगाइमहोछवआदरें ॥ स्नेहिनेंसतोष ॥ पुत्रचद्र
सेनथापीउ ॥ प्रजानेंकरवापोष ॥ ५ ॥ विजयसेनजिहांविचरता ॥ कालि
जबुतहकीक ॥ प्रवज्यासावेंपभिवजी ॥ गयोधरमेंठीक ॥ ६ ॥ जोइएकां
तवरजायगा ॥ पमीमातेहपवन्न ॥ सर्वराईसुसमाधिथी ॥ धरमीएहजघन्न ॥
॥ ७ ॥ ढाल ॥ आसनराजोगी ॥ एदेशी ॥ हवेअगनीशर्मातेतपसी ॥ तपकर
तांपम्योतेलपसीरे ॥ कोघानलबलीउ ॥ बहुलखपुरवतपपरजलीउ ॥ पणि
सघलोधूलिमांमलीउरे ॥ ८ ॥ को० ॥ सुरमणीवलीइघरेनवीगाजे ॥ मातगघ
रिगजकिमराजेरे ॥ को० ॥ मरुघरणीकल्पवृक्षनहोय ॥ किमरांकघरिराज्य
तेजोयरे ॥ को० ॥ ९ ॥ अघघरेकीमपदमणीनारी ॥ किहांथीसीक्षघरि
चित्रसारीरे ॥ को० ॥ अगनीकुर्मेकीहांकमलनोवासो ॥ नागचित्तमांउपस
मषासोरे ॥ १० ॥ को० ॥ अज्ञानीघरितपजेएहवो ॥ किमगाजेचिंतामणी
जेहवोरे ॥ को० ॥ तपनुअजीरणकोधतेसाष्यो ॥ ज्ञाननुअहकारतेदाष्यो
रे ॥ ११ ॥ को० ॥ किरीयाअजीरणपारकीनिंदा ॥ आहारनुवमनकर
दारे ॥ को० ॥ जोमुक्तपफलहोयतोसार ॥ थाज्योसव २ मारणहाररे ॥
॥ १२ ॥ को० ॥ करीयनियाणनेतपफलहार्‍यो ॥ नरसोकुलपतिनोवास्यो
रे ॥ को० ॥ वेच्योहाथीनेंकीमीमांगी ॥ उलटीदूरवशूलीजागीरे ॥ १३ ॥ को० ॥
अणपमीकमतोतेहनीयाण ॥ जैनवाचानाविणअन्नाणरे ॥ को० ॥ कालक
रीविघुतकुमार ॥ आयुदोढपल्योपमधारिरे ॥ १४ ॥ को० ॥ दिघोतिणेउप
योगस्यूदिघू ॥ स्यूहोमहवनवलीकीधूरे ॥ को० ॥ देवितणीरीधीजिणपीर्पा
म्यो ॥ मुक्पुन्यपुरवतोजाग्योरे ॥ १५ ॥ को० ॥ विसगज्ञानेंपुरवसबदि

चसूमतीसूमतारहे ॥ मलित्रणिगुपतिनेंधारेरे ॥ अणसणपरमुखतप करे ॥
तपरमादनेवारेरे ॥ ८४ ॥ अथी० ॥ पचमहाव्रतसावना ॥ जेसाधीप
रे॥ इर्यासमतीमुखतेसवे ॥ पालेजेगतरिज्ञरे ॥ ८५ ॥ अथी० ॥
मीमावहे ॥ अएहाणनेंचलीलोचरे ॥ जासअलार्लेजेसमरहे ॥ तेहमाहरण
ज्ञोचरे ॥ ८६ ॥ अथी० ॥ निप्रतिकर्मशरीरजे ॥ समभ्रणमणीसभुमीभरे॥
रेअसीमहनवनवा ॥ द्रव्यादिकजेविचित्ररे ॥ ८७ ॥ अथी० ॥
ससीलागना ॥ घोरीसमरसफ्लीलेरे ॥ उपमानहीजसजगतमा ॥ इमनिन
नेंपीलेरे ॥ ८८ ॥ अथी० ॥ गामनगरपूरपाटणें ॥ नवकल्पीकरेविहारे ॥
पृथिवीनेंजेपावनकरे ॥ टालेविषयविकाररे ॥ ८९ ॥ अथी० ॥
चरामापूचीआ ॥ तेहनेदेईउपदेशरे ॥ रविपरेंकादवशोपवी ॥ आपेगुण
शेशरे ॥ ९० ॥ अ० ॥ सलेपणातपआदरी ॥ अणसणकरेमुनीरायरे ॥ पाद
पोपगमनादिकें ॥ गमिजेनीजकायरे ॥ ९१ ॥ अ० ॥धन-१ तेजगनरवरा ॥
धन-२ तेहनिमायरे ॥ धन २ वज्ञादिपावीउ ॥ जेएहवारिषीरायरे ॥
अ० ॥ रूपिएइणिधिधिश्करी ॥ देहतणोकरुत्यागरे ॥ मुफगुरुकल्पपादपम
मो ॥ विजयसेनमहासागरे ॥ ९३ ॥ अ० ॥ सयललोकमांसूरजसमो ॥
शास्वतसूरवनोदातारे ॥ लरकोसर्वेपणिदोहिलो ॥ उतारेसवपाररे ॥
निरुपमचिंतामणीसमो ॥ धर्मनोशारथीजेहरे ॥ आदरूसजमशुसपरिं ॥
मीराज्यनेंगेहरे ॥ ९५ ॥ अ० ॥ सुबुद्धीप्रमुखमत्रीस्वरा ॥ तेमावीइमसाषेरे ॥
निजअसीप्रायजेउपनो ॥ तेसघलोकहीदाषेरे ॥ ९६ ॥ अ० ॥ तेपणिराय
सगेकरी ॥ जाणेंजीनवचसाररे ॥ हर्षधरीनेंबोलीआ ॥ धनतुमपोअवताररे
॥ ९७ ॥ अ० ॥ अहो-२ तुमविचारनें ॥ मोटापुरीससरीसोरे ॥ पवनाहत
जलचदलो ॥ जिवितचपलनरीसोरे ॥ ९८ ॥ अ० ॥ तिणेंकरीकुरुपतेएह
ठ ॥ सूखदायकएहजाणोरे ॥ एहमोनप्रतिबधकिजीइ॥ जेहकरेतेअजाणो
रे ॥ ९९ ॥ अ० ॥ यलतिआगथीनीकले ॥ तेहनेंकहोकुणवारेरे ॥ कोपीक
दापीवारेजिके ॥ तेसत्रुपणकधारेरे ॥ ॥ अ० ॥ तिणेंअमेवरुराजीन

कुसूमवुठीकरेतेह ॥ विणानादविनोदथीरे ॥ नाटिककरतिजेहरे ॥ २० ॥ पु० ॥ सीहनादसूरवरकरेरे ॥ हरषेंदेखीरेतास ॥ सूरसवळरलसपामीआरे ॥ जाणीहोयउल्लासरे ॥ २१ ॥ पु० ॥ अनुसवतोपचविषयनेंरे ॥ हरष्योउछेरेदेव ॥ देवदूष्यजेवस्त्रछेरे ॥ तेमुकेततषेवरे ॥ २२ ॥ पु० ॥ परिकरप्रेमपमाफतोरे ॥ दिव्यरूपधरजेह ॥ पुरोसारदससिपरेंरे ॥ सफ्जय २ तेकरेहरे ॥ २३ ॥ पु० ॥ देवदेवागनासफ्नमेरे ॥ जय २ सब्दकरत ॥ थुणतासूरसूरीदेखीनेंरे ॥ इमचित्तमांहिधरतरे ॥ २४ ॥ पु० ॥ स्यूहोम्यूस्यूदिथलुरे ॥ पाम्योएफलजास ॥ दिउपयोगअवधीतणोरे ॥ परसवजाणीतपाउरे ॥ २५ ॥ पु० ॥ पुछेसामानीकसूरभतेंरे ॥ कहोमुफ्करणीजेह ॥ जिनप्रतिमादाढातणीरे ॥ पुजाकरोकहेतेहरे ॥ २६ ॥ पु० ॥ वाचिपुस्तकरलनारे ॥ लेईधरमव्यवसाय ॥ सूरवरहृदेपरिवस्योरे ॥ सिद्धायतनेंजायरे ॥ २७ ॥ पु० ॥ पुजाकरेजीनराजनीरे ॥ फूलपगरवरधूप ॥ काव्यशक्रस्तवथीस्तविरे ॥ सक्तिदिखावेअनूपरे ॥ २८ ॥ ॥ पु० ॥ दाढतणीपुजाकरेरे ॥ टालेआशातनात्यांहि ॥ सूर्याससूरवरनीपरिरे ॥ रायपसेणीमांहिरे ॥ २९ ॥ पु० ॥ विजयदेवअधीकारछेरे ॥ जिवासिगमेंप्रसीद्ध ॥ जबुद्विपपन्नत्तीइरे ॥ वज्रसूरेपुजाकिधरे ॥ ४० ॥ पु० ॥ नदिसरमेरूतणीरे ॥ प्रतिमानमीआरेहोय ॥ इहांनमीतेहअशाश्वतिरे ॥ चारणमुनीवरदोयरे ॥ ४१ ॥ पु० ॥ सगवतीविद्यामाशतकमारे ॥ साष्योएअधीकार ॥ तिमवद्यामेदाढातणीरे ॥ आशातनपणिवारीरे ॥ ४२ ॥ पु० ॥ इमवज्रसूरअधीकारछेरे ॥ तिममानवनारेसार ॥ तिणेंजिनपूजमानेंनहीरे ॥ अहेलेतसअवताररे ॥ ४३ ॥ पु० ॥ हवेजेजागिमनोहरूरे ॥ देखावेसूरतास ॥ देवांगनाहावसावनेंरे ॥ करतिकरेविलासरे ॥ ४४ ॥ पु० ॥ पचविषयसूखसोगवरे ॥ तेवरदिव्यविमान ॥ वलितिरथजात्राकरेरे ॥ वदेप्रसूविहरमानरे ॥ ४५ ॥ पु० ॥ समकीतदृष्टीसूरतणीरे ॥ साषीकरणीरेएह ॥ चद्राननविमानमारे ॥ सूखसोगवेसूरतेहरे ॥ ४६ ॥ पु० ॥ सूरसूवरीसार्थेसलारे ॥ पूरणसागरएक ॥ सपूरणसूखसोगवेरे ॥ धारेअतिहिविवेकरे ॥ ४७ ॥ पु० ॥ इणीपरेप्रथमजसवकसो

गे ॥ तषगुणशेनलागोअनिगेरे ॥ को० ॥गुणशेननरपतीउपरिकोप्यो
घर्नेअज्ञानेलोप्योरे ॥ १६ ॥ को० ॥ पमीमारसोमुनीवरपररान ॥
षीर्नेक्रोधसरायरे ॥ को० ॥ नरकअगनिसमीबलतिघार ॥
वाररे ॥ १७ ॥ को० ॥ तेवेतूधीदाक्ततोअग ॥
समतारससरीउ ॥ चित्तश्गुरुसत्वेसपत्तो ॥ ।ज
॥ समता० ॥ शरीरमानसडुरकजिहांलहीइ ॥
इरे ॥ स० ॥ डुक्करधर्मतणीपमीवत्ती ॥ जेहथीसुरवलहीइक्तमीरे ॥
॥ स० ॥ सवछायरतमतासवलर्कें ॥ दूरलसधर्मरयणजेरस्केरे ॥ स० ॥
समसार्वेपालताराज्य ॥ नविलहिश्दूरकसमाजरे ॥ २० ॥ स० ॥
दिमांधर्मर्मेसहीउ ॥ अनाचरणदोपेंकरीरहिउरे ॥ स० ॥ एहजसफलमनुस
जगमा ॥ विजयशेनआचार्यनीवगमारे ॥ २१ ॥ स० ॥ पणिमुक्तबयवा
हिघणसाले ॥ दूखदिघूपूरवकार्लेरे ॥ स० ॥ अगनीशर्मानिंसलीअर्ते ॥ क्री
तपमांकवर्यनासतेरे ॥ २२ ॥ स० ॥ आदस्योमैत्रीसावम्हेतेहस्यू ॥ सवि
षथीविसेर्षेएहस्यूरे ॥ स० ॥ सुसपरिणामवधारोकरतां ॥ तिर्णेपापिश्जस्यू
सरतरि ॥ २३ ॥ स० ॥ आउपुरेंकीधोविनीपात ॥ पणिनमयोधर्मथ्यापम
रे ॥ स० ॥ षडाननविमानमांजायासीघर्मसागरएकआयरे॥२४॥स० ॥ उ
तपतीदिवतणीइहांकहिइ॥जिमसुत्रसिद्धांतेलहिइरे॥ स० ॥ तेविधीसपेपेसुणो
सयणां ॥ जिनवरसाषितजेवयणरि॥२५॥ स० ॥ चीदमीढालेंचतुरपुरुषें ॥
सच्योदृढपरिणामजहरषेरे ॥ स० ॥ पदमविजयकहेगुणशेनराजा ॥ आगो
समरादित्यजीउताजारे ॥ २६ ॥ स० ॥
॥ दुहा ॥ सपेपेंकरीसूरतणी ॥ वातकहुंविस्तार ॥ श्रुतसायरथीसमजज्यो ॥
अधीकोजेअधीकार ॥ २७ ॥ ढाल ॥ पुण्यप्रससीइ ॥ एदेसी ॥ उपपातमजी
मविजलीरे ॥ जिमगगनेंघनषात ॥ तिमक्षणमांहिसूरतणोरे ॥ सय्यामांउ
तपातोरे ॥ पुण्यप्रससीइ ॥ २८ ॥ सय्याइतेहउपजेरे ॥ मुकिश्हसबदेह ॥ दि
व्यतेअंतरमुहूर्त्तमरि ॥ सूरसवसकतिएहरे ॥ २९ ॥ गीतगाइवेंमांगमारे ॥

चेनीजपाणि ॥ ल० ॥ १२ ॥ ज० ॥ परछिद्रजोवानेआंधला ॥ परस्त्रीउपरि
क्रोध ॥ ल० ॥ परअपवादनेंबोलवा ॥ जाणेमुकअतीव ॥ ल० ॥ ११ ॥
ज० ॥ परउपगारपरायणा ॥ एहवाजनसमवाय ॥ ल० ॥ पुरुषदत्ततिहां
राजीउ ॥ प्रजालोकसुखदाय ॥ल०॥ १३॥ ज० ॥ राणीश्रीकंतातेहनें ॥ सोग
वेसोगरसाल ॥ ल० ॥ इणेंअवशरनेंदेवता ॥ चविउआउनेंकाल॥ ल० ॥१४॥
ज० ॥ श्रीकताउरेंअवतरयो ॥दिठुसूपनतेराति ॥ ल० ॥ सीहकिसोरसोहा
मणो ॥ धदनेंउदरआयात ॥ ल० ॥ १५ ज० ॥ निर्धूमअगनीजालासमो ॥
केशरानोआटोप ॥ ल० ॥ फटीकहससमउजलो ॥ पिगनेभविणकोप ॥ल०
॥ १६ ॥ज० ॥ मध्यसागजसपातलो ॥ पिक्लवक्षस्थलजाच्च ॥ ल० ॥ दि
र्घकुमलीतपुछ ॥ कटितटकठिनविशाल ॥ ल० ॥१७॥ ज० ॥ इमहरिसू
पनेंदेखीनें॥जागीकहेसरतार ॥ज० ॥ पुत्रपराक्रमीहोयस्ये ॥ सपदहोस्येंअ
पार ॥ ल० ॥ १८ ॥ ज० ॥ सांसलीहर्षतेपामती॥ सूखमांकाढेकाल॥ल०॥
गर्भप्रसावेंदोहला ॥ उपजेपुण्यविशाल ॥ ल० १९ ॥ ज० ॥ असयदांनस
क्रसत्वनें ॥ मुनीनेंउपष्टसदान ॥ ल० ॥ दिनअनाथकृपणप्रति ॥ सपदार्थेउ
अमांन ॥ ल० ॥ २० ॥ ज० ॥ जिनवरसघलेदेहरे ॥ पुजाकरुवक्रसक्ति
॥ ल० ॥ ॥ वातसूणावीकतनें ॥ तेपूरेनिजसक्ति ॥ ल० ॥ २१ ॥ ज० ॥ ते
देखीपरजासवे ॥ हरषघणोपामत ॥ ल० ॥ धरमकारजकरतांथका ॥ नव
महीनावोलत ॥ ल० ॥ २२ ॥ ज० ॥ शुभलगनेंसुतजनमीउ ॥ करपदको
मलकाय ॥ ल० ॥ सयलप्रजामनसूखथया ॥ मातनेंहरषनमाय ॥ ल० ॥
॥ २३ ॥ ज० ॥ शुभकरादासीहवे ॥ नृपनेंवधाईखाय ॥ ल० ॥ पुत्रजनम
थीहरषीउ ॥ हवेदिइदानतेराय॥ ल०॥ २४ ॥ज०॥ बधनमोचनादिकतिहां॥
उछवघलीनरिंद ॥ ल० ॥ नगरमार्गसणगारीआं ॥ उपजाव्योआणंद ॥ ल० ॥
॥ २५ ॥ ज० ॥ सणगारीहाटसेरीउ ॥ मगलतूरबाजत ॥ल० ॥कुकुमजक्षेप
थसीचिआ ॥ कुसूमसर्वत्रधरत ॥ ल० ॥ २६ ॥ ज० ॥ इमम्होछवकर
तांथकां ॥ माताथयोतवनांम ॥ ल० ॥ सिहकुमारसोहामण ॥ थापेतसंअ

रे ॥ सूरसवसहीतरत्राल ॥ श्रीसमरादित्यरायनीरे ॥ पनरमीएढालरे ॥
॥ पु० ॥ श्रीविजयसिंहसूरिंदनारे ॥ सत्यविजयपन्यास ॥ कपूरविजयतस
पाटवीरे ॥ षिमाविजयतसपासरे ॥ ॥ पु० ॥ ताससीसजिनविजयजी
रे ॥ उत्तमविजयतससीस ॥ लीबडीनगरआरसीउरे ॥ रायएविसवाविसरे ॥
॥ ५० ॥ पु० ॥ सवतजाणिअढारसेंरे ॥ वलीउंगणच्यालीस ॥ मागसीरमा
वदिभिजदिनेंरे ॥ पद्मविजयसुजगीसरे ॥ ॥ पु० ॥ कातिशुदिआगिनदि
नेंरे ॥ संपूरणपयोषम ॥ सघअरवमपर्णेसूण्योरे ॥ पामीपुण्यप्रचमरे ॥ ॥ पु० ॥
॥ इतिश्रीसविज्ञपक्षीयपंडितप्रवरश्रीमदुत्तमविजयशिष्यप० पद्मविजयवि
चित्तेश्रीसमरादित्यचरित्रेप्राकृतप्रबंधेगुणसेनाग्निसर्मासीधानयो
समाप्त ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥
॥ दुहा ॥ सोलसमाजिनसमरिइ ॥ शांतिनाथसुखकार ॥ परसवजिर्णेपारेव
मो ॥ उगार्योउपकार ॥ १ ॥ गुणसेनअगनीसर्मागया ॥ सिद्धाणवहवेआर ॥ पि
तापुत्रप्रमेंकरी ॥ वर्णवस्यूविस्तार ॥ २ ॥ सासलज्योभोतासवे ॥ आलसअ
गउतार ॥ तेरकाठीआमाहिते ॥ प्रथमआलसपरकार ॥ ३ ॥ विकथावर्जोति
मवली ॥ नकरोविकथाजेण ॥ वितथातेविकथावदे ॥ स्वपरनसासलेतेण ॥ ४ ॥
तिमनिद्रानकरोतुम्हे ॥ निद्राथीश्रुतनाश ॥ सूत्रानुश्रुतपणिसूइ ॥ श्रीसिद्धां
तेसास ॥ ५ ॥ तिर्णेनिद्राविकथातजो ॥ आलसनकरोअंग ॥ सांसलताजो
मकस्ये ॥ तेलहेज्ञानतरग ॥ ६ ॥ ढाल ॥ ललनांनीदेशी ॥ जंबुद्वीपसोहाम
णो ॥ तेहमांषेतरसात ॥ ललनां ॥ सरतनेंहिमवंतजांणीइ ॥ वलिहरिवर्षवि
ख्यात ॥ ल० ॥ ७ ॥ जं० ॥ महाविदेहरम्यगतथा ॥ उत्तरकुरुऐरण्यवतधारि ॥ ल०
ऐरवतषेतरसातमु ॥ मेरुविदेहमझार ॥ ल० ॥ ८ ॥ ज० ॥ महाविदेहदोय
सेदथी ॥ पुरवपश्चिमजांण ॥ ल० ॥ पश्चिममहाविदेहमां ॥ जयपुरनगरवखा
णि ॥ ल० ॥ ९ ॥ ज० ॥ सुरपुरीसमनगरीतिहां ॥ आरामतेउद्यांन ॥ ल० ॥
गुणजेहनानगणीसकु ॥ सूतलतिलकसमांन ॥ ल० ॥ १० ॥ ज० ॥ रूपाली
रमणीजीहां ॥ महिलागुणअसमांन ॥ ल० ॥ परदव्यस्त्रेवानरजीहां ॥ सवे

ेप्रियकरारेलो ॥ तवतेबोलेकुमाररे ॥ र० रतिविरहीतदिनएतलारेलो ॥ पणि नहिसंप्रतिवाररे ॥ ७० ॥ ४३॥ पु० ॥ इमकहिवेगेतेआसनेरेलो ॥ फूलआ सरणवलिपानरे ॥ र ॥ दिधूतेलिघूतिर्णेरेलो ॥ मनमाधरीवक्रमानरें ॥ ७० ॥ ॥ ४४॥ पू० ॥ ईणअवसरआव्योतिहांरेलो ॥ कन्यानोरखवालरे ॥ र० ॥ करतादिठविनोदनेरेलो ॥ मनचितेतिर्णेकालरे ॥ ७ ॥ ४५ ॥ पू० ॥ रतिनेंक दर्पमल्योषरोरेलो ॥ जोसहेस्येकिरताररे ॥ र० ॥ आवितिहांआदरकरेरेलो ॥ कुमरनेंअतिसत्काररे ॥७० ॥४६॥ पू०॥ वच्छजननीतुझइमकहेरेलो॥ खेदथ स्येतुझदेहरे ॥ र० ॥ बहुवेलाथइआवीइरेलो ॥ मुक्तावलीकहेएहरे ॥ ७० ॥ ॥ ४७ ॥ पु० ॥ उठिइमसाषीहवेरेलो ॥ मातनीआणप्रमाणरे ॥ र० ॥ चितव तिकुमरप्रतिरेलो ॥ मुकेतेहउह्लाणरे ॥ ७० ॥ ४८ ॥ पु० ॥ दिर्घनीआसाना षतीरेलो ॥ पहोतीनीजआवासरे ॥ र ॥ जइपल्यकेंबेठीतीहारेलो ॥ ससारेगु णतासरे ॥ ७० ॥ ४९ ॥ पु ॥ सषीउनेंविसर्जतीरेलो ॥ मदनसेदाणीतेहरे ॥ ॥ र० ॥ चित्रकरमनकरेहवेरेलो ॥ सूकसारीकास्यूननेहरे ॥७०॥५०॥पु०॥ अगरागनकरेकिमेंरेलो ॥ आहारनोनहीअसीलाषरे ॥ र० ॥ सवनसयणको इनमीगमेरेलो ॥ नविकलहसस्यूलाखरे ॥ ७० ॥ ५१ ॥ पु० ॥ वाव्यमामञ्ज ननविकरेरेलो ॥ नविसारेकांयविणरे ॥ र० ॥ कदूकक्रिमापरिहरिरेलो ॥ सू खणनधरेषीणरे ॥ ७० ॥ ५२ ॥ पु० ॥ जुथभ्रष्टजिमहरणलीरेलो ॥ खणमां नयणमीलायरे ॥ र० ॥ रूणनीआसानांषतीरेलो॥ रूणमाचेष्टाजायरे ॥७०॥ ॥५३॥पु०॥ इणअवसरधावीपूत्रीकारेलो ॥ निजजननीलहीआणिरे ॥ र० ॥ मदनलेखाआवितिहांरेलो ॥ तालवृतलेइपाणिरे॥ ७० ॥ ५४ ॥ पु० ॥ बिमा कपूरस्यूपाननरेलो ॥ परिस्रमकिमानोजाणिरे ॥ र॥ नेउरपाइरणझणेरेलो॥ हरषतेघरतीअमानरे॥ ७० ॥ ५५ ॥ पु० ॥ चितासरदिठीतिर्णेरेलो ॥ सम्रा गतसुन्यसावरे ॥ र० ॥ धिगरबोलतीदेपिनेरेलो ॥ पुछेतवसदसावरे ॥ ७० ॥ ॥ ५६ ॥ पु० ॥ किमउदवेगकरीरहीरेलो ॥ स्यूनवीनीतपरिवाररे ॥ र० ॥ केदेवगुरुनमीपूजीआरेलो ॥ केगुरुजनअपकाररे ॥ ७० ॥ ५७ ॥ पु० ॥

सीराम ॥ ल० ॥ २७ ॥ ज० ॥ पुण्येंप्रणयीलोकने ॥नयणमनेंआनंद
देतोजोवनपामीउ ॥ सकलकलागुणरद ॥ ल० ॥ २८ ॥ ज० ॥
त्यराज्यमां ॥ बिजेखंमेढाल ॥ ल० ॥ पहेलीपदमेंकहीसली ॥
स ॥ ल०,॥२९ ॥ ज० ॥ दुहा ॥ आव्योवसततेअन्यदा ॥
मदनसिलिमुखमुकतो ॥ विधेलोकतिवार ॥ १ ॥ ३० ॥ के
रे ॥ जय २ सम्वर्नेकाज ॥ विरहअनलधुमजवमो , ९
॥ ३१ ॥ मित्रेपरिवस्योमोदस्यू ॥ क्रिमाकरणसकेत ॥ क्रिमासुदरकानमें
आव्योअचरीजेदेत ॥ ३२ ॥ ढाल ॥ कोईलोपरवतघूघलोरेलो ॥
एअवसरदिठीतीहांरेलो ॥ कन्याकुसूमावलीनामरे ॥ रगीली ॥
वीराजतीरेलो ॥ कांमक्रिमानोधामरे ॥ छबीली ॥ ३३ ॥
ज्योरेलो ॥ एआकणी॥ कुसुमगसितवणीललीरेलो॥कोमलकरकजपानरे॥
॥ र०॥ अधरप्रवालारगउयूरेलो ॥ चपकसमतनुवानरे ॥ छ० ॥ ३४ ॥ पु०
लक्ष्मीकतनरपतीतणीरेलो ॥ पुत्रीपावनअगरे ॥ र० ॥ सखिजनस्युतेपरिव
रीरेलो ॥ क्रिमावसतनीचगरे ॥ छ० ॥ ३५ ॥ पू० ॥ मातलपुत्रीनेहजेरेलो ॥ने
हसूउपनोरागरे ॥ र० ॥ सघअनतअत्यासथीरेलो ॥ पचबाणथयोलागरे ॥ छ० ॥
॥ ३६ ॥ पु० ॥ तेणिइदिठीतेहनेंरेलो ॥ सामनचिंतेइमरे ॥ र० ॥ मकरध्वजाई
हाआवीउरेलो ॥ क्रिमाकरणकेकांमरे ॥ छ० ॥ ३७ ॥ पु० ॥ चितवीपमई
सारतीरेलो ॥ बेटिप्रियकरातामरे ॥रा॥उसरोनहीनृपपुत्रथीरेलो ॥ एसिहकुमर
छेनामरे ॥ छ० ॥ ३८ ॥ पु० ॥ तुम्हफइकुर्षेउपनोरेलो॥ आव्याप्रथमथीप्रम
परे ॥ र० ॥ उसरतांमापणनहीरेलो ॥ करस्येएहथीगपरे ॥ छ॥ ३९ ॥ पु०॥
तिणेंएहनेंतूलेकरोरेलो ॥ कन्याउचितउपचाररे ॥ र० ॥ साकहेतुकहेतिमक
रूरेलो ॥ तवतेकहेसुविचाररे ॥ छ० ॥ ४० ॥ पु० ॥ आग्रनवेईआदरकरोरे
लो ॥ फूलआसरणतबोलरे ॥ र० ॥ कुमरीकहेनकरीसकूरेलो ॥ रगलागोमुक
बोलरे॥छ० ॥ ४१ ॥ पु० ॥ तेहयेकुमरतेआविउरेलो ॥आप्युआग्रनसाररे ॥ र॥
रतिवीरहीतपचबाणनेंरेलो ॥ स्वागतछेकुमाररे ॥ छ ॥ ४२ ॥ पु० ॥ इमपु

समश्रेणीदततेउज्जला ॥ सू० ॥ नासावसउत्तग ॥ तू० ॥ ७३ ॥ दिर्घविद्या
लमाहिरक्तता ॥ सू० ॥ अष्टमीचदज्युताल ॥ तू० ॥ श्रवणसूसगतजेहना ॥
॥सू० ॥ पहेरीमुक्ताफलमाल ॥ तू० ॥७४॥ कसिणकुटिलकुतलसला ॥सू०॥
चदनचर्च्योअग ॥ तु० ॥ निरमलवस्त्रसूक्ष्मघणां ॥ सू० ॥ चुमारयणउत्तमां
ग ॥ तू० ॥ ७५ ॥ स्यूकहिइघणतेहनु ॥ सू० ॥ जाणीरूपनुरूप ॥ तू० ॥
लावण्यनुलावण्यमानु ॥ सू० ॥ तरूणनुतरूणअनुप ॥ तू० ॥ ७६ ॥ मनो
रथनोमनोरथजाण ॥ सू० ॥ नृपसुतसिहकुमार ॥ तू० ॥ मदनलेखाइणि
चितवे ॥सू०॥ रागएजुगतेठार ॥तू०॥ ७७ ॥ अथवाकमसाकरविना ॥सू०॥
लषमीनकरेवास ॥ तू० ॥ कुसूमायुधनेरतिविना ॥ सू० ॥ नहिकोइयोग्यते
षास ॥ तु० ॥ ७८ ॥ सुबुद्धिरायस्यूमत्रतो ॥ सू० ॥ सांसल्योआजविचार ॥
॥ तु० ॥ कुसूमावलिकहेतेकहो ॥ सु० ॥ मदनलेखाकहेआर ॥ तु० ॥७९ ॥
देविपेसणनेकगई ॥ सू० ॥ तिहांसासलीएवात ॥ तू० ॥ सुबुद्धीकहेरायनें ॥
॥ सू० ॥ पुरुषदत्तनृपख्यात ॥ तु० ॥ ८० ॥ काजेसिहकुमारनें ॥ सू० ॥
कुसूमावलिदिउंअम्ह ॥ तू० ॥ बक २ आपहथीकसु ॥सू०॥ मुक्तनेतेकसुं
तुम्ह ॥ तू० ॥ ८१ ॥ वलिइमजुक्तनेसाषिते ॥ सू० ॥ एवरवधूयजोग ॥तू०॥
अन्यअन्यनेयोग्यछे ॥ सू० ॥ एहप्रससलेलोग ॥ तू० ॥ ८२ ॥ अलिककोे
पकरीलाजती ॥ सू० कुसूमावलिकहेताम ॥तू०॥ हर्षधरीमनमांकहे ॥सू०॥
स्यूअसबधकहेआम ॥ तू० ॥ ८३ ॥ मदनलेखाकहेजुठस्यू ॥ सू० ॥ हसी
हसनेलाग ॥ तू० ॥ जुत्तवातछेनृपकहे ॥ सू० ॥ सुणिमत्रिमाहासाग ॥ तू०
॥ ८४ ॥ इणअवसरिआवितिहां ॥सू० ॥ कुसमावलिनइपास ॥ तू० ॥ पद्म
सियादात्रीसखी ॥ सू० ॥ उद्यानपालितेपास ॥ तु० ॥ ८५ ॥ रायेकसुतुममा
तनें ॥ सू० ॥ मातकहावेतूक ॥ तू० ॥ सवनउद्यानशोलाकरो ॥ सू० ॥ ए
आणाछेमुक ॥ तू० ॥ ८६ ॥ राजकुमरसिहनामजे ॥ सू० ॥ आवसेरम
वाआज ॥ तू० ॥ कुसूमावलितेहसांसली ॥ सू० ॥ कहेधन्यदिनथयोआज
॥ तू० ॥ ८७ ॥ विजेरवमेइमकही ॥ सू० ॥ त्रिजीढालरसाल ॥ तू० ॥ पद्म

केअरथीनसतोपीआरेलो ॥ केसरिवउनोमरागरे ॥ र० ॥
पनूरेलो ॥ कहोतुम्हेकहेवालागरे ॥ ७० ॥ ५७ ॥ पु० ॥
स्यूरेलो ॥ वोलीकुसमावलीवांणरे ॥ र० ॥ कुसुमबीएतांउपनोरेलो ॥
दूखपांणिरे ॥ ७० ॥ ५८ ॥ पु० ॥ तिर्णेआजसअरतीघणीरेलो ॥
एकोयरे ॥ र० ॥ मदनलेपातवबोलतीरेलो ॥ सांसलजोसङ्कोयरे ॥ ७०
॥ ६० ॥ पु० ॥ बिजेरवमेश्मकहीरेलो ॥ बिजीढालरसालरे ॥ र० ॥
श्रोतासुणोरेलो ॥ सुणतामगलमाजरे ॥ ७० ॥ ६१ ॥ दूहा ॥
माननी ॥ ल्योकरमुक्तबोल ॥ विश्रामणकरूतूश्नपु ॥
॥ ६२ ॥ शणअवसरमुश्अवरस्यु ॥ कांमनहीमुणिकाय ॥
करो ॥ चाखातिहाशुसगाय ॥ ६३ ॥ कुसुमावलीघरिकेलीने ॥
लारि ॥ कपूरविमुकरदिउ ॥ मदनलेपाश्रकुमारि ॥ ६४ ॥ कथाकहेकौतू
री ॥ विजर्णेविजतीवाय ॥ शुन्यङ्कारोसांसली ॥ चितवेतेचितलाय
अछेविकारचितएहनें ॥ तेणेपुबुङ्कवांता॥श्मचितिपूब्धूशणि॥ साणिबहिनी
सात ॥ ६६ ॥ ढाल ॥ वामीफूलीअतीसलीमनसमरारे ॥ एदेशी ॥ मदनबो
कहेशणिपरि ॥ सुणबेहनीरे ॥ वश्रतकीमागयांआज ॥ तुम्हेशुणोबहिनीरे ॥
अपरिजकांश्वितुतिहां ॥ सू० ॥ तमबोलीघरीलाज ॥ तुम्हे ॥ ६७ ॥
सूवरउथानमां ॥ सू० ॥ रतिविरहीतपचबाण ॥ तु० ॥ रोहिणी
मा ॥ सू० ॥ मानुदिगेतिर्णेठांण ॥ तु० ॥ ६८ ॥ सचिविरहितजिमहरी
श ॥ सू० ॥ मविराविनुकामपाल ॥ तु० ॥ सोवनवरणशरिरछे ॥ सू० ॥ पाव
अगुलीशुकमाल ॥ तु० ॥ ६९ ॥ गुढचीरापिमीझति ॥ सू० ॥ मणहरमोरसी
जघ ॥ तु ॥ गुढजानुंसूदरअती ॥ सू० ॥ पाणिपरनारीङ्जघ ॥ तु ॥
सगतउरुजुगसोसता ॥ सू० ॥ विपुलकटितटसाग ॥ तु० ॥ मध्यसामअति
पातलो ॥ सू० ॥ हृदयविशालविसाग ॥ तु० ॥ ७१ ॥ वर्तुलसांविबाहनी ॥
॥ सू० ॥ पुहचातेअतिपुष्ट ॥ तु० ॥ शुसरेषाश्योसता ॥ सू० ॥ जानुमाभक
रलष्ट ॥ तु० ॥ ७२ ॥ कांयकरातानखसला ॥ सू० ॥ अधरमबालिरग ॥ तु० ॥

नागमस्योमुक्तेतले ॥ मा० ॥ सभ्रमथीतेनाषीदीठंआवीनेंश्मकहे ॥ मा० ॥
करम्योनागतेसासलीरुद्रदेवलवे ॥ मा० ॥ ६४ ॥ नियमीथीआकुलव्याकु
लथईकोलाहलकरे ॥ मा० ॥ मुक्तनेंविषनावेगअतिदूखमाधरे ॥ मा० ॥ प
रवसथईनेंकृतोतिहांधरणीढली ॥ मा० ॥ परमअवाच्यअवस्थापामीचेतना
षली ॥मा०॥६५॥ समकितनापरसावथीकालकरीतिहां ॥मा०॥ सोहमेंलीलाव
तसविमानअछेजीहां ॥ मा० ॥पल्योपमस्थीतिदेवपणेंऊपनो ॥ मा० ॥ अ
परापरिवृत्तदिव्यसोगमुक्तनीपनो ॥ मा० ॥ ६६ ॥ रुद्रदेवपरण्योहवेनागद
त्तधूआ ॥ मा० ॥ सोगवीविषयनेंकालकरीनरगेंकूआ ॥ मा० ॥ रतनप्रसा
श्लकमषनानरगावासमा ॥ मा० ॥ पल्योपमनेंआउपेडरकआवासमां ॥मा०॥
॥ ६७ ॥ देवलोकमाथीचविऊथयोगजवरू ॥ मा० ॥ एहजविजयमासूंस
माररणसूदरू ॥ मा० ॥ सूसमारतिहांपरवतमांहिक्रीडाकरू ॥ मा० ॥ न
रगमाथीरुद्रदेवआव्योअनतरू ॥ मा० ॥ ६८ ॥ तेहजनगरमाथयोसूप्रोसो
हामणो ॥ मा० ॥वालअवस्थागयेंथयोजनमनकामणो ॥ मा० ॥ नलवनमां
विचरतोगजवरतिणसमें ॥ मा० ॥ बकुकरणीस्युआविउतेमुकजिहांरमे ॥
॥ मा० ॥६९ ॥ मुक्तनेंरमतोदेषीनेंद्वेषतेआविउ ॥ मा० ॥ पुरवसवअत्या
सथीवेरस्युसावीउ ॥ मा० ॥ चिंतवेएकरीएहवुसुखकिमसोगवे ॥ मा० ॥
षचावुएसुखथकीतोदुःखजोगवे ॥ मा० ॥ ७० ॥ षोलेउपायघणापणितेहनें
नवीजमे ॥ मा० ॥ लीलारतीविद्याधरएहवेआविचमे ॥ मा० ॥ मृगांकसेन
विद्याधरनीसगनीहरी ॥ मा० ॥ चन्द्रलेखाइणिनामेतेहनोसयधरी ॥ मा० ॥
॥७१ ॥ गिरीनिकुंजमारहिसकुश्मशूकनेंकहे ॥ मा० ॥ एकविद्याधरआव
स्येतेजिमनविलहे ॥ मा० ॥तिमकरज्येमुक्तनेंनविदापजेतूपरो ॥ मा० ॥ कहे
जेआविनेंमुक्तेतेहगश्परो ॥ मा० ॥ ७२ ॥ ऊपणितुक्तउपगारकरिसइणअव
सरे ॥मा०॥ तेंससूकामकरस्युमुक्तजाणीसरणीपरें ॥मा०॥ ढगिढालएविजारव
म्माहिकही ॥ मा० ॥ पद्मविजयकहेसांसलोआगलिगहगही ॥मा०॥७३॥
॥ दुहा ॥ श्मकहिविद्याधरगयो ॥ महानिकुंजमझारि ॥ उतरिनश्प्रथअवनी

परिवस्योनीजपरिवार ॥ २५ ॥ ढाल ॥ नालिकेरेबालमां ॥ दोयनारीमनके रेलो ॥ अहोदोय० ॥ एदेशी ॥ इणअवसरिदिगतिहां ॥ एकवरअणगाररे लो ॥ अहोएक ॥ धरमघोषनामेंसला ॥ बहुमुनीपरिवाररेलो ॥ अहोब० ॥ २६ ॥ प्रासुकजायगेंउतरया ॥ रूपगुणअसमानरेलो ॥ अहोरूप० ॥ योवनवयमांवरतता ॥ शत्रुमित्रसमानरेलो ॥ अहोशत्रु० ॥ २७ ॥ खतीम हवअज्ञवमुत्ती ॥ तवसजमगणेरेलो ॥ अहोतव० ॥ सत्यसौचआकिचन वली ॥ ब्रह्मचर्यनिधानेरेलो ॥ अहोब्रह्म० ॥ २८ ॥ द्वादशांगीधरवाचना ॥ सूत्रअर्थनीदेतारेलो ॥ अहोसूत्र० ॥ निर्जराअर्थेउद्यमी ॥ निजशिष्यनेंक हेतारेलो ॥ अहोनीज० ॥२९॥ आचारयपदनाधणी॥ देपीनेंविचारेरेलो ॥ अ होदेपी० ॥ सकलसंगत्यागीमुनी ॥ एसवजलतारेरेलो ॥ अहोए० ॥ ३० ॥ धन्यएएहनीमावनी ॥ तज्योसारोसंसाररेलो ॥ अहोत० ॥ बहुमानेंकरीचि तवे ॥ करेपरउपगाररेलो ॥ अहो० ॥ ३१ ॥ एहनेंसर्गेजईहवे ॥ पूछुएहवा तरेलो ॥ अहोपू० ॥ मनोत्सवललितसमयअछे ॥ किमजोगआयातरेलो ॥ अ होकिम० ॥ ३२ ॥ दूरथीउतरेअश्वथी ॥ जईमुनीवरपासेंरेलो ॥ अहोजई० ॥ वदेमुनीवरविनयस्यू ॥ धरीहर्षउल्लासेंरेलो ॥ अहोधरी० ॥ ३३ ॥ असीम धोधर्मलाभथी ॥ वंधाशेषमुणिंदरेलो ॥ अहोव० ॥ बेठेगुरुचरणेंजई ॥ अहो परमआणंदरेलो ॥ अहोप० ॥ ३४ ॥ पुछेधरमघोषमुनी ॥ गुरुजीमुजसासोरेलो ॥ ॥ अहोगु० ॥ सपदाकुलधरस्वामीजी ॥ निर्वेदअस्यासोरेलो ॥ अहो० ॥ ३५ ॥ एहअकालेंआवस्यु ॥ सजमस्युविचारीरेलो ॥ अहोस० ॥ तवगुरुबोलेशां सलो ॥ भावकरुणधारीरेलो ॥ अहोभा० ॥ ३६ ॥ कालसंजमनोएहछे ॥ न थीतासअकालरेलो ॥ अहोन० ॥ मृत्युपरासर्वेसर्वदा ॥ जुउतिहसंसालीरेलो ॥ अहोजु० ॥ ३७ ॥ सूरअसूरासरूनेंहरे ॥ बजमनोरथसेलरेलो ॥ अहोब० ॥ करेविजोगवाल्हातणो ॥ इमकरेजगकेलीरेलो ॥ अहोइ० ॥ ३८ ॥ बलिया सकतूसांसर्दे ॥ रूमोजाणीधर्मरेलो ॥ अहोरू० ॥ चरमवर्सेंथावरे ॥ अहोवा शुसतशर्मेरेलो ॥ अहोज० ॥ ३९ ॥ रूतुतेआमेंथीकीजीई ॥ तेहमांसीहांथीरे

नागमस्योमुक्ततेतले ॥ मा० ॥ सभ्रमथीतेनाषीदीतंआवीनेंश्मकहे ॥ मा० ॥
करम्योनागतेसासलीरूद्रदेवलवे ॥ मा० ॥ ६४ ॥ नियमीथीआकुलव्याकु
लथईकोलाहलकरे ॥ मा० ॥ मुक्रनेंविषनावेगअतिदूखमाघरे ॥ मा० ॥ प
रवशथईनेंक्रतोतिहांघरणीढली ॥ मा० ॥ परमअवाप्यअवस्थापामीचेतना
यली ॥मा०॥६५॥ समकितनापरसावथीकालकरीतिहा ॥मा०॥ सोहर्मेलीलाव
तसविमानअछेजीहां ॥ मा० ॥पल्योपमस्थीतिदेवपर्णेऊपनो ॥ मा० ॥अ
परापरिवत्तदिव्यसोगमुक्तनीपनो ॥ मा० ॥ ६६ ॥ रुद्रदेवपरण्योहवेनागद
त्तघूआ ॥ मा० ॥ सोगवीविषयनेंकालकरीनरगेंक्रआ ॥ मा० ॥ रतनप्रसा
श्रकमषमानरगावासमा ॥ मा० ॥ पल्योपमनेंआउषेडरकआवासमां ॥मा०॥
॥ ६७ ॥ देवलोकमांथीचविक्रययोगजवरू ॥ मा० ॥ एहजविजयमासूस
माररणसूदरू ॥ मा० ॥ सूसमारतिहांपरवतमांहिक्रीमाकरू ॥ मा० ॥ न
रगमाथीरूद्रदेवआव्योअनतरू ॥ मा० ॥ ६८ ॥ तेहजनगरमाथयोसूनोसो
हामणो ॥ मा० ॥बालअवस्थागयेंथयोजनमनकामणो ॥ मा० ॥ नलवनमां
विषरतोगजवरतिणसमें ॥ मा० ॥ बक्रकरणीस्यूआविउतेसुकजिहांरमे ॥
॥ मा० ॥६९ ॥ मुक्रनेंरमतोदेषीनेंद्वेषतेआवित ॥ मा० ॥ पुरवसवअल्या
सथीवेरस्युतावीउ ॥ मा० ॥ चिंतवेएकरीएहवुदुखकिमसोगवे ॥ मा० ॥
यचावुएसुखथकीतोदुःखजोगवे ॥ मा० ॥ ७० ॥ षोलेउपायघणापणितेहनें
नवीजमे ॥ मा० ॥ लीलारतीविद्याधरएहवेआविचमे ॥ मा० ॥ मृगांकसेन
विद्याधरनीसगनीहरी ॥ मा० ॥ षड्लेखाश्णिनामेतेहनोसयधरी ॥ मा० ॥
॥७१ ॥ गिरीनिकुंजमारहिसक्रश्मशूकनेंकहे ॥ मा० ॥ एकविद्याधरआव
स्येतेजिमनषिलहे ॥ मा० ॥तिमकरज्येमुक्रनेंनविद्यापजेतूपरो ॥मा०॥ कहे
जेआविनेंमुक्तेहगश्परो ॥ मा० ॥ ७२ ॥ क्रपणितुक्तउपगारकरिसश्णअव
धारे ॥मा०॥ नेंसलूकामकस्युमुक्रजाणीसरणीपरे ॥मा०॥ ठठिालएविजाख
ममांहिकही ॥ मा० ॥ पद्मविजयकहेसासलोआगलिगहगही ॥मा०॥७३॥
॥ डहा ॥ श्मकहिविद्याधरगयो ॥ महानिकुंजमक्रारि ॥ उतरिनश्अथअवनी

६ ॥ रसोतेसूखआधार ॥ ७४ ॥ नारिंगपादवेंनीनमां ॥
विद्याधरहवेआवित ॥ मृगांकसेनअसमाधी ॥ ७५ ॥
॥ नविदिठुतसनाम ॥ गयोइणि प्रवसरिंगयबरू ॥
॥ ७६ ॥ मुजदेपीचित्युमनें ॥ अवसरढेएआज ॥
करूमायाइकाज ॥ ७७॥ मुनीस्यूसमजणसवे ॥
मुनीनेंकहेसोसलें ॥ ज्ञानीइसाण्युज्ञान ॥ ७८ ॥ ढाल ॥
दिनसेंत्रुजजास्यू ॥ एदेत्री ॥ मुसमारएपर्वतमांढइ ॥
जपापातकरेतिहांजईनें ॥ जेवांढेतेपांमे ॥ मोरीआसलिबात ॥
ढेरूमो ॥ ७९ ॥ एआकणी ॥ तवपुढेमूनीसुणोस्वामी ॥ तेहवतासोमकर
शुककहेत्रीतलएतरूवरथी ॥ जईइपासेंवाम ॥ ८० ॥ मो० ॥
णिआपणयईइ ॥ विद्याधरमनधारी ॥ तिरयचनासवयीहवेसरित ॥ बासोमूर्ने
शुसनारी ॥ ८१ ॥ मो० ॥ जइनेंजपापातनेंकरीइ ॥ मुनीइबातसकारी ॥ इमकरीनें
पापातनेकीधो ॥ गजवरेंपणिचितधारी ॥ ८२ ॥ मो० ॥ जईनेंकमुलीलारतिका
गनें ॥ आविगयोतुजवयरी ॥ तबलीलारतीनीकस्योतीहांथी ॥ चपलेसबोर्द
खयरी ॥ ८३ ॥ मो० ॥ आकाशेंजातोतेदिठो ॥ मनमाधास्युसाधु ॥ जुउमूको
सूनीलक्षांनरसव ॥ एतिरयनहीकाचु ॥ ८४ ॥ मो० ॥ एतिरयचनाविद्याधरचना
॥ जोतांधारनलागी ॥ तेकारणएतिरयसाथे ॥ म्हारीपणिलयलागी ॥ ८५ ॥
मो० ॥ देवतणीप्रणिधीकरीमनमां ॥ अमेंपणिइहांपमीइ ॥ एतिरजचनोसंग
ढांमीनें ॥ देवतणीगतिचढिइ ॥ ८६ ॥ मो० ॥ इमचितीनेंतिहांअम्हेपमीआ
॥ शुकयुगतिहांथीचाल्यो ॥ कपटेंकरीनेंअमेढेतरीआ ॥ पणिनविनयएंसा
ल्यो ॥ ८७ ॥ मो० ॥ चुरणययांअमेंअगडपार्गी ॥ पाम्यावडतिहांक्लेश ॥
पणिअकामनीजराइयपीआ ॥ कर्मघणांसविशेस ॥ ८८ ॥ मो० ॥ कुसुम
शेखरनामेवतरपूरे ॥ पल्योपमउणवेशें ॥ एहवोघतरसुरहांथीययो ॥ अध्य
वसायविशेषें ॥ ८९ ॥ मो० ॥ उदारसोगसोगवुतिहांजपणि ॥ सुणोपणिति
हांमरीनें ॥ लोहितमुखनांमेंरतनप्रसार्ये ॥ उपनोनीयमीकरिनें ॥ ९० ॥ मो० ॥

पल्योपमदेत्रोंतणीयीती ॥ हवेऊव्यतरदेव ॥ एहवीदेहेंअन्यविजयमां ॥ चक्रवालपुरहेव ॥ ९१ ॥ मो० ॥ अप्रतिहतचक्रसार्थवाहनें ॥ सुमंगलानामेंनार तेहनीकुर्षेपुत्रऊऊउ ॥ विनईगुणसमार ॥ ९२ ॥ मो० ॥ चक्रदेवमुरुअती घाठचित ॥ पाम्योबालकसाव ॥ उववर्त्योनारकशुकएहवे ॥ आयुरुशतिहाताब ॥ ९३ ॥ मो० ॥ तेहनयरमांएकपुरोहीत ॥ सोमसर्मातसनारी ॥ नदिवर्द्धनामेतेहनीकुर्षेउपनोसूतअवतारी ॥ ९४ ॥ मो० ॥ कालक्रमेंजज्ञदेवठव्यु असीघा ॥ कुमरसावतेपाम्यो ॥ महारेतेहनेंप्रीतीघनीतव ॥ ऊउअतिविश्रामो ॥ ९५ ॥ मो० ॥ पणिघणीप्रीतीम्हारेसदसावें ॥ एहतोकपटेंराखे ॥ पुरवनाअत्यासकरमना ॥ दोषएनजरेंदार्षे ॥ ९६ ॥ मो० ॥ सरलघणोऊपणिएवांको ॥ म्हारीसपदादेखी ॥ मत्सरघरेवलीवचेठलथी ॥ ठिद्रतणोवलिपेखी ॥ ॥ ९७ ॥ मो० ॥ यत. ॥ खल सक्रीयमाणोपि ॥ ददातिकलहंसता ॥ ड्ग्धे धौतोपीकियाति ॥ वायस कलहसतां ॥ १ ॥ ढालपुर्वली ॥ नजम्युठिद्रविचारेतिवारे ॥ इमएठलीनवीसकीइ ॥ तिणेंइहांएहउपायतेकिजे ॥ जिमइणि इहांनवीटकिइ ॥ ९८ ॥ मो० ॥ घदनसारथवाहनाघरथी ॥ लावुऊव्यऊमुझी ॥ मुकवाअपुएहनाघरमां ॥ रायस्येएपणिऊसी ॥ ९९ ॥ मो० ॥ सूपतिनेसत्तलाविसजईनें ॥ राजादमतेदेस्ये ॥ मारस्येकूटस्येनेंवलीएहनु ॥ घरपणिलूटिलेस्ये ॥ २०० ॥ मो० ॥ जिमचितव्युतिमकामजकिघू ॥ लाविऊव्य मुरुसासें ॥ मित्रसूणोएऊव्यमुरुराषो ॥ गोपवज्योमुरुआसें ॥ २०१ ॥ मो० ॥ कुवेलाइलाव्योतिणेंवाक्यो ॥ ऊव्यनराषुजांम ॥ तोपणिदाक्षिण्यताघणीआंणी ॥ ऊव्यगोपव्युगम ॥ २ ॥ मो० ॥ सज्जनतेहजसज्जनहोवे ॥ खलतेऽर्जनथाय ॥ काकतेकालासघलेदेषो ॥ शुकनीलाशुखदाय ॥ ३ ॥ २ मो० ॥ विजेखमेसातमीढालें ॥ पद्मविजयएहदाप्यो ॥ कस्तुरीनेंहीगपटतर ॥ सविजनेंचितमाराप्यो ॥ ४ ॥ मो० ॥ ऊहा ॥ नयरमांजनरवनिकल्यो ॥ सेठचदनसत्थवाह ॥ घरमुस्युंतेहनुघणु ॥ हरीउंऊव्यअथाह ॥ ५ ॥ सासलीमुरुचितव्यकीउ ॥ गयोजज्ञदेवगेह ॥ पुछ्युमेंपरपत्रिनें ॥ एकिमइणिपरेंएह ॥ ६ ॥

जन्नदेवबोल्योजटो ॥ स्योमुकमासंदेह ॥

ह ॥ ७ ॥ परनोद्रव्यआपुनही ॥ आकागईतवसाल ॥

चदनचतुरवाचाल ॥ ८ ॥ मुकघरकोईमुसीगयो ॥ सर्णेतबासुणा ॥

गयुतेसासीइ ॥ कहेसेठततकाल ॥ ९ ॥ द्रव्यखिस्याच्योवफतरें ॥

करेहाल ॥ फेरेरोषजमावीइ ॥ सपलेकरोससाल ॥ १० ॥

नी ॥ फेरेरोकेरवेतांनरे ॥ तासलव्योलोका ॥ मिलीमोर्केलोका ॥

का ॥ देठनृपअन्यार्ईनेरे ॥ ११ ॥ चदनसरखाहेगहणी ॥

कोईलसोतसकेरो ॥ जेहहोयसलेरो ॥ नेरोरेआबिकहोमुकभर्तारे ॥

आव्योहोयव्यापारमा ॥ जोद्रव्यनोदेखा ॥ अपबातेअरोस ॥

॥ केआलहोरेरषेबापभारे ॥ १२ ॥ चमआसनएरायठे ॥

दमतेहनेंदाषे ॥ नहिराखेसराखे ॥ घनलेईसरीरनेंवम्स्येरे ॥ १३ ॥

फेरीरसा ॥ पर्छेदिनगयापच ॥ मुकीखलखच ॥ जइकहेपरपच ॥

वनरपतिसणीरे ॥ १४ ॥ रेनरपतितुम्हसाषवु ॥ तेजुगतुनांहि ॥

आंहि ॥ रायदरबारमांहि ॥ किमनवीकजतुम्हहितसणीरे ॥ १५ ॥

कर्नेपरलोकनो ॥ विरूधआचार ॥ सेबेनिरधार ॥ डखनोदातार ॥

तमनोपणिजिकोरे ॥ १६ ॥ तेहमीभर्नेस्युकरू ॥ किमरायजवेषु ॥

यकदेषु ॥ नजरेंकरीपेषु ॥ तिर्णेतुमनेंएजणाविइरे ॥ १७ ॥

वातरे ॥ जेतुम्हमनसाई ॥ परीबातजेंकाई ॥

नसाषज्योरे ॥ १८ ॥ जन्नदेवकहेआसखो ॥ मेंसुणीउंकार्ने ॥

नें ॥ चकदेवजोमार्ने ॥ गर्नेस्यूएहनुंघरजोईइरे ॥ २० ॥

रे ॥ मेंसासइयूइम ॥ चकदेवेप्रेम ॥ चवनघरनेंम ॥ पेमेरेगोपव्यूनिजघरेरे ॥

॥ २१ ॥ हवेमनमानेंतिमकरो ॥ तूमेमोहटाराय ॥ माफिपणथाय ॥ नाहक

स्यूजाय ॥ सायठेमाहरोएमोटिकोरे ॥ २२ ॥ नृपकहेनविससवायरे ॥ सु

नीइमवात ॥ उत्तम[illegible]मात ॥ विरूधअवदात ॥

जन्नदेवकहेसांर [illegible] मुतेसाचु ॥ पणिस्युंकराचु ॥ लोसेंहोयेकाचु ॥

जासुद्दोइरेमनजेहनुरे ॥ २४॥ एहमांकुलनोस्योवांकरे ॥ सूरसीहोयफुल ॥ कीटकप्रतीकूल ॥ तेमेंलेंधूलि ॥ ऽगणमाहिरेवीऽीउपजेरे ॥ २५॥ एहनु घरिजोवरावीइ ॥ कोईकरीपरकार ॥ सुणीवातविचार ॥ वातजुगतीधार ॥ चमत्र्यासनहवेराजीजेरे ॥ २६ ॥ कारणिआनेमीकहे ॥ हवेइणीपरिराजा ॥ महाजनसक्रसाजा ॥ जेहोयअतिमाजा ॥ ऋाजारेन्यायकरेजिकेरे ॥ २७॥ चदनसत्थवाहगेहनो ॥ समारीलीजें ॥ सक्रमिलीप्रगमीजइ ॥ चक्रदेवघरिकीजें ॥ नाठिजेलखमीतेहनीषोजनारे ॥ २८ ॥ कारणिआतवचितवें ॥ स्योरायनोबोल ॥ नकरेंकांयतोल ॥ एराजेंअमोल ॥ चोलमजिठरगधर्मनोरे ॥ २९॥ अथवाआंपणेकांयरे ॥ आणानाकरता ॥ इमचितमांधरता ॥ कायआंसुऋरता ॥ करतारेलेसासक्रनेंतिहांगयारे ॥ ३० ॥ पोहोरदिवचारसोपाठिलो ॥ तवसक्रइआव्या ॥ मुऋमनसोहाव्या ॥ बेठासक्रसाया ॥ मायारेमुऋउपरिधणीरे ॥ ३१॥ बिजेखमएहरे ॥ कहेआठमीढाल ॥ गुरूउत्तमबाल ॥ घणवातरसाल ॥ मालामगलनीपामोसक्रजनारे ॥ ३२ ॥ उहा ॥ महाजनकारणिआमिली ॥ मुऋनेंपुछेइम ॥ सारथवाहसूतसांसलो ॥ पुछुनियमेंप्रेम ॥ ३३॥ कोइव्यवहारकरतांथकां ॥ किमहिकलाव्योकोय ॥ तोअमनेंसाषोतुम्हे ॥ हमणां वातजेहोय ॥ ३४ ॥ सक्रनेंकसुनिचाकथी ॥ नविकोईजाणनेंम ॥ तवकारणीआतेहनें ॥ जलपेसासलोजेम ॥ ३५॥ कोपनकरज्योकोमनें ॥ आणानरपतिइम ॥ तुमघरजोवुततपरें ॥ कहोतिणेंकरीइकेम ॥ ३६॥ ऋबोल्योहमणांनही ॥ कोपनोअवसरकाय ॥ प्रजापरिक्षापरगमो ॥ नरपतिहोवेंन्याय ॥ ३७॥ ढाल ॥ लालननीदेशी ॥ नगरनाव्रत्यपुरूषलेइसाथें ॥ रायपुरूषेंजोयुनिजहाथें ॥ लालन जोयुनिजहाथें ॥ द्रव्यदिठुतिहांबहूपरकार ॥ मुक्युभयनकरीनेंअपार ॥ ॥ लाल० क० ॥ ३८ ॥ सांमचदननामांकितसार ॥ हिरण्यकेरांमुलउदार ला० ॥ मू० ॥ बाहिरलावीसक्रनेंदेखाड्यू ॥ चदनसमारीपुरठाव्यु ॥ ला० री० ॥ ॥ ३९ ॥ जोईनेंडरवीआनीपरेंबोल्यो ॥ सत्तवेंठेएहवुचित्तमोल्यो ॥ ला० ए० ॥ पणिसंसयमुऋचितमांआवे ॥ तवकारणीआकहेइणदावें ॥ ला० क० ॥ ४० ॥

जइदेवबोल्योजटो ॥ स्योमुळमासंदेह ॥ नातसयेंघरिताहरे
ह ॥ ७॥ परनोद्रव्यआपुनहीं ॥ आकागईतवसाज ॥
चदनचतुरवाचाल ॥ ८॥ मुळघरकोईमुसीगयो ॥ सर्णेतवासुणाय ॥
गयुतेसासीइ ॥ कहेसेठततकाल ॥ ९॥ द्रव्यजिस्याव्योवफतरे ॥
करेहाल ॥ फेरोवजभावीइ ॥ सघलेकरोससाज ॥ १०
नी ॥ फेरोफेरवेतावरे ॥ तांसलव्योलोका ॥ मिलीयोकेयोका ॥
का ॥ देठेनृपअन्यार्इनेरे ॥ ११ ॥ चदनसठवाहेगेहमी ॥
कोईलसोतसकेरो ॥ जेहहोयसलेरो ॥ नेरोरेआविकहोमुळमतिरे ॥
आव्योहोयव्यापारमा ॥ जोद्रव्यनोदेव ॥ अथवातेअशेस ॥
। केवालहोरेरषेवापफोरे ॥ १२ ॥ घनश्रासनएरायठे ॥
दफतेहनेंदाषे ॥ नहिराखेसराखे ॥ घनलेईसरीरनेंदम्स्येरे ॥ १३ ॥
फेरीरसा ॥ पछेदिनगयापच ॥ मुकीखलखच ॥ जइकहेपरपच ॥
वनरपतिसणीरे ॥ १४ ॥ रेनरपतितुम्हसाचवु ॥ तेजुगतूनाहि ॥
आंहि ॥ रायदरबारमांहि ॥ किमनवीकतुम्हहितसणीरे ॥ १५ ॥
कर्नेपरलोकनो ॥ विरूघआचार ॥ सेवेनिरधार ॥ डरवनोवातार ॥
तमनोपणिजिकोरे ॥ १६ ॥ तेहमीवर्नेस्युकरू ॥ किमरायअवेषु ॥
यऊदेषु ॥ नजरेंकरीपेषु ॥ तिर्णेतुमर्नेएअणाविइरे ॥ १७ ॥
वातरे ॥ जेतुम्हमनसाई ॥ घरीवातजेंकाई ॥
नसाघज्योरे ॥ १८ ॥ जइदेवकहेशासजो ॥ मेंमुणीजेंकार्मे ॥
नें ॥ चक्रदेवजोमानें ॥ तार्नेस्युएहनुंघरजोईइरे ॥ १९ ॥ पासेंनापरिजमनास
रे ॥ मेंसासस्यूइम ॥ चक्रदेवेप्रेम ॥ चवनघरनेंम ॥ येमेंरेगोपव्यूनिजपरेरे ॥
॥ २१ ॥ हवेमनमानेंतिमकरो ॥ तुमेमोहटाराय ॥ माफिपणपाय ॥ नाहक
स्यूजाय ॥ सायठेमाहरोएमोटिकोरे ॥ २२ ॥ नृपकहेमविससवाप्यरे ॥ एह
नीइमवात ॥ उत्तमकुलजात ॥ विरूघअववात ॥
जइदेवकहेसासजो ॥ तुमेकसुतेसाचु ॥ पणिस्युकरांचु ॥ जोसेंहोयेकाचु ॥

जासुहोश्रेमनजेहनुरे ॥ २४॥ एहमांकुलनोस्योवांकरे ॥ सुरसीहोयफुल॥ कीटकप्रतीकूल ॥ तेमेंलेंघूलि ॥ उगणमांहिरेवीछीउपजेरे ॥ २५ ॥ एहनु घरिजोवरावीइ ॥ कोईकरीपरकार ॥ सुणीवातविचार ॥ वातजुगतीधार ॥ चमत्रासनहवेंराजीउरे ॥ २६ ॥ कारणिआतेमीकहे ॥ हवेंश्णीपरिराजा ॥ महाजनसह्नसाजा ॥ जेहोयअतिभाजा ॥ ऊजारेन्यायकरेजिकेरे ॥ २७॥ चंदनसत्थवाहगेहनो ॥ समारीवीजें ॥ सह्नमिलीआगमीजइ ॥ घककदेवघरिकीजें ॥ नाठिजेलखमीतेहनीषोजनारे ॥ २८ ॥ कारणिआतवांचतवें ॥ स्योरायनोबोल ॥ नकरेंकायतोल ॥ एराजेंअमोल ॥ चोलमजिठरगधर्मनोरे ॥२९॥ अथवाआंपणेंकायरे ॥ आणानाकरता ॥ श्मचितमांघरता ॥ कांयआंसूकरता ॥ करतारेसेलासह्ननेंतिहागयारे ॥ ३० ॥ पोहोरदिवश्चरसोपाठिलो ॥ तवसह्नइआव्या ॥ मुऊमनसोहाव्या ॥ बेगसह्नसाया ॥ मायारेमुऊउपरिघणीरे ॥ ३१ ॥ विजेरवमएहरे ॥ कहेंआठमीढाल ॥ गुरुउत्तमवाल ॥ घणवातरसाल ॥ मालामगलनीपामोसह्नजनारे ॥ ३२ ॥ डुहा ॥ महाजनकारणिआमिली ॥ मुऊनेंपुछेंश्रम ॥ सारथवाहसतसांसलो ॥ पुछुनियमेंप्रेम ॥३३॥ कोइव्यवहारकरतांथका ॥ किमहिकलाव्योकोय ॥ तोअमनेंसाषोतुम्हे ॥ हमणांवातजेहोय ॥ ३४ ॥ सह्ननेंकह्युंनिश्चकथी ॥ नविकांईजाऊनेंम ॥ तवकारणीआतेहनें ॥ जलपेसांसलोजेम ॥३५॥ कोपनकरज्योकोमनें ॥ आणानरपतिश्म ॥ तुमघरजोवुंततपरें ॥कहोतिणेंकरीइकेम ॥३६॥ ऊबोल्योहमणांनही॥ कोपनोअवसरकाय ॥ प्रजापरिक्षापरगमो ॥ नरपतिहोवेंन्याय ॥३७॥ ढाल॥ लालननीदेशी ॥नगरनारूपुरुषलेश्सार्थे ॥ रायपुरुषेंजोयुनिजहार्थें ॥लालनजोयुनिजहार्थें ॥ द्रव्यदिठुतिहांबह्नपरकार ॥ मुक्युभयमकरीनेंअपार ॥ ॥ लाल० क० ॥ ३८ ॥ सांमचदननामांकितसार ॥ हिरण्यकेरांमुलउदार ला०॥ मू०॥ बाहिरलावीसह्ननेंदेखाड्यू ॥ चदनसमारीपुरठाव्यु ॥ ला० री० ॥ ॥ ३९ ॥ जोईनेंऊखीआनीपरेंबोल्यो ॥ सत्तवेंठेएहबुचित्तमोल्यो ॥ला०ए०॥ पणिसंसयमुऊचितमांआवे ॥ तवकारणीआकहेश्णदावें ॥ ला० क० ॥४०॥

पत्रवाचोजेलिख्योछेआप ॥ तेहमाछेकेनहीअआआप ॥ ला० न० ॥ [illegible]
सीउपत्रमांजेह ॥ सकस्यरहरषावेखीनेंतेह ॥ ला० दे० ॥ [illegible]
आकहेसांसलिसाशिएह्मचितुकपरिकिहाथीआई ॥ ला० कि० ॥ [illegible]
ब्यूमीअनुनाम ॥ किमसाधुसकमांश्णगाम ॥ ला० स ॥ ४२ ॥ चोरक[illegible]
एहनेंसाथे ॥ तोमुक्सज्जनताकिमदाथे ॥ ला० ता० ॥ परभाए किमह[illegible]
उगारी ॥ कबोल्योतिहांश्मविचारी ॥ ला० इ० ॥ ४३ ॥ एसविसा[illegible]
हराघरनां ॥ तवकहेनामकेमछेपरनां ॥ ला० के० ॥ मेकमुंसबरिमचीमु[illegible]
कांय ॥ फेरफारचयोहोस्येतेभाय ॥ ला० हो० ॥ ४४ ॥ कारणीआ[illegible]
स्याछे ॥ हिरएयनीपणिकहोजेहलीख्याछे ॥ ला० जे० ॥ मेंकमुनवीमुक[illegible]
रेतेह ॥ पोतानीमेलेंजुउतेएह ॥ ला० जु० ॥ ४५ ॥ कारणीश्मचाल्योपत्र ॥
विनारसहसतेदसतिहांउत्त ॥ ला० द० ॥ पत्रनेंवस्तुवेसमोबमेंमिलीआ ॥
नागरकारणिआमनचलीआ ॥ ला० आ० ॥ ४६ ॥ विस्मयपाम्याएकि[illegible]
होय ॥ चक्रदेवनेंकिमश्मजोय ॥ ला० कि० ॥ पश्चीमसुरयजोकविडगे ॥ च
रद्रव्यहरणनकरेकोईजुगे ॥ ला० क० ॥ ४७ ॥ फरिपुछेकहोपरगठवात ॥
स्योएवाततणोअवदात ॥ ला० त० ॥ फिरतो पुछुंएरायनीआणि ॥ मेंकरचुते
हजउतरदाण ॥ ला० उ० ॥ ४८ ॥ धिगहोदेवनेंश्मविचारी ॥ फरिपुछेका
कहोनिरधारी ॥ ला० क० ॥ तोहिनतेहनेंमेंकांईसास्यू ॥ कोस्योकोठवा[illegible]
मधिमास्यू ॥ ला० ई० ॥ ४९ ॥ सेईचालोहवेसूपनेंपासें ॥ श्मकरी[illegible]
यसकासें ॥ ला० रा० ॥ वातसुणावीरायनेंतेह ॥ रायकहुंमुकसांस[illegible] ॥
ला० सां० ॥ ५० ॥ उसयलोकनीवाततेजाणो ॥ एहवुंकामनथाश्तुम[illegible] ॥
॥ ला० ॥ था० ॥ एहमुञसाधूअसतवकिमछे ॥ कहोपरमारथनिपनो[illegible]
छे ॥ ला० ॥ नी० ॥ ५१ ॥ आपिमांआसूनेंकांयनबोल्यो ॥ पुरचपरिचित्त[illegible]
नवीमोल्यो ॥ ला० ॥ चि० ॥ मुकउपरिशकाल्पआवी ॥ पणमुक्सातमो
आदरलावी ॥ ला० ॥ आ० ॥ ५२ ॥ मुकनवीकांईहिणसाप्यु ॥ कवर्मनाम
करीवकराप्यु ॥ ला० ॥ क० ॥ वेशनिकालकरस्योमुकराह ॥ नयरथीकाल्यो

मुकतिएगाय ॥ ला० ॥ मु० ॥ ५३ ॥ नगरदेवतामननेंपासें ॥ मुक्योमुकनें रायनेंदावों ॥ ला० ॥ रा० ॥ रायपुरूषगयानिज २ गांम ॥ तवमुकथिताउ पनीग्राम ॥ ला० ॥ उ० ॥ ५४ एवमापरासवसाजनमुकनें ॥ जिववुनघटे जिवमातूकनें ॥ ला० ॥ जि० ॥ वमनोष्टकतेदेउलपासें ॥ मरशाखाल्योगलेंदे इफांसो ॥ ला० ॥ ग० ॥ ५५ ॥ इणअवसरजुश्वनदेवी ॥ अवधीज्ञानेंकरी वाततेएहवी ॥ ला० ॥ वा० ॥ उपनीमुकउपरिअनुकपा ॥ चितवेचित्तमांयइ अजपा ॥ ला० य० ॥ ५६ ॥ एहअघटतूमोहदुथावे ॥ रायनीमातनादिल मांआवे ॥ ला० ॥ दि० ॥ रायनेंवातजथारयसाषी ॥ जेहअनीनीतिसघलिवा षी ॥ ला० ॥ स० ॥ ५७ ॥ नगरनेंबाहिरअमुकउद्यान ॥ यक्षदेवमरवानइ ध्यांन ॥ ला० ॥ म० ॥ दिइगलेफासोतेजईनेंनिवारो ॥ देईसनमांननेंनयरेपे शारो ॥ ला० ॥ न० ॥ ५८ ॥ क्रोधनेहदोयरसअनुसवतो ॥ रायकहेउ ख षीटलवलतो ॥ ला० ॥ दू० ॥ रेजक्षदेवमहोउराचार ॥ आणादेशगयोनयरनें वार ॥ ला० न० ॥ ५९ ॥ ढोढेसार्थेपोहतोराय ॥ डरथीदेरवीआव्योपलाय॥ ॥ला० ॥ आ० ॥ गलफांसोदेरवीकरेसोर ॥ मासाहसकरीतुश्णगोर ॥ ला०॥ ॥ तु०॥६०॥ आविदूरकरयोमुकपाद्या॥ हायपकमीवेदयास्योपाद्य ॥ला०॥नृप तीवक्रआवरकेरतास ॥ देरवीपामेंचित्तउल्लास ॥ ला० ॥ चि०॥ ६१ ॥ नर्व मीढालएविजेरवम ॥ जसकिरतीसज्जननीअरवम ॥ला० ॥ ज० ॥ पद्मविज यकहेचढतोरग ॥ सज्जनहोयजीमकनकतरग ॥ ला० ॥ क० ॥ ६२ ॥ ॥ डुहा ॥ पुछ्युमेंतुकपरपरें ॥ तुकनेंएसविवात ॥ सूपतीकहेनथीसाषीउ ॥ तेंएहनोअवदात ॥ ६३ ॥ सार्थवाहसूतसत्यतू ॥ जाण्युंसघलूकाज ॥ देविइ मातनादिलमां ॥ अविआण्युआज ॥ ६४ ॥ जक्षदेवजुठोकह्यो॥ साचोतू तुकथाषि ॥ म्हेंचित्यूमातुपयु ॥ सुपनीसांसलीसाषि ॥ ६५ ॥ क्षितिपतिक हेतुम्हथामीइ ॥ षमवुकरीमनषांति ॥ परमारथनपीछाणीउं ॥ घमधम्योक्रो धेंध्वांत ॥ ६६ ॥ करीकदर्थनाआकरी ॥ नांण्योकष्टअयाए ॥ म्हेंत्यांसली चित्यूमनें ॥ अहोअनरथअचान ॥ ६७ ॥ व्यसनजक्षदेवआविउं ॥ एहय

पत्रवांचोजेलिख्योछेआप ॥ तेहमांछेकेनहीअआलाप ॥ ला० म० ॥ विपुल
खीउपत्रमांजेह ॥ सकळपरहरघादेखीनेंतेह ॥ ला० दे० ॥ ...
आकहेसांसलिलाशेएकअतुळपरिकिहाथीआई ॥ ला० कि० ॥ ...
थ्यूमीत्रनुनाम ॥ किमसाधुसकळमांश्यागाम ॥ ला० स ॥ ... ॥ ...
एहनेंसाथे ॥ तोमुक्सज्जनताकिमदाये ॥ ला० ता० ॥ परमाणकिमइ...
उगारी ॥ कमोस्योतिहांश्मविचारी ॥ ला० इ० ॥ ४६ ॥ एसविस...
हराघरनां ॥ तवकहेनामकेमछेपरनां ॥ ला० के० ॥ मेंकर्मुखवरि...
कांय ॥ फेरफारथयोहोस्येतेभाय ॥ ला० हो० ॥ ४७ ॥ कारणीआ...
ख्याछे ॥ हिरण्यनीपणिकहोजेहलीख्याछे ॥ ला० जे० ॥ मेंकमुनवीमुक...
रेतेह ॥ पोतानीमेलेंजुउतिएह ॥ ला० जु० ॥ ४८ ॥ कारणीश्वराप्योपत्त ॥
विनारसहसतेदसतिहांउत्त ॥ ला० द० ॥ पत्रनेंवस्तुवेसमोवमेंमिलीआं ॥
नागरकारणिआमनचलीआ ॥ ला० आ० ॥ ४९ ॥ विस्मयपाम्याएकि
होय ॥ चक्रदेवनेंकिमश्मजोय ॥ ला० कि० ॥ पथ्वीमसुरयजोकविजे ॥ प
रद्रव्यहरणनकरेकोईजुगे ॥ ला० क० ॥ ५० ॥ फरिपुछेकहोपरगठवात ॥
स्योएवातततणोअवदात ॥ ला० त० ॥ फिर ... पुछुएरायनीआणि ॥ मे...ते
हजउतरदाए ॥ ला० उ० ॥ ५१ ॥ धिगहोदेवनेंश्मविचारी ॥ फरिपुछेकां
कहोनिरधारी ॥ ला० क० ॥ तोहिनतेहनेंमेंकांईसास्यू ॥ कोप्योकोदवास्य
मविमास्यू ॥ ला० ई० ॥ ५२ ॥ सेईचालोहवेसूपनेंपासें ॥ श्मकरीचारमास
मसकाशें ॥ ला० रा० ॥ वातसूणावीरायनेंतेह ॥ रायकर्हुमुकसासविदेह ॥
ला० सा० ॥ ५३ ॥ उसयलोकनीवाततेजाणो ॥ एहर्हुकांमनचाश्मूमजाणो ॥
॥ ला० ॥ चा० ॥ एहथुअसाघूअससवकिमछे ॥ कहोपरमारथनिपनोकिम
छे ॥ ला० ॥ नी० ॥ ५४ ॥ आपिमांआसुनेंकांमनबोल्यो ॥ पुरवपरिचिंतवी
नवीमोल्यो ॥ ला० ॥ चि० ॥ मुक्उपरिआकाश्पथ्यावी ॥ पणमुक्मालमो
आदरलावी ॥ ला० ॥ आ० ॥ ५५ ॥ मुक्नवीकांईहिणंसाप्यु ॥ कवचनाम
करीवकराप्यु ॥ ला० ॥ क० ॥ देश्रनिकालकरयोमुकरायें ॥ नयरथीकाढ्यो

समरचंपेनऊदिठो ॥ सोलकलासपूर्ण ॥ चदअघलेनदिठो ॥ करहिऐंपागुळे॥ कठिनकोबाणनताण्यो॥जुवतीकठविलग्ग॥ मुग्धरसलेदनजाण्यो॥कुणही पुतकपुतरस ॥गितनादचित्तनविधार्यो॥कविगबकहेरेठकुरो ॥ तोगुणवनो हिगुणगस्यो ॥ १ ॥ ढालपुर्वली ॥ मुऊनेंउपनोनीरवेद ॥ एहवामीत्रनेंश्मषे द ॥ कर्मपरिणतीनावऊसेद ॥ सद्यारअद्यारतावेद ॥ ८४ ॥ स० ॥ परचित्त नोपारनलहिशजोमीत्ततेश्होहीकहीश।कुणदेषीचित्तगहगहिश॥ एहनेत्यागेंसू खमांरहिइं॥ ८५ ॥ स० ॥ यत ॥ वरनराज्यनकुराजराज्य ॥ वरनमीत्र नकुमीत्रमीत्र ॥ वरंनदानंऊदारदारा ॥ वरनशीप्योनकुशीप्यशिप्य ॥ १ ॥ ,ढालपुर्वनी ॥ शणिअवशरमुनीवरआया ॥ अग्नीसूतीगणधरराया ॥ सजम जोगेंअतिहिसोहाया ॥ उद्यानमाहितेठाया ॥ ८६ ॥ स० ॥ म्हेंबाहिरगया थकादिठा ॥ मुऊमनमालागामीठा ॥ म्हाराडूरगयासवरिठ ॥ प्रणम्याधरीरा गउकीठ ॥ ८७॥ स० ॥ धर्मलाभदिधोगुरुराय ॥ वेठेगुरुकेरेपाय ॥ पुठ्यो मेंधर्मउपाय ॥ जेहथीसवीदूखमांजाय ॥ ८८ ॥ स० ॥ कहोखतिप्रमुखमु नीधर्म ॥ शोसलीउपनोधणशर्म॥दिधा मुऊविवरतेकर्म ॥ तजितमीथ्यामत सर्म ॥ ८९ ॥ स० ॥ थयोदेशविरतीपरिणांम ॥ वधतेसवेगउद्दांम ॥ वैराग्य तणोथयोधाम।करेआतममाआराम।९०। स० ।विजेरबंनंदशमीढाल।साषी अतिहिमुरशाल।कहेउत्तमविजयनोबाल ।सुणत।होयमगलमाल।९१।स०॥ ॥ ड्हा ॥ पुन्यउदयमुऊपाधरो॥ कर्मतेगल्याकठोरा। विर्यउल्लासघणोवध्यो॥ चदज्यूंदेखीचकोर ॥९२॥ वधस्थितित्रुटीवऊ ॥ व्रतपरिणामविशेप॥ सग वतनेसाप्यूतदा ॥ अनुमहकिधअशेस ॥ ९३॥ विरम्योचित्तसववासथी ॥ करोआणाकरूतेह ॥ श्रुतज्ञानीतेसासली ॥ एहवुबोल्याएह ॥ ९४॥ साधूप णलुम्हेंसमहो ॥ जोग्यजिवतूजाणि ॥ पुरवपुरसेंपमीवज्यु ॥ सजमसुखनी खाणि ॥ ९५ ॥ गुरुवयणांसुणीज्ञानथी ॥ चारित्रचोपेचित्त ॥ आदरिउअ तिआदरे ॥ पाल्युतेहपवीत्त ॥ ९६ ॥ आराध्युआयुलगे॥ कालमासेंकरीका ल ॥ देहतजीदेवलोकमा।वाध्योपुन्यविशाल॥ ९७ ॥ नवसागरनिर्झरथयो॥

योऽनरव ॥ कहेनृपनेंकाढोघरी ॥ जयदेवनीजहरव ॥ ६७ ॥ महा
म्हेपालक ॥ किमतुमदोसकहाय ॥ मूलगुरुकाढिअने ॥ एतअ
॥ ६९ ॥ ढाल ॥ मनोहरमोकलोनेमोसालो ॥ एदेशि ॥ चकवेवकहे
य ॥ एहयीअकार्यनथाय ॥ जयदेवमिमअम्हसाय ॥ तिर्णेपुरीन
॥ ७० ॥ सजनइमजाणीइसलीरीती ॥ धूरगेहलगेंघरेप्रीती ॥ स० ॥ ए
कणी ॥ नहोयेहोयतोयोमोकाल ॥ घणोरहेतोनीष्फलसाल ॥ इमस
घससाल ॥ दूरजननोनेहनिहाल ॥ ७१ ॥ स० ॥ रायकहेअमसाम्पुंनाय
सगवतितेअलिकनथाय ॥ कहिवाततेसघलीराय ॥ जयदेवजेपुर्वेकहाय
॥ ७२ ॥ स० ॥ मेंचितव्यूएहसीवात ॥ किमजयदेवमुझभ्रात ॥ करेएहवुं
मविख्यात ॥ नविससमएहमोघात ॥ ७३ ॥ स० ॥ एहवेरायपूरूषेंआंण्यो ॥ ज
यदेवघाघीनेंतांण्यो ॥ राइकुकमकर्योतिर्णेंजाणे ॥ जिसजेंनकरोसवजाण्यो
॥ ७४ ॥ स० ॥ बलिआंण्योदोयडपाणी ॥ एहनाघरनोल्योजाणी ॥ अष्टमुष्टिमह
रेतेताणी ॥ एहनेंदेशमीवलीनीरघाणी ॥ ७५ ॥ स० ॥ तवकुनृपपाइपडीअरायनी
उलगमांअमीज ॥ एदोषतेमुझआफमीउ ॥ इमकुनृपस्यूघणसीमीउ ॥ ७६ ॥ स०
जयदेवनेंमुकोस्वामी ॥ विजिवस्तुनोकनहिकामी ॥ जयदेवेंजोआपदापामी
तोमुझमांआवस्येखामी ॥ ७७ ॥ स० ॥ रायकहेनहिजुगतीवात ॥ एहउ
ष्टजेसातेघात ॥ एतोकरेविश्वासनोघात ॥ एहनेंराख्येस्युथात ॥ ७८ ॥ स०
कांयमांगतूबिजुआपु ॥ चिरवारकरीतुझथापू ॥ पणजयदेवनेंनापु ॥ वि
जाताहरांउ खकापु ॥ ७९ ॥ स० ॥ मेंकग्रुजोमुझवकमांन ॥ घोएहनेजी
वीतदांन ॥ नृपकहेस्यूकरुंइणजांण ॥ एहनुखमीउसकतोफान ॥ ८० ॥
॥ स० ॥ मेंकग्रुकीघोश्रुपशाय ॥ पमीउनरपतिनेंपाय ॥ जयदेवमुकाव्योसा
थ ॥ नरपतीआवरवकसाय ॥ ८१ ॥ स० ॥ बकुमहिमुझबोलाव्यो ॥ सज
नचित्तमाघणसाव्यो ॥ राइनोजसराहेंआव्यो ॥ इमलोकवचनेंसोहाव्यो ॥
॥ ८२ स० ॥ जयदेवजघन्यताजुउ ॥ एजिबतोजाणिइमुउ ॥ चकवेबकिलिपरि
कुउ ॥ गसीरज्यूउमोकूउं ॥ ८३ ॥ स० ॥ सवैउ ॥ वहिरेगीतमकुंवरभ्यो ॥

समरचंपेनऊदिठो ॥ सोलकलासपूर्ण ॥ चदऋधलेनदिठो ॥ करहिऐंपागुले ॥ कठिनकोबाएनताएयो ॥ जुवतीकठविलग्ग ॥ मुग्धरसलेदनजाएयो ॥ कुएही पुतकपुतरस ॥ गितनादचित्तनविधास्यो ॥ कविगषकहेरेठ कुरो ॥ तोगुएवंतो हिगुएगस्यो ॥ १ ॥ ढालपुर्वली ॥ मुऊनेंउपनोनीरवेद ॥ एहवामीत्रनेंश्मपे ख ॥ कर्मपरिएतीनावऊलेद ॥ सशारऋशारतावेद ॥ ८४ ॥ स० ॥ परचित्त नोपारनलहिश ॥ जोमीत्ततेश्रोहीकहीश ॥ कुएदेषीचित्तगहगहिश ॥ एहनेत्यागेंसू खमांरहिशं ॥ ८५ ॥ स० ॥ यत ॥ वरनराज्यनकुराजराज्य ॥ वरनमीत्र नकुमीत्रमीत्र ॥ त्ररंनदानंऊदारदारा ॥ वरनशीष्योनकुशीष्यशिष्य ॥ १ ॥ ढालपुर्वनी ॥ र्शएिऋवश्ररमुनीवरऋाया ॥ ऋग्गीसूतीगएधरराया ॥ सजम जोगेंऋतिहिसोहाया ॥ उद्यानमांहितेठाया ॥ ८६ ॥ स० ॥ म्हेंबाहिरगया थकादिठा ॥ मुऊमनमालागामीठा ॥ म्हाराद्रूरगयासवरिठा ॥ प्रएम्यावरीरा गउकीठा ॥ ८७ ॥ स० ॥ धर्मलालविधोगुरूराय ॥ वेठेगुरूकेरेपाय ॥ पुछ्यो मेंधर्मउपाय ॥ जेहथीसवीदूखमांजाय ॥ ८८ ॥ स० ॥ कसोरवतिमसुखमु नीधर्म ॥ शांसलीउपनोघएऊशर्म ॥ दिधां मुऊविवरतेकर्म ॥ तजितंमीथ्यामत सर्म ॥ ८९ ॥ स० ॥ थयोदेशविरतीपरिणाम ॥ वधतेसवेगउद्दाम ॥ वैराग्य तएोथयोधाम ॥ करेऋातममाऋाराम ॥ ए० ॥ स० ॥ विजेरवंमेंदशमीढाल ॥ साषी ऋतिहिसुरशाल ॥ कहेउत्तमविजयनोबाल ॥ सूएतांहोयमगलमाल ॥ ए१ ॥ स० ॥ ॥ डुहा ॥ पुन्यउदयमुऊपाधरो ॥ कर्मतेगल्यांकठोर ॥ विर्यउल्लासघएोवध्यो ॥ चदज्यूंदेरवीचकोर ॥ ए२ ॥ वधस्थितित्रुटीवऊ ॥ व्रतपरिएामविशेष ॥ सग वतनेसाघ्यूतदा ॥ ऋनुपहकिधऋशेस ॥ ए३ ॥ विरम्योचित्तसववासथी ॥ करोऋाएाकरूतेह ॥ श्रुतज्ञानीतेसासली ॥ एहवुवोल्याएह ॥ ए४ ॥ साधूप एलुम्हेंसपहो ॥ जोग्यजिवतूजाणि ॥ पुरवपुरसेंपमीवज्यु ॥ सजमसुखनी खांएि ॥ ए५ ॥ गुरूवयएांसुएीज्ञानथी ॥ चारित्रचोपेचित्त ॥ ऋादरिउऋ तिऋादरे ॥ पाल्युतेहपवीत्त ॥ ए६ ॥ ऋाराध्युऋायुलगें ॥ कालमासेंकरीका ल ॥ देहतजीदेवलोकमा ॥ वाध्योपुन्यविशाल ॥ ए७ ॥ नवसागरनिर्झरथयो ॥

योअनरछ ॥ कहेनृपनेकाढोपरी ॥ जयदेवनीजहरछ ॥ ६८ ॥ प्रजापालकु ॥ किमतुमदोसकह्राय ॥ मूलशुद्धीकाढिअने ॥ एसकेस्यसवाय ॥ ६९ ॥ ढाल ॥ मनोहरमोकलोनेमोसालो ॥ एदेशि ॥ चकवेचकेयेरायु ॥ एहथीअकार्यनथाय ॥ जयदेवमित्रअम्हसाय ॥ तिर्णेचुरीनकरायं ॥ ७० ॥ सजनश्रमजाणीइसलीरीती ॥ धूरगेहलगेंघरेभीती ॥ स० ॥ एकणी ॥ नहोयेहोयतोथोमोकाल ॥ घणोरहेतोनीष्फलसाल ॥ इमसकलकरे घससाल ॥ धूरजननोनेहनिहाल ॥ ७१ ॥ स० ॥ रायकहेअमसाम्भुंनाथ ॥ सगवतितेअलिकनथाय ॥ कहिवाततेसघलीराय ॥ जयदेवजेपुर्वेकहाय ॥ ७२ ॥ स० ॥ मेंचितव्यूएहसीवात ॥ किमजयदेवमुझभ्रात ॥ करेएहदुष्क मविख्यात ॥ नविससवएहवोथात ॥ ७३ ॥ स० ॥ एहवेरायपूरुषेंआण्यो ॥ जयदेववांधीनेंताण्यो ॥ राइझकमकरशेतिर्णेंगणो ॥ जिसछेदनकरोसवजाण्यो ॥ ७४ ॥ स० ॥ चलिआण्योदोयतपाम्पो ॥ एहनाघरनोल्योकामो ॥ अष्टिमुष्टिबहु रेतेतामो ॥ एहनेंदेशथीवलीनीरघामो ॥ ७५ ॥ स० ॥ तवकनृपपाइपमीओरायनी उत्संगमांअमीओ ॥ एदोषतेमुझआफमीओ ॥ इमकनृपस्यूघणसीमीओ ॥ ७६ ॥ जयदेवनेंमुकोस्वामी ॥ विजिवस्तुनोकनहिकांमी ॥ जयदेवेंजोआपवापामी तोमुझमांआवस्येखामी ॥ ७७ ॥ स० ॥ रायकहेनहिजुगतीवात ॥ एहदुष्टछेसातेघात ॥ एतोकरेविश्वासनोघात ॥ एहनेंराख्येस्युघात ॥ ७८ ॥ स० कांयमांगतुविजुआपु ॥ शिरदारकरीतूझथापू ॥ पणजयदेवनेंनापु ॥ विजाताहरांडखकापु ॥ ७९ ॥ स० ॥ मेंकहुजोमुझबहुमांन ॥ घोएहनेजी वीतदांन ॥ नृपकहेस्यूकरुहणगाण ॥ एहनुरखमीउसझतोफान ॥ ८० ॥ ॥ स० ॥ मेंकहुकीघोशुपशाय ॥ पमीओनरपतिनेंपाय ॥ जयदेवमुकाव्योसाय ॥ नरपतीआवरबहुदाय ॥ ८१ ॥ स० ॥ बहुमांनेंमुझबोलाव्यो ॥ सजनचित्तमाघणसाव्यो ॥ राहनोजखराहेआव्यो ॥ इमलोकवचनेंसोहाव्यो ॥ ॥ ८२ स० ॥ जयदेवजधन्यताजुओ ॥ एजिवतोजाणिइंमुओ ॥ चकवेंबांकिणिपरि कुओ ॥ गसीरज्यूझकोकूओ ॥ ८३ ॥ स० ॥ सवैओ ॥ बहिरेमीतनकह्यो ॥

समरचंपेनझदिगे ॥ सोलकलासपूर्ण ॥ चदअधलेनदिगे ॥ करहिंएंपागुले॥ कठिनकोवाणनताण्यो॥ जुवतीकठविलग्ग ॥ मुग्धरससेदनजाण्यो॥ कुणही पुतकपुतरस ॥ गितनादचित्तनविधार्यो॥ कविगयकहेरेठकुरो ॥ तोगुणवंतो हिगुणगरयो ॥ १ ॥ ढालपुर्वली ॥ मुफनेंतपनोनीरवेद ॥ एहवामीत्रनेंश्मषे द्व ॥ कर्मपरिणतीनाबझसेद ॥ सथारत्रत्रारतावेद ॥ ८४ ॥ स० ॥ परचित्त नोपारनलहिश॥जोमीत्ततेशेहीकहीश॥कुणदेषीचित्तगहगहिश॥ एहनेंस्यागेंसू खमांरहिशे ॥ ८५ ॥ स० ॥ यत ॥ वरनराज्यनकुराजराज्य ॥ वरनमीत्र नकुमीत्रमीत्र ॥ त्ररंनदानंझदारदारा ॥ वरनशीष्योनकुशीष्यशिष्य ॥ १ ॥ ,ढालपुर्वनी ॥ इणिअवसरमुनीवरआया ॥ अशीसूतीगणधरराया ॥ सजम जोगेंअतिहिंसोहाया ॥ उधानमांहितेगया ॥ ८६ ॥ स० ॥ म्हेंबाहिरगया थकादिठ ॥ मुफमनमालागामीठ ॥ म्हारादूरगयासवरिठ ॥ प्रणम्याधरीरा गउकीठ ॥ ८७॥ स० ॥ धर्मलाभदियोगुरुराय ॥ बेठोगुरुकेरेंपाय ॥ पुळ्यो मेंधर्मउपाय ॥ जेहथीसवीदूखमांजाय ॥ ८८ ॥ स० ॥ कसोखवतिमसुखमु नीधर्म ॥ शासलीउपनोधणशर्म॥दिधां मुफविवरतेकर्म ॥ तजिउमीथ्यामत सर्म ॥ ८९॥ स० ॥ थयोदेशविरतीपरिणाम ॥ वधतेसवेगउद्दाम ॥ वैराग्य तणोथयोधामा॥करेआतममांआरामा॥ ९०॥ स० ॥बिजेखमेंदशमीढाला॥साषी अतिहिंसुरशाला॥कहेउत्तमविजयनोबाल ॥सूणतांहोयमगलमाला॥ ९१॥स०॥ ॥ डुहा ॥पुन्यउदयमुफपाधरो॥कर्मतेगल्याकठोर॥ विर्यउल्लासवणोवध्यो॥ चदज्यूंदेखीचकोर ॥ ९२ ॥ वधस्थितित्रुटीवझ ॥ व्रतपरिणामविशेष॥ सग वतनेसाध्यूतदा ॥ अनुपहकिधअशेस ॥ ९३॥ विरम्योचित्तसवासथी ॥ करोआणाकरुतेह ॥ श्रुतज्ञानीतेसांसली ॥ एहवुवोल्याएह॥ ९४ ॥ साधूप णतुम्हेंसंपहो ॥ जोग्यजिवतूजाणि ॥ पुरवपुरसेंपमीवज्यु ॥ सजमसुखनी खांणि ॥ ९५ ॥ गुरुवयणांसुणीज्ञानथी ॥ चारित्रचोपेचित्त ॥ आदरिउअ तिआदरे ॥ पाल्युतेहपवीत्त ॥ ९६ ॥ आराध्युआयुलगे॥ कालमासेंकरीका ल ॥ देहतजीदेवलोकमा॥वाध्योपुन्यविशाल॥ ९७ ॥ नवसागरनिर्झरयथो॥

पंचमकल्पतेपाम ॥ विजोबीजीनरगमा ॥ जश्वदेवगयोजाम ॥१८॥ नामन
रगपालेतिहां ॥ दिघूमहातसदूरक ॥ चक्रदेवलहेचतूरनर ॥ सुरसवभोमहास
रक ॥ १९॥ ढाल ॥ जीहोजाएयूअवधीप्रजुजीनें ॥ एदेशी ॥ जिहोएहजंम
हाविदेहमां ॥ लालाविजयगधीलावईसार ॥ जिह्लोरयणपूरेंएकसेठीउ ॥ ला
लानामतेहनुरयणसार ॥ १॥ सविकजन ॥ मकरोमायाशिगार ॥ जिहो
जासवीपाकअपार ॥ सवि० ॥ एआंकणी ॥ जिहोश्रीमतितेहनीनारया ॥ ला
लाउदरेउपनोजतास ॥ जिह्लोदेवलोकमांथीचवी ॥ लालामानवसववलसोषास ॥
॥२॥ सवि० ॥ जिहोजश्वदेवहवेनरगथी ॥ लालापयोआहेमीरेस्वांनें ॥ जि
होपापकरीतीहांहीजगयो ॥ लालापणिसागरआयुमान ॥३॥ सवि० ॥ जी
होतिहांथीनिकलीनेंवली ॥ लालासमीउनिरीगतीमांहि ॥ जिहोअनुक्रमेंरतंन
पुरेंहवे ॥ लालाकजजिहांउपजेत्यांहि ॥४॥ स० ॥ जिहोतातनीघरवाशी
जीका ॥ लालानर्मदातसअसीधांन ॥ जिह्लोतेहनापुभपणेंथयो ॥ लालाकर्म
नीगतीअसमांन ॥५॥ स० ॥ जिहोजनमलसाअमेअवशरें ॥ लालानामठव्यां
अमतात ॥ जिहोचम्रसारमाहरूवली ॥ लालाअणहगएहनुविस्याता ॥६॥ स० ॥
जिहोजोवनपाम्याअनुक्रमे ॥ लालापरणाव्योवलीताय ॥ जिहोविषयआशा
क्तअम्हेरज ॥ लालाकालगयोनजणाय ॥७॥ स० ॥ जिहोपूरबसवअभ्या
सथी ॥ लालामुकउपरिपरिणांम ॥ जिहोवचनानोनगयोकिमे ॥ लालाएहमो
नीघमीकाम ॥ ८ ॥ स० ॥ जिहोइणिअवशरितीहांआवीआ ॥ लालाविज
यवर्द्धनसूरीराय ॥ जिहोमाशकल्पविहारीगुरु ॥ लालाप्रणम्यामेंतसपाय ॥
॥९॥ स० ॥ जिहोश्रावकधर्मअंगीकरयो ॥ लालाएकदिनजगयोगाम ॥ जिहो
अमचोरायगयोवखी ॥ लालामुलकगिरीनेंकांम ॥ १० ॥ स० ॥ जिहो अ
वशरतिहांआवीउ ॥ लालासवरसेनापतीनाम ॥ जिहोविध्यकेतुआवीकरी
॥ लालाहतविहतकरयुगांम ॥ ११ ॥ स० ॥ जिहोकेईकलोकनेंलेईगयो ॥
लालाअमेसासत्युतेणिवार ॥ जिहो ... नोयुनयरमां ॥ लालादिठुमशाणआ
गार ॥ १२ ॥ स० ॥ जीहोच ।

री ॥ जिहोचन्द्रकातामुझअपहरी ॥ लालाउपनुउ खअपार ॥ १३ ॥ स० ॥
जिहोचिताथईमुझचित्तमां ॥ लालाअहोनवीदिठवियोग ॥ जिहोकिमजिवी
तघरतिहस्ये ॥ लालानपस्विनीअवलालोग ॥ १३ ॥ स० ॥ जिहोदेवशर्मा
बिप्रइणिसमें ॥ लालागरढेंसाध्युंश्रम ॥ जिहोकल्पनामकरिएवातमां ॥ लाला
सांसविकझतुझप्रेम ॥ १४ ॥ स० ॥ जिहोपुर्वेश्रीयलनगरनें ॥ लालाश्रणीप
रैसघरेरेकीध ॥ जिहोशीलअखमीत्तआपीउ ॥ लालापुनरपीलोकमशीरु ॥
॥ १५ ॥ स० ॥ जिहोद्रव्यलेई२आपीआ ॥ लालासझमाणसतिणेंताम ॥ जि
होसांसलीकेईकदिनरसे ॥ लालापोहत्तसवरनिजगाम ॥ १६ ॥ स० ॥ जि
होअणह्गसाथेंलेइनें ॥ लालाद्रव्यलीउसारसार ॥ जिहोस्निग्धस्निग्धसातुघ
ण ॥ लालापंथेकरवाआहार ॥ १७ ॥ स० ॥ जीहोचन्द्रकांतामुकाववा ॥
लालाचाल्योघरीअतिराग ॥ जिहोईणअवशरिमुझनारिते ॥ लालानासणनो
घरेलाग ॥ १८ ॥ स० ॥ जिहोमनींचतेमुझशीलनी ॥ लालाकरस्येखमणाए
ह ॥ जिहोमुझविजोगकायरघणी ॥ लालाउखतणीमानुरेह ॥ १९ ॥ स० ॥
जिहोसाघतेशवरपक्षितणो ॥ लालाशून्यगामनेंआशन्न ॥ जिहोपासेंजिरण
कूपनें ॥ लालाजरीउचासन्न ॥ २० ॥ स० ॥ जिहोपाठजोरातिपरोमीड ॥
लालामकोदिधभयांण ॥ जिहोकामव्यमसझचालवा ॥ लालाउठ्यासघलां
गंण ॥ २१ ॥ स० ॥ जिहोजिवितआशानवीधरी ॥ लालापमीतेजीरणकूप ॥
जिहोजलमेंपमीतिणेंउगरी ॥ लालादिठोतिहांप्रतिकूप ॥ २२ ॥ स० ॥ जिहो
घेठितेप्रतिकूपमा ॥ लालाकष्टेंघरतिप्राण ॥ जिहोइणअवशरेंआव्याहम्हें ॥
लालाचालतातिणहिजठाण ॥ २३ ॥ स० ॥ जिहोअणहगपूर्वअल्यासथी ॥
लालाद्रव्यदेषीपरिणांम ॥ जिहोमुझउपरिकरेवचवा ॥ लालाकरेविकल्पबझ
ताम ॥ २४ ॥ स० ॥ जिहोसातूद्रव्यपरस्परें ॥ लालाउलटपालटलेय ॥ जि
होतेदिनसातूमुझकरें ॥ लालाद्रव्यएहनेंकरदेय ॥ २५ ॥ स० ॥ जिहोतेया
निकआव्याजिस्ये ॥ लालाअर्कअस्तगतथाय ॥ जिहोसाझपमीतवांचितवें ॥
लालाअणहगघरीमनमाय ॥ २६ ॥ स० ॥ जिहोद्रव्यठेमाहारहापमा ॥

लालावलीएडएकात ॥ जिह्वोपातालपरिउमोवली ॥ लालाकूपकएनीमां ॥ २७ ॥ स० ॥ जिह्वोढांकेव्यवीअपराधनें ॥ लालाएहयोप्रकार ॥ जिह्वोनाधुकुम्भोमाएहने ॥ लालावदूपागेश्णवार ॥ २८ ॥ स० ॥ जिह्वोत्पतीअणहगकहे ॥ लालातरस्योवुतिर्णेसालि ॥ जिह्वोकूपमांजलनेकेनही ॥ लालातवम्हेजोयुनिहालि ॥ २९ ॥ स० ॥ जिह्वोनांष्योहमसेलीमुनें ॥ लालामीउतवकमम्फारि ॥ जिह्वोनीकलीप्रतिकूपेंगयो ॥ लालातवफरसीम्हेनारी ॥ ३० ॥ स० जिह्वोसयकायरस्त्रीतावधी ॥ लालायश्सयभ्रांततेजोर ॥ जिह्वोनमोअरीहताणकहे ॥ लालासम्यकलष्योतिर्णेठोर ॥ ३१ ॥ स० ॥ जिह्वोलष्योक्रूदयेंघणु ॥ लालामुखथीम्हेंकहिवाणि ॥ जिह्वोजिनशासनमांरुकनें ॥ लालाअसय२शणगाण ॥ ३२ ॥ स० ॥ जिह्वोसम्यमिलष्योमुरूमें ॥ लालारोधाळागीतांम ॥ जिह्वोतवआसासनामेंकरी ॥ लालास्येडखधरेहवेआव ॥ ३३ ॥ स० ॥ जिह्वोबिजेखमेंश्णीपरें ॥ लालाएअग्यारमीढाल ॥ जिह्वोअविजयकहेधर्मथी ॥ लालाडखथाशविशराला ॥ ३४ ॥ स० ॥ ॥ पुरुषमेंमेकरी ॥ किमतुकुपमम्फारि ॥ तिमहिजपुरुष्यूतेणीइ ॥ वातअम्योम्यविचार ॥ ३५ ॥ नारिकहेनरतूकस्यु ॥ अणहगेंएहअकाज ॥ म्हेंकसुएहवुमतकहो ॥ एउपगारीआज ॥ ३६ ॥ तुरूसजोगकस्योतिर्णे ॥ किमकहोषोटूकाम ॥ अलपनिद्राश्शणिपरि ॥ रातिगईआराम ॥ ३७ ॥ एहवेसुरजउगीउ ॥ पामाआप्युरवाति ॥ नारिपणिमुरूनेहयी ॥ सपिमनहिकोईसांति ॥ ३८ ॥ तवम्हेंपणिआपहेंतवा ॥ आरोग्योवरआहार ॥ तिर्णेपिणवावरिउतदा ॥ धरतांधर्मवीचार ॥ ३९ ॥ ढाल ॥ देखीविठीआनी ॥ एकदिनएकपरवेचीत ॥ एवेणीहवेम्हेंमनमाहिचिंतव्यु ॥ अहोकिमथास्येउशरे ॥ सवआयरनीपरिकूपथी ॥ नविसूकेकोईविचाररे ॥ ४० ॥ सविपुण्यतणांफलपेषज्यो ॥ एआंकणी ॥ इमाचिंतवतांकेईदिनगया ॥ पाथेयपयुहवेपीणरे ॥ तवतुटिआशाजिविवातणी ॥ आहारविनांहोयदिणरे ॥ ४१ ॥ सवी० ॥ यत ॥ खस्यफस्यपकाम्येन ॥ काम्यगीतेनहियते ॥ गीतवीविसाचेन ॥ सिविलासोवुसूकया ॥ ४२ ॥

॥ ढालपूर्वली ॥ तवमनमांचित्ताउपनी ॥ अहोजीनमतपामीशुद्धरे॥ नविजी नवरदिक्षाआदरी ॥ इमहीजमररयूअविशुद्धरे ॥ ४२ ॥ स० ॥ दाहिणमुझ लोयणफूरकिउ ॥ वामानुफुरकयुवामरे ॥ मुझव्यतिकरसाष्योनारीइ ॥ मेंप णसाष्योतसतामरे ॥ ४३ ॥ स० ॥ मेंचितव्युइणिपरेंचित्तमा ॥ तवशकुन थयाइणिरीतीरे ॥ तिणेंजांणसुंदरीसांसलो॥ नविआपदनीचिरथीतीरे ॥ ४४ ॥ स० ॥ तिणेंचिताकरज्योमततूम्हें ॥ तवतहतकरयुमुझवयणरे ॥ अहोरात्रव स्यांअम्हेतिहांकणें ॥ तवआव्योकोइकसयणरे ॥ ४५ ॥ स० ॥ आव्योस वराजधानीथकी ॥ नदिवर्द्धनसडवाहरे ॥ वात्रीतेरयणपुरीतणो ॥ जाइनि जपुरसाथअथाहरे ॥ ४६ ॥ स० ॥ तेहनातीहांपुरूषतेआविआ ॥ जललेषा मुक्यादोररे ॥ तवदोरझालीम्हेंजणावीउ ॥ किघोवलीकायकसोररे ॥ ४७ ॥ स० ॥ तेपणिजईकहेशारथपती ॥ तेपणिआवीततकालरे ॥ मचिकामुकीअ म्हकाढीआं ॥ उलषीपुछेतिणेंतालरे ॥ ४८ ॥ स० ॥ कह्योमुलवृत्तांतमेंमाह रो ॥ घूरथीसविकरीविस्ताररे ॥ सांसलीविस्मयवक्रपामीउ ॥ अह्मेचाल्यांता सआधाररे ॥ ४९ ॥ स० ॥ गयांपाचप्रयाणाजेतले ॥ साथआगलिचाल्यो जाइरे ॥ राजमारगथीकांयवेगला ॥ दिगककालतेगयरे ॥ ५० ॥ स० ॥ वा मपासेंद्रव्यनीगांठमी ॥ केसरीइहणीचंतासरे॥ एहवोअणहगदिठोतिहां ॥ इ ष्येंउलष्योताततनोदासरे ॥ ५१ ॥ स० ॥ तसदेखीविपाकनेंउपनो ॥ मुझमन मांअतिहिविवेकरे ॥ थयोचारीत्रमोहनीनोतथा ॥ क्षयउपसममुझअतिरेक रे ॥ ५२ ॥ स० ॥ जीवलोकमाजेंदुर्लभसकसो ॥ उपनोमुझचारीत्रसावरे ॥ वघतेपरीणांमेंआवीउं ॥ येमेंनीजनगरेंतावरे ॥ ५३ ॥ स० ॥ तिहांविजयव र्द्धनसूरिआविआ ॥ दिक्षातसपासेलीधरे ॥ विधीपुर्वकपाल्युशुद्धमनें ॥ आ युपुरणअनुक्रमेंकिधरे ॥ ५४ ॥ स० ॥ महाशुक्रकल्पमाउपनो ॥ सागरो पमसोलनेंआयरे ॥ महर्धिकवैमानीकथयो ॥ गयोकालजिहांनजणायरे ॥ ॥ ५५ ॥ स० ॥ ईमविजेखमेसारमी ॥ ढालसापीअतिहेंरयालरे ॥ कहेपद्म वीजयपुर्ण्येकरी ॥ होइघरि२मगलमालरे ॥ ५६ ॥ स० ॥ दुहा ॥ अणहग

लालावलीएठेएकात ॥ जिह्नोपातालपरिउमोवली ॥ लालाकूपकएमीयांक ॥ २० ॥ स० ॥ जिह्नोढाकेवाल्रीअपराधनें ॥ लालाएहवोछेअपकार ॥ जि ह्नोनापुकुआमाएहने ॥ लालावदूपागेश्णवार ॥ २० ॥ स० ॥ जिह्नोअणी तीअएहगकहे ॥ लालातरस्योदुनिर्ऐलालि ॥ जिह्नोकूपमांजलछेकेनही ॥ ला लातवम्हेजोयुनिहालि ॥ २१ ॥ स० ॥ जिह्नोनाप्योहमसेलीमुनें ॥ लाला मीउंतरकमझारि ॥ जिह्नोनीकलीप्रतिकूपेंगयो ॥ लालातवफरसीम्हेनारी ॥ ॥ २० ॥ स० जिह्नोसयकायरस्रीतावधी ॥ लालापयसयप्रांततेजोर ॥ जिह्नो नमोअरीहताणकहे ॥ लालासध्वउलप्योतिर्ऐढोर ॥ २१ ॥ स० ॥ जिह्नोला प्योऊरूदयेंघण ॥ लालामुखपीम्हेंकहिवाणि ॥ जिह्नोजिनशासनमांरूनें ॥ लालाअसय२श्णढाए ॥ २२ ॥ स० ॥ जिह्नोसध्वयितउलप्योमुझमें ॥ ला लारोवालागीताम ॥ जिह्नोतवआसासनामेंकरी ॥ लालास्येदुखधरेहवेआव ॥ २३ ॥ स० ॥ जिह्नोविजेरवमेंश्णीपरें ॥ लालाएअग्यारमीढाल ॥ जिह्नोव आविजयकहेधर्मथी ॥ लालादुखपाशविचाराल ॥ २४ ॥ स० ॥ पुत्रमुमें मेंकरी ॥ किमतकुपमझारि ॥ तिमहिजपुत्रूतेणीश ॥ यातअम्योम्यविचार ॥ २५ ॥ नारिकहेनरतूकस्यु ॥ अणहगेंएहअकाज ॥ म्हेंकस्युएहसुमतक हो ॥ एउपगारीआज ॥ २६ ॥ तुझसजोगकस्योतिर्ऐ ॥ किमकहोयोटूकाम ॥ अलपनिद्राईश्णिपरि ॥ रातिगईआराम ॥ २७ ॥ एहवेसूरजऊगीउ ॥ याया आप्युखाति ॥ नारिपणिमुझनेहयी ॥ सधिउंनहिकोईसांति ॥ २८ ॥ तवम्हें पणिआपइंतदा ॥ आरोग्योवरआहार ॥ तिर्ऐपिणवावरिउंतदा ॥ धरतांधर्म वीचार ॥ २९ ॥ ढाल ॥ देशीविंढीआनी ॥ एकदिनएकपरदेशीउ ॥ एवेसी हुयेम्हेंमनमांहिचितव्यु ॥ अहोकिमयास्येउथारेरे ॥ सवआयरनीपरिकूपथी ॥ नथिसूझेकोईविचाररे ॥ १ ॥ सविपुण्यतणांफलपेषज्यो ॥ एआंकणी ॥ श्मचितवतांकेईदिनगया ॥ पायेयथयुहवेषीणरे ॥ तमतुटिआशाजिविआश णी ॥ आहारविनांहोयदिणरे ॥ २ ॥ सवी० ॥ स्वस्यकस्यवकाव्ये न ॥ काव्यगीतेनहियते ॥ गीतस्रीविलासेन ॥ स्रिविलासोबुभूक्षया ॥

कु० ॥ ७२ ॥ पा० ॥ लोजनकरयुतेथारतिणेंसमें ॥ एकलाकुमारेफेर ॥
० ॥ बिजोलाकुसूखलेईहवे ॥ चित्तमाआवेनमहेर ॥ कू० ॥७३॥पा० ॥
चित्तविकल्पकरेघणा ॥ एहवेथयोविपर्यास ॥ कू ॥ विषलाकुलीघोपोते
॥ मुक्आप्योजेहपास ॥ कू० ॥ ७४ ॥ पा० ॥ यत ॥ लघनै पचर्ते
ा. ॥ फलकालेनपच्यते ॥ कुमित्रै पच्यतेराजा ॥ पापिपापेनपच्यते ॥ १ ॥
ढाल ॥ लाकुपाघोनेफेरतेपरणम्यु ॥ उपनोमुक्मनषेद ॥ कू० ॥ एस्युवा
वनीकिमनीपनु ॥ नविजाणतसमेव ॥ ७५ ॥ कू ॥ पा० ॥ एहवेकर्मवि
चत्रताकारणें॥विषपणिउपन्अत्यंत ॥ कू० ॥ मरणलह्योमुकचिंताउपनी ॥ मि
त्रनोकिणेंकस्योअत ॥ कू० ॥ ७६ ॥ पा० ॥ नवीकोईषबरपमीएहवातनी॥
आप्योनीजपुरताम ॥ कू० ॥ ससलाघ्युतसमाणसनेंसवे ॥ आप्योअधीक
तसदाम ॥ कू० ॥ ७७ ॥ पा० ॥ सेषरसुंतेपुण्यमांवावस्यु ॥ मुक्तेदिनथी
वैराग ॥ कू० ॥ विषयप्रसगनकिघोतेपछी ॥ नितनवलोकरुत्याग ॥ कू० ॥
॥ ७८ ॥ पा० ॥ देवसेनसूरीएकदिनआविआ ॥ दिक्षातेहनेंरेपास ॥ कू० ॥
आदरीविधीपुर्वकपालीतली ॥ अणसणकिघुरेषास ॥ कू० ॥ ७९ ॥ पा० ॥
प्राणतकर्ल्पेउपनोकतिहां ॥ उगणीससागरआय ॥ कू० ॥ विषमरणेधनदेव
मरीकरी ॥ उपनोनारकगाय ॥ कू० ॥ ८० ॥ पा० ॥ पकप्रसाइसागर
नवतण ॥ आउषूअतिदुखदाय ॥ कू० ॥ एणेंअवसरेंजवूद्वीपमा ॥ ऐ
रवतषेत्रसूगाय ॥ कू० ॥ ८१ ॥ पा० ॥ हथीणाउरनयरेंअतिशोसतो ॥
॥ सेठहरीनदीनाम ॥ कू० ॥ लषमीमतीतसनारीनिकूषिमा ॥ उपनोसुतगु
णधाम ॥ कू० ॥ ८२ ॥ पा० ॥ धनदेवनरगमांहिथीनीकली ॥ तेथ
योफणीधरनाग ॥ कू० ॥ हिस्याकरीकेईजीवसतापीआ ॥ थयोदावानलदा
ग ॥ कू० ॥ ८३ ॥ पा० ॥ मरिनेंपकप्रसाइफरीगयो ॥ दशसागरकांयउण
॥ कू० ॥ तिहांथीनीकलीतिरीसववकत्तम्यो ॥ दुखनलहेकर्मेंकूण ॥ कू ॥ ०
॥ ८४ ॥ पा० ॥ तेहजहथिणापुरमांहिवसो ॥ रुद्रनागवनसेठ ॥ कू० ॥ सार्या
नदिमतितसकूपिमां॥पुत्रपणेंऊतनेठ ॥ कू० ८५ ॥ पा० समइजनम्याविक

।इणिअवझारि ॥ कुमरणेंकरीकाल ॥ त्रिजीनरगेतुरतते ॥ तपनोडकअस
ल ॥ ५७ ॥ आउपुसातअयरतणुं ॥ दत्रावेदनदिझजोर ॥ परुगअन्योन्य,
येत्रतिम ॥ कर्मसोगवेकठोर ॥ ५८ ॥ जबुद्वीपजबुतरू ॥ शोलीतसारइवा
। ॥ रथविरपुरअतिराजतू ॥ ॥ सूरपुरीपरेंसुखवास ॥ ५९ ॥ नदिवर्धननाम
ती ॥ गाथापतिनेंगेह ॥ सूरसुदरीसोहामणी ॥ दिपेअद्भुतदेह ॥ ६० ॥ पुण्य
पणेंकुमगटित ॥ अणहगनोअवतार ॥ नरगमांहियीनिकली ॥ पाम्योपापप्र
कार ॥ ६१ ॥ विध्यगिरीपर्वतवनें ॥ सत्वनणोसहार ॥ करतोसिहपराकमी ॥
तपनोतिरीअवतार ॥ ६२ ॥ वालूप्रसाडगयोवली ॥ सागरआयुसात ॥ तिहां
यीवकुसवतिरीतणां ॥ सहिंतदुखसघात ॥ ६३ ॥ तेहअनयरमांतिणेंसयें ॥
सोमनामसथवाह ॥ नदिमतिनारीनवल ॥तपनोकुखिउत्गाह ॥ ६४ ॥ कम ॥
देशीरसीआनी ॥ घरमजिनेंसरगाउरगेस्यू ॥ एदेशी ॥ अनुंकर्मेजनमथया
अम्हविकृतणा ॥ याप्यानामउदार ॥ कुअरजी ॥ माहरुंअनगदेवसोहामणु ॥
घनदेवएहनुंरिशार ॥ ६५ ॥ कु० ॥ पापस्थानकआठमूंतुम्हेपरीहरो ॥ एआं
कणी ॥ बालयकीअमप्रीतीयईघणी ॥ पणिमाहरेसदभाव ॥ कू० ॥ एहतो
कपटयकीवालेघणो ॥ कुमरसाबलसांताव ॥ कु० ॥ ६६ ॥ पा० ॥ देवत्रो
नगुरूपासेंपामीउं ॥ वितरागनोरेधर्म ॥ कु० ॥ यदियौवनपाम्योकुंजाग
तो ॥ करूंव्यवहारनाकर्म ॥ कू० ॥ ६७ ॥ पा० ॥ बापदादानुधनघरमांघ
ण ॥ पणिअसीमांनअत्यत ॥ कु० ॥ पुर्वपुरुषअर्जितनहीकामनु ॥ अरजुं
निजकरतत ॥ कु० ॥ ६८ ॥ पा० द्रव्यकमावणरयणद्वीपेंगयाअरज्यांरय
णअनेक ॥ कू० ॥ अनुक्रमेनीजदेशेंआवातणी ॥ विकुजणेंचितव्युछेक ॥
॥ कु० ॥ ६९ ॥ पा० ॥ पुरवकृतकर्मेकरीचितवें ॥ धनदेवपर्येरेइम ॥ कु० ॥
ठगीइकोईउपाइएहनें ॥तोद्रव्यआवेएनेम ॥कु० ॥७० ॥पा० ॥ केईकविकलपमि
थ्याकलपीआ ॥पणिकोईनाव्योरेदाय ॥कु० ॥मारयाविणनवीएहठगीसकुं ॥इम
सिघातकराय ॥ कु० ॥ ७१ ॥ पा० ॥ चितवेसोजनमांविषआपीइ ॥ आ
व्यायसीमतीगाम ॥ कू० ॥ चौटेंपनदेवगयोकपटेकरी ॥ अघशेंसोजनका

म ॥ कु० ॥ ७२ ॥ पा० ॥ लोजनकरयुतैयारतिर्णेसमें ॥ एकलाफुमारेफेर ॥
॥ कु० ॥ बिजोलाफुसूरुलेईहवे ॥ चित्तमांआवेनमहेर ॥ कू० ॥७३॥पा० ॥
पथेचित्तविकलपकरेघणा ॥ एहवेथयोविपर्यास ॥ कू ॥ विषलाफुलीधोपोते
तदा ॥ मुफआप्योजेहपास ॥ कू० ॥ ७४ ॥ पा० ॥ यत ॥ लघनै पचतें
रोगा ॥ फलकालेनपच्यते ॥कुमित्रै पच्यतेराजा॥ पापिपापेनपच्यते॥ १ ॥
॥ ढाल ॥ लाफुखाधोनेफेरतेपरणम्यु ॥ उपनोमुफमनषेद ॥ कू० ॥ एस्युवा
तवनीकिमनीपनु ॥ नविजाणतसलेव ॥ ७५ ॥ कू ॥ पा० ॥ एहवेकर्मवि
चित्रताकारणें॥विषपणिउपनअत्यंत ॥ कू० ॥ मरणलह्योमुफचिंताउपनी॥ मि
त्रनोकिणेंकरयोअत ॥ कू० ॥ ७६ ॥ पा० ॥ नवीकोईखबरपमीएहवातनी॥
आप्योनीजपुरताम ॥ कू० ॥ सत्तलाष्युतसमाणसर्नेसवे ॥ आप्योअधीक
ससदाम ॥ कू० ॥ ७७ ॥ पा० ॥ सेषरसुतेपुण्यमावावस्यु ॥ मुफतेदिनथी
वैराग ॥ कू० ॥ विषयप्रसगनकिधोतेषढी ॥ नितनवलोकहृत्याग ॥ कू० ॥
॥ ७८ ॥ पा० ॥ देवसेनसूरीएकदिनआविआ ॥ दिक्षातेहनेंरेपास ॥ कू० ॥
आदरीविधीपुर्वकपालीसली ॥ अणसणकिधूरेपास ॥ कू० ॥ ७९ ॥ पा० ॥
प्राणतकल्पेंउपनोफ्तिहां ॥ उंगणीससागरआय ॥ कू० ॥ विषमरणेधनदेव
मरीकरी ॥ उपनोनारकगाय ॥ कू० ॥ ८० ॥ पा० ॥ पकप्रसाइसागर
नवतणा ॥ आउषूअतिदुखदाय ॥ कू० ॥ एणेंअवसरेंजबूद्वीपमां ॥ ऐ
रवतखेत्रसुगाय ॥ कू० ॥ ८१ ॥ पा० ॥ हथीणाउरनयरेंअतिओसतो ॥
॥ सेठहरीनदीनाम ॥ कू० ॥ लषमीमतीतसनारीनिकूषिमा ॥ उपनोसुतगु
णधाम ॥ कू० ॥ ८२ ॥ पा० ॥ धनदेवनरगमांहिथीनीकली ॥ तेथ
योफणीधरनाग ॥ कू० ॥ हिस्याकरीकेईजीवसतापीआ ॥ थयोदावानलदा
ग ॥ कू० ॥ ८३ ॥ पा० ॥ मरिनेंपकप्रसाइफरीगयो ॥ दशसागरकायउण
॥ कू० ॥ तिहांथीनीकलीतिरीसनवफसम्यो ॥ दुखनलहेकर्मेंकूण ॥ कू० ॥
॥ ८४ ॥ पा० ॥ तेहजहथिणापुरमांहिसचो ॥ श्वनागवमसेठ ॥ कू० ॥ सार्थां
नदिमतितसकूपिमां॥पुत्रपणेंफ्तउंमेठ ॥ कू० ८५ ॥ पा० समरजनम्याविफ

नीजनीजघरे ॥ थाप्यांनामविशेष ॥ कू० ॥ थिरदेवघरथाप्युंमाहरू ॥ दोष
कईतरनुंदेष ॥ कू० ॥ ६९॥था० ॥ थाप्याकुमरपणहवेअशुभकर्मे ॥विशेषमे
रेटाल ॥कू०॥ तेरमीपत्रविजयेंसोहामणी॥सुणतांमंगलमाला॥कू० ॥
॥ढाल॥सूण्याश्रमणेंसीषवा॥ परगटपमीतपासा॥भितिथईपुरसपरिं॥अम्हेंविऊंक
स्योअभ्यास ॥ ७० ॥ मानसंगगुरुमुक्तमल्या॥ तेहनीपासेंतांम॥जिनवरजी
इजेकसो ॥ धर्मलसोगुणधाम ॥ ७१ ॥ द्रव्यथकीदोषणकथयो ॥ मुक्तबंधना
नीमित्त ॥ धर्मरागऊधारीनें ॥ तिहांथीअधिकीप्रीति ॥ ७२ ॥ थिरतरमीतीघ
णीथई ॥ विघोएहनेंद्रव्य ॥ निथव्यापारकरस्योनही ॥ साच्युंइणिपरेंसव्य ॥
॥ ७१ ॥ सईआरेसुण्यूसवे ॥ करेव्यापारकलंठ ॥ अरज्योद्रव्यउतावलो ॥
गरथघणोकरेगठि ॥ ७२ ॥ ढाल ॥ जीरेमारेजाग्योकुअरजांम ॥ [illegible]
जिरेमारेपाम्योद्रव्यविशेष॥तवचितेचितइणिपरें॥जिरेजी॥ जिरेमारेपुरवकृत
जेकर्म ॥ तासअभ्यासमनेंघरो॥जी ॥ ७३॥ जीरे ॥ सागलेस्येथिरदेव॥ नेह
थिएद्रव्यनेंमाहरोजीरेजी॥ जिरे ॥ मेंमुखथीनकह्याय॥ नथिआपुसागताहरो
जिरेजी ॥ ७४॥ जीरे ॥ वधुकोयेउपाय ॥ जिमनवीजाणेंएमनेंजीरेजी ॥
जीरे ॥ माहराव्यापारनीवात ॥ म्हेंनवीसाषीकोईकनेंजीरेजी ॥ ७५॥ जीरे॥
उलखुसथलोलास ॥ अथवाकोईमांनेंनहीजीरेजी ॥ जीरे ॥ तेकारणकरूघा
त ॥ बिजोउपायइहांनहीजीरेजी ॥ ७६॥ जीरे ॥ पछेंकहिसऊजेह ॥ तेश
मीवातवरेपन्नेजीरेजी ॥ जीरे॥इमधारीनेंउपाय॥ करवामांम्योमनथर्मेंजीरेजी
॥ ७७ ॥ जीरे ॥ मोहटोएकभाद्राव ॥ उपरिस्तागकरेईस्योजीरेजी ॥ जीरे ॥
रमणीकअतिसुविशाल ॥ देषथानेंजोवाजीस्योजिरेजी ॥ ७८॥ जीरे ॥ कि
सकअनीयमीत ॥ निर्जुथकसथिरवलसलेंजिरेजी ॥ जीरे ॥ जोवातेमुघेर ॥
घउस्येजोवाहलफलेजिरेजी [illegible] जीरे ॥ पमस्येएभाद्राव ॥ तसएजम
नृपघरिजस्येजीरेजी ॥ [illegible] ॥ कारयपणिसघलू
[illegible] जमीआविऊसार्येवली
॥ जीरे ॥ ते [illegible] ॥ जिरेजी ॥

॥४० १॥ जीरे ॥ देषामवालपळप ॥ करतांमतीतेहनीचलीजिरेजी ॥ जीरे ॥
चढीउंञागेंञाप ॥ ञजिञनङ्गचढिउंवलीजिरेजी ॥ २ ॥ जीरे ॥ निर्जुयक
ञारोह ॥ किघोतवर्शणिपरेंययुजिरेजी ॥ जीरे ॥ हाहारवथयोताम ॥ सघलू
तेहपमीगयुजिरेजी ॥ ३ ॥ जीरे ॥ उसरीउंफ्रतळ ॥ जोउतोद्रोणकमरीगयो
जिरेजी ॥ जीरे ॥ उपनोमुक्ननिरवेद ॥ धिगूमुक्तवञहीलेंगयोजिरेजी ॥
॥४॥ जीरे ॥ धिगूसञारञशार ॥ मरवुसङ्गनेंशणिपरेजीरेजी ॥ जीरे ॥ म्रतका
रयकर्स्यातास ॥ पणिचित्तमुक्नरमेघरेजीरेजी ॥ ५ ॥ जीरे ॥ मानसगगुळ
पास ॥ श्रमणपणमेंञादस्युजीरेजी ॥ जीरे ॥ पालीचारीत्रसुध ॥ ञणसण
वलीञगीकस्युजीरेजी ॥ ६ ॥ जीरे ॥ हेठिमउवरीमनाम ॥ मैवेयकत्रीजेग
योजिरेजी ॥ जीरे ॥ पणविसञागरञाय ॥ कायकउणमाहरोथयोजिरेजी
॥ ७ ॥ जीरे ॥ द्रोणकहवेकरीकाल ॥ रौद्रध्यानेंमरीउपनोजिरेजी ॥ जीरे ॥
बारसागरनेंञाय ॥ धूमप्रसाश्नीपनोजीरेजी ॥ ८ ॥ जीरे ॥ एहजजबुद्विप
॥ एहजविजयेंपुरसवूजिरेजी ॥ जीरे ॥ सुंदरचपावास ॥ सूरपुरसमचित्तञ
टकवूजिरेजी ॥९॥ जिरे ॥ माणिसङ्तिहांसेठ ॥ हारिणीतार्यागुणवतीजिरेजी
॥ जीरे ॥ सूरसवथीचवितास ॥ कूखेंउपनोगुसमतिजिरेजी ॥ १० ॥ जीरे ॥
उचितसमश्ययोजन्म ॥ नामपुरणसङ्थापीउजिरेजी ॥ जीरे ॥ घोपउचरता
ञादि ॥ ञमरएहवुउच्छापीउजिरेजी ॥ ११ ॥ जिरे ॥ ञमरगुमययुनाम ॥
विजूञतिसोहामणजिरेजी ॥ जीरे ॥ श्रावकघरपरस्ताव ॥ वालश्रीजैनधर
मीघणजिरेजी ॥ १२ ॥ जीरे ॥ विजेषमेढाल ॥ चौदमीसापीसोहामणीजि
रेजी ॥ जीरे ॥ पद्मविजयकहेएम ॥ सासलोवातद्रोणकतणीजिरेजी॥ १३॥
॥ दुहा ॥ नारकसवथीनीकली ॥ ठेहलेञायरमत्स ॥ पापकरीपोढुतिहा ॥
बिजिवारविसत्स ॥ १४॥ पाचमीनरगेंपापथी ॥ ञयरबारनुञाय ॥ तिहाथी
नीकलीतीरीतणा ॥ सववङ्गलगेस्समाय ॥ १५ ॥ एहजनयरमांश्णेंसमें ॥ न
दावर्त्तशणिनाम ॥ सेठघणसोहामणो ॥ रीद्धीतणोविसरांम ॥ १६ ॥ श्रीनदा
सोहामणी ॥ नारीरूपनीधान ॥ कुषितेहनीकुञरी ॥ उपनीञप्सरवान ॥

॥ १७ ॥ जनमथयोतसजेतले॥ नदायाप्युनाम ॥ आवियौवनअनुक्रमें ॥क्रम
पीमुक्तेआम ॥ १८ ॥ पाणिग्रहणेंपरणीआ ॥ शामाउपरिस्नेह ॥ मुक्तेंउ
पत्तोमुलथी ॥ आणरागअछेह ॥ १९ ॥ ढाल ॥ [illegible]
मी ॥ पचविषयसुखसोगवु ॥ तेहसाथेंहोगयोकेईकालके ॥ पुरवकर्मदोषें
करी ॥ नारीगुर्येहोमनआलजञ्जालके ॥ २० ॥ कर्मतणीगतिसासली ॥ एआ
कणी ॥ घरसारसूय्युसवीएहनें ॥ पणिनगयोहोमायापरीणामके ॥ कपटेंवा
तसवेकरे ॥ क्रजाणहोएसत्यनुधामके ॥ २१ ॥ क० ॥ परिजनसयणआवी
कहे ॥ तुज्ञनारीहोकपटीसीरदारके ॥ पणक्रकांयमांनुनही ॥ सरलसावेंहोब
लीरागनेंधारिके ॥ २२ ॥ क० ॥ एकदिनमायाइकमु ॥ गयांकुम्मलहोजुग
जेघरसारके ॥ पोतेउलवीश्मकमु ॥ आकुलव्याकुलहोवलीमाइअसारके
॥ २३ ॥ क०॥ खेदमकरतूसुदरी ॥ गयोअगत्तोहोमलताहरोआजके ॥ कुम
लजुगलकरूनवां ॥ पर्छेआवस्येहोद्रव्यस्येमुक्तकाजके ॥ २४ ॥ क० ॥ इ
मकहिनवीनकरावीया ॥ वेलाएकदिनहोअस्यगनजाणके ॥ नामांकितभि
जमुद्रिका ॥ आपीनारीनेंहोराखवानिजपाणिके ॥ २५ ॥ क० ॥ निजआ
सरणकरमीइ ॥ मुकितिणेंहोमुद्रावक्रमोलके ॥ न्हाणसोयणकरीश्णसमें ॥
अगरागनेंहोवलीलीघतबोलके ॥ २६ ॥ क०॥ सकारहितकरमीउं ॥ ऊघाडी
होमुद्रामेंलीधके॥ कुम्मलयुगलदीठुतिहां॥ गयुपुर्वेहोजससारनकीधके ॥२७॥
॥क० ॥ चितामुक्तनेंउपनी॥जम्यांकुम्मलहोदिठोछेनारिके ॥ आविनदाइणस
में ॥ दिठीमुद्राहोमुक्तहार्येउदारके ॥ २८ ॥ क० ॥ विलषीथईनीजचित्तमां॥
म्हेंजाण्योहोएहनोतवसाधके ॥ निकल्योक्रुघरमांहिथी॥ चित्तचितव्युहोह
मणाएहदावके ॥ २९ ॥ क० ॥ नारिविचारेचित्तमां ॥मुक्तघुताहोथईश्ण
ठामके ॥ कूम्मलजुगलदिठांश्णि ॥ हवेकरवुहोएहकिणीपरेंकामके ॥ ३० ॥
॥क०॥ एपिणनाठीनेंगयो ॥ हवेसयणमांहोज्यानवीकरेंवातके॥लघुतासय
णमानविहोइ ॥ आगलथीहोमाढकरीघातके ॥३१॥क० ॥ कांमणयोगकरू
जिणे ॥ मेरवहेलोहोवहेलूथायकामके ॥ द्रव्यसजोगवशकरयो ॥ तिणेएक

सीहोकूमकपदनीधामके ॥ ३२ ॥ क० ॥ एकातप्रदेशेंदाटवा ॥ जाइजेतले
होलेतलेतिहांनागके ॥ करम्योकर्मवशेंकरी ॥ जिहांजाइहोतिहांकर्मनोलाग
के ॥ ३३ ॥ क० ॥ वरसलगेंअन्ननवीमल्या ॥ जिनऋषसजिहोकस्योंकर्म
नेंजायके ॥ गोपेंषीलागोकीआ ॥ जिनविरनेंहोअतिहेंडखदायके ॥ ३४ ॥
॥ क० ॥ षटमहीनालगेंनवीमल्यो ॥ आहारढढणाहोकिधोअतरायके ॥ प
चसत्तारीद्रुपदी ॥ शीतानेंहोकलकतेआयके ॥ ३५ ॥ क० ॥ कलावतिकर
कापीआ ॥ षधकनीहोउतारीषालके ॥ तिमएहनेंनागेंमसी ॥ बीवानीहोपमे
सांतिनेंष्यालके ॥ ३६ ॥ क० ॥ यत॥ कृतकर्मक्षयोनास्ती ॥ कल्पकोटीश
तैरपी ॥ अवश्यमेवलोक्तव्य ॥ कृतकर्मशुसाशुस॥ १ ॥पुर्वढाल॥ रूद्रदेवपुरो
हितकसु ॥ तूमनारीनेंहोकरम्योंछेसापके॥ रूपणिगयोउतावलो॥ इमजाए
होकिमआव्यूपापके ॥ ३७ ॥ क० ॥ थईअचेतदिठीतसा ॥ स्यांममसहो
षयांतासससरिरकोआंसुपातकरतोथको ॥ नखमाइहोमेंतेहनीपीरके ॥ ३८॥
॥ क० ॥ धिगूसशारअसारनें ॥ जिमसूपनुहोमायाइद्रजालके ॥ गद २ वा
णीइम्हेंकसु ॥ तुमनेंकिमहोथयुइमअकालके ॥ ३९ ॥ क० ॥ सितुमनेंपि
माअठे ॥ इमपुछ्यूहोपणिनदिइवोलके॥ तवमुमपेंदुघणोथयो॥गइजिवीतहो
आशादरवोलके ॥ ४० ॥ क० ॥ गारूमीतेम्यातिणसमे ॥ करीपेदनेंहोकहे
इणीपरेंतेहके ॥ कालेंमसीएनारिनें ॥ नहीचारोहोनरमात्रनोएहके ॥ ४१ ॥
॥ क० ॥ इमकहीगारूमीघरिगया ॥ नविमत्रनीहोकांयचालिशक्तिते।॥ का
लकरीपरसवगई ॥ सरूविलषेहोकेरेआक्रदमत्तिके ॥ ४२ ॥ क० ॥ मृतका
रजकरीतेहना ॥ तेहनीमित्तेंहोवधतेपरिणामके ॥ केआकारणसगआमीत ॥
सआरतेहोजाणीइ खगमके ॥ ४३ ॥ क० ॥ लिधीदिक्षाम्हेंगुरूकनें ॥ छठि
नरगेंहोपोहोतितेहनारिके ॥ एकविससागरआउषे॥ एहमाहरूहोचरीत्रअव
धारिके ॥ ४४ ॥ क० ॥ रायनयरजनशांसली ॥ गुरूसापोहोइहवेआगलिवा
तके ॥ तिणजलोमांगलेंं ॥ [illegible]

ऋतोऽएसवहोपामीसत्तवपारके ॥४६ ॥ क० ॥ एसबमुनीनाथास्त्री ॥ तेऋपासेंहोमेंलीधीदीषके ॥ बऋजनेंनगरमाआदरी ॥ मुऋसाथेंहोघरीगुरु नीशीषके ॥ ४७॥ क० ॥ एमुऋहेतुविशेषठे ॥ वैराग्यनुहोसुणिसीहकु मारके ॥ विजेखमेंपनरमी ॥ ढालसाषीहोपदमेंमनोहारके ॥ ४८ ॥ क० ॥ ॥दुहा ॥ सीहकुमारतेसांभली ॥ कहेरूमुकस्युकाम ॥ हवेसाथेगुरुभक्ति करी ॥ गुरुतुम्हेगुणगणधांम ॥ ४९॥ कतिगतिरूपगुरुकसो ॥ एस शारअपार ॥ सुखदुखमननेंशरीरनां ॥ स्यास्याहोयससार ॥ ५० ॥ सवअटवीसमताथकां ॥ धर्मकीर्त्तआधार ॥ गुरुकहेसूणससारए ॥ चि ऋगतीरूपविचार ॥५१ ॥ नरकतिरिसुरनरगती ॥ सशारेनहीसूख ॥ जरा मरणनेंजनमथी ॥ दुखीआनेंनितदुख ॥ ५२ ॥ रागद्वेषरोगेंकरी ॥ वेदनवी षयविषाद ॥ सुखतोनहीतससूपनमां ॥ पामेंदुखकप्रमाद ॥ ५३ ॥ तेउपरिद ष्टांततू ॥ सांभलचतूरसूजांण ॥ मधूबिंदूमानवतणो ॥ विरेकिथवर्षांण ॥ ॥ ५४ ॥ढाल ७मी ॥ एकविशानी ॥ त्रुटकनी ॥ एकनरकोईरदारिद्र खसतापीउ॥ मुकीदेशनेंरेपरदेशेंगयोपापीउ ॥ गामआगररेपाटणवऋसमतां हवे ॥ सूलोपथथीरेएकअटवीमाएहवे ॥ ५५ ॥ त्रुटक॥ शालतालतमालनि मह ॥ कुटजन्यग्रोधरखेंरए ॥ सल्लकीअर्जुनबकुलअकोल ॥ अवजबुकेंरए ॥ वजूलतिलककलबरायण ॥ तिणीसधवर्नेपलासए ॥ जिहांसीहचित्ताफालवे ता ॥ जिववासीआसए ॥५६ ॥ वाघजबुकरे रोऋसरसवऋसयकरे ॥ व नसिंसारेजुथकरेतेपरपरे ॥ जलचरजिवरेपाणीउगाह्वेवेगस्यू ॥ तेहनरनेंरेचि तानमायउदवेगस्यू ॥ ५७ ॥ त्रु०॥ सूख्योतरष्योखमेंवेदन ॥ स्वापदनासूणे शादए ॥ उत्रस्तलोचनस्वेदगलतो ॥ करेबऋविषवादए ॥ दिर्घपथेंथाकपा म्यो ॥ विषममार्गखलायए ॥ इणिसमेंगजवरएकदिठो ॥ पुठेंआवेंधायए ॥ ॥ ५८ ॥ महादुरदतरे ॥ पथीलोकनेंमारतो ॥ गाजतोवलिरेसूरूमकीफू कारतो ॥ सूडादंडरेउचोकरीनेंचालतो ॥ चालतोनगेरेदिसेमेघज्यूम्हालतो ॥ ॥ ५९ ॥ त्रु० ॥ तिमजएकराक्षसीदिपे ॥ महादुष्टकरालए ॥ महाकायविक

लो ॥ अहोते० ॥ कुमरकहेषरूएकसु ॥ एहवातविन्नाएरेलो ॥ अहोए० ॥
॥ ४० ॥ तोपिणवगरनीमित्तए ॥ नचारीअलेवायरेलो ॥ अहोन० ॥ गुरूकहे
एहसआरते ॥ निर्वेदनोवायरेलो ॥ आहोनी० ॥ ४१ ॥ स्यूअसारमासार
छेइ ॥ तेचित्तविचारोरेलो ॥ आहो० ॥ वलिअविशेषेंआसलो ॥ माहरोअधि
काररेलो ॥ अहोमा० ॥ ४२ ॥ अवधीज्ञानीइसाषीउ ॥ निजचरीत्ररसालरेलो ॥
अहोनी० ॥ तेमुझहेतुवैराग्यनु ॥ सासलीसूपालरेलो ॥ अहोसा० ॥ ४३ ॥
कुमरकहेमसुदाषीइ ॥ अवधीमुनीचरीतरेलो ॥ अहोअ० ॥ गुरूकहेसांसलि
नरपति ॥ कहुतेहपवीत्तरेलो ॥ अहोक० ॥ ४४ ॥ विजेखंभेपांचमी ॥ कहि
उत्तमढालरेलो ॥ अहोक० ॥ पद्मविजयकहेसासलो ॥ घणकवातरसालरेलो ॥
अहो० ॥ ४५ ॥ दुहा ॥ एणहिजविजयमाराजपुर ॥ छतेहनोरहेनार ॥ स्वस्वरूपमें
सावी उ ॥ नलहुरतिनीरधार ॥ ४६ ॥ विरक्तरहुवैरागीउ ॥ आम्यातवअणगार ॥
साधूवडशिरोमणी ॥ विचरताकरेविहार ॥ ४७ ॥ अमरगुप्तआचार्यनें ॥ उ
पनुअवधीज्ञान ॥ योमादिनतेहनेंथया ॥ धरताधरमनुध्यान ॥ ४८ ॥ वात
लोकमांविस्तरी ॥ अहोतपस्वीएह ॥ आश्रवकरयाअलगाइणे ॥ ग्यानतणो
तेगेह ॥ ४९ ॥ धरमदेशनालधीआ ॥ जाणेंसूपतिजाम ॥ नगरलोकस्यूनरपती
आवेवदनआम ॥ ५० ॥ ढाल ॥ गैवसागररीपालउसीदोयनागरी ॥ म्हारालाल
॥ एदेशी ॥ अरिमर्दननरपतिनेंधर्मलाभदिउ ॥ म्हारालाल ॥ नरपतिनगरलो
कसहुचित्तआणदिउ ॥ मा० ॥ गुरूवचसुणवानोहर्षघणोमनमाधरे ॥ मा०
पुछेसूरकविहार मुनीनेंउल्लसपरें ॥ मा० ॥ ५१ ॥ फरिपुछेनृपजाणनाणतुम
अतिघण ॥ मा० ॥ त्रणकालमाहकउहिनाणतेतुमतण ॥ मा० ॥ करिउ
पगारकहोगुरूसमकीतकवलसा ॥ मा० ॥ शाश्वतसूखतरूविजपरिणामते
हनाकसा ॥ मा० ॥ ५२ ॥ देशविरतिपाम्याशीणसवकेपरसवें ॥ मा० ॥ सा
धूपणपणिकवलसां ॥ किमलसांसवनवें ॥ मा० ॥ चपावासपुरीएहविजयमा
मुनीकहे ॥ मा० ॥ सुधणनामगाथापतिअतितकालेरहे ॥ मा० ॥ ५३ ॥ घ
णसिरीनामेंघरणीतेहनीहुसूता ॥ मा० ॥ तेहनघरनीवासीनदसयवाहुता ॥

॥ मा० ॥ तेहनोसूतरूड्देवआपीमुझतेहनें ॥ मा० ॥ जीवनेंवयअनुक्रमवि षयसूखगेहनें ॥ मा० ॥ ५५ ॥ शणिअवसरतिहांविहारअनुक्रमेंआविया ॥ ॥ मा० ॥ तपसंजमथीआतमसलिपरिसाविआं ॥ मा० ॥ रूपमकीमानुआ सनेंदेवतादेखीश ॥ मा० ॥ कुतरतनेंकरीओसीतगुरुणीपेषीश ॥ मा० ॥ ॥ बालवह्मानामेंचंशातपञीतेलघणी ॥ मा० ॥ दिगंत्रामसूखपुजमानुंतेहनुतणो ॥ मा० ॥ सासरेथीपीहरजातांमुझश्मथयु ॥ मा० ॥ तेदेखीमुझमोहथीतनुं पुलकितसयुं ॥ मा० ॥ ५६ ॥ लोयणथयांविकस्वरपापनाशीगयां ॥ मा० ॥ उलस्युअंगधरमथिसतअस्युंधन्यथयां ॥ मा० ॥ करकजजोमीविनयथकी पाश्पमी ॥ मा० ॥ दिधोतेणीशंधर्मलाभमानुंशफलीघमी ॥ मा० ॥ स क्तिप्रीतिथीतेहनोआलथपुछिउं ॥ मा० ॥ तेसाझणीश्वताम्योतिहांचित्तमुं उं ॥ मा० ॥ उचितविधेझएहनीसेवानीतकरु ॥ मा० ॥ जाणजिमतिमझंस वसायरनिस्तरु ॥ मा० ॥ ५७ ॥ तेसगवतिश्धर्मकह्योजीनसाषीउं ॥ मा० ॥ शिवसूखफलदकल्पचितामणीपरेंवाषीउं ॥ मा० ॥ कर्मनोक्षयउपसमथयोस मकीतपामीउं ॥ मा० ॥ साध्योजिनधरमसवचारकचित्तवांमीउं ॥ मा० ॥ ॥ ५८ ॥ हवेमुझपतिकर्मदोषथीद्वेषकरेघणो ॥ मा० ॥ कहेतूधर्मएगामीवी पयविघ्नकारणो ॥ मा० ॥ मेंकह्युविषयसूखेंसस्युदारूणफलकस्यां ॥ मा० ॥ तेकहेदृष्टमुकीअदृष्टकूणेंलस्यां ॥ मा० ॥ ५९ ॥ मेंकह्युपसूसाधारणविषय मांसूलसु ॥ मा० ॥ सत्यकसूखफलधर्मअदृष्टतेकिमकसु ॥ मा० ॥ श्मक ह्याथीअधीकद्वेषमुझस्यूकरे ॥ मा० ॥ सोगतज्योमुझसाथिविवाहविजोमनधरे ॥ ॥ मा० ॥ ६० ॥ नागदेवघूआनागसिरीकन्यालली ॥ मा० ॥ पणितसतातेंन दिधीमुझपीयालयकली ॥ मा० ॥ रूद्रदेवमनचिंतवेंजिवताएहनें ॥ मा० ॥ नविदिश्वालीकाकोईकरूस्युंतेहनें ॥ मा० ॥ ६१ ॥ मायाथरीअकरीमारूए हनेंहवे ॥ मा० ॥ श्मचितिघटमाहिंआशीविषसक्रमे ॥ मा० ॥ घरएक पुणेंगमीसणेंरयणीसमे ॥ मा० ॥ एनवघटमाथीकुसूममाललावोतुम्हे ॥ ॥ मा० ॥ ६२ ॥ कुअणजाणतीतेहलेवागईजेतले ॥ मा० ॥ हाथघाल्योतिहां

रालवयणें ॥ निसितकरकरवालए ॥ सिमअट्टहासमुके॥ वरणअतीतसस्था मए ॥ देखीवीहनोमरणसयथी ॥ जुइदश दिशगमए ॥६०॥ पुरवदिशरेदेखे वम्हएकतामरे ॥ उदयाचलरेशीखरपरेंअसिरामरे ॥ सिद्धगांघर्वरेमारगरोक्या तासरे ॥ मनचिंतेरेकिमहिकजाउएपासरे ॥ ६१ ॥ त्रु० ॥ उगरूतोएहसय थी ॥ चढुवमउपरिजई ॥ इमचितविनेशीघ्रचाल्यो ॥ पदसेदायेंकूअसूई ॥ पोहतोवमनेंपासतवते॥देखीमनमांचितवें॥गगनगोचरथीनलधाइ॥किमक रूएहनेंहवे ॥ ६२ ॥ आरोहीरेनयकेहवश्तेकोईपरें ॥ गजदेषीरेतेहनुतनव कथरहरे ॥ ईमकरतरिदिगेजीरणएकरे ॥ कुपकतिहारेउमातेंअतिठेकरे ॥ ॥६३॥त्रु०॥ जीववानीरूणेकआशा॥घरीमरणनोसयमनें॥निरालवनआलमु क्यो ॥ नविआधारकोतिहाकनें॥सीतिउग्योसरनोथसो॥वलगोतेहनेउल्लसी॥ पमणातीयातेंहेठिफणिधर ॥ च्यारकोप्याघसमसी ॥ ६४ ॥ च्यारकांठेरेते हरहेकोपाकुला ॥ फणाटोपेरेकरम्हवानेंथयाव्याकुला ॥ एकअजगररेदिग्ग जसमदिशेखरो ॥ आषरातीरेकृष्णकायमुखमोकरो ॥ ६५ ॥ त्रु० ॥ चिंते मनमांएहथसो॥ तिहालगेंजीवितवङ्क॥ उचेमुखेंजवजोईउतव ॥ दिठूतेसूण ज्योकङ्क ॥ एकधवलनेंएककृष्णएवे ॥ उदरामोहटाहवे ॥ दाढतिषीमूलछेदे॥ हस्तीपणिजूउतेहवे ॥ ६६ ॥ नवीपोहचेरेतेनरनेंहवेहाथीउ ॥ घयोलेरेको पेवमउन्माथीउ ॥ तिणेंहाल्यौरेमधपुडोएकउपरि ॥ मधूलमरीरेउमीतेचिहुदि शिसचरे ॥ ६७ ॥ त्रू० ॥ समरिसमुहेताशगात्रें ॥ दिश्चटकाअतिघणा ॥ मधूजालपमीउकुपमातिणें ॥ गणगणाटनीनहीमणा ॥ एकविंदूमधूनोति हांपमीउ ॥ सीसउपरितासए ॥ आलोटतोतेकिमकेंआव्यो ॥ तासमुखआवा सए ॥ ६८ ॥ रूणेइछेरेवलीएकविंदूआवतो ॥ पणिनगणेरेजेड खएवमापाव तो ॥ करिमुसोरेअजगरनेंवलीसापरे ॥ कुउसमरीरेएवमानगणेसतापरे ॥ ॥ ६९ ॥ त्रु० ॥ मधूविंदूरसआस्वादगिरधर ॥ हरषपामेंवङ्कतदा ॥ सुणोउप सहारएहनो ॥ मोहघुमजाइकदा ॥ पुरूषतेएजिवजाणो ॥ च्यारगतीअटवि कही ॥ मनवारणतेकीनासजाणो ॥ जरारापसणीलही ॥७०॥ वमटरूतेरेमो

कुप्रपुरवजाणीइ ॥ मृत्युगजवरेसयजेहथानीकनाणीइ ॥ विषयातुररेनर
आरोहीनवीग्रक्या ॥ पापथानिकरेपरिमहमांहिजेजक्या ॥ ७० ॥ त्रु० ॥
सर्प्पध्यारकषायसमजो ॥ कुडनरसवजाणीइ ॥ जेमनुअनेंएनागकरमथा ॥
घोरडखविषषाणइ ॥ कार्याकार्यनलहेतेनर ॥ जीवीतसरषसोगणो ॥ बोमष
षजेबकुलअर्जून ॥ तेहउदरसमसणो ॥ ७२ ॥ करमेसमरीजेम्याधीविविधव
कुसत्तरें ॥ खणमातरेरेसूखनवीलहेकोईवत्तरे ॥ घोरअजगररेनरगतेअतिड
खदायरे ॥ विषेंमोहीतरेनरकेंगयाड खथायरे ॥ ७३ ॥ त्रु० ॥ मघूबिडसम
एसोगजाणो ॥ तुछनेंदारुणकहे ॥ एहव्यसनमाकहोकोणमाणी ॥ सोगवषा
नेंडमहे ॥ तिणेंकारणेंकरोधर्ममानव ॥ सवतेकूर्माविडसमो ॥ षमसविजमी
समसमागम ॥ सह्ननजाणोतुमो ॥ ७४ ॥ सध्यारागरेसरीषुजोबमजाणी
इ ॥ करोआवरेधर्मग्रदासूखखाणीइ ॥ विजेरवंमेरेसोलमीडालसोहामणी ॥
मानवसवरेजाणज्योजिमचिंतामणी ॥ ७५ ॥ त्रु० ॥ चिंतामणीसमधर्मकी
जें ॥ एहउपनयसांसली ॥ कहेपद्मएदृष्टांतसाध्यो ॥ विजोपार्गतरवली ॥
मथांतरथीतेहजाणो ॥ इहांचरिम्रमकारए ॥ सिहपुछेहवेगुरुनें ॥ धर्मवा
तउदारए ॥ ७६ ॥ इहांनी सीहकुमरकहेसांसलो ॥ कतिविधधर्मकहाय ॥
धरमीकहेदग्रविधधरम ॥ मुनीनोएनीरमाय ॥ ७७ ॥ यत ॥ खतिमद्दव
अद्धव ॥मुत्तितवग्रजमेग्रबोधवे ॥ सच्चसोयआगिंचणच ॥ वसचजईध
म्मो ॥१॥ डहा॥ सम्यगूवस्तुस्वसावनो॥ अतरकरीआलोचा॥कोधतणोअणज
यकरे ॥ करेउदइसकोच ॥ ७८ ॥ मद्दवपणइमर्माननो ॥ अनुदयवीफल
अपार ॥ अद्धवमायाअणउदय ॥ उदयेविफलअवीकार ॥ ७९ ॥ मुत्तिते
लोसतणो मुणो ॥ अनुदयउदयअसाव ॥ उदयलहीथीकरेअफल ॥ प्रसूनेंव
चनप्रसाव ॥ ८० ॥ तपतेडविधपरेंतपे ॥ बाह्यअस्यतरवास ॥ षटविधनें
अतरगषट ॥ जेहमांकोइनसास ॥ ८१ ॥ यत ॥ अणसणमुणोयरीया ॥
वित्तिसखेवणउरसच्चाउ ॥ कायकिलेसोसलिणयाय ॥बझोतवोहोई ॥ १ ॥
पायछित्तविणउ ॥ वेयावच्चतहेवसझाउ ॥ झाणउस्सग्गोविय ॥ अस्यतरउ

तवोहोई ॥ २ ॥ डुहा ॥ सत्तरसेदसजम सूणो ॥ सत्यतेनी रवघतास ॥ सौच ते नीरलेपीसदा ॥ आठमोपुरेआश ॥ ८२ ॥ आकिंचनतेइणीपरें ॥ घरमोप गरणधार ॥ परिग्रहनेंराषेपरो ॥ वस्तेतेषटनेंवार ॥८३॥ ढाल ॥ वैरीं॥ मंडावेला नी ॥ एजतीधर्मनेंसाललीरे ॥ बोलेसिहकूमार ॥ श्रोत्तनधर्मएसाधुनोरे ॥ सा प्योतुम्हेंअणगार ॥८४॥साप्योतुम्हेतेम्हेंनवीथाय॥ क्षतोसमर्थनहिमुनीराय॥ मुक्तनेयोग्यहोइजेकांय ॥तेसाषोमुक्तकरीसूपशाय ॥ ८५ ॥ जिमोहनजी जीरे ॥ एआकणी॥धर्मघोषमुनीवोलीआरे ॥ श्रावकथाउमहासाग ॥ सीहक हेतेकेहवोरे ॥ श्रावकधर्मनोलाग ॥ ८६ ॥ श्रावकधर्मकह्योमुनीराय ॥ द्रव्य सावधीअंगीकराय॥ मानेंकृत्यकृत्यआतमराय ॥ मुनीवरसेवकरेसूरवदाय ॥ ॥ ८७ ॥ जीमो० मदनाविनयथकीकरीरे ॥ पोहतानयरीमांहि ॥ कुसूमा वलीनेजईकहेरे ॥ तेपणिघरेउत्छाह ॥ ८८॥ तेपणिघरीउत्छाहनेंपामें ॥ कर्म क्षयोपसमेंमिथ्यातवामें ॥ समकितअणव्रतलहेगुणधांम ॥ नित२गुरुसेवा सूरवकाम ॥ ८९ ॥ जीमो० ॥ मासकल्पइमवहीगयोरे ॥ गुरुजीश्किघवि हार ॥ जैनधर्मेंदृढतेथयोरे ॥ तत्वातत्वविचार ॥ ९० ॥ तत्वातत्वविचारतेथा य ॥एकदिनपुरूषदत्ततेराय ॥ अमीततेजगुरुजिनेंपाय ॥धर्म्मदिक्षनामुणि सुखदाय ॥ ९१ ॥ जीमो० ॥ सिहकूमरराज्येंठविरे ॥ आपथयोमुनीसूप ॥ राणीश्रीकातासहवलीरे ॥ लहेशिवमार्गअनुप ॥ ९२ ॥ लहीशिवमार्गअनु पतेपाले॥ सिहरायनिजकूलअजुआलें ॥ करमअन्यायअरीनेंटाला॥ त्रणवर्ग पालेनीजकालें ॥ ९३ ॥ जीमो० ॥ सक्लोकनेंआणदकरेरे ॥ सामतमक्त आणि ॥ शिरवहेचपकमालज्युरे ॥ करेउपगारसूजाण ॥ ९४ ॥ करेउपगार सूजाणवैरागी ॥ राजक्षपीकहेवाइत्यागी ॥ काढेकालएरीतिसोसागी ॥ चा रित्रधर्म्मतणोवक्षरागी ॥ ९५ ॥ जीमो० ॥ अगनी शरमातापसोरे ॥ विद्युत कुमरजेदेव ॥ तिहांथीचविनेंवक्षसम्योरे ॥ तिरीगतिनीकरेसेव ॥ ९६ ॥ ति रीगतिनीकरीसेवनेंआम्यो ॥ अनंतरसवेबालतपसीसोहाम्यो ॥ तिहांथीमरी कर्मवासनासाम्यो ॥ कुसूमावलीनेंकुंपिठाम्यो ॥ ९७ ॥ जीमो० ॥ दिठोस

पनमांतिणीइरे ॥ उदरमांपेत्र्यतोनाग ॥ वाहिरनिकलीरायनेंरें ॥
हीलाग ॥ ९८ ॥ करम्योतिणेंतेपमीतत्नूप ॥ सिंहासनथीएहसरूप ॥
सूपनुएहथीरूप ॥ जागीअमगलजाणीअनुप ॥ ९९ ॥ जीमो ॥
न्यूरायेंनेरे ॥ गर्त्तनेवघतोजाय ॥ तेहतणापरसावथीरे ॥
य ॥१०० ॥ स्नेहधरेवऊराजातास ॥ परिजनकहेराणीनेउल्लास ॥
मकरखुखास ॥ तवराणीतहनेंकहेसास ॥ १०१॥ जीमो० ॥
जनकहेरे ॥ सूपनेंआदरदिजें ॥ तवजाएयूईमराणीइरे ॥
जें ॥ २ ॥ गर्त्तनादोषवीनानवीहोय ॥ अन्यथारायस्यूरीशनकोय ॥
उपनोएकवीनजोय ॥ हवेसांसलोतेत्तापुत्रोय ॥ ३ ॥ जीमो० ॥
आंतरमासपुरे ॥ रांणीविचारेतांम ॥ गर्त्तएपापकारीघणोंरे ॥
नहीमुऊकांम ॥ ४ ॥ कामनहीमुऊचिंतेनारी ॥ सत्तास्नेहतेचीत्तविचारी
नारीस्वसावकायरनिरधार ॥ पाडूगर्तऊएइणीवार ॥ ५ ॥ जी० ॥ न
यवऊकस्यारे ॥ पणितेनिकाचितकर्म ॥ कोइप्रकारेपड्योनहीरे ॥
मर्म ॥ ६ ॥ पाडवाकारणउसधपिधां ॥ तिणेंदूरवलतसअगजकीधां ॥
मापणिकार्यनसीधो ॥ कर्मकस्यातिगाढेंलीधां ॥ ७ ॥ जीमो० ॥
षीपुत्रतोरे ॥ रायराणीनेंइम ॥ स्युतुऊनेनवीसपजेरे ॥ अथउणोमुऊप्रेम ॥
अथवाकोईस्आणाखमी ॥ दीसेंतुजिमदेवेदमी ॥ पाणीरहीतजीममाछलीपण
अथवाकुमुदिनीउदर्केउमी ॥ ८ ॥ जिमो० ॥ रायरागेराणीकहेरे ॥ मुऊमन
मांइमआवे ॥ मरणलऊइणअवशरिरे ॥ तोमुऊनेंसुखथावे ॥ ९ ॥ स्यूतीम
त्तपुत्रेतसताम ॥ देविकहेमुऊदेवछेवाम ॥ इमकहीआंसूरेंमेंतिणठाम ॥ रांणी
पुत्रेनथीपुत्रणकांम ॥ ११ ॥ जिमो० ॥ वातकथाबीजीकरीरे ॥ आक्षेप्युमन
तास ॥ तेमीपरिजननेंकहेरे ॥ वातसूणीउल्लास ॥ १२ ॥ वातकहेइमराजाती
री ॥ ढालसत्तरमीए [illegible] ॥ विजेरवेमनमाधारी ॥ पद्मविजयकहेसूणी
सुखकारी ॥ १३ ॥ [illegible] कीमएदूमली ॥ उवेरवीकीमएहा
वऊलपकनावद [illegible] सारसूतसवीवीश्वमा ॥ रांणी

रयणसरूप ॥ प्राणधरतेननिपजे ॥ एहवुंस्यूछेअनुप ॥ १५ ॥ मदनलेपातव
माननी ॥ बोलीएहवाबोल ॥ राजनकहोछेतेपरख्यातोपिणस्त्रीस्येतोल ॥ १६ ॥
अविवेकीपणअगमा ॥ पणिसासलिएकसूप ॥ कहिसकिश्एहवीकथा ॥ रा
जननहीसरूप ॥ १७ ॥ अन्यउपायनहीएहमा ॥ तिणेंकऊसासलितूऊ ॥
ससलाम्युश्मकहीसवे ॥ गर्त्तदोहदनुगुऊ ॥ १८ ॥ ढाल ॥ सुणिबहेनीरेपी
उडोपरदेशी ॥ एदेशी ॥ सूपतिचिंतेरागविलूधो ॥ जुउरांणीस्यूकहेछेरे ॥ पु
त्रजनमपणिनविवऊमानें ॥ रागएश्मवहेछेरे ॥ १९ ॥ सूप० ॥ जोदो
हदनवीपुरूएहनो ॥ थाश्गर्त्तविनाशरे ॥ विसरज्योराणीनोपरिकर ॥ चिंतेउ
पायहवश्ताशरे ॥ २० ॥ सूप० ॥ मतिशागरमहामन्त्रीतेम्यो ॥ ससलाब्यो
एत्तांतरे ॥ करीयविचारसूपनें साषे ॥ सासलोकऊअवदातरे ॥ २१ ॥ सूप ॥
बुसूक्तितरहीउदरेंबांधो ॥ अमकर्त्तुमकरीवेसोरे ॥ कोश्मकारेंलऋणकरीसू
दर ॥ पणिकोईनेंमतकहेस्योरे ॥ २२ ॥ सूप० ॥ रांणीदेपताकापीदेस्यू ॥ प
छेमनमाग्युकरेस्यूरे ॥ वातसूणीनरपतिवऊहरष्यो ॥ श्मप्रतिज्ञातरेस्यूरे ॥
॥ २३ ॥ सूप० ॥ रांणीनेंकहेतुम्हसूखकरस्यू ॥ राणीगरसअनुसावेंरे ॥ अ
गीकारकरिअणघटती ॥ करेउपायशुसदावेंरे ॥ २४ ॥ सूप० ॥ दोहदसपु
रणथयोएहनो ॥ तवविषादबऊपामीरे ॥ मन्त्रीश्रायदेषाम्योअनुक्रमें ॥ हुवे
नहीहर्षनीषांमीरे ॥ २५ ॥ सूप० ॥ मन्त्रीकहेजवजनमतेथाश ॥ तवमतकहे
ज्योरायरे ॥ मुऊकहेज्योऊयोग्यकरीशते ॥ सासलीअगीकरायरे ॥ २६ ॥
॥ सूप० ॥ अनुक्रमेंजनमथयोतेसुतनो ॥ मतिशागरनेंदिधोरे ॥ मतिशागर
कहेगरसथकीपणि ॥ रायनेंदूखबऊकीधोरे ॥ २७ ॥ सूप० ॥ तिणेंएगर्त्तनां
हीप्रयोजन ॥ राणिचित्तपणिषशीउरे ॥ रायनेंमतएवातप्रकासो ॥ श्मकही
लेईनीकसीउरे ॥ २८ ॥ सूप० ॥ रायनेंकहेम्टतबालकआव्यो ॥ श्मकहि
दाशीमाथेरे ॥ देईअशोकवानीमांजाता ॥ दिठीपृथवीनाथेरे ॥ २९ ॥ सूप० ॥
कहेदाशीनेंस्यूएमाथे ॥ सभ्रमथीकहेदाशीरे ॥ कांयनथीश्मकहेतारोये ॥
राश्जोयुचकासीरे ॥ ३० ॥ सूप० ॥ वालकदेषीठवकोदिधो ॥ फटसुमीश

पनमांतिणीइरे ॥ उदरमापेश्रतोनाग ॥ वाहिरनिकलीरायनेंरे ॥
हीलाग ॥ ९८ ॥ करम्योतिणेतेपमीउलूप ॥ सिंहासनथीएहसरूप ॥
सूपनुएहवीरूप ॥ जागीश्रमगलजाणीअनुप ॥ ९९ ॥ जीमो ॥
न्यूरायनेंरे ॥ गर्भतेवधतोजाय ॥ तेहतणापरसावथीरे ॥ न
य ॥५०० ॥ स्नेहधरेवक्रराजातास ॥ परिजनकहेराणीनेंउल्लास ॥
मकरवुखास ॥ तवराणीतहनेंकहेत्तास ॥ ५०१॥ जीमो० ॥
जनकहेरे ॥ सूपनेंआदरदिजें ॥ तवजाएयूईमराणीइरे ॥
जें ॥ २ ॥ गर्भनादोषवीनानवीहोय ॥ अन्यथारायस्यूरीश्रनकोय ॥
उपनोएकदीनजोय ॥ हवेसासलोतेसाधुश्रोय ॥ ३ ॥ जीमो० ॥
आंतरमांसधुरे ॥ राणीविचारेतांम ॥ गर्भएपापकारीघणोरे ॥
नहीमुझकांम ॥ ४ ॥ कामनहीमुझचितेनारी ॥ सत्तास्नेहतेचीत्तविचारी
नारीस्वसाथकायरनिरधार ॥ पामूगर्भक्रएइणीवार ॥ ५ ॥ जी० ॥ तासउपा
यवक्रकरयारे ॥ पणितेनिकाचितकर्म ॥ कोइमकारेपमयोनहीरे ॥ वेरसाथना
मर्म ॥ ६ ॥ पाडवाकारणउसमपिधां ॥ तिणेंदूरवलतसअगजकीधां ॥ दोहला
नापणिकार्यनसीधां ॥ कर्मकस्यांतेगाढेंलीधां ॥ ७ ॥ जीमो० ॥ मुखलीके
षीपुछतोरे ॥ रायराणीनेंइम ॥ स्युतुझनेनवीसपजेरे ॥ अथउणोमुझप्रेम
अथवाकोईश्रआणाखमी॥ दीसेंतुजिमदैवेदमी॥पाणीरहीतजीममाछलीधमी॥
अथवाकुमुदिनीउदर्केंगमी ॥ ९ ॥ जिमो० ॥ रायरागेंराणीकहेरे ॥ मुझमनी
मांइमआवे ॥ मरणलक्षणश्रवधारिरे ॥ तोमुझनेंसुखथावे॥ १० ॥ स्यूनीमि
त्तपुछेतसतांम ॥ वेधिकहेमुझदैवछेवांम ॥ इमकहीआंसुरेभेंतिणठांम ॥ राजा
पुछेनवीपुछणकांम ॥ ११॥ जिमो० ॥ वातकयावीजीकरीरे ॥ आक्षेप्युमन
तास ॥ तेमीपरिजननेंकहेरे ॥ वातसुणोउल्लास ॥ १२ ॥ वातकहेहवेराजास
री ॥ ढालसत्तरमीएमनोहारी ॥ विजेखभेमनमाधारी ॥ पद्मविजयकहेसुणो
सूखकारी ॥ १३ ॥ जीमो० ॥ दूहा ॥ देवीकीमएदूबली ॥ उधेरवीकीमएहा
। तत्पफ़लाचदवल ॥ सरिपीदीसेकेह ॥ १४ ॥ सारसूतसथीवीश्वमां ॥ राणी

चितवेरे ॥ एससारअसार ॥ मत्सगलागलयईरसूरे ॥ कोहनोकुणआधार ॥
॥ ४८ ॥ वाल्होमारोसावेठेसावनारे ॥ एम्आकणी ॥ मूढहैयामाआणदलहेरे॥
सत्पुरुस्यानिरवेद ॥ देखीनेंपामेईमचितवीरे ॥ रायथयोवङ्खेद ॥ ४९ ॥
॥ वा० ॥ रायविचारेंकरवुकिस्यूरे ॥ अजगरेंवङ्गमस्योएह ॥ क्रूररेसूजगम
वङ्गस्योरे ॥ नागेंमण्डूकदेह ॥ ५० ॥ वा० ॥ कठगतप्राणथयासङ्करे ॥ प
णिनमुंकेकोय ॥ अधीकअधीकगलवाकरेरे ॥ एहविषमगतीजोय ॥ ५१ ॥
॥ वा०॥एकविनाशीनेंठेमवुरे ॥ पणिनवीजीवेंकोय ॥ नविउपायएवातमारो॥
साविसावतेहोय ॥ ५२ ॥ वा० ॥ हवेजोवुतेजुगतूनहीरे ॥ गजवरप्रेरयोतां
म ॥ कटकसयुतआवासीउरे ॥ करेउचितनीजकाम ॥ ५३ ॥ वा० ॥ राति
गईअरधीजस्येरे ॥ तवजाग्योनरराय ॥ दिठोवृत्तांततेसासस्योरे ॥ अजगर
मुखचित्तलाय ॥ ५४ ॥ वा० विरसविपाकठेजेहनारे ॥ फलकिंपाकसमा
न ॥ विषयआपातमात्रमीठमारे ॥ मुरखकरेवङ्गमान ॥ ५५ ॥ वा० ॥ वरं
जेपमीत्तएहनेंरे ॥ वलिएविषयनेंकाज ॥ लोककरेवङ्गपापनेंरे ॥ करतावहो
तअकाज ॥ ५६ ॥ वा० शाश्वतधर्मगमीकरीरे ॥ थईसूखशठकजीव ॥ जि
वितअरथीखायफेरनेंरे ॥ तिमकरेपापसदैव ॥ ५७ ॥ वा० ॥ दुखतेपापनु
फलअठेरे ॥ दुखीआमकरोपाप॥ सुखीआपणिकरोधर्मनेंरे॥ धर्मनुंफलसहीं
आप ॥ ५८ ॥ वा० ॥ मण्डूकसमतुछलोकठेरे ॥ सर्पसरीखाजेह ॥ तेहपशी
जाश्तेहनेंरे ॥ तेहनेंक्रूररसमतेह ॥ ५९ ॥ वा० ॥ क्रूररनेंपणअजगरसमारे॥
अजगरसमपणिआप॥ नहिनिजवशजिणकारणेरे ॥ जमदेवेशताप ॥ ६० ॥
॥ वा० ॥ एहअनर्थतस्यालोकमारे ॥ जेकरविषयप्रसंग ॥ तेमाहमोहविला
सठेरे ॥ तिणेंस्योकरीरग ॥ ६१ ॥ वा० दुखअनेकतरुविजठेरे ॥ राज्यअ
नर्थनीखांणि ॥ पातालपरेंपुराइनहीरे ॥ एहवीजीनवरवाणि ॥ ६२ ॥ वा०॥
थिवरसललतजिरणघरपेरेरे ॥ खलसगतीपेरेजास ॥ विरसावसाणतेपेपीश्र ॥
राज्यथीनरकमांवास ॥ ६३ ॥ वा० ॥ वेश्याहृदयपरेंवालहोरे ॥ द्रव्यअने
कप्रकार ॥ सूजगवङ्कवलमीकपरेरे ॥ दुखदायकदुखकार ॥ ६४ ॥ वा० ॥

मनकीजेरे ॥ तूगहृदयस्त्रीकायरसावें ॥ सघलीवातकहीजेरे ॥ ॥ सूप० ॥
लिधोरायेंबालककम्पी ॥ चितवेंआपुनएहनेरे ॥ एहनेहार्मेपुरणभावों ॥ अनु
पालेतेहनेरे ॥ ३२ ॥ सूप० ॥ अन्यथाविनेंपालवाआप्यो ॥ कहेएहनें
यथास्येरे ॥ तोमुकहाथेंविनासलहेस्यो ॥ लोकमासलपणजास्येरे ॥
सूप० ॥ बहुनिभगाकरीराणीनें ॥ तिमजमन्त्रीनेंजाणोरे ॥ देवीमश्रीअनुसे
धेगांनो ॥ पुत्रउगवकरेराणोरे ॥ ३४ ॥ सूप० ॥ आणदनामउग्यूतेबालक ॥ मो
हटोजबतेथायरे ॥ कलाकलापमस्रोतिणेंबहुलो ॥ मनमांहर्षनमायरे ॥ ३५ ॥
सूप० ॥ पुरवकर्मदोषेंनृपउपरिं ॥ चित्तविषमबहुराषेरे ॥ नरपतिइजुवराजक
स्योवली ॥ राजकू लीनीआर्षेरे ॥ ३ ६ ॥ सूप० ॥ इणअवसरएकअटवीवा
सी ॥ दुर्मतीनामसामतोरे ॥ दुर्गबलेंनविगणेलेषामां ॥ जाणेंसिहसूकतोरे ॥
॥ ३७ ॥ सूप० ॥ सैन्यमुक्योतेरायनेउपरि ॥ तेपणितेहथीहास्यारे ॥ कोप
करीहवेंसीहनरेसर ॥ बहुबलथीपरीवास्यारे ॥ ३८ ॥ सूप० ॥ करियप्रया
णनेंचाल्योसनमुख ॥ जबथयांप्रण्यप्रयाणोरे ॥ इणिअवसरिसिघूनदीकां
ठे ॥ वहेतेप्रयाणतेगणोरे ॥ ३९ ॥ सूप० ॥ समरादित्यनारासमांसाषी ॥ बिजे
खमेढालरे ॥ एहअधीकउह्लासेंअढारमी ॥ पद्मविजयसुरसालरे ॥ ॥
॥ सूप० ॥ दुहा ॥ नदिकांठेंतिहानीरषीउ ॥ अचरीजएकउदार ॥ गजश्रिरवे
गगेलस्यू ॥ मनुषवदमनोहार ॥ ४ १ ॥ अहोकष्टअहोकष्टए ॥ बोलेइमबहु
लोय ॥ राजापोहोतोरिकस्यू ॥ जईनशतिहांइमजोय ॥ ४२ ॥ जीरणनाग
दिठोयदा ॥ कृष्णदेहमहाकाय ॥ मधुकमात्रतेमोटिको ॥ लीधोवदनलपाय
॥ ४ ३ ॥ पोहलेवदनेंपेषीइ ॥ दुखथीधूजेदेह ॥ मोहटेकूररेमुखमां ॥ नाग
ग्रस्योनसंदेह ॥ ४ ४ ॥ अजगरदिग्गजकरसमो ॥ नयनरक्तनहीसोम ॥ ग
स्योकूररवलीअजगरें ॥ राजिथयोरोमरोमा ॥ ४५ ॥ अजगरजिम २ आहार
तो ॥ तिम२ नागनेंतेह ॥ मधुकरोतोअहीमुखें ॥ जातोवेषेजेह ॥ ४६ ॥ अ
चरीजदेषीएहवु ॥ सयपांम्योतूपाल ॥ वेथिएदष्टांतनें ॥ चिंतेचित्तविषाल
॥ ४७ ॥ ढाल ॥ माहलोम्हारोवायढेबासबीरे ॥ नरपतिमनमांहि

खुघटोतोतुम्हचीकेहीवात ॥जिनवयणसावितमतितूम्हतणी ॥ तुमचोउत्तम अवदात ॥ ८२ ॥ गति० ॥ सफलोमानवसवतुम्हतणो ॥ वनवखसरीषाएसो ग ॥ जिम २ इंघणषेपीइ ॥ तिम २ वधतोजाइरोग ॥ ८३ ॥ गति ॥ किंपा कनाफलसमजेहना ॥ मर्येसाप्याठइविपाक ॥ वलिमृत्युअकालेंआविअमे॥ जेहनोसुरअसुरमांलाग ॥ ८४ ॥ गति० ॥ इमसांसलीहर्षवध्योघणो ॥ नृपें दियोअतिवहुमान ॥ कुअरअसीपेकनेंकारणें ॥ राइजोसीतेंम्यांजांण॥८ ५॥ ॥ गति० ॥ कहेकहोअसीपेकदिवसहवइ ॥ तवलगनजोइकहेइम ॥ आज थीपांचमेदिहामले ॥ किजेंअसीपेकतेंप्रेम ॥ ८६ ॥ गति० ॥ मगलमेस्यांत सकारणें ॥ मठजुगलप्रमुखवबहुसेव ॥ नरपतिमनमाइमचिंतवे॥ आणीचित्त मांनीखेद॥ ८७ ॥ गति० ॥ राज्यनोअसिपेककरीसलो ॥ राज्यथापीआण दकुमार ॥ पछेजास्यूंदीक्षाकारणें ॥ जिहांधर्मघोषअणगार ॥ ८८ ॥ गति०॥ इमचिंतवीलगनलगेंरहे ॥ इणअवसरिंतेहकूमार ॥ नृपनोअसीप्रायअजाण तो ॥ पुरवकृतकर्मविकार ॥ ८९॥ गति०॥ डुर्मतीस्यूंइमठरावीउ॥आपणेंहण वोएराया॥वलीयांसलीअसीपेकवारता॥तवचिंताईणिपरेथाय ॥ ९०॥ गति०॥ मीथ्यासीनिषेत्रोंचिंतवे ॥ डुष्टचित्तेंविपरीतवात ॥ जुठएअसीपेकनामिसथ की ॥ करस्येमुझनेंइमघात ॥ ९१ ॥ गति० ॥ इमठलीउंहूजाउकिमें ॥ अथ वाहोएसाचिवात ॥ पणिएहनुआप्युलेवुनही ॥ एहमांस्योजसअमथात ॥ ॥९२॥गति०॥जोरायनेंमारीलीजीइवलपीतोजसबहुथाय॥इणिअवसरिराय वोलाविउ ॥ तुम्हेआवोतुम्हकरुराय ॥ ९३॥ गति०॥ पणिइहेनहीतेंआवसु ॥ तवआर्येजेइमतिहार ॥ नृपचाल्योकूमरसवनजिहां ॥ उसोजइसहसाकार ॥ ॥ ९४ ॥ गति० ॥ तमआणदमनमांचिंतवे ॥ आठेसुदरप्रस्ताव॥ इरषाईकरी नेंवोलिउ ॥ मारि २ तणोआराव ॥ ९५ ॥ गति०॥ लेईतरवारनइमारीउ ॥ जेपासेंहुतोप्रतिहार ॥ पछेआव्योनरपतिउपरि ॥ किधोवलीगाढप्रहार॥९६॥ ॥ गति० ॥ तिहाकोलाहलवहुउठस्यो ॥ नृपसैन्येकरघोसक्षोल ॥ आणदकू मरनेंपीटीउ ॥ मांम्योसपामअयोल ॥ ९७ ॥ गति० ॥ निजदेहद्रोहसपर्येक

जिवलोकपरिजांणीइरे ॥ कामनपुराधाय ॥ सर्पकरमकनीपरेरे ॥ [illegible]
ह्यूजाय ॥ ६५ ॥ वा० ॥ असीसाधावकजनकेरेरे ॥ वेश्याजीवमरीमीआम
वीवीसवासकोइनोहोइरे ॥ होयघणीजोपीती ॥ ६६ ॥ वा० ॥ परस्त्रयुंको
साधननहीरे ॥ तिणेतजीराज्यप्रयाग ॥ धीरपुरुषेसेवीतआदरुरे ॥ वि[illegible]
रीरग ॥ ६७ ॥ वा० ॥ इहसवपरसवसुखकरुरे ॥ ममणपणजगचार ॥ कि
मकरुअस्तुतकासनेरे ॥ लघुताहोयइणिवार ॥ ६८ ॥ वा० ॥ अपवारइमु
ताकिसीरे ॥ एकजनमनोस्योसार ॥ सव २ नांवू स्वउपसमेरे ॥ लेउंसंसार
सार ॥ ६९ ॥ वा० ॥ इमकरतांरजनीगइरे ॥ विजेरवमेंढाल ॥ उगणीसवी
पदमेंकहीरे ॥ थयोउद्योतवीशाल ॥ ७० ॥ वा० ॥ दुहा ॥ वेगेआसनथांपी
नइ ॥ करीद्रव्यआवश्यककाज ॥ मभीममलसप्रणमीउ ॥ जवजयोविन
राज ॥ ७१ ॥ विजयाप्रतिहारीवरा ॥ प्रणमीनरपतीपाय ॥ केमेह
णीपरेविनवे ॥ मानेंज्योमहाराय ॥ ७२ ॥ सुणिधमसासणधणी ॥ करसुम
योणमुझकाज ॥ सीहरायइमसंकीउ ॥ आप्योकूरमतीआज ॥ ७३ ॥ आ
णातुमचीअतिक्रमी ॥ तसथयोपश्चाताप ॥ कथेतेपरशुकरी ॥ परवस्योकेई
नरआप ॥ ७४ ॥ दरिशणइछेकूरमती ॥ उसोआंगणआय ॥ करोकृकमएहनें
कीस्यो ॥ ईमसूणीहवेमहाराय ॥ ७५ ॥ मतिसागरजेमथवी ॥ सनमुखजो
युतास ॥ अगीतआकारउलषी ॥ मंत्रिकहेविमासि ॥ ७६ ॥ सरणागतवस
लसवे ॥ सूपतिहोयइमसाल ॥ दोषनएहमंदिरवीइ ॥ तेमोइहांइणताल ॥ ७७ ॥
आणाकरीतवआवीउ ॥ अवनीपतिनेंइम ॥ कहेकूहामनेंकोटिए ॥ तुम्हमन
होयकरोतेम ॥ ७८ ॥ कहिनेंचरणकमलनम्यो ॥ दानअसयतवविध ॥ करी
आदरसतकारीउ ॥ करवुतेसवीकीध ॥ ७९ ॥ ढाल ॥ चरिआवोजीआंबेमोह
रीउ ॥ एदेशी ॥ निजनयरेंवसीआविउ ॥ सीहनरपतिजयपुरमांहि ॥ निज
आशयमभीममलपतें ॥ साप्योअतिअगउगाह ॥ ८० ॥ गतिकर्मतणीविषमछे
॥ एआंकणी ॥ कहेमभिममलसुणिसाहिबा ॥ तुम्हकल्पतेएहजसार ॥ तुम्ह
वसययाजेराजवी ॥ तेइमहिजपाम्यापार ॥ ८१ ॥ गति० ॥ सज्जिबमेंएक

रे ॥ अधीककूटेघरीप्रेमरे ॥ १५ ॥ कर्म० ॥ नरपतीदेपीएहवुंरे ॥ रूकपु रुषनीपासरे ॥ कहेवरावेएस्यूकरोरे ॥ नि फलएहप्रयासरे ॥ १५ ॥ कर्म०॥ जेहथीअधर्मपरपरारे ॥ तेकिमकरीइशोकरे ॥ लपमीचचलस्युविजलीरे ॥ मानेथीरमुढलोकरे ॥ १६ ॥ कर्म० ॥ सूपनसमासगमकसारे ॥ नवीसमझे एहजिवरे ॥ ढेहमारागविलासनारे ॥ एहवाएमसदैवरे ॥ १७॥ कर्म० ॥ अ विवेकीजनआचरेरे ॥ तिमकरीइनविलापरे ॥ सूखडखसङ्कइअनुसवेरे॥ के वलकिघांआपेरे ॥ १८ ॥ कर्म० ॥ जिवलोकमासारजेरे ॥ श्रीजीनवयण रसालरे ॥ सवञायरतरीइजिणेरे ॥ पांमीइसूखविशालरे ॥ १९ ॥ कर्म० ॥ तेपाम्याढेलाग्यथीरे ॥ आदरोतेहजसाररे ॥ एहटालीवीजोनहीरे ॥ ड खगो मावणहाररे ॥ २० ॥ कर्म० ॥ सूपतिइइमजेकह्युरे ॥ सासल्यूसङ्कइतेहरे ॥ एहएमजइममानतारे ॥ नहिअन्यथाकाइएहरे ॥ २१ ॥ कर्म० ॥ सूपति नीआणालहीरे ॥ ॥ आणदनीवलीइमरे ॥ वलातकारेंआणालहीरे॥ घारीधर्म स्यूप्रेमरे ॥ २२ ॥ कर्म० ॥ गधर्वदत्ताविद्याधरीरे ॥ आर्यांश्रमणीगुरुरे ॥ पासेंप्रवज्यांआदरेरे ॥ तत्वजाणअतिवुरुरे ॥ २३ ॥ कर्म० ॥ धन्य एराणीएहनीरे ॥ धन्यएरायसूजाणरे ॥ जाणूपणिएहनुपरूरे ॥ एहनुजत त्वविन्नाणरे ॥ २४ ॥ कर्म० ॥ विजेखमेनीरमलीरे ॥ एकविसमीएढालरे ॥ समरावित्यचरीत्रनीरे ॥ पद्मकहेसूरशालरे ॥ २५ ॥ कर्म० ॥ डहा ॥ इण अवसरिआणदअती ॥ कदर्थनाकरेनीत्य ॥ उपशमनृपअतिआदरे ॥ क्रो घनकरेकूमीत्त ॥ २६ ॥ मनचित्तेनहीमाहरु ॥ आयुअधीकएवार ॥ अण सणकइवेआदरू ॥ पामुजिमसवपार ॥ २७ ॥ इमकरीअणसणआदस्यु ॥ आणदअवनीपाल ॥ सासलीअणसणसीहनु ॥ कोप्योकपूतकराल ॥ २८ ॥ ढाल ॥ हारेम्हारेजोवनीयानो लटकोदिहाडाच्यारजो॥ एदेशी ॥हारेम्हारे॥ देवसरमनांमेंकोइपुरुपमहतजो ॥ तेहनेंरेइमवातसीखावेजईकहोरेलो ॥ हा रे० ॥ सोजनकरिकेनहीतरमारीसहायिजो ॥ इमसासलीनेंगयोनृपपासेंदू खमसोरेलो ॥ २९ ॥ हारे०॥ जइनेंदिगेरायवेगेंशुलगायजो ॥ वोलेरेइमवां

री ॥ साथेनिजसैन्यनेंश्म ॥ मुळग्यापदनययुदेखज्यो ॥ इवेएहनेंमारोकेम॥
॥ ९८ ॥ गति० ॥ करोराज्यासीषेकतेएहनें ॥ एजाएज्योतूमथोराय ॥ इणें
अवगोंरकूमरेंऊकमकरयो ॥ दूरमतिनेंतिहाबोलाय ॥ ९९ ॥ गति ॥ बांधो
नीवळवधनेंकरी ॥ तवआव्योरायनेंपास ॥ कूलपुत्रपामीनेंबांधीउ ॥ नृपए
काकीकर्योपास ॥१००॥ गति० ॥ विसवासीपुरुषनेसूपीउ ॥ पुरलोकनी
भळीताम ॥ उविसर्वव्यवस्थाराज्यनी ॥ पोतेथयोरायनेंगाम ॥ १०१ ॥ ग
ति० ॥ इमसमरादित्यनारासमां ॥ पदमेंवरविश्रामीढाल ॥ कहिविजेरवमेए
सांभली ॥ मकरोकोईकर्म्मजंजाल ॥ २ ॥ गति० ॥ ॥ ॥
॥ दुहा ॥ सामतमंगलवज्ञकरी ॥ रायनेंचारकमांहि ॥ नाख्यातेचारकहवे ॥
वर्णवस्युदू खज्याहिं ॥ ३ ॥ अमुचिमयताआकरी ॥ दाथेजिमदूरगध ॥
सिरीसर्पफूटिसीतीमा ॥ देखामेवळघध ॥ ४ ॥ मांषीमत्रामळरघणा ॥ सिए
सीएनासएकार ॥ रजतकेरीमुसाकरे ॥ अधीकोजिहांअधकार ॥ ५ ॥ सीर
परकांचलीसरपनी ॥ लटकेलवायमान ॥ लूतातनूजालाघणी ॥ सिमतनरय
समान ॥ ६ ॥ विषमकालनुंवासघर ॥ सयलदूखनोसरवाय ॥ अधरमनी
लीलाअवनि ॥ कुलघरउखकहाय ॥ ७ ॥ ढाल० ॥ जीवजिवनप्रमूकिहां
गयारे ॥ एदेशी ॥ करमतणीगतिसांसळोरे ॥ करज्योविचारीकर्मरे ॥ एकप
पेंबयरेंसहेरे ॥ उखतोअन्यनोतमेरे ॥ ८ ॥ कर्म० ॥ राणीईणिपरेंसांसळीरे॥
चारकमुक्यारायरे ॥ आक्रदसेंरवमुकतीरे ॥ म्लानथईजसकायरे ॥ ९ ॥
कर्म० ॥ मोहटामुक्ताफलसारीखारे ॥ आसूझरेतिणीवाररे ॥ हारउपमपामें
तदारे ॥ रोकेचोकीदाररे ॥१०॥ कर्म०॥ मणीवलयेंकरीरणझणेरे ॥ एहवेक
रेंकरीजेहरे ॥ उख आवेजबलेंकरीरे ॥ ठेलीकाढ्यातेहरे ॥ ११ ॥ कर्म० ॥
कुटेहृदयघोमेकेशनेंरे ॥ मुखमासासनमायरे ॥ नयनकेत्रोंकरीबांकीआरे ॥
रपेपतीअवस्थादेपायरे ॥ १२ ॥ कर्म० ॥ कुसुमावलीपरमुखसझरे ॥ पोह
तूअतेउरतढरे ॥ लोहनिगमेंपुरयोनरपतिरे ॥ दिठोघारकजढरे ॥ १३ ॥ क
र्म० ॥ अनुचितसेंव्युवज्रअमेरे ॥ मानुंदेपावतिश्मरे ॥ हारपळणमानुवृक्षकी

एजीवजो ॥ जाणेंजेहअशाश्वतनाणेंतेषेदनेरेलो ॥ हां ॥ गर्भसमयथीस मय२मरेंनित्यजो ॥ जीवतोकिमकहीइएपणवेवनेंरेलो ॥ ४१॥ हां ॥ परलो कनोबहुलोकतणेंएसायजो ॥ चालतावरम्हालतांकोईआगलेरेलो॥ हां ॥ पो हतोवहेलोकहोतोस्योलयतडजो ॥ आयुअनित्यव्यतीतथइसागरगलेरेलो ॥ ॥ ४२॥ हां० ॥ सूनाहाटेंवाटेंआव्योजीवजो ॥ तेहनेंजीवनआशासीइमजा णीइरेलो ॥ हां॥ जन्ममरणमांनहीकोशरणविचारजो॥ व्रतआदरताघरताचि त्तजिनवाणीइरेलो॥ ४३ ॥ हा ॥ जरामरणनेंरोगशमणजिनवयणजो॥ एह रसायणअमयसुसायणसारछेरेलो ॥ हां ॥ पीधुकीधुकामतिणेंनहीसीतिजो॥ जन्ममरणनीजाणतिणेमुक्तपारछेरेलो ॥ ४४ ॥ हां ॥ शोभ्योआतमपापमें लसविघोयजो ॥ स्वजनकुटंबनिगमतेसागीलोहनीरेलो ॥ हां ॥ मरणकाल विकरालकरेंस्युतासजो ॥ जेहमणुष्येंपयमीजीतिमोहनीरेलो ॥ ४५ ॥ हां ॥ एहकलेवरघरमापणिनपीपासजो ॥ तपधनजेहनेंतेहनेंसरीरसलेषीउरेलो ॥ ॥ हा ॥ सुविहितविहितमरणविधिपूर्वकजेणजो ॥ तेहनुरेखरमरणतेउत्सवदे षीउरेलो ॥ ४६ ॥ हां ॥ तपपाथेयमसुजिणेंसार्थेगुरुजो ॥ मरणसमाधिनि रबाधेंमार्गेमुणीरेलो ॥ हां ॥ जेमरणेंकरीस्वर्गकेहोयअपवर्गजो ॥ तेहसुमर णतोउत्सवसूतमागेगुणीरेलो ॥ ४७ ॥ हां ॥ इणिपरेंनरपतिशुभमतियोलेंबो लजो ॥ वीजेंषमेंढालएवावीशमीकहीरेलो ॥ हां ॥ धीरजरायनुवीरनअति शयदेषिजो ॥ पद्मविजयकहेंइमराषोदृढतासहीरेलो ॥ ४८ ॥दूहा ॥ कालो सर्पकृतांतनेंारोगव्यसनविषराशि॥ दीर्घदाढिर्तेदेषीइ॥ पुठिनमुकेंपास ॥४ए॥ जालमस्युजुरुनविहोइ ॥ नासीसकाइनांहि ॥ सुरअसुरानहीओशिरो ॥ जरा रोगनहीजांहि ॥५०॥ ढाल ॥ करकमूनेंकरुवदनाकुवारीलाल ॥ एदेशी ॥ रोगशोगमानवघणा ॥ कुवारीलाल ॥ व्याधिजरानेंवियोगरे ॥कु ॥ तेहनोस्यो आसरोकुइ ॥ कु ॥ तिणेंएधर्मसयोगरे ॥कु॥५१॥ जिनवयणेंइमदृढरहो ॥कु॥ एआंकणी ॥ पणिएकनिमेषजेजीवीइं ॥कु॥ तेजमरायप्रमादरे ॥कु॥ कायर सेवितमतदिउ ॥कु॥ मुक्तअपयशनोवादरे ॥कु॥५२॥ जि ॥ मृत्युदाढेजेआवी

णीमूजांणसोहामणीरेलो ॥ हरि० ॥
एहदेवसकुअवगुणमांहीशिरोमणीरेलो ॥ २० ॥ हरि ॥
वीआराधवायोग्यजो ॥ श्रितअवतारपणनवीग्रलपेएकवारेलो ॥ हरि
थलजननेंअनरथकेरोगणजो ॥ मत्तहस्तीपरेंस्वेगाचारीएसदारेलो
हरि० ॥ गंगाप्रवाहपरेंऋजुथकसदायजो ॥
लो ॥ हरि० ॥विषमथीपरेंसरवस्वारमतीकुलजो ॥
मीहीततणोरेलो ॥ २२ ॥हरि०॥ यद्यपीश्मडेतोपणपुरुषाकारजो ॥
मीजेंसतपुरुषेकुणमातथीरेलो ॥ हरि ॥
तेपुरुषाकारेजीताइंजातिथीरेलो ॥ २३ ॥ हरि ॥
रजो ॥ आहारमहणकरीश्जिमधरीश्देहनेंरेलो ॥ हरि ॥
आणीअतजो ॥ पांमेंरसपदजाइआपवतेहनेंरेलो ॥ २४ ॥ हरि० ॥
जावोलेसाजांवयणरसालजो ॥ देवश्रमांशुसकर्मासांसलिमाहरीरेलो ॥ हां
यातशुजातनमुक्योपुरुषाकारजो ॥ देशकालससालीवातमेंआचरीरेलो ॥ २
॥ हां ॥ लीधीदीक्षासाथमीशिक्षाधारिजो ॥
होरेलो ॥ हां ॥ उचितकालससालीमेअणसणकीधजो ॥
रीइंकोईपरेंलहोरेलो ॥ २६ ॥ हां ॥ तवतेबोल्योचिंतनविमोह्योतुमजो ॥
हारलेवामांपपितुमशुततेकोपस्येंरेलो ॥ हां ॥
जो ॥ एहकोपीशुसलोपीस्युआरोपस्येंरेलो ॥ २७ ॥ हां ॥
तेनविआयजो ॥ तवतेकहेंतुमेशुतरत्नांतजांणोसवेरेलो ॥ हां ॥
पीरकरेंरषेंएहजो ॥ हवणांवयणकटुकटुकमुखथीतेचवेरेलो ॥ २८ ॥ हां ॥
चिंतवेकेतवेंश्णअवसरनृपपुत्रजो ॥ किमनं [illegible]
॥ हां॥ अमरपसरीउंदरीउंक्रोधकषायजो ॥ खमगलेश्आप्योसाध्योनिज
पथीरेलो ॥ २९ ॥ हां० ॥ आहारपहणकरनहीतरठेउंसीसजो ॥ श्णेकरवा
करालउंपमजमजीहनीरेलो ॥ हां ॥ रायकहेंकुणवीहकलहेंठेएहजो ॥ का
यामायामाहुणीकोइकदीहनीरेलो ॥ हां ॥ ३० ॥ मरणशरणतोअवस्यकरे

एजीवजो ॥ जाणेंजेहअशास्वतनाणेंतेवेदनेरेलो ॥ हां ॥ गर्भसमयथीस मय२मरेंनित्यजो ॥ जीवतोकिमकहीइएपणवेदनेंरेलो ॥ ४१ ॥ हां ॥ परलो कनोबकलोकृतणेंएसायजो ॥ चालतावरम्हालतांकोईआगलेंरेलो॥ हां ॥ पो हतोबहेलोकहोतोस्योसयतछजो ॥ आयुअनित्यव्यतीतथइसागरगलेंरेलो ॥ ॥४२॥ हां० ॥ सूनाहाटेंवाटेंआव्योजीवजो ॥ तेहनेंजीवनआव्यासीइमजा णीईरेलो ॥ हां॥ जन्ममरणमांनहीकोशरणविचारजो॥ व्रतआदरताधरताचि त्तजिनवाणीईरेलो॥ ४३ ॥ हां ॥ जरामरणनेंरोगशमणजिनवयणजो॥ एह रसायणअमयसुसायणसारछेरेलो ॥ हां ॥ पीधुकीधुकामतिणेंनहीसीतिजो॥ जन्ममरणनीजाणतिणेमुक्तपारछेरेलो ॥ ४४ ॥ हां ॥ शोध्योआतमपापमें लसविधोयजो ॥ स्वजनकुटबनिगमतेसागीलोहनीरेलो ॥ हां ॥ मरणकाल विकरालकरेंस्युतासजो ॥ जेहमनुष्येंपयमीजीतिमोहनीरेलो ॥ ४५ ॥ हां ॥ एहकलेवरघरमापणिनपीपासजो ॥ तपधनजेहनेंतेहनेंसरीरसलेषीउरेलो ॥ ॥ हां ॥ सुविहितविहितमरणविधिपूर्वकजेणजो ॥ तेहनुंरेवरमरणतेउत्सवदे षीउरेलो॥ ४६ ॥ हां ॥ तपपाथेयपमुजिणेंसार्थेशुद्धजो ॥ मरणसमाधिनि रबाधेंमार्गेमुणीरेलो ॥ हां ॥ जेमरणेंकरीस्वर्गकेंहोयअपवर्गजो ॥ तेहवुमर णतोउत्सवसूतमागेगुणीरेलो ॥ ४७ ॥ हां ॥ इणिपरेंनरपतिशुसमतिबोलेंसो दजो ॥ बीजेंपर्मेढालएवावीशमीकहीरेलो ॥ हां ॥ धीरजरायनुवीरजअति शयदेषिजो ॥ पद्मविजयकहेंइमराषोदृढतासहीरेलो ॥४८ ॥दूहा ॥ कालो सर्पकृतांतछें॥रोगव्यसनविषराशि॥ दीर्घदाढितेंदेषीश॥ पुणिनमुकेंपास॥४९॥ जालमस्युजुद्धनविहोई ॥ नासीसकाईनांहि ॥ सुरअसुरानहीआशिरो ॥ जरा रोगनहीजांहि ॥५०॥ ढाल ॥ करकमूनेंकरुधदनाक्षवारीलाल ॥ एदेशी ॥ रोगशेगमानवघणा ॥ क्षवारीलाल ॥ व्याधिजरानेंवियोगरे ॥क्ष ॥ तेहनोस्यो आसरोक्षइ ॥ क्ष ॥ तिणेंएधर्मसयोगरे ॥क्षा॥५१॥ जिनवयणेइमदृढरहो ॥क्षा॥ एआंकणी ॥ पणिएकनिमेषजेजीवीई ॥क्षा॥ तेजमरायप्रमादरे ॥क्ष॥ कायर सेवितमतदिउ ॥क्षा॥ मुक्तअपयशनोवादरे ॥क्षा॥५२॥ जि ॥ मृत्युदाढेजेआवी

ते ॥ रू ॥ होइजोश्वनरिंदरे ॥ रू ॥ परणतेनीकलीनविसर्के ॥ रू ॥ [illegible]
यमनृपफदरे ॥ रू ॥ ५३ ॥ जि ॥ मृतमारणमार्गेकरी ॥ रू ॥ मार्गे[illegible]
ललाजरें ॥ रू ॥ एतुर्कचित्तामुरुधणी ॥ रू ॥ नहीमुरुजीवितकाजरे ॥ रू
॥ ५४ ॥ जि ॥ आहारत्यागनिजवयणथी ॥ रू ॥ तेकिमजेउआमरे ॥ रू ॥
मरणरूमुनहीजीववु ॥ रू ॥ व्रतधमीसुणिराजरे ॥रू॥ ५५॥ जि॥ [illegible]
ग्गिमिपवेसो ॥ वरविशुद्धेणकम्मुणामरण ॥ मागहियवयसगो ॥ माजीर्य[illegible]
लियसीलस्स ॥१॥ पूर्वकालइणिपरेंवयणतेसांभली ॥रू॥ कोपानलेज्वल्यो
हरे ॥ रू ॥ नयनकर्यांअतिरातडां ॥रू॥ खम्गप्रहारकरेहरे ॥ रू ॥५६॥जि॥
मातुकीधुमुरखें ॥ रू ॥ कीधोशिरपरधायरे ॥ रू ॥ नमोजिणाणकेहुवा ॥
॥ रू ॥ तत्वज्ञानीतेहरायरे ॥ रू ॥५७॥ जि ॥ कर्मकर्यांजेजेनरें ॥ रू ॥ ते
तेसोगवेंआपरे ॥ रू ॥ सोगवतांसयस्युकरे ॥ रू॥ करतांनवीहेंपापरे ॥ रू ॥
॥५८॥जि॥ परतोनिमित्तमल्योतनें ॥रू॥ नहीएहनोअपराधरे ॥ रू ॥ गुण[illegible]
पराधपोतेंकर्या ॥ रू ॥ आवेतेहअगाधरे ॥रू॥५९॥जि ॥ यत ॥ सवेपुव
कयाण ॥ कम्माणपावएफलविवाग ॥ अवराहेसुगुणेसुअ ॥ निमित्तमित्तप
रोहोई ॥ १ ॥ अप्पाअरिहोअणवठियस्स ॥ अप्पाजसोसीलमउनरस्स ॥
अप्पाडप्पाअणवठियस्स ॥ अप्पाजीअप्पासरणंगइय ॥ १ ॥ पूर्वभव ॥
श्र्मचित्तवतांरायनें ॥रू॥ कीधोबीजोघायरे ॥रू॥ पापीइपापकरयुघणु ॥रू॥
कलुषितअध्यवसायरे ॥ रू ॥ ६० ॥ जि ॥ मरणलहीतेमहातमा ॥ रू ॥ अ
ध्यवसायसुसजासरे ॥ रू ॥ सनतकुमारमाउपना ॥ रू ॥ कांतिधुतिवरवा
सरे ॥ रू ॥ ६१ ॥ जि ॥ पांचसागरनेंआउषे ॥ रू ॥ लीलाराममविमानरे ॥
॥ रू ॥ सुखसागरमांफीलतां ॥ रू ॥ काढेकालअमानरे ॥ रू ॥ ६२ ॥जि॥
आणंदराज्यपालीकरी ॥ रू ॥ मरीनेंनारकीथायरे॥ रू॥ एकसागरनेंआउषें॥
रू ॥ रतनप्रसानेंगयरे ॥ रू ॥ ६३ ॥ जि ॥ सीहआणदपूराथया ॥ रू ॥
बापबेटासबधरे ॥ रू ॥ खम्गबीजोपूरणथयो ॥ रू ॥ बालभेबीजभवधरे ॥
रू ॥ ६४ ॥ जि ॥ पटधरसीहसूरीसना ॥ रू ॥ सोसागीगिरदाररे ॥ रू ॥

सत्यविजयगुरुसंजमी ॥ फ्रं ॥ कपूरविजयव्रतधाररे ॥ फ्रं ॥ ६५ ॥ जि ॥ तासअंतेवासीसला ॥ फ्रं ॥ षिमाविजयजसनामरे ॥ फ्र ॥ गीतारथगुणआगला ॥ फ्र ॥ जिनविजयतसगामरे ॥ फ्र ॥ ६६ ॥ जि ॥ तेहनाशीषसोहामणा ॥ फ्र ॥ ग्यानीगुणसभाररे ॥ फ्र ॥ उत्तमविजयएनामथी ॥ फ्र ॥ उत्तमचरित्रविचाररे ॥ फ्र ॥ ६७ ॥ जि ॥ अढारउंगणप्याससमां ॥ फ्र ॥ सवत्सरगुरुवाररे ॥ फ्र ॥ उत्सवमहोत्सवअतिघणा ॥ फ्र॥ तिणेंवरसेतपकाररे ॥ फ्र॥६८॥ जि ॥ पोससुकलतेरसदिनें ॥ फ्र ॥ लींबमीनगरमभाररे ॥ फ्र॥ वीजोपमपूरणथयो ॥फ्र॥ सघआपहसुखकाररे ॥ फ्र॥ ६९ ॥ जि ॥ तेगुरुउत्तमविजयनी॥ फ्र ॥ सानिधलहीसुरसालरे ॥ फ्र ॥ पद्मविजयकह्योप्रेमस्यू ॥ फ्र ॥ सुणतां मगलमालरे ॥ फ्र ॥ ७० ॥ जि ॥ ॥ इतिश्रीसविज्ञपक्षीयपंडितप्रवरश्रीमउत्तमविजयगणिशिष्यप०श्रीपद्मविजयगणिविरचित्ते। श्रीसमरादित्यचरित्रेप्राकृतवधेसीहनृपाणंदकुमारयो संगतयो द्वितीयोनरसव समाप्त द्वितीयषमेसर्वगाथा ॥ १६९ ॥ उक्तगाथा ॥ ११ ॥ ॥ अथत्रतियखम ॥

॥ दुहा ॥ शांतिजिनेसरसोलमा ॥ दानअसयदातार ॥ यहीव्रतउपमसवगण्या ॥ वडवारवार ॥ १ ॥ अहि२पतिकीघोअधिक ॥ अवलपुरूपआदेय ॥ कमठहठीहठकाढीउ ॥ वडश्रीवामेय ॥ २ ॥ वामासगथीवेगला ॥ वामेतरगुणवत ॥ गुरु२गुणगणआगला ॥ महिमावतमहांत ॥ ३ ॥ वीजोसवश्मबोलीउ ॥ बापबेटासबघ ॥ मावमीसुतमत्सरमनें ॥ धारेंअतिशयधघ ॥ ४ ॥ तेहसीखीजालणीतणो ॥ कहूरूमोअधिकार ॥ त्रीजेंखमेतेसुणो ॥ आणीहर्षअपार ॥ ५॥ ढाल ॥ देशीआठेलालनी ॥ जवूद्वीपअन्नूप ॥ विसेंसीत्तेरएकउण ॥ आठेलाल ॥ पाढतेहमाषटकुलगिरिजी ॥ १ ॥ वृत्तवैताढ्यतेच्यार ॥ चोत्रीसदीर्घसार ॥ आ ॥ दोचित्रविचित्रदोजमगढेंजी ॥ २ ॥ गजदत्तावरच्यार ॥ सोलकखावरवार ॥ आ ॥ दोसयकचनगिरिवलीजी ॥ ३ ॥ मेरुपर्वतएक ॥ विषमतिसुविवेक ॥ आ ॥ तेहथीपढिमदिशिंजईजी ॥ ४ ॥ नगरीनामेंकोश ॥ जेहनोसवलोजोस ॥ आ ॥ लोकवहूवासेंवसेंजी ॥ ५ ॥ व्या

थिवेंदननहीरोस ॥ नहीपरवंकनोसोस ॥ आ ॥ सुरपुरिसमओसाम
॥ ६ ॥ नारिनोसरखसाष ॥ थिरलेहीगतपाव ॥ आ ॥
नीजी ॥ ७ ॥ लोकमोलेंसत्यषाच ॥ नहीकोईहोशजिमकाष ॥ आ ॥
अजितसेततिहांकिणेंजी ॥ ८ ॥ समामेंजयवाद ॥ पाम्योतेअविवाद
सूपघणापाएनमेंजी ॥ ९ ॥ तेहनेंब्राह्मणएक ॥ तेपरघानविवेक ॥ आ ॥
इन्द्रशर्मानामेंथयोजी ॥ १० ॥ सुसकरातसनारि ॥ तेहनीकूषिमझारि ॥ आ ॥
आणंदनाएकीउपनोजी ॥ ११ ॥ रूयकरीसागरआय ॥ बत्रीससारसमाय ॥
॥ आ ॥ उणांण्यारसागरपढीजी ॥ १२ ॥ पुभीपणेतेआय ॥ जा
गाय ॥ आ ॥ आवीयौवनवयतदाजी ॥ १३ ॥ तेसुपनोप्रघान ॥ सु
असिधान ॥ आ ॥ तेहनोब्रह्मदत्तसुतसलोजी ॥ १४ ॥ तेहनेंदीधीतेह ॥ अ
खसोगवेंससनेह ॥ आ ॥ कालगयोवहीकेतलोजी ॥ १५ ॥ शणिअवसरेति
हदेव ॥ जालिनीकूषेहेष ॥ आ ॥ उपनोकर्मशकतिषणीजी ॥ १६ ॥ देखे
सुपनेंताम ॥ कनककलसअसिराम ॥ आ ॥ पूरणसुखमर्पिसतोजी ॥
मातनेंनविसंतोष ॥ नीकलीउनिजज्योष ॥ आ ॥ सागोतेपणिकिमहीकेंजी॥
॥ १८ ॥ जागीनृपलुदेष ॥ नविकसोपतिनेंरेष ॥ आ ॥ सुसअसुससकीर्थ
थीजी ॥ १९ ॥ गर्भतेवघतोजाय ॥ देहमनपीमाथाय ॥ आ ॥ जाणेंपसु
एगर्भनेंजी ॥ २० ॥ करेंउपायअनेक ॥ कर्मविपाकअतिरेक ॥ आ ॥ मर्स
कुश्मसपेमेंरसोजी ॥ २१ ॥ जाणीब्रह्मदत्तेंवात ॥ परीजननेंसमजात ॥ आ॥
जालवज्योतुमेंगर्भनेंजी ॥ २२ ॥ प्रसवसमयजिमएह ॥ मारीननांखेजेह ॥
॥ आ ॥ सावधेतरहेज्योसझजी ॥ २३ ॥ अथएजनमतेथाय ॥ कहेज्योसु
झनेंआय ॥ आ ॥ जिमनविजाणेंब्राह्मणीजी ॥ २४ ॥ उपनोदोहदतास ॥
जिनपूजसुखविलास ॥ आ ॥ तपसीनीसगतिकरुजी ॥ २५ ॥ प्राणीनेंदेउशाम॥
धर्मसांसलीश्कान ॥ आ ॥ नेसरतारेपूरीयाजी ॥ २६ ॥ गर्भप्रसावेंइम ॥ उ
त्तमवस्तुनोंप्रेम ॥ आ॥ जन्मसमयजण्योपुत्रनेंजी ॥ २७ ॥ चितवेंतेहमी
माय ॥ मिलीउएममदाय ॥ आ ॥ किममारीसकीश्यहांजी ॥ २८ ॥ जाणी

तसअसिप्राय ॥ बंधूजीवासखीयाय ॥ आ ॥ सार्पेश्मतसवयणमाजी ॥
॥ २९ ॥ एहगर्भेपाप ॥ विश्तुमनेंसताप ॥ आ ॥ एहगर्भेनेंपरठवोजी ॥
॥ ३० ॥ अतरसरीउंकरवाय ॥ बोलीसुतकरामाय ॥ आ ॥ साजतीकहेंजा
णोतुमेजी ॥ ३१ ॥ लीघोबालकतेह ॥ कसूभसदत्तनेंएह ॥ आ ॥ ठंनोपा
लेतेहनेंजी ॥ ३२ ॥ लोकमाकाढीवात ॥ बालकमृतआयात ॥ आ ॥ इमक
रतांकेइदिनगयाजी ॥ ३३ ॥ थापेंतेहनुनाम ॥ सिखिकुमारअसिराम ॥ आ॥
वधतोकलामहतोयकोजी ॥३४॥ समरादित्यनोरास ॥ त्रीजेंखमेंउल्लास ॥आ॥
॥ ढालप्रथमपदमेंकहीजी ॥३५ ॥ दुहा ॥ जाण्योविचारनिजजननीनो ॥ वा
स्योअतिवैराग ॥ जननीइपणिजाणिउं ॥ एहसवघअलाग ॥ ३६ ॥ क्रोधय
कीतकलकली ॥ सार्पेपतिनेंसाप ॥ जोतुमएहस्युकाजठे ॥ तोहवेमुमतराष
॥३७॥ सयलकामतज्यासामटां ॥ पाणीनकरेपान ॥ सिखिकुमरएहवउसुणी ॥
उदवेगकरेंअमान ॥३८॥ घरथीनीकलीउंघणुं ॥ चिंतेंचातूरचित्त ॥ मातापणमा
तुकरे ॥ अघआव्यूअपवित्त ॥३९॥ इणिव्यतिकरथीदुखीउ ॥ तातअतिपेंदातां ॥
जुगतुनविरहेंसुजरा ॥ इमचिंतीअवदात ॥ ४० ॥ नीकलीउंपूछ्याविना ॥ अ
शोकवनउद्यान ॥ पोहतोतवतिहांपेषीया ॥ मुनीवरजीमहिराण ॥४१॥ ढाल ॥
मोहनगाराहोराजिरूमाम्हारासांसलिसुगुणासुमा ॥ एदेशी ॥ बहुशिष्येंकरीपरि
वस्याजी ॥ गुणमणिरयणभंडार ॥ एकअसजमटालताजी ॥ दोयध्यानपरिहा
रकें ॥४२॥ मुनिवरथारुहोराजिवदो ॥ तुमेसव२पापनिकंदो ॥ एआंकणी ॥ त्रि
णिदमथीविरमीयाजी ॥ नकरेंच्यारकखाय ॥ पांचइंद्रीनिग्रहकरेंजी ॥ पाले
जेषटकायके ॥४३॥ मु ॥ मुकाणात्तयसातथीजी ॥ टाल्याअमदगण ॥ नव
ब्रह्मचर्यगुप्तिघरेंजी ॥ टालेंपापनियाणकें ॥ ४४ ॥ मु ॥ दशविघसयमपाल
ताजी ॥ अगअग्यारनाजाण ॥ बारेंसेंदेतपकरेंजी ॥ इमगुणरयणनीखाणिकें
॥४५॥ मु ॥ विजयसिहनामेंगणीजी ॥ देखीजसोआणद ॥ चितवेंघनएमुनीवरु
जी ॥ सेवेंघर्मअमदकें ॥ ४६ ॥ मु ॥ अथिरससारसनेहछेजी ॥ किमकीघोए
त्याग ॥ पूछुकारणएहनेंजी ॥ किमउपनोवैराग्यकें ॥४७॥ मु ॥ जईप्रणम्या

धिवेदननहीरोस ॥ नहीपरचक्रनोसोस ॥ आ ॥ सुरपुरिसमओसावकीजी ॥ ६ ॥ नारिनोसरलस्वसाव ॥ थिरस्नेहीगतपाव ॥ आ ॥ राजधानीपद्मनीजी ॥ ७ ॥ लोकबोलेंसत्यसाच ॥ नहीकोईहोइजिमकाच ॥ आ ॥ अजितसेनतिहांकिणेंजी ॥ ८ ॥ समामेंजयवाद ॥ पाम्योतेअविवाद ॥ आ ॥ सूपघणापाएनमेंजी ॥ ९ ॥ तेहनेंब्राह्मणएक ॥ तेपरधानविवेक ॥ आ ॥ इन्द्रशर्मानामेंमयोजी ॥ १० ॥ शुसकरातसनारि ॥ तेहनीकूषिमझारि ॥ आ ॥ आणदनारकीउपनोजी ॥ ११ ॥ क्षयकरीसागरआय ॥ बलीससारसमाय ॥ आ ॥ उणांष्यारसागरपढीजी ॥ १२ ॥ पुत्रीपणेंतेआय ॥ जालिनीनामते गाय ॥ आ ॥ आवीयौवनवयतदाजी ॥ १३ ॥ तेसुपनोमधान ॥ बुद्धिसागर अभिधान ॥ आ ॥ तेहनोब्रह्मदत्तसुतसलोजी ॥ १४ ॥ तेहनेंवीधीतेह ॥ सु खसोगवेंससनेह ॥ आ ॥ कालगयोबहीकेतलोजी ॥ १५ ॥ इणिअवसरेंति हदेव ॥ जालिनीकूषेंहेव ॥ आ ॥ उपनोकर्मव्यकतिघणीजी ॥ १६ ॥ देखें सुपनेंताम ॥ कनककलसअसिराम ॥ आ ॥ पूरणमुखमर्पिसतोजी ॥ १७ ॥ मातनेंनविसंतोष ॥ नीकलीउनिजज्योष ॥ आ ॥ सागोतेपणिकिमहीकेजी ॥ १८ ॥ जागीसुपनुदेष ॥ नविकसोपतिनेंरेष ॥ आ ॥ शुसअशुससकीव षीजी ॥ १९ ॥ गर्सतिवधतोजाय ॥ देहमनपीडाथाय ॥ आ ॥ जाणेंपापु एगर्सनेंजी ॥ २० ॥ करेंउपायअनेक ॥ कर्मविपाकअतिरेक ॥ आ ॥ गर्स कुशलषेमेंरह्योजी ॥ २१ ॥ जाणीब्रह्मदत्तेंवात ॥ परीजननेंसमजात ॥ आ ॥ जालवज्योतुमेगर्सनेंजी ॥ २२ ॥ प्रसवसमयजिमएह ॥ मारीननांखेजेह ॥ ॥ आ ॥ सावचेतरहेंज्योसहूजी ॥ २३ ॥ जबएजनमतेथाय ॥ कहेंज्योमु झनेंआय ॥ आ ॥ जिमनविजाणेंब्राह्मणीजी ॥ २४ ॥ उपनोदोहदतास ॥ जिनपूजुसुविलास ॥ आ ॥ तपसीनीसगतिकरुंजी ॥ २५ ॥ प्राणीनेंदेउदान ॥ धर्मसासलीइकान ॥ आ ॥ तेसरतारेपूरीयाजी ॥ २६ ॥ गर्सप्रसावेंइम ॥ उ त्तमवस्तुनोंप्रेम ॥ आ ॥ जन्मसमयअण्योपुत्रनेंजी ॥ २७ ॥ पितवेंतेहनी माय ॥ मिलीउएसमुदाय ॥ आ ॥ किममारीसकीइहांजी ॥ २८ ॥ जाणी

तसञ्असिप्राय ॥ वघूजीवासखीयाय ॥ ञ्आ ॥ सार्पेश्मतसवयएमांजी ॥
॥ २१ ॥ एहगर्सर्जेपाप ॥ दिस्तुमनेंसताप ॥ ञ्आ ॥ एहगर्सनेंपरठवोजी ॥
॥ ३० ॥ ञ्अतरसरीउंकरवाय ॥ बोलीमुसकरामाय ॥ ञ्आ ॥ लाजतीकर्हेजा
णोतुमेजी ॥ ३१ ॥ लीधोबालकतेह ॥ कम्पुन्नलदत्तनेंएह ॥ ञ्आ ॥ ग्रनोपा
लेतेहनेंजी ॥ ३२ ॥ लोकमांकाळीवात ॥ बालकमृतञ्आयात ॥ ञ्आ ॥ श्मक
रतांकेश्दिनगयाजी ॥ ३३ ॥ थार्पेतेहनुनाम ॥ सिखिकुमारञ्असिराम ॥ ञ्आ॥
वधतोकलायहतोथकोजी ॥३४॥ समरादित्यनोरास ॥ त्रीजेंखमेंउल्लास ॥ञ्आ॥
॥ ढालप्रथमपदर्मेकहीजी ॥३५॥ डुहा ॥ जाएयोविचारनिजजननीनो ॥ वा
स्योञ्अतिवैराग ॥ जननीश्पणिजाणिउं ॥ एहसवघञ्असाग ॥ ३६ ॥ क्रोघथ
कीतकलकली ॥ सार्पेपतिनेंसाथा॥ जोतुऊएहस्युकाजठे॥ तोहवेमुऊमतराव
॥३७॥ सयलकामतज्यांसामटा ॥ पाणीनकरेपान॥सिखिकुमरएहवउमुणी॥
उवेखेगकरेंञ्आमान॥३८॥ घरथीनीकलीउंघणुं॥ चिर्तेचातुरचित्त॥मातापणमा
ठुकरे॥ ञ्अघञ्आष्पूञ्अपवित्त ॥३९॥ श्णिव्यतिकरथीडखीउं ॥तातञ्अतिपेदात॥
जुगतुनथिरईवुजरा ॥ श्मचितीञ्अवदात ॥ ४० ॥ नीकलीउंपूठ्याविना ॥ ञ्अ
शोकवनउद्यान॥पोहतोतवतिहांपेपीया ॥ मुनीवरजीमहिराए ॥४१॥ ढाल ॥
मोहनगाराहोराजिरुम्हारासांसलिसुगुणासुभ ॥ एदेशी॥यह्वशिष्येंकरीपरि
वस्याजी ॥ गुणमणिरयणसमार ॥एकञ्असजमटालताजी ॥ दोयध्यानपरिहा
रकें ॥४२॥ मुनिवरवारुहोराजिवदो॥ तुमेसव२पापनिकदो ॥एञ्आंकणी॥ त्रि
णिदमथीविरमीयाजी ॥ नकरेंष्यारकखाय ॥ पांचश्न्नीनिमहकरेंजी ॥ पाले
जेपटकायके ॥४३॥ मु ॥ मुकाणासयसातथीजी ॥ टाल्याञ्अमदगण॥नव
ब्रह्मचर्यगुमिघरेजी ॥ टालेंपापनियाणकें ॥ ४४ ॥मु ॥ दशविधसयमपाल
ताजी ॥ ञ्अगञ्अग्यारनाजाण ॥ बारेंसेदेतपकरेंजी ॥ श्मगुणरयणनीपाणिकें
॥४५॥ मु ॥ विजर्यासहनामेंगणीजी॥देखीलसोञ्आणदा॥चितवेंघनएमुनीवरु
जी ॥ सेवेंघर्मञ्अमदकें ॥ ४६॥ मु ॥ ञ्अथिरससारसनेहठेजी ॥ किमकीधोए
त्याग ॥ पूछुकारणएहनेंजी ॥ किमउपनोवैराग्यकें ॥४७॥ मु ॥ जईप्रणम्या

मुनिराजीयाजी ॥ मुनीश्दीउंधर्मलाह ॥ वेंगेमुनिश्वरणेहवेजी ॥ सांसलवा घरेंसाहर्के ॥ ४८ ॥ मु ॥ पूछेंकिमतूमेपामीयाजी ॥ इणिपरेंसवउेग ॥ सवी गेंसुदरतुमेजी ॥ लावण्यत्र्प्रतिहिविवेगर्के ॥४९॥ मु ॥ तनुसुदरतासूवर्वेजी ॥ विसवतणोप्रागसार ॥ विसवविस्तरवलीसुचवेजी ॥ स्वजनकुटंबविस्तारके ॥ ॥५०॥ मु ॥ सजनवर्गगमीकरीजी ॥ ययानिर्ममनिसग ॥ कहोकारणगुरुते हनुजी ॥ सुणवानोमुझरगर्के ॥ ५१ ॥ मु ॥ गुरुसाखेएशरीरमांजी ॥ स्युंदी ठेंतेसार ॥ हाडचामशोणितसस्युंजी ॥ त्र्प्रसुचितणोत्नभारके ॥ ५२ ॥ मु ॥ त्र्प्रर्थत्र्प्रनर्थनुमूलछेजी ॥ तेहमास्योप्रतिबंध ॥ स्योप्रतिबंधसुपनसमोजी ॥ सयणतणोसबंधर्के ॥ ५३ ॥ मु ॥ सयणविचिरसोटलवलेजी ॥ रोगलसोग त्र्प्राप ॥ वांहेचीनलीश्रोगनेंजी ॥ सयणकरेंसतापर्के ॥५४॥मु॥ मरीजाय वलीएकलोजी ॥ सयणजोईरहेताम ॥ रोवेंनयणत्र्प्रांसुझरेंजी ॥ सयणकुटंब नोयामर्के ॥ ५५ ॥ मु ॥ वांधेकर्मतेएकलोजी ॥ सोगवेंतसफलएक ॥ कुंण स्वजनपरजनकहोजी ॥ चितवेंघरीयविवेकर्के ॥ ५६ ॥ मु ॥ वैरीचायेंमा वनीजी ॥ पुत्रतेवैरीथाय ॥ त्र्प्रनवस्थितएसावमांजी ॥ सयणमांकिमसुझा यर्के ॥५७॥मु॥ इहांदृष्टांततेंमाहरोजी ॥ सांसलयईसावधान ॥ इणहिजबिज यमांनीपनोजी ॥ लछिनिलयपूरजांणिर्के ॥५८॥ मु ॥ सारथवाहनामेंतिहां जी ॥ सागरदत्तसुजांण ॥ श्रीमतितेहनीसारयाजी ॥ ऊतसपुत्रवखाणर्के ॥ ॥ ५९ ॥ मु० ॥ कुमरत्र्प्रवस्थाश्वर्त्ततोजी॥ गयोतेनगरत्र्प्रासन्न ॥ लक्ष्मीप र्वतउपरेजी ॥ क्रीडाकरवामन्नर्के ॥ ६० ॥ मु ॥ तिहांदीठेंइकयानर्केजी ॥ नालीएरीसुविशालात्स्निग्धपत्रसचयमत्योजी ॥ दिश्कौतुकतेसालिके॥६१॥ ॥ मु ॥ एकपादतेनीकलीजी ॥ पेंठोभयवीमांहि॥ कौतुकयीजोतोयकोजी॥ चितेंतिमनमाहिर्के ॥ ६२ ॥ मु ॥ एवमोटरूएवमेयर्केजी ॥ उतरीउएपाव ॥ धरतीमांपेंगेवलीजी॥ कारणकोईत्र्प्रविवादर्के ॥६३॥ मु॥ मीजेंखंभेंइणीपरें जी॥वेगेकरेंविचारा॥बीजीढालपदमकहेंजी।पुण्येंजयजयकारर्के ॥ ६४ ॥मु॥ ॥ दुहा ॥ इणेंअवसरमुझउपनो ॥ मनमांत्र्प्रतिप्रमोद ॥ वायरासुरसिवाईया ॥

आवेंअतिआमोद ॥६५॥ सहजवैरविसारीनें ॥ सावजमुखसनेह ॥ षटऋ
तुकुसुमफूल्याषरा ॥ भमरगुंजतसमेह ॥६६॥ लषमीपरषतलहकीउ ॥ देखो
अतिआणंद ॥ तापविनासूरजतपें ॥ पाम्योपरमाणंद॥६७॥ कूचितुअहोएह
स्यु ॥ सुवनअढेरासूत ॥ इणेंअवसरतिहांआवीउ ॥देवसमुहेदित ॥ ६८ ॥
रविमंडलपरेंराजतु ॥ जय २ रवथीजोर ॥ कुसुमवृष्टिवऊकीजतें ॥ रयणम
फितर्तिणेंगेर ॥६९॥ पढिमदिशथोपरवस्यु ॥ देवसमूहेंदीठ ॥ धर्मचक्रधर्म
घोरिलु ॥ आव्युंअतिउकीठ ॥७०॥ स्वेतांवरवऊसाधुजी ॥ पाउधास्यापरि
वार ॥ आव्याइवेंइणेंअवसरें ॥ प्रसुजीपरमकृपाल ॥७१॥ ढाल॥ करेलणांघ
मधेरे ॥ एदेशी ॥ चक्रचलेआकाशमां ॥ छत्रचलेंआकाश ॥ देवडउसीवली
वाजती ॥ गाजीरसोआकाश ॥७२॥ सविकजनहरषोरे॥ जगतमांजोतादेव
नहीएहसरिषोरे ॥एआकणी॥ गगनेंचामरचालता ॥ सिंहासनपायपीठ॥ क
नककमलउपरिठवें ॥ पावकमलमेंदीठ ॥७३॥ स० ॥ अजितदेवतिठकरु ॥
सुरनरवऊगुणगाय॥धूपघटीमहकेंवली ॥ पाउधास्यातिणेंगाय ॥७४॥ स० ॥
सवसायरतरीयाजिकें ॥ परियातास्याजेण ॥ सरियाकारिजआपणां ॥ दीठ
जवनयणेण ॥७५॥ स० ॥ हरषययोमुझनेंघणो ॥ नाठेरोगमिथ्यात ॥ स
मकितअमृतपामीयो ॥ हरष्योसातेंधात ॥७६॥ स० ॥ चिंतुचित्तमांएहवु ॥
धन्यययोऊआज ॥ जगचिंतामणिसारिषा॥ दीठाश्रीजिनराय ॥७७॥ स० ॥
रजतकनकरयणांतणा॥ देवरचेंप्राकार ॥ कनकरयणमणिमयतणा ॥ कोसी
सांसुप्रकार ॥७८॥ स० ॥ केतुपताकासोहती ॥ तोरणविचित्रप्रकार ॥ वृक्ष
अशोकवारसगुणो ॥ द्वादशछत्रउदार ॥७९॥ स० ॥ दिव्यवैडूर्यसिंहासणें ॥
चामरचोवीसजोमि ॥ धर्मध्वजमफितवली ॥ सहसजोयणनहीजोमि ॥८०॥
॥ स० ॥ समवसरणवेंठप्रसू ॥ अजितदेवसगवान ॥ धर्मकथाप्रारंसता ॥
सवजलनाथसमान ॥ ८१ ॥स०॥ वेंपासेंदोयदेवता॥ वेणवजावेंसार ॥ प्रसु
वाणीनेंपूरता ॥ दिव्यध्वनीपरकार ॥ ८२ ॥ स० ॥ वीजापणिवाजांसवें ॥
देशनारागममाण ॥ उतरेंइमअतिशयप्रसु ॥ स्यास्यांकरुवषाण ॥८३॥स०॥

मुनिराजीयाजी ॥ मुनीश्दीउंधर्मलाह ॥ बेंठेमुनिचरणेहवेजी ॥ सांसलवा
धरेंचाहकें ॥ ४८ ॥ मु ॥ पूछेंकिमतुमेपामीयाजी ॥ इणिपरेंसवउवेग ॥ सवी
गेंसुंदरतुमेजी ॥ लावण्यअतिहिविवेगकें ॥४९॥ मु ॥ तनुसुंदरतासूचवेंजी ॥
विसवतणोभागसार ॥ विसवविस्तरवलीसूचवेजी ॥ स्वजनकुटंबविस्तारके ॥
॥५०॥ मु ॥ सजनवर्गत्यागीकरीजी ॥ थयानिर्ममनिसंग ॥ कहोकारणगुरुते
हनुजी ॥ सुणवानोमुझरंगकें ॥ ५१ ॥ मु ॥ गुरुताषेएशरीरमांजी ॥ स्युंछी
तुंतेंसार ॥ हाडचांमशोणिततस्युंजी ॥ अशुचितणोसभारकें ॥ ५२ ॥ मु ॥
अर्थअनर्थनुमूलछेजी ॥ तेहमांस्योप्रतिबंध ॥ स्योप्रतिबंधसुपनसमोजी ॥
सयणतणोसबंधकें ॥ ५३ ॥ मु ॥ सयणविचिरसोटलवलेंजी ॥ रोगलसोज
वआप ॥ वांहिचीनलीइरोगनेंजी ॥ सयणकरेंसंतापकें ॥५४ ॥मु॥ मरीजाय
वलीएकलोजी ॥ सयणजोईरहेताम ॥ रोवेंनयणआंसुझरेंजी ॥ सयणकुटंब
नोयामकें ॥ ५५ ॥ मु ॥ बांधेंकर्मतेएकलोजी ॥ सोगवेंतसफलएक ॥ कुण
स्वजनपरजनकहोजी ॥ चितवेंधरीयविवेककें ॥ ५६ ॥ मु ॥ वेरीथायेंमा
यमीजी ॥ पुत्रतेवेरीथाय ॥ अनवस्थितएसावमांजी ॥ सयणमांकिममुझा
यकें ॥५७॥मु॥ इहांदृष्टांततेंमाहरोजी ॥ सांसलथईसावधान ॥ इणहिजबिज
यमांनीपनोजी ॥ लछिनिलयपूरजांणिकें ॥५८॥ मु ॥ सारथवाहनामेंतिहां
जी ॥ सागरदत्तसुजांण ॥ श्रीमतितेहनीनारयाजी ॥ कृतसपुन्नवखाणकें ॥
॥ ५९ ॥ मु० ॥ कुमरअवस्थाइवर्त्ततोजी॥ गयोतेनगरआसन्न ॥ लक्ष्मीप
र्वतउपरेजी ॥ क्रीडाकरवामन्नकें ॥ ६० ॥ मु ॥ तिहांदीठोइकथानकेंजी ॥
नालीएरीसुविशाल।स्निग्धपत्रसचयमत्योजी ॥ दिइकौतुकतेसालिकें॥६१॥
॥ मु ॥ एकपादतेनीकलीजी ॥ पेंठोभयथीमांहि॥ कौतुकथीजोतोथकोजी॥
चिंतेंतेमनमांहिकें ॥६२ ॥ मु ॥ एथमोटरूएवमेंथकेंजी ॥ उतरीउंएपाय ॥
धरतीमपिंठोवलीजी॥ कारणकोईअविवायकें ॥६३ ॥ मु॥ भीजेंसंमेंइणीपरें
जी॥चिंतेंकरेंविचार॥बीजीढालपदमकहेंजी॥पुण्येंजयजयकारकें ॥ ६४॥मु॥
॥ दुहा ॥ इणेंअवसरमुझउपनो ॥ मनमांअतिमभोद ॥ थायराइरसिवाईया ॥

लोकजी ॥ लोसदोषथीरेनगण्योसाईनें ॥ करबोमोहतेफोकजी ॥ ७ ॥ ग० ॥ शुस्त्वसावेरेतुमेतिहांचीमरी ॥ व्यतरमांथयादेवजी ॥ नागतेकरम्योरेगुणत्र दनेंतिहां ॥ मरणलसोततषेवजी ॥ ८ ॥ ग० ॥ द्रव्यनसोगथ्युरेकर्मबधाश्ता॥ रतनप्रसाइजायजी ॥ तुमेपणिदेत्रोउणफपल्यनु ॥ चवीयासोगवीआयजी ॥ ॥ ९ ॥ ग० ॥ इणहिजविजयेरेठकणापुरवरें ॥ हरिनदीसद्धबाहोजी ॥ वसुम तीसार्याकूर्पेउपनो ॥ मातनेंहर्षअथाहोजी ॥१०॥ ग० ॥ देवदत्ततुझनामते यापीउ ॥ हर्वेनारकगुणचदोजी ॥ कालपीउपनोनिहाणनेंढूकमो ॥ श्रा गकषायनोवदोजी ॥११॥ ग० ॥ द्रव्यपरिग्रहकरीबेंगेतिहां ॥ तवतिहांउंत्स बयाईजी ॥ लषमीपर्वतबासिदेवीनो ॥ तुपणितेऐसमेंजायजी ॥१२॥ ग० ॥ देवतापूजीरेदीनअनाथनें ॥ दीधुकरुणाइदानजी॥ करीरसोईनीसामग्रीसवे॥ करीसोजनवलीपानोजी ॥१३॥ ग० ॥ पूरवसवनास्नेहथीजोयवा ॥ रमणी कपर्वततेहोजी ॥ समतो२रेआव्योतिहांकिणे ॥दीठेनागेंतेहोजी॥१४॥ग०॥ लोलेंजाण्युरेद्रव्यएलेईजस्यें ॥ करम्योथरणनेंदेशजी ॥ विषअतिउग्रेरेपणि ढंघरणीइ ॥ नहीकोईसह्याविशेषोजी ॥१५॥ग०॥ ताहरेलोकेरेमास्योनागनें॥ उपनोइणहिजगामोजी ॥ सीहपणेंतेरेपूर्वअत्यासथी॥ द्रव्यपरिग्रहतामोजी॥ ॥ १६ ॥ ग० ॥ तुपिणकालकरीएहविजयमां ॥ कयगलापुरीसारोजी ॥ सि वदेवनामेरेकुलपुत्रकवसें ॥ यत्रोधरातसनारिजी ॥ १७ ॥ ग० ॥ तेहनींकु पेरेस्ङदेवथयो ॥ पाम्योयोवनवेदोजी ॥ कालगयोकेश्हर्वेतुझसूपति ॥ वीर देवनामेंनरेग्रोजी ॥१८॥ग०॥ लब्धिनिलयनोरेस्वामीजाणीइ॥ मानस्तगनामेरा योजी ॥ मोकलीउंतुझतेनरपतिकझें ॥ केईपुरिससमुदायोजी ॥ १९ ॥ग०॥ अनुक्रमेंआव्योरेइणहीजथानकें ॥ नोवपादपनेंहेठिजी ॥ जवतुबेंगेरेतवद रीमुखरसो ॥ सिहतेसावजजेठजीरे ॥ २० ॥ ग० ॥ लोलथीसह्यारेधरीनें मारीउ ॥ एहअनादीअत्यासोजीरे ॥ तुम्हेपणिमारयोरेसिहनेंदोयमरी॥ उप नाएहजवासोजीरे ॥ २१ ॥ ग० ॥ श्रीपुलकपाटणमांहिवसें ॥ जक्दासप मालोजीरे ॥ माईजरकाजसनारीचमालिनी ॥ तसकुपेंथयाबालोजीरे ॥ २२ ॥

देश्नानामाइवेंसाषीउं ॥ एहअथिरससार ॥ मुक्तनेंपणितेपरिणम्यो ॥
र्षअपार ॥ ८४ ॥स०॥ पूज्यूमेंप्रणमीकरी ॥ साषोकरुणावत ॥
जमुक्तमोटकु ॥ किमहोस्येंसगवत ॥ ८५ ॥ स० ॥ १५ ॥
किमउत्तरीयोएह ॥ एहनेहेगलझ्य्यठे ॥ केंनहीमुक्तसवेह ॥ ८६ ॥
ठेतोस्येंपरिमाणठें ॥ कोणेंघाल्युएंह ॥ तेहनोकिस्योविपाकठें ॥
वेंजेह ॥ ८७ ॥ स० ॥ परमेश्वरसाषेंहवें ॥ उनरीउंएहपाय ॥
जांणज्यो ॥ द्रव्यअठेंशणगाय ॥ ८८ ॥ स०॥ सोनइयासातलाषठें ॥
पादनोजीव ॥ विक्रजणेंमलीदाटीउ ॥ तासविपाकअतीव ॥ ८९ ॥ स०
रमसाधकविपाकठें ॥ इमबोल्याजबस्वामि ॥ तबमेंफरीनेंपूछिउ ॥
रीपरिणाम ॥ ९० ॥ स० ॥ किमम्हेंनेंनालीएरीइ ॥ दाट्युघनएईम ॥
मांअतरपम्यो ॥ एहथईगयुकेम ॥ ९१ ॥ स० ॥ प्रभुजीकहेंविस्तारथी ॥
विपाकनिधान ॥ देखीतुंहोययोम्लु ॥ पणिवक्रउदयेंआयात ॥ ९२ ॥ स०
दित्यनारासमा ॥ त्रीजेंस्वर्गेंएहा ॥ ढालत्रीजीपवर्मेंकही ॥ मधुरसिताथीजेह ॥
॥ स० ॥ ९३ ॥ एहविजयमाअमरपुरा ॥ अमरदेवअसिधाना ॥ गाथापि
री ॥ सुदरीस्त्रीसुसधान ॥ ९४ ॥ दोयपुत्रतुमेंदीपता ॥ आदिगुणधरएक ॥
लघवसीजोवधि ॥ कहीनजाइटेक ॥ ९५ ॥ योवनपाम्याजेतलें ॥ सरीकिमी
णांसाय ॥ इणहिजदेशेंआवीया ॥ वेगेकरीव्यवसाय ॥ ९६ ॥ आम्योआलय
नईलीउं ॥ इणेंअवसरइकराया ॥ विजयवर्मनामेंवस्रो ॥ आवेंरणकरणाय ॥
तेनगरिनोअधिपति ॥ सुरतेजनिजसाय ॥ सार २ निजसाथिल्येंं ॥ इणे
रवतकरीआय ॥ ९८ ॥ चढीउंनरपतिचूपस्यु ॥ परबलनोसयपामि ॥ तुमेंपणि
विक्रपोतातणो ॥ द्रोम्यालेइदाम ॥ ९९ ॥ इणेंथानकआवीकरी ॥
बिचारा ॥ द्रव्यसूमिमांदाटीउ ॥ सुपरिकीधिसार ॥ १०० ॥ सर्वगाथा ॥ १०
अरणिकमुनिवरचाल्यागोचरी ॥ एदेशी ॥ कोइकदिनहवेगुणधरथितयो ॥ जोस्यो
सयीइमजी ॥ सागएलेसेरसाइमाहरो ॥ मरणमहेंकरलेमजी ॥ मतिपरिणा
णेंरेमतिइमउपजें ॥ एआंकणी ॥ ऊंरमयोमेरेमारबोमामनें ॥ स्वारविचार

णीहोलाल ॥२८॥ सा० ॥ ताहरूसमुद्रदत्तनाम ॥ दाग्रनुमगलथापीउहोलाल ॥ सा०॥ अनुक्रमेंथयाकुमार ॥ अंगेंजोवनव्यापीउहोलाल ॥ ३७ ॥ सा० ॥ इणिअवसरिअणगार ॥अनगदेवसूरीमल्याहोलाल ॥सा०॥ तेहनीपासेंधर्म्मी पाम्योदूखसवनागल्यांहोलाल ॥ ४० ॥ सा० ॥ पाम्योदेशविरती ॥ श्राव कगुणथयोघणोहोलाल ॥ सा० ॥ लछीनिलयपुरगाम ॥ घरतिहांछेश्रावकत णोहोलाल ॥ ४१ ॥ सा० ॥ नामेंअचलसछवाह ॥ जिनमतीनामतेहनीधूआ होलाल ॥ सा० ॥ परण्योतूंतेनारि ॥ मगलउछवबहुथआहोलाल ॥ ४२ ॥ ॥ सा० ॥ एकदिनमगलसाथ ॥ जिनमतीतेमवानेंगयाहोलाल ॥ सा० ॥ आ व्याइणहीजगाम ॥ प्रयाणांकेईकथयाहोलाल ॥ ४३ ॥ सा० ॥ किघोतिहां विश्राम ॥ पत्रलताबहुमिमलीहोलाल ॥ सा० ॥ दिठोतवतिहांपोआम ॥ दे पीलषमीअटकलीहोलाल ॥ ४४ ॥ सा० ॥ मंगलनेंबोलावि ॥ साप्युकौतक श्रीतुमेंहोलाल ॥ सा० ॥ कायकद्रव्यईणिगांमि ॥ होस्येनिश्चयकहुअमेहो लाल ॥ ४५ ॥ सा० ॥ मगलबोल्योतांम ॥ जोउइणथानकजईहोलाल ॥सा० ॥ तेंकसुमकरिएकाम ॥ बातकीतिकथीएसईहोलाल ॥ ४६ ॥ सा० ॥ पिणि नहिमुझमनलोभ ॥ तवमगलकहेमाहरेहोलाल ॥ सा० ॥ कौतुकअधिकतेथा य ॥ तिणेंजोउपचतांहरेहोलाल ॥ ४७ ॥ सा० ॥ अणगमतुंतुझतोहि ॥ ति हणकाष्टथीघोदिउहोलाल ॥ सा० ॥ तुरतदिठोकुंभकठ ॥ मगलेंनिश्चयवेदि उहोलाल ॥ ४८ ॥ सा० ॥ महानीधानएएथि ॥ लेईसकुएहनेंठगीहोलाल ॥ ॥ सा० ॥ इणिअवसरेंतेंदिठ ॥ दृष्टिकलसकंठेलगीहोलाल ॥ ४९ ॥ सा० ॥ मगलनेंकसुइम ॥ चालिनगरमांजाईईहोलाल ॥सा०॥ द्रव्यनीनकरतूंकेफि॥ अरथथीअनरथपाईइहोलाल ॥ ५० ॥ सा० ॥ पूरीपामतिणगामि ॥ हरषि तपरेंपईचालीउहोलाल ॥ सा० ॥ तेंकसुकोईनेंएवात ॥ कहेस्योनहीजेंसालो उहोलाल ॥५१॥सा०॥ अधिकरणथाइएह ॥ कर्मबघाइतेहनुहोलाल ॥सा०॥ मंगलचितवेताम॥चित्तचस्युजुउएहनुहोलाल॥५२॥सा०॥मुझथिणलेस्येएहा॥ नहितोइम क्रिमसाधिइहोलास ॥ सा० ॥ चिंतविबोल्योइम ॥ कोयनेंनहीअ

। ग० ॥ अनुक्रमेंजनम्यारेनामतेपापीआं ॥
दसेननालीएरीजीवनु ॥ अनुक्रमेंजीवनपायजीरे ॥ ग० ॥
लडीरेपरवर्तेतेगया ॥ आहेमानेंकामजीरे ॥
ज्वलनेंपचाम्योतामोजीरे ॥ २४ ॥ ग० ॥ सफ्रणकरषारेबेगमेलि
॥ अनरथदमेंरेधरतीषोदतो ॥ षमसेनतेतिवारोजीरे
॥ ग० ॥ द्रव्यकलशनीकनारितेदेखतो ॥ गोपनलागोतेहजीरे ॥ तं
रपणिनूकमारीउं ॥ द्रव्यलोसएमठेहोजीरे ॥ २६ ॥ गति० ॥
त्रिजीनरगमां ॥ पांचसागरनेंआयजीरे ॥ तु
केनद्रव्यनोगायजीरे ॥ २७ ॥ ग० ॥ इमतिहांरहेतारिकेईश्वरसगया ॥
द्रव्यनोनहिंसोगजीरे ॥ षयरीचंमालेरेआवीमारीउं ॥
॥ २८ ॥ ग० ॥ अष्टादशसागरनेंआउषे ॥ उठीनरगेजायजीरे ॥
स्त्रीरेश्रीमतीगांममां ॥ पुन्येंनरसषपायजीरे ॥ २९ ॥ ग० ॥
रासमांएकही ॥ त्रिजेंखमेंढालजीरे ॥ पद्मविजयकहेचोथीसांसलो ॥
लषातरआलजी ॥ ३० ॥ ग० ॥ दुहा ॥ सांभिसहृतीहांसेठीउं ॥ नव
नारि ॥ सुततेहनोसोहामणो ॥ जनमतेथयोतिवार ॥ ३१ ॥ बालकुंवर
वली ॥ जीवनपाम्योजाम ॥ सीलदेवसोहामणा ॥ मिलीआमुनीवरताम
॥ ३२ ॥ सांसलीनेंहनीदेशना ॥ तयासम्यपणतास ॥ पकयुतिर्णेपामी
सरधापर्गसुवाश ॥ ३३ ॥ भावकिव्रतपणसेविआं ॥ अणसणविधी
॥ उपनोलांतकअमरते ॥ अलगीगईउपाधि ॥ ३४ ॥ तेरसागरउंणा
पुरणआयुपालि ॥ उपजेतकक्रआगलें ॥ सांसलज्योससालि ॥ ३५ ॥
देशीसाहेलानी ॥ साहेलाहें ॥ ईणद्विजविजयमझार ॥ हमीणाउरनयरें
होलाल ॥ सा० ॥ सहस्त्रिरणनाम ॥ नयरसेठसक्रमनबसेंहोलाल ॥
॥ सा० ॥ कांतिमतीतसनारि ॥ तेहनीकूषिउपनोहोलाल ॥ सा० ॥ उठीनरग
चीआय ॥ बिजोसाईहवेनीपनोहोलाल ॥ ३७ ॥सा०॥ गुणपीतानेंमेह ॥
भिलादाखीसोहामणीहोलाल ॥ सा० ॥ तेहनीकूषिपुत्र ॥ जनम्यानबजीस

नहीइमजाण ॥ तिणेंहवेघरवासेमुक्यपोहतूं ॥ हवेमवज्याटाण ॥ ६९ ॥
॥ जीन० ॥ स्नेहबधनाएहजलेमा ॥ तिणेंघरिपणिनवीजईइ ॥ अनगदेवगुरु
पासेंजईनें ॥ श्रमणधरमआदरीइ ॥ ७० ॥ जीन० ॥ मगलघरिजाउंसुरवेंइ
हाथी ॥ क्रेशस्यानेंवितएहनें ॥ इमविचारीमगलनेंकहे॥ कनहीउखदेउकेंहनें
॥ ७१ ॥ जीन० ॥ तवमगलहवेचित्तविचारे ॥ मुझस्यूएकरेमाया ॥ पणि
मायाश्रुनथघाउ ॥ ईमचितीकहेसाया ॥ ७२ ॥ जीन० ॥ तुमनेंनथीमुकुञ
थविचमां ॥ जिहांलगेंघेरनजाउ ॥ तवतेंकमूजोतुझ्आपहठे ॥ तोपालोघरे
आउ ॥ ७३ ॥ जीन० ॥ तिहांजईपुठीसकोईसाधूनें ॥ अनगदेवगुरूकेरी ॥
वातचितिघाल्याइमविक्रुजण ॥ मगलजुश्हवेहेरी ॥ ७४ ॥ जीन० ॥ केइक
दिनइमबहीगयावाटे ॥ आव्याअटवीमांहि ॥ सून्यथानकदेषीमच्याम्हें ॥
चितेचित्तउगाहि ॥ ७५ ॥ जीन० ॥ महासाहसधरीकूड्रुदयथी ॥ लोलरो
पचित्तधारी ॥ मगललेईछुरीपुठेथी ॥ कूरचित्तथीमारी ॥ ७६ ॥ जीन० ॥
मंगलनांमेंपणिअपमगल ॥ सावथकीएदीञो ॥ जिममगलपहतिमबलीसप्र॥
शीतलिकाकहेजीसे ॥ ७७ ॥ जीन० ॥ टाढादिघाकणनीदधि ॥ आंषिञा
विवलीसापे ॥ तिमएमंगलनाममात्रथी ॥ स्यूकिजेंगुणपाषें ॥ ७८ ॥ जीन ॥
इणअवचारतिहांविहारकरता ॥ अनगदेवगुरूआव्या ॥ दिठेअपगामीमुनी
राजें ॥ समतासगसोहाव्या ॥ ७९ ॥ जीन० ॥ मगलछुरीकामुकीनाठे ॥ तेम
नमांहिविचास्यु॥चोरमाहरेस्युपुठेंआव्या ॥ इमकरीपुंठेंघास्यु ॥ ८० ॥जीन०॥
तघनासतोमगलदिठे ॥ चोरनदिठेकोई ॥ मनचिंतेतूस्यूएअचरिज ॥ छुरीदी
ठीतघजोई ॥ ८१ ॥ जीन० ॥ रुधीरेंखरमीलिथीकरमां ॥ देषीचिंतेंएम ॥ चो
रनथीकोइएमहारणमां ॥ नासेमगलकेम ॥ ८२ ॥ जीन० ॥ छुरीपणिउंलषी
पोताकेरी ॥ तवतेंनीश्चेजाण्यु ॥ कांममगलीइकीधूतोपणि ॥ कारणनवीअ
पीगण्यु ॥ ८३ ॥ जीन० ॥ तिणेंबोलावुमगलीआनें ॥ कहेस्येवातजेहोई ॥
इमकरीमगलनेंबोलाव्यो ॥ क्रोनेतमअलीयोई ॥ ८४ ॥ जी० ॥ तबसपलोवि
कल्पतेचामीउ ॥ कामतेकिधुश्यें ॥ जिनमतिनीपणिबातकहीते ॥ नवीदीठी

मेदाषीइहोलाल ॥ ५६ ॥ सा० ॥ इमकहीचितवेमुज ॥
गहोलाल ॥ सा० ॥ जाण्योमहनमेकेम ॥
। ५७ ॥ सा० ॥ नलिइजवएराम ॥ पहेलाचीहएएहनेंहोलाल ॥
गोहतानयरसमीप ॥ आरामेतेकसुतेहनेंहोलाल ॥ ५८ ॥ सा० ॥
गलवात ॥ जाउंसासरेमाहरेहोलाल ॥ सा० ॥ लावोरथवरतसगेह ॥
इंवचताहरेहोलाल ॥ ५६ ॥ सा० ॥ चाल्योमंगलताम ॥
तोहोलाल ॥ सा० ॥ सज्जनमनंनहीकोय ॥
॥ सा० ॥ परिग्रहपापनुमुल ॥ पांचमुथानीकपापनुहोलाल ॥ सा० ॥
तिमांलिइजाय ॥ पणरखोवरावेआपनुहोलाल ॥ ५८ ॥ सा० ॥
जेह ॥ धन२तेहनीमातनेंहोलाल ॥ सा० ॥ पुछेविजयसिंहताम ॥
वईजगतातनेंहोलाल ॥ ५९ ॥ सा० ॥ पांचमीभीजेस्वप्न ॥
कहीहोलाल ॥ सा० ॥ उत्तमगुरुसुपसाय ॥
॥ ६० ॥ दुहा ॥ चाल्योमगलचितवे ॥ अहोएकपटअभ्यास ॥
रहीनगरमां ॥ वेचिमुजविसवास ॥ ६१ ॥ तिर्णकारणकहुतेहनुं ॥
रमांगरि ॥ पाटीवलताकपटे ॥ मारिसरणहमजारि ॥ ६२ ॥
केतलो ॥ पेसीनयरप्राकार ॥ मायाचरिमेंमुजीउ ॥ आव्योहर्षअपारि ॥
निसासोघूरिनांषीनें ॥ बोल्योएहवाबोल ॥ आचरीउअवलुअति ॥ मारि
नीटोल ॥ ६३ ॥ वासेंकोइनरस्यूवसी ॥ तिर्णसकडरवीउतेह ॥ वलीआव
आववु ॥ सांसलीउससनेह ॥ ६४ ॥ लाज्यांतिर्णलटालुमां ॥ अपीक
लोच ॥ तिर्णनघटेजाखुतिहां ॥ करोइहांथीसंकोच ॥ ६५ ॥ ढाल ॥
आमपधारोपुज्यअमघरिवोहरणवेला ॥ एदेशी ॥ इमसांसलीतुमनचेरालोन
चित्तमांचितवेएहनु ॥ श्रावककुलमांउपनीमानीका ॥
॥ ६६ ॥ जिनमतसुरजजांणीहोलाल ॥ नकरेकांमएएहवु ॥ एआकणी ॥
नमतसारजाएयुजुवतीई ॥ इहपरलोकविरुध ॥
जसवरसमकीतशुद्ध ॥ ६७ ॥ जिन० ॥ अपवाडकरमोहीजिवनें ॥ कांच

नहीइमजाए ॥ तिणेंहवेघरवासेमुक्योहतूं ॥ हवेमबज्याटाण ॥ ६९ ॥ ॥ जीन॰ ॥ स्नेहबधनाएहजठेमा ॥ तिणेंघरिपणिनवीजईइ ॥ अनंगदेवगुरु पासेंजईनें ॥ श्रमणधरमआदरीइ॥ ७० ॥ जीन॰ ॥ मगलघरिजाउंसूरवेंइ हाथी ॥ केश्यस्यानेंदेउएहनें ॥ इमविचारीमगलनेंकहे॥ कनहीउखदेउकेहनें ॥ ७१ ॥ जीन॰ ॥ तवमगलहवेचित्तविचारे ॥ मुकस्यूएकरेमाया ॥ पणि मायाइकनवचाउ ॥ ईमचितीकहेसाया ॥ ७२ ॥ जीन॰ ॥ तुमनेंनवीमुकुअ घविषमा ॥ जिहांलगेंघेरनआउ ॥ तवतेंकमूजोतुकआपहठे ॥ तोपालोघरे आउ ॥ ७३ ॥ जीन॰ ॥ तिहांजईपुठीसकोईसाघूनें ॥ अनंगदेवगुरुकेरी ॥ वातचितिघाल्याइमविकजण ॥ मगलजुग्रहवेहेरी ॥ ७४ ॥ जीन॰ ॥ केइक दिनइमवहीगयाघाटे ॥ आव्याअटवीमाहि ॥ सून्यथानकदेखीमव्याम्हें ॥ चितेचित्तउगाहि ॥ ७५ ॥ जीन॰ ॥ महासाहसघरीकूडकदर्यपी ॥ लोसवो पचित्तघारी ॥ मगललेईछुरीपुठेथी ॥ कूरचित्तथीमारी ॥ ७६ ॥ जीन॰ ॥ मंगलनामेंपणिअपमगल ॥ साथयकीएदीठो ॥ जिममगलपहतिमबलीसद्दा॥ शीतलिकाकहेजीसे ॥ ७७ ॥ जीन॰ ॥ टाढादिघाकणनीरद्धि ॥ आंषिआ विवलीसापे ॥ तिमएमंगलनाममात्रथी ॥ स्यूंकिजेंगुणपार्षे ॥ ७८ ॥ जीन ॥ इणअवशरतिहांविहारकरता ॥ अनंगदेवगुरुआव्या ॥ दिठेअपगामीमुनी राजें ॥ समतासगसोहाव्या ॥ ७९ ॥ जीन॰ ॥ मगलछुरीकामुकीनाठो ॥ तेंम नमाहिविचास्युंचोरमाहरेस्युपुठेंआव्या ॥ इमकरीपुंठेंधास्यु ॥ ८० ॥ जीन॰॥ तघनासतोमगलदिठे ॥ चोरनदिठेकोई ॥ मनचितेंतूस्यूएअघरिज ॥ छुरीदी ठीतवजोई ॥ ८१ ॥ जीन॰ ॥ रुधीरेंखरमीलिघीकरमां ॥ देपीचिंतेंएम ॥ चो रनथीकोइएमहारणमां ॥ नासेमगजकेम ॥ ८२ ॥ जीन॰ ॥ छुरीपणिउलपी पोताकेरी ॥ तबतेंनीश्रेंजाण्युं ॥ कांममगलीइकीधुतोपणि ॥ कारणनवीअ पीगण्यु ॥ ८३ ॥ जीन॰ ॥ तिणेंबोलावुमगलीआनें ॥ कहेस्येवातजेहोई ॥ इमकरीमगलनेंबोलाव्यो ॥ क्रोमेतवअतीजोई ॥ ८४ ॥ जी॰ ॥ तबसघलोवि कल्पतेत्यामीउं ॥ कांमतेकिधुइणें ॥ जिनमतिनीपणिवातकहीते ॥ नवीदीठी

दाषीइहोलाल ॥ ४६ ॥ सा० ॥ इमकहीचिंतवेमुक्ज ॥
ांहोलाल ॥ सा० ॥ जाण्योमइनमेकेम ॥
। ४७ ॥ सा० ॥ नलिइजवएदाम ॥ पहेलायीइणएइनेहोलाल ॥
ोहतानयरसमीप ॥ आरामेंतेकमूतेइनेहोलाल ॥ ४५ ॥ सा० ॥
ालवात ॥ जाउंसासरेमाइरेहोलाल ॥ सा० ॥ सावोसवरतसगेइ ॥
खचताइरेहोलाल ॥ ४६ ॥ सा० ॥ चाल्योमगलतांम ॥
ोहोलाल ।सा० ॥ सज्जनमननहींकांय ॥
। सा० ॥ परिग्रहपापनुमुल ॥ पांचमुयानीकपापनुहोलाल ॥ सा० ॥
तिमांलिइजाय ॥ पणखोवरावेआपनुहोलाल ॥ ४८ ॥ सा० ॥
जेह ॥ धन२तेहनीमातनेंहोलाल ॥ सा० ॥ पुढेविजयसिंहतांम ॥
वईजगतातनेंहोलाल ॥ ४९ ॥ सा० ॥ पांचमीमीजेसवम ॥
कहीहोलाल ॥ सा० ॥ उत्तमगुरुसुपसाय ॥ पद्मविजयइणिपरिसहीहोलाल
॥ ६० ॥ दुहा ॥ चाल्योमगलचिंतवे ॥ अहोएकपटअभ्यास ॥
रहीनगरमां ॥ वेचिमुक्तविसवास ॥ ६१ ॥ तिणेंकारणकरुतेहवु ॥
रमांगरि ॥ पागवलतांरूपथें ॥ मारिसरणहमकारि ॥ ६२ ॥
केतलो ॥ पेसीनयरप्राकार ॥ मायाचरिमेंमुक्तीउ ॥ आव्योहर्षअपार
निसासोघुरिनांषीनें ॥ बोल्योएहवाबोल ॥ आचरीउअणसूणति ॥
नीटोल ॥ ६४ ॥ बासेंकोईनरस्युंवसी ॥ तिणेंसहुउरवीउतेह ॥
आनवु ॥ सांसलीउससनेह ॥ ६५ ॥ सांभ्यांतिणेंलहालुंभां ॥
सोच ॥ तिणेंनघटेजाखुतिहां ॥ करोइहांसीसंकोच ॥ ६६ ॥
आमपधारोपुज्यअमघरिबोहरणवेला ॥ एदेशी ॥ इमसांसलीतूमनपेहा
चित्तमांचिंतवेएहवु ॥ श्रावककुलमांउपनीभाषीका ॥ कांमकरेंजठीलहु
॥ ६७ ॥ जिनमतमुक्तजजाणीहोलाल ॥ नंकरेकांमएएहवुं ॥
नमतसारजाण्युजुबतीइ ॥ इहपरलोकविरुध ॥
जसबरसमकीतसुद्ध ॥ ६८ ॥ जिन० ॥ [illegible]

करूआतमहित ॥ उत्तयलोकुअराधीइ ॥ षतुराधितेचित्त ॥ २ ॥ ढाल ॥ दे
वीहमीरीयानी ॥ ससवजीनवरविनती ॥ एदेशी ॥ माततातनेंपुछिनें॥ आज्ञा
पामीतासससनेही ॥ आवीखोलती २ ॥ सूदरीताहरीपास ॥स०॥ ३ ॥ जिनव
षनेंमनदृढकरो ॥ एआंकणी ॥ मोक्षमारगमांचालतो ॥ देरवीलायेंइम॥स०॥
आर्यपुत्ररुमुकस्यु ॥ मुझनेंतारीनेम ॥ स० ॥ ४ ॥ जी० ॥ छेदिमोहनीवेल
मी ॥ उत्तमपुरूषनोपथ ॥ स० ॥ आदरीउंआदरकरी ॥ सावधीपयानीपथ
॥ स० ॥ ५ ॥ जी० ॥ सवसायरथीआतमा ॥ उनास्योंतेंपारि ॥ स० ॥ इम
प्रसंशाकरीघणी ॥ आतमकीधोउधार ॥ स० ॥ ६ ॥ जी० ॥ दिक्षाइणीपरें
आदरी ॥ अनगदेवगुरूपास ॥ स० ॥ कालगयोहवेकेतलो ॥ षारीत्रनेंअ
भ्यास ॥स०॥ ७॥ जी०॥ षारीत्रपालीनूहवे ॥ कालकर्मेंकरीकाल ॥स०॥ प
षविसआगरआउपेसुरऊउंसुखरसाल ॥ स० ॥ ८ ॥ जी० ॥ ग्रैवेयकेतेउप
नो ॥ हवेमगलगयोतत्र ॥ स० ॥ तिहाजईनेहनेंजालवे ॥ ढांकेत्रीसालेईह
उ ॥ स० ॥ ९ ॥ जी० ॥ तेधननेंममतेंकरी ॥ नथिमुकेतेहठाए ॥ स० ॥
मासआहारक्लेशेंकरी ॥ पाम्योतिहांयमठांए ॥ स० ॥ १० ॥ जी० ॥ मरीछ
ठीनरगेंगयो ॥ बाविससागरआय ॥ स० ॥ महादुखसहीतिहांथीवली ॥
आउपुरूजवथाय ॥ स० ॥ ११ ॥ जी० ॥ एहजविजयमांउपनो ॥ रथव
र्द्धनपुरगाम ॥ स० ॥ वेक्षिकचमालनेंघरे ॥ छगलपणेंथयोताम ॥ स० ॥ १२ ॥
॥ जी० ॥ एकदिनरथवर्द्धनथकी ॥ वक्रछगलस्युतेह ॥ स० ॥ लेईजातोंज
यपलपुरें ॥ द्रव्यधानिकआव्योएह ॥ स० ॥ १३ ॥ जी० ॥ पुरवअस्यासें
करी ॥ जातिसमरणपामी ॥ स० ॥ वेक्षिगर्येचेंपणिनवी ॥ मुकेतेहजठामि॥
स० ॥ १४ ॥ जी० ॥ हांकेपणिपाछेवले ॥ फिरीफरीआवेठाय ॥ स० ॥
चमालेंकोर्धेंहण्यो ॥ पुरएकीघूआय ॥ स० ॥ १५ ॥ जी० ॥ उदरपणेंतेउ
पनो ॥ उंधसज्ञाइएए ॥ स० ॥ तेहद्रव्यपरीग्रहकस्यो ॥ पाल्यूकर्मवसेए ॥
॥ स० ॥ १६ ॥ जी० ॥ एकजुवटिउंएकदिनें ॥ सोमचमजसनाम ॥ स० ॥
समतो २ आवीउ ॥ सालीपादपनेंठाम ॥ स० ॥ १७ ॥ जी० ॥ वेठीपासेंनी

म्हेंनयणें ॥ ८५ ॥ जीन० ॥ जिणेंजिनवयणासूधांभाख्यां ॥ मोक्ष... मांभाई ॥ उभयलोकनुविरूधकरेते ॥ किमसमस्तबीस्साई ॥ ८६ ॥ जीन० ॥ मकरतांमुनीवरपणिपासें ॥ भावितलष्योंतुरू ॥ तेंवपापम्र्मेष्टासे... पुम्युताहरुगुरू ॥ ८७ ॥ जीन० ॥ इणिमानीकतुभाश्रवस्याई ॥ किहां... भाष्योकेहनें ॥ तवतेंमुनिस्वीसघलोसाष्यो ॥ भासातनाकरीतेहनें ॥ ८८ ॥ जीन० ॥ भनगदेवपणिगुरुजीभाम्या ॥ भासातनाकरीसूधी ॥ भवर... रणगुरुतेसाचा ॥ भापेधर्मनीबुधी ॥ ८९ ॥ जीन० ॥ गुरुसाथेंहवेतिह... वास्यो ॥ थांणेसरपुरगणोमासकलपगुरुरह्यातिहांतारे ॥ प्रहरपणि... ॥ ९० ॥ जी० ॥ जिनमतिनीपणिवातजहतिं ॥ तवचिस्यूंतेंचित्तें ॥ ... कारमगजनोदेखवा ॥ भहो २ मोहविचित्तें ॥ ९१ ॥ जीन० ॥ ओपणि... भखमीतनारी ॥ तोपणिहमशणिभारीउ ॥ उभयलोकभाधनहवेकरस्यू ॥ ... गलेंरुमुकरीउ ॥ ९२ ॥ जीनी० ॥ जिनमतीपणिजिनसारसमुंतें ॥ चरित्र... मुरूसरषी ॥ माहरेभ्यतीकरसांसलीएपणि ॥ विस्कालेस्वेहरषी ॥ जी... न० ॥ इमकरीमेंतेहनेंतारी ॥ सवसायरथीनारी ॥ बहूडस्कसरीगएसंसार... विस्कासीवसूखकारी ॥ ९४ ॥ जीन० ॥ विणविस्काइजोघरिजाउ ॥ विषम... रणमांभावे ॥ इमचितीभनगदेवपासें ॥ विस्कालीधीसावें ॥ ९५ ॥ जीन० ॥ भिजेरवमेंउठीहालें ॥ कहेभाचारजशिखिनें ॥ तिर्थंकरकहेभाचारजनें ॥ ... णिहवेजेषयुक्त्यीने ॥ ९६ ॥ जीन० ॥ ॥ ७ ॥ ॥

॥ दुहा ॥ कालगयोहवेकेतलो ॥ जिनमतिइहवेजांम ॥ वातसुणीकोइक... षी ॥ तरुणीचितेताम ॥ ९७ ॥ भहो२कहूएहनें ॥ किंपूवोहर्दुकांम ॥ जौवनेंकांमनेंजितीइ ॥ मामनरायेकाम ॥ ९८ ॥ स्वेदगभिस्वमीउ... एक ॥ मुक्योमाहरोमोह ॥ मंगलीछंमागोमल्यो ॥ विभोस्वामीद्रोह ॥ ... हवेगेंचितेईस्यु ॥ भार्यपुत्रेंइणवार ॥ कारयकीवुकामनु ॥ सयल... रभधार ॥ १०० ॥ लेभायासबहूकसो ॥ ऊखहिमानवदेह ॥ सयोमहो... यविजोगस्यु ॥ सहितर्णिस्योसनेह ॥ १ ॥ विषयविपाकभारुमही ॥ ...

अझोलीकाकरवासाव्योरे ॥ ३४ ॥ पोदेखामितेकारणजाणीरे ॥ द्रव्यकलस नोकठपीठाणीरे ॥ पाठिपामसलीपरिपुरीरे ॥ विजीपोदीपामिसनुरीरे ॥ ३५॥ सोजनकरिहवेगयोनिजघेररे ॥ तवतेंचितवीउशणिपेररे ॥ पुत्रुमातनेंकेनवी पुत्रुरे ॥ जोनवीपुत्रुतोमानस्येउत्रुरे ॥ ३६ ॥ इमजाणिनेंकहीसवीवातरे ॥ करवुएहनुकस्यूकहोमातरे ॥ तवतेवोलीमुक्देखामोरे ॥ मुक्देष्याविणतुलेम तकाढोरे ॥ ३७ ॥ जोईनेंजुगताजुगतुकहेस्यूरे ॥ तेंपणिदाष्योजईनीजकरस्यूरे ॥ अन्नाणदोपेतेणेंइमधास्युरे ॥ कोईउपायकरीपुत्रनेंमारूरे ॥ ३८ ॥ इमविचारीकह्युसूणिपूत्तरे ॥ हमणांकाढवुंठेनहीजुत्तरे ॥ काढताजाणेजोनर रायरे ॥ तोउलटुघरमाथीजायरे ॥ ३९ ॥ अवसरेंलेस्युआपणजाईरे ॥ उता वलमतकरोतूम्हेसाईरे ॥ तवतूवोल्योइमप्रमाणरे ॥ इमकरीपोहतनिनीजठां णरे ॥ ४० ॥ केईदीनकाढ्यातेंपठीसूरवभारे ॥ तूक्मातारकाढ्याउ खमारे ॥ होसदोसपुर्वसवअभ्यासरे ॥ तूकमारणनोंचित्ततेतासरे ॥ ४१ ॥ तेहउरवेंनीत २ रहेवलतीरे ॥ मनमाइमउपायचितवतिरे ॥ पोसहउपवासपारणजि हारेरे ॥ सोजनमाविपदेंस्यूतिहारेरे ॥ ४२ ॥ तेंउपवासथीहोयलघुआरीररे ॥ विग्रहोशविपनीतिहापिररे ॥ दिघूविषपोतानीमायरे ॥ जेहनुआरणतेमारवा धायरे ॥ ४३ ॥ विषप्रयोगेंतूलेवाणोरे ॥ नदिणीनारीजाणेतिणेंठाणोरे ॥ कोलाहलकरयोतिणेंआवीरे ॥ मापिणरुइकपटइस्रावीरे ॥ ४४ ॥ लोकमल्याजोवासकोयरे ॥ सिरूपुत्रएकतेहमांहोयरे ॥ श्रावकश्रधावतप्रमाणरे ॥ मत्र यत्रनातेहसूजाणरे ॥ ४५ ॥ सिरूपुत्रतेकहीइतेहरे॥ मनमांचितवेएहवुजेहरे ॥ जिवाडुंक्रमत्रनीशक्तिरे ॥ साधरमीकनीकरूइमसक्तीरे ॥ ४६ ॥ मत्रनी शक्तिजीव्योजेहरे ॥ चिताउपनीतूकनेंएहरे॥ मनुजजिवीतमावकअपायरे। घरिवासेंरसाहवेस्यूथायरे ॥ ४७ ॥ वलिकोईकदिनइमवनीजायरे॥ व्रतपच खाणविनासवजायरे ॥ तेकारणहवेलेउदिक्षारे ॥ पासुपामीगुरुनीशीक्षारे॥ ॥ ४८ ॥ देवशर्मागुरुपासेंलीधीरे ॥ उचितविधिदिक्षाहवेसूधीरे ॥ निरतीचा रतेचारीत्रपालीरे ॥ उपनोग्रैवेयकेंउ खगालीरे ॥ ४९ ॥ श्रीशाशागरनेंआउपे

धाननें ॥ लोहअन्नांणनेंदोस ॥ स० ॥ मुसोसमेंअमरवसत्यो ॥ [illegible]
रोस ॥ स० ॥ १८ ॥ जी० ॥ मारयोतेमरीउपनो ॥ एहनीनारिनेंकुखि[illegible]
डरगिलानामठेतेहनु ॥ कुषिमांरहेबऊसूष ॥ स० ॥ १९ ॥ जी० ॥ [illegible]
कगयांजेहनां ॥ तेणीश्जनम्योपुत्त ॥ स० ॥ अनुक्रमेंनागतेपामीउ ॥ [illegible]
षमतेयुत्त ॥ स० ॥ २० ॥ जी० ॥ पाम्योजीवनअनुक्रमें ॥ [illegible]
स्वदाय ॥ स० ॥ बिषदऊनीपरेंवाधीउ ॥ सेवेअकार्यसदाय ॥ स० ॥ [illegible]
जी० ॥ चोरीकरतांएकदा ॥ पाम्रमुखेपहेवाय ॥ स० ॥ समरसा[illegible]
तदा ॥ मारबाऊकमतेथाय ॥ स० ॥ २२ ॥ जी० ॥ सूलिअरि[illegible]
कोटवालेंकरीसोर ॥ स० ॥ मरिबीजीनरगेंगयो ॥ [illegible] ॥ स० ॥
॥ २३ ॥ जी० ॥ त्रणसागरकांयहीणमां ॥ आयुपालीकरीकाल ॥ स० ॥
णबिजश्हवेउपनो ॥ लछीनिलश्सूरसाल ॥ स० ॥ २४ ॥ जी० ॥ [illegible]
आरबमनां ॥ सासलोसातमीढाल ॥ स० ॥ पद्मविजयसाचीश्सी ॥ [illegible]
ऊजजाल ॥ स० ॥ २५ ॥ जी० ॥ ऊहा ॥ लछीनीलयमांहेंवसे ॥ [illegible]
कदत्तअसीधांन ॥ सेठघरेसोहामणी ॥ सुहकराअुसधांन ॥ २६ ॥
तेहनीकूषेतेहवे ॥ उपनोनारकआय ॥ पुत्रीपणेंतसचापीउ ॥ [illegible]
सिरियातांय ॥ २७ ॥ जीवनपामीजेतले ॥ दिधीसागरदेव ॥ [illegible]
त्तसूतसगुंणनें ॥ विवाहवत्योंहिव ॥ २८ ॥ सोगसलीपरिसोगवी ॥ [illegible]
स्युत्तलीसांति ॥ ग्रैवेयकसूरगरसमां ॥ आव्योआयुअति ॥ २९ ॥ पुत्र[illegible]
उपनो ॥ सागरदत्तश्रीकार ॥ नामठम्युनिरतूतदा ॥ यौवनपाम्योज्यार ॥ [illegible]
धर्माचारयधारीआ ॥ देवश्ररम्मदयाल ॥ श्रावकव्रतपालेसघर ॥ प्रांणीनां
तिपाल ॥ ३१ ॥ श्सररवधश्रावकअवल ॥ तेहनीपुत्रीतांम ॥ नदिनीमांनें
रणीउ ॥ कमनीयसोगवेकांम ॥ ३२ ॥ ढाल ॥ सूणमेरीसजनीरजनी[illegible]
रि ॥ एदेशी ॥ सोगसोगवतांसुतएकआयोरे ॥ सूतनोमोहअकरवातायोरे ॥
सगांसबधीलेईपरीवाररे ॥ उआणीकरवासूत्तकाररे ॥ ३३ ॥ सांसमयो[illegible]
करमनीवातोरे ॥ कर्मथीवलीउंकोईनथातोरे ॥ तेहनीपाननीपासेंआव्योरे ॥ पु

अझोलीकाकरवासाथ्योरे ॥ ३४ ॥ पोदेरवामितेकारणजाणीरे ॥ द्रव्यकलस
नोकठपीगणीरे ॥ पाळिषामसलीपरिपुरीरे ॥ विजीपोदीपामिसनुरीरे ॥ ३५॥
सोजनकरिहवेगयोनिजघेररे ॥ तवतेंचितवीउशणिपेररे ॥ पुत्रुमातनेंकेनवी
पुत्रुरे ॥ जोनवीपुत्रुतोमानस्येजंत्रुरे ॥ ३६ ॥ इमजाणिनेंकहीसवीवातरे ॥ क
रवुएहनुकस्यूकहोमातरे ॥ तवतेबोलीमुक्देरवामोरे ॥ मुक्देष्याविणतुम्हेम
तकाळोरे ॥ ३७ ॥ जोईनेंजुगताजुगतुकहेस्यूंरे ॥ तेंपणिदाप्योजईनीजकर
स्यूंरे ॥ अन्नाणदोपेतेणेंइमधास्युरे ॥ कोईउपायकरीपुत्रनेंमारुरे ॥ ३८ ॥
इमविचारीकसुसूणिपूत्तरे ॥ हमणांकाढवुंठेनहीजुत्तरे ॥ काढताजाणेंजोनर
रायरे ॥ तोउलटुघरमांथीजायरे ॥ ३९ ॥ अवसरेंलेस्युआपणजाईरे ॥ उता
वलमतकरोतुम्हेसाईरे ॥ तवतूबोल्योइमप्रमाणरे ॥ इमकरीपोहतातिनीजगां
णरे ॥ ४० ॥ केईदीनकाढ्यातेंपढीसूरवमारे ॥ तूझमाताइकाढ्याउ रवमरि ॥
छोसदोसपुर्वसवअत्यासरे ॥ तूझमारणनोंचित्ततेतासरे ॥ ४१ ॥ तेहडरवेंनी
त २ रहेवलतीरे ॥ मनमांइमउपायचिंतवतिरे ॥ पोसहउपवासपारणजि
हारेरे ॥ सोजनमाविपदेस्यूतिहारेरे ॥ ४२ ॥ तेंउपवासथीहोयलघुआरीररे ॥
शिघ्रहोइविषनीतिहापिररे ॥ दिघूविषपोतानीमायरे ॥ जेहनुआरणतेमारवा
धायरे ॥ ४३ ॥ विषप्रयोगेंतूलेवाणोरे ॥ नदिणीनारीजाणेंतिणेंगणोरे ॥ को
लाहलकस्योतिणेंआवीरे ॥ मापिणरुइकपटइसावीरे ॥ ४४ ॥ लोकमल्याजो
धासफ्रुकोयरे ॥ सिद्धपुत्रएकतेहमाहोयरे ॥ श्रावकश्रद्धावतप्रमाणरे ॥ मंत्र
यंत्रनातेहसूजाणरे ॥ ४५ ॥ सिद्धपुत्रतेकहीइतेहरे॥ मनमांचिंतवेएहवुजेह
रे ॥ जिवाफुझमंत्रनीशक्तिरे ॥ साधरमीकनीकरूइमसक्तीरे ॥ ४६ ॥ मंत्रनी
शक्तिजीव्योजेहरे ॥ चिताउपनीतूझनेंएहरे॥ मनुजजिवीतमावझअपायरे।
घरिवासेंरसाहवेस्यूथायरे ॥ ४७ ॥ वलिकोईकदिनइमवनीजायरे॥ व्रतपच
रवाणविनासवजायरे ॥ तेकारणहवेलेउदिक्षारे ॥ पालुपामीगुरूनीशीक्षारे।
॥ ४८ ॥ देवशर्मागुरुपासेंलीधीरे ॥ उचितविधिदिक्षाहवेसूधीरे ॥ निरतीचा
रतेचारीत्रपालीरे ॥ उपनोग्रैवेयकेंउ रवगालीरे ॥ ४९ ॥ श्रीशशागरनेंआउपे

थानर्ने ॥ लोहअन्नाणनेंवोस ॥ स० ॥ गुसोसर्वेअमरवसरवो ॥
ोस ॥ स० ॥ १८ ॥ जी० ॥ मारयोतेमरीउपनो ॥ .
ऽरगिलानामठेतेहनु ॥ कुपिमांरहेवऊसूष ॥ स० ॥ १९ ॥ जी० ॥
कगयांजेहनां ॥ तेणीश्जनम्योपुत्त ॥ स० ॥ अनुकर्मेनामतेपामीउ
षमतेयुत्त ॥ स० ॥ २० ॥ जी० ॥ पाम्योजीवनअनुकर्मे ॥
रवदाय ॥ स० ॥ विषटकुनीपरेंवाधीउ ॥ सेवेअकार्यसहाय ॥ स०
जी० ॥ चोरीकरतांएकदा ॥ पात्रमुरवेपहेवाय ॥ स० ॥
तदा ॥ मारवाऊकमतेभाय ॥ स० ॥ २२ ॥ जी० ॥
कोटवालेंकरीसोर ॥ स० ॥ मरिवीजीनरगेंगयो ॥ बत्रामाऽरवघोर ॥ स०
॥ २३ ॥ जी० ॥ भणसागरकांयहीणनां ॥ आयुपालीकरीकाल ॥ स०
णविजश्हवेउपनो ॥ लगीनिलश्सूरसाल ॥ स० ॥२४ ॥ जी० ॥
आसवम्मां ॥ सांसलोसातमीडाल ॥ स० ॥ पद्मविजयसावीइसी॥
ऊजजाल ॥ स० ॥ २५ ॥ जी० ॥ ऽहा ॥ लगीनीलयमांहेवसे ॥
कवत्तअसीधांन ॥ सेठघरेसोहामणी ॥ सुहकराशुसथांन ॥ २६
तेहनीकूषेतेहवे ॥ उपनोनारकआय ॥ पुत्रीपणेंतसपापीउ ॥
सिरियाताय ॥ २७ ॥ जीवनपामीजेतले ॥ विधीसागरदेव ॥
त्तसूतसूगुणनें ॥ विवाहवल्योंहेव ॥ २८ ॥ सोगससीपरिसोगवी ॥
रयुसलीसांति ॥ ग्रैवेयकसूरगरसमां ॥ आव्योआयुअति ॥ २९ ॥
उपनो ॥ सागरवत्तभीकार ॥ नामठ्युनिरतूतदा ॥ यौवनपाम्योज्यार
धर्माचारयधारीव्या ॥ देवशरम्मदयाल ॥ श्रावकव्रतपालेसपर ॥ प्राणीनो
तिपाल ॥ ३१ ॥ इसरस्वंधश्रावकअवल ॥ तेहनीपुत्रीतांम ॥ नंदिनीनांमेंच
रणीउ ॥ कमनीयसोगवेकांम ॥ ३२ ॥ ढाल ॥
रे ॥ एदेशी ॥ सोगसोगवतांसुतएकआयोरे ॥ सतनोमोहअकरवातायोरे
सगांसवधीलेईपरीवाररे ॥ उजाणीकरवावल्लकाररे ॥ ३३ ॥ सांसलबोल
करमनीवांतोरे ॥ कर्मबीवलीऊकोईनथातोरे ॥ तेहनीपामनीपातेंआव्योरे ॥ सु

जिनवरसाषीतनाणनुं ॥ दिधूदानविञाल ॥ इहपरलोकनांसूखघणां ॥ दिधां तिणेसूरञाल ॥ ६४ ॥ धर्म० ॥ रागद्वेषमोहटालीनें ॥ पामेंकेवलनांण ॥ अ नुक्रमेंसिद्धीवरेतिको ॥ जेदिइनाणनुदाण ॥ ६५ ॥ धर्म० ॥ दाणनाणइणिप रेंकह्यु ॥ सषेपेंकरीइम ॥ दाताग्राहकएदोयनें ॥ एकांतिहितप्रेमा ॥६६॥धर्म०॥ प्रथवीपांणीअगनीवली ॥ वायुवनसपतिकाय ॥ बितिचउपचदिजीवनें ॥ ह णताहितनथीयाय ॥ ६८ ॥ धर्म० ॥ मनतनुवचनेंएजीवनें ॥ हणवोनांही लगार ॥ दानअभयएहजांणीइ ॥ सेव्युमुनीजनेंञार ॥ ६९ ॥ धर्म० ॥ अ तिदुखीयापणिजिववू ॥ ईछेसर्वसदाय ॥ तिणेंकारणमुनीराजीया ॥ राखेछेष टकाय ॥ ७० ॥ धर्म० ॥ यत ॥ सव्वेवीजीवाईछंती ॥ जिवीउंनमरिज्जीउ ॥ तमापाणवहघोर ॥ निर्ग्गथाबज्जयंतिणं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ नरपतिपणि मरवापम्यो ॥ आपेजिववाराज्य ॥ राज्यथकीपणिजिववु ॥ अधीकुंकहे जीनराज ॥ ७१ ॥ धर्म० ॥ जेसहुजिवनेंइष्टछे ॥ देवुंतेहजसार ॥ इहकिट कदोयजीववुं ॥ सरिषुइछेउदार ॥ ७२ ॥ धर्म० ॥ आयुदिरघपांमीइ ॥ रूप सुरूपनीरोग ॥ परभवपणितेप्रसंसीइं ॥ अभयदानीजेलोग ॥ ७३ ॥ धर्म ॥ यत ॥ आयुर्दिर्घतरवपुर्वरतरगोत्रगरीयस्तर ॥ वित्तभूरितरवलबहुतरस्वामि त्वमुच्चैस्तरं ॥ आरोग्यविगतांतरांत्रिजगतीश्लाघ्यत्वमल्पेतर ॥ ससारांवुनि धिकरोतीसूतरचेत कृपार्द्रांतर ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ अभयदानइणिपरिकह्यु ॥ सांभलश्रावकतूवाणि ॥ धर्मउपग्रहदानजे ॥ साधुंतेहविञांण ॥ ७४ ॥ध०॥ अशनपांनषादिमवली ॥ स्वादिमनेंवस्त्रपात्र ॥ उषधभेषजजोग्यते ॥ दिजें मुनीवरपात्र ॥ ७५ ॥ धर्म० ॥ सझायध्यानमांमग्नजे ॥ जेवहेसंजमसार ॥ कर्मेंहलकातेमुनीतरे ॥ उतारेपरपार ॥ ७६ ॥ धर्म० ॥ कर्मेंगुरुपोतेथुम्तो ॥ किमतारेपरतेह ॥ तिणेंचउकारणशुद्धजे ॥ दिजीइयरीञासनेह ॥७७॥धर्म०॥ दायकग्राहकशुद्धजे ॥ कालसार्वेकरीशुद्ध ॥ दायकशुद्धसाधुंहवे ॥ सांभली थाउंधिबुध ॥ ७८ ॥ धर्म० ॥ दाताज्ञानीहोइसलो ॥ नहिअभमदअहंकार ॥ सरधाआदरअतिघणो ॥ रोमांचित्तनेंउदार ॥ ७९ ॥ धर्म० ॥ न्याइआव्यो

जाणोरे ॥ ग्रैवेयकसूरथयोसपराणोरे ॥ तुक्रमाताश्करोकमंसूत्रे
बांध्योधनउपरिरूमोरे ॥ ५० ॥
ीउद्यामेरोद्रव्यनसोगब्युबाध्युंपापरे ॥ धूमप्रसाइंपद्दोनीभावरे
सागरतेहनुआयरे ॥ तिहांथीमरीतिर्यंचमाआयरे ॥ तिरर्यचमां
ारियारे ॥ तिहांबहुसोगब्याड खनादरीयारे ॥ ५१ ॥
ाझोरे ॥ नालीएरीएहलोसविझेझोरे ॥ तुषवीसागरवससेठपेररे ॥
ापुभशणिपेररे ॥ ५२ ॥ श्णसवमांतुम्हविक्रश्णीरीतरे ॥
ाअतीतरे ॥ वातसूणीमुक्रययोवैरागरे ॥
ारपतिश्सूणीआणादीधीरे ॥ काढिलपमीतेहबहेंचीदिधीरे ॥ विम
ाेउपगाररे ॥ विजयधर्मगणधरअणगाररे ॥ ५५ ॥ तेडनीपासेवि
ाहरीवातहतितेकीधीरे ॥ विचरतोआव्योक्रआहिरे ॥ तिणेजगमांको
ानुनांहीरे ॥ ५६ ॥ शिखकूमरकहेसगबनशाबुरे ॥ जिणेतुम्हेआ
ाुकाचुंरे ॥ पणिविक्कालेवीभसूदोहेलीरे ॥ बातोकरवीसक्नेंसोहिलीरे ॥
ाभजेरवंमेआठमीढालरे ॥ मुनिगुणगातांमगसमालरे ॥ श्रीगुरुउत्तमवि
ाीसरे ॥ पद्मविजयकहेविद्यावासिरे ॥ ५८ ॥ दुहा ॥
ाणे ॥ सायोधर्मनासेव ॥ दानादिकजेदाषीआ ॥ सेवनाबहुभसेव ॥ ५९ ॥
आरसेवसासलचतुर ॥ दानवीलतपदाषि ॥ सावनाचोथीसाविई ॥ सर्व
ाीआष ॥ ६० ॥ त्रणिसेददानजतणा ॥ पहेलुज्ञानप्रधान ॥ असयधर्म
हअधीक ॥ नाणसूणोहवस्दान ॥ ६१ ॥ ढाल ॥ कर्मनछूटेरेप्राणीया ॥
ाी ॥ ज्ञाननुदानदेतांथकां ॥ जाणेबधर्नेमोष ॥ सिबसूखसपदविजढे ॥
जेअतिअसतोष ॥ ६२ ॥ धर्मएसेवोरेसबीजनां ॥ एआंकणी ॥ जेदानें
पुण्यनें ॥ जाणेपापअशेस ॥ जाणीपुण्यनेंआदरे ॥ पापनेंटालेविसेस ॥ ६३ ॥
॥ धर्म ॥ यत ॥ श्रुत्वाजाणईकल्याण ॥ सोचाजाणईपावगं ॥ उभयंपीजाण
ईसोचा ॥ जंछेयतसमायरे ॥ १ ॥ पुर्वढाल ॥ पुण्यकर्मनोरेपामीये ॥ पामे
नरसूरसूख ॥ पापथीदूरेपातांथकां ॥ तिरीनारकदुखदूख ॥ ६४ ॥ धर्म० ॥

फ्लआलेजी ॥ ९७ ॥ सेवोरेसवीआंधर्मएवारु ॥ एआकणी ॥ जिमकालेजो करसणकीजें ॥ तोवहुफलतसथाइजी ॥ इमकालेंजोदानदिइतो ॥ फलबहु लीइंग्रमायोजी ॥ ९८ ॥ सेवो० ॥ तपपारणनेंउत्तरवारण ॥ वलिकीधो होयलोचजी ॥ थाकाविहारथकीवलीग्लानजे ॥ कारणनोआलोचजी ॥ ॥ ९९ ॥ सेवो० ॥ ज्ञानात्यासकरेवालसाधु ॥ एहवाकालविचारीजी ॥ आ हारघृतादिकबहुआपीजें ॥ तोहोइतससूखकारीजी ॥२००॥ सेवो० ॥ का लविनाजोविजवाविर्जे ॥ तोहोइविजनीहाणिजी ॥ दायकग्राहकनेंइमजा णो ॥ कालतेंगुरुगुणपाणीजी ॥२०१ ॥ सेवो० ॥ सावग्रुरुतेदानकहिज इ ॥ श्रद्धापूर्वकआपेजी ॥ रोमाचित्तथईमानेकृतज्ञता ॥ तेसावगुरुपणथा पेजी ॥२ ॥ सेवो० ॥ आर्त्तवर्जेनवीदानदेईजें ॥ कलूषितचित्तनवीकीर्जे जी ॥ आससानवीकांईकरीइ ॥ सावग्रुरुएलीजेंजी ॥३ ॥ सेवो० ॥ यत अनादरोविलवश्च ॥ वैमुख्यमप्रियवच ॥पश्चात्तापश्चपचामी॥ सद्दानदूपय त्यहो ॥ १ ॥ अत्यादरोऽविलवश्चौ ॥ दार्यचप्रियवक्यता ॥ सन्मुखत्वश्चप चामी ॥ सद्दानसूपयत्यपी ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥ मोक्षनेंअरथेंदानजेदिर्जे ॥ तेहनोएविधीजाणोजी ॥ अनुकपाजेदानजसाध्यु ॥ तेहनोनिषेधचित्तमा णोजी ॥ ४ ॥ सेवो० ॥ द्रव्यहाणहोइदानदेयता ॥ इममनमामतआणोजी॥ कूपआरामगवादिकदेपो ॥ देतांसपदछाणोजी ॥ ५ ॥ सेवो० ॥ घरकुइसम कृपणनीलपमी ॥ नगरवाविव्यवहारीजी ॥ अधीकारीनीसरोवरसरिषी ॥ नृपनीनदीअनुहारीजी ॥६ ॥ सेवो० ॥ दानभोगनेंनाशएत्रणगती ॥ द्रव्य तणीजगसाषिजी ॥ नविदिधीनवीभोगवीजिणें ॥ तसेंत्रीजीगतिदापीजी ॥ ॥ ७ ॥ सेवो० ॥ यत ॥ मोरकज्ञजदाण ॥ पइएसोविहीमुणेयम्बो ॥ अणुक पादाणपुण ॥ जिणेहिनकहिविपमीसिद्ध ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ दानधरमसपेपें साध्यो ॥ शीलसूणोसवीप्राणीजी ॥प्राणीवधादीकपचमहाव्रत ॥ पालवाबहु हितआणीजी ॥ ८ ॥ सेवो० ॥ क्रोधादिकनोनीग्रहकरवो ॥ आर्ज्जवमद्दवप तिजी ॥ श्रद्धासवेगसतोषफरसन ॥निरीहचित्तवलमित्तीजी ॥ ९ ॥ सेवो० ॥

ाद्रम्यते ॥ प्रासूकनेंगुरुमान ॥ अविरोधीजेहलोकमां ॥
॥ ८० ॥ धर्म० ॥ इहलोकनेंपरलोकनी ॥ नधरेकांयआसस ॥
ाजनीपरे ॥ बहुफलपामेंअसस ॥ ८१ ॥ धर्म० ॥
प्रापेएहजदांन ॥ जेहवेअरधाविनादिइ ॥ जसकिरतिमनआनि
र्म० ॥ अतिमानेंअथवादिइ ॥ एहदिइजेजोइंम ॥
ाविआपुकहोकेम ॥ ८३ ॥ धर्म० ॥ सरधाजलविनुविजते ॥
ार ॥ दानवहुपणिदूखिउ ॥ कलूपीतचित्तअपार ॥ ८४ ॥ धर्म० ॥
ोवधकरीजेदीइ ॥ धर्मनीसरधामनराषि ॥ चदनबालीअगारनो ॥
ारनिजसापि ॥ ८५ ॥ धर्म० ॥ लोकविरुधजेआपतो ॥ धर्मवं
इ ॥ पोतेपाहकविहुजण ॥ पामेंससोरेतेह ॥ ८६ ॥ धर्म० ॥
ेसाधीइ ॥ धारेमहाव्रतसार ॥ गुरुनीसुश्रुषाजेकरे ॥ जोगसमाधीमांसार
॥ ८७ ॥ धर्म० ॥ खन्तिमद्दवअज्जवा ॥ लोहनोकिधोरेत्याग ॥ अणगुपतिगुपतें
रहे ॥ सज्झायध्याननोलाग ॥ ८८ ॥ धर्म० ॥ पचेंद्रीयनोनीग्रहकरे ॥ पाले
साधूनोमग्ग ॥ चरणकरणनीरेसित्तरी ॥ परसाधेंसूअलग्ग ॥ ८९ ॥ धर्म० ॥
इहसवनेंवलीपरसवें ॥ होइअप्रतीबध ॥ मेरूपरिजेचलेनही ॥ उपसर्गबाधुवें
धध ॥ ९० ॥ धर्म० ॥ एहवाजेमुनीराजनें ॥ रागेदिजेंजेदांन ॥ पाहकछव
तेजाणीइ ॥ सेदएविजोअमान ॥ ९१ ॥ ध० ॥ नवमीत्रिजाएखमनी ॥ बालकहि
सूपवित्र ॥ उत्तमपक्षविजयेंसली ॥ समरादित्यचरीत्र ॥ ९२ ॥ धर्म० ॥
॥ ढाल ॥ सीलरहीतजेसाधुनें ॥ दिइकुपात्रेंदांन ॥ अशुभफलपामेअधीक
सर्पनेंजीमविषपान ॥ ९३ ॥ रुधीरपरम्युरुधिरथी ॥ वस्त्रधूइविणनिर ॥ ति
मकुपात्रेंआपतां ॥ सांजेकिमतससीर ॥ ९४ ॥ मोगुपणिसूपात्रथी ॥
खसरपूर ॥ तरणांगीअहारेंतूरत ॥ उधज्युविइअधीभूरि ॥ ९५ ॥ पात्रविशे
षेंआपीउ ॥ एकजदानअमान ॥ एकजजलगाविउरग ॥
न ॥ ९६ ॥ ढाल ॥ भावरजिवर्षामागुणआवरि ॥ एदेशी ॥ कालशुद्धएहवेदा
नकहिजें ॥ तपसीनेंदिइकालेंजी ॥ वेहनेंउपगारीजीमहोवे ॥ तोफलतसब

रूआलेजी ॥ ९७ ॥ सेवोरेसवीआधर्मएवारु ॥ एआकणी ॥ जिमकालेजो करसणकीर्जे ॥ तोबहुफलतसथाइजी ॥ इमकालेंजोदांनदिश्तो ॥ फलवहु लीइग्रमायोजी ॥ ९८ ॥ सेवो० ॥ तपपारणनेंउत्तरवारण ॥ वलिकीधो होयलोचजी ॥ थाकाविहारथकीवलीग्लानजे ॥ कारणनोग्रालोचजी ॥ ॥ ९९ ॥ सेवो० ॥ ज्ञानात्यासकरेवालसाधु ॥ एहवाकालविचारीजी ॥ आ हारघृतादिकबहुआपीजें ॥ तोहोश्तसमूखकारीजी ॥२००॥ सेवो० ॥ का लविनाजोविजवाविजें ॥ तोहोश्विजनीहाणिजी ॥ दायकमाहकनेंइमजा णो ॥ कालतेगुसगुणषाणीजी ॥२०१ ॥ सेवो० ॥ सावगुरुतेदानकहिज इ॥ श्रद्धापूर्वकआपेजी ॥ रोमाश्चित्तथईमानेकृतज्ञता ॥ तेसावगुरुपणथा पेजी ॥२ ॥ सेवो० ॥ आर्त्तवर्जेनवीदांनदेईजें ॥ कलूषितचित्तनवीकीजें जी ॥ आससानवीकाईकरीइ ॥ सावगुरुएलीजेंजी ॥३ ॥ सेवो० ॥ यत॰ अनादरोविलवश्च ॥ वैमुख्यमप्रियवच ॥पश्चात्तापश्चपचामी॥ सद्दानदूपय त्यहो ॥ १ ॥ अत्यादरोऽविलवश्चौ ॥ दार्यंचप्रियवाक्यता ॥ सन्मुखत्वचप चामी ॥ सद्दानसूपयत्यपी ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥ मोक्षनेंअर्थेदानजेदिजें ॥ तेहनोएविधीजाणोजी ॥ अनुकपाजेदानजसाध्यु ॥ तेहनोनिपेधचित्तमा णोजी ॥ ४ ॥ सेवो० ॥ द्रव्यहांणहोश्दांनदेयता ॥ इमनमामतआणोजी॥ कूपआरामगवादिकदेषो ॥ देतांसपदभाणोजी ॥ ५ ॥ सेवो० ॥ घरकुश्सम कृपणनीलपमी ॥ नगरखाविव्यवहारीजी ॥ अधीकारीनीसरोवरसरिषी ॥ नृपनीनदीअनुहारीजी ॥६ ॥ सेवो० ॥ दानसोगनेंनाशएत्रणिगती ॥ द्रव्य तणीजगसापिजी ॥ नविदियीनवीसोगवीजिणें ॥ तसंत्रीजीगतिदापीजी ॥ ॥ ७ ॥ सेवो० ॥ यत ॥ मोखकज्जजदाण ॥ पइएसोविहीमुणेयवो ॥ अणुग पादाणपुंण ॥ जिणेहिनकहिविपमीसिद्ध ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ दानधरमसपेपें साप्यो ॥ शीलसूणोसवीप्राणीजी ॥प्राणीवधादीकपचमहाव्रत ॥ पालवावहु हितआणीजी ॥ ८ ॥ सेवो० ॥ कोधादिकनोनीग्रहकरवो ॥ आर्जवमद्दवप तिजी ॥ अप्रासवेगसतोपफरसन ॥निरीहचित्तवलमित्तीजी ॥ ९ ॥ सेवो० ॥

जेद्रव्यते ॥ प्रासुकनेंशुस्मान ॥ अविरोधीजेहलोकमां ॥ करतोनिर्वध्य
न ॥ ८० ॥ धर्म० ॥ इहलोकनेंपरलोकनी ॥ नधरेकांयआसस ॥
विजनीपरे ॥ बहुफलपांमेंअसस ॥ ८१ ॥ धर्म० ॥ नरसूरशिवसुख
आपेएहजदांन ॥ जेहवेंअरधाविनादिइ ॥ जसकिरतिमनआंनि ॥
धर्म० ॥ अस्तिमानेंअथवादिइ ॥ एहदिइजेजोइम ॥ ककिमगंगेतुए
नविआपुकह्योकेम ॥ ८३ ॥ धर्म० ॥ सरघाजलविनुबिजते ॥ नफलेता
गार ॥ दानबहुपणिदूखित ॥ कहूपीतचित्तअपार ॥ ८४ ॥ धर्म० ॥
नोवधकरीजेदीइ ॥ धर्मनीसरधामनराधि ॥ चदनबालीअगारनो ॥ करे
पारनिजसाधि ॥ ८५ ॥ धर्म० ॥ लोकविरुधजेआपतो ॥ धर्मवीरुध
ह ॥ पोतेमाहकविझजणा ॥ पामेससारेंतेह ॥ ८६ ॥ धर्म० ॥ माहकशुद्ध
वेसाधीइ ॥ धारेमहाव्रतलार ॥ गुरुनीसुस्रुषाजेकरे ॥ जोगसमाधीमासार
॥ ८७ ॥ धर्म० ॥ खन्तिमद्दवअद्धवा ॥ लोहनोकिधोरेत्याग ॥ त्रणगुपतिगुपत
रहे ॥ सज्झायध्याननोलाग ॥ ८८ ॥ धर्म० ॥ पचेंद्रीयनोनीग्रहकरे ॥ एहे
साधूनोमग्ग ॥ चरणकरणनीरेसित्तरी ॥ परसावेंसूअलग्ग ॥ ८९ ॥ धर्म० ॥
इहसबनेंघलीपरसवें ॥ होइअप्रतीबध ॥ मेरूपरिजेचलेनही ॥ उपसर्गबायुनें
धध ॥ ९० ॥ धर्म० ॥ एहवाजेमुनीराजनें ॥ रागेंदिजेंजेदांन ॥ माहकशुद्ध
तेजाणीइ ॥ सेवएबिजोअमान ॥ ९१ ॥ ध० ॥ नवमीभिजाएखमनी ॥ दासकहि
सूपविध ॥ उत्तमपद्मविजयेंसली ॥ समरादित्यचरीत्र ॥ ९२ ॥ धर्म ॥
॥ ढाल ॥ सीलरहीतजेसाधुनें ॥ दिइकुपात्रेंदान ॥ असुसफलपामेअधीक
सर्पनेंजीमविषपान ॥ ९३ ॥ रुधीरथरज्युरुधिरथी ॥ वस्त्रधूइविणनिर ॥ ति
मकुपात्रेंआपतां ॥ सांजेकिमतससीर ॥ ९४ ॥ मोकुंपणिसुपात्रथी ॥ पामेसु
खसरपूर ॥ तरणांगेंअहारेंतूरत ॥ दुधज्युदिइअवीचूरि ॥ ९५ ॥ पात्रबिजे
येंआपीउ ॥ एकजदानअमान ॥ एकजजलगाविभरग ॥ जपापीइफलमा
न ॥ ९६ ॥ ढाल ॥ आदरजिबधीमागुआमारि ॥ ९७ ॥ कालअरहवेबा
नकहिजें ॥ तपसीनेंदिइकालेजी ॥ वेहनेंउपगारीजीमहोवे ॥ तोफलतसब

कारजी ॥ सोभाग्यकल्पवृक्षएनामे ॥ एकादशीमनधारोजी ॥ २३ ॥ सेवो० ॥ चन्द्रायणतपआठिमचौदसि॥आंबिलवर्द्धमानमोहटोजी॥ अशोकवृक्षनेंमुकुटसप्तमी ॥ माणीक्यप्रस्तानहीषोटोजी ॥२४॥ सेवो० ॥ अक्षयदशमीवलीअमृततप ॥ तपवलीएकादशांगजी ॥ ववदतीतपदीक्षानोतप ॥ निर्वाणतपवलीचंगजी ॥ २५ ॥ सेवो० ॥ गौतमपमघोर्नेस्वर्गदमो ॥ पद्मोत्तरतपज्ञानजी ॥ जिनपुजार्नेहारजतपवली ॥ उणोदरीअसीधानजी ॥ २६ ॥ ॥ सेवो० ॥ धर्मचक्रवालतपवलीसाध्यो॥ क्रमचक्रवालहोयजी ॥ बत्रिशवीजयनोतपघणसुंदर ॥ मेरुमंदरजोयजी ॥ २७ ॥ सेवो० ॥ सूरायणनेंवलीपमवातपा॥घनतपकमलउदारजी ॥ अष्टापदपावमीआनांमे॥ वर्गतपस्यात्रिधारजी ॥ २८ ॥ सेवो० ॥ गुणरत्नसवछरजाणो ॥ सद्रोत्तरअवधारजी ॥ असीमहृतपनोपारनलहीइ ॥ तेहअनेकप्रकारजी ॥ २९ ॥ सेवो० ॥ द्रव्यक्षेत्रनेंकालसाथयी ॥ साध्यापथमकारिजी ॥ तपावलीयीविधीसहुजाणे ॥ इहांथाइंविस्तारजी ॥ ३० ॥ सेवो० ॥ इमतपधर्मसपेपेसाध्यो ॥ आराधीसवीप्राणीजी ॥ इहसवपरसवसुखलहीनें॥ परणेसिववधूराणीजी॥३१॥सेवो० त्रिजेखंडेढालएदशमी ॥ पद्मविजयकहेइमजी ॥ सांसलीनेश्रोताजनधरमें॥ करज्योअधीहमप्रेमजी ॥ ३२ ॥ सेवो० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ दूहा ॥ भावधरमचोथोसलो ॥ सम्यगदर्शनसाच ॥नाणचारित्रनीभावना॥ मतभावनविनुर्मांच ॥ ३३ ॥ वैराग्यभावनातिमवली ॥ तिर्थभक्तिततकाल ॥ साधुजननीसेवना ॥ कदर्पजयविकराल ॥ ३४ ॥ अतिचारजोआवीओ ॥ निंदागरहानाद ॥ मोक्षनासूखमांमाचतो ॥ आयतनेंआल्हाद ॥ ३५ ॥ एहधर्मअरिहतनों ॥ साध्योचोथोभाव ॥ सवसयभावउसजणे॥ वलीतेएहवनाव ॥ ३६ ॥ च्यारप्रकारेंसूणिचतुर ॥ सेवीधर्मसुबुध ॥ जिवअनताजिहांगया ॥ साश्वतसुखसुविशुद्ध ॥ ३७ ॥ ढाल ॥ सोनानीझारीहे ॥ एदेशी ॥ इणिपरेंसांसलीहे ॥ साहिबाजीमारा॥ जिनवरधर्म ॥ सिखिकूमरनेंताम ॥ बोधययोजिनधर्मनोजी ॥ बोलेइणिपरेंहे ॥ सा०॥ साध्युसत्य ॥ एहमांनहीस

एहसीलमइधर्मआराधी॥मानवसदगतिपामेंजी ॥
मेंतआतमरामेंजी ॥ १० ॥ सेवो० ॥ वलीअविशेषमेंसमयपंचालेव
शीलकहीजेंजी ॥ तेपणिआसवपरसवकेरा ॥
॥ ११ ॥ सेवो० ॥ यत ॥ व्याघ्रव्यालजलानलादि
कल्याणनिसमुल्लसतिविबुधा सान्निध्यमध्यासते ॥
त्युपचयधर्मप्रणश्यत्यघ ॥ स्वर्निर्वाणसुखा
॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ शीलसपेपकसुहवेसाप्यु ॥ तपनामेंहवेभीजोजी
सेंदबाह्यप्रथमतिहा ॥ अल्यतरतपबिजोजी ॥ १२ ॥ सेवो० ॥
षटसेदप्रकास्या ॥ अणसणपेहेलोसेदोजी ॥ अणोदरीवतीशेषण
गेंनवीपेदोजी ॥ १३ ॥ सेवो० ॥ कायक्लेशनेसलीनताए ॥
हायजी ॥ अल्यतरप्रायछीतनेंविनयो ॥ वैयावच्चसझायजी ॥ १४
ध्याननेंउत्सर्गएषटलहीइ॥अल्यतरनिरमायजी ॥
सेदपचासकह्यायजी ॥ १५ ॥ सेवो० ॥ वलिअविशेषेंतपबहुसेदें ॥
आगममाहिंजी ॥ वर्द्धमानश्रेणीतपनामें ॥ परतरतपउगाहिंजी ॥
वो० ॥ कनकावलीरतनावलीजाणो ॥ मुगतावलीमनोहारजी ॥
सर्वसिंहनिक्रीडित ॥ जवमध्यवज्रमध्यसारजी ॥१७॥ सेवो० ॥
सद्रमाहासद्रकहिइ ॥ सर्वतोसद्रमनआणिजी ॥
क ॥ सिद्धचक्रगुणपाणिजी ॥ १८ ॥ सेवो० ॥ स
आ ॥ नवनवमीआछेयजी ॥ पंचमीएकारसीवलीबारसी ॥
यजी ॥ १९ ॥ सेवो० ॥ इंद्रियजयनेंसंसारतारण ॥
जी ॥ जोगजयनेंवलीकरमसूदण ॥ पञ्चमीतपगुणधामजी ॥ २० ॥ सेवो०
दर्शनज्ञानचरणआराधन ॥ दशपञ्चखाणनीओलीजी ॥ समवसरणनेंनंदिश्व
रतप ॥ करीश्याकतीनेंतोलीजी ॥ २१ ॥ सेवो० ॥
हिणीतप ॥ अंबिकातपसुविचारोजी ॥ सर्वसुखसपसीआसीवा ॥ परमभूषण
तपसारोजी ॥ २२ ॥ सेवो० ॥ अतंदेवतातपसर्वांगसुंदर ॥ अउलदेवीनी

कारजी ॥ सोसाग्यकल्पयरूएनामें ॥ एकादशीमनधारोजी ॥ २३ ॥ सेवो० ॥ चशायणतपआठिमचौदसिा आंविलवर्द्धमानमोहटोजी॥ अशोकवृक्षनेंमुकुटसप्तमी ॥ माणीक्यप्रस्तानकृष्णीषोटोजी ॥२४॥ सेवो० ॥ अखमदशमीवलीअमृततप ॥ तपवलीएकादशांगजी ॥ दवदतीतपदीक्षानोतप ॥ निर्वाणतपवलीचगजी ॥ २५ ॥ सेवो० ॥ गौतमपमघोनेंस्वर्गदमो ॥ पद्मोनरतपशानजी ॥ जिनपुजानेंहारजतपवली ॥ उणोदरीअसीधानजी ॥ २६ ॥ ॥ सेवो० ॥ धर्मचक्रवालतपवलीसाप्यो॥ कमचक्रवालहोयजी ॥ वत्रिशवीजयनोतपघणसुदर ॥ मेरुमदरजोयजी ॥ २७ ॥ सेवो० ॥ सूरायणनेंवलीपम्वातपा घनतपकमलउदारजी ॥ अष्टापदपावमीआंनांमे॥ वर्गतपस्यावित्रिचारजी ॥ २८ ॥ सेवो० ॥ गुणरत्नसवछरजाणो ॥ सप्तोत्तरअघधारजी ॥ असीप्रहतपनोपारनलहीइ ॥ तेहअनेकप्रकारजी ॥ २९ ॥ सेवो० ॥ द्रव्यक्षेत्रनेंकालसावथी ॥ साप्यायथमकारिजी ॥ तपावलीथीविधीसहुजाणो ॥ इहांथाइविस्तारजी ॥ ३० ॥ सेवो० ॥ इमतपधर्मसपेपेसाप्यो ॥ आराधीसवीप्राणीजी ॥ इहसवपरसवसुखलहीनें॥ परणेसिववघूराणीजी॥३१॥सेवो० त्रिजेखंमेढालएदशमी ॥ पद्मविजयकहेइमजी ॥ सांसलीनेंश्रोताजनघरमें॥ करज्योअवीहडप्रेमजी ॥ ३२ ॥ सेवो० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ दूहा ॥ सावधरमचोथोसलो ॥ सम्यगदर्शनसाच ॥ नाणचारित्रनीसावना॥ मतसावनविनुर्मात्र ॥ ३३ ॥ वैराग्यसावनातिमवली ॥ तिर्थसक्तितकाल ॥ साधुजननीसेवना ॥ कदर्पजयविकराल ॥ ३४ ॥ अतिचारजोआवीओ ॥ निदागरहानाद ॥ मोक्षनासुखमांमाचतो ॥ आयतनेंआल्हाद ॥ ३५ ॥ एहधर्मअरिहतनें ॥ साप्योचोथोसाव ॥ सवसयसावठसजणो॥ वलीउंएहवनाव ॥ ३६ ॥ च्यारप्रकारेंसूणिचतूर ॥ सेवीधर्मसुबुध ॥ जिवअनताजिहागया ॥ साश्वतसुखसुविसुद्ध ॥ ३७ ॥ ढाल ॥ सोनानीझारीहे ॥ एदेशी ॥ इणिपरेंसासलीहे ॥ साहिबाजीमारा ॥ जिनवरधर्म ॥ सिखिकुमरनेंताम ॥ बोधयप्रोजिनधर्मनोजी ॥ बोलेइणिपरिहे ॥ सा०॥ साप्युसत्य ॥ एहमांनहीस

एहसीलमइधर्मआराधी॥मानवसदगतिपामेजी ॥
मेतआतमरामेंजी ॥ १० ॥ सेवो० ॥ वलीअविशेषमेंसमर्पणा
शीलकहीजेंजी ॥ तेपणिआसवपरसवकेरां ॥
॥ ११ ॥ सेवो० ॥ यत ॥ व्याघ्रव्यालजलानलादि
कल्याणनिसमुल्लसतिविबुधा सान्निध्यमध्यासते ॥
त्युपचयधर्मप्रणश्यत्यघ ॥ स्वर्निर्वाणसुखानि
॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ शीलसपेपकसुहवेलाण्यु ॥ तपनामेंहवेभीजोजी ॥
सेंदवासप्रथमतिहां ॥ अत्यतरतपविजोजी ॥ १२ ॥ सेवो० ॥
षटभेदप्रकास्या ॥ अणसणपेहेलोसेदोजी॥ अणोदरीव्रतीशपेपण ॥
गेंनवीपेदोजी ॥ १३ ॥ सेवो० ॥ कायक्लेशनेसलीनताए ॥
हायजी ॥ अत्यतरप्रायछीत्तनेंविनयो ॥ वैयावच्चसझायजी ॥ १४ ॥
ध्याननेंउत्सर्गएषटलहीइ॥अत्यतरनिरमायजी॥ विसेंषेवली
भेदपचासकहायजी ॥ १५ ॥ सेवो० ॥ वलिअविशेषेंतपबहुभेदें ॥
आगममाहिजी ॥ वर्द्धमानश्रेणीतपनामें ॥ परतरतपउगाहिजी ॥
वो० ॥ कनकावलीरतनावलीजाणों ॥ मुगतावलीमनोहारजी ॥
र्घसिहनिक्रीडित ॥ जवमध्यवज्रमध्यसारजी ॥ १७ ॥ सेवो० ॥
सद्रमाहासद्रकहिइं ॥ सर्वतोसद्रमनआणिजी ॥
क ॥ सिद्धचक्रगुणपाणिजी ॥ १८ ॥ सेवो० ॥ सतत
आ ॥ नवनवमीआहोयजी ॥ प्रथमीएकारसीवलीबारसी ॥
यजी ॥ १९ ॥ सेवो० ॥ इंद्रियजयनेंसंसारतारण ॥
जी ॥ जोगजयनेंवलीकरमसूदण ॥ पचमीतपगुणधामजी ॥ २० ॥ सेवो०
दर्शनज्ञानचरणआराधन ॥ वशपच्चखाणनीऊलीजी ॥ समवसरणनेंनंदिश्व
रतप ॥ करीश्यकतीनेंतोलीजी ॥ २१ ॥ सेवो० ॥ अक्षयनीधीपुन्डरीकरो
हिणीतप ॥ अविकातपसुविचारोजी॥ सर्वसुखसपत्तीअसीधा ॥ परमभूषण
तपसारोजी ॥ २२ ॥ सेवो० ॥ अतदेवतातपसर्वांगसुंदर ॥ अष्टदेपीजी

करवोक्रोधजालवीजी ॥ ४८ ॥ प्रतिमावहेवीहे ॥ सा० ॥ मुनीनीअनेक ॥ विवीधअसीपहजेह ॥ द्रव्यादिकजेसापीआजी ॥ सूरसबुहे ॥ सा० ॥ केश नोलोच ॥ कायकिलेशअनेक ॥ करताअमरसचापीआजी ॥ ४९ ॥ नि प्र तिकर्मीहे ॥ सा० ॥ जाससरीर ॥ वहेवीगुरुनीआणि ॥ सर्वकालप्रसुआणि यीजी ॥ परिसहजितवावाविश ॥ सा० ॥ उपसर्गजेह ॥ दिव्यादिकबहुते द ॥ जयकरवोगुणषाणियीजी ॥ ५० ॥ लार्धेअलार्धेहे ॥ सा० ॥ समचित राषि ॥ अढारसिलांगसहस ॥ सारतेवहेवोनीतपमेजी ॥ तिणेंतरवोएसमुद्र ॥ ॥सा०॥ चरमकहेवाय ॥ वाहिकरिनेंतेह ॥ तोलवोमेरुनीजकरवर्मेजी॥५१॥ सपषोकोलीउहे ॥ सा० ॥ स्वादरहीत ॥ वेलूतणोजेअशार ॥ खमगधारापेरें चालवुजी ॥ पीवीअगनिनीझाल ॥ सा० ॥ गगप्रवाह ॥ चालवुंशाहमेपुर ॥ निजआतमसूखेंमालवुजी ॥ ५२ ॥ कोथलोपवननोहे ॥ सा० ॥ सरवोहा थि ॥ चतुरगवलसघाति ॥ जितवुएकलेप्राणीइजी ॥ साधवोराधावेध ॥सा०॥ जयनीपताक ॥ यहेवीअपहीपुर्व ॥ ऽ करमुनीपणजाणीइजी ॥ ५३ ॥ इमसांसलीहे ॥ सा० ॥ हरष्योकूमार ॥ करजोडीकहेइम ॥ गुरुसहूसाधूप णकहुजी ॥ ऽ करकहुनिमतेह ॥ सा० ॥ पणिनहीमुझ ॥ जाण्युअशारनु गुझ ॥ जाणहवेएहकवलहुजी ॥ ५४ ॥गुरुतवसापेहे ॥सा०॥ साचुएह॥ जाणेंअसारस्वरूप ॥ पणिवहुसवसावनाथकीजी ॥ मुझावेवहुजीव ॥सा०॥ याइंमुढ ॥ तिणेंनविचारेस्वरुप ॥ नगणेंअनागतवुधीथकीजी ॥ ५५ ॥ कुल नवीदेषेहे ॥ सा० ॥ नकरेधर्म ॥ नविमानेउपदेश ॥ मुरपनगणेंगुरुप्रतिजी॥ नकरेंअपजसविहक ॥ सा० ॥ आचरेतेह ॥ आलोकनेंपरलोक॥ क्लेशअनुसा जनजिणगतीजी ॥ ५६ ॥ तिणकारणसूणिहे ॥ सा० ॥ हणवोमोह ॥ कुम रकहेप्रसूसाच ॥ पणिएउपायहणवातणोजी ॥ कारयसाधेतेह ॥सा०॥ कार णसेवाजेकरेप्रगटेतास॥ साध्यतणोपुरणपणोजी ॥५७॥ तेतूम्हपासेहे॥सा०॥ तूम्हपसाय ॥ पामुसवजलपार॥ जिमआयरनिरजामकेंजी ॥ अलपपुन्यहो इजास ॥ सा० ॥कूशलनवुद्धीगुणवतागुरुलास ॥ नहोइनवीपामीशकेजी ॥

देह ॥ कूणकहेसेदमर्मनोजी ॥ ३८ ॥ पणिएकसांसओहे ॥ सा० ॥ ...
शेश ॥ नवीकरीसकीइकोय ॥ दानविनाघरमांरहीजी ॥ तिणकारण ॥
सा० ॥ चारीत्रधर्म्म ॥ जोग्यहोइतेकोण ॥ सायोसगवनमुफसहीजी ॥ ...
गुरुजीबोलेहे ॥ सा० ॥ सांसलिजोग्य ॥ उपनोआरयदेश ॥ कुलमें ...
शेषिउजी ॥ हलूकरमाहे ॥ सा० ॥ निरमलबुधि ॥ जाणेंसआरस्वरुप ॥ ...
णवुएहवोपेषीउजी ॥ ४० ॥ जनमतेमरणनीमित्त ॥ सा० ॥ वपलतेघ्म्य ॥
सजोगअंतेविजोग ॥ मानवसवदूर्लसघणोजी ॥ विषयतेडरकनुंहेतू ॥सा०॥
मरवुसक्रनेंनीत्य ॥ दारुणतासविपाक ॥ कोईआधारनतेहतणोजि ॥ ...
इमजाणीनेंविरक्त ॥सा०॥ थोमोकरवायाथोमीकरतोहासाजाणकरयागुणी
वलीजी ॥ नहिकौतकीनेंविनीत ॥सा०॥ वक्रजनमान्य ॥ श्रोषकारीनवीहोय
॥ सरधाकरेकसुकेवलीजी ॥ ४२ ॥ वलीथीरसरथावत ॥ सा० ॥ एहवोजो
ग्य ॥ जेउपसपन्नहोय ॥ तवकूअरशणिपरंसणेंजी ॥ रुमोसाष्योहे ॥ सा० ॥
साधूनेंयोग्य ॥ पणिउपसपन्नआज ॥ आष्योचरणेंतुम्हतणेंजी ॥ ... वि
जयसिंहगुरुहे ॥ सा० ॥ करेविचार ॥ एहमहासाम्यवत ॥ प्रष्णकरेजुगमें
वाजी ॥ ठेअतीशोतिस्वरुप ॥ सा० ॥ लखिइतेण ॥ महाकुलेंउपनोएह ॥ ...
धनसोलेतेजेहषांजी ॥ ४४ ॥ एहनेंकहिइहें ॥ सा० ॥ एहवावयण ॥ जि
णेउपसमहुयाय ॥ इमघितीहवेगुरुकहेजी ॥ सुणितूश्रावकहे ॥ सा० ॥ गुणु
णवत ॥ एससारअसार ॥ तेहमाकुणशणिपरिलहेजी ॥ ४५ ॥ ठ करजा
णोहे ॥ सा० ॥ लेवुजेह ॥ श्रमणपणजगिसार ॥ शत्रुमीत्रसमजाणवाजी ॥
नवीहणवोकोईजीव ॥ सा० ॥ कहेवुशाच ॥ ठतशोधनमात्रकाय ॥ पयस्व
वुअवत्तआणवाजी ॥ ४६॥ त्रिविधेंपचखवुहे ॥सा०॥ अब्रह्मचर्य ॥ उपगर
णवस्त्रनेंपात्र ॥ उपरिपणमुरछानहीजी ॥ रात्रीसोजननोत्याग ॥ सा० ॥ लेवो
आहार ॥ वेंतालीशदोषशुद्ध ॥ आगममांसाष्योसहिजी ॥ ४७ ॥ संजोज
नादिकहे ॥ सा०॥ टालवापचामितकालेंलेवोआहार ॥ सुमती गुपतीवरपाल
वीजी ॥ ईर्यामुखपचविस ॥ सा० ॥ सावबीहोय ॥ बांसअस्यंतरसेद ॥ तप

करवोक्रोधजालवीजी ॥ ४८ ॥ प्रतिमावहेवीहे ॥ सा० ॥ मुनीनीअनेक ॥
विधीअप्रतीपहजेह ॥ द्रव्यादिकजेसापीआजी ॥ सूरसवुहे ॥ सा० ॥ केश
नोलोच ॥ कायकिलेशअनेक ॥ करताअमरसचापीआजी ॥ ४९ ॥ निप्र
तिकर्माहे ॥ सा० ॥ जाससरीर ॥ वहेवीगुरुनीआणि ॥ सर्वकालप्रसन्नआणि
थीजी ॥ परिसहजितवावाविश ॥ सा० ॥ उपसर्गजेह ॥ दिव्यादिकबहुभे
द ॥ जयकरवोगुणषाणिथीजी ॥ ५० ॥ लाभेंअलाभेंहे ॥ सा० ॥ समचित
राषि ॥ अढारसिलागसहस ॥ सारतेवहेवोनीतपमेजी ॥ तिणेंतरवोएसमुद्र ॥
॥सा०॥चरमकहेवाय ॥ वाहिकरिनेंतेह ॥ तोलवोमेरुनीजकरवमेंजी॥५१॥
सपषोकोलीतेहे ॥ सा० ॥ स्वादरहीत ॥ वेलुतणोजेअचार ॥ खड्गधारापरें
चालवुजी ॥ पीवीअगनिनीझाल ॥ सा० ॥ गंगप्रवाह ॥ चालवुआहमेपुर ॥
निजआतमसूरवेंमालवुजी ॥ ५२ ॥ कोयलोपवननोहे ॥ सा० ॥ सरवोहा
थि ॥ चतूरगवलसघाति ॥ जितवुएकलेप्राणीइजी ॥ साधवोराधावेध ॥सा०॥
जयनीपताक ॥ महेवीअपहीपुर्वं ॥ इ करमुनीपणजाणीइजी ॥ ५३ ॥
इमसासलीहे ॥ सा० ॥ हरष्योकूमार ॥ करजोमीकहेइम ॥ गुरूसलूसाधूप
णकसुजी ॥ इ करकमुनिमतेह ॥ सा० ॥ पणिनहीमुझ ॥ जाणुआधारनु
गुझ ॥ जाणहवेएहकवलझजी ॥ ५४ ॥गुरूतवसापेहे ॥सा०॥ साचुएह॥
जाणेअसारस्वरूप ॥ पणिवहूसवसावनायकीजी ॥ मुझावेवहुजीव ॥सा०॥
थाइमुढ ॥ तिणेंनविचारेस्वरुप ॥ नगणेंअनागतवुधीयकीजी ॥ ५५ ॥ कुल
नवीदेषेहे ॥ सा० ॥ नकरेधर्म ॥ नविमानेउपदेश ॥ मुरपनगणेगुरुप्रतिजी॥
नकरेअपजसविहक ॥ सा० ॥ आचरेतेह ॥ आलोकनेंपरलोक॥ क्लेशनुला
जनजिणगतीजी ॥ ५६ ॥ तिणकारणसूणिहे ॥ सा० ॥ हणवोमोह ॥ कुम
रकहेप्रसूसाच ॥ पणिएउपायहणवातणोजी ॥ कारयसाधेतेह ॥सा०॥ कार
णसेवाजेकरेप्रगटेतास॥ साध्यतणोपुरणपणोजी ॥५७॥ तेतूम्हपासेंहे॥सा०॥
तूह्मपसाय ॥ पामुसवजलपार॥ जिमआयरनिरजामकेंजी ॥ अलपपुन्यहो
इजास ॥ सा० ॥कूयलनवुसी॥गुणमतागुरुलास ॥ नहोइनवीपामीअकेजी ॥

॥ ५८ ॥ तिणेंमुजउपरिहे ॥ सा० ॥ करोउपगार ॥ गुरुबोलेतबवाणी ॥ [illegible]
स्यीतिएआगमतणीजी ॥ संतलावीसवीमग्ग ॥ सा० ॥ केमा[illegible] ॥ [illegible]
वीइआवश्यक ॥ पढीदीपीजेंत्रीप्यसणीजी ॥ ५९ ॥ बोले[illegible] ॥
॥ सा० ॥ कस्योउपगार ॥ दिक्षापिणलेईमुज ॥ पाळवीआमम[illegible]
तिणेंइमजहोस्वामी ॥ सा० ॥ इंमकमुजांम ॥ बऊपरीअनस्युनांहि ॥ [illegible]
पिताआव्योसासलीजी ॥ ६० ॥ हाथणीइबेगेहे ॥ सा० ॥ ते[illegible] ॥ [illegible]
रीप्रणमेपाय ॥ धर्मलासगुरुइदिउंजी ॥ त्रिजेस्वमेढाल ॥ सा० ॥ [illegible]
र ॥ पद्मविजयकहेइम ॥ वेगेचित्तसूणवाकिउंजी ॥ ६१ ॥ [illegible] ॥ [illegible]
तर्नेइमकहे ॥ कांमकरोमुजएक ॥ तातकहेजेकहोतुम्हे ॥ करी[illegible]
क ॥ ६२ ॥ एअसारस्वरुपइम ॥ मानवतबमुसकम्र ॥ संगआनीत्य[illegible]
री ॥ एहमांनहीअवक्ष ॥ ६३ ॥ जीवनजाइजोपसू ॥ अनंगकरे[illegible]
मृत्युतोमुकेनही ॥ जाणोछोतुम्हेजाण ॥ ६४ ॥ योआणालेउविषमी ॥ [illegible]
करुंआचार ॥ सुतस्तेहेंगदगदस्वरें ॥ पुत्रनेंकहेइमकार ॥ ६५ ॥ [illegible]
किस्यु ॥ कालनदिक्षाकोय ॥ कुअरकहेनवीकालछे ॥ जमनोइणिपरि[illegible]
॥ ६६ ॥ बोल्योएकवसदत्तना ॥ परिवारमापुरुष ॥ पिगकनामेंपापपुन्य[illegible]
थिछेजुउनिरष ॥ ६७ ॥ बऊचर्षातिबोलीउ ॥ पणिगुरुवेगेंप्राय ॥ नवी[illegible]
एस्नानमी ॥ कुमरनबोल्याकाय ॥ ६८ ॥ समजाव्योशूलजुकिमी ॥ ते[illegible]
तांविस्तार ॥ मषवधेतिर्णेनवीमसो ॥ परगटएहप्रकार ॥ ६९ ॥ सम[illegible]
वकव्रतमहे ॥ सार्येंप्रस्नवत्तशुद्ध ॥ दिक्षानीअनुमतिदीइ ॥ वसवत्त[illegible]
॥ ७० ॥ ढाल ॥ तटजमुनानोरेअतिरलिआमणोरे ॥ एदेशी ॥ पुत्रनी[illegible]
आव्यानयरमंरि ॥ घोषणापुरवकवान ॥ देतोक्रतोजीनमरचैत्यमंरि ॥ [illegible]
ईमहोछवमान ॥ ७१ ॥ धन २ एहनेंरेजाएयुएहणेपरुंरे ॥ एआंकणी ॥ [illegible]
सतिथीकरणेंरेमुहूर्त्तजोगेंससेंरे ॥ शिविकारुढतिवार ॥ महाहर्षेंकरी[illegible]
वारस्यूंरे ॥ देतोदानअवार ॥ ७२ ॥ धन ॥ मगलतूरवजावतेनिकस्योरे ॥ वि
रुदावलीरेवोलाय ॥ लोकप्रशसादेयीबऊकरेरे ॥ पोहतागुरुनेंरेपाय ॥ ७३ ॥

घन ॥ सीबिकाथीउत्तरीगुरुवदियारे ॥ गुरुइंदिक्खारेदिध ॥ साधूवेषलीधोंहर षेंकरीरे ॥ आतमकारजकिध ॥ ७४ ॥ घन ॥ केईकदिनरहीमासकलपथइ रे ॥ गुरुआयेंकरेविहार ॥ लाषअनेकवरसइमवहिगयारे ॥ पालतानिरतीचा र ॥ ७५ ॥ घन० ॥ इणअवसरिजेजाणिणीमाथमीरे ॥ थयोतसपश्चारेताप ॥ कामहीफुकस्युजिणेंमारयोनहीरे ॥ गयोमुऊदेईसताप ॥ ७६ ॥ घन० ॥ ते णिकारणकायमोकलुलेटणुरे ॥ संदेसोमीठीवात ॥ जोकाईकरताफिरीआवे इहारे ॥ पढेंकरस्युमुखेंघात ॥७७॥ घन० ॥ जिमचिंत्यूंतिमकिधुतिणीइरें ॥ मोकल्युकंबलरत्न ॥ संदेशोवऊसीषवीमोकल्योरे ॥ सोमदेवकरीघणजत्न ॥ ॥ ७८ ॥ घन० ॥ देशवीख्यातप्रवत्तिआचार्यनीरे ॥ पुठीपोहतोतेगाम ॥ सि खिकूमारसाधूनेंसणावतारे ॥ देखिवंधातेठाम ॥ ७९ ॥ घन ॥ घर्मलासदेईपू ठेउलषीरे ॥ किहाथीआववुंतुम्ह ॥ तिणेंपणिख्यतीकससघलोसासीउरे ॥ जा णिणीमोकस्याअम्ह ॥ ८० ॥ घन० ॥ पश्चातापेंदाधीवेहमीरे ॥ तुम्हप्रवत्ति निमीत्त ॥ रिषीकहेपश्चातापस्योएऊनोरे ॥तवतेबोल्योसूचित्त॥८१॥घन०॥ तुम्हेदीक्खालीधीतेकारणेंरे ॥ सूणिचिंतेंमुनीराय ॥ स्नेहकायरपरमार्थदेखेन हीरे ॥ जुउइमकिमकरेमाय ॥ ८२ ॥ घन० ॥ प्रत्युपकारनकरीसकीईकिमें रे ॥ मातपितानोरेकोय ॥ इमचिंतिकहेसोमदेवनेंसूणोरे ॥ मुक्तसवनिरवेदहो य ॥ ८३ ॥ घन० ॥ तिणेंदिक्खालीधीइमजाणजोरे ॥ पणिनहीमायनिरवेद ॥ तवतेकहेषरुपणितूममातनेंरे ॥ उपजेठेअतिषेद ॥८४॥घा॥कहेवराग्युठेइणिप रेंसासखोरे ॥ तूछऊदयहोयनारि ॥चपलस्वसावनेंअविवेकजघणोरे ॥ कामक रुअवीचार ॥ ८५ ॥ घन० ॥ होयकदामहत्त्वीमाअतिघणोरे ॥ पढेंहोइपश्चा ताप ॥ पुरुपतोमहागंसीरहोइघणारे ॥ कोयनेंनकरेसताप ॥ ८६ ॥ घन० ॥ माहरोसाथजाण्याविणस्यूकरस्यूरे ॥ आदस्योपरलोकमग्ग ॥ पणएकवारवदा ववाआवजोरे ॥ नहीतरकिमहोयसग्ग ॥ ८७ ॥ घन ॥ कंबलरत्नलेज्योमुऊ हितकरीरे ॥ बोल्याशिखीअणगार ॥ उत्तरम्हेतूऊसयलोसापीउरे ॥ अनेगुरु आधीनविहार ॥ ८८ ॥ घन० ॥ ऊम्हारेआधीननहीकदारे ॥ पालवीश्रीगुरु

॥ ५८ ॥ तिणेंमुक्तपरिहे ॥ सा० ॥ करोउपगार ॥ गुरुबोलेतवाणी ॥ [illegible]
स्यीतिएआगमतणीजी ॥ संसलावीसवीमग्ग ॥ सा० ॥ केताकरिय ॥ [illegible]
वीइआवश्यक ॥ पढीदीपीजेंत्रीप्यतणीजी ॥ ५९ ॥ बोलेकूमरजी ॥
॥ सा० ॥ कस्योउपगार ॥ दिक्षापिणलेईमुक्त ॥ पालवीआगवस्थीतिसांभ
तिणेंइमजहोस्वामी ॥ सा० ॥ इमकत्नुजांम ॥ बहुपरीअनस्युतारि ॥ कुम
पिताआप्योसासलीजी ॥ ६० ॥ हाथणीइवेगेहे ॥ सा० ॥ तेत्रावव ॥ आ
रीप्रणमेपाय ॥ धर्मलासगुरुइदिउजी ॥ त्रिजेरुमेढाल ॥ सा० ॥ [illegible]
र ॥ पद्मविजयकहेइम ॥ वेगेचित्तसूणवाकिउजी ॥ ६१ ॥ [illegible] ॥ कुम
तनेंइमकहे ॥ कांमकरोमुक्तएक ॥ तातकहेजेकहोतुम्हे ॥ करीस्यूं[illegible]
क ॥ ६२ ॥ एअसारस्वरुपइम ॥ मानवतवमुसकल ॥ सगमनीत्य[illegible]
री ॥ एहमानहीअवल ॥ ६३ ॥ जीवनजाइजोपसू ॥ अनंगकरे[illegible]
मृत्युतोमुकेनही ॥ जाणोगेतूम्हेजांण ॥ ६४ ॥ योआणालेउदिषमी ॥ [illegible]
करुअणगार ॥ सूतरुमेंहेंगदगदस्वरें ॥ पुत्रनेंकहेइमकार ॥ ६५ ॥ बालकतूलो
किस्यु ॥ कालनदिक्षाकोय ॥ कुअरकहेनवीकालछे ॥ जमनोइणिपरिजो
॥ ६६ ॥ बोल्योएकवलवत्तना ॥ परिवारमापुरुष ॥ पिगकनामेंपापपुन्य
चिछेजुउनिरष ॥ ६७ ॥ बहुधर्मतिमोलीउ ॥ पणिगुरुवेगेमाय ॥ नवीबोलुं
एज्ञानमी ॥ कुमरनबोल्याकाय ॥ ६८ ॥ समजाव्योशूलजुक्तिमी ॥ तेकहे
तांविस्तार ॥ मयवधेतिणेंनवीमसो ॥ परगटएहप्रकार ॥ ६९ ॥ समजावो
वकव्रतपहे ॥ सार्थेप्रसवत्तअष्ट ॥ दिक्षानीअनुमतिदीइ ॥ वसदत्तअतीसु
॥ ७० ॥ ढाल ॥ तटजमुनानोरेअतिरलिआमणोरे ॥ एदेशी ॥ पुत्रनीआर्थे
आप्यानयरमांरि ॥ घोषणापुरवकवान ॥ देतोकरतोजीनघरचैत्यमांरि ॥ [illegible]
ईमहोछवहान ॥ ७१ ॥ धन २ एहनेंरेजाप्युएहणेपरुरे ॥ एआंकणी ॥ [illegible]
सतिथीकरणेंरेमुक्तजोगेंसलेरे ॥ शिबिकारुढतिवार ॥ महाहर्षेकरीबहुपरि
वारस्यूंरे ॥ देतोदानअवार ॥ ७२ ॥ धन ॥ मगलतूरबजावतेनिकस्योरे ॥ वि
रुदावलीरेबोलाय ॥ लोकमअसादेषीबहुकरेरे ॥ पोहतागुरुनेंरेपाय ॥ ७३ ॥

व्याधीज्वरदृढदातनेरेलो ॥ बऋजननेंकरेकाल ॥ ४ ॥ मा० ॥ एह० ॥ इम
जाणीनेंञ्प्रादरेरेलो ॥ धरमनाञ्परथीजीव ॥ मा० ॥ राज्यगमीव्रतसारनेंरेलो
पणिनविञ्प्रादरेक्किव ॥ ५ ॥ मा० ॥ एह० ॥ तिणेंमातातूम्हनवीघटेरेलो ॥
मोहरूपविषपांन ॥ मा० ॥ धरमञ्प्रमृतवरपीजीइरेलो ॥ जगतमासारनीधां
न ॥ ६ ॥ मा० ॥ एह० ॥ मायावंतिमानिनीरेलो ॥ जालिणीकहेकरजोमि॥
॥ मा० ॥ पुत्रएधर्ममुऋनेंगमेरेलो ॥ नहिजेहनीजगजोमि ॥ मा० ॥ ७ ॥
॥ एह० ॥ म्हारीञ्प्रवस्थादेषिनेंरेलो ॥ व्रतञ्प्रापेमुऋजोग ॥ मा० ॥ तथञ्प्र
णगारञ्प्रालोचीनेंरेलो ॥ काळवालवनोरोग ॥ मा० ॥ ८ ॥ एह० ॥ सर्वविर
तिनीजोग्यतारेलो ॥ नविदीठीतेहमांहि ॥ मा० ॥ देशविरतीविस्तारथीरेलो ॥
ससलावेउछाह ॥ मा० ॥ ९ ॥ एह ॥ दिधांञ्प्रणुव्रतमातनेंरेलो ॥ तिणीइक
स्याञ्प्रगीकार ॥ मा० ॥ तसविसवासपमानवारेलो ॥ कूमकपटसभार ॥मा०
॥१०॥ एह० ॥ यत ॥ ञ्प्रनृतसाहसमाया ॥ मूर्खत्वमतीलोभता ॥ ञ्प्रशौच
निर्दयत्वच ॥ स्त्रीणांदोषा स्वभावजा ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ एहनेंमारीतोञ्प्रकूरे
लो ॥ जोपामेंवीसवास ॥ मा० ॥ इमचितीञ्प्रगीकस्यारेलो ॥ देखीइसक्तीञ्प्रा
वास ॥ मा० ॥ ११ ॥ एह० ॥ हवेमुनीवरजवउठिञ्प्रारेलो ॥ तवविनवेमुनी
माय ॥ मा० ॥ ञ्प्राजसोजनतूम्हेंइहांकरोरेलो ॥ तववोल्यारीषीराय ॥ मा०॥
॥१२॥एह०॥ मातजीञ्प्रमनेंघटेनहीरेलो॥साध्योठेञ्प्रणाचार॥मा०॥मधूकरव
त्तिगमीनेंरेलो ॥ मुनीवरनविकरेञ्प्राहार ॥ मा० ॥ १३ ॥ एह० ॥ तवजा
लिणीवोलीतिहांरेलो ॥ तूम्हेजाणोवळएह ॥ मा० ॥ मुनीवरनिजयानिकग
यारेलो ॥ इमप्रतीदिनञ्प्रसनेह ॥ मा० ॥ १४ ॥ एह० ॥ हवेचितचितवेजा
लिणीरेलो ॥ मारवाएहनेंउपाय ॥ मा० ॥ सूक्ष्मनवीजमयोमुऋनेंरेलो ॥ क
रिइहवेकहोकांय ॥ मा० ॥ १५ ॥ एह० ॥ पनदसिदिनहवेञ्प्राविउरेलो ॥
सऋइकस्याउपवास ॥ मा० ॥ गोचरीकोइननिकस्यारेलो ॥ करताध्यांनञ्प्र
भ्यास ॥ मा० ॥ १६ ॥ एह० ॥ जालिणीजाणीचितवेरेलो ॥ मारुनहिजो
कालि ॥ मा० ॥ तोहवेएहजास्येसहीरेलो॥पञ्चसघीपयोकाल ॥मा० ॥१७॥

ध्यांण ॥ मुनिनेंकवलरत्नघटेनहीरे ॥ वलीगुरुकहेतेप्रमांण ॥ [illegible]
तवकोईमुनिश्गुरुदेखावी प्रारे ॥ जईकसोसकलदत्तांत ॥ कुमरत[illegible]
यीवोहरीडरे ॥ कवलरत्नतेथांति ॥ ९० ॥ धन० ॥ [illegible]
स्येरे ॥ माम्युसणवाजेसूत्त॥ तेसपुरणमास्येजवसहिरे ॥ तवए[illegible]
॥ ९१ ॥ धन॥ एसांतलीनेंघणराजीयथोरे ॥ भिजेरबनिएढाल॥ [illegible]
नारासमांबारमीरे ॥ कहिपदमेंसूरश्राज ॥ ९२ ॥ धन ॥दुहासोरठी ॥ [illegible]
वगुरुपास॥ कालकेतोईकरहीकरी॥ आम्योनीजआवास ॥ [illegible]
रतपे॥ ९३ ॥दुहा॥ अन्यदिनेंगुरुआवीआ॥ नयरकोसआवास ॥ [illegible]
नामुखथकी॥ सासलेगुरुचासन्ना॥ ९४ ॥परलोकेंपोहतोपिता॥ सिरिकूमर[illegible]
साच ॥ मुनीसार्थेकेईमोकले ॥ सिरिकूमारग्रुसवाच ॥ ९५ ॥ पोहता[illegible]
नयरपछे॥ उतरीआउथाना॥वातलोकमांविस्तरी॥ सासलज्योश्राबथान[illegible]
सिरिकुमरसाधूजीके ॥ आम्याअहोअणगार ॥ रायनगरजनपरिकरत्ना ॥
वधावारोवार ॥ ९७ ॥ ढाल ॥ हवेनहीआवुमहीवेचवारेलो ॥ एदेशी ॥ [illegible]
नाकरीगुरुराथनेंरेलो ॥ वेगसूणवाधर्म ॥ मारावाल्हाजीहो ॥ गुरुपकि[illegible]
पणीकथारेलो ॥ कहेतांविश्श्रिवशर्म ॥ ९८ ॥ म्हा० ॥ एहवागुरुरेफिरी
हिमीलेरेलो ॥ एआंकणी ॥आवरज्यासवीलोकनेंरेलो ॥ गयासहुनिज १ गेह
॥म्हा० ॥ हवेबिजेदिनमुनीवरुरेलो ॥ सिरखीकूमरसश्नेह ॥ ९९ ॥ म्हा० ॥
एह० ॥गयानीजमातपासेंहवेरेलो ॥ विषयारुपतेतास ॥म्हा० ॥[illegible]
रीगयारेलो ॥ अतिडरवलडरववास ॥१००॥ म्हा० ॥ एह० ॥ तिणेंनिज
मातनउलषीरेलो ॥ तिणेंउलख्योमुनीराय ॥ म्हा० ॥ मायास्वसार्वेरोती[illegible]
रेलो ॥ अश्रुपातबहुथाय ॥ १०१ ॥ म्हा० ॥ एह० ॥ आसासनामुनी[illegible]
करेरेखो ॥ देशनादेषेतांम ॥ म्हा० ॥ मातजीसेवदनकीजीईरेलो ॥ एसआर[illegible]
खधांम ॥२ ॥ म्हा० ॥ एह० ॥ धर्म्येसयर्णेपराक्रमेंरेलो ॥ [illegible]
य ॥ म्हा० ॥ देवअसूरपसुहामिलेरेलो ॥ मरणमजीतेकोय ॥ म्हा० ॥
॥३ ॥ एह० ॥ मरणहरीजगमांसमेरेलो ॥ आपदाशतनरखजाल ॥ म्हा० ॥

ग्याधीज्वरदृढवातढेरेलो ॥ बहुजननेंकरेकाल ॥ ४ ॥ मा० ॥ एह० ॥ इम जाणीनेंआदरेरेलो ॥ धरमनाअरथीजीव ॥ मा० ॥ राज्यठामीव्रतसारनेंरेलो पणिनविआदरेक्लिव ॥ ५ ॥ मा० ॥ एह० ॥ तिणेंमातातुम्हनवीघटेरेलो ॥ मोहरूपविषपान ॥ मा० ॥ धरमअमृतवरपीजीइरेलो ॥ जगतमासारनीधान ॥ ६ ॥ मा० ॥ एह० ॥ मायवंनिमानिनीरेलो ॥ जालिणीकहेकरजोमि ॥ ॥ मा० ॥ पुत्रएधर्ममुक्तनेंगमेरेलो ॥ नहिजेहनीजगजोमि ॥ मा० ॥ ७ ॥ ॥ एह० ॥ म्हारीअवस्थादेषिनेंरेलो ॥ व्रतआपोमुक्तजोग ॥ मा० ॥ तवअणगारआलोचीनेंरेलो ॥ काढवातवनोरोग ॥ मा० ॥ ८ ॥ एह० ॥ सर्वविरतिनीजोग्यतारेलो ॥ नविदीठीतेहमांहि ॥ मा० ॥ देशविरतीविस्तारथीरेलो ॥ ससलावेउछाह ॥ मा० ॥ ए ॥ एह ॥ विधांअणुव्रतमातनेंरेलो ॥ तिणीइक रयाअगीकार ॥ मा० ॥ तसविसवासपमाणवारेलो ॥ कूमकपटसमार ॥मा० ॥१०॥ एह० ॥ यत ॥ अनृतसाहसमाया ॥ मूर्खत्वमतीलोलता ॥ अशौच निर्दयत्वच ॥ स्त्रीणांदोषा स्वभावजा ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ एहनेंमारीतोशकूरेलो ॥ जोपामेंवीसवास ॥ मा० ॥ इमचिंतीअगीकस्योरेलो ॥ देखीइसक्तीआमास ॥ मा० ॥ ११ ॥ एह० ॥ हवेमुनीवरजबउठिआरेलो ॥ तवविनवेमुनीमाय ॥ मा० ॥ आजसोजनतुम्हेंइहाकरोरेलो ॥ तववोल्यारीपीराय ॥ मा० ॥ ॥१२॥एह०॥ मातजीअमनेंघटेनहीरेलो॥साप्योढेअणाचार॥मा०॥मधूकरवत्तिठामीनेंरेलो ॥ मुनीवरनविकरेआहार ॥ मा० ॥ १३ ॥ एह० ॥ तवजालिणीबोलीतिहांरेलो ॥ तुम्हेजाणोवढएह ॥ मा० ॥ मुनीवरनिजथानिकगयारेलो ॥ इमप्रतीदिनशसनेह ॥ मा० ॥ १४ ॥ एह० ॥ हवेचिंतचिंतवेजालिणीरेलो ॥ मारवाएहनेंउपाय ॥ मा० ॥ सूक्ष्मनवीजाण्योमुक्तनेंरेलो ॥ करिइहवेकहोकांय ॥ मा० ॥ १५ ॥ एह० ॥ चउदसिदिनहवेआविउरेलो ॥ सहुइकस्याउपवास ॥ मा० ॥ गोचरीकोइनंनिकल्यारेलो ॥ करताध्यांनअभ्यास ॥ मा० ॥ १६ ॥ एह० ॥ जालिणीजाणीचितवेरेलो ॥ मारुनहिंजो कालि ॥ मा० ॥ तोहवेएहजास्येसहीरेलो॥पच्छुसधीपयोकाल ॥मा० ॥१७॥

॥ एह० ॥ बिजोउपायश्हानहीरेलो ॥ कालिकरुकच्चार ॥ मा० ॥ तालपुट विषजुतलामुतेरेलो ॥ च्चापुकालिसबारि ॥ मा० ॥ १८ ॥ एह० ॥ मुनीवर सजमम्हालतारेलो ॥ नलहेदूरजमबात ॥ मा० ॥ परमतिपेसेमहीरेलो ॥ च रमेंरगाणीघात ॥ मा० ॥ १९ ॥ एह० ॥ श्रीजेरवमेंतेरमीरेलो ॥ पद्मविजय कहिढाल ॥ मा० ॥ मुनीगुणगातांमोदस्यूरेलो ॥ पामेंमगलमाल ॥ मा० ॥ ॥ २० ॥ एह ॥ दुहा ॥ श्मकरताजोनवीलीइ ॥ च्चापहथीविकच्चाहार ॥ हा थेंच्चापुहर्षजिम ॥ तेमोदिकतश्यार ॥ २१ ॥ मारुश्णिपरिमोदस्यू ॥ करवुं तेसघलुकाम ॥ सोजनलेईस्तलीसांतिस्यू ॥ जालिनीचालीजाम ॥ २२ ॥ मां मप्रसातपयोतिहा ॥ पोहतीउपवनपास ॥ दिठिमुनीश्टष्टिपी ॥ सर्वेतेएहवी सास ॥ २३ ॥ माताकिमच्चाव्यातुम्हे ॥ एकाकिएवार ॥ च्चणघटतोकांईच्चा हारनें ॥ लेईच्चाव्यांगेल्हार ॥ २४ ॥ जटिणीबोलीजालिनी ॥ सांसलोसावि घात ॥ पोतेपुण्यउपायवा ॥ सोजनलावीसांति ॥ २५ ॥ ढाल ॥ चिवोमरा ढारे ॥ एदेशी ॥ सासलोतूमेमातरे ॥ च्चणाचारएस्यातरे ॥ निपजातएच्चा हारच्चह्मारेकारणेंरे ॥ २६ ॥ साहमोवलीच्चायोरे ॥ तिणेंच्चम्हनसोहायोरे ॥ ससलायोसघलोविधीमुनीरायनोरे ॥ २७ ॥ तवबोलीतेहरे ॥ देषाडेसनेहरे ॥ वछएहपरिमुकच्चातानवीहोईरे ॥ २८ ॥ जोनलीउंच्चाहाररे ॥ म्हारोचीतच्च चताररे ॥ तुम्हविह्नारतेच्चमपुरेनिष्फलमनथवेरे ॥२९ ॥ तिणेच्चवश्यएकरवु रे ॥ बिजुवयणनथरवुरे ॥ मरवुच्चम्यथामुकताहरानेहथीरे ॥ ३० ॥ पर्नेप मीश्मसाषीरे ॥ सकमुनीवरसाषीरे ॥ माषीजिममधउपरतिमउठेनविकिमेरे ॥ ३१ ॥ मुनीसरलस्वसावेंरे ॥ चित्तेश्मतावेरे ॥ जुउसदसावमातानोकेहवो रे ॥ ३२ ॥ धर्मसरधाकेहविरे ॥ पुत्रस्नेहीनएहवीरे ॥ रषेजेहवीएथायअस्त्र विणपोयणीरे ॥ ३३ ॥ मोलेमुनीरायरे ॥ सांसलोतुम्हेमायरे ॥ नवियायए च्चाहारदोषीलोच्चमथकीरे ॥ ३४ ॥ गुरुलाघवदोसरे ॥ चितवीगतरोसरे ॥ श्रुसपोसकारणकहेमातनेश्णीपरिरे ॥ ३५ ॥ तुमच्चापहेंएहरे ॥ लेस्यूगत नेहरे ॥ मुनीमाटेरेहच्चारसनकिजीइरे ॥ ३६ ॥ जालिनीतवजपेरे ॥ कुंपत्न

म्हनेंलूपेरे ॥ हमणांतोसपेंआहारकरोसक्षरे ॥ ३७॥ बोलेमुनीतुम्हेआपोरे सक्षरूपीनेंयापोरे ॥ करिजापोनेक्षपिणलेस्यूआहारनेंरे ॥ ३८ ॥ जालीनी कहेवारुरे ॥ मातवाठस्यवारुरे ॥ कस्युकामदिदारुरापीमुझजीषतीरे ॥ ३९॥ मुझहार्थेकिजेंरे ॥ पारणमानीजेंरे ॥ सवनुफललीजेंमानीमुझकह्युरे ॥४०॥ सिखिकूमरनेंषयणेरे ॥ बेगसक्षमुनीजयणेरे ॥ सायणेंसोजनकयारतेपीर स्योरे ॥ ४१॥ सक्षशकिषोआहाररे ॥ हवेग्रीरवीअणगाररे ॥ साजनेकयार सेसतेपीरस्योरे ॥ ४२ ॥ तालपुटविषघाल्योरे ॥ तेलाफुर्डआल्योरे ॥ सोजन माचाल्योतेपणिअनुक्रमेंरे ॥ ४३ ॥ विषवेगेंघारयोरे ॥ सिखीकुमरेंविचा स्योरे ॥ किमएमुझधास्थोचित्तमांशणपरेंरे ॥ ४४ ॥ मुनीवरसक्षजोयारे ॥ सावधांनपलोयारे ॥ अगीतआकारगोपायाएहवेरे ॥ ४५ ॥ थईवेलाजामरे गईवाघातामरे ॥ मनचिंतेआमहवेनवीजीवयुरे ॥ ४६ ॥ पन्नावरणीपीठरे मुनीश्तवदीठरे ॥ देषीतवरीठआकुलव्याकूलययारे ॥४७॥ जालिणीपणिश्म रे ॥ मुनीचिंतेकेंमरे ॥ जननीपईप्रेममुकीकरेएहवुंरे ॥ ४८ ॥ जांणीझेरवि चोसरे ॥ अणयाणउदेचारे ॥ करेलेयनरवेदतेसिषिमुनीकोयस्यूरे ॥ ४९ ॥ म नचिंतेएहरे ॥ यईवातएकेहरे ॥ सयारसनेहधिगहोश्मकहेरे ॥ ५०॥ चि स्युहतुश्मरे ॥ मातनेजईनेमरे ॥ घरीप्रेमनेंधर्मपमाफस्यूसलीपरेंरे ॥ ५१ ॥ केयापीमुकावुंरे ॥ सलीधर्ममांठावुंरे ॥ श्ममनलावुपणिहवेस्यूकरुंरे ॥५२॥ अपजसवक्षयास्येरे ॥ यकासक्षलासेरे ॥ पणिश्मनविमासेमाताएकिमकरेरे ॥ ५३ ॥ वातपूर्वलीजाणेरे ॥ लोककहेअन्नाणेरे ॥ धिगमुझशणठांणेजननी उस्कदिजेरे ॥ ५४ ॥ सयारएरीतीरे ॥ नविकरीइअनीतीरे ॥ पणिअभितेंअप जसविस्तरेरे ॥ ५५ ॥ केईककरेदोसरे ॥ पणिजसनोपोषारे ॥ एहमांनही रोसकरयासक्षसोगवेरे ॥ ५६ ॥ करयांकर्मतेआव्यारे ॥ एकारणताव्यारे ॥ मुझउस्कपीधाव्यांमाताकिणेंपरेंरे ॥ ५७ ॥ अथवास्योशोकरे ॥ शिवभिज तेरोकरे ॥ घरमजेउंकनोतेहपमाफीजेरे ॥ ५८ ॥ तिणेंचितानकिजेरे ॥ नव पदअमरीजेरे॥ सिजेंश्मलाहोनरसवकेरमोरे॥ ५९॥ शुलसावनायुत्तरे ॥ नव

कारसजुत्तरे ॥ निजभ्रातमगुत्तकरीकरीकालनेंरे ॥ ६१ ॥ ब्रह्मलोकमांजा योरे ॥ नवसागरआयोरे ॥ देवपायोलछीसमागमविमानमांरे ॥ ६२॥ जाणी णिपणमुश्शेअनुकरमेंझरेरे ॥ अधारीकुईसमसर्करानरगमांरे ॥ ६१ ॥ पछि सागरआयोरे ॥ एतोमहाडुक्खपायोरे ॥ मुनीरायनेंहिंशानुफलएहकुरे ॥ ६४॥ धिजोसवश्मरे ॥ सूरसवस्यूंप्रेमरे ॥ नरसवसूखवेमेंसमरादित्यनोरे ॥ ६३ ॥ खमत्रीजेसापीरे ॥ ढालचौदमीदाषीरे ॥ श्हासारखीतेसमरादित्यचरीभजेरे ॥ ॥ ६५ ॥ माहसूदिदिनत्रीजेरे ॥ सपूरणकिजेरे ॥ गामलिबमीमांहिंबदिजेहे जस्यूरे ॥ ६६ ॥ गुरुपीमाविजयोरे ॥ जिनविजयोसूजयोरे ॥ तससीशप योउत्तमचीजयमनोहरूरे ॥ ६७ ॥ सिद्धांतअस्यासीरे ॥ तसअंतेवासिरे ॥ वचनविलाशीपद्मविजयकहेरे ॥ ६८ ॥ इतिश्रीसबिझपक्षीयपमीत्तप्रवर श्रीमदूत्तमविजयगणि ॥ शिष्यप० ॥ पद्मविजयग० विरचितेश्रीसमरादी त्यचरीत्रेप्राकृतबंधेसिखिकुमारजालीएयोसगतयोतृतियोनरसव समाप्त सर्वगाथातृतियखमे ॥ ४६८ ॥ उक्तगाथा ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ दुहा ॥ श्रीसीमधरसाहिबा ॥ विचरतावीतराग ॥ समवसरणमांसोहता ॥ सवलूजससोलाग ॥ १ ॥ श्रीगुरुनेंवलीशारदा ॥ प्रणमुप्रेमेंपाय ॥ समरादि त्यनारासमां ॥ चोथोखमचितलाय ॥ २ ॥ धनकुमारनेंधनसिरी ॥ दपतीचा श्वोय ॥ सद्धनसूणज्योतेसवे ॥ हवेतेंकिणीपरेंहोय ॥ ३ ॥ सूणस्येंतेगुणस्ये सरवर ॥ समरादित्यनोखावा॥ जासप्रमादेंजायस्ये ॥ लहेस्येनतेआह्लादा॥४॥ वरजोविकथावेगस्यू ॥ सहुनेंटलेसताप ॥ विकथाथीवारुबमो ॥ उघ्योनसूणे आप ॥ ५ ॥ ढाल ॥ प्रथमगोवालातणेंसर्वेजी ॥ एदेशी ॥ जंबुद्वीपनासरत मांजी ॥ सुशर्मनयरउदार ॥ नित्यउत्सवआणदमांजी ॥ देवलोकअनुहार ॥ ॥ ६ ॥ सवीकजनसूणीश्यरीत्ररशाल ॥ पापनियाणटालि ॥ स० ॥ जे॰ होयजजाल ॥ सवि० ॥ एआंकणी ॥ नित्यनाटिकतेनयरमांजी ॥ गुणिज नगुणगवराय ॥ रुपवेसरतीआगलिजी ॥ ॥ ७ ॥ स० ॥ परउपगारपरायणोजी ॥ महाजन ॥

ी ॥ सूघणसूसरतार ॥ ८॥ स० ॥ नगरजेगतेनयरमाजी ॥ राज्यमानगु
ष्पत ॥ दिनअनाथजनवल्लूजी ॥ वेसमणनामकहत ॥ ए ॥ स० ॥ पणिवै
भमणविसर्वेकरीजी॥हयकोडतनिदान॥ अणवरगनीतआचवेजी॥ सारथवाह
सुजांण ॥ १० ॥ स० ॥ कुलरुपविसर्वेसारीषीजी ॥ सिरियानामेंनारि ॥ प
चविषयसूखसोगवेजी ॥ स्नेहेंस्त्रीतरतार ॥ ११ ॥ स० ॥ लषमीनुलेषुनही
जी ॥ पणिसतानानकोय ॥ आयउपायघणाकरेजी ॥ पणिनवीकारयहोय ॥
॥ १२ ॥ स० ॥ इणअवसरतेनयरमाजी ॥ जक्षनामेंधनदेव ॥ सानिधकर
तोलोकनीजी ॥ शणिपणिकीधीसेव ॥ १३॥स० ॥ पुजाकरीइमसाषीउजी ॥
जोमुकतुकअनुताव ॥ पुत्रहोस्येंतोनयरस्यूजी॥पुजाकरुशूससाव ॥ १४ ॥
॥ स० नामतुम्हारुथापस्यूजी ॥ सूतनुकनिरधार ॥ मध्यमवशतेवर्त्ततांजी॥
दंपतिईणिसमेसार ॥ १५॥स० ॥ ब्रह्मलोकथीदेवताजी॥ चविलीधोअवता
र ॥ जिवसिरिवकूमारनोजी ॥ सिरियाकूंषिमझारि ॥ १६ ॥ स० ॥ सूपनें
गजवरपेषतीजी ॥ उज्वलउचिरेकाय ॥ मदझरतोमोहेघणकजी ॥ मधूकरने
समुदाय ॥ १७ ॥ स० ॥ सूमादकचपलघणोजी ॥ रक्तताळूचउदत ॥ कनक
आकलेसोहतीजी ॥ घटाजुगलमहंत ॥ १८॥ स० ॥ लोचनजेहनांघुमतां
जी ॥ रक्तचमरेंसोहेचयण ॥ कुसस्थलेंअकूसरहीजी ॥ प्रातसमेनेंरयणि ॥
॥ १९ ॥ स० ॥ वदनेंउदरमापेसतोजी ॥ देखीजागीजाम ॥ ससलावसरतार
नेंजी ॥ सूणीहरप्योतेतांम ॥ २० ॥ स० ॥ सयणसयलगणनायकोजी ॥ पु
त्रतेहोस्येरतन्न ॥ हरषेंसूणीआदरघणेंजी ॥ करतीगर्त्तजतन्न ॥ २१ ॥ स०॥
शुसमुहूरतेंअनुक्रमेंहवेजी ॥ जनम्योतेहकूमार ॥ दासीइदिधवधामणीजी॥
सारथवाहनेंसार ॥ २२ ॥ स० ॥ सतोषीदासीप्रतेंजी ॥ देवरावेमहादाण ॥
जनममहोछवतेकूमारनोजी ॥ करतोसेठसूजाण ॥ २३ ॥ स० ॥ एकमासइं
मवहीगयोजी ॥ हवेसऊनयरसघाय ॥ यक्षआगवरस्यूगयोजी ॥ वालकले
ईनिजहाथ ॥ २४ ॥ स० ॥ धनदेवजक्षनेंदेहरेजी ॥ उछवकरीयअपार ॥
पायनमामीयापीउजी ॥ नामतेधनकुमार ॥ २५ ॥स०॥ कुमरसावअनुक्रमें

कारसजुत्तरे ॥ निजभ्रातमगुत्तकरीकरीकालनेंरे ॥ ६० ॥ ब्रह्मलोकमांजा योरे ॥ नवसागरआयोरे ॥ देवपायोलक्ष्मीसमागमविमानमारें ॥ ६१॥ जाली णिपणमुरोअनुकरमेंऋरे ॥ अधारीकुईसमसर्करानरगमारे ॥ ६२ ॥ भणि सागरआयोरे ॥ एतोमहाडुखपायोरे ॥ मुनीरायनेंहिआनुफलएहबुरे॥६३॥ त्रिजोलवश्मरे ॥ सूरलवस्यूप्रेमरे ॥ नरसवसूरवर्षेमेंसमरादित्यनोरे ॥ ६४ ॥ खमत्रीजेसापीरे ॥ ढालचौदमीदापीरे ॥ इहासारवीतेसमरादित्यचरीत्रजेरे ॥ ॥ ६५ ॥ माहसुदिदिनत्रीजेरे ॥ सपूरणकिजेरे ॥ गामलिबमीमांहिबदिजेहे जस्यूरे ॥ ६६ ॥ गुरुपीमाविजयोरे ॥ जिनविजयोसूजयोरे ॥ तससीशाय योउत्तमवीजयमनोहरूरे ॥ ६७ ॥ सिश्यातअत्यासीरे ॥ तसअतेबासिरे ॥ वचनविलाशीपद्मविजयकहेरे ॥ ६८ ॥ इतिश्रीसविज्ञपक्षीयपमीतप्रवर श्रीमदूत्तमविजयगणि ॥ शिष्यप० ॥ पद्मविजयग० विरचितेश्रीसमरादी त्यचरीत्रेप्राकृतबधेसिखिकुमारजालीएयोसगतयोतृतियोनरसव समाप्त सर्वगायातृतियरवमे ॥ ४६८ ॥ उक्तगाथा ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ उहा ॥ श्रीसीमधरसाहिबा ॥ विचरतावीतराग ॥ समवसरणमांसोसता ॥ सबलूजससोसाग ॥ १ ॥ श्रीगुरुनेंवलीशारदा ॥ प्रणमुप्रेमेंपाय ॥ समरादि त्यनारासमां ॥ चोथोरवमचितलाय ॥ २ ॥ धनकुमारनेंधनसिरी ॥ दपतीया इदोय ॥ सद्गुनसूणज्योतेसवे ॥ हयेतेंकिणीपरेंहोय ॥ ३ ॥ सूणस्येंतेमुणस्ये सरवर ॥ समरादित्यनोस्वाद ॥ जासमभमार्देजायस्यें ॥ लहेस्येनतेआल्हाद॥४॥ वरजोविकयावेगस्यू ॥ सङ्गुनेंटलेसताप ॥ विकयाथीवारुवमो ॥ उघ्योनसूणें आप ॥ ५ ॥ ढाल ॥ प्रथमगोवालातर्णेंसवेंजी ॥ एदेशी ॥ जुबुद्वीपनासरत मांजी ॥ सुशर्मनयरउदार ॥ नित्यउत्सवप्राणवमांजी ॥ देवलोकअनुहार ॥ ॥ ६ ॥ सवीकजनसूणीइपरीभरशाल ॥ पापनियाणटालि ॥ स० ॥ जेहथी छोयजजाल ॥ सवि० ॥ एआंकणी ॥ नित्यनाटिकतेनयरमांजी ॥ गुणिज नगुणगवराय ॥ रुपवेसरतीआगलिजी ॥ नारीतणोसमुदाय ॥ ७ ॥ स० ॥ परउपगारपरायणोजी ॥ महाजननिवशेअपार ॥ भरीगजस्युकेशरीसमो

उचीत्तकरेजेहरे ॥ जिववुतेहवु ॥ सफलुसाघ्युसात्तमांए ॥ ४९ ॥ अणवर्ग नुमुलरे ॥ अर्थउपार्जस्यू ॥ तातनेंकहोकिरपाकरोए ॥ ५० ॥ नदेंविनव्योसे ठरे ॥ सेठकहेतूम्हो ॥ साघोवठनेंशणिपरेंए ॥ ५१ ॥ सेठसकथीअर्थेरे ॥ व कताहरेघरे ॥ मनशनितघोवावरोए ॥ ५२ ॥ नदकहेसूणोतातरे ॥ एहकम्नुष रू ॥ पणिएहनीश्मरूचिनहीए ॥ ५३ ॥ सेठकहेजिमसूखरे ॥ उपजेतिमक रो ॥ नदेंकम्नुसवीधनप्रतेंए ॥ ५४ ॥ आणपामीतायरे ॥ हरष्योघनहवे ॥ करेसामघीतेहनीए ॥ ५५ ॥ किरियाणाबकलीघरे ॥ उदघोषणाहवे ॥ नगर माहितेकरावतोए ॥ ५६ ॥ सारथवाहसुतधन्नरे ॥ तामलिप्तिजस्यें ॥ जावु होश्तोसाथठेए ॥ ५७ ॥ जेहनेंजोईश्तासरे ॥ देस्येंरिकस्यू ॥ वस्त्रअन्नउंषध सकश्ए ॥ ५८ ॥ सांसलीर्संमन्योलोकरे ॥ तामलिप्तीजवा ॥ घनसिरीचितहरषी घणुए ॥ ५९ ॥ जास्येघनपरदेशरे ॥ तवरुमुयस्ये ॥ स्वेठाश्प्रमेघीचरस्यूए ॥ ॥ ६० ॥ गमनदिवसआव्यन्नरे ॥ आव्योतवसूण्यु ॥ नंदपणसार्येजायस्येंए ॥ ॥ ६१ ॥ सुणोस्वामीपरदेशरे ॥ तुम्हेंतोजायस्यो ॥ मायाकरीघनवतीकहेए ॥ ॥ ६२ ॥ सिगतीघास्येमुकरे ॥ कहवेस्यूकरूं ॥ तवधनकूमरतेबोलीआए ॥ ६३ ॥ सासूम्नुसराञोवरे ॥ तूम्हेकरज्योश्हां ॥ कपणिवेहेलोआवस्यूए ॥ ६४ ॥ मा याजलस्तरीनयणरे ॥ बोलीधनसीरी ॥ गुरुजनमुकरूदर्येवसेए ॥ ६५ ॥ प णिमुकमुंकीजाउरे ॥ जोतुम्हेस्वामीजी ॥ तोकप्रांणअवश्यतजुए ॥ ६६ ॥ न हिमुकजीवनकामरे ॥ तुम्हविजोगथी ॥ श्मकहीउच्चस्वरेंरूश्ए ॥ ६७ ॥ आ वीजननीतामरे ॥ घनकूमारनी ॥ आदरथीउसाघयाए ॥ ६८ ॥ घनसिरीग ईनीजठामरे ॥ शिषामणदिश ॥ सावकनोजाणीउए ॥ ६९ ॥ वेश्यातरहोय दिर्घरे ॥ सगमदोहिला ॥ सूलतविजोगतेनीपजेए ॥ ७० ॥ केत्रघणोहोश्पु त्तरे ॥ अर्थउपार्जता ॥ मुलविपावर्नुएहवेए ॥ ७१ ॥ सकलगुणेसपूर्णरे ॥ तूंहे यघपी ॥ तोपिणतुकनेंसापीश्ए ॥ ७२ ॥ पिमातेकरज्योनित्यरे ॥ खबरकहा वज्यो ॥ वाटजोउबुताहरीए ॥ ७३ ॥ मातप्रमाणतुकआणिरे ॥ घनकूमरक हे ॥ आवीसदेज्योरूअमीए ॥ ७४ ॥ घनसिरीपीहरपाशरे ॥ मागीआगना

आसोजी ॥ चोथेपंमेरेश्म ॥ प्रथमढालपदमेंकहीजी ॥
॥ २६ ॥ स० ॥ दुहा ॥ नारकीमांथीनीकली ॥ जालिणीनोहवेजीव ॥
तासआरमां ॥ अनुसवेंदूखअतिव ॥ २७ ॥ अनतरसवेंमहानची ॥
कष्टअत्यत ॥ वसेतेनयरेंवांणीउं ॥ पुर्णसदपून्यवत ॥ २८ ॥
हनी ॥ तसकुरवेंअवतार ॥ पुत्रीपणेंतेप्रगटिउं ॥ जनमीतेहजीवार ॥
घणसीरीनामतेदीघलू ॥ जौवनपामीजाम ॥ दिठीधनकुमरेंतदा ॥ रतिरुपें
अतीरांम ॥ ३० ॥ पुर्वमैत्रीनागुणपणें ॥ असिलाषाइश्म ॥ दृष्टीकीकेरीय
तो ॥ पुरणआणीप्रेम ॥ ३१ ॥ पुरवनामत्सरपणें ॥ घणसिरिजुस्तेषम ॥
मेदेवपुरोहीतसूते ॥ तेहकुमरनुतन्न ॥ ३२ ॥ सावलप्योतिणेंसखीपरें ॥
मणेंजाणीवत्त ॥ पुरणसदनेप्रार्थिउं ॥ घणसीरीघणनीमित्ता ॥ ३३ ॥ आपसुं प
रस्परविझजणें ॥ वरत्योतिहांविवाह ॥ हरप्योधननिजहैयमझे ॥ ध
णसिरीवाह ॥ ३४ ॥ ढाल ॥ मुनीवरआर्यसूहस्ती ॥ एदेशी ॥ इणिअवसर
एकदासरे ॥ घरदासीजणयो ॥ नदनामेंसोहामणोए ॥ ३५ ॥ अगनीशर्मास
यतेहरे ॥ मित्रतापसहतो ॥ गुरुवैयावसकारणोए ॥ ३६ ॥ घणसिरीस्यूंसन
वामिरे ॥ यर्हतेनदनें ॥ स्त्रीसगेसूरवअनुसवेए ॥ ३७ ॥ सोगविटमणाप्रायरे ॥
सोगवतांयकां ॥ शरदसमयएकदिनहवेए ॥ ३८ ॥ रमवानेंउद्यानरे ॥ धन्य
कूमरगया ॥ सार्थेबहुपरीवारस्यूए ॥ ३९ ॥ सम्टक्वत्तश्णनांमरे ॥ सारधवा
हसूत ॥ दिठेदांनदेतांथकांए ॥ ४० ॥ निजकरअरजितऋद्धिरे ॥ जेपरवेश
यी ॥ लावीनेंसफलीकरेए ॥ ४१ ॥ चिंतेधणधन्नएहरे ॥ परउपगारीउ ॥ इ
णीपरेंलषमीवावरेए ॥ ४२ ॥ आमणदूमणोश्मरे ॥ नददेषीकहे ॥ स्येदूसा
शास्वामिजीए ॥ ४३ ॥ साष्योनीजअसीप्रायरे ॥ नंदकहेतदा ॥ सिउणीमठे
तुम्हघरेए ॥ ४४ ॥ तुम्हघरिद्रव्यअनतरे ॥ दानआपोतुम्हे ॥ एहयकीसूखी
सेपयीए ॥ ४५ ॥ धनकहेएसीवातरे ॥ पुर्मपुरुषरस्या ॥ तेंदेतांकिमसोसीइ
ए ॥ ४६ ॥ करीकमाईहाथरे ॥ जेदिश्दाननें ॥ तसकिरतीवाधेघणीए ॥ ४७ ॥
तिणेंविनवोतुम्हेतायरे ॥ परदेशेंजवा ॥ करूकमाईहाथस्यूए ॥ ४८ ॥ काल

॥ सू० ॥ चितवीवोलेताम ॥ पु० ॥ कहोस्यूंकरीश्वूझनेरे ॥ सू० ॥ तवनवी
वोलेजाम ॥ ९२ ॥ पु० ॥ चितवेघनकांईहारीउेरे ॥ सू० ॥ मागीसकेनही
तेण ॥ पु० ॥ श्मजांणीकहेनदनेरे ॥ सू० ॥ पुठेजईएहकोण ॥ ९३॥ पु०॥
वाहिरजुघटिश्राएफीरेरे ॥ सू० ॥ स्योएहनोअपराध ॥ पु० ॥ नदेनीकलोपु
ठीउेरे ॥ सू० ॥ स्योअपराधअगाध ॥ ९४ ॥ पु० ॥ सोलसोनश्आहारिउेरे॥
॥ सू० ॥ वचनेंअलसस्यूएह ॥ पु० ॥ रोक्योपणिठिद्रपामिनेंरे ॥ सू० ॥ आ
विपेठेश्हाजेह ॥ ९५ ॥ पु० ॥ नंदकसुघनकुमरनेंरे ॥ सू० ॥ तववोल्याते
कूमार ॥पु०॥ सोलसूवन्नआपोएहनेंरे ॥ सू० ॥ तवआप्यातिणीवार ॥९६॥
॥ पु० ॥ गयाजुआरीतेसफूरे ॥ सू० ॥ कुअरसापेतास ॥ पु० ॥ मुकोविषाद
उठोतुम्हेरे ॥ सू० ॥ उपमकरोसूवीलास ॥ ९७ ॥ पु० ॥ पेदकरेनारीबफूरे ॥
सू० ॥ किमकरेपुरुषप्रधान ॥ पु० ॥ उठोस्नानकरोतूम्हेरे ॥ सू० ॥ तवला
ज्योअसमान ॥ ९८ ॥ पु० ॥ नास्नोघनसार्थेहवेरे ॥ सू० ॥ खोमजुगलदि
उताग्र ॥ पु० सोजनकरीहवेउठीआरे ॥ सू० ॥ सापेवचनविलास ॥ ९९ ॥
॥ पु० ॥ एकवणीककूलउपनोरे ॥ सू० ॥ वलिश्रद्धनसिरदार ॥ पु० ॥ द्रव्य
साघारणजांणिईरे ॥ सू० ॥ एहअथीरनिरधार ॥ १०० ॥ पु० ॥ एहमाथी
कांईलीजीईरे ॥ सू० ॥ करोव्यवशायउपाय ॥ पु० ॥ वुघनिदितकिमकिजी
ईरे ॥ सू० ॥ जेहथीथायअपाय ॥ १ ॥ पु० ॥ श्हसवपरसषदूखदिईरे ॥
॥ सू० ॥ तुझपणिनगमेएह ॥ पु० ॥ तेहजुहारीपणठांमीईरे ॥ सू० ॥ सुणी
चितेहवेतेह ॥ २ ॥ पु० ॥ कुअधन्यएपीतासमोरे ॥ सू० ॥ करतोपरउपगार
॥ पु० ॥ वोल्योकरीपरणामनेंरे ॥ सू० ॥ धन्यमाहरोअवतार ॥ ३ ॥ पु० ॥ तुमद
रिशणदितुजिणेरे ॥ सू० ॥ मानीतुमचीसीप ॥ पु० ॥ पामीसूरतरुपरगमोरे॥
॥ सू० ॥ कुणमार्गेनरसीप ॥ ४ ॥ पु० ॥ करूहवेमुझकुलसारिपुरे ॥ सू० ॥
मुक्योअलठेआज ॥ पु० ॥ तुमप्रसावेंसफलकरूरे ॥ सू० ॥ तुम्हउपदेशम
हाराज ॥ ५ ॥ पु० ॥ तुम्हनेंमिलस्यूअवसरेरे ॥ सू० ॥ सज्जनश्मजणाय ॥
॥ पु० ॥ ढालत्रीजीचोपारवमनीरे ॥ सू० ॥ पद्मविजयगवराय ॥६ ॥ पु०॥

धनसार्थेमोकलाववाए ॥ ७५ ॥ धनसिरीहरषीतामरे ॥ सामग्रीकरी ॥ [illegible]
रीधेंतरपुरीउए ॥७६॥ बीजीचोथेषमेरे ॥ ढालपदमेकही॥ उत्तमविजय[illegible]
यकीए ॥ ७७ ॥ दुहा ॥ साथसूरुयोइवेसामटो ॥ पहोतोनीत्यप्रयाण ॥ [illegible]
लिभिनगरेंतूरत ॥ मासदोयपरिमांण ॥ ७८ ॥ नरपतीमलीउनेहस्युं ॥ [illegible]
स्योसतकार ॥ वेचीसरवेवस्तुते ॥ पाम्योनईगीतपार ॥ ७९ ॥ चिंतेतधके[illegible]
त्तमां ॥ लक्षोनशक्तिलाह ॥ जाउघरिकिमजाणीनें ॥ अर्णवबहुअथाह ॥
॥८०॥ लषमीथीसफलोकमां ॥ आदरलहेअपार ॥ तेवीणजीवनतूच्छे ॥ चि
त्तश्मकरेविचार ॥८१ ॥ नदनेंधनश्रीनारिस्यू ॥ शणपरिंकरीआलाप ॥ मा
हवावेलाजाणीनें ॥ उठेजवहवेआप ॥ ८२ ॥ ढाल ॥ पुन्यप्रगटथयो ॥ ए दे
शी ॥ शणअवसरएकआवीउरे ॥ सूरीजन ॥ सयकायरयसकाय ॥ पुन्यप्र
गटथयो ॥ दोयहाथनोपहिरिउरे ॥ सू० ॥ जिरणचिवरपाय ॥ [illegible] ॥
हाथघरयेंथयाउजलारे ॥ सू० ॥ मस्तकेंकमलाणीमाल ॥ पु० ॥ नषघीसरी
रविलूरीउरे ॥ सू० ॥ अधरतबोलेंलाल ॥ ८४ ॥ पु० ॥ जुवटिश्षणेंमेरीउरे ॥
॥ सू० आव्योजुवटिउएक ॥ पु० ॥ शरणेंआव्योताहरेरे ॥ सू० ॥ राषितूष
रीयविवेक ॥ ८५ ॥ पु० ॥ एहजुआरीडखदिरेरे ॥ सू० ॥ धनकहेसांसल
वात ॥ पु० ॥ तूरुउपद्रवस्येकारणेंरे ॥ सू० ॥ कहेताहरोअवदात ॥ ८६ ॥
॥ पु० ॥ तेकहेनवीबोलीसकूरे ॥ सू० ॥ माहरूनीचचरीत ॥ पु० ॥ धनकहेषे
दनकीजीईरे ॥सू०॥ नवीहोइसमवआनीत्य ॥८७॥ पु० ॥ सद्रकहोतूलघवात
मीरे ॥ सू० ॥ तवजलसरीयांनयण ॥ पु० ॥ गद२वयणेंबोलीउरे ॥ सू० ॥
सांसलिरेतूसयण ॥ ८८ ॥ पु० ॥ वाणीउनीजकुलफसणोरे ॥ सू० ॥ सेवुबो
कविरूघ ॥ पु० ॥ पभितजनवर्जनिदिउरे ॥ सू० ॥ नीत्यरक्तचित्तथीकुष ॥
॥ ८९ ॥ पु० ॥ महेसरदत्तमाहरूरे ॥ सू० ॥ नामकुसुमपुरवास ॥ पु० ॥
दोयनीधानजेजुवदुरे ॥ सू० ॥ वर्जितपुण्यविलास ॥ ९० ॥ पु० ॥ तिणेए
अवस्थापामीउरे ॥ सू० ॥ धनचिंतेअहोएह ॥ पु० ॥ आवेलापथिआसतो
रे ॥ सू० ॥ निजअपराधअछेह ॥ ९१ ॥ पु० ॥ मोहटोपुरुषकोईएहछेरे ॥

॥ सू० ॥ चितवीवोलेताम ॥ पु० ॥ कहोस्यूंकरीश्चूह्मनेंरे ॥ सू० ॥ तवनवी
वोलेजाम ॥ ९२ ॥ पु० ॥ चितवेधनकांईहारीउरे ॥ सू० ॥ मागीसकेनही
तेण ॥ पु० ॥ इमजांणीकहेनदनेंरे ॥ सू० ॥ पुणेजईएहकोण ॥ ९३॥ पु०॥
वाहिरजुवटिआएफीरेरे ॥ सू० ॥ स्योएहनोअपराध ॥ पु० ॥ नंदेनीकलोपु
ठीउरे ॥ सू० ॥ स्योअपराधअगाध ॥ ९४ ॥ पु० ॥ सोलसोनइआहारिउरे॥
॥ सू० ॥ वचनेंअह्मस्यूएह ॥ पु० ॥ रोक्योपणिठिइपामिनेंरे ॥ सू० ॥ आ
विपेगेश्हांजेह ॥ ९५ ॥ पु० ॥ नंदेंकह्युधनकुमरनेंरे ॥ सू० ॥ तववोल्याते
कूमार ॥पु०॥ सोलसूवन्नआपोएहनेंरे ॥ सू० ॥ तवआप्यातिणीवार ॥९६॥
॥ पु० ॥ गयाजुआरीतेसह्ररे ॥ सू० ॥ कुअरसापेतास ॥ पु० ॥ मुकोविषाद
उगेतुम्हेंरे ॥ सू० ॥ उद्यमकरोसूवीलास ॥ ९७ ॥ पु० ॥ पेदकरेनारीवह्ररे ॥
सू० ॥ किमकरेपुरुषप्रधान ॥ पु० ॥ उगेस्नानकरोतूह्मेरे ॥ सू० ॥ तवला
ज्योअसमान ॥ ९८ ॥ पु० ॥ नासोधनसार्थेहवेरे ॥ सू० ॥ खोमजुगलदि
उताश्च ॥ पु० सोजनकरीहवेउठीआरे ॥ सू० ॥ सापेवचनविलास ॥ ९९ ॥
॥ पु० ॥ एकवणीककूलउपनोरे ॥ सू० ॥ वलिवाह्मनसिरदार ॥ पु० ॥ द्रव्य
साधारणजांणिइरे ॥ सू० ॥ एहअधीरनिरधार ॥ १०० ॥ पु० ॥ एहमाथी
काईलीजीइरे॥ सू० ॥ करोव्यवसायउपाय ॥ पु० ॥ वुधनिंदितकिमकिजी
इरे ॥ सू० ॥ जेहथीथायअपाय ॥ १ ॥ पु० ॥ इहलवपरलवदूखदिइरे ॥
॥ सू० ॥ तुह्मपणिनगमेएह ॥ पु० ॥ तेहजुहारीपणगंमीइरे ॥ सू० ॥ सुणी
चितेहवेतेह ॥ २ ॥ पु० ॥ ह्रअधन्यएपीतासमोरे ॥ सू० ॥ करतोपरउपगार
॥ पु० ॥ वोल्योकरीपरणामनेंरे ॥ सू०॥ धन्यमाहरोअवतार ॥ ३॥ पु०॥ तुमद
रिशणदितुजिणेरे ॥ सू० ॥ मानीतुमचीसीष ॥ पु० ॥ पामीसूरतरुपरगमोरे॥
॥ सू० ॥ कुणमार्गेनरसीष ॥ ४ ॥ पु० ॥ करूहवेमुञ्कुलसारिपुरे ॥ सू० ॥
मुक्योअलछेआज ॥ पु० ॥ तुमप्रसावेंसफलकह्ररे ॥ सू० ॥ तुम्हउपदेशम
हाराज ॥ ५ ॥ पु० ॥ तुम्हनेंमिलस्यूअवशरेरे ॥ सू० ॥ सह्मनइमजणाय ॥
॥ पु० ॥ ढालत्रीजीचोथाखमनीरे ॥ सू० ॥ पद्मविजयगवराय ॥६ ॥ पु०॥

॥ दुहा ॥ महेश्वरदत्तचितेमने ॥ लषमीविणनहीलाज ॥ कीरतीपणिमकीको करे ॥ सजननहीसमाज ॥ ७ ॥ परउपगारनसपजे ॥ तरीइसायरतेय ॥ क थवाजमजोरोअती ॥ पेरुकरेपणेए ॥ ८ ॥ धर्मकरुतिणेधसमसी ॥ सत्य लोकशुखथाय ॥ सारयमाहसूतहरषस्ये ॥ सास्त्रीएसुखदाय ॥ ९ ॥ एक चितीनेंआदरे ॥ कापालीकव्रतकार ॥ जोगीश्वरनामेंजिके ॥ तिणीपासेंमन सार ॥ १० ॥ ढाल ॥ देशीनारायणानी ॥ नदनेंधनसिरीआगलेरे ॥ सावेभीक असीभायरे ॥ साजनीआ ॥ तवतेकहेसूणोसाहेबारे ॥ नविकरीश्यअतरायरे ॥ ॥ ११ ॥ सा० ॥ कर्मकरयांछुटेनहीरे ॥ तुममनशंतिकीजीइरे ॥ अम्हेतुम आणाकाररे ॥ सा० ॥ तवसवीसांमयसांहवेरे ॥ परतिरगामीश्वाररे ॥ सा० ॥ ॥ १२ ॥ क० ॥ जिहाजगवेषीनेंसस्युरे ॥ तवनंदनेंकहेनारिरे ॥ सा० ॥ मारी इआपणएहनेंरे ॥ जईशविजेगाररे ॥ सा० १३ ॥ क० ॥ पापिणीनीसूणीअ तमीरे ॥ बोल्योसद्धननदरे ॥ सा० ॥ अहोएहवुमतसाषजेरे ॥ एहतोसुर रुकदरे ॥ सा ॥ १४ ॥ क० ॥ एहतेस्वामीआपणोरे ॥ तुम्हउपरिबकराणरे ॥ सा० ॥ मायावीनहीएकदारे ॥ एमोहटोवमसागरे ॥ सा० ॥ १५ ॥ क० ॥ सूपनेंपणिमतचितवोरे ॥ एहनीविरुईवातरे ॥ सा० ॥ तवचितेतेसूपणीरे ॥ एहतोनकरेघातरे ॥ सा० ॥ १६ ॥ क० ॥ कोयउपायकरीमारस्युंरे ॥ एह नेंरुनिजहाथरे ॥ सा० ॥ नागदत्तापरीव्राजीकारे ॥ मेलकरयोतेसाथरे ॥ ॥ सा० ॥ १७ ॥क०॥ इ स्वपामीकालांतरेंरे ॥ मरणसहेएउपायरे ॥ सा० ॥ कामणयोगसिखितीहरि ॥ हिएाअध्यवसायरे ॥ सा० ॥ १८ ॥ क० ॥ जि हाजतयारकरयुहवरे ॥ सांमसस्यतिअपाररे ॥ सा० ॥ रुमेलगनेंकरीनीक स्यारे ॥ आष्याजलधीकनारिरे ॥ सा० ॥ १९ ॥ क० ॥ श्रायरनीपुजाकरी रे ॥ दिधांदानअनेकरे ॥ सा० ॥ यानपात्रपुजाकरीरे ॥ बेगापरीयविवेकरे ॥ ॥ सा० ॥ २० ॥ क० ॥ नांगरहवश्चपकावीआरे ॥ पुरयोसढपवणेएरे ॥ ॥ सा० ॥ चाल्युवाहणवेगस्युंरे ॥ वरणव्युजाश्केण ॥ सा० ॥ २१ ॥ क० ॥ नक्रचक्रकठसघणारे ॥ मगरनेंपाठीनपीठरे ॥ सा० ॥ जलचरतीहांबहुला

तिनरि ॥ सकइंनयणेंदिठरे ॥ सा० ॥ २२ ॥ क० ॥ कामणकिधुइणिसमेरे
साधिणिपापणीनारिरे ॥ सा० ॥ थोनादिनमाहिभसोरे ॥ रोगतणेतेचीकाररे ॥
॥ सा० ॥ २३ ॥ क० ॥ कांयउपायकस्योनहीरे ॥ व्याप्योअतीघणव्याधी
रे ॥ सा० ॥ हाथसूकाजीमदोरमीरे ॥ जलोदरथधीउअगाधरे ॥ सा० ॥२४॥
॥ क० ॥ बदनसूजीथयुतुंबमूरे ॥ जघाउंगलीजायरे ॥ सा० ॥ करपदफाटा
तेहनारे ॥ सोजनरुचीनथीयायरे ॥ सा० ॥ २५ ॥ क० ॥ तरषानीपीमाघणी
रे ॥ पेटमांनटकेनीररे ॥ सा० ॥ खेदकरीघनर्षितवेरे ॥ एहअकालेंपीररे ॥
॥ सा० ॥ २६ ॥ क० ॥ अथवापापविलाशनोरे ॥ कालतणोनहींनीमरे ॥
॥ सा० ॥ स्यूकरीइशणअवचारेरे ॥ कोईमिलेनहकीमरे ॥ सा० ॥ २७ ॥ क०
परिजनदूहवाइघणोरे ॥ घनसिरीकरेउदवेगरे ॥सा० ॥ मुखकमलायुनवनुंरे
करूकपाअतिवेगरे ॥ सा० ॥ २८ ॥ क० ॥ इमकरतांसकउखघरेरे ॥ वली
कायरनुएकामरे ॥ सा० ॥ षेदनकरवोआपदारे ॥ तिणेवलींचितेआमरे ॥
॥ सा० ॥ २९ ॥ क० ॥ एहउचीत्तठेमाहरेरे ॥ आव्युएपरकूलरे ॥ सा० ॥
इव्यधणोकरूनदनेंरे ॥ एहिवणांअनुकुलरे ॥ सा० ॥ ३० ॥ क० ॥ विघी
विलासविचित्रछेरे ॥ निपजस्येकिस्यूकालीरे ॥ सा० ॥ नदतेमुकसाईसमो
रे ॥ सपुसकइससालिरे ॥ सा० ॥ ३१ ॥ क० ॥ धनसिरीसुपुएहनेंरे ॥ पो
चामस्येंमुकगेहरे ॥ सा० ॥ चितवीनदबोलावीउरे ॥ घणसिरीपणिससनेहरे ॥
॥सा०॥३२ ॥क०॥ नदसूणोमुकवातमीरे ॥ म्हारीअवस्थाएहरे ॥ सा०॥ ई
ठितकूलपणिकूकमुरे ॥ जिवितविजलीरेहरे ॥ सा० ॥ ३३ ॥ क० ॥ अलस
रिपाजेरोगीआरे॥ तेहनेंतोस्रविसेसरे ॥सा०॥ इव्यनायकतुम्हेआजथीरे॥जो
म्यनहीकोईसेशरे ॥ सा० ॥ ३४ ॥ क० ॥ एहआयरपारिउतरीरे ॥ कर
ज्योरोगउपायरे ॥ सा० ॥ जोजास्येतोरुअमुरे ॥ जोकदीरोगनजायरे ॥
॥ सा० ॥ ३५ ॥ क० ॥ तोमुकसाईनाम्नेहथीरे ॥ पोहचावज्योसकगमिरे ॥
॥ सा० ॥ धनसिरिएपतीवछलारे ॥ तातनेसूपज्योतामरे ॥ सा०॥३६ ॥क०॥
सुदरीसुणोएनदनेंरे ॥ टालीपापविकाररे ॥ सा० ॥ मुकपरिजाणज्येएहनुंरे॥

॥ दुहा ॥ महेश्वरदत्तचिंतेमनें ॥ लषमीविणनहीलाज ॥ कीरतीपणिनवी करे ॥ सजननहीसमाज ॥ ७ ॥ परउपगारनसपजे ॥ तरीश्सायरतेण ॥ यवाजमजोरोअती ॥ पेरुकरेपणेण ॥ ८ ॥ धर्मकरुतिर्णेधसनसी ॥ लोकश्रुखथाय ॥ सारथवाहछतहरपस्ये ॥ सांसलीएसूखदाय ॥ ९ ॥ चितीनेंआदरे ॥ कापालीकव्रतकार ॥ जोगीश्वरनामेंजिके ॥ तिणीपार्श्व सार ॥१०॥ ढाल ॥ देशीनारायणानी ॥ नदनेंधनसिरीअगलेंरे ॥ साथेनीक असीआयरे ॥ साजनीआ ॥ तवतेकहेसूणोसाहेबारे ॥ नथिकरीश्अतरायरे ॥ ॥११॥ सा० ॥ कर्मकरयाछुटेनहीरे ॥ तुममनश्छितकीजीश्रे ॥ अम्हेतूम आणाकाररे ॥सा० ॥ तवसवीसाम्पसांहवेरे ॥ परतिरगामीश्यारे ॥ सा० ॥ ॥१२॥ क० ॥जिहाजगवेषीनेंसस्युरे ॥ तवनंदनेंकहेनारिरे ॥ सा० ॥ मारी श्आपणएहनेरे ॥ जईशविजेगररे ॥ सा० १३ ॥ क० ॥ पापिणीनीसूणीवा तमीरे ॥ बोल्योसछननदरे ॥ सा० ॥ अहोएहवुमतसाषजेरे ॥ एहतोपर रूकदरे ॥ सा ॥ १४ ॥ क० ॥ एहतेस्वामीआपणोरे ॥ तुम्हउपरिबहुरागरे॥ सा० ॥ मायावीनहीएकदारे ॥ एमोइटोवमसागरे ॥ सा० ॥ १५ ॥ सूपनेंपणिमतचिंतवोरे ॥ एहनीविरुईवातरे ॥ सा० ॥ तवचिंतेतेसूपणीरे ॥ एहतोनकरेघातरे ॥ सा० ॥ १६ ॥ क० ॥ कोयउपायकरीमारस्यूरे ॥ एह नेंकनिजहाथरे ॥ सा० ॥ नागदत्तापरीव्राजीकारे ॥ मेलकरयोतेसाथिरे ॥ ॥ सा० ॥ १७ ॥क०॥ ङ खपामीकालांतरेंरे ॥ मरणलहेएउपायरे ॥ सा० ॥ कामणयोगसिरिवतीहरि ॥ हिणाअध्यवश्ायरे ॥ सा० ॥ १८ ॥ क० ॥ जि हाजतयारकरयुछ्षश्रे ॥ सांरुसस्यतिअपाररे ॥ सा० ॥ रूमेलगनेंकरीनी स्यारे ॥ आव्याजलधीकनारिरे ॥ सा० ॥ १९ ॥ क० ॥ श्रायरनीपुजाकरी रे ॥ विधांदानअनेकरे ॥ सा० ॥ यानपात्रपुजाकरीरे ॥ वेगधरीयविवेकरे ॥ ॥ सा० ॥ २० ॥ क० ॥ नागरहमश्उपमावीआरिं ॥ पुरयोसढपवणेणरे ॥ ॥ सा० ॥ चाल्युवाहणवेगस्यूरे ॥ वरणाय्युजाश्केण ॥ सा० ॥ २१ ॥ नकचक्रकछसघणारे ॥ मगरनेंपाठीनपीम्रे ॥ सा० ॥ जलचरतीहांबहुजा

हञ्पायकेतिमनीपजावीउरेके ॥ तिम० ॥ रातिप्रहररहीसेषकेतवएहसा
वीउरेके ॥ तव० ॥५२॥ कालयोमोरहीतामकेवुवारवकरयोरेके ॥ वुवा०॥
नदउंठीकहेश्मकेस्वामीनीयरहस्योरेके ॥ स्वा० ॥ त्रामतीऊदयसडरककेअ
तीत्रायरोवतीरेके ॥ अ० ॥ हात्र्प्रायेपुत्रसएतीकेघरणीश्सोवतीरेके ॥ घर०॥
॥ ५३ ॥ नवत्र्प्रकालहीजामकेघनत्र्प्रय्याजुरेके ॥ धन० ॥ तवनवीदीठातेह
केपुठतोवक्रुरुरेके ॥ पुठ०॥ कहेघणसीरीपरमादेकेपमीत्र्प्रायायरेरेके ॥प०॥
पमघामाम्ययुनर्देकेऊदयथीकायरेरेके ॥ ऊद० ॥ ५४ ॥ परिजनसर्वमिली
घरीराप्योवक्रुपरेरेके ॥ रा० ॥ वाहणरपाय्युतिणसमेपोलितेवक्रुकरीरेके ॥ पो
लि० ॥ प्रातसमेउपमावीत्र्प्रानांगरडरकधरीरेके ॥ नांग० ॥ सऊननदशमान
केकोईनुनहीचरीरेके ॥ कोई० ॥ ५५ ॥ डुर्जनधनसीरीजोमिकेजगमांनवी
जमेरेके ॥ जग० ॥ चित्तयोहर्षेउमाहकेवाहिरश्मरमेरेके ॥ वा० ॥ हवेधन
कुमरतेजेहकेपमीत्र्प्राजेतलेरेके ॥ पमी० ॥ फलकलहेएकतेहकेपुण्यथीते
तलेरेके ॥ पु० ॥ ५६ ॥ सातरातीरहित्याहिकेकांठेनीकल्योरेके ॥ कांठे० ॥
लवणनीरसेवनयीकेपेटमापलसल्योरेके ॥ पेट० ॥ कामणनीकल्यांतामके
पुण्यउदययथोरेके ॥ पु० ॥ जनमथयोफिरीमुऊकेशणिपरिमनसयोरेके ॥
॥ शणी ॥ ५७ ॥ तिमिरपादपर्नेपासकेवेठोचितवेरेके ॥ वेठो० ॥ त्र्प्रहोएहमा
यावक्रुलकेस्यूकस्युंकेतवेरेके ॥ स्यूक० ॥ त्र्प्रहोनीरदयपणनारिकेवयरके
हेवुवहेरेके ॥ वय० ॥ त्र्प्रहोमुखिमीठीएहकेकुलपपणलहेरेके ।कुल०॥५८॥
॥ यत० ॥ त्र्प्रनृतसाहसमाया ॥ मूर्खत्वमतीलोलता ॥ त्र्प्रशौचनिर्दयत्वच ॥
स्त्रीणांदोषा स्वसावजा ॥१॥ जलमऊमठिपय ॥ त्र्प्रागासेपयीत्र्प्राणपयपती॥
महिलाहियत्र्प्राणमग्गो ॥ तिन्निविविरलापयासती ॥ २॥ यत सवैउ ॥ कवक्रु
विनीताम्रुवाचवदे ॥ कवक्रुतिनसूकदुवाचकहे ॥ कवक्रुमनरगविरगधरे ॥
कवक्रुजवीरागीनक्रुईरहे ॥ कवक्रुश्कवोलसहेनसखो ॥ कवक्रुकदुवोलत्र्प्रनेक
सेहे ॥ मुनीधम्मकहेजगदित्र्प्राविना ॥ त्रियकीकरनीकहोकोनलहे॥१॥ कवक्रु
जपुसीविपुसीमनमें॥वक्रुसांतीकपटकरेतरुनी॥ कवक्रुजदयारउदारचित्तें ॥ क

वयणनलोपज्येसाररे ॥ सा ॥ ३७ ॥ क० तेहसुणीवळडखधरेरे ॥ सेव्योमु
क्रीपोकरे ॥ सा० ॥ ३८ ॥ घणसिरीपणिकपटेंरुश्रे ॥ घनकहेनकरोकोप
रे ॥ सा० ॥ ३९ ॥ क० ॥ नहीअवत्र्यारएविषावनोरे ॥ अवसरअचितविचार
रे ॥ सा० ॥ क्रीवपणकीमआदरोरे ॥ आदरोपुरुषाकाररे ॥ सा० ॥ ४० ॥
॥ क० ॥ राजधानीरमणीरीदेरे ॥ करतोजेनीतत्र्योकरे ॥ सा० ॥ तेहतणोमु
म्हेंसूंदरीरे ॥ हवेविलवोमतफोकरे ॥ सा० ॥ ४१ ॥ क० ॥ पुरुषनासीतेहप
परीरे ॥ जांणेंकालअकालरे ॥ सा० ॥ उद्यमेंआपदलघीरे ॥ पांमीइंद्रकीकी
त्र्यालरे ॥ सा० ॥ ४२ ॥ क० ॥ घनत्रीरूाअगीकरीरे ॥ मांग्युनेंदेएहरे ॥
॥ सा० ॥ महाकमाहथीपेंगयारे ॥ कुसलेषेंमेंतेहरे ॥ सा० ॥ ४३ ॥ क० ॥
चोथीचोथारवमनमरि ॥ साषीउत्तमढालरे ॥ सा० ॥ समरावीत्यनारासमरि ॥
पद्मकहेसूरत्र्यालरे ॥ सा० ॥ ४४ ॥ क० ॥ ॥४॥ ॥ ४ ॥
॥ डूहा ॥ नदलेश्हवेसेटणा ॥ आव्योनरपतीपाय ॥ राश्वळआवरविउ ॥ आ
प्योरहेवाठाय ॥ ४५ ॥ सांमउतारयांसलीपरें ॥ वैद्यबोलाव्यावार ॥ औषधसे
षजआदरे ॥ किघाकोमीप्रकार ॥४६ ॥ व्याधीगयोनहीवेगलो ॥ तवचिंते
तिहानद ॥ निजदेशेंपोहतावीना ॥ किमजाश्डखकद ॥ ४७ ॥ कालक्षेपक
रवोनहीं॥ श्मचिंतवतोएह॥ सांमवेंचीप्रतीसांभले ॥ जानपात्रसजेजेह॥४८॥
सूपतीनेंमीलीउसलो ॥ तेपणिकरेसतकार ॥ निजदेशेंजावासणी ॥ तुरततेण
यातयार ॥ ४९ ॥ ढाल ॥ नदिजमुनाकेतीरउम्हेदोयपषीआरे ॥ उमे० ॥ एदे
शी ॥ वेगवाहणमाहिकेजलकौतुकजुश्रेके ॥ जल० ॥ घननेंजीवतोदेषीके
घनसीरीमनरूश्रेके ॥ घन० ॥ मरणलह्योनहीएहकेचित्तश्मचितवेरेके ॥ चि
त० ॥ पोहताजवनिजदेशकेतवपछेंकिमळवेरेके ॥ त० ॥ ५० ॥ जीवतोसा
लसमानकेएमुक्रनीतदहश्रेके ॥ एमु० ॥ नाषुसायरमांहिकेतोमनसूखलहेरे
के ॥ तो० ॥ उठेत्रीघनीमित्तकेरयणीश्एजदारेके ॥ रय० ॥ अधकारमांप
हकेनापुळतदारेके ॥ नांपु० ॥५१ ॥ साहणषपलखसावकेकिहांश्महीजस्ये
रेके ॥ किहां० ॥ एपिणमाहरेनदकेचीरसावेमस्येरेके ॥ चिर० ॥ चितवीए

हउपायकेतिमनीपजावोउरेके ॥ तिम० ॥ रातिप्रहररहीसेषकेतवएहला
वीउरेके ॥ तव० ॥-५२-॥ कालयोमोरहीतामकेवुवारवकरयोरेके ॥ वुवा०॥
नवउठीकहेश्मकेस्वामीनीयरहस्योरेकें ॥ स्वा० ॥ त्रापतीऊदयसडरककेअ
तीत्र्ययरोवतीरेके ॥ अ० ॥ हाआर्यपुत्रसएतीकेघरणीश्सोवतीरेके ॥ घर०॥
॥ ५३ ॥ नवत्र्यकालहीजामकेघनशय्याजुश्रेके ॥ घन० ॥ तवनवीदीगतेह
केपुठतोवऊरुश्रेके॥ पुठ०॥ कहेघणसीरीपरमार्देकेंपमीआत्र्यायर्रेरेकें॥प०॥
पमवामाफ्युनर्देकेंऊदयथीकायर्रेरेके ॥ ऊद० ॥ ५४ ॥ परिजनसर्वमिली
घरोराप्योवऊपर्रेरेके ॥ रा० ॥ वाहणरपाव्युतिणसमेपोलितेवऊकरीरेके॥ पो
लि० ॥ प्रातसमेउपमावीआनांगरडरकघरीरेके ॥ नांग० ॥ सज्जननदत्र्यमान
केंकोईनुनहीचरीरेके ॥ कोई० ॥ ५५ ॥ डर्जनथनसीरीजोमिकेजगमांनवो
जमेरेके ॥ जग० ॥ चित्तथीहर्षउमाहकेवाहिरश्मरमेरेके ॥ बा० ॥ हवेघन
कुमरतेजेहकेपमीआजेतलेरेके ॥ पमी० ॥ फलकलहेएकतेहकेपुण्यथीते
तलेरेके ॥ पु० ॥ ५६ ॥ सातरातीरहित्याहिर्केकांठेनीकल्योरेके ॥ कांठे० ॥
लवणनीरसेवनथीकेपेटमापलसल्योरेके ॥ पेट० ॥ कामणनीकटयातामके
पुण्यउदयथयोरेके ॥ पु० ॥ जनमथयोफिरीमुऊकेश्णिपरिमनसयोरेके ॥
॥ श्णी ॥ ५७ ॥ तिमिरपादपनेंपासकेवेठोचितवेरेके ॥ वेठो० ॥ अहोएहमा
यावऊलकेस्यूकस्युकेतवेरेके ॥ स्यूक० ॥ अहोनीरदयपणनारिकेवयरके
हेवुवहेरेके ॥ वय० ॥ अहोमुखिमीठीएहकेकुलपपणलहेरेके ॥कुल०॥५८॥
॥ यत० ॥ अनृतसाहसमाया ॥ मूर्खत्वमतीलोलता ॥ अशौचनिर्दयत्वच ॥
स्त्रीणांदोपा स्वसावजा ॥१॥ जलमफ्रेमठिपय ॥ आगासेपपीआणपयपती॥
महिलाहिययाणमग्गो ॥ तिन्निविविरलापयासती ॥ २॥ यत सवैउ ॥ कवऊ
विनीतामडवाचवदे ॥ कवऊतिनसूकटुवाचकहे ॥ कवऊमनरगविरगघरे ॥
कवऊजवीरागीनऊईरहे ॥ कवऊश्कवोलसहेनसलो ॥ कवऊकटुवोलअनेक
सहे ॥ मुनीधन्नकहेजगदिश्यविना ॥ त्रियकीकरनीकहोकोनलहो॥१॥ कवऊ
जपुसीविपुसीमनमें॥वऊसातीकपटकरेतरुनी॥ कवऊजदयारउदारचित्तें ॥ क

वळलळचित्तहोश्लरनी ॥ कवळसवजानअजानहोवे ॥ कवळंदमनीरण्नेक रनी ॥ मुनीधन्नकहेजगदीग्रवीना ॥ कहोकोनलहेश्रीयकीकरनी ॥ ॥ लपूर्वनी ॥ कीधोएम्यवसायकेकहोकारणकस्येरेके ॥ कहो० ॥ वेकरहीतकेकारणस्यूहस्येरेके ॥ कार० ॥ दोसनीवासनीमीत्तकेएसाइस णरेके ॥ एसा०॥ कपटनोउतपतीएहकेपेत्रग्पासणरेके ॥ पेत्र० ॥ ॥ उन्मारगनुद्वारकेआपदगेहळरेके ॥ आप० ॥ नरकसोपाननेस्वर्गवीअर्गला हळरेके ॥अर्ग०॥अहवाएहवीचारकेकरणसमयनहीरेके॥कर०॥ हमणांउप मसाह्मकेकरेमाहरूसहीरेके ॥माह०॥६०॥ वस्तुअतीतनीचितकेमुक्तनेनवी घटेरेके ॥ मुक० ॥ उग्योश्मअवधारिकेचाल्योत्रायरतटेरेके ॥ चाल्यो॥ श्णिअवधारियावळिकेनयरीनोधणीरेके ॥ नय० ॥सिंहलदीपेंजायकेवीकरी तेहतणीरेके ॥ दिक० ॥६१॥ वाहणसागुतासकेदासीतेहनीरेके ॥ दासी॥ मरणलहीतेचेटीकेकातिघणदेहनीरेके ॥ कां० ॥ काठेकाढीकल्लोलेकेवीठीति णसमेरेके ॥ दीठी० ॥ रयणावलीतसळेहमेकेदिठांमनगमेरेके॥दीठां०॥ तिलोकसारानामकेहारतणसलूरेके ॥ हार० ॥ लेवीघटेनहीमुक्केश्ममन अटकलूरेके ॥ श्म० ॥ पणिश्णिव्यवसायकेकरीनेंआपस्यूरेके ॥करी०॥ वारवारउदेग्रोकेधूसपरिवथापस्यूंरेके ॥ धूस०॥६२॥ लीधीरयणावलीतेहके चाल्योतबमल्योरेके ॥ चा० ॥ महेसरदत्तकपालिकेकूमरनेंअटकल्योरेके॥ कूम० ॥ सायरकठिमन्त्रकेसाधनतेकरेरेके ॥ साध० ॥ रेसळवाहस्ततुक केआवर्धुश्णिपरेरेके ॥ आ० ॥ ६४ ॥ एहअवस्थातुक्केदेषीउ खदिरेके॥ ॥ दे० ॥ घरछिन्नवीकळश्मकेकुमरचितेहैश्रेके ॥ कु० ॥ कहेमुक्सागुजी हाजकेसयणविजोगीउरेके ॥ सय० ॥ तिर्णेश्अवस्थाश्मकेवलीतनुरोगीउरे के ॥ वली० ॥ ६५ ॥ कहेकापालीकतामकेएविधीवकळरेके ॥ ए० ॥ षष सलषमीअनीत्यकेसंसारचकळरेके ॥ सं० ॥ कलपवृक्षसमतुक्केआपदएह सीरेके ॥ आ० ॥ तोपामरज [illegible]रकेघाततेकेहसीरेके ॥ सा० ॥ ६६॥ पणिसुणिवातएमुक्केस्व [illegible] के ६७ ॥ श्णसमेसयणकेदूष्टनो

आवेपटतरोरेके ॥ आ० ॥ साग्यतणीइमपवरकेनि संशयपमेरेके ॥ नि स ॥
अगरसुगंघनीपवरकेअनलेंजवचछेरेके ॥ अन० ॥६७॥ इमएहआपद
जाणोकेवळउपगारणीरेके ॥ वळ० ॥ पणिहवेथोमोकालकेतूळसहचारणीरे
के ॥ तूळ० ॥ लक्षणनाहरादेपिकेजाणिइशणिपरेरेके ॥ जाणी० ॥ साघारण
तुळडखककेमुळसंपदपरेरेके ॥मुळ०॥६८॥ तजीउंघणकणसंगकेस्युंतुळउ
पगरुरेके ॥ स्यु० ॥ पठितसीस्रदेउमत्रकेतूळनेंहीतकरुरेके ॥ तूळ० ॥ तक्ष
कजातीनासर्पकेतसपणिविषहरेरेके ॥ तस०॥ एपिणहोयकेमत्रवळनेंसुपक
रेरेके ॥ वळ० ॥ ६ए ॥ चिंतेघनकुमारकेमुनीउपगारीओरेके ॥ मुनी० ॥
करीमुळनेंशूलदृष्टिकेमुळनेंतारीउरेके ॥ मुळ० ॥ कहोकेमलेउमत्रकेविण
कायउपगरेरेके ॥ वि० ॥ घनकहेमत्रनादेवकेगृहीनेंडखककरेरेके ॥ गृ० ॥
॥ ७० ॥ तवकापालीकवोलेकेनहीमंत्रआकरोरेके ॥ नही० ॥ घनकहेनही
मुळकामकेमुळकिरपाकरोरेके ॥ मुळ० ॥ पाचमीचोथेखमेकेढालएमनथ
रोरेके ॥ढाल०॥ पद्मकहेउपगारकेइणिपरेसफकरोरेके ॥ इणि०॥७१॥ऽहा॥
महेसरदत्तमनथकी ॥ चिंतेइमविचार ॥ इणेमुळनेंनवीउलघ्यो ॥ नलिशतिणें
निरघार ॥ ७२॥ इमकहीप्रगटकसुशणि॥ सुणिसळवाहसूजाण ॥ जुवटीउंमु
ळजाणजे ॥ पुरवएपहीचाण ॥ ७३ ॥ अवरविकल्पनआदरो ॥ मत्रएल्यो
महाराज ॥ नहितरपीमामुळघणी ॥ उपजस्येसुणिआज ॥ ७४ ॥ सघलुंते
ससारीनें ॥ चितमांकरेविचार ॥ एहनेंपीमाउपजे ॥ तिणेंएलेउतयार ॥ ७५॥
कुमरकहेकिरपाकरो ॥ तवदियोतिणेंमंत ॥ लियोतवलाजेंकरी ॥ गयातपव
नएगत ॥ ७६ ॥ खाघांफणसादिकखरा ॥ एकदिनरसाउगाह ॥ प्रणमीवळ
लेप्रेमस्यू ॥ चाल्योनिजघरिचाह ॥ ७७ ॥ रतनावलीरापेगुपत ॥ जाइआ
गलजाम ॥ सावद्वीनेंपरिसरें ॥ मारगपोहोतोताम ॥ ७८ ॥ढाल ॥ लालसूर
गारेभाणीआ ॥ एदेशी ॥ विचारघवलतीहाराजीउ ॥ फाम्योतासतमाररे॥ चो
रेंचोरीकरतायकां ॥ पकमेलोकतिवाररे ॥ जोगीजगमजाररे ॥ कमीकापमी
नीरघाररे ॥ ल्यावेमत्रीनेंद्वाररे ॥७ए ॥ कर्मनटूटेरेआतमा ॥ मत्रितेहनीपरी

वक्रलक्षचित्तहोश्लरनी ॥ कवकसवजानअजानहोवे ॥ कवकंदगमीरकरेक रनी ॥ मुनीधन्नकहेजगदीशवीना ॥ कहोकोनलहेश्रीयकीकरनी ॥ ९॥ क लपूर्वनी ॥ कीधोएव्यवशायकेकहोकारणकस्येरेके ॥ कहो० ॥ अन्वावि वेकरहीतकेकारणस्यूहस्येरेके ॥ कार० ॥ दोसनीवासनीमीत्तकेएसाहस रूरेके ॥ एसा०॥ कपटनीउतपतीएहकेपेत्रमूपासणरेके ॥ पेत्र० ॥ ५९ ॥ उन्मारगनुद्वारकेआपदगेहछेरेके ॥ आप० ॥ नरकसोपाननेस्वर्गनीअर्गला हछेरेके ॥अर्ग०॥अहवाएहवीचारकेकरणसमयनहीरेके॥कर०॥ हमणांउप मसाथ्यकेकरेमाहरूसहीरेके ॥माह०॥६०॥ वस्तुअतीतनीचितकेमुझनेनवी घटेरेके ॥ मुझ० ॥ उम्योश्मअवधारिकेचाल्योशायरतटेरेके ॥ चाल्यो॥ श्णिअवशारिशावङ्किकेनयरीनोघणीरेके ॥ नय० ॥सिंहलदीपेंजायकेदीकरी तेहतणीरेके ॥ दिक० ॥६१॥ वाहणसागुतासकेदाशीतेहनीरेके ॥ दासी॥ मरणलहीतेचेटीकेकातिघणदेहनीरेके ॥ कां० ॥ काठिकाढीकल्लोलेकेंदीठी णसमेरेके ॥ दीठी० ॥ रयणावलीतसछेहमेकेदिठांमनगमेरेके॥दीठें०॥ तिलोकसारानामकेहारतणस्तलूरेके ॥ हार० ॥ लेषीघटेनहीमुझकेश्मवन अटकलूरेके ॥ ईम० ॥ पणिश्णिव्यवशायकेकरीनेंआपस्यूरेके ॥करी०॥ वारवारउठेशोकेशूसपरिखथापस्युरेके ॥ शूस०॥ ६२॥ लीधीरयणावलीतेहके चाल्योतवमल्योरेके ॥ चा० ॥ महेसरवत्तकपालिकेकूमरनेंअटकस्योरेके॥ कूम० ॥ सायरकांठेमत्रकेशाघनतेकरेरेके ॥ साघ० ॥ रेसवाहसतूझ केआवर्वुश्णिपरेरेके ॥ आ० ॥ ६४॥ एहअषरस्यातुझकेदेषीऽ खविरेके॥ ॥ दे० ॥ घरछिद्रनवीकक्षमकेकुमरचितेहैश्रेके ॥ कु० ॥ कहेमुझसागुजी हाजकेसयणविजोगीउरेके ॥ सय० ॥ तिणेंश्अवस्थाश्मकेवलीतनुरोगीउरे के ॥ वली० ॥ ६५॥ कहेकापालीकतामकेएविधीवकछेरेके ॥ ए० ॥ चच लपमीअनीत्यकेसंसारचक्रछेरेके ॥ सं० ॥ कलपवृक्षसमतुझकेआपदएह वीरेके ॥ आ० ॥ तोपामरजनअन्यकेवातेतेकेहवीरेके ॥ वा० ॥ ६६॥ पणिसुणिवातएमुझकेहृदयकठीनकरोरेके॥ हृ० ॥ ईणसमेसयणकेवृटनो

रयणावलीजोईसूपती॥तिम्ह्योतमारीजांमरे॥ तिर्णेकथुएहतेआपणी॥चिंतेसूपउ
ह्मामरे ॥ मारीकुमरीनेंठामरे ॥ नहीतोएकीमआमरे ॥ क्रोधघणोथयोतामरे ॥
पणिन्याईअतीरामरे ॥ ९१ ॥ क० ॥ वारें रे पुठावीउ ॥ पणिनवीकहेफेर
फाररे ॥ तेहनेतेहउत्तरदिश। चढिउंक्रोधअपाररे ॥ झकमकस्योवधत्याररे ॥
झिझिमवाजेअसाररे ॥ चोपमीकामिसढाररे ॥ ९२ ॥ कर्म०॥ लोकजणावण
कारणें ॥ साथेंरावीतिमालरे ॥ वधथानिकलेईजायतां ॥ हाटिसेरीसूवीथालरे॥
मालतेमासनीहालरे ॥ लाखकपषीतिणतालरे॥हारलेईचाल्योततकालरे ॥९३॥
॥ कर्म० ॥निजमालामांमालाधरी ॥ हवेधनकुमरमआणरे ॥ लाव्यातिहावध
कारणे ।बोलाव्योतिहापाणरे॥चमालपासेसमसाणरे॥राजपुरुषेंजमराणरे ॥ सू
पीवलीआतेठाणरे ॥९४॥ कर्म०॥ थोभीसूमतेलेईगयो ॥ जोयुतासनीहालरे॥
एहपुरुषनेंआकृती ॥ दिसेपुण्यवीशालरे ॥ करेनअकारजवालरे ॥ किममा
रुंअकालरे ॥ इणिपरेंचिंतेचमालरे ॥ ९५ ॥ कर्म० ॥ अथवाआणाकारीअ
से ॥ इमविचारेस्यूथायरे ।कहेसाईंवेसितूसमीपरे ॥ हवेतूंअआवीउआयरे॥
सांसलिवाततूसायरे ॥ मुऊश्रावकमीत्रथायरे ॥ तासगतीसूखदायरे ॥
॥ ९६ ॥ क० ॥ क्रूरदृष्टीनहीमाहरी ॥ पणिचाकरथयारायरे॥तिणेंअम्हेंपि
नभ्योरायनें ॥ मारीइजेहनेंजायरे॥शुभपरिणामीजोथायरे॥ तोसदगतीमाहि
जायरे ॥ तिर्णेमारस्यूपमपायरे ॥ ९७ ॥ क० ॥ एकमुहूर्त्तपमखीकरी॥ प
ठेंकरस्यूतुम्हआणरे ॥ राइपचायअम्हेंनेंकस्यो ॥ तिणेंतुवोलिसूजाणरे ॥ क
हेतेकरीइविन्नाणरे ॥ घनचिंतेअहोपाणरे ॥ किणीपरेंवोलेंठेवाणिरे ॥ ९८ ॥
क०॥चोथेपमेंढठीकही ॥ इणिपरेंउत्तमढालरे ॥ पद्मविजयेंसोहामणी॥ उत्त
मविजयनोबालरे ॥ उत्तमजननोएढालरे ॥ सासलोवातरशालरे ॥ सूणतांम
गलमालरे ॥ ९९ ॥ क० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ चिंतेधनइमचित्तमां ॥ परउपगारीपाण ॥ अनुकपाजुउंआकरी ॥
सगतीफलअसमाण ॥ २०० ॥ सज्जनसगतिसेवीइ ॥ कुमतीमोहकरेदुर ॥ नि
तीवीवेकनवनवहोइ ॥ पुण्यतणोहोयपुर ॥ १ ॥ श्रावकनीशगेसरवर ॥

ध्याकरी ॥ मुकीदीश्ततकालरे ॥ घनतेसांसलीवातनें॥ मनीचिंतिएईजम्भे॥ चोकीपुरसश्नीहालरे ॥ जातांपकड्योसत्तालरे॥उपनीमनभतिकालरे॥ ॥ कर्म० ॥ कहेलइकिहांथीआव्यातुम्हे ॥ तवबोल्योतिहश्मरे ॥ सुमनघर थीआवीउ ॥ कहेकिहांजावानोप्रेमरे ॥ आगेंगयाङ्गताजेमरे ॥ पागआव्यो घरितेमरे ॥ मुझपकडोतुम्हेकेमरे ॥ ८१ ॥ कर्म० ॥ रायविचारधघघरे ॥ चोरीचोरेंतेंकीधरे ॥ तिणेंअमजोवानेंमुकीआ॥ विजांकामनिषेधरे ॥ आवें आणाएदिधरे ॥ तुम्हेतोपुण्यथीश्द्धरे॥ पणिपकड्याश्णिविधरे॥८२॥कर्म०॥ मत्रीपासेंचालोतुम्हे ॥ कोपनकरस्योनिजचित्तरे ॥ घनकहेदोषनम्हेंकरयो॥ ङ्गस्येआवुकहोमीत्तरे ॥ तवतेकहेकङ्गहितरे॥अम्हेआणाकारीनितरे ॥ अम रयजवानीछेरितीरे॥८३॥कर्म०॥विणश्छापणिचालीउ॥दिठेमत्रीश्तेहरे॥पुछे कीहांथीआव्यातुम्हे॥ पुरवनीपरेंएहरे॥वातकहीसघीजेहरे ॥ मत्रीकहेतुम्हे हरे॥सबलपासेंछेकेहरे॥८४॥क०॥तवतेहलोसअज्ञानथी॥बोल्याविगरवीचार रे॥मुझपासेंतोकाईनथी॥ मत्रिसाषेतिवाररे॥कहेजेहोयजेनिरधाररे॥ धनकहे नहीफेरफाररे ॥ जुठनोश्हानहीचाररे ॥८५॥क०॥ मत्रिसरकहेजाउसूर्णो॥ तवजातांघरवारिरे ॥ घोटकशालानेंघोमले ॥ ताण्युवस्त्रजेआररे॥ फाडुतेहखी वाररे ॥ मालापमीअतिवाररे ॥ समरीषीश्रेणिघारिरे ॥ ८६ ॥ क० ॥ वीठेम त्रीश्तेतदे ॥ लिधोरयणावलीहाररे ॥ उलषीमनमांरेंचितवे॥ राजघुआवयोमा रेरे ॥ पुछेहारअधीकाररे॥ तघलक्षमनघारिरे॥बोलेघन्नकूमाररे॥८७॥क०॥ महाकमाहघीर्पेगयो ॥ जिहांजेंबश्चीनेंजङ्गरे ॥ लीघीरयणावलीमुलथी ॥ पा छंवलतांमुक्तछरे ॥ जिहांजसागुगयोअछरे ॥ एकरयणावलीहछरे ॥ निक ल्योआव्योङ्गश्छरे ॥ ८८ ॥ क० ॥ तुम्हेक्यारेलीघीमूलथी ॥ तवबोल्योघन वाणिरे ॥ एकवरसमुझनेंथयु ॥ मत्रीचिंतेमूजाणरे ॥ लिघीआपणेंगुणषाणि रे ॥ मासत्रणिथयाताणरे ॥ दिघीकूमरीनेंपाणिरे ॥ ८९ ॥ क० ॥ बेमासन यांथयातेहनें ॥ एतोबोलेछेश्मरे ॥ वातकहोएहकिममले ॥ बोलेजुवुएनेमरे॥ कुमरोमारीएणेएमरे॥कसुंनृपनेंथयुजेमरे॥नृपकोधेंथयोसैमरे ॥९०॥क०॥

गोरहो ॥ सू० ॥ तेहनेंमांगेतेआपे ॥ वलीप्राणजीवनतसथापेहो ॥ १८॥
॥ सू० ॥ कहेधनचमालनेंश्म ॥ तुफआपहवेअतिप्रेमहो ॥ सू० ॥ तोएमुफ
किजेंकाम ॥ रायसूतसूमगलनामहो ॥ १९॥सू० ॥ करम्योजेएहनेंसाथ॥
जईजीवाफुर्झआपहो ॥ सू० ॥ पछेंमारज्योश्मसुणीहरष्यो ॥ चमालचित्तेंम
नसरिषोहो ॥ २० ॥ सू० ॥ जेनरपतीसूतजीवाडे ॥ तसनृपतीकीमदू खप
माडेहो ॥ सू० ॥ सूपतीगुणनोपक्षपाती ॥ दाक्षीण्यसायरनहीघातीहो ॥सू॥
॥ २१ ॥ एजिव्योहवेअथवाएह ॥ किमश्णिपरेंमरणलहेहहो ॥ सु० ॥ ते
पमहवादकनेंतेम्यो ॥ कह्योसर्ववृत्तांतरहीनेमोहो ॥ २२ ॥ सू० ॥ तेकहेए
हसाचुकेम ॥ तवधनवोल्याधरीप्रेमहो ॥ सू० ॥ ढेमन्त्रतोजालीमजोर ॥ पछे
साग्यफलेश्र्णेगेरहो ॥ २३ ॥ सू० ॥ एहमांनवीआपणचाले ॥ पणिजोउए
मन्त्रजोहालेहो ॥ सू० ॥ श्मसांसलीसझश्विचारे ॥ अहोगीरुउनिरहकारेहो॥
॥ २४ ॥ सू० ॥ एनिश्चयकुमरजीवावे ॥ नरपतीपासेंलेईआवेहो ॥ सू० ॥
सूपनेंसवीवातसूणावे ॥ नृपदेपीश्णीपरेंसावेंहो ॥ २५ ॥ सू० ॥ परद्व्यलीइ
कीमएह ॥ आकृतीसौसाग्यनोगेहहो ॥ सू० ॥ करस्यूपछेंवातविचार ॥ वि
षमागतीविपनीधारिहो ॥ २६ ॥ सू० ॥ रोवतोनरपतीबोले ॥ सहमस्तकतुम
चेंपोलेंहो ॥ सू० ॥ कहेधनमुकोविपवाद ॥ जुउमन्त्रप्राकतीअवीवादहो ॥
॥२७॥सू०॥ ससारेमन्त्रसूजाए ॥ चिंतामणीमन्त्रसमाणहो ॥सू०॥ निद्रामाथी
जीमजागे ॥ तिमवेठोथयोनृपसागेहो ॥२८॥सू० ॥ जसवादथयोगामि २ ॥
नृपपांम्योअतिविसरामहो ॥ सू० ॥ खमचोथेएसातमीढाल ॥ कहीपद्म
विजयसूरत्यालहो ॥ २९ ॥सू० ॥ डहा ॥ राइकदोरोदिउ ॥ अतेउरेंआसरण
॥ वरसेंतिहांवारुपरें ॥ कोईकूमलदीश्कर्ण ॥ ३० ॥ धरणीपतीनेंधनकहे
एरधूश्णिवार ॥ रायकहेवलीकहेअपर ॥ करीश्स्योउपकार ॥ ३१ ॥ कहे
चमालतेकिजीइ ॥ धनवोलेईमधन्न ॥ चिंतेरायअहोचरी ॥ अहोगुरुताएअ
गन्य ॥ ३२ ॥ कहोअकार्यएकीमकरे ॥ एहनेपुछूआम ॥ पुठिसअथवाऊप
ठे ॥ करीएहनुकांम ॥ ३३ ॥ पुढोकहेपमीहारनें ॥ कहोखपताहरेकाय ॥

किमएकर्मचमाल ॥ जातिचमालएजाणीइ ॥ केहवुवरीसमकाम ॥ निद्रा
निद्रासोहवेनांपीने ॥ बोलेइणीपरेंबोल ॥ रायन्यासनकरितूसुखें ॥ करवुं
कांईतोल ॥ ३ ॥ धीरजदेखीधनतणु ॥ परषीपुरुषप्रसाव ॥ निरखी
धीनरअछे ॥ पणिमारणप्रस्ताव ॥४॥ चतुरचमालगदगदचवे॥ आंसुमेसरीआं
षि ॥ इष्टदेवन्यासारीइ ॥ पेदतेडारेनापि ॥ ५ ॥ घरजेध्यानतुधरमनुं ॥ सहु
खकरजेसग्ग ॥ धनचितेधिगमाहरो ॥ जनमगयोइणिजग्ग ॥६॥ जमजीह
सरिषीजुउ ॥ काढीइणिकरवाल ॥ वाहीनिजकरइसीवली ॥ षपनकहेविक
राल ॥ ७ ॥ ढाल ॥ नणदलबिदलीयें ॥ एदेशी ॥ सूणज्योसहुलोकावाणी ॥
रायकुमरीवचीइणिप्रांणीहो ॥ सूणज्योसहुलोका ॥ तिलोकसाररायपमाला
अपहरीईणिथईजमालाहो ॥ ८ ॥ सूणज्योसहुलोका ॥ तिणेएहतेमारयोजा
इ ॥ इमजेकरस्येतसथायहो ॥ सू० ॥ वाहिइमकहीकरवाल ॥ करुणाकृप
सावविन्यालहो ॥ ९ ॥ सू० ॥ नवीलागोतेहप्रहार ॥ पमयोप्रथवीउपरिस्यार
हो ॥ सू० ॥ करवालत्रुटिततकाल ॥ धनकूमरकहेसूरसालहो ॥ १० ॥ सू०
करिआणितुसूपतीकेरी ॥ तूचाकरस्यूंकऊफेरीहो ॥ सू० ॥ नकरीसकुतूम
रघाय ॥ चमालकहेसूणिसायहो ॥ ११ ॥ सू० ॥ कायककरुतूऊउपगार ॥
तुमुखथीसाषिप्रकारहो ॥ सू० ॥ इणअवसररायनोपुत्र ॥
अहो ॥ १२ ॥ सू० ॥ गयोतेहउद्यानमकारि॥
ध्याप्यूतेसघलेअग ॥ थयोकाष्टपरेंतसरगहो ॥ १३ ॥ सू० ॥ अ
तीपासें ॥ गारुमीबोलाव्याउल्लासेंहो ॥ सू० ॥ आव्यातेदेषीतास ॥ गारुमीथ
यासर्वनिरासहो ॥ १४ ॥ सू० ॥ मन्त्रउषधकीधांतेणें ॥ पणिगुणनथयोकां
यइणेंहो ॥ सू० ॥ राजालहीषेदवीचारे ॥ अचित्यन्याकतीनीरधारेंहो ॥ १५ ॥
॥ सू० ॥ सिद्धगारुममन्त्रकोहोय॥ आवीजीवामेकोयहो॥ सू० ॥ इणिपरेंदमी
मवजमावे ॥ कोईआवीकुमरजीवावेहो ॥ १६ ॥ सू० ॥ तेजेमागेतेदिजें ॥
अकचोकचाचरेंवदीजेंहो ॥ सू० ॥ एकदमीमफिरतोआयो ॥ जिहांधनप
घकेरोगयोहो ॥ १७ ॥ सू० ॥ सुण्योसम्बतेधनकुमारे ॥ कोईराजकुमरउ

गोरहो ॥ सू० ॥ तेहनेंमांगेतेआपे ॥ वलीप्राणजीवनतसथापेहो ॥ १८॥ ॥ सू० ॥ कहेधनचमालनेंऽम ॥ तुऊआपहहेअतिप्रेमहो ॥ सू० ॥ तोएमुऊ किजेंकांम ॥ रायसुतसूमगलनामहो ॥ १ए ॥सू० ॥ करम्योजेएहनेंसाप॥ जईजीवाडुऊआपहो ॥ सू० ॥ पहेंमारज्योश्मसुणीहरष्यो ॥ चमालचित्तेंम नसरिषोहो ॥ २० ॥ सू० ॥ जेनरपतीसुतजीवाने ॥ तसनृपतीकीमढूं खप मानेहो ॥ सू० ॥ सूपतीगुणनोपक्षपाती ॥ दाक्षीएयसायरनहीघातीहो ॥सू॥ ॥ २१॥ एजिव्योहवेअथवाएह ॥ किमश्णिपरेंमरणलहेहहो ॥ सू० ॥ ते पमहवादकनेंतेम्यो ॥ कह्योसर्ववृत्तातरहीनेंमोहो ॥ २२ ॥ सू० ॥ तेकहेए हसाचुकेम ॥ तवधनबोल्याधरीप्रेमहो ॥ सू० ॥ हेमत्रतोजालीमजोर ॥ पहे साग्यफलेश्णेंहेगोरहो ॥ २३ ॥ सू० ॥ एहमांनवीआपएफचाले ॥ पणिजोउए मत्रजोहालेहो ॥ सू० ॥ श्मसांसलीसऊशविचारे ॥ अहोगीरुउनिरहकारेहो॥ ॥ २४ ॥ सू० ॥ एनिश्चयकुमरजीवावे ॥ नरपतीपासेंलेईआवेहो ॥ सू० ॥ सूपनेंसवीवातसूणावे ॥ नृपदेपीश्णीपरेंसावेंहो ॥ २५ ॥ सू० ॥ परद्रव्यलीश कीमएह ॥ आकृतीसौलाग्यनोगेहहो ॥ सू० ॥ करस्यूपहेंवातविचार ॥ वि षमागतीविषनीधारिहो ॥ २६ ॥ सू० ॥ रोवतोनरपतीबोले ॥ सद्मस्तकतूम चेंषोलेंहो ॥ सू० ॥ कहेधनमुकोविषवाद ॥ जुउमत्रशकतीअवीवादहो ॥ ॥२७॥सू०॥ ससारेमत्रसूजाए ॥ चिंतामणीमत्रसमाएहो ॥सू०॥ निद्रामांथी जीमजागे ॥ तिमवेठोथयोनृपसागेहो ॥२८॥सू० ॥ जसवादथयोगामि २ ॥ नृपपांम्योअतिविसरामहो ॥ सू० ॥ खमचोथेएसातमीढाल ॥ कहीपद्म विजयसूरआलहो ॥ २ए ॥सू० ॥ ऽहा ॥ राश्कदोरोदिउ ॥ अतेउरेंआसरए ॥ वरसेंतिहावारुपरें ॥ कोईकूमलदीश्करणें ॥ ३० ॥ धरणीपतीनेंधनकहे एस्यूश्णिवार ॥ रायकहेवलीकहेअपर ॥ करीश्स्योउपकार ॥ ३१ ॥ कहे चमालतेकिजीश ॥ धनबोलेईमधन्न ॥ चिंतेरायअहोचरी ॥ अहोगुरुताएअ गन्य ॥ ३२ ॥ कहोअकार्यएकीमकरे ॥ एहनेपुबूआम ॥ पुविसअथवाऊप हे ॥ करीएहनुकांम ॥ ३३ ॥ पुगेकहेपमीहारनें ॥ कहोखपताहरेकाय ॥

पमीहारेजईपुगीत ॥ रेतूरूतूठेराय ॥ ३३ ॥ जिवाम्योत्पमतजिर्ये ॥
अथवातेह ॥ खगीलतूरवांतिकरी ॥ मागिवुगलेमेह ॥ ३४ ॥
मोरासाहिबा ॥ एदेशी ॥ खगेलचितेखांतिस्यूहोराजि । ३५
वारीमोरासाहिबा ॥ कामयपुनररायनुहोराजि॥ दिसेलेनि सवेह॥ वा
पुठेकीमएजीविआहोराजि ॥ तववोलेप्रतिहार ॥वा० ॥ एहमांस्योविह
राजि ॥ कांयकमांगउदार ॥ ३७ ॥ वा० ॥ बोल्योखगीलहरषतोहोराज ॥
जोमुरूतूठेराय ॥ वा० ॥ तोएपापआजीवीकाहोराज ॥ उसयसोकवूल
य ॥ ३८ ॥ वा० ॥ तेहनीवारोमाहरीहोराज ॥ बोल्योतवप्रतिहार ॥ वा० ॥
स्युमांग्युएतेश्ह्रांहोराज ॥ मागितुद्रव्यविचार ॥ वा० ॥ ॥
एउपरेंहोराज ॥ नहीकोईजगमासार ॥ वा० ॥ सांसली ४१
राशकिघविचार ॥ वा० ॥ ४० ॥ अहोविवेकअलोसताहोराज ॥ धनको
जातीसमाल ॥ वा० ॥ कर्मचमालनएहठेहोराज ॥ कहेतेकरोसुपाल
॥ वा० ॥ रायकहेएनिपनुंहोराज ॥ पणिएहनेंनिजहाथ ॥ वा० ॥ आपसोम
नआपोतुम्हेंहोराज ॥ तुम्हेअमचाथयानाथ ॥ ४२ ॥ वा० ॥
लकुटधजिकेहोराज ॥ थिरूथासीवलीजेह ॥ वा० ॥ पाटएपठीमबाहिरेंहो
राज ॥ अपगामिकरोतेह ॥ ४३ ॥ वा० ॥ सकुइतनीपजावीउहोराज ॥ राय
नेंवचनेंथाया॥वा०॥कांममनेंदेवताकरेहोराजा॥सेठतेधनरखरचाया॥ वा०॥
खगीलहरष्योचित्तथीहोराजा॥उगस्याधनकुमार॥वा० ४४
होराजा॥ सज्जनएहआचार॥ ४५॥वा०॥रायकहेधननेंहवेहोराजा॥वेषीतुम्ह
चरीत्त॥वा०॥जाण्योजनमसलेकुलेंहोराज॥ पणिसाधोसुपवीत्त॥४६॥वा०
किहानावासीनामस्यूहोराजा॥सापोठलपुआजा॥वा०॥ तबधनचित्तमांचित
होराज ॥ आणीअतीघणीलाज ॥ ४७ ॥ वा० ॥ म्हेंरयणावलीपारकीहोरा
ज ॥ लीधीतेसांसरीताम ॥ वा० ॥ निश्चासोनापीघणेहोराज ॥ चितेउत्तम
कूलआम ॥ ४८ ॥ वा० ॥ धनकहेस्यूपुगेतुम्हेहोराज ॥ माहराकुलनीवात
॥ वा० ॥ महाअकार्यम्हेंकस्युहोराज ॥ तेहनोस्योअवदात ॥वा०॥ ४९ ॥ अ

यथाकुलनोदोषस्योहोराज ॥ कमलेंतेलपमीनीवाद्य ॥ वा०॥ तिहापणिकीम्नो उपजेहोराज ॥ पालकहरीकुलषास ॥ ५० ॥ वा० ॥ जातीमात्रेंक्षवाणीउंहो राज ॥ पणिवाणिकनआचार ॥ वा० ॥ सूसमनयरवासीवलीहोराज ॥ नाम तेघनकुमार ॥ ५१ ॥ वा० ॥ रायचिंतेधनक्षयथयोहोराज ॥ एहवारतननोना द्य ॥ वा० ॥ नकस्योम्हेंतिर्णेकारणेंहोराज ॥ हवेकहेसूपतितास ॥ ५२ ॥ ॥ वा० ॥ किस्यूअकारयआचरयुहोराज ॥ तेपरमारथसापि ॥ वा० ॥ किम रयणावलीपामीआहोराज ॥ शीणअवदारिसक्षसापि ॥ ५३ ॥ वा० ॥ उद्या नपालीकानामथीहोराज ॥ मनोरमाअसीराम ॥ वा०॥ अरजकहेतूमचीघूआ होराज ॥ आवीवीनयवतीनाम ॥ ५४ ॥ वा० ॥ वातसूणीहरष्योघणहोरा ज ॥ सेनालेईचतूरग ॥ वा० ॥ पेशारामोहछवकरेहोराज ॥ वाध्योअतीउछ रग ॥ ५५ ॥ वा० ॥ परिलावीनेंपुठीउंहोराज ॥ रयणावलीअवदात ॥ साकहेजीहाजमांचालताहोराज ॥ प्रथमवायरावात ॥ ५६ ॥ वा० ॥ दासीकरेम्हेआपीउंहोराज ॥ रयणावलीतवहार ॥ वा० ॥ तिणीइवां ध्योठेमलेहोराज ॥ सायरमध्यमझारि ॥ ५७॥ वा० ॥ फुटुजिहाजति ऐंसमेहोराज ॥ गुरुक्षदयजिमनारि ॥ वा० ॥ दैवयोगेंएकपाटिउहोराज ॥ पाम्युजीवदातार ॥ ५८ ॥ वा० ॥ अनुक्रमेंआवीक्षश्हांहोराज ॥ तवचिंते सूपाल ॥ वा० ॥ उछवउपरेंआवीउंहोराज ॥ उछवएसूरसाल ॥ ५९ ॥ वा०॥ पुत्रपुत्रीजीव्याजुउंहोराज ॥ कूअरगयोअपराध ॥ वा०॥ पुण्यवसेंआवीमि लेहोराज ॥ पामेसूखअगाध ॥ ६० ॥ वा० ॥ चोथेखंडेएकहीहोराज ॥ अ चरीजआठमीढाल ॥ वा० ॥ श्रीगुरुउत्तमनोकहेहोराज ॥ पद्मतेवातरसाल ॥ ६१ ॥ वा० ॥ दुहा० ॥ रायकहेधणकूमरनें ॥ परिकहोएरवांति ॥ लिधी किहारयणावली ॥ सापोतेसलीसांति ॥ ६२ ॥ सायरतिरेंम्हेंसही ॥ घनकहे म्हेंलीध ॥ नृपकहेंशवदितुकर्ने ॥ कुअरेंहातवकीध ॥ ६३ ॥ तेहजकारणआ तमा ॥ कअकार्यकरनार ॥ पारकोद्रव्यमेंअपहरयो ॥ शोचकरुद्यसार ॥ ॥ ६४ ॥ नपलेएहग्रहस्यनें ॥ मनथीमुकोपेद ॥ हवेस्यूकरीशतुम्हने ॥ सापोते

पमीहोरेजईपुढीज ॥ रेतूम्हतूंगेराय ॥ ३३ ॥ जिवामयोगपसूतजिर्ये ॥
अथवातेह ॥ खगीलतूखांतिकरी ॥ मागिवुगढेमेह ॥ ३४ ॥
मोरासाहिबा ॥ एदेशी ॥ खगिलचितेखांतिस्यूंहोराजि
वारीमोरासाहिवा ॥ कामपयुनररायनुहोराजि॥ दिसेढेनि संदेह॥
पुढेकीमएजीविक्राहोराजि ॥ तवबोलेप्रतिहार ॥वा० ॥ ३६
राजि ॥ कांयकमांगजदार ॥ ३७ ॥ वा० ॥ बोल्योखगीलहरषतोहोराज
जोमुझतूंगेराय ॥ वा० ॥ तोएपापआजीवीकाहोराज ॥ जसयमोकलूं
य ॥ ३८ ॥ वा० ॥ तेहनीवारोमाहरीहोराज ॥ बोल्योतवप्रतिहार ॥ वा० ॥
स्युमांग्युएतेशहोहोराज ॥ मागितूद्रव्यविचार ॥ वा० ॥ ॥ खा
एजपरेहोराज ॥ नहीकोईजगमासार ॥ वा० ॥ सासर्लाजरक
राशकिधविचार ॥ वा० ॥ ४० ॥ अहोविवेकअशोसताहोराज ॥
जातीचमाल ॥ वा० ॥ कर्मचमालनएहढेहोराज ॥ कहेतेकरोसूपाल
॥ वा० ॥ रायकहेएनिपनुंहोराज ॥ पणिएहनेंनिजहाथ ॥ वा० ॥ आपसीम
नआपोतुम्हेंहोराज ॥ तुम्हेअमचाथयानाथ ॥ ४२ ॥ वा० ॥ सहसर्धम
लकुटथजिकेहोराज ॥ विक्रवासीवलीजेह ॥ वा० ॥ पाटणपढीमवाहि
राज ॥ अपगामिकरोतेह ॥ ४३ ॥ वा० ॥ सझईतनीपजावीजहोराज ॥
नेंवषनेंथाया॥वा०॥कांममनेंदेवताकरेहोराज॥सेढतेधनरवरचाय॥ ॥
खगीलहरष्योचित्तमीहोराज॥जगस्याधनकुमार॥वा०॥तेहवोधनेंहरष्योनही
होराज॥ सज्ञनएहआचार॥ ॥वा०॥रायकहेधननेंहवेहोराज॥देषीतुम्ह
चरीत्त॥वा०॥जाण्योजनमसलेकुलेंहोराज॥ पणिसाधोसुपवीत्त॥ ॥वा०
किहांनावासीनामस्यूंहोराज॥साधोजलपुआज॥वा०॥ तवधनचित्तमांचितवे
होराज ॥ आणीअतीघणीलाज ॥ ४७॥ वा० ॥ म्हेंरयणावलीपारकीहोरा
ज ॥ लीधीतेसांसरीतोम ॥ वा० ॥ निश्रासोनांपीघणोहोराज ॥ चितेउत्तम
कूलआम ॥ ४८ ॥ वा० ॥ धनकहेस्यूपुगेतुम्हेंहोराज ॥ माहराकुलनीवात
॥ वा० ॥ महाअकार्यम्हेंकस्युहोराज ॥ तेहनोस्योअवदात ॥वा०॥ ॥ अ

तकहोएस्यूंठेजी ॥ क० ॥ तेकहेपोदुनवीकहीइजी ॥ क० ॥ एहमांस्योज सञ्मन्हेलहीइजी ॥ क० ॥ ७९ ॥ तवकारणिम्रानीजरायजी ॥ क० ॥ सस लावेनृपदूखथायजी ॥ क० ॥ जुउसावन्नीनररायजी ॥ क० ॥ एचो रनार्थागुथायजी ॥ क० ॥ ८० ॥ घाल्यासङ्खवदीषानेंजी ॥ क०॥ सघलुंज मस्येएम्यानेजी ॥ क० ॥ तिहादूखपार्मेरहेतेहजी ॥ क० ॥ इणिसमेएकसू णोथईजेहजी ॥ क० ॥ ८१ ॥ एकपरीव्राजकवेषधारीजी ॥ क० ॥ तसप कमेंनृपञ्प्राणाकारीजी ॥ क० ॥ चोस्युतेद्रव्यवलीपासजी ॥ क० ॥ राति समइलाव्यातासजी ॥ ८२ ॥ क० ॥ लिंगधारीमन्त्रीसरदेषीजी ॥ क० ॥ म नचिंतेसर्वउवेषीजी ॥ क० ॥ चोरीकरेजोलिंगधारीजी ॥ क० ॥ स्युनकरेग्म कार्यञ्मवधारीजी ॥ क० ॥ ८३ ॥ तेकारणमारणञ्माणाजी ॥ क० ॥ करता रायपुरुषनेंराणाजी ॥ क०॥ मिसगेरूविसूतिलगाईजी ॥ क०॥ कणयरमाला पहेराईजी ॥ क० ॥ ८४ ॥ त्रुटसूपफुटत्रनेंगमजी ॥ क० ॥ ससत्तवेसाम्यो वामजी ॥ क० ॥ मिमिवाजेञ्मतीविरसोजी ॥ क० ॥ लोकसांसलीम्रावेस रसोजी ॥ क० ॥ ८५ ॥ दक्षीणदिसनयरनेंवाहिरेंजी ॥ क० ॥ लाव्यानही कोईएहनीवाहरेंजी ॥ क० ॥ तवनांषीदीर्घनीसासजी ॥ क० ॥ जोईम्रासु ञ्मवलूपासजी ॥ क० ॥ ८६ ॥ लोकनामुखसाहमुजोईजी ॥ क० ॥ कहेमु नीवचञ्मलीकनहोईजी ॥ क० ॥ हमणापणिजेहनुद्रव्यजी ॥ क० ॥ तेहनु ऋञ्मापुसर्वजी ॥ क० ॥ ८७ ॥ रसुंमयवीमास्येलेपेजी ॥ क० ॥ नृपनरस नमुखतेहदेपेजी ॥ क० ॥ म्हेंनयरतेमुस्युएहजी ॥ क० ॥ विजेपुरुषेंनही रेहजी ॥ क० ॥ ८८ ॥ ञ्मारामगिरिनदीतीरजी ॥ क० ॥ ममुखेंदाट्युधईधी रजी ॥ क० ॥ तेलेईसङ्खसङ्खनुञ्मापोजी ॥ क० ॥ पछेमारवामुझनेंथापोजी॥ ॥ क० ॥ ८९ ॥ कहीतेहमन्त्रीनेंवातजी ॥ क० ॥ मन्त्रिपणतिहाञ्मायातजी ॥ क० ॥ जेजेकयुंतितेथानजी ॥ क० ॥ जोईनीकल्युंतेप्रमाणजी ॥ क० ॥ ॥ ९० ॥ सङ्खहरष्याद्रव्यतेपामीजी ॥ क० ॥ चोर्येपमेञ्मसीरामीजी ॥ क०॥ ढालनवमीपदमेंसापीजी ॥ क० ॥ गुरुउत्तमविजयदेञ्मापीजी॥ क०॥ ९१॥

हनोलेद ॥ ६५ ॥ मनवछीतदिधुमनें ॥ करयुचमालनुकाम ॥ नृपकहेमोनग
हने ॥ दिधाछेअमेंदाम ॥ ६६ ॥ कामविचारीएकरे ॥ एहनोबहुउपगार ॥
मागितूकायकमुझकनें ॥ तवबोल्योतेकुमार ॥ ६७ ॥ तुमदरीशणपाम्योभी
के ॥ अधीकुकायनअन्य ॥ राजातवनीजआसरण ॥ आपतबहुमान्य ॥
॥ ६८ ॥ हवेजेविस्वासीहुइ ॥ तेहपुरुषसघात ॥ नयरसूसमसणीवरपती ॥
पेसवीआप्रख्यात ॥ ६९ ॥ ढाल ॥ तुम्हेपिलोपीतांबरपहेरोजीनुरु
लमे ॥ एदेशी ॥ हवेकेईकदिवसेंपोहोताजी ॥ कर्मविटंबणा ॥ गिरीपुरपाटण
महोताजी ॥ कर्म० ॥ तिहाचमसेननररायजी ॥ क० ॥ तेहनासघरमांभी
चोरीथायजी ॥ क० ॥ ७० ॥ पोलेकोटवालतेचेमरजी ॥ क० ॥ भिक्षुक
एकांतवलीगेरजी ॥ क० ॥ कमीकापमीजोगीसन्यासीजी ॥ क० ॥ परि
ष्याकरीदीस्स्यावासीजी ॥ क० ॥ ७१ ॥ रायपुरुषेंपकमयाएहजी ॥ क०॥
कहेकोपनकरस्योरेहजी ॥ क० ॥ चोरीयइरायसभारजी ॥ क० ॥ तिर्लेप
कमय्याछईनीरधारजी ॥ क० ॥ ७२ ॥ तेकहेस्योकोपनोलागजी ॥ क० ॥
कहोतिहाजईस्दाषोमागजी ॥ क० ॥ पंचातियाइतिहांलावेजी ॥ क० ॥ चो
यटिआपुछेसावेंजी ॥ क० ॥ ७३ ॥ किहाथीआव्यातुम्हेसाईजी ॥ क० ॥ आ
व्यासावछीथीआईजी ॥ क० ॥ पचातीकहेकिहांजावोजी ॥ क० ॥ कहेस
समनयरअमगवोजी ॥ ७४ ॥ क० ॥ पचोलीकहेस्यूकामजी ॥ क० तव
तेनरबोल्याआमजी ॥ क० ॥ एकुमरनेंमुकवाकाजजी ॥ क० ॥ अमनरप
तीमोकल्यासाजजी ॥ क० ॥ ७५ ॥ कारणिआपुछेतासजी ॥ क० ॥ प्रम
कांयअछेतूम्हपासजी ॥ क० ॥ तवतेकहेछेअम्हपासेंजी ॥ क० ॥ कारणी
आकहेसूवीलासेंजी ॥ क० ॥ ७६ ॥ अम्हवेषामोहोयजेहजी ॥ क० ॥ त
वदेषामेहोयतेहजी ॥ क० ॥ अम्हराजाइतूसीनेंदीधांजी ॥ क० ॥ तवकार
णीइकरसीधांजी ॥ क० ७७ ॥ सभारीइतंलष्यांतेहजी ॥ क० ॥ अम्हरायआसू
षणएहजी ॥ क० ॥ गयांकालबहुथयोएहनेंजी ॥ क० ॥ कोसनाथईतव
सहुकेहनेंजी ॥ क० ॥ ७८ ॥ कारणिआफिरि २ पुछेजी ॥ क० ॥ परीक्षा

तकहोएस्यूंठेजी ॥ क० ॥ तेकहेपोढुनवीकहीइजी ॥ क० ॥ एहमांस्योज
सअम्हेलहीइजी ॥ क० ॥ ७९ ॥ तवकारणिआनीजरायजी ॥ क० ॥ सस
लावेनृपदूखथायजी ॥ क० ॥ जुउंसावहीनररायजी ॥ क० ॥ एचो
रनायागुथायजी ॥ क० ॥ ८० ॥ घात्यासक्रवदीषानेंजी ॥ क०॥ सघलूंज
मस्येएम्यानेजी ॥ क० ॥ तिहादूखपामेंरहेतेहजी ॥ क० ॥ इणिसमेएकसू
णोथईजेहजी ॥ क० ॥ ८१ ॥ एकपरीव्राजकवेषधारीजी ॥ क० ॥ तसप
कमेंनृपआणाकारीजी ॥ क० ॥ चोरस्युतेद्रम्यवलीपासजी ॥ क० ॥ राति
समइलाव्यातासजी ॥ ८२ ॥ क० ॥ लिंगधारीमत्रीसरदेषीजी ॥ क० ॥ म
नचिंतेसर्वत्रवेषीजी ॥ क० ॥ चोरीकरेजोलिंगधारीजी ॥ क० ॥ स्यूनकरेअ
कार्यअवधारीजी ॥ क० ॥ ८३ ॥ तेकारणमारणआणाजी ॥ क० ॥ करता
रायपुरुषनेंराणाजी ॥ क०॥ मिसगेरूविसूतिलगाईजी ॥ क०॥ कणयरमाला
पहेराईजी ॥ क० ॥ ८४ ॥ त्रुटूसूपमुठनेंगामजी ॥ क० ॥ ससलवेसाम्यो
थामजी ॥ क० ॥ भिंभिमवाजेअतीविरसोजी ॥ क० ॥ लोकसांसलीआवेस
रसोजी ॥ क० ॥ ८५ ॥ दक्षीणदिशनयरनेंवाहिरेंजी ॥ क० ॥ लाव्यानही
कोईएहनीवाहरेंजी ॥ क० ॥ तवनांषीदीर्घनीसासजी ॥ क० ॥ जोईआमु
अवलूपासजी ॥ क० ॥ ८६ ॥ लोकनामुखसाहमुजोईजी ॥ क० ॥ कहेमु
नीवचअलीकनहोईजी ॥ क० ॥ हमणांपणिजेहनुद्रम्यजी ॥ क० ॥ तेहनु
क्रआपुसर्वजी ॥ क० ॥ ८७ ॥ रसुप्रथवीमास्येलेमेजी ॥ क० ॥ नृपनरस
नमुखतेहदेपेजी ॥ क० ॥ म्हेंनयरतेमुस्युएहजी ॥ क० ॥ बिजेपुरुपेंनही
रेहजी ॥ क० ॥ ८८ ॥ आरामगिरिनदीतीरजी ॥ क० ॥ प्रमुखेंदाट्युथईधी
रजी ॥ क० ॥ तेलेईसक्रसक्रनुआपोजी ॥ क० ॥ पछेमारवामुझनेंथापोजी॥
॥ क० ॥ ८९ ॥ कहीतेहमत्रीनेंवातजी ॥ क० ॥ मन्त्रिपणतिहाआयातजी
॥ क० ॥ जेजेकह्युंतेतेथानजी ॥ क० ॥ जोईनीकल्युंतेप्रमाणजी ॥ क० ॥
॥ ९० ॥ सक्रहरप्याद्रम्यतेपामीजी ॥ क० ॥ चोर्येपमेंअसीरामीजी ॥ क०॥
ढालनवमीपदमेंसापीजी ॥ क० ॥ गुरुउत्तमविजयठेशापीजी ॥ क०॥ ९१॥

हनोसेद ॥ ६५ ॥ मनवछीतदिधुमनें ॥ करयुषमालनुकाम ॥
हने ॥ दिघाछेअमेंदाम ॥ ६६ ॥ कामविचारीएकरे ॥
मागितूकायकमुझकर्नें ॥ तवबोल्योतेकुमार ॥ ६७ ॥ तु
के ॥ अधीकुकायनअन्य ॥ राजातवनीजआसरण ॥ आपतबहु
॥ ६८ ॥ हवेजेविस्वासीझ्ड ॥ तेहपुरुपसघात ॥ न
पेसवीआप्रख्यात ॥ ६९ ॥ ढाल ॥ तुम्हे
सभे ॥ एदेशी ॥ हवेकेईकदिवसेंपोहोनाजी॥कर्मविटबण॥
महोताजी ॥ कर्म० ॥ तिहाचमसेननररायजी ॥ क० ॥ तेहनासमरवा
चोरीथायजी ॥ क० ॥ ७० ॥ पोलेकोटवालतेचोरजी ॥ क० ॥
एकातवलीगेरजी ॥ क० ॥ कमीकापमीजोगीसन्यासीजी ॥ क० ॥ पी
ष्याकरीदीश्स्याबासीजी ॥ क० ॥ ७१ ॥ रायपुरुर्षेपकमयाएहजी ॥ क० ॥
कहेकोपनकरस्योरेहजी ॥ क० ॥ चोरीयश्रायसमारजी ॥ क० ॥ निर्दोष
कमयाछश्नीरधारजी ॥ क० ॥ ७२ ॥ तेकहेस्योकोपनोलागजी ॥ क० ॥
कहोतिहांजईश्दाषेमागजी ॥ क० ॥ पंचातियाश्तिहांलावेजी ॥ क० ॥ पो
सटिआपुछेतावेंजी ॥ क० ॥ ७३ ॥ किहाथीआव्यातुम्हेसाईजी ॥ क०
ष्यासावछीयीआईजी ॥ क० ॥ पचातीकहेकिहांजावोजी ॥ क० ॥ कहेछ
समनयरअमठावोजी ॥ ७४ ॥ क० ॥ पचोलीकहेस्यूकामजी ॥ क० तव
तेनरबोल्याआमजी ॥ क० ॥ एकुमरनेंमुकवाकाजजी ॥ क० ॥ अमनरप
तीमोकल्यासाजजी ॥ क० ॥ ७५ ॥ कारणिआपुछेतासजी ॥ क० ॥ इम्य
कांयअछेतुम्हपासजी ॥ क० ॥ तवतेकहेछेअम्हपासेंजी ॥ क० ॥ कारणी
आकहेसूवीलासेंजी ॥ क० ॥ ७६ ॥ अस्लदेषामोहोयजेहजी ॥ क० ॥ त
सवेषामेंहोयतेहजी ॥ क० ॥ असलराजाश्तूसीनेंदीधांजी ॥ क० ॥ तवकार
णीश्करलीधांजी॥ क० ॥ ७७ ॥ समारीश्तलघ्यांतेहजी ॥ क० ॥
पणएहजी ॥ क० ॥ गयांकालबहुथयोएहनेंजी ॥ क० ॥ कोसनाथईलव
सझकेहनेंजी ॥ क० ॥ ७८ ॥ कारणिआफिरि पुछेजी ॥ क० ॥ परीषा

त्तसूरितरबलबऊतरस्वामीत्वमुच्चैस्तर ॥ आरोग्यविगताातरत्रिजगतीश्लाघ्य
त्वमस्त्येतर ॥ ससारावुनिधिकरोतिसुतरचेतःकृपार्द्रीतर ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥
जनमातरेआलजेदिधलु ॥ तेहनुफलछेहजीओसरे ॥ तेसोगववुयोग्ाकालमां॥
आवस्येउदस्सुक्तिओसरे ॥ ७॥ क० ॥ तवपुण्युम्ह्रेंप्रसूकेहवु ॥ जनमांतरे
दीधूआलरे ॥ केहवुतसफलमेंसोगव्यू ॥ मुनीवरबोल्याकिरपालरे ॥ ८ ॥
॥ क० ॥ इएतरतेंउत्तरापथमां ॥ पाटणनगरजनकनांमरे ॥ आसाढनामेंवा
मवतिहां ॥ रत्नुआतारयाअसीरामरे ॥ ९॥ क० ॥ पाचमेंसवेंतेहनोसुतह
तो ॥ चन्द्रदेवताहरुअसीधानरे ॥ मात्रसांसत्यांवेदपढावीउ ॥ तुऊनेंढपनो
अतीमानरे ॥ १०॥ क० ॥ विरसेनराजातेनयरनो ॥ तिणेंआजीवीकाघणी
आपीरे ॥ नितनृपनीपासेंवेसीरहे ॥ मनगमतीवातआलापीरे ॥ ११ ॥ क० ॥
इमकरतांएकदिनतिणपुरे ॥ विनीतसेठनीघूआरे ॥ तसनामतेवीरमतीअछे ॥
तेहनासीलआचारतेजुआरे ॥ १२ ॥ क० ॥ अविवेकवऊलहोयनारीनें ॥ म
लीदूर्जयमोहवपाप्योरे ॥ जोबनतेविकारनुघरअछे ॥ तिणेंनीजकुलपणिन
पिछाण्योरे ॥ १३ ॥ क० ॥ असीलापयोग्यविषयकस्या ॥ नवीचारयोअना
गतकालरे ॥ सीहलनांमेंमालीसमागमें ॥ रमतांवऊकाढतीकालरे ॥ १४॥ क०॥
विरमतीनोपुज्यएकजांणीइ ॥ पालेनीतनीजआचाररे ॥ परिव्राजकनामजो
गातमा ॥ नि सगपणऊवलीधारेरे ॥ १५ ॥ क० ॥ थाणेंआरगयोएकदिनहवे॥
लोकवादययोइमचावोरे ॥ जोगातमास्यूविरमतिवच्ची ॥ तेसासत्योएहआ
रासोरे ॥ १६ ॥ क० ॥ तेंपणिनीश्चयकरीरापीउ ॥ एकदिनराजकुलेंयश्वा
तरे ॥ सऊलोककहेएकिमहस्ये ॥ तेंकसुएपरुअषदातरे ॥ १७ ॥ क० ॥ ए
हवातऊजाणऊपरी ॥ एहमानहींकांयसदेहरे ॥ निजकूलआचारलोपीकसु॥
तबरायकहेंसुणीएहरे ॥ १८ ॥ क० ॥ निजनारिनोत्यागकरयोर्शिणे ॥ तब
उत्तरतेंइमदिघोरे ॥ तेकारणपरस्त्रीबोलता ॥ पापमपणोतिणेंलीधोरे ॥ १९॥
॥ क० ॥ एहमांकांयधरमनजाणज्यो ॥ इमसूणीकेईपाम्याअधर्मरे ॥ सऊ
परीव्राजकेंपणिसांभली ॥ काढ्योटोलेथीलहीमर्मरे ॥ २० ॥ क० ॥ बऊपा

॥ढाल॥ दीठेसरवेद्रूग्यते ॥ विणआसर्णनरदेव ॥ ।
विपरीतएहेव ॥ १२ ॥ कीमआसरणविजाकनें ॥ सवलोएसंदेह ॥
जकनेंपायपमी ॥ तूरतजपुठेतेह ॥ १३ ॥ वेसरवतावविरुधकिम ॥
कारीवात ॥ परिव्राजकवोल्योपठें ॥ वेगेंनीजअवदात ॥
स्युविरूघ ॥ मन्नीवोलेताम ॥ नहोश्ज्ञानीजेनरा ॥ करेतेएहवांकाम
पणितूम्मसरिपापुरुपनें ॥ नघटेएहनीदान ॥ अवीतथमुरुनेंआवीइ ॥
करीमहेरवान ॥ १६ ॥ सावधांनथईनेंसुणो ॥ परीव्राजककहेप्रेम ॥
अवधिज्ञानीइ ॥ मुलथकीतेनेम ॥ १७ ॥ ढाल ॥
एदेशी ॥ इणइसरतेंपुश्करदेशमा ॥ पुश्करवरघनपुरनयरीनामरे ॥ सोमदेवनामे
ब्राह्मणवशे ॥ अग्नीवेशायणगोत्रअसीरामरे ॥ १८ ॥
णीआ ॥ एआंकणी ॥ तसपुत्रनारायणनामक ॥ हिंसाइसरमतेसमुरे
कचोरनेंमारवालेईजता ॥ मारोचोरएऊमुरिवदापुरे ॥ १९ ॥ क० ॥ .
घूरतेवचसांसल्यू ॥ ताजुउपनुअवधीज्ञानरे ॥ तेकुकर्मेथीसुणीबोलीआ ॥
ह्रोकष्टजेजीवनेंअज्ञानरे ॥ २० ॥ क० ॥ सूणीचितामुरुनेंउपनी ॥
तस्वरूपीएहरे ॥ मुरुउद्वेशीइमसापीउ ॥ जईपुछूकारणतेहरे ॥ २१ ॥ क० ॥
म्हेंपायपमीनेंपुछीउं ॥ सगवन्नकहोस्यूअन्नाणरे ॥ तवमुनीकहेआलोचे
यघु ॥ वलीविरुद्धउपदेशदाणरे ॥ २२ ॥ क० ॥ म्हेंपुछ्युआलकिस्यूकह्यो ॥
वलीवीरुघस्योउपदेशरे ॥ मुनीकहेएकर्मवीपाकथी ॥ लक्षोनरआपदछी
भोषरे ॥ २३ ॥ क० ॥ एनिरअपराधीपुरुषनें ॥
एअछतुआलपीमाकरे ॥ एहसुबोलघुनवीसाष्युरे ॥ २४ ॥ क० ॥ अछतुआल
तोनवीवीजोइ ॥ पणिचोरनेंचोरनकहीइरे ॥ यज्ञिजीवघातेस्वर्गबोलतां ॥ वि
रुघउपदेशपणिलहिरीरे ॥ २५ ॥ क० ॥ सघलेवर्जनमांसाषीउ ॥ [
कीजेंप्राणीरे ॥ सुरवसोसाम्यथलीआरोगता ॥ जनमांतरेहोइसुरवपाणीरे ॥ २६ ॥
॥ क० ॥ यत ॥ सवेविजीवाइछती ॥ जिवीउनमरीज्जिउ ॥
र ॥ निग्गथ्थावज्जयतिण ॥ १ ॥ आयुर्दीर्घतरबपुर्वरतरगोत्रगरीयस्तर ॥

त्तसूरितरबलवकुतरस्वामीत्वमुच्चैस्तर ॥ आरोग्यविगतांतरत्रिजगतीत्रुलाम्य त्वमस्येतर ॥ ससारावुनिधिकरोतिसुतरचेत,कृपार्द्रांतर ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥ जनमातरेआलजेदिघलू ॥ तेहनुफलतेहजीओसरे ॥ तेसोगववुयोमाकालमां॥ आवस्येउदस्सुविओसरे ॥ ७॥ क० ॥ तवपुण्युम्हेंमसूकेहवु ॥ जनमांतरे दीघूआलरे ॥ केहवुतसफलमेंसोगव्यू ॥ मुनीवरवोल्याकिरपालरे ॥ ८ ॥ ॥ क० ॥ इणसरतेंउत्तरापथमा ॥ पाटणनगरजनकनांमरे ॥ आसाढनामेंवा मवतिहां ॥ रहुआसारयाअलीरामरे ॥ ९॥ क० ॥ पांचमेंसर्वेतेहनोसुतह तो ॥ चद्रदेवताहरुअलीधानरे ॥ ग्रामसांसल्यावेदपठावीउ ॥ तुम्हेंउपनो, अतीमानरे ॥ १० ॥ क० ॥ थिरसेनराजातेनयरनो ॥ तिणेंआजीवीकाघणी आपीरे ॥ नितनृपनीपासेंवेसीरहे ॥ मनगमतीवातआलापीरे ॥ ११ ॥ क० ॥ इमकरतांएकदिनतिणपुरे ॥ विनीतसेठनीघूआरे ॥ तसनामतेवीरमतीअछे ॥ तेहनासीलआचारतेजुआरे ॥ १२ ॥ क० ॥ अविवेकवकुलहोयनारीनें ॥ म लीदूर्जयमोहवधाएयोरे ॥ जौवनतेविकारनुघरअछे ॥ तिणेंनीजकुलपणिन पिछाएयोरे ॥ १३ ॥ क० ॥ असीलापयोग्यविपयकस्सा ॥ नवीचारयोअना गतकालरे ॥ सीहलनामेंमालीसमागमें ॥ रमतांवकुकाढतीकालरे ॥ १४ ॥ क० ॥ विरमतीनोपुज्यएकजाणीइ ॥ पालेनीतनीजआचाररे ॥ परिव्राजकनामजो गातमा ॥ निःसगपणुंवलीघारेरे ॥ १५ ॥ क० ॥ याणेंघरगयोएकदिनहवे॥ लोकवादथयोइमचावोरे ॥ जोगातमास्यूविरमतिवत्री ॥ तेसांसल्योएहआ रावोरे ॥ १६ ॥ क० ॥ तेंपणिनीश्चयकरीराघीउ ॥ एकदिनराजकुलेंथइवा तरे ॥ सकुलोककहेएकिमहस्ये ॥ तेंकमुएपरुअपवादातरे ॥ १७ ॥ क० ॥ ए हवातकुजाणुंहुपरी ॥ एहमानहीकांयसदेहरे ॥ निजकूलआचारलोपीकर्युं॥ तवरायकहेसुणीएहरे ॥ १८ ॥ क० ॥ निजनारिनोत्यागकरयोइणि ॥ तव उत्तरतेंइमदिघोरे ॥ तेकारणपरस्त्रीखोलतां ॥ पापमपणोतिणेंलीघोरे ॥ १९ ॥ ॥ क० ॥ एहमांकांयघरमनजाणज्यो ॥ इमसूणीकेईपाम्याअधर्मेरे ॥ सकु परीव्राजकेंपणिसांलली ॥ काढ्योटोलेथीलहीमर्मरे ॥ २० ॥ क० ॥ वकुपा

न्योविटवणालोकमां ॥ तुज्झकर्मनिविमंवधाणरे ॥
जेहथीलहेनरकनुगमणरे ॥ २१ ॥ क० ॥ दशमीएथोपारवमी ॥
डालरसालरे ॥ कहेपद्मविजयसुणताहोश।
। ऊहा ॥ आउपयेहवेउपनो ॥ आरसकरीअनेक ॥
धरमआराध्योनएक ॥ २३ ॥ कोलागसन्नीवेशेकसो ॥ एसगनो
कालगयोतसकेतलो ॥ आव्यांकर्मअपार ॥ २४ ॥
आयुनोथयोअंत ॥ मरीसीआलतेकर्मथी ॥ उपनोकर्मअनंत ॥
हीजगामनीअटवीइ ॥ फिरतातूकवरवाय ॥ तेहथीजीवसमीतथा ॥
रेनरववाय ॥ २६॥ अनुक्रमेंमरणतेआवीउं ॥ तेहजकर्मतहसि ॥
रस्वामीतणी ॥ विलासिणीवरगत्ती ॥ २७ ॥ मदनलतानीकुपिमां ॥
प्रगटाय ॥ जोवनपांम्योजेतले ॥ नृपवल्लतनीरमाय ॥ २८
णी ॥ श्रीसीमधरसाहिबआगेंविनतीरे ॥ एदेशी ॥
दोषेंकरीरे॥मदिरामत्तथयोतेह॥आईरे॥आईरे॥नृपमाईआक्रोसतोरे
वातसूणीनृपपुत्रेंतसवास्योघणरे ॥ तेहनेपणिआक्रोस
नेंक्रोधमारे ॥ ३० ॥ कोपकरीनेंजीसछेदावीनृपवरेरे ॥ मवउतरयो
वातेरे ॥ वातेरे ॥ निजअवदातेंलाजीउंरे ॥३१॥ अणसणकीधु
वारे ॥ उपनोमाहणअत्र ॥ तिहांथीरे २॥ किहांथीकर्मकूटेकरयारे ॥
षषनमुनीनांसांसलीसवेगउपनोरे॥वलीपुण्युम्हेंतास॥जोपरे २॥
षस्यूआवस्येरे॥३३॥ज्ञानीगुरुतवबोल्याकुरुणआणिनेरे॥
॥लोकरे॥जोकरे॥थोकथोकतुज्झवेषस्येरे॥३४॥
रे॥ गुरुमरणतिमुक्क ॥ आपीरे २॥ पापीवेषीयासलीरे ॥३५॥ गगनगामीनीला
लुग्घाक्षणीनामथीरे ॥ गुरुकहेसांसलिवात ॥ धर्मेरे २ ॥ करमहोयतोफोरवे
रे ॥३६ ॥ विषयअसारनिमीत्तेंएमतफोरवेरे ॥ वलिसुणिनिजुंएह ॥ मीठुं
रे २ ॥ जुठुकवियनबोलजेरे ॥ ३७ ॥ हासीमांपणिजुठूंजोबोलायतोरे ॥ क
रज्येतुएरीती ॥ पाणीरे २ ॥ नासीप्रमाणआणीतोहांरे ॥ ३८ ॥ छवीवाहिन

यणअनीमेषतिहांकरीरे ॥ एकसहसआठवार ॥ जपजेरे २॥खपजेपातीक आपणरे ॥३९॥ हवेएकदिनऊजुतुबोल्योपापथीरे॥ इहपरलोकविरुध॥ किघूरे२॥सीधूअवलूमाहरेरे ॥४०॥ कालिसध्याइवसतीपासआराममरे॥ बकुलवृक्षनेंहेठ ॥ बेठोरे २ ॥ हेठेतीहांजुतुलच्योरे ॥ ४१ ॥ मंत्रिकहेस्युबोल्याजुतुतेकहोरे ॥ तवबोल्योतीहांआय ॥ तरुणीरे २ ॥ मनहरणीटोलेमलीरे ॥ ॥ ४२ ॥ जलअवगाहनकरीनेंतुटेकेयाथीरे ॥ देवदर्शननेंकाज ॥ आवीरे २॥ मनसावीमुऊनेंकहेरे ॥ ४३ ॥ हेसगवनजोवनवयतुमचीदेषीइरे ॥ सारविषयसशार ॥ लोकेरे २ ॥ योकेंसऊसेव्यापरारे ॥ ४४ ॥ हरीहरब्रह्मासेवीतकिमर्गमव्यातुम्हेरे ॥ ऊकरव्रतकरोकेम ॥ स्वामीरे २ ॥ कामीवयणकसाघणांरे ॥ ४५ ॥ हासीगर्सितवयणसुणीनेंम्हेंतदारे ॥ हास्यतणोनहीसील ॥ तोहिरे २ ॥ मोहिऊइमबोलीउरे ॥ ४६ ॥ विरघनीशासोनापीम्हेंसापीउरे ॥ तेहकालनेंजोग्य ॥ सापुरे २ ॥ दापुअलीकजाणीकरीरे ॥ ४७ ॥ मनमाहरुमहीलावीरहेसतापीउरे ॥ मांम्योतपम्हेंइम ॥ सापीरे२ ॥ गुरुदापीविधीनवीकरीरे ॥ ४८ ॥ मध्यरातिऊचोरीकरवानीसस्योरे॥ सूतापुरनालोक ॥ ज्योरेरे २॥त्यारेंऊपकमाईउरे ॥ ४९॥ सागरसेठनाघरथीएऊन्यलिघलोरे ॥ जाण्योनरसचार ॥सणतोरे२॥गणतोपणिनि फलथईरे ॥ ५० ॥तवनासतांपकम्योनूम्हदृर्धरनेरे॥ वातकहीरसोमौन ॥ तेहनेंरे२॥नेहआणीमत्रीसणेरे॥ ५१॥ चोथेपमेठालअग्यारमीएकहीरे॥सूणतांमगलमाल॥ थायरे२॥इणिपरेंगायपदममुनीरे ॥५२॥ ऊहा॥ सूणोएकदिननोसहरयो ॥ अलकारनरराय ॥ दिशेनहीकहोकिणदिशा॥ अमनेंअचरीजथाय॥५३॥परिव्राजककहेआपीउ॥सावडीसीरदार॥ मत्रिकहेस्यानिमीत्तथी॥ तवकहेतासवीचार॥ ५४ ॥सावडीनगरीवसे ॥जीवथीअधिकोजाणी॥मित्रगघर्वदत्तनांमथी॥माहरोतेमनआणि॥५५॥ इद्रदत्तसेठनीघूआ॥ कन्यानामकहत ॥ वासवदत्तावेगस्यू ॥ तातअन्यनेंदित ॥५६॥ पगरणमाम्युपरणवा ॥ तवमाहरोतीहामीत्त॥ कन्याविणकरीइकिस्यू॥ चितवतोइमचित्त ॥५७॥ मरवुअतेएथीना ॥ अपहरुचितीइम ॥ अपहरीपर

म्योविटंबणालोकमां ॥ तुफकर्मनिविमंथघाणरे ॥ २
जेहथीलहेनरकनुंगफरे ॥ २१ ॥ क० ॥ दशमीएथोकावमनी ॥
ढालरसालरे ॥ कहेपद्मविजयसुणतांहोश।
॥ दुहा ॥ आउपयेइवेउपनो ॥ आरसकरीअनेक ॥
घरमआराध्योनएक ॥ २३ ॥ कोलागसन्नीवेत्रोकसो ॥
कालगयोतसकेतसो ॥ आन्याकर्मअपार ॥ २४ ॥
आयुनोथयोअंत ॥ मरीसीआलतेकर्मथी ॥ उपनोकर्मअनंत ॥
हीजगामनीअटवीइ ॥ फिरतातूफलखाय ॥ तेहथीजीवसमीतणा ॥
रेनरववाय ॥ २६ ॥ अनुकर्मेमरणतेआवीउं ॥ तेहजकर्मतहत्ति ॥
रस्वामीतणी ॥ विलासिणीवरगत्ती ॥ २७ ॥ मदनलतानीकुषिमां ॥
प्रगटाय ॥ जोधनपाम्योजेतले ॥ नृपवल्लसनीरमाय ॥ २८
णी ॥ श्रीसीमधरसाहिबआगेंविनतीरे ॥ एदेशी ॥
दोषेंकरीरे ॥ मदिरामत्तथयोतेह ॥ आईरे ॥ आईरे ॥ नृपमाईआक्रोसतोरे
वातसूणीनृपपुत्रेंतसघास्योघणरे ॥ तेहनेपणिआक्रोस ॥ करतोरे
नेंक्रोधमारे ॥ ३० ॥ कोपकरीनेंजीसलेदावीनृपघरेरे ॥ मदउतर्योतवतुम
वातेरे ॥ वातेरे ॥ निजअवदातेंलाजीउरे ॥ ३१ ॥ अणसणकींधु
दारे ॥ उपनोमाहणअभ ॥ तिहांथीरे २॥ किहांथीकर्मछूटेकरथीरे ॥
बंधनमुनीनांसांसलीसंवेगउपनोरे ॥ वलीपुछ्युम्हेंतास ॥ जोधरे ३॥ कहे
घस्युआवस्येंरे ॥ ३३
॥लोकरे॥लोकरे॥पोकपोकतुफदेपस्येरे॥ ३४ ॥ मुनीवयणेंक्षथिहनोवीत्ताआवरी
रे॥ गुरुमरणतिमुक्त ॥ आपीरे २॥ घापीवेवीघासलीरे ॥ ३५ ॥ गगनगामीनीता
सुग्धामणीनामथीरे ॥ गुरुकहेसासलिवात ॥ धर्मेरे ३ ॥ करमहोयतोफोरवे
रे ॥ ३६ ॥ विषयअसारनिमीत्तेंएमतफोरवेरे ॥ बलिसुणिविजुएह ॥ वीर्जु
रे २ ॥ जुतुफवियनबोलजेरे ॥ ३७ ॥ हासीमांपणिजुठुंजोवोलायतोरे ॥ क
रज्येतुएरीती ॥ पाणीरे २ ॥ नालीप्रमाणआणीतोहांरे ॥ ३८ ॥ उचीवांहिन

ण्योआपथी ॥ नरपतीजाणीनेम ॥ ॥
होकेम ॥ ईमचितीअवनीपती ॥ नयरथीकाढेनेम ॥
नजे ॥ तेहनेंसाथेंताम ॥ आव्योमुरूपासेअधीक ॥
॥ ढाल ॥ धणराढोला ॥ एदेशी ॥ म्हेंपुछ्युतेमीत्रनेंरे ॥
मननामान्या ॥ वातसवेपुरथीकहीरे ॥ सासलीतेसकेत ॥ ॥
वो २ रेमीत्तासलेआव्या ॥ तुम्हआव्येसवीसूखथाय ॥मन०॥
तेहनाऽ खनेंकापवारे ॥ दिघोंनृपअलकार ॥ म० ॥
ल्योरें ॥ विनव्योनृपसूखकार ॥ म० ॥ ६२॥ देषीतेअलकारनेंरे॥
रआन्नथाय॥ म० ॥ मोकलेमहर्द्धिकपुरुषनेंरे॥ हेतधरीनरराय ॥ म
उछवमोछवलावीआरे ॥ गधर्वदत्तपुरमांहि ॥ म० ॥
मिलियाघरीउछाह ॥ ६४ ॥ म० ॥ वासवदत्तानेंमल्यारे ॥
॥ म० ॥ मभिकहेरुमुकस्युरे ॥ एतुम्हगुणसवोइ ॥ म० ॥ ॥
मीत्रवछलूरे ॥ तुम्हंसमपुरुषजेहोय ॥ म०॥ चितेपुर्वपुरुषजीकेरे ॥
घीनकोय ॥ म० ॥ ६६॥ मुक्यासऊधनभमुखनेंरे ॥
॥ म० ॥ कहेमत्रीतुम्हेपालवुरे॥ आपविवेकसमनेंम॥ म० ॥
जकनेंविसर्जिउरे ॥हवेधनकुमरेंताम ॥ म०॥ विसर्ज्यासावढीरे ॥
स्यानीजगाम ॥ म०॥६८॥ वयराऊनयरआव्यायवारे ॥
ताम॥ म० ॥ तेहमांपोतेपालीआरे ॥ सायरतिरनेंगाम ॥ म०
घणंगजराजनुरे ॥ उछ्युतेमारणघाय॥ म० ॥ कापमीसऊदिओविआगथ
धनपुठेंगजथाय ॥ म० ॥७०॥ पकमव्योधनपाव्योघरारे ॥
वयोग ॥ म० ॥ उछाल्योआकासमारे ॥ उपनोमनमांसोग ॥ म०
वंतुसखेऊमपुहवेरे ॥ इणिअवसरिवमएक ॥ म०॥ तसआपापमतापकरि
आलंब्योघरीटेक ॥ म० ॥७२॥ इणअवसरिनिजहाथिणीरे ॥ अन्यमर्तंय
जआया॥ म०॥ पीनाकरीतिणेरोवतीरे ॥ सासलिगयोतिहांघाय ॥म०॥
वनग्रिपरेंचढ्योधनहवइरे ॥ देषेतिहांएकतीम ॥ म० ॥ लावकमुकीरयणाव

एयोआपयी ॥ नरपतीजाणीनेम ॥ ॥ रुसीकन्याअपहरी
होकेम ॥ ईमचिंतीअवनीपती ॥ नयरथीकाडेनेम ॥
अजे ॥ तेहनेंसायेंताम ॥ आव्योमुळपासेअधीक ॥
॥ ढाल ॥ धणराढोला ॥ एदेशी ॥ म्हेंपुछ्युतेमीअनेंरे ॥
मननामान्या ॥ वातसवेघुरथीकहीरे ॥ सांसलीतेसकेत ॥ ॥
वो २ रेमीत्तासलेआव्या ॥ तुम्हआव्येसवीसूखथाय ॥मन०॥
तेहनाऽ खनेंकापवारे ॥ दिधोनृपअलकार ॥ म० ॥ जि
ह्योरें ॥ विनव्योनृपसूखकार ॥ म० ॥ ६२ ॥ देषीतेअलकारनेंरे ॥
रशन्नथाय ॥ म० ॥ मोकलेमहर्द्धिकपुरुषनेंरे ॥ हेतधरीनरराय ॥
उंछवमोछवलावीआरे ॥ गधर्वदत्तपुरमाहि ॥ म० ॥
मिलियाघरीउछाह ॥ ६४ ॥ म० ॥ वासवदत्तानेंमल्यारें ॥
॥ म० ॥ मत्रिकहेरुमुकस्युरे ॥ एतुम्हगुणसदोह ॥ म०
मीत्रवछलूरे ॥ तुम्हसमपुरुषजेहोय ॥ म०॥ चितेपुर्वपुरुषजीकेरे ॥
धीनकोय ॥ म० ॥ ६६ ॥ मुक्यासऊधनप्रमुखनेंरे ॥
॥ म० ॥ कहेमत्रीतुम्हेपालवुरे ॥ आपविवेकसमनेंम ॥ म०
जकनेंविसर्जिउरे ॥ हवेधनकुमरेंताम ॥ म०॥ विसर्ज्यासावद्धीरे ॥
स्यानीजगाम ॥ म० ॥ ६८ ॥ थयराफनयरआव्यायदारे ॥
ताम ॥ म० ॥ तेहमींपेतेचालीआरें ॥ सायरतिरनेंगाम ॥ म०
घणंगजराजनुरे ॥ उग्युतेमारणधाय ॥ म० ॥ कापमीसऊदिशोदिशगया
धनपुंठेंगजथाय ॥ म० ॥ ७० ॥ पकम्योघनपाम्योघरारे ॥ मारयोन
थयोग ॥ म० ॥ उगस्योआकासमारे ॥ उपनोमनमांसोग ॥ म०
वंतुसलेज्मपुहवेरे ॥ इणिअवसरिखमएक ॥म० ॥ तसथाषापमता
आलंब्योघरटेक ॥ म० ॥ ७१ ॥ इणअवसरिनिजहाथिणीरे ॥ अम्यम
जआया ॥ म० ॥ पीमाकरीतिणेरोवतीरे ॥ सासलिमयोतिहांथाय ॥म
वमत्रिपरेंचढ्योघनहवरें ॥ देषेतिहांएकताम ॥ म० ॥ लावकर्युं

थोआपथी ॥ नरपतीजाणीनेम ॥ ॥ रुसीकन्याअपहरी
ांकेम ॥ ईमचितीअवनीपती ॥ नयरथीकाढेनेम ॥
रजे ॥ तेहनेंसार्येताम ॥ आव्योमुक्रपासेअधीक ॥
। ढाल ॥ धणराढोला ॥ एदेशी ॥ म्हेंपुछ्युतेमीत्रनेंरे ॥
ाननामान्या ॥ वातसवेधुरथीकहीरे ॥ सांसलीतेसकेत ॥ ॥ मन
ो २ रेमीत्तासलेआव्या ॥ तुम्हआव्येसवीसूखथाय ॥ मन०॥
ाह्ना५ खर्नेकापवारे ॥ दिधोनृपअलकार ॥ म० ॥ ।
ायोर्रे ॥ विनव्योनृपसूखकार ॥ म० ॥ ६२ ॥ देषीतेअलकारनेंरे ॥
ज्ञानथाय ॥ म० ॥ मोकलेमहर्द्धिकपुरुपर्नेरे ॥ हेतधरीनरराय ॥
ंढषमोढवलावीआरे ॥ गधर्वदत्तपुरमाहि ॥ म० ॥
मलियाघरीउछाह ॥ ६३ ॥ म० ॥ वासवदत्तानेंमल्यारे ॥ स
। म० ॥ मत्रिकहेरुकुकस्युरे ॥ एतुम्हगुणसदोह ॥ म० ॥
मीप्रवढलूरे ॥ तुम्हसमपुरुषजेहोय ॥ म० ॥ चितेपुर्वपुरुषजीकेरे
वीनकोय ॥ म० ॥ ६४ ॥ मुक्यासऋधनप्रमुखनेंरे ॥
। म० ॥ कहेमत्रीतुम्हेपालवुरे ॥ आपविवेकसमनेंमा ॥ म० ॥
जकनेंविसर्जिउरे ॥ हवेधनकुमरेंताम ॥ म० ॥ विसर्ज्यासावढीरे ॥ आप
ह्यानीजगाम ॥ म० ॥ ६५ ॥ वयराकनयरआव्यायवारे ॥
ताम ॥ म० ॥ तेहमापोतेपालीआरे ॥ सायरतिरनेंगाम ॥ म० ॥ ॥ गुण
वर्णगजराजनुरे ॥ उम्युतेमारणथाय ॥ म० ॥ कापमीसऋदिग्रोदिशगयोर्ते
धनपुर्ठेगजथाय ॥ म० ॥ ७० ॥ पकमयोधनपाम्योधरारे ॥ मारयोनहि
वयोग ॥ म० ॥ उगट्योआकासमारे ॥ उपनोमनमांसोग ॥ म० ॥
इतुसखेकमपुहवेरे ॥ शणिअवसरिषमएक ॥ म० ॥ तसआषापमतापकारि ॥
आलंब्योपरटिक ॥ म० ॥ ७१ ॥ शणअवसरिनिजहाथिणिरे ॥ अम्यमर्तन
जआया ॥ म० ॥ पंमिाकरीतिणेरोवतीरे ॥ सांसलिगयोतिहधाय ॥ म० ॥
वमशिपरेंचळ्योधनहवरेरे ॥ वेषेतिहाएकतीम ॥ म० ॥ सावकमुकीरयणाव

स्यू ॥ नामसिरुद्धंधान ॥ १ ॥
अशोकतरुतले ॥लालना॥ ललाहो॥ बहुमुनीनेंपरिवार॥ एगुरुवाकरे
अगारसहसमीलागना ॥ ला० ॥ ल० ॥ घोरीतेअणगार॥ एगुरु०
कोशलदेशनोनरपती ॥ ला० ॥ ल० ॥ विनयधरनरराय ॥ एगु० ॥
मृतजशोधरगुणी ॥ ला० ॥ ल० ॥ निरममचित्तसदाय ॥ एगु० ॥
समसमतेसमतारहे ॥ ला० ॥ ल० ॥ गुमरुघीनिमय ॥ एगु० ॥
ह्मचारीअकिंचनो ॥ ला० ॥ ल० ॥ साधताशिवपथ ॥ एगु० ॥
एसीहदेषीकरी ॥ ला० ॥ ल० ॥ हैयमेंहरषनमाय ॥ एगु० ॥ धरमें
उल्लस्यू ॥ ला० ॥ ल० ॥ चिंतवेश्मनिरमाय ॥ एगु० ॥ अहो
अहोचरी ॥ ला० ल० ॥ अहोलावण्यविलास ॥ एगु० ॥ अहोसौम्यता
होजयसी ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोजौवनसूप्रकाश ॥ एगु० ॥ ॥
विजयअहोएहनो ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोअहोनिरहकार ॥ एगु० ॥ अहो
षवाजोम्यएहुंछे ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोसेववाजोम्यसार ॥ एगु० ॥
सेंजईकरोवदना ॥ ला० ॥ ल० ॥ आचारयमुनीराय ॥ एगु० ॥ धर्म
नीवरदिठ ॥ ला० ॥ ल० ॥ वेगगुरुनेंपाय ॥ एगु० ॥ ९८ ॥
जोमीपुछतो ॥ ला० ॥ ल० ॥ किमउपनोनिरवेद ॥ एगु० ॥ रुपमनो
रीषु ॥ ला० ॥ ल० ॥ किमजीत्यातुम्हेवेद ॥ एगु० ॥ ९९ ॥ किम
सुआवरी ॥ ला० ॥ ल० ॥ तपबोल्याछरीराय ॥ एगु० ॥ एसशारअसार
॥ ला० ॥ ल० ॥ निरवेदस्योपुछाय ॥ एगु० ॥ १०० ॥ धनकहेगुरु
साचखु ॥ ला० ॥ ल० ॥ एहतोसहुनेंसमान ॥ एगु० ॥ पुछुविसेषकारण
॥ ला० ॥ ल० ॥ सापोएसगवान ॥ एगु० ॥ १ ॥ मुनीकहेमाहरुचरीत्रछे
॥ ला० ॥ ल० ॥ तेनीरवेदनुहेत ॥ एगु० ॥ धनकहेमसुअनुग्रहकरो ॥ ला०
॥ ल० ॥ कहेवेएसकेत ॥ एगु० ॥ २ ॥ तवजशोधरमुनीचिंतवे ॥ ला० ॥
॥ल० ॥ दिसेसौम्यआकार ॥ एगु० ॥ पामेंवैराग्यकदापीजो ॥ ला० ॥ ल० ॥
सापुनीजअधीकार ॥ एगु० ॥ ३ ॥ स्यरिकहेतुसांभले ॥ ला० ॥ ल० ॥ ए

मनासावधान ॥ एगु० ॥ इहांहीजविशालापुरी ॥ ला० ॥ ल० ॥ अमरदत्त राजान ॥४॥ एगु० ॥ सूरेंद्रदत्तनामेंऋहतो ॥ला०॥ल०॥ मातजसोधराजाणि ॥ एगु० ॥ नयणावलीमुक्सारिया ॥ ला० ॥ल०॥ नवमेसर्वेसुप्रमाण॥एगु०॥ ॥ ५ ॥ तातेंचारीत्रआदस्युं ॥ ला० ॥ ल० ॥ राज्यसारमुक्यापि ॥ एगु० ॥ कृपणिसमकीतपामीउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ अंतरआतमथ्यापि ॥ एगु० ॥ ६ ॥ नयणावलीस्यूमोहीउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ पालूंराज्यमहत ॥ एगु० ॥ पलितउ लेंदूतआवीउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ धर्मरायनोतत ॥ एगु० ॥ ७ ॥ नयणावलीनी दासीई ॥ ला० ॥ ल० ॥ सारसीआइणनाम ॥ एगु० ॥ दापव्योदेपीचितवें ॥ ॥ ला० ॥ ल० ॥ पुद्गलनोपरीणाम ॥ एगु० ॥ ८ ॥ अहो २ चपलतालोक नी ॥ ला० ॥ ल० ॥ मनुष्यपणऐअसार ॥ ए० ॥ अहो २ मोहपरासर्वे ॥ ॥ ला० ॥ ल० ॥ सारनकायसंसार ॥ एगु० ॥ ए॥ आउनीरउलेचता ॥ला०॥ ॥ ल० ॥ रातिदिवसघन्निमाल ॥ एगु० ॥ चन्द्रमासूरजवलदिआ ॥ ला०॥ ल० फेरवेअरहटकाल ॥ १० ॥ एगु०॥ तिर्णेहूवइपरमार्थेस्यु ॥ ला० ॥ ल० ॥ लेउचारीत्रउदार ॥ एगु० ॥ नयणावलीनिजनारीनें ॥ ला० ॥ ल० ॥ संतली व्योएविचार ॥ एगु० ॥११॥ नयणावलीकहेसांसलो ॥ ला० ॥ ल० ॥ जेतू म्हनेंमनसाय ॥ एगु० ॥ पणतुमसार्थेआदरु ॥ ला० ॥ल० ॥ श्रमणपणंसु खदाय ॥ एगु० ॥१२॥ मेंचित्युजुउकेतलो ॥ ला० ॥ल० ॥ मुक्तपरिअनु राग ॥ एगु० ॥ अहोविवेकएहनोजुउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ चित्तअनूजाइअ थाग ॥ एगु० ॥ १३ ॥ सचित्तागीसूखडखमा ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोएकप लीएह ॥ एगु० ॥ अहोउदेमुक्चालती ॥ ला० ॥ ल० ॥ मुक्तपरिघणनेह ॥ ॥ एगु० ॥ १४ ॥ चोथेखमेतेरमी ॥ ला० ॥ ल० ॥ सापीपदमेंढाल ॥ एगु० गुरुकहेआगलिसांसलो ॥ ला० ॥ ल० ॥ मोहरीवांतरचाल ॥ एगु० ॥ १५ ॥ ॥ दुहा ॥ अर्कअनुक्रमेंआथम्यो ॥ म्हेंचित्युंमनमांहि ॥ एवमीआपदएहनें॥ अमरसमस्योउछाह ॥ १६ ॥ सोमर्मनलहवेसंचस्यो ॥ दिपकसुवनउद्योत ॥ वासभुवनवेगेंसज्यूं ॥ जिहांमणीरयणनीज्योति ॥ १७॥ कस्तुरीकर्दमकरी॥

स्यू ॥ नामसिरुडउंयान् ॥ १ ॥ ढाल ॥ [illegible]
अशोकतरुतले ॥लालनां॥ ललाहो॥ वक्रमुनीनेंपरिवार॥ एगुरुवांदरे[illegible]
अग्गारसहसलीलागना ॥ ला० ॥ ल० ॥ धोरीतेअणगार॥ एगुरु० ॥ [illegible]
कोशलदेशनोनरपती ॥ ला० ॥ ल० ॥ विनयधरनरराय ॥ एगु० ॥ तेह[illegible]
सुतजशोधरगुणी ॥ ला० ॥ ल० ॥ निरममचित्तसदाय ॥ एगु० ॥ [illegible]
धसुमतेंसुमतारहे ॥ ला० ॥ ल० ॥ गुमश्रीनिधय ॥ एगु० ॥ गुप्त
ब्रचारीअकिंचनो ॥ ला० ॥ ल० ॥ साधताशिवपथ ॥ एगु० ॥ [illegible]
एसीइदेषीकरी ॥ ला० ॥ ल० ॥ ईयमेंहरषनमाय ॥ एगु० ॥ धरमेंस[illegible]
उल्लस्यू ॥ ला० ॥ ल० ॥ चिंतवेइमनिरमाय ॥ एगु० ॥ ९५ ॥ अहो [illegible]
अहोचरी ॥ ला० ल० ॥ अहोलावण्यविलास ॥ एगु० ॥ अहोसौम्यता[illegible]
होउपमी ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोजोवनसुप्रकाश ॥ एगु० ॥ ९६ ॥ [illegible]
विजयअहोएहतो ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोअहोनिरहकार ॥ एगु० ॥ अहोने
धवाजोग्यएहछे ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोसेववाजोग्यसार ॥ एगु० ॥ [illegible]
सेंजईकरोवदना ॥ ला० ॥ ल० ॥ आचारयमुनीराय ॥ एगु० ॥ धर्मलाभ
नीवरविउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ बेठगुरुनेंपाय ॥ एगु० ॥ ९८ ॥ कारक
जोमीपुछतो ॥ ला० ॥ ल० ॥ किमतपनोनिरवेद ॥ एगु० ॥ रुपमनोसम
रोषु ॥ ला० ॥ ल० ॥ किमजीत्यातुम्हेवेद ॥ एगु० ॥ ९९ ॥ किमदिक्ष
सुआदरी ॥ ला० ॥ ल० ॥ तवबोल्यासुरीराय ॥ एगु० ॥ एसशारअशार[illegible]
॥ ला० ॥ ल० ॥ निरवेदस्योपुछाय ॥ एगु० ॥ १०० ॥ धनकहेमुज[illegible]
साचलु ॥ ला० ॥ ल० ॥ एहतोसक्रनेंसमान ॥ एगु० ॥ पुछुविसेषकारणतिणें
॥ ला० ॥ ल० ॥ सापोएसगवान ॥ एगु० ॥ १ ॥ मुनीकहेमाहरुचरीमबे
॥ ला० ॥ ल० ॥ तेनीरवेदनुहेत ॥ एगु० ॥ धनकहेमसुअनुग्रहकरो ॥ ला०
॥ ल० ॥ कहेवेएसकेत ॥ एगु० ॥ २ ॥ तवजशोधरमुनीचितवे ॥ ला० ॥
॥ल०॥ दिसेसौम्यआकार ॥ एगु० ॥ पात्रवैराग्यकदापीजो ॥ ला० ॥ ल०
साधुनीजअधीकार ॥ एगु० ॥ ३ ॥ सुरिकहेसुंसांसले ॥ ला० ॥ ल० ॥ एक

न्यमनुष्यहृदयेनीघाय ॥ अन्यनरदृष्टीसिराह्वयती ॥ अन्यस्यदत्वावचनाव
कास ॥ मन्येनसार्द्धरमयतीरामा ॥ १ ॥ जलमझेमछीपय ॥ आगासेपषीआ
णपर्यपती ॥ महिलाहियाणमग्गो ॥ तिन्निवीवीरलापयपती ॥ २ ॥ दुहो ॥
स्त्रीमांहिसवीवकमी ॥ केणपतीजेतास ॥ माथेघमोचळायकरी ॥ पठेदिश्गल
पास ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ वालकालथीसोगवीनें ॥ सूतपणिएहनोकाळिरे ॥ रा
ज्यवेचारवोमाहरे ॥ तिणेंहलकाईनूपालरे,॥ २४ ॥ तूमे० ॥ अविवेकवह्नल
नारीहोइ ॥ एहमाअचरीजकायनाहीरे ॥ आदरवुचारीत्रनें ॥ अतरायथाइ
तेमाहीरे ॥ २५ ॥ तुमे० ॥ धाइजोतासरीतापरे ॥ कायनीचगामीहोइनारीरे ॥
एहनुवचनमानेंजेकोई ॥ नेहनामुरखउपरिघ्वारीरे ॥ २६ ॥ तूमे० ॥ यत ॥
॥ सवइ्य ॥ कामीनीकीवातमानेंताकेमोरेवूरज्यू ॥ कपटनीपटवोलेहियाकी
नघातपोले ॥ मनथेंउछायकरकहेसवकुरज्यू ॥ जैसोहीपतगरगतेसोहीत्रिया
कोसगविहुरतवारनाहीजैसोनदीपुरज्यू ॥ कहेकवीमुनीचदसुणोहोसजन्न
जन्ना॥कामिनीकीवातमानेंताकेमोरेधूरज्यू ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ अविवेकवह्नलना
रीतणुएछे ॥ वलीकुमरतणीहलकाइरे ॥ विघनवलीचारीत्रमाहोस्ये ॥ नरप
तीइमचित्तमांलाईरे ॥ २७ ॥ तू० ॥ मारवुनघटेमुझनेंएइम ॥ वाल्योनीज
परीणामरे ॥ म्यानकरीकरवालनेंआव्यो ॥ नीजसह्याइतवगामरे ॥ २८ ॥ तू०
उतरयुचित्तराणीथकी ॥ वलीचाप्योधर्मव्यापाररे ॥ त्रझाइवेगेंचितवें ॥ अ
होनारीथिरेंधिकाररे ॥ २९ ॥ तू० ॥ सूमिवीनाविपवेलमी ॥ अगनीविह्नणी
धूमेलरे ॥ सोजनविनविसूचिका ॥ अहोएतोनवोकोइखेलरे ॥ ४० ॥ तू ॥ स
चेतनामुरछाकही ॥ वलिविणउपसर्गमारीरे ॥ रासभीवीणएपासलो ॥ विणहेतू
मरणउघारीरे ॥ ४१ ॥ तू० ॥ वेमीविनागुमीकहीछे ॥ एनारीअसाररे ॥ अ
थवाचितासीकरु ॥ एछेअसारअसाररे ॥ ४२ ॥ तू० ॥ जाणिअसारएकार
णें ॥ छंमूछुएपरीवाररे ॥ इमकायअसपरीणामथी ॥ रह्नकरतोइमविचाररे
॥ ४३ ॥ तू० ॥ आवीराणीइणसमे ॥ कुसूतोएहवुजाणीरे ॥ राणीपणिसू
तिपरी ॥ मनमांकायमांतिनआणीरे ॥ ४४ ॥ तू० ॥ आलिगनमुझनेंकरयु ॥

सितिलगाईसार ॥ प्रवरतलाईपाथरी ॥ सय्याकरयोसिणगार
मदामवरलटकती ॥ धूमघटायईधूप ॥ मयणपूजीनेमाननी ॥
अतीचुप ॥ १ ९ ॥ वासभूवनमांवेगथी ॥ आव्योअवनीपाल ॥
प्रगट ॥ काळ्योकांयककाल ॥ २० ॥ राणीनोपरीवारजे ॥
जयान ॥ राणीसतीरगस्यू ॥ नरपतीमनशुभध्यांन ॥ २१ ॥
नतो ॥ सर्वगम्वुसेल ॥ पणिराणीपरीणामथी ॥ उमाइकीमउयल
॥ ढाल ॥ एहनीगतीएहजजाणे ॥ रषेकोईसंदेहआणेरे ॥ [illegible] ॥
ज्योनारीचरीत्ररे ॥ जेहनांठेचरीत्रविचीत्ररे ॥ एआकणी ॥
णीनें ॥ उठीनयणावलीरांणीरे ॥ मुकीढोलीउत्तरीहेठी ॥ सूपर्त
णीरे ॥ २२ ॥ तुमे० ॥ सकासहीतद्वारउघाडी ॥ [
म्हेंचित्युमुक्यवीरहनीकायर ॥ रषेजइनेमरतीरे ॥ २३ ॥ तुमे० ॥
मानीआवेलानंही ॥ लेइकरकरवालरे ॥ इमचितीनीकलीउपुठें ॥ २ज
आदपाजरे ॥ २५ ॥ तुमे० ॥ तेकुमकउगव्योकरथी ॥ तबम्हेंचित्युइमरे
हनेंससलावीनेंमरस्यें ॥ नहीतोउठावेकेमरे ॥ २६ ॥ तुमे० ॥
बजउम्यो ॥ पुठेकिमरणिवेलारे ॥ आवीआजतदामेंचित्यू ॥ आज
हेलारे ॥ २७ ॥ तुमे० ॥ अथवाआजउचीतनहीवेला ॥
रे ॥ पणिसांसलुएहनोहवेउत्तर ॥ स्योमनमांथीखोलेरे ॥ [illegible] ॥ तुमे०
राणीकेहेन्टपघातवीषमेठ ॥ मोभासुतारायरे ॥ तिणेंएतलीवेलाथईमुक्नें
जाणज्योएअतरायरे ॥ २९ ॥ तुमे० ॥ एतलेकुबजेंदेवीस्यूरे ॥ आक्षि
दिकदिघरि ॥ चुवननेंविपयसीतकारादिक ॥ सरूपार्रे कीधारे ॥ [illegible] तुमे०
क्रोधानलसधूकणमाहरु ॥ विपयसेवनइणेंमाम्युरे ॥ अविवेकपवन
मुक्लागो ॥ रवमगतेम्यानथीकाढ्युरे ॥ ३१ ॥ तूमे० ॥ वलिमुक्[illegible]
थई ॥ जिणेंजित्यावक्राराजानरे ॥ तोकुसीलणीदेवीकुबभए ॥ ठेसारमेम[illegible]
नेरे ॥ ३२ ॥ तूमे० ॥ अहोअहोनारीचरीमने ॥ जुउमुक्किणीपरेंसारेरे ॥
आचरणाकेहवीठेएहनी ॥ एबकुकपटतेवासेरे ॥ ३३ ॥ तुमे० [illegible]

मुरू ॥ तिणेंरहेवायनश्हांहोवलतीचयनीआगमां ॥ ६१ ॥ तिणेंकरूएहवी वात ॥ जिणेंमुरूआणाआपेहोसूपनकरूतेरीतस्यू ॥ बोल्योश्मवीचारी ॥ मातासूपनुलाघुहोसासलज्योपरतितस्यू ॥ ६२ ॥ कुमरनेंथापीराज्य ॥ मस्तकमुखमुंमावीहोसयलसगत्यागिथयो ॥ श्रमणथश्शुससग ॥ घरउपर जबबेठोहोतिहांथीवलीपमीगयो ॥ ६३ ॥ रातिनेंपाछीलेपोहर ॥ देषीनेंरूजाग्योहोतेसांसलीनेखलखली ॥ घुघुकारकरत ॥ मातापगस्यूचांपेहोपृथवी ममलवलीवली ॥ ६४ ॥ श्रपमगलथाउदूरि ॥ चिरजीवोतूहेपुत्ताहोनिरविघनेंमहीपालज्यो ॥ सूपननेंघातिनीमित्त ॥ सापेमोसीमुरूनेंहोपुत्रवचनमुरूपालजो ॥ ६५ ॥ सूपनशास्त्रनीजाण ॥कहेश्मआपोसूतनेंहोराज्यतुह्मेघरमांरहो ॥ स्योतुम्हेसाधुवेष ॥ श्वरकालनीदिक्षाहो ॥ घरमावेगतूम्हेपहो ॥ ॥ ६६ ॥ म्हेंकस्युवचनप्रमाण ॥ तबवलीवोलीपमीआहोतासउपायहवेसांसलो ॥ जलथलखहचरजीव ॥ हणीकुलदेवीपुजोहोविघनसवेछरिटलो ॥ ॥ ६७ ॥ शांतिकरमकरोश्म ॥ वेदमासाषीविधियीहोम्हेंकसुंछांकीकाननें ॥ मातासीकहोवात ॥ शांतीकरमहिंसाश्होकरतांलेवाप्राणनें ॥ ६८ ॥ घरमश्रहिंसामुख ॥ साप्योछेसरूसाखेंहोतेहनेंवाधाकीमकरो ॥ मनथीहणीश्जीव ॥ तोपणिसवमासमीश्होसवशायरथाश्ड्स्तरो ॥ ६९ ॥ जेकरेपरनेडरक ॥ पामेपोतेनेहवुहोश्रफलकर्मजाश्नही ॥ शातिकरमपणितास ॥ परनेंपापनचिंतेहोश्हपरसवसूखीउसही ॥ ७० ॥ यत ॥ तेणेजहासधीमुहेगहीए ॥ सकम्मुणाकिच्चश्पावकारी ॥ एवपयापेच्चश्हचलोए ॥ कमाणकम्माणनमुखश्रछी ॥ १ ॥ कृतकर्म्मक्षयोनास्ती ॥ कल्पकोटीसतैरपी ॥ श्रवस्यमेवसोक्तव्य ॥ कृतकर्मशुसाशुस ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥ निजपरश्रातमजीव ॥ जेसरीखाकरीजाणेंहोतेणेमोक्षमारगनेंसाधीश ॥ माताबोलीताम ॥ पुण्यपापपरीणामेंहोहोश्वेदतेश्मआराधीश ॥ ७१ ॥ यत ॥ जस्सनलिप्पईवुधी ॥ हतुणश्मजगनिरवसेस ॥ पावेणसोनलिप्पश ॥ पकयस्सोसोवसलिलेण ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ श्रथवाजोहोश्पाप ॥ तोपणिकीजेंतनुनेंहोनिरोगतानेंकारणें ॥ कारणेंकरी

म्हेंपणिनवीदाप्योविकाररे ॥ पूर्वपरिवरेत्योतवा ॥ २
॥ ५॥ तू०॥ रयणीअनर्थनीषाणीगई ॥ करेकरणीनिजपरसांतिरे ॥
स्यानीकाममर्पे ॥ मिलीराजकचेरीविख्यातरे ॥ ॥ ५॥ तू०॥
॥कहीपद्मविजयइमठालरे॥
॥ आ तू०॥दुहा ॥ मत्रीमम्हलसेलुमह्यूं ॥ वारुकरेवीचारा
लीपसणफनिजपरकारा॥ ८॥ पसणेंमत्रीशणिपरे ॥ अवसरनहीमहाराय ॥ गु
णघरकुमरम्गुणनही ॥ राज्यलारनेंगाय ॥ ॥ ॥ परजानेंजेपाळवी ॥
णधर्मकहत ॥ कहेनरपतीअम्हकुलतणी ॥ एहवीस्थितिआवत ॥
धरमनोदेषीनें ॥ रहेवुनहीघरमांहि ॥ मत्रीकहेतुम्हमनरुचि ॥
गाहि ॥ ५१ ॥ अनुकर्मेदिवसगयोवही ॥ रातिपमीतवराय ॥
मनविगर ॥ सूतोचित्तसुखदाय ॥ ५२ ॥ सेजरमताकमणगुण ॥
न्तइमन्त॥ प्रितीविऊणोप्रेमरस ॥ जाणेंअलूणफघन्न ॥ ५३ ॥ नयणेंआवीनि
मी ॥ जामिनीपाछिलेजाम ॥ आव्युसूपनुएहवो॥साधुतेअसीराम ;
वेचीसहिआणीनी ॥ देषेसूपनुइम ॥ ७ ५
रें ॥ आवीयत्रोघरामाय ॥ मतिकुलसाषीपाम्योहोगयोसातमीसूमीनेंपरी
रें ॥ ५५ ॥ आविपुछेमाय ॥ आलोटतीआलोटतीहोधलिऊउठीमेरुवमयो ॥
इणसमेजाग्योजामानवम्हेंमनमांचित्यूहोएसूपनोविषमआवीअमचो
पणिपरीणामेंग्यार ॥ स्यूनिपजस्येएहथीहोतेहनीषवरपफेनहीं ॥ पणसाघ
परलोक ॥ करवामाम्युरुमुहोवलीजेमानारथाउसही ॥५७॥ धरमध्यान
मारातगइहवेबेगेहोआस्यानेंजईनेंमुदा॥जोमीकचेरीतांमा॥आवियत्रोरामाता
होयिनइउठयोऊतवा ॥ ५८ ॥मुऊपुछेसूषसात॥म्हेंकिपोपरणामहोपीठी
इनेघारीआं ॥ एहमयुसलूकाम ॥ कहेस्यूनीजअसिपायहोमाता
हांआवीआं॥५ ॥नकऊसजमबात॥ लेहेमुऊनेंमाताहोस
सूपनजणावेवात ॥ अवाधीअंतरायहोआत्राकामाहरेहिन ॥
नमातठेलाय ॥ ५ मतिकारतेसाप्याहोमातपीतागणांगमां॥ विरम्पूषि

सावीतावबलीउ ॥ एम्आकणी ॥ तुझ्मुश्म्हश्जीवशुकिम ॥ तेकारणसूणिपुत्त रे ॥ प्रकारांतरेमातमारी ॥ एहतूझ्नेंजुत्तरे ॥ ८६ ॥ अहो० ॥ बोल्योकुर्क्क टश्णिअवसरें ॥ शब्दसूण्योतसमातरे ॥ मातकहेसुणिपुत्र श्रुतीमां ॥ सापी उधिप्यातरे ॥ ८७ ॥ अहो० ॥ एहएहनोकल्पसाध्यो ॥ जोएअवसरजा सरे ॥ शब्दसूणीश्तेहनोअथ ॥ करीश्वघवलीतासरे ॥ ८८ ॥ अहो० ॥ ते हकारणएहकुर्कट ॥ मारितूस्सकाजरे ॥ तवकस्रुमेंमातसूणज्यो ॥ नकरू एहअकाजरे ॥ ८ए ॥ अ० ॥ जिवहिंसाकरूनांहि ॥ तुम्हआणाजोहो यरे ॥ तोमरुऊएहनीश्चय ॥ अवरनहर्णकोयरे ॥ ए० ॥ अ० ॥ मातक हेतूकहेजोश्म ॥ तोसुणिमाहरीवाणिरे ॥ पिठमयकुर्कटवनावी ॥ मारितूनि जपाणिरे ॥ ए१॥ अ०॥ एतलूमुझ्वचनमांने ॥ श्मकहीतरवाररे॥ फूटीलेईने पमीपाए ॥ मुझ्वीजीवाररे ॥ ए२ ॥ अ० ॥ श्मसूणीमुझ्मातनेंहें ॥ नाए नेत्रविलीनरे ॥ मातनुम्हेंवचनमान्यू ॥ मतीथईमुझ्दिनरे ॥ ए३ ॥ अ० ॥ ज्ञानवऊपणिआत्मअरथें ॥ कायनावेकाजरे ॥ दूरदेपेनयनपिणनिज ॥ रुप देर्पेनआजरे ॥ ए४ ॥ अ० ॥ लेप्पकारनेंऊकमकिधो ॥ कूकमानोतामरे ॥ तेहपीठनोकरीकुर्कट ॥ लावीउतिणठामरे ॥ ए५ ॥ अ० ॥ मातकुलदेवी समीपें ॥ लेईमुझ्नेंजायरे ॥ कूकमोआगलितेथापी ॥ कहेमुझ्नेमायरे ॥ ॥ ए६ ॥ अ०॥ म्यानथीएरवमगकाढो ॥ तवकरयुम्हेंतेमरे ॥ माताकहेकूल देवीनेंहवें ॥ घरीमुझ्स्यूप्रेमरे ॥ ए७ ॥ अ० ॥ सूपनमाहुंपूत्रेंदिठु ॥ तसनी वारणथायरे ॥ एहकूकमोपुत्रमारे ॥ कूसलकरज्योमायरे ॥ ए८ ॥ अ० ॥ श्मकहीमुझ्सानकीधी ॥ एहकुर्कटमारिरे ॥ मारीउम्हेंकूकमोजव ॥ पुला कीधीतेधाररे ॥ एए ॥ अ० ॥ सिघ्रकर्मासूपकारनें ॥ कहेंदेवनीसेपरे ॥ रा धितूएमासलेई ॥ हरषीश्जेहदेपीरे ॥ ५०० ॥ अहो ॥ म्हेंकस्रुरेमातएस्यू ॥ मासपाधेथायरे ॥ दाणध्यानतपनियममत्रह ॥ उपघवीलश्जायरे ॥ १ ॥ अ० ॥ फेरपाधूरुअमुजे ॥ मारेएकजवाररे ॥ माससत्वस्तवनरकघाले ॥ ड स्वदोसाग्यअपाररे ॥ २ ॥ अ० ॥ वेघउपधेंमासआपे ॥ तेपणिएहनी

ईपाप ॥ तोपिणदोषनलागेहोवलीहोइविघननीवारणे
हे मात ॥ किहाथीपरीणामरुमोहो ॥ अकारजकरवुंजीहां ॥
षषाय ॥ तेनरकिहाथीजीवेहोजोअमृतबुधीकरेतिहां ॥
जगअन्य ॥ हिसाउपरिसाण्युहोजिणेसकइजीववुईछता ॥ ।
तेपणिषोटुंजाणेहोवलीजेहथीदोषनप्रीछता ॥ ७४ ॥ वस ॥
परमश्चिकश्च ॥ नपाणहिसापरमअकश्च ॥ नपेमरागापरमश्रीवषो ॥
लासापरमश्चिलासो ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ वलीनीरोगीथाय ॥ रुपआउपूणमोहो
जेअसयदानदातासदा ॥ सोसागीसीरदार ॥ परसवपाणजोज
नपामेतेकदा ॥ ७५ ॥ यत ॥ दीहाउउसूरुवो ॥ निरोगोहोइअसयवाणेय ॥
जम्मतरेवीजीवो ॥ सयलजणसलाझणिजोय ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तिणेमत
पालवुंअेय ॥ देहआरोग्यनेकाजेंहोवलीपापकरीवेहस्यूकरु ॥ तिणेमुको
विषवाद ॥ घोरपापजिणेंहोयहोतेंहिसामांचित्तनहीधरू ॥ ७६ ॥ षोबेसें
मेढाल ॥ पनरमीएसाषीहोपणिमोसीनीइममतीपसी ॥ घनघनएनरराय ॥
जिवहिंग्यानवीकीधीहोइमपञ्मविजयमुनिइईसी ॥ ७७ ॥ दूहा ॥ मायकं
हेसुणिमाहरु ॥ वचनकरेकिमव्यर्थ ॥ मातवचनजिहामानवु ॥ नहितीहां
ग्यालनोअर्थ ॥ ७८॥ इमकहीनेमुछपाइपमी ॥ तवम्हेंचिंत्यूंइम ॥ ईतछेवाघ
नेइतनंदी ॥ कष्टपयुकरुकेम ॥ ७९ ॥ एकदिग्याअभावयण ॥ अन्यदिग्यां
प्रयसग ॥ गुरुविपाकव्रतसगथे ॥ सुणिउछेगुरुसग ॥ ८० ॥ इमचितवतो
अवनें ॥ कहेसूणोइकवात ॥ जोतुम्हवाहलोजीवथी ॥ तोमुकोएधात ॥
॥ ८१ ॥ जेहथीदूरगतिजाईइ ॥ तेकीमकरीइमात ॥ अथवाकुमुछआलनो
घणलोकरस्यूघात ॥ ८२ ॥ पछेमुछमांसेंपूजज्यो ॥ कुलदेवीनेंकाज ॥ इम
कहीरवमगतेकाढीउ ॥ लाव्योनहीमनलाज ॥ ८३ ॥ आरयानमरूपमांघ
यो ॥ कोलाहलतिणेकाला ॥ हाहाकारसऊईकहे ॥ कांमनकरोवीकराल ॥
॥ ८४ ॥ ढाल ॥ तुगोआगिरीश्चिपरसोहे ॥ एदेशीउगोअबाकहेमकरो ॥ ता
हसएवकुइमरे ॥ करमालीकहेअहोवूकनें ॥ मातउपरिप्रेमरे ॥ ८५ ॥ अहो

सावीतावबलीउ ॥ एम्आकणी ॥ तुमुश्म्ह्रजीववुकिम ॥ तेकारणसूणिपुत्त
रे ॥ प्रकारांतरेमातमारी ॥ एह्तूझनेंजुत्तरे ॥ ८६ ॥ अहो० ॥ बोल्योकुर्क्क
टशणिअवशरें ॥ शब्दसूण्योतसमातरे ॥ मातकहेसुणिपुत्रसुतीमां ॥ साथी
उथिप्यातरे ॥ ८७ ॥ अहो० ॥ एह्एह्नोकल्पसाध्यो ॥ जोएअवशरजा
सरे ॥ शब्दसूणीश्तेह्नोअथ ॥ करीश्वघवलीतासरे ॥ ८८ ॥ अहो० ॥ ते
ह्कारणएह्कुर्क्कट ॥ मारितूशुत्तकाजरे ॥ तवकमुर्मेमातसूणज्यो ॥ नकरु
एह्अकाजरे ॥ ८९ ॥ अ० ॥ जिवहिंसाकरूनांहि ॥ तुम्हआणाजोहो
यरे ॥ तोमरुऊएह्नीश्वय ॥ अवरनहर्णकोयरे ॥ ९० ॥ अ० ॥ मातक
हेतूकहेजोश्म ॥ तोसुणिमाह्रीवाणिरे ॥ पिठमयकुर्क्कटवनावी ॥ मारितूनि
जपाणिरे ॥ ९१ ॥ अ० ॥ एतलूमुऊवचनमांने ॥ श्मकहीतरवारेरे ॥ फूटीलेईनें
पमीपाए ॥ मुऊवीजीवाररे ॥ ९२ ॥ अ० ॥ श्मसूणीमुऊमातनेंहें ॥ नाण
नेत्रविलीनरे ॥ मातनुम्हेंवचनमान्यू ॥ मतीयईमुऊदिनरे ॥ ९३ ॥ अ० ॥
ज्ञानवऊपणिआलअर्ये ॥ कायनावेकाजरे ॥ दूरदेपेनयनपिणनिज ॥ रुप
देपेंनआजरे ॥ ९४ ॥ अ० ॥ लेप्पकारनेंऊकमकिधो ॥ कूकमानोतामरे ॥
तेह्पीठनोकरीकुर्क्कट ॥ लावीउतिणठामरे ॥ ९५ ॥ अ० ॥ मातकुलदेवी
समीपें ॥ लेईमुऊनेंजायरे ॥ कूकमोआगलितेथापी ॥ कहेमुऊनेंमायरे ॥
॥ ९६ ॥ अ० ॥ म्यानथीएरवमगकाढो ॥ तवकरयुम्हेंतेमरे ॥ माताकहेकूल
देवीनेंह्वें ॥ घरीमुऊस्यूप्रेमरे ॥ ९७ ॥ अ० ॥ सूपनमारुंपूत्रेंदिवु ॥ तसनी
वारणथायरे ॥ एह्कूकमोपुत्रमारे ॥ कूसलकरज्योमायरे ॥ ९८ ॥ अ० ॥
श्मकहीमुऊसानकीधी ॥ एह्कुर्क्कटमारिरे ॥ मारीउम्हेंकूकमोजव ॥ पुत्रा
कीधीतेवाररे ॥ ९९ ॥ अ० ॥ सिद्धकर्मासूपकारनें ॥ कहेदेवनीसेपरे ॥ रा
धितूएमासलेई ॥ हरपीश्जेह्देपीरे ॥ ५०० ॥ अहो ॥ म्हेंकमुरेमातएस्यू ॥
मासपाधेथायरे ॥ दाणध्यानतपनियममग्रह ॥ उपघवीलश्जायरे ॥ १ ॥
अ० ॥ फेरपाघूरुअमुजे ॥ मारेएकजवाररे ॥ मांसत्तवत्तवनरकघाले ॥
ड खदोसाग्यअपाररे ॥ २ ॥ अ० ॥ वेयउपर्येमासआपे ॥ तेपणिएह्नी

इपाप ॥ तोपिणदोषनलागेहोवलीहोइविघननीवारणे
हे मात ॥ किहांथीपरीणामरुमोहो ॥ अकारजकरधुंछेजीहां ॥
षपाय ॥ तेनरकिहांथीजीवेहोजोअमृतबुधीकरेतिहां ॥
जगअन्य ॥ हिंसाउपरिंसाम्युहोजिणेंसऊइजीववुंइछता ॥ जे
तेपणिषोंटुंजाणेहोवलीजेहथीदोषनथीछता ॥ ७ ॥
परमछिकद्ध ॥ नपाणहिंसापरमअकद्ध ॥ नपेमरागापरमद्वीवघो ॥
लासापरमछिलासो ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ वलीनीरोगीथाय ॥ रुपआउपूषाजेहो
जेअसयदानदातासदा ॥ सोसागीसीरदार ॥ परसवप जोज
नपामेतेकदा ॥ ७५ ॥ यत ॥ दीहाउउँहूरुवो ॥ निरोगोहोइअसयदाणेण
जम्मतरेवीजीवो ॥ सयलजणसलाऊणिजोय ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तिणेंवत
पालवुंश्रेय ॥ देहआरोग्यनेंकाजेहोवलीपापकरीदेहस्यूकरु ॥ तिणेंमुको
विषवाद ॥ घोरपापजिणेंहोयहोतेंहिंसामांचित्तनहीधरू ॥ ७६ ॥ पोतेसं
मेढाल ॥ पनरमीएसाषीहोपणिमोसीनीइममतीषसी ॥ धनधनएनरराय ॥
जिवहिंसानवीकीधीहोइमपद्मविजयमुनिइंइसी ॥ ७७ ॥ दूहा ॥
हेसुणिमाहरु ॥ वचनकरेकिमव्यर्थ ॥ मातवचनजिहांमानवु ॥ नहितीहां
शास्त्रनोअर्थ ॥ ७८॥ इमकहीनेंमुऊपाइपमी ॥ तवम्हेंचित्यूइम ॥ ईतछेबाप
नेंश्तनई ॥ कष्टथयुकरुकेम ॥ ७९ ॥ एकदिशाअवासयण ॥ अन्यदिशा
वयसग ॥ गुरुविपाकव्रतलगवे ॥ सूणिउछेगुरुसग ॥ ८० ॥ इमचितवतो
अवनें ॥ कहेसूणोइकवात ॥ जोतुम्हवाहलोजीवथी ॥ तोमुकोएघात ॥
॥ ८१ ॥ जेहथीदूरगतिजाईइ ॥ तेकीमकरीइमात ॥ अथवाऊमुऊआत्मनो
घणऊतोकरस्यूघात ॥ ८२ ॥ पछेमुऊमांसेंपूजज्यो ॥ कुलदेवीनेंकाज ॥ इम
ऊहीखम्गतेकाढीउ ॥ लाज्योनहीमनलाज ॥ ८३ ॥ आस्थानममपवोच
यो ॥ कोलाहलतिणेंकाला ॥ हाहाकारसऊइकहे ॥ कोमनकरोबीकराल ॥
॥ ८४ ॥ ढाल ॥ तुंगीआगिरीशिषरसोहे ॥ एदेशीउगोअबाकहेमकरो ॥ सा
हसएवमुइमरे ॥ करऊालीकहेअहोतूऊनें ॥ मातउपरिंप्रेमरे ॥ ८५ ॥ अहो

क ॥ १५ ॥ एहविचारराणिअवसरे ॥ करवोनघटेकोय ॥ इमचिंतवतोबोली
उ ॥ इमहीजकरवुंहोय ॥ १६ ॥ ढाल ॥ रागखसाती ॥ हवइमीपालकुमार ॥
एदेशी ॥ चिंतेराणीइम ॥ एहसूपतिदिखालीइजी ॥ कनवीजाउसाथि ॥ तोलों
केनिविजीइजी ॥ १७ ॥ मरणलहेजोराय ॥ तोपठेमुकचितानहीजी ॥ नम
रुजोरायनेंपीठ ॥ तोपिणमिसकाकुंअहिजी ॥ १८ ॥ पालबुबालनुराज्य ॥ व
लीमन्त्रीमुखनाकहेजी ॥ एहथांजेहनीमित्त ॥ तेहकलकसवेदहइजी ॥ १९ ॥
मारएकरुअउपाय ॥ विषसोजनमांआपीइजी ॥ बेठोसोजनकांम ॥ तवस
वीआहारतेथापीइजी ॥ २० ॥ नासामुखनेंढाकि ॥ आहारकरावबाआवीआंजी ॥
चतूरपुरुषसुजांण ॥ राणिपणितेमावीआंजी ॥ २१ ॥ सोजनअतेजांम ॥
उठेरायचलुकरीजी ॥ चचीसकनीदृष्टि ॥ तबोलमांतवविषधरीजी ॥ २२ ॥
सपीउंतेतबोल ॥ वासभुवनमांहिगयोजी ॥ आवयामांम्युघेन ॥ विषविकार
सवलोपयोजी ॥ २३ ॥ जमथईजीसअत्यत ॥ लोचनमीचाणातदाजी ॥ न
खयथयासामलवान ॥ मुखकमलाणमुकजदाजी ॥ २४ ॥ उखअनुंसवतोता
म ॥ पमीउंसिंहासनथकीजी ॥ खेवलहेपमीहार ॥ जोवेमुकसाहमुंचकीजी
॥ २५ ॥ हाहास्यूथयुएह ॥ इमकहीकुकमोआवीउंजी ॥ स्यूथयुरेमहाराय ॥
तवमुकउत्तरनावीउंजी ॥ २६ ॥ जांण्योएकेरवीकार ॥ बुवारवतिणेंकस्योजी
घातेलोकोघात ॥ रायसिंहासनथीपम्योजी ॥ २७ ॥ तेमोवैद्यसूजाण ॥ वि
षविकारउतारवाजी ॥ चिंतेराणीताम ॥ रायनेपुरोमारवाजी ॥ २८ ॥ जोआ
वेंएहविद्य ॥ तोजीवाम्नेंटपसणीजी ॥ इमचिंतवतीतेह ॥ हाहाकारमुखेंस
णीजी ॥ २९ ॥ ताणीघुघटपुर ॥ मुकउपरिआवीपमीजी ॥ करतीवकआक
द ॥ आसुधारानवीअमीजी ॥ ३० ॥ गलुदाब्युतिणिवार ॥ मर्मपीमाइमरीग
योजी ॥ आम्युआरतध्यांन ॥ सवसघलोअहिलेंथयोजी ॥ ३१ ॥ सिलिद
नामेंपाढ ॥ दक्षीणदिशिमोरमीतणीजी ॥ कुंपिउपनोमोर ॥ एकदिनमोरमी
नेंहणीजी ॥ ३२ ॥ लेईम्याधजुवान ॥ दिघोगामतलारनेजी ॥ नवीआवीमु
कपांख ॥ वेदनासकतेकारऍजी ॥ ३३ ॥ खमतोसूखअपार ॥ किमारवाउ

हारारे ॥ विसभूरगधइडीमलधी,॥ उपनुएअशाररे ॥ [illegible]
सवर्जेसांसलोगुण ॥ चोरअकुजपीशाधरे ॥ सूतघहनेंअनमीएस[illegible]
समाहोयसाधरे.॥ ७ ॥ अ० ॥ सुखेंजीवेसदगतीहोय ॥ एजि[illegible]
तीरे ॥ सुणोपरदरसनेंसाष्यु ॥ तेहसघलीरीतीरे ॥ ५ ॥ अ० ॥ [illegible]
माश्चवर्जे ॥ स्वर्गलोकेंजायरे ॥ मुनीविशिष्टकहेशीपरि ॥ महासारत[illegible]
॥ ६ ॥ अ० ॥ यत ॥ आवज्जीवचयोमांस ॥ विषवत्परिवर्जयेत् ॥ [illegible]
ष्टोसगवान्नाह ॥ स्वर्गलोकस्यसंस्थिति ॥ १ ॥ यावतिपशुरोमाणि ॥ [illegible]
भेपुसारत ॥ तावद्वर्षसहस्राणि ॥ पच्यतेनरकेनरा ॥ २ ॥ आकाश[illegible]
विमा ॥ पततीमांसभक्षणात् ॥ विमाणांपतितदृष्ट्वा ॥ त्याज्यमांशविवेकि[illegible]
॥ ३ ॥ शुक्रशोणितसभूत ॥ मासयोस्वादतेनर ॥ तेजन कुरुतेशौचं ॥ [illegible]
तितेनदेवता ॥ ४ ॥ किंजापहोमनीयमें ॥ तिर्थस्नानेंश्वसारत ॥ यदि[illegible]
मांसानी ॥ सर्वमेतत्निरर्थक ॥ ५ ॥ तिलसर्षपमाभतु ॥ योमांसंस[illegible]नर ॥
सयातीनरकघोर ॥ यावच्चंद्रदिवाकरौ ॥ ६ ॥ इत्यादिमहासारते ॥ [illegible]
अवाबोलीपुभनकरो ॥ एहमांकायविचाररे ॥ वचनमाहरुसर्वमांन्यूं ॥ करो
एहनोआहाररे ॥ ७ ॥ अ० ॥ सत्यमांसनएहकल्पित ॥ तेहमांस्योदोषरे ॥
इमकहेमेंवचनमांन्यू ॥ किधोपापनोपोषरे ॥ ८ ॥ अ० ॥ जेहसांभ्यूंतेह[illegible]
धू ॥ अशुसकर्मबधायरे ॥ सानुबघीबंधतिर्षसमें ॥ पम्योततविणरायरे ॥ ९
॥ अ० ॥ विजेदिनहवेकुअरभाप्यो ॥ राजअसीपेकाकिधरे ॥ मबर्ज्याहवें
महुएहेतें ॥ अधमसबलोलीधरे ॥ १० ॥ अ० ॥ स्वरूपोपेसोलमीए ॥ पमाधि
जश्ठालरे ॥ सांभीसमरादित्यकेरा ॥ रासमांसूरसालरे ॥ ११ ॥ अ० ॥ १ ॥
॥ दुहा ॥ नृपनेंकहेनयणावली ॥ मार्यपुभसूणोएक ॥ पुभराज्यबहुलपेखी
नें ॥ करस्यूंकालिविवेक ॥ १ ॥ मेंचिल्युमनमांहिएम ॥ बालएकेमविरूप ॥
रातिनेंहमणांकेरमी ॥ अहो २ चरीमअनुप ॥ २ ॥ अवबाईबपवि[illegible]
जिवतोमुंकेजाणिमुआसार्येकोईकमरई ॥ मारिचरीबपीडाए ॥ [illegible] विच
गतिनारीहोइ ॥ विषहरगतीपरेंबक ॥ मुंबनआएचमाहिजो ॥ सेहनेंसजेमि[illegible]

विकराल ॥ ५१ ॥ जु० ॥ तेहप्रहारथीलोहीवम्यो॥ मुक्योमुफनेताम॥ जु०॥ धरणीपिठपम्याविक्र ॥ ओकलसोसूस्वामि ॥ ५२॥ जु० ॥ मरणसमयअ म्हबिक्रतणो ॥ जाणिवोलेराय ॥ जु० ॥ आर्यिकानेंजिमतातनो ॥ ओकहो येतिमथाय ॥ ५३ ॥ जु० ॥ कृष्णागुरुचवनवली ॥ काष्टलविगनांआ णि ॥ जु० ॥ दहनदिउंदीउदांननें ॥ सर्गपमाफवाजाणि ॥ ५४ ॥ जु० ॥ सांसलीमोरतेंचितवइ ॥ अहोइणितातनेंकाज ॥ जु० ॥ दा नादिकदीधाघणां ॥ पणिमुफवेलाएआज ॥ ५५॥ जु० ॥ कीमाषाउसूर्ये मरु ॥ वलीस्वानेंमुफखघ ॥ जु० ॥ कर्मगुरुताइकरी ॥ तिरजचनीगतील ध ॥ ५६ ॥ जु० ॥ प्राणगयाइणिअवसरें ॥ हवेउतपतीनोठाम ॥ जु०॥सूवे लगनपढीमदिरों ॥ दू प्रवेश्रवननाम ॥५७॥ जु० ॥ कटकवस्त्रवफलजीहा॥ तिहांएककपईजीव॥ जु० ॥ तेहनीकुपेंउपनो ॥ डखलहेतोसदेव ॥ ५८ ॥ जु० ॥ माकांणीवापकुटलो ॥ डखसहेतांमुफजोय ॥ जु० ॥ कालप्रसवबि नाजनमीउ ॥ करमनेंआरमनहोय ॥ ५९ ॥ जु० ॥ सूपयकीनासीगयु ॥ ज ननीयणमादूध ॥ जु० ॥ फलूपेंपाउगोपरु ॥ अनुक्रमेंथयोदध ॥ ६० ॥ ॥ जु० ॥ इणिअवसरमायकुतरो ॥ मुजंआरतध्यांन ॥ जु० ॥ तिणहीजवन माउपनो ॥ नागतेवीपनुयान ॥ ६१ ॥ जु० ॥ विद्रुममणीपरिलोयणां ॥ अ धकारनीराशि ॥ जु० ॥ चपलजीसदोयलपलपे ॥ दिशतोकालपास ॥ ६२ ॥ ॥ जु० ॥ दर्इरनुसफणकरे ॥ तवमेंविगरविचारि ॥ जु० ॥ पकम्योपुठ्यी नागनें ॥ तसपणिकोपअपारि ॥ ६३ ॥ जु० ॥ मसीउमुफवदनेंतदा ॥ माहो माहिघरीपार ॥ जु० ॥ पाईश्विक्रपरस्परे ॥ इणिअवसरतिणिवार ॥ ६४ ॥ ॥ जु० ॥ आविरीठमुफनेंपसो ॥ पावामांम्योताम ॥ जु० ॥ त्रटत्रटत्रोमेंशि रातिहां ॥ चटचटफाभेंचाम ॥ ६५ ॥ जु० ॥ घटघटश्रोणीतपीवतो ॥ कम २ मरफेहाम ॥ जु० ॥ तिमपातां २ यकां ॥ पोहतीतासरुहाभि ॥६६॥ जु०॥ तेसन्द्यीमानुवीहतो ॥ नागेकलेवरफाम ॥ जु० ॥ जीवपपीउमीगयो ॥ ते हयानिकनेंगामि ॥ ६७॥ जु०॥ तेहविशालानयरीइ ॥ डटोदकानदीनाम ॥

नितप्रतेंजी ॥ तिणेंपापेंमुक्रदेह ॥ पामीवीस्तारकालजअतेजी
तणोथयोसार ॥ नाटिकमुक्रनेंसीषब्यूजी ॥ रूपोजांणीतेह ॥
दाषव्यूजी ॥ ३६ ॥ गुणधरजेमुक्रपुत्र ॥ सेटिजाणीनेंराषीतंजी ॥ [illegible]
माय ॥ जिणेंप्रांणीवधदाषीतंजी ॥ ३७ ॥ तेमुक्रमरणनेंविन्न ॥ [illegible]
वत्रातेमरीजी ॥ करहाम्देशेंगांम ॥ धान्यपुरकनामेंपुरीजी ॥ ३
तरीगरसेंआय ॥ उपनीतेंकूतरापणेंजी ॥ जनमथयोजबतास ॥ मोक्षे[illegible]
तिहांकिणेंजी ॥ ३८ ॥ जाणेंमननीवात ॥ मोकल्योगुणधरतपस[illegible]
सार्थेआव्यादोय ॥ आस्थानससालूपजतणीजी ॥ ३९ ॥ नयरी[illegible]
इ ॥ रायनेंप्रीतीघणीपश्जी ॥ प्रसस्याअम्नदोय ॥ ४०
॥ ४१ ॥ चोथेरवण्डेढाल ॥ सत्तरमीसोहामणीजी ॥ पद्मविजयकहेए[illegible]
वीजनमनसूखकामणीजी ॥ ४१ ॥ दुहा ॥ अकालमृत्युनामेंअठे ॥ [illegible]
घीपसीरवार ॥ स्वानतेतेहनेंसुपीतं ॥ आंणीहर्षअपार ॥ ४२ ॥ निलकंठ[illegible]
रायनो ॥ पालकंपषीजाती ॥ मुक्रनेंआप्योमोदस्यू ॥ २
॥ ४३ ॥ प्रजापालणवलीपारघी ॥ अतीवल्लसमुक्रएह ॥ स्वाननेंजतनेंसा[illegible]
वे ॥ जिवघातकरेतेह ॥ ४४ ॥ वचनप्रमाणकरीवल्यो ॥ केतोहिकगयो[illegible]
ल ॥ पालताअम्हप्रेमस्यु ॥ वातसूणोवीकराल ॥ ४५ ॥ ढाल ॥
पमानी ॥ एकदिनमात्रादउपरें ॥ इसनिलजिहांगोप ॥ जुउंगतीकर्मनी ॥ [illegible]
यणावलीचित्रशालिमां ॥ करतिकूवजस्यूजोष ॥ ४६ ॥ जु० ॥ गोषवी[illegible]
रेमाननी ॥ देषीउपनुज्ञान ॥ जु० ॥ जातीसमरणजेहनें ॥ आव्यूआरत[illegible]
न ॥ ४७ ॥ जु० ॥ क्रोधवसेंतिहांकलकल्यो ॥ प्रचुनखेंकरेचोट ॥ जु०
लोहखाठीलेईकूवजनी ॥ मुक्रउपरिकरेदोट ॥ ४८ ॥ जु० ॥
कुलथयो ॥ पमीउमार्गसोपान ॥ जु० ॥ कुवटुखेलेराजीउ ॥
यान ॥ ४९ ॥ जु० ॥ राणीनाअनुचरआवीआ ॥ पहोत्र करेतावा[illegible]
जु० ॥ तेहकोलाहलसांसली ॥ आव्योजननीस्वान ॥ ५० ॥ जु० ॥ पक[illegible]
मुक्रनेंकूतरे ॥ देषीतेहसुपास ॥ जु० ॥ हाहारवकरतांहण्यो ॥ तेहस्वान

रथेंमातसोगवतां ॥ दिगेजुयपतीजोगवतारि ॥ जु० ॥ कोयइंममंदेशेंमुऊमा
स्यो ॥ निजवीरजमांअवतास्योरे ॥ ८४ ॥ जु० ॥ यत ॥ कम्ममलविनमी
एण ॥ तद्धमरतेणमदसंगोण ॥ अप्पाऊअप्पणवीय ॥ जणीउंजणणीएगस्स
मी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ दुकमेभसवकालजवआयो ॥ गयोआहेमेनररायोरे ॥
॥ जु० ॥ आहेमेपीवलीउंराय ॥ तिहापेभमांबकरीदेखायरे ॥ ८५ ॥ जु० ॥
गर्सपीहलके२घाले ॥ रायरवालीआम्यातेसालेरे ॥ जु० ॥ बाणनाष्युबकरीनें
वागु ॥ हरष्योनृपलरुनेलागुंरे ॥ ८६ ॥ जु० ॥ गर्सजाणीनेंपेटविदास्यु ॥
तिहाम्हेंतोजीवीतघास्युरे ॥ जु० ॥ श्रुप्योअजापालनेंतिहाराइं ॥ तेपणिबी
जीनुपणपाइरे ॥ ८८ ॥ जु० ॥ पारधीफलकाजेकुलदेवी ॥ पुजेमहीपतणी
बलदेवीरे ॥ जु० ॥ पनरपाम्रासोजनकाजे ॥ मराष्यागुणधरराजेरे ॥ ८७ ॥
जु० ॥ब्राह्मणअरथेंमांसरधाप्यो ॥ मुऊनेंबारणेंबधाप्योरे ॥ जु० ॥ मेपपवीत्र
मुखोकहेवाय ॥ काकशुनकबोट्यूनखवायरे ॥ ८९ ॥ जु० ॥ तिणेंमुऊनेंश्रु
धामीजिमीआ ॥ विप्रेंआचमनतेकरीआरे ॥ जु० ॥ अतेउरलेशराजाआग्योया॥
देषीमुऊमनमासाष्योरे ॥ ९० ॥ जु० ॥ जातीसमरणउपनुंज्ञान ॥ थयुसर्व
वृत्तांतविज्ञानरे ॥ जु० ॥ ब्राह्मणबेठाहारोहार ॥ प्रणम्याम्हेंषित्तउदाररे ॥
॥ ९१ ॥ जु० ॥ विप्रकहेएतातनीपांति ॥ एआर्थिकानीवलीपांतिरे ॥ जु०॥
एकुलदेवीनीपकतीजोणी ॥ तवम्हेंचित्युमनआणिरे ॥ ९२ ॥ जु० ॥ एमु
ऊपुत्रकरेमुऊअर्थे ॥ पणिसबीजाइव्यर्थेरे ॥ जु० ॥ सोजनेंबेठोसऊपरी
वार ॥ नवीदिठीनयणावलीनारिरे ॥ ९३ ॥ जु० ॥ इणिसमेदासीपरस्पर
साथे ॥ कहोमांसदुर्गंधतावापश्रे ॥ जु० ॥ महिपतोताजाइहणीआसूपें ॥ तव
एकबोलीकरीचूपेरे ॥ ९४ ॥ जु० ॥ प्रेममजुपासुणितूवात ॥ मांसनोनवीर्ग
घआयातरे ॥ जु० ॥ नयणावलीश्मद्धजेपाघो ॥ अजिरणेंथयोकोढतेबाघोरे
॥ जु० ॥ ९५ ॥ ताससरीरनीदुर्गंघलावे ॥ वायरोजेफरसीनेंआवेरे ॥ जु०॥
एककहेसुणिसुंदरीवीजु ॥ ताहरीवातसांसलीपीजुरे ॥ जु० ॥ ९६ ॥ रायनें
ऊरदेशनेंमास्यो ॥ तेपापव्याजेवघास्योरे ॥ जु० ॥ एककहेएमकरोवात ॥ प

॥ जु॰ ॥ मोटाइहमांमाग्ली ॥ कुरखेंउपनोतांम ॥ ६८ ॥ जु॰ ॥ रो
नीजातिमां ॥ हवेजेकालोसाप ॥ जु॰ ॥ एहनदिमांउपमो ॥
पाप ॥ ६९ ॥ जु॰ ॥ षोमेखमेअढारमी ॥ ढालकहीमनोहार ॥ जु॰ ॥
विजयकहेसांसलो ॥ सुणतांजय२कार ॥ ७० ॥ जु॰ ॥
॥ दुहा ॥ मढअनेंसुसमारते ॥ अनुकमेंमिलिआवोय ॥ पकमयोमुम्मेकु
षी ॥ सुसमारेघरीसोय ॥ ७१ ॥ इणिअवसरिआवीतीहां ॥ स्नानकर
त ॥ षेमीनामपिसाईका ॥ देषीरूपावेत ॥ ७२ ॥ मुरूनेमुकीतिपसर्वे
कम्योवासीपाय ॥ नदीमांहेंनासीगयो ॥ रूतोकरतोहाय ॥ ७३ ॥ जुवा
रेषापमी ॥ पकमीराषीपाणि ॥ माढीआव्यामोकला ॥ जवरउलषा
॥ ७४ ॥ मुक्राषीतमानिनी ॥ मारयोतेसुसमार ॥ कालकेतोईकअती
आगलिसुणोअधीकार ॥ ७५ ॥ ढाल ॥ म्हारीसहीरेसमाणी ॥
कदिनमांढीइनांषीजाला।पकमयोमुरूततकालरे ॥ जुउकर्मकमाणी ॥
ढजाणीनेंसेटपकिघू ॥ तेतोगुणधरराजाइलिधुरे ॥ ७६ ॥ जु॰ ॥ नय
लीनेंपासेंलायो ॥ सूपतीमनहरषतेपायोरे ॥ जु॰ ॥ कहेनिजमा
श्यो ॥ रघावोतातउदेसरो ॥ ७७ ॥ जु॰ ॥ वलीअछापणिमनमांधारो ॥
अवधारोरे ॥ जु॰ ॥ आपणमाटेउपस्योसाग ॥ पकतलीनेंरघावज्योवा
॥ ७८ ॥ जु॰ ॥ एसांसल्यूषलीनयणेंदीठु ॥ उपनुजातीसमरणमीठुंरे ॥ जु॰
इमसांसलीपुरखमतेमाहरो ॥ आप्योब्राह्मणनेंकरीप्यारोरे ॥ जु॰ ॥
सेषसरीरतेगोलीकरीनें ॥ माहिंभ्रिगमुहीगसरीनेंरे ॥ जु॰ ॥ सीव्योइषपरें
षलीनीर ॥ उपजाषीअतीमुरूपीररे ॥ ८० ॥ जु॰ ॥ मांषफ्तरीताषमीगा
लीउं ॥ सषीजाणक्षानेंरवलसलीउंरे ॥ जु॰ ॥ पणिधर्मध्यानतोआम्यूनांही
महातिव्रवेदनामाहीरे ॥ ८१ ॥ जु॰ ॥ इमदृढकर्मनीगमरुषाणो ॥ नारक
मवेदनटाणोरे ॥ जु॰ ॥ तोहीसरीरथीजीवनजाय ॥ प्रषिसमेंसमारजेबा
॥ ८२ ॥ जु॰ ॥ षमासपाम्लेबकरीआई ॥ विद्याञानपरीमाआईरे ॥ जु॰ ॥
तेहनीकुपेअजरूउं ॥ पाम्योयौवनआमसिमुर्मे ॥ ८३ ॥ जु॰ ॥

रयेंमातसोगवतां ॥ दिगेजुमपतीजोगवतारे ॥ जु० ॥ क्रोधशेमर्मदेवेंमुक्रमा
रयो ॥ निजवीरजमांअवतारयोरे ॥ ८४ ॥ जु० ॥ यत ॥ कम्ममलविनमी
एण ॥ तडमरतेणमदसगोण ॥ अप्पाक्रप्पणवीय ॥ जणीउंजणाणीएगस्स
मी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ ढुकमोमसवकालजवआयो ॥ गयोआहेमेनररायोरे ॥
॥ जु० ॥ आहेमेथीवलीउंराय ॥ तिहांपेअमाबकरीदेखायरे ॥ ८५ ॥ जु० ॥
गर्सथीहलके२चाले ॥ रायखालीआम्यातेसालेरे ॥ जु० ॥ बाणनाप्युबकरीनें
घागु ॥ हरप्योनृपलक्मनेलागुरे ॥ ८६ ॥ जु० ॥ गर्सजाणीनेंपेटविदास्यु ॥
तिहाम्हेंतोजीवीतधास्युरे ॥ जु० ॥ सुप्योअजापालनेंतिहांराइं ॥ तेपणिवी
जीनुयणपाइरे ॥ ८८ ॥ जु० ॥ पारधीफलकाजेकुलदेवी ॥ पुजेमहीपतणी
बलदेवीरे ॥ जु० ॥ पनरपामासोजनकाजे ॥ मराम्यागुणधरराजेरे ॥ ८७ ॥
जु० ॥ब्राह्मणअरथेंमासरधाप्यो ॥ मुक्रनेंबारणेंबधाम्योरे ॥ जु० ॥ मेपपवीअ
मुखोकहेवाय ॥ काकसुनकबोम्यूनरखवायरे ॥ ८९ ॥ जु० ॥ तिणेंमुक्रनेंसु
चामीजिमीआ ॥ विप्रेंआषमनतेंकरीआरे ॥ जु० ॥ अतेउरलेश्राजाआम्यो॥
देषीमुक्रमनमांसाम्योरे ॥ ९० ॥ जु० ॥ जातीसमरणउपनुज्ञान ॥ थयुसर्व
वृत्तांतविज्ञानरे ॥ जु० ॥ ब्राह्मणवेगहारोहार ॥ प्रणम्याम्हेंचित्तउदाररे ॥
॥ ९१ ॥ जु० ॥ विप्रकहेएतातनीपांति ॥ एआर्यिकानीवलीपांतिरे ॥ जु०॥
एकुलदेवीनीपकतीजोणी ॥ तवम्हेंचित्युमनआणिरे ॥ ९२ ॥ जु० ॥ एमु
क्रपुत्रकरेमुक्रअर्थे ॥ पणिसवीजाईव्यर्थेरे ॥ जु० ॥ सोजनेंमेगेसक्रपरी
वार ॥ नवीविठीनयणावलीनारिरे ॥ ९३ ॥ जु० ॥ इणिसमेदासीपरस्पर
सापे ॥ कहोमांसडगंधतादापश्रे ॥ जु० ॥ महिपतोताजाहणीआसूपें ॥ तव
एकबोलीकरीचूपेरे ॥ ९४ ॥ जु० ॥ प्रेममजुपासुणितुबात ॥ मांसनोनवीग
धआयातरे ॥ जु० ॥ नयणावलीश्मडजेपाघो ॥ अजिरणेंथयोकोढतेबाधोरे
॥ जु० ॥ ९५ ॥ ताससरीरनीदूर्गंधलावे ॥ वायरोजेफरसीनेंआवेरे ॥ जु०॥
एककहेसुणिसुदरीबीजु ॥ ताहरीवातसांसलीपीजुरे ॥ जु० ॥ ९६ ॥ रायनें
क्रेरदेखनेंमास्यो ॥ तेपापथ्याजेमधास्योरे ॥ जु० ॥ एककहेएमकरोवात ॥ प

टकर्णमत्रसेदातरे ॥१७॥ जु० ॥ उगेअन्यठेकाणेंजईई ॥
वीलहीरे ॥ जु० ॥ तेउठिचालीअन्यगाम ॥ तसम्हेंजोयुगमगमरे॥
॥ १८ ॥ एकणपासेंबेठीदीठी ॥ नयणांबलीउरकउकीगीरे॥ जु०॥
सहसगमेदूखदेती ॥ कर्मउदययतांवारकेतीरे॥ १९॥ जु०
साषी ॥ सलीउंगणीसमीचित्तराषीरे ॥ जु० ॥ पञ्म
कोईनकरज्योसाईरे ॥२०॥ जु० ॥ ॥ ९ ॥ ॥
॥ढाल॥ मेषपणेंचित्यूमनें ।केहवाकर्मवीपाक।उदयआव्याएहनें।राणीक
क ॥१॥ नयणवयणथणजेहनां॥ जितेंजुवतीजगत्त ॥ कमलपदनेंकुंत
नी ॥ उपमअघीकीवत्त ॥ २ ॥ तपसीपणिमुनीवरतणां ॥
चोर ॥ हवेकामीजनहैयमलु ॥ कठिणनसिर्जेकोर ॥ ३ ॥
अवसरें ॥ रायकहेसूपकार ॥ महिषनुनरुचेमांसए ॥ आणोअन्यउदार ॥
॥ ४ ॥ आणारायनीआकरी ॥ सूपकारससाल ॥ कालक्षेपनासपच
की ॥ तेमुकनेंततकाल ॥५॥ एकपासूछेपूरणि ॥ सम्मसुपतीकाम ॥ पि
पजाषीनररायनें ॥ मोकलीउघरीमांम ॥६॥ ताततनेंपुन्यसणीतीहां॥
शविशेष ॥ कांयकनयणावलीकनें ॥ पाश्आपजेशेष ॥ ७ ॥
मारु ॥ सागरीआतूममगर्वकरे ॥ एवेत्ती ॥ शणिअवसरेंमुक्रमातजेवकरी ॥
मारीगुणधरराम ॥ तेहकलिंगदेशेंयपयोपामो ॥ अनुकर्मेमोहटोथायरे ॥
सूणोसवीकोमतकर्मकरो ॥ इमकिमसवजलघीतरोरे ॥ एआकणी ॥ सार
वहीआव्योतिणेंनयरी॥नदीउतरेजेते ॥ सूपतूरगआव्योजलपीवा ॥ मारयो
तसतेतेरे ॥ ९॥ सू॥ रायनेंपवरकरीतेपुरषें ॥ रायकहेलावो ॥ तबआव्या
तेपुरुपमहीपनें ॥ कोपथयोचावोरे ॥१०॥ सू॥ रायकहेसूपकारनेंइण
रि ॥ एहदूष्टपामो ॥ एहनेंजीवतांसमयुकरज्यो ॥ दूखदेवणमामोरे ॥११॥
सू०॥ तिणेंपणिसयलदीशालोहकीला ॥ गेकीवांध्योतास ॥
लेंतरीमुकी ॥ कर्मतणोनहीनास ॥१२॥ सू॥ तिमकुहीगलवणमाहिंमुकी ॥
चोकफेरकरीआग ॥ स्वईरकाष्टहोमेंहवइअगनी ॥ बलतीनहीकोयवाग ॥

॥१३॥ सू॰ ॥ कठहोगतातूअतीघूकें ॥ तरषापणितेहवी ॥ उष्णक्षारजल
पीतांवेदन ॥ पामेंनरकजेहवीरे ॥ १४ ॥ सू॥ देहमांहितवआगितेउठी ॥
मांसनीकल्युंवीअपास ॥ रायकहेंहवेमहिषनुसमथु ॥ लावोहमारीपासरे ॥
॥ १५ ॥ सू॥ जिणें२दिशतेमागजपाकू ॥ ठेदीतेनेंअग्र ॥ सूपकारमोकले
नरपतीनें ॥ तोहिंजायनहीहयारे ॥ १६ ॥ सू॥ घीरेमीवलीलूणवाटीनें ॥ घा
ल्यूदूखवेवा ॥ पीरसनारोरायनोआव्यो ॥ विजुमांसलेवारे ॥ १७ ॥ सू॥
सूपकारेंतससाहमुनीरष्यू ॥ तवतेणेंमरषाघो ॥ रोमकप्यांगलीउतसगाढो ॥
हाम्नवधवांधोरे ॥ १८ ॥ सू॥ समकालेंम्हेंसेसमेकियो ॥ कालमरीनेदोय ॥
विद्यालापुरीश्चम्नालपाम्हे ॥ कुकमीउदरेंजोयरे ॥ १९ ॥ सू॰ ॥ मार्जारश्भ्रम
मातापकमी ॥ उकरम्लेश्जाय ॥ खातांभ्रमयुगलतिहांपमीउ ॥ गयोमार्जा
रतेगयरे ॥ २० ॥ सू॥ अम्नउपरिंतिहासूपमुठांक्यू ॥ चम्नालिणीआवी ॥
तेहनीवाफथकीअमेजीव्यां ॥ एपणिजुउसावीरे ॥ २१ ॥ सू॥ श्माफो
मीअम्हेनिकल्यावाहिर ॥ चम्नालसुतपाले ॥ पिंवसारचन्द्रचन्द्रीकासदस ॥
ऋउतरुणकालेंरे ॥ २२ ॥ सू॥ अरघीषणेठीसरिपीचुला ॥ दिर्गकोटवालें ॥
रायखेलणजोग्यजांणीयहियां ॥ नृपनेंदेपालेरे ॥ २३ ॥ सू॥ राजाहरष
लहीनेसूप्यां ॥ कोटवालनेंसापे ॥ जिहा२जाउतिहा२एहने ॥ लावजेमुझ
सापेंरे ॥ २४ ॥ सू॰ ॥ तहतकरेकालदमकोटवालह ॥ हवश्एकदिनराजा ॥
अंतेउरस्यूरमवाचाल्यो ॥ क्रिमावसतताजारे ॥ २५ ॥ सू॥ कुसूमाकरउ
द्यानेंपोहतो ॥ तवकोटवालअमलेय ॥ राजाकेलिघरेकरेक्रीमा ॥ राणिस्यु
वऊसेयरे ॥ २६ ॥ सू॥ अम्नेंकोटवाललेईआव्यो ॥ अशोकवटवृक्षपती ॥
तिहांससीप्रमआचारजदिठा ॥ मुनीवरवऊउपांतिरे ॥ २७ ॥ सू॥ विसमी
ढालेंएचोथेंखम्हे ॥ समरादित्यरासें ॥ पद्मविजयकहेमुनीवरमिलीया ॥ स
घलूसूखयास्येरे ॥ २८ ॥ सू॥ उहा ॥ अलीकवदनार्शणिकरी ॥ धर्मलाभ
दिश्साध ॥ तपसिरीदिपीतेहनी ॥ सूणितसवयणसमाधि ॥ २९ ॥ उपसम
कायकआणीनें ॥ पुछेधर्मप्रपच ॥ साधुकहेसाधारणो ॥ सर्वनोएकजस

च ॥ २० ॥ प्रीछेतत्वनप्राणीत्रा ॥ मुठगणेमनसेय ॥ तेहधर्मसूणतांमका ॥ उपजेनहीकोइषेय ॥ ३१ ॥ ढाल ॥ [illegible] ॥ त्रि विधेंहिंसावर्जवी ॥ त्रलिकनलापवीवाणीरे ॥ विगरदिधुकल्पेंनही ॥ एक तृणसलीत्रप्रमाणरे ॥ ३२ ॥ सासलोश्रीगुरुदेशना ॥ सावधरीसवीजीवरे ॥ त्रिविधेंत्रब्रह्मवर्जवुं ॥ त्रब्रह्मेंहोयकलीवरे ॥ ३३ ॥ सा ॥ नवविधपरीग्रहवर्ज वो ॥ रात्रीभोजनटालीरे ॥ दोषबेंतालीसवर्जवा ॥ त्राहारतणासलालिरे ॥ ॥ ३४ ॥ सा ॥ मनवासीकबोल्योतदा ॥ एहतोमुनीवरधर्म्मरे ॥ पणिकहोसा गारीतणो ॥ मुनिकहेतेहनोमर्मरे ॥ ३५ ॥ सा ॥ श्रावकनांव्रतबारजे ॥ स लावेमुनीरायरे ॥ सासलीकहेमुनीवरषरु ॥ पणिएम्हेंनकरायरे ॥ [illegible] सा ॥ वेदमांपसूवधसापीउ ॥ कुलकरमागतजेहरे ॥ पुरवपूरुषेंत्राचस्वो ॥ छांमीनसकूतेहरे ॥ ३७ ॥ सां ॥ सूरीकहेजोनवीतजे ॥ तोएकुर्कटजोमिरे ॥ दुखपांम्यातिमपांमस्यो ॥ लहेस्योत्रनर्थनीकोमिरे ॥ [illegible] ॥ सा ॥ कोट वालकहेकिमप्रसू पाम्यात्रनर्थसमाररे ॥ तवमुनीवरघुरथीकहे ॥ त्रमचू चरीत्रउदाररे ॥ ३९ ॥ सा ॥ जिमपीठकुर्कटनेंहण्यो ॥ जिमदूखपाम्योत्र त्यतरे ॥ श्रुतज्ञानीगुरुइतिहा ॥ ससलाव्योविरततरे ॥ [illegible] ॥ सां ॥ [illegible] ॥ सिंहीसाणसप्पपसवा ॥ मिणोहरएत्रईत्रमेंशाय ॥ महीसयकुकमपस्की ॥ जायासत्रारजलहिंमी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ बुज्योदमवासिकतिहां ॥ सांसली श्रीगुरुवाणिरे ॥ कहेगुरुजीमाहरेसस्थु ॥ हिंसात्रनर्थनीखाणिरे ॥ [illegible] ॥ सा ॥ व्रतत्रापोश्रावकतणां ॥ तवगुरुजिनउपदेस्योरे ॥ पचनमस्कारत्रापी उ ॥ तेहनोमर्मप्रकास्योरे ॥ ४२ ॥ सा ॥ प्राणातीपातप्रमुखवली ॥ उचरा व्यांव्रतबाररे ॥ हषेनिजचरीत्रतेसासली ॥ कुर्कटहर्षत्रपाररे ॥ ४३ ॥ सा ॥ जातीसमरणपामीत्रा ॥ उपनोवज्रसतोपरे ॥ सूवनगुरुनाधर्मनी ॥ पाम्याबो धिनोपोपरे ॥ ४४ ॥ सा ॥ सानुवधीकर्मनीठम्या ॥ हरपनमायोत्रंगेरे ॥ ति णेंकूकमुकुबोलीत्रा ॥ राचतानाचतारंगेरे ॥ ४५ ॥ सा० ॥ इणित्रवसरवर पतीतिहा ॥ राणीजयावलीसगरे ॥ सोगसोगवतासासल्यो ॥ कुर्कटत्राम्ब

सूचगरे ॥ ४६ ॥ सा ॥ धनुर्षेतिरचढावीउं ॥ राणिनेंकहेइंमरे ॥ देषितुम्र म्हवेधीपण ॥ कुर्कटमारूएप्रेमरे ॥ ४७ ॥ सा ॥ षेंचीवाणनेंमुकीउं ॥ मा रयाऋमरनेंतेणरे ॥ राणीजयावलीसोगवी ॥ ततषिणजेसूपेणरे ॥ ४८ ॥ सा०॥ तसकुषेऋमेउपना ॥ वोवीतर्णेपरस्तावेरे ॥ गर्भप्रसावेदोहलो ॥ उपनोतेसूणो सावेरे ॥ ४९ ॥ सा० ॥ ऋसयदानदेउजीवनें ॥ एहवाऋआपरीणामरे ॥ ऋ सयदानदीघूघण ॥ जनमथयोऋमतामरे ॥ ५० ॥ सा० ॥ दोहदपरिमाणेंठ वे ॥ नामहमारोतातरे ॥ ऋमृतऋसयरुचीठव्यो ॥ विजीऋसयमतीजातरे॥ ॥ ५१ ॥ सा० ॥ हवेनरपतीमनचिंतवे ॥ पुत्रठवुजुवराजरे ॥ पुत्रीनोवलीवी वाहकरू ॥ एदोयउठवकाजरे ॥ ५२ ॥ सा० ॥ इणिऋवसरेंनृपनीकल्यो ऋाहेमेपुरवाहररे ॥ पोहतोवीशालाउद्यानमां ॥ सार्थेनीजपरीवाररे ॥ ५३ ॥ ॥ सा० ॥ वायुकुसमसूरसीतीहां ॥ जांणीजोयुउद्यानरे ॥ तिलकवृक्षनेंठुक मा ॥ दिठमुनीगतध्यानरे॥५४॥सा०॥सूदत्तनामेंमुनीवरु॥ देषीकोप्योसूपरे॥ पारधीमांऋसूकनथया ॥ पमोउंचिताकूपरे ॥ ५५ ॥ सा० ॥ करीउपद्रवए हनेंहवे ॥ मानुंसूकुननिदानरे ॥ कूकारकरीमुकीऋा ॥ मुनीउपरिमाहास्वान रे ॥ ५६ ॥ सा० ॥ वेगेंजालिमजमसमा ॥ ऋाव्यामुनीवरपासरे ॥ जाजुल्य मानऋगनीपरे ॥ मुनीवरदेहप्रकासरे ॥ ५७ ॥ सा० ॥ तपतेजतेनसक्यास ही ॥ उंपघीगघजीमनागरे ॥ निरविषतिमनिःप्रसाथया ॥ तेहशुनकरेराग रे ॥ ५८ ॥ सा० ॥ तपपरसावेंप्रदक्षिणा ॥ देईस्वाननोवृदरे ॥ मस्तकधरतीइ पोसीनें ॥ प्रणमेतेहमुणिंदरे ॥ ५९ ॥ सा० ॥ श्रीसमरादीत्यरासमां ॥ चोथेप मेढालरे ॥ एकवीसमीपदमेंकही ॥ सूणतांमगलमालरे ॥ ६० ॥ सा०॥ दुहा॥ देषीऋचरीजदूरथी ॥ उपनुचित्तमांश्म ॥ स्वानपुरुषएसमकणा ॥ नहीनर स्वानकुनेम ॥ ६१ ॥ तपचरणेंमुनीततपरा ॥ ऋकुशलचित्यूऋाज ॥ इणिस मेपुरीथीऋावीउं ॥ केईजनवदनकाज ॥ ६२ ॥ जिनधरमेंसावीतजिके ॥ ऋरहदत्तश्णनाम ॥ सेठपुत्रसोहामणो ॥ ऋाव्योवदनऋाम ॥ ६३ ॥ मेदनी पतीनोमीत्रते ॥ दिठेंनृपऋवदात ॥ मुनीउपसर्गतेमोटिको ॥ परलोकनोकरे

च ॥ २० ॥ प्रीछेतत्वनप्राणीत्र्प्रा ॥ मुढगणेमनलेय ॥ तेहधर्ममूणतां
उपजेनहीकोश्येय ॥ २१ ॥ ढाल ॥ [illegible]
विर्धेहित्र्प्रावर्जवी ॥ त्र्प्रलिकनसांपवीवाणीरे ॥ विगरदिधुकर्ल्मेनही ॥
तृणसलीत्र्प्रप्रमाणरे ॥ २२ ॥ सांसलोश्रीगुरुदेशना ॥ ॰ ॰ ॰
थिविर्धेत्र्प्रब्रह्मवर्जवुं ॥ त्र्प्रब्रह्मेंहोयकलीवरे ॥ [illegible]॥
वो ॥ रात्रीलोजनटालीरे ॥ दोपर्वेतालीसवर्जेया ॥ त्र्प्राहारतणासस[illegible]रे
॥ २४ ॥ सां ॥ मरुवासीकवोल्योतदा ॥ एहतोमुनीवरधर्म्मरे ॥ पणिकहोसा
गारीतणो ॥ मुनिकहेतेहनोमर्मरे ॥ २५ ॥ सा ॥ श्रावकनांव्रतबारजे ॥ सं
सलावेमुनीरायरे ॥ सालसीकहेमुनीवरघरु ॥ पणिएम्हेंनकरायरे
सा ॥ वेदमांपसूवधलाषीउं ॥ कुलकरमागतजेहरे ॥ पुरवपूरुषेंत्र्प्राचर्यो ॥
छामीनसकूतेहरे ॥ २७ ॥ सां ॥ सूरीकहेजोनवीतजे ॥ तोएकुर्कटजेमरे ॥
दुखपांम्यातिमपामस्यो ॥ लहेस्योत्र्प्रनर्थनीकोमिरे [illegible] ॥ सा ॥ कोट
वालकहेकिमप्रसु पाम्यात्र्प्रनर्थसभाररे ॥ तवमुनीवरधुरथीकहे ॥ त्र्प्रमपू
चरीत्रउदाररे ॥ २९ ॥ सा ॥ जिमपीठकुर्कटनेंहण्यो ॥ जिमदूखपाम्योत्र्प्र
त्यतरे ॥ श्रुतज्ञानीगुरुश्तिहा ॥ ससलाव्योविरततरे ॥ [illegible] ॥ सां ॥ [illegible] ॥
सिद्दीसाणसप्पपसवा ॥ भिणेहरएत्र्प्रईत्र्प्रमेत्र्प्राय ॥ महीसयकुकमपरकी ॥
जायासत्र्प्रारजलहिमी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ बुज्योदमवासिकतिहां ॥ सांसली
श्रीगुरुवाणिरे ॥ कहेगुरुजीमाहरेसस्यु ॥ हिंसात्र्प्रनर्थनीखाणिरे
सा ॥ व्रतत्र्प्रापोश्रावकतणां ॥ तवगुरुजिनउपदेश्योरे ॥ पचनमस्कारत्र्प्रापी
उ ॥ तेहनोमर्मप्रकास्योरे ॥ ३१ ॥ सा ॥ प्राणातीपातप्रमुखवली ॥ उचरा
व्यांव्रतबाररे ॥ हवेनिजचरीत्रतेसांसली ॥ कुर्कटहर्षत्र्प्रपाररे ॥ ३२ ॥ सा ॥
जातीसमरणपामीत्र्प्रा ॥ उपनोवरुसतोषरे ॥ सूषनगुरुनाधर्मनी ॥ पाम्याबो
धिनोपोषरे ॥ ३४ ॥ सा ॥ सानुबधीकर्मनीठम्या ॥ हरषनमायोत्र्प्रंगेरे ॥ ति
णेंकूकमुकुबोलीत्र्प्रा ॥ रायतानाचतारगेरे [illegible] ॥ सा ॥ शणित्र्प्रवसरनर
पतीतिहां ॥ राणीजयावलीसगरे ॥ सोगसोगथतांसांसल्यो ॥ कुर्कटवाच

सा० ॥ मेंकस्योमुनीवरघातहो ॥ प्रायछीतमुझनेंनही ॥ सा० ॥ विणनीजम
स्तकपातहो ॥ ७८ ॥ स० स० मु० आतमअकार्यकलकथी ॥ सा० ॥ दूषी
तएकमुझत्तहो ॥ घारीनसकुतिणेंहवे ॥ सा०॥ निपजावुएहजुत्तहो ॥७९॥
स० स० मु० ॥ इणिसमेमुनीनेंउपनु ॥ सा० ॥ मणपज्ञवघरनाणहो ॥ जा
णीआश्रयसूपनो ॥ सा० ॥ मुनीवरकहेइमवांणिहो ॥ ८० ॥ स०स०मु० ॥
एतुझप्रायछितनही ॥ सा० ॥ जेतेंकल्पनाकीधहो ॥ आत्मघातपणिवारीउ॥
सा० ॥ तेपणिसमयप्रसिघहो ॥ ८१ ॥ स० स० मु० ॥ यत ॥ सावीयजी
णवयणाए ॥ ममत्तरहियाणतछिझविशेसो ॥ अप्पाणमीपरमीय ॥ तोवज्जे
पीन्मुसउवी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ कलकदूखीतनिजआतमा ॥ सा० ॥ जेचि
त्तचिंतवेतासहो ॥ जैनक्रियाजलेंघोयतां ॥सा०॥ निरमलथाइषासहो॥८२॥
स० स० मु० ॥ सवअनुवघवघेघणो ॥ सा० ॥ करतांआतमघातहो ॥ सव
कोन्हिपाम्योनही ॥ सा० ॥ जिनवरवयणवीख्यातहो ॥ ८३ ॥ स०स०मु०॥
तिणेंजिनआणिअगीकरो ॥ सा० ॥ सांत्तलीचिंतवेरायहो ॥ अहोमनवातजा
णेमुनी ॥ सा० ॥ मुझमनअचरीजथायहो ॥ ८४ ॥ स० स० मु०॥ प्रायछी
तमुझपापनु ॥ सा० ॥ निश्चयलहेस्यूएपासहो ॥ आणदजलसरीनयणमां॥
सा० ॥ चरणेंपमेन्टपतासहो ॥ ८५ ॥ स० स० मु० ॥ प्रायछितप्रसूसापीश॥
सा० ॥ मुझकहेसुणिमहारायहो ॥ एकमीथ्यातअज्ञानजे ॥ सा० ॥ तासअ
सावजोथायहो ॥ ८६ ॥ स० स० मु० ॥ चिंतववुविपरीतजे ॥ सा० ॥ ते
मिथ्यापरीणामहो ॥ तेंपणिविपरीतचिंतव्यु ॥ सा० ॥ मुनीअपशकुननोगाम
हो ॥ ८७ ॥ स० स० मु० ॥ करीअकदर्थनावारीइ ॥ सा० एअपशकुननीं
दानहो ॥ तुझमनइणिपरेंउपजे ॥ सा० ॥ नवीकरेएकदीस्नानहो ॥ ८८ ॥
॥ स० स० मु० ॥ तुझमुझमुनीतवली ॥ सा० ॥ सिपथीजीवेजेहहो ॥ वली
पापन्वीरुघए ॥ सा० ॥ पावननकरेंतेहहो ॥ ८९ ॥ स० स० मु० ॥ मध्य
स्यतायकरीसूणो ॥ सा० ॥ उत्तरएहरसालहो ॥ षोयेंरवमेंवाविसमी ॥ सा०॥
पद्मविजयकहीढालहो ॥ ९० ॥ स० स० मु० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

पात ॥ ६५ ॥ प्रणमीसूपसणीकहे ॥ कस्युएहस्यूकाम ॥ कहेनरपतीमधु
तस्था ॥ सरीषुकिघूस्याम ॥ ६६ ॥ अरहदत्तकहेइणिपरें ॥ पुरुषसिह
न ॥ अश्वथीहेगजतरो ॥ वदोएसगवान ॥ ६७ ॥ काम ॥
साहिवो ॥ एदेशी ॥ देशकलिंगनोअधीपती ॥ साहिवाम्हारा ॥ अमर
जानहो ॥ पुत्रसूदत्तनामेंतेहना ॥ सा० ॥ नरपतीनिरमलवानहो ॥
सवेगसीनोम्हारो ॥ समतास्यूलीनोम्हारो ॥ मुनिमानगीनोम्हारोसाहिवो ॥
साहिवाम्हारा ॥ वदोमुनीधरपायहो ॥ एआंकणी ॥ प्रथमजोबनमांहिवस
ता ॥ सा० ॥ एकदिनआव्योतलारहो ॥ चोरसाथेंएकल्यावीउ ॥ सा० ॥ विनवे
नृपनेंतिवारहो ॥ ६८ ॥ स० स० मु० ॥ परघरपेंसीनेंइणें ॥ सा० ॥ लीधो
अपारहो ॥ मास्योमहर्धिकनेंवली ॥ सा० ॥ यहीउनिसरतीवारहो ॥
॥ स० स० मु० ॥ हवेजीमकहोतिमकीजीइ ॥ सा० ॥ सांसलीतेनररायहो
घरमत्रासमणनारेंनें ॥ सा० ॥ तेमीसूणावेप्रकारहो ॥ ॥ स० स० मु० ॥
स्योदंमएहनेंदिजीइ ॥ सा० ॥ तबनरबोल्योतेहहो ॥ घातकस्योचोरीकरी
॥ सा० ॥ किघूकर्मअछेहहो ॥ ७१ ॥ स० स० मु० ॥ त्रिकचोकचाचरें
रखो ॥ सा० ॥ सहुजननेंससलाविहो ॥ नेत्रउपामोएहनां ॥ सा० ॥ कान
नाककपाविहो ॥ ७२ ॥ स० स० मु० ॥ हाथनेंपगवलीछेदीइ ॥ सा० ॥ इ
णिपरेंजीवनोनाशहो ॥ करवोइमरीषीवयणछे ॥ सा० ॥ सांसलीवयणविम्या
सहो ॥ ७३ ॥ स० स० मु० ॥ चिंतवेअहो २ नृपकुलें ॥ सा० ॥ करवां
हवापापहो ॥ तिणेएराज्यसूखेंसरयु ॥ सा० ॥ जेहथीवहुसतापहो ॥
॥ स० स० मु० ॥ आणदनामसाणेजनें ॥ सा० ॥ सूपीराज्यनोसारहो ॥
धर्मगुरुपासेंथया ॥ सा० ॥ गेहतजीअणगारहो ॥ ७५ ॥ स० स० मु० ॥
मुनीवदनकरीनीसरो ॥ सा० ॥ सांसलिश्रावकवाणिहो ॥ मुनीवचनतिणें
समें ॥ सा० ॥ यर्युमुनीपुरणजाणहो ॥ ७६ ॥ स० स० मु० ॥ धर्मजाण
ईसाघीउ ॥ सा० ॥ वेसनूनीरवघगाणहो ॥ पश्चातापनृपउपनो ॥ सा० ॥
जाणीअकजअप्पाणहो ॥ ७७ ॥ स० स० मु० ॥ रायवेसीमनचिंतवें ॥

ष ॥ कहोमहादेवमनेंएतुम्हें ॥ जिमनि सदेहजाएअम्हे ॥ ७॥ दमकवल यहेशुद्धआहारा।अजारोमप्रमार्जनधारा।तुविफलसाजनहोयकरे।सिद्धासोज नकोपनधरे ॥८॥स्वेतवस्त्ररापेंकरेदया॥ मुक्तिजेनधरममाश्रया ॥ पापनीक दननेंअवतार ॥ जुग २ किधाम्हेंअणगार ॥ ए ॥ एहप्रसासपुराणेंकथा ॥सां सलीबोलोममुखथीत्था॥सूरनेंपणिए अमणनुरुप॥ मगलरुपकह्यासूणिसूप ॥ ॥१०॥ यत ॥ प्रसासपूराणें॥अन्यलिंगपरीभ्रष्टो॥जैनलिंगेनसिध्यति॥जैनलि गपरीभ्रष्टो ॥ वज्रलेपोसवीप्यती ॥१ ॥ कीदृशा स्वेतावरा ॥ तेकीदृशा किमा कारा ॥कर्म्मकूर्वंतीकीदृशा ॥ अवतार कथ्यतेपा ॥ महादेवनीगद्यता ॥ २ ॥ दमकवलसयुक्त ॥ अजारोमप्रमार्जन ॥ गृह्नतीशुद्धमाहार ॥ शास्त्रदृष्ट्वा चरतीच ॥ ३ ॥ तुविफलकरासीद्धा ॥ सोजनस्वेतवाससा ॥ नकुर्वंतीकदा कोप॥ दयाकुर्वंतीजतूपु ॥ ४ ॥ मुक्तिजैनधर्माय ॥ पापनीष्कदनायच ॥ अवतार क्तमेपा ॥ मयादेवीयुगेयुगे ॥ ५ ॥ पूर्वढाल ॥ महासारतमासा प्युह्म ॥ जसकुलजतीनथाश्रेम ॥ अवगतीआतसपुरवजथाय ॥ तेनरमो क्षेकीमेनजाय ॥ ११ ॥ शिवशासनमाजेनप्रमांए ॥ केतासापूतासवपांए॥ सासलीनृपनुगयुमीथ्याता।कहेतुम्हज्ञानअहोसाक्षात ॥१२॥ इमकरतोमुनी चरणेंनमें ॥ गुरुजीकोपनकरस्योतूम्हें ॥ म्हेंअज्ञानपणेंकर्युंकर्म ॥ तेपम ज्योप्रसुतुमचोधर्म ॥ १३ ॥ मुनीकहेमुनीसमतापरधान ॥ उठिमकरिसभ्रम कोईठगए ॥ सर्वजीवनुखमीइअमे ॥ तिणेंअमकोपनचित्तमागमे ॥ १४ ॥ आक्रोशतर्जनाघातनाकरे ॥ धर्मभ्रशवलीऋदइधरे॥ अपिम२वीरहतेसाव॥ लासतेहोइशुद्धस्वसाव ॥ १५ ॥ वलीमुनीसानेंकर्मवीवाग ॥ सूपतीहरष्यो धर्मतेराग ॥ एऊनाज्ञानथीठगनुनही ॥ पुत्रूतातनेंआर्यिकाकही ॥ १६ ॥ इमचितीनेंपुछ्यूजदा ॥ मुनीवरेंसाष्युसघलूतदा ॥ पीठकूर्कटवधमामीकरी ॥ जयावलीसूतनेंदीकरी ॥ १७ ॥ तिहांलगेंसासलीरायविचार ॥ चितवेअहो सद्यारअपार ॥ अहोसवनाटिककिणिपरेंलहे ॥ ज्ञानीगुरुविणकहोकुणकहे॥ ॥ १८ ॥ इमचोथेखमेएकही ॥ ढालनेवीसमीपदमेंसही ॥ समरादित्यनरप

॥छहा॥ पलकएकहोयपवीत्रता ॥ मनमांहोयअसीमान ॥ करेभारमनाकार्य नी॥शुचिफएहवीसान ॥ ॥ जीवविराधनाजलतणा ॥ नहीकोश्पर्णचि नान ॥ सदगतीजोस्नानेंहोइ ॥ मछदेमकवऋमान ॥ ॥ जमादिकाइजो थी ॥ विर्मेंपणिवमरीती ॥ अस्नानव्रतसलूआदरयू ॥ नविजाणेंएनीती ॥ ॥९१॥ढाल॥ चौपईनीदेशी॥ सुणितूंस्नाननीवातजकर्ज ॥ पाचशौचपुराण मांलऊ ॥ सत्यसौचतपशौचजवली ॥त्रिजुश्झीयनिग्रहमलि ॥ ॥ चोथुं सर्वजीवनीदया ॥ जलनुशौचपाचमुकहीगया ॥ वलीआरसेवरतेजेह ॥ मैथुनसेवेरहेतोगेह ॥ ॥ शौचपणतेब्राह्मणसणी ॥ नकयुजुधीष्टरमेंपाप गणी ॥ ह्योमाटीनासारहजार ॥ शतकूलावलिलीजेंवारि ॥ ॥ तिरथम्र तगमेकरेसनान ॥ पणिजोदूष्टाचारनीवान ॥ तेहपवीत्रब्राह्मणनहीकदा॥ पापप्रमार्देवरतेसदा ॥ ९७ ॥ जिममदिरानुभाजनहोय ॥ सहस्रवारजोधो वेतोय ॥ पवित्रनथाश्तिणिपरिजांणि ॥ दूष्टअतरगतचीत्तनुन्हाए ॥ ॥ आत्मनदीसजमजलसरी ॥ सत्यप्रवाहशीलतटकरी ॥ दयानदीपांमवकरो स्नान ॥ जलथीशुधनआत्मनीवान ॥ ९९ ॥ इत्यादिकशीवशास्त्रेघणा ॥ साष्यासेदतेस्नानजतणा ॥ सर्वसास्त्रमाप्रांणीदया ॥ न्हातांनरहेतेहनीमया ॥ १०० ॥ वलीदातणनोकह्योविचार ॥ आज्ञतथाउपवासमझारि ॥ दत काष्टसजोगनीवारि ॥ सजोगेंसातकूलसहार ॥ १ ॥ महाभारतमावातएक ही ॥ वलीमार्कन्डपुराणेंलही ॥ सक्रांतीदिनपर्वेप्रतीपदा ॥ नोमीबारसिव लीवरजीसदा ॥ २ ॥ तेकारणदातणनोदोस ॥ मकरोकरीश्मनसतोस ॥ वली अपमव्रतनीयमनाधार ॥ विपयकपायजीत्याअणगार ॥ ॥ सज्झायध्यान मांरातानीत्य ॥ एहवामुनीवरनीत्यपवीत्त ॥ वलिसिरतुम्मुमनजेकरयु ॥ म यमव्रतरापणेंधरयु ॥ ॥ पापमपणिएमगलकरे ॥ जोचित्तमांमुनी मगलधरे ॥ सझनेंशास्त्रेसीक्षाकही ॥ मगलजोपालेव्रतमही ॥ ॥ अम्यलिं गथीभ्रष्टजेथया ॥ जैनलिंगेजेमोक्षेगया ॥ जैनलिंगथीभ्रष्टजोथाय ॥ तोल सवअलेपकहेवाय ॥ ॥ स्वेतांबरकेहवास्येवेष ॥ किमअवतारकरेस्यूंवीते

॥ ३६ ॥ न० ॥ जोकरेतासउपाय ॥ अमृतसमसकतिकरी ॥ न० ॥ कालकूटविषहोय ॥ तोपणितसलीइसहरी ॥३७॥न०॥विखलवनोस्योसार॥तिमसवसावअनादीमा ॥न०॥ सेवीपापअघोरा॥प्रतिपक्षसेवेआल्हादमां ॥३८॥न०॥ बहुसवसचितपाप ॥ क्षयकरचारीत्रआदरी ॥ न० ॥ एकसवनोस्योसार ॥ गुरुवचसूणीहरषेंकरी ॥ ३९ ॥ न० ॥ पुठेचरणपरीणाम ॥ स्यूकहीशतवगुरुकहे ॥ न० ॥ सम्यगज्ञानथीतीव्र ॥ रुचिथीपापनीइतिलहे ॥ ४० ॥ न०॥ तुम्हवरीसर्णेथयोधन्य ॥ आजमहानिर्घीम्हेंलह्यो ॥ न० ॥ आणिकरुतुम्हएह ॥ जोतुम्हेश्रमणयोग्यकह्यो ॥ ४१ ॥ न० ॥ भृत्यनेंकहेनरनाथ ॥ जईकहोमश्रीप्रमुखसणो ॥ न० ॥ असयरुचीठवोराज्य ॥ आणिकरोएअमतणी ॥ ४२ ॥ न० ॥ मतकरज्योमुझखेद ॥ जैननीदीक्षाङ्गवरू ॥ न० ॥ अगीकरीतिभृत्य ॥ जईससलाव्यूंतिणेंपरू ॥ ४३ ॥ न० ॥ सासलीझपणितेह ॥ असयमतीसार्थेंपही ॥ न० ॥ अतेउरसवीपाद ॥ पोहतानृपपासेंवही ॥ ॥ ४४ ॥ न० ॥ दिठेमुनीनेंपास ॥ सवेगरससावितमती ॥ न० ॥ वेगेघरतीहेठि ॥ उत्रचामरठम्याजती ॥ ४५ ॥ न० ॥ होयनहोयएराज ॥ जय २ शब्दथीप्रणमती ॥ न० ॥ सीहपजरगतरीती ॥ किमवेगाकरेविनती ॥ ४६ ॥ ॥ न० ॥ गतदाढाजिमसर्प्प ॥ राज्यभ्रष्टनरनीपरें ॥ न० ॥ वेगासोकमझारि॥ तवसूपतिइमउचरे ॥ ४७ ॥ न० ॥ मुनीसाप्योसवध ॥ वातकहीतेसासली ॥ ॥ न० ॥ इहापोषथयोताम ॥ अमचीमतीबहुखलसली ॥ ४८ ॥ न० ॥ जातीसमरणज्ञान ॥ उपनुअमविझनेंतदा ॥ न० ॥ मुर्छागतथयादोय ॥ अमेघरतीढलीआयदा ॥ ४९ ॥ न० ॥ अतेउरपरीवारातेहदेपीनेंरुदनकरे ॥ न० ॥ एवलीविजुदूरक ॥ माननीनयणआसूझरे ॥५० ॥ न० ॥ मुर्छालहीअम्हमाया॥ अनुक्रमेंचेतनपामीआं ॥ न० ॥ मातआस्वासनाकीध ॥ रायनेंचरणेंनामीआ ॥ ५१ ॥ न० ॥ कहेससारअसार ॥ देषीअममनउत्तगु ॥ न० ॥ श्रमणपणतुमसाधि ॥ तिजीइमअम्हेंउलगु ॥ ५२ ॥न० ॥ रायकहेजिमरुक ॥ एहमामतीषमतकरो ॥न०॥ ताएजनेंदिउराज्य ॥ विजयधरमअसीधाघरो

तीनोरास ॥ सांसलोआगलवातविलास ॥ १९ ॥ दूहा ॥
ता ॥ अवलाअथीरसनेह ॥ अहोगुरुतामोहरायनी ॥ -
॥ २० ॥ कुर्कटपोठनोवधकस्यो ॥ देवताविघुदाए ॥ तेहि
परणम्योकाढेंप्राण ॥ २१ ॥ मेंतोजीवमास्याघणा ॥ आलेंधरीअभ्यास
नरकविनामुझनेंनही ॥ होस्येहीणठगाए ॥ २२ ॥ पुनुअपवामुनीपति
मुनीलहीमननीवात ॥ कहेंनृपनेंचिताकीसी ॥ वलीसांसलिअवदात ॥ . .
जैनधरमजोपमीवजे ॥ पापनोपश्चाताप ॥ त्रिविधेंआरसनेंतजी ॥ आदरे
चारीत्रआप ॥ २४ ॥ ढाल ॥ देशीफतमलनी ॥ नरपती ॥ चारीत्रलेईआप ॥
जीवसवेमैत्रीकरे ॥ न० ॥ राषीमध्यस्थसाव ॥ वैराग्यसावनाआदरे ॥ २५ ॥
न० ॥ पालीनीरतीचार ॥ पुरवकृतपेपवे ॥ न ॥ कारणविणनवकर्म ॥
अशुसनवांधेतेहवे ॥ २६ ॥ न ॥ पयकरीकर्मनीजाल ॥ पुण्यपरपराव
धतो ॥ न ॥ आराधकपर्शतेह ॥ शुसगुणठाणेंवाधतो ॥ २७ ॥ न ॥ श्रेणी
क्षपकचढीजीव ॥ घातीकरमनोषयकरी ॥ न ॥ पामीकेवलज्ञान ॥ शाश्व
तशिवलठीवरी ॥ २८ ॥ न ॥ जिहांनहीरोगनेंशोग ॥ जनमजरामरणुनही ॥
न ॥ अव्यावाधअरुप ॥ अशरीरीपदवीलही ॥ २९ ॥ न ॥ बोल्योतेसूणा
स ॥ तातआर्यिकाइणिपरिं ॥ न ॥ पाम्याकर्मविपाक ॥ एहवेअलपछ्कृत
करें ॥ ३० ॥ गणपतीम्हेंकस्यांकर्मअघोर ॥ सीगतीहोस्येमाहरी ॥ ॥
लोगव्याविणकिमजाय ॥ एहमांकुणतुझवाहरी ॥ ३१ ॥ ग ॥ सबगतीपा
मुकेम ॥ तवगुरुकहेंसणिसूपती ॥ न ॥ एकचरणपरिणाम ॥ काढेकर्मनीसं
तती ॥ ३२ ॥ न० ॥ पातीकविषपरीणाम ॥ अमृतसमचारीत्रकमु ॥ न० ॥
कर्मगिरीपवीरुप ॥ चितामणीदुर्विधलसु ॥ ३३ ॥ न० ॥ शिवसुखफलसुर
रूप ॥ चरणपरीणामकसोसही ॥ न० ॥ विघलवपाइकोयातासउपायकरेम
ही ॥ ३४ ॥ न० ॥ पामेंआपदतेह ॥ कृत्याकृत्यमुकीरहे ॥ न० ॥ नरसुख
सघलांगमी ॥ जिवितपयततविणलहे ॥ ३५॥ न० ॥ तिमएजिवममाद ॥ व
सथीपापकरमकरी ॥ न० ॥ नवीकरेतसमतिकार ॥ जनममरणकरेसवकरी

रिपुगफलादीमदथी॥होस्येतिणेंसीचावीउं॥चदमपाणीप्रमुखथीतव॥तासचे तनऋावीउं॥ तातपुठेपुत्रस्यूए ॥ कमुम्हेंतवश्मए ॥ ससारविलसीनतातएठे तातकहेतेकेमए॥ ६७ ॥ एहवचननोरेऋवसरनहीतवम्हेंकमु॥ मातमो हटीसखेपेंकिमजाश्कमु॥ सक्रतेमोरेवेसोएकीर्तिससाकरी ॥ सक्रतेम्यारेवे ठासूणचाचित्तधरी॥ ६८॥ त्रु०॥ चित्तधरीपुठेवातस्यूठे॥ तिणसमेम्हेंसाधी उ॥ संसारनिर्गुणमोहमुक्रीत ॥ प्राणिश्मजीनसाषीउं ॥ चित्तचितवेऋालोच ऋथला॥ प्रवर्त्तेऋहीतेसदा ॥ ऋनागतनवीकालपेषे ॥ वर्त्तमानजुश्तदा॥ ॥६ए॥ साधारणेंस्जनमजरारोगसोगमा॥ एकमरणनेंरेवलीवाहलानावीजोग मा॥ प्रमादनीरेचेष्टाथोमीवक्रदूखदीई ॥ सूरऋसूरनेंरेनरतिरीनेंजाणोहिई॥ ॥ ७० ॥ त्रु० ॥ पीठमयकुर्कटहण्योतिणें ॥ जुउंपरीणम्योकेतलो ॥ श्मक हीसूरेंद्रदत्तनासथथी॥ साप्योसोगम्योजेतलो ॥ ७१ ॥ सक्रसांसलीरेकहे ऋकारयकर्मना॥ लहेसवेगरे सूणीऋविपाकविहामणा ॥ माततातनेंरेपरी जनसक्रवेरागीऋा ॥ देषीसाधुरेसांसलोचीतलयलागीऋा ॥ सवथीमुक्रेरेचि त्तविरक्तपर्युंथपण ॥ ऋापोऋाणरेसफलकरुनरसवपण॥ ७२ ॥ त्रु० ॥ मो हवचातवतातवोले॥ पुत्रतुक्रकुणनाकहे ॥ ताहरोसवसफलठेतिणें॥ एहक न्याकिमजरहे ॥ परणीनेंएप्रजापालो ॥ पुण्यचाघोशणिपरिं ॥ म्हेंकमुधुरथी तातनूम्हने ॥ पाणीग्रहणतेकूणकरे ॥ ७३॥ तातसासेरेपरणचार्मास्योदोषठे॥ म्हेंसाधुरेपाणीग्रहणसूषसोषठे॥ उंपघवीनुरेव्याधीमोहनुगेहठे॥ ऋुक्रध्यान नोरेवयरीनविघृतीरेहठे॥ ७४ ॥ त्रु० ॥ विक्षेपनोएमोक्रसाप्यो ॥ ऋातिनो प्रतीपक्षए ॥ मदसवनठखउदयकारण॥ पापऋावासलक्षए ॥ नरसथसाध ननेंहोयसमरथ॥ तोहिपणिसीदायए ॥ सिंहपजरमापम्योतीम॥मोक्षकिमें नसधायए ॥७५॥ रयणकचनरेथालमाहिविष्टासरी ॥ कुणनांपेरेतिमएन रत्तथलहीकरी॥ कुणसेवेरेविपयवचनजीननालही ॥ तिणेंदिजेरेऋाणातात जीमुक्रथही॥ ७६॥ त्रु० ॥ नयनमातवनीरऋांणी॥ कहेतातऋम्हनेहए॥ पीक्रेऋतीसयतेहकारण ॥ रहोऋमचेगेहए ॥ म्हेंकमुलेहनकीजीश्एह॥

॥५३॥ न० ॥ जिनवरचैत्यमझारि ॥ अगाईमहोत्सवकरी ॥ न० ॥ केइं
मनेंसाथावलिपरधानअतेउरी ॥ ५४ ॥ न० ॥ लिइदिक्षागुरुपास ॥ केइं
मेंमनधरी॥न०॥चोविसमीवरढाल ॥ पद्मविजयकहीसुखकरी॥
म्हेंकसुगुरुनेंपायनमी ॥ नयणावलीनेंनाथ ॥ ससलाबोध देशना ॥
हेसवपाय ॥५६॥ जोग्यनहीजीनधर्मनें ॥ किधूपणन्प्रकाज ॥ मिथ्यामतें
ततषिणें ॥ जास्येकहेगुरुराज ॥ ५७ ॥ ऋषीअनुसयतवबहुकरे ॥ कहेंगुरु
मतकरोश्म ॥ चारीत्रतुम्हेचोषुकरो ॥ मान्युगुरुवचप्रेम ॥ अनुक्रमें
रणआराधीनें ॥ कालकरीततकाल ॥ उपनादेवलोकआठमे ॥ सुखसेजेंमे
शाल ॥५८ ॥ ढाल ॥ देशीएकवीशानी ॥रूठकनी ॥कोसलदेशेंरे ॥ साकेतन
यरीइनरपती ॥ विनयधररेतेहनीराणीलछीमती ॥ तेहनोसुतरेनामजसोधरक
थयो ॥ पाडलीपुरेरेजीवअसयमतीआवीयो ॥ ॥ त्रुटक ॥ आविईशान
सेननृपनी ॥ राणीवीजयानामए ॥ विनयमतीतसनांमयाप्यु ॥ कलासीख्या
तामए ॥ स्वयवरातेआवीवरवा॥बहुआमयरयकी ॥ नयरबाहीरआवासआ
प्या ॥ म्हेंपणिसांसलीतेवकी ॥६१ ॥ मनहरख्योरेतातेंलगनजोवामीउ ॥
नुक्रमेरेवरघोडेमुझचामीउ ॥ वाजतेरेबहुविधतूरमगलतणां ॥ नाचतेरेपात्र
गेंपगेंअतीघणां ॥६२॥ त्रु० ॥ अतिघणांमगलविरुदबोले ॥ साठबारणें
कए ॥ मातामुखसवीनारीगावे ॥ धवलमगलयोकए ॥ आडबरबहुकरी
चाल्यो ॥ राजस्वेपरिवर्यो ॥ धवलगजसीरउपरिछ ॥ मस्तकबलीधरज
र्यो ॥६३॥ नरनारिइरेप्रासादतलरसावेषीई ॥ अनुक्रमेंरेराजमार्गमांविषे
षीइ ॥ इणिअवसरिरेदाहीणलोचनफूरकीउ ॥हरषेंकरीरेचित्तमांम्हेंआलोचीउ
॥६४ ॥त्रु०॥ आलोचिउकांयहरषथास्ये ॥ एहषीपणिअसीनबो ॥ इणि
अवसरिदिगफिरता ॥ गोचरीइसाहयो ॥ कल्याणसेठनेंसवनआंगण ॥
अल्यासेंकरी॥ उपनुमुनीराजदेषी ॥ जातीसमरणचितधरी ॥ मुरछाने
रेपडतांगजसीरथीझल्यो ॥ नामेंरामसहरेपुरुषेंपासेंवेगकस्यो ॥ तूरविकल्पें
वदकरयातिणेंअवसरें॥ चेदलहीनृपरेआवीचितेइणिपरें ॥ ॥ इणि

नावरे ॥ ९० ॥ सां० ॥ कहेकुमरनेंपुत्रमात्रनहीमाहरोरे ॥ धर्मपमान्यो तिणेंगुरुमाहरोहोयरे ॥ तिणेंससारमांरहेवुसरीउमाहेरेरे ॥ दिक्षालेस्यूअम्हे पणिदपतीदोयरे ॥ ९१ ॥ सा० ॥ म्हेंसाम्युतवतातजीतुम्हश्मजपटेरे ॥ नविकीजेंकांयएहवातेंप्रतिवधरे ॥ तवनिहविवराव्युमहादानवलीकरेरे ॥ स घलदेहरेजिनपुजासवधरे ॥९२॥सा०॥ कुलकमातामुकजसवर्द्धननामथीरे॥ तेहनेंथाप्योराज्यनोसारविवेपरे ।मायपीतापरधानलोकवलीकेईस्युरे ॥ विन यवतीस्युलिघोसाघूवेपरे ॥ ९३॥सा० ॥ श्द्रसुतीआचारयपासेंपुन्यथीरे॥ लि घोसजमसकश्शुत्तपरिणामरे ॥ एनिर्वेदकारणमुकचरीभकसुसवेरे ॥ सांसल रेतुधन्नकूमरअसीरामरे ॥ ९४ ॥ सां० ॥ घनकहेरुमुनिर्वेदकारणदाषीउरे ॥ साघेमुकनेंकरवानेजेजोग्यरे॥ गुरुकहेचरणसामघीजगमादोहिलोरे ॥ पांमी नेंकुणहारेमुरखलोगरे ॥ ९५॥ सा० ॥ विस्तारेंसूणीउल्लसवातचरीत्रनीरे ॥ हरप्योरधन्नकूमरकहेप्रेमरे॥लेउचारीत्रगुरुजीतुम्हआणाथकीरे ॥ मायता यनेंसमकावुजईश्मरे ॥९६ ॥ सा०॥ गुरुकहेजीमसूखउपजेतिमकीजेंतूम्हे रे॥ आव्योमातपीतानेंपासेंधन्नरे ॥ परमसवेगेंवातकहीमुनीवरतणीरे ॥ प्रति बुज्यामायतायकरेव्रतमन्नरे ॥९७॥ सा०॥ योग्यपुत्रठेगेहसारसूपुहवश्रे ॥ श्मकरीधनकुमरनेंसाघेनेहरे ॥ मणीमोतीमुखसारद्रव्यतूम्हेंआदरोरे ॥ अ म्हेभवज्यलिस्यूचिवसूखगेहरे ॥ ९८ ॥ सा० ॥ धनकहेसारपणस्यूदितु द्रव्यमारे ॥ जनमजरानेंमरणनरापेकोयरे ॥ अरथीमनोरथपुरापणिनक रीसकूरे ॥ अथवापुन्यगश्पणिसचीतजायरे ॥ ९९ ॥ सा० ॥ परलोकेप णिनहींस्सरवाइकोश्नेंरे ॥ तातकहेतेंएतोसाम्युसाचरे ॥ धनकहेआणाआ पोसार्थेव्रतपकरे ॥ तातकहेएसाघुपणिसूणिवाचरे॥ ८००॥ सा० ॥ जीवनें श्हीयदमवाकदरपङर्दमोरे ॥ घनकहेअवीवेकतेजीवनजाणिरे ॥ नहीतरु णनश्घरढोजीवअनादीनोरे ॥ गरढापणिवक्षविषयपीपासवपाणिरे ॥ १ ॥ सा० ॥ यत ॥ गलीतअगपलीतमुम ॥ दशनविहीनजाततूम ॥ रुद्धोयाती गृहित्वादम ॥ तदपीनमुचत्याशापिम ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ निदानगर्णेनविचा

निमीत्तमुख्यससारए॥ दिपपरेंरूणउपजेवीणसें॥
मोलेसूपतीरेंईसानसेनन्रपनीधुआ ॥
हेवरावोरेतेहनेंएहविचारए॥ जोबुझेरेसासलीमुझअधीकारए॥
अधीकारसासलीकहेराजा॥ १०१
मचोयेसुखकरी॥ विबुधउत्तमवीजयकेरो ॥ सीसपद्मवीजयकहे॥
मरादित्यकेरे॥ सूणतजयलछीलहे॥
उापवर्द्धनसुणिवात॥ जिमनिपनीतिमजईलूम्हें॥
कुमरीपासेंजइकरी॥ आव्योनृपतीपाय॥ कहेसीखाएकुमरना॥
सूणोमहाराय॥ ८१॥ जईसाप्युम्हेंजतनथी॥ कांयककहेंनृपकांम
सनथीतेउतरी॥ अजलीकरीकहेआम॥ ८२॥
साप्युतवइम॥ इहाकूमरनेंआवतां॥ राजमारगमांपेम॥ ८३॥
थीसपर॥ जातीसमरणजाम॥ उपनाथीनवसवअवल॥ न
ध्यातांम॥ ८४॥ ससलाप्यासरवेअम्हे॥ जसोधरामुखजाम॥
णावलीसूतनीवधू॥ इणअवसरपयुआम॥ ८५॥
एगाथामुझनेंहीरनोरे॥ एदेशी॥ इमसासलतांमुर्छापामीन्रपधूआरे॥ का
यकत २ आकूलसवीपरिवाररे॥ चबनसीचेचेतनपामीतवपछेरे॥ का
यपुछ्योर म्हेंतसएअधीकाररे॥ ८६॥ सासलज्योअहोकर्मवीपाकविचि
त्ररे॥ कायसाप्युइणिपरेंराजकुमरीइतांमरे॥ मेसाप्युकिमतेहविचित्र
तवकहेरे॥ तेहजयोधरामाछरुजाणजेनामरे॥ ८७॥ सवमांसमां
कर्मनाटिकस्युनवीहोयेरे॥ तवम्हेंसाप्युसासलोकुमरीवातरे॥ एहपरीषे
राजकुमरमनउत्सुरे॥ कांयदिक्षाईछेजिनवरसाषीप्यातरे॥
रायकहेवरावेंकहोइवेअम्हेंकरीइकिस्युंरे ॥
यरे॥ एहसन्नारसरुपदेषीकहोकूणनेंरे॥ नविवैराग्यकरेजिणेंशिवसुख
यरे॥ ८८॥ तिणेसन्नारतणामतीबधथकीसरवुरे॥ किजेंजेमनउपजेकु
मरनेंसावरे॥ मुझनेंआणायोजिमझविक्षापछेरे॥

व ॥ १५ ॥ समुद्रदत्ततेसेठीउ ॥ नामठवेनीजनद ॥ गोचरीफिरतानगरमां ॥
मातगजेमगुणद ॥ १६ ॥ ढाल ॥ केंततमाकूचरीहरो ॥ एदेशी ॥ फिरता
आव्यागोचरी ॥ नदतणेंघरिबार ॥ मेरेलाल ॥ धनसीरीश्तवउलप्या ॥ उप
नोतससोकअपार ॥ मुनीराज ॥ १७ ॥ नारीकुकर्म्मज्योज्योतुम्हे ॥ उर्घे
सीध्योलीवमो ॥ नवीमीठेयायलगार ॥ मे० ॥ किमनवीएहमुउहजी ॥ क
हेमुळअवतारघीकार ॥ मे ॥ १८ ॥ ना० ॥ किममुळनजरेंएचम्यो ॥ हवेकरीश
एहउपाय ॥ मे० ॥ जिमजीवेनहीमुलगो ॥ शणिअवशग्तेिक्षपिराय ॥ मे ॥
॥ १९ ॥ ना० ॥ जाचनासमयअतीक्रम्यो ॥ जाणिनेंवलीआतेह ॥ मे० ॥ हुपलही
धनसिरीघणाउलपीमुर्छाचतेएह ॥ मे० ॥ २० ॥ ना० ॥ शीघ्रगयोकीमएकहो ॥
बोलावीदासीताम ॥ मे० ॥ जईजुउकिहांजशएरहे ॥ होयतिममुळनेंकहेठाम॥
मे० ॥ २१ ॥ ना० ॥ दासीआणिअगीकरी ॥ चालीमुनीवरनेंमाग॥ मे० ॥ मुनी
वरआहारमल्योनही ॥ पणिअवसरनोनहीलाग ॥ मे० ॥ २२ ॥ ना० ॥
पुरदेवीउद्यानमां ॥ पोहतातवचोथेजाम ॥ मे० ॥ लागोतिणेंविचरयानही ॥
काउसग्गरह्यातिणेंठाम ॥ मे० ॥ २३ ॥ ना० ॥ जईघणसीरीनेंतिकसु ॥
घणसिरीकहेनदनेंश्म ॥ मे० ॥ म्हेंपुरदेविनेंमानिउ ॥ तूमरोगहतोतवप्रेम ॥
मे० ॥ २४ ॥ ना० ॥ करिउपवासवदिआठमें ॥ तुम्हआयतनेकरूवास ॥
मे० ॥ आठमगईपरमादथी ॥ सूपर्नेतवप्रेरीपास ॥ मे० ॥ २५ ॥
ना० ॥ विहाणेंतुम्हेजातारसा ॥ तिणेंसाथीनसकीवात ॥ मे० ॥
किधोछेउपवासम्हें ॥ तिणेंजाउतिहांसाक्षात ॥ मे० ॥ २६ ॥ ना० ॥ पु
जापोआणीवित ॥ नंदेपणिआणीदीध ॥ मे० ॥ तवचाकरदूगसाथिले ॥
दासीपणसाथेंलिध ॥ मे० ॥ २७ ॥ ना० ॥ तिहाजईदीठामुनीवरू ॥ शण
अवसरआव्योएक ॥ मे ॥ काष्टतणीसरीगामली ॥ कठिआरोघरतविवेक ॥
मे ॥ २८ ॥ ना० ॥ सागोअरुतिहांकिणें ॥ आयमवालागोसूर ॥ मे० ॥ कठी
आरोमनचिंतवें ॥ मुळनेंययुअतीहिअसूर ॥ मे ॥ २९ ॥ ना० ॥ काष्टपहेनही
कोश्हां ॥ तिहांमुकीदपत्ततेलीध ॥ मे० ॥ निजघरिपोहतोवेगस्यू ॥ धनसि

रेपरमार्थनेंरे ॥ द्रव्यसजोगेकेज्ञकरेवलीग्रामरे ॥ पारदमर्दनसेवी[illegible]
करेरे ॥ छिमेटेकपकीवलीराखीमामरे ॥ २ ॥ सा० ॥ [illegible]
जनमकालांतरेंरे ॥ दाखेपणिनवीदेखेआयुषीणरे ॥ केईपरलोकना[illegible]
वनवयगतेरे ॥ विजखपलपरेंजीवीतजाणेंहीणरे ॥ ३ [illegible] ॥ [illegible]
वेकअग्नारविषयगामीकरीरे ॥ हरिणपरेंवलीमरणथीबीहतातेंहरे ॥ [illegible]
धर्मसेवेजेपरलोकसाधवारे ॥ जीवनवधतणनहीहेतुएहरे ॥ [illegible]
इहीयवमीओंआतमदमीतंमुलथीरे ॥ तेहथीमूरनरसूखवलीमोकनां[illegible]
रे ॥ इमजाणीकूणइद्रीयनदमेंमुरखोरे ॥ अनुसकल्पमुखतेअनंग[illegible]
खरे ॥ ५ ॥ सा० ॥ जिनवयणेंसावीत्तसकल्पकरेनहीरे ॥ समताधरतें[illegible]
नित्तगुरुनेंपायरे ॥ निरखेदीसावनथीकदरपस्युकरेंरे ॥ सारकिस्युएपुन[illegible]
नोसमुवायरे ॥ ६ ॥ सा० ॥ ग्रब्दादीकशुसथईनेंअशुसहोयेंवलीरे ॥ [illegible]
होश्तेपरीणमेंशुसपरीणामरे ॥ एजमआतमचेतननेंसवधकीस्योरे ॥ [illegible]
तरसजोगसूखनोनगामरे ॥ ७ ॥ सा० ॥ अन्यसजोगेआत्मिकसूखनही[illegible]
कवारे ॥ तिणेंमुकनगमेविषयप्रेमाहनोसंगरे ॥ तातभसावैंविचनअस्येस[illegible]
माहरारे ॥ माप्युतातेंकूमरवचनमनरगरे ॥ ८ ॥ सा० ॥ करीअगर्इ[illegible]
गवर्दिश्वाननेंरे ॥ मातपीतानेंबीजोपरीजनसगरे ॥ तेहजग्नोधरगुरुनेंपा[illegible]
आवंररे ॥ धनकुमारअधीकमनवीकारंगरे ॥ ९ ॥ सा० ॥ [illegible]
हीगवीसमीरे ॥ श्रीगुरूउत्तमविजयपसाउएहरे ॥ पद्मविजयेंश्रीसमरा[illegible]
त्यनारासमारे ॥ सुणतांमगलमालाश्रोतागेहरे ॥ १० ॥ सा० ॥ दुहा ॥ धनकु[illegible]
रेंदीक्षाधरी ॥ किधोक्रियाकलाप ॥ सूत्रअस्यासकरीसवे ॥ जपतां[illegible]
नथीजाप ॥ ११ ॥ एकविहारअगीकरे ॥ सावनासावेसर्व ॥ गामेएक[illegible]
ग्रागमें ॥ नगरेंपचनीगर्व ॥ १२ ॥ कोसबीपुरेंअनुंकमें ॥ [illegible]
नदनेंहवेधनसीरीतणो ॥ ककसबधकथाय ॥ १३ ॥ सघलेपोस्यासगु[illegible]
जमत्यानहितेजाम ॥ उलघ्याअर्णवहवे ॥ तरुणीवयणेंताम ॥ १४ ॥ [illegible]
नेंवलीकामीनी ॥ देषीचुक्योनद ॥ कोसंबीआवीकरी ॥ मनसूखधरी[illegible]

कीउ ॥ तिणवेलाततकाल ॥ अहोमुझएहअनर्थमा ॥ कारणकरीवीकराल ॥
॥ ४७ ॥ ढाल ॥ जगतगुरुहीरजीरे ॥ एदेशी ॥ गाम्लानोधणीआवीउरे ॥ व्य
तिकरदीठेतेह ॥ फरीयावीगयोरायनेंरे ॥ अहोमुझपापअठेह ॥ ४८ ॥ रीषी
किणेंमारीउरे ॥ मुझकाष्ठथीवलीउजेह ॥ माहराधीगजन्मनेंरे ॥ एआकर्णी॥
मुझगाठीगतीहोयस्येरे ॥ सुणिकोप्योराजान ॥ हुकमकरयोकोटवालनेंरे ॥
ऋषिघातककरोजाण ॥ ४९ ॥ रीषी० ॥ चमीकादेहरेचालीउरे ॥ कोपधरी
कोटवाल ॥ पुछेपुजारीप्रतेंरे ॥ रातिरह्युकुणकालि ॥ ५० ॥ रीषी० ॥ चोर
लाठकोईनवीरह्योरे ॥ पुजारीकहेंश्म ॥ समुद्रदत्तनीगेहनीरे ॥ एकरहीवरी
नेम ॥ ५१ ॥ रीषी० ॥ कहेतलारस्येहेतुईरे ॥ रातिरहीएनारि ॥ पुजारीकहे
नवीलह्रुरे ॥ तवचिंतेतेतलार ॥ ५२ ॥ रीषी० ॥ आठिमनौमीचौदसीअठेरे ॥
वसवाकेरोदिन्नातिहमांआजएकेनहीरे ॥ वातथीथईषणपण ॥ ५३॥रीषी०॥
मगलवारहतोवलीरे ॥ पाछिलेपोहरेदृष्टि ॥ जोगनीपातमल्योघरोरे ॥ त्रीविण
नहीकोईइष्ट ॥ ५४ ॥ रीषी० ॥ जाउएहनेंघरिहवेरे ॥ पामस्यूसघलीवात ॥
श्मचिंतीपोहतोघरेरे ॥ द्वारेंचेटीआयात ॥ ५५ ॥ रीषी० ॥ पुछेशार्थपनीगेह
नीरे ॥ घरमाछेकेनाहि ॥ श्रोसनालहीकहेकामस्यूरे ॥ कहेकोटवालउगाह॥
॥ ५६ ॥ रीषी०॥ ईर्ष्याधरीक्रोधेंकरीरे ॥ परअलीप्रायनोजाण ॥ कहेरेपाप
णीविसरयोरे ॥ मुनिहत्तोतअजाण ॥ ५७ ॥ रीषी० ॥ नीजकरमेंशकीघ
णीरे ॥ चेटिवोलीताम ॥ मुझसेठाणीश्मोकलीरे ॥ जोवामुनीवरठाम ॥ ५८ ॥
रीषी० ॥ हुविजुजाणनहीरे ॥ सुणीउपनोसदेह ॥ अहोगवेषणाकेरेमुरे ॥
कारणनहीएकरेह ॥ ५९ ॥ रीषी ॥ फरितेपुछेसुदरीरे ॥ मधरोत्तयमनमा
हि ॥ मोकल्यांतुम्हस्येकारणेंरे ॥ तेसांपोतुम्हेआहि ॥ ६०॥ रीषी ॥ साकहे
सीव्हालेअवारे ॥ कालेंथिजेजाम॥ आव्याविणलिधेवल्यारे॥ तवमुझमोकली
आम ॥ ६१ ॥ रीषी० ॥ जोईआवीनेंम्हेंकझूरे ॥ रिषीरहेवानुठाम ॥
कारयतोजाणनहीरे ॥ कहेकोटवालतेताम ॥ ६२ ॥ रीषी० ॥ तिहांजईनें
स्युकिधलूरे ॥ तववोलीसानारि ॥ चमीकानीपुजाकरीरे ॥ मुनीनमीआनल

रीचिंतेसलूकिंघ ॥ मे ॥ ३० ॥ ना० ॥ एहजकार्टेबालस्यू ॥
कापाय ॥ मे ॥ पुजाकरीचाकरसणी ॥ सोजनआपेमनसाय ॥ मे०॥३१
ना०॥ सूतासरूइअनुक्रमें ॥ एकाकिणीनीकलीनारि ॥ मे० ॥
ष्टनो ॥ पम्केंतिहांअतीससार ॥ मे ॥ ३२ ॥ ना० ॥
लहे ॥ अज्ञानेंभजालीआगि ॥ मे० ॥ ज्वालाफरसेंमुनितनु ॥ चितेंमुनिवरम
हासाग ॥मे०॥३३॥ना०॥अनुकपाईमुनीवरु॥बलताकाउसग्गअमम्म ॥मे०॥
अहोएजीवनेंफ्रुथयो ॥ कारणदूरगतीनेंमग्ग ॥ मे० ॥ ३४ ॥ ना० ॥ पर
जेनरमुगतंगया ॥ नहोइकर्मबधनुंहेत ॥ मे० ॥ मुफ्तहेत्रीनरममा ॥ एपो
होचस्येंडखसकेत ॥ मे० ॥ ३५ ॥ ना० ॥ कारणेंकारयनीपजें ॥ इम
साषेश्रीजगनाथ ॥ मे० ॥ नथीसोचुमुफ्जीवनें ॥ ओचुंएजीवअनाथ ॥
मे० ॥ ३६ ॥ ना० ॥ बाहिरमतीजीनवयणथी ॥ पमीडदूखसायरएह ॥
मे०॥ मोहिक्लिष्टप्राणीसणी ॥ अथवानहीदूखएरेह ॥ मे०॥३७॥ना०॥ थिग्
ससारअसारनें ॥ इमसावतोशुभपरीणाम ॥ मे० ॥ पापणिइमारथोचणी ॥
एहनेंकिहांसदगतीठाम ॥ मे० ॥ ३८ ॥ ना० ॥ पन्नरसागरआउषे ॥ उ
पनाऋषीशुक्रविमान ॥ मे० ॥ सातमेंदेवलोकेंसही ॥ सूखसोगवेंतिअसमा
न ॥ मे० ॥ ३९ ॥ ना० ॥ चोथेरवमेएकही ॥ वरसत्तावीसमीढाल ॥ मे० ॥
पद्मविजयसोहामणी ॥ सूणतांहोयमगलमाल ॥ मे० ॥ ४० ॥ ना० ॥
॥ डुहा ॥ चमीकादेहरेचपलथी ॥ वालीइपेसतांदिठ ॥ घनसीरिनेंपुठेथसी ॥
स्वामीनीकह्योविसीठ ॥ ४१ ॥ किहांजईआव्यातिकहो ॥ मानिनीकहेमध्य
राति ॥ परदषणापुठेंकरो ॥ सगवतीनेंसलिसाति ॥ ४२ ॥ इणिअवसरअवसो
कीउ ॥ अगनीनोउद्योत ॥ स्युएइमसोचीकरी ॥ सतीआकसहोत ॥ ४३ ॥
विहाणेंदेवीपुजीहमे॥ चालीकरीअतीचुप॥ पथत्वलसोपथेरीष॥ आलोच्यो
तेअनुप ॥ ४४ ॥ चाकरनेंचेटीकहे ॥ अहोएकुपअपराध ॥ एहस्युजाणी
इआपणें ॥ सीम्योकिणीपरेंसाघ ॥ ४५ ॥ चेटीमनमांचितवें ॥ मोकलीका
लेंमुक्त॥जोवावलीमध्यजामिनी ॥ गईतिहनुएगुफ ॥ ४६ ॥ अजुआलुंआवी

कीउ ॥ तिणवेलाततकाल ॥ अहोमुझएहअनर्थमा ॥ कारणकरीवीकराल ॥
॥ ४७ ॥ ढाल ॥ जगतगुरुहीरजीरे ॥ एदेशी ॥ गामलानोवणीआवीउरे ॥ व्य
तिकरदीगेतेह ॥ फरीयादीगयोरायनेंरे ॥ अहोमुझपापअठेह ॥ ४८ ॥ रीपी
किणेंमारीउरे ॥ मुझकाष्टथीवलीउजेह ॥ माहराथीगजन्मनेंरे ॥ एआकणी॥
मुझगाढीगतीहोयस्येरे ॥ सुणिकोप्योराजान ॥ हुकमकरयोकोटवालनेंरे ॥
ऋषिघातककरोजाण ॥ ४९ ॥ रीपी० ॥ चमीकादेहरेचालीउरे ॥ कोपधरी
कोटवाल ॥ पुछेपुजारीप्रतेंरे ॥ रातिरह्यूंकुणकालि ॥ ५० ॥ रीपी० ॥ चोर
लाठकोईनवीरह्योरे ॥ पुजारीकहेइम ॥ समुद्रदत्तनीगेहनीरे ॥ एकरहीघरी
नेम ॥ ५१ ॥ रीपी० ॥ कहेतलारस्येहेतुइरे ॥ रातिरहीएनारि ॥ पुजारीकहे
नवीलह्युरे ॥ तवचिंतेतेतलार ॥ ५२ ॥ रीपी० ॥ आठिमनौमीचौदसीअठेरे ॥
वसवाकेरोहिन्नातिहमांआजएकेनहीरे ॥ वातथीथईपणपण ॥ ५३॥रीपी०॥
मगलवारहतोवलीरे ॥ पाछिलेपोहरेदृष्टि ॥ जोगनीपातमह्योपरोरे ॥ सोविण
नहीकोईइष्ट ॥ ५४ ॥ रीपी० ॥ जाउएहनेंघरिहवेरे ॥ पामस्यूसघलीवात ॥
इमचितीपोहतोघरेरे ॥ द्वारेंचेटीआयात ॥ ५५ ॥ रीपी० ॥ पुछेशार्थपनीगेह
नीरे ॥ घरमाछेकेनाहि ॥ बोलनालहीकहेकामस्यूंरे ॥ कहेकोटवालउगाह॥
॥ ५६ ॥ रीपी०॥ ईर्प्याधरीक्रोधेंकरीरे ॥ परअसीप्रायनोजाण ॥ कहेरेपाप
णीविसरयोरे ॥ मुनिदत्तांतअजाण ॥ ५७ ॥ रीपी० ॥ नीजकरमेंआकीध
णीरे ॥ चेटिवोलीताम ॥ मुझसेठाणीइमोकलीरे ॥ जोवामुनीवरगाम ॥ ५८ ॥
रीपी० ॥ हुविजुजाणनहीरे ॥ सूणीउपनोसदेह ॥ अहोगवेषणाकेरेमुरे ॥
कारणनहीएकरेह ॥ ५९ ॥ रीपी ॥ फरितेपुछेसुदरीरे ॥ मघरोसयमनमा
हिं ॥ मोकल्यातूम्हस्येकारणेरे ॥ तेसांपोतूम्हेआंहि ॥ ६० ॥ रीपी ॥ साकहे
सीयालेअवारे ॥ कालेत्रिजेजाम ॥ आव्याविणलिघेवल्यारो॥ तवमुझमोकली
आम ॥ ६१ ॥ रीपी० ॥ जोईआवीनेम्हेंकयूरे ॥ रिपीरहेवानुगाम ॥
कारयतोजाणनहीरे ॥ कहेकोटवालतेताम ॥ ६२ ॥ रीपी० ॥ तिहांजईने
स्युकिधलूरे ॥ तवबोलीसानारि ॥ चमीकानीपुजाकरीरे ॥ मुनीनमीआनल

ीचिंतेसलूकिध ॥ मे ॥ २० ॥ ना० ॥ एहजकाष्टेबालस्यू ॥
कापाय ॥ मे ॥ पुजाकरीचाकरसणी ॥ सोजनआपेमनसाय ॥
ना०॥ सूतासङ्गअनुक्रमें ॥ एकाकिणीनीकलीनारि ॥ मे० ॥
ष्टनो ॥ षमकेंतिहांअतीससार ॥ मे ॥ २२ ॥ ना० ॥
लहे ॥ अज्ञानेंभजालीआगि ॥ मे० ॥ ज्वालाफरसेंमुनितनु ॥ चिंतेंमुनिवरम
हासाग ॥मे०॥ २३॥ना०॥अनुकपाईमुनीवरूावलताकाउसग्गअनम्म ॥मे०॥
अहोएजीवनेंद्रुषयो ॥ कारणदूरगतीनेंमग्ग ॥ मे० ॥ २४ ॥ ना० ॥ षमे
जेनरमुगतेंगया ॥ नहोश्कर्मबधनुहेत ॥मे० ॥ मुक्ठदेशीनरगमो ॥ एपो
होचस्येंदुखसकेत ॥ मे० ॥ २५ ॥ ना० ॥ कारणेंकारयनीपजें ॥ ईम
साषेश्रीजगनाथ ॥ मे० ॥ नवीसोचुमुक्जीवनें ॥ शोचुएजीवअनाथ ॥
मे० ॥ २६ ॥ ना० ॥ बाहिरमतीजीनवयणथी ॥ पमीउदूखसायरएह ॥
मे०॥ मोहिक्लिष्टप्राणीसणी ॥ अयवानहीदूखएरेह ॥ मे०॥२७॥ना०॥ धिग्
ससारअसारनें ॥ ग्मसावतोशुसपरीणाम ॥ मे० ॥ पापणिश्मास्योश्रवी ॥
एह्नेंकिहांसदगतीठाम ॥ मे० ॥ २८ ॥ ना० ॥ पन्नरसागरआउषे ॥ उ
पनाऋषीशुक्रविमान ॥ मे० ॥ सातमेंदेवलोकेंसही ॥ सूखसोगवेंतिअसमा
न ॥ मे० ॥ २९ ॥ ना० ॥ चोथेखमेएकही ॥ वरसत्तावीसमीढाल ॥ मे० ॥
पद्मविजयसोहामणी ॥ सूणतांहोयमगलमाल ॥ मे० ॥ ३० ॥ ना० ॥
॥ दुहा ॥ चमीकावेहरेचपलथी ॥ दासीइपेसतांदिठ ॥ धनसीरिनेंपुछेधसी ॥
स्वामीनीकहोविसीठ ॥ ४१ ॥ किहांजईआव्यातिकहो ॥ मानिनीकहेमध्य
राति ॥ परदपणपुछेंकरो ॥ सगयतीनेंसलिसाति ॥ ४२ ॥ इणअवसरअवलो
कीउ ॥ अगनीनोउद्योत ॥ स्युएश्मसोचीकरी ॥ सतीत्राकसहोत ॥ ४३ ॥
विहाणेंदेवीपुजीहवे॥ चालीकरीअतीचुप॥ पषत्वलसोपषेरीषी॥ आलोच्यो
तेअनुप ॥ ४४ ॥ चाकरनेंचेटीकहे ॥ अहोएकुपअपराध ॥ एहस्युजाणी
इआपणें ॥ सीक्ष्योकिणीपरेंसाध ॥ ४५ ॥ चेटीमनमांचितवें ॥ मोकलीका
लेंमुक्॥जोवावलीमध्यजामिनी ॥ गईतेहमुएगुक ॥ ४६ ॥ अजुआलुंआसो

पूरोवीसलनगरमांरे ॥ चोथोखमप्रमाण ॥ ८० ॥ श्रोता ॥ अगविसढालेक रीरे ॥ समरादित्यनेरास ॥ साद्भवावदितेरसदिनेरे ॥ सपुरणसुवीलास ॥८१ ॥ ॥ श्रो० ॥ विजयदेवसूरीपटधरूरे ॥ श्रीविजयसिंहसूरीस ॥ सत्यविजयशो हामणारे ॥ सोलागीनसवीस ॥ ८२ ॥ श्रो० ॥ तासकपुरविजयकवीरे ॥ पि माविजयवरतास ॥ जिनविजयसीसतेहनारे ॥ जेहनेंशास्त्रअत्यास ॥ ८३॥ श्रो० ॥ गीतारथगीरुआघणारे ॥ सद्भकसमतावत ॥ उत्तमविजयसोहामणा रे ॥ तेहनाशीष्यमहत ॥ ८४ ॥ श्रो० ॥ तसपदपद्मभमरसमोरे ॥ पद्मविज यइंणनांम ॥ गायाश्महरषेंकरीरे ॥ गुणीजननागुणयाम ॥ ८५ ॥ श्रो० ॥ पुन्यउपार्जनजेकरीरे ॥ तेहथीसवीजनलोक ॥ सकलदूखनोक्षयकरीरे ॥ पामोशिवफलरोक ॥ ८८६ ॥ श्रो० ॥ इतिश्रीसविज्ञपक्षीयपमीत्तप्रवरश्रीम दूत्तमविजयग० शिष्यप० पद्मवीजयग० विरचितेश्रीसमरादित्यचरीत्रेप्राक तप्रबर्धेधनकूमारधनश्रीदंपत्योःसगतयोचतूर्थोनरस्तव समाप्त ॥ सर्वगाथा चतूर्थखमे ॥ ८८६ ॥ उक्तगाथा ॥काव्य ॥ सर्वश्लोक३ ॥२८॥ ॥४॥ ॥ दुहा ॥ प्रगटप्रतापीपासजी ॥ प्रणमुप्रेमेंपाय ॥ समरीसाचीसारदा ॥ क रेजेहकवीराय ॥ १ ॥ पचमखमप्रारंसीइ ॥ सूणोसघसमुदाय ॥ सूण तांसमतारसवधइं ॥ पातिकदूरिपलाय ॥ २ ॥ जबुद्धीपनुत्तरतजे ॥ नयरकाकदीनाम ॥ समुद्रदेशपरेंशोत्तती ॥ ततूस्यूरवांतीकाताम ॥ ३ ॥ पतीव्रताजनमनपरें ॥ परपुरसेंप्रकार ॥ उंलधाइनहीअधीक ॥ उज्व लधनआगार ॥ ४ ॥ द्वारतोरणअतीदिपता ॥ सीहबालस्यूसाच ॥ गि रीवरकेरीज्युगुफा ॥ तरतोविसेताच ॥ ५ ॥ ढाल ॥ लाछलदेमातमल्हार ॥ एदेशी ॥ सूरतेजनृपनांम ॥ सूरतेजरीपुगम ॥ आजहोराणीरेलीलावती जाणीतेहनीरे ॥ ६ ॥ पुरणकरीसूरआय ॥ घनसूरउपनोआय ॥ आ० ॥ तेहनीरेकूखेंतवचद्रसूपनेंलसोरे ॥ ७ ॥ ससलावेसरतार ॥ तवतेकरेउच्चार ॥ आ० ॥ सामतमंमलमांशसीसमस्ततहोयस्येरे ॥ ८ ॥ प्रसवसमयथयोजा म ॥ सूतजोगेंसाताम ॥ आ० ॥ प्रसव्योरेतिणेंपुत्ररतनसमपरगमोरे ॥ ९ ॥

गार ॥ ६३ ॥ रीषी० ॥ कोटवालतवचिंतवेरे ॥ पुजानेंमीसएह ॥ परीक्षा नचामारीउरे ॥ मुनीवरनहीसदेह ॥ ६४ ॥ रिषीइणेंमारीउरे ॥ इम्याी ॥ बोलावीघरमांजइरे ॥ तवषोलाणीतेह ॥ साबलषीनेंसांपीउरे ॥ मूणेमुऊएह ॥ ६५ ॥ रीषी० ॥ रीषीघातकनेंखोलवारे ॥ मुकनेंमोकल्यो राय ॥ पगलुतुम्हघरिआवीउरे ॥ तिणेंचालोनृपपाय ॥ ६६ ॥ सांभल सांसलीनेंघरणीढलीरे ॥ तवचिंतेकोटवाल ॥ निश्चयकर्म्मइणिकस्युरे ॥ च हितोसयकिमसाल ॥ ६७ ॥ रीषी० ॥ नागोनदबाहीरयकीरे ॥ बालसुणीनें तेकान ॥ घनसीरिलाव्यानृपकनेंरे ॥ जोईचितेंराजान ॥ ६८ ॥ रीषी० ॥ इणआकारेंएहवुरे ॥ कर्मकरेकिमसाय ॥ स्येकारणतुतिहांगईरे ॥ पुछेंइम परेंराय ॥ ६९ ॥ रीषी० ॥ कोसलहीबोलीनहीरे ॥ तबत्राकलनृपराय ॥ फरिपुछेकेहनीधुआरे ॥ किहांथीआवी रहाय ॥ ७० ॥ रिषी० ॥ पुरव्रत द्रनीऊधुआरे ॥ मूसम्मनयरथीआय ॥ समुद्रदत्तनीगेहनीरे ॥ तपतश्रमो घीकराय ॥ ७१ ॥ रिषी० ॥ नजम्योसत्तीतिहनोरे ॥ तवकीधोविश्राम ॥ सूपपासेंनबोलीसकेरे ॥ एहवोघरीमनस्रम ॥ ७२ ॥ रीषी० ॥ पुर्णसरूपा सेंमोकल्योरे ॥ लेषवाहकततकाल ॥ एहनेंपुछावेतदारे ॥ एहजवातसुपाल ॥ ॥ ७३ ॥ रीषी० ॥ लेखवाहकलेखलावीउरे ॥ वांचेनरपतीइम ॥ धणसीरी नामेंअमधुआरे ॥ अमकुलखपणनेंम ॥ ७४ ॥ रीषी० ॥ रायविचारेइणि इरे ॥ निश्चयकीधुकांम ॥ पापिणिनीअहोमुर्खतारे ॥ अहोकुरऊवयावाम ॥ ॥ ७५ ॥ रीषी० ॥ नारीअवध्यकहीतिणेरे ॥ दिधोदेशनिकाल ॥ आतासा ऊसमयतदारे ॥ सुपतरसअसराल ॥ ७६ ॥ रीषी० ॥ देवलमांसुतीजइरे ॥ एहवेकरस्योनाग ॥ महाक्लेशेंमरीगपनीरे ॥ वालूमसादूखसाग ॥ ७७ ॥ रीषी० ॥ उगपापतुरतजफलेरे ॥ एहमांनहीसंदेह ॥ सातसागरमारकपर्दे रे ॥ डखसोगवेनीजदेह ॥ ७८ ॥ रीषी० ॥ इणिपरिषोमोसबकहोरे ॥ दपतीनोअधीकार ॥ हवेजयविजयभ्रातातणोरे ॥ सांभलजोसुविचार ॥ ॥ ७९ ॥ श्रोताजनसांभल्योरे ॥ आसाउवदिएकादशीरे ॥ ज्याजिसेनंमाम ॥

दुहा ॥ रुडालोकनयरतणा ॥ कहेनृपनेंकोटवाल ॥ नृपकहेकुमरजाणेनही ॥ तिमकरज्योततकाल ॥ ३० ॥ तस्करमहीतुम्हेपुरतणा ॥ नरनेंकरीवी न्नाण ॥ मारज्योसुणितिणेंमारीओ ॥ जवमुकनेथयुजांण ॥ ३१ ॥ रीसाणो महारायथी ॥ चाल्योचतूरसूजाण ॥ तामलिमीआव्योतूरत ॥ मनमांआणी माण ॥ ३२ ॥ यत ॥ त्रय स्थाननमुचति ॥ काका कापुरपा मृगा ॥ अपमानेत्रयोयांति ॥ सिहा सत्पुरुषा गजा ॥ १ ॥ ॥ दुहा ॥ ईश्रा नचदअवनीपती ॥ साहमोजईसनमान ॥ देईकहेसुदरकस्यु ॥ आव्या आपणठाण ॥ ३३ ॥ जाणोएनिजराज्यछे ॥ नयरमांकस्योनिवेस ॥ आपेमुकआवासतीम ॥ रहेवातेहनरेश ॥ ३४ ॥ जिवनल्योतूम्हजेगमे ॥ इमकहेवरावेराय ॥ मेतोतेनवीमानीउ ॥ तसहीतजिणेंपरेंताय ॥ ३५ ॥ढाल॥ रागधमाल ॥ पासजीहो ॥ अहोमेरेललना ॥ एदेशी ॥ वसतसमयएकदिन हवेआव्यो ॥ रहेतांतिहांसूखमांहि ॥ ललना ॥ अवीवेकीजनआणदकारी ॥ दिन२अधिकउछाह ॥ ३६ ॥ मनमोहनमेरेदिलवरयोहो ॥ अहोमेरेललनां ॥ दिलवरयोमनवरयोमुक ।मन०।।एआकणी ॥मलयवायुतिहांवायामनोहर॥ फूल्यावनउद्यान ॥ ललनां ॥ लोकथोकतिहाजोवाचाल्या ॥ कोकिलरवसू णेंकांन ॥ ३७ ॥ मन० ॥ मित्रेंपरिवत्तरूपणिचाल्यो ॥ करीतनुओसावीशेश ।ल०॥ अनगनदनउद्यानमांजाता ॥ आव्योराजपथनेंदेश ॥ ३८ ॥ मन०॥ नामविलासवतीनृपपुत्री ॥ गोपथीदिठेमूक ।ल०॥ कोईस्तवातरनेंअस्त्यासें॥ रागथीअतिशेंअलूक ॥ ३९॥मन० ॥ वकुलमालागुथीनीजहाथें ॥ नाषीमुक शिरतेह ।ल०॥ दिठीमुकवसुसूतीमित्रें ॥ थापीकठदेशेंमेंएह ॥४०॥ मन०॥ उरधजोयुतवतिहांदिठु ॥ वदनकमलअदसूत ।ल०॥ हर्षलहोरूतेपणिरूई ॥ तोपवीपादसयुत ॥४१॥ मन० ॥ रूतनुथीतिहांआगलिचाल्यो ॥ चित्तमुकी तसपास ॥ ल० ॥ तेहनुध्यानकरतघरिआयो ॥ पणिनहीक्रिमाविलाश ॥ ॥४२॥ मन० ॥ त्रीसडरध्यानामिसयीवीसरज्यो ॥ मित्रादिकपरीवार ।ल०॥ अननुंसूतउखनेंअनुसवतो ॥ रूणनिद्राकरीतिणवार ॥ ४३ ॥ मन० ॥ रा

निव्रत्तीनामेंनारि ॥ पाश्वघामणीसार ॥ आ० ॥
रे ॥२०॥ इमकरताथयोमास ॥ जयकुमारतेतास ॥आ०॥
अनुक्रमेंवाधतोरे ॥११॥ करतोकलाअभ्यास ॥ पुरवधरमनीवास
चारीत्रेंघणोरागथयोतसजन्मथीरे ॥१२॥ एकदिनरमवाउद्यान ॥
सिधान ॥ आ० ॥ दिठारेतिहासनतकुमारसूरीसरुरे ॥१३॥
उनस्याप्रासूकथान ॥ आ० ॥ उदधीपरेंगंभीरश्चीतलजीमचंद्रमारे ॥१४॥
तनपरेंबहुमुल ॥ सहुजननेंअनुकुल ॥ आ० ॥
सीवपरेरे ॥ १५ ॥ नयरीस्वेतविकाराय ॥ जसवर्मसुतमुनीराय ॥
स्वपरसमयपह्योसारबहुमुनीपरिवस्योरे ॥ १६ ॥ देषीलह्योसवेग ॥
तेअतीवेग ॥ आ० ॥ एहसंसारअसारएहवापणिठांमतारे ॥ १७ ॥
एएकिमकरस्योत्याग ॥ पुछुजईमाहासाग ॥आ०॥
सर्नेरे ॥१८॥ वेठेगुरुनेंपाय ॥ करकजजोमीगाय ॥ आ० ॥
आरवैराग्यहेतूखरोरे ॥ १९ ॥ तोपणिवासनिमित्त ॥विणनविउसगेचित्त
आ०॥ तेकारणविसेषहेतुतुमचुकहोरे॥२०॥ चिंतेसूरीवरइम॥
अहोकेम ॥ आ०॥ एहनोरेएविवेकदेषीमनरजीउरे ॥ २१ ॥
धार ॥ तेपिणठेसंसार ॥ आ० ॥ सूरीकहेजोसुणवाईछातोसूणोरे ॥
अल्पनिदानविवाग ॥ मोहटासुणीमहासाग ॥ आ० ॥ चित्रांगदविरूयात
पासेंव्रतलीउरे ॥ २२ ॥ इणहीजसारहवास ॥ स्वेताबीकापुरीपास ॥
जसवर्मान्रपतेहनोपुत्रहुजाणजेरे ॥ २४ ॥ ज्योतीसीकहेतवइम ॥
माद्रथीनेम ॥ आ० ॥ विद्याधरनरपतीथास्येएबालकोरे ॥ २५ ॥
छसतात ॥ एकदिनतस्करघात ॥ आ० ॥ करवारेलेईआतादिठमेंतदारे
॥ २६ ॥ चोरघणाकहेइम ॥ अमतूमसरणनेंम ॥ आ० ॥
तसमुकावीआरे ॥ २७ ॥ रमवागयोकुवार ॥ सघलोएअधीकार
आ० ॥ निपनोरेतिहांबाहरीपचमस्वममारे ॥ २८ ॥ पहेलीढासरसाल
सुणतांमगलमाल ॥ आ० ॥ समरादित्यनारासमांपद्मविजयेंकहीरे ॥

सखिजनकरमहीउपरितलचढी ॥ मारगेंनीरपेतेह ॥ ल० ॥ वातससारीअश्रु
पातकरे ॥ जिमआसाढनोमेह ॥ ५८ ॥ म० ॥ इमकरतातेमुर्छापामी ॥ त
वमुक्तसम्भमथाय ॥ ल० ॥ उठिकसुम्हेंकिहाछइदेषावो ॥ रषेतसजिवीत
जाय ॥ ५९ ॥ म० ॥ कहेवसूलूतिवग्यूएकालें ॥ पणिसूणोआगलिवात ॥
ल० ॥ सांसलताउपजस्येयाता ॥ सुणिइआगलिअवदात ॥ ६० ॥ म० ॥
बिजीढालएपचमखंमे ॥ समरादित्यनेंराय ॥ ल० ॥ पद्मविजयकहेगुणी
गुणगातां ॥ होवेनीतलीलवीलाय ॥ ६१ ॥ मन० ॥ दुहा ॥ कृपाधरीअवन
तकरी ॥ वदनसूणेंहवेवात ॥ वसूसुतीकहेवेगस्यू ॥ वीज्याशीतलवात ॥
॥ ६२ ॥ चदनशीतलचरचिआं ॥ जिववल्योतसजाम ॥ नयनउघाडीनिरष
ती ॥ तसपुछ्युमेंताम ॥ ६३ ॥ सीपीडाइमसामटी ॥ तेकहेदर्शनतास ॥ न
ययुतिणकारणमदन ॥ पीमेंदेतोपास ॥ ६४ ॥ धारणतेहनेंधारवा ॥ म्हें
कह्युराजिकुमार ॥ चितानकरोचित्तमां ॥ करूंतेहनोपरकार ॥ ६५ ॥ लाध्यो
तेलरूणयकी ॥ छेगालोतेछयछ ॥ कटीसूत्रकसतोषकरी ॥ आप्योमुक्तअव
छ ॥ ६६ ॥ ढाल ॥ घोमीतेआईयारादेशमामाछजी ॥ एदेशी ॥ शणिसमेंआ
वीतिहाकणें ॥ साहवजी ॥ विलासवतिनीमातहो ॥ सूणोसाहिबकामएनीप
नु ॥ साहिवजी ॥ कहेराइफरमावीउ ॥ सा० ॥ वीणासलारोख्यातहो ॥ ६७॥
॥ सु० ॥ विणावजाववीनृपकनें ॥ सा० ॥ सासलीकस्युपरमाणहो ॥ सु० ॥
विणाचार्यणीतेमीनें ॥ सा० ॥ नविलोपेगुरूआणिहो ॥ ६८ ॥ सु० ॥ छूतोति
हाथीआवती ॥ सा० ॥ विगरकहेनीजगेहहो ॥ सु० ॥ घणछूप्रविसेंपे
खोलीउ ॥ सा० ॥ पणिनवीलाघोनेहहो ॥ ६९ ॥ सू० ॥ चितापिआ
चणीइमही ॥ सा० ॥ तिणेंमुक्तउदवेगथायहो ॥ सु० ॥ तवम्हेंकह्यु
चितातजो ॥ सा० ॥ छूउंसपुतेसायहो ॥ ७० ॥ सु० ॥ मेलवस्यूसजो
गए ॥ सा० ॥ अनगसुदरीकहेतामहो ॥ सु० ॥ कुणजुवानतेसापीइ ॥
सा० ॥ तवकह्युसघलुकामहो ॥ ७१ ॥ सु० ॥ उलपाव्योम्हेंसलीपरें ॥
सा० ॥ सापीनामनीसानहो ॥ सू० ॥ अनगसुदरीतवकहे सा० ॥ एहवीवात

तिगईकस्युकत्यगोसनु ॥ आभ्यामीत्रतेपास ॥ल० ॥
करतो ॥ लिखतबोलसूवास ॥ ४४ ॥ मन० ॥ शून्यो
केमवासरससीवान ॥ ल० ॥ रूपमाध्यानीमुनीपरेंदिन्नो ॥
त ॥ ४५ ॥ मन० ॥ जीत्याजुहारीपरेंरूपहरषो ॥ त
। ल० ॥ मीत्रकहेम्हेंजाण्युसघलू ॥ चिंतातूऊनारीनीथाय ॥ ४६ ॥
नेत्रबाणेंकरीविध्योसघलो ॥ तिणेंकरीदिर्घनीसास ॥ ल० ॥
ऊनेंइछे ॥ मालतेदूतितूऊपास ॥ ४७ ॥ मन० ॥ एकपषीप्रीतेंषऊचिंता
ऊचितानलिगार ॥ ल० ॥ तुम्हसयोगउपायमावरतू ॥
॥ ४८ ॥ मन० ॥ धाविविलासवतीनीपुत्री ॥ अनगसूदरीइणनाम ॥
ताससघातेप्रसगकरयोतिणें ॥ गमनागमनप्रयुताम ॥ ४९ ॥ मन० ॥
सवहिगयाजववऊतेरा ॥ तवमनचितेइम ॥ ल० ॥
रु ॥ कहोहवेकरीइकेंम ॥ ५० ॥ मन० ॥ मारवत्रेंराज्याजईसूतो ॥
छिंतमृतमूळजेमा ॥ ल० ॥ पहआवेशाययोअर्थविहूनो ॥ आपवत्रेंनहीतेमा ॥ ५१
मन० ॥ एकदिनआव्योमीत्रहरषस्यू ॥ कहेसीधुतूसकांम ॥ ५२ ॥
केमसीघूतवतेसाषे ॥ ऊगयोथाविघूआधाम ॥ ५२ ॥ मन० ॥
म्हेंपुछ्यू ॥ अनगसूदरीकहोवात ॥ ल० ॥ सीचितातषप्रेमेंबोली ॥
रोअवदात ॥ ५३ ॥ मन० ॥ साकहेआदर्शपरेंदूखजेहनें ॥
तसवात ॥ ल० ॥ कहितोपणिस्यूलेखेलागे ॥ विरलापरदू खेडखात
मन० ॥ यत ॥ विरलाजाणतिगुणा ॥ विरलाजाणतिललीयकवाइ ॥
मणघणविरला ॥ परड खेंडकियाबीरला ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ म्हें मु
स्याकरुपुरी ॥ तवबोलीसानारि ॥ ल० ॥ रायपुत्रामुऊसहीअतीड खथी
तेहनोकसोसर्वविचार ॥ ५५ ॥ मन० ॥ मदनमहोगवमांनरदिगे ॥
मपचवाए ॥ ल० ॥ तेहथीअतप्रवस्थासोगवे ॥ मालापरमुखअहीनाथ
॥ ५६ ॥ मन० ॥ पणिनवीउलम्योकोएहतोए ॥ म्हेंपणिकरीबऊशोधि
ल० ॥ सर्वव्यापारतज्योतिणीसखीइ ॥ मुऊपणितेनविलघ ॥

रुस्देषीहोयमोहहो ॥ ८६ ॥ सु० ॥ अनगसुदरीआवीकहे ॥ सा० ॥ एह
चदनलतागेहहो ॥ सु० ॥ तिहांआवीनेंबेसीइ ॥ सा० ॥ तवअम्हेगयातिहांने
हहो ॥ ८७ ॥ सु० ॥ दिठीविलासवतीतिहा ॥ सा० ॥ सखीइपरीवृतजेह
हो ॥ सु० ॥ कूर्मोन्नतपदजेहना ॥ सा० ॥ निरमलनखससनेहहो ॥ ८८ ॥
सु० ॥ उरुजुगरसाउपमा ॥ सा० ॥ सिंहलकीसुसवानहो ॥ सु० ॥ कटी
मेखलाखलकीरही ॥ सा० ॥ सवननितवपचवाणहो ॥ ८९ ॥ सु० ॥ ला
वण्यजलनीकुपीका ॥ सा० ॥ नासीमम्लगसीरहो ॥ सु० ॥ कमलनाल
सीबांहिमी ॥ सा० ॥ नाशिकाचचग्युकीरहो ॥ ९० ॥ सु० ॥ चदलावय
णीविराजती ॥ सा० ॥ चपकवरणीधारिहो ॥ सु० ॥ कोटउरेंघणसोहतो ॥
सा० ॥ मुक्ताफलनोहारहो ॥ ९१ ॥ सु० ॥ आंपमीपकजपारखमी ॥ सा० ॥ अ
रधससीसमसालहो ॥ सु० ॥ कामधनुषसमुहावनी ॥ सा० ॥ अधरप्रवा
लालालहो ॥ सु० ॥ ९२ ॥ जिनध्यानानलेंदाझतो ॥ सा० ॥ मदनधुममा
नुंकेसहो ॥ सु० ॥ अथवात्रेपवेणेंवस्यो ॥ सा० ॥ दतदाडिमकलीवेसहो ॥
॥ ९३ ॥ सु० ॥ रुपदेषीरीझ्योघणु ॥ सा० ॥ चित्तमांसनतकूमारहो ॥
॥ सु० ॥ नेत्रकटाक्षेंनिरपीउ ॥ सा० ॥ विस्मयपामीनारिहो ॥ ९४ ॥
सू० ॥ त्रीजीपाचमारवमना ॥ सा० ॥ पद्मवीजयकहीढालहो ॥ सु० ॥
समरादित्यनारासमां ॥ सा० ॥ आगलिवातरसालहो ॥ ९५ ॥ सु० ॥ दुहा ॥ आ
दरदेईउत्तीथई ॥ विलासवतीतिणीवार ॥ सनमानीबेसारतो ॥ कामनीनेंते
कुमार ॥ ९६ ॥ अनगसुदरीकहेअमप्रतें ॥ आसनवेसोएथि ॥ वेगतवअ
म्हेंबिहुजणा ॥ तवोलआप्योतेथि ॥ ९७ ॥ मित्रसूतीइंणनामथी ॥ कन्या
रत्नाकार ॥ आवीप्रणम्योआदरें ॥ किधोम्हेंत्यतकार ॥ ९८ ॥ विलासवती
तुम्हनेंचदे ॥ नरपतीएहवीवात ॥ विणातुम्हनेंविसरी ॥ कालेंकोपकरात ॥
॥ ९९ ॥ आजवजाववीअवलथी ॥ ससारोकरीसान ॥ आणातमअगी
करी ॥ निकलीअवसरजान ॥ १०० ॥ मीढीआपिताकती ॥ सवनगईस
यसीत ॥ मारवाणनिंघीमनें ॥ कपेजेमचकीत ॥ १ ॥ वसंतूतिकहेवाल

नीदानहो ॥ ७२ ॥ सु० ॥ तोनीरूपमकिमयईरसा ॥ सा० ॥
तासहो ॥ सु० ॥ नहीनिरुपमपणिचितवु ॥ सा० ॥
॥ ७३ ॥ सू॥ साकहेसमरुपकुलकनी ॥ सा० ॥ ६१ ।
सु० ॥ आठप्रकारविवाहना ॥ सा० ॥ शास्त्रमांसाध्याजोषहो ॥ ७४
सु० ॥ ब्राह्म१प्राजापत्य२आर्षठइ३ ॥ सा० ॥ ऋत्विज४
सु० ॥ गधर्व५असूर६राक्षस७वली ॥ सा० ॥ पैसाच-
॥ ७५ ॥ सु० ॥ कन्यासूषीतकरिदीइ ॥ सा० ॥ तेविवाहकह्योब्राह्महो
सु० ॥ निजविसवोचितधनदिइ ॥ सा० ॥ तेप्राजापत्यनामहो ॥७६॥ सु०
गायदांनपूर्वकदिइ ॥ सा० ॥ तेतोआर्षकहायहो ॥ सु० ॥ सर्बजाती
दक्षिणा ॥ सा० ॥ तेतोवेदसुठायहो ॥ ७७ ॥ सु० ॥ वरकन्याराजीपणे
सा०॥ नहिकोईअवरनुकामहो ॥सु०॥ तेगधर्वकह्योवली ॥सा०॥ पर
णेजामहो ॥ ७८॥ सु० ॥ जेपणबधइपरणिइ ॥ सा० ॥ ते
॥ सू० ॥ बलात्कारथीपरणवु ॥ सा० ॥ तेराक्षसपहिचाणहो ॥ ७९ ॥ सु०
सुतीरमतीहोयजे ॥ सा० ॥ अणजाणेलेईजायहो ॥ सु० ॥ तेपैशाच
जाणिइ ॥ सा० ॥ इणमांदोषनकोयहो ॥ ८० ॥ सु० ॥ म्हेंकसुवलपरी
कही ॥ सा० पणिरागीनररायहो ॥ सु० ॥ अप्रतीहतगतीकुमरनें ॥ सा०
बलीजीवनसुपसायहो ॥ ८१ ॥ सु० ॥ परणावेराजाकदी ॥ सा० ॥ त
नहीबीजोउपायहो ॥ सु० ॥ दर्शनवेऊनेंजीमहोइ ॥सा०॥ चितवोतेहसुग
हो ॥ ८२ ॥ सु० ॥ अनगसूवरीतवसणें ॥ सा० ॥ लावोतूम्हेकूमारहो
सु० ॥ रूपणिसुवनउद्यानमां ॥ सा० ॥ लावुराजकुमारिहो ॥ ८३ ॥ सु०
म्हेंएवातअगीकरी ॥ सा० ॥ चालोकारणतेहहो ॥ सु० ॥ वचनसुणी
सूतीनां ॥ सा० ॥ परमआणंदलह्योदेहहो ॥ ८४ ॥ सु० ॥
मांनतो ॥ सा० ॥ सवीउरवनोलह्योपारहो ॥ सु० ॥
णं ॥ सा० ॥ वचननकरूनाकारहो ॥ ८५ ॥ सु० ॥
गया ॥ सा०॥ जिहांपटरीतुनीसोहहो ॥सु०॥ जातीअनेकनापूजिआ

रे ॥ तिणॅसकल्पतजेह ॥ १७ ॥ वी० ॥ तुम्हतनुसोगनोखपनहीमाहरेरे ॥ शक्तीवतानरतेह ॥ जेनीजघरमनळमेसत्वथीरे ॥ नविरखंमेशीलरेह ॥ १८ ॥ ॥ वी० ॥ नवीउलघेनीजआचारनेरे ॥ नकरेंनिंदितकाम ॥ निजकरणीमांमु काश्नहीरे ॥ तेहनेंकिस्युकरेकाम ॥ १९ ॥ वी० ॥ यत ॥ तेपमीआजेविं रयाविरोहे ॥ तेसाऊणोजेसमयचरती ॥ तेसत्तीणोजेनचलतीधम्मे ॥ तेब घवाजेवसणेहवती ॥ १ ॥ ॥ पूर्वढाल ॥ पहेरोवीवेकसन्नाहतूम्हेप्रेम स्यूरे ॥ जेहथीअनगसयजाय ॥ जोतुम्हवल्लसऊबुमातजीरे ॥ तोकिमश्मक हाय ॥ २० ॥ वी० ॥ खणसूखअर्थेवऊदूखनरगमारे ॥सोगववांवऊकाल॥ अवीवेकीजनअसीलापाकरेरे ॥ ळमोएहजजाल ॥ २१ ॥ वी० ॥ यत ॥ खिणमीत्तसूखावऊकालदूखा ॥ पगामदूखाअनीकामसूखा ॥ सच्चारमुख स्सविपखसूआ ॥ खाणिअणडाणउकामसोगा ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ लाजकर। तवअणगवतीकहेरे ॥ सलू २ कसुरेकूमार ॥ म्हेंतेमाव्योपरीकाकारणेरे ॥ पणिधनतुम्हअवतार ॥ २२ ॥ वी० ॥ जाउसूखेनीजथानिकश्मसूणीरे ॥ चाल्योकरीपरीणाम ॥ घरिआव्योकांयवेलाअतीक्रमीरे ॥ निपनुतिणेंस मेआम ॥ २३ ॥ वी० ॥ विनयघरकोटवालतेआवीउरे ॥ जसनरपतीघणु हेत ॥ तेकहेकुमरएकांतआणाकरोरे ॥ कहेवीवातसकेत ॥ २४ ॥ वी० ॥ तवसऊमीश्गयानीजथानिकेरे ॥ हवेकहेस्येकोटवाल ॥ पद्मविजयकहोप चमखमारि ॥ चोथीढालरसाल ॥ २५ ॥ वी० ॥ दुहा ॥ तुम्हराज्येंशक्तीम ती ॥ सन्नीवेसठेसार ॥ विरसेनकुलपुत्रवमो ॥ दयावतदातार ॥ २६ ॥ चार णागतरापणसपर ॥ असीमाीआधार ॥ सूरगसीरसोहामणो ॥ सफलजन मसचार ॥ २७ ॥ जाणिगरसजायातणो ॥ लेश्नारीनेंल्हार ॥ सूसटपरीवत्त सामटो ॥ चाल्योचतूरविचार ॥ २८ ॥ जातानयरजयस्थलें ॥ जिहांस्वसुर जनवास ॥ वाहिरस्येतांवीवनें ॥ वेगेंकिधोवास ॥ २९ ॥ ढाल ॥ देवतणीरी घीसोगविआव्यो ॥ एदेशी ॥ शीणअवसरिएकचोरतेआव्यो ॥ मुहमेसासन माद ॥ सयकायरनयणांनहीमाइ ॥ कठप्राणतसआयके ॥ ३० ॥ साईउसूणो

ह्रा ॥ जईश्वापणीजाग ॥ स्येकारणवेसीरसा ॥
उठ्यावेक्रश्हाथकी ॥ आव्याद्वारउपान ॥ अनगवतीनृपराणीरे
मुक्तदिलआणि ॥२॥ ढाल ॥ माहरुमनमोहुरे...
देषीरेरागतेउपनोरे ॥ कामनराषेरेमाम ॥
विह्वलथईतेहवाम ॥३॥ विषयपिपासारेविषमीजगतमरि ॥
निजयानिकअतिपोहताभेमस्युंरे ॥ चितवतातेहथान ॥
नोरे ॥ तेहनेंतसबहुमान ॥४॥ वी० ॥ कुसूममालतमोलविलेपणरि ॥
विलासवईसखिसाथ ॥ पुर्वक्रतांपणितेअंगीकरयारे ॥
॥ वी० ॥ अनंगसुंदरीनेंआप्योकठथीरे॥ हारतेसूवनमासार ज
नीते २ आवज्योरे ॥ खेदमकरज्योलगार ॥५॥ वी० ॥
तेप्रतेरे ॥ इमकरतांकोईकाल ।एकदिनघरथीनीकलतांमनेंरे ॥
माल ॥ ८ ॥ वी० ॥ अनगवतीनृपराणीइमोक्लीरे ॥ उ
पश्ठाश्कुमरपधारीईरे ॥ माउधारोतुम्हेराज ॥ ९ ॥ वी० ॥
खुमाहरेरे ॥ कूमरकरेरेविचार ॥ राईसघलेप्रवेशआणाकरीरे ॥
ह्योतिवार ॥ १० ॥ वी० ॥ वामनयनफूरक्युतवमाहरुंरे ॥ न
हि ॥ जईदिठीओकातूरविह्वलारे ॥ प्रणमीधरीयउछाह ॥ ११ ॥ वी०
णिकहेशरणागतताहरईरे ॥ कवरपनोसयजोर ॥ विर
रें ॥ दिठातुम्हतिणठोर ॥ १२ ॥ वी० ॥ तेदिनथीपचवाणपणमाहरेरे ॥
दशकोमीतेवाण॥ तुम्हगुणथीमुक्तहृदयतेबांधीउरे॥
॥१३॥ वी० ॥ तुल्लसयोगेंमुक्ततनुठारीईरे ॥ शक्तीवंतजेहोय ॥
नालगकरेनहीरे ॥ दिनउद्धारकरेसोय ॥ १४ ॥ वी० ॥
चित्तमरि ॥ पुरेपरअसीलाप ॥ उलटीप्रार्थनाकृतुमनेंकरुरें ॥
चीरापि ॥ १५ ॥ वी० ॥ वयणसुणीवज्रघातपरेंथयोरे ॥
मातस्युबोल्यारिईमनथीबोलीईरे ॥ एतोमहाअनाचार॥ १६ ॥ वी० ॥
रलोकेंदूखदायकघणरे ॥ कूलआचारनएह ॥

तायनें ॥ मुझ्उपगारीआमके ॥ ४६ ॥ सा० ॥ मातपीतापासेम्हेंसूणीउ ॥ स
घलोएअधीकार ॥ गुणकीरतनकरतादीनकाढे ॥ मानेबऊउपगारके ॥ ४७ ॥
॥ सा० ॥ कारणएहकसानुसूणीइ ॥ इशानचदजेराय ॥ रहवामीरमीअनग
वतीघरें ॥ हरपधरीजवआयके ॥ ४८ ॥ सा० ॥ पचमरवमेपद्मवीजयेंकही ॥
पचमीरुमीढाल ॥ समरादित्यनारासमांसूणीइ ॥ सूणतांमगलमालके ॥ ४९ ॥
सा० ॥ डुहा ॥ अनगवतीदीठीईसी ॥ विलखितकररुहवयण ॥ नयणेंआसूनाप
ती ॥ नरपतीपुछेवयण ॥ ५० ॥ एस्यूतवकहेअगना ॥ ञीलराख्यानोस्वाद ॥
रायकहेकीमउचरो ॥ अंगेधरीआल्हाद ॥ ५१ ॥ पुर्वेकरतांप्रार्थना ॥ वास
रघणाव्यतीत ॥ सनतकूमारएसूखीइ ॥ आजएकीधअनीति ॥ ५२ ॥ राजा
तघरीसेंचक्यो ॥ कहेमुझनेंकरिकाम ॥ मारोसनतकूमारनें ॥ नवीजाणेकोई
नांम ॥ ५३ ॥ मेंपणितेंतिहांमानीउ ॥ मनमांचिंत्युआम ॥ जोम्ह्योमुझअकार्य
मां ॥ मुझनरगेंनहीगम ॥ ५४ ॥ निचसेवानरपतीतणी ॥ इमचितंचितनमा
य ॥ किमहीकदीर्घायुयकी ॥ नमरेतोहोइन्याय ॥ ५५ ॥ ढाल ॥ सारदबुधदा
इक ॥ एदेशी ॥ नरपतीनीआणातोपणिकिमलघाय ॥ पगलुसरेजेहवेते
हवेठीकतेथाय ॥ करेचीलबतेएहवस्तवएकनिमीत्तीउंवोले ॥ ढीलनकरोह
मणानहीएठीकनेंतोले ॥ ५६ ॥ त्रुटक ॥ सोमानामएठीकतेसापीआगे
ग्यफलनेआपे ॥ पुर्वरूपीइणिपरेंसाप्युंठेतिणेंदूरवदोहगकापे ॥ वलीनिमी
त्तंतरथीजाणनिर्दोपवस्तुमांआणि ॥ राजाइकीधीठेतोपणितूझमनमांअप्र
मांण ॥ ५७ ॥ यत ॥ पमीसेहमजत्तवा ॥ हाणिवुढीखयअसिद्धिच ॥ आ
रोग्गमङ्गलास ॥ ठीयमिपयाहिणदिग्रास ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ पणिजिमतूझ
चित्तमाठेतीमथास्येएह ॥ पणिजातूबहीलोनहींतोविपरिततेह ॥ तव
म्हेंमनचिंत्यूसिद्धादेवाएनांम ॥ एहनावऊप्रत्ययदिगठेकेईकाम ॥ ५८ ॥
॥ त्रु० ॥ इमचिंतीगयोजननीपासेंपुछेजननीमुझ ॥ देखुठुउदवेगसरीपु
म्लानवदनतेतूझ ॥ मातायीनचीठानुकरीइमविचारीसाप्यु ॥ माताकहे
एकूमरनेंतातेंताहरुंकूलसवीराप्यु ॥ ५९ ॥ एकाममकरज्यइमसूणी

होऊरेअनाथी ॥ नहीरहांमाहरोसाथीके ॥ सा१ ॥ एआंकणी
रेआव्योशणिपरें ॥ तवबोलेतेहवाणी ॥ सयमकरेमुऊबेगतारो
णिके ॥ ३१ ॥ सा० ॥ घरिणीकहेअन्याईहोस्ये ॥
लपुत्रकहेजोनाईहोवे ॥ तोआवेस्येकामके ॥ [illegible] ॥ सा० ॥
बोम्हेंराख्यो॥कहेबेथितूरहांसाई॥तेकहेसयकायरजिमहरणे॥
राईके ॥ ३२ ॥ सा० ॥ नारीऋदयसयथीपरहरतू ॥
सद्धननेंपरनिदावाणी ॥ तिमनवीगतीविस्तरतीके ॥ ३४ ॥ सा० ॥
चनपरेंपगरवलता ॥ जमपरेंएनरनाह ॥ तेहनाचाकरपुठेंआवे ॥
अथाहके ॥ ३५ ॥ सा० ॥ षेदमकरिकूलपुत्रेंसाख्यु ॥
रायपुरसआविश्मसाथे ॥ आपोचोरएकातेंके ॥ ३६ ॥ सा० ॥
केंजलथीउलचे ॥ शऋनेंशरणेंजाइ ॥ तोपणिनवीगेमीजेंएहनें ॥ चोरी
२ जाइके ॥ ३७ ॥ सा० ॥ कुलपुत्रकहेचोरराषवोनघटे ॥ शरणागत
पाय ॥ जिमकह्योतिमकरीइतबोल्या ॥ आपोअमएसायके ॥ [illegible]
सा० ॥ रायकोपानलमांहिपतगसम ॥ मतथाउंतुम्हकहीइ
मअपाइ ॥ शरणागतजेलहीइके ॥ ३९ ॥ सा० ॥ न
एहनें ॥ वलथीलहेस्युएह ॥ कुलपुत्रकहेमुऊमांणघरतइ ॥
॥ ४० ॥ सा० ॥ इमकहीखम्गलीधुनीजकरमां ॥ सनद्धोयपरीवार ॥
जपुरुषपोहतान्टपपासें ॥ साख्योसर्वविचारके ॥ ४१ ॥ सा० ॥ मुऊ
लोपकनुसरणं ॥ जेहकरेतसमारो ॥ इमकहीन्टपेंबऊसैन्यमोकलीउ ॥
तावऊहोकाराके ॥ ४२ ॥ सा० ॥ लागुजुधपरस्परेंबेऊनें ॥ इणअवसरति
आयो ॥ राजकुमरजशोवर्मरमीनें ॥ बऊअशवारेंगयोके ॥ ४३ ॥ सा०
पुठेतवसरवेससलाख्यू ॥ बोल्योसुतनरराय ॥ मुऊमारयाथ
वछलनवीअमरायके ॥ ४४ ॥ सा० ॥ जुधसम्युसुपतिइजाख्यू ॥ राइमांडी
वात ॥ चोरबोलावीसऊनिजथानिक ॥ येमेंकुसलेंआयातके ॥ ४५ ॥ सा
अनुक्रमेंजयथलनगरेंपोहता ॥ प्रणम्योपुभऊनाथ ॥ इमतूऊतायमुऊ

तायर्नें ॥ मुझउपगारीआमके ॥ ४६ ॥ सा० ॥ मातपीतापासेम्हेंसूणीउ ॥ स
घलोएअधीकार ॥ गुणकीरतनकरतादीनकाढे ॥ मानेबङ्कउपगारके ॥ ४७॥
॥ सा० ॥ कारणएहकह्यानुसूणीइ ॥ श्यानचदजेराय ॥ रहवामीरमीअनग
वतीघरें ॥ हरपधरीजवआयके॥४८ ॥सा० ॥ पचमखमेपदमवीजयेंकही ॥
पचमीरुमीढाल ॥ समरादित्यनारासमांसूणीइ ॥ सूणतांमगलमालके ॥ ४९॥
सा०॥इह॥ अनगवतीदीठीईसी ॥ विलखितकररुहवयण ॥ नयणेंआसूनाप
ती ॥ नरपतीपुछेवयण ॥ ५० ॥ एस्यूतवकहेअगना ॥ शीलराख्यानोंस्वाद॥
रायकहेकीमउचरो ॥ अगेधरीआल्हाद ॥ ५१ ॥ पुर्वेकरतांप्रार्थना ॥ वास
रघणाव्यतीत ॥ सनतकूमारएसूखीइ ॥ आजएकीधअनीति ॥ ५२॥ राजा
तवरीसेंचक्यो ॥ कहेमुझनेंकरिकाम ॥ मारोसनतकूमारनें ॥ नवीजाणेकोई
नांम ॥५३॥मेंपणितेंतिहामानीउ ॥ मनमांचित्युआम ॥ जोम्यांमुझअकार्य
मा ॥मुझनरगेंनहीगंम ॥ ५४ ॥ निचसेवानरपतीतणी ॥ इमचितचिंतनमा
य ॥ किमहीकदीर्घायुयकी ॥ नमरेतोहोइन्याय ॥५५॥ ढाल ॥ सारदबुधदा
इक ॥ एदेशी ॥ नरपतीनीआणातोपणिकिमलघाय ॥ पगलुत्तरेजेहवंते
हवेठीकतेथाय ॥ करेवीलवतेएहवश्तवएकनिमीत्तीउबोले ॥ ढीलनकरोह
मणानहीएठीकर्नेंनोले ॥ ५६ ॥ त्रुटक ॥ सोमानामएठीकतेसापीआगे
ग्यफलनेआपे ॥ पुर्वेरूपीइणिपरेंसाप्युंठेतिणेंदूखदोहगकापे ॥ वलीनिमी
त्ततरथीजाणनिर्दोपवस्तुमांआणि ॥ राजाइकोधीठेतोपणितूझमनमांअप्र
मांण ॥ ५७ ॥ यत ॥ पमीसेहमजत्तवा ॥ हाणिवुढीखयअसिद्धिच ॥ आ
रोग्गमडलास ॥ डीयमिपयाहिणदिव्वासू ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ पणिजिमतूझ
चित्तमांठेतीमथास्येएह ॥ पणिजातूवहीलोनहींतोविपरिततेह ॥ तव
म्हेंमनचित्यूसिरवादेवाएनांम ॥एहनावङ्कभत्ययदिगठेकेईकाम ॥ ५८ ॥
॥ त्रु० ॥ इमचितीगयोजननीपासेंपुछेजननीमुझ ॥ देखुउदवेगसरीपु
म्लानवदनतेतूझ ॥ माताथीनवीगनुकरीइमविचारीसाप्यु ॥ माताकहे
एकूमरनेंतातेंताहरूंकूलसवीराप्यु ॥ ५९ ॥ एकाममकरज्येइमसूणी

ऊरहाञाम्यो ॥ माहरोवृत्तांतएतुम्हनेंसर्वसूणाम्यो ॥
सासलीएम्हेंविचारयु ॥ सीचरीअअहोजुउंविषनेंबलीअवधारयु
॥ ध्रु० ॥ अहोपापिणीएसापिणीसरीषीकुटरीवयजुउंरापे ॥
दीलमांजुठीप्रेमविजज्युदाषे ॥ सरीतापरेंअसयकूजहरण
हवी ॥ सगीनीदिक्षापरेंनलहेधर्मवातंतेकेहवी ॥ ६१ ॥
मकहोठस्माहरे ॥ पणिराजाकिणीपरेंवातएहअवधारे ॥
यमाहरीवेषीमाने॥रवरीवातसंसलायुजईराजानेंकानें ॥ [illegible] ध्रु०
अथवाराणीमारीजाशतिणेंएमणिकिमकरीइ ॥
वलिसकटमाघरीइ ॥ राजानेंजोखरुनसापुतोकुलकलकतेआवे ॥
एहवुकामतेनकरुजिणेंपरपिमाथावे ॥ [illegible] ॥ कहेवीनयधरसूणोमुज
नेंस्यूफरमावो ॥ कुमरकहेतुम्हेंतोरायऊकमबजावो ॥ मुऊजीवेस्यूं
एहवुसाधेजाम ॥ श्रीहरनामेंब्राह्मणमारगेंठीक्योताम ॥ [illegible] ध्रु० ॥ सवी
ब्राह्मणवऊमोहटेशब्दें ॥ वातोकरताचाले ॥ स्यूकहीइघणबोञनएहनें ॥ कां
मकरीईजेआले ॥ सूणीविनयधरबोल्योइणिपरें ॥ तुममानहीकोइस्तोम ॥ कि
सादेशठीकएशब्दें ॥ काव्योसघलोसोस ॥ ६५ ॥ केईस्यूबल्लसांभले
जेहवुहोयतेह ॥ विनवीसूपतीनेंदेवरावुवंमदेह ॥ कसुम्हेंस्युंसांभ
वाकहेतेप्रमांण ॥ तबकहेविनयधरमुऊनेंयथुविन्नाण ॥ ६६ ॥ ध्रु० ॥
मुऊनेंयथुविन्नाणएवचनें ॥ एहजदूष्ठेराणी ॥ जईराजानेंकरुंविनती ॥ क
रेसऊसमजाणी ॥ इमकहीउञ्योतेजेहवे ॥ तेहवेम्हेंवेसारयो ॥ म्हेंकयुंघ
वाउपरिएवमु ॥ नकरोकोपवकारयो ॥ ६७ ॥ एहचचलजीवितकाजेकीम
ऊखदीजें ॥ कहेविनयधरसूणिएवमीवातकीमपीजें ॥ मुकोमुऊआम
तबम्हेंइमसापीजें ॥ एहवातेंआपहअशमाप्रनवीकीजें [illegible] ध्रु० ॥
इमकरतांजोबलपीकरस्यो ॥ तोऊतजरयुप्राण ॥ इमसांसलीनेंरोबालामो ॥
विनयधरअसमान ॥ अहोअमीचास्युंकारजमपनुं ॥ एहवापुरुषवांचका
म्हेंकयुतातनेंइमनकहिइ ॥ कर्मपरणतीमुऊनका ॥ [illegible] ॥ तबविनयधरक

हेऋपापीसीरदार ॥ ऋस्यूकरुसापोम्हेंकस्युतूआणाकार ॥ करिनृपनी
आणातवबोल्योतेतलार ॥ जिमतिमस्यूबोल्योकिमतूमकर्मविकार ॥
॥७० ॥ त्रु० ॥ धन्यतुम्हेंकल्यपुन्यगुणाकर ॥ सूरतरुसरीपोदाता ॥ जोने
वीविनवुराजानें ॥ अनुकपाश्राता ॥ उगारवीराणीनेंजाणो ॥ तोंचतवोउपा
य ॥ तूम्हनेंउगारीआणउ ॥ कोपनकरेवलीराय ॥ ७१ ॥ म्हेंकस्युविचारी
जोनकरेंनृपआणि ॥ तोघस्युसूतीस्यूजाउदेंर्यांतरगाण ॥ तेमाग्यूतलारे
बोलेतथकोटवाल ॥ आजस्युवरणसूमीजाश्न्याजततकाल ॥ ७२ ॥ त्रु० ॥
सध्यासमयेंविऋनीकलीआ ॥ सार्थेवलीकोटवाल ॥ प्रवहणस्वामीसमुद्रदत्त
नें ॥ सुप्यापईउजमाल ॥ घणीसलामणदेईमुक्रप्रणमी ॥ कहेमुक्रकोपनकर
ज्यो ॥ नेत्रेंनीरऋरतावलतां ॥ कहेतनुजतनतेकरज्यो ॥ ७३ ॥ चाल्युहवे
प्रवहणउपयोगीकर्णधार ॥ वस्रसूतीपुठेमीत्रएकिस्योवीचार ॥ तथस
ऋसतजावेअनगवतीअधीकार ॥ नृपनेंनवीसाप्युअनगवतीउपगार ॥
॥ ७४ ॥ त्रु० ॥ सुवर्णसूमीपोहताअनुक्रमें ॥ दोयमात्रनेंकाल ॥ उतरीश्री
पुरनगरेंपहोता ॥ पचमेरवमेंढाल ॥ पद्मविजईंठेठीसापी ॥ समरादित्यनेंरात्र ॥
गुणवतागुणगाताहोवे ॥ घरिरलिलवीलास ॥ ७५ ॥ ॥७॥ ॥श्री
उहा ॥ खेतावीकावासीमिल्यो ॥ समृघदत्तसूतसार ॥ वाणिव्यअर्थेंआ
वीउ ॥ मनोरथदत्तमनोहार ॥ ७६ ॥ माहरोबालथीमीत्रते ॥ संभ्रमपाम्यो
सोय ॥ निश्चयउलपीप्रणमीउ ॥ हर्षवीपादमनहोय ॥ ७७ ॥ नृपनेंकुसलपु
छ्युमनें ॥ निजघरलाव्योनेह ॥ सोजनउत्तरश्मसर्णे ॥ कारणआगमकेह ॥
॥ ७८ ॥ रायनिर्वेदनवीरसो ॥ आव्योआणेंगाम ॥ माउलथायेमाहरो ॥
सीहलद्वीपनोस्वामि ॥ ७९ ॥ तिहांजावुमुक्ततपिणें ॥ जोम्योजातुजिहा
ज ॥ मनोरथदत्तेंमानीउ ॥ जिमसापोमहाराज ॥ ८० ॥ मित्रवीजोगना
मान्यथी ॥ काल्योवऋतिणेंकाल ॥ उतावललहीएकदीन ॥ मुक्रनेंकहेमया
ल ॥ ८१ ॥ जावुतुमोरेजोपस्यूं ॥ तोप्रवहणजाश्नित ॥ तुम्हविजोगनें
कातरे ॥ एतलादिवसअतीत ॥ ८२ ॥ आजजमाहरेजायवु ॥ म्हेंसाप्यु

कष्टहांआण्यो ॥ माहरोवृत्तांतएतुम्हनेंसर्वसूणाव्यो ॥
सासलीएम्हेविचारयु ॥ स्त्रीचरीत्रअहोजुओविषनेंवलीअवधारयु
॥ त्रु० ॥ अहोपापिणीएसापिणीसरीषीकुटरीदयजुओरावे ॥
दीक्षमांजुठीप्रेमविजव्युदाषे ॥
इवी ॥ सगीनीविकापरेंनलहेघर्मवातंतेकेहवी ॥ ११ ॥
मकहोठस्माहरे ॥ पणिराजाकिणीपरेंवातएहअवधारे ॥
यमाहरीदेषीमाने।खरीवातससलावुजईराजानेंकानें ॥ १२ ॥ त्रु०
अथवाराणीमारीजाइतिणेंएमणिकिमकरीइ ॥
वलिसकटमाधरीइ ॥ राजानेंजोखरुनसाधुतोकुलकलकतेआवे ॥
एहवुकामतेनकरुजिणेंपरपिमाथावे ॥ १३ ॥
नेंस्यूफरमावो ॥ कुमरकहेतुम्हेंतोरायफकमबजावो ॥ मुझनीवेस्यूकि
एहवुसाघेजाम ॥ श्रीहरनामेब्राह्मणमारगेंठीक्योताम ॥ १४ ॥ त्रु० ॥ चवी
ब्राह्मणवकमोहटेआर्व्वे ॥ घातोकरताचाले ॥ स्यूकहीइधपरुदोशनएहनें ॥ क
मकरीइजेआले ॥ सूणीविनयधरबोल्योइणिपरें ॥ तुममांनहीकोस्वोग ॥ कि
शदेशठीकएत्रर्व्वे ॥ काव्योसपलोसोस ॥ १५ ॥ केहेस्यूबकसापुंकहे
जेहवुहोयतेह ॥ विनवीनृपतीनेंदेवरावुदम्देह ॥ कमुम्हेंस्यूंसापुंक
वाकहेतेप्रमाण ॥ तवकहेविनयधरमुझनेंमधुविन्नाण ॥ १६ ॥ त्रु० ॥
मुझनेंमधुविन्नाणएवचनें ॥ एहजवूठठेराणी ॥ जईराजानेंकरुंविनती ॥ क
रेसकसमआणी ॥ इमकहीउठ्योतेजेहवे ॥ तेहवेम्हेंवेसास्यो ॥ म्हेंकमुंप
वातपरिएवमु ॥ नकरोकोपवकास्यो ॥ १७ ॥ एहचचसजीवितकाजेकीध
डखदीजें ॥ कहेवीनयधरसूणिएवमीवातकीमपीजें ॥ मुकोमुझबार
तवम्हेंइमसापीजें ॥ एहबातेंआपहअग्रमामनवीकीजें ॥ १८ ॥ त्रु० ॥
इमकरतांजोबलथीकरस्यो ॥ तोफतजरयुभाग्य ॥ इमसांसलीनेंरोवाग्रामो ॥
विनयधरअसमान ॥ अहोअवीचास्युंकारजमपनुं ॥ एहबापुठयमीआका ॥
म्हेंकमुतातनेंइमनकहिर ॥ कर्मपरणतीमुझवंका ॥ १९ ॥ तवविनयधरक

तसअधीपतीउठीउं ॥ आप्युआशनसार ॥ करीअप्रणामनेंबेठातेसङ्क ॥ सूप्याअमनेंससार ॥ ९७ ॥ पुण्य० ॥ मनोरथदत्तकहेमुक्रवाधवा ॥ स्वामीएवलीमीत्त ॥ जिवीतमाहरूरेएहनेंजाणज्यो ॥ जालवज्योवङ्करी ति ॥ ९८ ॥ पु० ॥ पोतपतीकहेकाकूरथूकहो ॥ मुक्रपणिएहवारेएह ॥ वेगाव्याकेरेंमनमोदेंकरी ॥ दरीयानेंवलीदेह ॥ ९९ ॥ पु० ॥ पवनेपुरयोरे सढउचोकरी ॥ मनोरथदत्तपरिणाम ॥ करीउसोरस्रोवाहणचलाविआ ॥ निरजामकेंसङ्कताम ॥२००॥ पु० ॥ तेरसमेदिनसायरमाजतां ॥ चढिउंमेघअकाल ॥ वीजक्रवुकेरेंगरजारवकरे ॥ अंधकारअसराल ॥ १ ॥ पु० ॥ सायरकपेरेकल्लोलउछले ॥ वायुविषमारेवाय ॥ मदमत्तगजपरेंवसनहीजीहाजते ॥ निरजामकतेषेदाय ॥ २ ॥ पु० ॥ तिणेसमेढेंघारेमेंघीरजधरी ॥ सढनादोरससालि ॥ सढसकेह्योरेनांगरमुकीआं ॥ मणिसागरविकराल ॥ ३ ॥ पु० ॥ सारगुरूतिणेंकर्मविपाकथी ॥ सागुजिहाजतिवार ॥ सघलाअलगारेथयाविजोगीआ ॥ पाम्याडरकअपार ॥ ४ ॥ पु० ॥ फलकलसुम्हेरेआयुसवपथी ॥ दिवसथयातिहात्रणि ॥ तटदेषीनेरेनिकलीउंहवें ॥ जाणपुन्यअगन्य ॥ ५ ॥ पु० ॥ पचमरवमेरेसातमीढालए ॥ पुरणऊईसुप्रमाण ॥ पद्मविजयकहेसवआयरतरो ॥ जिमहोयकोमिकल्याण ॥ ६ ॥ पु० ॥ दूहा ॥ जववरूतलेजड़ ॥ चितवेइणिपरेंचित्त ॥ वस्रुसूतीरस्रोवेगलो ॥ माहरोवल्लभमित्त ॥७॥ पमीउंएहवेपयोनीधी ॥ कहोजीव्योऊकेम ॥ मित्रविनाहवेमाहरे ॥ नवीजिववुएनेम ॥ ८ ॥ अथवामुक्रपरेंएहपणि ॥ जिवतोहोयजोय ॥ तोमिलवुथायतेहस्यू ॥ हवेंजोसावीहोय ॥ ९ ॥ जवजोयुतवजाणिउ ॥ पलह्योनहीतेपट्ट ॥ विस्मयपाम्योवेगस्यू ॥ प्रेमथकीपरगट्ट ॥ १० ॥ उत्तरसनमुखआवीउं ॥ सूपनीवेदनीसालि ॥ गिरिनदीनेंकठिगयो ॥ फनसफलादीससालि ॥ ११ ॥ आहारकरीअवनीतलें ॥ रुमोराजकूमार ॥ वेगोतवजोमेंविङ्क ॥ सारसदिगांसार ॥ १२ ॥ ढाल० ॥ घनदिन वेलाधनघमीतेह ॥ एदेशी ॥ दिगरेसारसआरसिदोय ॥ कीमारेकरतालट

इमजाम ॥ पटएकलावीआपीउ ॥ उतपतीसाथेआम ॥ [illegible] ॥ [illegible]
दीकोरेहआरेविषयनराचिइ ॥ एदेत्री ॥ कौतूकसहीतएपटस्वामीमूणो ॥ [illegible]
जेजवएह ॥ कोइनदेषेरेआपणनेंतदा ॥ तवम्हेंपुछुसनेह ॥ [illegible] पुण्यप्रभा
णेरेसवीसुखसपजे ॥ एआंकणी ॥ म्हेंतवउंक्योरेतीमहीजनीपनु ॥ अपर्ना
पुठीम्हेंताम ॥ तवतेसाथेरेश्रहाआव्यापठी ॥ सिद्धसेनएकनाम ॥ [illegible]
पुन्य० ॥ आणदपुरनोवासीतेहछे ॥ बहुवीधाजससिद्ध ॥ तेसोभपुमस्पूर्ण
तिथईघणी ॥ इकदिनम्हेंतेसकीध ॥ ८६ ॥ पुन्य ॥ चमतकारकोईविधार्थी
अछे ॥ केनहीकौतूकमुझ ॥ तवतिणेंसाध्यूरेदेषामुतने ॥ विद्याआधमगुझ ॥
॥ ८७ ॥ पुन्य ॥ सरसवमुखनीसामधीकरो ॥ जावुछेश्मसान ॥ तेयो
रीकरीअमेविद्याधालीआ ॥ आथमीउतवसान ॥ ८८ ॥ पुन्य ॥ अपकार
मारेघूकगुहमकरे ॥ जशतिणेंमण्डलकीध ॥ अगनीकुंमकरीमुझअमनस्त
स्थो ॥ मुझकंररवमगतेदीध ॥ ८९ ॥ पुन्य० ॥ षोमीवेलारेमत्रजापकर्यो ॥
तवजक्षकन्यारेएक ॥ चंद्रमुखीमृगनयणीराजती ॥ कलशस्तनीवरटेक ॥
॥ ९० ॥ पुन्य० ॥ सुरतरुकूसुमेरेवेणासोसती ॥ गगनथीउतरेतेह ॥ मेंमन
चिन्त्यूरेमत्रसकतीगुरु ॥ सिद्धनेंप्रणमीरेएह ॥ ९१ ॥ पुण्य० ॥ मुझसंभार
णनुरेकारणसाधीइ ॥ सिद्धसेनकहेताम ॥ मित्रनेंदिव्यदर्शननारागथी ॥
एहअमारेरेकाम ॥ ९२ ॥ पुण्य० ॥ तवतेदेवीरेमुझनेंजोईकरी ॥ कहेंतुठी
तुझआज ॥ मागितूकायकतथम्हेंसाधीउ ॥ तुम्हदरशनइसस्युकाज ॥
॥ ९३ ॥ पुण्य० ॥ पालीनजाइरेदेवदर्शनकदा ॥ जक्षकन्याकहीइम ॥
नयनमोहनपटरयणतेअपीउ ॥ प्रणमीसीधोरेप्रेम ॥ ९४ ॥ पुण्य० ॥
यत ॥ अमोघावासरेविद्युत् ॥ अमोघनीसीगर्जित ॥ अमोघाउत्तमावाणी
अमोघदेवदर्शन ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ गइनिजथानिकतेजक्षकन्यका ॥ विहा
णेअम्हेपुरमांहि ॥ आव्याइणिपरेंउतपतीएकही ॥ छिपोतेहउगांहि ॥ ९५ ॥
पुण्य० ॥ मनोरथदत्तस्यूरेसायरतटगया ॥ देवविमानपरेंदिठ ॥ ध्वजमाला
सोतीतवरजीहाजते ॥ अतीसयतेहविशिठ ॥ ९६ ॥ पुन्य० ॥ इश्वरदत्त

स्युंपणवांकलूपहेरयुरेफेर ॥ वाळकरीतचीअगर्नेमरफतीरे ॥ २७ ॥ आवे
बगासाकामवीकार ।म्हेंमनचित्युएस्यूंश्मकरेरे ॥ अथवारेविरूघविचारस्यो
मुऊ ॥ श्मकरीचाल्योगिरीनदीपरीसरेरे ॥ २८ ॥ प्राणवत्तीकरीदिवसग
माय ॥ सूतोरेरयणीश्सूपनुतवलयुरे ॥ विष्यत्नीश्एककुसूमनीमाल ॥ आवी
नेंश्णिपरेंमुऊनेंतिणेंकयुरे ॥ २ए ॥ पुर्वेगीपजावीएठेरेमाल ॥ आपीरेम्हें
तूऊनेंतिणेंलिजीश्रे ॥ म्हेंपणिलेईयापीकठदेश ॥ पाछिलेपहोरेदेपीजागीजी
श्रे ॥ ३० ॥ मनमांहरपीचितवुश्म ॥ कन्यानोलात्तसूपनएसूचवेरे ॥ अट
वीमांकेमहोस्येमुऊलास ॥ चितव्युरेदक्षिणनेत्रनेंफरकवेरे ॥ ३१ ॥ सूपन
सुकनअनुसारेरेश्म ॥ चितवुअन्यपरीचयमुऊनहीरे ॥ म्हारेरेविलासवती
नुंरेकाम ॥ पुर्वेनिपनीमालादेवेंकहीरे ॥ ३२ ॥ तापसणीदीठीतसअनुहार ॥
विधीरेविचित्रप्रकारेघटेश्यदारे ॥ कोणजाणेंतेहजहोश्तोहोय ॥ नहितोकि
ममदनविकारएकरेतदारे ॥ ३३ ॥ यत ॥ अघटीतघटितानीघटयती ॥
सूघटितघटितानींजर्ज्जरीकुरुते ॥ विधीरेवतानीघटयती ॥ यानीपुमानैंवचि
तयती ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तोपणिव्रतणीसार्थेरेत्तोग ॥ नघटेपणएहनुदर्श
नपामीउरे ॥ श्णिकरयुमाहरेकरसुठेतेह ॥ उग्योरवीपुर्वदिशावधुकामीउ
रे ॥ ३४ ॥ चक्रवाकनाटल्यारेविजोग ॥ पचमरवर्मेसात्तलज्योगुणीरे ॥
समरादित्यनारासमाएह ॥ आठमीढालतेपद्मविजयसणीरे ॥ ३५ ॥ ॥थ्रा
॥ डुहा ॥ रागघणोरमणीतणो ॥ रमणीकदेपीरान ॥ कामज्वरथीकानर्नें ॥
जोवालागोजान ॥३६॥ रमणीजोतांकुमरनें ॥ केश्तेंगयोवळकाल ॥ आवात
लेआवीकरी ॥ वेगेंळन्तपवाल ॥ ३७ ॥ सूकापत्रतणोसूण्यो ॥ श्णिअवसरि
आराव ॥ वालिकोटिविस्तारीनिं ॥ दृष्टिजोयुदाव ॥ ३८ ॥ मध्यवयेंआवीम
हा ॥ तामसणीएकताम ॥ सुतितिलकसालेंकरयु ॥ कमफलकरवाम ॥ ३ए ॥
पुत्रजीवमालाप्रगट ॥ जमणाकरमाजोय ॥ जटाकलापवाध्योजकम ॥ वक्क
लवस्त्रवरहोय ॥ ४० ॥ तपतापीतकृशतनुथयो ॥ अठीचर्मअवशेश ॥ देपी
गोपव्योमदनर्ने ॥ प्रणम्यापादविशेस ॥ ४१ ॥ ढाल ॥ रागगोमी ॥ देशीआ

पटीप्रतीघणीरे ॥ चितूरेमनमांएरेस्वाधीन ॥ जायारेनबीरहेवेमधीनीमा
णीरे ॥ १३ ॥ सूरवमांरेकाठेकालनिश्चित ॥ इमविचारतांसहसकिरणमयोरे ॥
सध्यानीकरणीकरीतेकूमार ॥ देवगुरुप्रणमीवामपासेंथयोरे ॥
फदिनखेदथीआवीरेनींद ॥ रातगईनेंजाग्योफतवारे ॥ प्रणमीरेदेवगुरुनाम
य ॥ चाल्योवनवननीशोभाजोतयदारे ॥ १४ ॥ गिरिनदिकांठेजाउरेंजाम ॥
दिठीरेपदपतीसोहामणीरे ॥ चक्रांकूशरेषाशोभीततेह ॥ अघुर्नेसूक्रमा
जाणीस्रीतणीरे ॥ १५ ॥ चाल्योरेपगलेपगलेतेह ॥ दिठीरेवूरथीतापसनीकरी
रे ॥ मांकलांपहिरयाचस्त्रनेंगामि ॥ सोवनवरणीदेहतेअतीबनीरे ॥ प
लतेरेरंजीतचरणसरोज ॥ रसनारेजोग्यनीतबसोहामणारे ॥ सजनचितपरें
नासीगसीर ॥ सूकृतपरीणामपरेंअन्नतकूपघणारे, ॥ १६ ॥ तपचीविरि
जितमोहअधार ॥ हृदयमांपिंचणवेंणमिसेंथयोरे ॥ रक्तअशोकपरेंकरजास ॥
नयनतेहरणीनेत्रत्नागसयोरे ॥ १९ ॥ गलस्थलचद्रमंडलपरेंजास ॥ घ
घरतेपांमलकूसूमशोणीतपरेंरे ॥ गवमीवामकरेंरहीजास ॥ फूलेरेवेलीने
हदयीएकरेरे ॥ २० ॥ देषीनेंचितव्यूम्हेंशणिसांति ॥ वनदूखसहेपणि
वण्यकेहवुरे ॥ आघोजईजालांतरेंजोयुजांम ॥ देषुरेरुपवीलासपतीतेह
मुंरे ॥ २१ ॥ वनवासेंरहेतीएतलोफेर ॥ सूमरणपवनेंकांमसघूकीउरे ॥ पू
लतीगवमीलेईजबजाय ॥ तबफविकारगोपवीढूकीउरे ॥ २२ ॥ प्रणमी
म्हेंसाध्युतपनीपाउंस्वि ॥ तामलीमीनगरीथीआवीउरे ॥ स्वेतांबीनगरीना
फजाणि ॥ सीहलद्वीपसणीफथावीउरे ॥ २३ ॥ प्याजसागुथयोएकामी
म ॥ कहोकूणथानिकएकिहांरहोतुम्हेरे ॥ सभांतथईकरीश्रीगीरेदृष्टि ॥ व
चननोउत्तरनवीदीघोकीमेंरे ॥ २४ ॥ चालीरेनीजआश्रमसणीतेह ॥ मन
मांम्हेंचित्युनारीनेंएकलीरे ॥ वलिप्रतापसणीएहस्यूरयूकाम ॥, बलीरेपुडी
सकोईनरनेंअटकलीरे ॥ २५ ॥ वलीउरेपाछेआप्योतेगाम ॥ वलीरेविचा
स्युजोउएजाइकीहरि ॥ जोतरिदिठीमथरचालि ॥ चालतीपाछलजोतीनेतिहां
रे ॥ २६ ॥ नवीरेदिगेकोईमाणीताम ॥ मुकीरेगवमीवेंणिसमारतीरे ॥ पछे

स्युंपणवांकदूपहेरचुरेफेर ॥ बाळकरीउचीअंगनेंमरफतीरे ॥ २७ ॥ आवे बगासाकामर्वीकार ॥म्हेंमनचिंत्युएस्यूश्मकरेरे ॥ अथवारेविरुधविचारस्यो मुझ ॥ श्मकरीचाल्योगिरीनदीपरीसरेरे ॥ २८ ॥ प्राणवृत्तीकरीदिवसग माय ॥ सूतोरेरयणीइसूपनुतवलसुरे ॥ दिव्यस्त्रीश्एककुसूमनीमाल ॥ आवी नेंशणिपरेंमुझनेंतिणेंकसुरे ॥ २९ ॥ पुर्वेंनीपजावीएठेरेमाल ॥ आपीरेम्हें तुझनेंतिणेंलिजीश्रे ॥ म्हेंपणिलेईंथापीकंठदेश ॥ पाछिलेपहोरेदेषीजागीजी श्रे ॥ ३० ॥ मनमांहरषीचिंतवुश्म ॥ कन्यानोलालसूपनएसूचवेरे ॥ अट वीमांकेमहोस्येमुझलाल ॥ चितर्व्युरेदक्षिणनेत्रनेंफरकवेरे ॥ ३१ ॥ सूपन सुकनअनुसारेंरेश्म ॥ चितवुअन्यपरीचयमुझनहीरे ॥ म्हारेरेविलासवती नुरेकाम ॥ पुर्वेनिपनीमालादेवेंकहीरे ॥ ३२ ॥ तापसणीदीठीतसअनुहार ॥ विधीरेविचित्रप्रकारेघटेग्रदारे ॥ कोणजाणेंतेहजहोश्तोहोय ॥ नहितोकि ममदनविकारएकरेतदारे ॥ ३३ ॥ यत ॥ अघटीतघटितानीघटयती ॥ सूघटितघटितानीजर्ज्जरीकुरुते ॥ विधीरेवतानीघटयती ॥ यानीपुमानेंवचि तयती ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तोपणिव्रतणीसार्थेरेलोग ॥ नघटेपणएहनुदर्श नपामीउरे ॥ शणिकरयुमाहरेंकरमुठेतेह ॥ उग्योरवीपुर्वदिशावघुकामीउ रे ॥ ३४ ॥ चक्रवाकनाटल्यारेविजोग ॥ पचमखर्मेंसासलज्योगुणीरे ॥ समरादित्यनारासमाएह ॥ आठमीढालतेपद्मविजयसणीरे ॥ ३५ ॥ ॥छ॥

॥ दुहा ॥ रागघणोरमणीतणो ॥ रमणीकदेषीरान ॥ कामज्वरथीकाननें ॥ जोवालागोजान ॥३६॥ रमणीजोतांकूमरनें ॥ क्रेडेगयोबहुकाल ॥ आवात लेआवीकरी ॥ बेठोझनरूपवाल ॥ ३७ ॥ सूकापत्रतणोसूएयो ॥ शणिअवसरि आराव ॥ वालिकोटिविस्तारीनें ॥ दृष्टिजोयुदाव ॥ ३८ ॥ मध्यवयेंआवीम हा ॥ तामसणीएकनाम ॥ सूतितिलकत्तालेंकरयु ॥ कमन्दलकरवाम ॥ ३९ ॥ पुत्रजीवमालाप्रगट ॥ जमणाकरमांजोय ॥ जटाकलापबाध्योजकन्द ॥ वक्क लवस्त्रवरहोय ॥ ४० ॥ तपतापीतकृशतनुथयो ॥ अठीचर्मअवत्रोत्र ॥ देषी गोपव्योमदननें ॥ प्रणम्यापादविशेस ॥ ४१ ॥ ढाल ॥ रागगोडी ॥ देशीआ

देसरनीवीनतीनी ॥ मुनिनेदेयीतासरे ॥ आसूं आवीआं ॥ बेठीबीजी
ए ॥ ४२ ॥ एस्यूउलपेमुनिरे ॥ इममेंचितव्यु ॥
॥ ४३ ॥ स्यूनवीजाणेंएहरे ॥ इणअवसरकहे ॥ बेसोकुमरएमुनवेंर
पुजीधरतीतेहरे ॥ बेठीतापसी ॥ कहेऋकऋतेसांसलोए ॥ ४४ ॥ इनितसेवी
ताढ्यरे ॥ पर्वतमध्यछे ॥ उचोपचविसजोअणाए ॥ ४६ ॥ ओजवपहोलें
चासरे ॥ तेहरजततणो ॥ पूर्वापरआयरअमत्योए ॥ ४७ ॥ विद्याधरनीकेणी
रे ॥ दक्षीणउत्तरे ॥ धरतीयीदसजोअणाए ॥ ४८ ॥ दक्षीणनगरपकातरे ॥
ाठिउत्तरदिशे ॥ गघसमृधपुरतेहमाए ॥ ४९ ॥ सहेसबल
ंसासारया ॥ मदनमंजरीऋसूताए ॥ ५० ॥ जौवनपामीजामरे ॥
मने ॥ पवनगतीराजाप्रीतिए ॥ ५१ ॥ रमतांतेहस्यूरगेंरे ॥ कालगमो
गगनमारगएकदिनहवेए ॥ ५२ ॥ क्रिमाकरवाकाजरे ॥ नवनवनगमा ॥ बे
ाकनकशिलातलेए ॥ ५३ ॥ सहसापमीउहेठिरे ॥ मरणलसोतरा ॥
अथीरथीमुनिपतीए ॥ ५४ ॥ मुनिनेउपनोशोकरे ॥ सम
नलहीए ॥ ५५ ॥ उमवाजाउजांमरे ॥ उमाइनही ॥
॥ ५६ ॥ दाधाउपरिलूणरे ॥ एस्यूबलीथयु ॥ इणिअवशरितिहांआवीअ
॥५७॥ वेवानवइणिनामरे ॥ मित्रमुनितातनो ॥ त ॥
कसोमाहरोवृत्तांतरे ॥ सरतामरीगयो ॥ गगनगामीनीतिमगईए
लआसूसरीनयणरे ॥ मुनिनेइमकहे ॥ थऊससारएहवोए ॥
गुरसजोगरे ॥ इद्रियचपलछे ॥ जिवलोकअसाश्वतोए ॥ ६१ ॥
रेंधर्मरे ॥ उत्तमप्राणीआ ॥ अणिलोकबांधवसमोए ॥
म्हेंइणिपरेंकसु ॥ तापसबोल्यातेहवेए ॥ ६३ ॥ विद्याकिमगईतुझरे ॥
सुनवीलऊ ॥ तवखानेंकरीबोलीआए ॥ ६४ ॥ शोकेंकरीसीवकूदरे ॥
घ्योतुम्हे ॥ कुसूमदामशीपरेंपमीए ॥ ६५ ॥ विद्यागईतुझइमरे ॥
थकी ॥ तवम्हेंसाध्युसांसलोए ॥ ६६ ॥ उपगारीइहलोकरे ॥ विद्याइसखुं
व्रतआपीअनुमहकरोए ॥ ६७ ॥ तवपुछीमुनिनातरे ॥ आचारससआवी

लावीरहांमुजव्रतदीउंए ॥ ६९ ॥ इकदिनपुजणदेवरे ॥ सायरउपकठे ॥ गई तवदिठुपाटिउए ॥ ६९ ॥ कन्यावलगीएकरे ॥ जलकल्लोलमा ॥ चन्द्रलेखाप रेंनिरमलीए ॥ ७० ॥ आचारजकहेतामरे ॥ इहरपितथयो ॥ मनोरथतरूफू लउगीआंए ॥ ७१ ॥ तापसणीकहेतामरे ॥ जोयुन्हेंजई ॥ जाणितवएजीव तीए ॥ ७२ ॥ कमफलजलछांटिरे ॥ नेत्रउघाडीआ ॥ लावण्यथीकूलवतील हीए ॥ ७३ ॥ धीरीयातुवछरे ॥ अम्हेतापसअउ ॥ ईमकहीफलआणीदिआ ए ॥ ७४ ॥ पवराव्युम्हेप्राणेंरे ॥ लईआश्रमगई ॥ देषाडीकुलपतीसणीए ॥ ॥ ७५ ॥ कुलपतीनेंपरणामरे ॥ करीनेतेरही ॥ तवआशीशदिइकुलपतीए ॥ ॥ ७६ ॥ पचमेखमेढालरे ॥ नवमीएकही ॥ पद्मविजयएहरासमांए ॥७७॥ ॥ उहा ॥ किहांथीआव्यांतिकहो ॥ म्हेंपुछ्युइमजांम ॥ तामलिप्तीथीतिकहे ॥ म्हेंपुछ्युफिरीताम ॥ ७८ ॥ किहांजाईनेंकुलकिस्यू ॥ तवनवीबोलीतेह ॥ नांषीदिर्घनीशासनें ॥ तवम्हेंचित्यूएह ॥७९॥ उत्तमकुलमाउपनी ॥ आ पइनहीतिर्णेआप ॥ पुछिसकूलपतीनेंपछें ॥ पामीसतिहांजवाप ॥ ८० ॥ कु लपतीआवश्यककरी ॥ सध्यासमयसमाधी ॥ पासेंकूलपतीपुछिउ ॥ वेशीनें निरावाध ॥ ८१ ॥ कन्याएकुणकिमलही ॥ एहअवस्थाआज ॥ आगलिके हवुएहनें ॥ कहोनीपजस्येकाज ॥८२॥ ढाल ॥ सांसलिरेतूसजनीम्हारी रजनीकिहेंणिपरेंरमीइजी ॥ एदेशी ॥ मुजनेंकहेकूलपतीसांसलितू ॥ तथप रसाथेंजाणजी ॥ तामलिप्तीनरपतीनीपुत्री ॥ रुपतणजेठाणए ॥ ८३ ॥ नृप सुतसूणीइजी ॥ एआंकणी ॥ सरतासेंहेंएमअवस्था ॥ पामीछेनिरधारजी ॥ म्हेंपुछ्युकिमकन्यानहीए ॥ कूलपतीकहेतीवार ॥ ८४ ॥नृप० ॥ द्रव्यथीक न्यातावेपरणी ॥ म्हेंपुछ्युकिमइमजी ॥ तवसघलूघुरथीससलाव्यु ॥ पतीजा वानीसीम ॥८५ ॥ नृप०॥ एकदिनसूणीउलोकवयणथी ॥ कूमरनेंमास्योरा इजी॥छणिशंचित्युमोहेंकरीने ॥ सिगतीहवेमुजथाय ॥८६ ॥ नृप० ॥ तेहज समसानेंजईजोई ॥ करवोप्राणवीजोगजी ॥ प्राणअधीकमुजवल्लसकेरी ॥ वातकरेइमलोग ॥ ८७ ॥ नृप० ॥ अरधीरातितेएकाकीणी ॥ घरमाथीतेचा

लिजी ॥ तस्करलूटीअचलसार्मपनें ॥ बेचाथीतिणेंआसी ॥ [illegible]
ज्याजबेंआरीबबरकूलें ॥ जातालागुज्याजजी ॥ एकपाटिएहना[illegible]
आव्युजिवीतकाज ॥ ८१॥ नृ० ॥ अणेदिवसेएतटपामी ॥ इवे[illegible]
वातजी ॥ सरतालहेस्येसोगसोगवस्ये ॥ यास्येजगतवीख्यात ॥[illegible]
परत्तवआघीमानवनोसव ॥ सफलोकरस्येएहजी ॥ इमसांभलीनें[illegible]
षी ॥ रातिगईजबतेह ॥ ९१ ॥ नृ० ॥ सूरजउदइम्हेंकसुकुमरी ॥ एस[illegible]
अनीत्यजी ॥ जौवनचचलअथीरएलषमी ॥ धैर्यधेरसुखीचित्त ॥[illegible]
साकहेस्वामीनीसाचुसाषो ॥ व्रतआपोउपगारीजी ॥ म्हेंकसुजौवन[illegible]
ली ॥ मदननसकीइवारी ॥ ९२ ॥ नृ० ॥ ज्ञानसुरयकुलपतीनेपुछ्यो ॥ तुम
इत्तातमनआणीजी ॥ अतीतअनागतसघलूसाष्यु ॥ तुरूपतीमिलनम[illegible]
॥ ९३ ॥ नृप० ॥ सत्तीतुरूजीवेछेकूअले ॥ सासलीविस्मयधारीजी ॥ [illegible]
रूतापणिकटकयुगलदिशकलपनाइउतारी॥९४॥नृ०॥हारलताबेबाज[illegible]
हायनाप्योतवनांहिजी ॥ चित्तगमिआप्युतवविलषी ॥ थईअतीस[illegible]
ही ॥ ९६ ॥ नृ० ॥ म्हेंसाप्युसममतकरतू ॥ ताहरूचित्तउदारजी ॥ मन
नोअवचारहिमणांतुरूनही ॥ सांसल्योएहविचार ॥ ९७ ॥ नृ० ॥ ताम्ह
कन्यावेषेविचरे ॥ इमकरतांगयोकालजी ॥ एकदिनकुलपतीसीरूपर्वतें ॥ ग
यावर्चनकिरपाल॥९८॥ नृ० ॥ एतोफूलविणवाचाली ॥ मोमीतीहाथीआवी
जी ॥ पाठलजोतीपरस्वेदकरी ॥ देहमीसीनीलावी ॥९९॥ नृ० ॥ म्हेंपुम्युतुं
किमखेदाणी ॥ तवतेबोलिइमजी ॥ म्हारांबांधवसांसस्यामुरूनें ॥ तेहनेतु
रूघणोप्रेम ॥२००॥ नृ० ॥ म्हेंसाप्युकुलपतीआवणदइ ॥ तुरूबांधवमेल
स्येजो ॥ इमसूणीमौनकरीतेदिनथी ॥ निजआतमनहीवस्ये ॥१॥ नृ० ॥ अ
तिथीनवीबहुमानेवेवनु ॥ पुजनपणिनवीकरतीजी ॥ फूलविणवापणिनवीआ
इ ॥ नथिअरूतासननमती ॥ २ ॥ नृ० ॥ विद्याधरनांजुगलआलेषे ॥ सातत
जुगलतेजोवेजी ॥ विसरतारपुराणीवातो॥सुणवातत्परहोवे ॥३॥नृ०॥ म्हेंमन
चित्युजौवनआव्यु ॥ जौवनेंमदबहुवाधेजी ॥ मदथीमदनविलासमदनथी॥

केमविकारनवाघइ ॥ ४ ॥ नृ० ॥ यत ॥ नविअछिएविय होही ॥ पाएणती
अण्णमीसोजीवो ॥ जोजोवणमणपत्तो ॥ विआररहीउंसयाहोई ॥ १ ॥
॥ पूर्वढाल ॥ दशमीढालएपचमखमे ॥ मदनपराजयकरस्येजी ॥ प
अविजयकहेतेसवीप्राणी ॥ सवआयरलघुकरस्ये ॥ ५ ॥ नृप० ॥ उहा ॥
वलगीनागरवेलमी ॥ वृक्षअसोकअवधारि ॥ हसलीकीमाहसस्यू ॥ जो
भेदीठजीवार ॥ ६ ॥ नापीनीसासोनिकली ॥ तपोवनवाहिरतेह ॥ देषीजा
तीदृष्टिथी ॥ सलक्योमुझसनेह ॥ ७ ॥ आजनदेषुएहनो ॥ अवलतनुआ
कार ॥ जोउकीहाएजायछे ॥ चालिऊश्मविचार ॥ ८ ॥ उटकीलईनेगवमी ॥
गईजीहाकूसूमनीजागि ॥ चपलताराषीचूपस्यू ॥ लषतीचिऊदिशलागि ॥
॥ ९ ॥ असोकवृक्षतलेअवनीइ ॥ जईउसीरहीजाम ॥ कदलिधनअंतर
करी ॥ रहिऊपुठेराम ॥ १० ॥ ढाल० ॥ उठिकलालएिसरघमोहे ॥ दारू
मारोमुलषतावी ॥ एदेशी ॥ मोहदेश्वरथीरोवतीहे ॥ वोलेशएिपरेंवाएि ॥
सासलज्योवनदेवताहे ॥ एहतेतेहजठाए ॥ ११ ॥ म्हाराकर्मवीपाकनीहे ॥
गतीनषीसाषीजाय।प्राणवल्लभविणमाहरीहे।गतीतेसीपरेंथाय १२॥ म्हारा ॥
आरजपुत्रमिल्याश्हाहे ॥ तापसणिमुझजाणि ॥ प्रणम्योनेउल्लपावीउंहे ॥ ना
मअनेंनीजठाणि ॥ १३ ॥ म्हा० ॥ म्हेंउत्तरनषीवालीउंहे ॥ नारीमतिथीरेऊण॥
मदनसेंदाणीवोलीनहीहे।हषेकहोगतिमुझकूण॥१४॥म्हा०॥ पुठेमेंजोयूघणु
हे ॥ पणिनविदीठोकोय।आर्यपुत्रतेकेंनहीहे॥ देववेषधरहोय ॥१५॥म्हा०॥
हवेतोजेहोयतेऊज्योहे ॥ पणिनवीजोगरवमाय ॥ मदनअनलवलतीथकीहे ॥
कोईरीतेंनजीवाय ॥१६॥म्हा० ॥ अयमत्तालतावेलमीहे ॥ वांधीनेंगलपास॥
मरवुमाहरेशणिपरेंहे ॥ जिवननीनहीआस ॥ १७॥म्हा०॥ सारकरेज्योमुझ
पतीहे ॥ तापसणीमुझमात ॥ सरिषीनेंससलावज्योहे ॥ एमाहरोअवदात ॥
॥ १८ ॥ म्हा०॥ लाजथीऊनवीकहीसकुहे ॥ श्मकहीदीधोपासादेवगुरुप्रण
मीकरीहे ॥ फूलाव्योतेनीरास ॥ १९ ॥ म्हा० ॥ श्णेंअवसरऊभोमतीहे ॥ ज
ईठेथोतसपास ॥ परलोकेपणिजायतांहे ॥ नवीपुठेस्याधासि ॥ २० ॥ म्हा०

तवसाचितेधिगूमनेंहें ॥ सातल्यूसघलूएण॥ ॥
सुलज्ञाविजेएण ॥ २२ ॥ म्हा० ॥ करस्योमकोपमोत्तपरिहे
स ॥ तपसीकोपकरेनहीहे ॥ धिरजधरीसुविलास ॥ २३ ॥ म्हा०
तीवचनअमोघछेहे ॥ तुरतजमिलस्येतेह॥ चालिआश्रमप्रतिजाईस्ये ॥
अछेस्मकरीनेह ॥ २४ ॥ म्हा० ॥ तापसकुमरजोवासणीहे॥
णीधार ॥ कथाविनोदकरतांथकाहे ॥ वेठीपासेंनारि ॥ २५ ॥ म्हा०
कूमरआवीकहेहे ॥ अम्हेनवीदीठोकोय ॥ कुमरीसकूनेंसमाचिनेंहे ॥
खोलवासोय ॥ २५ ॥ म्हा० ॥ तवितव्यताइवेषाणीउंहे ॥
तुज ॥ आश्रमपदचालोतूम्हेहे ॥ जिवाणीएहगुज ॥ २६ ॥ म्हा०
सासलीकुचालीउंहे ॥ आगलिगईतिणिवार ॥ आसनमुकनेंआपीउंहे ॥
ठीतिणआश्रमेनारि ॥ २७ ॥ म्हा० ॥ विलासवतीमुकवेषीनेंहे ॥
य ॥ सखिवसार्थेमोकलेहे ॥ अर्थ्यतेजोषनेंजाय ॥ २८ ॥ म्हा० ॥
मध्याह्नसमयजवाहे ॥ फनसादिकफलआंणि ॥ प्राणवृत्तिकरावेनेंहे
आवीतापसणितेगण ॥ २९ ॥ म्हा० ॥ राजपुत्रसूणोवारताहे ॥
पोहताआय ॥ सिभाकूणागतितूम्हकरूहे ॥ वसतवाकलफलखाय
म्हा० ॥ पणिएविलासवतीअछेहे ॥ अधिकीजीवितपाहि ॥
घलीहे ॥ फिरीअछेविधउगाहि ॥ ३१ ॥ म्हा० ॥ ईमकईनें
वारिम्हेंतिणीवार ॥ सगवतीस्मनकीजीइहे ॥ जाणोस्वरुपसंसार ॥
म्हा० ॥ अगनीग्रारिवपरणाविस्यांहे॥ फेराफरीआरेताम ॥ सगवती
णालहीहे ॥ गयासूवरखननाम ॥ ३३ ॥ म्हा० ॥ सर्वरीतूराढामलीहे ॥ दे
वीपाम्याउल्लास ॥ सूतापन्नवसायरेहे ॥ किधोकामविलास ॥ ३४ ॥ म्हा०
इणिपरिरजनीनीगमीहे ॥ इमअनुक्रमेंकोईकाल ॥ एकदिनसोसावनतणी
हे ॥ देपेस्त्रीअसराल ॥ ३५ ॥ म्हा० ॥ इमएपचमखममांहें ॥ साधीअ
रमीढाल ॥ पद्मविजयएरासमांहें ॥ सुणतामगलमाल ॥ ३६ ॥ म्हा०
डुहा ॥ विनितासोंसावनतणी ॥ जोतीनपसेजाम ॥ कुसुमवियतीकिमहीके

उत्तरनदिशआम ॥ ३७ ॥ ते कुपटक्षएटले ॥ नविदेयेमुजनारि ॥ अचरीजयी इमतेछित्ते ॥ तरुणीनदेखेतिवार ॥ ३८ ॥ आर्यपुत्रहाइमलवे ॥ पमीतेमुर्जी पामि ॥ मनचिंत्यूमेंमाहरें ॥ किधूअवजूकाम ॥ ३९ ॥ पठतंत्ययोपाछोकरी ॥ सिच्योजलेंशरीर ॥ सज्जथईकहेशब्दथी ॥ नयणेंझरतीनीर ॥ ४० ॥ नविदि ठातुम्हनयणथी ॥ तवम्हेंसाच्युतास ॥ झस्यूजाणएहमा ॥ सायेनारिविला स ॥ ४१ ॥ किमनविजाणोकहोतुम्हे ॥ सर्वकसुतवसाच ॥ कामीनीपणिपरि च्छाकरे ॥ वस्त्रनीवातअवाच्य ॥ ४२ ॥ कालगमावीकेतलो ॥ इकदिनम्हेंक सुइम ॥ सुणिसुंदरीनिजदेशमा ॥ पोहचीइतिमकरोप्रेम ॥ ४३ ॥ ढाल ॥ देशीअढीआनी ॥ पुछेलगवसिताम ॥ जईइनिजपुरठांम ॥ जोआणाकरोए ॥ महिरनीजरधरोए ॥ ४४ ॥ तेणीइआंणाविध ॥ सितपोतध्वजकीध ॥ के ईकदीनगयाए ॥ केलीकरेसयाए ॥ ४५ ॥ इणिअवसरतिहांआय ॥ नि रजामकचितलाय ॥ नावमेवेसीनेंए ॥ पामीमांयेशीनेंए ॥ ४६ ॥ मुजनेंक हेइमवात ॥ छिपकमाहविख्यात ॥ रहेतेवाणिजेए ॥ सार्थपजांणीजेए ॥ ॥ ४७ ॥ मलयदेशसणीजाय ॥ तुम्हएध्वजदेखाय ॥ मोकलीआअम्हेए ॥ धालोतिहांतुम्हेए ॥ ४८ ॥ म्हेकसुम्हारेनारि ॥ कहोतोआविशद्वारि ॥ ते कहेचालीइए ॥ विलवनसालीइए ॥ ४९ ॥ पोहतामोहटेजीहाज ॥ सारथ वाहसमाज ॥ तिणेंआदरकरयोए ॥ शुसस्थानकधरयोए ॥ ५० ॥ एकदिन पाछलोजाम ॥ रातिशेषरहीताम ॥ लघुशकाथईए ॥ उठयोझतईए ॥ ५१ ॥ तिणसमेसारथवाह ॥ जाग्योदेपीलाह ॥ चिंतेएहअमीए ॥ नारीनकुअमी ए ॥ ५२ ॥ रातीसमयछेएहा ॥ कोईनजाणेरिहा ॥ दरिआमाधरुए ॥ नारिअंगीकरूए ॥ ५३ ॥ लघुशकानेंकांमा ॥ वेगेजवतिणेंठांम ॥ नाख्योझपमयोए ॥ पुन्येफलक जम्योए ॥ ५४ ॥ पचरातीरसोमांहि ॥ मलयकूलउछांहि ॥ जलनिधीउतरयोए ॥ सवनवेअवतरयोए ॥ ५५ ॥ मेंमनचिंत्यूइम ॥ सार्थवाहेंकस्युकेम ॥ ना रीलोसेंकरीए ॥ नहिप्रयोजनवरीए ॥ ५६ ॥ एहविलासवतीनारि ॥ मुजवि योगचित्तधारि ॥ नहिजीवितधरेए ॥ आपघातकरेए ॥ ५७ ॥ नविजाणे

तवसाचितेधिगूमनेंहे ॥ सासल्यूसघलूएण ॥ मुखनीमुकरीनेंकहेहे ॥ [illegible]
मुलज्ञाविजोए ॥ २२ ॥ म्हा० ॥ करस्योमकोपमोउपरिहे ॥ तवमेंस[illegible]
स ॥ तपसीकोमकरेनहीहे ॥ धिरजधरीसुविलास ॥ २३ ॥ म्हा० ॥ कु[illegible]
तीवचनअमोघछेहे ॥ तुरतजमिलस्येतेह ॥ चालिआश्रमप्रतिजाईस्हे ॥ [illegible]
अस्लेश्मकरीनेह ॥ २४ ॥ म्हा० ॥ तापसकुमरजोवालणीहे ॥ मो[illegible]
णीवार ॥ कथाविनोदकरतायकाहे ॥ वेठीपासेंनारि ॥ २५ ॥ म्हा० ॥ [illegible]
कुमरआवीकहेहे ॥ अम्हेनवीदीठेकोय ॥ कुमरीसकुनेंसलाविनेंहे ॥ [illegible]
खोलवासोय ॥ २५ ॥ म्हा० ॥ सवितव्यताश्देपामीज्हे ॥ मुकनेंव[illegible]
तुक ॥ आश्रमपदचालोतुम्हेहे ॥ जिवामोएहगुक ॥ २६ ॥ म्हा० ॥ [illegible]
सासलीकचालीउहे ॥ आगलिगईतिणिवार ॥ आसनमुकनेंआपीउहे ॥ [illegible]
ठीतिणश्रमेनारि ॥ २७ ॥ म्हा० ॥ विलासवतीमुकवेषीनेंहे ॥ उगी[illegible]
य ॥ सखिउसाथेंमोकलेहे ॥ अर्थ्यतेशौचनेंजाय ॥ २८ ॥ म्हा० ॥ [illegible]
मध्याह्नसमयजदाहे ॥ फनसादिकफलआणि ॥ प्राणरत्तिकराविनेंहे ॥
आवीतापसणितेठाण ॥ २९ ॥ म्हा० ॥ राजपुत्रसूणोवारताहे ॥ [illegible]
पोहताआय ॥ सिमाकणागतितूम्हकरूहे ॥ घसतषाकलफलखाय ॥ [illegible]
म्हा० ॥ पणिएविलासवतीअछेहे ॥ अधिकीजीवितपाहि ॥ षिधि[illegible]
घलीहे ॥ फिरीअलेविघउगाहि ॥ ३१ ॥ म्हा० ॥ ईमकहीनेंरोवेघ[illegible]
साम्हिंहेंतिणीवार ॥ सगवतीश्मनकीजीश्हे ॥ जाणोस्वरुपेसआर ॥ [illegible]
म्हा० ॥ अगनीथाखिपरणाविआहे ॥ फेराफरीआरेताम ॥ सगवती[illegible]
णालहीहे ॥ गयाछुदरवननाम ॥ ३३ ॥ म्हा० ॥ सर्वरीतुराढामलीहे ॥ दे
षीपाम्याउलास ॥ सूतापल्लवसाथरेहे ॥ किधोकामविलास ॥ ३४ ॥ म्हा० ॥
शणिपरिंरजनीनीगमीहे ॥ श्मअनुकर्मेंकोईकाल ॥ एकदिनओसावनत[illegible]
हे ॥ देषेखीअसराल ॥ ३५ ॥ म्हा० ॥ श्मएपचमखण्डमांहें ॥ सापी[illegible]
रमीढाल ॥ पद्मविजयएरासमांहें ॥ सूणतांमगलमाल ॥ ३६ ॥ म्हा० ॥
डहा ॥ विनितासौसावनतणी ॥ जोतीनपसेजाम ॥ कुसुमविणतीकिम[illegible] ॥

युतोफानअथाह ॥ ७८॥ क्याजसागुजनसङ्गयां ॥ म्हेतुमपून्यप्रमाण ॥ पाम्युतिहांएकमाटिउ ॥ जलनीघीलघोजाण ॥७९॥ ढाल ॥ ढोलारहोतोऊ रांघुषीचमी ॥ एदेशी ॥ तिहांमेंमनिशणिपरेंचितव्यू ॥ अहोमायावीशीरदार ॥ साजनसूणोहे ॥ अध्यवशायहीणाघणा ॥ एसारथवाहअशार ॥ ८०॥ सा० ॥ जुउजुउकर्मविटबणा ॥ कांयकर्मकरेतेहोय ॥ सा० ॥ एआकणी ॥ अथवाएअचरीजकोनही ॥ कायकारणथीहोयकाज ॥ सा० ॥ पणिविण कारणनवीहोय ॥ कायपापथीकीमहोयराज ॥ ८१ ॥ सा० ॥ जु० ॥ पुछे विलासवतीतूम्हेंकिमपम्या ॥ तवमेंमनकिधविचार ॥ सा० ॥ दोपनकहि इंपारका ॥ इमचितवीबोल्योतिवार ॥ सा० ॥८२॥ जु० ॥ परमादेऊपमी गयो ॥ जम्युफलकतेतूऊपरेमुऊ ॥ सा० ॥ उतरयोजलनीघीअनुक्रमें ॥ फ स्तातूऊमलीउएगुऊ ॥ सा० ॥८३ ॥ जु० ॥ कहेनारीऊतरसीबुघणी ॥ त वमेंकयुसासलवात ॥ सा० ॥ सरोवरढुकमुश्हांयकी ॥ चालोतिहांजईश्नुख आत ॥ सा० ॥ ८४ ॥ जु० ॥ कायनारिनीतवनासारथी ॥ वलीसमुद्रमांउप नोथाक ॥ सा० ॥ योमुचालीतवथाकती ॥ नचिचालीशकुसूणोवाक ॥ सा०॥ ॥ ८५ ॥ जु० ॥ तवम्हेंकयुएवमनतले ॥ तुबेसिलेईआवुनीर ॥ सा० ॥ नलि नीपत्रदमीउकरी ॥ तवबोलीयईतेघीर ॥ सा० ॥ ८६ ॥ जु० ॥ तूम्हदर्शन नासूखआगलें ॥ मुऊतरसनपीमेंकांय ॥ सा० ॥ म्हेंकयुधीरजधारीइ ॥ जा णजेजललेईनेंआय ॥ सा० ॥ ८७ ॥ जु० ॥ नयनमोहनपटउढतू ॥ जिमअ द्यविमाविघननथाय ॥ सा० ॥ पल्लवशय्यापाथरी ॥ न्यग्रोघहेठलितेगाय ॥ ॥ सा० ॥ ८८ ॥ जु० ॥ वातमनावीवलथकी ॥ गयोजललेवातिणीवारि ॥ ॥ सा० ॥ जलफनसादीकफलभर्ते ॥ लेईआव्योवरआहार ॥ सा० ॥ ८९ ॥ ॥ जु० ॥ नयनमोहनपटमुकितू ॥ पीउपाणीलाव्योतेह ॥ सा० ॥ तोहीउत्तरनवी द्दिइ ॥ म्हेंकयुहासीकरोकेह ॥ सा० ॥ ९० ॥ जु० ॥ तोपणिजवबोलीनही ॥ तवम्हेंईमचितनकीघ ॥ सा० ॥ इहांतोएरमणीनथी ॥ अन्यथाकिमबोलन दीघ ॥ सा० ॥ ९१ ॥ जु० ॥ सायरेफरस्योकरजदा ॥ तोपणिनवीआवीहा

एसेठ ॥ कीधीकेवलवेठ ॥ नारिविनासहीए ॥ [७७
नीवपादपतिहांदिपि ॥ गयोकुसर्वत्वेषी ॥ मरवामनकरीए ॥
रीए ॥ ५६ ॥ दीठुदूरथीताम ॥ सरोवरएकअसीराम ॥
मानुएरोवतूए ॥ ६० ॥ भमरगुजारवेंगाय ॥ मानुंवलोनाठिकपाय
लमीसघरीए ॥ उँचिवाहकरीए ॥ ६१ ॥ दिठोहंत्रतिहांएक ॥
ठेक ॥ कलूएश्वरेंरहूश्ए ॥ आंपिआसूंचुश्ए ॥ ६३ ॥ षणरोवेषलगाय ॥
यहंसीजोईधाय ॥ विभ्रमआणतोए ॥ निजस्त्रीमानतोए ॥
ीअन्य ॥ पेदकरेतेविधिन्न ॥ मरवामन्नकरेए ॥ शोकघणोघरेए ॥
पुरळापामेतेह ॥ वलिचेतनलहेजेह ॥ ईत्यादिकसळ्ए ॥ ६०।
।६५ ॥ करयोविचारमेंताम ॥ ठ्पीउएपणिआम ॥ एमजाणीकरीए
पमीनेंपरिहरीए ॥ ६६ ॥ इणिपरेंचितवुजाम ॥ फिरतोहसतेताम ॥
लेनेमिल्योए ॥ दैवेंविरहटल्योए ॥ ६७ ॥ सापणदूरषलअंग ॥
नकरेचग ॥ शोकेंत्रकतीनहिए ॥ बिळहरष्यांसहीए ॥ ॥
चिताथाय ॥ जिवतांसंपदपाय ॥ बिरहदूरेंटलेए ॥
॥ ६९ ॥ कुलपतिइकघुनारि ॥ सुखसोगवीससार ॥ परसवसापस्येए ॥
वसफलोथस्येए ॥ ७० ॥ तिणेंमरस्येनहीनारि ॥ कर्मविचित्रअपधारि ॥
हनेंषोलविए ॥ नविजाश्सोलविए ॥ ७१ ॥ नारिंगफलनोआहार ॥
फिरेअपार ॥ सायरनेंतटेंए ॥ उखजिणथीमिटेए ॥ ॥ पचमस्व
वारमीएहरसाल ॥ पद्मविजयेंकहीए ॥ सविजनेंसद्दहीए ॥
॥ दुहा ॥ अर्द्धजोजनगयोआगलें ॥ आवतूफलकतेएक ॥ दिठुतेमेंदृष्टी
तिरेंगयोअतिरेक ॥ ७४ ॥ तिरेंआव्यूतेतूरत ॥ विलासवतीविलग्ग ॥
दिठिनेहस्यू ॥ उपनोअतीउमग ॥ ७५ ॥ अवसाश्मुकउंलष्यो ॥
म्हेंआवि ॥ पुण्युएस्यूनिपनुं ॥ पसर्णेतेमुकपाप ॥ ॥
यरें ॥ जाण्युसघसेजांम ॥ सार्थवाहधरीशोकनें ॥ कहेमुकपम
॥ ७७ ॥ परिजनस्यूकपरिवरी ॥ वास्योसारथवाह ॥ रातगईउग्योरवी

युतोफानअथाह ॥ ७८॥ ज्याजसागुजनसङ्गया ॥ म्हेतुमपून्यप्रमाण ॥ पाम्युतिहाएकमाटिज ॥ जलनीधीलघीजाण ॥७९॥ ढाल ॥ ढोलारहोतोऊ रांवुषोचमो ॥ एदेशी ॥ तिंहामेंमनिशणिपरेंचितव्यू ॥ अहोमायावीशीरदार ॥ साजनसूणोहे ॥ अध्यवशायहीणाघणा ॥ एसारयवाहअशार ॥ ८०॥ सा० ॥ जुउजुउकर्मविटषणा ॥ कांयकर्मकरेतेहोय ॥ सा० ॥ एआंकणी ॥ अथवाएअचरीजकोनही ॥ कायकारणथीहोयकाज ॥ सा० ॥ पणिविण कारणनवीहोय ॥ कांयपापथीकीमहोयराज ॥ ८१ ॥ सा० ॥ जु० ॥ पुछे विलासवतीतूम्हेंकिमपम्या ॥ तवमेंमनकिधविचार ॥ सा० ॥ दोपनकहि इंपारका ॥ इमचितवीबोल्योतिवार ॥ सा० ॥८२॥ जु० ॥ परमादेऊपमी गयो ॥ जम्युफलकतेतूऊपरेमुज ॥ सा० ॥ उतरयोजलनीधोअनुक्रमें ॥ फ स्तातूजमलीउएगुज ॥ सा० ॥८३॥ जु० ॥ कहेनारीऊतरसीतुघणी ॥ त वमेंकह्युसांसलवात ॥ सा० ॥ सरोवरढुकझुइहांयकी ॥ चालोतिहांजईसुख घात ॥ सा० ॥ ८४ ॥ जु० ॥ कायनारिनीतवनासारथी ॥ वलीसमुद्रमाउप नोथाक ॥ सा० ॥ योभुचालीतवथाकती ॥ नविचालीशकुसूणोवाक ॥सा०॥ ॥८५॥ जु० ॥ तवम्हेंकह्युएवमतले ॥ तूवेसिलेईआवुनीर ॥ सा० ॥ नलि नीपत्रदमोउंकरी ॥ तवबोलीपईतेघीर ॥ सा० ॥ ८६ ॥ जु० ॥ तूम्हदर्शन नासूखआगलें ॥ मुजतसनपीमेंकांय ॥ सा० ॥ म्हेंकह्युधीरजधारीइ ॥ जा णजेजललेईनेंआय ॥ सा० ॥८७॥ जु० ॥ नयनमोहनपटउंढतू ॥ जिमअ टविमांविघननथाय ॥ सा० ॥ पल्लवशय्यापाथरी ॥ न्यग्रोधहेठलितेठाय ॥ ॥ सा० ॥८८॥ जु० ॥ वातमनावीवलथकी ॥ गयोजललेवातिणीवारि ॥ ॥ सा० ॥ जलफनसादीकफलभर्ते ॥ लेईआव्योवरआहार ॥ सा० ॥८९॥ ॥ जु०॥ नयनमोहनपटमुकितू ॥ पीउपाणीलाव्योतेह ॥सा०॥ तोहीउत्तरनवी दिइ ॥ म्हेंकह्युहासीकरोकेह ॥ सा० ॥९०॥ जु० ॥ तोपणिजवबोलीनही ॥ तवम्हेंईमचितनकीध ॥ सा० ॥ इहांतोएरमणीनथी ॥ अन्ययाकिमबोलन दीध ॥ सा० ॥९१॥ जु० ॥ सायरेफरस्योकरजदा ॥ तोपणिनवीआवीहा

एसेठ ॥ कीधीकेवलवेठ ॥ नारिविनासहीए ॥ जिवयुमुक्तनहीए
नीवपादपतिहांदिषि ॥ गयोक्तसर्वजवेषी ॥ मरवामनकरीए ॥
रीए ॥ ५९ ॥ दीठुदूरथीताम ॥ सरोवरएकअसीराम ॥
मानुएरोवतूए ॥ ६० ॥ भमरगुजारवेंगाय ॥ मानुंवलोनाठिकपाय
दमीसधरीए ॥ उंचिवाहकरीए ॥ ६१ ॥ दिठोहत्र्यातिहांएक ॥
ठेक ॥ कलूणश्वरेंरूदए ॥ आंपिआसुंचुइए ॥ ६३ ॥ षणरोवेषणगय ॥
न्यहंसीजोईघाय ॥ विभ्रमआणतोए ॥ निजस्त्रीमानतोए ॥ [illegible] ॥
सीअन्य ॥ षेदकरेतेविपिन्न ॥ मरवामनकरेए ॥ शोकघणोधरेए ॥ [illegible]
मुरछापामेतेह ॥ वलिचेतनलहेजेह ॥ ईत्यादिकसक्तए ॥ दिठोल[illegible]
॥ ६५ ॥ कस्योविचारमेंताम ॥ डपीजएपणिआम ॥ एमजाणीकरीए ॥
पमीतेंपरिहरीए ॥ ६६ ॥ इणिपरेंचितवुजाम ॥ फिरतोहसतेताम ॥ [illegible]
लिनेमिल्योए ॥ दैवेंविरहटल्योए ॥ ६७ ॥ सापणदूरषसअंग ॥ [illegible]
नकरेचग ॥ शोकेंशकतीनहिए ॥ बिक्तहरप्यासहीए ॥ [illegible] ॥ [illegible]
चिताथाय ॥ जिवतांसंपदपाय ॥ विरहदूरेंटलेए ॥ कांताआवीम्लेए ॥
॥ ६९ ॥ कुलपतिश्कसुनारि ॥ सुखलोगवीससार ॥ परसषसाषस्येए ॥
षसफलोयस्येए ॥ ७० ॥ तिणेंमरस्येनहीनारि ॥ कर्मविचित्रप्रचारि ॥
हनेंषोखविए ॥ नविजाइसोलविए ॥ ७१ ॥ नारिंगफलनोआहार ॥ करीनें
फिरेअपार ॥ सायरनेंतटेंए ॥ डखजिणथीमिटेए ॥ [illegible] ॥ पचमस्वमेंकाय ॥
वारमीएहरसाल ॥ पद्मविजयेंकहीए ॥ सविजनेंसद्दहीए ॥ [illegible] ॥
॥ दुहा ॥ अर्द्धजोजनगयोआगलें ॥ आवतुफलकतेएक ॥ दिठुतेमेंदृष्टिथी ॥
तिरेंगयोअतिरेक ॥ ७१ ॥ तिरेंआव्यूतेतुरत ॥ विलासवतीषिलग्ग ॥
दिठिनेहस्यू ॥ उपनोअतीउमग ॥ ७२ ॥ अवसरमुक्तजल्पो ॥
म्हेंआपि ॥ पुन्युएस्यूनिपनुं ॥ पसरेतेमुक्तपाप ॥ ७३ ॥
यरें ॥ जाएयुसघसेजाम ॥ सार्थवाहघरीशोकनें ॥ कहेमुक्तपमकाम
॥ ७४ ॥ परिजनस्यूक्तपरिवरी ॥ वाल्योसारथवाह ॥ रातगईअप्योरवी

॥ ७ ॥ चेतनापांमीचिंतवु ॥ अहोनमुउआज ॥ तापसनेंकसुएतूम्हे ॥ किधू
स्यानेंकाज ॥ ८ ॥ ढाल० ॥ सोनानेंकरुमाहवेमजूरेलो ॥ रुपलाइढोणीहाथ ॥
म्हारावाहलाजीरे ॥ हवेनठेमुतोरीचाकरीरेलो ॥ एदेशी ॥ तापसकहेसुणिबा
तमीरेलो ॥ दूरथीदीठेतूभ ॥ म्हारावालाजीरे ॥ कूसुमलेवाफआवीउरेलो॥करु
णाउपनीमुभ ॥ म्हा० ॥ ९ ॥ इमभरणनवीकीजीइरेलो ॥ एआंकणी॥ कोई
उत्तमजनआचरेरेलो ॥ नदितमारगएह ॥ म्हारा० ॥ कारणपुछीनीवारीइरेलो॥
चितथ्यूइमघरीनेह ॥ म्हा० ॥ १० ॥ इम० ॥ उतावलांआवतायकारेलो ॥
तेंतोकीधूएकांम ॥ म्हा० ॥ मासाहसेइमबोलतोरेलो ॥ श्रेमीआव्योआम ॥
म्हा० ॥ ११ ॥ इम० ॥ ताहरोपासत्रुटिगयोरेलो ॥ तूपमीउतघहेठि ॥ म्हा०॥
म्हेंसिथ्योजलथीतूनेरेलो ॥ आयुप्रमाणेंहोयनेठ ॥ म्हा० ॥ १२ ॥ इम ॥
एहवुतूकिमआचरेरेलो ॥ तापसपूछेइम ॥ म्हा० ॥ लाजेंउत्तरनवीम्हेंदि
उरेलो ॥ तापसकहेंघरीप्रेम ॥ म्हा० ॥ १३ ॥ इम० ॥ तपसीमातपीतासमारे
लो ॥ कहोमुकीखलपच ॥ म्हा० ॥ अणजाण्योतेस्यूकरेरेलो ॥ कारजनो
परपच ॥ म्हा० ॥ १४ ॥ इम० ॥ तबम्हेंघुरथीसाघीउरेलो ॥ निपनोजेह
त्तांत ॥ म्हा० ॥ तवउसारअसारतारेलो ॥ सापेतेहमहांत ॥ म्हा० ॥ १५ ॥
इम० ॥ शारदमेघसमआउपुरेलो ॥ कुसुमिततरुसमऋद्धि ॥ म्हा० ॥ विषय
सूपनसमसाघीआरेलो ॥ सजोगविजोगस्यूगिद्ध ॥ म्हा० ॥ १६ ॥ इम ॥
ठांम्हितूएव्यवसायनेंरेलो ॥ धर्मवीनाकिमसूरक ॥ म्हा० ॥ म्हेंकसुसाचुरी
पीकहोरेलो ॥ पणिमुफप्रेयसीदूरक ॥ म्हा० ॥ १७ ॥ इम० ॥ तिणेंनवी
वीरहपमीसकुरेलो ॥ मरणअधीकमुफडरक ॥ म्हा० ॥ तिणेंमुफमुआंजिमए
मिलेरेलो ॥ तिमसापोकरोसूरक ॥ म्हा० ॥ १८ ॥ इम० ॥ तपसीकहेतूम्हे
सांसलोरेलो ॥ मलयपर्वतएनाम ॥ म्हा० ॥ मनोरथपुरकदुकठेरेलो ॥ म
नचिंतितकरेंकांम ॥ म्हा० ॥ १९ ॥ इम० ॥ तेहउपरिचढीचिंतवोरेलो ॥
जेमनमांअसीभाय ॥ म्हा० ॥ कृपाकरीतेहपामीइरेलो ॥ सुणिप्रणम्योरि
षीपाय ॥ म्हा० ॥ २० ॥ इम० ॥ चाल्योफ्तेपर्वतेरेलो ॥ पोहतोत्रिजेदि

थि ॥ सा० ॥ वलिमावुलोचनकरकीउ ॥ पमीडकरमांचीपाव ॥ सा०
॥ जु० ॥ पेदलसोत्रकायई ॥ खोलवामांमीतेनारि ॥ सा० ॥
पतो ॥ किहांगईमुझप्राणआधार ॥ सा० ॥ ॥ जु०॥
अजगरघसणीदूखदाय ॥ सा० ॥ तेअनुआरेऊचालीउ ॥
य ॥ सा० ॥ ॥ जु०॥ कुष्णउवीनेअरातमा ॥
महाकायाअजगरतिहा ॥ देषीथईमुझचटपट ॥ सा० ॥ ॥ जु०
रीवीलासवतीएऐं ॥ तिऐंअवसरमुझगईसान ॥ सा० ॥
नें ॥ नलऊवथतीकेरान ॥ सा० ॥ ॥ जु०॥
लीचालतोकेरसोगाय ॥ सा० ॥ कायमरणजीवितपणिनवीजऊ ॥
कायनकहाय ॥ सा० ॥ ॥ जु० ॥ मुरछाघग्णीहुयो ॥
तिहांमुझप्राण ॥ सा० ॥ वलिआयरनीलहेरेंकरी ॥
सा० ॥ ॥ जु० ॥ एदेहसूपुअजगरमतें ॥ थाउदरमांदिवीसम ॥
जवअजगरपासेंऊगयो ॥ तिऐंसकोच्यूनीजअग ॥ सा० ॥ ॥ जु०
मेंजाण्युंमुआपणिवोहिलू ॥ एनारीनुमिलवुथाय ॥ सा० ॥
पमाऊवा ॥ करयोमस्तकउपरिघाय ॥ सा० ॥ ॥ जु० ॥
हपाणेवम्यो ॥ लेईनारीतऐंवऊमांन ॥ सा० ॥ ऊवयेंदेईमनंचितवे ॥
फासेंतजुमाण ॥ सा० ॥ ॥ जु० ॥ प्रेमविलूधोएप्राणीउ ॥
आलपपाल ॥ सा० ॥ सूषीआनीसनेहीमुनी ॥ जिऐंणेमीसयवअजा
सा० ॥ २ ॥ जु० ॥ पचमरवमेंएतेरमी ॥ कहीढालअतीसुरथाल ॥ सा०
कविपद्मकहेंश्रोतासूणो ॥ सूणतांहोयमगलमाल ॥ सा० ॥ ॥ जु०
॥ दुहा ॥ मुनिजीहांस्यामाहती ॥ तिहांवनतलेततकाल ॥
उ ॥ करवानेमेंकाल ॥ ॥ फुलायोऊजेतलें ॥ उघायोतिऐंराम ॥
काननंसम्यु ॥ सघलीगईलवथान ॥ ॥ पेंसेंगगनपातालमां ॥
नीकलीयाह ॥ अननुसूततेअनुसम्पू ॥ मुझाणोमनमाहें ॥ ॥
नेंपांतरे ॥ सूपनपरेंसूखवास ॥ दिगेरिषीएकदृष्टिथी ॥

स्येकहो ॥ दपतीनी सदेह ॥ ३६ ॥ जुक्तिरहीतजाणीकरी ॥ कूणकरेएहम्र
काज ॥ सूणीजाएयूमेंसयणए ॥ एहवुसापेम्राज ॥ ३७ ॥ ढाल ॥ योगमा
यागरवेरमेजो ॥ एदेशी ॥ म्रजगरनीजेवातमीजो ॥ म्हेंसंसलावीतसकानि
जो ॥ म्रिजोदिनम्राजतेहनेंजो ॥ कहेपेचरसूणोसूप्रमाणजो ॥ ३८ ॥ धीर
जथीसवीसपजेजो ॥ एम्राकणी ॥ केतलेवेगलूनेवन्युजो ॥ म्हेंकम्रुदम्राजो
जनथायजो॥ तवविद्याधरवोलीउंजो ॥ तूपेदमकरिमनसायजो ॥ ३ए ॥ धी० ॥
जीवेंठेंतूम्रप्रेयसीजो॥तेहनोसासलम्रधीकारजो॥ विद्याधरनोम्रधीपतीजो ॥
चक्रसेननामेंम्रवधारजो ॥ ४० ॥ धी० ॥ तिणेंम्रप्रतीहतचक्रासीधाजो ॥
महाविद्यासाधवाहेतजो ॥ पूर्वसेवावारमासनीजो ॥ हवेउत्तरनेंसकेतजो ॥
॥ ४१ ॥ धी० ॥ म्रमतालीसजोजनतणीजो ॥ कायपेम्रशुद्धिकरीसारजो ॥
म्रसयदेईसऊजीवनेंजो ॥ महाउद्यमथीतिणवारजो ॥ ४२ ॥ धी० ॥ निज
समजेविद्याधराजो॥ तेहनेंइमऊकमतेकीधजो॥ सातदिवसलगीसासलोजो॥
सऊजीवनीहिंसानिपिद्धजो ॥ ४३ ॥ धी० ॥ मलयगीरीगुफानामथीजो ॥
सिद्धिनिलयाम्रसीधानजो ॥ फटकमणीजपमालिकाजो ॥ एकाकीरस्येतिणे
थानजो ॥ ४४ ॥ धी० ॥ सातलाखमाम्योजापनेंजो ॥ पुराथयादिवसतेसा
तजो ॥ सिद्धिसवारेथायस्येजो ॥ तिणेंजाणकुशलनीवातजो ॥ ४५ ॥ धी०॥
एतलापेम्रमामेरनहीजो ॥ एकामर्मासऊसावधानजो ॥ सासलीम्हेंपाणीचित
म्रूजो ॥ एवातयुक्तपरधानजो ॥ ४६ ॥ धी० ॥ पटउंव्योहतोशणिइजो ॥
किमएकलोपटगलेतेहजो ॥ मनुष्यगल्युहोयजोएणेंजो ॥ तोसकोचाइंकिम
देहजो ॥ ४७ ॥ धी० ॥ म्हेंकम्रुपेचरनेंतिहांजो ॥ मुऊम्राशासनातूम्हेदिध
जो ॥ थाउमनोरथतूमतणाजो ॥ मुऊम्रकुसलपद्धनिपिद्धजो ॥ ४८ ॥ धी०॥
पोलीलावुमाहरीप्रीयाजो ॥ मुऊवोलेपेचरतामजो ॥ स्यानेंकलेशकरोतूम्हे
जो ॥ म्राजतोम्रमनेंएहकामजो ॥ ४ए ॥ धी० ॥ कालिसऊसेलामिलेजो ॥
पामीस्यूपवरितेतासजो॥ मेलवस्यूम्रमेतूम्हनेंजो॥ तूम्हेंरहोइहासूखवासजो
॥ ५० ॥ धी० ॥ मान्युवचनम्हेंतेहनुजो ॥ म्रर्द्धपहोररातिरहीसेसजो ॥ गर्ग

न ॥ म्हा० ॥ तिहाचमीम्हेंचितव्यूरेलो ॥ प्रियाउपरिमुझमन ॥ ॥२२ ॥ इम० ॥ रूपाकस्योम्हेंजेतलेरेलो ॥ अहोअहोएहभमाद ॥ विद्याधरेंइमवोजतारेलो ॥ रूपस्योधरीविपवाद ॥ म्हा० ॥ चदनलतानागेहमारिलो ॥ लाविआस्यास्येतिण ॥ म्हा० ॥ रेमहानुरूप तुकरेरेलो ॥ उत्तमआकारेण ॥ म्हा० ॥ २३ ॥ इम० ॥ कहेतूकारण अग्रेरेलो ॥ तवम्हेंकस्योसवध ॥ म्हा० ॥ रिपीइएहबतावीउरेलो ॥ कांम तपमएणनिर्बंध ॥ म्हा० ॥२४ ॥ इम० ॥ तवकायकहत्रीनेंकहेरेलो ॥ वि याधरइमवांणि ॥ म्हा० ॥ स्नेहकाथरअह्यमेमनवीरेलो ॥ स्नेहनेंदूखनी खाणि ॥ म्हा० ॥२५॥ इम० ॥ स्नेहेंविवेकरहेवेगलोरेलो ॥ दूरगतीको घवस्नेह ॥ म्हा० ॥ कुशलपक्षअनुकस्योरेलो ॥ निर्वृत्तिअर्गलाएह ॥ म्हा० ॥ २६ ॥ इम० ॥ स्नेहेंपरालव्याप्राणिआरेलो ॥ नगर्णेआयतीकाय ॥ म्हा० ॥ कालोचितनवीतेजुइरेलो ॥ धर्मनसेवेरव्याल ॥ म्हा० ॥ २७ ॥ इम सिंहपजरगतनीपरेरेलो ॥ समरथथकोसीदाय ॥ म्हा० ॥ तिर्णेतजीइएस्ने हनेरेलो ॥ विवेकदिपर्केजुउसाय ॥ म्हा० ॥ २८ ॥ इम० ॥ कर्मविपाक सविजीवनारेलो ॥ किमगतीहोयइएक ॥ म्हा० ॥ मनवछितफलसाधको लो ॥ चउविहधर्म्मविवेक ॥ म्हा० ॥ २९ ॥ इम० ॥ पचमरवमेंचोथीमी लो ॥ पद्मविजयकहीढाल ॥ म्हा० ॥ समरादित्यनारासमारिलो ॥ धर्मनी मगलमाल ॥ ॥ म्हा० ॥ ३० ॥ इम० ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥

॥दुहा॥ सूणोदष्टांतसोहामणो ॥ एहतणेअधीकार ॥ मलयदेशमांगांमछु ॥ क ‌र्णिकारश्रीकार ॥१॥ सको लसेठनीसुंदरि ॥ सिहानामसूजाण ॥ पतिउपरिप्रे मजघणो ॥ पतिनेंनअत्यमप्रमाण ॥२॥ विक्रनेंवातवणीइसी ॥ एकदिनसूणीऐ इम ॥ कामीतपमएणकरीमरे ॥ पामेवछीतप्रेम ॥ ३ ॥ पतिपास्योप्रेमेंकरी ॥ चितवेंइणिपरिचित्त ॥ सार्थाएहसवातरें ॥ नवीपामुएप्रीती ॥ ४ ॥ इमक रीरूपातिर्णेदीउ ॥ सासलेसिहाकानि ॥ इणिधारयुमनइणिपरि ॥ मुझपतीपूरेप्र माण ॥ ५ ॥ विरहमयाउसवांतरे ॥ पतीरागेंपमीतिह ॥ कूणएहमांक

स्येकहो ॥ दपतीनी सदेह ॥ ३६ ॥ जुक्तिरहीतजाणीकरी ॥ कूणकरेएहअ्र काज ॥ सूणीजाएयूर्मेसयणए ॥ एहवुत्तापेआज ॥ ३७॥ ढाल ॥ योगमा यागरवेरमेजो ॥ एदेशी ॥ अजगरनीजेवातमीजो ॥ म्हेंसत्तलावीतसकानि जो ॥ त्रिजोदिनआजतेहनेंजो ॥ कहेपेचरसूणोसुप्रमांणजो ॥ ३८॥ धीर जयीसवीसपजेजो ॥ एआकणी ॥ केतलेवेगलूनेवन्युजो ॥ म्हेंकसुदत्रजो जनथायजो॥ तवविद्याधरवोलीउंजो ॥ तूपेदमकरिमनसायजो॥ ३ए॥धी०॥ जीवेंछेंतूफप्रेयसीजो॥तेहनोसासलअचीकारजो॥ विद्याधरनोअधीपतीजो ॥ चक्रसेननामेंअवधारजो ॥ ४० ॥ धी० ॥ तिर्णेअप्रतीहतचक्रासीधाजो ॥ महाविद्यासाधवाहेतजो ॥ पूर्वत्रेवावारमासनीजो ॥ हवेउत्तरनेंसकेतजो ॥ ॥ ४१ ॥ धी० ॥ अफतालीसजोजनतणीजो ॥ कांयपेत्रशुध्दिकरीसारजो ॥ अत्तयदेईसजीवनेंजो ॥ महाउद्यमथीतिणवारजो ॥ ४२ ॥ धी० ॥ निज समजेविद्याधराजो॥ तेहनेंश्मक्कमतेकीधजो॥ सातदिवत्रलगीसासलोजो॥ सजीवनीहिंसानिपिध्दजो ॥ ४३ ॥ धी० ॥ मलयगीरीगुफानामथीजो ॥ सिध्दिनिलयाप्रसीधानजो ॥ फटकमणीजपमालिकाजो ॥ एकाकीरमोतिर्णे थानजो ॥ ४४ ॥ धी० ॥ सातलाखमाम्योजापनेंजो ॥ पुरायथादिवसतेसा तजो ॥ सिध्दिसवारेथायस्येजो ॥ तिर्णेजाणकुशलनीवातजो ॥४५ ॥ धी०॥ एतलापेभ्रमांमरेनहीजो ॥ एकाममासक्रसावधानजो ॥ सांसलीम्हेंपाणिचित म्यूजो ॥ एवातयुक्तपरधानजो ॥ ४६ ॥ धी० ॥ पटउंच्योहतोशणिश्जो ॥ किमएकलोपटगलेतेहजो ॥ मनुष्यगल्युहोयजोएणेंजो ॥ तोसकोचाशकिम देहजो ॥ ४७॥ धी० ॥ म्हेंकसुपेचरनेतिहांजो ॥ मुफआशासनातूम्हेदिध जो ॥ थाउमनोरथतूमतणाजो ॥ मुफअकुसलपक्षनिपिध्दजो ॥ ४८॥ धी०॥ पोलीलावुमाहरीप्रीयाजो ॥ मुफवोलेपेचरतामजो ॥ स्यानेंकलेशकरोतूम्हे जो ॥ आजतोअमनेंएहकामजो ॥ ४ए ॥ धी० ॥ कालिसक्रसेलामिलेजो ॥ पामिस्यूपवरितेतासजो॥ मेलवस्यूअमेतूम्हनेंजो॥तूम्हेंरहोश्हासूखवासजो ॥ ५० ॥ धी० ॥ मान्युवचनम्हेंतेहनुजो ॥ अर्द्धपहोररातिरहीसेसजो ॥ गग

नेंउयोतथयोतदाजो ॥ गायेमगलगीतविशेषराजो ॥ ५०॥ धी० ॥ देवविमा नपरेंदिपतूजो ॥ आव्यूविद्याधरनुविमानजो ॥ कहेखेचरमुज्झेसज्योजो ॥ विद्यासिद्धस्वामिनिसानजो ॥ ५२॥ धी० ॥ गयुविमानतिहांकणेंजो ॥ वड धियाधरपरीवारजो ॥ विहाणेमुझनेंतेमीगयोजो ॥ चक्रवेनशमीपउवारजो ॥ ॥ ५३॥ धी० ॥ करीयप्रणामउत्तारसाजो ॥ वरआसनदिधूतामजो ॥ वात सुणावीवेरीनेंजो ॥ तवबोल्योपेचरस्वामिजो ॥ ५४॥ धी० ॥ मतसंतापक रोतुम्हेंजो ॥ तुम्हमेलवस्यूआजनारिजो ॥ इर्णेसमेदोयविद्याधराजो ॥ प्रण मिकहेएकतिवारजो ॥ ५५॥ धी० ॥ तुमआणाथीवनांतरेजो ॥ समतांएक दिठीनारिजो ॥ अजगरसयथीनासतीजो ॥ आर्यपुत्रहाकरतिपोकारजो ॥ ॥ ५६ ॥ धी० ॥ वसलिघुतिर्णेअजगरेंजो ॥ लाव्यामलयशिषरअम्हेनारि जो ॥ सन्यकवयकणरहीकरीजो ॥ उघिरुणनयनमावारिजो ॥५७॥ धी० ॥ अम्हेकसुलयनकरोतुम्हेजो ॥ तुझकिहांगयोत्तरतारजो ॥ साकहेपाणिलेवा गयोजो ॥ तवअम्हेकरीशोधिअपारजो ॥ ५८॥ धी० ॥ पणिनवीअमर्नेति मस्योजो ॥ सानवीलीईअन्ननेंपानजो ॥ हाहाआर्यपुत्रराषीइजो ॥ इमकहे तीरहेतिर्णेपानजो ॥ ५९ ॥ धी० ॥ षेचरपतीमुझनेंकहेजो ॥ तुम्हेजुअन चीकेनांहिजो ॥ सार्येषेचरऊतिहांगयोजो ॥ जोईपाम्योअतिउर्गहजो ॥ ॥ ६० ॥ धी० ॥ देईआसासनातिहांकिर्णेजो ॥ साविदिशषेचरआहारजो ॥ षेचरपतीनेंआवीकसुजो ॥ महाराजएमाहरीनारिजो ॥ ६१ ॥ धी० ॥ वात घणीरुअमीयइजो॥ तुम्हसागावूखवियोगजो॥ कहोतेवलीतुम्हस्यूकरूंजो॥ तुम्हेदीसोउत्तमकोश्लोगजो ॥ ६२॥ धी० ॥ समरावित्यनारासमांजो ॥ क हीपचमखमेरचालजो ॥ पम्मविजयसोहामणीजो ॥ रुमीपनरमीएहढालजो ॥ ६३ ॥ धी० ॥ दुहा ॥ देषीलक्षणदेहनां ॥ इणिपरेंचित्युआप ॥ विद्याधर पतीवल्लहो ॥ पामीसप्रबलप्रताप ॥ ६४ ॥ अजितबलाविद्याअठे ॥ तेआपु झनूझ ॥ उत्तमपुरुषम्हेउलपी ॥ मोदथयोइममुझ ॥ ६५ ॥ माहअविष नपामस्यो ॥ परगटजासप्रसाव ॥ बालपर्णेबतलावीउ ॥ जोसीइएहजमाव ॥

॥ ६६ ॥ उदयतेहनोत्र्आवीउं ॥ इमविचारीत्र्याप ॥ विद्यालीधीवेगस्यूं ॥ उत्त
मसुणीत्र्आलाप ॥ ६७ ॥ विद्याधरगयावेगस्यूं ॥ आपीसाधनत्र्याम ॥ साधन
षेत्रसीरोमणी ॥ किमकरुविकटएकाम ॥ ६८ ॥ उत्तरसाधकनहीइहां ॥
ससास्योवसूसूति ॥ इणित्र्अवसरित्र्यावीमीले ॥ आपुतेत्र्प्रदसूत ॥ ६९ ॥ ढा
ल ॥ वावाकिसनपुरीतूमविनामठीत्र्आउफरपफी ॥ एदेशी ॥ विद्यासिद्धिसूच
वेतेह ॥ आव्योवसूसूतीससनेह ॥ मनहरषनमाय ॥ आव्याजीसलेरेतूम्हेत्र्प्र
होजीत्र्प्रहो ॥ तापसनोपदेस्योठेवेस ॥ आलिंगनकरस्योहर्पवीशेष ॥ ७० ॥
॥ मन० ॥ म्हेंमनचिंतव्यूतापसत्र्याम ॥ आलिंगनदिइस्यानेंकाम ॥ मन० ॥
देवीसहीतक्रप्रणम्योतास ॥ चिरजीवकहेमुझनेंसास ॥ ७१ ॥ मन०॥ अवि
घवाथाउंनारीत्र्आसीस ॥ शर्म्देउंलपीघुण्युम्हेंत्रीश ॥ मन० ॥ आणदत्र्प्रां
सुनयणेनमाय ॥ आसनत्र्आप्युवेगागाय ॥ मन० ॥ ७२ ॥ चरणपपाले
नारीतिवार ॥ वृत्तातपूछेकरावीत्र्याहार ॥ मन० ॥ किहांथीत्र्आव्यानेंशायरत
स्याकेम ॥ तेकहेफलकलसुष्युषेम ॥ ७३ ॥ मन० ॥ पांचेदिवसेंपाम्योपा
र ॥ मलयतटेंउतरयोतिणीवार ॥ मन० ॥ आव्योतापसजोवातिर ॥ आस्वा
स्योमुझदेपीपीर ॥ ७४ ॥ मन० ॥ कुलपतीपासेंमुझलेईजाय ॥ म्हेंवद्यातव
आधीसदाय ॥ मन० ॥ आहारकरावीपुठीवात ॥ म्हेंपणिकस्रोसघलोत्र्प्रव
दात ॥ ७५ ॥ मन० ॥ म्हेंकसुतापसकीजेस्वामि ॥ मित्रविजोगीनेंएत्र्प्रसीरा
म ॥मन०॥ कुलपतीकहेकर्त्तव्यछेएह ॥ पणिनवीत्रुटेततूचानेंहा॥७६॥मन०॥
ऽ करकर्मतणारेविवाग ॥ ऽ करसाप्योविषयनोत्याग ॥मन०॥ मुनीनोमारग
दोहीलोजाणी ॥ पालसुदोहिलूवलीत्र्प्रपीछाणी ॥ ७७ ॥ मन० ॥ समकिनेंत
जीइसत्र्यार ॥ पणिएकसासलीवीजोप्रकार ॥ मन० ॥ ज्ञानेंकरीजाणतुइमा
मित्रताहरोमिलस्येसूखपेम ॥ ७८ ॥ मन० ॥ सेवाकरतोरहेत्र्प्रमपासा॥मुनीव
चनेंथईमिलवानीत्र्यास ॥ मन० ॥ तिहांरहेताथयोएतलोकाल ॥ कुलपतासे
वाकरतोविचाल ॥ ७९ ॥ मन० ॥ आजथीत्रीजेदिवसत्र्प्रतीत ॥ एकतापस
कहेवातमतीत ॥ मन० ॥ कुलपतीत्र्यागलिइरपघरेह ॥ मुझसांसलतासर्वक

हेह ॥ ८० ॥ मन० ॥ तोहरीरत्नोतम्हेसूणीउकानि ॥ म्हेकतुमनरनाहे
गीनें ॥मन०॥ कुलपतीनीआणालहीनोम ॥ कालिकाआव्योतेनिरधारा
॥ मन० ॥ खेचरकसोमुजतुजअधीकार॥ बोलतोआव्योश्रेणीईशकार ॥ मन
तवमेंविद्याप्रापतीवात ॥ ससलावीतसहायतेमात ॥८२॥ मन० ॥ एकोतरां
बंधनमीथ्यानवीथाय ॥ अहोसावीसकूवर्णतुंजाय ॥ मन० ॥ करी
नश्चितएतुम्हेकाम ॥ थास्योअवस्यविद्याधरस्वामि ॥ ८३ ॥ मन० ॥ गु
रुसेवाकरवीषटमास ॥ मांमीमलयसीखरअभ्यास ॥ मन० ॥ मौनर्थ
ब्रम्हचारीथाय ॥ परिमितआहारफलादिकराय ॥ ८४ ॥ मन० ॥ कतुमनें
विलासवतीयेयुकाम ॥ षटमासदू करगयामुजआम ॥ मन० ॥ एम
होरातीनुकामहजोय ॥ कहेविलासवतीसूणोसोय ॥ ८५ ॥ मन० ॥ तु
म्हमनोरथपुराथाउ ॥ वहेला२ थाउषेचरराउ ॥ मन० ॥ कायरहस्यजा
म्हेतेह ॥ मलयगिरीदरीमांहवीएह ॥ ८६ ॥ मन० ॥ मांमीअषाणसे
वेतह ॥ देवताहवीकरीकूसुमनोजह ॥ मन० ॥ विद्यापालकरयोवससूनी
पवमासनवांछ्यूअवसुत ॥ ८७ ॥ मन० ॥ युग्नोमेफलकीधोआप ॥ ते
फलोमांमभोजाप ॥ मन० ॥ कांईकवेलावीतीजाम ॥ आकोसहतवा
तोम ॥ ८८ ॥ मन० ॥ गाजअेकलिकेसागरघोस ॥ पृथवीकंपकेलो
अघोस ॥ मन० ॥ मदमातीमयगलसकथाय ॥ जलकणीआवीतथां
॥ ८९ ॥ मन० ॥ विलासवतीनेआकमेतेह ॥ कोधेकूमलतिसाकरे
मन० ॥ गुलगुलकरतोअकुसकान ॥ सनमुखआवतोवेषतेथान ॥ ९० ॥
॥ मन० ॥ हाआर्यपूत्रश्मकरतीनारि ॥ नेत्रअघोसाणेधीरजधारी
मन० ॥ एहविसीतिकोगईअसरालं ॥ आविपिशाचिणीअतीवीकराल
॥ मन ॥ वरणेंकालीरातीनयण ॥ अटाटपहास्यकरेमीजवयण ॥ मन० ॥
रपवनीगलेमालाधारि ॥ गगनउद्योतकरेतिणीवार ॥ ९१ ॥ मन० ॥ ती
चरमंजूचरमतेजाणि ॥ वतेपहेरयुंचूस्वनीपीणि ॥ मन० ॥ रुधीरवीमी
अनकपाल ॥ विलासवतीवामकरसंसाल ॥ ९२ ॥ मन० ॥ रेरेबूटविकरा

ग ॥ दूरविदग्घथयोमनरंग ॥ मन० ॥ किहांजाईसमुखकहेतीश्म ॥ ल्लेस नाकरतीआवीतेंम ॥ ११ ॥ मन० ॥ तेहथीनवीखोत्ताणोधीर ॥ इवेंमाकि णआविकरेपीर ॥ मन० ॥ विणवादलगरजारवथाय ॥ नाचेघनवेतालबहुधा य ॥ १४ ॥ मन० ॥ वरसेरूधीरधाराअत्रसाल ॥ नगनतरथकेअतीवीक राल ॥ मन० ॥ बोलेशिवाकरतीफेतकार ॥ तोपणिनवीपोत्योकलगार ॥ ॥ १६ ॥ मन० ॥ इवेचोथोउपसर्गतेथाय ॥ रापसणीआवीलेईजाय ॥ मन० कुपमांनांख्योजेमपाताल ॥ चन्दसूरयनागासमकाल ॥ १७ ॥ मन० ॥ दाढा जेहनीअतीवीकराल ॥ मनुष्यमस्तकनीपहेरीमाल ॥ मन० ॥ नासिलगेंघण लटकेजास ॥ मनुजकलेवरकापेविलास ॥ १८ ॥ मन० ॥ मारि २ कहेमु खेंआलाप ॥ महाविकरालतफनहीमाप ॥ मन० ॥ तोपणिनवीबीहनोकल गार ॥ स्यारघणीरहेसतितिवार ॥ १९ ॥ मन० ॥ मन्त्रथयोसमापतप्राय ॥ सुगंधतथवायराहवेवाय ॥ मन० ॥ फुलवृष्टीजयजयरवथाय ॥ किंनरीउति हांमंगलगाय ॥ ५०० ॥ मन० ॥ थयोउद्योतआकासेंजाम ॥ अर्जीतबलाआ व्यांहवेंताम ॥ मन० ॥ देवदेवीबहुपरीवर्यातेह ॥ स्तवनाकरेसूसमाहरीएह ॥ २ ॥ मन० ॥ पंचमखंडेसोलमीढाल ॥ सांभलतांहोयमंगलमाल ॥ मन० ॥ समरादित्यनारासमासार ॥ पद्मविजयकहेजय २ कार ॥ २ ॥ मन० ॥ ॥ दुहा ॥ अहोताहरोउपयोमए ॥ अहोव्यवसायअनंत ॥ अहोपुरूपोत्तम पणअती ॥ सिधथईकसत ॥ ३ ॥ विरमितुएव्यवसायथी ॥ तवम्हेंचिंत्यूए म ॥ मन्त्रअधुरोमाहरे ॥ कहोफलमपकुंकेम ॥ ४ ॥ मन्त्रपुरोकरीप्रणमीउ ॥ इणिअवसरितिहांआय ॥ विद्याधरनावृदजे ॥ रूपमनोहरराय ॥ ५ ॥ सुणि देवीकहेएसहु ॥ प्रेमेंतुजप्रणमत ॥ जमसीहमुखाचतूर ॥ भत्यसावसावत ॥ ॥ ६ ॥ तुमपसायईमकहीतूरत ॥ अंगीकरेअतीरेक ॥ कहेदेवीतुजकिजीइ ॥ खेचरपतीअभीषेक ॥ ७ ॥ ढाल ॥ सीरोहीरोसालूहोकेउपरिजोधपूरी ॥ एदेशी ॥ म्हेंकह्युंमुजमीधनेंहोकेवलिनारीदिपे ॥ तववोलाव्योतसहोकेनविबोलेरेपे ॥ तसजोयोजईनेहोकेनवीदीठोजाम ॥ बहुविद्याधरस्यूहोकेगगनगयोताम ॥

हेह ॥ ८० ॥ मन० ॥ ताहरोरुत्तांतम्हेंसूणीउंकामि ॥ म्हेंकंदु [illegible]
गेने ॥मन०॥ कुलपतीनीआणालहीनाम ॥ कासिकुंआम्योतेतिर [illegible]
॥ मन० ॥ खेचरकेसोमुझतूझअधीकार॥ पोलतोआम्योश्योएम [illegible]
तवमेंविद्याभापतीवात ॥ ससलावीतसेहांपतेयात ॥ [illegible] मन० ॥ [illegible]
थघनमीध्यानवीयाथि ॥ अहोसावीसऊवणतूंजाये ॥ मन० ॥ [illegible]
नशक्तिएतुम्हेंकाम ॥ पास्योअवस्यविद्याधरस्वामि ॥ [illegible] ॥ तु
वंसेवाकरवीषटमास ॥ मांमीमलयसीखरअभ्यास ॥ मन० ॥ [illegible]
ब्रम्हचारीथाय ॥ परिमितआहारफलादिकराय ॥ ८[illegible] ॥ मन० ॥ [illegible]
विलासवतीपयुकाम ॥ षटमासदू करेगयामुझआम ॥ मन० ॥ [illegible]
होरातीनुकांमठेजोय ॥ कहेविलासवतीसूणोसोय ॥ ८[illegible] ॥ मन० ॥ [illegible]
म्हमनोरथपुराथाउ ॥ वहेली२ थाउपेचरराउ ॥ मन० ॥ कायरहस्य [illegible]
म्हेतेह ॥ मलयगिरिदरीमांठवीएह ॥ ८६ ॥ मन० ॥ मांमीभयांमिसे [illegible]
वेतह्ने ॥ देवताठेवीकरीकूसूमनोजह्ने ॥ मन० ॥ विद्यापालकरत्योवसूनी [illegible]
पद्मासनबांध्यूंअदसूत ॥ ८७ ॥ मन० ॥ मुद्रामम्हलकीधांआप ॥ [illegible]
कनोमांम्योजाप ॥ मन० ॥ कांईकवेलाथातीजाम ॥ आकीसहत [illegible]
तोम ॥ ८८ ॥ मन० ॥ गाजअंकलिकेसायरकोस ॥ पृथवी [illegible]
अपोस ॥ मन० ॥ मवमातीमयगलसकषाय ॥ जलकणीआशीतय [illegible]
॥ ८९ ॥ मन० ॥ विलासवतीनेआकमेतेह ॥ कोपेकूमलीतस [illegible]
मन० ॥ गुलगुलकरतोअंकुसकान ॥ सनमुखआवतोवेपतेपाम ॥ [illegible]
॥ मन० ॥ हाआर्यपूत्रइमकरतीनारि ॥ नेवि अपोसाणोपीरजपरी [illegible]
मन० ॥ एहविसीतिकांगईअसराल ॥ आविपिशाचिणीअतीविकराल [illegible]
॥ मन ॥ वरणेकालीरातोनयण ॥ अटाटपहेस्यंकरेनीजवयण ॥ मन० ॥ [illegible]
रपदनीगलेमालाघारि ॥ गगनउद्योतकरेतिणीवार ॥ ९२ ॥ मन० ॥ [illegible]
परमेंसूंपरमतेजाणि ॥ वलतेपहेस्युंदू खमीमीपि ॥ मन० ॥ [illegible]
अनकपाल ॥ विलासवतीवामकरसंसाल ॥ ९२ ॥ मन० ॥ रेरेदूष्ट [illegible]

रासवें ॥ तवम्हेंकमूभ्यागलिहोकेवातकहोहवर ॥ २०॥ झवेगेतिहारेहो केवातकहेआगें ॥ असमजसदेषीहोकेओलतर्णेरागें ॥ महाकालीदेवीहोकेइ हाउपसर्गकरे ॥ भूमीकपनेंवीजलीहोकेवझनीर्घातघरे ॥२१॥ आवीकहे नृपनेंहोकेउत्तमपुरूषथई ॥ किमनिचनुकारयहोकेकरेंतूझमनिगई ॥ तवअ लगोउसोहोकेकायाश्करी ॥ पणिनहीकांयमनथीहोकेएहवीवातधरी ॥ ॥२२॥ पुरदेवजोकोपेहोकेनगरवीनासकरे ॥ तेकारणमांम्यांहोकेआतीक रमनगरें ॥ तवम्हेंतसपुछ्युहोकेकहोसाकिहारहे ॥ नृपसूवनउद्यानेंहोकेआ मतलेंतेकहे ॥ २३ ॥ हवेझतिहांपहोतोहोकेगगनतलेरसो ॥ तेहनेंझदे षीहोकेमनमांगहगसो ॥ विद्याधरस्वदेहोकेपरवरीतेरही ॥ करदेईगलोथोहो केभूपतरससही ॥ २४ ॥ तुमचीविणआणहोकेझनगयोपासें ॥ तिहांथीतू म्हपासेंहोकेआव्योउल्लासें ॥ हवश्तुम्हमनगमतूहोकेकामतेकीजीइ ॥ पुत्रेव सूतीनेंहोकेतवतेवदिजीइ ॥२५॥ देवताउपदेशेंहोकेलाज्योनेंहघणं ॥ तिणे दूतनेंमुकीहोकेकिजेजाणपणं ॥ ढालपचमरवमेंहोकेसत्तरमीगणी ॥ सम रादित्यरासमाहोकेपद्मविजयसणी ॥ २६॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ भ्रमदत्तपेचरतणे ॥ एरयुवोल्याआम ॥ रमणीनिजकोईरापता ॥ स्योतिहावचननोसाम ॥ २७ ॥ समरसेनकहेसाचलू ॥ एहनपमाश्आज ॥ वायुवेगमनवांछित ॥ कहेनसीम्धुकाज ॥ २८ ॥ वायुमीत्रकहेवेगस्यु ॥ जाणोतूम्हेसूजाण ॥ चर्मसिहहसीउचतूर ॥ एहवातअप्रमाण ॥ २ए ॥ सु सटवीररससामटा ॥ समझाव्यासविसेश ॥ राज्यस्थितीएरापवी ॥ दूतमु कोतसदेश ॥ ३० ॥ पवनगतीतेहपेपीउ ॥ दूरसीकरीनेंदूत ॥ समझावीस घलोस्थिती ॥ आपीनीजआकूत ॥३१॥ ढाल ॥ रागवगालनीदेशी ॥ अनगर तीछेतिहामाहाराय ॥ डतकर्हेजईश्मनिरमाय ॥ साजनसासलो ॥ अपज सकेरूकारणजेह ॥ उत्तमपुरुषनआचरेतेह ॥ सा० ॥३२॥ लोकनेंहा सीनुकारणथाय ॥ अरीअणमनमांआणदपाय ॥ सा० ॥ धीरजजेहथीना सीजाय ॥ श्मअवगुणनोहोयसमुदाय ॥ सा० ॥३३॥ इहसवपरसबदोय

॥ ॥ तिहाएकनीकुंजमांहोकेअरहोपरहोसमतो ॥ अमदे[illegible]
सयधमधमतो ॥ दोयकरमारूषनीहोकेआपालेश्कहे ॥ मुज[illegible]
केदृष्टोकेमरहे ॥ ॥ तेसासलीचितव्यूहोकेदेवीअपहरी ॥ मुज[illegible]
महोकेपुत्रुवातपरी ॥ रेवसूलूतीकहेहोहोकेदेवीकोहागई ॥ वसूसुति[illegible]
केवचनतेथीरथई ॥१ ॥ षेचरनीमायाहोकेएमनमाधरी ॥ कस्यो[illegible]
परिहोकेतिणेंआकर्षकरी ॥ वंचावीघातनेंहोकेशाषाअपहरी ॥ [illegible]
साधुहोकेदेवीकिणेंहरी ॥१ १॥ फिरी२जवपुत्रुहोकेतवउपयोगकरी ॥ मुज
लपीबोल्योहोकेसांसलिवातषरी ॥ तुजविद्यासाधतांहोकेरातीतेदोयजा[illegible]
याधरटोलूहोकेआव्यूएकतांम ॥१२॥ उपसर्गनीशकाहोकेम्हेंमन[illegible]
णी ॥ योमीयईवेलाहोकेतवबोलेराणी ॥ हाहाआरजसूतहोकेमुजनेंस[illegible]
य ॥ राषि २ वसूसूतिहोकेमुजआपदथाय ॥ ॥ सुणीमुजआशकाहो[illegible]
सभ्रमथीयई ॥ तवतेहगुफामांहोकेमेंजोयूजई ॥ नवीदीठीज्यारेंहोकेपा[illegible]
मानपुठे ॥ नविजाएकीहागईहोकेतवचितुंरुठे ॥ ॥ हरिषे[illegible]
होकेपणिएकिहांजास्ये ॥ मुजक्रोधअगनीमांहोकेएहपतगथास्ये ॥ किसी
फकरमकरस्योहोकेअजीतबलासीधी ॥ कहेदेवीतीणेंसमेहोकेसीचता[illegible]
॥१५ ॥ कहिवातसवेतसहोकेदेवीक्रोधेंचढी ॥ दिशदिशतिणेंमुकी[illegible]
षेचरश्रेणीवमी ॥ एकषेचरआवीहोकेपवनगतीसाषे ॥ एसीम्हेंदिठीहोके[illegible]
गरतीराषे ॥१६॥ सूणोनगवैताढ्येहोकेतुम्हअपणाश्गयो ॥ रहनेउर[illegible]
होकेनयरतिहांसयो ॥ उदवेगघणोकरेहोकेतिहांनासफलोका ॥ ग[illegible]
जावलीहोकेहोमहवनयोका ॥१ ॥ एकषेचरनेंम्हेहोकेपुछ्योअव[illegible]
कहेतेअम्हस्वामीहोकेअनगरतीयात ॥ कंदरपनावसथीहोकेएकवीन[illegible]
री ॥ विद्यासाधकनीहोकेनारीतेसूचरी ॥ ॥ नविइछेनारीहोकेतवते[illegible]
री ॥ सेवापरवत्योंहोकेसूणीक्रूदेषघरी ॥ कसुठेकोईपासेंहोकेलावोषम्न[illegible]
इमकरीनेंउठ्योहोकेक्रोधघरीतदा ॥ ॥ कहेपवनगतीतबहोकेप्रस[illegible]
ईसुणो ॥ एवातकर्जुंहोकेनहीप्रत्यक्षमुणो ॥ सिहणिनश्स्वामजहो[illegible]

रासवें ॥ तवम्हेंकस्यूंश्रागलिहोकेवातकहोहवइ ॥ २०॥ ऊवेगेतिहारेहो केवातकहेंश्रागें ॥ श्रसमजसदेषीहोकेश्रीलतणेरागें ॥ महाकालीदेवीहोकेइ हाउपसर्गकरे ॥ भूमीकपनेंवीजलीहोकेवज्रनीघातधरे ॥ २१ ॥ श्रावीकहे नृपनेंहोकेउत्तमपुरूषथई ॥ किमनिचनुकारयहोकेकरेंतूक्रमनिगई ॥ तवश्र लगोउसेहोकेकायाइकरी ॥ पणिनहीकायमनथीहोकेएहवीवातधरी ॥ ॥ २२ ॥ पुरदेवजोकोपेहोकेनगरवीनासकरे ॥ तेकारणमांन्याहोकेशांतीक रमनगरें ॥ तवम्हेतसपुछ्युहोकेकहोसाकिहांरहे ॥ नृपसूवनउद्यानेंहोकेश्रा मतलेंतेकहे ॥ २३ ॥ हवेऊतिहांपहोतोहोकेगगनतलेरसो ॥ तेहनेंऊदे षीहोकेमनमागहगसो ॥ विद्याधरवृंदेहोकेपरवरीतेरही ॥ करदेईगलोथोहो केभूपतरससही ॥ २४ ॥ तुमचीविणश्राणहोकेऊनगयोपासें ॥ तिहांथीतू म्हपासेंहोकेश्राव्योउल्लासें ॥ हवइतुम्हमनगमतूहोकेकामतेकीजीइ ॥ पुछेव सूसूतीनेंहोकेतवतेवदिजीइ ॥२५॥ देवताउपद्रवेंहोकेलाज्योनेहघणुं ॥ तिणे दूतनेंमुकीहोकेकिजेजाणपणुं ॥ ढालपचमरवमेंहोकेसत्तरमीगणी ॥ सम रादित्यरासमाहोकेपद्मविजयसणी ॥ २६ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ दुहा ॥ भ्रमदत्तपेचरसणे ॥ एस्युवोल्याश्राम ॥ रमणीनिजकोईरापतां ॥ स्योतिहावचननोसाम ॥ २७ ॥ समरसेनकहेसाचलू ॥ एहनपमाइश्राज ॥ वायुवेगमनवांछित ॥ कहेनसीक्युकाज ॥ २८ ॥ वायुमीत्रकहेवेगस्यू ॥ जाणेतूम्हेसूजाण ॥ चर्मसिंहहसीउचतूर ॥ एहवातश्रप्रमाण ॥ २९ ॥ सु सटवीररससामटा ॥ समझाव्यासुविसेख ॥ राज्यस्थितीएरापवी ॥ दूतमु कोतसदेख ॥ ३० ॥ पवनगतीतेहपेषीउ ॥ दूरसीकरीनेंदूत ॥ समझावोस घलीस्थिती ॥ श्रापीनीजश्राकूत ॥३१॥ ढाल ॥ रागवगालनीदेसी ॥ श्रनगर तीछेतिहांमाहाराय ॥ ऊतकहेजईइमनिरमाय ॥ साजनसांसलो ॥ श्रपज सकेरूकारणजेह ॥ उत्तमपुरुपनश्राचरेतेह ॥ सा० ॥ ३२ ॥ लोकनेंहा सीनुकारणथाय ॥ श्ररीश्रणमनमांश्राणदपाय ॥ सा० ॥ धीरजजेहथीना सीजाय ॥ इमश्रवगुणनोहोयसमुदाय ॥ सा० ॥ ३३ ॥ इहसवपरसवदोय

॥ ॥ तिहांएकनीकुंजमांहोकेअरहोपरहोसमतो ॥ अमरेवीकोयहो
सयधमधमतो ॥ दोयकरमारूषनीहोकेशाषालेइकहे ॥ मुझ
केदूटोकेमरहे ॥ ॥ तेसासलीचिंतव्यूहोकेदेवीअपहरी ॥ मुझ
महोकेपुत्रुवातषरी ॥ रेवसूतुनीकहोहोकेदेवीकोहांगई ॥ वसूसुति
केवचननेथीरथई ॥१०॥ पेचरनीमायाहोकेएमनमांधरी ॥
परिहोकेतिणेंआकर्षकरी ॥ वचावीघातनेंहोकेशाषाअपहरी ॥
सापुहोकेदेवीकिणेंहरी ॥११॥ फिरी२जवपुत्रुहोकेतवउपयोगकरी ॥ मुझ
लषीबोल्योहोकेसांसलिवातषरी ॥ तुझविद्यासाधतांहोकेरातीतेंदोय
याघरटोलूहोकेआव्यूएकताम ॥१२॥ उपसर्गनीशंकाहोकेम्हेंमन
णी ॥ योमीयईवेलाहोकेतवबोलेराणी ॥ हाहाआरजसूतहोकेमुझनें
यं ॥ रापि २ वसूसुतिहोकेमुझआपदयाय ॥ १३ ॥ सुणीमुझआशंकाहो
सभ्रमथीथई ॥ तवतेहगुफामाहोकेमेंजोयूजई ॥ नवीदीठीज्यारेंहोके
मानपुठे ॥ नविजाएकीहांगईहोकेतवचितूरुठे ॥ ॥ हरिषेपरें
होकेपणिएकिहांजास्ये ॥ मुझक्रोधअगनीमांहोकेएहपतगथास्ये ॥ किसी
फकरमकरस्योहोकेअजीतवलासीधी ॥ कहेदेवीतीणेंसमेहोकेसीचिंता
॥ १५ ॥ कहिवातसवेतसहोकेदेवीक्रोधेचढी ॥ दिशदिशतिणेंमुझ
पेचरसेणीवल्गी ॥ एकषेचरआवीहोकेपवनगतीसाषे ॥ एहीम्हेंदिठीहोके
गरतीराषे ॥१६॥ सुणोनगवैताढ्येहोकेतुम्हअणाश्गयो ॥ रहनेउरचक
होकेनयरतिहांसयो ॥ उदवेगघणोकरेहोकेतिहांनासकलोका ॥ ग
जावलीहोकेहोमहवनथोका ॥१७॥ एकपेचरनेंम्हेहोकेपुछ्योअवर
कहेतेअम्हस्वामीहोकेअनगरतीथात ॥ कंदरपनावसथीहोकेएकवीम
री ॥ विद्यासाधकनीहोकेनारीतेसूचरी ॥ ॥ नविइछेनारीहोकेतवतेह
री ॥ लेवापरवर्त्योहोकेसुणीरूपधरी ॥ कसुठेकोईपासेंहोकेलाघोमनमुझ
इमकरीनेंउठ्योहोकेक्रोधधरीतदा ॥ ॥ कहेपवनगतीतवहोकेप
ईसुणो ॥ एवातकर्डुहोकेनहीसत्यकमुणो ॥ सिहणिनइस्वामजहोकेके

बलातीहोआय ॥ ४७॥ सा० ॥ माहरेकोजेरचितविमान ॥ मित्रसहीतवे
गेतिणेयान ॥ सा० ॥ वागासमरनामंगलतूर ॥ चाल्याविमानचल्याबलतू
रि॥ ४८ ॥ सा० ॥ जयजयहोवेतिणीवार ॥ गामनगरपूरजोतातदार॥सा०
॥ पोहतावैताढ्यपर्वतपास ॥ देवीआदेशेकरयाहेतिआवास ॥ ४९ ॥ सा०
सर्वविद्यावसकरवाकाज ॥ अठमकरीकरेपुजासमाज ॥सा०॥ ससवोबोध
रआव्यापास ॥ वातपोहतीअम्हसत्रुसकासि ॥ ५० ॥ सा० ॥ दुर्मुखनाम
सेनापतीजेह ॥ मोकलीउअमसनमुखतेह ॥ सा० ॥ पांचमेखंडेअढारमी
ढाल ॥ सांभिएंवरवरागवगाल ॥ ५१ ॥ सा० ॥ समरादित्यनारासमासार ॥
पद्मविजयकहीजय २ कार ॥ सा० ॥ कायरतेथरहरकपाय ॥ सूरवीरस
न्नद्धतेथाय ॥ ५२॥ सा० ॥ दूहा ॥ सनमुखआव्योवलसवल ॥ सोसली
थयोवड़ओर ॥ खमगमेलीघुखातिरयूजालिमकरवाजोर ॥ ५३ ॥ दुतआ
व्योदुरमुखतणो ॥ वोल्योआतीवाणी ॥ अनगरतीनोआवीउ ॥ सेनानीसप
राण ॥ ५४ ॥ सांसलज्योएकेमनसवे ॥ सूमीचरनाभृत्य ॥ कहेवराव्यूनि
णेकोमिस्यूं ॥ सद्धयातउसरीती ॥ ५५ ॥ अनंगरतीस्यूंआवीआ ॥ जुध
करणजयकाज ॥ पणिमुंकरतूम्हेपामिज्यो ॥ परीतताहूपीज ॥ ५६ ॥
अनंगरतीनवीआवीउ॥सांसलीसनतकुमार॥मुंक्युंखमगतेमानथी॥ पेचरवो
ल्यापार ॥ ५७ ॥ चमसिहतग्योचटक ॥ सेनानीथईसार ॥ आणाआपोअ
म्हेसणी ॥ वलतीमकरोवार ॥ ५८ ॥ आणाआपीआदरें॥ कुसूममालतसकं
ठ ॥ नांपीसेनानीकीउ ॥ आव्योसहीतउल्लठ ॥५९॥ढाल॥ कमपानीदेशी ॥ सूर
रसपुरमुखनूरआणीघणो ॥ चालीआसमरवरकरणदेशी॥ सिद्धगधर्वसूरअस
रजोवाभिल्या ॥ सूरवरेगगनसरीउविशेस ॥६०॥सू०॥ पचरेसपसोफ़विमानें
रसो॥ सरितरवारपरहारपमता॥माहोमाहिसटलमेवढनायकअमे ॥ करतवे
फूहतभहतरोसेचढतां ॥ ६१ ॥ सू० ॥ चमसीहोअवीहोकहेएहनें ॥ दुम्मुहो
सेमुहेओहीआयो ॥ रेउराचारपरहारकरीआगलें ॥ तुझपराक्रमेंमनेंसयनं
सायो ॥६२॥सू०॥ करेगदाजुधमामीतदातेकरो॥चमसिहतपरेघातविरसो ॥ ते

विरुध ॥ कुणआचरेकह्योमहामतीमुझ ॥ सा० ॥ परधनइरस्त्री [illegible]
चित्तविचारोराजनआप ॥ सा० ॥ १४ ॥ मुझकोएआगेम्यअसर ॥ [illegible]
बरावेसननतकुमार ॥ सा० ॥ आपोमुकजायातुम्हेआप ॥ स्या [illegible]
ताप ॥ १५ ॥ सा० ॥ बोल्योतेहअनगरतीराय ॥ कहेजेतुझ [illegible]
नारीनापीइ ॥ एतोपटराणीकरीघरिथापीइ ॥ सूचरमुझमनावे [illegible]
सद्व्यवहारनोएजांण ॥ नारी ॥ १६ ॥ जिणेआगीकरीकेहनीनारि [illegible]
नारीअमनहीअनगार ॥ ना० ॥ पापपुन्यतोतिहांगणाय ॥ घरमुंकी [illegible]
जाय ॥ १७ ॥ नारी ॥ कहेवुडोयतसकहेजेजाय ॥ आविसकेस [illegible]
घाय ॥ नारी ॥ सासढीउतवेवलीउखिप्य ॥ पोहतोवीलासवतीनेंसमीप [illegible]
नारीसासलो ॥ खेवमकरज्योमनमारेह ॥ सोधीलाधीतेतुमचीरह ॥ [illegible]
॥ योगादिनमांटलस्येविजोग ॥ मतकरज्योमनमांकायसोग ॥ नारी ॥ [illegible]
बोलीविलासवतीहवेताम ॥ आर्यपुत्रधरणीमुझनाम ॥ सा० ॥ तिणेमुझ [illegible]
वीखेदतेकांय ॥ पूछ्योआर्यपुत्रनेंसुखसाय ॥ १० ॥ सा० ॥ [illegible]
दूतवीजेविन्न ॥ समलावेसनतकुमारनेंकन्न ॥ सा० ॥ कटुकवयण [illegible]
ग्योकोध ॥ ययाउजमालतेसघलाजोध ॥ सा० ॥ ११ ॥ अमरषधरतोमु [illegible]
फकार ॥ असदत्तनेंरणरसवकसार ॥ सा० ॥ समरसेनकरेसूज आस्फाल [illegible]
रोसेंनयणकरयांविकराल ॥ सा० ॥ १२ ॥ भ्रकुटीचढावीनांखेंदृष्टी ॥ [illegible]
गरवर्म्गेकरीमुष्टि ॥ सा० ॥ रिपुहृदयेंकरेतिहांघीमहार ॥ वायुमीजते [illegible]
सिरवार ॥ १३ ॥ सा० मुखप्रधारकरेचमसिह ॥ कोधानलजलतोज्यवि [illegible]
सा० ॥ पिंगलगधारउगालेवांहि ॥ मतगघरतीकंपावेत्यांहि ॥ [illegible]
छातीमेघहरप्योमनमांहि ॥ सगरआयातजाणीउगाह ॥ सा० ॥ गिरिदरी [illegible]
उंदाथाय ॥ तेमोसहइसीउतिमसाय ॥ १४ ॥ सा० ॥ मरणआप्पूहवे [illegible]
तास ॥ तुम्हेकोप्यासपामनीवास ॥ सा० ॥ तुम्हेरहोफजाउखगसहस्त ॥
आवुसूमरनुवीरयवेरवाय ॥ १५ ॥ सा० ॥ सफकहेतूमघाकरजोआय ॥ [illegible]
हनुतेजतेहपीनसमाय ॥ सा० ॥ तोतुमचीसीबातकहाय ॥ रणसमें [illegible]

गयोदेवोसहोजीभणेंसायो ॥ धिगलगधारविचर्मारसोषेचरो ॥ गगनमामग नपर्णेफ्ररहायो ॥ ७७ ॥ सू० ॥ शत्रुबलसयलतिहानिकटदेपीवीकट ॥ वेगें वायुवेगनेंपुत्रइम ॥ नामनेंगामश्रत्रुतणासापीइ ॥ तेहकहेगहगहेसूणेप्रेम ॥ ॥ ७८ ॥ सू० ॥ कचनदाढएगगन्मुहन्रागलें ॥ वामपार्सेश्रशोकोग्रशो को ॥ कालजीहदपिर्णेलप्यणेहीणनो ॥ मध्येविरुपनयर्णेविलोको ॥ ७९ ॥ ॥ सू० ॥ पुठेंश्रनगरईगयमईदेखज्यो ॥ समरवरकरणमाहोमाहिलागा ॥ सू रीरणतूरपुरेंलमेसूरतिम ॥ जेहकायरतिकेजायसागा ॥ ८० ॥ सू० ॥ सीसस कुलमहीवफ्रलरुधीरेंसरी ॥ नायकासायकादोचलावइ ॥ कूतश्रसीसक्तिवफ्र हेतिनाषतिते ॥ सिहसीश्रालपरेंवीहलावइ ॥ ८१ ॥ सू० ॥ लेईकरवालतस सालमाहिदिउ ॥ कचनदाढजमदाढसरिसें ॥ सोरमहाघोरथयोश्रनगरतीसे म्यमां ॥ सैन्यमहादैन्यथईतासविरसें॥८२॥सू०॥उठितरुठीउंश्रनगरईदूठमशी॥ समरसेनप्रमुखवरसाथिलेई ॥ ताससनमुखधस्योसमरेंफ्रनवीरवस्यो ॥ सुत स्श्रतीवीकटलेईसाथिकेईं॥८३॥सू०॥ म्हेंकमुखेचरासैन्यवफ्रस्यलसु॥वाद तुफ्रसाथिश्रवीवादलागो ॥ सूलटनेंकीमहणेपापपुन्यनवीगणे ॥ केमफ्रस्यू जाइडरसागो ॥ ८४ ॥ सू० ॥ केहवोतूफ्रस्यूफ्रफ्रएहवो ॥ पेचरासूचरा घादकेहो ॥ समरमांवोलवुमकरतूएहवु ॥ जयविजयसापीश्राकहेस्येएहो ॥ ॥ ८५ ॥ सू० ॥ एहसीयालसीहवालएदेपीइ ॥ श्रसनानोमेहमुफ्रदेहमाथे ॥ परसीउंकरसीउंचर्मरयणेंकरी ॥ सगवत्तीगुणवतीमुफ्रहाथें ॥ ८६ ॥ सू० ॥ केममायावलेइमतूफ्रतो ॥ श्राविनीजसूजवलसवलकीजें ॥ इमर्मेसापीउ सिद्धसूरसापीउ ॥ इमकहीमाहोमाघाकरीजें ॥ ८७॥ सू० ॥ मारीउंसक्तीइय रणीमुफ्रपामीउ ॥ सयविदूरसैन्यमुफ्रदैन्यकीधु ॥ हर्षसरउठलेसोरवफ्रतेकरो॥ जाणेंश्रमेएहनुराज्यलीधु ॥ ८८ ॥ सू० ॥ उगिम्हेंलेईगदामारीशिरमाजदा॥ तेपन्योरम्वम्योधरणीपीठें ॥ कलसरवकारीउतिहनेंमारीउं ॥ फ्रगयोतेहनेंपा सदिठे ॥ ८९ ॥ सू० ॥ उठ्योतेहनेंदेईश्रासासना ॥ जुफ्रवाफ्रजुफ्रकरता नथाकू ॥ पवनहतजलहरामत्तजीमगयवरा ॥ तेमएकएकनोठलहताक्र ॥

हवचावीउंक्रोधथीचाविउं॥घातथमीहवेजमरायसरीसो॥१
दिउंरगेपरहारतोम॥ रुधीरवमनोमहादूखखमतो॥जय २ रवमयो
रिगयो॥दलसयलजायदश्रदिशिलमतो ॥६ ४॥सू०॥ कुसुमवृष्टिसईसू
हर्ने॥ चढिउंवेयदहवश्कूमरनीरतो ॥ रथनेउरचक्रवालथाल्पोहताथही ॥ वो
यथेचरनसपासधरतो॥६ ५॥सू०॥ तेहजईनेंकहेंतूहजीकिमरहे॥
जपोदेवकाए॥ ग्रहवमुक्कोहअनलोहपतगसम ॥ याहवेम्राहवेकरतक
॥६ ६॥सू० ॥ सांसलीतिहांबलीदेहलीतेहनी॥ धरणीत्रास्फालतोवयथमथे॥
एहसूगोयरोपोयरोस्थूलहे॥ ग्राणिमुक्कमाणिइमकिमथयथे॥६ ७॥सू०॥ मुक
करवायानलेंएबलेकिमनही ॥ देषिम्रतरहवेंरेषनाही॥ सूमीअतिम्रावोकेमर
मुक्कनावीउं॥ तुम्हेंपणिकेमअन्नाणमाहि ॥ ६८॥ सू० ॥ इमकहीकोषध
हीसैन्यनीजमांतदा॥ तूरीवजमावतासमरसेरी॥ पढमरणदेषवासक्किनीअवे
षवा॥ सड्ढहोयसूलटसकूकवचपहेरी॥६ ए॥सू०॥केईकरवालमहाकालजम
जीहसो ॥ सुहमवररुहीरपीवाअतित्ती ॥ करयहीमहागयाजाणअसणीव
या॥ घणकुटीलषलपरेंधरेंअमीत्ती॥ ७०॥सू० ॥ केईनीजनारिस्तनफरसव
ध्यपथी॥ विगरसन्नाहउग्गाहकीनो॥ केईरमणीमृगनयणीआंसूकरे ॥ पषि
सूसटविकटतिहांमननदीनो॥ ७१ ॥ सू० ॥ केईरमणीरमणविघनजाणक
रे॥ किममरेमनघरेतूरतआयो॥ अपररमणीजलपानकरतासरे॥ सायरान
यणत्रांसूक्करायो॥ ७२ ॥ सू० ॥ कार्ईमुग्गअतूगलहीरागलो॥ दाषवेनारी
सरतारआर्गे॥ इमनिहदिषीउंवेषीफरीआवोआ ॥ सनतकुमारपुरकहतार्गे॥
॥ ७३॥ सू० ॥ कटुककर्णेसूणीरक्तवर्णेथयो ॥ सेरीवजमावतोसमरकेरी॥
प्रलयनोजलयजिमश्रब्दतिमसक्करो॥सजकरेसक्कएकएकप्रेरी॥७४॥ सू०॥
पीवतांग्रासवाअमलआरोगता॥ शत्रुसत्राकरीफरीजगावे॥ उअचामरअआ
मगुणकरीसक्कसज्या॥ केईचदनादीअगेलगावे ॥ ७५ ॥ सू० ॥ शब्दजय २
करेअमरपवक्कघरो॥ चलतवीमानमनमांनघारी॥पय्मयूहेंरच्योसैन्यशुसपरेंम
च्यो॥ वामपार्सेसमरसेनलारी॥ ७६ ॥ सू० ॥चमसीहोअवीहोरसोआगलो॥

गयोदेवोसहोजीमर्णेसायो ॥ धिगलगधारविचमारस्योपेचरो ॥ गगनमामग नपर्णेऊरह्यायो ॥ ७७ ॥ सू० ॥ अनुवलसयलतिहानिकटदेपीवीकट ॥ वेगें वायुवेगनेपुढुश्म ॥ नामनेंगमअनुतणासापीइ ॥ तेहकहेगहगहेसूणोप्रेम ॥ ॥ ७८ ॥ सू० ॥ कचनदाढएअगम्मुहआगलें ॥ घामपासेंअशोकोअशो को ॥ कालजीहदपिर्णेलप्यऐहीणमो ॥ मध्येविरुपनयर्णेविलोको ॥ ७९ ॥ ॥ सू० ॥ पुर्ठेअनगरईगयमईदेखज्यो ॥ समरवरकरणमाहोमाहिलागा ॥ सु रीरणतूरपुरेंलमेसूरतिम ॥ जेहकायरतिकेजायसागा ॥ ८० ॥ सू० ॥ सीसस कुलमहीवऊलरुधीरेंलरी ॥ नायकासायकादोचलावइ ॥ कूतअसीसक्तिवऊ हेतिनापतिते ॥ सिहसीआलपरेंवीहलावइ ॥ ८१ ॥ सू० ॥ लेईकरवालतस सालमाहिदिठें ॥ कचनदाळजमदाढसरिसें ॥ सोरमहाघोरथयोअनगरतीसै न्यमा ॥ सैन्यमहादैन्यथईतासविरसें ॥ ८२ ॥ सू० ॥ उठिउंरुठीउंअनगरईदूठमई ॥ समरसेनप्रमुखवरसाथिलेई ॥ तासनमुखघस्योसमरेऊनवीखस्यो ॥ सुस स्अतीवीकटलेईसाथिकेई ॥ ८३ ॥ सू० ॥ म्हेंकमुखेचरासैन्यवऊस्यलसु ॥ वाद तुझसाथिअवीवादलागो ॥ सूसटनेंकीमहर्णेपापपुन्यनवीगर्णे ॥ केममुझस्यू जाइउरसागो ॥ ८४ ॥ सू० ॥ केहवोतूझस्यूझूझमुझएहवो ॥ षेचरासूचरा वादकेहो ॥ समरमावोलवुमकरतूएहवु ॥ जयविजयसापीआकहेस्येण्हो ॥ ॥ ८५ ॥ सू० ॥ एहसीयालसीहवालएदेपीइ ॥ असनानोमेहमुझदेहमाथे ॥ घरसीउंकरसीउंचर्मरयर्णेकरी ॥ सगवत्तीगुणवतीमुझहार्थे ॥ ८६ ॥ सू० ॥ केममायावलेंइमतूझूझतो ॥ आविनीजसूजवलसवलकीजें ॥ इमर्मेसापीउ सिद्धसूरसापीउ ॥ इमकहीमाहोमांघाकरीजें ॥ ८७ ॥ सू० ॥ मारीउंसक्तीइथ रणीमुझपामीउं ॥ सयविदूरसैन्यमुझदैन्यकीधु ॥ हर्षसरउछलेसोरषऊनेकरे ॥ जार्णेअभेएहनुराज्यलीधु ॥ ८८ ॥ सू० ॥ उठिम्हेंलेईगदामारीशिरमांजदा ॥ तेपम्योरम्मवम्योधरणीपीठें ॥ कललरवकारीउंतिहनेंवारीउं ॥ ऊगयोतिहनेंपा सदिठें ॥ ८९ ॥ सू० ॥ उठम्योतेहनेंदेईआसासना ॥ जुझवाऊजुझकरता नयाकू ॥ पवनहतजलहरामत्तजीमगयवरा ॥ तेमएकएकनोठलहताकू ॥

॥ ९० ॥ सू० ॥ जीतीउतेहवीधावलेपेचरो ॥ जयजयशब्दप्रकाशतोजे ॥
सुरअसुरसिद्धविद्याहरासहुमिली ॥ कुसुमवृष्टीकरेवळअमोले ॥
रवमए पचमेढालउगणी समी ॥ सरसरससमरनीएहसाषी ॥ समरकाशिल
रासमाएसली ॥ पद्मविजइघरीचित्तराषी ॥ ९१ ॥ सू० ॥ ॥
॥ दूहा ॥ जयवाजातिहावाजीआ ॥ अनगरतीतवआप ॥ आपतातजिमई
उयुनही ॥ जाणीराज्यसताप ॥ ९२ ॥ गयोतपोवनगेलिस्यू ॥ विद्याधरबेंड
द ॥ परीवरीउपरीवारस्यू ॥ आणिहर्षअमंद ॥ ९३ ॥ पुरप्रवेशकीधापछें ॥
दिठीदूरवलअग ॥ नारीनयणेनिरसर ॥ हृदयउपनोरंग ॥ ९४ ॥ विद्याधर
विस्मयलह्या ॥ देषीरुपनीधान ॥ भएाम्यातेहनापदकजे ॥ पटराणीपद्मा
॥ ९६ ॥ मुकर्नेदोयकटकमिली ॥ थाप्योराज्यनेथान ॥ न्यायवितीनीतिम
मु ॥ धारुवधतेवान ॥९७॥ ढाल ११ ॥ चेएमकाज्योरेमिठलधारुतूकर्ने ॥
इमकरताकोईकालगयोतव ॥ इकदिनपाछलीरातें ॥ विलासवतीइसुपनेंसुता
गजदिठोवरगातें ॥ ९८ ॥ सवीतूम्हेंजोज्योरेपुण्यतणांफळमीठां ॥ एआंक
णी ॥ ऐरावणसरिषोचउदंतो ॥ घनअंजनसमस्याम ॥ मेरुगीरीसमवमर्प
पेठो ॥ जागीतेहवेताम ॥९९ ॥ सवी० ॥ हरषवसेंमुकर्नेसंभलावे ॥ म्हेंपवि
साण्युतास ॥ सयलवीद्याधरपुजीतथास्ये ॥ सुततूम्हगुणनीराशि ॥ १००
सवी० ॥ सासलीहर्षलहीतेदीनथी ॥ त्रिणवर्गसाधंती ॥ अनुक्रमेंशुभदिनें
जायोसुतनें ॥ हरषतेहीयडेधरती ॥ १ ॥सवी०॥ मजरीकाढसीइसुतनी॥ ज
नमेंरायवधाव्यो ॥ दांनदेईतेहनेंसतोषी ॥ कलिद्रदूरेंगमाव्यो ॥ २ ॥ सवी० ॥
अजीतवलापरसावेंपाम्यो ॥ राज्यलषमीसुतएह ॥ मासषयोतबथितीप्रस
तवल ॥ नामठव्यूगुणगेह ॥ ३ ॥सवी० ॥ अनुक्रमेंकुमरसाधनेपाम्यो ॥ एक
अवसरम्हेंविचार्यु ॥ एकदिनमातपीतामिलीयांथयां ॥ तिणेंमिलबुद्धधा
र्यु ॥ ४ ॥ स० ॥ माविनइ मतीकारजसाध्यां ॥ रीद्धिलहीस्येलेषे ॥ स
नस्यूसोगवीनहीजेवली ॥ दूरजननयणेनदेषे ॥ ५ ॥ सवी० ॥ अजीतबला
देवीनेंआसय ॥ साध्योतिणेंतेजाणी ॥ विकूरव्युविमानतेतेहमां ॥ बेठोबेई

सूतराणी ॥ ६ ॥ सवी० ॥ पोहतोस्वेतविकाउयानें ॥ पवनगतीमोकलिउ ॥ वानसूणीजवतेहनामुखथी ॥ नृपसाहमोनिकलीउ ॥ ७ ॥ सवि० ॥ नृप देषीसाहमोजईप्रणम्यो ॥ ऊनिजबऊपरीवारें ॥ माहरीरीधीदेषीनेंमावोत्र ॥ अतीआएददीलयारे ॥ ८ ॥ स० ॥ नयरप्रवेशआम्बरेंकीधो ॥ रहितिहांकेईकदिन्न ॥ तामलिखिनयरीइपोहतो ॥ स्वसूरनेमीलवामन्न ॥ ९ ॥ ॥ स० ॥ विलासवतीजेंदिनथीगईछे ॥ तेदीनथीखेदाणो ॥ सिधादेशवचनथी सघलो ॥ परमारथजिणेंजाण्यो ॥ १० ॥ स० ॥ अनगवतीउपरिवऊरीसें ॥ धमधम्योईशानचद ॥ तेहनेंवऊप्रणिपत्यकरीनें ॥ उपजाव्योन्प्राणंद ॥ ११ ॥ स० ॥ तातपासेंआव्यावलीफिरीनें ॥ केईकदिनतिहारहीआ ॥ कालक्रमें मुझमाततातनें ॥ घरमसूपतीइयहीआ ॥ १२ ॥ स० ॥ मुझलघुसाईजश कीर्त्तिनिलयनें ॥ थापीराज्यनोसार ॥ वेत्रढगीरीपोहतोरथनेउर ॥ चक्रवाल पुरसार ॥ १३ ॥ स० ॥ सूखमांतिहांऊराज्यपालतो ॥ इणअवसरतिहांआव्या ॥ श्रमणगुणेंशोसीतचउनाणी ॥ बऊशिष्येंसोहाव्या ॥ १४ ॥ स० ॥ चित्रागदनामेंआचारय ॥ मुझनेंकसुपरीवारें ॥ जईआम्बरस्युम्हेंवधा ॥ धर्मलासदिउत्यारें ॥ १५ ॥स०॥ मुनीकहेमुझनेंसांसलिसूपती ॥ पुण्यकस्यांते पांम्या ॥ इमजाणीनेंपुण्यकरोतुम्हे ॥ सूणीम्हेंपदकजनाम्या ॥ १६ ॥स०॥ पुण्यकहोकीमकरीइगुरुजी ॥ इमम्हेंपुछ्युजाम ॥ समसवेगमुलजिनदरशीत ॥ धर्मकहेगुरूताम ॥ १७ ॥ स० ॥ घरमपरिणम्योपाम्योसमकीत ॥ अणुव्रतलीधांवार ॥ चरणनमीनेंम्हेंफरीपुछ्यु ॥ कहोप्रसूकरोउपगार ॥ १८ ॥ ॥ स० ॥प्रियाविरहदूखजनीतसतापह ॥ किमउपनोएस्वामी ॥ पूर्वसवेंसीकरणीकीधी ॥किमफिरीरीध्धिप्रीयापामी ॥ १९ ॥स० ॥ बीशमीढालएपचमेखमें ॥ समरादित्यनेंराश ॥ सांभलोगुरुमुखपद्मथीतापे ॥ पुरवसवसूवीलास ॥ २० ॥ स० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ दुहा ॥ सगतपेत्रणमेंसलु ॥ नयरकपिलपुरनाम ॥ चद्रगुप्तराजाचतूर ॥ वाह्लतेहनेंवाम ॥ २१ ॥ जयासुदरीजगजाणीइ ॥ रामगुप्तआसीराम ॥ नांमें

सूनतूगुणनीलो ॥ रुपवतजोमराम ॥ २२ ॥ उत्तरापथअवनीपती ॥ कुमार
सगुणधाम ॥ हाग्रसाजिमहरप्रीया ॥ घारुतेकरीवाम ॥ २३ ॥ आव्योवसंत
तेअन्यदा ॥ सवनदिर्घिकासालि ॥ नरनारीनिरतांविङ्क ॥ किम्करेतिकेल
॥ २४ ॥ वाविकठिरसाघर्ने ॥ कुकुमरागकृतअग ॥ वेगजबवेङ्कजथ ॥ को
रतारसुसग ॥ २५ ॥ ढाल ॥ साबरमतीइआवीलांसरपुरजो ॥ एदेशी ॥ ई
णअवसरिएकहसजुगलतिहांआवीउरे ॥ तेकरलीधीहंशलीकौतूककामजो
हआतेलीधोनारीश्करमारगस्यूरे॥ कुकुमरगथीफसल्याहाथथीतामजो॥२६॥
॥ सासलज्योतुम्हेअल्पनीदानफलेघणरे ॥ एआंकणी ॥ एकएकनेंठ्यवेन
हीकुकुमरागथीरे ॥ विरहेंपिमीतमरवानापरिणामजो ॥ करेतेरूधीसाभनइस
णीमांपम्यारे ॥ पणिकोईविचित्रजाणेकर्मपरिणामजो ॥ २७ ॥ सा० ॥ क
ठगतप्राणथयातवङरवउपनुघणरे ॥ वलीतनीरेंकुकूमरगधोवायजो ॥ स
वीसावथीउचुजोइतवविङरे ॥ तवअन्योन्येंरागथकीउलपायजो ॥ सा० ॥
॥ सा० ॥ एहकरमतुम्हेवांध्यूविरहनुआकरूजो ॥ एहतेजाणेतुमचोकर्मप
रीणामजो ॥ म्हेंचित्युअहोअल्पनिदानवङ्कफलेरे॥तिणेंहवेमाहरेपरव्रज्यास्यू
कामजो॥२९॥सा०॥म्हेंकथुत्तगवनमुक्उपरिकिरपाकरीजो॥सांसलवानिव
प्वरीत्रथयोवैरागजो॥सवअटवीउतारोदिक्षाआपिर्नेजो ॥ गरुकहेजिमसुख
पजेतिममहासागजो॥३०॥सा०॥दैईराज्यअजीतवलकूमरनेंमेंतदाजो॥करी
उदघोषणापूर्वकदिधुदानजो॥ वसूसुतीराणीपरीजनपरीवारस्युरे॥लिघीदिक्ष
सूणिजयकुमरनिदानजो॥३१॥सा०॥एहविशेषकारणम्हेम्हारूसाधीउजो॥
जयकहेशासनकारणएहथीशेसजो॥ सवअटविथीउतरीइमसूकिणीपरेंजो॥
उतरीनेंकहोजावुकिर्णेदेशजो ॥ ३२ ॥ सा० ॥ गुरुकहेअटवीद्रव्यसाभङ्से
दथीजो॥ द्रव्यअटवीनोंसांसलितुदृष्टांतजो ॥ कोईनगरथीनगरांतरआवास
णीजो ॥ कोईसार्थपउदघोषणाइणिवृत्तांतजो ॥ ३३ ॥ सा० ॥ मुक्तसार्थेजे
आवेतेहनेंपोहचवुरे ॥ इमसांसलीवहूसाथमयोतससाथिजो ॥ मारगनमु
णदोषतेसाथनेंदाषवेरे ॥ सांसलज्योईणमारगम्वोम्रपाथजो ॥ ३४ ॥ सा० ॥

एकसरलनेंवीजोवक्रतेजाणीश्जो ॥ पणितेवक्रेंवङ्कालेंपोहचायजो ॥ सु खथीजाताञ्चर्तेक्रजुमांञ्चवतेरजो॥ लहीश्शठितपुरसूखनोसमुदायजो॥२५॥ ॥ सा० ॥ रीजुमारगवङ्कपासेंपणिञ्चतिसाकमोजो ॥ वङ्ककर्टेपोहचाश्शठि तसहेरजो ॥ ञ्चतीवीषमतीहांउतरतावीहामणोजो ॥ वाटेंवीघनकारीहरीवाघ नमहेरजो ॥ २६ ॥ सा० ॥ मारगमांपणिउतरवातेनवीवीश्जो ॥ तेहनेंञ्चाप पराक्रमथीकरीध्वञाजो ॥ जईस्युपणिपूठि२ ञ्चावस्येजो ॥ पुरमापोहची श्तिहालगेएहनोञ्चसजो ॥ २७ ॥ सा० ॥ उनमारगेंपगमुकेतोलेमुलथी जो ॥ मारगेंहीमेंतेउपरिनहीजोरजो ॥ञ्चागलिजातांरुपमनोहरञ्चावस्येजो ॥ स्निग्धसुगधीपत्रकुसूमवङ्कमोहोरजो ॥ २८ ॥ सा० ॥ ञीतलठायाञोलेजे हनीरुञ्चमीजो॥ पणितिहांवेगपामेंजीववियासजो ॥ तोषावानोघाततोजाणो वेगलीजो ॥ तिहांनवीवेसज्योजोधरोजीवनञ्चासिजो ॥ २९ ॥ सा०॥ वली वीजापणिञ्चामञ्चम्यांपम्थाञ्चावस्येजो ॥ पांकुपत्रकूसूमफलवर्जिततेहजो॥ नहिमनोहरवीसामोकरवोपम्जो ॥ मुहूर्तमात्रतोकरज्योञ्चुसमनरेहजो ॥ ॥ ४० ॥ सां० ॥ मारगकांठेवेगपुरुषघणाहस्येजो ॥ रूपमनोहरनेवली मीठांवयणजो ॥ तुम्हनेंतेम्स्येञ्चावोश्हापणिमार्गठेजो ॥ तेहनुवचननसू णवुनजोवुनयणजो ॥ ४१ ॥ सा० ॥ रूणपणसाथथीमतरहेज्योकोईवे गलारे ॥ एकाकीनेंसयनीश्चयहोयभायजो ॥ दावानलथोम्रोपणिञ्चप्रमादी थईरे ॥ उलववोञ्चन्यथावङ्कञ्चनरथथायजो ॥ ४२ ॥ सा० ॥ उचोपर्वत उपयोगेंउलघवोजो ॥ तेउपयोगवीनाजाश्प्राणतेगमजो ॥ वञजालञ्चतीगङ्क रगुपीलउंघवीजो ॥ उपद्रवहोयतिणेंनवीकरवोविश्रामजो ॥ ४३ ॥ सा०॥ एकपाम्रिलघुमारगजातांञ्चावस्येजो ॥ नाममनोरथसटवेगेनीतपासजो ॥ तेकहेस्येएपाम्लगारेकपुरज्योजो ॥ पणिनवीपुरज्योमनमाञ्चाणीतासजो ॥ ॥ ४४ ॥ सा० ॥ जोपुरस्योतोमोहटीवधतीतेजस्येरे ॥ तिणेंञ्चवगणनाकरी नेंजावुसायजो॥ फलकिंपाकनांपञ्चजातीनांमनोहरुजो ॥ नवीजोवानवीपा मांस्वादवणायजो ॥ ४५ ॥ सा० महावीकरालपिञाचतेवाघीसवाटिमाजो॥

पण२ उपद्रवकरतागणवानाहिजो ॥ निरसविरससातपाथीतेपविखोकूचो॥ पेदनकरवोवावरतंतिमाहिजो ॥ ४६ ॥ सा० ॥ नित्यप्रयाणेकमचुकत्या णावहीजो ॥ घहेवुनियमारातेंपणिदोयजामजो ॥ इमजातांअटवीवेगेंछयो इजो ॥ निवृत्तिपुरपामीजेंसुखनोधामजो ॥ ४७ ॥ सा० ॥ केउउपद्रवतिच नगरीथीवेगलाजो ॥ एदृष्टांतहवेउपनयकहुसारजो ॥ सारथवाहतेआपिखे कसूरमणीसमोजो ॥ अरीहादेवनोद्विवकरेउपगारजो ॥ ४८ ॥ सा० ॥ आखे पणी १ विक्षेपणी २ सवेगणी ३ तथाजो ॥ निरवेदनी ४ एधर्मकथाचउ सेयजो ॥ तेउदघोषणामोक्षनाअरथीजीवमाजो ॥ साधनासोकतेसार्थेपथ्या अमेयजो ॥ ४९ ॥ सा० ॥ अटवीचिहुगतीभमणकरणनीजाणीइजो ॥ सा धुधर्मतेसूधोमारगहोयजो ॥ श्रावकधर्मतेवाकोमेंकुपोहोंचवुजो ॥ पणिमते मुनीधर्मआवेसोयजो ॥ ५० ॥ सा० ॥ इछितपुरतेशीवनगरीसोहामणी जो ॥ जिहानहीजनममरणनेंरोगनसोगजो ॥ वाघसिघदोयरागद्वेषबहुउपद्र वेजो ॥ जेहथीनवीलेवाइसजमजोगजो ॥ ५१ ॥ सा० ॥ श्रमणपणलीधेंपणिके मुकेनहीजो ॥ जिनवरमारगचुकातेंगतीजायजो ॥ नारीपशुपंडगसजुत वसतीयकाजो ॥ तेहजरुपजाणोजसमनोहरछायजो ॥ ५२ ॥ सा० ॥ निरवद्य वसतीआमितपभुरवहरूषमाजो ॥ पासत्थादीकजेउपदेशविरुधजो ॥ वायकतेमा रगतटवेंगवहुजनाजो ॥ तिवयरीसमबोलावेयईशुद्धजो ॥ ५३ ॥ सा० ॥ साथीअन तेंश्रमणशीलरथधारकूजो ॥ क्रोधदावानलपर्वततेमहामानजो ॥ वंशजालमा यालघुषामीतेलोलनीजो ॥ मनोरथसदृतेइछारूपअमानजो ॥ ५४ ॥ सा० ॥ थोभीपणिपुरीइतोपारनपामीइजो ॥ शब्दादिकनाविषयतेफलकिंपाकजो ॥ जेहवावीसपीशाचतेजाणोपरीसहाजो ॥ सजमजीवितहरेएहनोएविपाकजो ॥ ५५ ॥ सा ॥ मधुकरवृत्तिअरसविरसमुनीआहारजेजो ॥ नीत्यप्रयाणेजाणोअप्रमादजो ॥ वेपहोररातेंपणिसझायतेनीतकरेजो ॥ इणिपरेंअटवीउ लघेआल्हादजो ॥ ५६ ॥ सा ॥ पोहचेंअनुक्रमेंशीवनगरीसुखशाश्वतेंजो ॥ सांसलीशमकीतदेशावीरतीपरीणामजो ॥ जयकुमरेंगुरूपासेंतेअगीकर्यां

जो ॥ पेठोनयरीमापोहतोनीजगामजो ॥ ५७ ॥ सा ॥ जुवराज्येंथाप्योनि जताततेंतेहनेंजो ॥ नीत २ सेवेमुनीवरसनतकुमारजो॥ सापीपद्मविजयएप चमरवम्मांजो ॥ ढालइगवीसमीसूणताजयजयकारयो ॥ ५८ ॥ सा० ॥ ॥दुहा॥ मासकलपकरीमुनीवरु ॥ विचरयाश्रीभगवंत॥ आवेंघणसिरीइहाकि णे ॥ तेसूणज्योवीरतत ॥५९ ॥ नारकमांथीनीकली ॥ ससरीवक्रसञ्चार ॥ अ नतरसवेअनुसर्यो ॥ अज्ञानकष्टअपार ॥ ६० ॥ मरणलहीजयकूमर नो ॥ अनुजथयोघणईठ ॥ विजयनामतसठावीउ ॥ कूमरथयोउकीठ ॥ ॥ ६१ ॥ विजयनेंजयवछ्लनही ॥ कालगयोइमकांय ॥ कर्मविचित्रथकी लसो॥ मरणेतेहमहाराय ॥ ६२ ॥ जयकुमारराज्येंठव्या ॥ सऊइमिली सामत ॥ विजयद्वेषलहीविलपिउ ॥ सऊथईनमसंत ॥ ६३ ॥ सामतम न्लेंसमझिनें ॥ वाघ्योमरमीवाहि ॥ वारवटिउजेवाहिरें ॥ दूखदेवेदिलमाहि ॥ ६४ ॥ ढाल ॥ थाहरामोहलाउपरिमेहझबुकेवीजलीहोलाल ॥ झबु० ॥ एदेशी ॥ इणिअवसरिप्रतीहारीआवीइमवीनवेहोलाल ॥ आव० ॥ द्वार वेठोंतुमजननीआवीठेहवइहोलाल ॥ आवी० ॥ कोंयककार्यउद्देशीदरीशण अतीलवेंहोलाल ॥ दरि० ॥ तवनृपसभ्रमपामीगयोतससनमुखेंहोलाल ॥ ॥ ६५ ॥ गयो० ॥ कहेमातातुम्हेकेमपधारयांइहालगेंहोलाल॥ प० ॥ तवरो तीकहेसतञोकानलवक्रजगेंहोलाल ॥ ञो० ॥ सूतनेंजीवीतदानआपोतन्न न्टपवदेंहोलाल ॥ आ० ॥ कुणथीलयएकूमारनेंतवराणीवदेहोलाल ॥ त० ॥ ॥ ६६ ॥ प्रतीपक्षीनेंजतनथीरापवोन्टपथितीहोलाल ॥ रा० ॥ अन्यसामतप्रे स्याथीउपद्रवनीततीहोलाल ॥ उ० ॥ मतकरोइमवीचारीराज्यचितकनरेंहो लाल ॥ रा० ॥ किघुकामतेमुझपणिगमतूआदरेंहोलाल ॥ ग० ॥ ६७ ॥ पणि एहनेंतनुवाधानथाइतिमकरोहोलाल ॥ न० ॥ तवन्टपकहेजोमातप्रतीपक्षी एपरोहोलाल ॥प्रति०॥ तोकुणनिजपक्षीकहोमातजीमाहरेहोलालके ॥मा०॥ किमकरोवातउसांइहांआवीपावरेंहोलाल ॥ इ० ॥ ६८ ॥ मांहिलाञीदेईआ ञानवेगेंइणिपरेंहोलालके ॥ वे० ॥ रेरेलाञोकुमारनेंरोक्योजिणघरेंहोलाजको॥

पण२ उपद्रवकरतांगणवानाहिजो ॥ निरसविरससातपाणीतेपणिवोहीवुजो॥ पेदनकरवोवावरतांतिमाहिजो ॥ ४६ ॥ सा० ॥ नित्यभयाणतेकरवुभुक्त णावहीजो। ॥ वहेवुनियमारातेंपणिदोयजामजो॥ भ्रमजातांभ्रटवीबेमेंउत्तय इजो ॥ निवृत्तिपुरपामीजेंसूखनोधामजो॥ ४७ ॥ सा० ॥ केशउपद्रवतिष नगरीथीवेगलाजो ॥ एदृष्टांतहवेउपनयकहूसारजो ॥ सारथवाहतेप्रसिद्धे कसूरमणीसमोजो ॥ अरीहादेवनोद्रिवकरेउपगारजो ॥ ४८॥ सा० ॥ आक्षे पणी १ विक्षेपणी २ सवेगणी ३ तथाजो ॥ निरवेदनी ४ एधर्मकथाचउ सेयजो ॥ तेउद्घोषणामोक्षना अरथीजीवनाजो ॥ साथनालोकतेसार्थेपथा अमेयजो ॥ ४९ ॥ सा० ॥ अटवीचिहुगतीभमणकरणनीआणीइजो ॥ सा घुधर्मतेसूधोमारगहोयजो ॥ श्रावकधर्मतेवांकोमोंहुपोहोंचवुजो ॥ पणिभ्रंते मुनीधर्ममांआवेसोयजो ॥ ५० ॥ सा० ॥ इछितपुरतेशीवनगरीसोहामणी जो ॥ जिहानहीजनममरणनेंरोगनसोगजो ॥ वाघसिंघदोयरागद्वेषबहुउपद्र वेजो ॥ जेहथीनवीलेवाइसजमजोगजो॥५१॥सा०॥ श्रमणपणलीधेपणिके भिमुकेनहीजो ॥ जिनवरमारगचुकातेंगलीजायजो ॥ नारीपशुपंडगसजुत वसतीयकाजो। ॥ तेहजरुपजाणोजसमनोहरछायजो ॥५२ ॥सा०॥ निरवद्य वसतीअमितप्रमुखरूपमाजो॥पासथ्थादीकजेउपदेशविरुघजो॥ दायकतेमा रगतटबेंठावकुजनाजो॥तेमयरीसमबोलावेपईशुद्धजो ॥५३॥सा०॥सामीजन तेंश्रमणजीजगस्थधारकूजो॥ क्रोधदावानलपर्वततेमहामानजो॥ वंशजालमा यालघुषामीतेलोसनीजो ॥ मनोरथमहत्तेईछारूपअमानजो ॥ ५४ ॥ सा० ॥ थोभीपणिपुरीश्तोपारनपामीइजो ॥ शब्दादिकनाविषयतेफलकिंपाकजो ॥ जेहबावीसपीशाचतेजाणोपरीसहाजो॥सजमजीवितहरेएहनोएविपाकजो ॥ ५५ ॥ सा ॥ मधुकरवृत्तिइअरसविरसमुनीआहारजेजो ॥ नीत्यभयाणजी जाणोअप्रमादजो ॥ बेपहोररातेंपणिसझायतेनीतकरेजो ॥ शिवपदेंभ्रटवीउ लंघेआल्हादजो ॥ ५६॥ सा ॥ पोहचेंअनुक्रमेंशीवनगरीसूखशाश्वतेजो॥ सांभलीशमकीतदेशवीरतीपरीणामजो। ॥ जयकूमरेंगुरूपासेंतेअंगीकरचां

पाघरूहोलाल ॥ ए० ॥ ७७ ॥ पालोप्रजाजुवराज्यठवोकुमरभर्तेहोलाल ॥ ठ० ॥ सूपकहेएहवातवीरुघर्तेसांभत्तीहोलाल ॥ वि० ॥ करीराज्यनोअत्ती पेकहवेकिमपालटेहोलाल ॥ ह० ॥ चित्तविरक्तसत्रारथीतिर्णेमुऊएघटेहो लाल ॥ति०॥७८॥थोआणामुऊश्रमणपणजिमलीजीइहोलाल॥प०॥इमकही मातर्नेचरणविर्चेशिरदिजीइहोलाल॥वि०॥मातकहेजीमतूममनमांनेतीमकरो होलाल ॥मा०॥ पिणमुऊनेंतुर्मेसाथिलेइनेंसचरोहोलाल ॥ले०॥७९॥ नृपकहे जीवीतमरणसजुत्तवपाणीइहोलाल॥स०॥सूकृतकरस्यावेिणदूरकसज्ञांइर्णेभां णिइहोलाल ॥स०॥डरलसनरसवघर्मजीणदनोदोहीलोहोलाल॥ जि०॥ सव २ एससारसजोगतेसोहिलोहोलाल ॥ स० ॥८०॥तिर्णेअंबातुम्हेजुक्तविचारथु चित्तस्यूहोलाल ॥ चि० ॥ हवेतेविजयकुमारनेंशिपषेनीतिस्यूहोलालके ॥ शी० ॥ एहप्रजाप्रतीपालणकरज्योहेजस्यूहोलालके ॥ क० ॥ जिमनससा रेतातनेंलहीउदवेजस्यूहोलाल ॥ ल० ॥ ८१ ॥ पूर्वपुरुषअर्जितजसमलिनन कीजीइहोलालके ॥ म० ॥ राजरीपीनुचरीप्रसदाइघरीजीइहोलाल ॥ स० ॥ जिमनरसवसफलोहोइतेमकरीजीइहोलालके ॥ ते० ॥ हवेसामतर्नेत्रीपर्षेइं मचरीजीइहोलालके ॥ इ० ॥ ८२ ॥ तुमचोएराजानतातपरेंलेपज्योहोलाल॥ ॥ ता० ॥ कूमरप्रजार्नेहीतकरमतउवेषज्योहोलाल ॥ म० ॥ उसयलोकसूरव कारकतूमेवरतावज्योहोलाल ॥ तू ॥ इमकरीकुलअनुरुपसदाजसपावज्योहो लाल॥ स० ॥ ८३ ॥ केईकहेतुमविरहेंअम्हेंडुरवआंणीआहोलाल ॥ अ० ॥ पणितुमशठितविघ्नकोरेकुणआंणीआहोलाल ॥ क० ॥ वलिपरलोकसाधनस णीनरपतीउठीआहोलालके ॥ न० ॥ तवतसवचनप्रससकरेंनृपपूठीआहोला ल ॥क०॥८४॥सनतकुमारआचार्यसमीपेंजायवाहोलाल॥स०॥ जिणेसमेउ ठीयाआतमतत्वनीपायवाहोलाल ॥त०॥ पद्मविजयकहेतिर्णेसमेजेवण्युतेक ह्होलालके ॥ जे० ॥ पचमरवमनाढालवावीसमीइमलह्होलाल॥वा०॥८५॥ ॥ डुहा ॥ प्रवत्तिमुनीनीपेपवा ॥ मुक्योमाहणजेह॥सीधारयनामेंसरवर ॥ तव तिहांआव्योतेह ॥ ८६ ॥ स्वामीमनोरथसीपला ॥ सनतकुमारसूरीस ॥ आ

रो० ॥ तेहनेतेमवापुरसगयातवमृपमर्नेहोलालके ॥ म० ॥ चिंतवेराज्यएके
हवुजेहमीश्मयनेहोलालके ॥ जे० ॥ ६९ ॥ राज्यमहतनरेंजुठवालएहीकरी
होलालके ॥ मा० ॥ वधुजननेराज्यलगीएदूखकरीहोलालके ॥ म० ॥ सवं
प्रमादहेतृफलकहुआजेहनांहोजालके ॥ क० ॥ विवितसंसारस्वरुपनीं
ममानेंमनांहोलालके ॥ कि ॥ ७० ॥ राज्यदेईकुमारनेंमातनेंसुखकरुंहोला
लके ॥ मा० ॥ एहराज्यबहुदोषनीधाननेंपरीहरुहोलालके ॥ नी० ॥ इस्ये
वसरपूरवकृतकर्मनादोपथीहोलालके ॥ क० ॥ वधपरीणामबध्योनृपउपरि
रोपथीहोलालके ॥ उ० ॥ ७१ ॥ आव्योनृपतीपाससिंहासर्णेथापीउहोला
लके ॥ सि० ॥ कनककलससरीनीरसूगघेव्यापीउहोलालके ॥ सू० ॥ एकवि
श्निजहाथिविजासामतर्नेहोलालके ॥ वि० ॥ करीअसीवेकनमीपद्पुठेमा
तर्नेहोलालके ॥ पु० ॥ ७२ ॥ मातगयोशोकानलतवजननीकहेहोलालके ॥
त० ॥ श्यणथीकहोअनलतेकिमहानिलहेहोलालके ॥ की० ॥ सूपतीकहे
कारणकिस्युनवीजाणअम्होहोलालके ॥ न० ॥ मातकहेनरकांतएराज्य
जाणोतूम्होहोलालके ॥ रा० ॥७३ ॥ नगर्णेसूकृतकापुरुषउचितजाणेनहीहो
लालके ॥ उ० ॥ कालअनागतदेषेनवीपयमुक्योसहीहोलाल ॥ न० ॥ स्वर्ग
तथाअपवर्गस्वाधीनजेसूखअछेहोलालके ॥ स्वा० ॥ तेतेआवेराज्याथपुण्य
पजीमसवीगर्छेहोलाल ॥ पु० ॥ ७४ ॥ अचिंतचिंतामणीरत्नसमानएनरभ
वोहोलाल ॥ स० ॥ हारीनेंएराज्यथकीनरगेंजवोहोलाल ॥ भ० ॥ तूतोराज्य
नेंयोग्यजाणतूकलकर्णेहोलाल ॥ जा० ॥ राज्यमांपापपुण्यतुकअनुजाणे
हीगर्णेहोलालके ॥ अ० ॥ ७५ ॥ भित्रकुमीभ्रमसेतिर्णेपापतेआपरेहोला
के ॥ पा० ॥ तेहवुपापनहीजगजेएहनवीकरेहोलालके ॥ जे० ॥ तिर्णेभाव
कतीएहर्नेतेतूकनीपजेहोलालके ॥ ते० ॥ किमसोकामवुकेर्नेदाखिकसा
जेहोलालके ॥ दा० ॥ ७६ ॥ सूपतिकहेसूणोमातस्यानेंतूम्हेंदूखधरोहोला
लके ॥ स्या० ॥ कुमरविचक्षणनेंलेउचरणतेकृपरोहोलालके ॥ च० ॥ सोभा
णामुकमातजीआतमहीतकरुंहोलालके ॥ आ० ॥ मातकहेसूणोपुत्रजीए

ईकमुनीपरीवार ॥ स० ॥ स्वजनआलोकनकारणेरे ॥ आव्यापुरनेंबार ॥ ॥ ४ ॥ स० सुणिकोप्योघातकप्रतेरे ॥ तेमाव्यानरतेह ॥ स० ॥ पुछेकहो कीममारिउरे ॥ कुणमानीकअरीजेह ॥ ५ ॥ सं० ॥ मुनीआव्याजाणीकरी रे ॥ बोल्यातेनस्ताम ॥ स० ॥ केवअलकारविणअम्हेरे ॥ नविउलपीआ जाम ॥ ६ ॥ सं० ॥ नंदिवर्द्धनपुरेपुछिउरे ॥ कोईदेपीअणगार ॥ स० ॥ जय मुनीकहोतूमेकिहांअछेरे॥ तिणेदिमाम्योठार ॥ स० ॥ थानागदेहरेएरस्तोरे ॥ क रतोनीश्चलध्यान ॥ स० ॥ शून्यअरन्यजाणीकरीरे ॥ मारयोअमेतिणेंथान ॥ ॥ ८ ॥ स० ॥ नृपकहेकोईकमारिउरे ॥ पणिपापीरस्योइम ॥ स० ॥ नहितो आवेकिहांयकोरे ॥ आपणीनयरीसीम ॥ ए ॥ स० ॥ पणिहजीकांयगयुन थीरे ॥ मारस्यूहवइशणगाम ॥ स० ॥ मान्युतेपुररसेंतिहांरे ॥ हवेवदननेंकाम ॥ १० ॥ स० ॥ जईमुनीचरणनेंवदिआरे ॥ धर्मलासदिउताम ॥ स० ॥ ११ ॥ करुणाइसस्तलावीउरे॥ जिनकरसापीतधर्म ॥ स० ॥ नविविरम्योसंथारथीरे ॥ मुनीजाण्योतसमर्म ॥ स० ॥ १२ ॥ पंचमरवमेएकहीरे ॥ त्रेवीसमीवरढाल ॥ स० ॥ पद्मविजयकहेरासमारे ॥ सुणतांमगलमाल ॥ १३ ॥ स० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ दुहा० ॥ मुनीकहेसूणोमहारायजी ॥ सूरवदुरवकर्मपसाय ॥ सचारीसकु सत्वनें ॥ निरतोजाणेन्याय ॥ १४ ॥ सूरवइछेशाणीसयल ॥ सूरवनुमुलसूध र्म्मातिहनुफलतेसूरुपता ॥ प्रियसजोगपरम्म ॥ १५ ॥ तोगवीपुलसोताग्यता ॥ निरोगतानिरधार ॥ अवलवनकरीआकरु ॥ धर्मतेसयलआधार ॥ १६ ॥ सकुस्यूंमैत्रीसमाचरे ॥ दिजेंअढलकदान ॥ करुणाजीवनीकीजीइ ॥ सयल धर्मसावधान ॥ १७ ॥ ढाल० ॥ देशीहमचमीनी ॥ सांसलीनूपतीइणिपरेंचि तें ॥ मरणनोतयश्णेंलागो ॥ तिणेइमबोलेंछेपणिसासलो ॥ हवइकिहांजास्यें सागोरे ॥ १८ ॥ हमचमी ॥ ईमचितीकहेस्वामीसाचू ॥ पणिसुणज्योमुझ घात ॥ जेदिनथीतुम्हेंदिक्षालीधी ॥ तेदिनथीविरव्यातरे ॥ १ए ॥ ह० ॥ धर्मक रवामाम्योस्वामी ॥ गुरुकहेरुडुंकीधु ॥ रहीयोमीवेलापढीचाल्यो ॥ गेहलणी दीवदीधुंरे ॥ २० ॥ ह० ॥ एहडुराचारीनेंमारु ॥ आजजहार्येरातें॥ साईमुनी

ष्यातिडकवनइहां ॥ उगेमणीअवनीश ॥ ९५॥ स [illegible]
रोमांचितजईराय ॥ वदिचाल्योमावचा ॥ सार्थसङ्गसमवाय ॥ [illegible]
सामंतादिकसङ्गमिली ॥ विजयनेंकहीवीरतत ॥ [illegible]
दिनादिकनेंदित ॥ ९६ ॥ पुजाविवीधमकारनी ॥ [illegible]
देहरेसर्वजीएदनें ॥ आदरधरीअपार ॥ ९७ ॥ [illegible]
रयवेसीमहाराय ॥ परवरितपरीवारस्यू ॥ जुगतीमकीनृपजाय ॥ [illegible]
ल ॥ दुकअनेंटोळाविचेरे ॥ एदेशी ॥ चारित्रलेवाचुपस्यूरे ॥ नरपती[illegible]
जाय ॥ सजमरगलागो ॥ वरवरीआकहेवरावतोरे ॥ [illegible]
॥ स० ॥ लोकअढेरूदेपतोरे ॥ अहोउत्तमआचार ॥ स० ॥ [illegible]
तणेरे ॥ अहोलघुवयसविचार ॥ ९३ ॥ सं० ॥ आजअनाथथईपुरीरे ॥ [illegible]
रकधरेवङ्गलोक ॥ स० ॥ अगुलीदेपावतारे ॥ लोकघरेमनशोक ॥ [illegible]
स०॥ तूरसवदयाईघणारे ॥ केईकहर्षधरत ॥सं०॥घन२ एहनीमा[illegible]
२ तातकहत ॥ ९४ ॥ स० ॥ वदिबोलेबिरुदावलीरे ॥ इममोठेमनाय ॥सं०॥
गुरुचरणेतिआवीउरे ॥ तिदूकवनउद्यान ॥ ९५ ॥ स० ॥ सनतकुमार[illegible]
कनेंरे ॥ मातसहीतसूपाल ॥ स० ॥ मुख्यप्रधानेंपरवरयोरे ॥ चारित्र[illegible]
काल ॥ ९७ ॥ स० ॥ रायनयरनाजनसङ्गरे ॥ वदिनिजघरिजाय ॥ स० ॥
मासकलपपुरेययेरे ॥ गुरुविचरेअन्यगाय ॥ ९८ ॥ सं० ॥ [illegible]
पांतिस्यूरे ॥ मुनीवरजयअणगार ॥ सं० ॥ श्रमणपणोंलेपाळतारे ॥ [illegible]
तीरतीचार ॥ ९९ ॥ स० ॥ विजयसूपतीहवेंचितवेंरे ॥ अहोनवी[illegible]
ह ॥ स० ॥ जातोरसोएहायिथीरे ॥ हवेंकरूंकारणकेह ॥ [illegible]
निजविश्वासीनरप्रतेंरे ॥ घातकमुकेराय ॥ स० ॥ घातकनर[illegible]
वेंरे ॥ न्यायकेएअन्याय ॥ स० ॥ १ ॥ निष्कारणकिममारीइरे ॥ [illegible]
पागजाय ॥ स० ॥ नृपनेंकहेअमेमारीउरे ॥ [illegible]
स० ॥ हवेजयमुनीइमचितवेंरे ॥ जईमतिबोधूंराय ॥ स० ॥ [illegible]
वसमघयीरे ॥ सजमसनमुखथाय ॥२॥ स० ॥ आप्पामागीगुरुतणीरे ॥ [illegible]

वदिविजेंएपुरो ॥ विसलनगरेंकिधो ॥ श्रीवीजयसिंहसूरीसरकेरो ॥ सत्य वीजयसूप्रसीद्धेरे ॥ ३८ ॥ ह० ॥ तासकपुरविजयवरकोविद ॥ षिमावि जयतससिस ॥ गितारथगुणवंतसोत्तागी॥ जिनविजयसुजगीसरो॥ ३९॥ह०॥ उत्तमउत्तमविजयकहाया ॥ ताससिसमतिवनो ॥ गीतारथसमतानासाग र ॥ जेमहिमाइमहतोरे ॥ ४० ॥ ह० ॥ श्रीकल्याणपाससूपसाइ ॥ समरा दित्यनोरास ॥ पद्मविजयगणीसाषेसूणतां ॥ घरि २ लिलवीलासरे ॥ ४१ ॥ ॥ ह० ॥ इतिश्रीसविन्नपक्षियपमीतप्रवरश्रीमउत्तमविजयग० शिष्यप० पद्म वीजयग० विरचित्तेश्रीसमरादित्यचरित्रेप्राकृतप्रबधेजयविजयसहोदरयो सगतयो पचमोनरसव समाप्त ॥ सर्वगाथापचमखम्मे ॥ ७४१ ॥ उक्तगा थाकाव्य ॥ १८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ श्रीकल्याणप्रभुपासजी ॥ करतासवीकल्याण ॥ पादपदमतसुप्रण मीइ ॥ महीमाजसमम्माण ॥ १ ॥ सरसतीगुरुप्रणमुसदा ॥ समरादित्यसरूप॥ वर्णवतांमुज्ववदनमां ॥ आवीवसोअनुरुप ॥ २ ॥ पचमखम्मप्रेमेंकरी ॥ पुर णकर्यो़प्रमाण ॥ हवेछगेखम्भसिथी ॥ श्रोताघ्रुणोसूजाण ॥ ३ ॥ जबुद्धी पलषजोयणो ॥ तेहमांसारतपेत ॥ माकदिपुरीमोटिकी ॥ सिरीदेवीसकेत ॥ ॥ ४ ॥ अघरमजीहांप्राये़नही ॥ न्यायतणोजनिवास ॥ कालदोषथीनीक ली ॥ उपद्रवरहीतआवास ॥५॥ प्रियवोलेसहुप्राणीआ ॥ सरलस्वसावीसार॥ धर्मनेहीव्रतधणी ॥ परजावसेअपार ॥ ६ ॥ कालमेघनरपतीकह्यो ॥ वैरी नेंषिकराल ॥ सद्धननयननेंससीसमो ॥ करुणावतकृपाल ॥ ७ ॥ ढाल ॥ सावश्रावकेंनासापीइ ॥ एदेशी॥ नगरसेगचुमामणी॥ बधुदत्ततिहांबहुगुणी॥ परतणी ॥ नारिषिउपरांगेरहइंए ॥ ८ ॥ पणिप्रारथनाइनही ॥ परघरनेंनीरलो सीसही ॥ पणिअही ॥ धर्मउपारजणमांनहीए ॥ ९ ॥ असतूटपरउपगारें ॥ धनआगममांनहीक्यारें ॥ तेप्यारें॥ दलिद्रीनहीवीसवथीए ॥ १० ॥ सुरतरुष रिखघउपरिं ॥ पादमुकीफलबहुपरें ॥ तिणिपरें॥ अर्थिनिवहफलसोगवेए ॥ ॥ ११ ॥ हारप्रसातससामिनी ॥ कुलरुपसमसोहामणी ॥ कामिनी ॥ सार्थे

उपदिमउपजे ॥ टिकरमनीवातेंरे ॥ २१ ॥ ह० ॥ पुरषवालनुवर्जे
तेमचा ॥ रयणीइकरयोविचार। वालोआपणमारीइएहनें ॥ पुढ
॥ २२ ॥ ह० ॥ चन्द्रआपम्योजिणीवेलाइ ॥ तवतेपुरुषनेंघेरे ॥
समीपेपोहतो ॥ दिठोधितमुंदेरे ॥ २३ ॥ ह० ॥ पवनरहित
यो ॥ तिमुनीझाणमांलीनो ॥ तिव्रकरवायउदयधीतिणें ॥ मरणें
नोरे ॥ २४ ॥ ह० ॥ अधीककरवाइखमगतेकाढयु ॥ सुकत
करमपरिणतेआपोगलीउ ॥ कोपअनलचढीसाटीरे ॥ २५ ॥ ह० ॥
श्रेएकप्रहारें ॥ मस्तकदूरेंनाख्यु ॥ विजयरायनाएहअकारज ॥
नीश्राप्युरे ॥ २६ ॥ ह० ॥ अहो२कर्म्मतणीगतीजुउ ॥ शिवपरी
त्र ॥ इमकहीसकुमुनीवरखसीआ ॥ जयअणगारपविभरे ॥ २
शीतावसयलजीवउपरि ॥ ध्यानथकीनवीचलीआ ॥ निजतनुउपरि
आण्यो ॥ हिलीमिलीसमतामिलीआरे ॥ २८ ॥ ह० ॥ खीणमाय
मठे ॥ लेश्याशुद्धसाव॥ सजमथिरताधीरजधोरी ॥ आसनसी
॥ २९॥ह०॥शुभपरीणामेंकायतजीनें।सूरलोकआनतनामें ॥ नवमे
पहोता ॥ सुखसागरनेंधामेंरे ॥ ३० ॥ ह० ॥ सिरिप्रसनामविमानें
सागरतासप्रकार ॥ सातलज्योहवेविजयरायनो ॥ जेकरूअधीकाररे ॥
॥ ह० ॥ महापुरुषनोघातकरीनें ॥ आतमकृतारथमानें ॥ निजमंदिर
नीत२ ॥ धरतेपापस्थानेरे।३२॥ह०॥ साधुविहारेंविहारकरीनें ॥
पासें॥ सकुव्रत्तांतसुणाव्योगुरुनें ॥ तिमसमताअस्यासेंरे ॥ ३३ ॥ ह०॥
पश्चात्तापघणोगुरुकीधो ॥ अहोसीसमुसीसो ॥ तेदिनथीतेजय
पापउदयसुजगीसोरे ॥ ३४ ॥ ह० ॥व्याधीवेदनाबहुअनुसवतो ॥
नुमोवतो ॥ आयुषतेचोथीनरगें ॥ पकमसाइंपोहतोरे ॥ ३५ ॥ ह० ॥
सागरआयुसोगवतो ॥ जयविजयएवेय ॥ साइनोअधीकारकहोहवे ॥
पतीजिणीपरेंहोयरे ॥ ३६ ॥ ह० ॥ढालचोवीसमीइणिपरेंसाषी ॥
कपुरी ॥ पघसरवरसपुरणकत ॥ सातनरहीअपुरीरे ॥ ३७ ॥ ह० ॥

ववदिविजेंएपुरो ॥ विसलनगरेंकिधो ॥ श्रीवीजयसिंहसूरीसरकेरो ॥ सत्य
वीजयसूप्रसीधोरे ॥ ३८ ॥ ह० ॥ तासकपुरविजयवरकोविद ॥ षिमावि
जयतससिस ॥ गितारथगुणवंतसोलागी॥ जिनविजयसुजगीसरे॥ ३९॥ह०॥
उत्तमउत्तमविजयकहाया ॥ ताससिसमतिवनो ॥ गीतारथसमतानासाग
र ॥ जेमहिमाइमहतोरे ॥ ४० ॥ ह० ॥ श्रीकल्याणपासमूपसाइ ॥ समरा
दित्यनोरास ॥ पद्मविजयगणीसापेसूणतां ॥ घरि २ लिलवीलासरे ॥ ४१ ॥
॥ ह० ॥ इतिश्रीसविग्नपक्षियेपमीतप्रवरश्रीमदुत्तमविजयग० शिष्यप० पद्म
वीजयग० विरचित्तेश्रीसमरादित्यचरित्रेप्राकृतप्रबधेजयविजयसहोदरयो
समतयो पचमोनरसव समाप्त ॥ सर्वगाथापचमखमे ॥ ७४१ ॥ उक्तगा
थाकाव्य ॥ १८ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
॥ दुहा ॥ श्रीकल्याणप्रसूपासजी ॥ करनासवीकल्याण ॥ पादपदमतसूप्रण
मीइ ॥ महीमाजसमप्पाण ॥ १ ॥ सरसतीगुरुप्रणमुसदा ॥ समरादित्यसरूप॥
वर्णवतांमुफवदनमां ॥ आवीवज्ञोअनुरुप ॥ २ ॥ पचमखमप्रेमेंकरी ॥ पुर
णकरयोप्रमाण ॥ हवेछगेखमफ्रसिथी ॥ श्रोतासुणोसूजाण ॥ ३ ॥ जबुद्वी
पलषजोयणो ॥ तेहमांसारतपेत ॥ माकदिपुरीमोटिकी ॥ सिरीदेवीसकेत ॥
॥ ४ ॥ अधरमजीहांआवेनही ॥ न्यायतणोजनिवास ॥ कालदोपथीनीक
ली ॥ उपद्रवरहीतआवास ॥५॥ प्रियबोलेसहुप्राणीआ ॥ सरलस्वसावीसार॥
धर्मिनेहीव्रतघणी ॥ परजावसेअपार ॥ ६ ॥ कालमेघनरपतीकह्यो ॥ वैरी
नेंविकराल ॥ सद्धननयननेंससीसमो ॥ करुणावतकृपाल ॥ ७ ॥ ढाल ॥
सावश्रावकनासापीइ ॥ एदेशी॥ नगरसेठसुनामणी ॥ बधुदत्ततिहांबहुगुणी॥
परतणी ॥ नारिषिउपरांगेरहइए ॥ ८ ॥ पणिआरंभनाइनही ॥ परधनेंनीरलो
सीसही ॥ पणिअही ॥ धर्मउपारजणमांनहीए ॥ ९ ॥ असतूटपरउपगारें ॥
धनआगममांनहीक्यारें ॥ तेप्यारें॥ दलिद्रीनहीचीत्तवधीए ॥ १० ॥ सूरतरुप
रिखधउपरि ॥ पादमुकीफलबहुपरें ॥ तिणिपरें॥ अर्थिनिवहफललोगवेए ॥
॥ ११ ॥ हारप्रसातससामिनी ॥ कुलरुपसमसोहामणी ॥ कामिनी ॥ सायें

सुखनेंसोगवेए ॥ १२ ॥ आनतकल्पथीअवतर्यो ॥ सूरआउखोपुरो[illegible]
उरधर्यो ॥ हाग्मसाश्नुपनलसोए ॥ १३ ॥ उज्वलकरिवरेंकनकनें [illegible]
सेंजेसीचतीरे ॥ सोहतीरे ॥ मुक्ताफलहारेंकरीए ॥ १४ ॥ दिव्य[illegible]
रहि ॥ चिवरधवलधरतीरे ॥ पहेरंतीरे ॥ विविधरतनकटिमेखलाए ॥ [illegible]
उत्तरबसेंदांकोआ ॥ स्तनजुगकमलकरेंरसा ॥ बऊमहमसा ॥ [illegible]
बनिहांकरेए ॥ १६ ॥ एहवीलपमीदेवता ॥ उदरपेसतीदोगीरे ॥ गीगीरे ॥
लागीजागीहरपस्यूंए ॥१७॥ ससलाग्युंसरतारनें ॥ तवसरतात[illegible] ॥
स्येरे ॥ लपमीनीवाससुतताहरेए ॥ १८ ॥ सांसलीधर्मकरेसदा ॥ [illegible]
मयकर्मेंआयोरे ॥ जायोरे ॥ बालकपुरणदिहामलेए ॥ १९ ॥ सेठ[illegible]
सीइ ॥ दिधुदानसनोसरे ॥ पोसरे ॥ किधोंहरपतणोघणोए ॥२०॥ [illegible]
जबतेहनें॥तवनामधरणतसदीधुंरे॥सिधूरे॥पीतामहनुंजेहतुए ॥२१॥ कुमरस
वपाम्योजदा ॥ कलाबहोतिर्णेंभऊतदा ॥ एसदा॥लब्धिपदानुसारीनीपनोर ॥
॥ २२ ॥ विजयजिवहवेनारकी ॥ नरकमांथीनीकलीउरे ॥ रुलिउरे ॥ [illegible]
सञारमाअनुक्रमेए ॥२३॥ लगतेसर्वेकायतपकरी॥ इणपुरेकार्तिकनामेंरे ॥
श्रुतधामेंरे ॥ जयासायांकूपेंउपनोए ॥ २४ ॥ पुत्रीपणेंतेअनुक्रमें ॥[illegible]
णेंअसीधानेंरे ॥ श्रुतवानेंरे ॥ जौवनपांमीबालीकाए ॥ २५ ॥ कर्मपरी[illegible]
अचिंतथी ॥ बलिसाबीसावनाजोगथी॥ कर्मसोगथी॥महाअऊबरेपरणी[illegible]
॥२६॥ रागघणोलठीउपरि ॥ धरणनेंपणिनहितासरे ॥ मुऊपासरे ॥ [illegible]
बेश्मथितबेए ॥२७॥ इमविषयविटबणासारीपा ॥ सोगवतांगयोकोई[illegible]
लरे ॥ सूरसालरे ॥ मदनमोहउवआव्योअन्यदाए ॥ २८ ॥ मलयसु[illegible]
नमा ॥ क्रिमाकरवाहेतेरे ॥ सूसकेतेरे ॥ रथबेठीधरणोगयोए ॥[illegible]
तोदरवाजेहवे,॥ दणिअवचारेंदेखनदीरे ॥ पंचनदीरे ॥ सेठनोपुत्र[illegible]
॥३०॥ क्रीमाकरीउद्यानमां ॥ रथबेसीबहुल्योपाछोरे ॥ आछेरे ॥ तेवर[illegible]
आवीउए॥३१॥ आमोसाहमाविऊमिल्या ॥ [illegible] ॥ म[illegible]
डालमथमपदमेंकहिए ॥३२ ॥ ॥१॥ ॥१॥ [illegible]

॥ दुहा ॥ भारगलघुरयमोटिका ॥ सर्वकालेनत्रमाय ॥ देवनंदीकहेदावयी ॥ धरणनेंसाहमोधाय ॥ ३३ ॥ उसारोरयईहायकी ॥ आवेमुझरयआम ॥कहे धरणसकनासिमां ॥ नफरेमुझरयनाम ॥ ३४ ॥ तिणेंउसारोतुमतणो ॥ रथ जिमयाइराह ॥ तवदेवनदीत्रामीउ ॥ आणीअगउगाह ॥ ३५ ॥ कहोतुमथी उणिमकीसी ॥ अममांढइकांइआज ॥ रथतिणेंकिमफेरवु ॥ धरणकहेधरी लाज ॥ ३६ ॥ एतोसमविझनेंअठे ॥ विझयाकाबलवंत ॥ राजपथरोक्योर थे ॥ कोईकोईनेंनकहंत ॥ ३७ ॥ वातनगरमांविस्तरी ॥ कारणिआनेंकानि ॥ पोहतीतवपंचेमली ॥ न्याईकरतान्यान ॥ ३८ ॥ ढाल ॥ अगोरगलाज्योरेमां णिगरमहाराजा ॥ एदेशी ॥ आगेन्यायकरज्योरेचातुरचोवटीआ ॥ एआं कणी ॥ अलोचकरतारेनयरीमहर्द्धिका ॥ एतोदोयशेठमहंतमहत ॥ आ ॥ गोरु नेहनारेअतिउगंगला ॥ वारीनसकीइएहनेंतता ॥ ३ए ॥ आ० ॥ जईनिभगोरेदोयकु मारनें ॥ इमसीषामणअतीघणीदेह ॥ आ ॥ ष्यारजणमुक्यारेवयथीपरणम्या ॥ धरमारथमांविचारदतेह ॥ ४० ॥ आ० ॥ वचनविन्यासकुसलसमताघणी ॥ धरमीधरमसहाय ॥ आ० ॥ इहपरलोकअपायदेपायवा ॥ निपुणघणाकृत न्याय ॥ ४१ ॥ आ० ॥ वझमतजननेंरेतेष्यारेजण ॥ आष्यातेकुअरपासा ॥ आ० ॥ उसाथईनेरेआदरदेघणो ॥ इवेशिक्षादिइतास ॥ ४२ ॥ आ० ॥ पुरव जकेरारेघनथीमानस्यो ॥ नविअकमायातुमेंकोय ॥ आ० ॥ केणेंकमाईनेरे दानदिधुंघणु ॥ जिणेंजसजगतमांहोय ॥ ४३ ॥ आ० मातपीतानेरेकेणेंअ तोपीआ ॥ केकरयोदिनडखीनोउधार ॥ आ० ॥ केकायधर्मनुरेकाजकरावी उ ॥ फोकटस्योरेअहकार ॥ ४४ ॥ आ० ॥ वुधजनतुमचीरेहासीकरेशदा ॥ उसरोतुमेंइणगम ॥ आ० ॥ निज २ गामथीरेरयपाछाकरो ॥ तुमचोथकर जाइआम ॥ ४५ ॥ आ० ॥ हरष्योसापेरेदेवनदिपरु ॥ लाज्योधरणकुमार ॥ आ० ॥ कहेतुम्हेंअमनेरेत्रीपदीधीपरी ॥ मुझनेपमोरेधीकार ॥ आ० ॥ ४६ ॥ हासीझईएहचरीत्रथी ॥ कांचागरससमान ॥ आ० ॥ मानुमाहरोरेआतमइणिव रे ॥ तुम्हेतोबुधीनीधान ॥ ४७ ॥ आ० ॥ रथउआरोरेजईदेशातरें ॥ पांमीद्रव्य

अपार ॥ वरसेंदिवसेरंजे करस्ये पणे॥ दिनअनाभउपार॥ ॥ तेहनोरेरथआगलिपको ॥ तवतेबोल्यामहत॥ एहहगपहरेस्यानेकूर्ने
तवतिहांधरएबोलत ॥ ४९ ॥ आ० ॥ ज्ञाताअमनेरेतेविएनवीहोय ॥
ल्यातेहप्यार ॥ एतोजाएँरेनयरमहर्द्धिका ॥ धरएकहेपरीप्यार ॥
अएवोतेहनेरेअमेंजास्यूपरा ॥ देवनदीकहेआम ॥ दोषमएहनारिहूँ
करो ॥ ससलावेतसतांम ॥ ५१ ॥ आ० ॥ सेठनयरनारेमिलीबो
तेहनामातनेंतात ॥ वातसुएावीरेतवअगीकरे ॥ सनदिषामुवी ॥
आ० ॥ साहाज्यनकरवुंरेनीजसुतनुतुम्हें ॥ बोलाप्यातिहांदोय ॥ दिवार
लखरेविक्रनेंजुजुआ ॥ आपेमहाजनसोय ॥ ५२ ॥ आ० ॥
रेविक्रनाहायनो॥ वरसेंदिवसेजेकोईआया॥ अधीकपराक्रमरेनिज
फोरवस्येजेहसाय॥५३॥आ०॥तेहनोरथवररेआगलिचाल्स्ये॥ बुद्धि
तेहनोपत्त ॥ मुक्योकागलरेपुरसमारमां ॥ हवश्चालेतेहअत्त॥ ५५ ॥ आ०
सांभलीधरियेयोग्यजेहनेंहतां ॥ उत्तरापथेंचाल्योएक ॥ बिजोपुरवरे
एीचालीउं ॥ मनमाधरतोतेंटेक ॥ ५६ ॥ आ० ॥ चितवेलरिमयो
मलस्येकहोहवेकेम ॥ मारीनसकीरेहवेकिममारीइ ॥ उपनोपेवतेश्न ॥
आ० ॥ एकमयाएतेहवेपोहचीआ ॥ तवतसमातनेंतात ॥ पुभतनुनीरे
करएनें ॥ पुठिमहर्द्धिकनेंसवीवात ॥ ५८ ॥ आ० ॥ बझरोविक्रनीरेबो
पुठिथि ॥ सार्थेसबलपरीवार ॥ निज २ पतिनेंरेतेआवीमिली ॥ पाम्याहरख
अपार ॥ ५९ ॥ आ० ॥ ठगेरवमेरेढालविजीकही ॥ एतोसलीसमरा
स ॥ पद्मकहेरेसुएोआगलें ॥ सुएतांलीलवीलास ॥ ६० ॥ आ० ॥ ॥
॥ दुहा ॥ नितप्रयाएनवनवु ॥ एकदिनविदूरश्म, ॥ सार्थवहुतेसामठे ॥
एधारीप्रेम ॥ ६१ ॥ वनमांएकविद्याधरो ॥ सौम्यरुपसीरदार ॥
नेअवनीपरे ॥ पासगयोधरीप्यार ॥ ६२ ॥ पथविक्रएपथिउ ॥ उपमेय
अपार ॥ तिएिपरेंकेमकरोतुमे ॥ पुठेएहप्रकार ॥ ६३ ॥
गगनेंघएा ॥ पएिनजवाइभाय ॥ वातकहोमहेलाभई॥ कहेवाजेहवीकांम॥

॥ ६४ ॥ आकृतिदेषीएहनी ॥ वलिवचनविन्यास ॥ चमत्कारलहीचित्तमां॥ सर्वेतिएहवीसास ॥ ६५ ॥ ढाल० ॥ वीरवषाणीराणीचेलणाजी ॥ एदेशी ॥ अमरपुरवैताढ्यपरवतेंजी ॥ तिहांऊवीद्याधरपुत्त ॥ हेमकुन्डलशणनामथी जी ॥ नांहिवीद्याधरसूत ॥ ६६ ॥ अमर ॥ एकदिनएकविद्याधरुजी ॥ वि द्यूनमालेतीहांआय ॥ ताततोमीत्रतिणेंपुछिउंजी ॥ आमणडमणाकीमसाय ॥ ॥ ६७॥ अम० ॥ तेहपगकहेमुक्ततातनेंजी ॥ विक्रथीआवीउंएथ ॥ वाटिमा उजेणीनयरीइजी ॥ सिरिप्रसनामन्रृपतेथ ॥ ६८ ॥ अम० ॥ जयसीरीनामते हनेंघुआजी ॥ कोकणन्रृपसूतनाम ॥ नवीअशिसूपालनेंदिधलीजी ॥ जाच तापणितिणेंताम ॥ ६९ ॥ अम० ॥ सव्ठन्रृपपुत्रश्रीवीजयनेंजी ॥ आपतोतेह नोतात ॥ क्रोधचढीउंशिशुपालनेंजी ॥ आवीउंचितवीघात ॥ ७० ॥ अ० ॥ विवाहेंअवसरेंनीकलीजी ॥ मयणनीपुजनीमीत्त ॥ तेहविचमांथीहरीगयो जी ॥ पामीआसक्तितिहांसीत ॥ ७१ ॥ अम० ॥ श्रीवीजश्केमीकीधीघणी जी ॥ युद्धलागुतेअपार ॥ ठेमविजयसिरीलेईवल्योजी ॥ पणितसगाढपरहा र ॥ ७२ ॥ अ० ॥ वेदनाथीघणव्याकूलोजी ॥ नारीदेषीकहेइम ॥ एहजी मस्येंतवजीमस्यूजी ॥ अन्यथामाहरेनेम ॥ ७३॥ अम० ॥ तेहमहाडखमा हिपमीजी ॥ तासदूखदेषीक्रएम ॥ तातसञारकहेएहवोजी ॥ ड खदायकन हिखेम ॥ ७४ ॥ अम० ॥ खेदमकरोएहवातमांजी ॥ सांसत्युम्हेतवते ह ॥ चितव्युकांलिहिमवतगयोजी ॥ उंषधीनोनगगेह ॥ ७५ ॥ अम० ॥ गधर्वरतीमुक्मीव्रस्यूजी ॥ तेहगाधर्वकूमार ॥ उंषधीवलयउग्युतीहांजी ॥ एकवरगुफामझारि ॥ ७६ ॥ अ० ॥ तेकहेमुक्नेंसांसलोजी ॥ लोकनीसा चलीवात ॥ मघमणीउंषधीकेरमोजी ॥ मोटोप्रसावकहेवात ॥ ७७ ॥ अ० ॥ एहउंषधीनोमहीमासूणोजी ॥ खमगप्रहारेंकरीजास ॥ हाम्जोकापीआंहो यतोजी ॥ जिवीतनीनहीआस ॥ ७८ ॥ अ० ॥ नीरमांएहपषालीनेंजी ॥ छांटिएहजोवारि ॥ वेदनानेंव्रणरुक्वेजी ॥ ततषीणदिठप्रतीकार ॥ ७९ ॥ अ० ॥ तेसणीतिहांजईलावीइजी ॥ टालिशसिरीवीजयदूख ॥ विद्यासारी

किमहीककरीजी ॥ गगनगामीनोउसोभ्धरक ॥ ८० ॥ ॥

तिहांयीवल्योजी ॥ रपेश्रीविजयदूरवभाय ॥ तिणेंकरीवेगथी ॥

आवीउंरणहीजगाय ॥८१॥ अह० ॥ विश्रामतिमीसरहांउतरयो ॥

घकस्युघरणनुताम ॥ रूणेकरहीथालवामनकरयुजी ॥ विद्यासंसारी

॥ ८२ ॥ अम० ॥ असीनघसपयोतिर्णेवीसरयुजी ॥ वलीगमनसंभ्रम

पदएकसांसरयुनहीमुनेंजी ॥ तिणेप्रभुएकसुतुक ॥ ॥

हेरयूकरस्योहवेजी ॥ खगकहेनांहिउपाय ॥ जिणेंकरीनृपसुतविणससे ॥

एमुककरकवकथाय ॥ ८४ ॥ अम० ॥ पेदवक्रउपजेविस्मांजी ॥

योपरउपगार ॥ पुण्यहीणोनसमीहितलहेजी ॥ हवेकहेघरणकूमार ॥

अम० ॥ कल्पससलावबानोहोइजी ॥ तोमुकआगलेंसाधि ॥ तेहपद

मुकजमेजी ॥ तोमानुपामीआलाप ॥ ८६ ॥ अम० ॥ तेहविद्यासस

जी ॥ तुरतपदपुरीउतेए ॥ हरपीउंहेमकुमलघणजी ॥ नृपसुतजीवीउंजेण ॥

॥ ८७ ॥ अम० ॥ स्यूतुकउपगरीरकहोजी ॥ बोलीउंघरणकूमार ॥ आज

ठितकरोसीम्रयीजी ॥ तिर्णेंययोमुकउपगार ॥ ८८ ॥ अम० ॥ हेमकूमलक

हेसांसलोजी ॥ तुम्हेतोमोहटामहासाग ॥ उंथथीवलयथमआपीउंजी ॥

ज्योउपगारधरीराग ॥८९॥अम०॥ प्रार्थनासगकीमकीजीइजी॥ लीधीउं

तिर्णेताम ॥ साथसेलाथयाघरणतेजी ॥ हेमकूमलगयोगाम ॥ ९० ॥

खमउठेत्रीजीकहीजी ॥ पद्मविजयएढाल ॥ श्रीसमरादित्यरासमां ॥

सूणतांहोयमगलमाल ॥९१॥अ०॥ ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥

॥ दुहा ॥ केईकवासरव्यतीक्रम्या ॥ एकदिनगिरीनेंतीर ॥ सायसऊआवासीउं ॥

घरणोसाहसधीर ॥९२॥ इणिअवसरिआमाजतां॥ दिठंसीलतेदीन ॥

नीगलिनां॥ जलविनुहोयजिममीन ॥९३॥ कष्णवरणकोदुमकरे ॥ शुनक

वयलीसाय ॥ रोतानरहेरानमा ॥ हेयुनरहेहाय ॥ ९४ ॥ पासतेमीनेंपुछि ॥

कारणरोवोकेह ॥ तेकहेस्वामीअमतणो ॥ जमपरेंअरीनेजेह ॥ ९५॥ का

नकलीउंअती ॥ केसरीनोतेकाल ॥ केसरीनामसुणेंकदा ॥ कोकट

फाल ॥ ९६ ॥ ढाल ॥ शीताहोप्रीयाशीतारामसाती ॥ एदेशी ॥ एकदिन होप्रसूएकदिनसूणिउकानि ॥ केसरीहोश्हाकेसरीआव्योउद्यानमाजी ॥ एकलोहोतेहएकलोनीकल्योवाहारी ॥ सरधनुहोलेश्सरधनुपुरुयोमानमांजी ॥ ९७ ॥ अतरेंहोरसोअतरेंवमनेंसीह ॥ दिगेहोनवीदीगेतिर्णेपासेंगयोजी ॥ सीहेंहोकरुयोसीहेंपुठियीघात ॥ लेईहोलीललेईकटारीसाइमोथयोजी ॥ ९८॥ मारयोहोतेहसींहनेंमारयोताम ॥ मस्तकहोखमनमस्तकखमत्रोमेहरीजी ॥ चितवेंहोतवचितवेंअमचोस्वामि ॥ निश्चयहोअमेनीश्चयथीजास्यूमरीजी ॥ ॥ ९९ ॥ वलस्यूहोअमेवलस्युअगनीमांपेसि ॥ नारीहोसूणेंनारीतासगरसवतीजी ॥ वारीहोपणिवारीनरहेतेह ॥ वलवाहोहवश्वलवानेंआवीठतीजी ॥ ॥ १०० ॥ तातनेंहोतसतातनेंतेमवाअम्ह ॥ मुक्याहोतिणेंमुक्यानारीउगारवाजी ॥ यास्येंहोकिमयास्येंअमपतीसूर ॥ शकतीनहोअमशकतीनतेहउगारवाजी ॥ १ ॥ डरवीआहोअम्हेदूपीआनहीउपाय ॥ स्त्रीपरेंहोअम्हेंस्त्रीपरेंकेवलरोईश्जी ॥ बोल्याहोतववोल्याधरणकूमार ॥ नरनुहोश्मनरनुपत्यसबीपोईश्जी ॥ २ ॥ दापवोहोमुक्दापवोपक्षीनाथ ॥ जीवेहोकदीजीवेतोजीश्वामीश्जी ॥ पमीआहोतेहपमीआचरणेंताम ॥ चालोहोप्रसूचालोतूम्हनेंदेपामीश्जी ॥ ३ ॥ जोतूम्हहोप्रसूजोतूम्हअनुपहवुद्धि ॥ तोतूम्हेहोप्रसूतोतूम्हेचालोउतावलाजी ॥ रखेहोप्रसूरखेयायवीनाश ॥ उपधोहोमहीउपधीनेंघरुयांपावलांजी ॥ ४॥ परवस्योहोनीजपुरपेंपरवस्योतेह ॥ वेसरहोवरवेसरअसवारीकरीजी ॥ पोहतोहोतीहापोहतोदिगेतेह ॥ वमनेहोतलेंवमनेंपासेंचयधरीजी ॥ ॥ ५ ॥ रुधीरेंहोतसरुधीरेंसीचीदेह ॥ स्नेहेंहोवलीस्नेहेंनारीतीहांरुश्जी ॥ सवरेहोकहीसवरेंस्वामीनेंवात ॥ उठवाहोजायउठवातवसूश्सूश्जी ॥ ६ ॥ धरणेंहोतवधरणेंमाग्यूनीर ॥ आण्यूहोजलआण्यूनलिनीपानमाजी ॥ उपधीहोतिहांउपधीनापीमांहि ॥ शिरनोहोखमशिरखमजोमयोसांनमांजी ॥ ७ ॥ पांणिहोगट्युपांणीगट्युतठ ॥ व्रणनवीहोतवव्रणनवीतिहांदिशेजराजी ॥ महीमाहोतसमहीमाअगमअपार ॥ उठिहोतेहउठीनेंबेठोधराजी ॥ ८ ॥ अ

किमहीककरीजी ॥ गगनगामीनीजसोसरक ॥ ८०॥ [illegible] ॥ [illegible]
तिहांथीवल्योजी ॥ रपेश्रीविजयदूरवपाय ॥ तिणेकरीवेगथी[illegible]
आवीउंदणहीजगाय ॥८१॥ अम॰ ॥ विश्रामनिमीत्तशहांउत्तरयोजी ॥ [illegible]
घकरयुचरणनुताम ॥ रुपेकरहीधालवामनकस्युजी ॥ विधासंसारीने[illegible]
॥ ८२ ॥ अम॰ ॥ असीनमसणयोतिणेवीसरयुजी ॥ वसीगमनसमनुक ॥
पदएकसांसरयुनहीमुनेजी ॥ तिणेपमुएकसुतुक ॥ ८[illegible] ॥ [illegible]
हेस्यूकरस्योहमेजी ॥ खगकहेनांहिउपाय ॥ जिणेकरीनृपसुतविलसवेजी ॥
एमुरुउरकमम्पाय ॥ ८४ ॥ अम॰ ॥ पेदमरुउपजेचित्तमांजी ॥ [illegible]
योपरउपगार ॥ पुण्यहीणोनसमीहितलहेजी ॥ हवेकहेधरणकूमार ॥ [illegible]
अम॰ ॥ कल्पससलाववानोहोश्जी ॥ तोमुरुआगलेसाधि ॥ तेहपदजो[illegible]
मुरुजमेजी ॥ तोमानुपामीआलाप ॥ ८६ ॥ अम॰ ॥ तेहविधासस[illegible]
जी ॥ तुरतपदपुरीउतेण ॥ हरपीउंहेमकुमलघणजी ॥ नृपसुतजीवीउंजेण ॥
॥ ८७ ॥ अम॰ ॥ स्युतुरुउपगरीश्कहोजी ॥ बोलीउंधरणकूमार ॥ आज[illegible]
मितकरोसीघथीजी ॥ तिणेथयोमुरुउपगार ॥ ८८ ॥ अम॰ ॥ हेमकूम[illegible]
हेसासलोजी ॥ तुम्हेतोमोहटामहालाग ॥ उंघधीवलयपमआपीउंजी ॥ [illegible]
ज्योउपगारधरीराग ॥८९॥अम॰॥ प्रार्थनासगकीमकीजीश्जी॥ लीधीउंघ[illegible]
तिणेतांम ॥ सायसेलाघयाधरणतेजी ॥ हेमकूमलगयोगाम ॥ ९०॥ [illegible]
खमगठेत्रीजीकहीजी ॥ पद्मविजयएकाल ॥ श्रीसमरादित्यरासमांजी ॥
सूणतांहोयमंगलमाल ॥९१॥अ॰॥ ॥श्री॥ ॥श्री॥ ॥श्री॥
॥ दुहा ॥ केईकवासरव्यतीक्रम्या ॥ एकदिनगिरीनेंतीर ॥ सायसरुआवासीउं॥
धरणोसाहसधीर ॥९२॥ इणिअवसरिआमाजतां॥ दिगंसीलतेदीन ॥ [illegible]
नीगलिनां ॥ जलविनुहोयजिममीन ॥ ९३॥ कृष्णवरणकोवंमकरे ॥ शुन[illegible]
दपलीसाथ ॥ रोतानरहेरानमां ॥ हैयुनरहेहाथ ॥ ९४ ॥ पासतेमीनेंपुछि ॥
कारणरोवोकेह ॥ तेकहेस्वामीअमतणो ॥ जमपरेंअरीनेजेह ॥ ९५॥ [illegible]
नकलीउंअती ॥ केसरीनोतेकाल ॥ केसरीनामसुणेकदा ॥ फो[illegible]

साथ॥ सहसहोदव्यसहसदीनारनीतेसलीजी ॥ सेटीहोन्टपसेटीनेंकहेदत्ता
त॥ किघोहोन्टपेंकिघोपसायनरअटकलीजी ॥ २१ ॥ आवीहोतिहांआवी
मुकाव्योचोर ॥ जिवितहोतूम्हेजिवीतदिघूखुसपरेंजी ॥ सापिहोश्मसापीतल
वरनेंवाणि ॥ पाणनेंहोतेहपाणनेंआसासनाकरेजी ॥ २२ ॥ ठगेंहोखमेठगे
चोयीढाल ॥ सापीहोएहसाषीअतीसोहामणिजी ॥ जाणोहोसवीजाणोदया
लूश्म ॥ वाणीहो एहवाणीपद्मविजयतणीजी ॥ २३ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ दुहा ॥ सवलतसदेईसघर ॥ बोलाव्योतेताम ॥ एहअवस्थाआर्यतूम ॥ मत
होजोएंमुझकाम ॥ २४ ॥ गयोचमालगुणगावतो ॥ करेप्रयाणकूमार ॥ उ
त्तरापथअचलपुरे ॥ सूखमांपहोतासार ॥ २५ ॥ आदरराश्आपीउ ॥ वेचि
सघलीवस्त ॥ अठगुणलासआसादिउ ॥ सघलूकरतोसस्त ॥ २६ ॥ पुण्यउद
यतसपाघरो ॥ चातुरच्यारेमास ॥ करताकोमिकमाईउ ॥ वाणीज्यतणोवि
लास ॥ २७ ॥ माकदीपुरमोपनु ॥ सरीउतिणेंसम ॥ सायकरीतेसामटो ॥ चा
ल्योतेजप्रचम ॥ २८ ॥ प्रतीदिनकरतप्रयाणते ॥ अनुचरसाथिअपार ॥ का
दवरीअटवीकर्नें ॥ तवुकस्यातयार ॥ २९ ॥ ढाल ॥ जाउ २ रेरुठमानायतू
मेरयूनहीवोलू ॥ एदेशी ॥ वपसतमुकेतिणेंवर्नें ॥ कांयसोरकरेसीआलरे ॥
कायवनर्नेसामाहोमाहिलमो॥ कांयवानरदेताफाल॥३०॥सासलोवातमीआं॥
जोज्योरेरेकर्मनीदान ॥ सा० ॥ रीघीचचलकुजरकांन ॥ सा० ॥ जेहवुक
पटीनुध्यांन ॥ सां० ॥ नरपतीनुजेहवुमान ॥ सा० ॥ एआंकणी ॥ सीहना
दकेसरीकरे ॥ वलिकिहांयकगजवरदरे ॥ तालतमालचदनघणा ॥ क्याहिं
वरूवलीमाकद ॥ ३१ ॥ सां० ॥ अजगरफणीधरमणीधरा ॥ कायसीमअ
टवीमहाघोररे ॥ त्रणदिनसाथवसोतिहा ॥ कायफिरताचिझदिद्यचोग॥३२ ॥
सा०॥ जलयानिकआव्युयदा॥कांयउतरयातेहनेतीररे ॥ नाहीधोईजीमीआ
सझ ॥ कांयसागीतननीपीर ॥ ३३ ॥ सा० ॥ चोकीमुकीचीझदिर्यो ॥ कां
यसूतासघलालो करे ॥ चरमजामथयोरातिनो ॥ तवसवरनाआव्यायोक ॥
॥ ३४ ॥ सा० ॥ मारि २ करताथका ॥ कांयवरसेतीरअपाररे ॥ जाग्या

धीकुहोमयुअधीकूपूर्वधीरूप ॥ घरणीहोवलीघरणीहरषीअतीघणीजी॥ क
गोहोहवेलागोपत्नीपतीपाय ॥ सापेहोतूम्हेसापेजीवीतदीउमुक्तसाधीजी ॥
नारीहोप्रसूनारीसगर्त्तएह॥ उगरीहोप्रसूउगरीअमआसाफलीजी ॥करीके
घश्करीश्जेकहोतेह ॥ बोलेहोतवबोलेधरणकरीमतीसलीजी ॥ १० ॥ किके
होदयाकीजेंदयासवीजीव ॥ बोल्योहोतवबोल्योकालसेनआणीमयाजी ॥पा
रधीहोकर्मपारधीनकरुकाम॥ जिवुहोजिहाजिवुतिहापालुंदयाजी॥ ११ ॥
धरणहोकहेधरणकरशुसवीकाम ॥ श्मकहीहोतेहश्मकहीनीजथानिकमया
जी ॥ नवनवाहोतेहनवनवाकरताप्रयाण ॥ जाताहोहवेजातांकेईकदिनथ
याजी ॥ १२ ॥ पोहताहोतेहपोहताआयामुहीगाम ॥ सूषमांहोहवेसूषमां
साथतेउतस्योजी ॥ पापीनोहोकस्योपापीनोकस्योउपवास ॥ घरणेंहोनिजघ
रणेंआतमउधस्योजी ॥ १३ ॥ तिणेंसमेंहोतिहातिणेंसमेंएकचमाल ॥ तिणी
होतसतिपीपघेशूलीधरीजी ॥ गेरुहोतसगेरूश्लीप्योंगात्र ॥ चोरनहोपणिचो
रनचोरपसोकरीजी ॥ १४ ॥ विरसुहोवलीविरसुंभिंभिमवाय ॥ जायेहोलेई
जायेंजुवानर्नेमारवाजी ॥ देषीहोतेहदेषीमोहटोसाथ ॥ बोलेहोनहीबोलेमुक
ऊरववारवाजी ॥ १५ ॥ सुणज्योहोसऊसुणज्योमहासरगाम ॥ वासीहोनामे
वासीनामेमोरीउंजी ॥ कामेंहोजताकामेंकूसस्थलगाम ॥ तलवरेंहोमुकतल
वरेंश्णीपरेंघोरीउंजी ॥ १६ ॥ दोषहोमुकदोषनथीश्हाकांय ॥ ठेमवोहोमुक
ठेमवोसरणागतप्रतेंजी ॥ सुणज्योहोवलीसुणज्योएकमुकवात ॥ मरणथीहो
वऊमरणथीऊरववऊसांप्रतेंजी ॥ १७ ॥ पुरवजहोमुकपुरवजम्यानीकल
क ॥ मेंलूहोकरुंमेंलूकूलमेंमाहरुजी ॥ ठेमवोहोतिणेठेमवोदिनदयाल ॥ बी
रूदहोकायबीरूददयानुताहरूजी ॥ १८ ॥ सांसलीहोतवसांसलीघरणकूमा
र ॥ चितवेंहोचितचितवेचोरनएहठेजी ॥ वचनेंहोकरीवचनेंजाणश्म ॥ त
लवरहोकहेतलवरनेकहेजेहठेजी ॥ १९ ॥ खमज्योहोतूम्हेंखमज्योमुकसं
मात्र॥ सूपनेंहोप्रम्यंसूपनेंप्रम्यदेईकरीजी॥ ठेमवुहोकदीठेमवुसाम्यजोहोय॥
तेकहेहोजाउतेकहेजाउंसीप्रजचरीजी ॥ २० ॥ मालाहोलीश्मालामुक्ताफल

साथ ॥ सहसहोवज्ञसहसदीनारनीतेसलीजो ॥ सेटीहोन्टपसेटीनेंकहेरत्ता
त ॥ किघोहोन्टपेंकिघोपसायनरच्चटकलीजो ॥ २१ ॥ च्चावीहोतिहांच्चावी
मुकाव्योचोर ॥ जिवितहोतुम्हेजिवीतदिघूच्चुसपरेंजी ॥ सापिहोश्मसापीतल
वरनेंवाणि ॥ पाणनेंहोतेहपाणनेंच्चासासनाकरेंजी ॥ २२ ॥ ढंगेंहोखमेंढगे
चोथीढाल ॥ सापीहोएहसाषीच्चतीसोहामणिजी ॥ जाणोहोसवीजाणोदया
लूश्म ॥ वाणीहो एहवांणीपद्मविजयतणीजी ॥ २३ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ सवलतसदेंईसपर ॥ वोलाव्योतेताम ॥ एहच्चवस्याच्चार्यतूम ॥ मत
होजीएंमुक्काम ॥ २४ ॥ गयोचमालगुणगावतो ॥ करेप्रयाणकुमार ॥ उ
त्तरापथच्चचलपुरे ॥ सूखमापहोतासार ॥ २५ ॥ च्चादरराइच्चापीउं ॥ वेचि
सघलीवस्त ॥ च्चगुणलासच्चासादिउं ॥ सघलूकरतोसस्त ॥ २६ ॥ पुण्यउद
यतसपाधरो ॥ चातुरम्यारेमास ॥ करताकोम्किमाईउं ॥ वाणीज्यतणोवि
लास ॥ २७ ॥ माकदीपुरमोपनु ॥ सरीउतिर्णेसम ॥ साथकरीतेसामटो ॥ चा
ल्योतेजप्रचम ॥ २८ ॥ प्रतीदिनकरतप्रयाणते ॥ च्चनुचरसाथिच्चपार ॥ का
दवरीच्चटवीकनें ॥ तवुकस्यातयार ॥ २९ ॥ ढाल ॥ जाउं २ रेरुडमानाथतू
मेंस्यूनहीवोलू ॥ एदेशी ॥ वषसतमुकेतिर्णेवनें ॥ कांयसोरकरेसीच्चालरे ॥
कांयेंवनसेंसामाहोमांहिलमें ॥ कायवानरदेताफाल ॥ ३० ॥ सांसलोवातमीच्चा ॥
जोज्यो २ रेकर्मनीदान ॥ सां० ॥ रीधीचचलकुजरकांन ॥ सां० ॥ जेहवुक
पटीनुध्यांन ॥ सां० ॥ नरपतीनुजेहवुमान ॥ सा० ॥ एच्चाकणी ॥ सीहना
दकेसरीकरे ॥ वलिकिहायकगजवरदरे ॥ तालतमालचदनघणा ॥ क्याहि
दच्चवलीमाकद ॥ ३१ ॥ सां० ॥ च्चजगरफणीघरमणीघरा ॥ कायसीमच्च
टवीमहाघोररे ॥ त्रणदिनसाथवसोतिहा ॥ कायफिरताचिढदिच्चचोर ॥ ३२ ॥
सा० ॥ जलथानिकच्चाप्युयदा ॥ कायउतरयातेहनेतीररे ॥ नाहीधोईजीमीच्चा
सढ ॥ कायसागीतननीपीर ॥ ३३ ॥ सा० ॥ चोकीमुकीचीढदिसें ॥ कां
यसूतासघलांलोकरे ॥ चरमजामथयोरातिनो ॥ तवसबरनाच्चाव्याथोक ॥
॥ ३४ ॥ सा० ॥ मारि २ करताथका ॥ कायवरसेतीरच्चपाररे ॥ जाग्या

सज्जनसाथना ॥ तवजुक्तेजोधकुमार ॥ ३५ ॥ सा० ॥ मास्थासर्वे
ने ॥ कांयनागलीलतेजायरे ॥ वलिसेत्रामिलीप्रावीप्रा ॥ कांयकरतांधक
जनधाय ॥ ३६ ॥ सा० ॥ सलटयोमातेसाथमा ॥ कायसबरसेनानहींपातो
सेलिपालीनेंलूंटिउं ॥ कांयत्रासवेवज्ञनरनारि ॥३७॥ सा० ॥ वढिपकमलाने
ईनें ॥ वलिद्रम्यलेईगयानेहरे ॥ पल्लिपतीनेंसूपता ॥ सवीसूक्ष्मबादरजेह ॥
॥ ३८ ॥ सा० ॥ कालसेनपल्लिपती ॥ कांयपुछेवदिवानरे ॥ किहांथीसाथ
एआवीउं ॥ वलिकोहनोसाथनिदांन ॥ ३९ ॥ सा० ॥ इणअवसरतिहां
लप्यो ॥ भृतसगमनांमेंतासरे ॥ साथेसद्रवाहपुत्रनें ॥ तेहआव्योहतोमुख
राशि ॥ ४० ॥ सा० ॥ सीहप्रहारनेंटालवा ॥ कांयससारीतेवातरे ॥ पुछेल
हीदीगेहतो ॥ नेकहेनवीजाणख्यात ॥ ४१ ॥ सा० ॥ कालसेनकहेसांभ
लो ॥ मुज्मप्रांणदीआज्ञताजेणरे ॥ उत्तरापथसणीचालता ॥ पणिनवीजाणक
नामेंण ॥ ४२ ॥ सा० ॥ तवतुम्हनेंदिगहता ॥ एगयावरसनीवातरे ॥ जमप
रेंसीहमनेंमल्यो ॥ मुज्मकिधोहतोप्राणात ॥ ४३ ॥ सा० ॥ उत्तरापथजामां
यका ॥ मुज्मकिधोतिणेउपगाररे ॥ किमजिवाम्योमुज्मनें ॥ कांयनलहींसार
प्रकार ॥ ४४ ॥ सा० ॥ ससारीसगमकहे ॥ एसघलीसाचीवाणिरे ॥ कांमते
नतवबोलीउं ॥ कहोतेहगयाकिणगण ॥ ४५ ॥ सा० ॥ सगमआंसूरेंभ्रतो ॥ कहेवे
बनेंपुछेएहरे ॥ पल्लिपतीकहेतेहकीम ॥ तवसगमबोल्योतेह ॥ ४६ ॥ सा० ॥
साथतेज्ञनोजाणज्यो ॥ इहांथामिपमोअमजामरे ॥ दिगसरधनुलेईनें ॥ कांय
दोमतांसाहमाताम ॥ ४७ ॥ सा० ॥ तेहनीषबरिहवेंनही ॥ तेसांसलीपल्लिप
हरे ॥ मुर्छलहीधरणीढल्यो ॥ कायधरतोदूखअथाह ॥ ४८ ॥ सा० ॥ बलकलबाध
रेंविजतां ॥ कायचेतनालाधीजामरे ॥ मास्योकेनविमारीउ ॥ कोईपुछेसबरनें
ताम ॥ ४९ ॥ सा० ॥ सबरकहेनवीमारीउ ॥ पणिएकनेंकिधप्रहाररे ॥ तवबवित्रो
यातिर्यो ॥ पणिनलसोतेहमज्मारि ॥ ५० ॥ सा० ॥ तेधनसद्रुएकमकरीनें ॥ आत्मा
स्योसद्रसाथरे ॥ त्रणकारयकरेलोकनां ॥ तेसाथनापल्लिनाथ ॥ ५१ ॥ सा० ॥
दससदिवसबरनेंमोकल्या ॥ कायपोलषाधरणकुमाररे ॥ आपमयोतसपोस

वा ॥ कायघरतोदूखअपार ॥ ५२ ॥ सा० ॥ ठेखर्मेंपांचमी ॥ रुमीपद्मवि
जयकहीढालरे ॥ समरादित्यनारासमा ॥ कायसूणतांमगलमाल ॥ ५३॥सा॥
॥डह॥ नविलाघाकोईयानिकें ॥ आव्योफिरीआवास ॥ सवरआव्यादचोविची
यकी॥ सङ्कस्यईनीरास ॥५४॥ शोकलशोकालशेनतव ॥ वोलेइमजवाप ॥ डर
जननेंजोसुखदिश ॥ सह्मनहोइसताप ॥ ५५ ॥ पन्नगनेंपयपानजे ॥ तेविष
वृद्धिनुहेत ॥ दूखदायकङ्कंदेपज्यो ॥ तिणीपरेंमुझसकेत ॥ ५६ ॥ स्यूसङ्कशो
लेसङ्कसूणो ॥ एहप्रतिज्ञाआज ॥ पाचदिवसमांएपुरुष ॥ सपदमेलवुसाज
॥ ५७ ॥ इमकरताजोएनही ॥ मीलेतोकरस्यूइम ॥ अगनोमांपेसीआपणा ॥
प्राणतजेस्यूप्रेम॥५८॥ कुलदेवीकादवरी ॥ अटवीनीआधारा॥ दयानरनीवली
देयस्यू ॥ लहीइजोएलिगारा॥५९॥ढाल॥ हरीयांमनलागो ॥ एदेशी॥एहवीमा
नीमानता॥ वङ्कदिनसवलविधरे ॥ कूअरमतीवतो॥मोकल्यासवरदिशोदिशो॥
पोलवाकेमितेकीधरे ॥ ६० ॥ कु० ॥ पोलकरणनेंनीकल्यो ॥ आमणदूमणो
आपरे ॥ कु० ॥ जिम २ तेहजमेंनही ॥ तिम २ घरेसतापरे ॥ ६१ ॥ कु०
घरणोपणिहवइसायथी ॥ नागेलढीलेयरे ॥ कु० ॥ द्रव्यमांउपधीवलयठे ॥
पासेंपर्येएयरे ॥ ६२ ॥ कु० ॥ दिगमुढचालताथका ॥ दिवसरसोघमीदोय
रे ॥ कु० ॥ सिणिधनिलयगिरीगयो ॥ सयरस्थानकवङ्कहोयरे ॥ ६३ ॥ कु०
हस्तिकलेवरवङ्कजिहा ॥ सीहकरेसीहनादरे ॥ कु० ॥ दावानललागेघणा ॥
वनसेंसाउनमादरे ॥ ६४ ॥ कु० ॥ अजगरवाघअहिघणा ॥ कात्यायनीह
रेमाणरे ॥ कु० ॥ थाकंलपमीवाटिमां ॥ वयणप्रस्वेदपीठाणरे ॥ ६५ ॥
कु० ॥ अहो २ माहराकर्मनी ॥ परिणतीविचित्रप्रकाररे ॥ कु० ॥ प्राणप्रि
यादूखइमलहे ॥ चितवेघरणकुमाररे ॥ ६६ ॥ कु० ॥ लखमीपणिचितचि
तवें ॥ डखपणिएमुझसूखकरे ॥ कु० ॥ जिहांएआपदपामीउ ॥ घरणलहो
महाडखरे ॥ ६७ ॥ कु० ॥ उदकफलादिकनवीमल्यां ॥ जिणेंहोयलपमीनें
आणरे ॥ कु० ॥ सुतापालवसाथरे ॥ अस्तथयोजवसाणरे ॥ ६८ ॥ कु० ॥
रातिगईविजेदिनें ॥ दिवसरसोएकजामरे ॥ कु० ॥ वनगयाहेठलिपमी ॥

मुर्गानोपरीणामरे ॥ ६९ ॥ कु० ॥ मुक्ताणीतसचेतना ॥
कु० ॥ धरणविचारेएहवु ॥ जिवलोकदूरवरायरे ॥ ७० ॥ कु० ॥
पुक्ततेहने ॥ सज्ञकरेकोयएनारिरे ॥ कु० ॥ अंगेतसकरफेरवे ॥
आंसुधाररे ॥ ७१ ॥ कु० ॥ चेतनावलीतवश्मकहे ॥
कु० ॥ जललावुचीरीथजे ॥ रहेजेश्णहिजगाररे ॥ ७२ ॥ कु० ॥
रिचढिजोईश ॥ पणिनवीजलकांहिलरे ॥ कु० ॥
लेश्नसातिऐंविरे ॥ ७३ ॥ कु० ॥ तुवरीवनसपतीरसें ॥
रे ॥ कु० ॥ निजसाथलनुमांसजे ॥ वनदर्वेपचव्युजामरे ॥
नारीमाटेएसवीकस्यु ॥ नारीवीनानजीवायरे ॥ कु० ॥
आव्योनारीनेंगायरे ॥ ७५ ॥ कु० ॥ पाणीपीउएलावीउ ॥
रे ॥ कु० ॥ शाकमासएलावीउ ॥ शणिपरेंकुअरेंकीधरे ॥ ७६ ॥ कु० ॥
आहारकस्योतिणीश्हवश ॥ कायककालगमायरे ॥ कु० ॥ दिनकरनाथकु
नथी ॥ उत्तरसनमुखथायरे ॥ ७७ ॥ कु० ॥ पोहताएकसरोवरें ॥
गतथायरे ॥ कु० ॥ नवीपेठांतिणेंनयरमा ॥ जक्षदेउलमांगायरे ॥
पहोररातिगईतवश्मकहे ॥ लभिअलहीअवताररे ॥ कु० ॥
धणा ॥ तवबोल्योतेकुमाररे ॥ ७९ ॥ कु० ॥ आणउदकनवीथकी ॥
सुखसायरे ॥ कु० ॥ घटलेईपाणीलावीउ ॥ लषमीनेंतेपायरे ॥ ८० ॥ कु० ॥
सुतांधरणलहीहवें ॥ रातिचरमएकजामरे ॥ कु० ॥
बेमनमांआमरे ॥ ८१ ॥ कु० ॥ एहअवस्थापामीउ ॥
कु० ॥ एहथीअधीकलहेआपदा ॥ तोहोयअतीमजुलरे ॥ ८२ ॥ कु० ॥
गिढगारवमनमां ॥ पद्मविजयकहीढालरे ॥ कु० ॥
सधीसूधीसालरे ॥ ८३ ॥ कु० ॥ दुहा ॥ इणअवसररातिहांआवीउ ॥
कघोर ॥ रयणसांभलेईरयणीइ ॥ किधुकर्मकठोर ॥ ८ ॥
नासीमसक्योनेम ॥ देहरामांहिवमनमनी ॥ पेठोजीवमप्रेम ॥ ८ ॥
नारणां ॥ आरक्षकनरआय ॥ बश्गाबोलेबारणें ॥ अममाखीहोत्साय ॥

सांसर्य्यूंलढिश्तेसवे ॥ तस्करपगरवतेम ॥ चितवेनारीचित्तमा ॥ कारणएछे केम ॥ ८७ ॥ पुत्रजोपुगेकदा॥मनहमनोरथमुऊ ॥ तासनीकटगईतेहवे ॥ पु त्रेशणिपरेंगुऊ ॥ ८८ ॥ ढाल ॥ ऊीणमारुजीनीकरहलमीनीदेशी ॥ नृपकहे नीजपुत्रीसणी ॥ फीटपापिणीहतीआरी ॥ मुखमुकायदेपामेहोराजि ॥ एदे शी ॥ लषमीकहेतुंकुलअछे ॥ बारेंहालकल्लोलएवमोकेहनोथाइहोराज ॥ तेहकहेकेहस्यूपछे ॥ पणिमुऊआपेपाणीमाहरूकाजसथाइहोराज ॥ ८ए ॥ साकहेजलदेस्यूअम्हे ॥ कारणमुऊनेंसाषोलषतेचितमांचिंतेहोराजि ॥ कुं सवरावरढीकरी ॥ माहरेजोम्यएदीसेसापेतेशणितिहोराजि ॥ ए० ॥ चमरु मऊमोरतु ॥ कऊसषेपेवातथीस्तारेनकहाइहोराजि ॥ नृपनोरतनकरमीते ॥ चोरीनेंऊलाम्योतलवरजाणजयाइहोराज ॥ ए१ ॥ तेमुऊपुंठेआवीआ ॥ तेह वऊऊएकथीएश्रकतीबलीजावाहोराजि ॥ जिषीतनीआसाथमी ॥ रयणीएअं धारीआम्योएमुऊरावाहोराजि ॥ ए२ ॥ बोलेबाहिरतेनरा ॥ तबलढीमनचिं तेमुऊविधीजोअनुकूलहोराजि ॥ तोईढितमुऊनीपनु ॥ श्मांचितीकहेसूणजेतू ऊनहीहोइमंगुलहोराजि ॥ ए३ ॥ पाणीनूरयूकांमछे ॥ तुऊजीवामुमाहरूंव चनकरेजोप्यारेहोराजि ॥ तेकहेदाषितावली ॥ साकहेपुरीमाकवीकार्ति कसेठधनधारेहोराजि ॥ ए४ ॥ नांमेंलषमीऊतसघूआ ॥ पुरवनेंजीमवेरी घरएंमुऊनेपरणीहोराजि ॥ मुऊअनिष्टसूतोश्हां ॥ मुकितुंएघनघोरयूऊथा तुऊघरणीहोराज ॥ ए५ ॥ एएहनुकस्युपामस्ये ॥ पुढस्येजोकदीराजाते हनेउत्तरदेस्यूहोराज ॥ आमाहरोसत्तारछे ॥ एतोनथीप्रलषीश्श्मकरीजममु खथस्यूहोराजि ॥ ए६ ॥ चोरकहेसाचूकसु ॥ पणिएपुरीनोवासीमुऊउ लषेसऊमाणिहोराजि ॥ साकहेतासउपायस्यो ॥ तस्करकहेचोरगुटीकामाह रीपासवपाणीहोराजि ॥ ए७ ॥ दिठेप्रत्ययजेहनो ॥ चितामणिनेंसरिषी आजुउदकसजोगेंहोराजि ॥ नथिदेषेकोईमुऊनें ॥ सहसनयनजोश्दोजोवा आवेरंगेहोराजि ॥ ए८ ॥ पथरुद्रसगवाननी ॥ आपीतेठेनरनीवाततोक हिस्केहीहोराजि ॥ अलंढजलतसआपीउ ॥ अजनकीधुबिऊरगंनीरापीदेही

मुर्गानोपरीणामरे ॥ ६९ ॥ कु० ॥ मुक्तणीतसचेतना ॥ त
कु० ॥ घरणविचारेएहवु ॥ जिवलोकदूखदायरे ॥ ७० ॥ कु० ॥
पुज्ञतेहने ॥ सज्ञकरेकोयएनारिरे ॥ कु० ॥ अगेतसकरफेरवे ॥
आंसुधारेरे ॥ ७१ ॥ कु० ॥ चेतनावलीतवश्मकहे ॥
कु० ॥ जललावुधीरीयजे ॥ रहेजेश्णहिजग्गररे ॥ ७२ ॥ कु० ॥
रिचढिजोईज ॥ पणिनवीजलकांहिलरुरे ॥ कु० ॥
लेश्नसातिणेंविरुरे ॥ ७३ ॥ कु० ॥ तुवरीवनसपतीरसें ॥ किपु[illegible]
रे ॥ कु० ॥ निजसायलनुमांसजे ॥ वनदवेंपचव्युजामरे ॥
नारीमाटेएसवीकस्यु ॥ नारीवीनानजीवायरे ॥ कु० ॥
आव्योनारीनेंगयरे ॥ ७५ ॥ कु० ॥ पाणीपीउंएलावीउं ॥
रुरे ॥ कु० ॥ आज्ञकमांसएलावीउं ॥ श्णिपरेंकुअरेंकीधरे ॥ ७६
आहारकस्योतिणीश्हवइ ॥ कांयककालगमायरे ॥ कु० ॥ दिनकरनामुंख
नथी ॥ उत्तरसनमुखथायरे ॥ ७७ ॥ कु० ॥ पोहताएकसरोवरें ॥
गतथायरे ॥ कु० ॥ नवीपेगंतिणेंनयरमा ॥ जल्वेउलमांगयरे ॥ [illegible]
पहोररातिगईतवश्मकहे ॥ लघ्नअलग्रीअवतारारे ॥ कु० ॥ आप
घणा ॥ तवयोल्योतेकुमाररे ॥ ७९ ॥ कु० ॥ आणउवूकनवीपकी ॥
सूखसायरे ॥ कु० ॥ घटलेईपाणीलावीउं ॥ लषमीनेंतेपायरे ॥ ८० ॥ कु० ॥
सूतांघरणलगीहर्षे ॥ रातिपरमएकजामरे ॥ कु० ॥ लग्रीजागी
वेमनमांआमरे ॥ ८१ ॥ कु० ॥ एहअवस्थापामीउं ॥
कु० ॥ एहथीअधीकलहेआपदा ॥ तोहोयअतीमजुलरे ॥ ८२ ॥ कु० ॥
ग्रिगरवमर्मा ॥ पन्नविजयकहीकालरे ॥ कु० ॥ डरजनसजनपटतरो ॥ [illegible]
सवीसूषीसालरे ॥ ८३ ॥ कु० ॥ डहा ॥ श्णअवसरतिहांआवीउं ॥ [illegible]
कथोर ॥ रयणसांमलेईरयणीश ॥ किपुकर्मकगोर ॥ ८४
नासीनसक्योनेम ॥ देहरामांहिदमकमी ॥ पेगोजीवनप्रेम ॥ ८५ ॥
वारणां ॥ आरक्कनरआय ॥ बश्गवोसेवरयें ॥ [illegible] ॥

सासेंहोराजि ॥ श्रीसमरादित्यनारासमा ॥ सांसलज्योहवेआगेंमगलमाला भास्येहोराजि ॥ १२ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ड्हा॥ आवीकीमएआपदा ॥ मोरीउंकहेमहाराज ॥ पूर्गेदैवनेंसांप्रतें ॥ कहे वानुनहीकाज ॥ १३ ॥ मनमांचितेमोरीउं ॥ नहिबोलेएनाथ ॥ कचपचनु कामजनही ॥ हमणांबाजीहाथि ॥ १४ ॥ पाणकहेमणमीकरी ॥ निश्चयइ हांथीनास ॥ कालक्षेपकरतायका ॥ पमीइकोइकपास ॥ १५ ॥ घरणकहेधी रजघरी ॥ मुफनेंसूखेथीमारि ॥ आणिकरोअवनीपती ॥ दिलमांउखनधा रि ॥ १६ ॥ पणितूफकर्षेप्रांणमुफ ॥ नहिराखुनीरधार ॥ मोरीउंकहेमुफभाण नी ॥ बातनकांयविचार ॥ १७ ॥ सातपेढिनोमूसरो ॥ अमचोअवनीपाल ॥ शतअवगुणअमघासहे ॥ कोपेंनहीकोईकाल ॥ १८ ॥ नवीजाइजेनाथीनें ॥ मरवुतोमुफनेंम ॥ सह्ननस्नेहईस्याहोइ ॥ जलपयमिलीआंजेम ॥ १९ ॥
॥ यत ॥ क्षीरेणात्मगतेदकायसुगुणादत्तापुरातेखिला॥क्षीरेतापमवेक्ष्यतेनप यसात्माकृशानौकृत ॥गतुपावकमुन्मनस्तदलवदृष्ट्वाचमित्रापद ॥ युक्तेतेन जलेनशाम्यतिसतांमैत्रीपुनस्त्वीदृशी॥१ ॥ ड्हा ॥ इमविचारीआलस्यूं ॥ घर णकहेसुणिधीर ॥ तूमवयणेंजाउतुरत ॥ पाणकहेगईपीर ॥ २० ॥ पथवेपा मयोपाघरो ॥ शणमीघरणनापाय ॥ पागेवलीउंप्रेमस्यू ॥ जलविघरणोजाय॥ ॥२१॥ ढाल ॥ सोनानेकेरूमारुबेमलू ॥ मारूजीवाविपोदावि ॥ एदेशी ॥ जा तांईणिपरिचितवें ॥ किहांगईमाहरीनारि ॥ लघुनीतीकरवाकामउठिनज गामीउ ॥ मुफरागेरेतिणीवार ॥२२ ॥ मुसीकोईकतस्करें ॥ लेईगयानीरधार॥ बोलीनहीमुफघातविचारीचित्तमां ॥ रागघणोरेमुफनारी ॥ २३ ॥ नवीदेषु जोनारीने ॥ तोमुफअफलसंसार ॥ इमचिंतवतोतेहजोवालागोहवे ॥ रेमतो आंसूरेधार॥ २४ ॥ रीजुबालिकामान्हाईउ ॥ इणअवसरतेहचोर ॥ रिजु बालीकाश्आवीविचोरइणिपरि ॥ नारीएकर्मकठोर ॥ २५ ॥ तुरतगम्यो नीजघवप्रतें ॥ महाआपदमानापि ॥ निजकुलनकरयोविचारआविमुफ सांमति ॥ नमीउंलपतिरेसाथि ॥२६॥ एहनीसंगिफरही॥जिवुकेतोकाल ॥ डर

होराजि ॥ ९९ ॥ रतनकरमकमुकीउं ॥ धरणमीयासेंमेरूजी
उहोराजि ॥ विहाणेंधरणतेउठीउं ॥ कोटवालेतबिगेरय
जि ॥ १०० ॥ देवकुलमांहिथीकाढिउं ॥ बांधीकीधो
होराजि ॥ अथवाविधीप्रतीकुलथी ॥ अमततेविषहोयमो
जि ॥ १ ॥ रजुकुष्णसरपहोय ॥ परमा
होराज ॥ भुषकविवररसातल ॥ होयप्रकाश
होराजि ॥ २ ॥ रवतीकोहमदवमाण ॥ आर्यवमायाथायतो
राजि ॥ सत्यतेअलीकसमोवमे ॥ वाधिणसरिषीमारिका
राजि ॥ ३ ॥ अथवाएहथीनटीइ ॥ पणिएपिमाकरता
सालेहोराजि ॥ नवीदिसेलगीकिहा ॥ सीगतीहोस्येएहनी
लेंहोराजि ॥ ४ ॥ अथवाकुएयथु ॥ एपणिआपवलहेतीजो
होराजि ॥ अनुक्रमेंरायकुलेंलावीआ ॥ अवसरेंमृपनें
सूजगहोराजि ॥ ५ ॥ मायाविवाणीगवेसें ॥ चोरथापनमीसा
करीइंहोराजी ॥ सूपोएचमालनें ॥ कहेज्योनृपनी
इहोराजि ॥ ६ ॥ तिमजकस्युतितखरे ॥ कहेमहत्तर
रोहोराजि ॥ कहेचमालमोरीआतणो ॥ महत्तरेंतवते
मारोहोराजि ॥ ७ ॥ पहोरदिवसरसोपाढिलो ॥ जोएहनें
जाणकिवारेंहोराजि ॥ नृपनीआणिकूरपणी ॥ लेईजा
माम्यूत्यारेहोराजि ॥ ८ ॥ मोरीउलेईचाल्योतिहां ॥ मुक
वाहसूतएहहोराजि ॥ उलल्योतेहनेंस्त्रीपरें ॥ अहोअहोकर्म
स्याकेहहोराजि ॥ ९ ॥ तिहांजईवधनगोमीआं ॥ धरणेंखामी
उखघोस्वामीहोराजि ॥ धरणकहेनवीसांसरें, ॥ नवधुरचीसवी
फलसोषामीहोराजि ॥ १० ॥ क्रव्यदेईनृपनें ॥ विणअपराधी
रव्योसखीसतिहोराजि ॥ धरणकहेएकेतलू ॥ मोरीउंवो
तेंहोराजि ॥ ११ ॥ उगेसमिसातमी ॥ चववीजय

जेएकांत ॥ ४१ ॥ कामग्रयुनहिपणिदेवी ॥ बलितेंदेवीनेंकाज ॥ तेहप्रति
श्राकिधतेकरस्यूतवपठें ॥ माम्योतेहनोरेसाज ॥ ४२ ॥ उठेरखमेंश्रागमी
पद्मबीजयकहीढाल ॥ सद्भनकृतगुणजाण होश्जुउएहवा ॥ होस्येरेमग
समाल ॥ ४३ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ दुहा ॥ पुरुषवलीनेंपाठव्या ॥ कादंबरीनीकीध ॥ पुजाविविधप्रकारनी ॥
श्राडंबरथीश्ध ॥ ४४ ॥ स्नानकरयुसरीतातटें ॥ वलकलपहेरयांवास ॥ कण
वीरमालकरीसीरें ॥ पयविरचावेषास ॥ ४५ ॥ धमीकादेहरेतेषट्यो ॥ ध
रतोधरणनुध्यान ॥ इणिअवसरितेअटवीइ ॥ जातोधरणसूजाण ॥ ४६ ॥
सबरेंदीठसूरोदइ ॥ लछिधरणनेंव्हारि ॥ बांधीसबरेंतेषिक ॥ श्राण्यातेहउदा
र ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ दक्षिणदोहिलोहोराजि ॥ एदेशी ॥ श्रावश्जेतेहोराजि ॥
देषेतेतेहोराजि ॥ तेहनेंखेतेरे ॥ रक्तेंरुधीरत्रिशूलकरयां ॥ समीश्रापमीश्राहो
राजि ॥ रक्तेंधमीश्राहोराजि ॥ उदेहीजमीआरे ॥ शिषरमासर्पजुगलध
रयां ॥ ४८ ॥ जिववधथायहोराजि ॥ रुधीरसीचायहोराजि ॥ नृपतीपा
यरोपहसूतजक्षरापसघणा ॥ श्रापोजायहोराजि ॥ देषेतिहांयहोराजि॥ स
बसमुदायरेंकोटवणायोनहीमणा ॥ ४९ ॥ मस्तकमालाहोराजि ॥ धमविक
रालाहोराजि ॥ तोरणश्रालारेकीधीतिहांबीहामणी ॥ गजधरदनाहोराजि ॥
दिसेमहनाहोराजि ॥ महासयदितारे ॥ हामचामडरगधघणो॥ ५० ॥ सबर
जुवानहोराजि ॥ रसातिर्णेयानहोराजि ॥ खड्गलेईपाणिरे ॥ सिलमीरोवेइखध
री॥नरनेंकपालेंहोराजि ॥ दिपेविश्रालहोराजि ॥ तिहाततकालरे॥मगजदिप
श्रेणीकरी ॥ ५१ ॥ श्वामरलटकेहोराजि ॥ पुंछेंझटकेहोराजि ॥ किधासट
केरेगजमुक्ताफलसाथीश्रा॥गुगलगधहोराजि॥होयसबधहोराजि॥मदवरगध
रेविनोफिरताहाथीश्रा ॥ ५२ ॥ खड्गकोदमहोराजि॥ करधरयोपटहोराजि ॥
पुढमहीपरखमरे ॥ श्रोसेकात्यायनीकरे ॥ देखवीचारेहोराजि ॥ धरणनिवारें
होराजि ॥ सीहनीवारेरे ॥ वलीउंकोईकतत्परें ॥ ५३ ॥ पणिपुन्यपापहोरा
जि ॥ जेऊईगपहोराजि ॥ तससतापरे ॥ टालिशकिश्रकिणीपरें ॥ इणिपरें

गतीव्रारएनारीअनर्यनीवाणिठे ॥ सापएसमवीकरास ॥ [illegible]
पलानीपरें ॥ मुरिवमीठीअसराल ॥ एहनावरीअनोपारम्महीईसमीठे ॥ [illegible]
तीमवोलेरेआल ॥ २८॥ यत ॥ सवईउ ॥ जिनुमेंहसतीजिनुमेंस्वामी [illegible]
नकषोलकटुकसहे ॥ जिनुमेंअतिरगविरगजिनु ॥ जिनुमेंदगमीरसस्वामी [illegible]
जिनुमेंकटुवातसहेअपनी ॥ जिनुमेमधुरोपणिनांहीसहे ॥ कवीकथ[illegible]
दिसविनात्रियकीकरनीकहोकोनलहे ॥ १ ॥ पूर्वढाव ॥ तिर्हेएम[illegible]
सस्यु ॥ जिणीवातेंजाइमांण ॥ अगआसूपएलेईगयोतस[illegible] ॥ [illegible]
विचारीरेजाए ॥ २९ ॥ लठीविचारेएहसु ॥ रुमीथईएहवात ॥ घरस्मुर्ख
मुकजाउअन्यरयलें ॥ रहेस्यूरेहवेसुखथात ॥ १० ॥ कांग[illegible]
हवें ॥ दिठीघरणकूमार ॥ रोमरायउल्लासकरीनेंपुछतो ॥ किमरेमिमीमुझ ॥
॥ ३१ ॥ तवरोवालागीघणं ॥ घरणकहेएससार ॥ आपवसा[illegible]
ईइशणिपरि ॥ आपदगईइणवार ॥ ३२ ॥ तुमभिलोउत्कंधम्यथयो ॥ [illegible]
तेहधाम ॥ पकमीतसकरेंमुज्झउठीलघुनीती ॥ करवाकेरेरेकाम ॥ [illegible]
सिलसंगकरवातिणें ॥ किधाघणारेमकार ॥ म्हेंनवीमाग्यूतेहमयेमुज्झ
सीनें ॥ बलथीकिमरेलेनारि ॥ ३४ ॥ चोरकदर्थनाथीमुनें ॥ उपनुदुःख[illegible]
र ॥ जेतुम्हविगइमअवस्थादूखकरी ॥ सुणिचितेरेकूमार ॥ ३५ ॥ [illegible]
चितांचितव्युतिमथयु ॥ कहेनारीनेरेइम ॥ फिकरनकरीइकांयथाओ[illegible]
वलठी ॥ चितेरेथईगयुकेम ॥ ३६ ॥ आव्योकुतांतनामुखथकी ॥ पाप[illegible]
रणतीएह ॥ गयांथिथारपुरगामसूरजतवआयम्यो ॥ रयणिरेगईपछि[illegible]
॥ ३७ ॥ नविरहेवुईणथानिकें ॥ जईइर्वतपुरगाम ॥ तिहांमुकमाअमेहसुं
तूकनेंपञेकरस्यूरेकांयककाम ॥ ३८ ॥ माम्यूलगिश्तवजवा ॥ माम्युक[illegible]
दोय ॥ इणअवथरहवेवातपल्लिपतीनीसूणो ॥ जोज्योरेकिणीपरेंहोय
॥ ३९ ॥ सारथवाहसूतनथीजमयो ॥ चितउपनेरेसंताप ॥ निजनरनेंतेह[illegible]
मसलाथीसलीपरें ॥ इणिपरेंकरेरेआलाप ॥ ४० ॥ एहनामाबापनेंतुम्हे
पोहचावस्योघरिपांति ॥ हवरपितेईमचित्तकावरीदेवीतेह ॥ माम्युनें

जेएकांत ॥ ४१ ॥ कामधयुनहिपणिदेवी ॥ बलितेदेवीनेंकाज ॥ तेहभति धाकिघतेकरस्यूतवर्पठे ॥ मान्योतेहनोरेसाज ॥ ४२ ॥ ढठेखमेआठमी पथमबीजयकेंहीढाल ॥ संद्धनकुतगुणजाए - होश्जुउएहथा ॥ होस्येरेमग समाल ॥ ४३ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ दुहा ॥ पुरुषबलीनेंपाठव्या ॥ कादबरीनीकीध ॥ पुजाविविधप्रकारनी ॥ आडंबरथीइध ॥ ४४ ॥ स्नानकरघुसरीतातटें ॥ वलकलपहेरर्यावास ॥ कणवीरमालकरीसीरें ॥ धयविरचावेपास ॥ ४५ ॥ धमीकादेहरेतेषट्यो ॥ धरतोघरणनुध्यांन ॥ इणिअवसरितेअटवीइ ॥ जातोघरणसूजाण ॥ ४६ ॥ सबरेंदीठसूरोदई ॥ लगिघरणनेंव्हारि ॥ बांधीसबरेंतेबिढ ॥ आण्यातेहउबार ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ दक्षिणदोहिलोहोराजि ॥ एदेशी ॥ आवइजेतेहोराजि ॥ देषेतेतेहोराजि ॥ तेहनेंखेतेरे ॥ दर्केरुधीरत्रिशूलकरर्यां ॥ समीआपमीआहो राजि ॥ दर्केघमीआहोराजि ॥ उदेहीजमीआरे ॥ त्रिपरमासर्पजुगलघर्यां ॥ ४८ ॥ जिववधथायहोराजि ॥ रुघीरसीचायहोराजि ॥ नृपतीपायेगपहस्तुतजक्करापसघणा ॥ आघोजायहोराजि ॥ देषेतिहांयहोराजि॥ सबसमुदायरेकोटवणायोनहीमर्णा ॥ ४९ ॥ मस्तकमालाहोराजि ॥ घमविकरालाहोराजि ॥ तोरणआलरेकीधीतिहांबीहामणी ॥ गजघरदंनाहोराजि ॥ दिसेमहताहोराजि ॥ महासयदितारे ॥ हामचामडुरगघघणो॥ ५० ॥ सबरजुवानहोराजि ॥ रसातिर्णेयानहोराजि ॥ खड्गलेईपाणिरे ॥ सिलमीरोवेडुरवधरी॥नरनेंकपालेंहोराजि ॥ दिपेविन्यालहोराजि ॥ तिहातलकालरे ॥ मगलदिपश्रेणीकरी ॥ ५१ ॥ चामरखटकेहोराजि ॥ पुठमेंऊटकेहोराजि ॥ किघासटकेरेगजमुक्ताफलसाथीआ॥गुगलगघहोराजि॥होयसबघहोराजि॥मदवरगघरेदिचोफिरताहाथीआ ॥ ५२ ॥ खड्गकोदमहोराजि॥ करघरचोघटहोराजि ॥ पुठमहीपरखमरे ॥ ओसेकात्यायनीकरे ॥ देखीवीचारेहोराजि ॥ घरणतिवारेंहोराजि ॥ सीहनीवारेरे ॥ वलीउंकोईकतत्परें ॥ ५३ ॥ पणिपुन्यपापहोराजि ॥ जेऊईगापहोराजि ॥ तससतापरे ॥ टालिआकिइंकिणीपरें ॥ इणिपरें

करतांहोराजि ॥ आईनेंपरताहोराजि ॥ जिहांमरकतारे ॥
परे ॥ ५३ ॥ पाइसागीहोराजि ॥ कामग्रेमतागीहोराजि ॥
ग्रावीगरगरउपरे ॥ मेसम्योनमुक्नेंहोराजि ॥
श्मबुकीनेंरे ॥ जगमांतरेहबेंमतकरे ॥ ५४ ॥ मेंडसादिसुंहोराजि
होराजि ॥ नेडलसीपुरे ॥ जाणेंतूहीकात्यायनी ॥ चितिचमहोराजि
कुरंगहोराजि ॥ बोलावेंसगरे ॥ जाबोबजिगुसापनी
जि ॥ कासिदगमेंहोराजि ॥ काम्योतामेरे ॥ चकमीकेम्रवाकामना
धुजेहोराजि ॥ कांयनमुक्रेहोराजि ॥ रतांजणीपुमेरे ॥
सएणा ॥ ५५ ॥ लोकएजोयहोराजि ॥ मनमांजेहोयहोराजि ॥
यरे ॥ जिबितविणतूकदिजीइ ॥ सयणीतेहहोराजि ॥
फिरीनेंएहरेबोलाम्योनविबोलीजीइ ॥ ५८ ॥ पशिनाहहोराज ॥
जि ॥ मननोलाहरे ॥ पुरयाविणकिममारीइ ॥ चितेपरणेहोराजि ॥
णेहोराजि ॥ उपगारकरणेरे ॥ कूणइकमाग्रउगारीइ ॥ ५९ ॥
राजि ॥ बोलाम्योरगहोराजि ॥ जईनेंत्यगरे ॥ तुम्हस्वामीमेंबीमबो
ममारोहोराजि ॥ सयणीसारोहोराजि
॥ ६० ॥ परदूरवनजरेंहोराजि ॥ देपीसूपरेंहोराजि ॥ स्वमीग्रकिणिपरेरे
सपीमुक्नें ॥ पशिपतिनयणहोराजि ॥ जलसरीबयणहोराज ॥
णएहमुकहेगुक्ने ॥ ६१ ॥ मुगनमीउहोराजि ॥
जमीउरे ॥ तवग्रणिपरेंबोलावतो ॥ जुउतिहांजाईहोराजि ॥
जि ॥ कूणएसाइरिसडवाइसतपरेंमालतो ॥ ६२ ॥ जुउतेगोरहोराजि ॥
किम्रोरहोराज ॥ कोईनउररेतेइजनरएश्मकहे ॥ पोतेनीरपेहोराजी ॥
पेहोराजी ॥ गेमेपरपीरेबधनतेहनांगहगहे ॥ ६३
परणहोराजी ॥ ताहरूग्ररणरे ॥ स्वमिग्रपराधतूंमाहरो
ग्रपराधग्रावेंहोराजि ॥ एकसरापेंरदोषनहिंतेमाहरो ॥ ६४ ॥
ग्रपराधगमहोराजि ॥ पशिपतीतामरे ॥ कहेस्यूकामकस्युग्रमें

स्योहोराजि॥मुझवचधारयोहोराजि॥कामसुधारयोरे॥मुझमनोरथपुरतांतमे॥
॥६५॥ पछिपतीचिंतेहोराजि॥उंलषेनततेहोराजि॥संयनीआंतेरेबोलेछेएमणिप
रें॥पुछेतासहोराजि॥सापितुत्तासहोराजि॥मरणअभ्यासरेस्याडुखथीतूआवरे
॥६६॥ कहेकुमारहोराजि॥ वातविस्तारहोराजि॥ स्योअधीकाररे॥ कामक
रोतुम्हेनिजतणा॥ कालसेनजाणिहोराजि॥ करेउलषाणहोराजि॥ कृतगुण
हाणिरेकरनारोंझुंअतीघणा॥ ६७॥ तुम्हेजिवाड्योहोराजि॥ तुझविण
साड्योहोराजि॥ डुखथीकाढ्योरेनागवालपरेंमुझनें॥ झुंमहापापीहोराजि॥
तुझसंतापीहोराजि॥ इमविलापीरेकृतघ्नथयोतुझनें॥६८॥ कुंअरजा
णीहोराजिलाजतेआणीहोराजि॥ कहेमुपवाणीरे॥ जिण्यानीजपुर्न्येंकरी॥
छेरेयालहोराज॥ खमेंविशालहोराजि॥ नवमीढालरेपभ्मविजयपुरीकरी॥
॥ ६९ ॥ दुहा॥ कृतघ्नकिमतुझनेंकडुं॥ सज्जनमासीरदार॥ अहा
नेंकरीमणिपरिं॥ पश्चात्तापप्रकार॥ ७०॥ पणितेस्यूआरसीउ॥ एहकहोअ
ववात॥ पछिपतीतवकहेपछे॥ पारुधुरथीवात॥ ७१॥ सारथवाहसुतसांभ
ली॥ अहोथीरस्नेहअपार॥ कृतज्ञताकझकेतली॥ वर्णवइवारवार॥ ७२॥
पणिसांसलोपछिपती॥ देशतूऊउपदेश॥ पूजोदेवगुरुप्रतें॥ बलिपुष्पादिक
वेश॥७३॥ ढाल॥ वेवेमुनीवरविहरणपांगर्याजी॥ एदेशी॥ धर्मनहोइ
जीवहणयापकीजी॥ जलथकीअनलनहोयरे॥ गायनाश्टंगथीदूधनससवे
जी॥ विषथकीअमृतकिमजोयरे॥ ७४॥ धर्म॥ यत॥ सकमलवनमभ्रे
वासरंभास्यदस्ताद॥मृतमुरगवक्रात्साधुवादविवादात्॥ रुगपगममजीर्णात्
जिवितकालकूटात्॥ असिलखतिवधात्य प्राणिनांधर्ममिछेत्॥ १॥ पूर्व
ढाल॥ नरगेंतेपोहचेजिवहिंसायकीजी॥ तिणेएपापथकीरहोडुरे॥ महिष
नेमेषप्रमुखहणतायकाजी॥ पार्पेपिमतेहोवेपुररे॥ ७५॥ धर्म०॥ कहेका
लसेननकरस्यूएहवुजी॥ अन्नमलस्येंअमनेंजामरे॥ तोअमेअन्नविनाले
स्यूनहीजी॥ इणअटवीमेंआव्याकेरुनामरे॥७६॥ धर्म०॥ जिवनीहिंसाजी
वुतिहांलगेंजी॥ नहिकरुतूमकेरेउपगाररे॥ फूलबलीगधचदनस्यूदेवताजी॥

पुजीनेंकीधोअनीसतकाररे ॥ ७७ ॥ धर्म० ॥
निजपरिकीधोउचितआहाररे ॥ सोजनकीधांमनमेंसाचताजी ॥
जेद्रम्यअपाररे ॥७८॥धर्म०॥ तेसघीलावी
फलमीकाररे ॥ गजमरदतनेंचामरआपीआजी ॥
रे॥७९॥धर्म०॥ बरिनेंकांमकरेउविसीअ
आणिलहीनेंनिजनगरेगयाजी ॥ जाणेंमावीग्रनेंबलीमहाजम्मरे
हर्षधरीनेंसाहमाआबीआंजी ॥ सांमनामुलनीसरव्याकिमरे ॥
नीसरव्यामईजी ॥ मननामनोरथसघलासीद्धरे ॥ ८१ ॥ धर्म० ॥
रूपरवपर्ल्लेआवीउंजी ॥ साहमाजईजोयुतेहनुसमरे॥
पनुजी ॥ मनमातेरवेदलसोपरचमरे ॥ ८२ ॥ धर्म० ॥ सा।
लगुजी ॥ ञेपधनेंकरेदाननेपुन्यरे ॥ मदनतेरसीआवीइएअवधारिजी ॥
वीमहाततेम्याइपुन्नरे ॥८३॥धर्म०॥ कहेरथतुमथोकाळोआगर्लेजी ॥
कहेएकीनाबालरे ॥ कुणकरेतेसुणीपरससीउंजी॥
रे ॥ ८४ ॥ धर्म० ॥ कोमीसघातेमाइपरचिआजी ॥
रेर ॥ चितेमनमांत्रणिवर्गसाध्यावीनाजी ॥ जाइअफलअवतारेरे ॥ ८५ ॥
धर्म० ॥ तेहमांपणिगहीनेंअर्थतेमुरव्यछेजी॥जेहथीसधाइधर्मनेंकांमरे ॥
पवऊमानसोसाग्यतेअर्थछेजी ॥ द्रम्येंहोइसघीपरनुकांमरे ॥ ८६ ॥ धर्म०
यत ॥ ययोस्थास्तपोरस्था ॥ येपथ्स्था बऊश्रुता ॥ सर्वेतेधनवस्य ॥
तिष्टतिकिंकरा ॥ १ ॥ बुसुक्षितैर्म्याकरणनसुज्यते ॥ पिपा
नपीयते ॥ नछंदशाकेनषिडषृतकुल ॥ हिरण्यमेवार्जयनिष्फलाकला ॥ १
॥ पूर्वढाल ॥ तेपणितातनीमातपरेंनहीजी ॥ गुरुनेंसोगबधीकिणहीरीतिरे
मातपीतानीआणाधीहवेजी ॥ चाल्योबऊसाथलेईगुसमितरे ॥
लथमीपणिसाथिलेईनेंआथिउंजी ॥ सायरकांठेंनगरीनामेरे
रपतीनेंमल्योजी ॥ विधुबऊमाननेंआप्युगांमरे ॥ ८८ ॥ धर्म० ॥
विघनयर्योचितवेंजी ॥ आउंपरतिरेंपामुरीधीरे ॥ ज्याणकरीनेंकरिवाकं

सर्यांजी ॥ लगनमुहूर्त्तजोईपरसीद्धरे ॥ ८ए ॥ धर्म० ॥ सायरकांठेंआवीपूजीउजी ॥ दिधांवद्धअरथीजननेंदानरे ॥ देवगुरुप्रणमीवेगाव्याजमांजी ॥ उपाव्यांनागरजलअसमांनरे ॥ ए० ॥ धर्म० ॥ पुर्ख्यातेसिढनेंवाहणचालीआजी ॥ छठेतेरखमेंदशमीढालरे ॥ पद्मविजयकहेचिनद्वीपेंजवाजी ॥ धरणेजीचित्तमाअतीउजमालरे ॥ ए१ ॥ धर्म० ॥ ॥ ५ ॥ ५ ॥

॥ दुहा ॥ वाहणतीरवेगेंवहे ॥ केईकदिनअतिक्रांत ॥ मध्याह्नेमारुतघणे ॥ इकदिनअतिउद्भ्रांत ॥ ए२ ॥ गाजेसायरगजपरें ॥ संकल्यासहुताम ॥ जिवितनीआशाजथा ॥ नागरमुक्यानाम ॥ ए३ ॥ अथमातूतेअनुक्रमें ॥ वाहणसागुवेग ॥ आउसवधइअनुक्रमें ॥ आव्युफलगतेएग ॥ ए४ ॥ तिणेंकरीएकअहोरातिमां ॥ पोहतोसोवनदिव ॥ मनचिंतेमुज्कमानिनी ॥ दुखदिदुहादेव ॥ए५॥ परिजनपणपरहोगयो ॥ करीविलापतिणेंकाल ॥ कदलीफलकेरोकरे ॥ रुमोआहाररसाल ॥ ए६ ॥ ढाल ॥ प्रणमीसद्गुरुपाय ॥ गायस्युराजिमतीसतिजी ॥एदेशी॥ सूरजआथम्योजाम ॥ पल्लवसाथरोपाथरीजी ॥ ताढिउभावणकाजि ॥ अरणीथीअगनीपेदाकरीजी ॥ए ७॥ प्रणमीश्रीगुरुनेंदेव॥ सुतोनेंप्रातसमयथयोजी ॥ जाग्योजामप्रभात ॥ सूरयरायजवजगजयोजी ॥ ए८॥ अगनीफरसीतभूमि ॥ दिठिकनकमयीथईजी॥ देपिचिंतेइम ॥ धातुपेत्रएहुसमईजी ॥ एए॥ किधीईट्योताम ॥ धरणनामअकितकरीजी ॥ किधासपुटथाई॥ कनककरयुअग्नीमांधरीजी ॥ २०० ॥ करयांदससहससपुट॥ सिन्नपोतध्वजबांधीउजी ॥ चिनथकीएकजीहाज ॥ पुन्येंलावीसांधीउजी ॥ १ ॥ सूवचनसारथवाहातांमअसागतिहांसरयाजी ॥ कोईकद्वीपथीपांमि ॥ लछीस्यूंदेवपुरेंसचरयांजी ॥ २ ॥ आव्याजवतिणेंगाम ॥ सिन्नपोतध्वजनीरपीउजी॥ मुक्यानागरताम ॥ मुक्यानिजांमकहरपीउजी ॥ ३ ॥ दीठाधरणकूमार ॥ वातसूणीवेतेहनेंजी ॥ सूवचनसारथवाह ॥ नामेंदयावळूएहनेंजी ॥ ४ ॥ चिनद्वीपजसवास ॥ देवपुरजावामनकरेजी ॥ तूम्हकहेवरावेश्म ॥ आवोतोव्याजमाहिंघरेजी ॥ ५ ॥ वोल्यातामकूमार ॥ सामस

एणरमूएहमोजी ॥ निर्जामककहेतांम ॥ प्रम्पशकतीमहीनेंहमाजी
मिपीवसॅमयोनिरप्रम्प ॥ पणिम्पवसायनउमीउंजी ॥ ता
रणकहेतयमनीउंजी ॥ ७ ॥ एकनीईगजोहोय ॥ एतमीसूनी
तेमीलाम्पोतेह ॥ परणकहेकोपस्योनहीजी ॥ ८ ॥ कां
पुरूतुम्हनेंशणिपरॅजी ॥ जयाजमांकेतलोप्रम्प ॥ सानोमुरुमें
तवतेबोल्पासाय ॥ कर्मनीबातमाहरीसुणोजी ॥ प्रम्पनयोमुरु
यमकरूदूगगुणोजी ॥ १० ॥ सोवनटकहजार ॥ लेईनें
परणकहेसुणोवात ॥ 'तुम्हनेंसलेपावीउंजी ॥११ ॥ कामी
सोबनमीवाहणलरोजी ॥ पोहचीरयुजबतिर ॥ लावप्रम्पवेस्युपरोजी
कहेसुखयनतबसेठ ॥ सारकिस्योसोबनतणोजी ॥ तूंबरूमांनजेमुरु ॥
लकरूजेमुखिसणोजी ॥ १२ ॥ काठिनांम्युसांम ॥ वाहणकनकनो
जी ॥ बेगेवाहणजाम ॥ तयलठीदरसणकरयुजी ॥ १३ ॥ हरप्पो
रि ॥ दूसाणीलपमीघणीजी ॥ एठेमाहरीनारी ॥ परणकहेसुखयनसपी
॥ १४ ॥ आणयोतवसेठ ॥ वाहणचालेअनुक्रमेंजी ॥ पवनो
म ॥ एकअचरीजहोयतिणसमेजी ॥ १५ ॥ सुवर्णद्वीपनीस्वामि ॥ सुवर्ण
नामावाणमतरीजी ॥ कपावेतेसमुद्र ॥ मानुअकालनीबीजरीजी ॥
रेरेसारयवाह ॥ कांयउपचारकरयोनहीजी ॥ मुरुआणाविणएह ॥
लेईजाईसकहीजी ॥ १८ ॥ घरीउतेणीईजिहाज ॥ निर्जामकनेंईबकहे
बलियोपुरुषनीमुरु ॥ तेविणप्रम्पएकुणलहेजी ॥ १९ ॥
घरणवीयारेप्रमसुणीजी ॥ नांयोदेवाम्योप्रम्प ॥ लषमीमुरुआपीमुणी
॥ २० ॥ उपगारीमुरुएह ॥ देवितोईशिपरॅसणॅजी ॥ बलिया
णआअवसरकुणमणॅजी ॥ २१ ॥ देविनेंकहेवाणि ॥ एहअजाण
जी ॥ प्रसन्नयईस्योमुरु ॥ बलितुमेकायनयीमयुजी ॥ ॥ देविबोलेतां
सायरमांरूपादिउंजी ॥ लपमीपितेईम ॥ देविईमुरुअमुंपहकिउंजी ॥
सारयवाहनेंईम ॥ लछिसलावीईमकहेजी ॥ सुपज्योअममायताय ॥

सायरमांवहेजी ॥ २४ ॥ विध्योतामत्रिसल ॥ देवीसोवनद्वीपेंलावतीजी ॥ देवीयस्तपश्चात ॥ वाहणनेनवीवोलावतीजी ॥ २५ ॥ वाहणचाल्यांजाय ॥ हेमकुम्भलश्णञ्चवसरेंजी ॥ रयणद्वीपेंतेंजाय ॥ दिठोनेंउलष्योसलीपरेंजी ॥ ॥ २६ ॥ वेविपरीचीतनास ॥ मागीउपधीश्सजकरयोजी ॥ पुण्यप्रमाणेंताम॥ जिवितत्रेसेंञ्चायुघरयोजी ॥ २७ ॥ यत ॥ वनेरणेशत्रुजलाग्निमध्ये ॥ महा र्णवेपर्वतमस्तकेवा ॥ सुप्तप्रमत्तविषमस्थितवा ॥ रक्षतिपुण्यानिपुराकृतानि॥ ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ ञ्चग्यारमीएढाल ॥ ठगेरवंभेसोहामणीजी ॥ समरादित्यनें रास ॥ पद्मवीजयसावेंसणीजी ॥ २८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ दुहा ॥ हेमकुम्भलउलष्योहवे ॥ पुछेघरणपवित्त ॥ सिरीविजयक्षबघकहो॥ तवकहेंतेहत्वरित ॥ २९ ॥ जिवाम्भयोम्हेंतिहांजई ॥ सूणीधरणसतूष्ट ॥ घर लेईवीद्याधरो ॥ गुणसत्तारीगरीष्ट ॥३०॥ रयणसाररलिञ्चामणो॥ द्विपञ्चती उद्दाम ॥ रतनगीरीञ्चतीरुञ्चमो ॥ नानाविधतरुनाम ॥ ३१ ॥ विद्याधरकि म्भविषे ॥ तत्परतरुणीगीत ॥ सूरसीवासनादसविसें ॥ ञ्चावेपणनहिंश्त ॥ ॥३२॥ सरोवरतिरेंवहुकरु॥ हंसादिकनीहारि॥दक्षश्रेणीवारुपरें॥ शोसेञ्चती श्रीकार ॥३३॥ वाविकाठेंरुणविसम्या ॥ सघहेफलसहकार ॥ वाविमां नाहिवावरे ॥ पुछेवातप्रकार ॥३४॥ ढाल ॥ एछिमीकिहांराथिरे ॥ एदेशी ॥ हेमकुम्भलपुछेधरणानें ॥ किमतुमनेंमलीएह ॥ तवघुरथीमाम्भीतेसघली ॥ वा तकहीहतीजेहरे ॥ ३५ ॥ प्राणीपुन्यतणांफलजोज्यो ॥ दुरजनसज्जनदोयप टंतर ॥ ञ्चणमेरुसमहोज्योरे ॥ प्राणी ॥ ञ्चहो.२ दृष्टताव्यतरीकेरी ॥ किधुं मोहदुञ्चकाज ॥ हवेतूम्हेकहोतेकरीश्तसकहे ॥ किधुसघलुकाजरे ॥ ३६ ॥ ॥ प्रा० ॥ पणिमुक्जायाडरवणीहोस्ये ॥ किजेंतासससजोग ॥ हेमकुम्भलमन मांहिविचारे ॥ रयणतणोकरुसोगरे ॥ ३७ ॥ प्रा० ॥ हेमकुम्भलकहेमेलवु रमणी ॥ पणिएकसांसलोवात ॥ रतनगीरीनामेंश्हांपरवत ॥ सलोचनसूर ख्यातरे ॥ ३८ ॥ प्रा० ॥ किन्नरतेमुझमीत्रवखाण्यो ॥ तेहनेंमिलवुमाहरे ॥ तुम्हनेंदेवपुरेंपठेंमुकीस ॥ मिलस्येनारीतीहारेरे ॥ ३९ ॥ प्रा० ॥ घरणकहे

जिमतूममनजाणे॥नवनेपरणनेंलेई॥नहोतोग्यणगीरीनससोस्य॥ कंजेको केजो॥ ॥ ४१ ॥ तिलकसमानरतनगीरीउपरि॥ रुधिरसघनअतिरिपे॥ मोन तीत्तिभाकाग्नीजोस॥गृगधिमाननेंजीपेरे ॥ ४२ ॥ प्रा०॥ उसोपईनिष्कारण फिपोउधितउपचार ॥ किहांथीआव्यानिण्कुणछे ॥ कहोवलीहेतूमिचारे ॥ ४३ ॥ प्रा० ॥ आगयनीजविद्याधरसापे ॥ ग्यण अपात्रबाप्यो ॥ ए पीतमईनेसांसनीराप्यो ॥ फेर्इकदिनमनसाव्योरे॥ प्रा० ॥ ४३ ॥ रयणसेर्मे धरणनेंलाव्यो ॥ देवपुरनयरनेंवारी ॥ रतनआपीनेंदणिपरेंलावे ॥ सोभ्यो हानिजनारीरे ॥ ४४ ॥ प्रा०॥ हेमकुम्भजनीजयानीकपोहतो ॥ घरणगयउ मांहि ॥ टोपसेरहवंदेपेतेहर्ने ॥ मनमांलहेउग्राहरे ॥ ४५ ॥ प्रा० ॥ आकारअपुरवदिठो ॥ एकाकीकिमएह॥सरनगातापुछिघरिलाव्यो॥ सेमने हवेनेहरे ॥ ४६ ॥ प्रा० ॥ किहांथीआव्यातूम्हेंदणनयरें॥ तवतेकरेंसाव्यो माकदीनिकल्याथीमामी ॥ देवपुरपर्यतदाव्योरे ॥ ४७ ॥ प्रा० ॥ रतनसेर्मे रापवाआप्या ॥ रापज्योगोपवीएह ॥ वाहणनीहवेवातसुणेज्यो ॥ धरण म्यापठीजेहरे ॥ ४८ ॥ प्रा० ॥ आसासनालपमीनेंकरतो॥ सूवचनसार कह ॥ एसआरअशारठेसुदरी ॥ सफनेएहजराहरे ॥ ४९ ॥ प्रा०॥ जिहांसजोग वियोगत्यादिठो ॥ पेदमकरस्योनारी॥ ताहरीआथिगईनहीएहमां ॥ जाएगो गईछेमाहरीरे ॥५०॥प्रा०॥ एलपमीतूलपमीविफनें ॥पोचाफुतूमगेहा॥नवनपर आसूसरीवोली॥लपमीमायागेहरे॥ ५१ ॥ प्रा०॥तुमजिषतामुफनेंसीचिंता॥ एके दिनसेठविचारो॥एहद्रव्यनेंसुदरीसुंदर॥हाथिआवीकुणहारेरे॥ ५२ ॥ प्रा०॥ जे हूतोमरणतपश्वीपांम्यो ॥ एहनुमनमुफसाथें॥ कुणमुररबकरआम्युगंमे॥ चि त्तकरूमुफहाथेंरे ॥ ५३ ॥ प्रा० ॥ हास्यकरतानीजवशकीधी॥ लपटमें धार ॥ घरणीकरीनेंरापीघरमां ॥ घनपणिराप्युंआररे॥ ५४ ॥ प्रा० ॥ के कदिनपोहतूअनुकरमें॥ देवपुरेंतेजिहाज ॥ भेटणंलेईराजानेंमिलिउ ॥ तूठो तेनसराजरे ॥ ५५॥ प्रा०॥ तेहनुवाणमुफ्युनरराय॥ पोहतोजीहाजमफारि ठगेरवर्मेवारमीवालें ॥ पवमकहेअधीकाररे ॥ ५६ ॥ प्रा० ॥ ॥

॥ दूहा ॥ चिनथीआव्युचालतु ॥ जिहाजएसासल्यूजाम ॥ निकल्योधरणतें
नीरखवा॥दोयजणदिठाताम ॥ ५७ ॥ हरप्योहैयमेहेजस्यू ॥ दूलाणातेदोया।
पणिआसनदेस्पुछिउ ॥ पूर्ववृत्तांतपलोय ॥ ५८ ॥ ससलाव्योतिर्णेसामछे ॥
सुवचनचितेसेठ ॥ अहो २ कर्मनीगतीअजव ॥ हैहैदैवथीहेठि ॥ ५९ ॥
केवलकिधअकाजम्हें ॥ समीहितपणिनवीसीद्ध ॥ चितिआपवेंचनथी ॥
कारजसुंदरकीध ॥ ६० ॥ जिवतातूम्हजोईआ ॥ त्योतूम्हसघलीलाठि ॥
कहेधरणतूम्हेसवीकस्यु ॥ पाठिनरापीपाठि ॥ ६१ ॥ मुझनेजायाभेलवी ॥
किधुसघलूंकाम ॥ जायानेंकहेजाईइ ॥ आवोपुरमाआम ॥ ६२ ॥ ढाल ॥
बापम्हलीरेजीस्हलीतूकांनवीवोलेमीठु ॥ एदेशी ॥ सांसलज्योसाईनारीचरीत्र
हकामकरेछेकेहवा ॥ लपमीकहेकालिनयरीमां ॥ आपणजास्यूरहेवारे ॥
॥६३॥सा० ॥ आजतूम्हेपणिश्हांरहेवु ॥ धरणेंमानीवात ॥ स्नानकरावि
नेंदोयचितें ॥ करवोएहनोघातरे ॥ ६४ ॥ सा० ॥ मदिरापाईनें प्राहारकरा
व्यो ॥ आवीजेहवेरयणी ॥ सद्यासूंदरपाथरीसूता॥ धरणतथानीजधरणीरे ॥
॥६५॥ सा० ॥ मुझाणोमदिरानेंजोरें ॥ तेहवेअवसरजाणी ॥ फांसोदिधो
पणितेफसल्यो ॥ लपमीहर्पसराणीरे ॥ ६६ ॥ सा० ॥ मुउजाणीवेहुमिलीनें ॥
सायरकांठेगम्यो ॥ तेथानिकगयांतिहवेश्रीतल ॥ वायरोआववामांम्योरे ॥
॥ ६७ ॥ सा० ॥ चेतनलाधुतवतेंचितें॥स्यूएसुपनुदेपु ॥ इद्रजालअथवामति
विभ्रम ॥ अथवासत्यएपेपुरे ॥ ६८ ॥ सा० ॥ सायरतटदेपीनेंविचारे ॥ नि
श्वयसाचुएह ॥ उठिनेंचितेलछीनु ॥ चरीत्र अहोदूखरेहरे ॥ ६९ ॥ सा० ॥
उनमारगेंएकेंमप्रसर्यो ॥ डखदायकएसोग ॥ मुखिगिठीवलीदिलथीजुठी ॥
महिलाचालतोरोगरे ॥ ७० ॥ सा० ॥ अगनीपवननेंसूजगमहेवाइ ॥ नारीचि
त्तनकलाइ॥दोखनीपाणिकलेसनुकारण ॥ मोहेंजगतछलाईरे ॥ ७१॥सा०॥
॥ यत ॥ अनृतसाहसमाया ॥ मूर्खत्वमतीलोसता ॥ अशौचनिर्दयत्वच ॥
स्त्रीणांदोपास्वसावजा ॥१॥ सवस्यवीजंनरक ॥ द्वारमार्गस्यदिपीका ॥ शु
चांकद कलेर्मूल॥ डखानाखानीरगना॥२॥ जलणेविघेप्पइसूहा॥ पवणेसूय

जिमतूममनजाणे॥नयतेपण्णेंतेशायहोनोग्यणगीरीनससोस्ता॥ वर्द्धीमा केशे॥ ॥ ॥ तिलकसमानरतनगीरीउपरि॥ रुचिरसवनअतिदिपे॥ मेल नीत्तिप्राकारनीगोत्ता॥गगधिमाननेंजीपेरे ॥४ ॥ ॥ उसोपईनिप्रकरदिपे फिपोउथिनउपचार ॥ किहांथीआव्यानेंएकुणछे ॥ कहोबलीहेतूविचारे ॥ ॥ ४८ ॥ प्रा० ॥ आगयनीजविद्याधरतापे ॥ रयणअपावचाव्यो ॥ एक पीतमईनेसांसमीराव्यो ॥ केईकदिनमनसाव्योरे॥ प्रा० ॥ ४२ ॥ रयणपेमें धरणनेंलाव्यो ॥ देवपुरनयरनेंबारी ॥ रतनआपीनेंदरिपरताये ॥ सोपव्यो हानिजनारीरे ॥ ४४ ॥प्रा०॥ हेमकुम्भसनीजयानीकपोहतो ॥ धरणगयप्र मांहि ॥ टोपसेठहवंदपेतेहनें ॥ मनमांलहेउछाहरे ॥ ४५ ॥ प्रा० ॥ आकारअपुरवदिठो ॥ एकाकीकिमएहा॥सुखगातापुछिघरिलाव्यो॥ सेठकहे हवेतेहरे ॥ ४६ ॥ प्रा० ॥ किहाथीआव्यातूम्हेंशणनयरें॥ तवतेमरणेसम्यो माकदीनिकट्याथीमांमी ॥ देवपुरपर्यतदाव्योरे ॥ ४७ ॥ प्रा० ॥ रतनसेठनें रापवाआव्या ॥ रापज्योगोपवीएह ॥ वाहणनीहवेवातसूणेज्यो ॥ धरणप म्यापठीजेहरे ॥ ४८ ॥ प्रा० ॥ आसासनालपमीनेकरतो॥ सूवचनसारकथा ह ॥ एसच्यारअग्यारठेसूदरी ॥ सङ्गनेंएहजराहरे ॥ ॥ जिहांसजोग वियोगत्यादिठो ॥ पेदमकरस्योनारी॥ ताहरीआथिगईनहीएहमां ॥ आपणवे गईछेमाहरीरे ॥५०॥प्रा०॥ एलपमीतूलपमीविङ्गनें ॥पोचाफ्रतुमगेहा॥नयनयी आंसूसरीघोली॥लपमीमायागेहरे॥ ॥तुमजिवतांमुक्रनेंसीचिंता॥ एक दिनसेठविचारे॥एहद्रव्यनेंसुंदरीसुवर ॥हाथिआवीकुणहारेरे॥ ॥ ने हतोमरणतपश्चीपांम्यो ॥ एहनुमनमुक्रसाथें॥ कुणमुरखकरआव्युगमें॥ चि त्तकरूमुक्रहाथेंरे ॥५२ ॥ प्रा० ॥ हास्यकरतानीजवधकीधी॥ सपठनेंस वार ॥ घरणीकरीनेंराषीघरमां ॥ धनपणिराष्युंद्वाररे ॥ ५३॥प्रा० ॥ केई कदिनपोहतुअनुकरमें॥ देवपुरेतेजिहाज ॥सेटणफलेईराजानेंमिलिउ॥ तुं तेनसराजरे ॥ ५५॥ प्रा०॥ तेहनुदाणमुंमयुनरराई ॥ पोहतोजीह्लाजमझारि ॥ उगेखर्मेंषारमीडाले ॥ पद्मकहेअधीकाररे ॥ ५६॥ प्रा० ॥

॥ उहा ॥ सूवचनउपरिसेठजी ॥ कोप्याजेमकृत्तात ॥ धरणधरीनिजधाम मां ॥ आव्योरायउपाति ॥ ८७ ॥ वातसयलतिहांधिनवी ॥ नरपतीकरवा न्याय ॥ तेमाम्योसूवयणतदा ॥ प्रसमेंआवीपाय ॥ ८८ ॥ पुछेनृपपरगटक हो ॥ सूणीश्रीधीसफार ॥ केमकमाणतवकहे ॥ हरषीहैयामझार ॥ ८९ ॥ आविरीक्किकुलअनुक्रमें ॥ नृपकहेकिहांथीनारि ॥ मातपीताश्मुझनें ॥ परणा वीमझप्यारि ॥ ९० ॥ सनमुखनरपतीसेठनें ॥ जोवेसासलीजाम ॥ सेठक हेंसूणिसाहिबा ॥ असिककहेएआंम ॥ ९१ ॥सुवचनकहेसाचुंकिस्यू ॥ सेठ कहेतवद्यार ॥ कंचननेंएकामिनी ॥ धरणतणिअवधारी ॥ ९२ ॥ साधुएह जसासलें ॥ सांसलीउपनीद्यक ॥ पणिबोलेपरगटपणें ॥ मानुमननिद्यक ॥ ॥ ९३ ॥ ढाल ॥ श्रीनमिजिननीसेवाकरतां ॥ एदेशी ॥ अहोअपुरवतूहीनि मीत्तिउ ॥ कहोईहांमत्ययसासखाचोजी ॥ राजद्वारएठेतवबोले ॥ सेठसा धारणपासवाचोजी ॥ ९४ ॥ अहो० ॥ एहमत्ययजेतेहजजीवे ॥ सु वचनबोलेतामरायाजी ॥ धरणनामकानेंनवीसुणीउ ॥ एतोकहेछेआमसा याजी ॥ ९५ ॥ अहो० ॥ परषोतुम्हेंतवतेनरराइ ॥ धरणतेमाम्योपासते हजी ॥ निजनरमुकिनारितेमावी ॥ आवितिहांउल्लासएहजी ॥ ९६ ॥ ॥ अहो० ॥ श्रावीनसेठनेंउपरोधें ॥ आम्योरायहजुरआमजी ॥ पुछेरनारी एनरनो ॥ दिठेकेनहीनुरतामजी ॥ ९७ ॥ अहो० ॥ नारीकहेकहीइंन वीदीठो ॥ पुछेंधरणनेंरायहेजेंजी ॥एतुमचीघरणीकेनांही॥तवकहेधरणतेठाय तेजेंजी ॥ ९८ ॥ अहो० ॥ जेहएणेंकसुतेसवीसूणीउ ॥ हवेपुण्यानुंकांम स्युछेजी ॥ नृपकहेतेहजमाटेपुछु ॥ वचनकेनारोसामतूछेजी ॥ ९९ ॥ अ हो० ॥ धरणकहेतुमआपहेंसाधु ॥ नारीहतीमुझएहआगेंजी ॥ नृपकहेध रणसणीएसुवचन ॥ उलपेकेनहीकेहमागेजी ॥ १०० ॥ अहो० ॥ धर णकहेनृपएहनेंपुछो ॥ एहकहेतेप्रमाणमाहरेजी ॥ तवसुवयणनेंपुछेसूपती ॥ छेकांईउलपाणताहरेजी ॥ १ ॥ अहो० ॥ सूवचनकहेएकुणनेंऊकुण ॥ रा यकहेएवातरहीजी॥ वाहणमांद्रव्यकिस्योछेदापो ॥ सूवचनकहेनरतातअही

पगोयकेएइनएएं ॥ मदीग्रावपोनपेप्पई ॥ बरूएहिविनयबहसोडि
॥ पूर्वढाल ॥ अपवाग्नवपनसेठनेंनपटे ॥ पएएहनोस्योवोव ॥
वासोनारीरमू ॥ तेकारएएरोसरे ॥ ७२ ॥ सा० ॥
ठना ॥ पुरसरवोलतात्र्याम्पा ॥ देपिनपएँआपरेमी ॥
॥ ७३॥ सा० ॥ रातेपणिनुम्हेकिमनवीत्र्याम्पा ॥ सेठनेंउपनी ॥
ओवामोकस्यासेठ.त्र्याम्पाम्हांरवोजतारे॥७४ ॥ सा० ॥
पो ॥ सेठनीचितासाणो ॥ अहोपुरुषनोअतरदेषो ॥
॥७५॥सा०
चात्र्पतरमहदतर ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥
जाम ॥ एकांतिवेत्र्यारीसेठें ॥ वाततेपुढीतामरे ॥ ७६ ॥ सा० ॥
एइमकिमदित्र्यो ॥ होयतेसापोसाचु ॥ तवतेपरएविचारेमनमां ॥
फाटेमाचुरे ॥ ७७ ॥ सा० ॥ वातलह्यामएीननीकहेवानी ॥
म ॥ कहेकांईमनहीसेठकहेसूएो ॥ चिनथीत्र्याजजेआपरे ॥
तेतूमनेंमलिउकेनांही ॥ तवतेगदगदवाएी ॥ मिलिउकुमरकहीनेंरमे ॥
धारवहाएीरे ॥ ७८ ॥ सा० ॥ मानुनारीमरएलहीएहनी ॥
शोक ॥ शेठकहेठेकुसलप्रीयानें ॥ जिहाजतेहजकेफोकरो॥ ॥
हएतेहजनेंनारीजीवें ॥ सेठकहेंतवश्म ॥ तुमनेंशोककहोहवेस्योजें ॥
सज्रनेंठेपेमरे ॥ ८० ॥ सा० ॥ जिमतिमउत्तरनेंपमउत्तर ॥
रें ॥ सेठकहेसूनेंमनेंसाचे ॥ मनमांतूस्यूंधारेरे ॥ ८१ ॥ सा० ॥
येपभिवजिउं ॥ किमगुरुआएापमे ॥ नविकहेवानुंपणितेपरएो ॥
कहेवामभेरे ॥ ८२ ॥ सा० ॥ जिवितपीनारीजीवेठे ॥ पणिशीलेंनवीजीवें
सेठकहेकिमआएयुतवकहे ॥ कारमपीजिमदिवेरे ॥ ८३ ॥ सा० ॥
परेंनीपनुतवतेपरएें ॥ सोजनजिमएमीमांमी ॥ सयलकमुजिमठेहवीवाके
सायरतटगयांगंभीरे ॥ ८४ ॥ सा० ॥ अनुकमेंजीवतोतुमनेंमिलीउं ॥
तसर्वप्रकासी ॥ ठगेसंम्लेरमीढालें ॥ पर्मेवाततेसासीरे ॥ ८५ ॥ सा० ॥

तुमनमानेंतिमकरतवते ॥ वोल्योकिथपनायवयणेंजी ॥ १७ ॥ अहो०॥ ढेखमेढालचौदमी ॥ समरादित्यनेंरासतापीजी ॥ पमीत्तउत्तमविजयसू सेवक ॥ पद्मविजयसुविलासरापीजी ॥ १८ ॥ अहो० ॥ उहा ॥ सरूप घातीसेठीआ ॥ सूवचनलेईसाथि ॥ घरएलेईप्रथवीधणी ॥ सऊगयासरीता नाथ ॥ १९ ॥ सपुठघरणनेंसूपीआ ॥ सेंठेगणीनेंसर्व ॥ धरणसूवयणनेंधी रता ॥ आपेइमनीगर्व ॥ २० ॥ कुणनेंदेववऱ्योंकह्यो ॥ वातखलीतनवीहोय ॥ पेदमुकिनेंपांतिस्यू ॥ साहसघरीइसोय ॥ २१ ॥ लाखसोवनतूमेनवीलष्या ॥ आदरमुऊनेंआप ॥ इमसुऊनेंतूमेआपीउ ॥ लाषनोस्योआलाप ॥ २२ ॥ ए हसभ्रमवयणेंअम्हें ॥ साघुतुमईणिसाति ॥ तुममनमानेतेतल्लु ॥ सोवनल्यो थईआति ॥२३॥ लाज्योसूवचननविलम्यो ॥ घरएथईतवधीर ॥ अठलखआ वनआपीआ ॥ परनीसांजेपीर ॥ २४ ॥ ढाल ॥ गम २ कांकाजसनोंवति वाजइ ॥ एदेशी ॥ नृपनेंदेईथनमान ॥ टोप्पसेठस्यूआव्याथानरे ॥ जसनो वतिजगमावाजी ॥ एआकणी ॥ करीस्नाननेंसोजनकिधां ॥ बऊदानजाचक नेंदिधारे ॥ २५ ॥ जस० ॥ टोप्पसेठनेंघरणेंलागो ॥ टोपसेठकहेस्यूमागो रे ॥ जस० ॥ कहेघरएजोनकहोनाकारो ॥ तोमागुएकजवारोरे ॥ जस० ॥ ॥२६॥ हरषेंकरीचिंतेसेठ ॥ ऊधन्यसऊमुऊहेठिरे ॥जस०॥ सूरतरुचिंतामणी सुत ॥ मुऊपासमागेअदसूतरे ॥ २७॥ज० ॥ कहेसेठसूणोसुविनीत ॥ पुत्रक लत्रनेंएसविवित्तरे ॥ ज० ॥ दासत्वनिमीत्तेंजाचो ॥ तोहीमुऊमननवीकाचो रे ॥ २८ ॥ जस० ॥ कहेघरएजोइमविचारो ॥ त्रणिवचनआपोसूखकारो रे ॥ जस० ॥ त्रणवचनदियातवमागे ॥ मुऊसहसरतनघोरागेरे ॥ जस० ॥ ॥ २९ ॥ दिघांतिहांरयणहजार ॥ तेहमाथीघरएकुमाररे ॥ जस० ॥ लेई आठरतनकरीपुजा ॥ सेठजीतुमसमनहीउजारे ॥ ३० ॥ जस० ॥ इणिपरें गुणस्तवनाकरतो ॥ पगविचमांनिजशिरघरतोरे ॥ जस० ॥ मुऊएहप्रारथ नाजाणो॥सेठचिंतेतवसमकाणोरे ॥ ३१॥जस० ॥ ठलिउंमुऊवचनेंएणें ॥ कि मनाकहेवाइएणेंतिणेंरे ॥ जस०॥ सेठेंवऊआदरकरीउ॥ निजनयरसणीसचरी

जी॥२॥आ०॥ कनकरथोरससहससपुटश्रो।
यकहेतसनोनकहोतुम्हे।कहेनवीजाएनेमकरएोजी॥
नोउनजाणे। ॥ तयकहेमजएहकिधांजी ॥ मृषवचननेंसांभलवोले॥
ऐषचनकहांजेहसिधाजी ॥४॥आ०॥नरपती
एषिनारीरंगेंजी ॥ अलिकयादिकुएहनेंआपो ॥ एधननेएनारीसंगेंजी
॥ अ० ॥ मृषवचनकहेमुक्आनदेइनें ॥ वोलेछेजुठुकेमसाईजी ॥
ठतवभटकीरोल्यो॥ रेपापीकहेमकांईजी॥आ०॥
सेठकहेवलीरासआणीजी ॥ स्यूवकुवोलेजोएनारी ॥
एीजी ॥ ७ ॥ अहो० ॥ ककुएहमांजोजुठुहोवे ॥
जी ॥ धीजकरावोतेअम्हेंकरीइ ॥ पणिएहनेंअम्हेंरवीवनापुजी
धरणविचारेएमुक्तमेंहे ॥ वोलेश्रणिपरेतेणमाहरेजी ॥ नय
जपे ॥ सुणोनृपसस्युदिव्येणमारेजी ॥ ९ ॥ अहो० ॥
पुटजेठे ॥ तेहमांधरणमुक्नामहोस्येजी ॥ जोसूवचननिकलेतोएहनु॥
यकहेयुकामतोस्येंजी ॥ १० ॥ अहो० ॥ पचोलीलेवामोकलिआ
लाव्यासपुटतांमनीरप्याजी ॥ धरणनामदिठुनहीजीहारे ॥ लोक
मविलपाजी ॥ ११ ॥ आ० ॥ रायकहेनवीअसीधादिशे ॥ सूवचनकहेमर
रायजाणोजी ॥ पणितुमआगलिअलिककहीनें ॥ किमधारेएठायप्राणेजी
१२॥अ० ॥ घरवारनेंजीवकबुलकस्योठे ॥ धरणेंकहेएकेमरायजी॥
रणकहेजुठुनवीवोलू ॥ फोमोसपुटनेंश्मतायजी॥१३॥आ०॥ नय
मतेवीठु ॥ कोप्योरायअपारतामजी ॥ महाचोरएवाणीगवेसें ॥
प्रकारकामजी ॥ १४ ॥अ० ॥ जमघरिसुवचनसेठपोषावो ॥
नीकालदिजेंजी ॥ धरणेंद्रव्यसर्वएसूपो ॥ वलिकहोकांयनतकालकं
॥ १५ ॥ अ० ॥ धरणकहेमसूद्रव्येंसरीउ ॥ वचन
जी ॥ चितेरायअहोनरअंतर ॥ स्युएहनेंउपमानघरीइजी ॥ १
॥ आ० ॥ नृपकहेधरणएवातअघटती ॥ पणितुअवचनलंघायतिणेंजी

सुबअनग ॥ पणिइहेंअनगसूरवरगरे ॥ जस० ॥ ४७ ॥ तपसोषीतजासस
रीर ॥ जोईधरणविचारेधीररे ॥ जस० ॥ पनरमीढेरवमे ॥ पदमेंकहीढाल
अरवमेरे ॥ जस० ॥ ४८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ दुहा ॥ आचारजअवलोकिनें ॥ धरणविचारेधन्य॥ जिवितसफलूंजगतमां
गुणगणजासअगन्य ॥४९॥ कचननेंवलीकामिनी ॥ सयणकुटंबसहुलोक॥
इन्द्रजालपरेंडलषे ॥ फिरीकरेपापजफोक ॥ ५० ॥ उपगारीमुजएहढे ॥ पा
लुजेपरीवार ॥ केवलमोहनीकल्पना ॥ धर्मविनानआधार ॥ ५१ ॥ निय
माकरीसकीइनही ॥ धरमतेरहेताधाम ॥ आरसेंहिंसाअती ॥ नहितिहांधर्म
नुनाम ॥ ५२ ॥ अंतेत्यजवोआपणें ॥ कांमनहीतिणेंकोय ॥ चित्तमांधरी
चारीत्रनें ॥ समकूआव्यूजोय ॥ ५३ ॥ चरणकमलनमीचूपस्यू ॥ वारुसा
थिवयस ॥ धरमलाभदिधोधुरे ॥ आचारयअवतस ॥ ५४ ॥ ढाल० ॥ जी
रेजीरेस्वामीसमोसस्था ॥ एदेशी ॥ गुरुचरणेंजवउपविसे ॥ गुरुकहेकिहां
थकीआव्यारे ॥ धरणकहेआव्याइहांथकी ॥ चारीत्रस्यूअम्हेंसाव्यारे॥
॥ ५५ ॥ श्रीगुरुराजकृपाकरो ॥ एआकणी ॥ अहो २ आकृतीएहनी ॥ ए
हनोजुडविवेकरे ॥ चित्तपरीक्षाकारणें ॥ वोल्यामुनीवरढेकरे ॥ ५६ ॥
श्री० ॥ इंद्रीयलालचिढामवी ॥ नविकरवोतेकरवायरे ॥ चित्तनीरीहपणेंक
री ॥ सजमपालवुथायरे ॥ ५७ ॥ श्री० ॥ विपयअनादिनीवासना ॥ तजवो
दोहिलीजाणरे ॥ नतजेतोएगृहीसमो ॥ ढांम्युनढांम्युंसमाणरे ॥ ५८ ॥
श्री० ॥ कर्मदोषेंनपालीसके ॥ असदालंबनकरतारे॥ संजमढांमेतेनवीगृहि ॥
मुनिपणिनहीरहेफिरतारे ॥ ५९ ॥ श्री० ॥ वेसघनि फलतसगया ॥ तिणेंतू
लणाकस्यापापेरे ॥ नघटेघरतूफढांमवु ॥ धरणेतवइमसापेरे ॥६० ॥ श्री०॥
लगवनतूंमेसाचुकसु ॥ त्यजवाजोग्यएधामरे ॥ उपादेयचारीत्रढे ॥ तूलनावि
वेकनुकामरे ॥ ६१ ॥ श्री० ॥ आचारयमनचिंतवे ॥ जाणयोजथार्थसशार
रे ॥ वोधिलहेंजीनधर्मनी ॥ करुंमयासावीस्तारेरे ॥ ६२ ॥ श्री० ॥ बुजेजि
ममीत्रएहना ॥ वोलेईमविचारीरे ॥ जाणवाजोग्यतेजाणीउं ॥ वढधन्यमाता

छी ॥ ३२ ॥ जस०॥ निजनपरनेंबाहिरआवी ॥ मेरादिपाखमसवारि [illegible]
नरपतीतबसाहमोआवइ ॥ महामहोछवस्यूंपधरावेरे ॥ [illegible]
जसूवनेंलावेराया ॥ स्नानसोजनकरतपसायरे ॥ जस० ॥ [illegible]
लीमांन ॥ पोहचाम्यानिजघरिपानरे ॥ ३३ ॥ जस० ॥ मायताय [illegible]
माय ॥ सऊचैत्यपुजाविरचायरे ॥ जस० ॥ तेम्याम्लीरायमेंपेर ॥ [illegible]
करयोबऊपेररे ॥ ३४ ॥ जस० ॥ परधांनपागीआजेइ ॥ सऊसत [illegible]
शुसरेहरे ॥ जस० ॥ पुठेहयेमायनेंताय ॥ तुमघरएणीकहोकिहांजावरे ॥
॥ ३६ ॥ जस० ॥ कहेघरएणसूणोतूमेवात ॥ एमतपुछेअवदातरे ॥ जस० ॥
जेनारीनेंउचिततेकिधु ॥ जनकादीवीचारेएसीधुंरे ॥ [illegible] ॥ [illegible]
देउएहनेंआज ॥ इमचितवीतेपुरराजरे ॥ जस०॥ आव्योघरिउठिराय ॥ तब
घरएउचितकरेतायरे ॥ ३८ ॥ जस० ॥ आगमनप्रयोजनकहीइ ॥ [illegible]
हेमुझातूमेलहोईरे ॥ जस० ॥ कहेघरएनमुझाकाम ॥ एकवातसूणोगुणका
रे ॥ ३९ ॥ जस० ॥ कहेरायकहोंतेकरीइ ॥ कहेघरएजोमुकआवरीइरे ॥
॥ जस० ॥ तोमुकोवदिवान ॥ तुमराज्यमाअतयनुदानरे ॥ [illegible] ॥
रायेंदीधीतवआणि ॥ मुकराज्यमांकिर्जेजाणेरे ॥ जस० ॥ हिस्यानविकर
ज्योकोय ॥ नहितरनृपदमतेहोयरे ॥ ४१ ॥ जस० ॥ नरपतीनिजघानिके
आव्या ॥ गुणघरएणतणाचितलाव्यारे ॥ जस० ॥ बऊकालेंमीअजेमलीआ ॥
तेहस्यूकीमामांहलीआरे ॥ जस० ॥ ४२ ॥ गयामलयसुंदरउद्यान ॥ तिहां
नागलतानेंथानरे ॥ जस० ॥ नामेंरेविलगकहायो ॥ तेकुपीतनारीनेंसायोरे ॥
॥ जस० ॥ ४३ ॥ बऊलालिपाखिकरेतास ॥ देषीनेंघरएउदासरे ॥ जस० ॥ सी
सरीलपर्मतिगाम ॥ चितेअहोउर्जयकामरे ॥ ४४ ॥ जस० ॥ कामीपरमार्थनवी
थे ॥ वैराग्यथकीइमलेपेरे ॥ जस० ॥ जायआगलिघरएकुमार ॥ अशोकमेंसी
तिणीगररे ॥ ४५ ॥ जस० ॥ प्रासुकथानिकतिहांदिठा ॥ हैयमामांजागामीठेरे
॥ जस० ॥ बऊशीसतणोपरीवार ॥ गयोचित्तथीकामविकाररे ॥ ज० ॥ [illegible]
अर्हदत्तआचारयनाम ॥ नाणीशुसचित्तपरीणामरे ॥ जस० ॥ जिस्योजि

पुवत्र्प्रनग ॥ पणिश्हेत्र्प्रनगसूरवरगरे ॥ जस० ॥ ४७ ॥ तपसोषीतजासस
रीर ॥ जोईघरणविचारेघीररे ॥ जस० ॥ पनरमीढळेखमे ॥ पदमेंकहीढाल
त्र्प्रखमेरे ॥ जस० ॥ ४८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ दुहा ॥ त्र्प्राचारजत्र्प्रवलोकिनें ॥ घरणविचारेघन्या॥ जिवितसफलुंजगतमां
गुणगणजासत्र्प्रगन्य ॥४९ ॥ कचननेंवलीकामिनी ॥ सयणकुटंबसकुलोका॥
इन्द्रजालपरेंडलषे ॥ फिरीकरेपापजफोक ॥ ५० ॥ उपगारीमुझ्एहछे ॥ पा
लुजेपरीवार ॥ केवलमोहनीकल्पना ॥ धर्मविनानत्र्प्राघार ॥ ५१ ॥ निय
माकरीसकोश्नही ॥ घरमतेरहेताघाम ॥ त्र्प्रारसेहिंसात्र्प्रती ॥ नहितिहांधर्म
नुनाम ॥ ५२ ॥ त्र्प्रंतेत्यजवोत्र्प्रापणें ॥ कामनहीतिणेंकोय ॥ चित्तमांधरी
चारीत्रनें ॥ समझूत्र्प्राव्यूशोय ॥ ५३ ॥ चरणकमलनमीचूपस्यू ॥ वाळसा
थिवयस ॥ घरमलालदिघोघुरे ॥ त्र्प्राचारयत्र्प्रवतस ॥ ५४ ॥ ढाल० ॥ जी
रेजीरेस्वामीसमोसस्या ॥ एदेशी ॥ गुरुचरणेंजवउपविसे ॥ गुरुकहेकिहां
थकीत्र्प्राव्यारे ॥ घरणकहेत्र्प्राव्याश्हांथकी ॥ चारीत्रस्यूत्र्प्रम्हेसाव्यारे ॥
॥ ५५ ॥ श्रीगुरुराजकृपाकरो ॥ एत्र्प्राकणी ॥ त्र्प्रहो २ त्र्प्राकृतीएहनी ॥ ए
हनोजुउविवेकरे ॥ चित्तपरीक्षाकारणें ॥ वोल्यामुनीवरछेकरे ॥ ५६ ॥
श्री० ॥ इंद्रीयलालचिंढामवी ॥ नविकरवोतेकरवायरे ॥ चित्तनीरीहपणेंक
री ॥ सजमपालवुथायरे ॥ ५७ ॥ श्री० ॥ विषयत्र्प्रनादिनीवासना ॥ तजवो
दोहिलीजाणरे ॥ नतजेतोएगृहीसमो ॥ ढांम्युनढाम्युंसमाणरे ॥ ५८ ॥
श्री० ॥ कर्मदोषेंनपालीसके ॥ त्र्प्रसदालंबनकरतारे॥ संजमढांमेतेनवीग्रहि ॥
मुनिपणिनहीरहेफिरतारे ॥ ५९ ॥ श्री० ॥ वेसवनि फलतसगया ॥ तिणेंतू
लणाकस्यापापेरे ॥ नघटेघरतुझ्ढांमवु ॥ घरणोतवश्मसापेरे ॥६० ॥ श्री० ॥
सगवनतूमेसाचुकह्यु ॥ त्यजवाजोग्यएघामरे ॥ उपादेयचारीत्रछे ॥ तूलनावि
वेकनुकामरे ॥ ६१ ॥ श्री० ॥ त्र्प्राचारयमनचिंतवे ॥ जाणयोजयार्थसत्र्प्रार
रे ॥ वोधिलहेंजीनधर्मनी ॥ करुंप्रव्रसावीस्तारे ॥ ६२ ॥ श्री० ॥ बुझेजि
ममीत्रएहना ॥ वोलेईमविचारीरे ॥ जाणवाजोग्यतेजाणीउ ॥ घढघन्यमाता

ताहरीरे ॥ ६३ ॥ श्री० ॥ इरजत्तबोधितेंतलही ॥ करीसफ्लोअवतारे ॥ आ
हरुकारयसीऊस्ये ॥ लेतुसजमसारेरे ॥ ६४ ॥ श्री० ॥ विषयना
घना ॥ परमारथनवीऱ्येरे ॥ स्हांदृष्टांततेमाहरो ॥ सांसलोचित्तविशेषेरे ॥
॥ श्री० ॥ शणहीजपेत्रमाहिंयसे ॥ अचलपुरीनामेंनयरीरे ॥ जितशत्रु
रपती ॥ जिणेंजीत्यासऊवयरीरे ॥ ६६ ॥ श्री० ॥ अपराजीतसुतनेहवे ॥
मरकेतुविजोजाणीरे ॥ अपराजितजुवराजिउ ॥ बिजोकुमरनेंगाणरे ॥
॥ श्री० ॥ कुमरनेआप्युउजेणीनु ॥ लोगववालुराजरे ॥ समरकेसरीना
जीउ ॥ घयोउछ्रुतेकाजरे ॥ ६८ ॥ श्री० ॥ अपराजितनेउपरें ॥
कदिनतेहरे ॥ जयकरीजामपाठोवल्यो ॥ आवणनेंनिजगेहरे ॥
धरमिरामसन्निवेसें ॥ आव्योदेपतोतामरे ॥ पुण्यउदयमानुपरगफो ॥ सुरीश्वर
रोहनामरे ॥ ७० ॥ श्री० ॥ देषीसवेगतेउपनो ॥ पुछेधर्मविचाररे ॥ देशना
श्गुरुतेहनें ॥ ॥ पमीबुज्योतेकूमाररे ॥ ७१ ॥ श्री० ॥ धारीत्रणयउपसर्ग
इन्द्रजालसमजाणीरे ॥ सविसन्नारदिऊलिश ॥ तपसजमकरेनाणीरे ॥
॥ श्री० ॥ गुरुचरणेंहवेविचरता ॥ पोहतानगरागामेरे ॥ तिहांउजेणीपी
वीत्रा ॥ साधुवदनकामेरे ॥ ७३ ॥ श्री० ॥ रोहसूरीनाशिष्यजे ॥ आर्य
गुणगेहरे ॥ तेहनामुनीवरएहठे ॥ वंदेगुरुससनेहरे ॥ ७४ ॥ श्री० ॥ पुछे
उज्जेणीमा ॥ निरूपमसर्गविहाररे ॥ मुनीकहेसूदरविहारठे ॥ पणिएक
धाररे ॥ ७५ ॥ श्री० ॥ ठेरखेंमसोलमी ॥ पद्मविजयकहीढालरे ॥
नसूणज्योसवे ॥ आगलिवातरत्रालरे ॥ ७६ ॥ श्री० ॥ ॥ ॥
॥ दुहा ॥ पणिन्रुपपुरोहीतपुत्रदोय ॥ सद्रकनहीतससाव ॥ मुनीउपसर्ग
हाकरे ॥ देषीनेंनिजदाव ॥ ७७ ॥ अपराजीतमुनीश्मसुणी ॥ चित्तमांकरे
विचार ॥ समरकेतुसमऊिणविना ॥ अहोममावअपार ॥ ७८ ॥ पुत्रनेंपणि
नवीपालवे ॥ आणालहीगुरुआज ॥ जाउऊउज्जेणीश ॥ समऊावुअसमाज
॥ ७९ ॥ साधुद्वेषथीअसनही ॥ बोधबिजबलिजाय ॥ सकतीछतेसमऊा
व्ा ॥ एहविचारीउपाय ॥ ८० ॥ आणिलहीआचार्यनी ॥ आव्यातेउज्जेणी

आर्यराक्षगछअनुसरी ॥ वसीआकार्यवसेण ॥ ८१ ॥ ढाल ॥ मुजरोल्योनें जालिमजाटणी ॥ एदेशी ॥ गोचरीवेलाइमुनीवरबोलीआ ॥ तुम्हेप्राक्षणात्र णगार ॥ आहारआणीतुम्हनेंअमेआपीइ ॥ अपराजीतकहेतेवार ॥ ८२ ॥ मुनिवरस्याद्वादिसमझेसक्ष ॥ एआकणी ॥ कहेक्षआलसलब्धिकजुतिर्णेकरी ॥ देषाभोतूमजेह ॥ यापनाकुलतिहांजावुनवीघटे ॥ मुकेंचेलोएकतेह ॥ ८३ ॥ ॥ मु० ॥ कुलदेषाभीनेंवलीवारीआ ॥ एहप्रत्यनीकनुगेह ॥ इमकहीनेंचेलोपा छोवल्यो ॥ पेछतिहाहिजतेह ॥ ८४ ॥ मु० ॥ मोहटेशब्देधर्मलाभदिउ ॥ दे षीअतेउरताम ॥ अहोमुनीनेंकरस्येंकदर्थना ॥ जाणस्येकूमरतेजाम ॥ ८५॥ मु० ॥ सन्नाकरेजेजाउवहेलाफरी ॥ वधीरपरेमुनीराय ॥ धर्मलाभकरयोतेह थीआकरो ॥ जिमतेकूमरसूणाय ॥ ८६ ॥ मु० ॥ आव्यादोयकुमरदोम्या तिहा ॥ मनमाहरपनमाय ॥ देईद्वारनेंप्रतीसयमुनीतणें ॥ वधामुनीतणापा य ॥ ८७ ॥ मु० ॥ धर्मलाभदिधोतवबोलीआ ॥ नाचोतूम्हेअमपास ॥ मुनी कहेगीतवाजित्रविणनाचवुं ॥ किमसोसेसुविलास ॥ ८८ ॥ मु० ॥ कुमर कहेअमेगीतवाजीत्रकरु ॥ मुनीकहेतामश्रीकार ॥ विषमतालगीतवाजित्रइ णेंकरयु ॥ कृत्रिमकोपअणगार ॥ ८९ ॥ मु० ॥ कहेरेमुरपगोपनाछोकरा ॥ नविजाणोरेविन्नाण ॥ अमनेंनचाववाक्षसिघणीकरो ॥ सूणिकोप्यातेअजा ण ॥ ९० ॥ मु० ॥ मुनीमारणनेंसाहमादोमीआ ॥ तवमुनीकरुणारेवत ॥ अ वरउपायनहिइहाकामनो ॥ चितवेइणिपरेंचित ॥ ९१ ॥ मु० ॥ कुसलघ णनिजुधव्यापारमां ॥ हलूइएकनेंझालि ॥ सांध्योसर्वउतारीअगनी ॥ बि जोआव्योतसढाल ॥ ९२ ॥ मु० ॥ तेहनेपणितिमहीजमुनिइकरयो ॥ उघा मीहवेचार ॥ निजगर्मेजईएकातेकरे ॥ सक्षायध्यानअणगार ॥ ९३ ॥ कु मरपम्याहवेहालेचालेनही ॥ दिगसहूपरीवार ॥ पांणीइसींचेंतनुउलासता ॥ बोलेनजामलगार ॥ ९४ ॥ मु० ॥ रायपुरोहीतनेंसलावता ॥ सूणोइणिव्यति करेएह ॥ साधुइकुमरकरयाइणविधयकी ॥ सूपतिरवबरिकरेह ॥ ९५ ॥ मु० ॥ सूपसूरीपासेंजईभणमीआ ॥ सगवनरवमोअपराध ॥ कहेबालक

ताहरीरे ॥ ६२ ॥ श्री० ॥ डरजतबोधितेंतलही ॥ करीसफलोमनमकरे
हरुकारयसीजस्ये ॥ लेनूसजमसाररे ॥ ६३ ॥ श्री० ॥ विषयवासमसी
षमा ॥ परमारयनवोरेंपरे ॥ इहांदष्टांततेमाहरो ॥ सांसलोचित्तविवेकेरे
॥ श्री० ॥ इणहीजपेत्रमांहिवसे ॥ अचलपुरीनामेंनयरीरे ॥ जितशत्रु
रपती ॥ जिर्णेजीत्यासऊवयरीरे ॥ ६६ ॥ श्री० ॥ अपराजीतछतेहने ॥
मरकेतूविजोजाणीरे ॥ अपराजितजुवराजित ॥ बिजोकूमरनेंगमरे ॥
॥ श्री० ॥ कुमरनेप्राप्यूउजेणीनु ॥ सोगववातलुराजरे ॥ समरकेसरीना
जीतं ॥ षयोउछलतेकाजरे ॥ ६८ ॥ श्री० ॥ अपराजितनेउपरें ॥ पत्रि
कदिनतेहरे ॥ जयकरीजामपाछेवल्यो ॥ आवणनेंनिजगेहरे ॥
घरमिरामसन्निवेसें ॥ आव्योदेपतोतामरे ॥ पुण्यउदयमानुपरगमो ॥ सरी
रोहनामरे ॥ ७० ॥ श्री० ॥ देषीसवेगतेउपनो ॥ पुछेधर्मविचाररे ॥ देशना
इगुरुतेहनें ॥ ॥ पमीबुज्योतेकूमाररे ॥ ७१ ॥ श्री० ॥ चारीभवयउपसम
इद्रजालसमजाणीरे ॥ सविसद्मारदिक्तालिइ ॥ तपसजमकरेनाणीरे ॥
॥ श्री० ॥ गुरुचरणेंहवेविचरतां ॥ पोहतानगरागामेरे ॥ तिहांउजेणीमा
वीआ ॥ साधुवदनकामेरे ॥ ७३ ॥ श्री० ॥ रोहसूरीनाशिष्यजे ॥ आर्य
गुणगेहरे ॥ तेहनामुनीवरएहछे ॥ वंदेगुरुससनेहरे ॥ ७४ ॥ श्री० ॥ पुछे
उज्जेणीमा ॥ निरूपमसर्गविहाररे ॥ मुनीकहेसूदरविहारछे ॥ पणिएकवात
चाररे ॥ ७५ ॥ श्री० ॥ छठेखंमेंसोलमी ॥ पद्मविजयकहीढालरे ॥ श्रोता
नसूणज्योसवे ॥ आगलिवातरसालरे ॥ ७६ ॥ श्री० ॥ ॥ ९ ॥
॥ दुहा ॥ पणिनृपपुरोहीतपुत्रदोय ॥ सद्रकनहीतससाव ॥ मुनीउपसर्ग
हाकरे ॥ वेषीनेंनिजदाव ॥ ७७ ॥ अपराजीतमुनीइमसुणी ॥ चित्तमां
विचार ॥ समरकेतूसमझिणविना ॥ अहोममावअपार ॥ ७८ ॥ पुषनेंप्र
नवीपालसे ॥ आणालहीगुरुआज ॥ जाउंजउजेणीइ ॥ समझावुसुखसा
॥ ७९ ॥ साधुद्वेषपीछसनही ॥ बोधबिजबलिजाय ॥ सकतीछतेसमज
व्रा ॥ एहविचारीउपाय ॥ ८० ॥ आणिलहीआचार्यनी ॥ आव्यातेउजेणी

आर्यराङ्गगछअनुसरी ॥ वसीआकार्यवसेए ॥ ८१ ॥ ढाल ॥ मुजरोल्योनें जादिमजाटणी ॥ एदेशी ॥ गोचरीवेलाइमुनीवरवोलीआ ॥ तुम्हेभाङ्गणाअ एगार ॥ आहारआणीतुम्हनेंअमेआपीइ ॥ अपराजीतकहेतेवार ॥ ८२ ॥ मुनिवरस्याद्वादिसमझेसङ्ग ॥ एआकणी ॥ कहेकुआत्मलब्धिकतुतिएँकरी ॥ देषामोतुमजेह ॥ थापनाकुलतिहाजावुनवीघटे ॥ मुकेंचेलोएकतेह ॥ ८३ ॥ ॥ मु० ॥ कुलदेषामीनेंवलीवारीआ ॥ एहभस्यनीकनुगेह ॥ इमकहीनेंचेलोपा ठेवल्यो ॥ पेठातिहाहिजतेह ॥ ८४ ॥ मु० ॥ मोहटेशब्देंधर्मलासदित ॥ दे षीअतेउरताम ॥ अहोमुनीनेंकरस्येंकदर्थना ॥ जाएस्येंकूमरतेजाम ॥ ८५॥ मु० ॥ सन्नाकरेजेजातवहेलाफरी ॥ वधीरपरेमुनीराय ॥ धर्मलासकरयोतेह थीआकरो ॥ जिमतेकूमरसुणाय ॥ ८६ ॥ मु० ॥ आव्यादोयकुमरदोम्या तिहा ॥ मनमांहरपनमाय ॥ देईद्वारनेंअतीसयमुनीतणें ॥ वद्यामुनीतणापा य ॥ ८७ ॥ मु० ॥ धर्मलासदिधोतववोलीआ ॥ नाचोतुम्हेअमपास ॥ मुनी कहेगीतवाजिन्नविणनाचवुं ॥ किमसोसेसुविलास ॥ ८८ ॥ मु० ॥ कुमर कहेअमेगीतवाजीत्रकरु ॥ मुनीकहेतामअंगीकार ॥ विपमतालगीतवाजित्रइ णेंकरयु ॥ कृत्रिमकोपअणगार ॥ ८९ ॥ मु० ॥ कहेरेमुरषगोपनाछोकरा ॥ नविजाणोरेविन्नाण ॥ अमनेंनचाववाछसिघणीकरो ॥ सूणिकोप्यातेअजा ण ॥ ९० ॥ मु० ॥ मुनीमारणनेंसाहमादोमीआ ॥ तवमुनीकरुणारेवत ॥ अ वरछपायनहिइहांकामनो ॥ चितवेइणिपरेंचित ॥ ९१ ॥ मु० ॥ कुसलच एकनिजुधव्यापारमां ॥ हलूइएकनेंकाहि ॥ सांध्योसर्वउतारीअगनी ॥ बि जोआव्योतसठाल ॥ ९२ ॥ मु० ॥ तेहनेपणितिमहीजमुनिइकरयो ॥ उघा मीहवेषार ॥ निजठामेंजईएकांतिकरे ॥ सज्झायध्यानअणगार ॥ ९३ ॥ कु मरपमयाहवेहालेचालेनही ॥ दिठासहुपरीवार ॥ पांणीइसीचेंतनुउलासता ॥ वोलेनजामखगार ॥ ९४ ॥ मु० ॥ रायपुरोहीतनेंससलावता ॥ सुणोइणिध्यति करेएह ॥ साधुइकुमरकरयाइणविधयकी ॥ नृपतिखवरिकेरेह ॥ ९५ ॥ मु० ॥ नृपसूरीपासेंजईनमीआ ॥ सगवनरवमोअपराध ॥ कहेवाउक

नोतवमुरीबोलीत्रा ॥ अमेजाणंनहोसाध ॥ ९६ ॥ मु० ॥
करारकसो ॥ तवबोल्यासूरीराय ॥ अवतीवपीनिजतनुउपरें ॥
माय ॥ ९७ ॥ मु० ॥ नितपरलोकथीबिहेमुनीवरा ॥
प्राणनासयथीउग्वदेवेनही ॥ एउन्सर्गस्वसाव ॥ ९८ ॥ मु० ॥
रीउअपवादथी ॥ होयनोपुन्नरेसाध ॥ इमकरीपुग्गेसपलासाधनें ॥
हेनिराबाध ॥ ९९ ॥ मु० ॥ एहवातमाअमेंजाणनही ॥
एअमुनीश्तोकिधुनहीं ॥ नृपकहेजुगनयाय ॥ १०० ॥ मु० ॥
हेएकमुनीवरभाङ्गण ॥ किधुहोयजोतेए ॥ रायकहेतेसाधुकिहांअछे ॥
ईनेंपुहुकजेए ॥ १ ॥ मु० ॥ एकमुनीवरेंजईतेहनेंदाषव्या ॥
म ॥ ध्यानधरमनुमुनीवरधारता ॥ देषेनरपतीजाम ॥ २ ॥ मु० ॥
नीवरनेंचितलाजिउ ॥ प्रणम्योलायनापाय ॥ धर्मलासदेईनेइमकहे ॥
लिरेमहाराय ॥ ३ ॥ मु० ॥ ढगेरवमेसत्तरमीकही ॥ ऊत्तमएहबीढाल ॥
श्रविजयकहेश्रोतासांसलो ॥ आगलिवातरसाल ॥ ४ ॥ मु० ॥
॥ दुहा ॥ जुगतूकारजजालव्यु ॥ मुनीउपसर्गमहत ॥ १ ॥
हि ॥ निजराज्येंनिरपत ॥ १ ॥ कुमरअनायतेकिधला ॥ तवजगती
आनेत ॥ नृपकहेलाज्योमुनीवरु ॥ अधीककरयुअमहेत ॥ २ ॥
कीजेंअमसणी ॥ दोपतेरवमोदयाल ॥ कुमरअगसाजांकरो ॥ ३ ॥
आल ॥ ४ ॥ सध्योतोसाजीकरू ॥ मुनिवरकहेमहाराय ॥
दरे ॥ नकरेफरीअन्याय ॥ ५ ॥ नृपकहेम्हेंआज्ञाकरी ॥
णाम ॥ मुनीकहेपुगेकुमरनें ॥ सूपतीपत्तर्णेताम ॥ ६ ॥ ७ ॥
साधुइकरयोपसाय ॥ अवनीपतीस्यूआवीआ ॥ गवाकुमरनेंगाय ॥ ८ ॥
जोगीसरध्यानेंजिस्यो ॥ दिगकाष्टवन्याय ॥ बोलेप्राणेंबलयकी ॥
बाकीधाआय ॥ ९ ॥ १० ॥ ढाल ॥
एदेशी ॥ मुनिवरकहेसूणोवाणीरेमुनीकदर्थनारे ॥ तेतरुफलएफलतोनरगमां
सेदनारे ॥ तेहनोपश्चातापजोहोय ॥ तोसासकारीयाउपरलोय ॥ १ ॥ ए

एनीसेवासारीरेसवडखकापस्येरे ॥ उपद्रवसघलाटालीरेजीवसूखआपस्ये रे ॥ कुमरकहेप्रसूकरोउपगार ॥ लाज्याअम्हेअमचेआचार ॥ १३ ॥ ॥च० ॥ लेस्यूदिक्षापामीरेमातपीतातणीरे ॥ आणातवतेबोल्यारेदिघागुरुतणी रे ॥ जोम्यांअगनेंगुणसघात ॥ लिघीप्रव्रज्याकरीप्रणीपात ॥ १४ ॥ च० ॥ दिक्षापालतातांवेंरेविक्रजणनेंतदारे ॥ केईकदिनगयाजामरेहवेसूणोएकदारे॥ कर्मउदयपुरोहीतकुमार ॥ जाएध्रूजयपीधर्मनुसार ॥ १५ ॥ च ॥ प्राणेंदिक्षा दिघीरेशमनआविउरे ॥ गुरुउपरिद्वेषजाग्योरेपणिनखमावीउरे ॥ ध्यानदे वलोकेंउपनोदेव ॥ रतिसागरमांपम्योततषेव ॥ १६ ॥ च ॥ एकदिनअप्स रासार्थेरेवेगाउपनोरे ॥ दिनसावबलीनीद्वारेकामरागनीपनोरे॥ कप्याकलपव्द क्षदेपाय ॥ सूरसीकुसूममालाकमलाय ॥ १७ ॥ च ॥ लाजनेंसोसानाठीरेदे वडप्यजषस्यारें ॥ कोपकरेघणोअरतीरेनयनसम्याजीस्यारे ॥ हेउपनोषेद तिवार ॥ देविउविलपेतिमपरीवार॥१८ ॥ च ॥ इमअज्ञानेंविलपुंरेसातासीइ हारे ॥ तिर्छकरपंचनासरेपुछुजईतिहारे ॥ किहांउपजीसक्रचितेदेव ॥ सूलस डुलसबोघीजीनदेव ॥ १९॥ च० ॥ आम्योपूर्वविदेहेंरेजिनवरनेंनम्योरे ॥ पु छ्यापठीकहेजिनजीरेउपजस्योतूम्होरे ॥ जवुघीपनासरतमक्षारि ॥ कोसबी नगरीअवधार ॥ २० ॥ च०॥ थाईसतुडलंसवोघीरेगुरुद्वेपेकरीरे ॥ इत्यादिक सवपईलोरेसाप्योतसचरीरे ॥ सासलीकहेअहोगुरुप्रत्यनीक ॥ अल्पेंएवमां उवयनीसीक ॥ २१ ॥ च० ॥ आलोकनोउपगारीरेजिनकहेजाणीइरे ॥ स्यो तसंभत्युपकारेंरेकहोनेंवपाणीइरे ॥ परलोकउपगारनीसीधात ॥ टालेअन्नाण नेंमीथ्यात ॥ २२ ॥ च० ॥ सूवीहीतकिरियाआपेरेयापेगुणसणिरे ॥ जनम जरानेंमरणेरेरोगसोगअवगुणीरे ॥ टालेजेसचारआवास ॥ शाश्वतसूखपामें सुविलास ॥ २३ ॥ च० ॥ एहवागुरुनेंद्वेषेरेगुणद्वेपीथयोरे ॥ पूर्वथीविपरी तथाइरेअतीसचारसयोरे ॥ देवकहेप्रसूसाचुएह ॥ किहारेएकहोकर्मनोछेह ॥ २४ ॥ च० ॥ प्रसूकहेलगतासवमारेअतएहनोथस्येरे ॥ मुगोविजुनामरे तुज्भ्रातावस्येरे ॥ देवकहेपहेलूस्यूनाम ॥ जिणेंवीजुएसापोस्वामि ॥ २५ ॥

च० ॥ पहेलुनामअशोकरेजिनजीकहेहतुंरे ॥ सातमोहमुनि[illegible]मपतूंरे ॥ कोसबीएहजपुरसार ॥ अनितकाननीशालविचार ॥ [illegible]तापसनामेंसेठरेदानादिककरेरे ॥ पणिपरमादितेहरेक्रम्यघणोकरेरे ॥ [illegible]नीत २ बहुम्यापार ॥ आरतध्यानघरेतेअपार ॥ २७ ॥ च० ॥ [illegible]योमरोनेरेनिजघरदेपीनेंरे ॥ जातिसमरणज्ञानरेतासविशेषीनेंरे ॥ एक[illegible]पनोदिवआतेआय ॥ सोजननीवेलाजबथाय ॥ २८ ॥ च० ॥ पीरत[illegible]जामरेआवीढुकमीरे ॥ मांगलेईमार्जाररेचाल्योदमबमीरे ॥ तबसूपकारीने[illegible]मन्न ॥ वेलाअतिक्रमचढ्योवहुदिन्न ॥ २९ ॥ च० ॥ गृहपतीना[illegible]रेसूअरमारीउरे ॥ मांगतेराघ्युतामरेकोर्वेहकारीउरे ॥ उपमोमरीनेतेह[illegible]ह ॥ सूअरनागपणेंथयोतेह ॥ ३० ॥ च० ॥ एहघरनेंसूपकारीरेदेषीतनु[illegible]रे ॥ जातिसमरणज्ञानरेनागनेंनिपनुंरे ॥ कर्म्मविचित्रथीनथयोकोध ॥ [illegible]कपाउपनीथयोबोध ॥ ३१ ॥ च० ॥ रांधिणसापनेंदेषीरेकोलाहलकरयोरे ॥ सहुतिहादोमीआव्यारेअहीजमघरिधरयोरे ॥ तिहांतसनीजेरा[illegible]मनुजआयुबाध्युअलीराम ॥ ३२ ॥ च० ॥ नागदत्तशेणिनामेंरेनीजसूत[illegible]मिनीरे ॥ वधुदत्ताउरेंआयोरेजनम्योजामिनीरे ॥ अशोकदत्तविधुअसीत[illegible]न ॥ वरसएकवोलेथईसान ॥ ३३ ॥ च० ॥ मातपितासूपकारीरेदेषीनें[illegible]रे ॥ जातिसमरणपाम्योरेश्मकहेकेमलीरे ॥ कर्मअचित्यनीशक्तिनिहालि ॥ पुत्रवधुतेमातासालि ॥ ३४ ॥ च० ॥ सूतनेंतातनीहालीरेमहावैरागीउरे ॥ मातापीताकिमसाधुरेश्ममनसागीउरे ॥ मौनपणुघरयुजाणीजाम ॥ मुनी[illegible]मप्रसीधथयोताम ॥ ३५ ॥ च० ॥ ढालअढारमीएहरेउगारखममारे ॥ समरादित्यनेंरासेंरेरगअरवममारे ॥ श्रीगुरुउत्तमबीजयनोसीस ॥ पद्मविजय कहेसुणतजगीस ॥ ३६ ॥ च० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ दुहा ॥ केवलज्ञानीश्मकहे ॥ बोल्याबारवरीस ॥ मौनाणीधारीभीउ ॥ मे घनादसुमुनीथ ॥ ३७ ॥ आव्यातेउधानमां ॥ बारुवयणविन्यास ॥ दुर्गलसाधुयीरे ॥ सिषविआसूसलास ॥ ३८ ॥ नागदत्तघरिनिरषज्यो ॥ [illegible]

गर्णेवेठेआय ॥ अशोकदततसश्मकहे ॥ चेतनसुणिचितलाय ॥ ३९ ॥ गु
रुजितुळनेंग्यानथी ॥ कहेसुणितापसकाम ॥ मौनधरेस्यूमनथकी ॥ धर्मक
रोगुणधाम ॥ ४० ॥ सूअरसापनेंपुत्रसुत ॥ मरीनेंकरमपशाय ॥ तहत्तीक
रीमुनीतिहागया ॥ ससलाव्योसदसाव ॥ ४१ ॥ यत ॥ तावसकिमिमिणा
मुणवएण ॥ पमीवज्जजाणिउधम्म ॥ मरीउणसुअरोरग॥ जाउपुत्तसपुत्तोत्ति
॥ १ ॥ ढाल ॥ मनमोहनाजिनराया ॥ एदेशी ॥ कहेमुगोकरीपरिणाम ॥ क
होतेंगुरुठेकिणठामरे ॥ गुरुवदिश्गुत्तसावे ॥ जिमसवसयदुखमानावेरे ॥
॥गुरु०॥ एआंकणी ॥ श्हाचैत्यठेचक्रावतार ॥ मुनीकहेतिहागुरुगुणधाररे॥
॥ ४२ ॥ गु० ॥ मुगोकहेचालोजईश् ॥ गुरुप्रणमीनेंसूखपईश्रे ॥ गुरु० ॥
विस्मीतमुगानोपरीवार ॥ जाणेंजायतोअवलविचाररे ॥ ४३ ॥ गु० ॥ जई
प्रणम्योगुरुनापाय ॥ धर्मलाभदिश्गुरुरायरे ॥ गु ॥ पुछेतवमुगोस्वामी ॥ कि
मअतितवाततुमेपामीरे ॥ ४४ ॥ गु ॥ गुरुकहेअमेनाणथीजाणुं ॥ नाणअ
तिसयएहवपाणुंरे ॥ गु० ॥ प्रतिवोधयस्येश्मजाणी ॥ गुरुसार्पेधर्मनीवाणी
रे ॥ ४५ ॥ गु० ॥ मुगोप्रतीवोधतेपाम्यो ॥ पणिमुगोनामनवाम्योरे ॥ गु०॥
श्मविजुनामतेजाणो ॥ सांसलीकहेहर्षसराणोरे ॥ ४६ ॥ गु० ॥ प्रतिवोधल
हीससीरीतें ॥ प्रसूपद्मनासकहेनीतेंरे ॥ गु० ॥ वैताढ्यमाहितुम्हेदेपी ॥ निज
कुम्मलजुगलवीशेपीरे ॥ ४७ ॥ गु० ॥ प्रतिवोधतीहातूमथास्ये ॥ मीथ्यामत
दूरपलास्येरे ॥ गु० ॥ सुणीवदनाप्रसूनेंकीधी ॥ गयोकोसवीसुप्रसीद्धीरे ॥
॥४८॥ गु० ॥ मुगानेंदेपीसापे ॥ तूठपीप्रतीवोधप्रसूदापेरे॥ गु० ॥ मुळ्वुळ
वजेनिरधार ॥ तववोल्योमुकविचाररे ॥ ४९ ॥ गु० ॥ उग्रमकरूसक्तिप्रमा
णें ॥ सुरखेईगयोवेअठगाणेरे ॥ गु० ॥ कुटसीस्रायतनदेपाव्यो ॥ वलिवाततेश्
मसुणाव्योरे ॥ ५० ॥ गु० ॥ रयणावतचाकनाम ॥ एकुम्मलजुगलउद्दामरे ॥
गु० ॥ कुम्मलवलीकुटएदोय ॥ मुळअतीसयवछसजोयरे ॥ ५१ ॥ गु० ॥
शञ्चासमुहविवरनेंदेखें ॥ तिहाकुम्मलदेवनीवेखेंरे ॥ गु० ॥ आपेंचितामणीर
यण ॥ मठेतापेंएहवुवयणरे ॥ ५२ ॥ गु० ॥ जेंचिताकरीश्तेह ॥ एकदिनें

च० ॥ पहेलुनामअशोकरेजिनजीकहेहतुरे ॥
मपतुरे ॥ कोसबीएहजपुरसार ॥ अनितकाउनीबालविचार ॥
तापसनामेंसेठरेदानादिकफरेरे ॥ पणिपरमादितेहरेइम्पपफेवरीरे
नीत २ बहुव्यापार ॥ आरतध्यानधरेतेअपार ॥ २७ ॥ च० ॥
योमरीनेरेनिजघरदेपीनेरे ॥ जातिसमरणग्यानरेतासचित्रेणीनेरे
पनोदिवजातेआय ॥ सोजननीवेलाजबथाय ॥ २८ ॥ च० ॥
जामरेआवीढुकमीरे ॥ मांगलेईमार्जाररेचाउयोदमत्रमीरे ॥
मन्न ॥ वेलाअतिक्रमचढ्योवहुदिन्न ॥ २९ ॥ च० ॥
रेसूअरमारीउरे ॥ मांग्रतेराध्युतामरेक्रोधेंहकारीउरे ॥
ह ॥ सूअरनागपणेथयोतेह ॥ ३० ॥ च० ॥
रे ॥ जातिसमरणग्यानरेनागनेंनिपनुरे ॥ कर्म्मविचित्रथीनथयोकोप ॥
कपाउपनीययोवोध ॥ ३१ ॥ च० ॥रोधि
सहुतिहादोमीआव्यारेअहीजमघरिधर्योरे ॥
मनुजआयुवाध्युअसीराम ॥ ३२ ॥ च० ॥ नागदत्तइणिनामेंरेनीजकुलकामिनीरे ॥ वधुदत्ताउरेंआयोरेजनम्योजामिनीरे ॥ अशोकदत्तदिपुअसीन ॥ वरसएकथोलेथईसान ॥ ३३ ॥ च० ॥ माता
रे ॥ जातिसमरणपाम्योरेइमकहेकेवलीरे ॥ चित्वन
पुत्रवधुतेमातासालि ॥ ३४ ॥ च० ॥ सूतनेंतातनीहालीरमहावैरागीउरे ॥
मातापीताकिमसापुरेइममनसागीउरे ॥ मौनपणधरयुजाणीजाम ॥ मुनोमा
मप्रसीधथयोताम ॥ ३५ ॥ च० ॥ ढालअढारमीएहरेढगास्तममारे ॥
समरादित्यनेंरासेंरेरगअखमभारे ॥ श्रीगुरुउत्तमवीजयनोसीस ॥ पद्मविजय
कहेसुणतजगीस ॥ ३६ ॥ च० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९
॥ दुहा ॥ केवलग्यानीइमकहे ॥ बोल्यावारवरीस ॥ मौनाणीपारीवीउ ॥
घनादसुमुनीवा ॥ ३७ ॥ आव्यातेउचानमां ॥ वारुवयणविख्यात ॥
गलसाधुत्रीरे ॥ सिषविआसूससास ॥ ३८ ॥ नागदत्तघरिनिरपज्यो ॥

केमकरोगे ॥ एदेखी ॥ पगसूझिनेंयासाजन्मा ॥ वाहिनेजेहवीदोरमी ॥
लोचनमीचाणांजमजीहा ॥ पेटजीसिगागरमी ॥ ६९ ॥ श्रीगुरुआशातन
फलएहप्राणीकिमहीनबुझे ॥ एन्माकणी ॥ निद्रानाठिआवीअरति ॥ वेदना
चीलसोपेद ॥ वैद्यतेमावीद्रव्यसङ्घरनो ॥ आपीकहेतससेद ॥७०॥ श्री०॥
टालोवेदनतिर्णेपणिमाम्या ॥ उषधनाउपचार ॥ कायविशेषथयोनहीतेह
थी ॥ वैद्येंकस्योपरीहार ॥ ७१ ॥ श्री० ॥ तिव्रवेदनथीशणिपरेवोले ॥ इक
दिनपणिनरहाइ ॥ तिर्णेझअगनीमापेसीमरस्यू ॥ सूणिवाघवखेदाय ॥ ७२॥
श्री० ॥ मुर्छापामीपत्नीरोवे ॥ रोवेसङ्गपरीवार ॥ इणिसमेंसवरवैद्यनेरूपें ॥
आव्योछुरअवतार ॥ ७३ ॥ श्री ॥ पार्धेकोयलोअरहदत्तना ॥ घरपासेंजई
बोले ॥ सवरवैद्यझविद्यासागर ॥ कोईनहीमुझतोले ॥ ७४ ॥ श्री० ॥ सी
सवेदनाटालुषसनें ॥ वहिरतिमिरवलीटालू ॥ शूलनेंउदरव्यथामलव्याधी ॥
टालुकझतेपालू ॥ ७५ ॥ श्री० ॥ बोलाव्योसूणीनेंवङ्गमानें ॥ परीजनकहेसू
णिवैद्य ॥ मुहमाग्युतुमनेंआपीस्यू ॥ जलोदरटालोएसद्य ॥ ७६ ॥ श्री० ॥
तेहकहेझधरमवैद्यछु ॥नहिझद्रव्यनोलोही॥ कष्टसाध्यएव्याधीछेछुणज्यो॥ति
णेंसूपथीनवीसोही ॥ ७७ ॥ श्री० ॥ इहसवर्नेपरसवनीआणा ॥ त्यजवुप
मस्येसाई ॥ इहलोकेंकुपथ्यआहारादिक॥धातूकोपजिर्णेवाइ ॥७८॥ श्री०॥
परसवनुजेपापनकरवु ॥ तेहनियाणटालो ॥ इहलोकपणिपरलोकसवधे ॥
तिर्णेइहलोकअजुआलो ॥ ७९ ॥ श्री० ॥ तेहमामुख्यमीथ्यातनीवारो ॥
समकीतस्यूचितलावो ॥ ज्ञानक्रीयाअभ्यासकरावो॥ आरससङ्घवरजावो॥
॥ ८० ॥ श्री० ॥ प्रथमचरमपोरसीइकरवो ॥ चितमलशोधनकारी ॥ जिन
वरवयणसझायसलेरो ॥ विजोपोरसीअर्थकारी ॥ ८१ ॥ श्री० ॥ हिसाअ
लिकअदत्तनेंअन्नम्ह ॥ मूर्छापरीग्रहवारो ॥ करवुनहीवलीरात्रिसोजन॥ सम
तामांईवधारो ॥ ८२ ॥ श्री० ॥ मायाटालीजोसनकरवो ॥ वसवुवनसमशां
नें ॥ चित्तनीरीहपणेंवलीरहेवु ॥ अप्रतीवधविधानें ॥ ८३ ॥ श्री० ॥ साव
जलोदरटालूईणिपरि ॥ तोद्रव्यनोस्योसार ॥ सांसलिपरिजनइमविचारे॥ मर

एकपुरतेहरे ॥ गु० ॥ एहनीशाकर्तेतोइजाजे ॥
॥ ५३ ॥ गु० ॥ मानीएणेएयात ॥ कोसबिगयासुखसारे ॥ गु० ॥
योआपथीमान ॥ अनुक्रमेंपवीउतिएपानरे ॥ ५४ ॥ गु० ॥
आयो ॥ एकदोहदनासमुदायोरे ॥ गु० ॥ सरदकालेसहकारनीक्ष
नीपजेनवीतसयगोरे ॥ ५५ ॥ गु० ॥ गरसपीमापाम्योतात ॥ उरव
रीनीरासरे ॥गु०॥ मरस्येंएनीश्वयनारी ॥ इमलोकेवातविचारीरे ॥ गु०
मुगोचितेमायस्नेह ॥ जिनवाणीनअन्यपारेहरे ॥ गु० ॥ अन्य
जवाइ ॥ इमचिताचित्तमांलायरे ॥ ५७ ॥ गु० ॥ चितामणीपासेनामी ॥
हदपुरेयमत्तागीरे ॥गु०॥ अनु
॥ गु० ॥ अशोकदत्तगुरुनेंचरणे ॥ वालकर्नेलगावेशरणेरे ॥ गु० ॥ तवबा
करावामाग ॥ नित २ इमकालगमामरे ॥ ५९ ॥ गु० ॥ कुमरपणपाम्यो
जिहारें ॥ नितधर्मसुणावेतिहारेरे ॥ गु० ॥ गयोकालकेतोइकइम ॥ नवीला
गोधर्मनोप्रेमरे ॥ ६० ॥ गु० ॥ एकदिनवलीअशोकदत्त ॥ पुरवसबनीकहै
वत्तरे ॥ गु० ॥ पणिअरहदत्तनेंअग ॥ नवीलागोधरमनोरगरे ॥ ६१ ॥ गु०
उलटुकहेमुकनेंइम ॥ विलापकरेछेकेमरे ॥ गु० ॥ अहोकरमपरणतीभव्य
क्ती ॥ अशोकदत्तकरेव्यक्तीरे ॥ ६२ ॥ गु०॥ इमचितवैराग्यपामी॥आरंभ
परीपहवामीरे ॥ गु० ॥ लिघोशणेसजमसार ॥
॥ ६३ ॥ गु० ॥ सोगसोगघताकेईकाल ॥ ययोदूरलसबोधीनिहालरे ॥
चारित्रनीरतीचारपाली ॥ अशोकदत्तपापनेंगालीरे ॥ ६४ ॥ गु० ॥
करीनेंदेवताथाय ॥ अशोकदत्तमुनीरायरे ॥ गु० ॥ पर्वेतगण
कईलठेषमेरशालरे ॥ ६५ ॥ गु० ॥ ॥ दुहा ॥ पंचत्वभातापामीउ ॥
हवतेंसुणयुंइम ॥ शोकपयोतेहनेंसबल ॥ पामीबहुलोपेम ॥ ६६ ॥
कल्पतेपामीउ ॥ आप्योतसउपयोग ॥ अरहदत्तनोअवधिथी ॥ ज
लोजोग ॥ ६७ ॥ करूंउपायहवेआकरो ॥ जिमबुझेएजीव ॥
विवेगस्यु ॥ आएयूदूरवअतीव ॥ ६८ ॥ डाल ॥

पाय ॥ मा० ॥ कायकटलिउहोकेहवेनवीजाय ॥ मा०॥ ९९ ॥ जोपटालवा होकेऊअजोग ॥ मा० ॥ वरतूरुणीपरेंहोकेमाहरालोग ॥ मा० ॥ तूपणिउत्तम होकेकरीउपाय ॥ मा० ॥ अथवामुजपरेंहोकेंचालोसाय ॥ मा० ॥ ६०० ॥ लोककहेस्योहोकेउत्तमराह ॥ मा० ॥ सबरवैद्यकहेहोकेसणोउगह ॥ मा० ॥ जिनशासनमांहोकेविरुलेवे ॥ मा० ॥ व्याधीनआवेहोकेफिरीजेसेवे ॥मा० ॥ १ ॥ अनुकर्मेसघलीहोकेव्याधीतेजाय ॥ मा० ॥ पणिमुजजातिनोहोके थाकतेथाय ॥ मा० ॥ सजममुजथीहोकेनवीलेवाय ॥ मा० ॥ ताहरीउत्तम होकेजातिथीथाय ॥ मा० ॥ २ ॥ तिर्णेंस्योसजमहोकेअथवाचालो ॥ मा० ॥ माहरीसार्थेहोकेंमकरोटालो ॥ मा० ॥ लोककहेतूजहोकेंसाईशलिधी ॥ मा० ॥ विरुातुजपणिहोकेलेवीसीधी ॥मा०॥३॥ अरहदत्तेतवहोकेंमान्युएह ॥मा०॥ कोईकमुनीवरहोकेपासेंलेह ॥ मा० ॥ द्रव्यथीलीधीहोकेपणिनवीसावें ॥ मा० ॥ सबरवैद्यतवहोकेथानिकजावे ॥ मा० ॥ ४ ॥ केईकदिवसेंहोकेंथई तसअरती ॥ मा० ॥ कुलनेंनियाहोकेनगणीविरती ॥ मा० ॥ लिगतेंगमीहो केआव्यांगेह ॥ मा० ॥ देवेंजाणोहोकेवाततेह ॥ मा० ॥ ५ ॥ पुरवरीतेंहोकें व्याधीकीधो॥मा०॥लोकेंनयोहोकेदुखयझदियो॥मा०॥विद्यनेंपोलेहोकेतसप रीवार॥मा०॥ लाघोतेह्होकेंदेवविचार॥मा० ॥६॥विद्यनेंसापेहोकेफिरीरोगआ व्यो ॥ मा० ॥ करोउपगारहोकेतेहसमावो ॥ मा० ॥ वैद्यकहेसुणोहोकेकुप थ्यकिधु ॥ मा० ॥ परीजनकहेपरुहोकेदुखशणिलीधु ॥ मा० ॥ ७ ॥ सर्णेच रित्रेंहोकेलाज्याअम्हे ॥ मा०॥ पणिउपगारीइहोकेमोहटातुम्हे ॥ मा०॥ सब रकहेएहहोकेलेवेदिरुा ॥ मा० ॥ करीप्रपचहोकेसुरदिइसीरुा ॥ मा० ॥८॥ व्रतरुढाविणहोकेदीधुफेरी॥मा०॥शांतीकरीगयोहोकेंवैद्यतेमेरी॥मा०॥वलीघ रिआव्योहोकेचारीनमुकी ॥ मा० ॥ देवताइजाणेंहोकेगलिउमुकी ॥ मा० ॥ ९ ॥ व्याधीविकुर्व्योहोकेतिवरसावें ॥मा० ॥ वांधववोल्याहोकेकिमफिरी आवे ॥ मा० ॥ अवगुणथाइहोके किमनवीजाणें ॥ मा० ॥ ष्टनुवयणतेंहो केमानोएटाणें ॥ मा० ॥ १० ॥ अथवाजीवथीहोकेजावुदिसें ॥ मा० ॥ के

वाणीएसार ॥ ८५ ॥ श्री० ॥ अरहदत्तनसापेपरीजन ॥ मरणभीरइकना रु ॥ अरहदत्तचिंतेएमरणमो ॥ अधिकीबानविचारु ॥ [illegible] णिउपायनहिवीजोएहनो ॥ तिणेहांकारकहायो ॥ वैद्यकहेकुल[illegible] देपो ॥ मोहनपेसेसायो ॥ ८६ ॥ श्री० ॥ निश्चयमनकरज्योमूर्ख[illegible] कुमीत्रवयणमतसूणजे ॥ कुसीलसगत्यजजेश्हसबनी॥ वसुनक[illegible] ॥ ८७॥ श्री० ॥ मुकनेंमतमुकेतूमाहरु ॥ कमुतेकरज्येसाई ॥ स[illegible] मन्नमफलआलेप्यु ॥ अरहदत्तनिहागाई ॥ ८८ ॥ श्री० ॥ नमर[illegible] लिउंगोवा ॥ उंपघमन्र्यांतिणे ॥ उज्वलवस्त्रउंगामकरीनें ॥ [illegible] णें ॥ ८९ ॥ श्री० ॥ देवश्रकतिथीकोलाहलकरे ॥ सेरवश्रवतेमुके पृथवीआलोटीनेंउठे ॥ देवश्रकतीनवीचुके ॥ ९० ॥ श्री० ॥ विसवी[illegible] एठगेरवंमे ॥ समरादित्यनेंरास ॥ पमोतउत्तमवीजयनोजपे ॥ पद्मविजयपद विलास ॥ ९१ ॥ श्री० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ दुहा ॥ रुपधरीव्याधीरस्रो ॥ वक्रकलीमलजबास ॥ डरसीमघरयामदो सीसणअतीसयसाल ॥ ९२ ॥ आपसरीसअगएकसत ॥ व्याधीरुपपरीकर ॥ पापविपाकमानुपरिवस्यो ॥ देवनीशक्तिउदार ॥ [illegible] ॥ अपरिजअजेवो इस्यू ॥ कहेअपुरवकोय ॥ दितुनहीनहीदेपस्यू ॥ जोपेंएहसुजोय ॥ [illegible] ॥ रोगरूपकुणेंनिरपीउ ॥ सवरवैद्यसूरवकार ॥ आविउघअबलपरें ॥ पां[illegible] डरवनोपार ॥ ९५ ॥ वैद्यपमीवोसोवली॥सासेशणिपरेंसास ॥ पापव्याधीं[illegible] ज्ये ॥ कालितुक्सकासि ॥ ९६॥ मत्ता॥ केसरमरणेहोकेका[illegible] ल ॥ एदेशी ॥ हवेंश्मकरजेहोकेजिमएव्याधी ॥ [illegible] ॥ लगेहोकेडष्टउपाधी ॥मा०॥ आरोग्यसुखनोहोकेवेश्रतूपाम्यो ॥मा०॥ रमनिहोकेव्याधीतवाम्यो ॥मा०॥[illegible]॥ हवेतूकरजेहोकेशणिपरेंकाम ॥मा० मुलउर्भेहोकेपापनुगाम ॥ मा० ॥ जेहथीपामेंहोकेसुखअनत ॥ मा० ॥ नमजरानेंहोकेमरणनकृत ॥ मा० ॥ [illegible] ॥तुकपरेंमुकनेंहोकेशणिश्पहीउ ॥ मा० ॥ पापएव्याधीथीहोकेडखबकसहीउ ॥मा० ॥

पाय ॥ मा० ॥ कांयकटलिउंहोकेहवेनवीजाय ॥ मा०॥ ९९॥ ओपटालवा होकेकुअजोग ॥ मा० ॥ वरतूरणीपरेंहोकेमाहरालोग ॥ मा० ॥ तूपणिउत्तम होकेकरीउपाय ॥ मा० ॥ अथवामुजपरेंहोकेंचालोसाय ॥ मा० ॥ १०० ॥ लोककहेस्योहोकेउत्तमराह ॥ मा० ॥ सबरवैद्यकहेहोकेसूणोउगाह ॥ मा०॥ जिनशासनमांहोकेदिक्षालेवे ॥ मा० ॥ व्याधीनआवेहोकेफिरीजेसेवे ॥मा० ॥ १ ॥ अनुक्रमेंसपलीहोकेव्याधीतेजाय ॥ मा० ॥ पणिमुजजातिनोहोके वाकतेथाय ॥ मा० ॥ सजममुजथीहोकेनवीलेवाय ॥ मा० ॥ ताहरीउत्तम होकेजातिथीथाय ॥ मा० ॥ २ ॥ तिणेंल्योसजमहोकेअथवाचालो ॥ मा०॥ माहरीसाथेंहोकेंमकरोटालो ॥ मा० ॥ लोककहेतूजहोकेंसाईशलिधी ॥ मा०॥ दिक्षातुजपणिहोकेलेवीसीधी ॥मा०॥३॥ अरहदत्तेतवहोकेंमान्युएह ॥मा०॥ कोईकमुनीवरहोकेपार्सेलेह ॥ मा० ॥ द्रव्यथीलीधीहोकेपणिनवीसार्वे॥ मा० ॥ सबरवैद्यतवहोकेथानिकजावे ॥ मा० ॥ ४ ॥ केईकदिवसेंहोकेंथई तसअरती ॥ मा० ॥ कुलनेंनिघाहोकेनगणीविरती ॥ मा० ॥ लिंगतेंछांमीहो केआव्योगेह ॥ मा० ॥ देवेंजाणीहोकेवाततेह ॥ मा० ॥ ५ ॥ पूरवरीतेंहोकें व्याधीकीधो॥मा०॥लोकेंनथोहोकेदुखबहुदिधो॥मा०॥वैद्यनेंपोलेहोकेतसप रीवारा॥मा०॥ लाधोतेहहोकेदेवविचारा॥मा० ॥६॥वैद्यनेंसापेहोकेफिरीरोगआ व्यो ॥ मा० ॥ करोउपगारहोकेतेहसमावो ॥ मा० ॥ वैद्यकहेसूणोहोकेकुप थ्यकिंधु ॥ मा० ॥ परीजनकहेपरुहोकेदुखरणिलीधु ॥ मा० ॥ ७ ॥ इणेंच रिनेंहोकेलाज्याअम्हे ॥ मा०॥ पणिउपगारीरहोकेमोहटातुम्हे ॥ मा०॥ सब रकहेएहहोकेलेवेदिक्षा ॥ मा० ॥ करीप्रपचहोकेसूरदिशसीक्षा ॥ मा० ॥८॥ व्रतरंगविणहोकेलीधुफेरी॥मा०॥घातीकरीगयोहोकेवैद्यतेप्रेरी॥मा०॥वलीघ रिआव्योहोकेचारीत्रमुकी ॥ मा० ॥ देवताइजाएयूहोकेगलिउथुकी ॥ मा० ॥ ९ ॥ व्याधीविकुर्व्योहोकेतिवरसावें ॥मा० ॥ वाधववोल्याहोकेकिमफिरी आवे ॥ मा० ॥ अवगुणथाइहोकेकिमनवीजाणें ॥ मा० ॥ एहनुवयणतेहो केमानोएटाणें ॥ मा० ॥ १० ॥ अथवाजीवथीहोकेजावुदिसें ॥ मा० ॥ वो

वाथीएसार ॥ ८४ ॥ श्री० ॥ अरहदत्तनेसापेपरीजन ॥ मरणथीएहवक्ष
रु ॥ अरहदत्तचिंतेएमरणथी ॥ अधिकीवातविचारु ॥ [illegible] ॥
एउपायनहिवीजोएहनो ॥ तिणेहाकारकहायो ॥ वेषकेहेमुज [illegible]
देपो ॥ मोहनपेसेसायो ॥ ८६ ॥ श्री० ॥ निश्चयमनकरज्योतुम्हेंतपण ॥
कुमीत्रवयणमतसूणजे ॥ कुसीलसगत्यजजेग्रहसवनी ॥ वसुनमनमांगुरुने
॥ ८७॥श्री० ॥ मुक्तनेंमतमुकेतूमाहरु ॥ कसुतेकरज्येसाई ॥ इमकही
मत्रमम्लआलेप्यु ॥ अरहदत्तनिहागई ॥ ८८ ॥ श्री० ॥ नगरलोकसहु
लिउजोवा ॥ उपधमन्यांतिऐं ॥ उज्वलवसउगामकरीनें ॥ मभजप्योहर्षे
ऐं ॥ ८९ ॥ श्री० ॥ देवयकतिथीकोलाहलकरे ॥ सेरवयम्नतेमुके ॥
पृथवीआलोटीनेंउठे ॥ देवयकतीनवीचुके ॥ ९० ॥ श्री० ॥ बिसमीकाले
एठठेखंमे ॥ समरादित्यनेंरास ॥ पमीतउत्तमवीजयनोजपे ॥ पद्मविजयप्र
विलास ॥ ९१ ॥ श्री० ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
॥ डुहा ॥ रुपधरीव्याधीरसो ॥ वज्रकलीमलजवाल ॥ डरसीगपदव्यामणो ॥
सीसएअतीसयसाल ॥ ९२ ॥ आपसरीसअठएकसत ॥ व्याधीरुपपरीवार
॥ पापविपाकमानुपरिवस्यो ॥ देखनीशक्तिउदार ॥ [illegible] ॥ अचरिजजनदेषी
इस्यू ॥ कहेअपुरवकोय ॥ दितुनहींनहींदेषस्यू ॥ जोपेंएहवुजोय ॥ [illegible] ॥
रोगरूपकुर्णेनिरपीउ ॥ सवरवेचसूरवकार ॥ आविउपअबलपरें ॥ पाम्मे
डुखनोपार ॥ ९५ ॥ वेचेंपमीयोहोवली॥सासेश्णिपरेंसास ॥ पापव्याधीतुंपेष
ज्ये ॥ काढितुक्तसकासि ॥ ९६॥ ढाल॥ केसरवरणोहोकेकाढिकसुबोमेराला
ल ॥ एदेशी ॥ हवेंश्मकरजेहोकेजिमएव्याधी ॥मारालाल ॥ फिरीनवीव
लगेहोकेडुष्टउपाधी ॥मा०॥ आरोग्यसूरवनोहोकेवेयतूपाम्यो ॥मा०॥ पापक
रमनिहोकेव्याधीतेवाम्यो ॥मा०॥९७॥ हवेतुकरजेहोकेश्णिपरेंकाम ॥मा०॥
मुलउठेवेंहोकेंपापनुगम ॥ मा०॥ जेहथीपामेंहोकेसूरवअनत ॥ मा० ॥ ज
नमजरानेंहोकेमरणनअत ॥ मा० ॥ ९८ ॥ तुक्तपरेंमुक्तनेंहोकेश्णिश्यहीउ ॥
मा० ॥ पापएव्याधीथीहोकेडुखवज्रसहीउ ॥ मा० ॥ करतांमुक्तनेंहोकेतासक

पाय ॥ मा० ॥ कांयकटलिउहोकेहवेनवीजाय ॥ मा०॥ ९९॥ त्रोपटालवा होकेऊअजोग ॥ मा० ॥ वरतूइणीपरेंहोकेमाहरालोग ॥ मा० ॥ तूपणिउत्तम होकेकरीउपाय ॥ मा० ॥ अथवामुऊपरेंहोकेंचालोसाय ॥ मा० ॥ १०० ॥ लोककहेस्योहोकेउत्तमराह ॥ मा० ॥ सबरवैद्यकहेहोकेसूणोउगाह ॥ मा०॥ जिनशासनमाहोकेदिक्षालेवे ॥ मा० ॥ व्याधीनआवेहोकेफिरीजेसेवे ॥मा० ॥ १ ॥ अनुक्रमेंसघलीहोकेव्याधीतेजाय ॥ मा० ॥ पणिमुऊजातिनोहोके थाकतेथाय ॥ मा० ॥ सजममुऊथीहोकेनवीलेवाय ॥ मा० ॥ ताहरीउत्तम होकेजातिथीथाय ॥ मा० ॥ २ ॥ तिणेंस्योसजमहोकेअथवाचालो ॥ मा०॥ माहरीसार्थेहोकेंमकरोटालो ॥ मा० ॥ लोककहेतूऊहोकेंसाईशलिधी ॥ मा०॥ दिक्षातुऊपणिहोकेलेवीसीधी ॥मा०॥३॥ अरहदत्तेतवहोकेंमान्युएह ॥मा०॥ कोईकमुनीवरहोकेपासेंलेह ॥ मा० ॥ द्रव्यथीलीधीहोकेपणिनवीसावें॥ मा० ॥ सबरवैद्यतवहोकेथानिकजावे ॥ मा० ॥ ४ ॥ केईकदिवसेंहोकेंथई तसअरती ॥ मा० ॥ कुलनेंनिद्याहोकेनगणीविरती ॥ मा० ॥ लिगतेगमीहो केआव्योगेह ॥ मा० ॥ देखेंजाणीहोकेवाततेह ॥ मा० ॥ ५ ॥ पूरवरीतेंहोकें व्याधीकीधो॥मा०॥लोकेनथोहोकेउखवऊदिधो॥मा०॥विद्यनेंपोलेहोकेतसप रीवारा॥मा०॥ लाधोतेहहोकेवैवविचारा॥मा० ॥६॥विद्यनेंसापेहोकेफिरीरोगआ व्यो ॥ मा० ॥ करोउपगारहोकेतेहसमावो ॥ मा० ॥ विद्यकहेसूणोहोकेकुप थ्यकिधु ॥ मा० ॥ परीजनकहेपरुहोकेउखशणिलीधु ॥ मा० ॥ ७ ॥ इणेंच रित्रेंहोकेलाज्याअम्हे ॥ मा०॥ पणिउपगारीइहोकेमोहटातूम्हे ॥ मा०॥ सब रकहेएहहोकेलेवेदिक्षा ॥ मा० ॥ करीप्रपचहोकेसूरदिइसीक्षा ॥ मा० ॥८॥ व्रतभगविफहोकेलीधुफेरी॥मा०॥शांतीकरीगयोहोकेवैद्यतेप्रेरी ॥मा०॥वलीघ रिआव्योहोकेचारीत्रमुकी ॥ मा० ॥ देवताइजाण्यूहोकेगलिउथुकी ॥ मा० ॥ ९ ॥ व्याधीविकुर्व्योहोकेतिवरसावें ॥मा० ॥ बांधववोल्याहोकेकिमफिरी आवे ॥ मा० ॥ अवगुणथाइहोकेकिमनवीजाणें ॥ मा० ॥ एहनुवयणतेहो केमानोएटाणें ॥ मा० ॥ १० ॥ अथवाजीवथीहोकेजावुविर्त्रो ॥ मा० ॥ बो

स्योतवतेहोकेविद्यावाविसें ॥ मा० ॥ त्यांवेषमेहोकेकहेस्येजेह ॥ मा० ॥ करस्यूप्रेमेंहोकेसाचुतेह ॥ मा० ॥ ११ ॥ बधबेपोखताहोकेविगेआमा ॥ मा० ॥ कहेमुखनीचुहोकेकरीनेंताम ॥ मा० ॥ मातुकीधुहोकेकिरीयानकरीमा० ॥ रोगउपनाहोकेकायाविफरी ॥ मा० ॥ १२ ॥ कहोउपायहोकेसबरतेबोधे ॥ मा० ॥ विषयलोलपहोकेएहच्प्रतोलें ॥ मा० ॥ उपमहीएोहोकेनहीउपाय ॥ मा० ॥ पास्येन्भागलिहोकेवङ्कन्प्रपाय ॥ मा० ॥ १३ ॥ नरकतिरीनाहोकेदूखवड खमस्यें ॥ मा० ॥ पुगेएहनेंहोकेजुतकायगमस्यें ॥ मा० ॥ तूमन्प्रापहमीहोके करुवलीसाजो ॥ मा० ॥ मुझस्यूंहिमेंहोकेतोरहेताजो ॥ मा० ॥ १४ ॥ जईसस व्युहोकेमान्युमांणें ॥ मा० ॥ वैद्यकहेसूणिहोकेहवेममसाणें ॥ मा० ॥ जेजे कंकङ्घहोकेतेतेकरज्ये ॥ मा० ॥ मुझथीन्प्रलगोहोकेपणमतरहेज्ये ॥ मा० ॥ मा० ॥ हाहातणतोहोकेकीउनीरोगी ॥ मा० ॥ दोकेंसाप्योहोकेममएसोमी ॥ मा० ॥ वैर्येन्प्राप्योहोकेकोयलोहार्थे ॥ मा० ॥ नयरथीनीकस्योहोकेलेईनें सार्थे ॥ मा० ॥ १६ ॥ ढगेखमेंहोकेसापीढाल ॥ मा० ॥ एएकवीसमीहोके वानरसाल ॥ मा० ॥ दोहिलोवुझेहोकेउरलतबोही ॥ मा० ॥ पणितसबेबताहो केकरस्येसोही ॥ मा० ॥ १७ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ दुहा ॥ गांमांतरहवेतेगया ॥ सूरमायाकरेसार ॥ धुमतणाअंधारथी ॥ द ष्टिउखवातार ॥ १८ ॥ वसफूटेज्वालावली ॥ ग्रुरुमलेन्प्रसमांन ॥ थसतूमा मबताथीनें ॥ थात्योतेहन्प्रचान ॥ १९ ॥ तृणसारोशिरतोलीनें ॥ अरहवस्त कहेन्प्रांम ॥ उत्हाश्सुणथीन्प्रगनी ॥ कहोकिमकरोएकाम ॥ २० ॥ सूरक हेतूश्मसमझणो ॥ अगनीनवुझेश्म ॥ देहश्थणलेईवाहर्मा ॥ कहोपरिजाइके म ॥ २१ ॥ कोधन्प्रनलजिहांकिणधणी ॥ आवेपवनन्प्रन्नाण ॥ बझ्माणीथ लतातीहां ॥ नवीआवेतूझनाण ॥ २२ ॥ बोधीनसक्योबापलो ॥ पणिनबीबु ज्योपहाण ॥ आगलिपालीआविया ॥ महोकमकरीमनाण ॥ २३ ॥ बलीहारीरेतूझसेषनीरे ॥ एदेशी ॥ हारेरेवेबतारे ॥ उनमारगतिहांचालीजे ॥ कटकाकुलसूगमेरेलाख ॥ किमपगथीकुपथेमजोरे ॥ अरहवतकहेतामेरेख

ल ॥ २४ ॥ गुरुआशातनमतकरोरे ॥ एआंकणी ॥ हरि२देवकहेतूजाणेंश्म षढ़रे ॥ नविजाईश्तनमग्गरेलाल ॥ तोकिममोक्षमारगतजीरे ॥ किमसंसार मालग्गरेलाल॥२५॥गु०॥हरि२दे०॥श्मसूणीमौनकरयुतिणेंरा॥पणिनवीबुज्यो तेहरेलाल ॥ आगलिजायतवदेखतोरे॥ सुरअरूपकरेहरेलाल॥२६॥गु०॥ हा रे२दे० ॥ विविधजातिकणकूरनेरे ॥ ग्रामीअशुचीडुर्गंधरेलाल ॥ विष्टास्यूरा चिरस्योरे ॥ करीगाढोप्रतिबधरेलाल ॥ २७ ॥ गु०॥हरि२दे०॥ अरहदत्तदेषी वदेरे ॥ अहोएहनोअविवेकरेलाल ॥ कणमुकीविष्टासषेरे ॥ सूरकहेसूणितू ठेकरेलाल ॥ २८ ॥ गु० ॥ हरि२दे० ॥ कहेतूजाणेंठेपरोरे ॥ तेकहेस्यूकृत्य जाणरेलाल ॥ सुरकहेमुनीसुखग्रामीनेंरे ॥ तूकिमथयोअन्नाणरेलाल ॥ २९॥ ॥ गु० ॥ हरि२दे० ॥ अशुचिविषयडुर्गंधीआरे ॥ तेहमातूअबक्कमानरेलाल॥ सांसलीमौनकरीरह्योरे ॥ पणिनवीबुज्योअज्ञानरेलाल ॥ ३० ॥ गु० ॥ हा रे २ चालतारिएकगामेंजईनेंरह्यारे ॥ देवकूलमांघरीप्रीतीरेलाल ॥ तेवत रहेगेपमेंरे ॥ लोकदेखेविपरीतरेलाल ॥ ३१ ॥ गु०॥ हरि२दे० ॥ लोकवेश्या रेयानीकेरे ॥ वलितेपमतोहेगरेलाल ॥ वली२पमेमुकेवलीरे ॥ एहनीतिहांगई ठेगरेलाल॥ ३२ ॥ गु० ॥ हरि २ बोलतोरेअरहदत्तएमुरखोरे ॥ किम पमेंहेगेएहरेलाल ॥ अर्चापुजानवीआदरेरे ॥ तवसूरबोलेतेहरेलाल ॥ ३३ ॥ ॥ गु० ॥ हरि२तूकिमरेजाणेंठेएहबुरवरुरे ॥ तेकहेएहमांकायरेलाल ॥ सुर कहेतोतूविचारजेरे ॥ सजमग्रामीपलायरेलाल ॥ ३४ ॥ गु० ॥ हरि२सुरचि वरेगतीपूजनीकतेग्रामीनेंरे ॥ नरकादिकनोउपायरेलाल ॥ करतोकिमजाणेंन हीरे ॥ सांसलीमौनतेथायरेलाल ॥३५॥ गु०॥ हरि२देवतारेमायाएकविकुर्व तोरे ॥ कीकूउचारीअनंतरेलाल ॥ पेभ्रसरयुंठेतेहनुरे ॥ कुपकएकतसअतरे लाल ॥ ३६ ॥ गु० ॥ हरि२दे० ॥ सुकोविषमजग्याघणीरे ॥ तिहांएकलेस भवालरेलाल ॥ एकवलदतिहांपायवारे ॥ चारिमुकिअसरालरेलाल ॥ ३७ ॥ गु० ॥ हरि२दे० ॥ जातांलमध्यमीनेंपम्योरे ॥ सार्गाअगउपांगरेलाल ॥ देषी अरहदत्तबोलीउरे ॥ अहोएबेलविरगरेलाल ॥३८॥गु०॥हरि२दे०॥ कीकूआ

चारीनेंगमिनेरे॥ किहांपावाएजायरेलाल ॥ सुरकहेजाणेंतूपरोरे ॥ तेकहेएत लूनगयरेलाल ॥ ३९ ॥ गु० ॥ हरि२दे० ॥ किमतूसुरसमभिमेरे ॥ तेह जीकूमईचारिरेलाल ॥ एकप्रवाललवगारीपारे॥ माणसमुखअवधाररेलाल ॥ ॥ ४० ॥ गु० ॥ हरि२दे० ॥ तसअसीलारवाश्आतमारे ॥ किमपामेउत्तमती कुपरेलाल॥तेसूणीकर्मसंचयगल्योरे॥चितवेश्मसरुपरेलाल॥ ४१ ॥ गु०॥हरि१ जाणिश्रेएहमाणसनहींदेवतारे॥मुजकहेश्मवारवाररेलाल ॥ वातजमीसस्यअ तोरे ॥ साश्पणएहविचाररेलाल ॥ ४२ ॥ गु० ॥ हरि २ पुछुंएरेतासप रमारथएहनेंरे ॥ चिंतवीगुज्युतामरेलाल ॥ तूकुंणएहमुजसाईपरेरे ॥ वातसूण मेंआमरेलाल ॥ ४३ ॥ गु० ॥ हरि २ देवतारेकहेक्रपरजायांतरेरें ॥ अरहे कदत्ततूजाणिरेलाल ॥ अरहदत्ततवबोलीउरे ॥ कहोप्रत्ययअहीनाणरेलाल॥ ॥ ४४ ॥ गु० ॥ हरि २ दे० ॥ कहेआपणविक्रश्मलिरे ॥ वैताढ्यपर्वतगय रेलाल ॥ कुंमलजुगलजेथापीउरे ॥ प्रतीबोधननेंकामरेलाल ॥ ४५ ॥ गु० ॥ हरि २ देवतारेकहेदेपाकुंतुजनेंरे ॥ मानीअरहदत्तेंवाणिरेलाल ॥ दिव्यसरुप करीलेईगयोरे ॥ देपाम्यातिणेंगणिरेलाल ॥ ४६ ॥ गु० ॥ हरि २ तेहनेंरेकु टकूमलसक्रदेषीनेंरे ॥ जातिसमरणज्ञानरेलाल ॥ उपनुकर्मविचित्रथीरे ॥ आ ग्युसाम्यप्रधानरेलाल ॥ ४७ ॥ गु० ॥ हरि २ तेहवेंरेसावथीदिक्षाआदरेरे ॥ देवषमावीतामरेलाल ॥ निजथानिकगयोदेवतारे ॥ करीनीजसघलूकामरेला ल ॥ ४८ ॥ गु० ॥ हरि २ तेहमंरिपुरोहीतसुतक्रजाणजेरे ॥ धरणसूणोमुज वातरेलाल ॥ विराधकमाणीतणारे ॥ नहीतूजसमअवदातरेलाल ॥ ४९ ॥ गु०॥ हरि २ जेहहोईरेअवीराधकप्राणीसलारे ॥ तेसूरवेंकरेंनिरवाहरेलाल ॥ विषेसं जमतुम्हेआवरीरे ॥ तरोसत्यारअगाहरेलाल ॥ ५० ॥ गु०॥ हरि २ रुअमीरे ढगेरवंमिएकहीरे ॥ बाविसमीवरढालरेलाल॥ पद्मकहेंश्रोताघरेंरे ॥ होयोमंगल मालरेलाल ॥ ५१ ॥ गु० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ उहा ॥ करजोमीधरणोकहे ॥ आणिकरूअणगार ॥ ससलाबुंमावीयसबे ॥ उत्तमतूमअधीकार ॥ ५२ ॥ मुजेजोपुण्यजबर्ले ॥ मुनीकहेसूलेंमहलाभ ॥

बुझ्यामीत्रलेईबहु ॥ वहेलोतेवमलाग ॥५३ ॥ आविमावीत्रआगले ॥ आला
प्योअधीकार ॥ बुझ्यांवहुमानेंनही ॥ सारोएसआर ॥ ५४ ॥ जननीमीत्र
जनकवली ॥ विधीपूर्वकवमवीर ॥ व्रतसहुसार्येसमहे ॥ धरणेसाहसधीर ॥
॥ ५५ ॥ अरहदत्तगुरुआदरें ॥ सिपाव्यावहुसूत्त ॥ किरीयापणिवहुविधक
रे ॥ गितारथगुरुगुत्त ॥ ५६ ॥ ढाल ॥ गोवाळरुआचारति ॥ आहिरनोअव
तार ॥ रूमुगोकलीउ ॥ एदेशी ॥ एकलमलपमीमासणी ॥ जोग्यथयारीषीरा
य ॥ ड करतपकारी ॥ इणाकरतांतेहनी ॥ आणागुरुनीथाय ॥ ५७ ॥ ड० ॥
सावीतेहनीसावना ॥ तपसूत्रादिकजेह ॥ ड० ॥ एकलविहारअगीकस्यो ॥
विहारकरेरीपीतेह ॥ ५८ ॥ ड० ॥ एकरातिगामेंवसे ॥ नयरेंवसेपचराति
॥ ड० ॥ तामलीप्तिपुरीआविआ ॥ काउसग्गेमुनीठात ॥ ड०॥५९॥ वातसूणो
लषमीतणी ॥ काठिदेवपुरवाहर ॥ड०॥ सूवचनेंपोलीतदा ॥ करीप्रयत्नअपार
॥ ६० ॥ ड० ॥ नदिवर्द्धनगाममे ॥ थयोविहुनोसजोग ॥ ड० ॥ निजघेपे
लेईगयो ॥ सोगवतोसूखसोग ॥ ड० ॥ ६१॥ कोईककालव्यतीक्रमें ॥ साथि
लेईतेनारि ॥ ड० ॥ तामलिप्तिपुरवाहिरें ॥ उतरीउपरीवार ॥ ६२॥ ड० ॥ कि
रति२तिहांगई ॥ लगीजिहांमुनीराय ॥ ड० ॥ उलपीयारीपीराजनें ॥
मनमांवहुषेदाय ॥ ६३॥ड० ॥ पापकरमनाजोरथी ॥ क्रोधलहीमनमांहि ॥
॥ड०॥वज्रघातपरेंतेथई ॥ चिंतेकिमएआहि ॥६४॥ड०॥ दिठोमेंमुझपापथी॥
कांयकदेउकलक ॥ ड० ॥ कठासर्णत्रोमीठवु ॥एहनीपासनी सक ॥ ६५ ॥
ड० ॥ कोलाहलकरस्यूपठी ॥ ठरस्येंतवएचोर ॥ ड० ॥ चमसासनठेसूपती॥
हणस्येंएशणगेर ॥ ६६ ॥ ड० ॥ सिक्षुरूपेंमहीचोरने ॥ लोप्रसहितहण्याका
ल ॥ ड० ॥ लिंगीपणचोरीकरे ॥ एहप्रसिद्धीसालि ॥ ६७ ॥ ड० ॥ जिममन
चित्यूतिमकस्यु ॥ आव्योधाईकोटवाल ॥ ड० ॥ आविमुनीवोलाविआ ॥कां
यकउत्तरआलि ॥ ६८ ॥ ड०॥ नथिवोलेजवतेरीषी ॥ सूपणपोलेंताम ॥ड०॥
ठिन्नकेकर्णपासेंपम्यु ॥ दिठुदूरनगाम ॥ ६९ ॥ड०॥ नयरीजनसोलावीआ॥
वातदेपामीतेह ॥ ड० ॥ नरपतीनेंजईविनव्यो ॥ चोरअपुरवएह ॥ ७० ॥

ड० ॥ विस्मितबोलेनृपती ॥ पोलिकरीपरीरिति ॥ड० ॥ मारोएह्मेंतपतिहां॥ पुछेपुरवनीती ॥७१॥ड०॥ नविबोल्याजबतेमुनी ॥ तबऊपनोसकोप॥ड०॥ अहोकपटवेसेंरसो ॥ नवीबोल्येकरीलोप ॥ ७२ ॥ ड० ॥ मारएजनकथा वीआ ॥ शुलीश्दिधोसाध ॥ ड० ॥ करेचमालऊदघोषणा ॥ सुणोपापअगाध ॥ ७३ ॥ ड० ॥ साधुवेसेंचोरीकरी ॥ तिणेएमारयोजाय ॥ ड० ॥ बलिको ईकरस्येश्णिपरें ॥ तसपणिवधश्मथाय ॥ ७४ ॥ ड० ॥ तपपरसावेंमुनीस र्णे ॥ शूलीधरतीमांहि ॥ ड० ॥ पेठीमुनिनिविघ्यानही ॥ कूसुमवृष्टीथईत्यांहि ॥ ७५ ॥ ड०॥ धर्मतेजयवतोअछे ॥ श्मथईलोकमांवाणि ॥ ड० ॥ रायनेंमई वधामणी ॥ आव्योनृपतेगण ॥ ७६ ॥ ड० ॥ हरखेंकरतोवदना ॥ पुछेविस्म यवाता॥ड० ॥ किमएस्वामीनीपनु ॥ सापोमुझअवदात ॥ ७७ ॥ ड० ॥ नवि बोल्याजबतेमुनी ॥ तबनरकहेपरधान ॥ ड० ॥ व्रतविशेषसतारीषी ॥ नक रेउत्तरदान ॥ ७८ ॥ ड० ॥ छठेखंमेएकही ॥ त्रेवीसमीवरढाल ॥ ढू० ॥ स मरादित्यनारासमां ॥ पद्मनेंमगलमाल ॥ ७९ ॥ ड० ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ डहा ॥ पुछेतेनारीप्रतें ॥ तबनृपमुकेतलार ॥ नाठीलोकवचनसुणी ॥ नवि लाधीतेनारि ॥ ८० ॥ नृपनेंकहेतेनवीजमी ॥ सूपतीकहेतवसास ॥ सोधि करोसम्यगपरें ॥ तवपोलणगयातास ॥ ८१ ॥ आरामशून्यउघानमां ॥ दे वकूलेंनवीदीठ ॥ पणितससर्त्तीपेषीतं ॥ नासतोथोनीठ ॥ ८२ ॥ कोटवालेंप कमीकरी ॥ नृपनेंआंण्योंनयण ॥ पकम्योनारीतणोपती ॥ सेठएसहोस्रुवय ण ॥ ८३ ॥ नारितोश्णिनगरीनथी ॥ नासतापकम्योनाथ ॥ तुममनमांमें तिमकरो ॥ हेंसऊतुमचेहाथि ॥ ८४ ॥ ढाल ॥ साहिबामोतिघोर्मेंहमा रो ॥ एदेशी ॥ सूपकहेतुऊकिहांछेनारि ॥ तेकहेऊनजाणनीरधार ॥ साहिबा तुम्हेंसूणज्योसाधु ॥ मोहनांतुमेसुणज्यो ॥ एआंकणी ॥ रायकहेतोनाठे केम ॥ तेकहेसयलहीनाठेश्म ॥ ८५ ॥ सा० ॥ बिणअपराधेंसयकिमला गो ॥ सूपपुछ्यापछीकहेएकआगो ॥ सा० ऊष्टनारीमहीवृक्षनुमुल ॥ तेहज मुझअपराधअतूल ॥ ८६ ॥ सा० ॥ असयवित्तऊनेंनृपसाचे ॥ कोमुऊ

व्यतीकरसघलोदापे ॥ सा० ॥ कोणरीषीएकोणवलीनारी ॥ सुवयणदेपेतव
अणगार ॥ ८७ ॥ सा० ॥ जलपीआसूनयर्णेसरीआं ॥ मुनीवरचरीतदेपीचि
तठरीआं ॥ सा० ॥ विस्मयलहीकेहेरायनेंश्म ॥ नविकहेवाजेहवुभसूनेम ॥
॥ ८८ ॥ सा० ॥ रायकहेसञ्चारएएहवो ॥ एहमाञ्चरीजलहेवोकेहवो ॥
सा० ॥ सुवयणकहेएकांतकरीजें ॥ तवनृपपरीजनदूरिधरीजें ॥ ८९॥सा०॥
मुनीदिषीनेंघणुपठतायो॥ नृपनेंकहेऊपापेंसरायो॥ सा०॥ पुरषस्वानऊपुरुष
मजाणो ॥ सत्यसंधामुनिपुरषवषाणो ॥९०॥सा०॥ कृतगुणजाणञ्चपरउपगा
री ॥ व्रतधरयुसर्वञ्चकारजवारी॥सा०॥ एहमासर्ववातमुऊसाषी॥रायञ्चाग
लिपुरीनवीदाषी ॥ ९१ ॥ सा०॥ तुऊसमपुरुषतेस्वाननकहिइ ॥ प्रस्तुतवातक
होजिमलहिइ ॥ सा० ॥ वातकहीतवसघलीजाम ॥ नरपतितूटमानथयोता
म ॥ ९२ ॥ सा० ॥ मुक्योसूवयणमुनीनमीचाल्यो ॥ आर्यमगुपासेंमीथ्यात
टाल्यो ॥ सा० ॥ धर्मसांसलीकरयोपश्चाताप ॥ घरणनेंरागेंश्रमणथयोआप
॥ ९३ ॥ सा० ॥ नरपतीप्रणमीमुनीवरपाय ॥ हरषेंनीजसूवनेंतेआया॥सा०॥
सयपांमीतीहांनाठीलषमी ॥ जातावाटिपमीतीहांविषमी ॥ ९४ ॥ सा० ॥
लुट्यांवस्त्रासरणतेचोरें ॥ रातिपाछिलीएकजपोहरें ॥ सा० ॥ पोहतीनामकुस
स्थलगाम ॥ तसनरपतीमाम्युएककाम ॥ ९५ ॥ सा० ॥ राणीनेंविघननिवा
रणमाटे ॥ पुरोहितगामवाहिरइणवाटें ॥ सा० ॥ अगनीकरीचोवटेंचरूरांधे ॥
चोकिमुकीचिऊदिशबांधे ॥ ९६ ॥सा०॥ नरवसेदिततउलकरीमुक्या ॥ मन्त्र
जापकरतांनवीचुक्या ॥ सा० ॥ इणअवसरदेपीतेज्वाला ॥ इणमारगआवी
सावाला ॥ ९७ ॥ सा० ॥ उतरयोसाथजाणीनेंआवी ॥ दिठीदिशापालेंतवठा
वी ॥ सा० ॥ सीवारुतनेंलगतीदेषी ॥ सयपाम्यारापसणीलेषी ॥ ९८ ॥सा०॥
यत्यापगनेंपमीकरवाल ॥ करकप्यामानुजिवितसाल ॥ सा० ॥ पमीआधर
तीतवनेनारी ॥ वोलेमतबिहोमनहारी ॥ ९९ ॥ सा० ॥ ऊतुमनुप्यणीश्मकही
आवे ॥ पुरोहितपासनगननेंसावें ॥ सा० ॥ वेपीधीर्यधरीतसकेञ ॥ पकमी
कहेविहोमतलेञ ॥ ७०० ॥ सा० ॥ दिशापालतवउठीआया ॥ बाधीनयर

इ० ॥ विस्मितबोलेभूपती ॥ पोलिकरीपरीरिति ॥इ० ॥ मारोएहनेंतवतिहां॥
पुछेपुरवनीती ॥७१॥इ०॥ नविबोल्याजवतेमुनी ॥ तवउपनोमसकोप ॥इ०॥
अहोकपटवेसेंरसो ॥ नवीबोटयेकरीलोप ॥ ७२ ॥ इ० ॥ मारएवनकक्षा
वीआ ॥ शुलीशदिधोसाध ॥ इ० ॥ करेचमालउदघोपणा ॥ सुणोपापअगाध
॥ ७३ ॥ इ० ॥ साधुवेसेंचोरीकरी ॥ तिणेंएमारयोजाय ॥ इ० ॥ वलिको
ईकरस्येशणिपरें ॥ तसपणिवघश्मथाय ॥ ७४ ॥ इ० ॥ तपपरसावेंमुनीम
णें ॥शूलीधरतीमांहि ॥ इ० ॥ पेठीमुनिविध्यानही ॥ कूसुमवृष्टीथईत्यांहि
॥ ७५ ॥ इ०॥ धर्मतेजयवतोअछे ॥ श्मथईलोकमावाणि ॥ इ० ॥ रायनेंगई
वधामणी ॥ आव्योन्रृपतेठाण ॥ ७६ ॥ इ० ॥ हरपेंकरतोवदना ॥ पुछेविस्म
यवाता॥इ० ॥ किमएस्वामीनीपनु ॥ सापोमुझअववदात ॥ ७७ ॥ इ० ॥ नवि
बोल्याजवतेमुनी ॥ तवनरकहेपरधांन ॥ इ० ॥ व्रतविशेषवतारीषी ॥ नक
रेउत्तरदान ॥ ७८ ॥ इ० ॥ ढठेरवंमेएकही ॥ वेवीसमीवरढाल ॥ वू० ॥ स
मरादित्यनारासमा ॥ पद्मनेंमगलमाल ॥ ७९ ॥ इ० ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥
॥ दुहा ॥ पुछेतेनारीप्रतें ॥ तवन्रृपमुंकेतलार ॥ नाठीलोकवचनसूणी ॥ नवि
लाधीतेनारि ॥ ८० ॥ न्रृपनेंकहेतेनथीजमी ॥ सूपतीकहेतससास ॥ सोधि
करोसम्यगपरें ॥ तवषोलणगयातास ॥ ८१ ॥ आरामशून्यउपानमां ॥ दे
वकूलेंनवीदीठ ॥ पणितससत्तपिपीउ॥ नासतोयोनीठ ॥ ८२ ॥ कोटवालेंप
कमीकरी ॥ न्रृपनेंआण्योंनयण ॥ पकम्योनारीतणोपती ॥ सेठएअहोसुणय
ण ॥ ८३ ॥ नारितोइणिनगरीनथी ॥ नासतापकम्योनाथ ॥ तुममनमामें
तिमकरो ॥ हेंसऊतुमसेहाथि ॥ ८४ ॥ ढाल ॥ साहिबामोतियानेंहमा
रो ॥ एदेशी ॥ सूपकहेतुझकिहांछेनारि ॥ तेकहेऊनजाणुनीरधार ॥ साहिबा
तुम्हेंसूणज्योसाधु ॥ मोहनातुमेसूणज्यो ॥ एआंकणी ॥ रायकहेतोनाठो
केम ॥ तेकहेसयलहीनाठोश्म ॥ ८५ ॥ सा० ॥ विणअपराधेसयकिमलाग
गो ॥ सूपपुछ्यापछीकहेएकआगो ॥ सा० इष्टनारीयहीवूरवनुमुल ॥ तेहज
मुझअपराधअतूल ॥ ८६ ॥ सा० ॥ असयविउतुझनेंन्रृपसाचे ॥ जोमुझ

॥ ढ० ॥ दुहा ॥ शांतिकरण श्रीशांतिजी ॥ समरु सुखदातार ॥ प्रणमुं सरसेसर प्रभु ॥ भगवंती आधार ॥ १ ॥ सातमो खंडसोहामणो ॥ समरादित्यसंबंध ॥ सेनविसेनदोयभ्रातृसूत ॥ पीतरांईपरबंध ॥ २ ॥ जंबुद्धीप लख जोअणो ॥ भारतसारह वास ॥ तिहांचपानयरीतणो ॥ उत्तमठेआवास ॥ ३ ॥ सेसफणासो गजसमो ॥ पोळोळेप्राकार ॥ हिमगिरीशिखरहरावता ॥ सूवनतणोससार ॥ ॥४॥ नंदनवनवनेंजीतीउ ॥ सरोवरेंमानकासार ॥ महाजनजिहांअमत्सरी ॥ वंछयघणदातार ॥ ५ ॥ रुपवंतरलिआमणी ॥ सूंदरघणसुकमाल ॥ लज्जावंत महिलातिहां ॥ विनयवंतसुविशाल ॥ ६ ॥ अमरसेनअवनीपती ॥ साधीत दिशीवधुसार ॥ ईर्ष्याश्यावीवरी ॥ लषमीपणितसंहार ॥ ७ ॥ जायातस जयसूंदरी ॥ सयलअंतेउरसीत ॥ अनुसवतोतेहस्युं अवल ॥ विषयसोगसु विशिठ ॥ ८ ॥ ढाल ॥ क्रीडाकरीघरिआविउ ॥ एदेशी ॥ इणिअवसरदेवलो कथी ॥ चविउपाळीआयरे ॥ धरणजीवतिहांउपनो ॥ स्वपनलहेंसुखदायरे ॥ ॥ ९ ॥ इणि ॥ दंडकनकमयदिपतो ॥ रयणविभूषीततूंगरे ॥ देवदुष्यध्वज सहकतो ॥ गयणसूषणमानुचंगरे ॥ १० ॥ इणि ॥ वदनेंउदरमांपेसतो ॥ विस्मयकारीविचित्तरे ॥ सूर्यउदइदेषीकरी ॥ जागीनींदअनीतरे ॥ ११ ॥ इणि ॥ हर्षेंपतिससलावती ॥ कहेतवनरपतीश्मरे ॥ सकलनरिंदकेतुशमो ॥ पुत्रथस्येंतुझनेमरे ॥ १२ ॥ इणि ॥ सांसलीतेहअगीकरे ॥ अनुक्रमेंसाधेत्रिवर्गरे ॥ उचितसमयसूतप्रसविउ ॥ सूखमातेहनिसर्गरे ॥ १३ ॥ इणि ॥ हरषमतीदासीतदा ॥ दिधवधाइरायरे ॥ दानसतोषनुंनृपदिइ ॥ मासएकवहिजायरे ॥ १४ ॥ इणि ॥ सेनकुमरनामथापीउ ॥ वरसएकथयुंजामरे ॥ नरकथकीहवेनिकल्यो ॥ जिवलठीनोतामरे ॥ १५ ॥ इणि० ॥ समीउतेहसंसारमां ॥ अनंतरसर्वेनरथायरे ॥ कायककष्टकरीतिहां ॥ नरपतीकुलमाआयरे ॥ १६ ॥ इणि ॥ अमरसेननरपतीतणो ॥ लाईलघुहरीसेणरे ॥ हारप्रसातसंसारया ॥ तसकुपेंगर्ससेंणिरे ॥ १७ ॥ इणि० ॥ जवजनम्योतवथापीउं ॥ नामविसेनकुमाररे ॥ सेनकुमारपहेंकला ॥ करतोविसेनस्युंप्याररे ॥ १८ ॥ इणि० ॥ पणि

मालेईसिघाया ॥ सा० ॥ नृपतिनेजणप्युकहेत्यारें ॥ करज्योकिवाकीविय प्रकारें ॥ १ ॥ सा०॥ एहनुमांगएहनेंखवराप्यु ॥ लेईअश्रुवीभुवनायराप्यु ॥ सा० ॥ करीयविटंवणाअतिहिनिभठी ॥ गांममांमीकाढीतेप्रबल ॥ सा० ॥ २ ॥ पेसवानवीपामीकोईगांमे ॥ अटवीमांफिरतीगमगमें ॥ सा० ॥ पुर्व कर्मनेउदइमारी ॥ गजवरेंपापकरीअतीसारी ॥ ३ ॥ सा० ॥ पुनमसाईन नीतेह ॥ घोरपापनांफलठेएह ॥ सा० ॥ सत्तरसागरतेहनुआय ॥ सजनमा लेधरणमुनीराय ॥ ४ ॥ सा० ॥ करीसलेपणाशुभपरीणाम ॥ पापोपकरेअ णसणताम ॥ सा० ॥ कालकरीउपनाअणगार ॥ आरणदेवलोकमांअवधार ॥ सा० ॥ ५ ॥ चन्द्रकांतीवीमानेंएह ॥ एकविससागरआयुधरेह॥ [illegible] ॥ धरणलठीदपतीनोलाप्यो ॥लवठगेरवमेंचीतराप्यो ॥ सा० ॥ चोवीसमीकर्वे एपुरो ॥ किधोठगेरवमनसनुरो ॥ ७ ॥ सा० ॥ साद्रवावदवअमेंगुरुवारें ॥ वि सलनगरचोमासुतिवारें ॥ सा० ॥ अढारसेंएकतालावरपें॥ शांतीजीनेश्वरवा स्येथीहरपें ॥ ८ ॥ सा० ॥ विजयसिहसूरीसीशसवायो ॥ सत्यविजयगुरु गमागवायो ॥ सा० ॥ श्रीगुरुकपुरविजयतसशीसो ॥ षीमाबीजयतसशीस जगीसो ॥ ९ ॥ सा० ॥ पमीतजीनविजयजयवतो ॥ विद्याविवरूणसवप वतो ॥ सा० ॥ उत्तमविजयसुशीससोलागी ॥ तत्वज्ञानमांजसमतीजागी ॥ १० ॥सा०॥ उत्तमसमरादित्यनोरास ॥ पद्मविजयकहेलीलविलास ॥सा०॥ सांसलतांहोयमगलमाला ॥ पुण्यमहोदयसुखसुवीशाला ॥ ११ ॥

इतिश्रीसविज्ञपक्षीयपंमीतप्रवरमउत्तमविजयग० शिष्यप० पद्मविजय ग०विरचितेसमरादित्यचरीत्रेप्राकृत्यप्रबधेधरणलक्ष्मीबधुनरयो सगतमोम्प ष्टोनरसव समाप्त सर्वगाथाषट्पंक्ते ॥ ७१-१ ॥ उक्तगाथाकाव्य ॥ १० ॥ सवइउं ॥ १ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९

॥ ई० ॥ दुहा ॥ शांतिकरणश्रीशांतिजी ॥ समरूसूखदातार ॥ प्रणमुसरवेसरप्रसू ॥ अमवमीआंआधार ॥ १ ॥ सातमोरवमसोहामणो ॥ समरादित्यसबध ॥ सेनविसेनदोयभातृसूत ॥ पीतराईपरवध ॥ २ ॥ जवुधीपलेख जोअणो ॥ बारुसारहवास ॥ तिहाचपानयरीतणो ॥ उत्तमठेआवास ॥ ३ ॥ सेसफणासोगजसमो ॥ पोढोछेप्राकार ॥ हिमगिरीशिखरहरावता ॥ सूवनतणोससार ॥ ॥ ४ ॥ नदनवनवनेजीतीउ ॥ सरोवरेमानकासार ॥ महाजनजिहाअमत्सरी ॥ बहुधणकदातार ॥ ५ ॥ रुपवतरलिआमणी ॥ सूदरघणसुकमाल ॥ लज्जावत महिलातिहा ॥ विनयवतसूविशाल ॥ ६ ॥ अमरसेनअवनीपती ॥ साधीत दिशीवघुसार ॥ ईर्ष्याश्आवीवरी ॥ लपमीपणितसद्दार ॥ ७ ॥ जायातस जयसदरी ॥ सयलअतेउरसीउ ॥ अनुत्तवतोतेहस्यूअवल ॥ विपयसोगसूविशिठ ॥ ८ ॥ ढाल ॥ कीमाकरीघरिआविउ ॥ एदेशी ॥ इणिअवसरदेवलोकथी ॥ चविउपालीआयरे ॥ धरणजीवतिहांउपनो ॥ स्वपनलहेंसुखदायरे॥ ॥ ९ ॥ इणि ॥ दमकनकमयदिपतो ॥ रयणविलूपीततूगरे ॥ देवउध्यध्वज लहकतो ॥ गयणसूपणमानुचगरे ॥ १० ॥ इणि ॥ वदनेउदरमांपेसतो ॥ विस्मयकारीविचित्तरे ॥ सूर्यउदश्देपीकरी ॥ जागीनींदअनीतरे ॥ ११ ॥ इणि ॥ हर्षेपतिससलावती ॥ कहेतवनरपतीश्मरे ॥ सकलनरिंद्रकेतुशमो ॥ पुत्रथस्येंतुकनेमरे ॥ १२ ॥ इणि ॥ सांसलीतेहअगीकरे ॥ अनुक्रमेंसाधेत्रिवर्गरे ॥ उचितसमयसूतप्रसविउ ॥ सूरवमातेहनिसर्गरे ॥ १३ ॥ इणि ॥ हरपमतीदासीतदा ॥ विधवधाश्रायरे ॥ दानसतोपनुन्रपदिइ ॥ मासएकवहिजायरे ॥ १४ ॥ इणि ॥ सेनकुमरनामथापीउ ॥ वरसएकथयूजामरे ॥ नरकथकीहषेनिकल्यो ॥ जिवलठीनोतामरे ॥ १५ ॥ इणि० ॥ समीउतेहसशारमां ॥ अनतरसर्वेनरथायरे ॥ कांयककष्टकरीतिहा ॥ नरपतीकुलमाआयरे ॥ १६ ॥ इणि ॥ अमरसेननरपतीतणो ॥ साईलघुहरीसेणरे ॥ हारप्रस्तातससारया ॥ तसकुपेंगर्सेणिरे ॥ १७ ॥ इणि० ॥ जवजनम्योतवथापीउ ॥ नामविसेनकुमाररे ॥ सेनकुमारपहेकला ॥ करतोविसेनस्युप्याररे ॥ १८ ॥ इणि० ॥ पणि

नहिसेनरयुंतेहनें ॥ इमकरतांकेइकालरे ॥ इकदिनजय २ रवथयो ॥ कुंव मरटीसुविशालरे ॥ १९॥ श्रणि० ॥ सुरसिद्धवियाधरपकी ॥ थयोपरकोप्र कासरे ॥ रायपुछेनिजपुरुषनें ॥कहोएकिस्योप्रकासरे ॥ २० ॥ श्रणि० ॥ स वरकरीप्रतीहारने ॥ सापेतासनीदानरे ॥ इणनयरीमांपामीत्र्यां ॥ साधकीके वलज्ञानरे ॥ २१ ॥ श्रणि० ॥ जाणेलोकालोकना ॥ भणिकालनासावरे ॥ सुर वियाधरवझ्युणे ॥ सांभलीनरपतीतावरे ॥ २२ ॥ श्रणि० ॥ हरषीवांदणोसा दवा॥ आव्योउपाश्रयद्वाररे ॥ तोरणपत्तनेपुतली॥ग्यृंथिपूतकातकाररे॥२३॥ ॥ श्रणि० ॥ किहांयकफटिकविद्रुमकिहां ॥ किहांयकचामरस्वेतरे ॥ ध्वज शिरउपरफरकतो॥कनककिंकिणीसमवेतरे ॥ २४॥ श्रणि०॥ वझसामथिरपर वस्यां ॥ तिमआवीकासमुदायरे ॥ श्रीसमरूपेंसोलता ॥ गुरुणीतिहांवेभायरे ॥२५ ॥ श्रणि० ॥ सवसायरतरियाजिके ॥ गुणमणीरयणसमाररे ॥ ससीप्र भवयणशोभामली ॥ नासीततमअधकाररे ॥ २६ ॥ श्रणि० ॥ स्वेतांबर धीसाझणी ॥ स्तवनासूपतीतामरे ॥ कुसुमवरसीकरेधुपनें ॥ करेपचांगम णामरे ॥ २७ ॥ श्रणि० ॥ वेठेधर्म्मश्रवणसणि ॥ धर्मकथाकहेजामरे ॥ आ व्यादोयतिणेंसमे ॥ सारथवाहसूततामरे ॥ २८॥श्रणि०॥ बघुदेवसागरनामें॥ लेईनीज२नारिरे।परमगुरुप्रणमीकरी।साझणीप्रणमेआररे॥२९॥श्रणि०॥ मेरवमेढालए।पहेलीपापनीवारेरे।पद्मविजयकहेसांभलो॥सूणतांजय२काररे ॥ ३० ॥ श्रणि० ॥ दुहा ॥ सागरकहेनृपसांभलो ॥ मतकरज्योमनखेद ॥ अ वसूतएकदिठुअम्हे ॥ सांभलज्योतससेद ॥ ३१ ॥ सांभलतावस्मयथस्ये ॥ रहिनसकुझराज्य ॥ विस्मयप्रेरयोविसमी ॥ अर्थनजाणप्राज ॥ ३२ ॥ पुछुएसगवतीप्रतें ॥ ठावोनृपकहेठीक ॥ असंसाव्यअद्भुतकिस्यू ॥ तेसा घोतहकीक ॥ ३३ ॥ सागरकहेमुझसहचरी ॥ हार्येपोयोहार ॥ अतितकाल कोईउपरें ॥ विसरीउंइणसार ॥ ३४ ॥ आजसोजनकरीआवीउ ॥ चित्रसा लीचीत्रकार ॥ एकमयुअचरीजइहां ॥ साधुतेअधीकार ॥ [illegible] ॥ ढाल ॥ अरज २ सूणोनेंरूमाराजीआहोजी ॥ एदेशी॥ एहवे २ [illegible]कधिम्मा

होजी ॥ लेवेउचोरसात्य ॥ पिएमां२कोटिहसावतोहोजी ॥ किधोपिछविला
स ॥ ३६ ॥ एह ॥ पाष २ पपेरीउतरयोहोजी ॥ रातांवस्त्रमाहार ॥ मुकि १
गयोनिजथानिकेंहोजी ॥ ऊउचित्रप्रकार ॥ ३७ ॥ एह ॥ देषी २ विस्मय
उपनोहोजी॥कहोएस्यूकहेवाय ॥ एहवे २ जय २ रवथयोहोजी ॥ कुसुम
वृष्टितेथाय ॥ ३८ ॥ एह ॥ सूरवर२विद्याधरमल्याहोजी ॥ सासलीलोकनी
षाणि ॥ पाम्यांपाम्यांकेवलसाऊणीहोजी ॥ आव्योऊशएणठाए ॥ ३९ ॥ एह ॥
बोले २ नरपतीसासलोहोजी ॥ साचुअचरीजएह ॥ एहवु २ ससवीश्नही
होजी ॥ पुछेसगवतीनेह ॥ ४० ॥ एह ॥ साषे २ तवतेहसाधवीहोजी ॥ ए
हमांअचरीजकाय ॥ करमें २ स्यूनवीससवेहोजी ॥ नियमासफलांतेथा
य ॥ ४१ ॥ एह ॥ जेहवा २ शुसाशुसवाधीआंहोजी ॥ तेहवाउदरेथाय॥
अशुसें २ जलअगनीहोश्होजी ॥ न्यायतेथायअन्याय ॥ ४२ ॥ एह ॥
चद २ तिमीरहेतुहोश्होजी ॥ घरमाथीमरीजाय ॥ अर्थ २ अनर्थमीत्रवेरी
उहोजी ॥ नसथीअगनीवरत्राय ॥ ४३ ॥ एह ॥ शुसथी २ विषअमृतहो
श्होजी ॥ डरिजनसज्जनहोय ॥ अपजस २ तेजसनीपजेहोजी ॥ नहणे
जुधमांकोय ॥ ४४ ॥ एह ॥ पार्मे २ आंचितीसपदाहोजी ॥ सूएीबोलेनर
नाह ॥ कोहना २ कर्मनीपरणीतीहोजी ॥ बोलेसाऊणीराह ॥ ४५ ॥ एह ॥
माहरा २ कर्मनीपरणतीहोजी ॥ बोलेतामसूपाल ॥ किमते २ स्यूनिमीत्तक
होहोजी ॥ साऊणीसापेरसाल ॥ ४६ ॥ एह ॥ जबु २ द्वीपनासरतमांहो
जी ॥ सुखवर्द्धननाम ॥ नयर २ सपपालसूपतीहोंजी ॥ धनसार्थपउद्दाम ॥
॥ ४७ ॥ एह ॥ धन्या २ तेहनेंसारजाहोजी ॥ दोयपुत्रछेतास ॥ धनपती २
घनावहनामथीहोजी॥पुत्रीधनसिरीषास ॥ ४८ ॥ एह ॥ जाएो २ तेऊराजी
आहोजी ॥ परएावीपुरमांहि ॥ तातें २तिहांसोमदेवनेंहोजी ॥ सरताउपरत
ताहि ॥ ४९ ॥ एह ॥ सोग २ नीवातलहीनहीहोजी ॥ उपनोमुऊनीरवेद ॥
चप २ कांतासीघसाऊएीहोजी ॥ पाउधास्यांगतपेद ॥ ५० ॥ एहासपी२२
मुऊजएयुजंदाहोजी ॥ गईऊंवदनकाम ॥ जिनघरे २ दिठतेगुणीहोजी ॥

सदरपणिदसोकाम ॥ ५१॥ एह ॥ कला२कुसलमानीनहीहोजी ॥ मनरवी परेजेह ॥ धरम २ कहेतीग्रावीकासणीहोजी ॥ विस्मयपयोगुणमेह ॥ ५२॥ एह ॥ पेठी २ जीनघरमांतवाहोजी ॥ घटाचालीमेहाथि ॥ विधो २ करी फूलवरसीग्रांहोजी ॥ पुजीपमीमाजीननाथ ॥ ५३ ॥ एह ॥ धुप २ करीय सूवदिग्राहोजी ॥ ग्राविगुरुणीनेपास ॥ प्रणमी २ धर्मलासतिणेंदिउहोजी ॥ बेठीतासससकास ॥ ५४ ॥ एह ॥ पुछे २ मुझतूम्हेंकिहांथकीहोजी ॥ म्हेंक सुश्हाथीग्राय ॥ साप्यो २ स्रपीश्माहरोहोजी ॥ जनकजननीगाय ॥५५॥ एह ॥ करमें २ परणीतत्पीणेंहोजी ॥ सरतामरणतेपामी ॥ नियम २ उपवा सबहुकरेहोजी ॥ मनवैराग्यप्रकाम ॥ ५६ ॥ एह० ॥ देह २ मीगालेंशणिपरें होजी ॥ सांसलीतुमवीरतत ॥ सक्ति २ ग्रावीवदवाहोजी ॥ मावितग्राधि लहत ॥ ५७ ॥ एह ॥ खम २ सातमेवीजीकहीहोजी ॥ ग्रह्मासेंएहढाल ॥ पमीत२उत्तमवीजयनोहोजी ॥ सापेपद्मएवाल ॥ ५८ ॥ एह ॥ ॥ ९॥ ॥ दुहा॥साधवीकहेसारुकस्यु ॥ग्राव्यांतूम्हेंईहांग्राज॥वलीवैराग्यघणोवहो ॥ करतांग्रातमकाज ॥ ५९॥ एससारग्रग्रारछे ॥ दुखसाजनदुखदाय॥ धर्म कहेतेघरमिणी ॥ परिणम्योतासपसाय ॥ ६० ॥ विरतीदेग्राथीपमीबजी ॥ केतोकवितोकाल ॥ जननीजनकजमघरिगयां ॥ चितव्यूचित्तविचाल ॥ ६१ ॥ साधुपपल्लेउसरवर ॥ पुत्रुभातनेप्रेम ॥ तेकहेघरमांहितमे ॥ नवीभाई किमनेम ॥ ६२ ॥ जिनवरघरनीपजावित॥ रहिनेघरग्रावास ॥ प्रतीमासरा वीपरवमी ॥ करुनिजज्ञानप्रकास ॥ ६३ ॥ फूलबलीचदनगधफल ॥ द्रव्य नोव्ययतेदेपि ॥ सोजाईमनसावेनही ॥ करकरकरेग्रतीरेष ॥ ६४ ॥ ढाल ॥ पीउजी२नामजपुदिनरातीग्रां ॥ एदेशी॥ म्हेंमनचितव्यूसाईचित्तजोउपरो॥ स्यूमूझएहस्यूकामहवेरयणीपरी ॥ पोहररातेंतेवाससूवनग्रागलिरही ॥ धन पतीग्राव्योवाससूवनमांगहगही ॥ ६५ ॥ जिमसाईसासलेंसोजाईनेतिमक हे ॥ धर्मदेग्रानामिसपीजीमग्रासयसहे॥ सामीराषज्येग्रापणीस्यूकहिउघणा॥ सांसलीचितवेतासपतिकुग्रीलपणा ॥ ६६ ॥ सगनीजुठनसासेतिणेंएहवीस

स्यु ॥ आवीजवतेनारिवदनअवलूकस्यु ॥ पायउंलासीविवोसमारीतबोलघरें। नारीनीवारीमतआप्यापरपगघरे ॥ ६७ ॥ मनचिंतेंस्त्रीहासीमुझकरताहस्ये ॥ जवसूतीतवसरतारउठ्योघसमस्ये ॥ नारीकहेस्यूकारणतवकहेंशणिपरें। कां यनहीपणिनीसरमुझघरबाहिरे ॥ ६८ ॥ साचिंतेंमेंडफ्कतकांयकिघूपरू ॥ चिंतविउठिआप्यापीचित्तआलोचकरू ॥ बहुचिंताअतेपतीनीभावआययो ॥ सापणिसंसारेंमुझदोषनकोईसयो ॥ ६९ ॥ ओकातुरथईचिंतवेमुझजिषखुन ही ॥ जिणथीपतिडहवाइअथवाइमसही ॥ मरतांसरतानुहोयलघुताईपण ॥ लोककरेविकल्पआगुंअवलूघण ॥ ७० ॥ एंडुखसहेवाइनहीकहोस्यूकी जीइ ॥ अहवानणवमुझमाहीकामएविजीइ ॥ बुद्धिघणीजुगताजुगतुमुझसा पस्यें ॥ करस्यूपछेतेकामनणवजेआपस्यें ॥ ७१ ॥ मनडुखनेंवलीआंधि आंसूधारावहे ॥ रातिमाहिंपिणमाभनर्निद्रातेलहे ॥ वाससूवनयकीआमण डमणीनीकली ॥ म्हेंपुछ्युतसशणिपरेंकिमरहेटलवली ॥ ७२ ॥ रोतेववनेकहे अपराधजाणनही ॥ रुठोसरतारकहेमुझनिकलतूवही ॥ मेंकसुघोरीथाकरु कामक्रताहरु ॥ ईमकरीसाईनेंकऊसुणिवचनतेमाहरु ॥ ७३ ॥ स्योअपराध कस्योतूझनारीतकहो ॥ तेकहेडष्टचीलानोनामतेमतलहो ॥ एहथीसततीविग मेंअपजसथीस्तरे ॥ मलिनकरेवलीकुलनेंसरतासहरे ॥ ७४ ॥ उसयलोकवि गमेतिणेंकामनएहनु ॥ म्हेंकसुकिमजाणयुतवचरीकहेतेहनु ॥ सांसल्युतूम पासेदेयनामीसकसु ॥ तवम्हेंकसुतूझपमीतपणकरुमुलसु ॥ ७५ ॥ अहोतुझ माहपणनेंमुझस्यूस्लेहजघणो ॥ म्हेंकसोसामान्येंएहमादोपजघणो ॥ पणि नथिएहनोदोपदेषामवाजाणजे ॥ एतलेतूतुझनारीमांदोषमलावजे ॥ ७६ ॥ स रमायोनेपश्चातापकरेअती ॥ अहोमातुकस्युकाममनावीतेसती ॥ म्हेंइमघा स्युमानस्येंकृष्णधवलसऊ ॥ एहसाईहवेंविजानीपणजेवऊ ॥ ७७ ॥ शणि परेंसाप्युहाथठेकाणेंरापज्यो ॥ विजुसर्वपूरवपरेंएहनेंसापज्यो ॥ कपटेंक रमवधाणमुझनेंतिणेंसमें ॥ अन्यदादिक्षामेंलहीजिणेंसवनवीसमें ॥ ७८ ॥ साईसोजाईस्यूव्रतपाळूऊसदा ॥ आयुपश्यूरलोकेंथयाअमेंअन्यदा ॥ आ

सुदरपणिदसोकाम ॥ ५१॥ एह ॥ कला२कुसलमांनीनहीहोजी ॥ मनदेवी परेजेह ॥ घरम २ कहेतीआवीकातणीहोजी ॥ विस्मयपयोगुणगेह ॥५२॥ एह ॥ पेठी २ जीनघरमांतदाहोजी ॥ घटाचालीमेहाथि ॥ विवो २ करी फूलवरसीआंहोजी ॥ पुजीपमीमाजीननाथ ॥ ५३ ॥ एह ॥ घुप २ करीय सूवदिआहोजी ॥ आविगुरुणीनेपास ॥ प्रणमी २ धर्मलासतिर्णेदिधोहोजी ॥ वेठीतासकास ॥ ५४ ॥ एह ॥ पुछे २ मुझतूम्हेंकिहांथकीहोजी ॥ म्हेंक सुश्हाथीआय ॥ साप्यो २ सघीश्माहरोहोजी ॥ जनकजननीगाय ॥५५॥ एह ॥ करमें २ परणीतनपीर्णेहोजी ॥ सरतामरणतेपामी ॥ नियम २ उपपा सवझकरेहोजी ॥ मनवेराग्यप्रकाम ॥ ५६ ॥ एह० ॥ देह २ मीगार्लेशणिपरें होजी ॥ सांसलीतुमवीरतत ॥ सक्ति २ आवीवदवाहोजी ॥ मावितआणि लहत ॥ ५७ ॥ एह ॥ खम २ सातमेवीजीकहीहोजी ॥ उल्लासेंएहढाल ॥ पमीत२उत्तमवीजयनोहोजी ॥ सापेपद्मएवाल ॥ ५८ ॥ एह ॥ ॥ ७ ॥ ॥ दुहा॥साधवीकहेसारुकरयु ॥आव्यांतुम्हेंईहांआज॥वलीवैराग्यघणोवहो ॥ करतांआतमकाज ॥ ५९॥ एससारअसारछे ॥ दुखताजनदुखदाय॥ धर्म कहेतेघरमिणी ॥ परिणम्योतासपसाय ॥ ६० ॥ विरतीदेशथीपमीवजी ॥ केतोकवितोकाल ॥ जननीजनकजमघरिगयां ॥ चितव्युचित्तविचाल ॥ ६१ ॥ साधुपणझेलतसरवर ॥ पुत्रुभातनेप्रेम ॥ तेकहेघरमांहितमे ॥ नवीथाई किमनेम ॥ ६२ ॥ जिनवरघरनीपजाविउ॥ रहिनेघरआवास ॥ प्रतीमासरा वीपरवमी ॥ करुनिजज्ञानप्रकास ॥ ६३ ॥ फूलवलीचदनगघफल ॥ द्रव्य नोव्ययतेदेपि ॥ सोजाईमनसावेनही ॥ करकरकरेअतीरेष ॥ ६४ ॥ ढाल ॥ पीउजी२नामजपुदिनरातीआं ॥ एदेशी॥ म्हेंमनचितव्युसाईचित्तजोउपरो॥ स्युमूझएहस्यूकामहवेरयणीपरी ॥ पोहररातेंतेवाससूवनआगलिरही ॥ घन पतीआव्योवाससूवनमांगहगही ॥ ६५ ॥ जिमसाईसासलेंसोजाईनेंतिमक हे ॥ धर्मध्यानमिसथीजीमश्रसयलहे॥ सामीराषज्येआपणीस्युकहिश्घणा॥ सांसलीचितवेतासपतिकुत्रीलपणा ॥ ६६ ॥ सगनीजुठनसासेतिर्णेएहभीस

सर्वांगसूदरीसग ॥ जोग्यलक्ष्योहवेजीमतूम्हे ॥ मनमानेसोठमग ॥ ९२ ॥ पर णावेतवमुकपीता ॥ काढ्योकेईककाल ॥ निजघरिआण्योनारिस्यूं ॥ करेठ ग्वततकाल ॥ ९३ ॥ वासरगयोवेलाथई ॥ मगलदिपममाण ॥ कुसुमवस्त्री कीधीतीहां ॥ वासश्रावासवपाए ॥ ९४ ॥ धुपघमीतिहांघगघगी ॥ लटका वीफूलमाल ॥ आव्योतत्तीइएसमे ॥ सूणोवातसमकाल ॥ ९५ ॥ ढाल ॥ जिनवचनेंवैरागीउंहोधन्ना ॥ एदेशी ॥ ईणिअवसरउदस्थयुहोप्राणी ॥ वां ध्यूंप्रथमजेकर्म ॥ सोगम्याविणछुटेनहीहोप्राणी ॥ कर्मनरापेसमेरेहो ॥ सू णज्योप्राणीकर्मनकिजेंवे ॥ ९६ ॥ पेत्रपालफिरतोयकोहोप्राणी ॥ आव्यो तीणहीजदेश ॥ कर्म्मपरिणामअचिंत्यछेहोप्राणी ॥ दिठादपतीनयवेशरेहो ॥ सू० ॥ कर्म० ॥ ९७ ॥ कौतिकजोउएरहांहोप्राणी ॥ जिमनवीथायसजोग॥ रुपकरीअन्यपुरुपनुहोप्राणी ॥ पामवातासविजोगरेहो ॥ सू० ॥ क०॥ ९८ ॥ गोपमांवदनकरीकहेहोप्राणी ॥ सर्वांगसूदरीकाम ॥ वधुदेवेंतेनिरपीउंहोप्रा णी॥ आव्योकपायनेंधामेरेहो ॥ सु० ॥ क० ॥ ९९ ॥ अरतिथईमुकउप रिहोप्राणि ॥ जाणयुकुसीलछेनारि ॥ कोईकवोलावीकिमगयोहोप्राणी ॥ इणि परेंकरतविचाररेहो ॥ सु० ॥ क० ॥ १०० ॥ स्नेहबंधनत्रुटीगयोहोप्राणी ॥ कुआवीतीहांताम ॥ चेष्टाकीधसूवातणीहोप्राणी ॥ सपीउंगईनिजठामरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १ ॥ द्वारदेईशय्यातणेंहोप्राणी ॥ वेठीएकजदेश ॥ पतीउठ्यो सहसातदाहोप्राणी ॥ कुपणिउठीविशेपरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ २ ॥ म्हेंअपरा धनपुछीउंहोप्राणी ॥ पतितवसूतोतेथी ॥ करतोविकल्पकोम्ग्योगमेंहोप्राणी॥ निद्राआवीएथीरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥३॥ कुपणिमहाशोकेंयहीहोप्राणी ॥ घ रेतिरवेठीताम ॥ रातिगईडरवणीघणीहोप्राणी ॥ जाणेंत्रिसूवनस्वामीरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ४ ॥ सहिउंआवीसरतागयोहोप्राणी ॥ पुछेसहोउंवात ॥ कि मतुमेआमणडमणांहोप्राणी ॥ तवनवीवोल्युजातरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ५ ॥ वातकहेवाजेहवीनहीहोप्राणी ॥ शोकथीकठनीरुद्ध ॥ सुद्धिबुद्धिपणनासीग ईहोप्राणी ॥ फिरीपुछेसखिशुद्धरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ६ ॥ म्यतीकरसर्वसू

गलियीमुक्तसाईचवीरहांआवीआ ॥ सेठपुरणवनपुत्र[illegible]
॥ ७९ ॥ सागरनेबधुदेववधताअनुकमें ॥ रूपथि[illegible]
में ॥ आपणेठनीगुसकांतानारीउरे ॥ पुत्रीपणेंवईनामसर्व[illegible]
सोजाईउपणिदेवलोकमांथीचवी ॥ कोसलापुरमांनवनसेठघरे[illegible]
कूपेंनारीपणेंविर्ज्जअवतरी ॥ श्रीमतिकांतिमतीअसीपाअनुक्रमेंघरी॥ [illegible]
जैनघर्मिक्रुश्रावककुलउपनायकी ॥ जौवनवयलहीतिणेंगुण[illegible]
बधुदेवगजपुरमांएकदिनआविउ ॥ मुक्तनेंदेखीकाममांहि[illegible]
॥ ८२ ॥ पुम्योमुक्तदत्तातवर्द्धननरनेंजदा॥ सर्वांगसुंदरीए[illegible]
दा ॥ तासपीताकनेंमागीतवतेद्मकहे ॥ जोग्यतुम्हेठेपणिएसाधर्मिक[illegible] ॥
॥ ८३ ॥ श्रावकविणजोगनकरूसूतनेंदिकरी ॥ म्हेंइमगुरूनेंपासे[illegible]
घरी ॥ तवतेकहेमुक्तनेंपणिसाधर्मिककरो ॥ तातकहेसूणोजीन[illegible]
धरो ॥ ८४ ॥ तावयीश्रावकथांउतवतेआंसली ॥ मुक्तओसेगयोसाधु[illegible]
पेंतेवली ॥ घर्मसूणीनेंकपर्टेंश्रावकतेथयो ॥ क्रियाकरेवानादी[illegible]
लगयो ॥ ८५ ॥ एकदिनतातनीपासेंआविवीनवे ॥ धम्यथयो[illegible]
कहेकेतवे ॥ तुम्हेउपदेसदिघोक्रुपणिपामीउं ॥ जैनधर्म्मनेंमिथ्या[illegible]
वामीउं ॥ ८६ ॥ मुक्तपरलोकनोबांधवदेवगुरुसमो ॥ तुमसम[illegible]
अहोतूक्तनेंनमो ॥ विदितसआरस्वसावक्रुतिणेंमुक्तपनहो॥ कम्या[illegible]
जदेर्योजास्पूसहो ॥ ८७ ॥ आसनरागेंमुक्तनेंमतवीआरज्यो ॥ उ[illegible]
कलिखज्योदृढधर्मधारज्यो ॥ पोतानोगणज्योइमकहीपाइपमे ॥ सु[illegible]
वथीतातसत्यचितमांघमे ॥ ८८ ॥ बक्रुमानेंमलीतातकहेयम्यठेतूम्हे ॥ [illegible]
णेंलाघोजैनधर्मघणस्यूकहीइम्हे ॥ सातमेसमे[illegible]ए श्रीजीनघरो ॥[illegible]
कहेसवीलोककेसक्रुजय२करो ॥ ८९ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
॥ दूहा ॥ परमारथतूम्हेपामीआ ॥ मतकरज्योपरनाव ॥ इमकहीनी[illegible]
स्येँ ॥ नबीकीघोकांयनाव ॥ ९० ॥ तजगमेंआवोसर्वनो ॥ करीनेंपूर्वें[illegible]
परणाबुकहोतोपर्ने ॥ तुमयनमनितात ॥ ९१ ॥ [illegible]

॥ दुहा ॥ इणअवसरिआव्यूउदय ॥ कर्मजेविजुकिध ॥ रागघणोविरूनारी
नो ॥ सासनलक्षीदीध ॥ २० ॥ व्यतरआमितसूवननो ॥ चितइरुणिपरेचि
त्त ॥ साधवीउपरसाचलो ॥ सक्तिसावसलीरीति ॥ २१ ॥ जोउंरागजोपेंकरी॥
इणअवसरएकदिन्न ॥ गईरूएहनागेहमा ॥ वारूवासलवन्न ॥ २२ ॥ हारप
रोवेहर्षस्यू ॥ कांतिमतीनिजकाम ॥ उलीयइआदरदिई ॥ आसनदेवेआम
॥ २३ ॥ साक्रणीउंवेठीसरवर ॥ मुक्रपुछेमहाराय ॥ दिधीधर्मनीदेसना ॥ उठी
अवसरगाय॥२४॥ढाल ॥ नदसलूणानदनारेलो ॥ एदेशी ॥ जावामाम्युजेतले
रेलो ॥ कांतिमतीकहेतेतलेरेलो ॥ आजतुमारेपारणरेलो ॥ असनलीउंरेहघा
रणरेलो ॥ २५ ॥ आणिकरीसाक्रणीसणीरेलो ॥ म्हेंतिहाआहारलेवातणीरेलो॥
कांतिमतिस्यूगयांहवेरेलो ॥ आहारनाघरमांएहवेरेलो ॥२६॥ चित्रमोरमां
अवतरयोरलो ॥ व्यतरमोरतेउतरयोरेलो ॥ हारगलीथानिकेंगयोरेलो ॥ मुक्नें
विससमवरूथयोरेलो ॥२७॥ पुछस्यूगुरुणीनेंजईरेलो ॥ इमचितवीआलयगई
रेलो ॥ वोहरावीनेंकांतीमतीरेलो ॥ वासमूवनमांआवतीरेलो ॥ २८ ॥ हार
जोयोदिठोनहीरेलो ॥ मनचितेएस्यूसहीरेलो ॥ कौतूकमोहदुउपनुंरेलो ॥ क
होसाईएस्यूनीपनुरेलो ॥२९॥ पुछेतवपरीवारनेंरेलो॥दिठोकोईइहांहारनेरेलो॥
परीजनकहेजाणनहीरेलो ॥ पणिकोईआव्युनहीरेलो ॥ ३० ॥ इहांआर्या
आव्यांहतारेलो ॥ तुम्हेतीहांजाउंजोयतारेलो ॥ कांतिमतीकहेस्युकहोरेलो॥
एरुनेंतृणमणीसमलहोरेलो ॥ ३१ ॥ असबरूकहोतेहनेरेलो ॥ कनकपथरस
मजेहनेंरेलो ॥ सातचालीपुरमांघणीरेलो ॥ कसुमेंआवीगुरूणीतणीरेलो ॥
॥ ३२ ॥ गुरुणीकहेमुक्नेंइस्यूरेलो ॥ कर्मेनिपजेसरुकिस्यूरेलो ॥ तपचारी
भअधीकाकरोरेलो ॥ मतइणघरिपगलूधरोरेलो ॥ ३३ ॥ प्रवचनलाघवजाणी
ईरेलो ॥ तेतोभयनधोनाणीईरेलो ॥ यारदचदयाशनतणरेलो ॥ मलिनपणथा
इयणरेलो ॥ ३४ ॥ अधर्मलहेधरमीनवारेलो ॥ सद्धहोइदूरगतीजवारेलो ॥
लधेजिनआणावलीरेलो ॥ सधारदेतूसरुनेंसलीरेलो ॥ ३५ ॥ गुणगंभीअगु

एावीउंहोप्राएी ॥ तर्वचितेसरिवरम ॥ स्वामीनीमांडस्वरूनहोहोमाणी ॥ मांपणिनीपुएगेनेमरेहो ॥सू०॥क०॥५॥ कर्मदोपपरसवतएोहोमाणी ॥ किमय कारएएह ॥ स्वजनपुत्र्याविएपतिगयोहोप्राएी॥आव्योवपमंडेरेहो॥ सू०॥ ॥ क० ॥ ८ ॥ मातपीतापतीउपरेंहोप्राएी ॥ कोप्यांमाहरेरेराम ॥ व्यवहार टाल्योतेहस्यूहोप्राएी ॥ मुजउपनोंवैरागरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ९ ॥ एसंसार असारमांहोप्राएी ॥डखनोसोहिलहोय॥चारीत्रधर्मतेहोहिवेहोप्राएी॥ संयम जीवीतजोयरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥१० ॥ गृहआश्रमथीहुवेसरखुहोप्राएी॥ मोहथीवकजजाल ॥ चारित्रलेवुमाहरेहोप्राएी ॥ जिएथीसूखप्रसरालरेहो ॥ ॥ सू० ॥ क० ॥ ११ ॥ एएअवसरतिहांआवीयांहोप्राएी ॥ गुरुणीजयवतीनाम ॥ मातपीताआएालहीहोप्राएी ॥ दिक्षामहीअतीरामरेहो ॥ सू० ॥ ॥ क० ॥ १२ ॥ वघुदेवपरएयोहवेहोप्राएी ॥ श्रीमतीनामेंनारि ॥ कोसकपुरेंनदसेठनीहोप्राएी ॥ धुयागुएलमाररेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १३ ॥ सागरपरएयोतेहनीहोप्राएी ॥ लगनीकांतीमतीनाम ॥ तेवघुविहूलेईआवीआहोप्राएी ॥ इएहिजचंपागमरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १४ ॥ गुरएीसाधिविचरतांहोप्राएी ॥ आव्यातुमपुरेराय ॥ फिरतागोचरीगाममांहोप्राएी ॥ वघुदेवपरिआव्यरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १५॥ मुनीनेंवयरनराषवुहोप्राएी॥ दिगंतेविहूनारि ॥ पुरवसवअत्यासथीहोप्राएी ॥ थितीथईतेअपाररेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १६ ॥ यत ॥ जअस्यसेईजीवो ॥ गुएचवोसचईइअम्ममी ॥ तपावईपरलोए ॥ तेणयअसासजोएए ॥ १ ॥ अत्यासेनकीया सर्वा ॥ अस्यासास्सकसाःकला ॥ अत्यास्याश्यानमौनादी ॥ किमस्यासस्यडष्कर ॥ २ ॥ पुर्वभवमां पमीलास्यांअन्नपाणीइहोप्राएी ॥ आव्यांउपाश्रतेह ॥ धर्म्मसूणाव्योतेयनेंस्होप्राएी ॥ परएम्योविकसीदेहरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १७ ॥ श्राविकाथईहवेवीनवेहोप्राएी ॥ किजेंअमउपगार ॥ धर्मकहोघरआविनेंहोप्राएी ॥ बुझेअमपरीवाररेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १८ ॥ आएाअईगुरुएीतएीहोप्राएी ॥ मन नागमनकरेय ॥ सातमेसख्ॆपोषीकहीहोप्राएी ॥ पर्मेंडालेमेयरेहो ॥

तवकरयुमौनजतेए ॥ ५१ ॥ एकदिनसूरजआयमें ॥ फूल्याअकालेंफार ॥ सवनउद्यानमासूपना ॥ वनपालकतिणीवार ॥ ५२ ॥ आवीप्रधानेंनेंउलगें ॥ तिमजदिठातिर्णेताम ॥ पागमुलप्रकतिथया ॥ जाणीचितेजाम ॥ ५३ ॥ अं बकअष्टागनिमित्तिउ ॥ सिद्धपुरुषसूधीचार ॥ एकांतिआदरकरी ॥ पुछेप्रधान प्रकार ॥ ५४ ॥ कुसुमविचारसावीकह्यो ॥ तववोल्योततकाल ॥ कोपनक रस्योकोपरें ॥ आवचनसत्ताल ॥ ५५ ॥ ढाल ॥ चउसद्दहणातीलिगठे ॥ एदेशी ॥ कोपकिस्योदैवपरिणती ॥ सापेश्मप्रधानोजी ॥ कहोजेहवुहोयते हवु ॥ तववोल्योतेविज्ञानजी ॥ ५६ ॥ त्रु० ॥ विज्ञानयीकहेकुसुमउग्या ॥ अकालेफलतासए ॥ राज्यउलटपलटथास्यें ॥ सांसलोद्यविलासए॥ तुरतसह जरवसावकअ्रा ॥ तिर्णेयोमोकालए ॥ षीणवेलाबलयकोवली ॥ प्रसूतकालनि हालए ॥ ५७ ॥ कहेपरधानकरवुकिस्यू ॥ सापोतासउपायजी ॥ दानप्रमु खशांतीकर्मथी ॥ विघनविमारएथायजी ॥ ५८ ॥ त्रु० थायशणिपरेंनीमी त्तीउकहे ॥ देवगुरुपुजाकरो ॥ जावजीवकांयपापठांमो ॥ गुणअधीकअ गिघरो ॥ पमीहारनृपनोशणिअवशरे ॥ आवीकहेमहारायए ॥ वोलावेतूमेत्री प्रआमो ॥ तवप्रधानकहायए ॥ ५९ ॥ कहोनृपनेंजईशणिपरें ॥ आव्यो आणिप्रमाणजी ॥ पुछेतामनीमीत्तीउ ॥ स्येकारणनृपआणिजी ॥ ६० ॥ त्रु० ॥ नैमितीउकहेराजपुरथी ॥ आव्योनृपनरएकए ॥ कल्याणकारीतिर्णे तुम्हनें ॥ तेमाव्याछेकए ॥ सदेपथीऊएहजाफ ॥ तवकहेपरधानए ॥ क ल्याणकारीकहोस्यूंछे ॥ वोलेतववरज्ञानए ॥ ६१ ॥ उचरोकांयकमुख थकी ॥ तवतेशणिपरेंसासेजी ॥ जयश्जयसठीनीलय ॥ सूणीनीमीत्तीउ विमासेजी॥६२॥ त्रु०॥विमासीकहेनृपकुमरनें ॥ कन्यादेवाकाजए॥आव्यो तिर्णेआणवहेतु ॥ वलिसूणोएकआजए ॥ जेहपरणस्येएहकुमरी ॥ तेहथा स्येरायए ॥ एहतुमचाराज्यकेरो ॥ वलिअन्यनोथायए ॥ ६३ ॥ नैमित्तीउ विसर्जिउ ॥ पुजीहर्षलहीनेंजी ॥ शांतीकर्मआणाकरी ॥ गयोनृपपासेवही नेंजी ॥ ६४ ॥ त्रु० ॥ रायउठीआयनआप्यु ॥ दिठेनयणेंउतए ॥ नृपकहे

णीचईरेलो ॥ धरमनीवाततोवहीगईरेलो ॥ बोपीशाश्रीसंसारनीरेलो ॥ एकले
ग्युपारावारमांरेलो ॥ १६ ॥ सांसलीसबेगसाबनारेलो ॥ [illegible]
नोरेलो ॥ तपकरेसुधिसेपेंहवेरेलो ॥ मसघरबरजेविणजबेरेलो ॥ [illegible] ॥ घरी
जनमनत्रकाधणीरेलो ॥ आवीकानेंनहीएककणीरेलो ॥ [illegible]
परेरेलो ॥ गुरणीइवातजाणीपरेरेलो ॥ १८ ॥ सकटजाणीन[illegible]रेलो ॥
घरमेंआपणसाधीआरेलो ॥ दोपअनेकपरघरजतारेलो ॥ [illegible]
थतारेलो ॥ १९ ॥ आप्यांनहीतेकारणेरेलो ॥ अम्हेजरयुंगु[illegible]रेलो ॥
केइककालइमवहीगयोरेलो ॥ एकदिनचित्तनीरमलथयोरेलो ॥ [illegible] ॥ कर्मरा
त्रिपातलीपमीरेलो ॥ शुकलध्यानमांहिचढीरेलो ॥ जिवबीरज[illegible]रेलो ॥
अपुर्वकरणथयुतदारेलो ॥ २१ ॥ क्षपकश्रेणिमांहिजहीरेलो ॥ केवलज्ञान[illegible]
नुनहीरेलो ॥ कर्मच्रुटुजबमाहरूरेलो ॥ ष्यतरचित्तथयुपाधरूरेलो ॥ २२ ॥ प
श्चातापेंहारनेंरेलो ॥ मुक्योकर्मनीवारणेंरेलो ॥ कर्मविपाकमुज[illegible]रेलो ॥
सांसलीसहुजनहरषीउरेलो ॥ २३ ॥ विस्मितथईकहेएहसुंरेलो ॥ अहोरम
लाथीडुखकेहवुंरेलो ॥ राजादिककहेस्वामिनीरेलो ॥ सहुदूखनीसमीजा[illegible]
रेलो ॥ २४ ॥ चिहुगतीभासमतांयकारिलो ॥ डुखतेकहोकीमकहीसकारेलो ॥
नरकतिरीदूखतोरहारेलो ॥ मनुष्यनांपणिकिमजाइसहारेलो ॥ २५ ॥ गरसर्वे
जनममरणजरारेलो ॥ प्रियविरहादिकदूहकरारेलो ॥ मैथुनसुखमानेंजिकेरे
लो ॥ खरजखननसमतेतिकेरेलो ॥ २६ ॥ मुखमीठाविरसापछेरेलो ॥ सर्व
थकीसहुअघगठेरेलो ॥ सुणीससातवसूपतीरेलो ॥ वपुवेवकहेसुसमतीरेलो ॥
॥ २७ ॥ धरमअमेअगीकरूंरेलो ॥ तुमआणाअमेशीरधरुरेलो ॥ जिमसुख
देयाणाप्रियारेलो ॥ विलषनकीजेएकीयारेलो ॥ [illegible] ॥ अगाईमहोत्सवकरेरे
लो ॥ दानदेईनेंउघरेरेलो ॥ हरीसेननेंराज्येंठविरेलो ॥ त्रिकालिइष्यूसुरमवी
रेलो ॥ २९ ॥ पुरुषचन्द्रसूरीनेंकनेरेलो ॥ सार्थेप्रधाननेपरीजनेरेलो ॥ चोथमी
ढालपवर्मेकहीरेलो ॥ सातमेरखमेएसहीरेलो ॥ ३० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ४ ॥
॥ दुहा ॥ वेदधरीजसपोलतो ॥ सेनतणांबीसेण ॥ [illegible] ॥

नस्यू ॥ परवस्योजबनीत्र्यारे ॥ खमञ्यातमेपद्मविजइ ॥ कहिंढठीढालए ॥ स
मरादीत्यनारासमांहि ॥ सूणतांमगलमालए ॥ ७७॥ ॥५॥ ॥५॥
॥ डुहा ॥ ऐरावणपरिइंद्रजिम ॥ सूरपरीवततिमत्र्येना॥त्र्यांतिमतीपणिसोहती ॥
सूपणवङ्कसरणेण ॥ ७८ ॥ रसणामणीनेउरवर ॥ हारकुम्कलत्र्योहत ॥ चद्रमु
षीचतुराघणा ॥ माननीजनमोहत ॥ ७ए ॥ जमीतरतनजपानमां ॥ वेठी
बालातेह ॥ डुहवाणेवेषीइस्यू ॥ जमोविसेनोजेह ॥ ८० ॥ पुरवकर्मविपाक
स्यू ॥ त्र्यवलूंसूजेत्र्याम ॥ मारूएहनेंमुलथी ॥ ठावेफेफुठाम ॥ ८१ ॥ त्र्यमर
नदनउद्यानमां ॥ त्र्याव्योकुमरत्र्याराम ॥ वाविसरोवरवक्रूनें ॥ देषीहर्षउद्दाम
॥ ८२ ॥ उतरीउंत्र्यवनीतलें ॥ क्रिमाविविघप्रकार ॥ करतांदिनसवीनिक
स्यो ॥ त्र्याव्यानीजत्र्यागार ॥ ८३॥ इमनितरमवात्र्यावतो ॥ सेनकुमरबुहम
न्न ॥ मारापुठेंमुकतो ॥ विसेनकुमरविपिन्न ॥ ८४ ॥ ढाल ॥ लोहारणीजायो
दिकरो ॥ लोहारीहे॥तिहनुकूलणीउंदिउंनामके॥लालसुरगीहे ॥ एदेशी ॥ इम
करतांबक्रदिनगया ॥ सूणोप्राणीहे ॥ एकदिनपयामध्यान्ह ॥ लालगुणपाणी
हे ॥ परीजनसङ्कविरलाथया ॥ सू० ॥ रस्रोनिजसवननेंथान ॥लाल०॥८५॥
निज २ कार्मेचरगया ॥ सु० ॥ हवेघरीतापसवेस ॥ लाल० ॥ त्र्याव्याविसे
एकुमारना ॥ सु० ॥ कपटकरीकायक्लेश ॥ लाल० ॥ ८६ ॥ नलीकाप्रयो
गेंपफगधरी ॥ सु० ॥ देषेसेनकुमार ॥ला० ॥ क्रुकमकरयोत्र्यवातणो॥सु०॥
त्र्याव्याजामतिवार ॥ ला० ॥ ८७ ॥ स्येकारणतुमेत्र्यावीत्र्या ॥ सु० ॥ इमपुछे
सेनकुमार ॥ ला० ॥ तेकहेगुरुत्र्याणायकी ॥ सु० ॥ त्र्यावोएकांतिठार ॥ला०॥
॥ ८८ ॥ कुमरविचारेचित्तमां ॥ सु० ॥ तपसीगुरुवचकार ॥ ला० ॥ थोमो
इदोषएहमांनही ॥ सु० ॥ शुद्धहृदयइमधारि ॥ ला० ॥ ८ए ॥ गयाएकां
तेंजेतले ॥ सु० ॥ छुरीफूटावीलीध ॥ ला० ॥ काढिपफगपघदेत्र्यमां ॥ सु० ॥
गाढप्रहारतेकीध ॥ ला० ॥ए०॥ कोप्योकुमरचितेंस्यूथयु ॥सु०॥वलित्र्यामावे
पास ॥ ला०॥ त्र्यचलीतवीर्यकूमरघणुं ॥ सु० ॥ पमीत्र्यातेहनेंपास ॥ला०॥
॥ए१॥ घातकपेंसायाघणा ॥ सु० ॥ जित्याएकेंच्यार ॥ ला०॥ खमगकूंटा

रायपुरसूपनरए ॥ सणेतसआकुतए ॥ अंपमरपतीइमकहावे ॥ [illegible] तीमती ॥ आपीतूम्हसूतगमेतेहनें ॥ वाहलीजिवीतथीआ ॥ [illegible] ॥ [illegible] घीअनुकूलए ॥ किजेंतासबघनजी ॥ रायकहेमानोघूर्से ॥ [illegible] नजी ॥ ६६ ॥ त्रु ॥ सामतनयरीजननेंजणवे ॥ मग्रीवर्धापनकरे ॥ [illegible] गलतूरनाचे ॥ अंतेउरीआणदधरे ॥ आणदसङनेंउपनोपछि ॥ [illegible] सेणए ॥ सुणिनसकुएहव्यतीकर ॥ वेपीसकीइकेणए ॥ ६७ ॥ [illegible] ठीमोकलोपरणवासेनकुमारोजी ॥ बकुआम्बरेंपरवरयो ॥ [illegible] रोजो ॥ ६८ ॥ त्रु ॥ परीवारसेतीगयोतीहारें ॥ सामईउतेनृपकरे ॥ [illegible] सङवदिजननें ॥ दानदेवेशुत्तपरें ॥ राजमारगशुरुकीघो ॥ [illegible] ॥ इत्यादिकपरवेश्रमहोछव ॥ आमवरथीऊगमगे ॥ ६९ ॥ उतरे[illegible] नमां ॥ लगनदिवसवरतावेजी ॥ अनुक्रमेगजश्रीरवेश्रीनें ॥ विवाहमांमे आवेजी ॥ ७० ॥ त्रु ॥ बङपरिंशिणगारकरीनें ॥ पहेरीवस्त्रअलकारए ॥ रुपअदसूतदेपीचिते ॥ तामसेनकुमारए ॥ सवअनादिअस्यासदोषें ॥ जा ग्योप्रेमअकुरए ॥ अहोएहवासावजगमां ॥ उपजेसरपुरए ॥ ७१ ॥ पाणि पहणयपुतीहां ॥ फेराफरतातामजी ॥ दानदिइबङमरपती ॥ सुखसोमवेश्च सधामोजी॥ ७२॥त्रु ॥ योलावीआकेईदीवसरहीनें ॥ आव्यानिजपुरीजगई॥ नरपतीअतेउरनगरजनसङ ॥ आव्याश्रनपुरवगहगही ॥ पेश्रारामहोछक रीनें ॥ आव्यानीजआवासए ॥ तवपिसेनकुमरउसाणो ॥ पुरववैरअस्यास ए ॥ ७३ ॥ कालगयोघलीकेतलो ॥ आव्योमासवशतोजी ॥ कामिनीजनमृ दनाकूली ॥ मलयअनीलवायतोजी ॥ ७४ ॥ त्रु ॥ कोकीलरवेंकरीपथीक त्रसम्या ॥ केसूलाफूलिरसां ॥ अपमजरीतणेंपरीमल ॥ भमरअतीआणंदव सां ॥ राढामिलीतिहांअतीअनोपम ॥ तामसेनकुमारए ॥ वस्तउज्वलअनें आसूषण ॥ सार्थेबङपरीवारए ॥ ७५ ॥ अमरनवनउपानमां ॥ कनककठ कघरयोहायोजी ॥ बाजुबघनेंकुमल ॥ केमेकटीसूत्रतेसाथोजी ॥ ७६ ॥ त्रु ॥ तीर्णेसार्थिमाथेमुगढपहिरयो ॥ वेगेगजपरउपरें ॥ बाजतेवाजेवडीभ

॥सु॰ ॥ अहोहिएकस्युकाम ॥ ला॰ ॥ इमअपजसविसेननो ॥ सु॰ ॥
सेनसूणीउखधाम ॥ ला॰ ॥ ७ ॥ विणअपरार्धेअहोजुउ ॥ सु॰ ॥ अपज
सताजनथाय ॥ ला॰ ॥ निंदितउर्जनआचरे ॥ सु॰ ॥ तेएहथीनकराय ॥
॥ ८ ॥ ला॰ ॥ लोकनीरकुसनवीचारे ॥ सु॰ ॥ जुक्ताजुगतूजेह ॥ ला॰ ॥
अथवापुरवकर्मथी ॥ सु॰ ॥ निपजेसघलुएह ॥ ला॰ ॥ ए ॥ उहवाणी
सेनशंणीपरें ॥ सु॰ ॥ हवेरुकाणोपरहार ॥ ला॰ ॥ शुलदिवसेंन्हायोवली ॥
॥ सु॰ ॥ दानदिअपार ॥ ला॰ ॥ १॰ ॥ मुक्याबंदिलोकर्ने ॥ सु॰ ॥ पूज्या
नयरीनादेव ॥ ला॰ ॥ मंगलतूरवजावीआं ॥ सु॰ ॥ वधामणकरेहेव ॥
॥ ला॰ ॥ ११ ॥ सातमेंखमेसातमी ॥ सु॰ ॥ पद्मविजयकहीढाल ॥ ला॰ ॥
श्रीसमरादित्यरासमां ॥ सु॰ ॥ धर्मथीमगलमाल ॥ ला॰ ॥ १२ ॥ ॥ ७ ॥
॥ उहा ॥ नरपतीदर्शनवीलहे ॥ कुमरविशेनकिवार ॥ नविमनाचिंतेनीप
नु ॥ ईंगितकामएवार ॥ १३ ॥ उचितकरेनहीएकपणि ॥ परिजनपरीचय
त्याग ॥ उठवमानवीआवीउ ॥ किमहंशामाकाग ॥ १४ ॥ सेनकुमरतेसां
सली ॥ चित्तमांकरेवीचार ॥ अगतुआलदिजना ॥ नसहाश्नीरधार ॥ १५ ॥
तिहांजईनेंकहितातनें ॥ लावुचरणलगाय ॥ जगतिपतीजईवीनव्ये ॥ कहे
मुफकरोपसाय ॥ १६ ॥ कुमरविनाआणदकीस्यो ॥ नृपकहेसांसलन्याय ॥
कुसकदकनीवातकीम ॥ करताजसकहेवाय ॥ १७ ॥ सेनकहेसाचोनही ॥
विकलपतणोविचार ॥ आचरेनहीअकार्यनइ ॥ आणिकरोएवार ॥ १८ ॥
सोलोतूसोलायछे ॥ देषेसघलूउध ॥ पणिएकूटिलपराक्रमी ॥ लागेमुफमन
लूघ ॥ १९ ॥ कहेकुमरसापोकिस्यू ॥ गुणथीअतीगसीर ॥ वालससावषाहि
रकस्यो ॥ पणिधरेअपजसपीर ॥ २॰ ॥ रायकहेतूफमनरूचे ॥ तिमकरि
सूखेंतिमावि ॥ तवस्वयमेवतिहागयो ॥ आपेंशणिपरेआवि ॥ २१ ॥ ढाल ॥
मालाकिहांछेरे ॥ एदेशी ॥ आमणउमणनेंवलीउर्वल॥ वाल्हामारा॥ आसूपण
नहीअगरे ॥ वदनकमलकमलाणजेहनु ॥ देषेशेनधिरगरे ॥ २२ ॥ उत्तम
एहवारे ॥ अपराधीस्यूनेह ॥ करेसुखदेवारे ॥ एआकणी ॥ त्रुटीजुनीखाटे

वीनेंलीआं ॥ सु० ॥ देपीएहप्रकार ॥ ला० ॥ [illegible] ॥ [illegible]
॥ सु० ॥ तवआव्याचोकीआत ॥ ला० ॥ [illegible] ॥ सु० ॥
नघकुमरनिपेधकरात ॥ ला० ॥ ९३॥ कोसलसानवलावया ॥ सु० ॥ [illegible]
तनीनहीआस ॥ ला० ॥ मारेमुआनेंसुहोई ॥ सु० ॥ [illegible]
॥ ला० ॥९४॥ रायसुणीतीहांआवीआ ॥ सु० ॥ वधाव्यालेचोर ॥ ला० ॥
सूपकहेएस्युयपु ॥ सु० ॥ कुमरकहेतिणेंगोर ॥ ला० ॥९५॥ कांयमनेंका
फनही ॥ सु० ॥ घातकनेंकहेताम ॥ला० ॥ स्युएकस्युंकोसेंमोकल्या ॥ सु० ॥
निमीत्तविनानहीकाम ॥ ला० ॥९६॥ नवीबोल्यातेतवफिरी ॥ सु० ॥ पुर्मे
मत्रणिवार ॥ ला० ॥ तोपणिजवनवीबोलीआ ॥ सु० ॥ तवतसदिषोमार ॥
ला० ॥ ९७ ॥ नवीअपमाणाकोरमा ॥ सु० ॥ जिवीतनीवलीआस ॥ ला० ॥
सूपकोपनरवमीसक्या ॥ सु० ॥ वातकहीसवीतास ॥ ला० ॥९८॥ कुमरवि
सेनेंमोकल्या,॥ सू० ॥ किधुएहअकाज ॥ ला० ॥ कोप्योवीसेनकुमरसवी
॥ सु० ॥ सेनकहेसुणोराज ॥ ला० ॥ ९९ ॥ कुमरवीसेनएनवीकरे ॥ सु० ॥
स्वजनतणोहीतकार ॥ ला० ॥ तातनेंसुतजसअरथीउ ॥ सु० ॥ नकरेविरूद्ध
कूमार ॥ ला० २००॥ जीवीतईहकइमकहे ॥ सु० ॥ तिणेंकिजेंसुपशाय
॥ ला० ॥ घातकमुकोतातजी ॥ सु० ॥ तामगवेषेराय ॥ ला० ॥ १ ॥ कुमर
विरोनन्नानीश्वर्ये ॥ सु० ॥ कोप्योरायअपार ॥ ला० ॥ काढीमुकोमुकराव्य
षी ॥ सु० ॥ कुलडषकएकूमार ॥ ला० ॥ २ ॥ काढोएघातकजीवथी
॥ सु० ॥ तवपमीउसेनपाय ॥ ला० ॥ साषेजोएइमकरो ॥ सु० ॥ तोमुझ
रवअतीथाय ॥ ला० ॥ ३ ॥ यास्येअवरथामुझतणी ॥ सु० ॥ जिणेंतुमउ
पजेशोक ॥ ला० ॥ तेहसुणीरूपचिंतवे ॥ सु० ॥ अहोअनरजुउलोक ॥ला०
॥ ४ ॥ रूपकहेतुझनेंजेगमे ॥ सु० ॥ पणिनहीजुगतीवात ॥ ला० ॥ कुम
रकहेअनुग्रहकरयो ॥ सु० ॥ करताएअषवात ॥ ला० ॥ ५ ॥ मुक्याघा
तकजीवता ॥ सु० ॥ कुमरराव्योजिणेपास ॥ ला० ॥ अणकर्मनीआ
णाकरी ॥ सु० ॥ सूपगयोनीजवास ॥ ला० ॥ ६ ॥ लोकवातएहवोकहे

कामें ॥ कामअकारजकिधुरे ॥ ३७ ॥ ऊ० ॥ करमरमीनेंतेहकूटावी॥वा०॥
लीधीसेनकुमारें ॥ तेहनीपीमाश्यम्योहेठो ॥ उठावेजेनत्यारेरे ॥ ३८॥ ऊ० ॥
हाथकालीसज्याश्वेजारी॥ वा० ॥ पुठेसभमवातो ॥ कठरुधाणोउत्तरनदि
घो ॥ उम्योचित्तथीहारीरे ॥ ३९ ॥ ऊ०॥ नीकलीउंहवेतीहाथीत्यारे॥वा०॥
शांतीमतीपतीपुठे ॥ सीएवातकहेतवमुझनें ॥ खबरनहीएस्यूंठेरे ॥ ४० ॥
ऊ० ॥ पणिसामान्यैंएहवुजाणु ॥ वा० ॥ राज्यअरथेंकोईप्रेस्यो ॥ श्णेथा
निकरहेवुमुझनघटे ॥ जिणेंसाईउपथीघेरथोरे ॥ ४१ ॥ ऊ० ॥ जोकदी
नृपजाणेंकोईलिगें ॥ वा० ॥ तोघरमांथीकाढे ॥ अबाशोकधरेकुललाघव ॥
कुपुरुषकलकएचाढेरे ॥ ४२॥ ऊ० ॥ कुलनिदारापेतेसुपुरिस॥ वा०॥ श्मसु
णीबोलेनारी ॥ तूम्हनेंकिमनृपजावादेस्ये ॥ कुमरकहेसुणिप्यारीरे ॥ ४३॥
ऊ० ॥ गुरुनेंसाप्याविणजावुंठे ॥ तेहमांगुणवऊजाणी ॥ शांतीमतीकहेहे
स्वामीजी ॥ परमाणतुमचीवाणीरे ॥ ४४ ॥ ऊ० ॥ सेनकुमारकहेचालोहव
इ ॥ वा० ॥ रथेकूमारतेनासे॥लख्यापरीसहनांहिषमाई ॥ तिणेंनवीरहेएवासे
रे ॥ ४५ ॥ऊ० ॥ सातमेरखंमेंआठमीढालें ॥ वा ॥ सद्धनवातएजोज्यो॥पद्म
विजयकहेउरजनसरीषा ॥ सविकाकोईमतहोयोरे ॥ ४६ ॥ ऊ० ॥ ॥ध्या
॥ डुहा ॥ सद्धनचेलमीशारीषा ॥ आपेरसअसराल ॥ पीम्यापणपिमेनही ॥
मोहटातेहमयाल ॥ ४७ ॥ अर्कहवश्तिहाआथम्यो ॥ परीजननेंकहेप्रेम ॥
आजश्हांवसवुअठे ॥ जाउंसऊश्जेम ॥ ४८ ॥ सज्याहवेतिहासजकरी ॥
मस्तकदूखेमुझ ॥ श्मकहीसऊअलगाकस्यां ॥ गाठिचित्तमागुझ ॥ ४९ ॥
उप्यासऊश्एतले ॥ अवलानेंकहेश्म ॥ देशांतरदिरघघणां ॥ निकलधुतोने
म ॥ ५० ॥ आपदपणिआवेकदा ॥ कर्मवीचित्रनाकाम ॥ अवलानोअवस
रनही ॥ नपमेसुझिनुनाम ॥ ५१ ॥ शांतीमतीकहेस्वामीजी ॥ फिकरनकरी
श्फोक ॥ तुमसाथेंमुझवर्त्तता ॥ स्योमुझनेंठेशोक ॥ ५२ ॥ ढाल ॥ धन २
सप्रतीसाचोराजा ॥ एदेशी ॥ शांतिमतिस्यूंचाल्योतिहांथी ॥ नकहीकोईनें
घातरे ॥ चपावासगाममाहिआव्या ॥ चालिरातोरातिरे ॥ ५३ ॥ सद्धनपरी

सुतो ॥ वा० ॥ दपीविसेननेंचितेरे ॥ अत्मात्मगुणजनजवसते ॥ रुपाने
किणीरीतेरे ॥ २३ ॥ ऊ० ॥ मन ॥ सतगुणविण्पणासो ॥ [illegible]
जइरव ॥ नसोसेईसमुद ॥ किपुणहियमणरसाए ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
ठगेन्नपपासें ॥ वा० ॥ वालचेष्टानवीकीजे ॥ पापचिंतानकरोपत्यांहि ॥ चि
त्तउगाहधरीजेरे ॥ २४ ॥ ऊ० ॥ ईगाथिणअलकारकरावे ॥ वा० ॥ [illegible]
रचेअंगेरे ॥ क्षोमजुगलपहिराव्युसेनें ॥ दिउंतबोलउमनेरे ॥ [illegible] ॥
लाविन्नपनेंपायलगाम्यो ॥ वा० ॥ हवेउंठवदर्त्ताम्यो ॥ अनुक्रमेंकेईककाल
गयाथी ॥ सेनविश्वासेताम्योरे ॥२६॥ऊ० ॥ एकदिनकौमुदीमहोत्सवकरवा ॥
वा०॥ नृपचाल्याउद्यानें ॥ नगरलोककीनामांमम्या ॥ जुर्दजुरीअस्वघाले
रे ॥ २७ ॥ उ० ॥ मत्तमतगजछुटोयसथी ॥ वा० ॥ आलानथंभउषेमि ॥
पादपसाजतोलोकनेंसनमुख ॥ चाल्योमीगछेगेमीरे ॥ [illegible] ॥ हाकिवे
णीलांजेंथयोकलकल ॥ वा० ॥ लोकतेचिछदिशानाग ॥ रायजाणीकहेपक
मोएहनें ॥ किमवलथीसकुधागेरे ॥ २९ ॥ ऊ० ॥ आणाखईतमयोनकुमा
रह ॥ वा० ॥ तेहनेंसनमुखधायो ॥ सिंहकिसोरपरेंगजवेषी ॥ मदलवीअ
पलायोरे ॥ ३० ॥ ऊ० ॥ करीअसवारीअकुशपहीतें ॥ वा० ॥ कुसस्थ
लेतेदीधी ॥ गुल२शब्दकस्योगजराजें ॥ जसकिरतीवक्लीघीरे ॥ [illegible] ॥
डसाणोएजससांसलीनें ॥ वा० ॥ चितेविसेनकुमार ॥ एउखतोमेंसम्युनवी
जाइ ॥ करीशकिस्योप्रकाररे ॥ ३१ ॥ ऊ० ॥ जेथानारतेथाज्योपण ॥ वा०
मारूमाहरेहाथे ॥ एकदिनसेनकुमरउद्यानें ॥ रमावातीमतीसाथेरे ॥ [illegible]
॥ ऊ० ॥ सध्यासमयेंकेईनरसाथें ॥ वा० ॥ सेनसकतीनवीमारी ॥ कोपवसें
नीजबलअणतोली ॥ चाल्योमारवुधारीरे ॥ [illegible] ॥ भवनलताघरवा
हिपेगो ॥ वा० ॥ दिगेकुमरएकाकि ॥ शांतिमतीसुतवेषीनें ॥ काकूपमतें
ताकीरे ॥ ३५ ॥ ऊ० ॥ शांतिमतीदेषीकहेपीउनें ॥ वा० ॥ तमसंभातनेपाणी
घातकरवोतेवचाधीलीधो ॥ कवबलहलनहीपामीरे ॥ ३६ ॥ ऊ० ॥ एस्युरम
शून्यहृदयेकरीनें ॥ वा० ॥ खगतेअपहरीलीधु ॥ काढिछुरीबलीनाखी

स्यूकुमरनेंआपे ॥ वेसवानेंजपानरे ॥ मारगजातांमेरादेईनइ॥उतरीयाकोईथा
नरे॥७०॥स०॥ इमनीतनीतप्रयाणकरता॥ वोल्याकेईकदीन्नरे॥ एकदिनदत्त
रतीअटवीमा ॥ उतस्योसाथतेवन्नरे ॥ ७१ ॥ स० ॥ सयजाएीचोकीचिऊ
पासें ॥ मुकीथईसावधानरे ॥ प्रातसमयचोकीसऊउठी ॥ सऊगयानीज २
थानरे ॥ ७२ ॥ स० ॥ चाकरसर्वेलादवालागा ॥ आवीसिलनीधाभिरे ॥ बा
एतणोवरसातवरसावे ॥ सिगनासम्ब्वजाभीरे ॥७३॥स०॥ मारि २ करताते
आव्या ॥ खेदलसाकर्मकाररे ॥ आम्हथीआराआगलिदोम्या ॥ लागोजुद्ध
अपाररे ॥ ७४ ॥ स० ॥ शांतिमतीनेंघोरजआपी ॥ चाल्योसेनकूमाररे ॥
केसरीहरणजुयज्यूंत्रसभ्या ॥ सवरसेन्यपभीहाररे ॥७५ ॥ स०॥ बिजीदिस
थीसाथनेंसेव्यो ॥ लुम्युसाभजसाररे ॥ आम्हथीआरापाभ्यासघला ॥ नाठी
सघलीनारीरे ॥ ७६ ॥ स० ॥ कुमरआव्योजवएहवीवाइ ॥ सिह्नतणीपभी
नासिरे ॥ एकाकीदेषीपह्निपती ॥ आव्योतासकासिरे ॥ ७७ ॥ स० ॥ ना
स्युपभगकुमरवचावे ॥ कुमरेंदिघप्रहाररे ॥ मुर्छालहीपह्निपतीपभेउ ॥ वींजें
कूमरतिवाररे ॥ ७८ ॥ स० ॥ कुकमासरथीकमलिपभें ॥ लावीसिंचेंनीररे ॥
नयनउघाभीतामविलोके ॥कुणएसाहसधीररे॥ ७ए॥स०॥ रुपेंमयणपराक्रमें
केसरी ॥ दयाइमुनीकुमाररे ॥ ठेसूकमालपणिदृढप्रहारी ॥ सत्रुनेंमीत्रअनु
हाररे ॥ ८० ॥ स० ॥ परमेसरएदीसेसाचो ॥ कामअजुक्तूकीधुरे ॥ एहवा
पुरुषनेंआपणेंइणिपरें ॥ सायलूटिङखवदिधुंरे ॥ ८१ ॥ स० ॥ सातमेरवभे
समरादित्यना ॥ रासमानवमीढालरे ॥ पद्मविजयकहेसांसलोश्रोता ॥ आग
लिघातरचालरे ॥ ८२ ॥ स० ॥ ॥ ए ॥ ॥ ए ॥ ॥ ए ॥
॥ डहा ॥ कुमरकहेमतआकूला ॥ सद्रयाउसाग्यवत ॥ कहेपह्निपतीकेहवु ॥
स्वस्यपणत्मसत ॥८३ ॥तीलसेन्येंआवीसर्णे ॥ इणअवचारकोईम॥पह्नि
पतीनेंपामीउ ॥ करस्यूकहोहवेंकेम ॥ ८४ ॥ मार २ करतामनुज ॥ तिहां
सवरनाताम ॥ आव्यादेषीआफणी ॥ सानकरेपह्निस्वामि ॥ ८५ ॥ मुऊजी
त्योएमहापुरुष ॥ मतकरज्योपरमाद ॥ सिआलीकरीतेसुणी ॥ उपनोवऊआ

चारणीपरेंकीजें ॥ एम्आकणी ॥ अर्कछ्प्योनेंथाकीअवसा ॥ वेगीएक्वनथी हिरे ॥ रायपुरवासीसार्थवाहसुत ॥ सानुदेवआम्योत्याहिरे ॥ [illegible] ॥ उलपीनेंचित्तमांश्मचिंतें ॥ किहाथीरतीनेंकामरे ॥ रायतोकाढिमुकेएहनें ॥ एहमहागुणधामरे ॥ ५५ ॥ स० ॥ गुणपक्षपातीहरीषेणराजा ॥ तिर्णेकारण कोईअन्यरे ॥ कोईसमर्थनकाढवाएहनें ॥ पणकोईउद्वेगमन्यरे ॥ ५६ ॥ ॥ स० ॥ मणमीपुछुश्मवीचारी ॥ पुछेकरीपरणामरे ॥ खेदमकरज्योमजा एयोपुछ ॥ कूअरबोलेतामरे ॥ ५७ ॥ स० ॥ पेदतणोअवशरनहीसाथो ॥ त बबोल्योसानुदेवरे ॥ तुम्हश्नसरापुरनोऊवासी ॥ तामलीमीजाउहेवरे ॥ ५८ ॥ स० ॥ माहरोसाथश्हाउतरीउं ॥ आव्योआचमननेंकाजरे ॥ पासेसरोवरछे अतीसूदर ॥ आव्योतेहनीपाजिरे ॥ ५९ ॥ स० ॥ एहनीकुजमांपेसताउप नो ॥ मुऊनेंप्रतीआणदरे ॥ म्हेंजाएयुश्हांहरपतेथास्ये ॥ दिगेतुममुखचंदरो ॥ ६० ॥ स० ॥ रायपुरेंम्हेंदिगतुमनें ॥ उलप्याकारणतेणरे ॥ हरषलखोप णिपेदउपनो ॥ दिगएकाकीजेणरे ॥ ६१ ॥ स० ॥ कहेवाजेहवीहोयतोसा यो ॥ चिंतेतामकुमाररे ॥ अहोअनुरागवचनचतुराई ॥ साथेश्मउदाररे ॥ ६२ ॥ स० ॥ सासजिकारणपुछेकहेस्यू ॥ पणितामलीमीश्जावुरे ॥ सार्थपकहेमु ऊसाथेंआवो ॥ कूमरकहेतेनावुरे ॥ ६३ ॥ स० ॥ तातंतणाअसवारजोम्हा वे ॥ तोमुऊनेंलेइजावेरे ॥ सानुदेवकहेरहेस्यूश्हां ॥ जबतेआवीनेजावेरे ॥ ॥ ६४ ॥ स० ॥ नानाकरतांपणितेरहीजा ॥ तबत्रेनकूमरतेसासेरो ॥ जाउसाथमांकोई नेंमकहेज्यो ॥ मतआवज्योश्णवासेंरे ॥ ६५ ॥ स० ॥ सार्थपथाल्योआप साथमां ॥ आव्यातेअसवारोरे ॥ पुछेसाथेंनेंनरनारीकोई ॥ दिगेश्णहीप्रकारो रे ॥ ६६ ॥ स० ॥ साथकहेश्हाकोईनआव्यु ॥ तबकहेमांहोमांहिरे ॥ कूमर नोएहनमारगजावा ॥ म्हेंसाम्भुहतुत्याहिरे ॥ ६७ ॥ स० ॥ रायपुरमारगमां लोश्हांथी ॥ इमकहीगयाअसवारोरे ॥ थोभीवेलाईमोकलेसार्थप ॥ दंपतीनें आहाररे ॥ ६८ ॥ स० ॥ वातकहेसार्थपआवीनें ॥ सूर्यआथम्योजामरे ॥ लाव्योसाथमांपाछलीरात ॥ किपमयाणतेतामरे ॥ ६९ ॥ स० ॥ [illegible]

श्रपपालनामेंराय ॥ तेहनीसुताश्राकुमरनी ॥ शांतीमतीरेघरणीमाय ॥ ३ ॥
कु० ॥ पक्षिपतीकहेकिमबन्धु ॥ तवकहेतेसुपकार ॥ सभाममांसाहमोग
यो ॥ अवधारेसेनकूमार ॥ ४ ॥ कु० ॥ बिजीदीशापीसेलीउ ॥ लुटिउ
सघलोसार ॥ श्रामहथीश्रारापामीश्रा ॥ तवविहनीरेशांतिमतीनारि ॥ ५ ॥
कु० ॥ निकलीपटश्रावासथी ॥ हाश्रार्यसुतगयाक्यांहि ॥ मुजसलावीहती
तीर्णकरी ॥ पुठेपाल्योरेतेहनीराहि ॥ ६ ॥ कु० ॥ श्रटवीसणीजातांथकां ॥
एकसबरमुजनेंश्राय ॥ लकुटमास्योचरणमां ॥ जतोपमयोरेतिणहीजठाय ॥
॥ ७ ॥ कु० ॥ मुर्गलहीवलीचेतना ॥ लाधीतेठभ्योताम ॥ खोलिघणीपणि
नवीजमी ॥ हवेकरोरेतूमेएकाम ॥ ८ ॥ कु० ॥ हादेवीदेवीइमसणी ॥ मु
र्गलसोतेकुमार ॥ पक्षिपतीइश्रासासीउ ॥ मतकरोरेखेदलगार ॥ ९ ॥ कु० ॥
वेलापईठियोमली ॥ श्रटवीतनाहीदूर ॥ देखिनबजईमीसको ॥ मुजसीलरेसेनासू
रि ॥ १० ॥ कु० ॥ पवनवेगेंचालतां ॥ नहीश्रजाएयुकोईगाम ॥ हिमणाला
वीनेंमेलवु ॥ इमकहरिमुक्यांताम ॥ ११ ॥ कु० ॥ सार्थपनेंपक्षिपतीकहे ॥
जंजाईसरबोलवानारि ॥ निजपुरूपकेईकसुपीनें ॥ धिरजदेज्योरेसेनकूमार ॥
॥ १२ ॥ कू० ॥ सार्थपपिणकहेकूमरनें ॥ धीरजकरोतुम्हेश्राज ॥ हिव
णांखोलीलावीइ ॥ जिहांहोस्येरेपुत्रीराज ॥ १३ ॥ कु० ॥ इमकरीसहुश्चा
लीश्रा ॥ केईस्रुसटलेईसग ॥ सातमेरवन्दिश्रमीकही ॥ ढालपर्वेरेचढतेरग ॥
॥ १४ ॥ कु० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ दुहा ॥ ससरतांशांतिमती ॥ श्रार्यपुत्रकिहांश्राज ॥ दिशामुढदिनश्रापम्यो ॥
पोहतीगीरिनदीपाज ॥ १५ ॥ मनचिंतेमाहरोपती ॥ श्रावीनमीट्योश्रांहि ॥
विरहेंकहोकीमजीवीइ ॥ मरखुश्रावनमांहि ॥ १६ ॥ श्रशोकतरूश्रवल
बीनें ॥ दिउपासउपरासी ॥ वनदेवीवाणीसुणे ॥ एहवीमाहरीश्राशि ॥ १७ ॥
श्रार्यपुत्रमुंकीश्रवर ॥ नवीचींत्योमनमांहि ॥ जोजनमांत्तरेश्रार्यसुत ॥ तो
पतीयाज्योत्यांहि ॥ १८ ॥ इमनीश्राणश्रादरी ॥ श्रातमश्रघरकरेश्र ॥ पा
सयुटोघरणीपमी ॥ मुर्गताममलेय ॥ १९ ॥ ढाल० ॥ ठेमोनाजी ॥ एदेशी ॥

रहाद ॥ ८६ ॥ हाथजोनीमुकीहवे ॥ धनुंपतीरपरीकष ॥ [illegible]
नें ॥ आव्याअजलीवंधि ॥ ८७ ॥ असयतेआपोअमसखी ॥ [illegible]
चार ॥ आयुधरहीतनेंअसयठे ॥ इणअवसरअवधारि ॥ ८८ ॥ [illegible] ॥
सुणोहोनेऋअनाथी ॥ एवेंजी ॥ पल्लिपतीपाएपमे ॥ कहेरखवोमुझखसरण ॥
सायतुमारोसूटिउं ॥ तिणेंकिधुरेपापअगाध ॥ ८९ ॥
उपगार ॥ तुमसरीखाजगमांहूप्यार ॥ कु० ॥ एआंकणी ॥
घोपणा ॥ सपामकीघोदूर ॥ जिणेंजेलीघुहोईते ॥ लाबोरेमुझहजुर ॥ [illegible]
कु० ॥ कोईकर्नेकांईरहेस्येकदा ॥ नोटालूतेहनोगाम ॥ ततकालसहुनेसूंक
री ॥ कहेजुउरेएदाम ॥९१॥ कु० ॥ कहेकुमरनहीस्वामीअम्पो॥
तजोआय ॥ तोउलपीनेंसघलूलहे ॥ सुणीतेहनेंरेपोलवाजाय ॥ ९२
एकवननं कूर्जेतेलसो ॥ लाविआतेहनेंताम ॥ कहेपल्लीपतीनवीजाणीउ
एहवारुनारेपुरुषएगाम ॥ ९३ ॥ कु० ॥ इणेंजीत्याअमनेंएकले ॥ अमेंए
मीवज्योएनाथ॥ एऋनातुम्हेअम्हेतुमतणो ॥ लूटिलीधोरेइणिपरेंसाथ ॥[illegible]
कु० ॥ चिजसावएतुमतणी ॥ लेज्योससालीलाय ॥ सार्थपवीचारेचित्तवां॥
इणिएकेरेकिधपसाय ॥ ९५ ॥ कु० ॥ सार्थपकहेसऋआवीउं ॥ हरख्योलेप
ल्लीस्वामि ॥ कूमरविचारेएहनी ॥ सद्धनतारेजुउंआम ॥ ९६ ॥ कु० ॥ महा
रतससजावीआ ॥ दिधोकमोरोआप ॥ जाणीभव्यावर्अगीकस्यो ॥ पल्लिनार्वे
रेमोहटानीठाप ॥९७॥कु०॥ मणकर्मेबीजापुरुषना॥वलीकरावेतेकूमार॥ क
हेपल्लीठेकुकमी ॥ मुझपालिरेचालोएवार ॥ ९८॥ कु० ॥ उपगारकीजेंमुझस
णी ॥ वोलेतेशेनवीचार ॥ सार्थपभमाणएवातमां ॥ सानुदेवरेसाथेतीवार ॥
॥ ९९ ॥ कु० ॥ तुमवरीसणेदिठीअम्हें ॥ तुमचीमनोहरपालि ॥ इणसमेंसा
नुंदेवनो ॥ सूपकाररेआव्योतेकालि ॥१००॥ कु० ॥ आंसूनीधारवचेनही ॥
कहेगयुसर्वजेसार ॥ चपलताकहींदिसेनही ॥ सुणीऋउरेआकुलोकूमार ॥
॥ १ ॥ कु० ॥ सानुदेवविलषोथयो ॥ पल्लिपतीथयोमुंढ ॥ कहेराजपुत्री
कुणअठे ॥ मुझसाथोरेतेहनुगुढ ॥ २ ॥ कु० ॥ कहेसानुदेवराजपुरतणो ॥

श्रपालनामेंराय ॥ तेहनीसुताआकुमरनी ॥ शांतीमतीरेघरणीथाय ॥३॥ कु० ॥ पक्षिपतीकहेकिमथयुं ॥ तवकहेतेसूपकार ॥ सघाममांसाहमोग यो ॥ अवधारेंरेजेनकुमार ॥ ४ ॥ कु० ॥ विजीदीशायीसेलीउं ॥ लुटिउ सघलोसार ॥ आमहथीआरापामीआ ॥ तवविहनीरेशांतिमतीनारि ॥ ५ ॥ कु० ॥ निकलीपटआवासथी ॥ हाआर्यसुतगयाक्याहिं ॥ मुऊसलावीहती नीरेंकरी ॥ पुठेचाल्योरेतेहनीराहि ॥ ६ ॥ कु० ॥ अटवीसणीजातांथकां ॥ एकसबरमुऊनेंआय ॥ लकुटमार्योचरणमां ॥ ऊतोपऊयोरेतिणहीजगाय ॥ ॥ ७ ॥ कु० ॥ मुर्गलईवलीषेतना ॥ साधीतेउठ्योताम ॥ खोजिवणीपणि नवीजमी ॥ हवेकरोरेतूमेएकांम ॥ ८ ॥ कु० ॥ हादेवीदेवीइमसणी ॥ मु र्गलखोतेकुमार ॥ पक्षिपतीइआसासीउं ॥ मतकरोरेखेदलगार ॥ ९ ॥ कु० ॥ वेलापईठेंयोऊली ॥ अटवीतेनांहीदूर ॥ देविनवऊईमीसको ॥ मुऊसीलरेसेनासू रि ॥ १० ॥ कु० ॥ पवनवेगेंचालता ॥ नहीअजाएयुकोईगम ॥ हिमणाला वीनेंमेलवु ॥ इमकहीरिमुक्यातास ॥ ११ ॥ कु० ॥ सार्थपनेंपक्षिपतीकहे ॥ ऊजाईसखोलवानारि ॥ निजपुरूषकेईकसुपीनें ॥ धिरजदेज्योरेसेनकूमार ॥ ॥ १२ ॥ कू० ॥ सार्थपपिणकहेकूमरनें ॥ धीरजकरोतुम्हेआज ॥ हिव णांखोलीलावीइ ॥ जिहांहोस्येरेपुत्रीराज ॥ १३ ॥ कु० ॥ इमकरीसहुइखा लीआ ॥ केईसूसटलेईसग ॥ सातमेरवमिदत्रमीकही ॥ ढालपर्योरेस्यहतेरग ॥ ॥ १४ ॥ कु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ उहा ॥ ससरतांशांतिमती ॥ आर्यपुत्रकिहांआज ॥ दिशामुढदिनआपम्यो ॥ पोहतीगीरिनदीपाज ॥ १५ ॥ मनचिंतेमाहरोपती ॥ आवीनमील्योआंहिं ॥ विरहेंकहोकीमजीवीइ ॥ मरवुआवनमांहिं ॥ १६ ॥ अशोकतरुअवल वीनें ॥ दिउपासउपरासी ॥ वनदेवीवाणीसुणो ॥ एहवीमाहरीआशि ॥ १७ ॥ आर्यपुत्रमुंकीअवर ॥ नवीचींत्योमनमांहिं ॥ जोजनमांत्तरेआर्यसुत ॥ तो पतीथाज्योत्यांहिं ॥ १८ ॥ इमनीआणऊआदरी ॥ आतमअधरकरेअ ॥ पा सघुटोघरणीपमी ॥ मुर्गतामसलेय ॥ १९ ॥ ढाल० ॥ ठेमोनांजी ॥ एदेशी ॥

तापसकुमरआयोइणिअवसरि ॥ सध्यासेवनकाज ॥ देखीकमेक्षाविमर्गुं
णए ॥ रूपेरतीगिरताज ॥ २० ॥ अणगारहिई ॥ वनदेवीवेरएआब ॥
अउगा ॥ ऐसांकणी ॥ अथवाएयुमुक्तनारीतुकाजे ॥ आउंघरठेकाम ॥
शास्त्रमांवारयुनारिसुंदरसण ॥ पमीतइमवषायें ॥ २१ ॥ अ० ॥ मयवेरो
हृत्यालाकाताती ॥ अजनकरवीरुनी ॥ पणिजेअगोपांगसंगधर ॥ नारीनीरव
बीसूनी ॥ २२ ॥ अ० ॥ विपसपीइपणितोगनसजीइ ॥ रसवालेवसी
नो ॥ पएनवीअलिकयचनजपीजें ॥ नहिविसवासीकुनो ॥ २३ ॥ अ० ॥
मुनीजननोअधीकारएनांही ॥ अयवादिनउदार ॥ करवोतेपणिधर्मबोधस्यो
जिवदयाविस्तार ॥ २४ अ० ॥ यत ॥ नघम्मकज्ञापरवठिकदं ॥ नपाव
हिंसापरमअकद्ध ॥ नपेमरागापरमविबधो ॥ नबोहीलासापरमथिआसो ॥
॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ एपणिअटवीमाएकाकी ॥ सुतितिर्णेएहीन ॥ विषम
रीठेकेएकुणछे ॥ देपीपासविखिन्न ॥ २५ ॥ अ० ॥ इणिरुपेनेपासनवेस्यो
वातविरोधीएह ॥ अथवाकर्मेस्यूनवीयाइ ॥ कर्मविधिमकरेह ॥ २६ ॥
अ० ॥ कर्मकलजलेदिधआसूपो ॥ आउपेचेतनआप्यू ॥ आंषिउघाडेतवमु
नीतापस ॥ देपीचितकराप्यूं ॥ २७ ॥ अ० ॥ सयनधरेमनमांकहेमुनीवर ॥
कुंतापसकुमार ॥ मुणीप्रणमीतवआसीससापे ॥ अविघ्वाइजेनारी ॥ २८ ॥
अ० ॥ तुम्हेंइहांकिहांथितममुनीसापे ॥ तपोवनप्रमुखविचार ॥ किमएका
कीकिमइहांआवी ॥ किमएहवोव्यापार ॥ २९ ॥ अ० ॥ ईवसांसलीचांतिं
मतीचिंतें ॥ किमकहिइनिजवात ॥ तोपणितपसीजनमानेवा ॥ नहिमीजउ
णिमथात ॥ ३० ॥ अ० ॥ इर्मपतीकहेरायपुरराजा ॥ शस्त्रपालनोवे
टी ॥ साथलुटाणेतिर्णेएकाकीनी ॥ सत्तोगयोमुक्तमेटी ॥ ३१ ॥ अ० ॥ तो
सविजोगेंएव्यवसाय ॥ कहिनेरोबालाबी ॥ तपसीकहेमतरोसोसागिए ॥
नहीसंसारसोसागी ॥ ३२ ॥ अ० ॥ जिवनाटकीआकेरीवाजी ॥ पिणमाहे
यविजोगा ॥ पिणसयोगकूणेकमांमोबज ॥ पिणमाहेवतशोगा ॥ ३३ ॥
अल० ॥ पिणमांआपदपिणमांसपद ॥ बुद्धीवंतेइमजाणी ॥ मकनेचिंताकेम

षमबेलामांअनुचिन्तनकरेमाणी ॥३४॥ अल०॥ धीरजधरतांआपदजाइ ॥ तिणेतूंछेमिवीषाद ॥ वलीतूंफलफणपोईजाण्फे ॥ मुणिकफ्तकरीप्रसाद ॥३५॥ अल० ॥ तुफसरतानवीमरणल्लसोहें ॥ कहेतूंफसोवनकाती ॥ कोकीलस्वरस्व प्रतीष्टीतघरणां ॥ नासीदफणवर्त्तवती ॥ ३६ ॥ अल० ॥ नितबफलकसुवी त्रालविराजे ॥ त्रारदत्रसिसमसयण ॥ नविकमलाणीछवीमधुगुलीका ॥ त्र रीषांताहरांनयण ॥ ३७ ॥ अल० ॥ तिलकसूपीतसालमफलसोहे ॥ कुटिल केत्यवलीकाला ॥ स्नेहालाघणतिणेतूंफसाधु॥तुंछेसाग्यवीत्राल॥३८॥अल०॥ अवीधकातूंछेवलीवीजु ॥ पुत्रवतीनीरधार ॥ कुलपतीनेंतूम्हेआवीवदो ॥ सू णीचालीतसदहार ॥ ३९ ॥ अल० ॥ कुलपतीवंदेआशीशदिधी ॥ मुनीश्व्य तीकरसाप्यो ॥ कुलपतीकहेमतत्तपज्येषछे ॥ हवेदूखडरेंनाप्यो ॥ ४० ॥ अल० ॥ थोमादिनमांपतीतूंफमिलस्यें ॥ इणहिजजाणिउपान ॥ ज्ञानेंकरी जाणफतुंएहवुं ॥ साफकहेवचनप्रमाण ॥अल० ॥४१॥ तापसणीपासेंतिरहेतां ॥ वितोकेतोककाल॥सातमेखम्पस्मविजयकहे ॥ एहअग्यारमीढाल ॥ ४२ ॥ अल० ॥ डुहा ॥ अटविमांइणअवचारि ॥ सवरपल्लीपतीसेन ॥ खोसिंकरीव ऊषांतिस्यु ॥ किमेनलाधीकेण ॥ ४३ ॥ वासरतोबोलीगयो ॥ नमलीतेहनी नारि ॥ पेदलहीविलपामया ॥ मिल्याअरण्यमफारि ॥ ४४ ॥ कहेपल्लिपती कुमरनें ॥ मतकरज्योमनखेद ॥ मिलस्येनिश्चयमानिनी॥सफतेसांतलिसेद ॥४५॥ सफनेंदिवसनसारीपा ॥ कालकेपपणिकांय ॥ आहारकरोतुमेअ म्हतणा ॥ माणरहेजीमप्राय ॥ ४६ ॥ जुगतोआहारजाणीकरी ॥ आपहथी करयोआहार ॥ शय्यापाथरीसोवतो ॥ मानिनीमनमांघारि ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ महाविरजगमांजीत्योजी ॥ एदेशी ॥ पल्लिपतिपणिपासेसूतो ॥ मुक्याचोकी दार ॥ तिणेसमेसबरआवीनेंइणिपरें ॥ अतीशयकरतपोकार ॥ ४८ ॥ सूणो हमवाणीजी ॥ पल्लिपतीपणिउठिधनुखलीउताणीजी ॥ पुछे २ वातसूजाण कहोकीसीकाणीजी ॥ एआंकणी ॥ तेकहेपवरपफेनहीअमनें ॥ पणिसामा न्येंजाण्यो॥साथआव्योअटवीमाजाणी ॥ विश्वपुरकेरोराणो ॥४९॥ सुणी०॥

तापसकुमरआयोतिणिअवसरि ॥ सध्यासेवनकाज ॥ देखीवनदेवताविमनीहुइ एए ॥ रूपेंरतीभिरताज ॥ २० ॥ अणगारहिई ॥ वनदेवीनेंएचाल ॥ अलगा ॥ ऐआकणी ॥ अथवास्युमुकनारीतुकारज ॥ जाउंसारतेआगईं ॥ शास्त्रमांवारयुनारिनुंदरसण ॥ पनीतरमणवाणें ॥ २१ ॥ अ० ॥ मयणेंजी हश्शलाकातानी ॥ अजनकरवीकनी ॥ पणिजेअगोपांगसंगवाद ॥ नारीनीस्य बीसूनी ॥ २२ ॥ अ० ॥ विपसपीइपणिसोगनसजीइ ॥ रयवाळेवयवीक मो ॥ पणनवीअलिकवचनजपीजें ॥ नहिविसवासीकुमो ॥ २३ ॥ अ० ॥ मुनीजननोअधीकारएनाही ॥ अपवादिनउवार॥ करवोसेपणिसार्वोवोस्यो जिवदयाविस्तार ॥ २४ अ० ॥ यत ॥ नधम्मकज्जापरमस्थिकज्जं ॥ नपाण हिसापरमअकज्ज ॥ नपेमरागापरमत्थिवधो ॥ नबोहीलाभापरमत्थिलाभो ॥ ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ एपणिअटवीमाएकाकी ॥ युतितिर्णेएहीन ॥ विकस रीठेकेएकुणठे ॥ देखीपासविखिन्न ॥ २५ ॥ अ० ॥ इणिरुपेंनेपासमलेंस्यो वातविरोधीएह ॥ अथवाकर्मेंस्यूनवीथाइ ॥ कर्मविचित्रकरेइ ॥ २६ ॥ अ० ॥ कर्मफलजलेदिधआसूपो ॥ आउधेचेतनआव्यू ॥ आंखिउघाडीनेमनु नीतापस ॥ देखीचितमराव्यूं ॥ २७ ॥ अ० ॥ सयनधरेमनमांकहेंगुवीचार ॥ ऋतापसकुमार ॥ मुणीभणमीतवआसीसत्तापे ॥ अविधवाहोनारी ॥ २८ ॥ अ० ॥ तुम्हेंइहाकिहाचितवमुनीतापे ॥ तपोवनप्रमुखविचार ॥ किमएका कीकिमइहांआवी ॥ किमएहथोव्यापार ॥ २९ ॥ अ० ॥ इवसांसलीशांति मतीचितें ॥ किमकहिइनिजवात ॥ तोपणितपसीजनमानेंचा ॥ नहिमीजउ णिमयात ॥ ३० ॥ अ० ॥ इमचितीकहेरायपुरराज ॥ शत्रुपालतोथे टी ॥ साथलुटाणेतिर्णेएकाकीनी ॥ सत्तांगयोमुकमेटी ॥ ३१ ॥ अ० ॥ ती सविजोगेंएव्यवसाय ॥ कहिनेंरोवालावी ॥ तपसीकहेमतरोसोसागिण ॥ नहीससारसोसागी ॥ ३२ ॥ अ० ॥ जिवमाठकीआकेरीवाजी ॥ पिणनाहो यविजोगा ॥ पिणसयेगकणेकर्मासोभज ॥ पिणसांहोवतभोगा ॥ ३३ ॥ अल० ॥ पिणमांआपदकिणासपद ॥ बुधीवंतेरमजाणी ॥ नकरेविषवादि

पमबेलामांअनुचिन्तनकरेप्राणी ॥३४॥ अल०॥ धीरजघरतांआपदजाइ ॥ तिऐतूछेमिवीपाद ॥ वलीतूफलकृणपीऊंजाणं ॥'सूणिकफकरीमसाद॥३५॥ अल० ॥ तुफसरतानवीमरणलसोर्हे ॥ कहेतूफसोवनकांती ॥ कोकीलस्वरसू प्रतीष्टीतचरणां ॥ नासीदकूणवर्त्तवती ॥ ३६ ॥ अल० ॥ नितबफलकसूवी शालविराजे ॥ शारदशसिसमवयण ॥ नविकमलाणीछवीमघुगुलीका ॥ श्र रीर्षांताहरानयण ॥ ३७ ॥ अल० ॥ तिलकसूपीतसालमफ्लसोहे ॥ कुटिल केश्यवलीकाला ॥ स्नेहालाघणतिऐतूफसापुंनुछेसाग्यवीशाला॥३८॥अल०॥ अवीधकतूंछेवलीबीजु ॥ पुत्रवतीनीरधार ॥ कुलपतीनेंतुम्हेंआवीवदो ॥ सू णीचालीतसस्हार ॥ ३९ ॥ अल० ॥ कुलपतीवंदेआशीशदिधी ॥ मुनीश्व्य तीकरसाप्यो ॥ कुलपतीकहेमतत्तपज्येषछे ॥ हषेदूखडुरेनाप्यो ॥ ४० ॥ अल० ॥ योमादिनमांपतीतूफमिलर्स्ये ॥ इणहिजजाणिऊंघान ॥ ज्ञानेंकरी जाणजुंएहवुं ॥ साफहेवचनप्रमाण ॥अल० ॥४१॥ तापसणीपार्सेतेरहेतां ॥ वितोकेतोककाला॥सातमेखमेपद्मविजयकहे ॥ एहअग्यारमीढाल ॥ ४२ ॥ अल० ॥ दूहा ॥ अटविमांहेणभमचारि ॥ सवरपल्लीपतीसेन ॥ खोलिकरीब फ्रषांतिस्यु ॥ किमेनलाधीकेण ॥ ४३ ॥ वासरतोव्रोलीगयो ॥ नमलीतेहनी नारि ॥ पेवलहीविलपामया ॥ मिथ्याअरण्यमझारि ॥ ४४ ॥ कहेपल्लिपती कुमरनें ॥ मतकरज्योमनखेद ॥ मिलस्येनिश्चयमानिनी॥सफतेसांतलिसेद ॥४५॥ सफ्रनेंदिवसनसारीपा ॥ कालरूपपर्णिकाय ॥ आहारकरोतुमेअ म्हतणा ॥ प्राणरहेजीमप्राय ॥ ४६ ॥ जुगतोआहारजाणीकरी ॥ आपहथी करयोआहार ॥ शय्यापाथरीसोवतो ॥ मानिनीमनमांधारि ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ महाविरजगमांजीत्योजी ॥ एदेशी ॥ पल्लिपतिपणिपासेसूतो ॥ मुक्याचोकी दार ॥ तिर्णेसमेसवरआवीनेंइणिपरें ॥ अतीशयकरतपोकार ॥ ४८ ॥ सूणो हमवाणीजी ॥ पल्लिपतीपणिऊठिघनुखलीचेताणीजी ॥ पुठे २ मातसूजाण कहोकीसीकाणीजी ॥ एआंकणी ॥ तेकहेपवरपमेनहीअमनें ॥ पणिसामा न्येंजाएयो॥साथआव्योअटवीमाजाणी ॥ विश्वपुरकेरोराणो ॥४९॥ सुणो०॥

तापसकुमरआयोइणिअवसरि ॥ संध्यासेवनकाज ॥ देषीकन्यासनमांहि एए ॥ रूपेंरतीगिरताज ॥ २० ॥ अणगारहिई ॥ वनवेलीरिएकाल अलगा ॥ ऐअांकणी ॥ अथवाएमुक्तनारीतुकाजे ॥ आउंकवरठेकोई ॥ शासमांवारयुंनारिनुंदरसण ॥ पमीतअमवषाणें ॥ २१ ॥ अ० ॥ नयनोनो हजालाकाताती ॥ अजनकरवीठनी ॥ पणिजेअंगोपांगसेंगवह ॥ नारीनीरू वीसूनी ॥ २२ ॥ अ० ॥ विपसपीइपणितेगनसजीइ ॥ रत्नकदेवपणे मो ॥ पणनवीअलिकवचनजपीजें ॥ नहिविसवासीकुमो ॥ २३ ॥ अ० ॥ मुनीजननोअधीकारएनांही ॥ अथवादिनउधार ॥ करवोंतेपणिकर्मोवोस्मो जिवदयाविस्तार ॥ २४ अ० ॥ यत ॥ नधम्मकह्यापरवक्किकह्यं ॥ नपाव हिसापरमअकह्म ॥ नपेमरागापरमह्निबधो ॥ नबोहीलासापरमह्निलासो ॥ ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ एपणिअटवीमाएकाकी ॥ स्रुतितिर्णेएदीन ॥ विचार रीठेकेएकुणछे ॥ देषीपासविखिन्न ॥ २५ ॥ अ० ॥ इणिरुपेनेपासनवेरस्तो वातविरोधीएह ॥ अथवाकर्मेस्यूनवीथाइ ॥ कर्मविषिमकरेह ॥ २६ ॥ अ० ॥ कर्मनअजलेदिषआतूपो ॥ आउपेचेतनअोय्यू ॥ आंषिउघाडीतवमु नीतापस ॥ देपीचितमराव्यूं ॥ २७ ॥ अ० ॥ सयनधरेमनमांकहेमुबीचर ॥ कंतापसकुमार ॥ मुणीप्रणमीतवआसीसआपे ॥ अविधवाहोनारी ॥ २८ ॥ अ० ॥ तुम्हेंइहांकिहांचितवमुनीसापे ॥ तपोवनमसुरवविचार ॥ किमएकां कीकिमइहांआवी ॥ किमएहवोव्यापार ॥ २९ ॥ अ० ॥ इंवसांसलीनांति मतीचिंतें ॥ किमकहिशनिजवात ॥ तोपणितपसीजनमानेंवा ॥ नहिमीच्छ णिमयात ॥ ३० ॥ अ० ॥ इमचितीकहेरायपुरराजा ॥ शत्रुपासनोभे टी ॥ साथछुटाएणेतिर्थेएकाकीनी ॥ सत्त्वगयोमुक्तमेटी ॥ ३१ ॥ अ० ॥ तौ सविजोगेंएव्यवसाय ॥ कहिनेंरोवालागी ॥ तपसीकहेमतरोसोसांमिष ॥ नहीससारसोसागी ॥ ३२ ॥ अ० ॥ जिवताडकीआकेरोवाजी ॥ पिणनाहो यविजोगा ॥ पिणसयेगकणेकमांमोवज ॥ पिणमांहोवतयोगा ॥ ३३ ॥ अल० ॥ पिणमांआपदकिणमांसपद ॥ बुद्धीवंतेश्मजाणी ॥ नकरेविंवाद

ममवेलामां॥अनुचित्तनकरेप्राणी ॥३४॥ अल०॥ घोरजघरतांआपदजाइ ॥ तिणेतुह्मेनिवीषाद ॥ वलीतुह्मलक्षणथीह्मजाणुं॥सुणिकह्मकरीप्रसाद॥३५॥ अल० ॥ तुह्मसरतानवीमरणलसोहे ॥ कहेतुह्मसोवनकाती ॥ कोकीलस्वरसू प्रतीष्टीतचरणां ॥ नासीदृक्षणवर्त्तवती॥ ३६ ॥ अल० ॥ नितबफलकसुवी शालविराजे ॥ शारदशसिसमवयण ॥, नविकमलाणीछवीमधुगुलीका ॥ श्री रीषांताहरांनयण ॥ ३७ ॥ अल० ॥ तिलकसूपीतसालमह्मसोहे ॥ कुटिल केशवलीकाला ॥ स्नेहालाघणतिणेतुह्मसाधु॥तुह्मेसाग्यवीशाल॥३८॥अल०॥ अवीधवातुह्मेवलीवीजु ॥ पुत्रवतीनीरधार ॥ कुलपतीनेतुम्हेआवीवदो ॥ सु णीचालीतसल्हार ॥ ३९ ॥ अल० ॥ कुलपतीवंदेआशीशदिधी ॥ मुनीश्व तीकरसाप्यो ॥ कुलपतीकहेमतत्तपज्येवह्मे ॥ह्वेदूखडरेनाप्यो ॥ ४० ॥ अल०॥ थोमादिनमापतीतूह्ममिलस्ये ॥ इणहिजजाणिउथान ॥ ज्ञानेंकरी जाणुंछुंएह्वुं॥ साकहेवचनप्रमाण ।अल० ॥४१॥ तापसणीपासेंतेरहेतां॥ वितोकेतोककाल॥सातमेखमेपद्मविजयकहे ॥ एह्अग्यारमीढाल ॥ ४२ ॥ अल० ॥ दुहा ॥ अटविमांइणअवसरें ॥ सवरपल्लीपतीसेन ॥ खोलिकरीभ ह्मांतिरयु ॥ किमेनलाधीकेण ॥ ४३ ॥ वासरतोत्रोलीगयो ॥ नमलीतेह्नी नारि ॥ पेदलहीविलषामया ॥ मिथ्याअरण्यमह्मारि ॥ ४४ ॥ कहेपल्लिपती कुमरनें ॥ मतकरज्योमनखेद ॥ मिलस्येनिश्चयमानिनी॥सफ्तेसांसलिखेद ॥४५॥ सह्मनेंदिवसनसारीषा ॥ कालक्षेपपणिकाय ॥ आहारकरोतुमेअ म्हतणा ॥ प्राणरहेजीमप्राय ॥ ४६ ॥ जुगतोआहारजाणीकरी ॥ आपहथी कर्योआहार ॥ शय्यापायरीसोवतो ॥ मानिनीमनमांधारि ॥४७॥ ढाल ॥ महाविरजगमांजीत्योजी ॥ एदेशी ॥ पल्लिपतिपणिपासेसूतो ॥ मुक्याचोकी दार ॥ तिणेंसमेसबरआवीनेंइणिपरें ॥ अतीशयकरतपोकार ॥ ४८ ॥ सूणो ह्मवाणीजी ॥ पल्लिपतीपणिउठिधनुखलीउंताणीजी ॥ पुछे २ वातसूजाण कहोकीसीकाणीजी ॥ एआकणी ॥ तेकहेपवरपह्मेनहीअमनें ॥ पणिसामा न्येंजाण्यो॥साथआव्योअटवीमाजाणी ॥ विश्वपुरकेराराणो ॥४९॥सुणी०॥

जाएपूपखिपतीनीकलस्ये ॥ मोकलीनिजेघाति ॥ [illegible] ॥
पोहतीनाहिरुहामी ॥ ५० ॥ सू० ॥ स्वामीकारयसाष्युमांही ॥ [illegible]
तइ ॥ रपेसाषएआवीवुदे ॥ मारनेप्रतीअभनइ ॥ [illegible] ॥ [illegible]
मनेंतेहसुएावी ॥ कुमरनीकरज्योसार ॥ डरपीकुमरेंमनमीकाम्ये ॥ [illegible]
ऐतेहकुमार ॥ ५२ ॥ सू० ॥ जुधगुरुतापखिपतकेरी ॥ [illegible] ॥
खफगलेईकहेसानुदेवनें ॥ पणपसगनहीकांम ॥ ५३ ॥ सू० ॥ तुमें [illegible]
ताइंहारहेज्यो ॥ अथवाकरज्योमयाए ॥ रूपखिपतीसबरकरेवा ॥ [illegible]
सुएिजाए ॥ ५४ ॥ सु० ॥ सानुदेवनवीउत्तरआपे ॥ सेनकुमरकेसाथ ॥
बोलवाजेहवीवातनहीउर ॥ इमपरीचाल्योहाम ॥ ५५ ॥ सु० ॥ [illegible]
जुधलागुतिहांसवलू ॥ गगनांगणरहुवांणे ॥ पखिपतीकहेसेनकुमरनें ॥
जुधमुक्तत्रासीवीन्चाए ॥ ५६ ॥ सु० ॥ सेनकुमरपणिस्मनपेईनें ॥ [illegible]
सत्रुसाहमो ॥ सिहपरेंतिहांकरेपराक्रम ॥ हरपपखिपतीपाम्यों ॥ [illegible] ॥
अनुक्रमेंजुधकरतांहास्या ॥ पखिपतीकुमार ॥ पकमीनेंजेईबास्या ॥ [illegible] ॥
आव्याहरपअपार ॥ ५८ ॥ सु० ॥ पणिएककुमरनुंदेषीपराक्रम ॥ [illegible]
क्याचित्तमांहि ॥ समरकेतूराजानेंसघलो ॥ कहेअपीकारउमांहि ॥ [illegible]
सु० ॥ रुपपराक्रमदेषीराजा ॥ विस्मयपाम्योचिनें ॥ कूएएपुरुषलोकोत्तर
घो ॥ करूगवेपणातते ॥ ६० ॥ सु० ॥ नरपतीसूतहोस्येसहीनीश्चें ॥ [illegible]
नृपबोलेमारोपखिपतीएतस्कर ॥ उत्तनहीरएतोलें ॥ ६१ ॥ सु० ॥ कुमरकहेमुक
सीमोटाई ॥ एहमरेऊजीवु ॥ तिणेंमुकनेंमारोईमसाषें ॥ नहीतरअलनवीपीमुं
॥ ६२ ॥ सु० ॥ रायविचारेस्यूमुखबोले ॥ एहमहानुंसाल ॥ अथवाएहनेंई
मजजुगतू ॥ रायकहेघरीराग ॥ ६३ ॥ सू० ॥ जातीवन्तसाषेमुखकेरो ॥ म
यतिहांसेनकुमार ॥ पासेंआफुअवखूजोतो ॥ उत्तमपरीआकार ॥ [illegible] ॥
सानुदेवश्एअवसरेंआव्यो ॥ सेठफलसाथेंलाव्यो ॥ [illegible] ॥
केईकनरेंसोहाव्यो ॥ ६५ ॥ सु० ॥ नृपआणाईपेसएदेवे ॥ समरकेतूपलीहार ॥
जईनरपतिनेंसेठणआप्युं ॥ सुपवीदंसतकार ॥ ६६ ॥ सू० ॥ [illegible]

पीबेसास्यो ॥ दिठोसेनकुमार ॥ पिमीतअनेकप्रहरेंदेषी ॥ शोकधरेतिणीवार ॥ ६७ ॥ सु० ॥ मुर्छालहीनेधरणीढलीउ ॥ स्युप्रयुरायविमासे॥शितलउपचारेंलहोचेतन ॥ पुछेनृपतसपासें ॥ ६८ ॥ सु० ॥ तुमनेंएहप्रयुस्युसाषो ॥ तबबोस्योसङवाह ॥ एहससारमासारनहीकांय ॥ आपदहोयअथाह ॥ ६९॥ ॥ सु० ॥ पपाधीपसुनएहवीआपद ॥ पाम्योतिणेंमुक्शोक ॥ तबनृपचितेजेहकलपना ॥ किधीतेनहीफोक ॥ ७० ॥ सु० ॥ पुछेसङकहोएकिणीपरें ॥ अटविमांएकाकी ॥ सानुदेवकहेमिलीउंवाटें ॥ वातनजाणुबाकी ॥ ७१ ॥ सु० ॥ वननीकुजमांनारीस्यूदिठो ॥ ईत्यादिकसङसाष्यु ॥ कुमरनीपवरलहीआव्यो ॥ जेहसुप्रयुतेहदाष्यु ॥ ७२ ॥ सु० ॥ रायकहेएरुकिधु ॥ सातमेंरवंमेढाल ॥ पद्मविजयकहेचारमीसापी ॥सुणतांमगलमाला॥७३॥सु०॥ ॥ दुहा ॥ रायकहेनीजनरप्रतें ॥ एहनेंकरोअवल ॥ सांसलितेपणिसङक आ ॥ निरताकरणनवल ॥ ७४ ॥ विजाधरमांसेङनें ॥ सज्याकिधीसार ॥ वैद्यबोलाव्यावेगस्यू ॥ प्रणकर्म्मकरेतिणीवार ॥ ७५ ॥ शांतिमतीनेंसोधवा ॥ निजनरनेंनरराय ॥ मुकिनेंमहिपतीहवे ॥ सार्थपनेंसमकाय ॥ ७६ ॥ सापतुमारोविसमपल ॥ डरेंजाबुंदेश ॥ अवशरमेघनोआविउ ॥ सांसलज्यो सुविशेष ॥ ७७ ॥ राजकुअरछेमुकघरे ॥ चितानकरोचित्त ॥ जाउसूर्वेजि मसुखहोइ ॥ सार्थपदूखधीसित्त ॥ ७८ ॥ पगनप्रहेपार्थिवसूणो ॥ कुमरविनामुककोय ॥ ससलावेंतेसेननें ॥ सार्थपआवीसोय ॥ ७९ ॥ सेनकहेसार्थपसुणो ॥ नरपतीकहेछेन्याय ॥ कायरपणनविकिजीइं ॥ नरपतीवयणनजाय ॥ ८० ॥ नकरोवयणजोनृपतणुं ॥ निदतिअमनवीथाय ॥ वचनप्रमाणकरीवदे ॥ नथीतुमवचनलोपाय ॥ ८१ ॥ ढाल० ॥ अवशरपामीनेंरे किजेंनपआविलनीउंजी ॥ एदेशी ॥ अवसरदेषीनेंरेचाल्योसारथवाहसूजाण ॥ वर्षाकालआव्योतिणसमें ॥ निपनांसघलांधान ॥ अनुक्रमेंपपोपयो व्यतीकम ॥ निरमलप्रयानिवाण ॥ ८२ ॥ अव० ॥ कुमरपणिपतीसाजाहुआ ॥ करयांवधामणांमार ॥ रायकुमरनेंकहेमेमुक्या ॥ पोलवा

जाएयूपक्षिपतीनीकजस्ये ॥ मोकलीतिर्णेधाम ॥ [illegible]
पोहतीनीहिरुहामी ॥ ५० ॥ सु० ॥ स्वामीकामयताएयुमाहि ॥ [illegible]
नउ ॥ एंपेसाषएआवीलुटें ॥ भास्तोआतीजग्नउ ॥ [illegible]
मनेंतेहसूणावी ॥ कुमरनीकरस्योसार ॥ उरवीकुमरमें[illegible]
ऐंतेइकुमार ॥ ५१ ॥ सु० ॥ जुउगुरुतापक्षिपतीकेरी ॥ [illegible]
खमगलेईकहेसानुदेवनें ॥ पणयसगनहीकाम ॥ ५२ ॥ सु० ॥ [illegible]
ताईहारहेज्यो ॥ अपवाकरज्मोमयाए ॥ रूपक्षिवतीसवरकेवा ॥ [illegible]
सुणिजाए ॥ ५४ ॥ सु० ॥ सानुदेवनवीउत्तरआपे ॥ सेनकुमर[illegible]
बोलवाजेहवीषातनहीउर ॥ इमघरीचाल्योहाम ॥ ५५ ॥ सु० ॥ [illegible]
जुधलागुतिहांसबलू ॥ गगनांगणसयुबाणें ॥ पक्षिपतीकहेसेनकुमरनें ॥
जुउमुजशक्तीवीनाए ॥ ५६ ॥ सु० ॥ सेनकुमरपणिखमनपेर्णे ॥ [illegible]
सत्रुसाहमो ॥ सिहपरेंतिहांकरेपराक्रम ॥ हरपपक्षिपतीपाम्यो ॥ [illegible]
अनुक्रमेंजुधकरताहास्या ॥ पक्षिपतीकुमार ॥ पकमीनेंवेईचास्या[illegible] ॥
आप्याहरपअपार ॥ ५८ ॥ सु० ॥ पणिएककुमरनुंदेषीपराकम ॥ [illegible]
क्याचित्तमांहि ॥ समरकेतूराजानेंसघलो ॥ कहेअघीकारउगांहि ॥ [illegible]
सु० ॥ रुपपराक्रमदेषीराजा ॥ विस्मयपाम्योचित्तें ॥ कूणएपुरुषजोकोनतरी
प्रो ॥ कऊगयेपणातते ॥ ६० ॥ सु० ॥ नरपतीसुतहोस्येसहीनीश्चें ॥ ईसीतको
नृपबोलेमारोपक्षिपतीएतस्कर ॥ उष्टनहीइएतोलें ॥ ६१ ॥ सु० ॥ कुमरकहेतुक
सीमोटाई ॥ एहमरेऊजीमुं ॥ तिणेंमुजनेंमारोईमसाषें ॥ नहीतरजसमवीमुं
॥ ६२ ॥ सु० ॥ रायविमासेस्युमुखबोले ॥ एहमहानुंसाम ॥ अथवाएहवेईं
मजजुगतू ॥ रायकहेघरीराग ॥ ६३ ॥ सु० ॥ आनीवऊसापोतुमकेरा ॥ म
वतिहांसेनकुमार ॥ पासेंआकुअवमूजोतो ॥ उत्तमघरीआचार ॥ ६४ ॥
सानुदेवइणअवसरेंआव्यो ॥ सेद्यकसाथेंलाव्यो ॥ बालकुमरनीकहेवासा[illegible]
केईकनरेंसोहाव्यो ॥ ६५ ॥ सु० ॥ नृपआणाईपेसणदेवे ॥ समरकेतुपकीहार ॥
आईनरपतिनेंसिटणआप्यु ॥ सुपविरसतकार ॥ ६६ ॥ सु० ॥ [illegible]

स्वामीकहेस्यूथयुएआम ॥ ४०० ॥अ०॥ सखिवर्उकहेएईसरखधनी।पुत्रीनीलुआनाम ॥ तुम्हनेंदिधीपणिनवीपरणी ॥मोहेमुगतिआम ॥ १ ॥ अ०॥ सांसलीशोकातुरथयोतेहवे॥ स्नेइवध्योगयुध्यान॥ पाणीकममलनुगांटीने॥ आणीतेहनेंसान ॥ २ ॥ अ० ॥ रागघणोनारीनोदेषो ॥वलीकटाक्षनांबाण॥ अगउपांगजोतांनारीनां ॥ वींधाणातसप्राण ॥ ३ ॥ अ० ॥ मदनविकारअतीडर्जयछे॥ रमणीकतरुणीविलास ॥ एकांतथानिकवननुजाणी ॥ चित्तविक्लथयुतास ॥ ४ ॥ अ० ॥ गुरुवचलोपुकेएहगाढु ॥ डुष्करवातएदोय ॥ अथवाव्रतपालूतोएमुक्त ॥ जनमातरेंपणिहोय ॥ ५ ॥ अ० ॥ मनइछितपामेंव्रतपाळें ॥ एहविगुरुनीवाच ॥ व्रतरहस्येनेंएपणिमलस्ये ॥ एहवुधास्युसाच ॥ ६ ॥ अ० ॥ सातमेंखर्मेतेरमीसाखी ॥ पर्मेढालरसाल ॥ समरादित्यनारासथारुनी ॥ सुणतांमगलमाल ॥ ७ ॥ अ० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ डुहा ॥ वलिविनीतानाव्रसथकी ॥ चलिउएहनुचित्त ॥ बोलावुंअवलाप्रते॥ जोउजपणरीती ॥ ८ ॥ इमचिंतीआवेंइस्यू ॥ मतडुखआणेंमन्न ॥ तुझसेंईक्तमफळु ॥ कझतेसांसलिकन्न ॥ ९ ॥ व्रतलीधुकिमवरजीइ ॥ गुरुवचकिमनगणाय ॥ पणिसांसल्युगुरुपासथी ॥ व्रतथीशछीतथाय ॥ १० ॥ उसयवातव्रतथीअछे ॥ एहलोकेंगुरुआण ॥ परसवतुझसगमपणा ॥ मिलस्येएहप्रमाण ॥ ११ ॥ निलुआकहेनिरतूकरो ॥ माहरेतुमेप्रमाण ॥ अणसणविकसआदरयु ॥ स्नेहपरस्परआण ॥ १२ ॥ सरताआसयसामिनी ॥ नरआसयघरेनारी ॥ जनमांतरहे.ज्योअमे ॥ इणिपरिचितअवधारि ॥ १३ ॥ ढाल ॥ सूरतीमहिनानो ॥ चैत्रेंचतूरसुजनाथ्या ॥ रायाजीकरेरेविचार ॥ एदेशी ॥ दरुअशोकनेंहेठलिअणसणकिधउदार ॥ वज्रवारतीसखीजनपणितेमननविधारि ॥ तेकोलाहलसांसलीआव्यागुरुनागदेव ॥ लाज्योप्रियमीत्रउर्दषर्दवयाततपेव ॥ १४ ॥ मनवछितनुमनिपजोइणिपरेंदिद्धआशीश॥ मनचिंतेकुणनारीएरुपसमानवरीस ॥ रागघणोप्रियमीत्रनेंउपरिलपीइम ॥ तवसखीवकसोमामीधुरथीजिणीपरेंप्रेम ॥ १५ ॥ नागदेवतवमितवेअहो२मदनवी

नरतूरुनारी ॥ ८३ ॥ अव० ॥ केईकआव्यानेकेईजाव्या ॥ ईहवसनां
नरदोय ॥ सोमसुरनामेंद्विजपे ॥ सांसलोबाननेमोय ॥ ८७ ॥ अव० ॥ पु
मरनारीसजोगनुकारण ॥ रायकहेकहोतेह ॥ सोमसुरकहेकांबरीवा ॥
प्रियमेलकतिर्थजेह ॥ ८६ ॥ अव० ॥ तेहनीउत्पतीसांभलोनें ॥
अटवीमांहि ॥ विश्वापवर्द्धननामेंनगरें ॥ नृपअजीतबलत्यांहि ॥ ८५ ॥
सेठवसुधरनामेंरुडो ॥ प्रियमित्रसुततास ॥ ईश्वरसवपसेठनीवेपुत्री॥ निलु
कन्याबास ॥ ८७ ॥ अव० ॥ तेहनेंदिधीपणिनविपरण्या ॥
स ॥ यौवनपाम्याएहवेवरना ॥ बापनुधनत्रीसराउ ॥ ८८ ॥ अव० ॥
सुधरपोहतोपरलव ॥ हवेप्रियमीत्रकुमार ॥ मानेंनहिकोईस्त्रीरुपवाली ॥ प
रीजनकरेअपकार ॥ ८९ ॥ अव० ॥ जेजेकरेतेनीष्फलजाई ॥ पाम्योअब
विषवाद ॥ निकलिउतेनयरनेंमुकी ॥ मुकितिहांआल्हाद ॥ ९० ॥ अव० ॥
शून्यसमुद्धिमनीपरेंचाल्यो ॥ उत्तरपथसुजाण ॥ पमरसीक्षुनागदेवनामें ॥ म
लिउमीत्रप्रमाण ॥ ९१ ॥ अव० ॥ सिक्षुइउलपीनेंबोलाव्यो ॥ एहअवस्था
तुज ॥ किमछेनेंकिहाजायएकाकी ॥ सापेतुमुजनेगुज ॥ ९२ ॥ अव० ॥ प्री
यमित्रकहेदेवनेंपुछो ॥ सघलीमाहरीवात ॥ नागदेवकहेताहरातातनें ॥
हीसुखआत ॥ ९३ ॥ अ० ॥ प्रियमीत्रकहेपरलवपोहता ॥ तेहनेंनितसुखशा
त ॥ पणिप्रियमीत्रजघन्यपुरुषना ॥ वेषोएअवदात ॥ ९४ ॥ अ० ॥ इहपर
लोकएकेनसधाइ ॥ एहवोअवसरआज ॥ नागदेवकहेशोकनधरोइ ॥ अब
राजानेंराज ॥ ९५ ॥ अ० ॥ तासनीवारककोईनलहीइ ॥ धर्मरायविणआप ॥
इत्यादिकउपदेशदेईनइं ॥ दिक्षादिइतिणगण ॥ ९६ ॥ अ० ॥ गोरसत्यागमनु
खकरेकिरीया ॥ केईकदिनगयाजाम ॥ निलुआनारीवातसुणीनें ॥ मनमांहि
तेनाम ॥ ९७ ॥ अ० ॥ सरताभारगचालेनारी ॥ ईर्मायतीकरेधर्म्म ॥ विषयथी
पासाविणसरतानु ॥ दर्शनमनमधुरम्म ॥ ९८ ॥ अ० ॥ विरहअकीतउर्वलक्ष
अनुंक्रमेंतिर्थिचरत ॥ तिर्णेनयरेंआव्योतससर्त्ता ॥ निलुआजउभणमंता ॥ ९९ ॥
अ० ॥ ध्यानयोगमांदिठोतेहनें ॥ मुर्छाआवीताम ॥ ध्यानयोगनुकीवेली

जोजाय ॥ तोतससक्तिअचित्यथीनारीनुमिलवुथाय ॥ रायकुमरमनहरण्या
वाततेमानीसाच ॥ सूपविचारेमोकलुनिजनरस्युशुसवाच ॥ २७ ॥ पल्लिप
तीनेंपुठेसूपतीतवकहेतेह ॥ मेंपणिसांसल्यूतपवनकुकहुथानीकएह ॥ राय
कहेतूमेंपरीकरलेईनश्जाउंत्तड ॥ पणितुम्हेघरणीलहीनशनिश्चयआवबुश्ड ॥
॥ २८ ॥ सांसलीवयणतेचालीउंकरतोनीत्यप्रयाण ॥ अनुक्रमेंतपोवनकुक
मोपहोतोतेहसूजाण ॥ तापसनाउपरोघथीथोमोलेईपरीवार ॥ जईतापसनेंव
दिआदिश्आविसतिवार ॥ २९ ॥ पल्लिपतीतेहथानीकलाव्योराजकुमार ॥ व
कुपादपउपव्योसीततेवेउलनेंवार ॥ कल्पपादपनवीउंलघुपणिसामान्येएग
यं ॥ पल्लिपतीवचसांसलीचित्तनीरासतेथाय ॥ ३० ॥ ससारेशांतिमतीना
पीदीर्घनीश्वासासापणिफुलपहीनेंजातीनीजआवास ॥ सावीसावनाजोगथी
कर्मतणेंपरीणाम ॥ वेठीवीसामेतिहांप्रियमेलकनेंगाम ॥ ३१ ॥ नागरवेलि
आलिंगीतदिगेतीहांअशोक ॥ ससारेतवकूमरनेंकरतीचित्तमांशोक ॥ वा
मलोचनशएअवशरेफूरक्युतामकुमार ॥ समतो २ आवीउंतेप्रीयमेलकठार।
॥ ३२ ॥ देषीसरताजाणीहरषीमनथीजोर ॥ वहुकालेंमल्योतिणेंउतकठीतघ
नज्यूमोर ॥ विरहमांजिवतीरहीतिणेंपामीलज्ञाताम ॥ परीक्षाकरुश्मउद्विग्न
होस्येकेनहीनाम ॥ ३३ ॥ किहाथीआव्याश्मकरतीविचारअनेकप्रकार।
सूपनहस्येकेकिमएपामीपेदअपार॥परीप्रतितथीस्वस्थयईतिणेंवकुरससावा
वेदतीमुर्छापामतोदेषीतापसीताव ॥ ३४ ॥ खेदलहीअहोस्युथयुरेमतीआंस
धार ॥ पाणिश्सीचीपणिनवीवोलेतेहलगार॥तववकुआक्रदकरीनेंरोवालागीते
ह ॥ दोमव्योकुमरआवीकहेविहोकारणकेह ॥ ३५ ॥ तेकहेसयसआरनो
बोलेतामकुमार॥ किमआक्रदकरस्योतववातकहेघरीप्यार ॥ सातमेखमेंएप
दमेंतापीचौदमीढाल ॥ वातसुणतांहोस्येसकुनेंमगलमाल ॥ ३६ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डहा ॥ रायपुरपतीशखरायनी ॥ पुत्रीपावनअग॥ सांतीमतीएसोहामणी॥
आरतिविरहएकाग ॥ ३७ ॥ प्राणत्यागपतीवीरहथी ॥ करतीतापसेंदिठ ॥
कुलपतीनेंलाव्योनोकट ॥ श्णेपणिश्मआईठ ॥ ३८ ॥ सरतामीलस्येसलीप

कार ॥ मदनसेशणामाणीआसबंकोपरकार ॥
नोलाग ॥ चिनवीकहेमीयमीमनेंतासअनुमहासाग ॥ १६ ॥
छनतिणेनेंएकरयूकांम ॥ पणस्यावासठेतूऊनेंप्रतनवीसंमुचाम ॥
करजेकरजेसावनातत्वविचार ॥ इमकही
॥ १७ ॥ नरनारीनृपवदतांदोयमासवहीजाय ॥
किन्नरपाय ॥ जोईपुरवसवअवधिथीआम्योतेहउपान ॥ पुजाकरीउचान
नीकरयुदेउलतिणथान ॥ १८ ॥ देवअनगनेंनिरंतोदेवीथापीताहि ॥
नगयातिहांथीहर्षधरीउगांहि ॥ तिहांएकदिठिनी
ग ॥ तिणेंअतीउवलीसमतीवनमांधरतीसोग ॥ १९ ॥ पुठेमेहनेंतूंकुलकिमर
काकीइंम ॥ साकहेमदनमजुषापेचरीऊतुनेम ॥ मितमरागथीविचारेवीनीतु
जानकीध ॥ सत्तांविजोगसरापठमासनोतेणीइदिध ॥ २० ॥
ऊपतीकेरोथास्येविजोग ॥ तिणएकाकीणीवनमांसमीसतूअरतीवजोग ॥ च
रणेंपमीतवमेंकयूस्वामीनीकरीसुपसाय ॥ तवदेवीकहेमेमथीनवीआपवरेषा
य ॥ २१ ॥ तिणेंनेंरुमुकामनकीधलूपणिसुणिवात॥ नदनवनतूजायज्येउपज
स्येसुखव्यान ॥ प्रीयमेलकरूपउपरेंधवलअमलफूलभाय ॥ त्रिग्धमाथवीत
ताआलिंगीतहेठलिजाय ॥ २२ ॥ तिहांतूऊमीलस्येसरताइमसुणीआवीएथ॥
पणिनवीलासेंथानिकनथिजाणकठेकेथ ॥ किनरकहेथीरीथाऊतूअरांतेह ॥
अमुंकमेंपोलीवेषाम्युंथानिकतिहांगईनेह ॥ २३ ॥ प्रीयमेलकसामर्थ्यथीथी
लीउतससरतार ॥ निजपतीआगलिपुरथीसर्वकसोअधीकार ॥ विद्याधरकि
नरनेंप्रीतीथईतेअपार ॥ कांयककालगमावीगयासऊनीजरगार ॥ २४ ॥
किंनरीकहेनिजस्वामीनेंएडस्वतोनरवमाय ॥ निजप्रीयविरहतणकितिणेंकिजें
तासउपाय ॥ जनमलसानुकलजेकरीइपरउपगार ॥ तिणेंएवकुउथोजीहांथा
पणमिलीआसार ॥ २५ ॥ सांसलिप्रीयमेलकउम्योनीजकमरदेवलपातांगयि
२ अणध्युइमविरहीनीपुरेआस ॥ केईकविरहीलोकमीआशापुरणकीथ॥
लेंप्रीयमेलकतिरथमानथयुंमथीद ॥ २६ ॥ तेकारणऊआणमूमरसतिहां

जोजाय ॥ तोतससक्तिअचित्यथीनारीनुमिलवुथाय ॥ रायकुमरमनहरण्या
वाततेमानीसाच ॥ सूपविचारेमोकलुनिजनरस्युशुलवाच ॥ २७॥ पक्षिप
तीर्नेपुछेसूपतीतवकहेतेह ॥ मेंपणिसांसल्यूतपवनकुकभुथानीकएह ॥ राय
कहेतूमेंपरीकरलेईनरुजाउंत्तह ॥ पणितुम्हेघरणीलहीनशनिश्वयआववुश्ह ॥
॥ २८ ॥ सांसलीवयणतेचालीउंकरतोनीत्यप्रयाण ॥ अनुक्रमेंतपोवनकुक
मोपहोतोतेहसुजाण ॥ तापसनाउपरोधथीथोभोलेईपरीवार ॥ जईतापसनेंव
दिआदिश्आशिसतिवार ॥ २९ ॥ पक्षिपतीतेहथानीकलाव्योराजकुमार ॥ ब
हुपादपउपशोसीततेदेउलनेंद्वार ॥ कल्पपादपनवीउंलघुपणिसामान्येंएग
य ॥ पक्षिपतीवचसासलीचित्तनीरासतेथाय ॥ ३० ॥ ससारेंशांतिमतीनां
चीदीर्घनीशासासापणिफुलपहीनेंजातीनीजआवास ॥ सावीसावनाजोगथी
कर्मतणेंपरीणाम ॥ बेठीवीसामेतिहाप्रियमेलकनेंगाम ॥ ३१ ॥ नागरवेलि
आलिंगीतदिगेतीहांअशोक ॥ ससारेतवकूमरनेंकरतीचित्तमांशोक ॥ वा
मलोचनश्णअवशरेफूरक्युतामकुमार ॥ समतो २ आवीउंतेप्रीयमेलकगार॥
॥ ३२ ॥ देपीसरताजाणीहरषीमनथीजोर ॥ बहुकालेंमल्योतिणेंउतकठीतघ
नज्यूमोर ॥ विरहमाजिवतीरहीतिणेंपामीलज्जाताम ॥ परीक्षाकरुश्मउद्विज्ञ
होस्येकेनहीनाम ॥ ३३ ॥ किहाथीआव्याश्मकरतीविचारअनेकप्रकार ॥
सूपनहस्येकेकिमएपामीपेदअपार ॥परीप्रतितथीस्वस्यथईतिणेंबहुरससावा
वेदतीमुर्छापामतोदेपीतापसीताव ॥ ३४ ॥ खेदलहीअहोस्युथयुरेमतीआंसु
धार ॥ पाणिश्सीचीपणिनवीबोलेतेहलगार॥तबबहुआक्रंदकरीनेंरोवालागीते
ह ॥ वोल्योकुमरआवीकहेविहोकारणकेह ॥ ३५ ॥ तेकहेसयसआरनो
वोलेतामकुमार ॥ किमआक्रंदकरस्योतबवातकहेघरीप्यार ॥ सातमेखमेंएप
दर्मेंत्तापीचौदमीढाल ॥ वातसुणताहोस्येसहुनेंमगलमाल ॥ ३६ ॥ ॥ ९ ॥
॥ दुहा ॥ रायपुरपतोशखरायनी ॥ पुत्रीपावनअग॥ सातीमतीएसोहामणी॥
आरतिविरहएकाग ॥ ३७ ॥ प्राणत्यागपतीवीरहथी ॥ करतीतापसेंदिठ ॥
कुलपतीनेंलाव्योनोकट ॥ इणेंपणिश्मआईठ ॥ ३८ ॥ सरतामीलस्येसलीप

कार ॥ मदनसेशाणमाणीआसवंकोपरकार ॥ उतरीइहवेइहांधीनहीउत्तीव नोलाग ॥ चिनचीकहेमीयमीमनेंसासरनूमहासाग ॥ १५ ॥ तेहमुहोंच छनतिएँनेंएकरयूकाम ॥ पएस्यावासठेतूरूनेंवतनचीत्वनवुवाम ॥ तेपन करजेकरजेसाधनाततवविचार ॥ इंमकहीनागदेवगयोइववइमियमीमनेंमारि ॥ ॥ १७ ॥ नरनारीनृपमदतांदोयमासवहीजाय ॥ तेहजपरीणनेंकरीकाचेउ किन्नरथाय ॥ जोईपुरवसमअवधिमीआम्योतेहउपार्न ॥ पुजाकरीउपान नीकरयुदेउलतिएथान ॥ १८ ॥ देवअनगनेंनिरंतोदेवीधापीतांहि ॥ मदन नगयांतिहांचीहर्षधरीउगांहि ॥ तिहांएकदिठित्रीथापरीतातमीतमनोविजो ग ॥ तिएँअतीडवलीसमनीवनमांधरतीसोग ॥ १९ ॥ पुछेतेहनेंतूंकुणकिंपर काकीइंम ॥ साकहेमदनमजुथावेपरीक्रतुनेम ॥ मितमरागचीविद्यादेवीनीपु जानकीध ॥ सत्तविजोगसरापउमासनोतेणीइंदिध ॥ २० ॥ एहमिनीतेंतू ऊपतीकेरोधास्येविजोग ॥ तिणेंएकाकीणीवनमांसमीसतूअरतीसजोग ॥ प रणेपमीतवमेंकसूरवामीनीकरीसुपसाय ॥ तवदेवीकहेमेमचीनचीआपवदेधा य ॥ २१ ॥ तिणेंनेंरुकुकावनकीधलूपएिसुएिवाता॥ नदनवनतूजायज्येउचज स्येसुरवचात ॥ प्रीयमेलकरूपउपरेंधवलजमलफूलधाय ॥ मिच्यगाधचीच ताआलिंगीतहेगलिजाय ॥ २२ ॥ तिहांतूक्मीलस्येसरताइमसुणीआवीएच॥ पणिनवीलासेंयानिकमचिजाएकठेकेच ॥ किनरकहेपीरीथाऊंतूरूराधुतेह ॥ अमुकमेंपोलीदेपाम्युथानिकतिहांगईनेंह ॥ २३ ॥ प्रीयमेलकसामर्थ्यचीनी लीउंतससरतार ॥ निजपमीआगलिपुरचीसर्वकसोअधीकार ॥ विद्याधरकि नरनेंप्रीतीथइतेअपार ॥ कांयककालगमाचीगयांसक्षनीजरगार ॥ २४ ॥ किनरीकहेनिजस्वामीनेंएडस्यतोनस्वभाय ॥ निजप्रीयविरहतणतिप्रेंकिजें तासउपाय ॥ जनमलसानुकलजेकरीइपरउपगार ॥ तिणेंएककठवोजीहांच्या पणमिलीआसार ॥ २५ ॥ सांसलिमीयमेलकग्योनीजकलदेवलपासांगमि २ अणथ्युईमविरहीनीपुरेआस ॥ केईकविरहीलोकमीआशापुरणकीघ ॥ ति णेंप्रीयमेलकतिरयनामचयुंमचीद ॥ २६ ॥ तेकारणक्रजाणकूमरसतिहां

अमचीआसरे ॥ ५५ ॥ गु० ॥ सवरपासमगावीआरे ॥ फूलचदननेंनीररे ॥ पु० ॥ तिणेंविधिपुर्वकपूजीउरे ॥ कस्मदद्दनेंधीररे॥ ५६ ॥गु० ॥ आवरजी एहनेंगुणेंरे ॥ षेत्रदेवीआयान्नरे ॥ पु० ॥ कहेतूठीतुऊनपरेंरे ॥ मांगितुजेहोय मन्नरे ॥ ५७ ॥ गु० ॥ यत ॥ अमोघावासरेंविद्युत् ॥ अमोघनिशीगर्जित ॥ अमोघाउत्तमावाणी ॥ अमोघदेवदर्शन ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तुमदर्शनथीस्यु पदेंरे ॥ अघीकूठेमुऊआजरे ॥ पु० ॥ देवीमनमांचितवेरे ॥ नविमागेंकाई काजरे ॥ ५८ ॥ गु० ॥ पणिआपहकरीआपीईरे ॥ रयणएकअसीरामरे ॥ पु० ॥ विषसघलाअपहरीलीईरे ॥ रोगहरेगुणकामरे ॥ ५९ ॥ गु० ॥ इम चितीकहेदेवतारे ॥ तुनीरलोसीसाररे ॥ पु० ॥ मुऊवडमानेंलिजीईरे ॥ करवा परउपगाररे ॥ ६० ॥ गु० ॥ मणीरयणएमाहरुंरे ॥ सांसलीकरेविचाररे॥ गु० ॥ देवतामान्यहोइसवारे ॥ इमकरीयहेअवीकाररे ॥ ६१ ॥ गु० ॥ करेप्रणामत वइमकहेरे ॥ चिरजीवआशीसरे ॥ पु० ॥ अदृश्यईतेदेवतारे ॥ बाधीकूमरज गीसरे ॥६२ ॥ गु० ॥ तापसणीवीस्मयलहीरे ॥ कहेजास्यूअमेगामरे ॥पु० ॥ ययामध्याह्नसमयहवईरे ॥ तिणेंअमथीनरहायरे ॥ ६३ ॥ गु० ॥ कुलपती नेंऊवदवारे ॥ आविसतुमचेसगरे ॥ पु० ॥ जईकुलपतीनेंवदिआरे ॥ दिइ आशीशमुचगरे ॥ ६४ ॥ गु० ॥ आसनदेईबेशाडीउरे ॥ परीजनस्युतेसेनरे ॥ पु० ॥ तापसणीकहेतेहनोरे ॥ सविरत्तांतरसेणरे ॥ ६५ ॥ गु० ॥ देईउप योगनेंउलषीरे ॥ कुलपतीआदरकिघरे ॥ पु० ॥ सारयासूपीतेहनीरे ॥ वली शीरवाइमदिघरे ॥ ६६ ॥ गु० ॥ गेहआश्रमठाम्योअठेरे ॥ पणिएहस्युप्र तिवघरे ॥ पु० ॥ तिणेंअनुरुपथीदेपज्योरे॥ स्योकहीइपरवघरे ॥ ६७॥गु०॥ वचनप्रमाणकरेतदारे ॥ सातमेरखडेढालरे ॥ पु० ॥ पनरमीपदमेंकहीरे ॥ सु णतांमगलमालरे ॥ ६८ ॥ गु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ कुलपतीहवेमीलस्येकदा ॥ अवलाविलपेइम ॥ कुलपतिसमजावी कहे ॥ प्राणिनकरीश्रेम ॥ ६९ ॥ तुऊदवरऊनीतवसू ॥ नितपासेंवसनारि॥ तेहसुणिकुलपतीप्रतें ॥ प्रणमेंवऊलेंप्यार ॥ ७० ॥ पुठीतापसणीप्रतें ॥ दपती

रे ॥ तपोधनमाततपेघ ॥ कुसुमकारणइहांअनुंक्रमें ॥ [illegible]
॥ ३९ ॥ वेगीतथविहामणी ॥ मुर्गांपामीइम ॥ कारणतोकजोईवही ॥ [illegible]
अमनेअतीप्रेम ॥ ४० ॥ आकवतिणेंकिपोअमें ॥ सांसलीसेनकूमार ॥ [illegible]
रपविपादनेंअणहषर ॥ ॥ पामीदुखनोपार ॥ ४१ ॥ मुर्गीवलीइषेमातिणी ॥
[illegible]हेंजोवेस्वामि ॥ कुलपतीवयणकूमुनही ॥ तरुणीसापेताम ॥ ४२ ॥ [illegible]
लोकुलपतीचरणने ॥ पामेपरमाणद ॥ कारणविनतेकुलपती ॥ उपमारीसेण
मद ॥ ४३ ॥ ढाल ॥ देशीपारघीआनी ॥ मनवसीआरषेशी ॥ तापसकी
उचितवेरे ॥ एएहनोसरतारेरे ॥ पुण्यवतो ॥ नहितोइमकीमबोलतीरे ॥ चं
दरअगआकारेरे ॥ गुणवतो ॥ ४४ ॥ अहोविघातामेलवेरे ॥ जेहनेंजुगतूजेहरे ॥
पु० ॥ आणदअोसूसरहवेरे ॥ उगेश्यातिमतीतेहरे ॥ ४५ ॥ गु० ॥ पलिपती
जोईरीझीउरे ॥ अहो २ रूपनीधानरे ॥ पु ॥ पुरुषरतननेंएहवीरे ॥ नारीसं
नघटमानरे ॥ ४६ ॥ गु० ॥ वीनयकरीपलिपतीरे ॥ नारीनेंकरेपरणामरे ॥
पु० ॥ स्वामिनीतूम्हपतीभृत्यछुरे ॥ महणयोग्यनहीनामरे ॥ ४७ ॥ गु० ॥
सुंदरीकहेस्वामीतणोरे ॥ पामोतुमेसूपसायरे ॥ पु० ॥ इमकहीजोयुपतीस
णीरे ॥ सेनकहेतिणेंगयरे ॥ ४८ ॥ गु० ॥ एहनेंपसायकरीजीइरे ॥ एहसु
नहीकायसाररे ॥ पु० ॥ लाज्योपलिपतीघणीरे ॥ हवेमनचिंतेकुमाररे ॥
४९ ॥ गु० ॥ अणचिंतव्युएकिमथयुंरे ॥ पादपदिगेतामरे ॥ पु० ॥ अपुर
वअतीसोहामणोरे ॥ हरष्योलहीविसरामरे ॥ ५० ॥ गु० ॥ पुछेपलिनाथ
नेंरे ॥ स्यूएएनुनांमरे ॥ पु० ॥ तेकहेकूजाणनहीरे ॥ एहअपुरवस्वामी
रे ॥ ५१ ॥ गु० ॥ पुछेतापसणीप्रतेंरे ॥ तिणेंपणिसाख्युंतेमरे ॥ पु० ॥ कुमरकहे
तूमतुकमोरे ॥ एहनजाणोकेमरे ॥ ५२ ॥ गु० ॥ तापसणीकहेआविआरि ॥
थोमोकालथयोतासरे ॥ पु० ॥ एहहस्येबकूकाजनोरे ॥ कुमरनेंथयोविस
वासरे ॥ ५३ ॥ गु० ॥ निश्चयप्रीयमेलकथरोरे ॥ धवलकुसूमजुंगलीगेरे ॥
पु० ॥ पलिपतीनेंदाषव्योरे ॥ तिणेपणिदिठउकीगेरे ॥ ५४ ॥ गु० ॥ पुंजाक
हूएहवकूनीरे ॥ लावोउपगरणतासरे ॥ पु० ॥ थाकिआविस्यतेएहमीरे ॥ पुणी

अमचीआसरे ॥ ५५ ॥ गु० ॥ सवरपासमगावीआरे ॥ फूलचदननेंनीररे ॥ पु० ॥ तिणेंविधिपुर्वकपूजीउरे ॥ कल्पवृक्षनेंधीररे॥ ५६ ॥गु० ॥ आवरजी एहनेंगुणेरे ॥ षेत्रदेवीआवन्नरे ॥ पु० ॥ कहेतूठीतुझउपरेरे ॥ मागितुजेहोय मन्नरे ॥ ५७॥ गु० ॥ यत ॥ अमोघावासरेंविद्युत् ॥ अमोघनिशीगर्जित॥ अमोघाउत्तमावाणी ॥ अमोघंदेवदर्शन ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तुमदर्शनथीस्यु पछेरे ॥ अधीकूछेमुझआजरे ॥ पु० ॥ देवीमनमांचितवेरे ॥ नविमागेकाई काजरे ॥ ५८ ॥ गु० ॥ पणिआपहकरीआपीरिं ॥ रयणएकअत्तीरामरे ॥ पु० ॥ विषसघलाअपहरीलीरे ॥ रोगहरेगुणकामरे ॥ ५९ ॥ गु० ॥ इम चितीकहेदेवतारे ॥ तुनीरलोसीसाररे ॥ पु० ॥ मुझवक्षमांनेलिजीरे ॥ करवा परउपगाररे ॥ ६०॥ गु०॥ मणीरयणएमाहरुंरे ॥ सासलीकरेविचाररे॥ गु०॥ देवतामान्यहोइसदारे ॥ इमकरीमहेअवीकाररे ॥ ६१ ॥ गु० ॥ करेप्रणामत वइमकहेरे ॥ चिरजीवआशीसरे ॥ पु०॥ अदृश्यथईतेदेवतारे ॥ वाधीकुमरज गीसरे ॥६२ ॥ गु० ॥ तापसणीवीस्मयलहीरे ॥ कहेजास्यूअमेगायरे ॥पु०॥ ययामध्याह्नसमयहवरे ॥ तिणेंअमथीनरहायरे ॥ ६३ ॥ गु० ॥ कुलपती नेंकुवदवारे ॥ आविसतुमघेसगरे ॥ पु० ॥ जईकुलपतीनेंवदिआरे ॥ दिइ आशीशाष्ठचगरे ॥ ६४ ॥ गु० ॥ आसनदेईवेशामीउरे ॥ परीजनस्युतेसेनरे ॥ पु० ॥ तापसणीकहेतेहनोरे ॥ सविरत्तांतरसेणरे ॥ ६५ ॥ गु० ॥ देईउप योगनेंउलषीरे ॥ कुलपतीआदरकिघरे ॥ पु० ॥ सारयासूपीतेहनीरे ॥ वली शीक्षाइमदिघरे ॥ ६६ ॥ गु० ॥ गेहआश्रमठाम्योअछेरे ॥ पणिएहस्युप्र तिवघरे ॥ पु० ॥ तिणेंअनुरुपथीदेपज्योरे॥ स्योकहीइपरवघरे ॥ ६७॥गु०॥ वचनप्रमाणकरेतदारे ॥ सातमेखडेढालरे ॥ पु० ॥ पनरमीपदमेंकहीरे ॥ सु णतांमगलमालरे ॥ ६८ ॥ गु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ कुलपतीहवेमीलस्येकदा ॥ अवलाविलपेइम ॥ कुलपतिसमझावी कहे ॥ प्राणिनकरीइमेम ॥ ६९ ॥ तुझदइकुनीतवसू ॥ नितपासेंवसुनारि॥ तेहसुणिकुलपतीप्रतें ॥ भणेमेवक्षलेंप्यार ॥ ७० ॥ पुछीतापसणीप्रतें ॥ दपती

रे ॥ तपोवनमांततपेथ ॥ कुसुमकारणइहांअनुक्रमे ॥ [illegible]
॥ ३९ ॥ वेठीतथविहामणी ॥ मुर्छापांमीइम ॥ कारणतोकहीनही ॥ [illegible]
अमनेंप्रतीप्रेम ॥ ४० ॥ आकरतिणेंकिधोप्रमे ॥ सासखीसेनकुमार ॥ [illegible]
रपविपादनेंअएकहवइ ॥ ॥ पामीउखनोपार ॥ ४१ ॥ मुर्छावलीहवे[illegible] ॥
स्नेहेंजोवेस्वामि ॥ कुलपतीवयएकुमुनही ॥ तरुणीसावेताम ॥ ४२ ॥ [illegible]
लोकुलपतीचरणने ॥ पामेपरमाणंद ॥ कारणविनतेकुलपती ॥ उपगारी[illegible]
मद ॥ ४३ ॥ ढाल ॥ देशीपारधीआनी ॥ मनवसी[illegible] ॥ तापस[illegible]
उचितवेरे ॥ एएहनोलरतारेरे ॥ पुण्यवतो ॥ नहितोइमकीमबोलतीरे ॥ [illegible]
दरअगआकाररे ॥ गुणवंतो ॥ ४४ ॥ अहोविधातामेलवेरे ॥ जेहनेंजुगतूजेहरे ॥
पु० ॥ आणंदआंसूलरहवेरे ॥ उठेश्यातिमतीतेहरे ॥ ४५ ॥ गु० ॥ पक्षिपती
जोईरीझीउरे ॥ अहो २ रूपनीधानरे ॥ पु ॥ पुरुपरतननेंएहवीरे ॥ नारीरत
नघटमानरे ॥ ४६ ॥ गु० ॥ वीनयकरीपक्षिपतीरे ॥ नारीनेंकरेपरणामरे ॥
पु० ॥ स्वामिनीतूम्हपतीभृत्यछुरे ॥ महणयोग्यनहीनामरे ॥ ४७ ॥ गु० ॥
सुदरीकहेस्वामीतणोरे ॥ पामोतुमेसूपसायरे ॥ पु० ॥ इमकहीजोयुपतीस
णीरे ॥ सेनकहेतिणेंगयरे ॥ ४८ ॥ गु० ॥ एहनेंपसायकरीजीइरे ॥ एहवु
नहीकांयचारेरे ॥ पु० ॥ लाज्योपक्षिपतीघणरे ॥ हुवेमनचिंतेकुमाररे ॥
४९ ॥ गु० ॥ अणचिंतव्युएकिमथयुरे ॥ पादपविछोहामरे ॥ पु० ॥ अपुर
वअतीसोहामणोरे ॥ हरष्योलहीविसरामरे ॥ ५० ॥ गु० ॥ पुछेपक्षिनाथ
नेंरे ॥ स्युएरूनुनामरे ॥ पु० ॥ तेकहेऊजाणनहीरे ॥ एहअपुरवस्वामी
रे ॥ ५१ ॥ गु० ॥ पुछेतापसणीप्रतेंरे ॥ तिणेंपणिसाच्युतेमरे ॥ पु० ॥ कुमरकहे
तूमकुकमोरे ॥ एहनजाणोकेमरे ॥ ५२ ॥ गु० ॥ तापसणीकहेआविचारि ॥
घोमोकालथयोतासरे ॥ पु० ॥ एहहस्येषऊकालनोरे ॥ कुमरनेंथयोविस
वासरे ॥ ५३ ॥ गु० ॥ निश्चयप्रीयमेंअकथरोरे ॥ थवलकुसुमजुगवीगेरे ॥
पु० ॥ पक्षिपतीनेंदाखव्योरे ॥ तिणेंपणिविठउकीठरे ॥ ५४ ॥ गु० ॥ पुजाक
रूएहवरूनीरे ॥ लावोईपगरणतासरे ॥ पु० ॥ शक्तिअचित्यछेएहमीरे ॥ पुमी

रनेंतेमवाकोयतोमुऊविणसायेंरे ॥ मतकहेज्योकुमरनेंवातसङ्कनेंश्मवापेरे ॥ एकदिनआव्योमत्रीपुत्रअमरगुरुनामरे ॥ थईखवरसूपतिनेंतामतेंमव्योनीज गमरे ॥८४॥ कहेतेहनेंनरपतीश्मवाल्होमुऊएहरे ॥ रणपमीवजीउमुऊपास रहेवुतुम्हगेहरे ॥ श्मजाणीकरज्योतेमसङ्कसुखपामेंरे ॥ कहेअमरगुरुथ म्यएतूमसरीपाकामेंरे ॥ ८५॥ जिमङ्ककमकरोछोदेवकरीस्यूतेमरे ॥ जणवेह वेकूमरनेंसूपअधीकधरीप्रेमरे ॥ जातांहवश्कूमरनीपासअमरगुरुचिंतेरे ॥ नथीमुकेकुमरनेंरायअधिकगुणसतेरे ॥८६॥ करयुनिजवशराज्यविशेनेंतिणें नउपायरे ॥ नृपदीक्षालेतांमुऊकहीगयातायरे ॥ राज्यहारस्येएहविसेनउऊ रस्येसेनरे ॥ नैमितीआनोआदेशअछेवलीतेणरे ॥८७॥ सामतनेंदश्अपमान उलधेआचाररे ॥ वङ्गवाध्योलोसअशारविशेनकुमाररे ॥ तिणेंरहेवुजुगतूनअ णविचारएकीधरे ॥ चरपुरुषेंकुमरनेंतामवधाईदीधरे ॥८८॥ आववानोक्कक मतेकीधअनुक्रमेंआव्योरे ॥ सेनकूमरेउठीतामामाहिपधराव्यारे ॥ पुछेश्मकु सलछेतातकूमरनेंदाखोरे ॥ कहेकूसलछेसङ्कनेंतोयकङ्कतेचित्तराखोरे ॥ ८ए ॥ सुपतीश्तुमनेंनदिठथयोवैराग्यरे ॥ तवसजमस्यूमनलायमहासोसागरे ॥ नि जसुतनेंआपीराज्यसार्थेपरधानेंरे ॥ परिजनस्यूसजमलीधधरीसुसध्यानरे ॥ ॥ए० ॥ तवचिंतेसेनकुमारअहोमुऊरागरे ॥ साईअमकुलनीस्थितिएहअतेवै रागरे ॥ कहेकुमरअजानेंतेहकेहवांछेतायेरे ॥ तवअमरगुरुकहेवातथोमामा लापोरे ॥ ए१ ॥ नृपेंलिधीप्रव्रज्याजामथयुङखएहरे ॥ तुम्हेंपरदेशेंगयातास विजुङखतेहरे ॥ मनमांनेंछेश्मतेहनहीअमनाथरे ॥ कहेसेनवीसेनछेतेकेमअ जाअनाथरे ॥ ए२ ॥ एहवेंछिक्योपमीहारअमात्यसुततामरे ॥ कहेचिरजी वोवलीआपफुरक्युनेत्रवामरे ॥ थईचिताकुमरनेंतामअहोस्युथास्येंरे ॥ अथ वासलूकरस्येदेखविघनसङ्कजास्येरे ॥ ए३ ॥ कहिसातिमतीनेंताससोजननें स्नानरे ॥ सुखथीदिश्निजअधीकारचढतेनीतवानरे ॥ नित्यरवदरिमगावेरा ज्यतणीनीजसाररे ॥ एकदिनशांतिमतीनारीनेंसुपनउदाररे ॥ ए४ ॥ कहिसातमेरवमेंछालतेसोलमीसारीरे ॥ एतोसमरादित्यनेंरासलागेंघणप्या

मिलीयांदोय ॥ दानादिकबहुदेईने ॥ सरख्योतिहांधीसोय ॥ ७१ ॥ किन्नरुनि
आवीउं ॥ ससलावेसवीवात ॥ नरपतीनेंतेनारीनी ॥ सुणीहरख्योतसगात ॥
॥ ७२ ॥ वधामणांकीधांवली ॥ करीआदरसतकार ॥ पत्निपतीनेंपाठव्यो
सेनरसातीहांसार ॥ ७३ ॥ पितृराज्यपरेंप्रेमरयू ॥ सांतीमतीस्युंसोन ॥ नि
सतांवासरगया ॥ शुभअनुकूलसयोग ॥ ७४ ॥ ढाल ॥ तूनेंगोकलबोलावेरे
काह्नगोवालनागोपीरे ॥ एदेशी ॥ हवेकर्म्मविचीत्रथीरोगसूपतीनेंथावेरे ॥ प
यर्णेआवेबहुशूलसध्योकपावेरे ॥ व्यापीसीरवेदनजामदांतसवीहासेरे ॥ च
सासवचननिरोधनयणेंनवीसालेरे ॥ ७५ ॥ तेमाध्यावैद्यबहुजाणउपचारी
कीधारे ॥ पणिगुणनथयोतिलगारवठीतनवीसीधारे ॥ वैद्यरवेदलसामेंधनिउरी
घणरूडेरे ॥ पनीखवरकूमरनेंतामसूखेंनवीसूइरे ॥ ७६ ॥ मुक्तपगारीरा
यलहेदूखएहवुरे ॥ किमजीवतांएखमायकरूंहवेकेहवुरे ॥ धीगजीवीतम्म
हरूजेणनहीउपायरे ॥ इमकरतांसेनकूमारनेमुर्छायायरे ॥ ७७ ॥ करीबाप
आश्वासनाशांतीमतीइमसासेरे ॥ आरोग्यमणीवररयणअछेतुमपासेरे ॥ सवि
ससारथुतेनारीहरपथीलेईरे ॥ मणीरयणचाल्योतवतासकुनशुभदेईरे ॥ आ
कोईककहेरहोचिरजीवशीघ्रचाल्योरे ॥ नरपतीपासेंजईहांथनेंपायपखाल्यो
रे ॥ उल्योमणीरयणेंरायसम्यूतवशूलेरे ॥ थिरदांतथयागईशीशनीवेदनामुखेरे
॥ ७८ ॥ सम्योसासनेंउधम्यांनयणसध्योथईसाजीरे ॥ बोलवालागोरूपजा
मसहुथयाराजीरे ॥ आविद्यक्तिनेंउठ्योरायकुमरपरेंसस्योरे ॥ राणीउंमथि
लसामोदकिर्णेनवीखीस्योरे ॥ ८० ॥ नृपपुछेमुक्तनेंकायखबरनहीएहरे ॥ उ
पगारकस्योकिर्णेमुक्तसापोतुमेतेहरे ॥ कहुजियाणदेसर्वबोल्यातवरायरे ॥
अमृतसमएहकुमारमरणकीमथायरे ॥ ८१ ॥ वेयगुरुमुपसाएइकहेतेकु
माररे ॥ नृपपसर्णेप्राणएतूझकहुस्यूसारवाररे ॥ कहेकुमरगुरुतुमेतामसपती
कहेसाचुंरे ॥ जोगुरूतोवचनप्रमाणकरोअमेंराचुंरे ॥ ८२ ॥ कहेकुमरकरूतू
मआणकहेतवसूपरे ॥ जावुनहीमुक्तथीदूरकहुअनुरुपरे ॥ करेकूमरप्रमाण
तेतामविसरजेकुमाररे ॥ तेमांवीपरीजनलोककहेनीरधाररे ॥ ८३ ॥ आवेकुम

मपीबहुसजकरी ॥ अमरपघरीरे ॥ आकुनमुहूरतशुभसजोग ॥ १७ ॥ वा०
चाल्योअनुक्रमेआवीउ ॥ सुखपावीउरे ॥ देशसीमाठेजड ॥ १८ ॥ वा० ॥
मुक्तापीठनेमोकल्यो ॥ दूतएकसलोरे ॥ वोलेवीचक्षणबोल ॥ १९ ॥ वा० ॥
कहेवराव्युएमुक्तण ॥ स्यूकहुघणुरे ॥ आपोराज्यउदार ॥ २० ॥ वा० ॥
इमतूंमभीतमीवाघस्ये ॥ नवीवाधस्येरे ॥ नहितोकरज्येजुध ॥ २१ ॥ वा० ॥
सांसलीकोपेंकलकल्यो ॥ कहेमतीचल्योरे ॥ मुकचालीघुनराज्य ॥ २२ ॥
वा० ॥ जुधथीअप्रीतीउपजे ॥ बहुनीपजेरे ॥ उत्तमसूसटसहार ॥ २३ ॥
वा०॥ तोपणिजुद्धकरूअमे ॥ सूणज्योतूम्हेरे ॥ दूतकहेतवश्म ॥२४॥ वा०॥
जमलोकेंजावासणी ॥ मतीतूम्हतणीरे ॥ दिसेठेनीरधार ॥ २५ ॥ वा० ॥
आवीकुमारनेंविनवे ॥ जिमतेलवेरे ॥ जईएकातेदूत ॥ २६ ॥ वा० ॥ सास
लितेपणिकोपीउ ॥ चित्तरोपीउरे ॥ अमरपवीरसअपार ॥ २७ ॥ वा० ॥ ढाल
सत्तरमीएसली ॥ सवीसासलीरे ॥ सातमेखमेरआल ॥ २८ ॥ वा० ॥ ॥१७॥
॥ दुहा ॥ भृकुटीचढावीनेंसर्णे ॥ कोपेंथईत्रीकराल ॥ सौम्यवयणपणिसहज
थी ॥ सीपणनसकेसालि ॥ २९ ॥ करनेंआस्फालीकरे ॥ वरणखलातेवाणि॥
एहमनोरथअमअछे ॥ हमचीनहीकोईहाणि॥३०॥विहुवलमांवीजेदीनें॥घोर
करेसपाम ॥ सुसटनेंदिघासामठा ॥ सिरपाविहुसीरठाम ॥ ३१ ॥ दानबहुप
रेंदिघलां ॥ जाचकपाम्याजोर ॥ रातिगईरवीउगीउ ॥ सवलोमांम्योसोर ॥
॥ ३२ ॥ मयगलगाजेमलपता ॥ तुरगघणातेजाल ॥ रथआरोसाराजवी ॥ कर
लेईकरवाल ॥ ३३ ॥ सुसटथयातिहासजघणा॥कुततिरकरलेय ॥ बिरुदावली
बोलीजतें ॥ वाजीत्रवहुवाजेय ॥ ३४ ॥ अमरपवसेंआवीमिल्यां ॥ धागेत्री
रनीहाक ॥ केईककायरकपता ॥ वाउसासलीवाक ॥ ३५ ॥ ताकीमुकेतीर
नें ॥ खमेकेईककरुप्प ॥ ठत्रध्वजाकेईछेदता ॥ साचुसूरसरुप्प ॥ ३६ ॥ सुस
टकबधतिहांसामठा ॥ रुधीरलित्तवरगात ॥ नाचेनाटिकनीपरें ॥ विस्मयज
नविख्यात ॥ ३७ ॥ आमीपलोलुपआवीआ॥ ककगृध्रनेंकाक॥गगनतेठायो
विहगस्यू ॥ ठलतीवहुलीठाक ॥ ३८ ॥ वलमतीसेनावहु ॥ सेनतणीसपरा

रीरे ॥ गुरुउत्तमविजयनोजीसमुकोमलवांणीरे ॥ कहेपद्मविजयपरीस्यार सुणोतवीप्राणीरे ॥ ९५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ डहा ॥ अजनभमरनेंअनुसरें ॥ पद्मतणोनहीपार ॥ अवककनमांबक रु ॥ कल्पवरुसरवकार ॥ ९६ ॥ सुपनेंघणसोहामणे ॥ चितितचितापुर॥ पेपेउदरमांपेसतो ॥ शातिमतीससनुर ॥९७॥ जागीपतीनेंजणावती ॥ तलक लदापेतह ॥ सोलागीसुतहोयस्ये ॥ जगतनमावेजेह ॥ ९८॥ सांसलीधर्मवा सजहोइ ॥ कोयकवितोकाल ॥ पुरेमासेसुतप्रसवीउ ॥ करेउंअततकाल ॥ ॥ ९९ ॥ रायकुमरसकरिळीआ ॥ अमरसेनअसीधांन ॥ गविउतेहनुंगाउ कु ॥ सुणोहवश्यईसावधांन ॥५००॥ ढाल ॥ तिरथतेनमुरे ॥ एदेशी ॥ चंपा नयरथीआवीउ ॥ वातलावीउरे ॥ एकदिनअनुचरएक ॥ वाततेसांसलोरे ॥ ॥ १ ॥ जोवाप्रवत्तिराज्यनी ॥ सुखकाजनीरे ॥ मुक्योअमरगुरुतास ॥ ॥ २ ॥ वा ॥ हालीमुहालीविरचिआ ॥ नविअरचिआरे ॥ जाणीअचलपुर नाथ ॥ ३ ॥ वा० ॥ मुक्तापीठेबलकरी ॥ चपापुरीरे ॥ लिधीथोमादिनमां हिं ॥ ४ ॥ वा० ॥ हाथकरयोतमारनें ॥ अधिकारनेंरे ॥ हवेजाणोकरोते म ॥ ५ ॥ वा० ॥ विजोननाशीनेंगयो ॥ दूखबहुपयोरे ॥ तेहनीषबरिनही कोय ॥ ६ ॥ वा० ॥ कोप्योअमरगुरुसांसली ॥ आवीवलीरे ॥ कुमरनेंक हेअवदात ॥७॥वा०॥ बोलेअमर्षयीइणिपरें ॥ कुणइमकरेरे॥ साईपरासबश्म ॥ ८ ॥ वा० ॥ निजपरेंठवुविजोननें ॥ अरीसेननेंरे ॥ सांजवुतोषरीवात ॥ ॥ ९ ॥ वा० ॥ दाहीणकरफूरक्योतदा ॥ जयकहेसदारे ॥ बोल्योतदागज राज ॥ १० ॥ वा० ॥ कुमरकहेएजीतीउ ॥ दूखचितीउरे ॥ नृपनेंकरावेजा ण ॥ ११ ॥ वा० ॥ म्हारेतिहांजावुलज ॥ तुमनेंकजरे ॥ कोप्योरायअपार॥ ॥ १२ ॥वा०॥ एनहीकुमरनेंपरिसप्यो ॥ मुजनेंहवोरे ॥ पणिमुजसेनासाथम ॥१३॥वा०॥अमरगुरुकहेसाचलु ॥साप्युसघुरे ॥ पणिकुमरेंनखमाय॥ १४॥ वा०॥समरकेतुनरपतीकहे॥चितगहगहेरे॥लसकरल्योअमसाथि॥वा०॥१५॥ उभचामरमुगटेंकरी ॥ चढिवंकरीरे ॥ कूमलहारसोहत ॥ १६ ॥ वा० ॥ वा

तव्यताएहवीरे ॥ इमचिंतवीकहेतेहरे ॥ परजा ॥ अमपुण्येंअमेएहवाजसर
जा ॥ ५९ ॥ नगरबाहिरआवासीआरे ॥ केईकदिनगयातामरेआया ॥ विसे
नपासेंनरजेपठाया ॥६०॥ अमरगुरुनेंतेकहेरे ॥ कयगलानयरीइतेहरेदिठो॥
तिणेंपणिसांभल्योसेनजेउकीठो ॥ ६१ ॥ अम्हेपणिजईनइलाषीउरे ॥ तूम
चोजेसमाचारतेआगें ॥ सांभलीतेअणोअगथीरे ॥ लागे ॥ ६२ ॥ डसाणोमन
थीघणुंरे ॥ कमलाफमुखवतासरेपायें ॥ मठरथीमसोतेहसूणोआयें ॥ ६३ ॥
बोलीनसक्योवयणथीरे ॥ किमकिमकरीकहेइमरे ॥ वात ॥ परसूजवलथी
राज्यएआयात ॥ ६४ ॥ तेनविसोगवुझकिमेरे ॥ जाउंतुमेनीजठामिस्यानें
आया ॥ फिरीमतआवज्योस्युकझसाया ॥ ६५ ॥ हवेजिमजाणेतिमकरो
रे ॥ चिंतवेतामअमात्यरे ॥ चित्तें ॥ राज्यजोग्यनहीएहअनीत्यें ॥ ६६ ॥
आवीकुमरनेंकहुंरे ॥ कुमरबोल्यातामरेवाणी ॥ तातसांईबीनावातमीविराणी
॥ ६७ ॥ अधकारमांनाचीआरे ॥ स्योगुणराज्यमाआजरे ॥ धारो ॥ अमर
गुरुकहेबुधीनोसमारो ॥ ६८ ॥ परजापणिजेपालवीरे ॥ महापुरुषनोधर्मएह
सारो ॥ कुमरकहेएनीजपुण्यथीवीचारो ॥ ६९ ॥ सातमेखमेसोहामणीरे ॥
एहअढारमीढालरेसाषी ॥ पर्खेओतासूणोचित्तथीरराषी ॥ ७० ॥ ॥ ९ ॥
॥ दुहा ॥ हरीसेनराजऋषीहवे ॥ काकासेनकुमार। सघलोव्यतीकरसांभली॥
चित्तमांकरेविचार ॥ ७१ ॥ जोग्यसंजमनेंजाणीइ ॥ अवीकरणकरयुइण॥
उधरीइएहआतमा ॥ करूणातसकरणेण ॥ ७२ ॥ सार्थेसाधुअनेकथी ॥ आ
व्यातिर्णेउद्यान ॥ वनपालकेंअवनीपती ॥ विनवीउधरीवान ॥ ७३ ॥ दानदे
ईवदनसणी ॥ अमरगुरुस्यूआय ॥ नष्टचोकउद्यानमा ॥ दिठामुनीसूखदाय
॥ ७४ ॥ ब्रह्मचारीवमसागीआ ॥ संजतसझसीरदार ॥ आणाश्रीअरीहतनी ॥
निरवहेतानिरधार ॥ ७५ ॥ ढाल ॥ जवुधाईपुष्करा ॥ एदेशी ॥ रत्नत्रयी
आराधता ॥ मोहतीमीरसरनासहो ॥मुनीवर ॥ निरतीचारचरणधरे ॥ नविपम
तामोहपासहो ॥७६॥मुनी०॥एहवामुनीनीतुवदीधएआंकणी॥जेहनीरजनत्रा
पज्यु ॥ लावनालावतावारहो ॥ मु० ॥ शारदजलज्यूहृदयथी ॥ प्रणमुतेअण

ए॥पणिमुक्तापिठेप्रथमा॥जित्योसेनसुजाण॥३ [illegible]
दसगजकाटोचिरे ॥ क्रमे॥ आवोरेओलगाणताहरीकाकणीरे॥क्रू [illegible]
सेनप्रससीसुसटेनेरे ॥ उगवेसपामरे ॥ करवा ॥ जाणेंजमराजाउ [illegible]
रघरवा ॥ ४० ॥ कुंततिरतरवारनारे ॥ घालेघातअपाररे ॥ तिणे॥नानु [illegible]
तकालप्रायोसमएणें॥४ १॥ रणतूरवाजेवेगस्यूंरे ॥ करीकुंसर [illegible]
कायरलोककेईडरथीपलाइ ॥४२ ॥ मुक्तापीढलस्करतणारे ॥ [illegible]
रे ॥ ताकी ॥ मुगटछेदेकेईमदीरास्यूताकी ॥ ४३ ॥ इमकरतोविटीवीरे ॥ मु
क्तापीढनेंसेनरे ॥ राजा॥ तोहेप्रहारकेरेसूरथईफाजा ॥४४॥ सूरसीरूपविषि
त्तचमकीआरे ॥ देपीएसपामरे ॥ वारु ॥ एहवेसेनहणेंखग्रगेंदीवारू ॥ [illegible]
पमीउंप्रथवीउपरेरे॥ जय२रवकरेलोकरे ॥ मिलीआ ॥ सेनकुमरजसबोल्या
रेहलीआ ॥ ४६ ॥ मगलतूरवजावीआरे॥सेनआव्योतसपास ॥ गुणराणो॥
मुक्तापीढदेपीचित्तहरपाणो ॥ ४७॥ विजएँवायरोवीजीउंरे ॥ चवनसीप्या
तासरेअगें ॥ चेतनावलीथईस्वस्थतारगे ॥४८ ॥ कुमरकहेरुमुकस्यूंरे ॥ सुप
नेंघटतुजेहरे॥किधु॥दिनपणतुम्हेचित्तमानलीधु॥४९॥पूर्वपुरुषतेअजुआवो
आरे ॥ म्हेंलीधमुज्रराज्यरे ॥ साई ॥ ताहरूतूझकुसलूरहोसदाई ॥ ५० ॥ तु
मुझसाईसमोवर्मेरे ॥ लाव्योनीजआवासरे ॥ मानें ॥ करीवधाईवोलावीउंव
क्रमानें ॥ ५१ ॥ अमरगुरुनेंकुमरकहेरे ॥ लावोविसेनसूपालरे ॥ स्वोसी ॥
थापोचपाश्चित्तमांहितोसी ॥ ५२ ॥ अमरगुरुकहेतिमकरूंरे॥ पणिरहेज्यो
तुम्हेचपरे ॥ स्वामी ॥ सेनकहेतववातप्रसीरामी ॥ ५३ ॥ रहेस्यूचपाश्परा
रे ॥ पणिनृपतोविसेनरे ॥ जाणो ॥ नरपतीइजिणेंकीधलोछेराणो ॥ ५४ ॥
वातप्रमाणकरीहवरे ॥ मोकलेनीजनरइमरेसाथी ॥ इमकहेछेतुमदेवहितरा
थी ॥ ५५ ॥ पुरखजनुंएराज्यछेरे ॥ सोगवोआविएमरे ॥ साई ॥ तेपणगयात
सपाससुखदाइ ॥ ५६ ॥ सेनगयाचपासणीरे ॥ महाजनआव्यूतामरे ॥ साह
मु ॥ पाउधारोअमेजेमसूखपामु ॥ ५७ ॥ सेनकहेकिमआवीइरे ॥ बिनावि
सेनसूपालरे ॥ अम्हे ॥ महाजनकहेप्रसूरयुकहोछेतुम्हें ॥ ५८ ॥ अमसवि

तम्यताएहवीरे ॥ इमचितवीकहेतेहरे ॥ परजा ॥ अमपुण्येंअमेएहवाजसर
जा ॥ ५ए ॥ नगरबाहिरआवासीआरे ॥ केईकदिनगयातामरेआया ॥ विसे
नपासेंनरजेपठाया ॥६०॥ अमरगुरुनेंतेकहेरे ॥ कयगलानयरीश्तेहरेदिठो॥
तिणेंपणिसांसल्योसेनजेउकीठो ॥ ६१ ॥ अम्हेपणिजईनश्साधीउंरे ॥ तुम
चोजेसमाचारतेआणें ॥ सासलीतेअगोअगथीरे ॥ साणे ॥ ६२ ॥ उसाणोमन
मीघणरे ॥ कमलाफमुखतासरेपायें ॥ मठरथीमल्लोतेहसूणोंप्राणें ॥ ६३ ॥
वोलीनसक्योवयणथीरे ॥ किमकिमकरीकहेशमरे ॥ वात ॥ परसूजवलथी
राज्यएआयात ॥ ६४ ॥ तेनविसोगवुझकिमेरे ॥ जाउंतुमेनीजठामिस्यानें
आया ॥ फिरीमतआवज्योस्यूकजसाया ॥ ६५ ॥ हवेजिमजाणोतिमकरो
रे ॥ चिंतवेतामअमात्यरे ॥ चित्तें ॥ राज्यजोग्यनहीएहअनीत्यें ॥ ६६ ॥
आवीकुमरनेंकहुरे ॥ कुमरबोल्यातामरेवाणी ॥ तातसाईवीनावातमीविराणी
॥ ६७ ॥ अधकारमांनाचीआरे ॥ स्योगुणराज्यमाआजरे ॥ घारो ॥ अमर
गुरुकहेवुधीनोसमारो ॥ ६८ ॥ परजापणिजेपालवीरे॥ महापुरुपनोधर्मएह
सारो ॥ कुमरकहेएनीजपुण्यथीवीचारो ॥ ६ए ॥ सातमेखमेंसोहामणीरे ॥
एहअठारमीढालरेसाधी ॥ पर्द्मेश्रोतासूणोचित्तथीरराषी ॥ ७० ॥ ॥ ९ ॥
॥ उहा ॥ हरीसेनराजऋषीहवे ॥ काकासेनकुमार॥ सघलोव्यतीकरसांसली॥
चित्तमांकरेविचार ॥ ७१ ॥ जोग्यसजमनेंजाणीइ ॥ अवीकरणकरयुश्ण॥
उधरीश्एहआतमा ॥ करूणातसकरणेंण ॥ ७२ ॥ सार्येसाधुअनेकथी ॥ आ
व्यातिणेंउद्यान ॥ वनपालकेंअवनीपती ॥ विनवीउंघरीवान ॥ ७३ ॥ दानदे
ईवधनसणी ॥ अमरगुरुस्यूआय ॥ नटच्चोकउद्यानमां ॥ दिठामुनीसूखदाय
॥ ७४ ॥ ब्रह्मचारीवमलागीआ ॥ सजतसऊसीरदार ॥ आणाश्रीअरीहतनी॥
निरवहेतानिरधार ॥ ७५ ॥ ढाल ॥ जबुधाईपुष्करा ॥ एदेशी ॥ रत्नत्रयी
आराधता ॥ मोहतीमीरत्तरनासहो ॥मुनीसर ॥ निरतीचारचरणघरे ॥ नविपम
तामोहपासहो॥७६॥मुनी०॥एहवामुनीनीतूवदीशएआंकणी॥जेहनीरजनव्य
पज्यु ॥ सावनातावतावारहो ॥ मु० ॥ शारदजलज्यूऊदयथी ॥ भणमुतेअण

गारहो ॥ ७७ ॥ मु० ॥ एह० ॥ सीसनेंचितामणीसमा ॥ [illegible]
तहो ॥ मु० ॥ शांतीसुधारसजलनीधी ॥ वचनेंसमवतहो [illegible]
धर्मलाभदियोधुरे ॥ रोमांचिततेकुमारहो ॥ मु० ॥ [illegible]
मुनीकहेसणितुकुमारहो ॥ मु० ॥ ७९ ॥ एह० ॥ [illegible]
तमुदरसुवीचारहो ॥ मु० ॥ तुजनीरवेदेंमुनीपणा ॥ [illegible]
॥ ८० ॥ एह० ॥ एहअसारसंसारमां ॥ सजमतेहअसारहो ॥ मु० ॥ [illegible]
तएहमानवतण ॥ केवलक्षेत्रआधारहो ॥ मु० ॥ ८१ ॥ एह० ॥ [illegible]
जैनक्षेत्रजे ॥ नवीलहीश्तसपारहो ॥ मु० ॥ देववानवनेंपणिसदा ॥ [illegible]
णोथिरमारहो ॥ मु० ॥ ८२ ॥ एह० ॥ करवोप्रमादजेयोग्यछो ॥ [illegible]
रयमुलहो ॥ मु० ॥ गुरुसाधीतकछतेहनो ॥ सवधआमलखुलहो ॥ मु० ॥
॥ ८३ ॥ एह० ॥ एहजजंबुसरतमां ॥ उत्तरपथअपारहो ॥ मु० ॥ [illegible]
पुरमांराजीउ ॥ अजीतवर्द्धनअवधारिहो ॥ मु० ॥ ८४ ॥ एह० ॥ [illegible]
मगायापती ॥ चदातेहनीनारिहो ॥ मु० ॥ सर्गनामेंसुततेहनो ॥ निरधनतेह
अपारहो ॥ मु० ॥ ८५ ॥ एह० ॥ सरूपमरणलसोहवे ॥ किधांमरणनांकाम
हो ॥ मु० ॥ आजीवीकाहेतेंकरे ॥ चदापरघरकामहो ॥ मु० ॥ ८६ ॥ ए० ॥
अटवीमांहियीलावतो ॥ इधणसागभमुखहो ॥ मु० ॥ विकयथीआजीवी
का ॥ इमदिनकाढेदुखकहो ॥ मु० ॥ ८७ ॥ ए० ॥ एकपखोसीतेहनें ॥ पासरूप
मेसेठहो ॥ मु० ॥ आव्योजमाईतसघरे ॥ तेहनीकरवावेठहो ॥ मु० ॥ ८८ ॥ ए० ॥
बोलावीचदातदा ॥ पाणीसरणनीमीत्तहो ॥ मु० ॥ पुत्रसुत्योघरिआवस्ये ॥
चिंतनधारीचीत्तहो ॥ मु० ॥ ८९ ॥ ए० ॥ सोजनासिंकेथापीनें ॥ कदीकाढेई
डुवारहो ॥ मु० ॥ खानाविकनासयथकी ॥ घवाघालीजिवारहो ॥ मु० ॥ ९० ॥
ए० ॥ सर्गतुरतआव्योतदा ॥ मुक्योइधणसारहो ॥ मु० ॥ मातपोलीपरिष
बीजमी ॥ करतोकोपअपारहो ॥ मु० ॥ ९१ ॥ ए० ॥ कासकस्यु
हवेसेठनुं ॥ पणनवीदिघुकांयहो ॥ मु० ॥ आवीनिजघरजेतले ॥ कर
तीमहाविसायहो ॥ मु० ॥ ९२ ॥ ए० ॥ दिनमुजदिषीकरी ॥ कोपचीनेमां

सग्गहो ॥ मु० ॥ किमसूलीशूळथीघली ॥ सुषपीमाअमलग्गहो ॥
॥ मु० ॥ ९२ ॥ए०॥ तेकीमतूळनेंविसर्युं॥तवतसवोलीमानहो॥ मु० ॥ हाथ
कपाणाताहरा ॥ एहसीकेंरमुसातहो ॥ मु० ॥ ९४ ॥ ए० ॥ लेईनेंकेमपाधु
महो ॥ एहवांवचनउच्चारहो ॥ मु०॥ करताकर्मबांध्यातिणें॥ जासविपाक
अपारहो ॥ मु० ॥ ९५ ॥ ए० ॥ एकदिनकर्मवीचित्रथी ॥ सावीसावनेंजो
गहो ॥ मु० ॥ बोधिविजपाम्यातीहां ॥ मानतूगसूरीसजोगहो ॥ मु० ॥९६॥
ए० ॥ श्रावकपणपाम्यावली ॥ चढतेशुभपरीणामहो ॥ मु० ॥ चरणधरम
वलीपभिवज्यां ॥ गुणगणकेराधामहो ॥ मु० ॥ ९७ ॥ ए० ॥ करीयसलेष
णाठेहमें ॥ आगमउक्तविधानहो ॥ मु० ॥ कालकरीनेंउपना ॥ दोयतेस्वर्ग
विमानहो ॥मु०॥९८॥ए०॥ समरादित्यचरीत्रमां ॥ पद्मबीजयकहीढालहो ॥
॥ मु० ॥ सातमेरवमेसोहामणी ॥ उगणीसमीसूविशालहो ॥ मु० ॥९९॥ ए०
॥ दुहा ॥ तामलीप्तीइणसरतमां॥नयरीध्यनीधान ॥कूमारदेवइल्यकामिनी॥
जुजीआनामजुवान ॥६० ०॥ सर्गदेवहवेस्वर्गथी॥ आविलीइअवतार ॥ तेह
नीकूषेंततषिणें ॥ जनमथयोक्रमेंज्यार ॥ १ ॥ अरूणदेवअसीधाठव्यु ॥ क्र
में २ थयोकुमार ॥ चढ्याइणअथर्यारिचवी ॥ सूरवरथीसूखीचार ॥ २ ॥ नामें
पाभलापथनयर ॥ सेठजसादित्यसार॥ अ वसूतनारीइलूआ॥ तसकुषेंअवता
र ॥३ ॥पुत्रीअनुक्रमेंप्रसवती ॥ देइणिनामतेदीध ॥ अनुक्रमेंदीधीअरूणनें ॥
सघलूलावीसीद्ध॥ ४ ॥ ढाल॥ विधातावैरणरेठगीमांरयूरेलीप्यूरे ॥एदेशी ॥वि
धातावाकोजाणोरे ॥ जुउंस्युंस्यूरेथाइरे ॥ परंण्याविणचढिउंक्याजेंरे ॥ अरु
णदेवध्यनेंध्याइरे ॥ ५ ॥ कमाहधीपेंगयाकमावारे ॥ कमाईतेरेवलीउंरे ॥
क्याजतेवाटिमांसागुरे ॥ कर्मेजुउंस्युंरेथयुरे ॥ आव्यूएकपाटिउहाथेरे॥ ति
णेंदूखसकूइगयुरे ॥ ६ ॥ महेसरसाथेंविजोरे ॥ तेपणितीहासायरतरीउंरे ॥
आव्याजयसायरकांठेरे ॥ पाभलावहवाहिरचरीउंरे ॥ ७ ॥ महेसरतिहां
वोल्योरे ॥ तूमारेसासरेजईईरे ॥ कुअरतवईणिपरिसापेरे ॥ इणिवेलाइम
किमकहीइरे ॥ ८ ॥ तवतेकहेवेसोवाहिररे ॥ नयरमाफरेजास्यूरे ॥ सोजन

फजईनइआणरे ॥ कहेतेसुपमागस्यूरे ॥ ९ ॥ देवकूलमांजईसूतोरे ॥ करीउघोसारोरे ॥ महेसरतेलिवागयोआहाररे ॥ हाटिसेरीइफिरतो ॥ १० ॥ इणअवसरउदइआव्यूरे ॥ देइणीनेंकर्मबंधाणरे ॥ निजस नेंविगीरे ॥ तस्करनुथयुरेटाणरे ॥ ११ ॥ कटकजुगलबफमुआरे ॥ तस हांलेवाआव्योरे ॥ गाढातिणेंनवीनिकलीआरे ॥

। १२ ॥ तिणेंकापीहाथनेंलीधारे ॥ लेईनासवारेमांम्युरे ॥

नीरे ॥ जाणेंआव्युरेधामुरे ॥ १३ ॥ कोटवालसूणीउजाणोरे ॥ चोरतो रेनासेरे ॥ नासताहवइथाकोचोररे ॥ जाण्यूंहवेकिहारेजास्येरे ॥ ग देवकूलमाहिरे ॥ अरुणदेवजीहरिसूतोरे ॥ उदेतसकर्मआव्यूरे ॥ नकर्मेपूतोरे ॥ १५ ॥ चोरेंचित्तमांहिचितीरे ॥ केमांमुक्यांतेहनीपासेरे ॥ पो तेचीपरअघोरेढपायोरे ॥ छुरीमुकीहीयेंआसेरे ॥ १६ ॥ उघ्योअरूणदेवतव गरे ॥ जाण्युदेवतारेतूगेरे ॥ लेईफांटिमांहिसगोपेरे ॥ ॥ १७ ॥ तेवआव्योतिहांतलाररे ॥ मनमांक्रोसनारेथईरे ॥ कहेकिहांजा सदूराचारीरे ॥ छुरीकापमीरेगईरे ॥ १८ ॥पकम्योतवबोलेतेहरे ॥ स्योरेकीधोरे ॥ तेकहेथोकटकनोजोमोरे ॥ कहेअरूणनम्हेरेलीधोरे ॥ आणीक्रोधनेंत्राम्योतीणेंरे ॥ तवपमीआंकटकसूपीगेरे ॥ उलख्यांकोट तामरे ॥ सूपतीपुरधरीउनीठेरे ॥ २० ॥ ससलाव्योव्यतीकररायरे ॥ विगो स्यूंरेतेहरे ॥ कहेथोसूलीइएचोररे ॥ तलवरपणिसासलीएहरे ॥ २१ ॥ लाव्योजीहां सूलीनुगामरे ॥ सूलीईएरेदिधोरे ॥ इणअवसरतोजनलाव्योरे ॥ देवकूलमांएरेस घोरे ॥ २२ ॥ महेसरेंपोलिघणीकीधीरे ॥ नविगोकोईरेगमेरे ॥ तवआसनवे ठोजोयोरे ॥ नलसोकोईरेनामेरे ॥ २३ ॥ मालिवनवासीनेंपुछेरे ॥ एहबोकी हरिसाल्योरे ॥ तेकहेनवीविगोकोईरे ॥ पणिएकचोरल्याव्योरे ॥ २४ ॥ इम णातसमारथोसाईरे ॥ कदातिहारेगयोरे ॥ कौतूकनोलिघोजायरे ॥ सुणीसो करेथयोरे ॥ २५ ॥ आकुलव्याकूलघणोथाइरे ॥ साईएरेस्यूकसुंरे ॥ साईमु ठनेंगमवेषामोरे ॥ मारूहईफुरेवसुरे ॥ २६ ॥ तवगमवेषामंथोतिणेंरे ॥ तिहां

खोसाणोआयोरे ॥ सूलीइसेठपूत्रनेंदिगोरे ॥ अरूणदेवरेसायोरे ॥ २७ ॥ इम कर्मविचित्रताजुउरे ॥ सातमेरवमेरेसूणोरे ॥ कहेपद्मवीसमीढालेरे ॥ करया कर्मएरेमुणोरे ॥ २८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ उहा ॥ कर्मविपाककमुआघणा ॥ मूर्छापामेंमन्न ॥ पमीउप्रथवीउपरें ॥ तम फमतेतेतन्न ॥ २९ ॥ प्रेरूकलोकआव्यापछे ॥ पुछेफालीपाणि ॥ स्योएकहो सवघछे ॥ आषोउत्तरआणि ॥ ३० ॥ महेसरवक्रलेमोहथी ॥ वोलेगदगदवो ल ॥ वाटिउठिएवातमी ॥ अवलोययोअतोल ॥ ३१ ॥ तामलिमीइतिलकसम॥ कुमारदेवकहेवाय ॥ तेहनोसूततूमेजाणजो ॥ अरूणदेवअसीगाय ॥ ३२ ॥ इणनयरीवासीअवल ॥ जसादित्यजगजाण ॥ जामातातसजाणज्यो ॥ आ व्योइणहीजठाण ॥ ३३ ॥ जिहाजसागुप्तीयजनगया ॥ मनमांघरतोमाम ॥ नगयोसूसरानेंघरे ॥ अवधारजाणीआम ॥ ३४ ॥ वेसास्योम्हेंबाहिरें ॥ पुर मागयोपीठाण ॥ आहारलेईनइआवीउ ॥ ठांपोस्योठाण ॥ ३५ ॥ पापउद यपरगटथयो ॥ आव्योरवोलतोआहि ॥ दिगोइणीपरेंदृष्टिथी ॥ किहांएसूली क्याहि ॥ ३६ ॥ ढाल ॥ ईमम्हाराघणहसवाईढोला ॥ एदेशी ॥ इमकहेतांमु रछानमीउ ॥ प्रथवीउपरितेपमीउरे ॥ सत्रीकाकर्मतणीगतीन्यारी ॥ नसकेको ईकर्मनेंवारीरे॥स०॥पुरानीपरेंतमफमतो ॥ उठ्योकीमहीक्लमथमतोरे ॥३७॥ सवि० ॥ निजवधकरवानेंमर्मि॥ लेईपथरसीरस्यूपछामेरे॥सवि०॥ प्रेरूकलो केंधरीराप्यो ॥ इणिपरेजेसवघदाप्योरे ॥ स० ॥ ३८ ॥ नगरीमाययोविस्ता र ॥ जसादित्येंसूण्योअधिकाररे ॥ स० ॥ नीजपुत्रीलेईतीहांआयो॥ दिगोअ रुणदेवमनसायोरे ॥ ३९॥सवि०॥ अहोअहोएवाततेकेहवी ॥ सेठपुत्रनीजो वाजेहवीरे ॥ सवो० ॥ मुर्छालहांउहीतानेंतात ॥ ठंट्याचदनविजणेंवातरे ॥ ॥ ४० ॥ स० ॥ काढोमुफकष्टरेसाय ॥ नत्रीशोकसतापरवमायरे ॥ स० ॥ मरस्यूनीश्चयततकाल ॥ सूणीवातएप्रथवीपालरे ॥ स ॥ ४१ ॥ कोटवाल स्यूकरतोरीस ॥ कोटवालकहेसूणोईसरे ॥ स० ॥ चोरीतवस्तुस्यूएह ॥ पक म्योअमेकरीइकेहरे ॥ ४२ ॥ स० ॥ जसादित्यपासेंवघठाम ॥ नरपतीआ

ऊजईनश्चाणरे ॥ कहेतेसुपमांगस्यूरे ॥ ९ ॥ देवकूलमांअमिसारोरे ॥ नमीं करीउध्योसारोरे ॥ महेसरतेलिवागयोआहाररे ॥ हाटिसेरीईकिरतोजमोरे ॥ १० ॥ इणअवसरउदइआव्यूरे ॥ देइणीनेंकर्मबधाणरे ॥ निजसबनउमनैवेंठीरे ॥ तस्करनुंपयुरेटाणरे ॥ ११ ॥ कटकजुगलबहुमुजरे ॥ तस्कर हालेवाआव्योरे ॥ गाढानिणेंनखीनिकलीआरे ॥ सार्थेहुरीकारेलाव्योरे ॥ १२ ॥ तिणेंकापीहाथनेंलीधारे ॥ लेईनासवारेमामयुरे ॥ वनपालीसुंबकलमीरे ॥ जाणेंआव्युरेधाकुरे ॥ १३ ॥ कोटवालसुणीउजाणोरे ॥ चोरतोआरेनासेरे ॥ नासताहवश्थाकोचोररे ॥ जाण्यूहवेकिहारिजास्येरे ॥ १४ ॥ ते गेदेवकूलमाहिरे ॥ अरुणदेवजीहारिसूतोरे ॥ उदेंनसकर्मआम्यूरे ॥ सज्जननकर्मेंपूतोरे ॥ १५ ॥ चोरेंचित्तमाहिंचितीरे ॥ कर्मांमुक्यातेहनीपासेरे ॥ तोतेशीपरअधारेउपायोरे ॥ छुरीमुकीहीणेंआसेरे ॥१६॥ उठ्योअरुणदेवतजीठरे ॥ जाण्युदेवतारेतूठेरे ॥ लेईफांटिमाहिसगोपेरे ॥ छुरीदेषीचितेंअपुठेरे ॥ १७ ॥ तवआव्योतिहांतलाररे ॥ मनमांक्रोसनारेषईरे ॥ कहेकिहांजाईसदूराचारीरे ॥ छुरीकापमीरेगईरे ॥ १८ ॥ पकमयोतवबोलेतेहरे ॥ मेंअपराधस्योरेकीधोरे ॥ तेकहेथोकटकनोजोमोरे ॥ कहेअरुणनम्हेंरेलीधोरे ॥ तस्कर आणीक्रोधनेंत्राम्योतीणेंरे ॥ तवपमीआंकटकसूपीठेंरे ॥ उलष्यांकोटवालेतामरे ॥ सुपतीपुरधरीउनीठेंरे ॥२०॥ ससलाव्योव्यतीकररायरे ॥ विगोइस्यूंरेतेहरे॥कहेथोसूलीइएचोररे॥तलवरपणिसालजीएहरे ॥२१॥लाव्योजीहांसुलीनुगामरे ॥सुलीईएरेदिधोरे॥ इणअवसरलोजनलाव्योरे॥देवकूलमांएरेसघोरे ॥ २२ ॥ महेसरेंषोलिघणीकीधीरे ॥ नदिठेकोईरेठामेंरे ॥ तवआसनदेशेजोयोरे ॥ नलसोकोईरेनामेरे ॥ २३ ॥ मालिवनवासीनेंपुछेरे ॥ एहबोकीहारिसाव्योरे ॥ तेकहेनवीदिठेकोईरे ॥ पणिएकचोरजाव्योरे ॥ २४ ॥ हमणांतसमारयोसाईरे ॥ कवातिहांरेगयोरे ॥ कौतूकनोलिषोजायरे ॥ मुणीसोकरेय्योरे ॥ २५ ॥ आकुलव्याकूलषणोथाईरे ॥ साईएरेस्यूकथुरे ॥ साईमुऊनेंगमदेषामोरे ॥ मारूहईमुरेवसुरे ॥ २६ ॥ तवगमदेषाम्योतिणेंरे ॥ तिहां

व ॥ मैत्रीसऊस्यूअनुंकुलरे ॥ स० ॥ पुरवडक्तडगढो ॥ एकरत्नत्रयीनेंवं गोरे ॥-५८ ॥ स० ॥ परमात्मसरूपविचारो ॥ सूणीतीमजकोरसूप्रकारोरे ॥ स० ॥ इणअवसरकहेभूपाल ॥ सवेगयकीसूरसालरे ॥ ५९ ॥ स० ॥ एतला नांएफलवतलावो ॥ तोअमर्नेकुणगतीजावोरे ॥ स० ॥ परमादवसेंअमेपमी आ ॥ अम्हेकर्म्मजजीरस्यूजमीआरे ॥ ६० ॥ स० ॥ गुरुकहेकर्मनीथीती एहवी ॥ फलेंअधीक २ वधजेहवीरे ॥ स० ॥ जोअधीकअधीकवलीबांधे॥ तोनरकतिरीगतीसाधेरे ॥ ६१ ॥ स० ॥ तिहांडखघणांतोगवस्ये ॥ बऊका ललगेजोगवस्येरे ॥ स० ॥ तेलेषेएयोफुजाणो ॥ तिणेंसार्पेश्रीसूवनराणो रे ॥ ६२ ॥ स० ॥ विषव्यापीजलणनेंसाप ॥ शत्रुसगदिडखव्यापरो॥स० ॥ इहसवडखपणिपरमाद ॥ इहपरसवआपेविषादरे ॥ ६३ ॥ स० ॥ परमाद पीकरतअकाज ॥ गुरुलाघवनगणेकाजरे ॥ स० ॥ इमतत्वातत्वविचार ॥ गुरुउपरिनकरेप्याररे॥ ६४॥स०॥इमसचीवऊलापापा॥ सहेवेदननरकेंआपरे ॥ स० ॥ पुछेनृपतासउपाय ॥ तवसम्यगूकहेगुरुरायरे ॥ ६५ ॥ स० ॥ इम सांतमेखमेजाणो ॥ एकविसमीढालप्रमाणोरे ॥ स० ॥ गुरुउत्तमशणिपरेसापे॥ नृपपद्मवीजयचित्तराखेरे ॥ स० ॥ ६६ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ ऊहा ॥ सर्वआरसतजेसदा ॥ चारीत्रपालेचीत्त ॥ आराधेअप्रमादनें ॥ तो णदवीहोयनीत्य ॥ ६७ ॥ मिथ्यामतमुकेनही॥वर्द्धमांनसवेग ॥ पुंग्वसचीत पेपवे ॥ घातिनासेअवीवेग ॥ ६८ ॥ निमीत्तवीनाबाधेनही ॥ नवांकर्मनो रधार ॥ अनुक्रमेंकेवलउपजे ॥ साश्वतसूखश्रीकार ॥ ६९ ॥ रायकहेसूरी सनें ॥ करयोनकीमअप्रमाद ॥ इणेंअप्रमादआराधीउ ॥ पणबऊलोपरमाद ॥ ७० ॥ अतीसयअप्रमादीपणो ॥ करेकर्मनोअत ॥ पणिथोमाअप्रमादथी॥ थोम्यांकर्ममहत ॥ ७१ ॥ आदरीउअप्रमादनें ॥ अशुलटल्योअनुबध ॥ विर्जअप्रमादनुबोईउ ॥ स्लथिइएसबध ॥ ७२ ॥ ढाल ॥ म्हारेघरिआवज्यो रेरसीआ ॥ एदेशी ॥ तिणेंकारणप्रसूजीसाधे॥ करवोनहीपरमावसरावे॥ङक्त तनिदारेकरीइ ॥ शीणपरेंसवग्रायरसुरवेंतरीइ॥ ७३ ॥ तिणें० ॥ आलोईइ

बीसर्णेआभरे ॥ स० ॥ सांईदेवनोएअपराध॥ अमबुधीनथोवहीबानेमोलवल
स० ॥ कोईसावीसात्रविचार ॥ ईमबोलेसूसरतारेरे ॥ स० ॥ [illegible]
रचोतेह ॥ पणिवेदनअतीसयदेहरे ॥ ४ ॥ स० ॥ [illegible]
णी ॥ आप्याश्वरीचउनाणीरे॥ स० ॥ अमरेसरगणधरनाम॥ [illegible]
असीरामरे ॥ ४ ५ ॥ स० ॥ सुरवरपुजीतगतपाप ॥ [illegible]
रे॥ स० ॥ देवताईमथवीसमारी ॥ गधोदकवरसेधारीरे ॥ [illegible] ॥ [illegible]
कनककमलपणिवीरचे॥ फूलवरसेनेंमुनीनेंअरचेरे॥स०॥ तिहांबेसीनेंदेसना
देतां ॥ उपदेशमाहिश्मकहेतारे ॥ ॥ ४ ७ ॥ स० ॥ मोहनीप्रानकरोमाळी ॥
धर्मजागरणेंजागोजाणीरे ॥ स० ॥ तजोपापथानिकअढारो ॥ [illegible]
धर्मनश्धारोरे ॥ ४ ८ ॥ स० ॥ तजीश्वयरीअतरग ॥ डखवि[illegible]
रे ॥ स० ॥ थोमोपणिकरेश्पमाय ॥ तेहथीबऊकर्मबधायरे ॥ [illegible] ॥
डखदायकतासविवाग॥ मानसतनुड खअनागरे ॥ [illegible] ॥ [illegible]
बजेम ॥ तवपुढेनरपतीकेमरे ॥ ५० ॥ स० ॥ तवसूरीपूर्वसबध ॥ [illegible]
थीकहेपरबधरे ॥ स० ॥ जोएतलाड़कुतकेरो ॥ विपाकआप्योअथीकेरो
रे ॥ ५१ ॥ स० ॥ श्मसांसलीकेईप्रतीबुज्या ॥ सवेगथीकर्मस्युझुम्यारे ॥
स० ॥ अरुणदेववर्देईणीदोय ॥ मुर्छागततततथीणहोयरे ॥ [illegible] ॥ [illegible]
नालहीपाम्यांज्ञान ॥ जातीसमरणशुभध्यानरे ॥ स० ॥ आवानविदानसऊ
जाण्यो ॥ शुभपरीणामेंपरमाण्योरे॥ ५२ ॥ स० ॥ प्रभुजेतुम्हेसाध्युतेम ॥
अमेंज्ञानेंविदुश्मरे ॥ स० ॥ अमेपाम्याजीनवरबोध ॥ अणसणवेईकरो
अम्हशोधिरे ॥ ५४ ॥ स० ॥ जराजनममरणरोगसोग ॥ टाळोक
सारसंजोगरे ॥ स० ॥ गुरुकहेएजुगतीथान ॥ डर्गतीजाइसदगतीआतरे
॥ ५५ ॥ सवी० ॥ सुरनरसूखसाधेएह ॥ निरवांणविश्वलीजेहरे ॥ [illegible] ॥
अणसणविश्ल्पसेठसार्थे॥ सऊधम्य २ मुखिसाधेरे ॥ ५६ ॥ स० ॥ कहेथि
ऊजणगुरूनेंस्वामी ॥ थकिकहोकांयअंतरजामीरे ॥ स० ॥ गुरुकहेतुम्हेस
बढूंकिधु ॥ मानवसवनुफललीधुरे ॥ स० ॥ ५७ ॥ बजीअंमोममतजरवेंमु

व ॥ मैत्रीसह्रस्यूअनुंकुलरे ॥ स० ॥ पुरवड कुतडगगो ॥ एकरलत्रयीनेंव गोरे ॥ ५८ ॥ स० ॥ परमात्मसरूपविचारो ॥ सूणीतीमजकरेसूप्रकारोरे ॥ स० ॥ इणअवशरकहेसूपाल ॥ सवेगथकीसूरसालरे ॥ ५९ ॥ स० ॥ एतला नाएफलबतलावो ॥ तोअमर्नेकुणगतीजावोरे ॥ स० ॥ परमादवसेंअमेपमी आ ॥ अम्हेकर्म्मजजीरस्यूंजमीआरे ॥ ६० ॥ स० ॥ गुरुकहेकर्मनीथीती एहवी ॥ फलेंअधीक २ वमजेहवीरे ॥ स० ॥ जोअधीकअधीकवलीबांधे॥ तोनरर्कतिरीगतीसाधेरे ॥ ६१ ॥ स० ॥ तिहांडखघणांसोगवस्ये ॥ बहुका ललगेजोगवस्येरे ॥ स० ॥ तेलेषेएथोफुजाणो ॥ तिणेंसार्प्रेश्रीसूषनराणो रे ॥ ६२ ॥ स० ॥ विषव्याधीजलणनेंसाप ॥ शत्रुसगदिश्डखव्यापरो॥स० ॥ इहसवडखपणिपरमाद ॥ इहपरसवआपेविपादरे ॥ ६३ ॥ स० ॥ परमाद थीकरतअकाज ॥ गुरुसाघथनगणेकाजरे ॥ स० ॥ इमतत्वातत्वविचार ॥ गुरुउपरिनकरेप्याररे॥ ६४॥स०॥इमसचीवहूलापापा॥ सहेवेदननरकेंआपरे ॥ स० ॥ पुछेंनृपतासउपाय ॥ तवसम्यगूकहेगुरुरायरे ॥ ६५ ॥ स० ॥ इम सातमेंरवमेंजाणो ॥ एकविसमीढालप्रमाणोरे ॥ स० ॥ गुरुउत्तमशिणिपरेंसापे॥ नृपपद्मवीजयचित्तरापेरे ॥ स० ॥ ६६ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ उहा ॥ सर्वआरंसतजेसदा ॥ चारीत्रपालेचीत्त ॥ आराधेअप्रमादनें ॥ तां एदवीहोयनीत्य ॥ ६७ ॥ मिथ्यामतमुकेनहीं॥वर्द्धमानसवेग ॥ पुंग्वसचीत पेपवे ॥ वलिनासेअवीवेग ॥ ६८ ॥ निमीत्तवीनाशाथेनही ॥ नवांकर्मनो रधार ॥ अनुक्रमेंकेवलउपजे ॥ साश्वतसूखश्रीकार ॥ ६९ ॥ रायकहेसूरी सनें ॥ कस्योनकीमअप्रमाद ॥ इणेंअप्रमादआराधीउं ॥ पणवहूलोपरमाद ॥ ७० ॥ अतीसयअप्रमादीपणो ॥ करेकर्मनोअत ॥ पणिथोमाअप्रमादथी॥ मोमयोकर्ममहत ॥ ७१ ॥ आदरीउंअप्रमादनें ॥ अशुसटस्योअनुबध ॥ बिजअप्रमादनुबोईउ ॥ लघिइएसबध ॥ ७२ ॥ ढाल ॥ म्हारेघरिआवज्यो रेरसीआ ॥ एदेशी ॥ तिणेंकारणप्रसूजीसापे॥ करवोनहीपरमादसरापे॥ड कु तनिंदारेकरीइ ॥ ईणपरेंसवशायरसुखेंतरीइ॥ ७३ ॥ तिणें० ॥ आलोईइ

वीतर्णेआमरे ॥ स० ॥ सार्द्दैबनोएअपराध॥ अमवुकीतषोमहीवा[illegible]
स० ॥ कोईत्तावीसात्रविचार ॥ ईमवोजेसूसरतारेरे ॥ स० ॥ [illegible]
स्योतेह ॥ पणिवेदनअतीसयदेहरे ॥ ४४ ॥ स० ॥ मनिवोधनो[illegible]
णो ॥ आव्यासूरीचउनाणीरे॥ स० ॥ अमरेसरमणधरनाम॥ [illegible]
असीरामरे ॥ ४५ ॥ स० ॥ सूरवरपुजीतगतपाप ॥ सङ्घामया[illegible]
रे॥ स० ॥ देवताइमवीसमारी ॥ गघोदकवरसेपारीरे ॥ [illegible] ॥ [illegible]
कनककमलपणिवीरचे॥ फूलवरसेनेंमुनीनेंअरचेरे॥स०॥ तिहांवेसीनेंदेसना
देता ॥ उपदेशमाहिइमकहेतारे ॥ ॥ ४७ ॥ स० ॥ मोहनीआमकरो[illegible]
धर्मजागरणेंजागोजाणीरे ॥ स० ॥ तजोपापथानिकअढारो ॥ [illegible]
धर्मनश्यारोरे ॥ ४८ ॥ स० ॥ तजीश्वयरीअतरग ॥ डखदिईपर[illegible]
रे ॥स० ॥ थोमोपणिकरिशपमाय ॥ तेहथीवङ्गकर्मबघायरे ॥ [illegible] ॥
डखदायकतासविघाग॥ मानसतनुडखअतागरे ॥ [illegible] ॥ देइणीनें[illegible]
बजेम ॥ तवपुछेनरपतीकेमरे ॥ ५० ॥ स० ॥ तवसूरीपूर्वसबध ॥ [illegible]
णीकहेपरवधरे ॥ स० ॥ जोएतलाडकतकेरो ॥ विपाकआम्योअथीकेरो
रे ॥ ५१ ॥ स० ॥ इमसांसलीकेईप्रतीबुज्या ॥ सवेगथीकर्मस्युजुज्यारे ॥
स० ॥ अरुणदेवदेईणीदोय ॥ मुर्छागततततषीणहोयरे ॥ [illegible] ॥ [illegible]
नालहीपाम्यांज्ञान ॥ जातीसमरणशुभध्यानरे ॥स० ॥ आवाननिदामस[illegible]
जाण्यो ॥ शुभपरीणामेंपरमाण्योरे॥ ५२ ॥ स० ॥ प्रभुजेतुम्हेसाम्युतेम ॥
अमेंज्ञानेंदिठुइमरे ॥ स० ॥ अमेपाम्याजीनवरबोध ॥ अणसणदेईकरो
अम्हशोधिरे ॥ ५४ ॥ स० ॥ जराजनममरणरोगसोग ॥ टाल्यो[illegible]
सारसंजोगरे ॥ स० ॥ गुरुकहेएजुगतीवात ॥ दुर्गतीजाईसवगती[illegible]रे
॥ ५५ ॥ सबी० ॥ सुरनरसूखसाघेएह ॥ निरवाणदिश्वलीजेहरे ॥ [illegible] ॥
अणसणदिईन्टपसेगसार्थे॥ सङ्घघम्य २ मुखिसाधेरे ॥ ५६ ॥ स० ॥ कहेथि
ङजणगुरूनेंस्वामी ॥ वधिकहोकोयअंतरजामीरे॥ स० ॥ गुरुकहेतुम्हेस
घलूकिधु ॥ मानवसवनुफललीधुरे॥ स० ॥ ५७ ॥ वलीअंमोमनतङ[illegible]

ल ॥ मैत्रीसङ्गस्यूअनुंकुलरे ॥ स० ॥ पुरवड कतडगढ़ो ॥ एकरत्नत्रयीनेंव गोरे ॥ ५८ ॥ स० ॥ परमात्मसरूपविचारो ॥ सूणीतीमजकरेसूप्रकारोरे ॥ स० ॥ इणअवत्रारकहेसूपाल ॥ सवेगथकीसूरसालरे ॥ ५९ ॥ स० ॥ एतला नींएफलबतलावो ॥ तोअमर्नेकुणगतीजावोरे ॥ स० ॥ परमादवर्सेअमेपमी आ ॥ अम्हेकर्म्मजंजीरस्यूंजमीआरे ॥ ६० ॥ स० ॥ गुरुकहेकर्मनीथीती एहवी ॥ फलेंअधीक २ बन्जेहवीरे ॥ स० ॥ जोअघीकअधीकबलीबांधे॥ तोनरकतिरीगतीसाधेरे ॥ ६१ ॥ स० ॥ तिहांडखघणांसोगवस्ये ॥ बहुका ललगेजोगवस्येरे ॥ स० ॥ तेलेपेएथोमुजाणो ॥ तिणेंसापेश्रीसूवनराणो रे ॥ ६२ ॥ स० ॥ विषम्याधीजहणनेंसाप ॥ अनुसगविडखव्यापरो॥स० ॥ इहसवडखपणिपरमाद ॥ इहपरसवआपेविषादरे ॥ ६३ ॥ स० ॥ परमाद थीकरतअकाज ॥ गुरुलाघवनगणेकाजरे ॥ स० ॥ इमतत्वातत्वविचार ॥ गुरुउपरिनकरेप्याररे॥ ६४॥स०॥इमसचीबहुलांपाप॥ सहेवेदननरकेंआपरे ॥ स० ॥ पुछेंन्टपतासउपाय ॥ तबसम्यगकहेगुरुरायरे ॥ ६५ ॥ स० ॥ इम सातमेखमेजाणो ॥ एकविसमीढालप्रमाणोरे ॥ स० ॥ गुरुउत्तमइणिपरेंसापे॥ नृपपद्मवीजयचित्तराषेरे ॥ स० ॥ ६६ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ ढुहा ॥ सर्वआरसतजेसदा ॥ चारीत्रपालेचीत्त ॥ आराधेअप्रमादनें ॥ ना णदृष्टीहोयनीत्य ॥ ६७ ॥ मिथ्यामतमुकेनही॥वर्द्धमानसवेग ॥ पुग्वसचीत पेपबे ॥ घलिनासेअवीवेग ॥ ६८ ॥ निमीत्तवीनात्राधेनही ॥ नवांकर्मनी रधार ॥ अनुक्रमेंकेवलउपजे ॥ साश्वतसूखश्रीकार ॥ ६९ ॥ रायकहेसूरी सनें ॥ कस्योनकीमअप्रमाद ॥ इणेंअप्रमादआराधीउं ॥ पणबहुलोंपरमाद ॥ ७० ॥ अतीसयअप्रमादीपणों ॥ करेकर्मनोअंत ॥ पणिथोमाअप्रमादथी॥ मोमयांकर्ममहत ॥ ७१ ॥ आदरीउंअप्रमादनें ॥ अशुसदृथ्योअनुबध ॥ घिजंअप्रमादनुबोईउ ॥ सविइएसबध ॥ ७२ ॥ ढाल ॥ म्हारेघरिंआवज्यो रेरसीआ ॥ एदेशी ॥ तिणेंकारणप्रसूजीतापे॥ करवोनहीपरमादसरापे॥ड कु तनिंदारेकरीइ ॥ इणिपरेंसवत्रायरसुखेंतरीइ॥ ७३ ॥ तिणें० ॥ आलोईई

गुरुपासें ॥ प्रायछीत्तविधिपूर्वकअस्यासें ॥ इंमसूणीपुण्यगोरराय ॥ [illegible]
रविमुक्तीकराय ॥ ७५ ॥ तिणे० ॥ जसादित्यमाहेश्वरसार्थे ॥ [illegible]
नृपसदगुरुहार्थे॥ एहसूणीअधीकार।कटकचोरआव्योतिणेंगय। [illegible]
पश्चातापरेकरंतो ॥ गुरुनेंशणीपरंतेहवदतो।म्हेंपापीइएकाम।किधुंनी [illegible]
रिणाम ॥ ७६ ॥ ति० ॥ धर्मतत्वेपीरेसार ॥ अधरमनोकीघोपरीकार ॥ [illegible]
नवसवएअहेलेंपोयो ॥ डुखपरपरानोमुखजोयो ॥ ७७ ॥ ति० ॥ स्योव [illegible]
नविन्यास ॥ प्राणत्यागकरवोतूमपास ॥ कहोप्रभूजोग्यजेमाहरे ॥ [illegible]
गुरुउपयोगतिवारे ॥ ७८ ॥ ति० ॥ लौकिकसुदरतासाम्यो ॥ पछिमवीतर्गे
राग्यतेआव्यो ॥ श्मचीचारीरेतास ॥ दिधुअणसणशुमअभ्यास॥ ७९॥ ति०॥
दिधोवलिनवकार ॥ चोरेपिणकरयोअगीकार ॥ निपोआतमआप ॥ गुरुए
दीनेंघोयापाप ॥ ८० ॥ ती० ॥ अरुणदेवेंकस्योकाल ॥ देईणीतस्करपछि
तकाल ॥ अणेंसूरवररेयाय ॥ तिणेंसुणीसेनकुमरजीराय ॥ ८१ ॥ ती० ॥ रा
ज्यअसारनेंकाम ॥ किधोस्येकामेंसमाम ॥ जुगतूकामनकिधुं ॥ सेनकुमर
पणिबोल्योंसीधु ॥ ८२ ॥ ती० ॥ कुलपरासवनसहाणो ॥ तिणेंअसूवरकार्य
कराणे॥ जाएयूहवशतूमपास ॥ दिक्षाषीतपसमहोयतास ॥ ८३॥ ती०॥ अ
पोजोग्यजोजाणो॥गुरुकहेयोग्यतणेंचिरगाणें॥जबाजोग्यसचार ॥किजेंव
घुकारयनीरधार॥ ८४॥ति०॥सेनकुमरकहेसार्थी सूणोअमात्यगुरुनुंबाचा॥अ
नुमतीघोतूम्हेंसारी॥बोल्योतामअमात्यविचारी॥ ८५॥ति०॥ विघनमहोयोरेतू
मनें॥आठदिवसचोमाग्यांअमनें॥अगाईमहोछवरेकीधो॥दानअतुलजावकर्ने
दीघो॥ ८६॥ती०॥राज्यठव्योनिजपुत्र॥अमरसेनराषेघरसूत्र॥सुसक्षणनेंगुसमा
रा॥शांतिमतीपणिसाथेंनारि॥ ८७॥ती०॥अमरगुरुमुखमती॥शकुनसवेअनुकु
लनीपंती॥हरीसेनगुरुनेंरेपासें॥दिक्षालेईनेंश्रुतअभ्यासे ॥ ८८॥ती०॥अनुक्रमे
सूत्रनेंकिरीया ॥ अर्थधरयोगुणदरीआ ॥ तुलनाजिनकल्पकेरी ॥ करेमु
रुआणालहीयसलेरी ॥ ८९॥ ती० ॥ पौचमकारनीतेह ॥ तपमें १ सूत्र २ अ
र्थ ३ गुणगेह ॥ एकांत ४ बल ५ पंचजाणो ॥ पागंतरविशेषरमाणो ॥ ९० ॥

ती॰ ॥ यत ॥ तवेणसूत्तेणअड़ेण ॥ एगतेणबलेणय ॥ तूलणापचहावुत्ता ॥ जिणकप्पपमीवज्ञउ ॥ १ ॥ अत्रपाठांतरविशेषावश्यके॥ तवेणसूत्तेणसत्ते एगत्तेणबलेणय ॥ इत्यादी ॥ तत्रभावनापञ्चधा ॥ पूर्वढाल ॥ पहेलीउपा सरामांहि ॥ विजीवाहिरधरतउगांहि ॥ त्रिजीचोकमांरहेता ॥ चोथीसुनाघर मांसहेंतां॥ए १॥ ती॰ ॥ पांचमीसमज्ञानेजाणाजासत्वभावनाइणीपरिपाय ॥ व हृतकलपमांविस्तार ॥ जोज्योइहांथायग्रंथअपार ॥ए २॥ ती॰ ॥ यत ॥ पढ माउवस्सयमी॥ बियावाहितईयाचउकमी॥ सुन्नहरमीचउत्ती ॥ तहपचमीया मसाणमी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ किधीतूलनारेश्म ॥ टालेसंगसहूस्यूश्रेम ॥ ग्रामे एकजरातिानगरेपञ्चरातीविख्यात॥ए ३ ॥ ति॰॥इकदिनविचरताआया॥ को ल्लागसन्निवेसेंमुनीराया ॥ काउसग्गरह्याएकठामें ॥ प्रणमोएमुनीनीत्यसीरना मि ॥ ए ४ ॥ ती॰ ॥ सातमेरवमेरेढाल ॥ वावीसमीसापीसूरञ्माल ॥ समरादि त्यनेंरास ॥ पद्मवीजयकहेवरीउल्लास ॥ ए ५ ॥ तिणे॰ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ राज्यविनाहवेरभवमे ॥ नामविसेनकुमार ॥ इणअवसरतिहांआवी उ ॥ घरतोद्वेषअपार ॥ ए ६ ॥ मुनीवरदीठमोटिका ॥ पणिकोईकर्मप्रमाण॥ कोपेंचित्तमाकलकल्यो ॥ वोलेइणिपरेवाणि ॥ ए ७ ॥ दिठेवलिदृष्टिकरी ॥ नहिमुझपापनोपारा॥अथवाआअवसरभलो ॥ एकाकीअवधारि॥ ए८ ॥ ए कातेंआयुधनही ॥ पोंचामुजमपाणि ॥ मनोरथपुरुमनतणा ॥ अथवामुझइ महाणि ॥ एए॥ निजकुलपुत्रनेंनिरखता ॥ कहोमारूकिणरीती ॥ वधकरस्यू भलीअवसरें॥ चाल्योइमधरीचित्त ॥७० ०॥ढाला॥पटोघरपाटीइपधारो ॥ एदे शी ॥ नवीकोईनेंव्यतीकरसाप्यो ॥ एद्वेषहैयामांराप्यो ॥ मुनीसमतारसचि त्तथाप्यो ॥ १ ॥ सवीजनवदिश्मुनीसावें ॥ जिमसव २ पातिकजावे ॥ स धि ॥ एआंकणी ॥ देवकुलपीठीकाइस्रुतो ॥ सूरजपेत्रांतरेंपोहोतो ॥ ययोरा तिनेंलागनिचतो ॥ २ ॥ स॰ ॥ गयोरवमगलेईमध्यरातें ॥ मुनीवरपासेएका तें ॥ ध्याननीश्चलमुनीवरध्याते ॥ ३ ॥ स॰ ॥ एकअरतीनेंबीजुअज्ञान ॥ ज्वल्योक्रोधनेंदिप्योमान ॥ काढ्युरवमगसूजंगसमान ॥ ४ ॥ स॰ ॥ कहे

सांसलिरेउराचार ॥ जिवलोकनयणेंअवधारि ॥ ऊंमारीसतूकमीरधार ॥ स०
॥ ५ ॥ ध्यांनमांनसूणेमुनीराय ॥ पणिवेभदेवीतिणेंगाय ॥ सुणेमुनिरा
णीचितलाय ॥ ६ ॥ स० ॥ विसेनकुमारनेंकोपी ॥ सम्मवाहिजबांधव
लोपी ॥ अपहरीलीइदोषआरोप ॥ ७ ॥ स० ॥ मस्योवसतिहजगामें ॥
कहेधिगुसक्केसपरीणाम ॥ अनार्यपणानोधाम ॥ ८ ॥ स० ॥ समतगुणि
अमुनीएह ॥ वासीचंदनसमदेह ॥ तेउपरिकीमकरेएह ॥ ९ ॥ स० ॥ तूंने
मुखनवीजोवुआर ॥ दयाआणीनेंमुक्योतिवार ॥ पणितिग्रकरमथयासहार ॥
॥ १० ॥ स० ॥ नगरणेंतेदेववचन्न ॥ फिरीमारणधाश्तन्न ॥ देवताईजाणीड
सपन्न ॥ ११ ॥ स० ॥ लोहीवमतोनाप्योतास ॥ मुनीअवमहजाण्योपास ॥
ऋोसनालहीउठ्योतास ॥ १२ ॥ स० ॥ अवमहथीकाढ्योबाहिरें ॥ मुक्यो
वनमाजईत्यारें ॥ अदृश्यथयादेवताज्यारे ॥ १३ ॥ स० ॥ पापनीपरणती
जुउमाहरी ॥ नविसकीउएहनेंमारी ॥ विसेनतेइमवीचारी ॥ १४ ॥ स० ॥
ईमकरतोरूद्रतेध्यान ॥ अमरषधरतोअज्ञान ॥ थयुनारकआयुबधाणसा०॥
॥ १५ ॥ असिनिवेशथीदृढथाय ॥ कर्मेकोईककालगमाय ॥ परीजनसऊ
नीजघरिजाय ॥ १६ ॥ स० ॥ पीताबऊसूषनीषमतो ॥ एकाकीमारगचाल
तो ॥ ष्योप्पीलाअटवीमांसमतो ॥ १७ ॥ स० ॥ सीह्नगम्रआवणनेंकाज ॥
मांससेलूकरेतसव्याज ॥ मार्योतिणेंविसेणराज ॥ १८ ॥ स० ॥ मरीछठीन
रगेंजायो ॥ मुनीआसातनफलपायो ॥ बावीससागरतसआयो ॥ १९ ॥ स० ॥
हवेसेनरायअणगार ॥ पालीसजमनीरतीचार ॥ करीसलेषणातजेआहार ॥
॥ २० ॥ स० ॥ प्रणमीवीतरागनापाय ॥ आवरेअणसणऊसगाय॥ प्रतीबधरहीत
नीरमाय ॥ २१ ॥ स० ॥ साधनाआराधीसार्वे ॥ देहपजरमुकीजावे ॥ नवमे
ग्रैवेयकेंआवे ॥ २२ ॥ स ॥ त्रीससागरआयुतास ॥ ईमसत्तमसवसुविला
स ॥ पितराईसाईपर्णेजास ॥ २३ ॥ स० ॥ सातमोकसोरवमरवास ॥ सवत
अढारबेताल ॥ जेठबदिछठेंभेवीसबाल ॥ २४ ॥ स० ॥ विजयसिंहसूरी
ससवाया ॥ सत्यविजयसूसीसगवाया ॥ सससीसकपुरकहाया ॥ २५ ॥

स० ॥ तसषीमावीजयगुरुराय ॥ जिनविजयवीबुधतसयाय ॥ सोसामीज नसुषदाय ॥२६॥ स० ॥ तससिसमांउत्तमवीजयो ॥ जगमाहिजसजसवी जयो ॥ जसनामप्रसार्तेलीजयो ॥ २७ ॥ स० ॥ समरादित्यनोएरास ॥ कहे पद्मविजयसुप्रकाश ॥ पुरेपासकल्याणजीआस ॥ २८ ॥ स० ॥ इतिश्री सविज्ञपक्षीयपमीत्तप्रवरश्रीमउत्तमविजयग० शिष्यप० पद्मवीजयग० विर चितेश्रीसमरादित्यचरीत्रेप्राकृतप्रबंधेसेनवीसेनपितृव्यभात्रौसप्तमोनरसव समाप्त ॥ तत्समाप्तौचसमाप्तोयंसप्तम खन्ड ॥ सप्तमखन्डेसर्वगाथा ॥ ॥ ७२८ ॥ श्लोक ॥ ६ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ਓ०॥ढहा॥ पासजिनेसरपायनमी ॥ समरीसरसतीमाय ॥गुणगावाकेकु तणा ॥ प्रेमेंप्रणमुपाय ॥ १ ॥ सातमोस्वमसोहामणो ॥ पुरवकरीसुरनाथ ॥
अद्भुतरवमहवेआठमो ॥ सांसलोसर्वसूजाण ॥ २ ॥ जंबुद्वीपमध्यजोयवो ॥
भरतपेत्रअसीराम ॥ सुरपुरीसमसोहामणी ॥ नयरीअयोध्यानाम ॥ ३ ॥
वनवाडीविहारेंकरी ॥ नित्यउछवआणंद ॥ जुवतीअमृतनेजिहां ॥ करतीसुखकंद ॥ ४ ॥ लावन्यउतपतीलेखिइ ॥ सूकसीलआगार ॥ जिनकी
धाल्यभकर्यवली ॥ विस्मयठाणवीचार ॥ ५ ॥ पुरुषगर्वपुरावसे ॥ सत्वपूचरीतउदार ॥ गुणपक्षपातीनेगुणी ॥ वचनतेसदेविचार ॥ ६ ॥ ढाल ॥ देशीकोयईनी ॥ दाननाव्यसनीलोकछेजेह ॥ लोसीजसलेवानेतेह ॥ परधनलेवामेंपांगला ॥ परस्त्रीदेपणनेआंधला ॥ ७ ॥ विकणकरवातेहअकाज ॥ मुक्षपरमांगणनेंकाज ॥ गुणमहवानोनहीसतोष ॥ मुगापारकालेवादोष ॥ ८ ॥ जिहांबधनतेधम्मीलेंहोय ॥ अथवाफूलबधाइजोय ॥ दमछमनेंकेमत्राय ॥ केहनोकयदिपकेंअथीवाद ॥ ९ ॥ मारसबदसोगठीनेंकहे ॥ निरदयपणकिहांस्वर्गेलहे ॥ लुहियांमदिरदिसेघणां ॥ गजसालाइकलहनहीमणां ॥ १० ॥
कोरणीमदिरमाहिघणी ॥ पणितिहांलोकनहीकोरणी ॥ मैंभीषवलनामेंतिहाराय ॥ राज्यलक्ष्मीपरेंकिर्तिसूहाय ॥ ११ ॥ नितीपरेंनहीदयाविहीन ॥ धर्मनेंकिधाछेदिन ॥ पद्मावतीपटराणीतास ॥ सूखसोगवेतेहस्युसुविलास ॥ १२ ॥
नवमाग्रैवेयकवासीदेव ॥ उपनोतेहनीकूखेंहेव ॥ विद्दुसूपनतिणेंपरसाम ॥ एकसरोवरतिणहीजराति ॥ १३ ॥ कमलसहीततेराजेघण ॥ मृत्यकरेमानुषिषीतण ॥ भमरसमुहगुंजारवकरे ॥ कालेंपषीरसांपरपरे ॥ १४ ॥ तरूअरमेणीधिक्रविन्नफरी ॥ एहउदरपेंउसचरी ॥ जागीससलाव्युसरतार ॥ सुपनेंपणियपयोहर्षअपार ॥ १५ ॥ पुत्रथास्येरायहससमान ॥ सूपकमलाकरसोगअमान ॥ सांसलीसतोषपामीनारी ॥ मणवरगसाधेसूखकार ॥ १६ ॥
अनुक्रमेंशुभमुहूरतशूभयोग ॥ सूखचीप्रसवेपुत्रनीरोग ॥ कमलपरेंकरपदसूकमाल ॥ वाधीशशिनबीजसूपाल ॥ १७ ॥ रायतणेंमनहर्षनमाय ॥ वि

वधामणीकरीयपशाय ॥ ढोमीदीडतीहांकारागार ॥ हरष्योजनपदचित्तउदा
र ॥ १८ ॥ आणदध्वजकिधांघरसिरें ॥ पुजावीरचावेपरपरें ॥ घरिघरि
वाजेमगलतूर ॥ रमणीगीतगाइससनुर ॥ १९ ॥ वधामणांलावेबक्रलोक ॥
नाचेतरूणीजननायोक ॥ रायदीइवक्रआदरतास ॥ कहेतूमकेरीटश्रीएघास ॥
॥२०॥बक्रआणदमांगयोएकमास॥विविधउछवकरतांउल्लास॥नामठवेगुणाच
दकूमार ॥ अनुक्रमेंकुमरसावलहेआर ॥ २१ ॥ सिखिकलाउअनेकप्रकार ॥
लेखगणीतआलेखवीचार ॥ नाटिकगीतनेंवाजित्रयुत ॥ होराकाव्यनेंआर्या
जुत्त ॥ २२ ॥ प्रहेलीकामागधीकाश्लोक ॥ देपीअचरीजपामेलोक ॥ शय
नविधींवीधीअन्ननेंपांन ॥ अष्टापदसमतालनुमांन ॥ २३ ॥ रमणीप्रतीक
र्म्मेलक्षणनारी ॥ पुरुषतणांलक्षणअवधारि ॥ हयगयगोणनेंकूकमतणां ॥ मेढ
लक्षणवलीजाणेंघणां ॥ २४ ॥ चक्रदमणीअसीनेंछत्र ॥ कागिणीचर्म्मेल
क्षणकहेवत्त ॥ चंद्रसूरराक्रनाचार ॥ मह्नाचारअनेंप्रतिचार ॥ २५ ॥ मंत्र
तंत्रयत्रकेरीवात ॥ व्युहप्रतीव्युहतणाअवदात ॥ खधाचारनांजाणेंमान ॥
नगरनीवेशजाणेतसंथान॥२६॥ हयगयसीक्षानेंघनुर्वेद॥धातुर्वादवलीमणीना
सेद॥बाक्रवध्मुठिअठिजुद्धावलितेजाणेंयुद्धनोयुद्धा॥सजीवनेंनीजिवउपाय॥ना
लिकाखेलशकुनरुतथाय॥२७ ॥ विषयप्रसगसमयआविउ॥पणिकलातणवा
चित्तसावीउ॥वलीआसनठेसिद्धिनांसूरका॥क्रिटकर्मउपसमीआंडरका॥ २८ ॥
कन्यारुपप्रकर्षनदिठ ॥ तिणेंतसविषयप्रसगअनीठ ॥ गुरुनेंउपजावलोआ
णद ॥ सार्येसाकरनाबक्रवद ॥ २९ ॥ नदनवनउपमवनमांहिं ॥ क्रिमाकरतो
अतीउछाहिं ॥ पुण्यतणफलइमसोगवे ॥ दानयाचकनेंबक्रउछवे ॥ ३० ॥
समरादित्यतणोएरास ॥ आठमेंखंमेंसिलघीलास ॥ पमीत्तउत्तमविजयनो
बाल ॥ पद्मविजयकहेपेहेलीढाल ॥ ३१ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ जिवविसेणनारकजिके ॥ उदवर्त्योंइणकाल ॥ ससरीउससारमां ॥
सहेतोडखअसराल ॥ ३२ ॥ अनतरसर्वेतिणेंआवरयु ॥ कष्टतयाविघकांया ॥
वैताढ्यवारुपरवतें ॥ अवतरीउतेआय ॥ ३३ ॥ रथनेंउरचक्रवालरम्य ॥ वि

॥दि०॥दुहा॥ पासजिनेसरपायनमी ॥ समरीसरसतीमाय ॥सुगुरुवचनमनधरी तणा ॥ प्रेमेंभणगुपाय ॥ १ ॥ सातमोस्वंमसोहामणो ॥ पुरषकरीछ्याम्य च्छेहुतरवर्गहवेच्आठमो ॥ सांसलोसर्वसूजाण ॥ २ ॥ जंबुद्वीपसखोभलो भरतषेत्रअसीराम ॥ सुरपुरीसमसोहामणी ॥ नयरीअयोध्यानाम ॥ मनवांमीविहारेंकरी ॥ नित्यउच्छवआणंद ॥ जुवतीअमृतजेजिहां ॥ कनकोत तीसूखकंद ॥ ४ ॥ लावन्यउतपतीलेषिइ ॥ सूरसीयश्यामाकार ॥ विपीकी थार्त्स्यप्रकर्षवली ॥ विस्मयठाणवीचार ॥ ५ ॥ पुरुषगर्वपुरावते ॥ धर्मपूर चरीतउदार ॥ गुणपक्षपातीनेगुणी ॥ धनवनतेवदेविचार ॥६॥ ॥ वेशीलोक ईनी ॥ दाननाव्यसनीलोकछेजेह ॥ लोसीजसलेवानेंतेह ॥ परधनलेवामेंपां गला ॥ परस्त्रीदेषणनेंआंधला ॥ ७ ॥ विकणकरवातेहअकाज ॥ मूकपरबा गणनेंकाज ॥ गुणमहवानोनहीसतोष ॥ मुगापारकालेवादोष ॥ ८ ॥ जि हांबंधनतेधर्म्मीलेंहोय ॥ अथवाफूलबधाइजोय ॥ दमछभनेंकेमआव ॥ ते हूनोक्ष्यदिपर्केंअवीवाद ॥ ९ ॥ मारसबदसोगठीनेंकहे ॥ निरवयपणुति हांरवमर्गेलहे ॥ वुहियांमदिरदित्रोघणां ॥ गजसालाइकलहनहीमणां ॥ १० ॥ कोरणीमदिरमांहिघणी ॥ पणितिहांलोकनहीकोरणी ॥ मेघीवलनामेंतिहांरा य ॥ राज्यलक्ष्मीपरेंकिर्तिसहाय ॥ ११ ॥ नितीपरेंनहींदयाविहीन ॥ शत्रु नेंकिधाछेदिन ॥ पद्मावतीपटराणीतास ॥ सूखसोगवेतेहस्युसुमीव्रास ॥ १२ ॥ नवमायैवेयकथासीदेव ॥ उपनोतेहनीकूखेंहेव ॥ विठुसूपनतिणेपरसात ॥ ए कसरोवरतिणहीजराति ॥ १३ ॥ कमलसहीततेराजेघणा ॥ नृत्यकरेमानु विचीतणा ॥ भमरसमुहगुंजारवकरे ॥ कांठेंपषीरसांपरपरे ॥ १४ ॥ तसअं रमेणीचित्रविद्याकरी ॥ एहउवरपेतुसघरी ॥ जागीससलाम्युसरतार ॥ सप नेंपणिपयोहर्षअपार ॥ १५ ॥ पुत्रथास्येरायहससमान ॥ सूपकमलाकर सोगअमान ॥ सांसलीसतोषपामीनारी ॥ भणवरगसाधेसूखकार ॥ १६ ॥ अनुक्रमेंशुसमुहूरतशुसयोग ॥ सूखमीप्रसवेपुत्रनीरोग ॥ कमलपरेंकरपद सूकमाल ॥ वाधीइदिनवीजंसूपाल ॥ १७ ॥ रायतणेंमनहर्षनमाय ॥ मित्र

करयणेंतरीजी ॥ ५५ ॥ निजनरसवलसूजाण ॥ जोवारूपविन्नाण ॥ सू० ॥ पुरषदिशोदिशमोकल्याजी ॥ ५६ ॥ सिषविउशणिरीति ॥रूपकलापरतीत ॥ सू० ॥ रतनवतीसमदेषज्योजी ॥ ५७ ॥ तेतेराजकुमार ॥ करीचित्रांमस फार ॥ सू० ॥ लावीमुझदेषामीइजी ॥ ५८ ॥ अद्भुतकोईविज्ञान ॥ पत्रछे दादीसमान ॥ सू० ॥ तेकौशल्यपणिदाषज्योजी ॥ ५९ ॥ तेपणिकरीयप्र माण ॥ गयादिशोदिशजाण ॥ सू० ॥ दिगन्टपसुतवझतिणेंजी ॥ ६० ॥ प णिनहीनारीनेंजोग ॥ पणिकायकजेलोग ॥सू० ॥ तेचिन्याचित्रामलाजी ॥ ॥ ६१ ॥ फिरताआव्यातेह ॥ नयरीअयोध्यानेह ॥ सू० ॥ दिठगुणचदकू मरनेंजी ॥ ६२ ॥ राधावेधविचार ॥ धनुरवेदप्रकार ॥ सू० ॥ कलाअल्या सतोदेषीतंजी ॥ ६३ ॥ विस्मयपाम्याचित्त ॥ रूपकलासूपवीत्त ॥ सू० ॥ कुअरनयरमांआविआजी ॥ ६४ ॥ राजकन्याअनुरुप ॥ पणिनलखाइ सरूप ॥ सू० ॥ एकजवारवलीदेषीतंजी ॥ ६५ ॥ आठमेंरवंमेढाल ॥ वि नीअतिहिरशाल ॥ सू० ॥ पद्मकहेश्रोताशुणोजी ॥ ६६ ॥ ॥ ८ ॥

॥ दूहा ॥ चित्रमतीबोल्योचतुर ॥ सूषणअदसूतसाल ॥ तेकहेदितुतोपरु ॥ एहमांनहीकोईआल ॥ ६७ ॥ पणिराणिउपदेशमो ॥ करीसकीइकहोकेम ॥ पमठदोनवीनिपजे ॥ अमनेंरवेदछेंइम ॥ ६८ ॥ चित्रमतीकहेसाचलू ॥ अ मनेंपणिएखेद ॥ पणिएहनीपासेंरही ॥ सणस्यूएहनोसेद ॥ ६९ ॥ रयणव तीपरेंनित्यरही ॥ प्रतिठदकरूपाण ॥ सूपणकहेएसावतू ॥ जोपणिउकरजा णि ॥ ७० ॥ चित्रमतीकहेचित्रकर ॥ रतनवतिनुरुप ॥ आलेपीनेंआपणे ॥ अद्भुतएहअनुप ॥ ७१ ॥ ढाल ॥ कालिनेपीलीवादली ॥ एदेशी ॥ चित्रका रसूतमिसथई ॥ जईमीलीइराजकुमार ॥ सूपणकहेरमोकसो ॥ मिलवानो एहप्रकार ॥ ७२ ॥ सलोसाप्योरे ॥ चित्तराप्योरे ॥ तूम्हवुधीतणोनवीपामीइ वरपार ॥ एआंकणी ॥ इमकरतांमालिमयस्ये ॥ रतनवतिउपरिकेहेवोराग ॥ नयरमांपेठाइमकरी ॥ पटआलेपीलेईपाग ॥ ७३ ॥ सलो० ॥ द्वारदेशेंगया जेतले ॥ तवरोक्यातसप्रतिहार ॥ ऊकमलहीमांहिमोकल्या ॥ तवआवीकरे

थाधरवरथाय ॥ अतीधावाणमतरईस्यु ॥ किधुअनुक्रमेंमाय ॥ ३३ ॥ का
ध्योवयेवीथाधरो ॥ रमतोरमतोरान ॥ मयणनदननामेंसई ॥ आवो
उद्यान ॥ ३४ ॥ तिहांआव्योतेनतपीऐ ॥ इणअवसरआवत ॥ गुरु
गुणीघणा ॥ चित्रकरणनिमित ॥ ३६ ॥ ढाल ॰ ॥ देखी ॥ दि
गेकुमरनेंजाम ॥ पापउदयथयोताम ॥ सूवरलाल ॥ ततवीणकोपें
जी ॥ ३७ ॥ चितवेचित्तस्युइम ॥ एपापीईहांकेम ॥ सू॰ ॥ कु
यकदेषीइजी ॥ ३८ ॥ इहांकरवोस्योविचार ॥ माहुएवूटआचार ॥ सुं ॥
ध्योनिकटकूमरनेंजी ॥ ३९ ॥ कुमरनीहदिमांतेह ॥ आवीनअव्योएह ॥
सू॰ ॥ तवचितेइहारहीइणजी ॥ ४० ॥ रहीअदृश्यप्रकार ॥ विद्यासि
र ॥ सू॰ ॥ सीपणसर्वेसेपवुजी ॥ ४१ ॥ सहजेंतजस्येप्राण ॥ इमकरी
इअजाए ॥ सू॰ ॥ शस्त्रकरयोसैरवघणोजी ॥ ४२ ॥ वज्रप्रहारेंजेम ॥ फू
टेगिरीवरतेम ॥ सू॰ ॥ तोहिकुमरकोस्यानहीजी ॥ ४३ ॥ भिन्न
हांकोस ॥ तेहनेंकरीथीरयोस ॥ सू॰ ॥ कोप्योअतीवाणमतरोजी ॥ ४४ ॥
अहोधीरजइणिकिध ॥ पापीइष्टप्रसीद ॥ सू॰ ॥ फेरीपराक्रमवापवुजी ॥
॥ ४५ ॥ कपनपादपनाम ॥ करीनाप्योसिरठाम ॥ सू॰ ॥ कुमरपुण्येंदूरे
पम्योजी ॥ ४६ ॥ वाणमतरवूसाय ॥ चिताइणिपरेंथाय ॥ सू॰ ॥ अहो
पापीशकतीघणीजी ॥ ४७ ॥ अधीककरेमनषेद ॥ ईणअवसरिथयोसेद ॥
सू॰ ॥ खेत्रपालतिहदिवताजी ॥ ४८ ॥ वाणमतरएदेव ॥ गमनरतीशुसदे
व ॥ सू॰ ॥ तेदेषीबीइनोघणजी ॥ ४९ ॥ विद्यानुबलअल्प ॥ नागोतेहनो
जल्प ॥ सू॰ ॥ विद्याधरवाणमतरोजी ॥ ५० ॥ आव्यानयरमझारि ॥ तेमुध
चदकूमार ॥ सू॰ ॥ ईणिअवसरिउत्तरापथेंजी ॥ ५१ ॥ पाटणसंपपुरमाय ॥
अपायनतिहांराय ॥ सू॰ ॥ कांतिमतीतससारयाजी ॥ ५२ ॥ पुअस्त
नवतीतास ॥ मुनीपणपामेंपास ॥ सू॰ ॥ रुपमनोहररतीसमीजी ॥ ५३ ॥
कलाजावण्यनिधान ॥ मरीचिताअसमान ॥ सू॰ ॥ विधीइपमठोकेनवीय
म्योजी ॥ ५४ ॥ चितवेंइणीपरेंमाय ॥ घोलावुधुसगाय ॥ सं॰ ॥ प्रचवीय

ऊरयर्णेसरीजी ॥ ५५ ॥ निजनरसवलसूजाण ॥ जोवारूपविन्नाण ॥ सू० ॥ पुरषदिठोदिठमोकल्याजी ॥ ५६ ॥ सिषविउर्शणिरीति ॥ रूपकलापरतीत ॥ सू० ॥ रतनवतीसमदेषज्योजी ॥ ५७ ॥ तेतेराजकुमार ॥ करीचित्रांमस फार ॥ सू० ॥ लावीमुज्फदेषामीइजी ॥ ५८ ॥ अद्भुतकोईविज्ञान ॥ पत्रडे दादीसमान ॥ सू० ॥ तेकौउहस्यपणिदाषज्योजी ॥ ५९ ॥ तेपणिकरीयम माण ॥ गयादिठोदिठजाण ॥ सू० ॥ दिठानृपसुतवऊतिर्णेजी ॥ ६० ॥ प णिनहीनारीनेंजोग ॥ पणिकांयकजेलोग ॥ सू० ॥ तेचिव्याचिम्रामभाजी ॥ ॥ ६१ ॥ फिरताआव्यातेह ॥ नयरीअयोध्यानेह ॥ सू० ॥ दिठेगुणचवकु मरनेंजी ॥ ६२ ॥ राधावेधविचार ॥ धनुरवेदप्रकार ॥ सू० ॥ कलाअल्या सतोदेषीउंजी ॥ ६३ ॥ विस्मयपाम्याचित्त ॥ रूपकलासूपवीत्त ॥ सू० ॥ कुअरनयरमाआविआजी ॥ ६४ ॥ राजकन्याअनुरुप ॥ पणिनलखाइ सरूप ॥ सू० ॥ एकजयारवलीदेषीउंजी ॥ ६५ ॥ आठमेरखंमेढाल ॥ वि जीअतिहिरसाल ॥ सू० ॥ पद्मकहेश्रोतासुणोजी ॥ ६६ ॥ ॥ ८ ॥

॥ दुहा ॥ चित्रमतीवोल्योचतुर ॥ सुषणअदसूतसाजि ॥ तेकहेदिठुतोपरु ॥ एहमांनहीकोईआज ॥ ६७ ॥ पणिराणिउपदेशमो ॥ करीसकीश्कहोकेम ॥ पत्रदोनवीनिपजे ॥ अमनेंरखेदढेश्म ॥ ६८ ॥ चित्रमतीकहेसाचसू ॥ अ मर्नेपणिएखेद ॥ पणिएहनीपासेंरही ॥ सणस्यूएहनोत्तेद ॥ ६९ ॥ रयणव तीपरेंनित्यरही ॥ प्रतिछदकरूपांण ॥ सूषणकहेएसावतू ॥ जोपणिडु करजा णि ॥ ७० ॥ चित्रमतीकहेचित्रकर ॥ रतनवतिनुरुप ॥ आलेपीनेंआपणे ॥ अद्भुतएहअनुप ॥ ७१ ॥ ढाल ॥ कालिनेपीलीवादली ॥ एदेशी ॥ चित्रका रसूतमिसथई ॥ जईमीलीइराजकुमार ॥ सुषणकहेरुमोकसो ॥ मिलवानो एहप्रकार ॥ ७२ ॥ सलोसाप्योरे ॥ चित्तराप्योरे ॥ तुम्हबुधीतणोनवीपामीइ वरपार ॥ एआंकणी ॥ श्मकरतांमालिमथस्ये ॥ रतनवतिउपरिकेहेवोराग ॥ नयरमांपेगश्मकरी ॥ पटआलेपीलेईपाग ॥ ७३ ॥ सलो० ॥ द्वारदेशेंगया जेतले ॥ तवरोक्यातसप्रतिहार ॥ ऊकमलहीमांहिमोकल्या ॥ तवआवीकरे

नमस्कार ॥ ७४ ॥ सलो० ॥ आणाथीवेसीहवे ॥
देषाडीकहेइणिपरें ॥ आपपुरथीआव्याअम्हेसयण ॥ ७५ ॥ सलो० ॥
गुणसांसलीआवीआ ॥ दिगाजेहवासूण्याकान ॥ पृथवीनाथतुम्हेकहे ॥
अमचानाथराजान ॥ ७६ ॥ सलो० ॥ चित्रनोलवभमेजाणीइ ॥ नेतुमचउ
सत्तिप्रसाव ॥ चित्रनोपटदेषीकहे ॥ गुणचद्रकुमारतेताव ॥ ७७ ॥ सलो० ॥
एहकलानोलवकहो ॥ केहवीसपूरणहोय ॥ चित्रकर्म्मएहउपरि ॥ जगमांय
वीदिठेंकोय ॥ ७८ ॥ सलो० ॥ कोईइनदिठेएहवो ॥ रेखाकेरोविन्यास ॥
मृगनयणीएदक्षिणकरे ॥ शतपत्रधरयुसुविलास ॥ ७९ ॥ सलो० ॥ मनमथ
घरिणीमानुचित्रमां ॥ रहेतीहगतिभ्रमचित्त ॥ दानवमानववेवनां ॥ एहवी
नारीहोइकिमभित्त ॥ ८० ॥ सलो० ॥ रूपलावण्यरतीसमु ॥ तुमेनीपुरुष
एकरयुजोर ॥ कलाअधीकथीमाहराए ॥ चितमातएकठेथोर ॥ ८१ ॥ स
लो० ॥ तेहकहेनीपजावीइरे ॥ विधीइजेतेलिखाय ॥ तोअमनीपुणाईपणं ॥
कहोकेहीपरेंदेषणाय ॥ ८२ ॥ सलो० ॥ कुमरकहेमुखहरषते ॥ तुमेकिहां
दिठुएरूप ॥ त्रिभुवनविस्मयउपजे ॥ तेसाथोतांससरूप ॥ ८३ ॥ सलो० ॥
तेकहेसांसलोकुमरजी ॥ सखपुरेंसखायनराय ॥ तेहनीएकुम्मरी ॥ रंस
पणिहारीजाय ॥ ८४ ॥ सलो० ॥ रतनवतीनामेंकरी ॥ कदर्पमहोगवगोदि
ठ ॥ अपानेंबेठीयकी ॥ शिरछत्रधरयुसुविसीठ ॥ ८५ ॥ सलो० ॥ वळसती
उइपरीवरी ॥ दक्षिणकरकमलविशेष ॥ जोईनेंपोहोताघरे ॥ किधोसंसारी
आलेख ॥ ८६ ॥ सलो० ॥ पणितसरूपसुदरपणु ॥ विश्वकर्म्माइनलिखा
य ॥ तोमुरषजनेंवषनथी ॥ कहोकिणीरीतेंकहेवाय ॥ ८७ ॥ सलो० ॥ मद
नवसेंगुणचद्रजी ॥ थयापणिगोपविआकार ॥ कहेकांयपश्नउत्तरकहो ॥
तवबोल्यातेहविचार ॥ ८८ ॥ सलो० ॥ स्यूदिइकामिनीरूपनम्या ॥
विषधरकरेकांय ॥ चद्रमानीजकीरणेंकरी ॥ स्यूथवलकरेकहोराय ॥ ८९
॥ सलो० ॥ एकेशब्देंब्यारनो ॥ उत्तरकरबोकहोतेह ॥ महमणासोयकहे ॥
गुणचंदकुमरपरीमेह ॥ ९० ॥ सलो० ॥ चित्रमतिकहेसाहिवा ॥ तुमकहण

बेगअतीआर ॥ कुमरकहेबिजुकहो ॥ कांयप्रणतेअतिहिंउदार ॥ ए१ ॥
॥ सलो० ॥ बोल्योविलासबुधीतदा ॥ स्यूरथमांहोयप्रधान ॥ बुधीबलेंकुणलो
कमां ॥ जितेघरतोअसीमांन ॥ ए२ ॥ सलो० ॥ स्यूकरतीबालाकहो ॥ ने
उरनोशब्दकरंत ॥ हसीतषदनकुमरतदा ॥ चक्रमतीइमषदत ॥ ए३ ॥ स०॥
अहोअतीसयतूमबुधीनो॥ ईत्यादिकप्रष्णजबाप॥सूषणप्रमुषनावालीआ॥स
फरीध्यानीजचित्तआप ॥ ए४ ॥ सलो० ॥ पयविस्तारनासयपकी ॥ नवी
कीधोइहांपरपच ॥ कुअरपणिपरमोदयी ॥ अग२थयोरोमांच ॥ ए५ ॥
॥ सलो० ॥ धनदेवनामसमारीनें ॥ करेक्रकमतेलाखदिनार ॥ आपोइणिपरें
सासली ॥ करीतहत्तिनेंकरेविचार ॥ ए६ ॥ सलो० ॥ सोदाकुमरदानेसरी ॥
नविलाखविनादिइंदांन ॥ पणिनवीजाणेंकेहवु ॥ लाखकेरूहोस्येमान ॥
॥ए७ ॥ सलो० ॥ कुमरनेंआगेंढगकरुं ॥ तवजाणेंलाखप्रमाण ॥ फिरीथो
भास्येककाममां ॥ नवीसापेएहवीआणि ॥ ए८ ॥ सलो० ॥ इमविचारीढग
कस्यो ॥ तबपुछेएस्यूकुमार ॥ तेकहेचित्रकरसूतसणी ॥ देवराव्युदानतेसा
र ॥ एए ॥ सलो० ॥ कुमरविचारेएहनें ॥ सासेछेदानअपार ॥ तिणेंढगमुझ
देषावीनें ॥ कहेछेजेदाननीवार ॥ १०० ॥ सलो० ॥ जाणेछेइमधनतणो ॥
हलुइ २ होइनास ॥ पणिएहनीजुउंमुळता ॥ एकांतिवासनीआशि ॥ १ ॥
सलो० ॥ त्रिजीआठमाखन्नी ॥ कहीपद्मविजयवरढाल ॥ वलिकुमरनांच
पणमां ॥ सुणज्योसवीरगरसाल ॥ २ ॥ सलो० ॥ ॥ ९ ॥ ॥थ॥
॥ दुहा ॥ जिवसार्येजार्येनहीं ॥ अगनिचोरअवनीस ॥ साधारणएसपदा ॥
कहोनवीदीजेंकिस ॥ २ ॥ अंतेदिइअपकारए ॥ तिणेंदेवुंतेतथ्य ॥ लापअस
पएलेपीर ॥ परसवनुनहीपथ्य ॥ ४ ॥ आसवमांपणिएहनें ॥ दानलापएदो
य ॥ पोहचेनहीपुरुतिणें ॥ अपरआपवुहोय ॥ ५ ॥ उत्तुनहोइअर्यमा ॥ देता
यक्रपरेंदान ॥ पुण्यवधेप्राणीतणा ॥ एहजगुणअसमांन ॥ ६ ॥ दानसो
गनवाटिर ॥ करीइअनेकप्रकार ॥ रापिपणिरहेस्येनही ॥ पापतणेंपरकार ॥
॥ ७ ॥ प्रतिबोधीस्यूंएपढें ॥ ध्यथवाएहउपाय ॥ समझावणनोसर्वथा ॥ ग

नमस्कार ॥ ७४ ॥ सलो० ॥ आणाथीवेसीहवे ॥ परकाव्योहरषीलकरानी
देषामीकहेशणिपरें ॥ आपपुरथीआव्याअम्हेसयण ॥ ७५ ॥ सलो० ॥ तुम्ह
गुणसांसलीआवीआ ॥ विगजेहवासूण्याकान ॥ पृथ्वीनाथतूम्हेमले ॥ अ
अमचानाथराजान ॥ ७६ ॥ सलो० ॥ चित्रमनोलवअनेजाणीइं ॥ नेतूनप
सत्तिप्रसाव ॥ चित्रनोपटदेषीकहे ॥ गुणचद्कुमारतेताव ॥ ७७ ॥ सलो० ॥
एहकलानोलवकहो ॥ केहवीसपूरणहोय ॥ चित्रकर्म्मएहउपरि ॥ जगमांन
वीदिसेंकोय ॥ ७८ ॥ सलो० ॥ कोईश्नदिगेएहवो ॥ रेखाकेरोविन्यास ॥
मृगनयणीएवदक्षिणकरे ॥ शतपत्रघरयुसुविलास ॥ ७९ ॥ सलो० ॥ चमप
घरिणीमानुचित्रमां ॥ रहेतीहगतिभ्रमचित्त ॥ दानमानवदेवमां ॥ स्त्री
नारीहोशकिममित्त ॥ ८० ॥ सलो० ॥ रूपलावण्यरतीसमु ॥ तुमेनीभुगप
णकरयुजोर ॥ कलाअघीकथीमाहराए ॥ चितमातणकेषोर ॥ ८१ ॥ स
लो० ॥ तेहकहेनीपजावीउरे ॥ विधीश्जेतेलिखाय ॥ तोअमनीपुणाईपणे ॥
कहोकेहीपरेंवषणाय ॥ ८२ ॥ सलो० ॥ कुमरकहेमुखहरषते ॥ तुमेकिहां
दिठुएरूप ॥ त्रिसूवनविस्मयउपजे ॥ तेसाषोतासरूप ॥ ८३ ॥ सलो० ॥
तेकहेसांसलोकुमरजी ॥ सखपुरेंसखायनराय ॥ तेहनीएकुअरी ॥ रंस
पणिहारीजाय ॥ ८४ ॥ सलो० ॥ रतनवतीनामेंकरी ॥ कदर्पमहोत्वगोषि
ठ ॥ जपानेंबेठीथकी ॥ शिरछत्रघरयुसुविसीठ ॥ ८५ ॥ सलो० ॥ बकुसखी
उश्परीवरी ॥ वदक्षिणकरकमलविशेष ॥ जोईनेंपोहोताघरे ॥ किधोससारी
आलेख ॥ ८६ ॥ सलो० ॥ पणितसरूपसुंदरपणि ॥ विश्वकर्म्माइमभिखा
ग्य ॥ तोमुरपजनेंवषनथी ॥ कहोकिणीरीतेंकहेवाय ॥ ८७ ॥ सलो० ॥ नव
नवसेंगुणचद्रजी ॥ थयोपणिगोपविभाकार ॥ कहेकांयप्रश्नउत्तरकहो ॥
तवबोल्यातेहविचार ॥ ८८ ॥ सलो० ॥ स्यूदिश्कामिनीकूणनम्या ॥ हरनें
विषधरकरेंकांय ॥ चद्मानीजकीरणेंकरी ॥ स्यूथवलकरेकहोराय ॥ ८९
॥ सलो० ॥ एकेंशब्देंध्यारनो ॥ उत्तरकरवोकहतिह ॥ महगणासोयकहे ॥
गुणचदकुमरधरीनेह ॥ ९० ॥ सलो० ॥ चिषमतिकहेसाहिबा ॥ तुमकहय

तामकुमार ॥ जननीजनकनाचरणनेरे ॥ प्रणम्याविनयप्रकाररे॥ २५ ॥ प्रा० ॥ माविर्त्रेवङ्गमानीउंरे ॥ गयानीजवाससुवन्न ॥ आविनिद्राअवसरेरे ॥ रतनवतीस्युंमन्नरे ॥ २६ ॥ प्रा० ॥ प्रातसमयदिठुसूपनमांरे ॥ दिव्यकुसुमनीमाल ॥ आपीकोईकईमकहेरे ॥ स्योएअतीगुणमालरे ॥ २७ ॥ प्रा० ॥ तुममनगमतीएहछेरे ॥ सासलीघरीनीजकठ ॥ तूरप्रसातनावाजित्रारे ॥ जाग्योधरीउतकठरे ॥ २८ ॥ प्रा० ॥ कालनीवेदीवोलीउंरे ॥ करतोतिमीरविनास ॥ चक्रवाकडुखटालतोरे ॥ करतोरवीसुप्रकासरे ॥ २९ ॥ प्रा० ॥ इत्यादिकसुणीहरषीउंरे ॥ रतनवतीनोलाह ॥ अन्यथासुपननपरीणमेरे ॥ मगलशब्दथानाहरे ॥ ३० ॥ प्रा० ॥ तुरतमीलीजोईइहवेरे ॥ एहनीमीत्तप्रसाव ॥ गुरुपदवदनप्रमुखजेरे ॥ आवश्यककरेतामरे ॥ ३१ ॥ प्रा० ॥ जनकादिकप्रणमीकरीरे ॥ वेगजवनिजठाय ॥ आव्यामित्रवलिएहवेरे ॥ गोष्टिचतुर्यगुणथायरे ॥ ३१ ॥ प्रा० ॥ विद्यालबुद्धिवोल्यो ॥ यत ॥ सुरयरमणस्सरईहरे ॥ णिसंबसमिरवघुघूयकरगा ॥ तरकणवत्तविवाहा ॥ पूर्वढाल ॥ कुमरकहेफिरीसाषीरे ॥ फिरीसाष्युतिणेजाम ॥ ततषीणपदतिहांपुरीउरे ॥ रमणनीवारेआमरे ॥ ३३ ॥ प्राणी ॥ चतुर्थपदयथा ॥ रमणरसकरनिवारेई ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ विद्यालवुध्किकहेरुयमुरे ॥ पुस्युपदतुमेस्वामी ॥ चित्रमतीकहेमाहरुरे ॥ पुरोपदईणगमिरे ॥ ३४ ॥ प्राणी ॥ यत ॥ सावियरईसाररसा ॥ समाणितुमुकवहलसिकारा ॥ नतरइविवरीयरय ॥ कुमरवोल्यायथा ॥ णियवसारालसासामा ॥ २ ॥ सूपणवोल्यो ॥ विउलमीमउलियठी ॥ घणविस्सस्स्ससामिणीसचिर ॥ विवरीयसूरयसहीया ॥ कुमरवोल्या ॥ विसमईउरम्मिरमणस्स ॥ ३ ॥ पूर्वढाल ॥ ईमकरतांतिहांआवीउरे ॥ कहेइणिपरेप्रतिहार ॥ सूपवोलावेतुम्हतणीरे ॥ रहेवानीपरीवाररे ॥ ३५ ॥ प्रा० ॥ अनुक्रमेंकुमरगयातिहांरे ॥ अश्वखेलाध्याजोर ॥ आव्यानीजआवासमारे ॥ ओपकत्यकरेगेरे ॥ ३६ ॥ प्रा० ॥ इमविनोदकरतायकारे ॥ केईदिवसवहीजाय ॥ एकदिनरतनवतितणेरे ॥ रुपआलेखकरायरे ॥ ३७ ॥ प्रा० ॥ चोयीआठ

वुश्मगराय ॥ ८ ॥ एस्युलाषतेएतला ॥ अठपजविशेषाम ॥ वोपकारी
दिजीइ ॥ तहत्तिसएँनेताम ॥ ९ ॥ चित्रमतिसूषणषिते ॥ चितवांकेविचा
र ॥ अहोउदारताएहनी ॥ अहोबुद्धिप्रवधारि ॥ १० ॥ इहांसोरंगी
एमीकुमरनापाय ॥ धनमोकलेधारीकरी ॥ जोरआवावेजाय ॥ चित्र
मतीसूषणचतूर ॥ ११ ॥ ढाल ॥ कपुरहोइअतीउजलोरे ॥ एदेशी ॥
कालनिवेदीवयणथीरे ॥ श्रीगुणचदकुमार ॥ जाणिमध्याह्नेउगीआरे ॥ का
यमद्धनघरद्धारिरे ॥ १२ ॥ प्राणीपुण्यतणाफलजोय ॥ पुण्यथीसवीसलहे
यरे ॥ प्राणी० ॥ एआंकणी ॥ कनकफलसगघोदिकेरे ॥ मज्जनप्रमुखआवे
स ॥ कामकरेचित्तईछतोरे ॥ रतनवतीसुवीशेषरे ॥ १३ ॥ प्राणी० ॥ एकदि
शआरसोरे ॥ चितवेअहोसानारि ॥ कन्याछेएकारणेरे ॥ करवोएहस्यूप्यार
रे ॥ १४ ॥ प्राणी० ॥ तेहमांउपणकोनहीरे ॥ इणेअवसरेसक्रमीच ॥ विम
लबुद्धिप्रमुषआवीआरे ॥ माभ्योविनोदसुचित्तरे ॥ १५ ॥ प्रा० ॥ विद्याधर
विद्याधरीरे ॥ आलेष्याअदभूत ॥ नवनवांआसूषणरच्यारे ॥ देषाम्येआकूतरे
॥ १६ ॥ प्रा० ॥ असीनवनेहनेसूचवेरे॥ दृष्टिपरस्परस्नेह॥ प्रेमआरोपोप्रम
मारे ॥ दिसेपरगटतेहरे ॥ १७ ॥ प्रा० ॥ चित्रमतीसूषणतवारे॥ आव्यातेह
जठाम ॥ दिठकुमरनीरषतारे ॥ षेचरयुग्मअसीरामरे ॥ १८ ॥ प्रा० ॥ मुखी
इषरमन्यमकरवलीरे ॥ देषीप्रणमीतेह ॥ कहेएस्यूमहाराजीआरे ॥ कुमरकहे
जुउएहरे ॥ १९ ॥ प्रा० ॥ वेषीचमक्यासित्तमारे॥ सर्वकलासावधान॥ चि
त्रमांसावदेषाडवोरे ॥ मुसकलछेतेहतानरे॥२०॥प्रा०॥ चित्रसालमांइमक
हेरे ॥ जासनलहीइचरीत्र ॥ वातकलाविणचित्रनोरे ॥ जाणीइसावपवीत्ररे॥
॥ २१ ॥ प्रा० ॥ तेहजचित्रकरचुरकलोरे ॥ इणसमेंमयोवीयाल ॥ कालनी
वेदीबोलीउरे ॥ सध्यासमयससालिरे ॥ २२ ॥ प्रा० ॥ सध्याउपरिनेहथीरे ॥
अस्ताचलरवीजाय ॥ सकेतथानकनीपरेरे ॥ सुरगीरीगुजमांगयरे ॥ २३ ॥
॥प्रा० ॥कुसुमसुगधतेविस्तर्योरे ॥ पुजेरमणीअनग॥ दिपज्योतीपरमठयई
रे ॥ सांसलीतेहसूरंगरे ॥ २४ ॥ प्रा० ॥ गुरुपदनमनसमयथयोरे ॥ उपा

तामकुमार ॥ जननीजनकनाचरणनेरे ॥ प्रणम्याविनयप्रकाररे ॥ २५ ॥ प्रा० ॥ माविर्भेवक्रमानीउरे ॥ गयानीजवाससूवन्न ॥ आविनिद्राअवसरेरे ॥ रतनवतीस्युंमन्नरे ॥ २६ ॥ प्रा० ॥ प्रातसमयदिठुसूपनमारे ॥ दिव्यकुसुमनीमाल ॥ आपीकोईकईमकहेरे ॥ ल्योएअतीशुकमालरे ॥ २७ ॥ प्रा० ॥ तुममनगमतीएहछेरे ॥ सांसलीघरीनीजकठ ॥ तूरप्रसातनांवाजिआरे ॥ जाग्योधरीउतकठरे ॥ २८ ॥ प्रा० ॥ कालनीवेदीवोलीउरे ॥ करतोतिमीरविनास ॥ चक्रवाकडखटालतोरे ॥ करतोरवीसूप्रकासरे ॥ २९ ॥ प्रा० ॥ इत्यादिकसुणीहरषीउरे ॥ रतनवतीनोलाह ॥ अन्यथाशुपननमरीणमेरे ॥ मगलशब्दशनाहरे ॥ ३० ॥ प्रा० ॥ तुरतमीलीजोईशहवेरे ॥ एहनीमीत्तप्रसाव ॥ गुरुपदवदनप्रमुखजेरे ॥ आवश्यककरेतावरे ॥ ३१ ॥ प्रा० ॥ जनकादिकप्रणमीकरीरे ॥ वेगजवनिजगाय ॥ आव्यामित्रवलिएहवेरे ॥ गोटिचतुर्थगुळ्यायरे ॥ ३२ ॥ प्रा० ॥ विशालबुद्धिवोल्यो ॥ यत ॥ सुरयरमणस्सरईहरे ॥ णिसंवसमिरवघुघूयकरगा ॥ तरकणवत्तविवाहा ॥ पूर्वढाल ॥ कुमरकहेफिरीसाषीइरे ॥ फिरीसाप्युतिर्णेजाम ॥ ततषीणपदतिहांपुरीउरे ॥ रमणनीवारेआमरे ॥ ३३ ॥ प्राणी ॥ चतुर्थपदंयथा ॥ रमणस्सकरनिवारेई ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ विशालवुद्धिकहेरूयकुरे ॥ पुस्यूपवतुमेस्वामी ॥ चित्रमतीकहेमाहरुरे ॥ पुरोपदईणगमिरे ॥ ३४ ॥ प्राणी ॥ यत ॥ सावियरईसाररसा ॥ समाणितुमुक्कवहलसिक्कारा ॥ ननतरशविवरीयरय ॥ कुमरवोल्यायथा ॥ णियवसारालसासामा ॥ २ ॥ सूपणवोल्यो ॥ विउलमीमउलियठी ॥ घणविस्सस्ससामिणीसूचिर ॥ विवरीयसूरयसहीया ॥ कुमरवोल्या ॥ विसमईउरम्मिरमणस्स ॥ ३ ॥ पूर्वढाल ॥ ईमकरतांतिहांआवीउरे ॥ कहेशणिपरेप्रतिहार ॥ सूपबोलावेतुम्हसणीरे ॥ रहेवामीपरीवाररे ॥ ३५ ॥ प्रा० ॥ अनुक्रमेकुमरगयातिहांरे ॥ अश्वखेलाव्याजोर ॥ आव्यानीजआवासमरि ॥ शेषकृत्यकरेगेरेरे ॥ ३६ ॥ प्रा० ॥ इमविनोदकरतायकरि ॥ केईदिवसवहीजाय ॥ एकदिनरतनवतितणरि ॥ रुपआलेखकरायरे ॥ ३७ ॥ प्रा० ॥ घोषीआठ

माखमभारे ॥ पद्मविजयकहीढाल ॥ समराविस्यमारासनरि ॥ [illegible]
लमालरे ॥ १८ ॥ भा८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ [illegible]
॥ डुहा ॥ रतनवतीनारूपमां ॥ परवसथयोअपार। उत्सुकजो[illegible]
नयनेंतेनीरधार ॥ [illegible] ॥ हेगिलिखीगाहावली ॥ [illegible]
आय ॥ सूपणचित्रमतीसखा ॥ चित्रजुअचितलाय ॥ [illegible] ॥ [illegible]
चीतदा॥गाहागुणसमारा॥धन्यकूअरीनृपनीघुआ॥करेजसथा[illegible]कुमार ॥ [illegible]
अचरीजअथवानहीश्हा ॥ जेवकुमानवाजोग ॥ देवीनेंजईवाधीई ॥ [illegible]
लीउंसजोग ॥ ३२ ॥ बुध्वितववोलीउं ॥ चित्रमतीचीतलाय ॥ [illegible]
अपूर्वछे ॥ अहोमुकअचरीजथाय ॥ ३३ ॥ दिगविणएवायवी ॥ सूपको
ह्योसाय ॥ एतादृशछेएहमां ॥ कूमनविलिखीउकाय ॥ [illegible]
हनमनमोहनपावनदेहमीजी ॥ [illegible] ॥ श्णेअवसर २ प्रतिहारआवीउंजी
नृपसाथ्यु २ तेमृणीश्कुमारहो ॥ विश्वसूती २ मधरबआवीउंजी ॥ तुम[illegible]
सण २ नोधरेप्यारहो ॥ ३५ ॥ स्वामीअरज २ सूणोएकअमतणीजी ॥ [illegible]
आंकणी ॥ कहेकुअर २ तेमोकलोवेगस्युजी ॥ तिणेमुक्यो २ [illegible]
हो ॥ करीमुजरो २ नेंपासेंउपविसेजी ॥ कहेसुणि २ [illegible]तेआमहो ॥ [illegible]
स्वा० ॥ नृपसाथे २ अणिपरेंतुम्हसणीजी ॥ गधर्व २ विचारसंदेहहो ॥ [illegible]
उ २ तेगुणचन्द्रटालस्येजी ॥ सुणिहसीआ २ कूमारतेरेहहो ॥ [illegible] ॥ स्वा०
सुतनोजुउ २ रागतेकेतलोजी ॥ विश्वसूती २ बोलेतचश्महो ॥ गुणआ[illegible]
जाणेपथिनहीजी॥सुतमाजे२नृपनोप्रेमहो ॥ [illegible] स्वा० ॥ चित्रमति[illegible]
घणवोयकहेजी ॥ परीवात २ कहीछेएणहो ॥ कहेकुमर २ चालोआणां[illegible]
जी ॥ उठिचाल्या २ चित्रश्जेणहो ॥ ४६ ॥ स्वा० ॥ विद्धहरप्या[illegible] नि[illegible]
सपनेंगयाजी ॥ नवीकेहेवु २ कुमारनेंकांयहो ॥ विज्ञान २ कुमरतु[illegible]
वीनेंजी ॥ कहेसूपण २ चालोगयहो ॥ [illegible] ॥ स्वा० ॥ चित्रमतिक[illegible]
कहीनेंजायतांजी ॥ स्युमाड २ तबकहेनेहहो ॥ नवीजाणा २ दिशुबने[illegible]
नेंजी ॥ चित्रमईकहे २ साचुएहहो ॥ [illegible] ॥ स्वा० ॥ आखेप्युं[illegible]

मारनुजी ॥ कुमरेजे २ लिखितहाथिहो॥ अयोध्या२मांहियीनीकल्याजी ॥ छेईविक्रइ २ पट्टिकासाथिहो ॥ ५२ ॥ स्वा० ॥ आषपुरीइ २ पोहताअनुं क्रमेंजी ॥ कसोधुरथी २ कूमरवृत्तांतहो ॥ सुणीराणी२विक्रूपदेषीनेंजी ॥ चित्तहरषी २तेहएकांतिहो ॥ ५३ ॥ स्वा० ॥ दानदिघु२ताससंतोषनुजी ॥ रुपजोईर करयविचारहो ॥ अहोरूप२अवस्थानकेहवुजी ॥ अहोअतीअ य२देहआकारहो ॥ ५४ ॥ स्वा० ॥ रत्नवतीना२रुपहेगलिलिखीजी ॥ जे हगाहा२वांचीतेहहो॥ मनचिते२माहरीधुआजी ॥ इसईछे२ चित्तरयूएहहो ॥ ५५ ॥ स्वा० ॥ मोकलीउ२रुपकुमारनुजी ॥ कूमरी२नेंपासेंतामहो ॥ स खीमयण२मजुषातिहांगईजी ॥ चित्रपट्टिका२दाषीजामहो॥ ५६ ॥स्वा०॥ कहेकुमरी२एस्युछेकहोजी ॥ मोकल्यु २तूममाइएहहो ॥ कहेवराप्यु२छेए सीपज्योजी ॥ कहेकूमरी२कोहनोएजेहहो ॥ ५७ ॥स्वा०॥ तेबोली२कांय जाणनहीजी ॥ एइद२होस्येइमजाणिहो ॥ सहसनेत्र२कहेसातेहनेंजी ॥ तेबोली२होस्येंनाराणीहो ॥ ५८ ॥ स्वा० ॥ कृष्णवरणें२तेछेतवकहेजो ॥ स खिबोली२त्यारेंहोस्येंचदहो ॥ सासापे२कलकछेतेहनेंजी ॥ सपिसापे२कद र्पअमदहो ॥ ५९ ॥ स्वा० ॥ बोलीरयण२मतितेहवालीउंजी ॥ महादेव२इ२ कहोकीमहोयहो ॥ सपीसापे२कहोतूमेआपथीजी॥ अपुरव२वरसएकोय हो ॥ ६० ॥ स्वा० ॥ कहेरयण२वतीएनरअछेजी ॥ चढतीवय२रूपसम्प रहो ॥ निकलकी२सोषनकांतीछेजी ॥ नेहालां२नयणअपारहो ॥ ६१ ॥ ॥ स्वा० ॥ बोलीमयण२मजुषातूकल्यूजी ॥ एहमांनही२कांयसदेहहो ॥ क्रतोजाण२एतुम्हवरक्रस्येंजी ॥ कोईएहवे२कहेनि संदेहहो ॥ ६२॥स्वा०॥ हरषीत२सांसलीशकुननेंजी ॥ आलेख्यो२प्रतिछंदतेहहो ॥ कहेसखीनें२ मातनेंदापवोजी ॥ सीषीके२नहीकहोएहहो ॥ ६३ ॥ स्वा० ॥ जईदाष्यू२ नवघणहरषतीजी ॥ निजधुआ२ धन्यविन्नाणहो ॥ आलेषी २ कूमरेंजे कूमरीजी ॥ लावीमुकी२ तिणेंतसगणहो ॥ ६४ ॥ स्वा० ॥ अनुरूप २ युग लदेषीकरीजी ॥ मनहरषी २ राणीकहेइमहो ॥ कहोरतन २ वतीनेंएगीकछे

मारवमनमारे ॥ पद्मविजयकहीढाल ॥ समरविस्यमारवमरि ॥ [illegible]
समालरे ॥ २४ ॥ भा० ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ [illegible]
॥ दूहा ॥ रतनवतीनारूपमां ॥ परवसथयोअपार॥ उचकजो [illegible]
नयनेंतनीरधार ॥ १७ ॥ हेठिलिखीगाहावली ॥ [illegible]
आय ॥ सूपणचित्रमतीसला ॥ चित्रजुश्चितलाय [illegible]
चीतद॥गाहागुणलमारा॥धन्यकूअरीनृपनीधुआ॥करेजस[illegible]कुमार ॥ [illegible]
अचरीजअथवानहीरहां ॥ जेवडमानवाजोग ॥ देवीनेंजर्ईसावीई ॥ [illegible]
लीउंसजोग ॥ ५२ ॥ बुध्दिवततवबोलीउं ॥ चित्रमतीचीतलाय ॥ [illegible]
अपूर्वछे ॥ अहोमुझअचरीजथाय ॥ ५३ ॥ दिठविणएदाखवी ॥ सूप[illegible]
ह्योसाय ॥ एतादृशछेएहमां ॥ कूमनविलिखीउंकाय ॥ [illegible]
हनमनमोहनपावनदेहमीजी ॥ देशी ॥ इणेंअवसर २ प्रतिहारआवीउं[illegible]
नृपसाष्यु २ तेडणीरकुमारहो ॥ विश्वसूती २ मधरतआवीउंजी ॥ [illegible]
सण २ नोधरेप्यारहो ॥ ५४ ॥ स्वामीअरज २ सुणोएकअमतणीजी ॥ [illegible]
आंकणी ॥ कहेकुअर २ तेमोकलोवेगस्यूंजी ॥ तिणेंमुक्यो २ [illegible]
हो ॥ करीमुजरो २ नेंपासेंउपविसेजी ॥ कहेसुणिइ २ वातते आमहो ॥ [illegible]
स्वा० ॥ नृपसाथे २ इणिपरेंतुम्हसणीजी ॥ गयर्ग २ विचारसंदेहहो ॥ [illegible]
उ २ तेगुणचस्टालस्येजी ॥ सुणिहसीआ २ कूमारतेरेहहो ॥ [illegible] ॥ स्वा० [illegible]
सुतनोजुउं २ रागतेकेतलोजी ॥ विश्वसूती २ बोलेतवरमहो ॥ गुणआ[illegible]
जाणोपणितहीजी॥सुतमाने२नृपनोंप्रेमहो ॥ [illegible] स्वा० ॥ चित्रमतिनें[illegible]
पणदोयकहेजी ॥ परीवात २ कहीछेएणहो ॥ कहेकुमर २ पाखोआर्स[illegible]
जी ॥ उगिचाष्या २ चिनरजेणहो ॥ ५६ ॥ स्वा० ॥ विडहरम्या २ [illegible]
सवनेंगयाजी ॥ नवीकेहेतु २ कुमारनेंकांयहो ॥ विज्ञान २ कुमरनु[illegible]
चीनेंजी ॥ कहेसूपण २ पाछोगयहो ॥ [illegible] स्वा० ॥ चित्रमतिकहे[illegible]
कहीनेंजायताजी ॥ स्युमाइ २ तवकहेमेहहो ॥ नवीजाणा २ चित्रतु[illegible]
मेंजी ॥ चित्रमईकहे २ सामुएहहो ॥ [illegible] ॥ स्वा० ॥ आवेम्यु[illegible]

मुझकहेराणीजाउंकुमरी ॥ पासत्तापोशणिपरें ॥ महारायमैत्रीबलतनुजजे ॥ कुमरगुणचदगुणसीरे ॥ ८१ ॥ दिधीतूनेंडेमार्थनाथी ॥ रतनवतीकहेनामए ॥ किमअसबद्धएहसाथे ॥ सषीकहेसूणोआमए ॥८२॥ राणीकहेआ राधीउंतीणें ॥ प्रजापतीतूगेघणु ॥ तिणेंजोगमिल्योएसूणीनें ॥ दिश्आ सरणआपणुं ॥ ८३ ॥ परमोदसरयीचित्तवेसा ॥ एहनीघरणीथई ॥ एह सम्दसूणीसतापह ॥ आपदासघलीगई ॥८४ ॥ देवगुरुनेंवदीआवली ॥ दा नदिश्महारायए ॥ श्मनित्यकरणीकरतकेईक ॥ दिवसहरषेंजायए ॥८५॥ अजोध्यापुरीमोकलेंहवे ॥ विवाहकारणनरपती॥ एकमासेंतेहपोहतो ॥ जा णेंअयोध्यासूपती ॥ ८६ ॥ काराबधनकरेमोचन ॥ नगरसणगारेतया ॥ पा मनाचेदानदेवे ॥ जनमेंनवीधुटेयथा ॥ ८७ ॥ वांचिपत्रसमारमाथी ॥ काडे आसूषणघणां ॥ घोटकघालातिमसणगारे ॥ रथध्वजामभीततणा ॥ ८८ ॥ लगनशुभजोवराव्युसलेश्यादेवगुरुभणेमवली ॥ गीतमगलवाजीत्रसूणतो ॥ ब दिजनविरुदावली ॥ ८९ ॥ श्मखमआठमेढालठठी ॥ समरादित्यनेंरासए ॥ पद्मविजयेंकहीरुमी ॥ सूणतांलीलविलासए ॥ ९० ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥

॥ दुहा ॥ सोरठे ॥ करीवरचढ्योकुमार ॥ सहसनयनपरेंसोहतो ॥ दिपेतस दिदार ॥ आदित्यअसीनवउपनो ॥ ९१ ॥ ढाल ॥ केसरीयाचढोवरघोडे ॥ सासनपतिवदनजईश ॥ एदेशी ॥ उज्वलकरीवरवेगेसोहे ॥ लोकतणा चित्तमाअतीमोहे ॥ चदसूरकामरामकेंकोईकें ॥ ९२ ॥ केसरीश्वागेवि राजे ॥ थागेंविराजेनेंपुपरयूगाजेके ॥ के० ॥ एआंकणी ॥ मीत्रविद्यालबु द्धिमुखजेह ॥ चालेपुठिघरीससनेह ॥ जानणीमगलगीतकहेहके ॥ ९३ ॥ ॥ के० ॥ नयररामाआलीनदनाकरती ॥ चोकिं २ जोवेसचरती ॥ गु णचदनागुणगावेफोरतितो ॥ ९४ ॥ के० ॥ आव्यातोरणमरूपमांहि ॥ उतरीआकरीवरथीउठांहि ॥ सासुवरेपुंपणाविधीत्याहितो ॥ ९५ ॥ के० ॥ दिठिचित्रतणेंअपछहार ॥ रतनवतीनुरुपअपार ॥ अधरबींबीफलसममनो हारतो ॥ ९६ ॥ के० ॥ चक्रवाकयुगउयूकुचराजे ॥ विस्तीरणनितबजठा

जी ॥ नीत्यकरज्यो २ एहस्युप्रेमहो ॥ ६५ ॥ स्वा० ॥ तुम्हेंपण[illegible]
परेंकुअरेंजी॥ आराधी २ जेअनुरुपहो ॥ चित्रपट्ट २ कांचिजइंनोकलीजी ॥
तिणेंपणीजइ २ कसुंतेसरुपहो ॥ ६६ ॥ स्वा० ॥ सखीबोली २ मेंजेमूलक
सुजी ॥ राजकुमर २ तूमारेंजोग्यहो ॥ कलाआगर २ गुणनीधीदेवीदेजी॥ ए
हजोगें २ कोनवीयोगहो ॥ ६७ ॥ स्वा० ॥ पद्मावती २ बेमीतूमतणोजी ॥ गु
उकेही २ रितेंकस्युरुपहो॥ जाणनीश्चय २ मिलस्येंएहस्युजी ॥ पाणीपहवे
२ जोगअनुपहो ॥ ६८॥ स्वा०॥ पांचमीकही २ ढालएआठमेंजी॥ समेतणी
२ समरादित्यरासहो ॥ गुरुउत्तम २ विजयरूपायकीजी ॥ पद्मविजये २ ह
र्षउल्लासहो ॥ ६९ ॥ स्वा० ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
॥ दुहा ॥ कुमरीचित्तेंकिहायकी ॥ मीलवुएहस्युमुज्ज॥ मदसांम्यजेमांनवी ॥
सुरमणीनवीहोइसुज्ज ॥ ७० ॥ अवकफूरक्यूइणिसमें ॥ वामाकेरुगा
म ॥ तुष्टमांनयइतेतवा ॥ कहेमुज्जसरीउकाम ॥ [illegible] ॥ मातजकमपी
माननी ॥ करेआवश्यककर्म्म ॥ सोजनकरीचित्तसावतू ॥ हरषेंरहेतीहर्म्य
॥ ७२ ॥ पद्मीद्मोलईपाणिमां ॥ वदेअहोभगवीन्यास ॥ नयननेहअहोनि
रषीइ ॥ अहो २ सर्वअभ्यास ॥ ७३ ॥ इमकेश्वासरअतीकम्पा ॥ गुणथंट
पणिइमप्यान ॥ करतोंदिवसकेतागया ॥ धरतपरस्परध्यान ॥ [illegible] ॥
सूरपतीसेवीतश्रीसूवनधणी ॥ एदेशी ॥ जाणेमैत्रीबलनरवरु ॥ परस्परेंवात
मनोहरु ॥ मनचिंतवेतवसूपाल ॥ एयोग्यवातसूरसाल ॥ ७५ ॥ [illegible] ॥
योग्यवातरसालजाणी ॥ कुसलनरन्हपमुंकीआ ॥ रतनवतीपणिकुमरकेरं ॥
ध्यानकवजनचुकीआ ॥ ७६ ॥ राजकन्याउचीतकरणी ॥ सर्वगांमीतेंणि
इ ॥ रातिदीनउदवेगकरती ॥ शून्यताकरीजेणीइ ॥ [illegible] ॥ पायवगासांभ
गमरमे ॥ आवीतीहांमदनमजुआ ॥ चिरंजीवतूस्वामीनीहें ॥ सफलमनोरथ
सजुआ ॥ ७८ ॥ जिमकसुम्हेतिमनीपनुंछे ॥ वरतुम्हारोएयस्ये ॥ कटिसुत्र
आपीसांसलीनें ॥ कहेवातएकीमहस्ये ॥ [illegible] ॥ कहेमयणमंजुआतूमकने
ची ॥ गईदेवीपासए ॥ तवचित्रमतीसूषणविजनें ॥ विगतासतकास[illegible]

मुळकहेराणीजातकुमरी ॥ पाससापोशणिपरें ॥ महारायमैत्रीवलतनुजजे ॥ कुमरगुणचदगुणसीरे ॥ ८१ ॥ दिधीनूनेंढेप्रार्थनाथी ॥ रतनवतीकहेतामए ॥ किमश्रसबरूएहसाथे ॥ सर्षीकहेसूणोश्रामए ॥८२॥ राणीकहेश्रा राधीउतीर्णें ॥ प्रजापतीतूगेघणक ॥ तिर्णेंजोगमिह्योएसूणीनें ॥ दिश्श्रा सरणश्रापणक ॥ ८३ ॥ परमोदत्तरथींचित्तवेसा ॥ एहनीघरणीथई ॥ एह सम्दसूणीसतापह ॥ श्रापदासघलीगई ॥ ८४ ॥ देवगुरुनेंवदोश्रावली ॥ दा नदिश्महारायए ॥ इमनित्यकरणीकरतकेईक ॥ दिवसहरषेंजायए ॥ ८५ ॥ श्रजोध्यापुरीमोकर्लेहवे ॥ विवाहकारणनरपती ॥ एकमार्सेतेहपोहतो ॥ जा र्णेंश्रयोध्यासूपती ॥ ८६ ॥ कारावधनकरेमोचन ॥ नगरसणगारेतथा ॥ पा श्रनावेदानदेवे ॥ जनमेंनवीपुटेयथा ॥ ८७ ॥ वांचिपत्रसमारमांथी ॥ काढे श्रासूषणघणां ॥ घोटकशालातिमसणगारे ॥ रथध्वजाममीततणा ॥ ८८ ॥ लगनशुसजोवराव्युसलेह्रादेवगुरुप्रणमेवली ॥ गीतमगलवाजीत्रसूणतो ॥ व दिजनविरुदावली ॥ ८९ ॥ इमरवमश्राठमेढालढठी ॥ समरादित्यनेंरासए ॥ प्रसविजयेंकहीरुमी ॥ सूणतांलीलविलासए ॥ ९० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ५ ॥

॥ दुहा ॥ सोरठो ॥ करीवरचढ्योकुमार ॥ सहसनयनपरेंसोहतो ॥ दिपेतस दिदार ॥ श्रादित्यश्रसीनवउपनो ॥ ९१ ॥ ढाल ॥ केसरीयाचढोवरघोमे ॥ सासनपतिवदनजईइ ॥ एदेशी ॥ उज्वलकरीवरबेठोसोहे ॥ लोकतणां चित्तमाश्रतीमोहे ॥ चदसूरकामरामकेंकोर्हेकें ॥ ९२ ॥ केसरीश्यागेचि राजे ॥ वागेंविराजेनेंषुपरमूगाजेके ॥ के० ॥ एश्रांकणी ॥ मीत्रविश्रालवु ध्मिुखजेह ॥ चालेपुठिधरीससनेह ॥ जानणीमगलगीतकहेहके ॥ ९३ ॥ ॥ के० ॥ नयररामाश्रासीनदनाकरती ॥ चोर्क २ जोवेसचरती ॥ गु णचदनागुणगावेफोरतितो ॥ ९४ ॥ के० ॥ श्राव्यातोरणमनपमांहि ॥ उतरीश्राकरीवरथीउगांहि ॥ सासूकरेपुपणाविधीत्याहितो ॥ ९५ ॥ के० ॥ दिठिचित्रतणेंश्रणहार ॥ रतनवतीनुरुपश्रपार ॥ श्रधरवीवीफलसममनो हारतो ॥ ९६ ॥ के० ॥ चक्रवाकयुगज्यूकुचराजे ॥ विस्तीरणनितवजगा

ज ॥ मुपवपात्रासधरपणिलाजेतो ॥ ९७ ॥ के० ॥
राता ॥ सर्वअंगगुणजंगविख्याता॥ दूंगणांकरेलोकविधातातो॥ ९८ ॥ के० ॥
सर्वअगेंघणदेपणजोग ॥ चित्तवालीजुइमुनीवरलोग ॥ देषताजाईउप
जोगके ॥ ९९ ॥ के० ॥ देषीहरष्योचित्तमझारि ॥ पाणिग्रहणकरेंशुभवा
र ॥ मगलसमीआंहर्षअपारके ॥ २०० ॥ के० ॥ दिनकरआवनीउससी
गो ॥ लेईवधुवासस्तुवर्नेपुगो ॥ सार्थेवधुसरवीपरीरतनगोके ॥ १ ॥ के० ॥
कालयोगोरहीसहीसझजाई ॥ अगअंगिमलिक्रीमाकराइ ॥ सुषसंभारतवी
विलसायके ॥ २ ॥ के० ॥ सुरवनिद्राकरतांगईराति ॥ मगलतुरवाजेपरभा
ति ॥ कमलिनीतामवीकस्वरथातके ॥ ३ ॥ के० ॥ पातआवश्यककिधोका
म ॥ पाल्याउद्यानजोवाअसीराम ॥ क्रिडाकरीआव्यानिजगामके ॥ ४ ॥
के० ॥ देवपुजासोजनवीधीसारी ॥ सार्थेरतनवतीनीजनारी ॥ सोगवेसुखवि
रउरवनीवारीके॥५॥के०॥इमकरतांकेईदिनथईजाया॥एकदिनइवेवलमेंभीरा
या॥विपहरायनीजसेवकमायको॥६॥के०॥आणिनमानेंतेनीजस्वामी॥सेनामो
कलेतामउद्दाम ॥ जित्योविपहकरीसमामके ॥ ७ ॥ के० ॥ जाणीकोप्योव
लमेंत्रीसुप ॥ स्वयमेवचढवाकीधीचुप ॥ जाणयूकुमरेंतेहस्वरूपके ॥ ८ ॥
के० ॥ सीहउपरीनथीगजेसीआला॥तेहसीआलसमोभुपाल॥ कहेनृपनेंइमध
यणरलालके ॥ ९ ॥ के० ॥ तिर्णेतुमेतातजीथोमुकआणि ॥ जिमतुमकोप
अगनीनेंगांण ॥ थायपतगतेरायअजाणके ॥ १० ॥ के० ॥ रायदिइतबल
सकरसाथि॥कूमरकहेसासलोनरनाथ॥खोसाणोविपहसझसाथको॥११॥के०॥
जवलगेंजीतुंनएहनरिंद ॥ तवलगेंतातपरासवर्टव ॥ किमकरुविषयसगसु
खवकवके॥१२॥के०॥ इमचितीमुंकीतोहांनारी॥ लेईलसकरकिधीअसवारी ॥
एकमासेंपोहोतोअवधारिके ॥ १३॥ के० ॥ आव्योकूमरविपहईमजाणी॥
गढरूहोकरोवेगेताणी ॥ कूमरेंविटयोजिमद्रीपनेंपाणीके ॥ १४ ॥ के० ॥
विणसमलामेंतामकूमार ॥ विपहउपरिरोसअपार ॥ एहथाकरनोस्योव्यसा
रके ॥ १५ ॥ के० ॥ वसीउंनाथअठेमीजपास ॥ तिर्णेसझसेनापरीअजा

स ॥ मांम्योजुध्धग्रसंरासके ॥ १६ ॥ के० ॥ डर्वलेंतेनवीजीताइ ॥ तो हिमानथीअधीकसराई ॥ महासयामकरेचित्तलायके ॥ १७ ॥ के० ॥ जाणीकूमरहवेकहेवरावे ॥ मतकरोजुध्धतूमेंश्णदावें ॥ एहनोयत्नविनाजयथावे के ॥ १८ ॥ के० ॥ जाणीअशाध्यपेठोकोटमांहि ॥ विंट्योठेचोकफेरएमांहि ॥ नाससेएकहोकेणेंराहेंके ॥ १९ ॥ के० ॥ वाहलाप्राणयकीतूमोराय ॥ तेहविनाससहजमांथाय ॥ एपणितूपनेंसेवकगायके ॥ २० ॥ के० ॥ नीतीमांपहेलीसामवपाणो ॥ जुधकरणनोनहीएहटाणो ॥ स्वामीसेवकसवघपीगणेके ॥ २१ ॥ के० ॥ अविनयनाशनोकीधोउपाय ॥ तिणेंपराक्रमएहस्यूनवीथाय ॥ माहरासमतूम्हनेंदेईसायके ॥ २२ ॥ के० ॥ हवेमतकरज्योएहवुकांमातिहकहेजिमतुम्हेकहोस्वामि ॥तिमहीजकरस्यूप्रतूसिरनामीके ॥ ॥ २३ ॥ के० ॥ आठमेखण्डेएसातमीढाल ॥ पद्मविजयकहेपुण्यविशाल ॥ सांसलताहोयमगलमालके ॥ २४ ॥ के० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ विशालवुध्धिनामेवली ॥ शणिपर्रेकरेउपाय ॥ राजपुत्रनेरीझस्यू ॥ वेहेंचीदीस्वताय ॥ २५ ॥ चोकिमुकीचिहुदिशें ॥ रूधेंआहारनेंनीर ॥ केईकदिनइमकाढिआ ॥ धरतोसाहसधीर ॥ २६ ॥ श्णअवशरतिहाआवीउ ॥ वाणमतरवनमांहि ॥ रहवामीरमतोकुमर ॥ देपीउपनोदाह ॥ २७ ॥ अहोगुरुताएहनी ॥ विर्यवतविशेस ॥ मुझशरिपोपणिमारवा ॥ अवशरनलहेअशेस ॥ २८ ॥ पणिडरवदेवापाधरो ॥ एअवसरछेआज ॥ इमविचारीआवीउ ॥ विर्पेहपासेंव्याज ॥ २९ ॥ माशादतलेंवेठोप्रगट ॥ विपहकरेवपाण॥ किमआव्यापुठेकहो ॥ वलतीवोलेवाणि ॥ ३० ॥ मलयजावाअमेंमांमीउ ॥ दिठोविचमांदाव ॥ गुणचदवयरीमुझगणो ॥ तुझपणतेहजमाव ॥ ३१ ॥ उदयरवमायनएहनो ॥ साहाज्यकरूतूझसाच ॥ नयणेंआजएनिरपीउ ॥ मनमांतुहवइमाच ॥३२ ॥ ढाल ॥ तुम्हेंतोसलेंविराजोजीसरवेसरकेवासीआहिवसलेंविराजोजी ॥ एदेशी॥ तुमेतोसलेंपधारयाजी॥देवासीकोईदीशो॥तुमेंतोसलेंपधारयाजी ॥ एआकणी॥ एहवुजाणेसाहाज्यजकीजें ॥ तोकरीइइमका

जे ॥ मुपदेषीग्रसधरपणिलाजेतो ॥ ९७ ॥ के० ॥ करपतलमयोमलव
शाता ॥ सर्वअंगगुणजगविख्याता॥ टूंगणमांकरेलोकविधातानो॥ [illegible]
सर्वअगेंघणछदेपणजोग ॥ चित्तवालीजुश्मुनीवरलोग ॥ देवताजास्व[illegible]
श्रोगके ॥ ९९ ॥ के० ॥ देषीहरख्योचित्तमझारि ॥ पाणिपहणकरेंउतस
र ॥ मन्नलसमीश्र्ोहर्षअपारके ॥ २०० ॥ के० ॥ दिनकरश्रावनीउतरी
गो ॥ लेईवधुवासलूवनेंपुगो ॥ सार्थेवधुसखीपरीवतरूगोके ॥ १ ॥ के० ॥
कालथोमोरहीसहीसऊजाइ ॥ अगअगिमलिकीमाकराइ ॥ सूपसंभारतवी
विलसायके ॥ २ ॥ के० ॥ सुखेंनिद्राकरतांगईराति ॥ मगलतूरवाजेपरस
ति ॥ कमलिनीतामवीकस्वरथातके ॥ ३ ॥ के० ॥ पातश्रावश्यकक्रियाका
म ॥ घात्याउथानजोवाअसीराम ॥ क्रिआकरीआव्यानिजगामके ॥ ४ ॥
के० ॥ देवपुजातोजनवीधीधारी ॥ सार्थेरतनवतीनीजनारी ॥ सोमवेसूख
रउखनीधारीके॥५॥के० ॥इमकरतांकेईदिनवहीजाया॥एकदिनहवेवातमेंभीरा
प॥विपहरायनीजसेवकमायको॥६॥के० ॥आणिनमानेंतेनीजस्वामी॥सेनानी
कसेतामउदाम ॥ जित्योविपहकरीसपामके ॥ ७ ॥ के० ॥ जाणीकोप्योव
लमैत्रीसुप ॥ स्वयमेवचढवाकीधीचुप ॥ जाण्यूंकुमरेंतेहस्वरूपके ॥ ८ ॥
के० ॥ सीहउपरीनवीगाजेसीआल॥तेहसीआलसमोसुपाल॥ कहेंनृपनेंश्मव
थणरबालके ॥ ९ ॥ के० ॥ तिणेंतुमेतातजीथोमुझआणि ॥ जिमतुमकोप
अगनीनेंगंण ॥ वायपतंगतेरायअजाणके ॥ १० ॥ के० ॥ रायदिईतबल
सकरसाथा॥कुमरकहेसांसलोनरनाथा॥खोसाणोविपहसऊसाथको॥११॥के०॥
जबलगेंजीतुंनएहनरिंद ॥ तबलगेंतातपरासववंद ॥ किमकरूंविषयसंगस
खकंदके॥१२॥के०॥ इमचितीमुंकीतोहांनारी॥ लेईलसकरकिधीअसवारी ॥
एकमासेंपोहोतोअवधारिके ॥ १३॥ के० ॥ आव्योकूमरविपहेंमजाणी॥
गढरूहोकरोबेठोताणी ॥ कूमरेंविट्योजिमद्वीपनेंपाणीके ॥ १४ ॥ के० ॥
विणसंसलावेतामकुमार ॥ विपहउपरिरोसअपार ॥ एहथाकरनोस्योउसा
रके ॥ १५ ॥ के० ॥ मलीउंनामअनेमीजपास ॥ तिणेंसऊसेनापरीअजआ

माहरोसत्व ॥ कुमरकहेतूमसरिषानरनें ॥ इमजघटेएतत्व ॥ ५०॥ तुमे० ॥ विपहकहेस्यूमुझवधाणो ॥ झपापीसीरदार ॥ फाळूसाषेस्यूकहोहोवे ॥ सासलोइकइणिवार ॥ ५१॥ तुमे० ॥ झकमकरोनिजनरनेंस्वामी ॥ मारेजिणीपरेमुझ ॥ मुझकापुरुषनीचेष्टादेषो ॥ घणइ२स्यूकझतुझ ॥ ५२ ॥ तू० ॥ कुमरकहेकापुरुषठोरुमा ॥ जसएहवापरीणाम ॥ सुतात्मनुनेंनवीमास्यो ॥ मलिअजगाम्योग्राम ॥ ५३ ॥ तू० ॥ असवचवोलोनहीमुखथी ॥ मुझजेंदिधाप्राण ॥ तिणेंसूखथिपणिमेतुममूक्या ॥ तववोल्योतेजाण ॥ ५४ ॥ तू०॥ करीपत्यायनेंसेवककिजें ॥ वोल्योतामकुमार ॥ ताततणासेवकतूमेतिणें ॥ ज्येष्टभ्रातामुझसार ॥ ५५ ॥ तू० ॥ इमकरतांजोतुममनमानें॥ चालोतातसकास ॥ विपहकहेचालोतिहांजइइ ॥ सिकनहीतुमपास ॥ ५६ ॥ तू० ॥ तघांमणाविहाविपहेंकिधा ॥ चाल्योकुअरसाथि ॥ विजयघर्मआचारयइणिसमें ॥ पाउधार्यामुनीनाथ ॥ ५७॥ तू० ॥ तृणमणीलेष्टुकचनसमवम ॥ षटजीवनाप्रतीपाल ॥ कारणविणउपगारीजेगुरु ॥ चौनाणीकिरपाल ॥ ५८ ॥ तुमे० ॥ गुणचदनेंप्रतिवोधनोअवसार ॥ जाणीलाभअपार ॥ राज्यतजीमिथीलानयरीनु ॥ लिधोसजमसार ॥ ५९ ॥ तुमे० ॥ गुणसत्तवउधानेंउतरया ॥ लब्धिवतमुनीसाथि ॥ परीजनमुखथीवातसुणीनें ॥ हरप्योपृथिवीनाथ ॥ ६० ॥ तुमे० ॥ लेईपरीजनविग्रहसघातें ॥ वधागुरुनापाय ॥ सायरसमगसीररवीपरें ॥ तमटालेमुनीराय ॥ ६१ ॥ तू० ॥ जिनवाणिपरेंजेनीकलकि ॥ देषीशुभपरीणाम ॥ उपनोसर्वसगत्यागीना ॥ वंदूपदअसीराम ॥ ६२ ॥ तूमे० ॥ साधुनुदरीसणतेपावन ॥ चितीप्रणम्यापाय ॥ विपहसहितसझसाधुपणि ॥ धर्मलाभदेनराय ॥ ६२ ॥ तूमे० ॥ आठमेरवमेंआठमीकालें ॥ गुरुवेंचारेपास ॥ पद्मविजयपतणेंइणअवसरि ॥ वातसुणोउल्लास ॥ ६४ ॥ तुमे० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥उहा॥ इणअवसरएकआवीउ ॥ विद्याधरवररूप ॥ वदनाकरीनेंवीनवे॥ सांसलोप्रभुस्वरुप ॥ ६५॥ कनकपुरेंदृढप्रभकरे॥राज्यतिहांगुरुराय ॥ तेहनेंआग

म ॥ विषहकहेमुक्तीहांजईमुको ॥ गुणचनुजीहांमैम ॥ ॥ तु० ॥
यणीमांहिकरवुएहवुं ॥ वाणमतरकहेताम ॥ एतोआयतमाहरेबीते ॥
जवदोजाम ॥ ३७ ॥ तु० ॥ ध्यारजणास्यूसङ्गमईने ॥ विषहरहीं
वियापरस्तावेंपणजणने ॥ लेईचाल्योघरीमाम ॥ ॥ तुमे० ॥ गुण
ज्यापासेंमुक्या ॥ दिठोतामकुमार ॥ गुणचर्नेबोलावेएहवे ॥ विषहपरत
ईकार ॥ ३६ ॥ तु० ॥ मुक्तसार्थेतूवयरकरीनें ॥ किमसंतोसस्वमांहिं ॥
करवालकरेंउठीने ॥ सुणीजाग्योतठांहि ॥ ॥ तू० ॥ अठिनेंकुमरतव
ह्यो ॥ सलो२ व्यवशाय ॥ खमगलीशकरमोशएंअवसर ॥ अमर
ठाय ॥ ३८ ॥ तु० ॥ कोलाहलसूणीआव्योतेहनें ॥ वीरेतामकुमार ॥
परहारकरेज्योकोई ॥ माहरासमशणवार ॥ ३९ ॥ तु० ॥ रहेज्योतानुमेरै
णसमह ॥ ऊकरस्युसंपाम ॥ शणिअवचारवाणमंतरषमगें ॥ विश्पर
॥ ४० ॥ तु० ॥ मारि२ करतोतिमविषह ॥ उठ्योलेईपरीवार ॥ नास्
खक्मोक्मतिणेंापणिवचावेकुमारा ॥ ४१ ॥ तु० ॥ पुन्यप्रबलनेकलाकु
उतकटबलपरीणम ॥ सिहकिसोरपरेंकरीवरनें ॥ किघासङ्गविणघाम
॥ तु० ॥ उपगारीविषहनेंजाणी ॥ नवीकिघोपरीहार ॥ कालीकेउनेंनांष्योहेमे
ङ्गउंतेजयन्२कार ॥ ४३ ॥ तुमे० ॥ विषहनोपरीवारनेंजीते ॥ कुमरतणोपरी
र ॥ कोलाहलउपनोतवनाठो ॥ वाणमंतरविणमार ॥ ॥ तुमे० ॥ वाणमं
तरचिंतेअहोपापी ॥ अहोएहनोमहीमाय ॥ गुणकरीउपणिजार्येकेइवो ॥
णिपरेंपणिनमराय ॥ ४५ ॥ तुमे० ॥ पणिअयोध्यानयरेंजाई ॥ ससलाु
परीवार ॥ गुणचवतोपरलोकेंपोहोतो ॥ इमपणिधस्येंअपकार ॥ ॥ तु० ॥
इमविचारीचाल्योतीहांथी ॥ शणसमेकहेकूमार ॥ उठि२महापुरिसकरेले ॥
हरषधरीहयीआर ॥ ४७ ॥ तुमे० ॥ इमकहिनेंमुक्योकुमरे ॥ पणिनवीउ
ठ्योतेह ॥ कहेमुखथीवलीशणिपरेंवाणी ॥ सांसलज्योगुणगेह ॥ ॥ तू० ॥
तुमसार्थेंहवेमुक्नेंनघटे ॥ हार्येलेवाहथीओर ॥ पूर्वेस्वामीहवणांजीत्यो ॥
बङ्गतुमचोउपगार ॥ ४९ ॥ तुमे० ॥ तुमबंसतुंपणितूमेनवीमारयो ॥ मारयो

माहरोसत्व ॥ कुमरकहेतुमसरिपानरनें ॥ इमजघटेएतत्व ॥ ५०॥ तुमे० ॥ विपहकहेस्यूमुझवपाणो ॥ झपापीसीरदार ॥ झाझूसाषेस्यूकहोहोवे ॥ सासलोइकइणिवार ॥ ५१ ॥ तुमे० ॥ झकमकरोनिजनरनेंस्वामी ॥ मारेजिणीपरेमुझ ॥ मुझकापुरुषनीचेष्टादेषो ॥ घणइरस्यूकझतुझ ॥ ५२ ॥ तु० ॥ कुमरकहेकापुरुषठोरुम्त ॥ जसएहवापरीणाम ॥ सुताग्रजुनेंनवीमास्यो ॥ बलिग्रजगाम्योग्राम ॥ ५३ ॥ तु० ॥ ग्रसबघवोलोनहीमुखथी ॥ मुझनेंविधाप्राए ॥ तिणेंसूखथिपणिमेतुमसूक्या ॥ तववोल्योतेजाए ॥ ५४ ॥ तु० ॥ करीपचायनेंशेवककिनें ॥ वोल्योतामकुमार ॥ तातनणासेवकतुमेतिणें ॥ ज्येटभातामुझसार ॥ ५५ ॥ तु० ॥ इमकरतांजोतुममनमानें ॥ चालोतातसकास ॥ विपहकहेचालोतिहांजइइ ॥ सिकनहीतुसपास ॥ ५६ ॥ तु० ॥ तघामणांविहांविपहेंकिघां ॥ चाल्योकुअरसाथि ॥ विजयधर्म्मग्राचारयइणिसमें ॥ पाउधास्यामुनीनाथ ॥ ५७ ॥ तु० ॥ तृणमणीलेष्टुकचनसममन ॥ षटजीवनामतीपाल ॥ कारणविणउपगारीजेगुरु ॥ चौनाणीकिरपाल ॥ ५८ ॥ तुमे० ॥ गुणचदनेंप्रतिवोघनोग्रवचार ॥ जाणीलासग्रपार ॥ राज्यतजीमिथीलानयरीनु ॥ लिधोसजमसार ॥ ५९ ॥ तुमे० ॥ गुणसुसवउद्यानेंउतस्या ॥ लब्धिवतमुनीसाथि ॥ परीजनमुखथीवातसुणीनें ॥ हरष्योपृथिवीनाथ ॥ ६० ॥ तुमे० ॥ लेईपरीजनविमहसघातें ॥ वद्यागुरुनापाय ॥ सायरसमगसीरवीपरें ॥ तमटालेमुनीराय ॥ ६१ ॥ तु० ॥ जिनवाणिपरेंजेनीकलकि ॥ देषीशुसपरीणाम ॥ उपनोसर्वसगत्यागीना ॥ चंदूपदग्रसीराम ॥ ६२ ॥ तुमे० ॥ सावुनुदरीसणतेपावन ॥ चिंतीभणम्यापाय ॥ विपहसहितसझसाधुपणि ॥ घर्मलासदेवराय ॥ ६३ ॥ तुमे० ॥ ग्राठमेरवमेग्रागमीढालें ॥ गुरुवेचारेपास ॥ पद्मविजयपसणेंइणग्रवसरि ॥ वातसुणोउल्लास ॥ ६४ ॥ तुमे० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ उहा ॥ इणग्रवसरएकग्रावीउ ॥ विद्याधरवररूप ॥ वदनाकरीनेंबीनवे ॥ सांसलोप्रसूस्वरुप ॥ ६५ ॥ कनकपुरेंदृढप्रसकरे ॥ राज्यतिहांगुरुराय ॥ तेहनेंग्राग

म ॥ विग्रहकहेमुक्तीहांजईमुको ॥ गुणचन्द्रनुजीहांमेम ॥ तू० ॥
यणीमाहिकरवुएहवुं ॥ बाणमंतरकहेतांम ॥ एतोआयतमाहरेवीते ॥
जवदोजाम ॥ ३५ ॥ तू० ॥ व्यारजणास्यूंसङ्घर्षईनें ॥ विग्रहरीजाम
विद्यापरसार्वेपणजणनें ॥ लेईचाल्योघरीमाम ॥ ॥ तुमे० ॥ गुणचन्द्र
ज्यापासेंमुक्या ॥ दिठोतामकुमार ॥ गुणचन्द्रनेंबोलावेएहवे ॥ विग्रहरी
ईकार ॥ ३६ ॥ तू० ॥ मुक्तसार्थेतूवयरकरीनें ॥ किमसुतोसुखमाहि ॥
करवालकरेंउठीनें ॥ सुणीजाग्योउच्छाहि ॥ ॥ तू० ॥ उठिनेंकुमरतब
ह्यो ॥ सलो२ व्यवसाय ॥ खमगखीइकरमांइणेंअवसर ॥ अमरकुमर
गय ॥ ३८ ॥ तू० ॥ कोलाहलसूणीआव्योतेहनें ॥ धीरतामकुमार ॥
परहारकरेज्योकोई ॥ माहरासमइणवार ॥ ३९ ॥ तू० ॥ रहेज्योसाथुपें
णसमइ ॥ क्रूकरस्युसंमाम ॥ इणिअवसरबाणमंतरधर्मे ॥ विग्रहरहारजाम
॥ ४० ॥ तू० ॥ मारि२ करतोतिमविग्रह ॥ उठ्योलेईपरीवार ॥ नास्यो
सकमोक्मतिणें॥पणिधचावेकुमार॥ ४१॥तू०॥ पुन्यप्रबलनेंकलाकुशल
उतंकटबलपरीणाम ॥सिंहकिसोरपरेंकरीवरनें॥किघासङ्कविणघाम ॥
॥तू०॥ उपगारीविग्रहनेंजाणी ॥ नवीकिधोपरीहार॥कालीकेशनेंनाख्योहेम
क्तलेजयर२कार ॥४३॥ तुमे०॥ विग्रहनोपरीवारनेंजीते ॥ कुमरतणोपरीवा
र ॥ कोलाहलउपनोतवनाठो ॥ बाणमंतरखिणमार ॥ ॥ तुमे० ॥ बाणमं
तरचिंतेअहोपापी ॥ अहोएहनोमहीमाय ॥ गुणकरीउपणिजार्णेकेहवो ॥ ए
णिपरेंपणिनमराय ॥४५॥ तुमे० ॥ पणिअयोध्यानयरेंजाई ॥ सससघु
परीवार ॥ गुणचन्द्रतोपरलोकेंपोहोतो ॥ इमपणिधर्स्येअपकार ॥ ॥तू०॥
इमचिचारीचाल्योतीहांथी ॥ इणसमेकहेकूमार ॥ अमिरमहापुरिसकरेले ॥
हरषधरीहयीआर ॥ ४७ ॥ तुमे० ॥ इमकहिनेंमुक्योकुमरे ॥ पणिनवीउ
ठ्योतेह ॥ कहेमुखथीवलीइणिपरेंवाणी ॥ सांसलज्योगुणगेह ॥ ॥ तू०॥
तुमसार्थेहवेमुक्तनेंनघटे ॥ हार्येलेवाहथीआर ॥ पूर्वेस्वामीहवणांजीत्यो ॥
वक्रतूमचोउपगार ॥ ४९ ॥ तुमे० ॥ तुमवसंतुंपणितूमेनवीमारयो ॥ आवो

माह्रोसत्व ॥ कुमरकहेतूमसरिषानरनें ॥ इमजघटेएतत्व ॥ ५०॥ तुमे० ॥ विपहृकहेस्यूमुझवपाणो ॥ झपापीसीरदार ॥ झाझूताषेस्यूकहोहोवे ॥ सासलोइकइणिवार ॥ ५१ ॥ तूमे० ॥ झकमकरोनिजनरनेंस्वामी ॥ मारेजिणीपरेमुझ ॥ मुझकापुरुषनीचेष्टादेषो ॥ घणर२स्यूकझतुझ ॥ ५२ ॥ तू० ॥ कुमरकहेकापुरुषछोरुम्त ॥ जसएहवापरीणाम ॥ सुताग्रनुनेंनवीमास्यो ॥ बलिग्रजगाम्योग्राम ॥ ५३ ॥ तू० ॥ ग्रसब्रघबोलोनहीमुखथी ॥ मुझनें दिघाप्राण ॥ तिणेंसूरवथिपणिमेतुममूक्या ॥ तवबोल्योतेजाण ॥ ५४ ॥ तू० ॥ करीपञायनेंग्रेवककिजें ॥ बोल्योतामकुमार ॥ तानतणासेवकतुमेतिणें ॥ ज्येष्टभ्रातामुझसार ॥ ५५ ॥ तू० ॥ इमकरतांजोतूममनमानें ॥ चालोतातसकास ॥ विपहृकहेचालोतिहाजइइ ॥ सिकनहीतुमपास ॥ ५६ ॥ तू० ॥ बघांमणातिहाविमहेंकिधां ॥ ग्राव्योकुग्ररसाथि ॥ विजयधर्म्मग्राचारयइणिसमें ॥ पाउधास्यामुनीनाथ ॥ ५७ ॥ तू० ॥ तृणमणीलेष्टुकचनसमवम ॥ षटजीवनाप्रतीपाल ॥ कारणविणउपगारीजेगुरु ॥ चौनाणीक्रिरपाल ॥ ५८ ॥ तूमे० ॥ गुणचवर्नेंमतिबोघनोग्रवग्रर ॥ जाणीलासग्रपार ॥ राज्यतजीमिथीलानयरीनु ॥ लिघोसजमसार ॥ ५९ ॥ तूमे० ॥ गुणसत्तवउघानेंउतस्या ॥ लब्धिवतमुनीसाथि ॥ परीजनमुखथीवातसुणीनें ॥ हरप्योपृथिवीनाथ ॥ ६० ॥ तूमे० ॥ लेईपरीजनविमहसघातें ॥ वघागुरुनापाय ॥ सायरसमगसीररवीपरें ॥ तमटालेमुनीराय ॥ ६१ ॥ तू० ॥ जिनवाणिपरेंजेनीकलंकि ॥ देषीशुसपरीणाम ॥ उपनोसर्वसगत्यागीना ॥ संबूपदग्रसीराम ॥ ६२ ॥ तूमे० ॥ साघुनुदरीसणतेपावन ॥ चितीप्रणम्यापाय ॥ विपहसहितसऊसाघुपणि ॥ घर्मलासदेवराय ॥ ६३ ॥ तूमे० ॥ ग्राउमेरवमेग्राउमीढालें ॥ गुरुबेग्रारेपास ॥ पद्मविजयपसणेंशणग्रवसरि ॥ वातसुणोउल्लास ॥ ६४ ॥ तूमे० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ उहा ॥ इणग्रवसरएकग्रावीउ ॥ विद्याधरवररूप ॥ वदनाकरीनेंवीनवे ॥ सांसलोभसूस्वरूप ॥ ६५ ॥ कनकपुरेंदढप्रसकरो ॥ राज्यतिहांगुरुराय ॥ तेहनेंग्राग

म ॥ विग्रहकहेमुक्तीहांजईमुको ॥ गुणचवमुंजीहांगेम ॥ [illegible] तू० ॥
यणीमाहिकरवुएहवुं ॥ वाणमतरकहेताम ॥ एतोआयतमाहरेहीवे ॥ [illegible]
जवदोजाम ॥ २७ ॥ तू० ॥ थ्यारजणास्यूसद्धमईनें ॥ विग्रहरही [illegible] ॥
वियापरसावेपणजणने ॥ लेईघाल्योघरीमाम ॥ [illegible] ॥ तूमे० ॥ गुणचव
ज्यापासेंमुक्या ॥ दिठोतामकुमार ॥ गुणचवनेंबोलावेएहवे ॥ विग्रहवरी
हुंकार ॥ २६ ॥ तू० ॥ मुक्सार्थेतूवयरकरीनें ॥ किमसुतोसुखमांहि ॥ कां
करवालकरेंउठीनें ॥ सुणीजाग्योउग्राहि ॥ [illegible] ॥ तू० ॥ उग्निंकुमरतव
ल्यो ॥ सलो०२ थ्यवद्याय ॥ खमगलीश्करमांश्णेंअवसर ॥ अमरच्छतीर्थे
गाय ॥ २८ ॥ तू० ॥ कोलाहलसूणीआव्योतेहनें ॥ वारेतामकुमार ॥ कं
परहारकरेज्योकोई ॥ माहरासमरेणवार ॥ २९ ॥ तू० ॥ रहेज्योसाथीतुमेई
णसमइ ॥ झकरस्युसंग्राम ॥ इणिअवशरवाणमंतरषमगें ॥ विग्रहग्रहाअग्राम
॥ ३० ॥ तू० ॥ मारि२ करतोतिमविग्रह ॥ उभ्योलेईपरीवार ॥ नास्याथि
चक्रमोकमतिर्णे॥पणिवचावेकुमार॥ ४१॥तू०॥ पुन्यप्रबलनेकलाकुशलमती॥
उर्तकटबलपरीणम ॥सिहकिसोरपरेंकरीवरनें॥किधासर्वविणधाम [illegible]
॥तू०॥ उपगारीविग्रहनेंजाणी ॥ नवीकिधोपरीहार॥ कालीकेअनेंनाख्योहेमें॥
कृतेजयर२कार ॥४३॥ तूमे०॥ विग्रहनोपरीवारनेंजीति ॥ कुमरतणोपरीवा
रं ॥ कोलाहलउपनोतवनागे ॥ वाणमंतरविणमार ॥ [illegible] ॥ तूमे० ॥ वाणमं
तरचिंतेअहोपापी ॥ अहोएहनोमहीमाय ॥ गुणकरीउपणिजाणेंकेहवो ॥ इं
णिपरेंपणिनमराय ॥ [illegible] ॥ तूमे० ॥ पणिअयोध्यानयरेंजाई ॥ ससनाथु
परीवार ॥ गुणचवतोपरलोकेंपोहोतो ॥ इमपणिपस्येंअपकार ॥ [illegible] ॥तू०॥
इमविचारीचाल्योतीहांथी ॥ इणसमेकहेकुमार ॥ उभि२महापुरिसकरेसे ॥
हरषघरीहमीआर ॥ ४७ ॥ तूमे० ॥ इमकहिनेंमुक्योकुमरे ॥ पणिनवीउ
ठ्योतेह ॥ कहेमुखथीवलीइणिपरेंवाणी ॥ सांसलज्योगुणगेह ॥ [illegible] तू०॥
तूमसार्थेहमेमुक्नेंनघटे ॥ हार्थेलेवाहथीआर ॥ पूर्वेस्वामीहवणाजीत्यो ॥
थकुतूमथोउपगार ॥ ४९ ॥ तूमे० ॥ तुमवसतुंपणितूमेनवीमारयो ॥ मारको

॥ कु० ॥ कु० ॥ दीर्घवीरह्किमसहीसकूहोजी ॥ थोप्रतीवचनतेप्रेम ॥कु०॥
॥ ८० ॥ कु० ॥ कु० ॥ मोहवशेजेजेकस्याहोजी ॥ तेतेकरुआलाप ॥कु०॥
कु० ॥ राज्यतज्यूकायनवीगर्मेहोजी ॥ निशीदीनकरुविलाप ॥ कु० ॥८१
॥ कु० ॥ कु० ॥ क्षण २ मांमुरगलफ्हहोजी ॥ डुखकलक्नरकसमान ॥कु०॥
॥ कु० ॥ पचमासकिमेवहीगयाहोजी ॥ पचपल्यउपमान ॥ कु० ॥ ८२ ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ एकदिनविणकारणगयुहोजी ॥ माहरूडुखअथराल ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ अगोअगआणदथयोहोजी ॥ चित्तप्रसन्नतेकाल ॥ कु० ॥
॥ ८३ ॥ कु० ॥ कु० ॥ क्ष्मुफचित्तमांचितवुहोजी ॥ कहोस्यूकारणहेव ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ वस्नामणीआवीतदाहोजी ॥ आव्यातिह्वकरदेव ॥ कु० ॥
॥ ८४ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रोम२हरष्योघणहोजी ॥ सासलीतेहनीवाणी ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ उठीप्रसूसनमूषगयोहोजी ॥ सतोषीदेईदाए ॥ कु० ॥ ८५
॥ कु०॥ कु०॥ वदनाकरीनृपवदस्यूहोजी ॥ दिधीसफ्नेआणि॥ कु०॥ कु०॥
ह्यगयरहसफ्ससजकरोहोजी ॥ जिनवरवदनटाए ॥ कु० ॥ ८६ ॥ कु० ॥
कु० ॥ वस्त्रसूषणपहेरोसफ्होजी ॥ सोसाकरोघूरजेम ॥ कु० ॥ कु० ॥ स
मवसरणरचेदेवताहोजी॥ सापुकायकतेम ॥ कु० ॥ ८७ ॥ कु० ॥ कु० ॥
नयरीथीउत्तरदिशाहोजी ॥ नदनवननोवाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ वायुकुमरजो
जनलगेंहोजी ॥ अपहरंतृणसमुदाय ॥ कु० ॥ ८८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मेघकु
मारतिहावरसताहोजी ॥ सूरसीशीतलनीर ॥ कु० ॥ कु० ॥ ऋतुसुरवरसेफू
लनेंहोजी ॥ पचवरणनांरुचीर ॥ कु० ॥ ८९ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रयणप्राकार
वेमाणीआहोजी ॥ विजोकनकप्राकार ॥ कु० ॥ कु० ॥ ज्योतीषीसूरविरचे
तिहाहोजी ॥ हवेत्रीजोगढशार ॥ कु० ॥ ९० ॥ कु० ॥ कु० ॥ रजतनोसव
नपतीकरेहोजी ॥ हवेव्यतरकरेकाम ॥ कु० ॥ कु० ॥ प्रत्येकेंतोरणठवेहो
जी ॥ मध्येंअशोकअसीराम ॥ कु० ॥ ९१ ॥ कु० ॥ कु० ॥ भ्रमररवचा
णालोसस्युहोजी॥ कुसुमसरेनमीमाल ॥ कु० ॥ कु० ॥ रयणसिंहासणमाणी
आहोजी ॥ पादपीठसुविशाल ॥ कु० ॥ ९२ ॥ कु० ॥ कु० ॥ त्रणिछत्रवर

लितिर्णपुरें ॥ हिमणावातकहाय ॥ ६७ ॥ मार्गपाम्यामीमांमीमें ॥ आसाग गेंअधीकार ॥ वारुतूमेवरवाणीउ ॥ तिहांऊगयोतिवार ॥ ६८ ॥ अमनुलमी म्हेंजाणीउ ॥ सपेपेंसवध ॥ अचरीजसासलवाअछे ॥ पसणोसऊपसंव ॥ ६८ ॥ अतरायअन्यलोकनें ॥ नहोइजोनीरधार ॥ अनुमहकिजेंअमल णी ॥ कहेतातामकूमार ॥ ६९ ॥ अमनेंपणिअनुमहहोस्ये ॥ एहकहेअव दात ॥ एइवाअमनेंअछे ॥ वलिजिमतूममनवात ॥ ७० ॥ गुरुजीकहेमुणवं दनें ॥ सासलथईसावधान ॥ विकथानिद्रावरजजे ॥ कऊतेसुणिदेईकान ॥ ॥ ७१ ॥ ढाल ॥ साहिवजीश्रीविमलाचलसेटिइहोजी ॥ एदेशी॥ कुअरजी॥ एहसरतमांजाणिइहोजी ॥ मिथीलानयरीविख्यात ॥ कुअरजी ॥ कुअ० ॥ विजयधर्मतिहांराजीउहोजी ॥ राज्यकरूअवदात ॥ कु०॥ ७२ ॥ कुअरजी॥ वातसोहामणीसांसलोहोजी ॥ एआंकणी ॥ कु०॥ अपमहीषीमाहरेहोजी ॥ चद्रधर्मावाहलीनारी ॥ कुअ० ॥ कु० ॥ किणहिकअपहरीतेहनेंहोजी ॥ म हीरयणमनधारि ॥ कु०॥ ७३ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मत्रसाधननेंकारणेंहोजी ॥ मत्रसीद्धनांकांम ॥ कुअ० ॥ कुअ० ॥ विजयदेवीइमुऊसांघीउहोजी ॥ सां सलीमुरछाऊपांमी॥ कु०॥ ७४॥ कु०॥कु०॥शीतलचदनसींचीआंहोजी ॥ कि धांविजणेवाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ चेतनालहीदुखीउघणहोजी ॥ देषीपिसन शकूकांय ॥ कु० ॥ ७५ ॥ कु० ॥ कु० ॥ इमंकरतांत्रिणदिनगयाहोजी ॥ आव्योचोथेदिन्न ॥ कु० ॥ कु० ॥ एकजटाधरमानवीहोजी ॥ तिम्रतपेपरी खिन्न ॥ कु० ॥ ७६ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सूतिलगावीअगमेंहोजी ॥ मत्रत्रीनें कहेआय ॥ कु० ॥ कु० ॥ स्येकाजेतूमेआकुलाहोजी ॥ नारीहरीमेंराय ॥ कु० ॥ ७७ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मत्रसाधननेंकारणेंहोजो ॥ तेहनोएहवोजीत ॥ कु० ॥ कु० ॥ विणसाषेलेईजायवीहोजी ॥ पणित्रीलेंसूपवीत्त ॥ कु० ॥ ७८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ पीमापणिनहीउपजेहोजी ॥ तिणेंमतकरसताप ॥ राजनजी ॥ रा० ॥ मासछएमिलस्येसहीहोजी ॥ कहीनेंअदृशथयोआप ॥ ॥ कु० ॥ ७९ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मूर्गलेंहीपुरवपरेंहोजी ॥ चितषलेकऊंम ॥

॥ कु० ॥ कु० ॥ दीर्घवीरहकिमसहीसकूहोजी ॥ योप्रतीवचनतेप्रेम ॥कु०॥
॥ ८० ॥ कु० ॥ कु० ॥ मोहवशेजेजेकस्याहोजी ॥ तेतेकरुआलाप ॥कु०॥
कु० ॥ राज्यतज्यूकांयनवीगर्मेहोजी ॥ निशीदीनकरुविलाप ॥ कु० ॥ ८१
॥ कु० ॥ कु० ॥ क्षण २ मामुरगलक्षहोजी ॥ डुखकलक्षनरकसमान ॥कु०॥
॥ कु० ॥ पचमासकिमेवहीगयाहोजी ॥ पचपल्यउपमान ॥ कु० ॥ ८२ ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ एकदिनविणकारणगयुहोजी ॥ माहरूडुखअशराल ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ अगोअगआणदथयोहोजी ॥ चित्तप्रसन्नतेकाल ॥ कु० ॥
॥ ८३ ॥ कु० ॥ कु० ॥ क्षमुऊचित्तमांचितवुहोजी ॥ कहोस्यूकारणदेव ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ वधामणीआवीतदाहोजी ॥ आव्यातिक्षकरदेव ॥ कु० ॥
॥ ८४ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रोम२हरप्योघणहोजी ॥ सासलीतेहनीवाणी ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ उठीप्रसूसनमूपगयोहोजी ॥ सतोषीदेईदाण ॥ कु० ॥ ८५
॥ कु० ॥ कु० ॥ वदनाकरीनृपवदस्यूहोजी ॥ दिधीसक्षनेआणि॥ कु० ॥ कु० ॥
हयगयरहसक्षसजकरोहोजी ॥ जिनवरवदनटाण ॥ कु० ॥ ८६ ॥ कु० ॥
कु० ॥ वस्त्रसूपणपहेरोसक्षहोजी ॥ सोसाकरोसूरजेम ॥ कु० ॥ कु० ॥ स
मवसरणरचेदेवताहोजी ॥ सापुकायकतेम ॥ कु० ॥ ८७ ॥ कु० ॥ कु० ॥
नयरीथीउत्तरदिशाहोजी ॥ नदनवननोवाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ वायुकुमरजो
जनलगेंहोजी ॥ अपहरंतृणसमुदाय ॥ कु० ॥ ८८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मेघकु
मारतिहांवरसताहोजी ॥ सूरसीशीतलनीर ॥ कु० ॥ कु० ॥ ऋतूसुरवरसेफू
लनेंहोजी ॥ पचवरणनांरुचीर ॥ कु० ॥ ८९ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रयणप्राकार
वेमाणीआहोजी ॥ विजोकनकप्राकार ॥ कु० ॥ कु० ॥ ज्योतीषीसुरविरचे
तिहांहोजी ॥ हवेत्रीजोगढयार ॥ कु० ॥ ९० ॥ कु० ॥ कु० ॥ रजतनोसव
नपतीकरेंहोजी ॥ हवेव्यतरकरेकाम ॥ कु० ॥ कु० ॥ प्रत्येकेंतोरणठवेहो
जी ॥ मध्येंअशोकअतीराम ॥ कु० ॥ ९१ ॥ कु० ॥ कु० ॥ भ्रमरखचा
णालोतस्युहोजी॥ कुसूमसरेनमीमाल ॥ कु० ॥ कु० ॥ रयणसिंहासणमाभी
आहोजी ॥ पादपीठसुविशाल ॥ कु० ॥ ९२ ॥ कु० ॥ कु० ॥ त्रणिछत्रवर

लितिऐंपुरें ॥ हिमणावातकहाय ॥ ६७॥ मार्गपाम्याथीमांमीनें ॥ आसब
गेंअधीकार ॥ वारुतूमेवखाणीउ ॥ तिहांजगयोतिवार ॥ ६८॥ जनगुरु
म्हेंजाणीउं ॥ सपेपेंसवध ॥ अचरीजसासलवाअछे ॥ पसणोसऊपरबंध
॥ ६८ ॥ अतरायअन्यलोकनें ॥ नहोइजोनीरधार ॥ अनुमहकिजेंअनस
णी ॥ कहेतातामकूमार ॥ ६९॥ अमनेंपणिअनुमहहोस्ये ॥ एहकहेअव
दात ॥ एइगाअमनेंअछे ॥ वखिजिमतूममनवात ॥ ७०॥ गुरुजीकहेगुणवं
दनें ॥ सांसलयोंइसावधान ॥ विकथानिद्रावरजजे ॥ कऊतेमुणिदेइकान ॥
॥ ७१ ॥ ढाल ॥ साहिवजीश्रीविमलाचलसेटिइहोजी ॥ एदेशी॥ कुअरजी॥
एहसरतमाजाणिइहोजी ॥ मिथीलानेंयरीविख्यात ॥ कुअरजी ॥ कुअ० ॥
विजयधर्मतिहाराजीउंहोजी ॥ राज्यकरूअवदात ॥ कु०॥७२॥ कुअरजी॥
वातसोहामणीसासलोहोजी ॥ एआकणी ॥ कु०॥ अममहीषीमाहरेहोजी ॥
चद्रधर्मावाइलीनारी ॥ कुअ० ॥ कु० ॥ किणहिकअपहरीतेहनेंहोजी ॥ र
डीरयणमनधारि ॥ कु०॥ ७३ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मत्रसाधननेंकारऐंहोजी ॥
मत्रसीद्धनाकांम ॥ कुअ० ॥ कुअ० ॥ विजयदेवीइसुऊंसांषीउंहोजी ॥ सां
सलीमुरगाऊपांमी॥ कु०॥७४॥ कु०॥कु०॥शीतलचवनसींचोआहोजी ॥ कि
धाविजणेवाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ चेतनालहीडखीउंघणऊहोजी ॥ देषीपिणन
शकूकाय ॥ कु० ॥७५ ॥ कु० ॥ कु० ॥ इमकरतांत्रिणदिनगयाहोजी ॥
आव्योघोयेदिन्न ॥ कु० ॥ कु० ॥ एकजटाधरमानषीहोजी ॥ तिम्रतपेपरी
खिन्न ॥ कु० ॥ ७६॥ कु० ॥ कु० ॥ सुतिलगावीअगमेंहोजी ॥ मत्रजीव
कहेआय ॥ कु० ॥ कु० ॥ स्येकाजेतूमेआकुलाहोजी ॥ ॥ नारीहरीमेंराय ॥
कु० ॥ ७७ ॥ कु० ॥ कु० ॥मत्रसाधननेंकारऐंहोजो ॥ तेहनोएहवोजीत
॥ कु० ॥ कु० ॥ विणसापेलेईजायवीहोजी ॥ पणिश्रीलेंसूपवीत्त ॥ कु० ॥
॥ ७८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ पीमापणिनहीउपजेहोजी ॥ तिणेंमतकरसताप ॥
राजनजी ॥ रा० ॥ मासगएमिलस्येसहीहोजी ॥ कहीनेंअदृशयथयोआप ॥
॥ कु० ॥ ७९ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मूर्छालहीपुरवपरेंहोजी ॥ चितवलेकऊइम ॥

॥ कु० ॥ कु० ॥ दीर्घवीरहकिमसहीसकूहोजी ॥ श्रीप्रतीवचननेप्रेम ॥कु०॥
॥ ८० ॥ कु० ॥ कु० ॥ मोहवशेजेजेकस्राहोजी ॥ तेतेकरुआलाप ॥कु०॥
कु० ॥ राज्यतज्यूकांयनवीगमेंहोजी ॥ निशीदीनकरुविलाप ॥ कु० ॥ ८१
॥ कु० ॥ कु० ॥ क्षण २' मासुरगलक्ष्होजी ॥ डुरकलक्षनरकसमान ॥कु०॥
॥ कु० ॥ पचमासकिमेवहीगयाहोजी ॥ पचपल्यउपमान ॥ कु० ॥ ८२ ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ एकदिनविणकारणगयुहोजी ॥ माहरुडुखअशराल ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ अगोअगआणदथयोहोजी ॥ चित्तप्रसन्नतेकाल ॥ कु० ॥
॥ ८३ ॥ कु० ॥ कु० ॥ क्षमुऊचित्तमांचितवुहोजी ॥ कहोस्यूकारणदेव ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ वधामणीआवीतदाहोजी ॥ आव्यातिहकरदेव ॥ कु० ॥
॥ ८४ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रोम२हरप्योघणहोजी ॥ सासलीतेहनीवाणी ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ उठीप्रसूसनमूषगयोहोजी ॥ सतोषीदेईदाण ॥ कु० ॥ ८५
॥ कु०॥ कु०॥ वदनाकरीनृपवदस्यूहोजी ॥ दिधीसक्षनेंआणि॥ कु०॥ कु०॥
हयगयरहसक्षसजकरोहोजी ॥ जिनवरवदनठाण ॥ कु० ॥ ८६ ॥ कु० ॥
कु० ॥ वस्त्रसूषणपहेरोसक्ष्होजी ॥ सोसाकरोसूरजेम ॥ कु० ॥ कु० ॥ स
मवसरणरचेदेवताहोजी ॥ साधुकायकतेम ॥ कु० ॥ ८७ ॥ कु० ॥ कु० ॥
नयरीथीउत्तरदिशाहोजी ॥ नदनवननोवाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ वायुकुमरजो
जनलगेंहोजी ॥ अपहरेतृणसमुदाय ॥ कु० ॥ ८८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मेघकु
मारतिहांवरसताहोजी ॥ सूरसीशीतलनीर ॥ कु० ॥ कु० ॥ क्षतुसुरवरसेफू
लनेंहोजी ॥ पचवरणनांरुचीर ॥ कु० ॥ ८९ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रयणप्राकार
वेमाणीआहोजी ॥ विजोकनकप्राकार ॥ कु० ॥ कु० ॥ ज्योतीपीसूरविरचे
तिहांहोजी ॥ हवेत्रीजोगढआर ॥ कु० ॥ ९० ॥ कु० ॥ कु० ॥ रजतनोसव
नपतीकरेहोजी ॥ हवेव्यतरकरेकाम ॥ कु० ॥ कु० ॥ प्रत्येकेंतोरणठवेहो
जी ॥ मध्येंअशोकअतीराम ॥ कु० ॥ ९१ ॥ कु० ॥ कु० ॥ भमरखचा
णलोतस्युहोजी॥ कुसूमस्तरेनमीनाल ॥ कु० ॥ कु० ॥ रयणसिहासणमांमी
आहोजी ॥ पादपीठसुविशाल ॥ कु० ॥ ९२ ॥ कु० ॥ कु० ॥ त्रणिछत्रवर

उजलाहोजी ॥ मुक्ताफलनीजालि ॥कु० ॥ कु० ॥
जी ॥ विकसीतकुदजयूसालि ॥ कु० ॥ [illegible] ॥ कु० ॥ कु० ॥ [illegible]
हामणोहोजी ॥ पवर्नेनाचतोजेह ॥ कु० ॥ कु० ॥ सीहचक्र[illegible]
होजी ॥ गगनलिहनकरेतेह ॥ कु० ॥ [illegible] ॥ कु० ॥ कु० ॥ चामरगन[illegible]
लताहोजी ॥ उज्जलजिणीपरेंहस ॥ कु ॥ कु० ॥
सफ्रजनकरेपरसत्र ॥ कु१ ॥ [illegible] ॥ कु० ॥ कु० ॥ रविमंडलपरेंदिप[illegible]
जी ॥ धरमचक्रपुरजास ॥ कु० ॥ कु० ॥ साममलतेजेंतपेहोजी ॥ [illegible]
कतसवीषास ॥ कु० ॥ ९६ ॥ कु० ॥ कु० ॥ त्रिभुवननायकनुरचेहोजी ॥
समवसरणइमन्नार ॥ कु० ॥ कु० ॥ कनककमलपगठावेहोजी ॥
णिनवस्सुविचार ॥ कु० ॥ ९७ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सातकमलपुर्गेरहेहोजी ॥
दोयउपरिठवेपाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ पुरवद्वारेपेसीनेंहोजी ॥ तिर[illegible]
नराय ॥ कु० ॥ ९८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ बेगप्रदक्षिणादेईनेंहोजी ॥
नमुखनाथ ॥ कु० ॥ कु० ॥ पादपीठपगथापीनेंहोजी ॥ जोगमुद्राधरी[illegible]
थ ॥ कु० ॥ ९९ ॥ कु० ॥ मत. ॥ संघाचारसाख्यें ॥ सिंहासणे[illegible]
सन्नो ॥ पाएठविठणपायपिठमी ॥ करधरीयजोगमुद्दो ॥ जिणनाहोमे[illegible]
कुणई ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ कु० ॥ त्रिक्रदिसेंजिनत्रारीषाहोजी ॥ प्रतिबिंब
धरेविष्यात ॥ कु० ॥ कु० ॥ धुपघटितिहांमहमहेहोजी ॥ आवश्यकेंघुणी[illegible]
त ॥ कु० ॥ २०० ॥ कु० ॥ कु० ॥ कुमतीमदजेहथीगलेहोजी ॥ ।ज
मदेषाय ॥ कुं० ॥ कु० ॥ चामरढालेविक्रदिसेंहोजी ॥ निरमलतिहासूरराय
कु० ॥ १ ॥ कु० ॥ कु० ॥ अगनीकूणेंप्रभुजीयकीहोजी ॥ सिंहासनरचेताम
॥ कु० ॥ कु० ॥ वेसेंजेष्टगणधरतिहांहोजी ॥ गुणगणकेराधाम ॥ कु०
कु० ॥ कु० ॥ पेसेपुरवधारणेंहोजी ॥ मुनीविमानीकनारी ॥ कु० ॥ कु० ॥
साधवीतीमप्रणमीकरीहोजी ॥ बसेअगनीकुणेंगारी ॥कु० ॥ २ ॥ कु० ॥ कु० ॥
सुवणपतीवणजोतिपीहोजी ॥ तेहनीदेवीजेह ॥ कु० ॥ कु० ॥ पेसेद[illegible]
धारणेंहोजी ॥ बेसेंनैर[illegible]णतेह ॥ कु० ॥ ३ ॥ कु० ॥ कु० ॥ भुवणपती

घणजोतीषीहोजी ॥ पेसेपढीमद्वार ॥ कु० ॥ कु० ॥ वावकुर्णेतेउपविसे होजी ॥ जिननेंकरीनमस्कार ॥ कु० ॥ ५ ॥ कु० ॥ कु० ॥ वैमानी कसूरतिमवलीहोजी ॥ नरनेंनरनीनारि ॥ कु० ॥ कु० ॥ पेसीउत्तरबारणें होजी ॥ बेठोईशानकुर्णेगारि ॥ कु० ॥ ६ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सापनकुलमृगमृ गपतिहोजी ॥ कुकमनेमार्जार ॥ कु० ॥ कु० ॥ जातिवेरविशारीनेहोजी ॥ वेसेंबिजेप्राकार ॥ कु० ॥ ७ ॥ कु० ॥ कु० ॥ यानविमाननरदेवनाहोजी ॥ रहेत्रीजागढमांहि ॥ कु० ॥ कु० ॥ वधामणीदायककहेहोजी ॥ सांत्तलोवलीउछा हि ॥ कु० ॥ ८ ॥ कु० ॥ राजनजी ॥ दीढीराणीतीहांकिर्णेहोजी ॥ सांत्त लीलसोउल्लास ॥ कु० ॥ कु० ॥ आठमेरवमेनवमीकहीहोजी ॥ ढालप दर्मेएरास ॥ कु० ॥ ९ ॥ कु० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ दुहो ॥ सामग्रीसघ्रसजकरी ॥ गजवरवेढेगेलि ॥ वाजीत्रवकृपरेंवाजते ॥ करतापरें२केलि ॥ १० ॥ नयरबाहिरजवनीकल्यो ॥ परीवृतवकृपरीवार ॥ समवसरणसोहामणा ॥ दिठुदरिसउदार ॥ ११ ॥ उत्तरद्वारेंआवित ॥ पुल कीतथईपवीत ॥ जगविख्यातजीनेसरु ॥ दरिसणनयर्णेदिठ ॥ १२ ॥ प्रण मीजीनवरपाउले ॥ स्तवनाकरेरसाल ॥ सावधानथईसांत्तले ॥ स्वरपदवर्णवि शाल ॥ १३ ॥ ढाल ॥ लावो २ नेंराजिमुघामुलामोती ॥ एदेशी ॥ सवीतूमें वदोरेअरीहादेवजिणंदा ॥ गुणगणकदोरेनमताजाइस्तवफदा ॥ एआंकणी ॥ जयपरमेश्वरजगदानदन ॥ जयजगवल्लसनाथ ॥ जयश्रीतूवनएकमगलरू पी ॥ जयतूशीवपुरसाथ ॥ १४ ॥ सवी० ॥ जयजोगीसरसेवीतपदकज ॥ ज यइंद्रियगजसिंह ॥ जयदुर्जयनिर्जितकदर्प्पंह ॥ जयतूअकलअवीह ॥ १५ ॥ स० ॥ जयसवीकमलवीकाशनदिनकर ॥ जयसूरनरनतपाय ॥ जयमनव छीतपुरणसूरगवी ॥ जयतूअमलअमाय ॥ १६ ॥ स० ॥ जयपारगतजयनी कलंकी ॥ जयस्याद्वादसरुप ॥ जयगुणरहीतगुणाकरस्वामी ॥ जयअसरो रअरुप ॥ १७ ॥ स० ॥ जयपरीसहफोजेंऐरावण ॥ जयअजरामरदेव ॥ ज यसवसयसंजनअविनाशी ॥ जयसूरतरूसमसेव ॥ १८ ॥ स० ॥ जय

ऊजलांहोजी ॥ मुक्ताफलनीजालि ॥कु० ॥ कु० ॥ भिसूवनमा[illegible]
जी ॥ विकसीतकुदउयूसालि ॥ कु० ॥[illegible]॥ कु० ॥ कु० ॥ [illegible]
हामणोहोजी ॥ पवनेंनाचतोजेह ॥ कु० ॥ कु० ॥ सीह[illegible]
होजी ॥ गगनलिहनकरेतेह ॥ कु० ॥ [illegible] ॥ कु० ॥ कु० ॥ चामर[illegible]
लताहोजी ॥ ऊज्जलजिणीपरेंहस ॥ कु ॥ कु० ॥ वेवडऊलीघनगा[illegible]
सऊजनकरेपरसग्र ॥ कु० ॥ [illegible] ॥ कु० ॥ कु० ॥ रविमण्डलपरेंकि[illegible]
जी ॥ धरमचक्रपुरजास ॥ कु० ॥ कु० ॥ सामन्नलतेजेंतपेहोजी ॥ [illegible]
कतसवीषास ॥ कु० ॥ ९६ ॥ कु० ॥ कु० ॥ त्रिलुवननायकनुरे[illegible]
समवसरणश्मत्रार ॥ कु० ॥ कु० ॥ कनककमलपगलांठवेहोजी ॥ [illegible]
णिनवसुविचार ॥ कु० ॥ ९७ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सातकमलपुठेंरहे[illegible]
दोयऊपरिठवेपाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ पुरवद्वारेपेसीनेंहोजी ॥ तिर[illegible]
नराय ॥ कु० ॥ ९८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ वेगप्रदक्षिणावेईनेंहोजी ॥ पुरव[illegible]
नमुखनाथ ॥ कु० ॥ कु० ॥ पादपीठपगथापीनेंहोजी ॥ जोगमुद्राधरी[illegible]
य ॥ कु० ॥ ९९ ॥ कु० ॥ मत. ॥ संघाचारसाख्यें ॥ सिंहासणेंबी
सन्नो ॥ पाएठविठणपायपिढमी ॥ करधरीयजोगमुद्दो ॥ जिणनाहोवेत्र[illegible]
कुणई ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ कु० ॥ त्रिऊदिसेंजिनआरीषाहोजी ॥ प्रतिबिंब
धरेविष्यात ॥ कु० ॥ कु० ॥ धुपघटितिहांमहमहेहोजी ॥ आवश्यकेंचूर्णी
त ॥ कु० ॥ २०० ॥ कु० ॥ कु० ॥ कुमतीमदजेहथीगलेहोजी ॥ जिनवरस
मदेषाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ चामरढालेबिऊदिसेंहोजी ॥ निरमलतिहांसूरराय ॥
कु० ॥१॥ कु० ॥ कु० ॥ अगनीकूणेंप्रसूजीथकीहोजी ॥ सिंहासनरचेंताम
॥ कु० ॥ कु० ॥ बेसेंजेष्टगणधरतिहांहोजी ॥ गुणगणकेराधाम ॥ कु० ॥[illegible]
कु० ॥ कु० ॥ पेसेपुरवबारणेंहोजी ॥ मुनिविमानीकनारी ॥ कु० ॥ कु० ॥
साथवीतीमप्रणमीकरीहोजी ॥ बसेअगनीकुणेंगारी ॥कु० ॥२॥ कु० ॥ कु० ॥
भवणपतीवणजोतिषीहोजी ॥ तेहनीदेवीजेह ॥ कु० ॥ कु० ॥ पेसे[illegible]
बारणेंहोजी ॥ बेसेंनैरतिकुणितेह ॥ कु० ॥ ३ ॥ कु० ॥ कु० ॥ भवणपती

मंञशुद्धरे ॥ ३३ ॥ तेह० ॥ तोजनपरघरजायवु ॥ वलिपरुगादीकधरेजेह
रे ॥ तेहधर्मतठेदवो ॥ जुक्तिनवीश्रापेतेहरे ॥ ३४ ॥ जु० ॥ जीवादिकस्याद्वा
दथी ॥ घटेबंधादिकसदसावरे ॥ तेजुगतिवलीयापवु ॥ एशुद्धधरमतेतावरे ॥
॥ ३५ ॥ ए० ॥ एहजुक्तीनखमीसके ॥ तेतापञ्शुद्धविचाररे ॥ तिणेंनी
त्यानीत्यजाणीइ ॥ जीवञ्स्तीनास्तीपरकाररे ॥ ३६ ॥ जीव० ॥ धर्मञ्मने
कञ्मजीवना ॥ ठरेसूखडखबंधनेंमोखरे ॥ धर्मञ्मनेकनमानीइ ॥ तोउलटा
होइदोषरे ॥ ३७ ॥ तो० ॥ ञ्स्तीस्वरुपेंजाणीइ ॥ पररुपेंनास्तीस्वसावरे ॥
नहीतोवीसीटञ्सावथी ॥ सवीएकरुपहोयसावरे ॥ ३८ ॥ स० ॥ नित्यए
कांतेसाधीइ ॥ तोकिमडखञ्यनेंहेतरे ॥ ञ्नुष्टांनकरेलोकए ॥ सूखलहेवा
नेंसकेतरे ॥ ३९ ॥ सु० ॥ कहिइएकांतिञ्नीत्यजो ॥ तोसवनञ्नतरनाशरे॥
जिवपरिणामीञ्सावथी ॥ केहनेंसूखडखनीआशिरे ॥ ४० ॥ के० ॥ सेदा
सेदइमजाणीइ ॥ तिमएकञ्नेकवीचाररे ॥ स्याद्वादरीतेंकरी ॥ उलपोञ्मात
मनीरधाररे ॥ ४१ ॥ उ० ॥ मिथ्यात्वादिकबंधना ॥ हेतूइकरीबांधइकर्मरे ॥
सम्यक्तादिकसावथी ॥ ञ्यकरीलहेशाश्वतसर्मरे ॥ ४२ ॥ ञ्० ॥ सेदासे
दजीवनेंतनु ॥ रुपीनेंञ्रुपीतेमरे ॥ कर्त्तासोक्ताउसयठे ॥ बंधादिकपणिघटे
इमरे ॥ ४३ ॥ ब० ॥ जीवशरीरपणिसिन्नठे ॥ जेकारणइणसवपापरे ॥ ञ्न्य
शरीरेंञ्मातमा ॥ परसवसोगवेसतापरे ॥ ४४ ॥ प० ॥ ञ्न्यकरेञ्न्यसोगवे॥ ते
तोनघटेसर्वप्रकाररे ॥ तिणेंञ्सेदकोईरीतीठे ॥ इमसेदासेदउदाररे ॥ ४५ ॥
इ० ॥ बंधञ्नादीप्रवाहथी ॥ कचनपडरसमतेहरे ॥ नहितोशुद्धस्वरुपनें ॥
कर्मवलगेइटनएहरे ॥ ४६ ॥ क० ॥ तेहनोञ्मतपणिसव्यनें ॥ होईपुत्रपीता
परेंजाणिरे ॥ कुकमीञ्मपरेंवली ॥ ञ्सव्यनेंनीत्यबपाणिरे ॥ ४७ ॥ ञ्० ॥
तासवीनासउपायनें ॥ सेवीवरीश्रासीञ्मनतरे ॥ तेहतणोनवीञ्मतठे ॥ श्रध्व
शञ्सावपरेंततरे॥ ४८ ॥ श्र० तेहकारणसवीकीजीइ॥ तेहकर्मविनाशउपा
यरे ॥ समकितधुरिंञ्गीकरो ॥ जिमसवीगुणथीरतायायरे ॥ ४९॥ जि० ॥
देवगुरुनेंधर्मनी ॥ रुचीतेसमकीतकहेवायरे ॥ वितरागसर्वज्ञजे ॥ तेदेवपणें

गतरागद्वेषगतवेदा ॥ जयगतरोगनेंशोग ॥
जयगतजोगविजोग ॥१९॥ स० ॥ जयसर्वज्ञनयासबीदशी ॥
अनत ॥ जयअपुनर्भवजयजयनीरुपम ॥ जयसगवतसवत
जयतूअचलअनतअखमह ॥ जयअरूयअवीकार ॥ अयर्न
अयोगी ॥ जयतूमार्गदातार ॥२१॥ स० ॥ जयज ज
जयनीरंहनि सग ॥ जयशाश्वतसूखअव्याबाधह ॥ ज
ग ॥२२॥ स० ॥ जयपुरणानदीपरमातम ॥ जयचिदअमृतपानि ॥
जगुणकर्त्तातहसोक्ता ॥ जयतूऊअकहकहानी ॥२३ ॥स० ॥
णानतअलपमुऊवुधी ॥ जयजीनवरकिमकहीइ ॥
यकहे ॥ प्रगटेतोसवीलहीइ ॥२४ ॥स० ॥ ॥ ५ ॥
॥ दुहा ॥ जनपतीइमजिनराजनी ॥ स्तवनाकरीशनाह ॥ प्रणमेगणधरमुनी
पती ॥ इमअणगारउगाह ॥ २५ ॥ उचितथानिकेंउपविसे ॥
वार ॥ दिइप्रसूजीपणिदेशना ॥ सवसयसजणहार ॥२६॥ढाल ॥
पार्चेवादतांमनमोसुरे ॥ एदेशी ॥ प्राणीजीनवाणीसूणो ॥ तूमेगमीमोहज
जालरे ॥ पामीनरसवदोहिलो ॥ मतखोवोआलपपालरे ॥ २७ ॥ मतखोवो
आलपपाल॥ फिरी २ दोहिलोजीनधर्मरे॥जिनधर्मनोमर्मलहीकरोजिणीपरेपा
मीइशीवशर्मरे ॥ एआंकणी॥ जिवअनादीअनतछे ॥ कर्मेसजुत्तपरवाहरे ॥
पापथीदुखीउधर्मथी ॥ सूखीउसवीदर्शनराहरे ॥ २८ ॥ सूख० ॥ धारीम
श्रुतदोयसेदथी ॥ धर्मपरषीजेंप्रणिसेयरे ॥ एककसनेंबीजोछेदथी ॥ तापक
नकपरेंपरषेयरो॥२९॥ ताप० ॥ जिहांसावद्यनीषेधछे॥ टालेरागादिकजिहां
ध्यानरो॥एहकशोटीइसूधछे॥जिमकनककशोटीइवानरो॥३०॥जीम०॥सूक्ष्मबा
दरजीवनी॥जिहांहिंसानोनहीत्यागरे॥तेहअशुधधर्मजाणीशावलिरागादीकन
हीत्यागरे ॥३१॥वलो॥ जिहांसयमअप्रमत्तता ॥ लिइआहारादीकजीहां शुध
रे ॥ छेदशुधतेधर्मछे ॥ इणिपरेंसासेस्वयबुधरे॥ ३२॥ इणी० ॥ पचसुमतिष
णिगुपतीजे ॥ सदाकालपालेसवीशुधरे ॥ एहथीविपरीतजेहोई ॥ तेछेदथीव

पहेरेवल्कलवस्त्रजो ॥ रुमीरेतरुआनीत्रोटीकानमारेलो ॥ होसु० ॥ तेहनी सार्येनीत्यजो ॥ गिरीनीकुंजमांसुपसोगवतोमांनमारेलो ॥ ६५ ॥ होसु० ॥ वीषमरीतूतिणीवारजो ॥ आव्योरेएकगछमुनीवरनोतिहांकिणेरेलो ॥ होसु०॥ पंथभष्टपरीखीन्नजो ॥ देषीनेंअनुकपाआवीतुझमनेंरेलो ॥ ६६ ॥ होसु० ॥ तुझमनमांयर्ईचित्तजो ॥ विषमगीरीकंतारमांकिमश्णीपरेसमेरेलो ॥ होसु०॥ जईपुछ्युंततकालजो ॥ मुनींकहेसुलापथथीतिणेंसमीश्रमेरेलो ॥ ६७ ॥ होसु० ॥ श्रीमतीकहेसरतारजो ॥ एहतपस्वीफलमुलादिकआपीईरेलो ॥ होसु० ॥ विध्यनीअटवीसीमजो ॥ पारिउतारीएहतणाउखकापीईरेलो ॥ ६८ ॥ ॥होसु०॥ एहनीधानसमानजो ॥ किधीरेतुझसेटिवीधाताश्खरीरेलो ॥ होसु०॥ श्मसांसलीनसमाणिजो ॥ उठ्योरेरोमांचितअतीहरषेंसरीरेलो ॥ ६९ ॥ होसु० ॥ लाव्योमुलनेंकंदजो ॥ अदसूतफललाव्योतवश्ममुनीवरसणेरेलो ॥ होसु० ॥ नवीकलपेअम्हएहजो ॥ जिणवरेंकीधनीषेधनवीलेउतिणेंरेलो ॥ ॥ ७० ॥ होसु० ॥ बोल्योसवरसूपालजो ॥ अमउदवेगहोशतिणेंकारणलीजीईरेलो ॥ होसु० ॥ मुनीवरजाणीसावजो ॥ लासालासविचारीश्मवदिजीईरेलो ॥ ७१ ॥ होसु० ॥ लावोफलमुलकंदजो ॥ वरणगधपलटाणांहोश्जेहनारेलो ॥ होसु० ॥ जेवरुकालनांलीधजो ॥ सबसरायतेसअसलीवयणांतेहनारेलो ॥ ॥ ७२ ॥ होसु० ॥ परीणतफलमुलकंदजो ॥ लाव्योगिरीगुफाथीमुनीपमीलासीआरेलो ॥ होसु० ॥ पथचढाव्यातामजो ॥ नारीसहीतसुसलावथीधम्यनी जमानीआरेलो ॥ ७३ ॥ होसु० ॥ मुनीईपणकसोधर्मजो ॥ सांसलीकर्म्मवीवरथीतूमेंअंगीकरयोरेलो ॥ होसु० ॥ दिधोतूमनसकारजो ॥ शिवसुखकारणतेतुमेंसक्तिहर्देधरयोरेलो ॥ ७४ ॥ होसु० ॥ अतिशयज्ञानीतेहजो ॥ जाणीरेउपगारकहेवलीश्णिपरेरेलो ॥ होसु० ॥ पद्माएकदिनसारजो ॥ सावधआरंलवरजीनेंश्णीपरेंकरेरेलो ॥ ७५ ॥होसु०॥ एकांतेंरहीतामजो॥ नवपदनेंतूंससारेंदृढमनकरीरेलो ॥ होसु० ॥तुझनेंमारेकोयजो ॥ तोपणितेंरहेवुसमताशुतआदरीरेलो ॥ ७६ ॥ होसु० ॥ श्मपालीजीनधर्म्मजो ॥ पामस्यो

ठहेरायरे ॥ ५० ॥ ने० ॥ परीमहन्मारसजिऐंतव्या ॥
२ ॥ उपगरणधर्मनाजेहठे ॥ तेचारीत्ररकणअडरे ॥ [illegible] ॥
जेसाधीउ ॥ तेधर्मकहिर्जेसतरे ॥ एसमकीतव्यवहारधी ॥
तमततरे ॥ ५२ ॥ नी० ॥ इमसमजीअगीकरो ॥
देशनासासलीइणीपर्रे ॥ लहीपरषदाहर्षअपाररे ॥ ५३ ॥ य० ॥ [illegible]
प्रणमीकरी ॥ कहेप्रभुतुम्हवचनप्रमांणरे॥ तुमसमदेशककोनही ॥ परि[illegible]
इमकरतीवषाणरे ॥ ५४ ॥ घ० ॥ केईकसमकीतपामीआ ॥ केई[illegible]
लहेसत्वरे ॥ सकलसंगछांमीकरी ॥ केईचारीत्रलीइलहीतत्वरे ॥ ५५ [illegible]
केईसद्रकसाधीयया ॥ कहीआठमेरवमेडालरे ॥ पय[illegible] ॥
णोआगलवातरसालरे ॥ ५६ ॥ सू० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७
॥ दुहा ॥ नयणेंदिठीनारीनें ॥ समवसरणमांसार ॥ चिताधईमुक्[illegible] ॥
निश्चयएमुक्तनारि ॥ ५७ ॥ किमएईहांआवीकहो ॥ बलीससात्युबयण ॥
मप्रसिर्रेसाष्युमर्ने ॥ राणीदेषीरयण ॥ ५८ ॥ पुछुजीनवरनेप्रभु ॥ परसक
स्युकस्युपाप ॥ राणीवीरहथीरोयतां ॥ सबलपयोसताप ॥ ५९ ॥ प्रभुपर्रे
धारीआदरे ॥ कुमरजीपुछ्युंकेम ॥ पूर्वकर्मविपाकजे ॥ भरीहासाथेईम
॥ ६० ॥ ढाल० ॥ होपीउपातलीआनारीगुणाबलीतांमजो ॥ पजरीठकरयी
योक्तरतेलोयणेरेलो ॥ एदेशी ॥ होसूणिराजनीआ ॥ जबुद्दीपमझारीजो ॥
विध्याचलइथनगमेंपरवतसोहतोरेलो ॥ होसू० ॥ तंषधीउंचणीतडजो ॥ जा
जुल्यमानदिपकपरेंतिणेंमनमोहतोरेलो ॥ ६१ ॥ होसू० ॥ पवनप्रमुखवड
गधजो ॥ बहुपषीगणशब्दकरेसोहामणारेलो ॥ होसू० ॥ सिहरसेणतुझना
मजो ॥ शवरतणोतूरायवखर्मानहीमणारेलो ॥ ६२ ॥ होसू० ॥ बहुजीव
नोकरेघातजो ॥ विषयमुर्छिततूअतीसयघरणीस्युरहेरेलो ॥ होसू० ॥ रोक
हरिणनेंरीठजो ॥ करेविजोगजुगलनोमनमांसूखलहेरेलो ॥ ६३ ॥ होसू० ॥
सुखअसीलार्पितहजो ॥ बनमरितेबीहताकूकमीकरहेरेलो ॥ होसू० ॥ श्री
मतीताहरेनारिजो ॥ गुंजाफलमालानांआमरणांधरेरेलो ॥ ६४ ॥ होसू० ॥

पहेरेवल्कलवस्त्रजो ॥ रुमीरेतरुआनीत्रोटीकांनमांरेलो ॥ होसु० ॥ तेहनी
सार्थेनीत्यजो ॥ गिरीनीकुजमांसुपसोगवतोमांनमांरेलो ॥ ६५ ॥ होसु० ॥
चीपमरीतूतिणीवारजो ॥ आव्योरेएकगछमुनीवरनोतिहांकिणेरेलो ॥ होसु०॥
पंथभ्रष्टपरीखीन्नजो ॥ देषीनेंअनुकपाआवीतुझमनेंरेलो ॥ ६६ ॥ होसु० ॥
तुझमनमांयईचित्तजो ॥ विषमगीरीकंतारमांकिमइणीपरेसमेरेलो॥ होसु०॥
जईपुछ्युततकालजो ॥ मुनींकहेसूलापथथीतिणेंसमीश्रमेरेलो ॥ ६७ ॥
होसू० ॥ श्रीमतीकहेसरतारजो ॥ एहतपस्वीफलमुलादिकआपीइरेलो॥ हो
सू० ॥ विध्यनीअटवीसीमजो॥ पारिउतारीएहतणाउखकापीइरेलो ॥ ६८ ॥
॥होसु०॥ एहनीघानसमानजो॥ किधीरेतूझसेटिवीघाताश्वरीरेलो॥ होसू०॥
इमसांसलीतसवाणिजो ॥ उठ्योरेरोमांचितअतीहरषेंसरीरेलो ॥ ६९ ॥ हो
सू० ॥ लाव्योमुलनेंकदजो ॥ अदसूतफललाव्योतवइममुनीवरसणेरेलो ॥ हो
सू० ॥ नवीकलपेअम्हएहजो ॥ जिणवरेंकीधनीषेधनवीलेउतिणेंरेलो ॥
॥ ७० ॥ होसू० ॥ बोल्योसवरसूपालजो ॥ अमउदवेगहोइतिणेंकारणलीजी
इरेलो ॥ होसू० ॥ मुनीवरजाणीसावजो ॥ लासालासविचारीइमवदिजीइरेलो
॥ ७१ ॥ होसु० ॥ लाबोफलमुलकदजो ॥ वरणगधपलटाणाहोईजेहनारेलो
॥ होसू० ॥ जेवफ्रकाघनांलीयजो ॥ सवरसयतेसाभलीभयणांतेहनांरेलो ॥
॥ ७२ ॥ होसु० ॥ परीणतफलमुलकंदजो ॥ लाव्योगिरीगुफाथीमुनीपमीला
सीआरेलो ॥ होसु० ॥ पथचढाव्यातामजो ॥ नारीसहीतशुससावथीधन्यनी
जमानीआरेलो ॥ ७३ ॥ होसु० ॥ मुनीईपणकसोधर्मजो ॥ सांसलीकर्म्म
वीवरथीतूमेंअगीकरयोरेलो ॥ होसु० ॥ दिघोतुमनवकारजो ॥ शिवसुखका
रणतेतुमेंसक्तिहर्देधरयोरेलो ॥ ७४ ॥ होसु० ॥ अतिशयज्ञानीतेहजो ॥
जाणीरेउपगारकहेवलीइणिपरेरेलो ॥ होसु० ॥ पच्छमांएकदिनसारजो ॥ सा
वधआरंसवरजीनेंइणीपरेंकरेरेलो ॥ ७५ ॥होसु०॥ एकांतेंरहीतामजो॥ नव
पदनेंतूंससारेदृढमनकरीरेलो ॥ होसु० ॥तुझनेंमारेकोयजो ॥ तोपणितेरहेवु
समताशुसआदरीरेलो ॥ ७६ ॥ होसु० ॥ इमपालीजीनधर्म्मजो ॥ पामस्यो

सुरसुरवयोमाकालमांहितूमेरेलो ॥ होसु० ॥ अगीकारकरेदोयजो ॥ साधु
एए ठेतिणेंनीस्तरीयांभ्रमेरेलो ॥ ७०॥ होसु० ॥ मुनीईकिधविहारजो
एहअसीमहपालेविरुजिममुनीकसोरेलो ॥ होसु० ॥ वर्द्धमानसंवेगजो
एकदिनपमीमापोसहतिहांदपतीपसोरेलो ॥ ७१॥ होसु० ॥ तिहांभ्रमणो
एकसीहजो ॥ गजकुसरथलदारणनेंरसीउंघणरेलो ॥ होसु० ॥ श्रीमतीवी
हनीतामजो ॥ देषीनेंसीहउठ्योधरीसाहसपणरेलो ॥ ७२॥ होसु० ॥
धनुषतिरलिइहाथिजो ॥ कहेमतविहेनारीतूएकसरेहणरेलो ॥ होसु० ॥
श्रीमतीबोलेतामजो ॥ एहमानहीसंदेहपराक्रमतूमतणरेलो ॥ ७३॥ होसु० ॥
पणिगुरुवयणपलायजो ॥ गुरुइकसूप्राणातकरेकोईवधप्रतेरेलो ॥ होसु० ॥
तेरवमज्योचित्तमांहिजो ॥ किमगुरुवयणव्यथाकरीइसमरणम्नेरेलो ॥ ७४॥
होसु० ॥ परसवबधुसूतजो ॥ तेगुरुवयणरसायणकरीनेंजाणीईरेलो ॥ होसु० ॥
नारीनेंकहेइमसीहजो ॥ सत्यकहुतेवयणगुरुवरुमानीईरेलो ॥ ७५॥
होसु०॥तूरुमोहेंकरथुइमजो॥ मुक्युधनुषतीरम्हेंगुरुवयणेंरसोरेलो ॥ होसु० ॥
इणिअवसरतेसीहजो॥उछालीलांगुलनेंतेसनमुखथयोरेलो॥ ८२ ॥ होसु० ॥नें
षित्युमनमांहिजो॥ गुरुआणापरीपालणकसवटिएषरोरेलो ॥होसु० ॥ उप
गारीएहसीहजो ॥ इमचिंतनशूसकरताआव्योडहकरोरेलो ॥ ८४ ॥होसु०॥
दपतीदोयविनासजो ॥ किधोरेउपसर्गतितूमेअहीआसीअरिलो ॥ होसु० ॥
सोहमदेवलोकमांहिजो ॥ दपतीउपनारुरुीमतआवासीआरेलो ॥ ७०॥
होसु० ॥ पल्योपमएकआयजो ॥ सोगवतांअम्यारमीकालसोहामणीरेलो ॥
होसु० ॥ आगमेरवमेएहजो ॥ पद्मविजयकहेवातसुणोआगेंघणीरेलो॥ ८६॥
॥ दुहा ॥ जबुदीपमांविरुजणां ॥ अपरवीदेहअनुप ॥ नयरचकपुरनिरषी
इ ॥ सजोगुरुमृगांकसूप ॥ ८७ ॥ कामिनीबालपवाकही ॥ तसकूखेंअव
तार ॥ समरमृगाकठवेसुरवें ॥ नामगुरुनिरधार ॥ ८८ ॥ साजोनृपनोसोह
तो ॥ सुतूपणसिरदार ॥ कुरुमतीनारीकूपमां ॥ तूरुनारीअवतार ॥ ८९ ॥
अशोकदेवीएहवु ॥ थाप्युनामथीरथाय ॥ कलामहणकरताविरु ॥ जौवन

पाम्यांजाव ॥ ९० ॥ तुमविवाहथयोविकृतणो ॥ परण्यादिनसुपसह ॥ सु खलोगवतांस्वर्गनां ॥ जाणेकालनजह ॥ ९१ ॥ रागघणोत्वीरमणनें ॥ इम करतांएकदीन्न ॥ पखिदेषीप्रथवीपती ॥ परसंवेगप्रपन्न ॥ ९२ ॥ राज्यदेई तूकराजीउं ॥ देवीस्यूलिशदिष ॥ राज्यपालेनूरगस्यु ॥ सङ्गअरीनेंदिश्वी ष ॥ ९३ ॥ मास्यानीरदयमनकरी ॥ वलितीर्यंचवीजोग ॥ हवेविपाकसु णितेहना ॥ सघलाकटुकसयोग ॥ ९४ ॥ ढाल० ॥ पहेलीनेंवार्मेंहोजीवि रजीनवरकहे ॥ एदेशी ॥ तिणहीजविजइहोजीगगानयरीइ ॥ सिरीवलरा जारेराज्यकरेतीहाजी ॥ तेहस्युसइजेंहोजीविषहतूकथयो ॥ सूलटसनुरा रेगयासिरिवलजीहांजी ॥ ९५ ॥ तोपणितेहस्युहोजीसग्रामममांमीउं ॥ ओप सैन्यपणितिणेमारयुयदाजी ॥ तुकपणिमास्योहोजीकालकरीतीहा ॥ रौद्र ध्यानथीरेगयोनरगेंतदाजी ॥ ९६ ॥ सत्तरसागरहोजीआउपुनाहरु ॥ ता हरीराणीरेमरणतेसांसलीजी ॥ मुरछापामीहोजीचेतनावलीलही ॥ करेनिया णरेइणिपरेंतेवलीजी ॥ ९७ ॥ जिहामुकस्वामीहोजीहोइउपना ॥ तिहांमुक होज्योरेउपजवुपरुजि ॥ इमकहीपेठीहोजीबलतीअगनीमा ॥ क्लिष्टचित्तथी रेकष्टसहुआकरूजी ॥ ९८ ॥ सत्तरसागरहोजीआउपेउपनी ॥ महादुख सहेतारेअनुक्रमेंविकृजणांजी ॥ तिहांथीनीकलीहोजीनुरकाअर्हमां ॥ भरत षेत्रमांरेनिरधनजेघणांजी ॥ ९९ ॥ तेविकृउपनाहाजीसीन्न २ घरें ॥ वि कृजणपरण्यारेअनुक्रमेंदपतीजी ॥ आजिविकानुहाजीदूखतुमेंअनुसवो ॥ सिध्धाइआव्यारेएकदिनमहासतिजी ॥ १०० ॥ देषीतेहनेंहोजीसरधावाधर्त ॥ भासुकसीडारेरोमांचितथईजी ॥ आपीनेंपुछयूहोजीकिहांरहोछोतुम्हे ॥ त यतेबोलीरेमुष्यजेसजईजी ॥ १ ॥ वसूसेठघरनेंहोजीपासेउपासरें ॥ नयरमा रहीश्रेभ्रमसुणीहरपीआंजी ॥ सांझेंलेईहोजीफूलतिहांगया ॥ सुव्रतागु रुणीरेलामेंनीरपीआंजी ॥ २ ॥ पुस्तकसाहमीहोजीदृष्टीठवीकरी ॥ तनु जसनालारेसमरतेलोयणांजी ॥ सुवयणकमलाहोजीसोहेज्युकमलिनी ॥ ह रषेंवधारेविस्मीतदोयजणांजी ॥ ३ ॥ अगअग्यारेहोजीजीसनेंटरुइ ॥ धर्म

लासविधोरेकरउचोकरीजी ॥ प्रभुजीवदोहोजीकुसुमवुष्टिकरी ॥ तंधोसर गरसुरवेंजाउतरीजी ॥ ४ ॥ इमसुणीजिनवरहोजीविहरे ॥ मासिवीजा पेंरेआवीउपवीसजी ॥ गणिणीपुछेहोजीकिहांतूमवासठई ॥ गोचरीआव्या एकतोश्हांवसेजी ॥ ५ ॥ अम्हेंगयांगोचरीहोजीएहतणेंघरे ॥ सरवा तघणाठेसामीनीजी ॥ सतेंआप्याहोजीजिनवरवांदवा ॥ गणिणीबोल्यारी वातकरीकामनीजी॥६ ॥ धर्मतेजगमांहोजीसरणआधारदे ॥धर्मनेंमुंकीरेंक टालनहीजी ॥ इंद्रजालसमहोजीकेसुपनासमो ॥ चलनेंअशारेरेनरसवरक हीजी ॥ ७ ॥ धर्मकरेनहीहोजीविषयनोलोखपी ॥ चंदनबाल्यीरेअं गाराकरेजी ॥ धर्मथीलहीश्होजीशाश्वतसुखघणां ॥ बोमेंकालेरेकसुंश्वजी नवरेंजी ॥ ८ ॥ तिणेंतूमेआप्याहोजीतेढ्मुकरशु ॥ जिनमुनीहरीश्य तीपावनकसुजी ॥ श्मतुमेसांसलीहोजीशुभहृदयथकी ॥ मासनेंवधुंमुंरे पचखाणतुमेलसुजी ॥ ए ॥ उठवावेलाहोजीगणिणीइंकसुं ॥ नित १ प्रभ ज्योरेसुणवाधर्मनश्जी ॥ ङखसकजास्येहोजीतूमथाअगमी ॥ बचनतेंमा न्यरेजाणीमर्मनेंजी ॥ १० ॥ घरेहवेआप्याहोजीधर्मतेनीतकरो ॥ अनुक्र मेंतुम्हनेरेशुभश्रावकपणजी ॥ विषयविमुखथीहोजीपालीधर्मनें ॥ क रीनरसलोकेंरेलसुसुखसुरतणजी ॥ ११ ॥ सातसागरनुहोजीआउखुं ॥ तिहांथीचवीनेंरेआव्यांनृपघरेजी ॥ सधरजतममांहोजीकर्मकरयांतुम्हें ॥ ङखतसनरगेंरेसहीयांपरपरेंजी ॥१२ ॥ मनुजनासवमांहोजीङस्ककायसोन म्यां॥उदयेंआव्यूंरेचोपरसूतिकेजी ॥इमजाणिनेंहोजीकर्मनकीजीशतासउग्य चीनरविहेजीकेजी ॥ १३ ॥ लोकनाथनीहोजीसांसलीवाणीनें ॥ परवर्त बेगेरआतमसाखीउंजी ॥ कहेजीनवरजीहोजीधर्मसलोकसो ॥ प्रभुजीपश्चाई रेंवैरागआवीउंजी ॥ १४ ॥ दिक्षालेस्यूहोजीप्रभूजीपाउले ॥ जगगुरुबोलेरे प्रतीबधमतकरोजी ॥ लिघीदीक्षारेत्रुबनगुरुकर्ने ॥ एहदत्तांतरेकसोनेंगाह रोजी ॥ १५ ॥ कनकपुरेम्हेंहोजीतेतुम्हनेंकसो ॥ संवेगउपनोरेसांसलीवा तनीजी ॥ गुणभद्रांघनेंहोजीङख्वीपाकठे ॥ सिद्धान्तेकहियेरेमोहनीकाम

मीजी॥१६॥ म्रा०मेरवंमेंहोजीढालबारमी॥ साचीइमम्हेंरेपस्रवीजयकहेजी॥
समरादित्यनेंहोजीरासेंसोहामणी॥ सुणतामगलमालसवीलहेजी ॥ १७ ॥
॥ दुहा ॥ गुणचदकुमरकहेगुणी॥ अम्हनेकरयोउपगार ॥कहेतांम्रापकयातु
म्हे ॥ प्रगटउतारयापार ॥ १८ ॥ घरमअमेधारयोषरो ॥ पामीतुम्हपसाय ॥
मिथ्यावीकल्पसवीमिट्या ॥ अम्हनेंवतरुगाय ॥ १९ ॥ पणिगिहीधरमपसा
यकरि ॥ विषहकहेतववाणि ॥ महेरकरीतूम्हेमुक्तनें ॥ आपोअनुव्रत्तजाणि
॥ २० ॥ विधीइस्रावकव्रतलीम्रां ॥ वघागुरुवक्रमान ॥ गुरुधर्मलासदेइगदो॥
सुणितुवातसयान ॥ २१ ॥ आव्याम्रवसरउलपी ॥ अमेतूम्रबोधनम्राज ॥
रतनपुरीथीराजीम्रा ॥ कहेसीधुम्रमकाज ॥२२ ॥ पाछुतिहांजईपोहचवु॥
मुनीवरतिहांबहुमुक्त ॥ वादिजोतांहोस्येंवली ॥ तिणेंसांसलिकक्रतूक्त ॥२३॥
अयोध्यामांम्रमतणो ॥ मिलवुयस्येकुमार ॥ दृढव्रतहोज्येदाषवी ॥ अदसू
तहवेम्रणगार ॥ २४ ॥ सक्रसाधुस्युसत्तरया ॥ गगनपथगुरुराय ॥ वंदेकुम
रविपहविक्र ॥ म्रनुक्रमेंअदृश्यथाय ॥ २५ ॥ हवेम्रयोध्याहर्षस्यूचाल्याच
तुरविचारि ॥ वाणमतरनीवातनो ॥ पसणहवेप्रकार॥२६॥ढाल॥क्रवारीरगढो
लनां ॥ एदेशी ॥ तेहजदिवसेंतिहागयोहोराजि ॥ वाणमतरपगजेहरे ॥ उम्रा
षेएहवीवातमी ॥ कुमरनापरीजनम्रागलेहोराजि ॥ कुप्रपचकरेतेहरे ॥
॥ २७ ॥ उ० ॥ विपहराइमारीउहोराजि ॥ सषामेंगुणचदरे ॥उ०॥ श्रवणपर
परासांसलेहोराजि ॥ मैत्रीबलजेनरिंदरे ॥ २८ ॥ उ० ॥ नरपतीतेनवीसरद
ईहोराजि ॥ रतनवतीसुणेजामरे ॥ उ० ॥ मुर्छालहीधरणीढलीहोराजि ॥ आ
श्वासेपरीजनतामरे ॥ २९ ॥ उ० ॥ रायसुणीतीहांम्रावीउहोराजि ॥ नयणें
नीरनमायरे ॥ उ० ॥ रतनवतीचरणेंनमीहोराजि ॥ कहेसूणीइमहारायरे ॥
॥ ३० ॥ उ० ॥ क्रमवसाग्यसीरोमणीहोराजि ॥ पेसूम्रगनीमझारिरे ॥ उ०॥
आणाथोजीवीततजुहोराजि ॥ गयोमुक्तप्राणम्राधाररे ॥ ३१ ॥ उ० ॥ प्रा
णनिगेरहजीरसाहोराजि ॥ थोम्राणामुक्तम्राजरे ॥ उ० ॥ सुरलोकेंसगमहो
इहोराजि ॥ आर्यपुत्रस्यूकाजरे ॥ ३२ ॥ उ० ॥ सोहागणसुणिवातमीहोरा

जि ॥ नृपकहेमकरोएयोकरे ॥ उ० ॥ सतवनहीएहवातनोंहोराजि ॥ कोईनलोकरे ॥ ३३॥ उ० ॥ सिहनेंमारेसीआलीउंहोराज ॥ एहवमाहे रे ॥ उ० ॥ सीयादेउँसाषीउंहोराजि ॥ पुत्रजनमश्मनेमरे ॥ ३४ ॥ उ० ॥ षनअलीकनतेहनुहोराजि ॥ नहीमुरुआकुलचित्तरे ॥ उ० ॥ सुपनविडं सोहामणहोराजि ॥ अविधवातूरुदित्तरे ॥ ३५ ॥ उ० ॥ अनमांतरकोई रीइहोराजि ॥ कुमकपटकस्युएहरे ॥ उ० ॥ तिणेएवातनकीजीइहोराजि ॥ जिणीवानेंजाइगेहरे ॥३६॥उ०॥ देवनीवातअचित्यछेहोराजि ॥ वातहोस्येएह साचरे ॥ उ० ॥ तोअम्हेपणिकीमजीवस्यूहोराजि ॥ मानितूसाचिवाचरे ॥ ॥ ३७ ॥ उ० ॥ पवनगतीकाश्रिदमर्तेहोराज ॥ मोकलीउंछेआजरे ॥ उ० ॥ पांचदिवसमांआवस्येहोराजि ॥ पछेजुक्तकरेस्यूंकाजरे ॥ ३८ ॥ उ० ॥ तिणेमतयाउतावलिहोराजि ॥ मतकरज्येसतापरे ॥ उ० ॥ रमवातिक हेतानजीहोराजि ॥ जिमतुमचोहोयछापरे ॥ ३९ ॥ उ० ॥ पणिओ तुम्हआणाहोइहोराज ॥ तोदेउनीतदानरे ॥ उ० ॥ शांतिकरमवलीति मकरुंहोराजि ॥ देवपुजावङमानरे ॥ ४० ॥ उ० ॥ कुसलवातआर्यपुपनी होराजि ॥ सांसलीइत्यांसीमरे ॥ उ० ॥ माहरुमनछेएहवुहोराजि ॥ आहारत णोकरूनेमरे ॥ ४१ ॥ उ० ॥ रायकहेकरीइसूर्षेहोराजि ॥ एहमांकोईनंवोथरे ॥ उ०॥ रतनवतीहवेतिमकरेहोराजि ॥ धर्मतणोवरपोसरे॥४२॥ उ०॥ सुपती निजथानिकगयोहोराजि ॥ सागईपुजनहेतरे ॥उ०॥ इणेंअवशरितिणेंनीरषी आंहोराजि ॥ पुरवपुण्यसकेतरे ॥ सजमवतीसाधवी ॥ एआंकणी ॥ ४३ ॥ विचारसूमीयीआवतांहोराजि ॥ नहिकोईचित्तवीकाररे ॥ स०॥ ज्ञानीतपसी उपसमीहोराजि ॥ सुदरअगआकाररे ॥ ४४ ॥ स० ॥ सावनासारेंपरिण म्यांहोराजि ॥ साङणीनेंपरीवाररे ॥ स० ॥ श्वेतांबिकान्टपनीधुआहोराजि ॥ कोसलान्टपनीनारीरे ॥ ४५ ॥ स० ॥ चरणसिरीइथिमहषस्युहोराजि ॥ मुस गताजसनामरे ॥ स० ॥ देपतांरतनवतीतणोहोराजि, ॥ नाठोशोकउदामरे ॥ ॥ ४६ ॥ स० ॥ मनमांआणदउपनोहोराजि ॥ आतमविर्यउलासरे ॥ स० ॥

चितवेअहोसगवतीतणोहोराजि ॥ रुपनेंविषयउदासरे ॥ स० ॥ ४७ ॥ अ
होकुसलताएहनीहोराजि ॥ कृतारथअहोएहरे॥ स० ॥ मुझनेंदरीसणएथयु
होराजि ॥ धन्यथईमुझदेहरे ॥ ४८ ॥ स० ॥ दरीसणमात्रेंजेहनाहोराजि ॥
पापपमलजाइदूररे ॥ स० ॥ साधवीपासेंतेगईहोराजि ॥ शुभध्यानेंसपुररे॥
॥ ४९ ॥ स० ॥ विनयथीगणिणीवांदियांहोराजि ॥ धर्मलाभदिउतामरे ॥
स० ॥ फिरीवदिनेंबोलतीहोराजि ॥ विनतिसूणोएकआमरे ॥ ५० ॥ स० ॥
दुखीजनवछलछेतूमेहोराजि ॥ किजेंएकपसायरे ॥ स० ॥ मुझघरिआवो
स्वामीनीहोराजि ॥ जोनवीरोधकोईथायरे ॥ ५१ ॥ स० ॥ दुखउपसमका
यकथयोहोराजि ॥ तुम्हदरीसणथीआजरे ॥ स० ॥ सललाभोमुझधर्मनेंहो
राजि ॥ जिमहोवेमुझकाजरे ॥ ५२ ॥ स०॥ धर्मचीलाभुणीवातमीहोराजि॥
एहर्मांकांयनवीरोधरे ॥ स० ॥ गुरुणीकहेअमेआवस्यूहोराजि ॥ जेहथी
होयतूमबोधरे ॥५३॥स०॥ कोईनेंअप्रीतीनउपजेहोराजि ॥ रतनवतीकहेता
मरे ॥ स० ॥ धरमीमुझगुरुजनअछेहोराजि ॥ नहिकोईअप्रीतीठामरे ॥५४॥
॥ स० ॥ गणिणीकहेतोआवस्युहोराजि ॥ साकहेकिधपसायरे ॥ स० ॥
चाल्यासझसार्थेहवेहोराजि ॥ रतनवतीघरिजायरे ॥ ५५ ॥ स० ॥ आठमे
खमेएकहीहोराजि ॥ तेरमीढालरसालरे ॥ स० ॥ पद्मविजयकहेसासलोहो
राजि ॥ सुणतांमगलमालरे ॥ ५६ ॥ स० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ दुहा ॥ विनयकरीविधिस्यूवली ॥ उत्तमआसनआपि ॥ अलवेंआगलिउ
पविसे ॥ सूणवानेंसलाप ॥ ५७ ॥ परिवारपणिवेठोपछे ॥ सुणवाधर्मसकेत ॥
ज्ञानीतवगुरुणीकहे ॥ हवेकरवातसहेत ॥ ५८ ॥ एससारअसारमां ॥ जन
ममहादुखखाण ॥ जरावलीजीरणकरे ॥ मरणदुखअसमाण ॥ ५९ ॥ मोह
विषयनेंमांनतिम ॥ मछरक्रोधनेंमाय ॥ लोभसायरलपदुखदिइ ॥ इद्रियवि
षयउजाय॥६०॥ सूपीउनहीसचारमां ॥परमारथथीपेष॥ मुनीवरमुकीमानि
नी ॥ दरूपणेंतूंदेषी ॥ ६१ ॥ ढाल ॥ सूदरपापथानिकतजोसोलमु ॥ एदे
शी ॥ सूदररोगीजिमवरवैद्यनें ॥ करीयगवेषणासारहो ॥ सू० ॥ निजदुप

जि ॥ नृपकहेमकरोएत्रोकरे ॥ उ० ॥ ससवनहीएहवातनोंहोराजि ॥ कोईनलोकरे ॥ ३५ ॥ उ० ॥ सिहनेंमारेसीआलीउंहोराज ॥ एहमनाकरे ॥ उ० ॥ सीक्षादेर्त्रोसापीउंहोराजि ॥ पुत्रजनमइमनेमरे ॥ ३० ॥ उ० ॥ चनअलीकनतेहनुहोराजि ॥ नहीमुझआकुलचित्तरे ॥ उ० ॥ नृपनेदुंसोहामणहोराजि ॥ अविधघातूझदित्तरे ॥ ३५ ॥ उ० ॥ जनमांतरकोरीइहोराजि ॥ कुमकपटकस्युएहरे ॥ उ० ॥ तिणेएवातनकीजीइहोराजि ॥ जिणीवानेंजाइगेहरे ॥ ३६ ॥ उ० ॥ देवनीवातअचित्यछेहोराजि ॥ बालहोस्येएहसाचरे ॥ उ० ॥ तोअम्हेपणिकीमजीवस्यूहोराजि ॥ मानितूसाचिवाचरे ॥ ३७ ॥ उ० ॥ पवनगतीकाचिदमतेंहोराज ॥ मोकलीउंछेआजरे ॥ उ० ॥ पांचदिवसमांआवस्येहोराजि ॥ पछेजुक्तकरेस्यूंकाजरे ॥ ३८ ॥ उ० ॥ तिणेमतयाउतावलिहोराजि ॥ मतकरज्येसतापरे ॥ उ० ॥ रतवतिकहेतानजीहोराजि ॥ जिमतुमचोहोयगपरे ॥ ३९ ॥ उ० ॥ पणिजोतुम्हआणाहोईहोराज ॥ तोदेउनीतवानरे ॥ उ० ॥ शांतिकरमबलीतिमकरुंहोराजि ॥ देवपुजाबहुमानरे ॥ ४० ॥ उ० ॥ कुसलवातआर्यपुत्रनीहोराजि ॥ सांसलीइस्यांसीमरे ॥ उ० ॥ माहरुमनछेएहवुहोराजि ॥ आहारतणोकरूनेमरे ॥ ४१ ॥ उ० ॥ रायकहेकरीइसूषेंहोराजि ॥ एहमांकोईनदोषरे ॥ उ० ॥ रतनवतीहवेतिमकरेहोराजि ॥ धर्मतणोवरपोसरे ॥ ४२ ॥ उ० ॥ नृपतीनिजथानिकगयोहोराजि ॥ सागईपुजनहेतरे ॥ उ० ॥ इणेअवसरितिणेनीरषीआंहोराजि ॥ पुरवपुण्यसकेतरे ॥ सजमवतीसाधवी ॥ एआंकणी ॥ ४३ ॥ विचारसूमीथीआवतांहोराजि ॥ नहिकोईचित्तवीकाररे ॥ स० ॥ ज्ञानीतपसीउपसमीहोराजि ॥ सुदरअगआकाररे ॥ ४४ ॥ स० ॥ साधनासार्वेपरिवर्यांहोराजि ॥ साहुणीनेंपरीवाररे ॥ स० ॥ श्वेतांबिकानृपनीधुआहोराजि ॥ कोसलानृपनीनारीरे ॥ ४५ ॥ स० ॥ चरणसिरीशिवपहथस्युहोराजि ॥ सुसगताजसनामरे ॥ स० ॥ वेषतांरतनवतीतणोहोराजि ॥ नागोत्रोकउद्दामरे ॥ ॥ ४६ ॥ स० ॥ मनमांआणदउपनोहोराजि ॥ आतमविर्यउल्लासरे ॥ स० ॥

॥ सु० ॥ तिणेंनवीयाइएअन्यथा ॥ वलिभत्ययकज्ञतेहहो ॥ ७६ ॥ सु० ॥
घ० ॥ सु० ॥ तुमउतावलेंसापीइ ॥ मतकरज्येमनरीसहो ॥ सु० ॥ गुरुप्रदे
शेंमसहोस्ये ॥ जाणज्येविसवाविसहो ॥ ७७ ॥ सुं० ॥ घ० ॥ सु० ॥ हवे
तूताहरुजाणज्ये ॥ साकहेसाचिवाणिहो ॥ सू ॥ म्हेंआकुलपणेंसापीउ ॥ ग
णिणीकहेनहीहाणिहो ॥ ७८ ॥ सु० ॥ घ० ॥ सु० ॥ सनेहिहोइउतावला ॥
पणिमुझपमज्येएहहो ॥ सु० ॥ तुमउतावलेंजेकसु ॥ अणघटतूम्हेजेहहो
॥ ७९ ॥ सु० ॥ घ० ॥ सू० ॥ साकहेओोकनीवारीउ ॥ किंघोमुझउपगार
हो ॥ सुं० ॥ पुंवुतूम्हएकवातमी ॥ एकुणकर्म्मप्रकारहो ॥ ८० ॥ सू० ॥
॥ घ० ॥ सु० ॥ गणिणीकहेएयोमलो ॥ तेअज्ञानविपागहो ॥ सु० ॥ पणिए
रुद्रताकेतली ॥ सांसलिमाहरीवागहो ॥ ८१ ॥ सु० ॥ घ० ॥ सु० ॥ थोम
कर्मेम्हेंलस्रो ॥ जेहविपाकअपारहो ॥ सु० ॥ साकहेसावधांनअछुं ॥ कि
जेंमुझउपगारहो ॥ ८२ ॥ सु० ॥ घ० ॥ सुं० ॥ आठमेखमेचौदमी ॥ पद्म
विजयकहीढालहो ॥ सु ॥ गणिणीकहेहवेनीजतणु ॥ सांसलोचरीत्रमसाल
हो ॥ ८३ ॥ सु० ॥ घ० ॥ दुहा ॥ नयरीकोसलानोघणी ॥ नरसूदरनरना
ह ॥ अवसूतइणहीजविजयमां ॥ अगेंघरेंउछाह ॥ ८४ ॥ आसवपर्याइम्रअ
छु ॥ घर्मपत्नीतसधारि ॥ एकदिनगयोअवनीपती ॥ रमवारानमझारि ॥ ८५ ॥
अपहरीउंअर्श्वेंतदा ॥ मुक्योअटवीमांहि ॥ मध्याह्नेतिहामाननी ॥ ततपि
णदिठित्याहि ॥ ८६ ॥ तवआदरतेअनिकरे ॥ आवोअवनीपाल ॥ बेशोतूम्हे
इणवेसणें ॥ सेवाकरूससालि ॥ ८७ ॥ ढाल ॥ देशीवटाउनी ॥ एदेशी ॥ रायकहेतू
कुंणछेरे ॥ कुणएथानिकसार ॥ तवतेकहेजरवणीअछु ॥ मनोहरानामउदार
रे ॥ एतोविध्यनुंरणअवघारीरे ॥ तवनरपतिकहेसुणिनारिरे ॥ तूएकलीकिमइ
णिगरिरे ॥ ८८ ॥ बलिहारीशीलवतनीमेरेलाल ॥ एआंकणी ॥ जरिकणीकहेअमेदप
तीरे ॥ नदनवनथीआज ॥ मलयाचलजईआवतां ॥ इणिथानिकआव्यासमाज
रे ॥ पतीकोप्योवीणकोईकाजरे ॥ एकाकिणीकीधीत्याजरे ॥ तववोल्योइमनर
राजरे ॥ ८९ ॥ ब० ॥ विझईकांमहिपफकरयुंरे ॥ तुझमुकीगयोएह ॥ तूप

तासनिवेदिनें ॥ करेतेहनोउपचारहो ॥ [illegible] ॥ सुवरधर्मनीसवीजसंप्रजे
एआंकणी ॥ सु० ॥ वैद्यवचनअगीकरे ॥ सेवेकिरीयातेहहो ॥ सु० ॥
करेपथ्यसेवतां ॥ आरोग्यअरथीजेहहो ॥ ६४ ॥ सु० ॥ घ० ॥
डुखपणवाससगएनही ॥ नविमुक्यापणिव्याधिहो ॥ सु० ॥ विमुनल
लपीउजिणें ॥ अनुक्रमेपायअवाधहो ॥ सु० ॥ घ० ॥ ६५ ॥ सु० ॥ वि
मुनीवरससारमा ॥ जनमजरानेंमरणहो ॥ सु० ॥ व्यार्थेपीमयावैयनु ॥ वि
तरागकरेसरणहो ॥ ६५ ॥ सु० ॥ घ० ॥ सु० ॥ तेहनुकपवतेआचरे ॥ वि
धासजमसारहो ॥ सु० ॥ किरीयाकष्टकरेघणा ॥ सहेउपसर्गअपारहो ॥
॥ ६६ ॥ सु० ॥ घ० ॥ सु० ॥ अतरसमसतोरवना ॥ सुखथीनगणेडुखहो
॥ सु० ॥ अतरअव्याबाधनें ॥ जाणुनीश्चयसुरकहो ॥ [illegible] ॥ सु० ॥ घ०
सु० ॥ वितरागसुरवीआघणा ॥ सावरोगनहीजासहो ॥ सु० ॥ मोहतिमीर
रेंगयु ॥ ज्ञानसूरयपरकासहो ॥ ६८ ॥ सु० ॥ घ० ॥ सु० ॥ सुटिसनमी
लमी ॥ ढूकमुंढेथीवसुरकहो ॥ सु० ॥ सुरिवआतिर्णेथोमाहोइ ॥ बहुडुखीआ
सहेडुरकहो ॥ ६९ ॥ सु० ॥ घ० ॥ सु० ॥ पणिससारीजीवनें ॥ सुखडुख
नोविपर्यासहो ॥ सु० ॥ अगनाआहारादिकथकी ॥ मानेंसुखविश्वासहो ॥ [illegible]
सु० ॥ घ० ॥ सु० ॥ तुम्हडुखकारणअमकहे ॥ तवकहीसघलीवातहो ॥ सु० ॥
परमारथेंजीमतुमेंकसु ॥ तिमसाचोअवदातहो ॥ [illegible] ॥ सु० ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
पणिपतीवीरहसालेघणो ॥ गुरुणीबोल्यांतामहो ॥ सु० ॥ कुसलअछेअमतेह
नें ॥ धीरजधरिथिरथावहो ॥ परमाणदेमिलावहो ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
सु० ॥ साकहेकिमजाणोतुमे ॥ गुरुणीकहेस्वरबुझहो ॥ सु० ॥ सोहमनि
नेंजोईइ ॥ एहथोगेएगुझहो ॥ ७३ ॥ सु० ॥ घ० ॥ सु० ॥ रतनवतीकहे
सांसलो ॥ मतकरज्योतुम्हेकोधहो ॥ सु० ॥ गुरुणीकहेमुनीलोकनें ॥ कोम
तणोहोइरोधहो ॥ [illegible] ॥ सु० ॥ घ० ॥ सु० ॥ साकहेभस्पयद्रापको ॥ गुरु
णीकहेस्युकामहो ॥ सु० ॥ वितरागनांवयणमां ॥ नथलेसुणिअसीरामहो ॥
॥ ७५ ॥ सु० ॥ घ० ॥ सु० ॥ स्वरमर्मसांसाथीउ ॥ तेहकेमुम्हेंएहहो

ऊफेमुठामरे ॥ जोमुक्रम रुआवेएवामरे ॥ एकदिनवलीनृपअसीरामरे ॥ वास
सवनमाहिगयोजामरे ॥ ५०० ॥ क० ॥ तवकुवाससुवनगरे ॥ दिठोतीहांम्हें
राय ॥ मुऊसमरूपेंनारीस्यू ॥ दिठेमुऊमनसकायरे ॥ उसरवामामुपायरे ॥
सूपनेंथयोतामकपायरे ॥ पापिणीमायाकरीआयरे ॥ १ ॥ व० ॥ रेदेवी
एपापिणीरे ॥ केहवीन्आवीआज ॥ इमकहीदोम्थ्योपूठिथी ॥ केसपकमेतेन
रराजरे ॥ मेंकसुस्यूकरोएकाजरे ॥ नववोलातेतलोपाजिरे ॥ आवीजोतूमस
मवेसव्याजरे ॥ २ ॥ व० ॥ मायासीकहेरायनेरे ॥ एदरीसएनहीलाग ॥ पा
पिणीकाढीमुकीइरे ॥ सूणीपसएनरपतीवागरे ॥ चोकीआततेमोमुऊपागरे ॥
आव्यातवसूपीअसागरे ॥ एहनोकरोरणमातागरे ॥ ३ ॥ व० ॥ करज्योक
दर्थनावऊपरेरे ॥ किधीआणाप्रमाण ॥ पुरववयरीनीपरें ॥ पापिणी २ कहे
वाणीरे ॥ केईपकमेकेसनेंपाणिरे ॥ केईताणेंवस्त्रअन्नाणरे ॥ केईताणेंहाथपी
ठानरे ॥ ४ ॥ व० ॥ नयरवाहिरलावीकरीरे ॥ किधीकदर्थनाफेर ॥ मुकीरण
मांएकली ॥ इणिपरेंसापेथईसेररे ॥ फरीपकमीसजोएसेररे ॥ तोहणस्यूएस
मसेररे ॥ वलिआइमकहीतिणीवेररे ॥ ५ ॥ व० ॥ म्हेंमनमाइमचितव्युंरे ॥
अहोएपापवीकार ॥ विणअपराधेंएवमा ॥ प्राणीलहेऊखअपाररे ॥ पुरवक्र
तकर्मविचाररे ॥ हवेजीववुकेहीप्रकाररे ॥ मरवुनीश्चयएधारीरे ॥ ६ ॥ व० ॥
ऊपापर्वतथीकरुंरे ॥ ईमनःश्चयकरीठीक ॥ पोहतीपर्वतेंक्लेशथी ॥ चढवामा
म्युतहकीकरे ॥ मुनीवरदेपेगतसीकरे ॥ दरीमारसातेहनजीकरे ॥ कलपाते
नवोलेअलिकरे ॥ ७ ॥ व० ॥ नामसुगहीनसूरीअठेरे ॥ सार्थेश्रऊपरीवार ॥
सयाररणसार्थपसमो ॥ चिंतामणीसमहीतकाररे ॥ तपतेजेजीमदिनकाररे ॥
गुणरयणतणेसमाररे ॥ डपीआर्तेतिआधाररे ॥ ८ ॥ व० ॥ द्वेपतांदिव्यज्ञानी
मुनीरे ॥ नागेसर्वकिलेस ॥ वद्याविनइमुनीवरु ॥ धर्मलासदिइसूवीशेसरे ॥
कहेवठ्यासलिजपदेशरे ॥ मनमामतकरिसक्लेसरे ॥ तूथिलवतीशुसवेगरे ॥
॥ ९ ॥ व० ॥ आठमेखमेएकहीरे ॥ वरपनरमीढाज ॥ समरादित्यनारासमा ॥
गुरुउत्तमवीजयनोवालरे ॥ हवेगुरुजीवयणरसालरे ॥ कहेस्येसविजिसदयाल

णिसार्थेनवीगई ॥ सुणिबोलीजरूणीतेहरे॥ होइअप्यनुरागीजेहरे ॥ [illegible] नहीकारजरेहरे ॥ तवत्तूपकहेगुणगेहरे ॥ ९० ॥ व० ॥ धर्मसतीनोएम [illegible] बोलेजरूणीताम ॥ दोपविनातजेरागीने ॥ तेहनेंसतिअपणानोस्योगमरे [illegible] नृपसापेतवअसीरामरे ॥ कुणदोपवीनातजेआमरे ॥ साकहेमुरपनांकामसे [illegible] ॥ ९१ ॥ व० ॥ इमकहीनांपेकटाक्षनेरे ॥ उवेषेतेहराय ॥ आजमुकीमोर्ने कहे ॥ निजवोल्युइमनपलायरे॥ अनुरागीनेंकुणतजेसायरे॥ अनुरागीतजो मुझकांयरे ॥ नृपकहेपरस्त्रीतूथायरे ॥ ९२ ॥ व० ॥ पुरुषनेसघलोपरअने रे ॥ निजघरिनजणीकोय ॥ रायकहेइममतकहो ॥ जेविरोधीपरलोयरे ॥ क हेनारीअक्षिकवचतोयरे ॥ परलोकविरुद्धएजोयरे ॥ कसुअनुरागीतजेकोय रे ॥ ९३ ॥ व० ॥ रायकहेरागिणीकीसीरे ॥ डुरगतीमोकलेइम ॥ दोपसरीषे कारणें ॥ परलोकअपेक्षानकेमरे ॥ तवबोलीदेषाडतीप्रेमरे ॥ मुझवचनकरे जोनेमरे ॥ नहितोतूझनेंनहीषेमरे ॥ ९४ ॥ व० ॥ रायकहेअमेनवीगणुंरे ॥ रभाकेरोसार ॥ कोपचढ्योथईसामुही ॥ सूपतिइहकारीतिवाररे ॥ तवअथ यईतेनारिरे ॥ चाल्योनीजनयरविचाररे॥ हवेजोज्योमार्गमझारिरे ॥ ९५ ॥ व० ॥ कचनपादपमारवारे ॥ नाष्योपमीउंडूर ॥ नृपजुइउपरीजिस्ये ॥ तव दिठीजरूणीक्रूररे ॥ साषेसाक्रोधनेंपुररे ॥ भृकुटीकरीगगनेंसूरीरे ॥ झनापी सतूझनेंचुरीरे ॥ ९६ ॥ व० ॥ क्षुटिसतूवारकेतलीरे ॥ तवबोल्योराजान ॥ रे पापिणीगोचरनही ॥ नहीतोतुझफेडुथानरे ॥ घटिजिमचुरेघानरे ॥ इमज णीसांसलीकानरे ॥ दिव्यजोगेंअदृश्यपहिचानरे ॥ ९७ ॥ व० ॥ सैन्यमल्यु नीजरायनुरे ॥ हरष्यासघलालोक ॥ करेवधामणांसज्जना ॥ सेटणालाषे थोकेंथोकरे ॥ नृपसावधानगतशोकरे॥ नविविश्वसेंचित्तएटोकरे ॥ रषेआमे गलामांतोकरे ॥ ९८ ॥ व० ॥ साधवीकहेम्हेंपुछिउरे ॥ किमनधरोविसवा स ॥ रायकहेएसहजथी ॥ तवपुछ्युफिरीनृपपासरे ॥ मुझप्रजलेचित्तवेषास रे ॥ अतीआमहेपुछ्युतासरे ॥ तवसर्वकसुसुखकासरे ॥ ९९ ॥ व० ॥ वाल मनोहरानीकहीरे ॥ म्हेंसाष्युसुणोस्वामी॥ किमएहेपणीनुमतणी ॥ कहेराय

साङणीपेर ॥ करोसगवतीमुऊपरिमेररे ॥ २० ॥ श्री० ॥ असलाभ्योनीजट
शांत ॥ परीव्राजीकाकहेएकांत ॥ तुधिरजघरिमनशांतिरे ॥ २१ ॥ श्री० ॥
मदिरावतीउपरिपेद ॥ थाशतिमकरस्युसेद ॥ निश्चयकरीनेंतूवेदरे ॥ २२ ॥
श्री० ॥ साकहेकिघोउपगार ॥ गईपरीव्राजिकाआगार ॥ करेविऊनेंविजो
गप्रकाररे ॥ २३ ॥ श्री० ॥ केईउषघीआकतीअर्चीत ॥ वलिकर्मविचीश्रता
सति ॥ थयुकारजनिश्चयततरे ॥ २४ ॥ श्री० ॥ मदिरावतीठामीसेठे ॥ श्री
केमहितेजुश्हेठे ॥ तुऊकर्म्मवघाएतेनेंठेरे ॥ २५ ॥ श्री० ॥ आउपुतेअनु
क्रमेंपाली ॥ थईहाथिणीतूमतवाली ॥ युथाधीपनेंनहीवाहलीरे ॥ २६ ॥
श्री० ॥ लहिमरणनेंवानरीथाय ॥ युथाधीपनेंनसुहाय ॥ कर्याकर्म्मतेक
होकिहांजायरे ॥ २७ ॥ श्री० ॥ जुथाधीपेंदूरेंकीवी ॥ जरठाकूरेंपकमी
लीधी ॥ साकलवांधीडुखेदीधीरे ॥ २८ ॥ श्री० ॥ तिहांमरीनेंकुतरीजाई ॥
सविस्वाननेपणिनसुहाई ॥ रीतूकालेंपणडुसगाईरे ॥ २९ ॥ श्री० ॥ स्तवं
फलनेंषिणठीदेह ॥ पमीआकीमाअतीरेह ॥ वऊक्केशसोगवतीजेहरे ॥ ४० ॥
श्री० ॥ तिहांथीमरीथईमार्जारी ॥ कोईमार्जारनेंनहीप्यारी ॥ घरअनलें
वलीतिणीवारीरे ॥ ४१ ॥ श्री० ॥ मरीचक्रवाकीथईजाम ॥ सरतारविऊणी
नाम ॥ महाडखणीथईअवीरामरे ॥ ४२ ॥ श्री० ॥ तिहांथीचमालणीऊई ॥
पतीअलपामणीरहेजुई ॥ अनुकरमेंत्तीहांथीमुईरे ॥ ४३ ॥ श्री० ॥ हवेसील
मीनोसवआयो ॥ कोईसवरनेंसगनसुहायो ॥ सलेश्रोंजेकर्म्मवधायोरे ॥
॥ ४४ ॥ श्री० ॥ पालिमांथीकाढीमुकी ॥ कोईनजुश्साइमुघुकी ॥ हवेकर्म
थीतेथईटुकीरे ॥ ४५ ॥ श्री० ॥ समतितिहांविपमप्रदेश ॥ अहेतीवऊलास
केश ॥ दिठामुनीवरशुसलेशरे ॥ ४६ ॥ श्री० ॥ आठमेंखमिएकाल ॥ गुरु
उत्तमविजयनोवाल ॥ सोलमीकहेरगरसालरे ॥ ४७ ॥ श्री० ॥ ॥ ५ ॥
॥ डुहा ॥ मारगमायाकामुनी ॥ सूलापथ्यसयाल ॥ तेमुनीश्दिठितूनें ॥ करुणाव
तकृपाल ॥ ४८ ॥ मोदथयोताहरेमनें ॥ पुछेमुनीवरपथ्य ॥ कुणएथानिकतें
कहो ॥ अलीकनएहमांश्रथ ॥ ४९ ॥ सऊकतारएसाधुजी ॥ पठिमदिशतु

रे ॥ जेहमीहोस्ये मगलमालरे ॥ १० ॥ [illegible] ॥ ॥ ५ ॥ [illegible]
॥ दुहा ॥ स्युसआरमांसारछे ॥ आपदसाजमएह ॥ [illegible]
त्वनजाणेंनेह ॥ ११ ॥ श्रवणेंजिनवचनवीमुखें ॥ [illegible]
कर्मतेवेदतां ॥ सुधोहोइसताप ॥ १२॥ वितरागवयणांवीना ॥ [illegible]
रेंहाणि ॥ म्हेंकसुनहतीमहामुनी ॥ वलिकहोएकवषाण ॥ १३ ॥ [illegible]
किस्युपुरवें ॥ पामीईस्याप्रकार ॥ कहेगुरुसांभलितेकथा ॥ [illegible]
॥ १४ ॥ ढाल० ॥ देशीचावलीआनी ॥ एदेशी ॥ इणसरतेंउत्तरदेसें ॥ [illegible]
रनगरेंसुवीशेसें ॥ ब्रह्मसेनसुपतीसुसवेसरे ॥ १५ ॥ श्रीवती ॥ [illegible]
डरविप्रइणेंनाम ॥ नृपनेंविश्वासनुगाम ॥ पुरदरातेहनीवामरे ॥ [illegible]
श्री० ॥ चद्रजशातेहनीपुत्ति ॥ इहाथीनवर्मेसर्वेक्रति ॥ माविप्रजाले[illegible]
सूतीरे ॥ १७ ॥ श्री० ॥ जिनवयणसांभितमायताय ॥ तुझबातनेहीतनीक
हाय ॥ तुझनेंपरिणमननथायरे ॥ १८ ॥ श्री० ॥ सबवासनाजेहअणाई ॥
बालसाववलीडरवदाई ॥ जसोदामवसेसेगाईरे ॥ १९ ॥ श्री० ॥ बधुसदरीमे
हुनीनारी ॥ तेहस्यूतूझप्रीतीअपार ॥ तेहनेंवाढोशआररे ॥२० ॥ श्री० ॥ मतिन
क्रेश्रीपरीणाम ॥ वलिगिरधरसोगनेंकाम ॥ परसवनुनजाणेंनामरे ॥ [illegible]
श्री० ॥ तुझमावीमेंघणकवारी ॥ एपापिणीडरगतीवारी ॥ एहनीसगतीनही
तूमसारीरे ॥२२॥ श्री० ॥ तेंवचननमान्युतास ॥ एकदिनचलीगईतसपास ॥
बधुसदरीदीठीनीरासरे ॥ २३॥ श्री० ॥पुछ्युतेंकीमतूश्मा ॥ साकहेपतीनोमहीमे
म ॥ एहनेंमदिरावतीस्युंवेहेमरे ॥ २४ ॥ श्री० ॥ माहरेनहीहजीअसतान ॥
स्युजाणेंथस्येस्युतान ॥ तेसांभलीसाप्युकानरे ॥ २५ ॥ श्री० ॥ नवीकरी
इइमविषाद ॥ उद्यमकरीइअवीषाद ॥ तवतेकहेकीणेंनादरे ॥ २६ ॥ श्री० ॥
नवीआपकायउपाय ॥ परीव्राजिकाएकइणेंगाय ॥ उत्पत्तानार्मेसुणाय
रे ॥ २७ ॥ श्री० ॥ एवातमांकुशलवषाणी ॥ पुरवाहिरपुरवगणी ॥ तेहनें
लावोतुमेआणीरे ॥ २८ ॥ श्री० ॥ तुतुरतगईतसमेह ॥ बधुसदरीतेमनेह ॥
परीव्राजिकाआवीतेहरे ॥ २९ ॥ श्री० ॥ तुतोसुपीगईनिजघेर ॥ पुजीकहे

जोस्ये ॥ आ० ॥ तिणेंमतकरज्येमनसताप ॥ म्हेंकसूमसुगयांमाहरांपाप ॥
॥ ६४ ॥ आ० ॥ तुम्हदरीसणथीसवसयटलीउ ॥ सयोगवियोगथकीमली
उ ॥ आ० ॥ नृपआवेपणिमुझनहीरंग ॥ जरामरणपिमीतकिमसूखसग ॥
॥ ६५ ॥ आ० ॥ गुरुकहेअत्यतसुखीकहिइ ॥ नवीलोकनीतीनुएलहीइ ॥
॥ आ ॥ जरामरणदोषजेहथीजास्ये ॥ वितरागवचनतुम्हथीरथास्ये ॥ ६६॥
॥ आ० ॥ तिणेंतत्वथीलहेस्योसुखसात ॥ इमकहीरह्याजबगुरुविख्यात ॥
॥ आ० ॥ म्हेंजाण्युंधन्यनरपतीएह ॥ गुरुकहेसांभलितुससनेह ॥ ६७ ॥
॥ आ० ॥ पंचपरमेष्टीनोनवकार ॥ तेपरममन्त्रचित्तमांधार ॥ आ० ॥ सवि
सवटालेशीवसुखआपे ॥ गुणगणआवीअगेव्यापे ॥ ६८ ॥ आ० ॥ तवम्हें
कह्युंकिरपाकरोसारी ॥ झलाउतुमचीबलीहारी ॥ आ० ॥ पुरवसाहमीमुझ
वामदीशे ॥ गुरुकहेतुरहेशोसनवेसें ॥ ६९ ॥ आ० ॥ झविनईनमतीइमजर
ही ॥ जिनवरसंसारेगुरुजीसही ॥ आ० ॥ अखलीतादीकगुणस्युंदिधो ॥
उपयोगेम्हेंअमीकीधो ॥ ७० ॥ आ० ॥ मुझसयजाफसवीदूरगयो ॥ मानु
मोह्नतेमुझथनमुखथयो ॥ आ० ॥ रातिकाढिजेएसमरणकरतां ॥ गिरीदरी
मांएकपासेंरहेतां ॥ ७१॥ आ० ॥ मतधरजेसयमनमांकांइ ॥ हवेअमदरी
सणविहाणेथाइ ॥ आ० ॥ इमकहीगुरुपोहतानीजठामि ॥ झहरषीउपनोवि
श्राम ॥ ७२ ॥ आ० ॥ रयणीगईएकपलकपरें ॥ नृपखोलतोआव्योपरपरें॥
॥ आ० ॥ कहेकोपनकरस्योरेराणी ॥ अपराधकरेस्योनअन्नाणी ॥ ७३ ॥
॥ आ० ॥ म्हेंकसुतवकोपसमयनांहि ॥ पूरवक्रतउपकरमआंहि ॥ आ० ॥
नृपकहेझनिमीत्तथयोताहरो ॥ म्हेंसाप्यूकर्मवीपाकमाहरो ॥ ७४ ॥ आ०॥
बझसयसंगवीउबझरीत ॥ तिहांतोतुम्हेंनाहीनीमीत्त ॥ आ० ॥ तिणेंसर्वथा
मुझकर्मनोदोष ॥ इहांकरवोनहीकोईस्युरोष ॥ ७५ ॥ आ० ॥ नृपकहे
सामान्येंझजाण ॥ तुझनाणविशेषझपरमाण ॥ आ० ॥ तवधुरथीकहीमें
सवीवात ॥ नृपविस्मयपाम्योसुविख्यात ॥ ७६ ॥ आ० ॥ गुरुजिकिहांछे
तेदेपावो ॥ म्हेंकसुपासेंछेतुमेआवो ॥ आ० ॥ गयोपरीजनसहीततिहांराया॥

मपथ ॥ न्प्रथवादेपामुञ्प्रमे ॥ एहमाञ्प्रलीकनञ्प्रय ॥ ५० ॥ मार्गदेषामेवली
नी ॥ चितेविस्मीतचित्त ॥ ञ्प्रहोञ्प्रणगारञ्प्रमढरी ॥ प्रियसाषीतुपवित्र ॥
॥ ५१ ॥ सगकरेएहसाधुनो ॥ तेहनोधन्यन्प्रवतार ॥ शुसपरीणांमेंइंमसम
कर्म्मपप्यांश्कतार ॥ ५२ ॥ धर्मलाससुणीधर्मिणी ॥ प्रणमीमुनीवरपाय ॥
ञ्प्रारसपरीमहतसञ्प्रलप ॥ मार्दववलीञ्प्रमाय ॥ ५३ ॥ तेकारणवांध्युतिहां ॥
मनुजञ्प्रायुमहाताग ॥ विहारकरयोतिहामुनीवरें ॥ मुनीवरएहञ्प्रमाम ॥
॥ ५४ ॥ ढाल०॥ ञ्प्राजञ्प्राणदथयोप्रेमनावाइलवरस्याविहामासोहला ॥ ए
देशी ॥ ञ्प्राजञ्प्राणदथयोमुनीवरदरीसणदिवुधन्यदिनञ्प्राजनो ॥ एमांकली
मुनीवरविचरत्र्यापणिनारीतणो ॥ शुससावनदुटोजेहघणो ॥ ञ्प्रा० ॥ सेतां
विकानयरीरायतणें ॥ लहीमरणनेंउपनीपुत्रीपणें ॥ ५५ ॥ ञ्प्रा० ॥ कोसल
नयरीसूपपेंरणी ॥ यौवनवयञ्प्रावीतसकरणी ॥ ञ्प्रा० ॥ तेकम्मेंरमुजेतुऊ
ञोत्र ॥ जरिवणीतसकारणसुविसेस ॥ ५६ ॥ ञ्प्रा० ॥ तुऊरूपेंकरीनेंनृपत्र
लीउ ॥ तुऊकर्म्मश्रेपजेरसोबलीउ ॥ ञ्प्रा० ॥ तसउदश्कदर्षनाबहुपामी ॥
परीव्राजिकालाध्याथीपामी ॥ ५७ ॥ ञ्प्रा० ॥ इमञ्प्रांसलीमोहतिमीरगयो ॥
तवजातीसमरणमुऊथयो ॥ ञ्प्रा० ॥ सवेगथीगुरुप्रणमीकहु ॥ कवएहकर्म
जञ्प्रतलहु ॥ ५८ ॥ ञ्प्रा० ॥ गुरुकहेएएकजञ्प्रहोराते ॥ तवपुऊमुमेंवसिषप
सातें ॥ ञ्प्रा० ॥ नृपजरूणीकहोजाणस्येक्यारे ॥ वलतूगुरुजीबोल्यात्यारे ॥
॥ ५९ ॥ ञ्प्रा० ॥ रातेंजबजरूणीपासें ॥ नरपनीजासेंञ्प्रतीउल्लासें ॥ ञ्प्रा० ॥
पणितूऊस्वसावथीफेरफार ॥ देषीसकासेसुवीचार ॥ ६० ॥ ञ्प्रा० ॥ मंत्री
श्वरनेंतकहेवान ॥ तवपरीक्षाकरवाञ्प्रवदात ॥ ञ्प्रा० ॥ उलघीजिनमतीमा
जाम ॥ जगकणीनुकपटलसुताम ॥ ६१ ॥ ञ्प्रा० ॥ मारिमारिकोरेलेईकरवा
ल ॥ ञ्प्रद्त्राजरूणीथईततकाल ॥ ञ्प्रा० ॥ पछेनृपकरस्येपश्चात्ताप ॥ ञ्प्रहो
राणीकदर्थिम्हेंञ्प्राप ॥ ६२ ॥ ञ्प्रा० ॥ म्हेंकसुसगवननहीनृपदोष ॥ एकर्म्म
करयांतेहनोरोष ॥ ञ्प्रा० ॥ गुरुकहेसाधुपणिमोहवसें ॥ ञ्प्रावसेंइहांविहारके
धायतीसें ॥ ६३ ॥ ञ्प्रा० ॥ तुऊदेषीतुऊस्यूसुषीहोस्ये ॥ तेपिणसहुश्नयणें

जोस्ये ॥ आ० ॥ तिणेंमतकरज्येमनसताप ॥ म्हेंकसुप्रसुगयांमाहरापाप ॥
॥ ६४ ॥ आ० ॥ तुम्हदरीसणथीसवसंयटलीउ ॥ सयोगवियोगथकीमलीउ ॥ आ० ॥ नृपआवेपणिमुझनहीरग ॥ जरामरणपिमीनकिमसुखसग ॥
॥ ६५ ॥ आ० ॥ गुरुकहेअत्यतसुखीकहिइ ॥ नवीलोकनीतीनुएलहीइ ॥
॥ आ ॥ जरामरणदोषजेहथीजास्ये ॥ वितरागवचनतुम्हथीरथास्यें ॥ ६६॥
॥ आ० ॥ तिणेंतत्वथीलहेस्योसुखसात ॥ इमकहीरसाजवगुरुविख्यात ॥
॥ आ० ॥ म्हेंजाण्युधन्यनरपतीएह ॥ गुरुकहेसांलखितुससनेह ॥ ६७ ॥
॥ आ० ॥ पंचपरमेष्टीनोनवकार ॥ तेपरममत्रचित्तमांधार ॥ आ० ॥ सवि सेवटालेशीवसुखआपे ॥ गुणगणआबीअगेव्यापे ॥ ६८ ॥ आ० ॥ तवम्हें कसुंकिरपाकरोसारी ॥ हुंजाउतुमचीबलीहारी ॥ आ० ॥ पुरवसाहमीमुझ वामवीवो ॥ गुरुकहेतुरहेयोसनवेसें ॥ ६९ ॥ आ० ॥ हुविनईनमतीइमजर ही ॥ जिनवरससारेगुरुजीसही ॥ आ० ॥ अरवलीतादीकगुणस्युविधो ॥ उपयोगेंम्हेंअगीकीधो ॥ ७० ॥ आ० ॥ मुझसयजाणसवीदूरगयो ॥ मानु मोक्षतेमुझथनमुखथयो ॥ आ० ॥ रातिकाढिजेएसमरणकरतां ॥ गिरीदरी मांएकपासेंरहेतां ॥ ७१॥ आ० ॥ मतधरजेसयमनमांकांइ ॥ हवेअमदरी सणविहाणेथाइ ॥ आ० ॥ इमकहीगुरुपोहतानीजठामि ॥ हुहरषीउपनोवि श्राम ॥ ७२ ॥ आ० ॥ रयणीगईएकपलकपरें ॥ नृपबोलतोआव्योपरपरें॥
॥ आ० ॥ कहेकोपनकरस्योरेराणी ॥ अपराधकरेस्योनअन्नाणी ॥ ७३ ॥
॥ आ० ॥ म्हेंकसुतवकोपसमयनांहि ॥ पूरवकृतथोपकरमआंहि ॥ आ० ॥
नृपकहेहुनिमीत्तथयोताहरो ॥ म्हेंसाध्यूकर्मवीपाकमाहरो ॥ ७४ ॥ आ०॥
बहुसवसोगवीउबहुरीत ॥ तिहांतोतूम्हेंनाहीनीमीत्त ॥ आ० ॥ तिणेंसर्वथा मुझकर्मनोदोष ॥ इहाकरवोनहीकोईस्यूरोष ॥ ७५ ॥ आ० ॥ नृपकहे सामान्येंहुजाण ॥ तुझनाणविशेषहुपरमाण ॥ आ० ॥ तवधुरथीकहीमें सवीवात ॥ नृपविस्मयपाम्योसुविख्यात ॥ ७६ ॥ आ० ॥ गुरुजिकिहांछे तेदेपावो ॥ म्हेंकसुपासेंतुमेआवो ॥ आ० ॥ गयोपरीजनसहीततिहांराया॥

हरपीवधागुरुनापाय ॥ ७७ ॥ आ० ॥ गुरुईपाणिधर्मप्रासादियो ॥
गेंसवीप्रवदातकीधो ॥ आ० ॥ अहोदूकृतमोरुविपाकपणो ॥
गतीधास्येतेसणो ॥ ७८ ॥ आ० ॥ तिणेंजेमुरुकरवुंतेहकह्यो ॥ गुरु[illegible]
वचसर्वजह्यो ॥ आ० ॥ करोअतीतकालनुपमीकमणं ॥ [illegible]
सवरण ॥ ७९ ॥ आ० ॥ धरोअनागतकालनुपच्चखाण ॥ इमध्यान[illegible]
र्म्मनुवधाण ॥ आ ०॥ इमसीवसुखयास्येकरतलें ॥
सलें ॥ ८० ॥ आ० ॥ ईमकरीईगुरुजीतुमआणि ॥ मुरुनेंकहेसासं[illegible]
वाणि ॥ आ० ॥ गुरुधर्म्मसारथीसमनहीमले ॥ एहवीसव २ पातिक[illegible]
॥ ८१ ॥ आ० ॥ म्हेंकसूजुगतुतवनरराय ॥ महादानदिनमेंवराय ॥ [illegible]
वलितीहांअगाईमहोछवथाय ॥ सुरसुंदरसुतराज्येंगाय ॥ ८२ ॥ आ०॥
साथेंवरुसामत ॥ मुरुस्युसरुअंतेउरवत ॥ आ० ॥ व्रतलीघांधर्म्मेंगुरु
पासें ॥ विधीश्वर्द्धमानतेंसुतआसें ॥ ८३ ॥ आ० ॥ इमआगमेसंमे[illegible]
ल ॥ कहीरुमीसत्तरमीढाल ॥ आ० ॥ एसमरादित्यतणेंरासें ॥ वरप[illegible]
यशुसअस्यासें ॥ ८४ ॥ आ० ॥ ॥७॥ ॥ ९ ॥ ॥ [illegible]
॥ दुहा ॥ ईणिपरेंगुरुणीआषवे ॥ करमविपाकएमुरु ॥ तिणेंघोदुकर्ण[illegible]
स्युं ॥ मसवीपाकएतुरु ॥ ८५ ॥ सोगवेवरुसयकारीउं ॥ नरकतिरीनांहि
म ॥ रतनवतीसुणिरगस्युं ॥ कर्मकस्यांजाईकेम ॥ ८६ ॥ दुकृतनिजनो
धए ॥ जाणीनतपीईतेण ॥ सम्यगदेशविरतीश्राविका ॥ साधवीवचनमव[illegible]
ण ॥ ८७ ॥ तुम्हेधम्याजिणेंधरतव्यु ॥ दुखदाईद्रिदकस्यांदुरि ॥ रुपणिथ[illegible]
थईहवे ॥ पामीदरसणपुर ॥ ८८ ॥ [illegible] ॥
एकवातंमली ॥ एदेशी॥ गुरुणीजीमांहरारे ॥ खरनीवातमली ॥तुम्हे सापोकेम
वीरसीद्रिसातमली ॥ परमाणंदजोगेरेकेसरतातुमलें ॥ इमसाम्युंतेंमुरुनें
केसवेहकीमटले ॥ ८९ ॥ गु० ॥ स्युंपाम्यानेपिणरेकेजिनवरधर्ममतें ॥ गु
णीकहेजाणरेकेएहदुसांमतें ॥ ईणिभवशरहाभिरेकेगुजगुजश्रावकरे ॥
सध्यामगलनरिकेतुरवाम्यांग्रपरें ॥ ९० ॥ गु० ॥ वंदीजमवोल्यारेकेधर्मव[illegible]

स्यूनहोइ ॥ नदासमारिणीरेकेलावीकटकदोई ॥ उज्वलफूललाम्योरेकेपुरोही तइमकहे ॥ गुरुवदनअवसररेकेसुणीचितगहगहे ॥ ९१ ॥ गु० ॥ सकुसकु नतेरुमारेकेदेषीनेंचितवे ॥ लसाजिनवरवयणारेंकेस्वामीईमससवे॥अनदेवी शरीषरेकेसगवतीईकसु ॥ परमाणंदयोगेरेकेतेपणिसदृसु ॥ ९२॥ गु० ॥ करीबीनयनेंसाषेरेकेरातिइहारहो ॥ गुरुणीकहेंकल्पेंरेकेपणिएवातलहो ॥ आ लयठेपासेंरेकेतिणेंअमेजास्यूतिहां॥ फिरीअवसरेंआवस्यूंरेकेहोज्योधर्मला सइहा ॥ ९३ ॥ गु० ॥ सावदेपायारेउपासरेतेहगया ॥ करिरातिनीक्रणीरे वलीपरसातिथया ॥ उठीनेंपोहतरिकेगुरुणीनेंपासें ॥ देशनादीकथणीनेरेकेग ईघरिउल्लासें ॥ ९४ ॥ गु० ॥ ईमवोल्याविहामारेकेप्यारतेअनुकरमें ॥ पांच मेदिनआवीरेवधामणीइमघरमें ॥ गुरुणीस्यूकेंगस्आवीचंदसूदरी ॥ कहेताह रोसरतारेआव्योत्रवीकाजकरी ॥ ९५ ॥ गु० ॥ सगवतीनुंअन्यथारेकेवयण होईनही ॥ रतनवतीहरषीरेकेदिधुदानउमही ॥ गुणचदजीआव्यारेमिद्यातो हारायनें ॥ विफ्हनीवातोरेंकहीनमीपायनें ॥ ९६ ॥ गु० ॥ नृपेंसनमानदी घोरेगयोइवेघसमसी ॥ आवेरतनवतीनेरेपासेंजबउल्लसी ॥ तवदिगंगुरुणीरे केनमेंहरषेंकरी ॥ धर्मलासतेदिधोरेकुमरकहेचीत्तघरी ॥ ९७ ॥ गु० ॥ मुझ पुन्यनाउदयनोरेकेपारनपामीई ॥ सुगहीतगुरुपासेंरेमीथ्यात्वमेंवामीइ ॥ तू मपासेंदेवीरेधरमपामीअछे ॥ तुम्हदरीसणइरलसरेपाम्योझअघगछे ॥ ९८ ॥ गु० ॥ कुशलानुंवंधीरेपुन्यवीनाभाणी ॥ एहवासावनलहेरेगुरुणीकहेइमवा णी ॥ अनुंकरमेंपामेंरेसुरक्तेमुक्तितणा ॥ विजानुस्यूकेहेवुरेकुमरकहेतवव यणां ॥ ९९ ॥ गु० ॥ पुन्यपापनाक्षयथीरेयघपिमोक्षलहे ॥ पणिकारणपु न्यानुरेवधीपुन्यकहे ॥ तेवीणनवीलहीईरेआराधकपणा ॥ गुरुणीकहेरुमुरे तूमचुजाणपणा ॥ ६००॥ गु० ॥ इमकरीधर्मचरचारेगुरुणीगामगया ॥दंपती होइघरमीरेमनमामगनसया ॥ हवेविक्रजणसासलेरेदेशनानीत्यतिहां ॥ जा ईधर्मआराधतरिकोईककालइहां ॥ १ ॥ गु० ॥ रत्नवतीनेंउपनोरेसुतएकसो सागी ॥ राज्येंगवेराजारेगुणचंदवमसागी ॥ मैत्रीवलराजारेदिक्षाआदरो॥ धर्म

धीसहूसामतरेत्र्प्राणारायनीघरे ॥ २ ॥ मु० ॥ निकंटकमाजेरे [illegible] पेँ ॥ त्रिणवर्गनश्साधेरेअन्योन्यअबाधपणेँ ॥ सहूजनसुप्रसंतेरे [illegible] ईमराज्यपालतरिंदानअतूलदेवे ॥ ३ ॥ मु० ॥ इणेंअवसरेआव्योरे [illegible] रुमो ॥ हसनाठादूरेरेवीरहीनेंअतिसूनो॥ मोरमातिहांनाचेरेअरनारव [illegible] रप्यावप्पईयारेविजलीचमकाय ॥ ४ ॥ मु० ॥ दाउरबहूवोलेरेपं [illegible] हे ॥ नदिउंचईमातीरेसरोवरलहेरलहे॥ वगलानीपतीरेपंखीपरिचाव्यां ॥ [illegible] चीनेंगायोरेटाढिकलहीमाहव्यां ॥ ५ ॥ मु० ॥ सरीतापुरजोवारेनिकलीलं जा ॥ निजपरीवारसाथेरेअवलवेसताजा॥ तृणकाष्टतणांणरेसरीतामाप्ला कलूषितबहूपाणीरेकांठेनवीमावे ॥ ६ ॥ मु० ॥ विहूतटतिहांपामेरे [illegible] रघणो ॥ आरामविनासेरेपारनपुरतणो ॥ जलचरबहूविछेरेसघरीज [illegible] मरजादामुकीरेखालनेंविझावे ॥ ७ ॥ मु० ॥ इमदेखीतमासोरेआप्पाणीजनेस ढालआठमेखमेरेअढारमीएह॥ गुरुउत्तमविजयनोरेपद्मविजयसीसा [illegible] सज्योश्रोतारेसुणतांसुजगीश ॥ ८ ॥ मु० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ दुहा ॥ केईकदिनवलीव्यतीक्रम्या ॥ शरदसमयससालि ॥ अन्यदा [illegible] आवीउ ॥ सूपतेसरितासालि ॥ १ ॥ मुलस्वसावेनीरमली ॥ कुरनज [illegible] य ॥ बुधजनसेवीततेबहू ॥ सांसयुंदेषीसोय ॥ १० ॥ सवेगेंरुपसचरी ॥ [illegible] त्तमांकरेवीचार ॥ रीघीआदचरनचीरहे ॥ करेनीजपरअपकार ॥ [illegible] विहूटतिनीरचीद ॥ पुरुषनोएहप्रकार ॥ सावनतटपामेसवी ॥ आतमची अपार ॥ १२ ॥ वलिआरसपरीमहवचे ॥ करेउनमादकल्लोल ॥ चरणचरे बालीचसे ॥ तजेकुलसीमआजोल ॥ [illegible] ॥ मोहतणीसमरीमहा ॥ परमार थअणपांमि ॥ अबुधलोकघणअमवमे॥ देषीअवसूतवामा॥ [illegible] ॥ सरितार रेंस्वसावची ॥ अलगीआश्रपाधि ॥ अनुक्रमेंतारीआतमा ॥ अनुसर्वेअप्पा बाध ॥ १५ ॥ ढाल ॥ सूधोमनसमरारेंकांयसमे ॥ [illegible] ॥ आपस्वसाव [illegible] हिरमे ॥ आवेजोरेवीवेक ॥ पापमीथनेंपरीहरे ॥ शुसपरीणामनटिक [illegible] गुणधवरायसंवेगीउ ॥ एम्मांकणी ॥ अर्थ्यवश्रायसमाहोई ॥ [illegible]

कार ॥ अतरायपरलोकनो ॥ मिथ्यासीमानविस्तार ॥ १७ ॥ गु० ॥ क्रोधहो यसेहथीघणो ॥ ज्ञाननीपरणतीनाश ॥ कपटकरेवलीआकरू ॥ लोसथीसर्व विनास ॥ १८ ॥ गु० ॥ कर्मादानव्यापारनें ॥ सेवेपापअनेक ॥ कुसलजोग जाइविगलो ॥ पापमतीअतीरेक ॥ १९ ॥ गु० ॥ द्रव्यउपगारडेयघणो ॥ प णिअल्पकालिकएह ॥ परपीडाहोइघणी ॥ किमआदरीइतेह ॥२० ॥ गु०॥ द्रव्यसावउपगारमां ॥ सावतेजाणिप्रधान ॥ इमचिंतवतांवाधीउं ॥ शुसपरी णामनीदान ॥ २१ ॥ गु० ॥ आवीमदिरनरपती ॥ ससलावेतेहवात ॥ रतन वतीमत्रीप्रतें ॥ बोलेतेअवदात ॥ २२ ॥ गु० ॥ जिमलाघ्युतुम्हेस्वामीजी ॥ कीजेंइठीतकाज ॥ कालरूपइहांनवीघटे ॥ चचलजीवीतराज॥ २३॥गु० ॥ जाइधरममांजेघमी ॥ तेहप्रत्रासवालाग ॥ सांसलिउदघोषणाकरी ॥ देतोदा नअथाग ॥ २४ ॥गु० ॥ सर्वदेहरेविरचावतो ॥ पुजाअनेकप्रकार ॥ ज्ञाता कल्पसूत्रेंकही ॥ रायपसेणीमझारि ॥२५॥गु० ॥ जिवासिगममांहिंसली ॥ पुजाकहेजिनराय ॥ नेहउवेपेजेप्राणीआ॥मुढाडरगतीजाय ॥ २६ ॥ गु० ॥ धृतीबलपुत्रराज्येंठवी ॥ सझनेंदेईसनमांन ॥ पवरिगुरुनीकढावनो ॥ जाणो तेहनुथान ॥ २७ ॥गु० ॥ रतनवतोसार्येंलेई ॥ सामतनेंपरधांन ॥ चाल्या काशीदेशमां ॥ सयमनुधरीध्यांन ॥ २८ ॥ गु० ॥ वाणारसीनयरीवसे ॥ विजयधर्मसूरीराय ॥ धर्मलाससूरीसरदिइ ॥ जववधागुरुपाय ॥२९॥ गु०॥ पुछ्यापठीसघलूकहे ॥ आगमकारणसार ॥ वाणारसीपतोबहुकरे ॥ द्रव्यप कीउपचार ॥ ३० ॥ गु० ॥ सहुसार्येमहामहोठवें ॥ थयतेशुसपरीणाम ॥ सजमलेवेनरवरू ॥ विचरेग्रामानुग्राम॥३१॥गु०॥सुत्रसण्याक्रोयाअल्पसी॥ समइयाअसीप्राय ॥ एकलवीहारअगीकरू ॥ पुछ्याश्रीगुरुराय ॥ ३२ ॥ गु० ॥ आणाजबगुरुजीकरे ॥ तयसूत्रादिकजेह ॥ तुलनापचप्रकारनी ॥ करेपुरवेंकहीतेह॥ ३३॥गु०॥यत॥ सुत्तेणअत्तेण॥इत्यादीतथापढमाउवस्सय मी ॥ बिहाघाहीतईतईयाचउक्कमी ॥ सुतघरमीचउत्ती ॥ तहपचमीआमसा पमो ॥१॥ पूर्वढाल ॥ इणिपरेंसत्वतोलीकरी॥एकलमल्लविहार ॥ सूत्रविधिअ

गीकरे ॥ पालेनीरतीचार ॥ ३७॥ मु०॥ काउसगयोईमकेनखे ॥ [illegible]
विहार ॥ कोल्लागसनीवेसेंगया॥ रहिआएकांतगरा॥ ३८॥ मु०॥ [illegible]
नेरसा॥आठमेंरवमदाला॥उगणीसमीपदमेंकही॥[illegible]
॥ ऽहा ॥ मलयजातावाणमतरो ॥ मिलीयामुनीमाहत ॥ कोपचड्योचि[illegible]
लकह्यो ॥ चितमांइमचिंतत ॥ ३७ ॥ पापीदिगेपापची ॥ [illegible]
केंम ॥ मुकुशिलाइहांमोटिकी ॥ तूरतमरेएतेम ॥ ३८ ॥ मारेएहनेंमाह[illegible]
सफलचीयाकुलशार ॥ रौद्रध्यानेंअतीरोसथी ॥ वंछितकरेविकार ॥ [illegible]
ढाल० ॥ नवमीवार्मेनीवारयोरे ॥ साधुजीसएमार ॥ एदेशी ॥ पार्वेपरव[illegible]
चीशिलारे ॥ विद्याबलथीरेलीध ॥ मुकेगगनथीमुनीसिरेरे ॥ पिमान्मतीसबकि
घ ॥ ३० ॥ पणिनवीसावचीपीमीआरे ॥ जोवेपेचरतेह ॥ जिवतावेचीने
पीउरे ॥ चिंतवेअहोजुउएह ॥ ४१ ॥ जिवनशक्तिअहोपणीरे ॥ अहोपरत
वपरूपात ॥ अवज्ञामुज्जउपरेंरे ॥ एहनीअपुरवचात ॥ ४२ ॥ मुंकीमोहडी
शिलावलीरे ॥ तेहथीपीमीरेकाय ॥ पणिनवीसावपीमाईउरे ॥ वेपीकोपस
राय॥ ४३ ॥ त्रिजीवारतूरततिणेरे ॥ मुकीएकमहत ॥ पणितिमहीजवेपीक
रीरे ॥ अतिसयपेवलहत ॥ ४४ ॥ चितवेमारीनवीशकु ॥ करूपर्मनांअव
राय ॥ [illegible]कनुंपरमुत्रीनें ॥ मुकुएहनेपाय ॥ ४५ ॥ लोकनेंकहुंमहापापी
उ ॥ [illegible]केइमांकरकाम ॥ लोकतेकरस्येकदर्थना ॥ आपदालहेस्येरेताम ॥
॥ ४६ ॥ जिमचिंतव्युतिमहीजकर्युरे ॥ ससलावेकोटवाल ॥ आव्योतस
रविंगमुनी ॥ परमदयालमयाल ॥ ४७ ॥ तपशोपीततनुएहनुंरे ॥ दिपेपुर
तिशांति ॥ चित्तआकुलनहीएहनुंरे ॥ सोगरहीतएकांति ॥ ४८ ॥ एकिम
करस्येएहवु ॥ अथवाकपटविचोस ॥ करूपरीक्षाएहनी ॥ यद्यपीदीसे
बीत्त ॥ ४९ ॥ जामनीकुजेनीहालीउ ॥ उपनीशकारेताम ॥ पूज्युपणिनवी
बोलीआ ॥ तर्जनाकरतामकाम ॥ ५० ॥ तोपणिनवीबोलेयदा ॥ तवचेच
रहरषत ॥ अध्यवशायनीकुरता ॥ नरकआयुबंधत ॥ ५१ ॥ रौद्रध्यानें
निकाचीउ ॥ हवेचितवेकोटवाल ॥ कहिस्यपर्नेजेगमे ॥ तेहकरोमरपाल ॥

॥ ५२॥ ससलाप्युसूपालनें ॥ आव्योवीश्वसेनराय ॥ दिगतवतिणेंउलस्या॥ प्रणम्यासगतेंरेपाय ॥ ५३॥ पुछेकोटवालनेंतुम्हे ॥ किधुंछेमतीकुल ॥ तेक हेतेहवुकांयनही ॥ तवनृपकहेअनुकूल ॥ ५४ ॥ राजऋषीएअम्हतणारे ॥ स्वामीगुणचवराय ॥ निरुपसरगसूपासिर्नेरे ॥ नरत्तवसफलकराय ॥ ५५ ॥ सयलसगत्यागीगुरु ॥ वरतेछेएहध्यांन ॥ अप्रतीबधपणेंरहे ॥ किधाछेअनु ष्टान ॥ ५६ ॥ एकलविहारअंगीकस्यो ॥ बोल्योतामतलार ॥ धन्य २ करी षामीउं ॥नृपकहेस्योएविचार ॥ ५७॥ कोटवालकहेजिणेंकस्यु॥ तेनरछेश्णो गार ॥ नृपकहेकिहांछेदाषवो ॥ अदृश्ययथयोतेणीवार ॥ ५८ ॥ नजम्योतव सूपतीसणें ॥ कोईकउपसर्गकार ॥ सुरषचरहोस्येसही ॥ डृष्टतणोएप्रकार ॥ ५९ ॥ कहोअतेउरनेतूम्हे ॥ जनपदनेंसूवीशेस ॥ आव्यास्वामीतुमतणा ॥ गुणपदजेहनरेश ॥ ६० ॥ धरममुरतिघरीआवीउं ॥ दिठेपापपजाय ॥ शि वसूखकारणस्वामीजी॥ नि सगीमुनीराय॥६१॥विसवशक्तीसक्तिघणी॥वशो नीजउपगार ॥ कोटवालेंजणम्युसवे ॥ सहूनेंहर्षअपार॥ ६२ ॥ आविसहू इ मदिश्रा ॥ पुजाकरीविस्तार ॥ गुणस्तवनावलि २ करे ॥ दरीसणविस्मयका र॥६३ ॥ आठमेखमेंएकही ॥ समरादित्यनेंरास ॥ पद्मवीजयएविसमी ॥ सुणतालीलवीलास ॥ ६४ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ दुहा ॥ आव्योकषामीश्णसमे ॥ सुणोकहेवातसरुप ॥ एअणगारनेंउपरें ॥ नांषीशिलाअनुप ॥ ६५ ॥ आवीमार्गआकाशथी ॥ नवीदीठेनयणेन॥ नवी नागनेनविचस्या ॥ कोणजाणेंकस्युकेण ॥ ६६ ॥ तसनीर्घातेंत्रासोउं ॥ मु ढलसोमहाराय ॥ आगलिनवीजाणअवर ॥ किधुमुनीनेंकांय ॥ ६७ ॥ एहशिलाडुगअपरजे ॥ नेपणिनाषीतेण ॥ महापापीविणमानवी ॥ जुउनेन करेजेण ॥ ६८ ॥ शोकातुरथयासासली ॥ राणीपूरजनराय ॥ अहो२ऋषीरा यनें ॥ डृष्टमहाडखदाय ॥ ६९ ॥ अहोक्लिष्टकर्म्माअहो ॥ अहोअलीकी कएह ॥ अहोनीरदयताएहनी ॥ नहिविवेकनेंनेह ॥७० ॥ अहोगुणद्वेपीआ करो ॥ मुनीवरमहाव्रतवत ॥ अज्ञानीस्यूनआचरे ॥ मोहेसहूमुकत ॥ ७१ ॥

प्रथवीपतीइमविलपतो ॥ जाणिमुनीवरजाए ॥ पुरेष्यामेंचारीज ॥ कामभ गगइमकेहवाए ॥ ७२ ॥ जस ॥ सरतन्रपसावस्युंए ॥ एवेक्षी ॥ मुनीवरक हेसुणिराजिन्द्राए किधांकर्मनजाय ॥ आपोआपसोगवेए ॥ एहअवचया राय ॥ ७३ ॥ नमोमुनीरायनेंए ॥ धन २ एहनीमाय ॥ नमो० ॥ एकांकभीव एहअनादिससारमांए ॥ कर्म्मजतानअनादि ॥ डखेम्यापीरसोए ॥ मिमु णकुधिआगदि ॥ ७४ ॥ नमो० ॥ जनमजरामरणेंसयोए ॥ विनताघरकी जोग ॥ योगवकूउपजेए ॥ वलितनुमांअतीरोग ॥ ७५ ॥ नमो० ॥ इनजा णीवैराग्यथीए ॥ समकीतमुलव्रतवार ॥ वलीचारीत्रलिइए ॥ अंगीनीअण गार ॥ ७६ ॥ नमो० ॥ ठठअठमादिकतपकरेए ॥ सीलगसहस्सअढार ॥ पालिसूरसवलहेए ॥ शिवसुखअनुक्रमेंजार ॥ ७७ ॥ नमो० ॥ केईकजीव पुरुषथलीए ॥ कामसोगलपटाय ॥ वकूडखसोगवेए ॥ मिथनीसेवकराय ॥ ॥ ७८ ॥ नमो० ॥ सीमसयाममांहेअमेए ॥ पेसेसमुद्रमकारि ॥ मिथ्यविकर्वे ठगेंए ॥ विषयासीलाषप्रकार ॥ ७९ ॥ नमो० ॥ परसवनरगेंसंचरेए ॥ अं मीचचलआय ॥ लसाम्हेंडखघणांए ॥ वारअनतीप्राय ॥ ८० ॥ नमो० ॥ सिन्न २ सातेंघरीइ ॥ डखतणोनहीपार ॥ कुंसीपाकेंपच्योए ॥ तिम्रजर्वेसो मार ॥ ८१ ॥ नमो० ॥ करवतथीवेहस्योवलीए ॥ काष्टनेंजिमसूत्रधार ॥ ते योमिशुलेंकरोए ॥ जर्मेपिस्योअपार ॥ ८२ ॥ नमो० ॥ वजतुम्पथीथईए ॥ घाघोकरतोरीव ॥ तातांजोतरकरीए ॥ मुक्यामाहरीपीव ॥ ८३ ॥ नमो० ॥ इमकरोरयथवहेचराविडए ॥ तिल २ षन्नकस्योकापि ॥ विशेविशवलीकरेए ॥ हिंसानांएपाप ॥ ८४ ॥ नमो० ॥ जिसतालूथीकाढतांए ॥ एअलीकबोल्या नोसेव ॥ वक्षिपरद्रव्यलिइए ॥ काननाककरेछेद ॥ ८५ ॥ नमो० ॥ धगधगती लोहपुत्रीकाए ॥ आलिगनदिइखेव ॥ वैतरणीमांठवेए ॥ अष्णनीरपितसेव ॥ ॥ ८६ ॥ नमो० ॥ ठायजाणीसामलीतलेंए ॥ वेसवाजइजाम ॥ पमेतसपत्र जेए ॥ काननाकछेताम ॥ ८७ ॥ नमो० ॥ ताडि १ ताप २ सूष ३ तर स ४ नीराषरजनें ५ परवसताप ६ ॥ शोगसय ८ ज्वर ९ घणोए ॥ वाह १०

अतीसयथाय ॥ ८८ ॥ नमो० ॥ एदत्रवेदनानरगमांए ॥ वलिककत्रुनक नेंकाक ॥ रोताचुटेंघणएए ॥ पापकरमपरीपाक ॥ ८९ ॥ नमो० ॥ आंपिमि चीउघामीइए ॥ नहिसुखतेतीवार ॥ तिरीगतीमावलीए ॥ पाम्योडखन्प्रपार ॥ ए० ॥ नमो० ॥ म्हएलजननेंवधहोइए ॥ बक्रवहेवरावेसार ॥ पमीसूषतरस नेंए ॥ नवीकरेकोइसूसार ॥ ए १ ॥ नमो० ॥ नरसवमांपरवत्रापणएए ॥ नि रघननेंयलीक्लीव ॥ तिर्णेनरपतीसूणोए ॥ शोकनकरीइअतीव ॥ ए २ ॥ न मो० ॥ रायकहेतुमेस्वामीजीए ॥ किघोसफलअवतार ॥ कस्योथीरआतमा ए ॥ अतररिपुजयकार ॥ ए ३ ॥ नमो० ॥ शोचणयोग्यतुम्हेनहीए ॥ ग म्योप्रमादप्रसग ॥ अगितपसिरीकरीए ॥ प्रामभायइीवसग ॥ ए ४ ॥ नमो० ॥ शोचवायोग्यतेतेयथोए ॥ जिर्णेकीघोउपसर्ग ॥ गुरुकहेतवसूणोए ॥ एहवो सत्रारससर्ग ॥ ए ५ ॥ नमो० ॥ परचितातूस्युकरेए ॥ करिनीजआतमचित ॥ सुणिनृपउच्चरेए ॥ आणाकरोसगवत ॥ ए ६ ॥ नमो० ॥ कोपासेंव्रतआदरु ए ॥ विजयधर्म्मगुरुपास ॥ मुनिश्णीपरिकहेए ॥ करयुप्रम।णवचतास ॥ ॥ ए ७ ॥ नमो० ॥ गुणचदमुनीहवेविचरीआए ॥ बाणमतरहवेतेह ॥ करी महाकर्मनेंए ॥ रोगेंथईपीणदेह ॥ ए ८ ॥ नमो० ॥ इंद्रियहाणीलसाघणएए ॥ अशु सउदयथयोतास ॥ स्वसावफस्योवलीइ ॥ करेआकदवेपास ॥ ए ए ॥ नमो० ॥ वैघनीपुणउपदेत्रयीइ ॥ विष्टाप्रमुखमुपदिघ ॥ कटकत्राज्याकरीए ॥ इमर्का यकसूखसीद ॥ ७०० ॥ नमो० ॥ रौद्रध्यानदोषेंकरीए ॥ तेत्रीससागरआ य ॥ सातमीनरगेंगयोए ॥ महाडखनोसमुदाय ॥ १ ॥ नमो० ॥ गुण चद्रपणिरीपीराजीउए ॥ पालीसजमशुद्ध ॥ करीसंलेपणाए ॥ सावनासावी वीवुद्ध ॥ २ ॥ नमो० ॥ करमरात्रीवक्रपयकरीए ॥ स्वामीसघलाजीव ॥ नमीवितरागनेंए ॥ थानिकजोईनिरजीव ॥ ३ ॥ नमो० ॥ पादपोपगमप्रण सणकरीए ॥ पालीनीरतीचार ॥ रुघीचेष्टामनेंए ॥ सक्रवदेअणगार ॥ ४ ॥ नमो० ॥ गाइदेवांगनागीतमांए ॥ स्तवनाकरेनरदेव ॥ त्यजिनीजदेहनेंए ॥ थयासरवारथेंदेव ॥ ५ ॥ नमो० ॥ तेत्रीससागरआउपेंए ॥ सुखत्रागरजी

तत ॥ एनरत्तवऋाठमोए ॥ ऋाठमोर्खंमएकृत ॥ ६ ॥ नमो० ॥ एकावीसे ढालेंसोहामणोए ॥ समरादित्यनेंरास ॥ ऋढारबेंतालीसेंए ॥ [illegible] मास ॥ ७ ॥ नमो० ॥ श्रीविजयसिंहसूरीसनाए ॥ अतेवासीमुख्य ॥ [illegible] याउशारकरयोए ॥ सत्यविजयसूसीष्य ॥ ८ ॥ नमो० ॥ कपुरविजय [illegible] पाटवीए ॥ षीमावीजयतससीस ॥ षिमभुणनीसरयाए ॥ जिनवीजय [illegible] जगीस ॥ ९ ॥ नमो० ॥ उत्तमविजयजीतेहनाए ॥ सीष्यश्रीरे [illegible] पमीत्तगुणेंऋागलाए ॥ समतारससंभार ॥ १० ॥ नमो० ॥ कल्याणपासपसा यथीए ॥ पद्मविजयकहेंश्म ॥ विसलनगरेंरहीए ॥ समरादित्यमुणेम ॥ ॥ ११ ॥ नमो० ॥ इतिश्रीसविज्ञपक्षीयपंमीतप्रवरश्रीमदुत्तमविजयगणि शिष्यपं० पद्मवीजयगणि ॥ विरचितेंश्रीसमरादित्यचरीत्रेप्राकृतप्रबंधेगुणचं द्रनृपवाणमतरासिघानविद्याधरयो- ऋष्टमभवसव समाप्तः ॥ सर्वगाथा ॥ ७११ ॥ उक्तगाथा ॥ ५ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ ६० ॥ दुहा ॥ पासजिनेसरपायनमी ॥ शांतीसदासुखकार ॥ समरीसरसती सामिनी ॥ गुरुगुणज्ञानदातार ॥ १ ॥ ऋाठत्वमकसारेंणिपरें ॥ दिन २ चढतेभा व ॥ नवमोरवमहवेंनीरमसो ॥ साघुऋाणीसाव ॥ २ ॥ समरादित्यसोहामणा ॥ गुणलेंभीगीरीसेस ॥ नृपसुतनेंचमालनर ॥ सांसलीइसयगेस ॥ ३ ॥ [illegible] बुद्दिपेंऋठइ ॥ संरतषेत्रसरसीर्दि ॥ उज्जेणीनयरीऋबल ॥ प्रथिवीमांहिमसी इ ॥ ४ ॥ मंदिरगढमढमालीऋां ॥ विहारऋाराममविशेष ॥ पोसीपागारमारव यु ॥ ऋमरजुस्मनीमेष ॥ ५ ॥ ढाल ॥ उसीताषत्तेराणीऋरजकरेंछे ॥ [illegible] कोवरसालोघरिकिर्जेहो ॥ गढबुदीरा [illegible] ॥ एदेशी ॥ [illegible]

मीचलजाणीपरीघामीसविधीइ ॥ रजुपरेंमानुबाधीहो ॥ सुणोसवीअणलाव
इ ॥ गुणगुणवतकेरा ॥ सज्जनगुणरयणेंकरीसुपीत ॥ रुपकलासङ्गइसाघी
हो ॥ ६ ॥ सु० ॥ जेहनीसं मासरोवरसोहे ॥ नलिनीवनेंसरसोहेहो ॥ कम
लेंनलीनीनेंकमलतेभमरें ॥ भमरगुजारवेंमोहेहो ॥ ७ ॥ सु० ॥ नामेंपुरीस
सिहलेहनोराणो ॥ सुदरीराणीजाणोहो ॥ त्रिणवर्गआधतांकालगमावे ॥ दपती
दोयवपाणोहो ॥ ८ ॥ सु० ॥ इणसमेंसुरसरच रथवासी ॥ तिहांथीचव्याआयु
पालीहो ॥ सुदरीकुषेंउपनोजीहारे ॥ जागीसुपनेंरवीसालीहो ॥ ९ ॥ सु० ॥
पतीनेंकहेम्हेंसूरघसूपनें ॥ दिठोआजमसालेंहो ॥ कमलाकरविकश्वरकरतो ॥
किन्नरतसगुणगातेहो ॥ १० ॥ सु० ॥ गमनविसूपेतिमीरविणासे ॥ लोकक
रेपरणामहो ॥ अतपेंसौम्यतेपेसदोउदरें ॥ तेहनुफलकहोस्वामीहो ॥ ११ ॥
सु० ॥ नृपहरषीकहेतूमसुतहोस्ये ॥ त्रिभुवनमांविख्यातहो ॥ तहतीकरीप
तीवचनप्रमाणी ॥ अनुक्रमेंजनमतेजातहो ॥ १२ ॥ सु० ॥ रुमेनपेतरेंकर
णमुहूर्त्ते ॥ विमसलोकेशेंआयोहो ॥ सिध्धिमतिदासीइवधायो ॥ नृपमनहरपन
मायोहो ॥ १३ ॥ सु० ॥ दासीनेंदानदेईनेंकरावे ॥ बदिमोचनरायहो ॥ अ
नीवारीतदाननेंदेवरावे ॥ ॥ नयरम्होछवमनमायहो ॥ १४ ॥ सु० ॥ पथ्थरायप्र
मुखजेनरदेवा ॥ तेहनेंकरताजाणहो ॥ वरूऊवनित २ प्रतेकरतां ॥ ऊछ
मरसप्रमाणहो ॥ १५ ॥ सु० ॥ सुपनप्रमाणेंपीतामहकेरू ॥ समरादित्यदिइ
नामहो ॥ इणअवसरजीववाणमतरनो ॥ नारकनीकह्योतामहो ॥ १६ ॥
सु० ॥ नानारसवतिरीगतिमासटकी ॥ वऊदुखपमतोतेहहो ॥ करमवसेंसी
आलीउऊउ ॥ मरणलहीवलीएहहो ॥ १७ ॥ सु० ॥ इणिहिजनयरीइच
मालपासे ॥ गढीगनामचमलहो ॥ जक्खदेवानामेंतसनारी ॥ तासकुपेंततका
लहो ॥ १८ ॥ सू० ॥ गिरीसेननामेंपुत्रजऊउ ॥ जनमतीदुखीउदीनहो ॥
कुरूपीपणेंकालगमावे ॥ पापराशिधनहीनहो ॥ १९ ॥ सू० ॥ समरादि
त्यपुण्यफलअनुसवता ॥ पुरवसुकृतअभ्यासेंहो ॥ सयलकलाबालकालेंजी
प्यो ॥ सापीमात्रगुरुपासेंहो ॥ २० ॥ सू० ॥ कुमरपणेंपणिपुरवअभ्यासें ॥

शास्त्रचिंतनघणकरातोहो ॥ तत्वजुक्तिस्वातठरावे ॥ सावेसावमात्मबहानोहो ॥ ॥ २१ ॥ सू० ॥ जातिसमरणसावनागुणथी ॥ उपनोसोकमम्महो ॥ पुण्या नुवधीपुन्यउदयथी ॥ कुसलसावमामन्नहो ॥ २२ ॥ सू० ॥ नाखमीत्ल नेंत्याज्यविपयथी ॥ आसन्नसिद्धिसपत्तिहो ॥ उतकटजीववीरयनहीक त ॥ तिर्णेएहवागुणवत्तिहो ॥ २३ ॥ सू० ॥ राज्यलषमीउपरिनहीआदर ॥ नकरेशरीरसत्कारहो ॥ चित्रक्रीडानेंविपयनसेवे॥महावैरागीकुमारहो ॥२४॥ सू० ॥ वातकुमरनीएहवीदेषी ॥ चिंतवेमनमांसूपहो ॥ रुपेंकदर्प्पनेंबीसम तूलठे ॥ यौवनवयअनुपहो ॥ २५ ॥ सू० ॥ रोगरहीतनेंइंद्रीयप्रबला ॥ सी यकन्याघणस्ठेहो ॥ मुनीदरसणनसस्रोपणिमुनीपरें ॥ मनमांवीकारनथी ठेहो ॥ २६ ॥ सू० ॥ गितकलानवीसेवेनपहेरे ॥ भूषणनकरेमानोहो ॥ सी जुतानमुंकेधर्म्मनचुके ॥ पुण्यससारअमानोहो ॥ २७ ॥ सू० ॥ जेदिन थीउपनोतेदीनथी ॥ उपनीसवीमुक्तचीजहो ॥ नृपकहेसवीसुखमुक्तनेंहो स्ये ॥ एहकल्याणनुबिजहो ॥ २८ ॥ सू० ॥ पहेलीढालएनवमेस्वर्गे ॥ स मरादित्यनेंरासेंहो ॥ सीधउत्तमविजयनोजपे ॥ आगलिवातविलासेंहो ॥ २९ ॥ सू० ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ५ ॥

॥ दुहा ॥ ऊलसितगोष्टीविषीइ ॥ सुपुतेहनेंसग ॥ कलावतकिमानीपुण ॥ बंधन विवीष्टमत्तग ॥ ३० ॥ उत्तमेकुलमांउपना ॥ तससगेततकाल ॥ अतिप्रमो दउपजावस्ये ॥ मुक्तनेतेहमयाल ॥ ३१ ॥ अशोककामाकुरअठे ॥ ललितां गनामलहत ॥ चतुरचुडामणीषितवी ॥ कहेतेमीसूकत ॥ ३२ ॥ जतनकरी तुम्हेजोपस्यू ॥ समरादित्यसूजाण ॥ लोकमारगमांलावीइ ॥ एडग्रमची आणि ॥ ३३ ॥ आणप्रमाणकरीअधीक ॥ केतोकथीतोकाल ॥ सकुंसलाबि चारेसदा ॥ खेलेनषरख्याल ॥ ३४ ॥ अथ ॥ बिकाजीहोरतमकूहनेंमुत्सवो कमुंहोवीका ॥ किमकरीकरुंप्रबेशवेयणवासहासयणरुंमा ॥ एदेशी ॥ बा लाजीहो ॥ चालोनेंरमवाजाईस्होमित्ता ॥ इमकरीचाल्यातेह ॥ ठेलवाहहा ॥ सयणरुंमा ॥ बा० ॥ विणप्रयोगेंदिरखावताहोमीत्ता ॥ काव्यविनोदकरेह ॥

॥ ढै० ॥ ३५ ॥ वा० ॥ जलक्रीडाकरेमोदस्यूहोमीत्ता ॥ जोवेसरोवरसोह ॥
॥ढै०॥वा०॥ कामशास्त्रबोलेघणांहोमीत्ता ॥ जेसूणीउपजेमोह ॥ ढै० ॥३६॥
॥वा०॥ बांधेहियोलारूपस्यूहोमीत्ता ॥ हिचेतिहाघरीप्रीति ॥ढै०॥वा०॥ गित
गाश्प्रतिरुप्रमाहोमीत्ता ॥ कामशास्त्रविरचित्त ॥ ढै० ॥ ३७ ॥ वा० ॥ कु
सुमसायरापाथरेहोमीत्ता॥ वरणवतापचवाण ॥ ढै०॥वा०॥ तेदेषीचित्तचितवे
होमीत्ता ॥ समरादित्यसुजाण ॥ ढै० ॥ ३८ ॥ वा० ॥ वघतेसवेगेंकरीहोमी
त्ता ॥ अहोएकीमवोघाय ॥ ढै० ॥ वा० ॥ मुढदशाअतीआकरीहोमीत्ता ॥
किमउपगारतेथाय ॥ ढै० ॥ ३९ ॥ वा० ॥ पणितेहनाउपरोघथीहोमीत्ता ॥
नवीकहेकांयप्रतीकूल ॥ ढै० ॥ वा० ॥ तसप्रतीबोधनकारणेंहोमीत्ता ॥ आ
पस्यूतसअनुकुल ॥ ढै० ॥ ४० ॥ वा० ॥ प्रीतीपरमउपजावतोहोमीत्ता ॥
उपजाव्योविसवास ॥ ढै० ॥ वा० ॥ एकदिनसङ्गमीत्रेंमीलीहोमीत्ता ॥ मा
न्योवातविलास ॥ ढै० ॥ ४१ ॥ वा० ॥ बोलेअशोकशणिपरेंहोमीत्ता ॥ का
मशास्त्रसमनाहि ॥ ढै० ॥ वा० ॥ अवरकिस्यूतवबोलीउंहोमीत्ता ॥ कामांकु
रउगाहि ॥ ढै० ॥ ४२ ॥ वा०॥ एहमाकांयनपुठमुहोमीत्ता ॥ एहथीत्रिवर्ग
सघाय ॥ ढै० ॥ वा० ॥ चित्तआराधेनारीनुहोमीत्ता ॥ तेहथीसरूणथाय ॥
॥ ढै० ॥ ४३ ॥ वा० ॥ सुद्धसततीतेहथीहोयहोमीत्ता ॥ तेहथीदानादीकधर्म्म
॥ ढै० ॥ वा० ॥ दारासुतसूखथीलहेहोमीत्ता ॥ अर्थकामनांसर्म ॥ ढै० ॥
॥ ४४ ॥ वा० ॥ विपरितेंविपरीतनीपजेंहोमीत्ता ॥ तिणेंत्रणवरगनुहेत ॥
॥ ढै० ॥ वा० ॥ कहेललीतांगसलुकमुहोमीत्ता ॥ एहमादोसनदेत ॥ ढै० ॥
॥ ४५ ॥ वा० ॥ पणिएकअतीसलुजाणज्योहोमीत्ता ॥ घरमअरथफलकां
म ॥ ढै० ॥ वा० ॥ कामविनांतेनिष्फलाहोमीत्ता ॥ मोक्षनोनहीफलठाम ॥
॥ ढै० ॥ ४६ ॥ वा० ॥ तेहलोकोत्तरमार्गेठहोमीत्ता ॥ ज्ञानध्यानफलतेह ॥
॥ ढै० ॥ वा० ॥ अशोककहेश्हासारखीआहोमीत्ता ॥ होयकुमरजोएह ॥
॥ ढै० ॥ ४७ ॥ वा० ॥ कामांकुरकहेएपरुहोमीत्ता ॥ ललितागकहेश्म
ताम ॥ ढै० ॥ वा० ॥ करीश्पशायकुमारजीहोमीत्ता ॥ शोसनतरजेउद्दाम ॥

शास्त्रचिंतनघणफरातोहो ॥ तत्वजुक्तिश्वातठरावे ॥ सावेसावमाथ्थवरमोहे[illegible] ॥ २१ ॥ सू० ॥ जातिसमरणसावनागुणथी ॥ उपनोशोकमध्यहो ॥ पु[illegible] नुवधीपुन्यउदयथी ॥ कुसलसावमांमन्नहो ॥ २२ ॥ सू० ॥ ना[illegible] नेंत्याज्यविपयथी ॥ आसन्नसिध्दिसपत्तिहो ॥ उतकटजीववीरयनई[illegible] त ॥ तिणेंएहवागुणवत्तिहो ॥ २३ ॥ सू० ॥ राज्यलषमीउपरिनहीआदर ॥ नकरेंशरीरसत्कारहो ॥ चित्रक्रीमानेंविपयनसेवे ॥ महावैरागीकुमारहो ॥ २४ ॥ सू० ॥ वातकुमरनीएहवीदेषी ॥ चिंतवेमनमांसूपहो ॥ रुपेंकदर्प्पनेंजीसम तूलछे ॥ यौवनवयअनुपहो ॥ २५ ॥ सू० ॥ रोगरहीतनेंक्षीयप्रवर्ना ॥ स यकन्याघणश्छेहो ॥ मुनीदरसणनलक्षोपणिमुनीपरें ॥ मनमांवीकारनथी छेहो ॥ २६ ॥ सू० ॥ गितकलानवीसेवेनपहेरे ॥ भूषणनकरेमानोहो ॥ स जुतानमुंकेधर्म्मनचुके ॥ पुण्यससारअमानोहो ॥ २७ ॥ सू० ॥ जेदिव सीउपनोतेदीनथी ॥ उपनीसवीमुझचीजहो ॥ नृपकहेसवीसुखमुझनेंहवे स्ये ॥ एहकल्याणनुबिजहो ॥ २८ ॥ सू० ॥ पहेलीढालएनवमेखंमें ॥ स मरादित्यनेंरासेंझे ॥ सीत्रउत्तमविजयनोजपे ॥ आगलिवातविलासेंहो ॥ २९ ॥ सू० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ दुहा ॥ ड्डलितगोष्टीदेषीइ ॥ सुपुतेहनेंसग ॥ कलावतकिमानीपुण ॥ म[illegible] विशीष्टमत्तग ॥ ३० ॥ उत्तमकुलमांउपना ॥ तससगेततकाल ॥ अतिमो दउपजावस्ये ॥ मुझनेंतेहमयाल ॥ ३१ ॥ अशोककामांकुरअछे ॥ ललिता गनामलहत ॥ चतुरचुडामणीचिंतवी ॥ कहेतेमीसूकत ॥ ३२ ॥ जतनकरी तुम्हेजोपस्यूं ॥ समरादित्यसुजाण ॥ लोकमारगमांलावीइ ॥ एहअमची आणि ॥ ३३ ॥ आणप्रमाणकरीअधीक ॥ केतोकथीतोकाल ॥ सझेसलाथि चरेसदा ॥ खेलेनब२स्याल ॥ ३४ ॥ [illegible] ॥ विकाजीहोरतनकूनेंमुस[illegible] कमुहोषीका ॥ किमकरीकरुंप्रवेशंवेयप्रवारहत्तयणरुमा ॥ एदेशी ॥ वा लाजीहो ॥ चालोनेंरमवाजाईइहोमित्ता ॥ इमकरीचास्यातेह ॥ तेलवाहा ॥ सयणरुमा ॥ वा० ॥ विणप्रयोगेंदेखावताहोमीत्ता ॥ काम्यविनोदकरेह ॥

॥ ढे० ॥ ३५ ॥ वा० ॥ जलक्रीडाकरेमोदस्यूहोमीत्ता ॥ जोवेसरोवरसोह ॥
॥ढे०॥वा०॥ कामशास्त्रबोलेघणाहोमीत्ता ॥ जेसूणीउपजेमोह ॥ ढे० ॥३६ ॥
॥वा०॥ वार्षेहिघोलारूषस्यूहोमीत्ता ॥ हिवेतिहाघरीप्रीति ॥ढे०॥वा०॥ गित
गाइअतिरुअडांहोमीत्ता ॥ कामशास्त्रविरचित्त ॥ ढे० ॥ ३७ ॥ वा० ॥ कु
सुमसायरापायरेहोमीत्ता॥त्ररणवतापचवाण ॥ ढे०॥वा०॥ तेदेषीचित्तचितवे
होमीत्ता ॥ समरादित्यसुजाण ॥ ढे० ॥ ३८ ॥ वा० ॥ वघतेसवेगेंकरीहोमी
त्ता ॥ अहोएकीमवोधाय ॥ ढे० ॥ वा० ॥ मुढदशाअतीआकरीहोमीत्ता ॥
किमउपगारतेथाय ॥ ढे० ॥ ३९ ॥ वा० ॥ पणिलेहनाउपरोधथीहोमीत्ता ॥
नवीकहेकांयप्रतीकूल ॥ ढे० ॥ वा० ॥ तसप्रतीबोधनकारणेंहोमीत्ता ॥ आ
चरस्यूतसअनुकुल ॥ ढे० ॥ ४० ॥ वा० ॥ प्रीतीपरमउपजावतोहोमीत्ता ॥
उपजाव्योविसवास ॥ ढे० ॥ वा० ॥ एकदिनसङमीत्रेंमीलीहोमीत्ता ॥ मां
म्योवातविलास ॥ ढे० ॥ ४१ ॥ वा० ॥ मोटेअशोकतरुणिपरेंहोमीत्ता ॥ का
मशास्त्रसमनांहि ॥ ढे० ॥ वा० ॥ अवरकिस्यूतवबोलीउंहोमीत्ता ॥ कामांकु
रउगांहि ॥ ढे० ॥ ४२ ॥ वा०॥ एहमांकायनपुछवुहोमीत्ता ॥ एहथीत्रिवर्ग
सधाय ॥ ढे० ॥ वा० ॥ चित्तआराधेनारीनुहोमीत्ता ॥ तेहथीसरूणथाय ॥
॥ ढे० ॥ ४३ ॥ वा० ॥ सुखसततीतेहथीहोयहोमीत्ता ॥ तेहथीदानादीकधर्म्म
॥ ढे० ॥ वा० ॥ दारासुतसूखथीलहेहोमीत्ता ॥ अर्थकामनासर्म ॥ ढे० ॥
॥ ४४ ॥ वा० ॥ विपरितेंविपरीतनीपजेंहोमीत्ता ॥ तिणेंत्रणवरगनुहेत ॥
॥ ढे० ॥ वा० ॥ कहेललीतांगसलुकसुहोमीत्ता ॥ एहमांदोसनदेत ॥ ढे० ॥
॥ ४५ ॥ वा० ॥ पणिएकअतीसलुजाणज्योहोमीत्ता ॥ धरमअरथफलकां
म ॥ ढे० ॥ वा० ॥ कामविनांतेनिष्फलाहोमीत्ता ॥ मोक्षनोनहीफलगांम ॥
॥ ढे० ॥ ४६ ॥ वा० ॥ तेहलोकोत्तरमार्गछेहोमीत्ता ॥ ज्ञानध्यानफलतेह ॥
॥ ढे० ॥ वा० ॥ अशोककहेश्हासाखीआहोमीत्ता ॥ होयकुमरजोएह ॥
॥ ढे० ॥ ४७ ॥ वा० ॥ कामांकुरकहेएपरुहोमीत्ता ॥ ललितागकहेश्म
ताम ॥ ढे० ॥ वा० ॥ करीशपशायकुमारजीहोमीत्ता ॥ शोसनतरजेउद्दाम ॥

॥ ढे० ॥ ४८ ॥ वा० ॥ कुमरकहेमतकोपज्योहोमीत्ता ॥ सांभुळ[illegible]
॥ ढे० ॥ वा० ॥ सङ्कहेकोपश्हांकिस्योहोमीत्ता ॥ [illegible]
॥ ढे० ॥ ४९ ॥ वा० ॥ कुमरकहेकामत्रासअेहोमीत्ता ॥ करनारनें[illegible]
॥ ढे० ॥ वा० ॥ प्रगटकरेअन्नाएनेंहोमीत्ता ॥ तेमुणज्योपापीकार ॥ ढे०
॥ ५० ॥ वा० ॥ प्रकृतिअशारविटबणाहोमीत्ता ॥ परसवविष[illegible]
॥ ढे० ॥ वा०॥ मोहदोपेंदेपेंनहीहोमीत्ता ॥ कृत्याकृत्यअज्ञान ॥ ढे० [illegible]
वा० ॥ रुधीरमांशअशुचीसरीहोमीत्ता ॥ रमशिकेरीकाय ॥ ढे०[illegible]
त्तोशुकरनीपरेंहोमित्ता ॥ रहेनित्यतिहांलपटाय ॥ ढे० ॥ ५२ ॥ वा० [illegible]
दबुद्धीदेपेनहीहोमीत्ता ॥ परमारथनीवात ॥ ढे० ॥ वा० ॥ बुधजनमरडीन
जाणिश्होमीत्ता ॥ प्रकृतीचपलनरह्रात ॥ ढे० ॥ ५३ ॥ वा० ॥ [illegible]
मानेंघणहोमीत्ता ॥ कामसपाम्णहेत ॥ ढे० ॥ वा० ॥ [illegible]
रेहोमीत्ता ॥ ध्याश्कुध्यानसकेत ॥ ढे० ॥ ५४ ॥ वा० ॥ कुशलमार्गमुके[illegible]
हीहोमीत्ता ॥ पामेअतिउनमाद ॥ ढे०॥ वा०॥ गुरुजननीनिराकरेहोमीत्ता
लोकथीलहेअपवाद ॥ ढे० ॥ ५५ ॥ वा० ॥ अनुकर्मेंजाइनरकमांहोमीत्ता
बलीएहसबडखदाय ॥ ढे० ॥ वा० ॥ बधबधनपामेंघणांहोमीत्ता ॥ [illegible]
कुलघरथाय ॥ ढे० ॥ ५६ ॥ वा० ॥ सयविषादनुवेअवेहोमीत्ता ॥ कोपन
णोरेनीवात्र ॥ ढे०॥ वा०॥ धर्मशास्त्रनिंदेतिणेंहोमीत्ता ॥ रुमानकामबीआस
॥ ढे०॥ ५७ ॥ वा०॥ मध्यरछपर्शनेविचारज्योहोमीत्ता ॥ किमसाधेमणि[illegible]
॥ ढे०॥वा०॥ द्रव्यउपाजकिणीपरेंहोमीत्ता ॥ किमबलीसाधेसर्ग ॥ ढे०[illegible]
॥ वा० ॥ कामकुशलप्राणीतणीहोमीत्ता ॥ कुलटाविशेनारि ॥ ढे० ॥ वा० ॥
कामकुशलनहीतेहनीहोमीत्ता ॥ शिलवतीसुविचार ॥ ढे० ॥ ५९ ॥ वा० ॥
तिणेंकारणशुससततीहोमीत्ता ॥ इत्यादिकनएकांत ॥ ढे० ॥ वा० ॥ काम
कुशलप्राणीतणाहोमीत्ता ॥ पुत्रतेअतिउदंत ॥ ढे० ॥ ६० ॥ वा० ॥ बधिर
स्करपणतेहमांहोमीत्ता ॥ इमअसमजसघात ॥ ढे०॥वा० ॥ धरमअरथका
पणिनहिहोमीत्ता ॥ कामतेडखअवदात ॥ ढे० ॥ ६१ ॥ वा० ॥ स्वरजसवम

नमुखजेहवाहोमीत्ता ॥ करतासावअथकार ॥ छे० ॥ वा० ॥ अशुसकरमफ
लसूतछेहोमीत्ता ॥ किमधर्मअर्थफलशार ॥ छे० ॥ ६२ ॥ वा० ॥ शोकवचे
लाघवहोइहोमीत्ता ॥ वलिअविस्वासनोगम ॥ छे० ॥ वा० ॥ शरीरस्थीतीहोइ
कामथीहोमीत्ता ॥ मुनीवरसरीरउद्दाम ॥ छे० ॥ ६३ ॥ वा० ॥ वऊसेवेजो
विषयनेंहोमीत्ता ॥ तोहोइक्षयीमुखरोग ॥ छे० ॥ वा० ॥ मोहीनेंएमनोहरु
होमीत्ता ॥ मिथ्यासीमाननेंयोग ॥ छे० ॥ ६४ ॥ वा० ॥ नवमेखम्भेविजीक
हीहोमीत्ता ॥ मित्रवोधननीढाल ॥ छे० ॥ वा० ॥ पद्मवीजग्रकहेआगलेहो
मीत्ता ॥ दिइउपदेशरशाल ॥ छे० ॥ ६५ ॥ वा० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ दुहा ॥ मोक्षअलोकीकमानीइ ॥ तेपणिनांहितहत्ति ॥ वरमुनीलोकलौकी
कवचो ॥ सयलविरयनीसत्ति ॥ ६६ ॥ सपूरणकारयसवे ॥ अव्यावाधअ
नुप ॥ जनमजरानहीजेहनें ॥ सुखउतकृष्टसरुप ॥ ६७ ॥ ज्ञानध्यानपणि
गुणअछे ॥ धर्म्मरुपतेधारि ॥ क्षयोपशमक्षायकहोइ ॥ सफलतदासशार ॥
॥ ६८ ॥ कांमअनिदितकोइकहे ॥ पणितेनाहिप्रकार ॥ तिरिपणितेगवता
तूरत ॥ निंदितछेनीरधार ॥ ६९ ॥ कामशास्त्रतेंकारणे ॥ करेअनाणप्रका
स ॥ अदत्तापहणअवलोकीइ ॥ सार्षेजीनवरतास ॥ ७० ॥ यत ॥ तना
महोइसड ॥ जहियमडजणस्सदसेइ ॥ जपुणअहियतिसया ॥ तणणकत्तो
चयसड ॥ १ ॥ ताजकामुद्दिरण ॥ समडसडनतवुहजणेण ॥ सुमीणेविजपी
यव्व ॥ पसलियवचउवयण ॥ २ ॥ दुहा ॥ सुखदाईसऊसत्वनें ॥ उपजावेउ
पसम्म ॥ परससवुनेजपवु ॥ ऋदइजाणोरम्म ॥ ७१ ॥ यत ॥ पसमाईसाव
जणय ॥ हियमेगतेसत्ताण ॥ निउणेणजपीयव ॥ पसलियवचसुवीसुद्ध ॥३॥
॥दुहा॥ सांसलीवीस्मयसऊलसा॥ चित्तमाकरेविचार॥ अहोविवेकअहोसाव
ना॥अहोवैराग्यअपार ॥ ७२॥ कृतज्ञगुणअहोकेहवो॥ एहवाअध्यवशाय॥
नविहोईमुनोवरमनें ॥ इमचित्तअचरीजथाय॥७३॥ ढाल॥ आवोहरीलाहरी
आषाढ्लो ४ मीठु२बोलतासारा ॥ दिगएहमाजेरयकीथुतारा ॥ आवो०॥एदे
शी ॥ करेसऊमीश्रमिलिवातो ॥ तेहमाअशोककहेख्यातो ॥ सुणोकुमारकऊ

अवदातो ॥ ७४॥करे० ॥ तुम्हेंकसुलोकोत्तरएह॥
लौकिकमाकोमआत्मगुणगेह ॥ ७५ ॥ करे० ॥
अशोकेंअवधारु ॥ कहेललितागलागेप्यारू ॥ ७६ ॥ करे० ॥
मरसूणोवाणी ॥ लहेनहीतत्ववातमाणी ॥ घणाकंदर्पिवासअम्याणी
करे० ॥ होइकर्म्मबंधहेतूकाम ॥ नहितेहस्यूमाहरेकाम ॥
होकुणग्राम ॥ ७८ ॥ करे० ॥ देवाणेनउत्तरतिहांकेणे ॥
सङ्गतिणे॥गयाकेईदिननेहसरनयणें ॥ ७९ ॥ करे० ॥ सङ्गमलीइमविचारी
धो ॥ एकुमारतोतपसीसमसीधो ॥ आपणनोएकीमजाइलीधो ॥ ८० ॥
करे० ॥ अबेउपायइहाएक ॥ दाक्षिण्यवतएछेछेक ॥ आपणमिमस्तु
घाविवेक ॥ ८१ ॥ करे० ॥ पाणिग्रहणकरोकहीइंम ॥ मानेजोवचनपर
प्रेम ॥ सङ्गधारीएहवोनेम ॥ ८२ ॥ करे० ॥ बेहीएकदिनइणिपरेंसाथे
अशोकसुणोमीअसङ्गसाथे ॥ एकपुत्रुघरीमनअसीलाथे ॥ ८३ ॥ करे०
मानविकेनहीमीत्रनीवाच ॥ कहेकुमरमित्रनाअणिताघ ॥ अघममध्यमउ
त्तमसाघ ॥ ८४ ॥ करे०॥ एकमीत्रघणफलाल्यापाल्या॥ कोईवातमीनवीच
लगाटाल्या ॥ पणिआपदाइदूरेंचाल्या ॥ ८५ ॥ करे०॥ एतोतुम्हेअघममीत्र
जाणो ॥ हवइसूणोपर्वमीत्रस्थाणो ॥ मिलेकोईपर्वउछवटाणो ॥८६॥ करे०॥
नविहावसाथकरषोतास ॥ पणिकष्टेंतेकरेयेपास ॥
विलास ॥ ८७ ॥ करे० ॥ कांयविलपीवीलबकरीमुके ॥ एतोमध्यमनी
मनवीचुके ॥ हवेउत्तमरुधीरेरेमेघुके ॥ ८८ ॥ करे० ॥ एकलटकसग्रामहो
इतिहा॥मुकावेड खपकीएह ॥ गौरवपणदापवेबङ्गजेह ॥ ८९ ॥ करे० ॥ यो
मेउपगारतेवङ्गमानें ॥ सपदपणितेतसघरिम्माणें ॥ आपदाइपणिराषेमनें ॥
॥ ९० ॥ करे० ॥ एहमांउत्तमसरीषुभावु ॥ कहेकामोकुरमरहस्यपावु ॥
एतोजगतजीवजाणेगावु ॥ ९१ ॥ करे० ॥ ललितांगकहेकसुगसीर ॥ कहो
हवेज्युलहिइतिर ॥ कहेकुमरसणोसङ्गधर्यइधिर ॥ ९२ ॥ करे० ॥ परमार्थ
मीत्रनाअणिसेय ॥ देहसजनधर्मजाणेय ॥ अपथ्यमित्रदेहनेंबेय ॥ ९३ ॥

करे० ॥ देहनीपीए २ करोसंसाल ॥ सूपतरसनेंटाढितापकाल ॥ सत्तालता
पणिहोयविकराल ॥ ९४ ॥ करे० ॥ निरालवनमुकीनेंजाई ॥ हवेंमध्यम
मिश्रसजनयायें ॥ मायतायकलत्रसगनीसाय ॥ ९५ ॥ करे० ॥ क्लेशग्रत्र
वत्रारेंकरतांविलाप ॥ प्रस्तावेंतेसत्तारेंग्राप ॥ जाइपरत्तवपुण्यतथापाप ॥
॥ ९६ ॥ करे० ॥ हवेधर्ममीत्रउत्तमजाणो ॥ तेणेकोईकग्रवसरमनग्रा
णो ॥ पणिथायसरवाईसपराणो ॥ ९७ ॥ करे० ॥ तेतोसघलातयसार्थेटा
ले ॥ फिरि २ तेपुरुषनेंसत्तालें ॥ ग्रनुकरमेंशाश्वतसूरवग्राले ॥ ९८ ॥ करे० ॥
इमजांणीविषयनासूरवगांमो ॥ एग्रसारस्युमततूम्हेरढिमांमो ॥ एग्रातमसू
रककरेंवांमो ॥ ९९ ॥ करे० ॥ पामीमानवनोत्तवश्रीकारो ॥ मोक्षमारग
पांमीमतहारो ॥ वितरागवयणचित्तग्रवधारो ॥ १०० ॥ करे० ॥ उत्तमन
रसेवितधर्म्मकरो ॥ त्तव २ नापातिकदूरिहरो ॥ ससारसायरसूरवमाहित
रो ॥ १ ॥ करे० ॥ नवमेरवमेत्रीजीढाल ॥ कहीपद्मवीजयग्रतीसूरशाल ॥
ग्रागलिहोस्येमगलमाल ॥ २ ॥ करे० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ दुहा ॥ समरादित्यनांसांसली ॥ वारुशालांवयण ॥ तेहग्रशोकादीकत
णां ॥ नेहेंसरीयांनयण ॥ ३ ॥ तथासव्यततेहवी ॥ शुरुवलीसयोग ॥ क
र्म्मविचित्रकसातिणें ॥ उतकटविर्यग्रसोग ॥ ४ ॥ समरादित्यनीशक्तियी ॥
कर्म्मराशीकृतपीण ॥ उपसममिव्रुतग्रावीउ ॥ परिणतीशुसथईपिण ॥ ५ ॥
मोहवासनामिटिगई ॥ ग्रशुसतुटोग्रनुवध ॥ गुणवतगठीत्तेदतां ॥ शुरूसम
कीतसवध ॥ ६ ॥ ग्रशोककहेपरुएहठे ॥ नहिसदेहनुनांम ॥ शोसनथीप
णिशोसन ॥ कामांकुरकहेकाम ॥ ७ ॥ ग्रथवाशोसनएहजठे ॥ निश्चयकां
यनग्रन्य ॥ ललितांगकहेलरवलोकमां ॥ ग्रमचापुन्यग्रगन्य ॥ ८ ॥ ग्र
न्नाणनिद्राइउघीग्रा ॥ ग्रमनेंजगव्याग्राज ॥ हेतुवादग्रमहीतकरी ॥ कुमरें
किधुकाज ॥ ९ ॥ ग्रातमहितग्रम्हेग्रादरू ॥ शिष्यातूम्हससालि ॥ ग्रशो
ककहेएग्रतीसलू ॥ साष्यूग्रवशारसालि ॥ १० ॥ कुमरकहोकरवुजिके ॥
ततपीणवोल्यातांम ॥ सपेपेंसूणज्योतूम्हे ॥ साधुसगविसराम ॥ ११ ॥ विप

यरागवलीवर्जवो ॥ सवसरूपनेंसाबि ॥ कुसगत्यागनीतकीजीइ ॥ [illegible]
चउदाव ॥ १२ ॥ साधु २ इमश्राऊकहे ॥ करयुश्रमेश्रगीकार ॥ कुमर[illegible]
कृतपुन्यछो ॥ सफलजनमतूमसार ॥ १३ ॥ धरमीयमतिर्णेपम्यछे [illegible]
हवोल्यातिणीवार ॥ श्रापनुदरीसनश्रधन्यनें ॥ नहोइइमनीरधार ॥ [illegible]
कुमरश्रथश्राइमकरी ॥ गयातेनिज २ गेह ॥ केईकदिनइमश्रतीक्रम्या ॥ [illegible]
णिश्रवश्ररजुउएह ॥१५॥ ढाल ॥ कठमाराश्रायागुरुजीभाइणा ॥ [illegible]
श्राईवसंतरीतूश्रन्यदा ॥ वनसिरीश्रतिविलसत ॥ म्हारासाजनवाहला ॥ [illegible]
लोवसतजोवाजईइ ॥ श्रांवेमजरीउलसई ॥ श्रतिमुक्तकउल्लसत ॥ [illegible]
म्हा० ॥ तिलकादिकफूल्याघणा ॥ मलयाचलवायावाय ॥ म्हा० ॥ [illegible]
रगुजरवकरीरसा ॥ कोकिलश्रब्दसूणाय ॥ १७ ॥ म्हा० ॥ मदनप[illegible]
ढ्धनें ॥ विकसीनकमलिणीमाय ॥ म्हा० ॥ काननसेवेबहुजना ॥ [illegible]
दपतीखमाय ॥ १८ ॥ म्हा० ॥ नगरमहर्द्धिकश्रावीश्रा ॥ उणिसमेसु[illegible]
पास ॥ म्हा० ॥ विनवेइणिपरेंरायनें ॥ पुरेश्रम्हारीश्रास ॥ १९ ॥ म्हा० ॥
नित्यउछवछेयपपी ॥ तोपणिश्राजवीसेस ॥ म्हा० ॥ उछवउपरिहोयस्ये ॥
उछवजननेंश्रसेश्र ॥ २० ॥ म्हा० ॥ पाउधारोतिर्णेराजीश्रा ॥ तपवित[illegible]
हाराय ॥ म्हा० ॥ मोकलुसमरादित्यनें ॥ देषेविचित्रसमवाय ॥ [illegible]
म्हा० ॥ तोसमीहीतश्रम्हनिपजे ॥ उपजेकामविकार ॥ म्हा० ॥ इम[illegible]
चारीतेहनें ॥ साषेसूणोपरकार ॥ २२ ॥ म्हा० ॥ उछवबहुदेषावीश्रा ॥ [illegible]
लसोपरमाणव ॥ म्हा० ॥ हवेंदेषावोकुमरनें ॥ तुमचोएहनरिंद ॥ [illegible]
म्हा० ॥ कहेमहर्द्धिकरायनें ॥ किधोश्रमसूपसाय ॥ म्हा० ॥ इमकहिते
निजघेरगया ॥ तेमामेकुमरनेराय ॥ २४ ॥ म्हा० ॥ वछस्थितीएश्रापणी ॥
मधुउछवथाइश्राज ॥ म्हा० ॥ जोवाजाइनरपती ॥ इमसार्पेमहाराज ॥ २[illegible]
म्हा० ॥ एमारगतुम्हेश्राचरो ॥ म्हेंजोयुवहुवार ॥ म्हा० ॥ हर्षयस्येप्रजा
लोकनें ॥ तिमस्वजनपरीवार ॥ २६ ॥ म्हा० ॥ कुमरप्रमाणकरेहवे ॥ हर
प्योरायश्रत्यत ॥ म्हा० ॥ श्राणीकरेंप्रतीहारनें ॥ जईससलावोतत ॥ २[illegible]

म्हा० ॥ ज्ञानगरगमुखमत्रीनें ॥ रथवरप्रमुखतयार ॥ म्हा० ॥ करीनेंकुम रस्यूनिकलो ॥ एहप्राणप्रवधारि ॥ २८ ॥ म्हा० ॥ प्रतिहारेंजईहर्पथी ॥ संसलाव्योप्रवदात ॥ म्हा० ॥ तेपणिहरपेंतिमकरे ॥ रथवरतेहविख्यात ॥ ॥ २९ ॥ म्हा० ॥ यत्रयोधथाप्यातिहा ॥ वलिवैजयतीपताक ॥ म्हा० ॥ घुघरीचिह्नदिशरणरुणें ॥ पुण्यतणापरिपाक ॥ ३० ॥ म्हा० ॥ छत्रचाम रघणंसोहता ॥ लटकेरयणनीदाम ॥ म्हा० ॥ प्रासनमाण्युतिहांकिणें ॥ इंणिप्रवसरतिणेंगाम ॥ ३१ ॥ म्हा० ॥ कुकमवस्त्रपहेरीकरी ॥ पात्रलोक तिहाप्राय ॥ म्हा० ॥ विविधयानवेशीवली ॥ प्रावेसूजगनप्राय ॥ ३२ ॥ म्हा० ॥ कुमरजोवानेंकारणें ॥ वह्नतिहाराजकुमार ॥ म्हा० ॥ गोर्षेरहिप्र तेउरी॥ कुमरदर्शननेंशार ॥३३॥ म्हा०॥ लूपप्राणाथीपरिवस्यो ॥ निकल्यो तामकुमार ॥ म्हा० ॥ मीत्रप्रशोकादिकसह्न॥ चाल्याकुमरनीह्वार ॥ ३४ ॥ म्हा० ॥ वेगरथवरउपरि ॥ मीत्रनीसार्थेतेह ॥ म्हा० ॥ रथचाल्योहवेजे तले ॥ जय २ शब्दकरेह ॥ ३५ ॥ म्हा० ॥ पात्रतेनाचेपगि २ ॥ पुठेराज कुमार ॥ म्हा० ॥ कौतुकविविधप्रकारनां ॥ देपतांप्रतिवीस्तार ॥ ३६ ॥ म्हा० ॥ राजमारगतिहांप्राविप्रा ॥ निज २ लेईसमुदाय ॥ म्हा० ॥ रीद्धिवि शेषेंसोहेघणं ॥ प्रचरीजवीबुधनेंथाय ॥ ३७ ॥ म्हा० ॥ वाजित्रविविधप्र कारनां ॥ देपतालहेवैराग ॥ म्हा० ॥ तावनासावेएहवी ॥ प्रहो २ मोहप्र ताग ॥ ३८ ॥ म्हा० ॥ प्रहोप्रकार्यमाधीरता ॥ प्रहोचेष्टापरमाद ॥ म्हा० ॥ प्रहोदिरघदरसीनही ॥ प्रहोप्रणालोचितवाद ॥ ३९ ॥ म्हा० ॥ प्रहोसव नीप्रशुरुता ॥ प्रहोसंशारनोसंग ॥ म्हा० ॥ इमचितवताचालतां ॥ वाधेवैं राग्यतरग ॥ ४० ॥ म्हा० ॥ तासस्वरुपविचारतो ॥ सारथीदापेंतास ॥ म्हा० ॥ तिम्न २ कौतुकप्रति ॥ वाधतेहर्पउल्लास ॥ ४१ ॥ म्हा० ॥ नवमारवण्डतणी कही ॥ चोथीढालरसाल ॥ म्हा० ॥ पद्मविजयएहरासमां ॥ सुणतांमगल माल ॥ ४२ ॥ म्हा० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ प्रागलिजातांइणसमें ॥ देउलपीठेंदिठ ॥ रोगेंपिड्योरगरगें ॥ नरए

कवेगेनीग ॥ ४३ ॥ दिठोहायग्यूदोरमी ॥ परगटसूक्ष्मापाय ॥ [illegible]
अशुचीअती ॥ मांपीदेहनमाय ॥ ४४ ॥ निकलीआरानानयर ॥ [illegible]
हीनाद्य ॥ कुमरदेपीमनकर्मनी ॥ परिणतीचितेपास ॥ ४५ ॥ [illegible]
कुमरजी ॥ वुळ्ववावक्रलोक ॥ सारथीनेंपुछेसयर ॥ रहोएसापोरोक ॥ [illegible]
नाटिकस्यूएनीरपीइ ॥ तवआरथीकहेतेह ॥ नहिएनाटिकनायजी ॥ [illegible]
व्यार्धेमस्रोएह ॥ ४७ ॥ कुमरकहेव्याधीकवण ॥ सारथीकहेसुजाय ॥ [illegible]
रसूदरअसूदरकरे ॥ विणकालेंएवियाण ॥ ४८ ॥ कुमरकहेएकापुरिस ॥
तातसहेकिमताम ॥ सारथीबोल्योसांसलो ॥ एहवध्यनहीआम ॥ ४९ ॥ कु
मरकहेवध्यकिमनही ॥ मागेरवमगमहत ॥ व्याधीरहेतुवेगलो ॥ अलवेकर्म
तूळ्अत ॥ ५० ॥ अथवाजुरुनेंआवितू ॥ दुष्टतूपेडरवलोक ॥ इमआपीनेंआ
स्यो ॥ सघलोभुकीशोक ॥ ५१ ॥ चाल्योसनमुरवतेचतूर ॥ तेदेपीनेंताप ॥
मिलिआलोकमहाजना ॥ कुअरस्यूकरेकांम ॥ ५२ ॥ ढाल ॥ परिव्रमेर
रीनावीरसूधीरसामलीआजीरे ॥ एदेशी ॥ सारथीकहेसुणिसाहिबा ॥ म्हारा
वाहलाजीरे ॥ हणवायोग्यनएह ॥ दुखरेह ॥ म्हा० ॥ व्याधीनामेंननरअअ
म्हा० ॥ कर्मनीपरिणतीजेह ॥ सळदेह ॥ ५३ ॥ म्हा० ॥ साधारणसळनी
वर्ने ॥ म्हा० ॥ समरयनहीराणाराज ॥ जयकाज ॥ म्हा० ॥ कुमरकहेपुर
जनसूणो ॥ म्हा० ॥ एकिमछेकहोआज ॥ अतीमाज ॥ ५४ ॥ म्हा० ॥ पु
रीजनकहेइमजमसू ॥ म्हा० ॥ सारथीनेंकहेसारकुमार ॥ म्हा० ॥ तोकिम
एवेसीरसो ॥ म्हा० ॥ बलनवीफोरवेलगार ॥ इणीवार ॥ ५५ ॥ म्हा० ॥ सा
रथीकहेशणिपसो ॥ म्हा० ॥ बलअवीनाशीजाय ॥ नउगाय ॥ म्हा० ॥ जो
रएहनुचालेनही ॥ म्हा० ॥ कुमरकहेतेकुणथाय ॥ भुषगया ॥ ५६ ॥ म्हा० ॥ सारथी
कहेधरमीसणी ॥ म्हा० ॥ कुमरकहेसुणोलोक ॥ सळमोक ॥ म्हा० ॥ धर
मतेकरवोश्रेयछे ॥ म्हा० ॥ परमार्थेएहशोक ॥ सळफोक ॥ ५७ ॥ म्हा० ॥
पुरीजनकहेसाचुकसु ॥ म्हा० ॥ पणितजवनोहोयसग ॥ एकग ॥ म्हा० ॥
लोकस्थितिनेंपालवा ॥ म्हा० ॥ नाटिकजोवोरग ॥ सूचग ॥ म्हा० ॥ ५८ ॥

सारथीकहेएसाभलू ॥ म्हा० ॥ श्मकहेचाल्याजाय ॥ त्यांदेषाय ॥ म्हा०॥
एकनरनिजसबनेंरसो ॥ म्हा० ॥ मुखमांसासनमाय ॥ शिथिलाय ॥५९॥
म्हा० ॥ केशगयाशीरनावली ॥ म्हा० ॥ नयणगलेश्रावेपास ॥ नहिकोपा
स ॥ म्हा० ॥ दातपड्यापरीजनसवे ॥ म्हा० ॥ करेउपद्रवतास ॥ डुखवास
॥ ६० ॥ म्हा० ॥ सेठसेगाणीएहवां ॥ म्हा० ॥ देषिलहेंवेराग्य ॥ महाभाग्य
॥ म्हा० ॥ सारथीनेंकहेएकिस्यू ॥ म्हा० ॥ नाटिकश्रसीनवलाग ॥ श्रथाग
॥ ६१ ॥ म्हा० ॥ सारथीकहेनाटिकनही ॥ म्हा० ॥ एजरापीमीतसेठ ॥
॥डुषवेठ ॥म्हा०॥कुमरकहेजराकुणछे॥म्हा०॥डुखदेवेश्मनेठ॥ललीपेठ॥६२॥
म्हा० ॥ तेकहेनवजीरणकरे ॥म्हा० ॥ लोकनेंश्रहीतनीकारकुमार ॥म्हा०॥
कहेकिमताततवेषता ॥ म्हा० ॥ सारथीकहेचित्तधारि ॥ तिवार ॥ ६३ ॥
म्हा० ॥ ताततेंश्रायत्तएनही ॥ म्हा० ॥ कुमरकहेतवश्मधरीप्रेम ॥ म्हा०॥
श्रावोखमगहएमश्रमे॥म्हा०॥नविश्रायतहोश्केम ॥ जुउनेमा॥ ६४ ॥म्हा० ॥
कहेरेपापिणीतुजरा ॥ म्हा० ॥ मुकितूएहनोख्याल॥ सताला॥म्हा०॥ तुजाते
श्रवलाश्रछे ॥ मा० ॥ जोमाहरीकरवालविकराल ॥ ६५ ॥ मा० ॥ सनमुख
उभ्योतेहनें ॥ मा० ॥ लोकमिल्यांबहुताम ॥ स्यूश्राम ॥ मा० ॥ सारथीक
हेश्रवलानही ॥ मा० ॥ उदारीकपरीणामएठाम ॥ ६६ ॥ मा० ॥ कालवसें
एनीपजे ॥ मा० ॥ उलसोस्योतास ॥ विमासि ॥ मा० ॥ सहूसाधारणएहछे
॥ मा० ॥ कुमरकहेसाचीलास ॥ केनास ॥ ६७ ॥ मा० ॥ पुरिजनकहेसाचु
कहे ॥ म्हा० ॥ तवकहेकुमरविचार ॥ धरीप्यार ॥ मा० ॥ खेदनकरस्यो
कोतुम्हे ॥ मा० ॥ एहकरेश्रपकार ॥ जनवार ॥ ६८-मा० ॥ एहथीपरास
मउपजे ॥ मा० ॥ हसथाजोग्यतेथायसुखजाय ॥ मा० ॥ धर्म्मरसायणगं
मीनें ॥ मा० ॥ कुणविजोसूखदाय ॥ कहोसाय ॥ ६९ ॥ मा० ॥ सासलीस
हूकहेशणिपरें ॥ मा० ॥ श्रहो२कुमरविवेक ॥ जगएक ॥ मा० ॥ श्रहोपर
मार्थदरसीपण ॥ मा० ॥ श्रहो२धर्म्मनीटेक ॥ श्रतिरेक ॥ ७० ॥ मा० ॥
नयरीलोकस्यूसारथी ॥ मा० ॥ लह्यासंवेगमहत ॥ कहेतत ॥मा० ॥ श्रति

अदत्तूतनूम्हेंकह्यु ॥ मा० ॥ पणिअम्हमोहअनत ॥ नहीसति ॥ [illegible]
सवअनादिअत्यासथी ॥ मा० ॥ मोहवासनानतजाय ॥ महराय ॥ मा० ॥
कुमरकहेजेतजेनही ॥ मा० ॥ परिसवकरेजराय ॥ जमराय ॥ [illegible] ॥
श्णसमेंदिठुएहवु ॥ मा० ॥ दरिद्रपुरुषमृतकोय ॥ खाटेंसोय ॥ मा० ॥ वच
जीरणउंढयूतिणें ॥ मा० ॥ दिनपुरुषेंलिउंजोय ॥ बहुरोय ॥ ७२ ॥ मा० ॥
स्त्रीजनदुखणीरोवती ॥ मा० ॥ कुमरकहेतवदेखि ॥ सहुपेखि ॥ मा० ॥ चिं
तामोहवासनातणी ॥ मा० ॥ रहेवास्तोसुविशेष ॥ स्यूएष ॥ ७३ ॥ मा० ॥
एनाटिकअचरीजजस्यू ॥ मा० ॥ सारथीकहेअवदात ॥ विख्यात ॥ मा० ॥
मनचिंतेतेसारथी ॥ मा० ॥ सवेगकारणवात ॥ आयात ॥ ७४ ॥ मा० ॥
अहोसत्रारअशारता ॥ मा० ॥ प्रतिबोधननिमीत्त ॥ धरीहित ॥ मा० ॥ अप
जाण्यापरेंपुछतो ॥ मा० ॥ सापुयथारथरीति ॥ लहीप्रीति ॥ ७६ ॥ मा० ॥
कुमरसुणोकहेसारथी ॥ मा० ॥ एमृत्युश्यस्तोआज ॥ करेताज ॥ मा० ॥
वधुपणिरापेनही ॥ मा० ॥ कुमरकहेतोस्यूकाज ॥ कहोराज ॥ ७७ ॥ मा० ॥
किमरापेपुरीमांपीता ॥ मा० ॥ कहेसारथीनहीएह ॥ कोईदेह ॥ मा० ॥
मारीकीमसकीश्रसू ॥ मा० ॥ खम्गलावोकहेतेह ॥ हणजेह ॥ ७८ ॥
॥ मा० ॥ रेरेमृत्यूउत्तोरहे ॥ मा० ॥ जुक्रकरेमुक्रसग ॥ धरीरग ॥ मा० ॥
श्मकहीसाहमोदोमीउं ॥ मा० ॥ सारथीकहेतवचग ॥ एकंग ॥ ७९ ॥ मा० ॥
हणवायोम्यनएहछे ॥ मा० ॥ साधारणसहुजिव ॥ अतीव ॥ मा० ॥ आयु
करमनेंवससवे ॥ मा० ॥ कुमरकहेतवखीव ॥ अक्लीव ॥ ८० ॥ मा० ॥ नय
रीजनपुछेकहे ॥ मा० ॥ सत्यप्रसूछेएह ॥ नसदेह ॥ मा० ॥ कुमरकहेतोसा
रथी ॥ मा० ॥ वांधवछमेकेह ॥ तसदेह ॥ ८१ ॥ मा० ॥ सारथीकहेजीव
तोगयो ॥ म्हा० ॥ रह्युकलेवरतास ॥ दुखवास ॥ मा० ॥ गुणससारीतेहना ॥
मा० ॥ रोवेसहुनीत्रास ॥ दुखराशि ॥ ८२ ॥ मा० ॥ नवमेखमेएकही ॥
मा० ॥ रुमीपचमीढाल ॥ रसाल ॥ मा० ॥ पद्मविजयएरासमां ॥ म्हा० ॥
सुणतांमंगलमाल ॥ विशाल ॥ ८३ ॥ मा० ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ९ ॥

॥ दुहा ॥ अतीवल्लसजोएहछे ॥ किमनवीजाइंकेम्हि ॥ कुमरकहेजाइएककि
म ॥ तेसहुनवीगयोतेम्हि ॥ ८४ ॥ सारथीकहेसूणिसाहिबा ॥ कहिनजाइका
य ॥ कर्मविचित्रकथाकही ॥ जिवविचित्रगतीजाय ॥ ८५ ॥ कुमरकहे
जोइमकहो ॥ अहोहवेकिस्योउपाय ॥ सारथीकहेतूम्हेसासलो ॥ जोगीग
म्यजणाय ॥ ८६ ॥ अम्हेनजाणुएअरथ ॥ समरादित्यकहेत्यार ॥ कहो
लोकोएकिमअछे ॥ सहुकहेकहेश्रीकार ॥ ८७ ॥ तवकहेकुमरततपीणें ॥
एजोइमअधीकार ॥ सहुएनाटिकथीसख्यु ॥ वारुहृदयविचार ॥ ८८ ॥
सासलीसहुसवेगीआ ॥ पाम्याकेईप्रमाण ॥ समकितकेईशिवपथनें ॥ जा
णीकुअरजाण ॥ ८९ ॥ माहणदेवसेनमुखें ॥ सासल्योप्यतीकरसर्व ॥ अव
नीपतीविहतोअती ॥ गयोतेचितथीगर्व ॥ ९० ॥ ढाल ॥ सखीचैत्रजमहिनें
चाल्या ॥ एदेशी ॥ तेमवामोकलेहवेराय ॥ वहेलाघरिआवोसाय ॥ सुणिकु
मरआव्यानिजठायहोराजि ॥ ९१ ॥ मानोवचनहमारो ॥ एआंकणी ॥ आ
विवेसेरायनीपास ॥ सूपसायेतवसविलास ॥ मागवुकांयतूमसकासिहोरा
जि ॥ ९२॥मा०॥तुमानवुपमस्येतेह॥कहेकुअरतवआसनेह ॥ गुरुवयणलो
पेकुणरेहहोराजि ॥ ९३ ॥ मा० ॥ नृपकहेतुमछेपरतीत ॥ पणितुमउपरि
घणिप्रीती ॥ तिणेंकहिइएइणिरितीहोराजि ॥ ९४ ॥ मा० ॥ जाउंकहेस्यूअ
वसरपामी ॥ उम्याकुअरनृपशीरनामी ॥ निजउचितकरेनवीपामीहोराजि ॥
॥९५॥मा०॥ वेगमित्रस्यूवलीएकदिन्न॥ करेधर्मकथाधनधन्य॥प्रतिहारआ
वीकहेकन्नहोराजि ॥ ९६ ॥ मा० ॥ तुम्हमाउलपासथीआया ॥ कोईकामें
महतसोहाया ॥ तिणेंतुम्हतेमेनररायाहोराजि ॥ ९७ ॥ मा० ॥ सुणिमीत्र
स्युकुमरतेआया ॥ प्रणमीवेगनीजगाया ॥ नृपवोलेसासलोजायाहोराजि
॥ ९८ ॥ मा० ॥ खमगसेनमाउलतुमजेह ॥ कहेवरावेतुम्हनेतेह ॥ दोयक
न्याभुमरूपरेहहोराजि ॥ ९९ ॥ मा० ॥ विभ्रमवतीविभ्रमआणें ॥ कामल
ताकामीकरेमार्णें ॥ जीवथीअधिकितेवपाऐहोराजि ॥ २०० ॥ मा० ॥
स्वयवरातेदोयआई ॥ घरतोसहुनीअनुजाई ॥ परणोतूम्हेचित्तमांलाईहोरा

जि ॥ १ ॥ मा० ॥ तिऐंलहेरयूत्प्रेमेसतोस ॥ तेनृपनेंमोदनोपोस ॥गुरुवयणें
तुम्हनहीदोशहोराजि ॥ २ ॥ मा० ॥ कम्यापणिलहेत्र्पाणंद ॥ इमसाम्भूंजा
मनरिंद ॥ चिंतेकुमरसूखकदहोराजि ॥ ३ ॥ मा० ॥ पुर्वेतातेंपणिइंजार्ह ॥
साम्भूतेएहजटाय ॥ तातबोलेछेत्र्पतीर्शायहोराजि ॥ ४ ॥ मा० ॥ गुरुमय
एतेकिमलोपाय ॥ गुरुवयणथीमगलथाय ॥ तवबोलेइमनररायहोराजि ॥
॥ ५ ॥ मा० ॥ नविकीजेंकांयविचार ॥ प्रार्थनापणिएहउदार ॥ करिवित्र्प
स्यनिरधारहोराजि ॥ ६ मा० ॥ कुमरेंतेहमानीवात ॥ नृपहरख्योसातेधात॥
कहेउचितएतुझत्र्पवदातहोराजि ॥ ७ ॥ मा० ॥ तुझधर्मतणोपक्षपात ॥ व
णिलोकमारगविख्यात ॥ त्र्पनुसरतांहोयसूखसातहोराजि ॥ ८ ॥ मा० ॥ उ
पजेवलीजवसतान ॥ वयत्र्पतिक्रमेंजामजुवान ॥ तवसेवकुव्रतत्र्पसमानहो
राजि ॥ ९ ॥ मा० ॥ कुत्र्परकहेरुमुयास्ये ॥ इणित्र्पवशरिघरनेंपासें ॥ सिध्द
र्थपुरोहीतसासेहोराजि ॥ १० ॥ मा० ॥ एहमानहीकांयसंदेह ॥ गजगुल
गुलशब्दकरेह ॥ वाजेमगलतुरसनेहहोराजि ॥ ११ ॥ मा० ॥ बदिबोलेज
य २ वाणि ॥ त्र्पनुकुलशकुनसहजाणि ॥ हरख्योनरपतीगुणपाणिहोराजि॥
॥ १२ ॥ मा० ॥ बोल्योकालनिवेदिताम ॥ मध्याह्नसमयथयोत्र्पाम ॥ सूर
यत्र्पाव्योमध्यठामहोराजि ॥ १३ ॥ मा० ॥ केईप्राणीकरतास्नान ॥ केई
देवपूजाकेईदान ॥ गुरुसूश्रुषासनमानहोराजि ॥ १४ ॥ मा० ॥ केईध्यान
मुकीत्र्पणगार ॥ करवाजननेंउपगार ॥ गयागोचरीनेंत्र्पधीकारहोराजि ॥
॥ १५ ॥ मा० ॥ सूणीकुमरनेंत्र्पाणात्र्पापे ॥ करोकरणीउचितत्र्पापे ॥ प्रण
मेकुमरसूखव्यापेहोराजि ॥ १६ ॥ मा० ॥ राशबहुदिधांदांन ॥ नयरीशो
सात्र्पसमान ॥ सुरलोकसरीसोवानहोराजि ॥ १७ ॥ मा० ॥ देवतानीपुजा
उकिधी ॥ नाचेपगें२पात्रप्रसीधी ॥ त्र्पतेंउरीहरषमांगिद्धिहोराजि ॥ १८ ॥
मा० ॥ मगलवाजांबहुवाजे ॥ नृपतेंमेगणकसमाजें ॥ पुछेलगनविवाहनेंका
जेंहोराजि ॥ १९ ॥ मा० ॥ कहेपचमीत्र्पाजप्रधान ॥ नहित्र्पवरकोएहस
मान ॥ वधावीलिइराजानहोराजि ॥ २० ॥ मा० ॥ खमनबमेउगीडाल ॥

सूणतांहोयमगलमाल ॥ कहेउत्तमवीजयनोबालहोराजि ॥ २१ ॥ मा० ॥
॥ डुहा ॥ आणाकरीअमात्यनें ॥ सामग्रीकरोसद्ध ॥ तहतिकरीतेपणितुरत ॥
करतातीमहिजकद्ध ॥ २२ ॥ शुभटनेंआपेसामटा ॥ आयुधअतिप्रबल्ल ॥
अंतेउरीनेंआपतां ॥ नानाआभरणनवल्ल ॥ २३ ॥ रथवरओसारुअग्नी ॥
गाजेवलीगजराज ॥ अवामीअबरअग्नी ॥ सिंदूरादिकसाज ॥ २४ ॥ तुरग
तयारकरयाअती ॥ करणेउचीतकरेय ॥ तोरणबांध्यांमणितणां ॥ ध्वजप
टकनकघरेय ॥ २५ ॥ सयलविधीकरयोसहजमां ॥ करीपुजाकुलदेव ॥
प्रणमीमावीत्रपाउलें ॥ मीत्रमानीस्वयमेव ॥ २६ ॥ रथवरवेगकुअरजी ॥
सार्थेमीत्रनोसाथ ॥ परगटपरणवाचालीउ ॥ समरादित्यसनाथ ॥ २७ ॥
ढाल० ॥ कोमीसोनईश्कासीदी ॥ म्हारावाहलाजीरे ॥ करनारोनहीकोय ॥
जईनेंकिज्यो ॥मा०॥एदेशी॥ परणवावरघोमेचढ्या ॥ वरराजाजीरे॥ नाचेप
गि २ पात्र ॥ जोवाचालोवरराजाजीरे ॥ मगलतूरवजावते ॥ वर ॥ लोकमि
ल्यातेअमात्र ॥ २८ ॥ जोवा० ॥ अंतेउरीरथमारही ॥ वर ॥ गावेमगलगी
त ॥ जोवा ॥ नयरीलोकआणंदिउ॥ व ॥ रायनेंहरषनमाय ॥२ए॥ जोवा॥०
सवेगेसावीतमती ॥ वर ॥ वरमनअचरीजथाय ॥ जोवा० ॥ सवस्वरु
पचिंतचिंतवे ॥ वर ॥ लोककरेपरसत्र ॥३०॥ जोवा० ॥ विवाहत्तवनेंआवी
आ ॥वर॥ उपनाउत्तमवत्र॥जोवा॥ माहिरामांहिआविआ॥वर०॥दिठीकन्या
दोय॥ ३१ ॥जोवा०॥गजदतमयीजिमपुतली॥वर० ॥विभ्रमवतीतिहाजोय॥
॥जो०॥वरआभरणेंदेहमी॥वर०॥कुंकुमविलेपनहोया॥३२॥जो०॥कामलताब
लीओत्तती॥वर०॥इंद्रनिलमणीवान॥जोवा०॥हरीचदनविलेपीउ॥वर०॥राजेअ
तीअसमान ॥ ३३ ॥ जो० ॥ कुमरदेषीमनचिंतवे ॥ वर० ॥ अहोसुदरआ
कार ॥ जो० ॥ अहोलावण्यनिकलकता ॥ वर० ॥ अहो २ विनयप्रकार॥
॥ ३४ ॥ जो० ॥ मुरतिआतिघणीअछे॥ वर० ॥ जाणइहोस्येजोग्य ॥ जो०॥
करीशापीअगनीतणी॥वर०॥करेकन्यारआरोगा॥ ३५॥ जो० ॥ पाणिपहणइ
मनीपनो ॥ वर० ॥ फेराफरिआताम ॥ जो० ॥ उचितदानसवीदीधलां ॥

जि ॥ १ ॥ मा० ॥ तिर्णेलहेस्यूअमेसतोस ॥ तेनृपनेंमोहनोपोस ॥गुरुवयणें
तूम्हनहीदोशहोराजि ॥ २ ॥ मा० ॥ कम्यापणिलहेआणंद ॥ इमसाम्भूला
मनरिंद ॥ चिंतेकुमरसूखकदहोराजि ॥ ३ ॥ मा० ॥ पुर्वेतातेंपणिकंजार्क ॥
साम्यूतेएहजटाफ ॥ तातबोलेंछेअतीशायफहोराजि ॥ ४ ॥ मा० ॥ गुरुवय
णतेकिमलोपाय ॥ गुरुवयणथीमगलथाय ॥ तवबोलेइमनररायहोराजि ॥
॥ ५ ॥ मा० ॥ नविकीजेंकायविचार ॥ प्रार्थनापणिएहअवार ॥ करविभ्रम
स्यनिरधारहोराजि ॥ ६ मा० ॥ कुमरेंतेहमानीवात ॥ नृपहरष्योसातेंधात॥
कहेउचितएतुझअवदातहोराजि ॥ ७ ॥ मा० ॥ तुझधर्मतणोपक्षपात ॥ प
णिलोकमारगविख्यात ॥ अनुसरतांहोयसूखसातहोराजि ॥ ८ ॥ मा० ॥ उ
पजेवलीजवसतान ॥ वयअतिक्रमेंजामजुवान ॥ तवसेवबुध्रतअसमानहो
राजि ॥ ९ ॥ मा० ॥ कुअरकहेरुडुथास्ये ॥ इणिअवसारिघरनेंपासें ॥ सिधा
थेपुरोहीतसासेहोराजि ॥ १० ॥ मा० ॥ एहमानहीकायसंदेह ॥ गजमुख
गुलशाम्बकरेह ॥ थाजेमगलतुरसनेहहोराजि ॥ ११ ॥ मा० ॥ वदिबोलेज
य २ वाणि ॥ अनुकुलशकुनसजाणि ॥ हरष्योनरपतीगुणखाणिहोराजि॥
॥ १२ ॥ मा० ॥ बोल्योकालनिवेदिताम ॥ मध्याह्नसमयथयोआम ॥ सूर
यआव्योमध्यगमहोराजि ॥ १३ ॥ मा० ॥ केईप्राणीकरतास्नान ॥ केई
देवपूजाकेईदान ॥ गुरुसूश्रुषासनमानहोराजि ॥ १४ ॥ मा० ॥ केईध्यान
मुकीअणगार ॥ करवाजननेंउपगार ॥ गयागोचरीनेंअधीकारहोराजि ॥
॥ १५ ॥ मा० ॥ सूणीकुमरनेंआणाआपे ॥ करोकरणीउचिततेआपे ॥ प्रण
मेकुमरसूखव्यापेहोराजि ॥ १६ ॥ मा० ॥ राजबहुविधांवान ॥ नयरीशो
साअसमान ॥ सूरलोकसरीसोवानहोराजि ॥ १७ ॥ मा० ॥ देवतानीपुजा
उकिधी ॥ नाचेपर्गे २ पात्रमसीधी ॥ अंतेउरीहरषमांगिदिहोराजि ॥ १८ ॥
मा० ॥ मगलवाजांबहुवाजे ॥ नृपतेंमगणएकसमाजें ॥ पुछेलगनविवाहनेंका
जेंहोराजि ॥ १९ ॥ मा० ॥ कहेपचमीआजप्रधान ॥ नहिअवरकोएहसत
मान ॥ वधावीलिइराजानहोराजि ॥ २० ॥ मा० ॥ खमनवमेंउठीडाल ॥

वर० ॥ समरादित्यनेंरास ॥ जोवा० ॥ पद्मविजयसोहामणी ॥ वर० ॥ का
लअर्थीकउल्लास ॥ ५१ ॥ जोवा० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ सूणोदृष्टांतसोहामणो ॥ कामरुदेशकहत ॥ नामेंमदनपुरवरनय
र ॥ प्रद्युम्ननृपपसणत ॥ ५२ ॥ रतिराणीरतीरुपथी ॥ विषयनोसूखविलस
त ॥ नृपरमवानेंनीकल्यो ॥ रहवामीसूरमत ॥ ५३ ॥ राणीतवगोर्षेरही ॥
राजमारगनीरषत ॥ विमलमतीसहवाहसूत ॥ शुलकरनामसोहत ॥ ५४ ॥
जौवनवयतसजाणीनें ॥ रुपनोअतिअविवेक ॥ अवलोकेंआदरकरी ॥ अ
सीलापाअतीरेक ॥ ५५ ॥ तसदृष्टीथईतेहपणि ॥ गिरधरयथोगमार ॥ चित्त
जाणएअतीचतूर ॥ राणिहृदयविचार ॥ ५६ ॥ एकदेशेंउत्तोरसो ॥ जाणी
जालनीनाम ॥ दाशीनेंदेपावती ॥ आणितुएहनेंआम ॥ ५७ ॥ कामीहृदय
होयअतीकठीन ॥ लेईआवितेल्हार ॥ पल्यकेवेठोपढें ॥ वासगृहेतिणिवार ॥
॥ ५८ ॥ विधुदिशतवोलनु ॥ अर्द्धपहुरशेंएह ॥ सुणिउंशब्दशणिसमें ॥ कल
यलवदिकरेह ॥ ५९ ॥ ढाल ॥ आजगईतीकुसमवसरणमा ॥ एदेशी ॥ राणी
वीचारेएसूपतीआव्यो ॥ हवेनहीअन्यउपायरे ॥ घाल्योवाहिरजवानेंथानी
क ॥ आव्योहवेनररायरे ॥ ६० ॥ शीलपालोसविसावधरीनें ॥ शिलेंशुदग
तीहोयरे ॥ शीलविराधननाफलएहवां ॥ इहसवमापणिजोयरे ॥ ६१ ॥ शी० ॥
रायकहेवारकनरतेमो ॥ शौचकरेवाजावुरे ॥ शुसंकरसूणीचीत्तविचारे ॥ मर
णअवस्यदशापावुरे ॥ ६२ ॥ शी० ॥ मरणविकलहीपम्योसमासे ॥ महाउर
गघअधकारोरे ॥ विष्टाकूपकुमीकूलेंव्यापीत ॥ पमीउंतेहमाकिनारोरे ॥
॥ ६३ ॥ शी० ॥ अशुचिसरीउंकुमीश्पाघो ॥ दृष्टीप्रचाररोकाणोरे ॥ अग
चकोच्युवेदनपाम्यो ॥ आकुलहोयतिणठाणोरें ॥ ६४ ॥ शी० ॥ अगरहृ
कन्टपर्नेतिहाजोयु ॥ आव्योनृपतिणठायोरे ॥ शरीरस्थीतीकरीनेंफीरीआ
यो ॥ राणीस्यूकालगमायोरे ॥ ६५ ॥ शी० ॥ साकेरायससामापोहतो ॥
राणीतवजोवरावेरे ॥ नविदीठेतवकहेश्मराणी ॥ कहोसाईंकिहांजावेरे ॥
॥ ६६ ॥ शी० ॥ दाशीकहेएमरणनासयथी ॥ पमीउंकूपमझारोरे ॥ चि

वर० ॥ किधासघलाकाम ॥ ३६ ॥ जो० ॥ शणिअबत्ररवीआभिम्यो॥ वर० ॥ उग्योनहगणचंद ॥ जो० ॥ वाससूवनसजितिहां ॥ वर० ॥ मणि दिपकनाव्द ॥ ३७ ॥ जो० ॥ कुसुमसज्यातिहापाथरी ॥ वर० ॥ छठकेच पकदाम ॥ जो० ॥ भ्रमरावलीवलीरणझणे ॥वर०॥ पन्नवासेगघवाम ॥ ॥ जो० ॥ दोयवधुवेठीजीहा ॥ वर० ॥ आव्यातिहांकुमार ॥ जो० ॥ मित्रञ्च चोकादिकेंकरी ॥ वर० ॥ परवरीउपरीवार ॥ ३९ ॥ जो० ॥ उसीमश्तेवोम वघु ॥ वर० ॥ कुमरसज्याशनिष्पन्न ॥ जोवा० ॥ उचितथानिकवेठांसक ॥ वर० ॥ मित्रनारीवरुपन्न ॥ ४० ॥ जो० ॥ कुदलताप्रमुखवाजीके ॥ वर० ॥ सखीउवेठीपास ॥ जो० ॥ विभ्रमवतीनीकुदलता ॥ वर० ॥ कामलतामानि नीषास ॥ ४१ ॥ जो० ॥ कुदलतालावीदीश ॥ वर० ॥ तबोलकुसुमनीमाल॥ जो० ॥ विभ्रमवतीश्मोकली॥वर०॥ ल्योतुमेकूमररञाल ॥४२ ॥जो०॥निज करथीगुथीअछे ॥ वर० ॥ घरतिरागअत्यत ॥ जो० ॥ मानिनीमाघवीकुसु मनी ॥ वर० ॥ मालामनमोहत ॥ ४३ ॥ जो० ॥ कुमरेंआपीश्मकहे ॥ वर० ॥ करोसफलअनुराग ॥ जो० ॥ कुमरकहेकिमरागछे ॥ वर० ॥ तवसा कहेलहीलाग ॥ ४४ ॥ जो० ॥ हरषविषादेबोलती ॥ वर० ॥ कुमरगसीरसु णीवाणी ॥ जो० ॥ नामतुमारुसांसल्यू ॥ वर० ॥ तेदिनथीतुम्हजाण ॥४५॥ जो० ॥ थाश्दिन २ दुबली ॥ वर० ॥ करेनीततुमचीवात ॥ जो० ॥ एहवी वातसूणीहवश ॥ वर० ॥ चिंतवेकन्यानात ॥ ४६ ॥ जो० ॥ जुगतोरागए जाणीनें ॥ वर० ॥ मोकलीतुमनेंपाणि ॥ जो० ॥ सफलमनोरथनीपनो ॥ वर० ॥ आव्युंसघलुंगणि ॥ ४७ ॥ जो० ॥ कुमरविचारेचित्तमां ॥ वर० ॥ छेमुजउपरिराग ॥ जो० ॥ रागीकहिश्तेकरे ॥ वर० ॥ कार्यअकार्यविसाग॥ ॥ ४८ ॥ जो० ॥ घर्मदेशनाकीजीइ ॥ वर० ॥ अवसरहिमणांएह॥ जोवा॥ इमसमरादित्यचिंतवी ॥ वर० ॥ कहेजोअमपरिनेह ॥ ४९ ॥ जो० ॥ तो अहिनेवरतावर्ता ॥ वर० ॥ किमलहिश्अनुराग॥जो० ॥मानिनीकहेईमकिम कहो ॥ वर० ॥ कुमरकहेसुणोवाग ॥ ५० ॥ जो० ॥ सातमीनवमारवमर्मा॥

अतीसूविनीतरे ॥ ८३ ॥ श्री० ॥ विभ्रमवतीकहेमोहगयोभ्रम ॥ उपनुस म्यगनाणरे ॥ विषयरागटलीउंसवसयथी ॥ पीउतुम्हवचनप्रमाणरे ॥ ८४ ॥ श्री० ॥ कामलतापणिश्मकहीजसापे ॥ तवसमरादीत्यसासेरे ॥ सर्वेतूमेमानव नोसवपांम्यां ॥ कुशलवुद्धीजिणेंपासेंरे ॥ ८५ ॥ श्री० ॥ तिणेंतुम्हविषय त्यागघटेकरवो ॥ मोहजनीतमोहहेतूरे ॥ मोहस्वरुपमोहानुवधी ॥ सक्लेश तिमशमवेतूरे ॥ ८६ ॥ श्री० ॥ संक्लेशजनीतनेशक्लेशहेतू ॥ तिमसक्लेशअ नुवधेरे ॥ जावजीवशमोमोहचेष्टा ॥ कुशलवुद्धीनेशंधेरे ॥ ८७ ॥ श्री ०॥ श्त्यादिकवयणांसूणीश्रवणें ॥ वोलेवधुटीदोयरे ॥ जावजीवपञ्चख्यूश्रमेंश्र ब्रम्ह ॥ हरख्योकुमरतेसोयरे ॥ ८८ ॥ श्री० ॥ नवमेखमेढालश्रनोपम ॥ ॥ आठमीअदसूतसाषीरे ॥ पद्मविजयकहेधन्यएदपती ॥ जिणेंएहवीमतिरा षीरे ॥ ८७ ॥ श्री० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ दुहा ॥ हरख्योकुमरहैयाथकी ॥ कहेअहोहलूश्रांकर्म ॥ धन्यताउपसम धीरता ॥ धारकअहोपतिधर्म ॥ ९० ॥ श्हलोकनीश्हानही ॥ अहोगसिर अपार ॥ श्मंचितिआर्पेश्स्यु ॥ साधुकरयुसुखकार ॥ ९१ ॥ मेंपणिजाव जीवमुणे ॥ चोथुव्रतकरयुचित्त ॥ अहो २ शोसनआदरयु ॥ मुखथीकहे सङमीत्त ॥ ९२ ॥ कुसूमवृष्टिदेवेंकरी ॥ उत्तमअध्यवशाय ॥ चिंतेकुमरवि चारश्म ॥ शुसपरिणामसहाय ॥ ९३ ॥ तदावरणपशेतहनें ॥ अवधीज्ञानउ त्पन्न ॥ त्रिकालजाणेंतदा ॥ प्रगटसवेगप्रपन्न ॥ ९४ ॥ व्यतिकरसूणिप्र थवीपती॥प्रतीहारनेंपासा॥सांसलीराणीपणिसवे॥वलतोकरेविषासा॥९५॥ अण घटतुअवनीपती॥कहेकामएकीधा॥राणीकहेरोतीथकी॥लाहविषयनविलीधा॥ ॥९६॥ढाल॥पूठप्यारीनेंघन्नोप्रेमस्यूहोनारी ॥ सकुलीनी॥ एदेशी ॥ श्णसमे आवीदेवांगनाहो ॥ सूणोसूपती॥हैश्विराजेहार ॥ सङमनमोहेजिहोराजि ॥ मुगटकुम्लकटकेंकरीहो ॥ सु० ॥ कटिमेखलाखलकार ॥९७॥ सङ॥ देवड प्यथीसोहतीहो ॥ सु० ॥ मणिनेउररणकार ॥ स० ॥ वावनाचदनलिपीउहो ॥ सु० ॥ सूरतरुकुसूमनेधारि ॥ ९८ ॥ स० ॥ मणिदिवापरेंदिपतिहो॥ सु०॥

तातितथईतवराणी ॥ मृतजाएयोनीरधारोरे ॥ ६७ ॥ श्री० ॥ तेहशुसंकरड
खथीपीम्यो ॥ सवितव्यतानेंजोगेंरे ॥ आयुबलेंकोईकालगमावे ॥ अमृतपी
रसपानसोगेंरे ॥ ६८ ॥ श्री० ॥ विष्टाकुपशोधननेंकाजें ॥ उघाम्योतेहसर
रे ॥ अशुचिनिर्गममारगेंनीकल्यो ॥ रातिसमयतिणीवाररे ॥ ६९ ॥ श्री० ॥
देहग्वीविणठीर्नेनाग ॥ नखनेंकेशवीरुपरे ॥ किमहीकच्छगपचालीनिजप
रि ॥ पोहतोकष्टसरुपरे ॥ ७० ॥ श्री० ॥ वीहनोपरीजनसयथीकूणए ॥ ते
हकहेमतबीहोरे ॥ शुसकरर्डपितातवपुछे ॥ विमलमतीमतीलीहोरे ॥ ७१ ॥
श्री० ॥ स्यूंतेंकीधुजिर्णेइमकृत ॥ तवकहेपुत्रविचारोरे ॥ मरणलसोमतजा
णोपीताजी ॥ तेहजकृतअवधारोरे ॥ ७२ ॥ श्री० ॥ पणिजेकरणीथीइमकृतेंतेस
सलावुअसागरे॥करीएकांतनेंसाष्यूसघलू ॥सासलीतातविरागोरे ॥ ७३ ॥ श्री० ॥
मातरहीतघरमांतसथापे ॥ सहस्रपाकादिकतेलेंरे ॥ परीमर्दनकरीनेंतसतातें ॥
मुलस्वरुपकरीमेलेरे ॥ ७४ ॥ श्री० ॥ एकदिनदेवतायतनेंजातां ॥ रतिराणीइ
दिठोरे ॥ पुरखनीपरिंजालणीमुकी ॥ तेम्हावेकहीमीठोरे ॥ ७५ ॥ श्री० ॥ मो
हदोषेंकरीतेपणिआव्यो ॥ थयुवलीपुरवरीतेंरे ॥ कुपथीनीकल्योवलीसङ
कृत ॥ केईककालव्यतीतेरे ॥ ७६ ॥ श्री० ॥ वलिश्रणिरीतेंकरयुफरीजीव्यो ॥
इमबकृधारगयोआव्योरे ॥ एदृष्टांतकसोहवेपुछु ॥ कहोचित्तमाजोसाव्योरे ॥
॥ ७७ ॥ श्री० ॥ रतीनेंरागहतोकेनांही ॥ मानिनीकहेपरमार्थेरे ॥ रागनही
वलीवुधीरहीतसा ॥ कुमरकहेतसअर्थेरे ॥ ७८ ॥ श्री ॥ रागनहीमुकउपरि
एहनो ॥ परमार्थेबुधीहीनरे ॥ इर्ष्याकारणचपलस्वसावे ॥ सोगवाठेएवीन
रे ॥ ७९ ॥ श्री० ॥ वस्तुतत्वनसमजेकांई ॥ डरलसनरअवतारेरे ॥ सवसमु
द्रमांपामीनकरे ॥ धर्म्मतेमुढगमारेरे ॥ ८० ॥ श्री० ॥ सहरेत्रणिसूवननेंम
त्यू ॥ सहेजेकूरस्वसावरे ॥ नविचारेएहनेंवशआपण ॥ किमधरेविषयव
सावरे ॥ ८१ ॥ श्री० ॥ अहितेवरतावेतेकारण ॥ मुकउपरिनहिरागरे ॥ इमसांस
लीवकृर्डवीयमुकी ॥ लहेसवेगविरागरे ॥ ८२ ॥ श्री० ॥ शुद्धसावनाइकर्म
खप्यांवकृ ॥ पामीदिक्षचारीत्तरे ॥ अचाअतीशयेंकुमरनापदजुग ॥ प्रणमे

नुकहांण ॥ १३ ॥ स० ॥ केईकच्यारपुरुपहताहो ॥ सु० ॥ द्रव्यश्ठकतिहा
दोय ॥ स० ॥ दोयविपयनालोलपीहो ॥ सु० ॥ मारगपमीवज्यासोय ॥
॥ १४ ॥ स० ॥ कोईकयानिकपेपितहो ॥ सु० ॥ मणिरत्नकनकनीरा
शि ॥स० ॥ नारीदोयरसासमीहो ॥सु०॥ करतीअतीसुविलास॥१५॥ स० ॥
जेपामवुतेपामीआहो ॥ सु० ॥ सनमुखचाल्याताम ॥ स० ॥ वाणियईशीण
अवसरेंहो ॥ सु० ॥ मासाहसकरोआम ॥ १६ ॥ स० ॥ मस्तकउपरिपेप
ज्योहो ॥ सु० ॥ परवतपमस्येएह ॥ स० ॥ उचुजोतादेपीतहो ॥ सु० ॥ रौ
द्रदर्शनथीजेह ॥ १७ ॥ स० ॥ व्यापीरह्योआकाशनेंहो ॥ सु० ॥ वारीनत्र
कीश्तेह ॥ स० ॥ तेपणिपमतोपेपीतहो ॥ सु० ॥ तासउपायनरेह ॥ १८ ॥
स ०॥ इणिसमेवाणीसूणीतिहांहो ॥ सु० ॥ जेश्ठेअठकाम ॥ स० ॥ मरण
लहेतेश्णिपरेंहो ॥ सु० ॥ वलीलहेडखगाम ॥ १९ ॥ स० ॥ जेहनीरीहएदो
यथीहो ॥ सू० ॥ लावेन्प्रसारतातास ॥ स० ॥ तोक्रमें२दूरेंपसेहो ॥ सू० ॥
कालेउपद्रवनाश ॥ २० ॥ स० ॥ तवएकेकतेचिंतवेहो ॥ सू० ॥ जेथानार
तेथाय ॥ स० ॥ पणिएतोनवीठेमीश्हो ॥ सू०॥ सिघ्रतेलेवाजाय॥२१॥स०॥
विजापणिमनचिंतवेहो ॥ सु० ॥ अर्थविपयस्यूनकाज ॥ स० ॥ जेहनाकटू
कविपाकठेहो ॥ सू० ॥ श्मकरीकरताताज ॥ २२ ॥ स० ॥ ड क्करकारकेहा
कहोहो ॥ सू० ॥ तातविचारोचित्त ॥ स० ॥ रायकहेजेप्रवृत्तिआहो ॥ सू०
लेवाविपयनेंवित्त ॥ २३ ॥ स० ॥ ड करकारीतेघणाहो ॥ सू० ॥ नविचारे
जेविवाग ॥ स० ॥ विजानुडक्करकिस्यूहो॥सु०॥ जुक्तकरेजेताग॥२४॥स०॥
नवमीनवमाखमभाहो ॥ सु० ॥ समरादित्यनेंरास ॥ स० ॥ पद्मविजयसो
हामणीहो ॥ सु० ॥ ढालअधीकउल्लास ॥ २५ ॥ सङ्ग० ॥ ॥ ९ ॥
॥ डहा ॥ पर्वतपमतोपेपीत ॥ तेआयुअसराल ॥ सूरअसुरांनहिआसरो ॥
तिपणप्रतीतयाल ॥ २६ ॥ असमजसकारकअती ॥ विपसमजासविपाक॥
विपयनोत्यागवपाणीत ॥ अमृतसमआपाक॥ २७॥ क्षेत्रारहीतकुअरकहे ॥
सरवथीएसेवाय ॥ अर्थत्यागपणिश्णिपरें ॥ स्यूड करसमकाय ॥ २८ ॥ रा

सोमवदनन्प्रत्यत ॥ स० ॥ देपीवीस्मयपामीआहो ॥ सु० ॥ हरषविषादेनमं
त ॥ ए९ ॥ स० ॥ वोलेतामदेवागनाहो ॥ सु० ॥ मकरोचीत्तवीषाद ॥स०॥
कुमरेंघणजुगतूकरयुहो ॥ सु० ॥ टाल्योसवविपवाद ॥ २०० ॥ स० ॥ मो
रूमारगशणिसाधीउंहो ॥ सु० ॥ अमृतमस्तुतज्यूकेर ॥ स० ॥ आपदाउरेंक
रीश्णेंहो ॥ सु० ॥ पुरुपातमशणिपेर ॥ १ ॥ स० ॥ कूडताटालीउदारताहो
॥ सु० ॥ किधीअगीकार ॥ स० ॥ तिणेंकतारथएहलेहो ॥ सु० ॥ धन्यतूम
कुलअवतार ॥ २ ॥ स० ॥ राणितुम्हेंपणिलेभियोहो ॥ सु० ॥ नहिसो
चवायोग्यजेह ॥ स० ॥ शाश्वतसूखवशेणिआदरयुहो ॥ सु० ॥ धन्यतूकु
खजिहांएह ॥ ३ ॥ स० ॥ वऊजननेंशिवसूखतणहो ॥ सु० ॥ कारणतूक
सूतनेम ॥ स० ॥ तिणेंवेपासडरेंकरोहो ॥ सु० ॥ नरपतीकहेतवश्म ॥ ४ ॥
स० ॥ कुणतूमेलेतेकहोहो ॥ सु० ॥ देवीकहेसूणिवाणि ॥ स० ॥ खमगमह
रणेंउलपीहो ॥ सु० ॥ सूदरीसणाअतीहाण ॥ ५ ॥ स० ॥ तुकसूतगुणअ
नुरागिणीहो ॥ सु० ॥ रऊतूकसवनमकार ॥ स० ॥ रायराणीसुणीहरषीआ
हो ॥ सु० ॥ धन्यगुणवतकुमार ॥ ६ ॥ स० ॥ देवतापणिरागीहोश्हो॥ सु०॥
देवताबोलेताम ॥ स० ॥ कुमरप्रसावघणोअलेहो ॥ सु० ॥ चालोजईश्तेग
म ॥ ७ ॥ स० ॥ धरमपिमनिहालिश्हो ॥ सु० ॥ कहेतेकरीश्कांम ॥ स० ॥
देवीप्रणमीनेंचालीआहो ॥ सु० ॥ कुमरसमीपेंजाम ॥ ८ ॥ स० ॥ अवधि
कुमरेंजाणिउहो ॥ सु० ॥ हरपेउसाथाय ॥ स० ॥ प्रणम्यामावीत्रपाउलेंहो॥
सु० ॥ वेठाआसणठाय ॥ ए ॥ स० ॥ प्रणमीपुछेतातनेंहो ॥ सु० ॥ किमआ
व्यातूमेएथ ॥ स० ॥ अणघटतूएकिधलूहो ॥ सु० ॥ मुकनवीतेम्योतेथ ॥
॥ १० ॥ स० ॥ नृपकहेदेवीश्तापीउहो ॥ सु० ॥ तूमवृत्तातअशेष ॥स० ॥ रा
णिकहेगुणधततूहो ॥ सु० ॥ किमदिजेंआदेश ॥ ११ ॥ स० ॥ कुमरकहेतुमे
गुरुजनाहो ॥ सु० ॥ तूमआणाकरूजेह ॥ स० ॥ गुणवतपणमुकतोरहेहो
॥ सु० ॥ रायकहेसुणोएह ॥ १२ ॥ सु० ॥ उ करकामतूम्हेंकरयुहो ॥सु० ॥
समरादित्यकहेवाणि ॥ स० ॥ नहीउ करश्हांसासलोहो॥ सु० ॥ ध्यारपुरुप

नुकहांण ॥ १३ ॥ स० ॥ केईकय्यारपुरुषहताहो ॥ सु० ॥ द्रव्यश्ठकतिहां
दोय ॥ स० ॥ दोयविषयनालोलपीहो ॥ सु० ॥ मारगपमीवज्यासोय ॥
॥ १४ ॥ स० ॥ कोईकथानिकपेपिउहो ॥ सु० ॥ मणिरत्नकनकनीरा
शि ॥स० ॥ नारीदोयरत्तासमीहो ॥सु०॥ करतीअतीसूविलास॥१५॥ स० ॥
जेपामवुतेपामीआंहो ॥ सु० ॥ सनमुखचाल्याताम ॥ स० ॥ वाणियईर्शण
अवसरेंहो ॥ सु० ॥ मासाहसकरोआम ॥ १६ ॥ स० ॥ मस्तकउपरिपेष
ज्योहो ॥ सु० ॥ परवतपमस्येएह ॥ स० ॥ उचुजोतादेपीउहो ॥ सु० ॥ रौ
द्रवर्जनथीजेह ॥ १७ ॥ स० ॥ व्यापीरह्योआकाशनेंहो ॥ सु० ॥ वारीनञ
कीश्तेह ॥ स० ॥ तेपणिपमतोपेपीउहो ॥ सु० ॥ तासउपायनरेह ॥ १८ ॥
स ०॥ इणिसमेवाणीसूणीतिहांहो ॥ सु० ॥ जेश्ठेअठकाम ॥ स० ॥ मरण
लहेतेश्णिपरेंहो ॥ सू० ॥ वलीलहेउखठाम ॥ १९ ॥ स० ॥ जेहनीरीहएदो
यथीहो ॥ सू० ॥ सावेअसारतातास ॥ स० ॥ तोक्रमें२दूरेंपसेहो ॥ सू० ॥
कालेउपद्रवनाश ॥ २० ॥ स० ॥ तवएकेकतेचिंतवेहो ॥ सू० ॥ जेथानार
तेथाय ॥ स० ॥ पणिएतोनवीठेमीश्हो ॥ सू०॥ सिंग्रतेलेवाजाय॥२१॥स०॥
विजापणिमनचिंतवेहो ॥ सु० ॥ अर्थविषयस्यूनकाज ॥ स० ॥ जेहनाकटू
कविपाकठेहो ॥ सू० ॥ श्मकरीकरताताज ॥ २२ ॥ स० ॥ ड करकारकेहा
कह्योहो ॥ सू० ॥ तातविचारोचित्त ॥ स० ॥ रायकहेजेप्रवृत्तिआहो ॥ सू०
लेवाविषयनेंवित्त ॥ २३ ॥ स० ॥ ड करकारीतेघणाहो ॥ सू० ॥ नविचारे
जेविवाग ॥ स० ॥ विजानुडकरकिस्यूहो॥सु०॥ जुक्तकरेजेताग॥२४॥स०॥
नवमीनवभाखमर्मांहो ॥ सु० ॥ समरादित्यनेंरास ॥ स० ॥ पद्मविजयसो
हामणीहो ॥ सु० ॥ ढालअथीकउल्लास ॥ २५ ॥ सकृ० ॥ ॥ ९ ॥
॥ दुहा ॥ पर्वतपमतोपेपीउ ॥ तेआयुअसराल ॥ सूरअसुरांनहिआसरो ॥
सिपणअतीसयाल ॥ २६ ॥ असमजसकारकअती ॥ विपसमजासविपाक॥
विषयनोत्यागवषाणीउ ॥ अमृतसमआपाक॥ २७॥ क्लेशरहीतकुअरकहे॥
सरवथीएसेवाय ॥ अर्थत्यागपणिइणिपरें ॥ स्यूड करसमकाय ॥ २८ ॥ रा

यकहेरुमुकसु ॥ मोहमांपणिमुझाय ॥ कुमरपीतानेंतबकहे ॥ ऊरंवतएऊ दाय ॥ २९ ॥ मरणदेयेनिजमस्तकें ॥ व्यापेजराविशेष ॥ वीर्यगलेवारूपणु दिशवलीगुरूउपदेश ॥ ३० ॥ दीपनआणेंदष्टिमां ॥ करेअकारयकाम॥ जि नवरदेपाम्योजीके ॥नधरेधर्मनुनाम ॥ ३१ ॥ इमसांसलीअवनीपती ॥ सुं घरीशुसलाव ॥ जेंमकयुतेतिमजछे ॥ देविपणिशणिदाव ॥ ३२ ॥ ढाल ॥ गां धीनागीतनी ॥ साहिबसासलिवीनती ॥ एदेशी ॥ मायकहेवछसांसलो ॥ अ मवमपणिछेमाय ॥ कुअरजी ॥ तूमउपदेशसुण्योवली ॥ चितानहीतिणेंकाय॥ कु० ॥ ३३॥ मा० ॥ पणिउदवेगएउपजे ॥ बालायौवनवेस ॥ कु० ॥ मनवं छिततसनथीथयु ॥ तिणेंउदवेगवीशेष ॥ कु० ॥ ३४ ॥ मा० ॥ कुअरकहे नकरोतूम्हे ॥ मनउदवेगलिगार ॥ माताजी ॥ मनवांछीतएहनुथयु ॥ धन्यए हनोअवतार ॥ मा०॥३५॥मा०॥ मोहविजएणिश्लसु ॥ सासलीएहवीबात ॥ माताजी ॥ वछमुखसाहमुदेषीउ ॥ तबबोलीसूणोमात ॥ मा० ३६ ॥ मा० ॥ तुम्हेस्नेहेंकरीइमकहो ॥ पणिसरीउअम्हकाज ॥ मा० ॥ आर्यपुत्रघरणीत णो॥सब्दलसोअमेआज ॥ मा० ॥ ३७ ॥ मा० ॥ तुम्हप्रसावथीनीपनु ॥ अ ममनवछीतजेह ॥ मा० ॥ धर्मकसोवीतरागनो ॥ उपदेस्योपीउतेह ॥ मा० ॥ ॥ ३८ ॥ मा० ॥ तिणेंउदवेगनकीजीइ ॥ राणिवीचारेताम ॥ कु० ॥ अहोअ पर्नेउपसमघणो ॥ जाणेपरमार्थतेआम ॥ कु० ॥ ३९ ॥ मा० ॥ गुरुसक्ति अहोकेहवी ॥ अहो २ वयणविन्यास ॥ कु० ॥ अहोगसीरताएहनी ॥ इम चितीकहेतास ॥ कु० ॥ ४० ॥ मा० ॥ खमगसेनपुत्रीतणा ॥ उचिततेघटतूं इम ॥ कु० ॥ इणिपरिकरतांवातमी ॥ वातसूणोएकप्रेम ॥ कु० ॥ ४१ ॥ मा० ॥ विप्रपुरदरनांमथी ॥ रायसूवननेंपास ॥ कु० ॥ कोलाहलतिहांवऊ यो ॥ जेहसूणीहोयत्राश ॥ कु० ॥ ४२ ॥ मा० ॥ रायकहेनिजपुरुषनें ॥ जाउपवरकरोएहा॥ कु०॥ कुअरकहेमतजायजो॥जोणकुछेजेह ॥ पीताजी ॥४३॥ कुअरकहेतूमेंसांसलो॥एआकणी॥एसचारविलासछे॥रायकहेतेकेम ॥ कु०॥ कुमरकहेएसटजो॥अरधमुउजवनेमा॥पिताजी॥४४॥कु०॥ तिणेंसऊस

छनरोवता ॥ नृपकहेदिगेआज ॥ कु० ॥ कुअरकहेकारणनही ॥ मरणध
र्मिनरराज ॥ पिता ॥ ४५ ॥ कु० ॥ एहनेंरोगहतोनही ॥ नृपकहेकिममुउइ
म ॥ कु० ॥ कुमरकहेअवाच्यछे ॥ निदितछेवलीतेंम ॥ पिता ॥ ४६ ॥ कु०॥
सूपकहेसचारमां ॥ स्यूंनहींनिदितहोय ॥ कु० ॥ पणिकौतिकमुजएअछे ॥
ससलावोतूम्हेंयोय ॥ कु० ॥ ४७ ॥ कु० ॥ कोईविस्तारनहीवहे ॥ नहिवू
रजनकोएय ॥ कु० ॥ कुअरकहेमतइमकहो ॥ सूणोजेनीपनुतेय ॥ पीता०॥
॥ ४८ ॥ कु० ॥ नर्मदानारीछेएहनें ॥ तिणेंविघूछेफेर ॥ पीता ॥ मोकलोवेय
उतावला ॥ आंणीमनमामहेर ॥ पीता ॥ ४९ ॥ कु० ॥ उंपधेजीवेतेजया ॥
वलीएहनीजेपोलि ॥ पीता ॥ नेऋतकूंणेंकूतरो ॥ एपणिएहनेंतोल ॥ पिता ॥
॥ ५० ॥ कु० ॥ एहजफेरतेदिघलू ॥ एहजविधीकरोतास ॥ पीता ॥ जिव
स्येतिणेंएविरूजणां ॥ रायनेंयययोउल्लास ॥ पीता ॥ ५१ ॥ कु० ॥ अहोज्ञान
जुउंकुमरनु ॥ इमकहीविसर्नेतेभि ॥ पीता० ॥ सीषवीनेंतीहांमुकीआ ॥ नि
जनरनेंतेकेमि ॥ पी० ॥ ५२ ॥ कु० ॥ सूपपुछेहवेकुमरनें ॥ स्यूइणमारणहे
त ॥ पीता ॥ कुमरकहेअवीवेकछे ॥ तोपणिएसंकेत ॥ पीता ॥ ५३ ॥ कु० ॥
वाहलीपुरदरनेघणी ॥ तोपणिनारीअज्ञान ॥ पी० ॥ अर्जूनदासजेनीजघरें ॥
तेहस्यूलागोतान ॥ पी० ॥ ५४ ॥ कु० ॥ अवणपरपरासांसल्यूं ॥ माग्यू
नविभेंतोहि ॥ पी० ॥ इमकेईकालवहीगयो॥मातकहेहवेमोहि॥पी०॥५५ ॥
कु० ॥ पुत्रनसुदरवडअछे ॥ उवेपेछेकेम ॥ पी० ॥ यायसतानना्यवली ॥
सांसल्यूविभेंइम ॥ पी० ॥ ५६ ॥ कु० ॥ सासलीवाम्ववंचितवे ॥ इमसापेछे
मात ॥ पी० ॥ प्राणप्रियाएनारीछे ॥ किमहोस्येएवात ॥ पी० ॥ ५७ ॥ कु०॥
सचामीनवमारवम्मां ॥ पथ्मवीजयकहीढाल ॥ पी० ॥ समरादित्यनारासमा॥
आगलिवातरसाल ॥ पी० ॥ ५८ ॥ कु० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ दुहा ॥ सासवर्जनेंसपनही ॥ एहवोपणिअवदात ॥ वलीविनेपथीगुणवती ॥
मत्सरनहीमुजमात ॥ ५९ ॥ एतलाकाललगेंअही॥लेदनजाण्योताय ॥ नारीप
णिछेनीरमली ॥ स्योकीजेंव्यवसाय ॥ ६० ॥ चचलनारीतेचीत्तथी ॥ इमला

यकहेरुकसु ॥ मोहमांपणिमुंझाय ॥ कुमरपोतानेंतबकहे ॥ डरवंतएडुल
दाय ॥ २९ ॥ मरणदेपेनिजमस्तकें ॥ व्यापेजराविशेश ॥ वीर्यगलेवारूपनें
दिश्वलीगुरूउपदेश ॥ ३० ॥ दोपनआणेंदृष्टिमां ॥ करेअकारयकांम॥ जि
नवरदेपामयोजीके ।नधरेधर्मनुनांम ॥ ३१ ॥ इमसांसलीअवनीपती ॥ सर्व
धरीशुत्तसाव ॥ जेंमकह्युतेतिमजठे ॥ देविपणिइणिदाव ॥ ३२ ॥ काम ॥ मां
पीनागीतनी ॥ साहिबसासलिबीनती ॥ एदेशी ॥ मायकहेवछसांसलो ॥ अ
मवचपणिठेमाय ॥ कुअरजी ॥ तूमउपदेशसुएयोवली ॥ चितानहीतिणेंकाय॥
कु० ॥ ३३॥ मा० ॥ पणिउदवेगएउपजे ॥ वालायौवनवेस ॥ कु० ॥ मनव
ठिततसनवीययु ॥ तिणेंउदवेगवीशेश ॥ कु० ॥ ३४ ॥ मा० ॥ कुअरकहे
नकरोतूम्हे ॥ मनउदवेगलिगार ॥ माताजी ॥ मनवाठीतएहनुथयु ॥ धन्यए
हनोअवतार ॥ मा०॥३५॥मा०॥ मोहविजएणिइलह्यु ॥ सांसलीएहवीवात ॥
माताजी ॥ वछमुखसाहमुदेपीउ ॥ तवबोलीसूणेमात ॥ मा० ३६ ॥ मा० ॥
तुम्हेलेहेंकरीइमकहो ॥ पणिसरीउअम्हकाज ॥ मा० ॥ आर्यपुत्रघरणीत
णो॥सन्देलसोअमेआज ॥ मा० ॥ ३७ ॥ मा० ॥ तुम्हप्रस्तावथीनीपनु ॥ अ
ममनवठीतजेह ॥ मा० ॥ धर्मकसोवीतरागनो ॥ उपदेस्योपीउतेह ॥ मा० ॥
॥ ३८ ॥ मा० ॥ तिणेंउदवेगनकीजीइ ॥ राणिवीचारेताम ॥ कु० ॥ अहोरु
पनेंउपसमघणो ॥ जाणेपरमार्थतेआम ॥ कु० ॥ ३९ ॥ मा० ॥ गुरूसक्ति
अहोकेहवी ॥ अहो २ वयणविन्यास ॥ कु० ॥ अहोगसीरताएहनी ॥ इम
चितीकहेतास ॥ कु० ॥ ४० ॥ मा० ॥ खमगसेनपुत्रीतणा ॥ उचिततेघटतु
इम ॥ कु० ॥ इणिपरिकरतांवातमी ॥ वातसूणोएकप्रेम ॥ कु० ॥ ४१ ॥
मा० ॥ विप्रपुरदरनामथी ॥ रायसूवननेंपास ॥ कु० ॥ कोलाहलतिहांवऊप
यो ॥ जेहसूणीहोयत्रास ॥ कु० ॥ ४२ ॥ मा० ॥ रायकहेनिजपुरूषनें ॥
जाउषबरकरोएह॥ कु०॥ कुअरकहेमतजायजो ॥ जांणुछुंजेह ॥ पीताजी
॥४३॥ कुअरकहेतुमेंसांसलो॥एआंकणी॥एसञारविलासछे॥रायकहेतेकेंम ॥
कु०॥ कुमरकहेएसहजो॥अरधमुउंजवनेमा॥पिताजी॥४४॥कु०॥ तिणेंसऊस

कहिनशणिपरेंजता ॥ देषेपुजानीतजार ॥ ७७ ॥ नारी० ॥ चिंतवेअहोएमु ढतारे ॥ अहोकेहवोठेराग ॥ अथवाएहवीसास्त्रमां ॥ सापीठेनारीअताग ॥ ॥ ७८ ॥ नारी० ॥ पणिसूधाधारनारीकहीरे ॥ रूपीइसास्त्रमफार ॥ तिर्णेम नमानेंतेकरो ॥ मुफकाजनतासलगार ॥ ७ए ॥ नारी० ॥ इमचिंतवीपुरखप रेंरे ॥ सोगवेतेहस्यूसोग ॥ वारवरसइमवहीगया ॥ एतोमोहनीकर्मनाजोग ॥ ८० ॥ नारी० ॥ इमकरतांगतपाचमेंरे ॥ दिवसेंराध्यूंअन्न ॥ ब्राह्मणनेजी माम्षा ॥ पणिनारिनुजारमांमन्न ॥ ८१ ॥ नारी० ॥ ब्राह्मणजिमवापुरवेंरे ॥ तिहांकस्युबलीनुदान ॥ तवपुरदरदेषीकरी ॥ हसीनेंकहेइणिपरेंवाणि ॥ ८२॥ नारी० ॥ हजीअएस्यूकरोसुदरीरे ॥ सासलीकरेवीचार ॥ निश्चयमारयोमु फपती ॥ तिर्णेवोलेएइर्णेपरकार ॥ ८३ ॥ नारी० ॥ जोमारूएहायस्यूरे ॥ तोलेषाइवैर ॥ इमचिंतीनेंआपीउरे ॥ सोजनमाहिंफेर ॥ ८४ ॥ नारी० ॥ ए व्यतीकरसूणीपुठीउरे ॥ सूर्पेइमकुमारा॥ स्वाननेंस्येकारणवीउरे॥फेरकहोतेवी चार॥८५॥ नारी०॥कुमरकहेएकुतरोरे॥आवीवेसेतेठामा॥निजप्रियउपद्रवजा णीनेंरे ॥ एहनेंपणिदिउताम ॥ ८६ ॥ नारी० ॥ सातवारअर्जुनत्तणीरे ॥ मा रयोइणिनारि ॥ तेसूणज्योहवेप्रथमथी ॥ क्रमीउपनोदेहमफारि ॥ ८७ ॥ नारी० ॥ तिहाथीग्रहकोकिलथयोरे ॥ उदरनेंवलीसेक॥ वलीअलसीउंउपनु॥ तिमसरपपणेंअवीवेक ॥ ८८ ॥ नारी० ॥ सातमेंस्वतेंकुतरोरे ॥ मारेसघले नारि ॥ विषयथकीइमदूखलहे ॥ अहोधिग् २ ऐआचार ॥ ८ए ॥ नारी० ॥ रागेंरागीनेंमारतीरे ॥ तेपणिनीजअन्नाण ॥ थानिकनवीमुकेकिमें ॥ अहोमो हग्नकतीअप्रमाण ॥ ए० ॥ नारी० ॥ स्वानतणोव्यतीकरसूणीरे ॥ सूपतोल सोसवेग ॥ अहोसचारअचारता ॥ कर्मवीचीत्रपफअतीरेग॥ ए१ ॥ नारी०॥ नवमाखरूमाएकहीरे ॥ अगीआरमीएढाल ॥ पद्मविजयेंएहरासमां ॥ सू णतांहोयमगलमाल ॥ ए२ ॥ नारी० ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ७॥ ॥ डुहा ॥ वैद्यआव्यांइणिअवसरें ॥ जिवाम्योकहेजाम ॥ उद्योतथयोइणि अवसरि ॥ देवउदूतीनदेंताम ॥ ए३ ॥ सासलेगीतसोहामणा ॥ कहेक

पेन्रअणगार ॥ तेपणिनथीपाश्वितप ॥ विषमाकामवीकार ॥ ६१ ॥ चरीक
करुतिणेंपाधरी ॥ इमंचितीएकांत ॥ सापेनमेंवासामिमी ॥ सवध्योनक
रीखांति ॥ ६२ ॥ महिपतीश्राणाइमाहरे ॥ जगुगाहेसरजाग ॥ जिनवाणी
स्यूसुंदरी ॥ केईकदिनठेकांम ॥ ६३ ॥ रहेज्योकमीरीतीस्यू ॥ कर्मोतनके
तयनारि ॥ श्रार्यपुत्रक्रश्रावस्यू ॥ नहिरक्रनिरधार ॥ ६४ ॥ चरी ॥ पर्वे
तमस्यूएकवारसहुणीबोलोहो ॥ एकेजी ॥ तुमवीनक्रनथीरहीसकुंरे ॥ स्याक
हीरुदनकरेय ॥ पुरदरकहेसुंदरी ॥ स्येंईकामरतामधरेय ॥ ६५ ॥ चरीकक
हीरुमोहो ॥ अहोकोईनलहेएहनोपार ॥ चरी० ॥ माहरेतिहांकांयइवव
रे ॥ नवकहेवचनप्रमांण ॥ पणिजोमोमाश्रावस्योतो ॥ माहराजास्येंप्राण ॥
॥ ६६ ॥ चरि० ॥ बिजेदिवसेनिकल्योरे ॥ बाहिरदिवसगमाय ॥ रजनीसें
ठेगेहर्मा ॥ करीमायारहोएकठाय ॥ ६७ ॥ चरी० ॥ मध्यरातिबासनेहवा
रे॥ सुतादिठांदोय ॥ सुरत्तप्रयासनाखेदथीरे ॥ निद्रामांश्राभ्यासोय ॥ ६८॥
चरी० ॥ कोपेंश्रतीघणकलकल्योरे ॥ नाठेदूरिवीवेक ॥ चितवेजनस्यूक
सवी ॥ नारिनेंतेश्रापनीटेक ॥ ६९ ॥ च० ॥ पणिश्रर्जुनएदुष्टनेरे ॥ सोनवे
माहरीनारि ॥ मारूएहनेंचितवी ॥ कस्योसूतानेंप्रहार ॥ ७० ॥ चरी० ॥ ना
रीतिवासनागेहथीरे ॥ रहीउघरएकदेश ॥ जोउनारीहवेस्यूकरे ॥ तिहांकर्म
फरसथयोलेश ॥ ७१ ॥ चरी० ॥ तेहथीजागीजोईउरे ॥ मरणलसेजेभा
र ॥ चितवेहाहामरीगयो ॥ मुझजेहस्यूअतिशयप्यार ॥ ७२ ॥ चरी० ॥ मंद
सागिणीक्रघणीरे ॥ किणेंमारयोमुझस्वामि ॥ मारिनमुझनेंपापिइ ॥ किमजी
वतीरक्रइणठामि ॥ ७३ ॥ चरी० ॥ गईहवेरतीसूखनीकथारे ॥ इमचितीचर्ले
धामि ॥ घाल्योश्रर्जुननेतिहां ॥ दुखधरतीश्रतीगाढ ॥ ७४ ॥ चरी० ॥ कोइ
नेंहवेनीकल्योरे ॥ पोहतोशक्तिगण ॥ सापणितिणथानिककरे ॥ बेदिकाल
सतनुश्रहीनांण ॥ ७५ ॥ चरी० ॥ नारीनहीरुमीहो ॥ एश्राकणी ॥ विपक
रेनेंबलीदीइरे ॥ पुजेप्रतीदीनतास ॥ श्रालिंगनथलीतीहांकरे ॥ इमलेहेंअभ्या
णीवीलास ॥ ७६ ॥ ना० ॥ श्राम्योपुरदरश्रन्यदारे॥ देखाम्योनवीकार ॥ केम

कदिनशणिपरेंजता ॥ देषेपुजानीतजार ॥ ७७ ॥ नारी० ॥ चितवेअहोएमु
ढतारे ॥ अहोकेहवोठेराग ॥ अथवाएहवीसास्त्रमा ॥ साषीठेनारीअताग ॥
॥ ७८ ॥ नारी० ॥ पणिसूधाधारनारीकहीरे ॥ रूपीरसास्त्रमऊार ॥ तिणेंम
नमानेंनेंतिकरो ॥ मुऊकाजनतासलगार ॥ ७ए ॥ नारी० ॥ इमचितवीपुरवप
रेंरे ॥ सोगवेतेहस्थूसोग ॥ वारवरसइमवहीगया ॥ एतोमोहनीकर्मनाजोग
॥ ८० ॥ नारी० ॥ इमकरतांगतपाचमेंरे ॥ दिवसेंराध्यूंअन्न ॥ ब्राह्मणनेंजी
माम्वा ॥ पणिनारिनुजारमामन्न ॥ ८१ ॥ नारी० ॥ ब्राह्मणजिमवापुरवेंरे ॥
तिहाकस्युबलीनुदान ॥ तवपुरदरदेषीकरी ॥ हसीनेंकहेशणिपरेंवाणि ॥ ८२॥
नारी० ॥ हजीअएस्यूकरोसूदरीरे ॥ सासलीकरेवीचार ॥ निश्चयमारयोमु
ऊपती ॥ तिणेंवोलेएशणेंपरकार ॥ ८३ ॥ नारी० ॥ जोमारूएहायस्यूरे ॥
तोलेषाईवैर ॥ इमचितीनेंआपीउरे ॥ सोजनमाहिऊेर ॥ ८४ ॥ नारी० ॥ ए
व्यतीकरसूणीपुठीउरे ॥ सूर्पेइमकुमार॥ स्वाननेंस्येकारणदीउरे ॥ऊेरकहोतेवी
चार॥ ८५॥ नारी० ॥कुमरकहेएकुतरोरे॥आवीवेसेतेठाम॥निजप्रियउपद्रवजा
णीनेंरे ॥ एहनेंपणिदिउंताम ॥ ८६ ॥ नारी० ॥ सातवारअर्जुनसणीरे ॥ मा
स्योशणिनारि ॥ तेसूणज्योहवेप्रथमथी ॥ कमीउपनोदेहमऊारि ॥ ८७ ॥
नारी० ॥ तिहाथीग्रहकोकिलथयोरे ॥ उदरनेंवलीसेक॥ वलीअलसीउंउपनु॥
तिमसरपपणेंअवीवेक ॥ ८८ ॥ नारी० ॥ सातमेंस्रवतेंकुतरोरे ॥ मारेसघले
नारि ॥ विषयथकीइमदूखलहे ॥ अहोधिग् २ ऐआचार ॥ ८ए ॥ नारी० ॥
रागेंरागीनेंमारतीरे ॥ तेपणिनीजअन्नाण ॥ थानिकनवीमुकेकिमें ॥ अहोमो
हन्यकतीअप्रमाण ॥ ए० ॥ नारी० ॥ स्वानतणोव्यतीकरसूणीरे ॥ सूपतोल
ह्योसवेग ॥ अहोसन्नारअन्नारता ॥ कर्मवीचीत्रपणअतीरेग॥ ए१ ॥ नारी०॥
नवमाखम्मांएकहीरे ॥ अगीआरमीएढाल ॥ पद्मविजयेंएहरासमा ॥ सू
णताहोयमगलमाल ॥ ए२ ॥ नारी० ॥ ॥ ५ ॥ ॥५॥
॥ उहा ॥ वैद्यआव्यांशणिअवसरें ॥ जिवाम्योकहेजाम ॥ उद्योतथयोशणि
अवसरिं ॥ देवउदूसीनर्देताम ॥ ए३ ॥ सासलेगीतसोहामणा ॥ कहेक

होरायकुमार ॥ एहकिस्यूअदसूतअछे ॥ बलिकहेकुमरवीचार ॥ [illegible]
गुणधर्मसेठनोसुतगुणी ॥ जिनधर्मनामेजाण ॥ आजलसूरमांअतरतो
निश्चयअवधीनाण ॥ १४ ॥ मीत्रनारीसमझावता ॥ स्हतिआव्योएह ॥
तिबोधीपाछाजतां ॥ रिधीवैपामीरेह ॥ १५ ॥ सूरपदपाम्योकिमतज
प्रतिबोध्याकेणीपेर ॥ कुमरकहेएकीमकहू ॥ माण्यनहीएपेर ॥ १६ ॥
म्हआपहुथीतातजी ॥ पतलणतात्रमकार ॥ जिनमतसाधितजिनधरम ॥
सेंनविपयविकार ॥ १८ ॥ ढाल० ॥ जबुसरनसूसामीनी ॥ स्देशी ॥
वनासावेंसावस्यू ॥ नगर्मेमनमांसत्रारे ॥ धनदत्तमीत्रएकतेहनें ॥ वसु
नांमेंनीजनारीरे ॥ १९ ॥ पणितेधनदत्तस्यूरमें ॥ बहुकाळगमायोअरे
जिनधर्मतोइहलोकनी ॥ नविरापेअपेक्षाप्रेमरे ॥ २०॥ विणससमावेकूर्द
घने ॥ सून्यघरमांकाउसग्गरातेंरे ॥ रहिआहवेजेबधुला ॥ धनदत्तसेंकमक
रयोवातेंरे ॥ १ ॥ तेसून्यघरमाआवीआ ॥ एकपल्यकलेइतिकूठरे ॥ पर्ध
ईपीलालोहना ॥ ढाल्योपल्यकपायेंपुठरे ॥ २ ॥ जिनधर्मनापमउपरें ॥
आव्योपीलोपगविंधाणोरे ॥ तेउपरिविऊजणचळ्या ॥ करेआलिंगनजन्मा
णोरे ॥ ३ ॥ मैथुनसेवेंमोहस्यू ॥ तससारेंसेघोअत्यतरे ॥ पिलोपेगेपृथ्वी
मां ॥ जिनधर्मनेंवेदनाअनतरे ॥ ४ ॥ कुशलबुधीतीहांचितवे ॥ अहोवीषय
मुझावेजीवरे ॥ शीलजाइदूरगतीपमे ॥ तिहांदूखसहेअतीवरे ॥ ५ ॥ धन्य
मुनीसमसूखवरया ॥ दूरिउम्यानारीनासगरे ॥ झतोनतजुएसगनें ॥ परसो
रसोराषुरगरे ॥ ६ ॥ मीत्रनेंनीजसार्यासणी ॥ नकरीसकुसावउपगाररे ॥
तोबीजानीसीवारता ॥ आलसरीथाउअशारोरे ॥ [illegible] ॥ अहो २ उस्कहेतूप
यो ॥ अहोमुझसगतीपणिएहरे ॥ क्लिष्टचेष्टाकरेएहवी ॥ इहलोकेपणिऊप
जेहरे ॥ ८ ॥ परत्तवजाइउरगती ॥ झस्यानोकल्याणमीत्रोरे ॥ कल्याणनी
भ्रमगलकरे ॥ तेतोझयरयोइमअमीत्तोरे ॥ ९ ॥ चारनहीमुझएहमां ॥ तिर्ये
समरूपचनबकाररे ॥ इमकरीसमरेतेहनें ॥ चलीससारेंवेघअणगाररे ॥ [illegible] ॥
पढमहवईमगल ॥ कहेतांबुटातसमाणरे ॥ अलसोकमांउपनो ॥ मजुजतो

अवधिनाणरे ॥ ११ ॥ देवकृत्यकिधावीनां ॥ आव्योकरूणामनआणीरे ॥ मित्रनारीप्रतीबोधवा ॥ करेश्मवीचारसूजांणरे ॥ १२ ॥ रागअतीएहनेंअ छइ ॥ तससयविणनहिप्रतीबोधरे ॥ श्मकरीमायामुकतो ॥ वेदनाअतीसु रवविरोधरे ॥ १३ ॥ महेवाणीवीशूचिकाइ ॥ अशूचीचीकणकुजबालरे ॥ डुरगधअशुचिसरूकसणी ॥ पणिलागेअतीवीकरालरे ॥ १४ ॥ दोयपासा सेवाईआं ॥ हाहामरणलक्रूइमरे ॥ वलगेधनदत्तनेंवली ॥ जवालेपरमाइ तेंमरे ॥ १५ ॥ पापपरेंलीपाईउ ॥ महाअरतीउपनीअंगेरे ॥ अहो२एस्यूवनी गयु ॥ इमचिंतवेमननेंसगेरे ॥ १६ ॥ उसरवाकांयमांमीउ ॥ साचिंतवेनेंह स्युएतोरे ॥ वोलेमरूवकुवेदना ॥ अगसार्गेडुरकसमेतोरे ॥ १७ ॥ तेकहेकु स्युकरूश्हां ॥ माहरोनहीकाईचारोरे ॥ साकहेसरीरउलांसीइ ॥ उलांसेंतव तिणीवारोरे ॥१८॥ कहेमुकहाथचालेनही ॥ कोईमुरतीवतएपापरे॥ एसरीपु तोवीतुनही ॥ अरतिपहेवाणोआपरे ॥ १९ ॥ साचिंतेमुकपापथी ॥ एउदइ आव्यारोगरे ॥ देवसमोपतीवचीउ ॥ कस्युविरूस्उसयलोगरे ॥ २० ॥ पा मीसवेगनेरोवती ॥ हाआर्यपुत्रश्मकहेतीरे ॥ धनदत्तपणिश्मचिंतवे ॥ अ होडुखसमुदायवहेतीरे ॥ २१ ॥ एसंसारअसारछे ॥ एहकायाअशूचीतमा रे ॥ प्रियमित्रवयणतेसांसल्यां ॥ सूरवभोगव्यातसउपगाररे ॥ २२ ॥ जे हवीम्हेंचेष्टाकरी ॥ तेहनाफलकुएपाम्योरे ॥ रेमीत्रम्हेंमातुकरयु ॥ इमकहे तांमोहकांईवाम्योरे ॥ २३ ॥ जांणीसमयप्रतीबोधनो ॥ यवपुजणमिसक रीआयोरे ॥ सूरनिजरूपप्रगटकरी ॥ पुजाकरेयवनीरमायोरे ॥ २४ ॥ दरी सणदितुदोयजणें ॥ वेदनाथईउपशांत्तरे ॥ देपीदेपीदोश्वदीआ ॥ अहोसक्ति रूपनेंकांतीरे ॥ २५ ॥ पुछेंस्वामीतुम्हेंकोणछो ॥ किमआव्याआणेंगामरे ॥ ते कहेकुसुरआवीउ ॥ जिनधर्म्मबिंबपुजाकामरे ॥ २६ ॥ तेकहेकिहांजीनध र्म्मनी ॥ प्रतीमातवतिणेंदेपामीरे ॥ देपीचीत्तमांचिंतवे ॥ एजीवरहीतमानुगा मीरे ॥ २७ ॥ स्योसलहीकहेएकीस्यू ॥ श्हांस्योपरमार्थवपाणोरे ॥ सूरपरमा र्थकहेतांथकां ॥ पायप्रणमेधरीवहुमानोरे ॥२८॥ नवमेरवमेवारमी ॥ कही

पद्मविजयश्मढालरे॥समरादित्यनारासमां ॥ सृणोश्रागलवामरत्राखरे ॥२०॥
॥ उहा ॥ पुछेमुरनेशणिपरे ॥ जिनधर्मकिहांसूजाए ॥ देवकहेश्वमोदेवता ॥
विध्योंकिलविश्रांए ॥ २० ॥ दिगेतीमहीजदरूथी ॥ कहेअहोकीधपाक
द्ध ॥ मूर्छाविऊजणपांमीश्रा ॥ सुरकरतोश्वलीसद्ध ॥ २१ ॥ लघुतापाम्याम
जथी ॥ मरवानेंउजमाल ॥ देपीनीवारेंदेवता ॥ स्येंकरोमरणससाल ॥ २२ ॥
तेकहेजाणोसवीतूम्हे ॥ श्रमस्यूपुछेश्राम ॥ सुरकहेमरणथकिसरघू ॥ करो
तसउपदेश्नकाम ॥ २३ ॥ उपदेगयोग्यश्रमेनही ॥ तेकहेगयातेमीश्र ॥ सुर
कहेयोग्यश्रछेसरखर ॥ पश्चात्तापपवित्त ॥ २४ ॥ पापकरेपणिपापीश्रा ॥
पश्चात्तापनभाय ॥ क्लिष्टकम्र्मतिहजकह्या ॥ त्रार्त्तेसऊसमक्राय ॥ २५ ॥
जिनधर्मगयानजाणज्यो ॥ तेहजऊतूमपास ॥ परिणतीकर्मनीपामीनें ॥ म
रतेमोहविलास ॥ २६ ॥ धर्मसरणकरोधसमसी ॥ जिमनवीहोश्श्रजाल ॥
तेकहेकरस्यूतोहिपणि ॥ करस्युकालश्रकाल ॥ २७ ॥ श्राजथीतूमवचनें
श्रम्हें ॥ जाणयूश्रकारयजाम ॥ किमजीवनधरीश्रकहो ॥ निर्जरश्रहीपरिणा
म ॥ २८ ॥ जिनवरेंसाघ्योजिणीपरें ॥ दिधोतिमउपदेश्न ॥ सर्वविरतिकरी
सामठी ॥ श्रणसणकीधश्रसेश्न ॥ २९ ॥ सवसरुपतिहांसांवतो ॥ सबेगेंकरी
शुरू ॥ उकृतनिंघादापतां ॥ श्रतिशयतेश्रवबुध ॥ ४० ॥ श्रमरश्हांथीउत
पत्यो ॥ करसूजेधारयूकाज ॥ सासलीलश्नोसवेगनें ॥ रूमीपरेंमहाराज ॥
॥ ४१ ॥ ढाल ॥ सेठसेनापतीवार्धिको ॥ पुरोहीतनेंपरघानवे ॥ केमिनमुर्के
कामिनी ॥ सहेसवश्रीसराजानवे ॥ प्राणजीवनघरेंश्राउनां ॥ श्राउनांबेदील
स्याउनांबे ॥ प्रा० ॥ एदेशी ॥ रायकहेवछसाचलू ॥ सवनेंष्टाश्रसरालवे ॥
जलकल्लोलपरेंदेषीइ ॥ साचिएश्द्रजालबे ॥ ४२ ॥ कुमरसवेगेंपुरीउ ॥ पुरी
उवेंउखपुरीउबे ॥ कु० ॥ एश्रांकणी ॥ कल्याणमीत्रतेदोहिला ॥ एहवा
नेंपणिकीधबे ॥ एहवागुणनीयोग्यता ॥ शिवसुखकरतलदिघबे ॥ ४३ ॥
॥ कु० ॥ सऊकहेसत्यकमुतुमें ॥ सऊश्रसावेरागवे ॥ नृपकहेउपजस्येकि
हां ॥ कहोकुश्ररवमसागबे ॥ ४४ ॥ कु० ॥ सौधरमेंसुरवरथस्ये ॥ नृपकहे

अणाचारवे ॥ कुमरकहेतोस्युथयु ॥ पश्चात्तापअपारवे ॥ ४५ ॥ कु० ॥
विरतीपरीणामएहनाथया ॥ तिणेंउरगतीनवीजायवे ॥ जोअप्रमादथीआच
रे ॥ तोगुसपरपराथायवे ॥ ४६ ॥ कु० ॥ रायकहेएहवातणी ॥ किमएहोश
जोगवे ॥ कुमरकहेविचित्रता ॥ कर्मपरीणामआसोगवे ॥ ४७ ॥ कु० ॥ एह
नीप्रवृत्तीअकुसलतणी ॥ नहीअतीसकिलेससारवे ॥ एकप्रवृत्तिमात्रजहतो ॥
अनुवधरहीतविचारवे ॥ ४८ ॥ कु० ॥ आगमरीतेंचालीआ ॥ लागोनहीअ
तीचारवे ॥ नृपकहेसाचुतेवीना ॥ किमसवठेदनसारवे ॥ ४९ ॥ कु० ॥ कु
मरकहेधारणुपरू ॥ विनतीकरूवलीएकवे ॥ एसआरअनर्थमा ॥ आपदछे
अतीरेकवे ॥ ५० ॥ कु० ॥ मननरूचेश्हांमाहरू ॥ हरपश्आपोआणिवे ॥ गु
रूआणाश्प्रवत्तता ॥ कामचढेपरमाणवे ॥ ५१ ॥ कु० ॥ तिणेंआणामुऊआ
पीइ ॥ श्मकहीपमीउंपायवे ॥ रायकहेवछसांसलो ॥ आसघलोसमुदायवे ॥
॥ ५२ ॥ कु० ॥ सऊनाएहपरीणामछे ॥ तिणेंअम्हेंदिधीआणिवे ॥ अथवा
अमगुरूछोतुम्हे ॥ अदसूतनीरमलनाणवे ॥ ५३ ॥ कु० ॥ कामनपुछणनुरमू ॥
अह्मतुम्हकीजेंउचीतवे ॥ किधप्रघावदतेतातजी ॥ कुमरकहेसूवीदितवे ॥ ५४
॥ कु० ॥ तुम्हेपणिजुगतूआदरयु ॥ श्मकहेताथयोसोरवे ॥ वाज्यांतूरप्रसाति
नां ॥ बंदीजनकरेसोरवे ॥ ५५ ॥ कु० ॥ तमगयुनेरवीउगीउ ॥ मायाप्रसात
नावायवे ॥ विरहटल्योचक्रवाकनो ॥ मिलीआअमात्यसमवायवे ॥ ५६ ॥
॥ कु० ॥ कुमरचरीत्रससलावीउ ॥ नृपेंकसोनीजअसीप्रायवे ॥ तेपणिहर
प्यासासली ॥ घटतूकीधुरायवे ॥ ५७ ॥ कु० ॥ कुमरचिंतामणसारिपा ॥ नृप
कहेएश्मवे ॥ विलवनकीजेंएहमां ॥ उचितकरोघरीप्रेमवे ॥ ५८ ॥ कु० ॥
आणिप्रमाणकरीतीणें ॥ वरघरीआयोपायवे ॥ सऊदेहरेपूजारची ॥ दानम
हादेवायवे ॥ ५९ ॥ कु० ॥ पुरजननेंसनमांनीउ ॥ वदिवांनमुकायवे ॥ रा
ज्यठवेसाणेज्यनें ॥ मुनीचदनामसङ्घायवे ॥ ६० ॥ कु० ॥ गुरूजननीपुजाक
री ॥ ग्रुतदिनकरणमुऊत्तवे ॥ रायराणीमीत्रस्रदस्यु ॥ नारीविऊसजुत्तवे ॥
॥ ६१ ॥ कु० ॥ सद्दपुरदरस्यूवली ॥ पुरीजननेंपरघांनवे ॥ वेगसीवीकाई

सऊ ॥ वलीसामतराजानवे ॥ ६२ ॥ कु० ॥ मंगलतूरबजावते ॥ मार्वतेवरचा
नवे ॥ वदिवीरुदवोलीजते ॥ लोकनेंहर्षअमात्रवे ॥ ६३ ॥ कु० ॥ अध्यव
सायवधतेपके ॥ विस्मयपार्मेलोकवे ॥ पापरासीनेंपपावतो ॥ जोवेजनमो
केंयोकये ॥ ६४ ॥ कु ॥ बऊआदवरेंनीकस्यो ॥ नयरीबाहीरकुमारवे ॥ पु
प्पकरमउयानमा ॥ आवेबऊपरीवारवे ॥ ६५ ॥ कु० ॥ मानप्रसासमूरीन
दा ॥ पाउधारयातिएँवारवे ॥ चौनाणीचारीत्रीआ ॥ वंदेतीहांअणगारवे ॥
॥ ६६ ॥ कु० ॥ सूरवरतसपुजाकरे ॥ विधीपुर्वकतसपासवे ॥ दिक्षाजिनमी
आदरे ॥ पामीगुरुनोवासवे ॥ ६७ ॥ कु० ॥ ईंद्रतीहांपुजाकरी ॥ तिमगुनी
चदराजानवे ॥ पुरमासऊदेहरेकरे ॥ अगाईमहोछवतानवे ॥ ६८ ॥ कु० ॥
पमहअमारिवजावीआ ॥ हरव्यापुरीजनसाथवे ॥ समरादीत्यप्रमुखसऊ ॥
आणिपालेजगनाथवे ॥ ६९ ॥ कु० ॥ नवमेरवंभेतेरमी ॥ डालअधीकउल्ला
सबे ॥ सापीपद्मविजइस्सी ॥ समरादित्यनेंरासवे ॥ ७० ॥ कु० ॥ ॥
॥दुहा ॥ लोकप्रसआलखकरे ॥ सांसलीतेगीरीसेण॥ कलूषीतचितकोर्षेभयो॥
जार्णेंइणिपरेंजेण ॥ ७१ ॥ मुढलोकमातुकरे ॥ मुरषनुंबऊमांन ॥ उरा
चारएदेपीनें ॥ अधीकोहोइअसीमांन ॥ ७२ ॥ मारूएहनेंमुलथी ॥ तोसु
खसाताथाय ॥ हार्थेमाहरेएहवइ ॥ निश्चयआवस्येम्याय ॥ ७३॥ गंनारखो
सेठीद्रनें ॥ गिरीसेनतेहगमार ॥ मुनीवरसंजमम्हालता ॥ गुरुचरणेंगुणधार
॥ ७४ ॥ पुर्वास्यासपणेकरी ॥ अलपकालेंअवसूत ॥ सणिआड्डावयांगीस
ला ॥ पुरवचौदप्रसूत ॥ ७५ ॥ कियाकलापसऊकस्या ॥ वाचकपवगावत ॥
विहारकरतामुनीवरू ॥ यामानुयामगमत ॥ ७६ ॥ साधुनासमुदायथी ॥ क
रतासवीउपगार ॥ अयोध्यापुरीआवीआ ॥ श्रावकसार्थेसार ॥ ७७ ॥ डाल॥
टेकरहीरेसहेरसरुअधिकेमेंवान ॥ एदेशी ॥ मुनीवरआयारेनयरीअयोध्या
मेंवान ॥ सघसऊलायारेनमवाचैत्यनीवान ॥ एआकणी ॥ शकावतारचैत्य
मनोहार ॥ रीषसदेवप्रतीमाअवधारि ॥ विठुंतेउयानमझार ॥ नयरीसोहेरेइं
एदेहरेंनीरधार ॥ उज्वलदीपेरेआपकुंदअनुहार ॥ गगनेंअमीआरेध्वजपंढअ

तिहिविस्तार ॥७८॥ मुनि० ॥ दिठोमानुदेववीमान ॥ तोरणमणीमयथसखूबा
न ॥ शालिसजीकाकरतीतान ॥ रयणसमुहेरैवाध्यूकोट्टिमतास ॥ सोहेगला
रोरेरयणनादिवप्रकास ॥ सूरतरूफूलेरेपुज्याजिनवरषास ॥ ७ए ॥ मुनी ॥
सेवाकरवासूरवरआय ॥ तिमचारणजाणोरीपीराय ॥ नारीमधुरस्वरेंगीतगा
य ॥ कृष्णागरनारेधूपअतीशयथाय ॥ दशदीसव्यापेरेमुनीकरेस्तवनाजीन
राय ॥ सिद्धजनमुणतारेपरमारथनिरमाय ॥ ८० ॥ मुनी ॥ देषीमणीमयति
हांसोपान ॥ चढिनेवंदेजिनसगवान ॥ लोकालोकजाणेजेहज्ञान ॥ वदिवेठा
रेसमरादीत्यएकदेश ॥ चारणमुनीरेविद्याधरसुवीसेप ॥ आवीनमीयारेमुनीव
रचरणअशेस ॥ ८१ ॥ मुनी ॥ इणअवशरिपरसन्नचदराय ॥ स्वामीअयो
ध्यानोतेथाय ॥ समरादित्यआव्यामुनीराय ॥ जाणीराजारेलेईनीजपरीवार ॥
वदवाआवेरेहैयमेहरपअपार ॥ प्रसूजीपुजीरेआव्योजीहांअणगार ॥ ८२ ॥
॥ मुनी० ॥ प्रणमीवेठेमुनीवरपास ॥ पुछेप्रश्नधरीउल्लास ॥ नासीनदनइहांसू
णीश्वास ॥ घरमनाचक्रीरेप्रथमकसापयेतेह ॥ तोस्यूपहेलारेधरमहनोनहीं
एह ॥ जोहतोपहेलारेतोकीमप्रथमकहेह ॥ ८३ ॥ मुनी० ॥ मुनीकहेसरत
पेत्रमाजोय ॥ ईणिअवसर्प्पिणीपहेलाहोय ॥ पणिधर्मनहोतोमतलहोकोय ॥
ठेअनादीरेतीर्थंकरसगवत ॥ तेहनोसाष्योरेधर्म्मअनादिवहत ॥ सूपतीसापेरे
सापोकरूणारेवत ॥ ८४ ॥ मुनी० ॥ सरूपेत्रेअवसर्प्पिणीइम ॥ मुनीकहेए
हवुकहिश्केम ॥ सरतऐरवतेपचेनेम ॥ महाविदेहेरेछे प्रवस्थितकाल ॥ जि
नपतिनीर्थेरेपटजीवनाप्रतीपाल ॥ अतरनाहीरेचक्रीवासुवलसालि ॥ ८५ ॥
॥ मुनी० ॥ सरतऐरवतेअनीयतकाल ॥ वारआरेकालचक्रवीशाल ॥ चढतो
पमतोहोयनरपाल ॥ सागरवीसरेहोइतासप्रमाण ॥ अवशर्प्पिणीरेठआरेकरी
जाण ॥ उत्सर्प्पिणीरेतेहजरीतीवषाण ॥ ८६ ॥ मुनी० ॥ अवसर्प्पिणीमाप
हेलोजेह ॥ च्यारकोमाकोमिसागरतेह ॥ सूसमसूसमानामेंएह ॥ सूसमवीजो
रेत्रणिकोमाकोमीमान ॥ सूसमडुसमारेवेकोमाकोमीमान ॥ त्रिजाआरारेकेरू
एअसीघान ॥ ८७ ॥ मुनी०॥ उणांवेंतालीसहजार ॥ वरससागरकोमाकोमी

धार ॥ उपमसुपमाइणपरकार ॥ पांचमोआरोरेवरससहसएकवीस ॥ छ
मानांमेरेछठेपणएवरीस ॥ उखमउखमोरेमहाउखवतमनीस ॥ [illegible]॥
पहेलेआरेत्रणिपल्यआया।त्रणिगाउतचीतसकाया॥ [illegible]
दसछेजातिरेपहीलामत्तगतङ्ग ॥ मदिरासघलिरेनिणहीजगांमेंपसङ्ग ॥ [illegible]
दिसेरेलाजननीवीघीजङ्ग ॥ ८९ ॥ मुनी० ॥ त्रुटितांगेंवाजीत्रअनेक ॥ विघ
त्रिपानामेंवलीएक ॥ दिपपरेंदिपेसवीवेक ॥ जोईसनामेरेकरतातेहउदोत ॥
चित्रागवरूरेंफूलमालसवीहोत ॥ चित्ररसेंजाणोरेसोजनबीघीसुखसोत ॥
॥ ९० ॥मुनी० ॥ मणिअगमाहोइअलकार ॥ सघनरूपमांगेहभकार ॥ घ
नीगणमांसङ्गवस्त्रवीचार ॥ सझानांहीरेघर्माघर्मविशेष ॥ आरानीआदिरेजा
णोएहअशेष ॥ घटतूजाईरेनिहांघीसङ्गलवलेश ॥ ९१ ॥ मुनी० ॥ बिजेआ
रेदोयपल्यआय ॥ दोयगाउनुसरीरतेथाय ॥ लद्दणवतानेंनीरमाय ॥ घठवा
आयुरेवलीप्रमाणशरीर ॥ त्रिजानीआदेरेंसांसलितूनरवीर ॥ एकपल्यआयु
रेएकगाउतनुघीर ॥ ९२ ॥ मुनी० ॥ तेहनेंअतेपेहेलोराय ॥ जगततणीथि
तीसङ्गवतलाय ॥ सुरअसुरांसङ्गपुजनीकथाय ॥ धरमनाचक्रीरेपहेलाश्री
हाजीणद ॥ चिङ्गविघेघमरेंउपदेशेसुखकद ॥ अनुकमेंपामेरेंशिवसुखपरम
आणद ॥ ९३ ॥ मुनी० ॥ नघमेरवमेचौदमीढाल ॥ लाघेउत्तमबिजयनोबा
ल ॥ समरादित्यनोरासरसाल ॥ सुणतांहोवशेघरघरिमगलमाल ॥ सांस्खो
आगेरेसवीकायईउजमाल॥ जिमतुम्हेंपामोरेलीलालछीबीशाल॥९४॥मुनी०॥
॥ डुहा ॥ आरोघोयोआदिते ॥ पचसेघनुषप्रमाण॥ कायाआयुपुरबकसु॥
घुलसीलरकपहीचाण ॥ ९५ ॥ घावरताअन्तवारिनें ॥ धर्म्माघर्मतेंघारि ॥
तिर्थंकरचक्रीतथा ॥ बलबासुदेवतिवार ॥ ९६ ॥ पचमआरोपामतां ॥ आ
युवरससतएक ॥ सातजहाथसरीरछइ ॥ वारूधर्मवीवेक ॥९७॥ तिरत्म
तिमजिनतणा ॥ चोलेंरूमीचालि ॥ छठेआरेछटकीउ ॥ सरीरआयुससालि ॥
॥ ९८ ॥ घरससोलआयुघपू ॥ अर्घुकरतनुएक ॥ मांसाहारीअतीमलीन ॥
वलिनहीधर्मवीवेक ॥ ९९ ॥ ढाल ॥ सरोवरसूकाबेलाल ॥ [illegible]घरे॥

सरोवरउरेवेलाल ॥ जाईचित्तघरे ॥ एदेशी ॥ उलटिजाणोवेलाल ॥ ज्ञात्तरिप णीवली ॥ कालचक्रजाणोवेलाल ॥ इणिपरेदोयमली ॥ ५०० ॥ त्रुटक ॥ दो यमीलीधारोमतवीचारो ॥ घरमनहृतोपुरवे ॥ मोहट्यल्योकस्योअनुपह ॥ सू पईणीपरेवीनवे ॥ १ ॥ इणसमेंआयोवेलाल ॥ माहणएकसलो ॥ इ द्रसर्मानामेंवेलाल ॥ मऊगुणनीलो ॥ २ ॥ त्रु० ॥ गुणनीलोगरढेवुरी वंतो ॥ वदिपुछेईणीपरें ॥ सगवानतूमचाशात्रमाहि ॥ कर्मसाम्याजीनवरें ॥ ॥ ३ ॥ तेकर्मवेलाल ॥ वार्धेकीमकहो ॥ गुरूकहेसूणज्योवेलाल ॥ सू णीनेंसरदहो ॥ ४ ॥ त्रु० ॥ सरदहोनाणनीप्रत्यनीकता ॥ उलवेकरेअतराय ए ॥ आशातनाकरेज्ञानीउपरि ॥ द्वेपकरतोघायए ॥ ५ ॥ सापेअव ढूंवेलाल ॥ ज्ञानावरणनें ॥ वांर्धेकर्मवेलाल ॥ नवीलहेकरणनें ॥ ६ ॥ त्रु० ॥ दरसनतणीप्रत्यनीकताश्म ॥ जावअवलूत्सापतो ॥ दर्शनावरणीकर्मवांधें ॥ चित्तथीरनविरापतो ॥ ७ ॥ करेअनुकपावेलाल ॥ डुखनवीआपतो ॥ सोक सतापवेलाल ॥ परनांकापतो ॥ ८ ॥ त्रु० ॥ कापतोपरनीवलीपीमा ॥ वाधे शातासुखसणी ॥ विपरीतथीअशातवांर्धे ॥ वातसांसलोमोहणी ॥ ९ ॥ कोधनेंमानवेलाल ॥ मायालोहनें ॥ मिथ्याचरणवेलाल ॥ तिव्रकरेमोहनें ॥ ॥१०॥ त्रु० ॥ वांधेमोहनीकर्मइणिपरे ॥ हवइर्पाचदीवधकरे ॥ आरसपरी यहमहामेलें ॥ मांशवलीजेवावरे ॥ ११ ॥ नारकआयुवेलाल ॥ वाधेतनरा ॥ मायाअलिकवेलाल ॥ वचवातत्परा ॥ १२ ॥ त्रु० ॥ तत्पराकूमामानकरवा ॥ कूमातोलकरेघणां ॥ आयुतिरयचकेरूवार्धे ॥ डुखतणीजीहानहीमणा ॥ ॥ १३ ॥ प्रकृतिविनीतवेलाल ॥ पश्चातापीउ ॥ मछरनकरेवेलाल ॥ मनुजआउथापीउ ॥ १४ ॥ त्रु० ॥ वालतपअकामनीर्जर ॥ सरागसजमजा णिइ ॥ देशवीरतीयकीवार्धे ॥ देवआयुगणिइ ॥ १५ ॥ कायनेंसाववेलाल ॥ रूजुताजेहनें ॥ अवीसवादनवेलाउ ॥ योगहोश्तेहनें ॥ १६ ॥ त्रु० ॥ तेहनें मघशुसनामकेरो ॥ अशुसवीपरीतएहथी ॥ आठजातीनामदर्जेनिच ॥ गोत्र वांधेतेहथी ॥ १७ ॥ जातीकुलनेंवेलाल ॥ रूपनेंतपतणो ॥ ऋतवल

लासवेलाल ॥ ऐश्वर्यमदघणो ॥ १९ ॥ चु० ॥ मदएहमोजोकरेनीही ॥ उंच गोत्रबांधेसही ॥ दानादिकअंतरायकरतो ॥ अंतरायबांधेवही ॥ १९ ॥ शणिपरेंबांधेवेलाल ॥ जिववीरोपथी ॥ आठप्रकारेंबेलाल ॥ कर्मअशेषथी ॥ ॥ २० ॥ चु० ॥ इमसूणीकहेशसमी ॥ स्वामिजीसांभलमुं ॥ हवेमो अनुवीजलापो ॥ तेहकिमजाश्लमु ॥ २१ ॥ पाठकबोलेबेलाल ॥ वि जकहीजीइ ॥ सूरमणीसरीपुवेलाल ॥ सम्यक्तलहीजीइ ॥ २२ ॥ चु० ॥ वि गतेहनुसमसवेगा ॥ दिकतेटालेकर्मनें ॥ हवेलहीश्तेहसूणज्यो ॥ सांभलेजीव धर्मनें ॥ २३ ॥ गुणिनीसगतीवेलाल ॥ गुणपक्षपातीउं ॥ तपातस्य तावेलाल ॥ जोगेंअघातीउं ॥ २४ ॥ चु० ॥ अनूकपादीकसावनाकरे ॥ कर्म खयउपशमेंलहे ॥ शसमीकहेसाचु ॥ जेहपाठकजीकहे ॥ २५ ॥ पछि सूतापोबेलाल ॥ मोक्षमासूखघणू ॥ सजमदुखथीवेलाल ॥ किमलहेतेपक्ष ॥ २६ ॥ चु० ॥किमलहेतवगुरूकहेसातलि ॥ जिमउंषधथीनीरोगता ॥ अव वापरमार्थेसजम॥दुखनीनहीजोगता॥२७॥शुसपरिणामवेलाल ॥ शुसलेस्या वली॥ आतेंसापेवेलाल॥सजमसूखकेवली॥२८॥चु०॥केवलीसाषेवारमासह चरणक्षउजेहनु ॥ अनुत्तरविमानसूरजे ॥ सूषउलघेतेहनु॥२९॥जेइमे अग्नताएसमणानिग्गथा ॥एएणकस्सतेउलेसा॥विश्वयती॥मासपरियाएसमणे निग्गथे ॥ वाणमतराणदेवाण ॥ तेउलेसविईवयती ॥ एवडुमासपरीआएसम णेनीग्गथे ॥ असूरिंदवज्जिआणसवणवासीणतेउलेसविर्श्वयती ॥ तिमासपरी आए ॥ समणेनिग्गथे ॥ असूरकुमाराणंदेवाण ॥ तेउलेसविईवयती ॥ चउमास परीपरीआए ॥ समणेनिग्गथे ॥ गहगणनस्कत्ततारारूवाण ॥ जोईसीयाण ॥ तेउलेसविर्ईवयती ॥ पचमासपरीआएसमणेनिग्गथे ॥ चदिमसूरीयाण ॥ जोईसीदाणजोईसरायाण ॥ तेउलेसविर्ईवयती ॥ छमासपरीयाएसमणे नीग्गथे ॥ सोहम्मीसाणदेवाण ॥ तेउलेसवीईवयती ॥ सत्तमासपरीआ एसमणेनीग्गथेसणकुमारमाहिंदाहिंवाणदेवाणतेउलेसवीईवयई ॥ अठमास परीयाए ॥ समणेनीग्गथे ॥ बसलोगलतगाण ॥ तेउलेसवीईवयई ॥ नव

मासपरीयाएसमणेनिग्रथे ॥ महासुक्कसहस्सारागदेवाण ॥ तेउलेसादसमास परीयाएसमणेनिग्रथे ॥ आरणअच्चुआणंदेवाण ॥ तेउलेसाएकारसमासपरीआ एसमणेनिग्रथेगेविज्ञाणदेवाण ॥ तेउलेस ॥ वारमासपरीआएसमणेनिग्रथे ॥ अणुत्तरोववाइण ॥ देवाणंतेउलेसवीईवयई ॥ तेणपरसुक्केसुक्कालीजाईसवी त्ता ॥ सिझईवुज्झईमुच्चईसवदुरकाणमंतकरेई ॥ इतिसगवतीसूत्रे ॥ पूर्वढाल ॥ तेहउपरिवेलाल ॥ शुक्लसुखसापीउ ॥ शुक्लातीजात्यवेलाल ॥ सुखइमदापीउ ॥३०॥त्रु०॥ दापीउतिणेमुनीराजसुपीआ॥ परमार्थइमधारजे ॥ कहेइग्यारमा तहत्तिस्वामी ॥ किधोअमउपगारजे ॥ ३१ ॥ इणिअवसरवेलाल ॥ पुरवेआ वीउ॥ नामचित्रांगदवेलाल ॥ प्रणमेसावीउ॥३२॥त्रु०॥ सावीउकहेइमखमन वर्मे ॥ ढालपन्नरमीसली ॥ पद्मकहेएसासलीने ॥ वुद्धिकिजेनीरमलि ॥३३॥ ॥ दुहा ॥ कुणप्राणीथीतीकेतली ॥ वाधेकतीविधवध ॥ पुछेप्रष्णइणीपरें ॥ सयलकहोसवध ॥ ३४ ॥ समरादित्यकहेसूणो ॥ आयुवीनाअवधारि ॥ सातकरमवांधेसदा ॥ आठवाधेजउआय ॥ ३५ ॥ वार्थेमोहआयुवीना ॥ सूक्ष्मजेसपराय ॥ वधउनोवाकीरह्यो ॥ एकबधहवेआय ॥ ३६ ॥ ज्ञाताव धउपशांतनें ॥ मुनीवरजेपोणमोह ॥ संयोगीपणिज्ञातनें ॥ वांधेइमपमीवोहा ॥ ३७ ॥ दापीसमयथीतीजेहनी ॥ नहिकपायजसनाम ॥ चौलेसीगतसाधु जी ॥ अवधीअसरीरीम ॥ ३८ ॥ इत्यादिकवहुदापीउं ॥ कर्मपयमीअधीका र ॥ जाणोसूत्रथकीजीके ॥ वधतोथाइविस्तार ॥ ३९ ॥ चित्रागदलहीचीत्र नें ॥ मोहटल्योमहाराय ॥ अमनेंप्रसूअनुमहकस्यो ॥ शिक्षाधरूशिरठाय ॥ ४० ॥ कालवेलाथईअनुक्रमें ॥ प्रणमीगुरूनापाय ॥ रायप्रमुखवहुरिकि षी ॥ गवापोहताठाय ॥ ४१ ॥ ढाल ॥ प्रीतीनीवातछेन्यारीउंचवजी ॥ प्रीत० एदेशी ॥ जीनसासनगतीन्यारी ॥ सवीकजनजिन० ॥ समरादित्यमुनीराज उचीतनीज ॥ क्रियाकरेअतीसारी ॥ सवि० ॥ तेहजचैत्यमांवीजेदिवसें ॥ वेगआसनधारी ॥ ४२ ॥ स० ॥ अमीसूतीब्राह्मणतिहाआयो ॥ विधीस्यूव दनकारी ॥ स० ॥ चैत्यवादिपाठकजीप्रणम्या ॥ वेगेनीजदुरखवारी ॥ ४३ ॥

स० ॥ विनयवीजेपथीकहेमुक्तसाथो ॥ देवविजेपनीरधारी ॥ स० ॥ वली हनीसेवाविधीसाधो ॥ तसफलकहोपूरवकारी ॥ ४०॥ स० ॥ गुरुकहेवक णोतूम्हेपहेलां ॥ सर्वज्ञपरमोपगारी ॥ स०॥ रागद्वेषवर्जितसूरपुजीत॥ कनक स्थअनीयतचारी ॥ ४५ ॥ स० ॥ जनमजरानहीमहिमाअचिंतित ॥ देखना घनअनुकारी ॥ सवी० ॥ जसवयणेसवआयरउतरे ॥ शरधावतनरनारी॥ ॥ ४६ ॥ सवी० ॥ तेहनीसेवानीवीधीसुणज्यो ॥ अध्यवशायशुभधरिइ॥ सविकजनजिनसेवाश्मकरीइ ॥ एआकणी ॥ यथासकतीनिस्पृहनाविसे ॥ जिमआणास्यूंफरीइ ॥ ४७ ॥ सवि ॥ तपकरीइवलीसाविस्साधन ॥ निरती चारव्रतचरिइ ॥ सवि ॥ आणारवमनकवर्जनकिजें ॥ तसफलकर्मविषरीइ॥ ॥ ४८ ॥ सवि ॥ देवमहर्द्धिकमहावीमानें ॥ अपछरास्यूपरवरीइ॥ सवि ॥ वि ष्यसोगसोगवीउत्तमकूल ॥ आविनेंअवतरीइ ॥ ४९ ॥ सवी ॥ रूपसुंदरवि सीष्टसोगवली ॥ अनुक्रमेंधर्मआदरीइ ॥ सवि ॥ केवलज्ञानलहीहवे करमें ॥ शैलेसीइवरीइ ॥ ५० ॥ सवी ॥ पणलघुअक्षरउच्चरणकाले ॥ शिव सुंदरीवरवरीइ ॥ सवी ॥ सांसलिपाठकजोनांवयणां ॥ हर्षेअमीसुतीसरीइ॥ ॥ ५१ ॥ सवि ॥ वलिपुछेतेमध्यस्थहोवइ ॥ जेहथयावितराग ॥ सविकजन सांसलोतूम्हेमहासाग ॥ एआंकणी ॥ तेउपगारकरेनहीकोयनें ॥ किमसवी जीवहीतलाग ॥ सवि ॥ ५२ ॥ गुरुकहेसुणोमसुदेशनादेवे ॥ तेहथीहोइमोह स्याग ॥ सवि ॥ एहथीउपगारकोईनमोहटो ॥ कोईजीवनोनहीजाग ॥ ५३॥ ॥ स०॥ अमिसुतीकहेकिमउपगारह ॥ उपदेशनीएकवाग ॥ सवि ॥ गुरुकहे जोउपदेशकरेतो ॥ फललहेतेमफलाग ॥ ५४ ॥ सवि ॥ चिंतामणीमसनेंवली अगनी ॥ सेवनजोकरेराग ॥ सवि ॥ जतनाइसेवेफलतेहनें ॥ पणिनवीहोइते राग ॥ ५५ ॥ सवि ॥ पणिनदिघुइमनवीकहेवाइ ॥ इमसुणीलसोवैराग ॥ ॥ सवि ॥ कहेस्वामीमुझमोहगयोहवइ ॥ वाध्योअधीकसोसाग ॥ ५६॥ ॥ सवि ॥ इणअवसरएकअसीनवश्रावक ॥ सार्मेसरवरपरीवार ॥ सविकज नजिनशासनसोहकार ॥ एआंकणी ॥ धनरिद्धिनामकरेप्रसुपुजा ॥ द्रोपदी

परेंनीरधार ॥ ५७ ॥ सवि ॥ वेगेवाचकजीनेंप्रणमी ॥ पुछेप्रश्नउदार ॥सवि॥
मुनित्रिविधत्रिवीधेंव्रतपचखे ॥ अनुमतिपणिपरिहार ॥ ५८ ॥ सवी ॥ जब
श्रावकनेंकरावेगुरुथी अणुव्रतनोउच्चार ॥ सवि ॥ तबमुनीनेंअनुमत किम
नावे ॥ सापेतवअणगार ॥ ५९ ॥ सवि ॥ विधिदेतांअनुमतीनवीआवे ॥ अ
विधीअनर्थसमार ॥ सवि ॥ सेठकहेविधीकहोगुरुमुझनें ॥ जिमहोइमुझउप
गार ॥ ६० ॥ सवि ॥ गुरुकहेसुणिसवेगसारतु ॥ स्वरूपकहेश्यासार ॥ सवि ॥
डुरकपरपरकारणत्तवठे ॥ तेड खटालणहार ॥ ६१ ॥ सवि ॥ अरूपेंसी
मसुखवलीलहीइ ॥ सजमएहप्रमाण ॥ सविकजनजिनशासनमभाण ॥
एआकणी ॥ प्रथमथीक्षुससावनथीकरीइ ॥ इणिपरेंचरणवखाण ॥
॥ ६२ ॥ सवि ॥ असमरथजोकदितेहनोहोइ ॥ कर्मउदयपरीमांण ॥ सवि ॥
अणुव्रतउच्चरवाउजमालह ॥ जाणिअवसरजाण ॥ ६३ ॥ सवी ॥ उच्चरावे
अणुव्रततेजननें ॥ जोईप्रसस्तखेत्रठाण ॥ सवी ॥ आगारादिकसुद्धधरावे ॥
आपमध्यस्थवीनाण ॥ ६४ ॥ सवी ॥ सुणीकहेसेठतोहिकिमनावे ॥ अनुम
तीकहोमहेरवाण ॥ सवि ॥ तवगामापतीचोरदृष्टांतें ॥ गुरुकरेउत्तरदाण ॥
॥ ६५ ॥ सवी ॥ नवमेरवंभेसोलमीढालें ॥ नाणउत्तमजिमसाण ॥ सवी॥पद्म
विजयकहेसूणतांहोवे ॥ श्रोताघरिकल्याण ॥ ६६ ॥ सवि ॥ ॥ ९ ॥
॥ डुहा ॥ वसतपुरवाहूवसे ॥ जितसत्रुरायसूजाण ॥ धारणीशीलनीधारणी ॥
मनहरणीमहेंराण ॥ ६७ ॥ नाटीककलानीरपीनृपें ॥ वरविधोसुवीशेष ॥
राणीकहेरूमोपरें ॥ लपीआपोवरलेप ॥ ६८ ॥ करीइमहोछवकौमुदी ॥ अ
तेउरइगय ॥ आणादिइअवनीपती ॥ अनुक्रमेंसोवीनआय ॥ ६९ ॥ ईसा
पतीउदघोपणा ॥ करेसूणयोसहुकोय ॥ नरजेरहस्येनयरमां ॥ जमघरि
जासेसोय ॥ ७० ॥ डुरलसआणादेपीनें ॥ पुरुषवर्गपुरवाहिरि ॥ निरणय
करिनेंनीकल्यो ॥ इणअवसरअवधारि ॥ ७१ ॥ ढाल० ॥ मीठामितुबोली
नेस्युरीझवोरे ॥ एदेशी ॥ सूणोसेठजीवातसोहामणीरे ॥ तेहनयरमांसेठश्रि
रोमणीरे ॥ सू० ॥ पटपुत्रतेहनेंलायकघणारे ॥ व्यवहारकरेसोहामणारे ॥

॥ ७२ ॥सु०॥ नविनीकली प्रातेव्यपतारे ॥ दरबाजादिरवजीश्रीमतारे ॥७३॥
नृपसयथीतेठांनारखारे ॥ उठवकरयोरयणीइउमखारे ॥ ७३ ॥ सु० ॥ बिजे
दिननृपश्राणाकरेरे ॥जुउरलोकोइठेठानोघरेरे॥सु०॥जोइर्नेतेपणिश्रावीकरेरे॥
सेठनापटपुत्रघरमारहेर ॥७४॥सु०॥ नृपकोर्पवधश्राणादिरे॥ नरश्राविइम
वदिजीइरे ॥ सु०॥ वधथानिकलेईगयाहवरे ॥ तसततातबिहनोनृपविनवेरे॥
॥ ७५ ॥ सु० ॥ श्रपराधखमोएस्वामीतूम्हेरे ॥ मुकोपुत्रनफीरीकरीइश्रम्हे
रे ॥ सु० ॥ वलिदूजोपणिकरेइणिपरेरे ॥ तिणेनृपनवीमुंकेकरगरेरे ॥ ७६ ॥
सु० ॥ सेठवार २ इमसापतरि ॥ वमोपुत्रमुक्योबहुश्रापतारे ॥ सु० ॥ ब
हुमान्योसेठतेहर्नेरे ॥ बिजानेतोनरपतीहर्णेरे ॥ ७७॥ सु० ॥ सेठर्नेतोसुतमा
रयातणीरे ॥ श्रत्रोपणिश्रनुमतिनवीसुणीरे ॥ सु० ॥ दृष्टांतकह्योउपनयसु
णोरे ॥ सूपतीसमश्रावकर्नेमुणोरे ॥ ७८ ॥ सु० ॥ पटपुत्रसमाषटकायठे
रे ॥ सेठतुल्यमुनीवरथायठेरे ॥ सु० ॥ नृपविनतीसममुनीदेशनारे ॥ नवि
मुनीपणलिइशुसवेशनारे ॥ ७९ ॥ सु० ॥ तवश्रावकव्रतउच्चरावतारे ॥ न
विश्रसजमश्रनुमतीसाव्रतारे ॥ सु० ॥ कह्योश्रवधीदोषइणिपरेरे ॥ तिर्णेज्ञा
नपुर्वककिरीश्राकरेरे ॥८०॥ सु० ॥ यत ॥ पढमनाणतउंदया ॥ एवंचि
ठईसवसजए ॥ श्रन्नाणीकिकाही ॥ किंवानाहीठेयपावग ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥
धणाऋदिसेठहरषीनेकहेरे ॥ उपदेशतुमसुणीचित्तगहगहेरे ॥ सु०॥ एक
श्रशोकचंदनामेंवलीरे ॥ पुरर्वेश्राव्योनमेजलीललीरे ॥ ८१ ॥ सु० ॥ पुठे
प्रश्नथोफेपरमादथीरे ॥ दारूणविपाकविरवादथीरे ॥ सु० ॥ स्वामीतेतिमर्केव
लिश्रन्यथारे ॥ सुणिइठिहलोकमांहियथारे ॥ ८२ ॥ सु० ॥ गुरुकहेजेश्राग
मर्माकह्यारे ॥ तेतिमहिजाणोभाणीलह्यारे ॥ सु० ॥ जेश्रागमवांसकहेघणा
रे ॥ तेतोपावढिंकिंप्राणीसुण्यारे ॥ ८३॥ सु० ॥ पणिजीनवरजुठबोलेनहिरे ॥
कहेश्रशोकयवसूणज्योश्रहीरे ॥ सु० ॥ केईजीवघणीहिंसाकरेरे ॥ पापथा
निकसघलाश्रादरेरे ॥८४॥ सु० ॥ तेहर्नेधनसपदासुदरूरे। वलीसोगश्रायुवी
रघथरूरे ॥सु०॥ नविश्रनुषभुटेतेहनारे ॥ सकूवचनतेमानेजेहनारे ॥८५॥

सू०॥ अपराधअलपएकप्राणीआरे॥ सङ्घविपरितवातडखपाणीआरे ॥सू०॥ गुरूकहेसूणिकर्मविचित्रतारे ॥ जसपापानुबधीकर्मजुक्ततारे ॥८६ ॥सू० ॥ डरगतिगामीक्षुद्रसत्वछेरे ॥ सछारमाहिएकलछेरे ॥ सू० ॥ अनरथसाजन करीपापनेंरे ॥ पापेंसरेपुरणआपनेंरे ॥ ८७ ॥ सू० ॥ तिणेईश्टलालसलही जायछेरे ॥ डरगतिमाडखवङ्घथायछेरे ॥ सू० ॥ विपरीतनेंविपरीतजाणीश्रे ॥ अशोकचदमनमनाणीश्रे ॥८८॥ सू० ॥ कहेअशोकचदस्वामीपरहूरे ॥ तूम्हें साध्यूतेअगीकरूरे ॥ सू० ॥ अज्ञानगयुश्रलूमाहरूरे ॥ नहिअणजाण्युका श्ताहरूरे ॥ ८ए ॥ सू० ॥ शणिअवचारिपुरवि आवितरे ॥ त्रिलोचनप्रणमें साविउरे ॥ सू० ॥ करजोमीनेंप्रश्नपुछेहवेरे ॥ प्रसूतापोमुऊसशयजवेरे ॥ ॥ ए० ॥ सू० ॥ ढालसतरमीखम्मनवमेकहीरे ॥ समरादित्यरासमाहिलहिरे ॥ सू० ॥ कहेपद्मविजयसूणज्योसवेरे ॥ जेथुछेतसउत्तरहवेरे ॥ ए१ ॥ सू० ॥ ॥ डुहा ॥ अत्तयदानएकआपीउ ॥ उपटलवलीअन्य ॥ एहमाकोंणकसु अत्रल ॥ पाठककहोकयपुन्य ॥ ए२॥ वाचकजीकहेपरवमु ॥ प्रथमअत्त यपरधान ॥ चोरदृष्टातसूणोचतूर ॥ कहिश्तेदेईकान ॥ ए३ ॥ ढाल० ॥ उधवमाधवनेंकहेज्यो ॥ एदेशी ॥ ब्रह्मपुरनयरेंनरराय ॥ कुलध्वजनामेवि ख्याय॥कमलूआपटराणीथायके ॥ए४॥ सवितूम्हेअत्तयदानदेज्यो ॥ महणो महणोश्मकहेज्यो ॥ स० ॥ एआकणी ॥ तारावलीप्रमुखाराणी ॥ विजीपण रूपनीखाणि ॥ क्रिमेंज्यूश्द्रश्द्राणीरे ॥ ए५ ॥ सवि ॥ सङ्घराणिस्यूएकदिन्न॥ वेगेगोखेंधरीमन्न ॥ सोगठपासेंरमेधन्नके ॥ ए६ ॥ सवी ॥ चोरलाव्योतिहां कोटवाल ॥ वांध्योगाढत्रधनजाल ॥ कसप्रमुखेंअतीडखकालरे ॥ ए७॥सवि॥ विनतीकरेन्टपनेंश्म ॥ परधनलिधुशणनेम ॥ करीश्स्वामीकहोतेंम ॥ ए८ ॥ ॥ सवि ॥ नृपतीकहेएहनेंमारो ॥ चाल्योतलारतिणीवारो ॥ तैसकररोयोडख सारोरे ॥ एए ॥ सवि ॥ प्रथमचोरीमान्योजाउ ॥ मननामनोरथनविपाउ ॥ श्मजअवन्यजाश्आउरे ॥ ६०० ॥ सवि ॥ सूणिकहेराणीउसूणोराय ॥ चोर नामनोरथनविथाय ॥ पणिजोकरोतूम्हेंसूपसायरे ॥ ०१ ॥ सवि ॥ एकरा

॥ ७२ ॥सु०॥ नथिनीकरीआनेम्यपनारे ॥ दरबाजाविश्वसोजीजतारे ॥
नृपसपगीनेगानागसारे ॥ उग्यकरजोरपणीउमसारे ॥ ७३ ॥ सु० ॥ बिजे
दिन नृपआणाकरेरे ॥जुग्रसोकोनेगोनोरेरे॥सु०॥ओइनेतपणिआनीकरेरे
सेठनारपुमपरगोरउरे ॥७४॥सु०॥ नृपकोपेयधआणादिसरे॥ नरआविश्व
थदिजीदरे ॥ सु०॥ चपणानिकरेइगयाहथरे ॥ तसतातविहनोनृपविनवेरे॥
॥ ७५ ॥ सु० ॥ अपराधखमोएस्वामीतुम्हेरे ॥ मुकोपुमनफीगीकरीश्याम्हे
रे ॥ सु० ॥ घसिदूजोपणिकरेइणिपरेरे ॥ तिणेनृपनबीमुकेकरगरेरे ॥ ७६ ॥
सु० ॥ सेठवार २ दमसापतारे ॥ धर्मोपुनमुक्योभक्तप्राधनारे ॥ सु० ॥ ब
क्रमान्योसेठतेहनेरे ॥ विजानेतोनरपतीहणेरे ॥ ७७ ॥ सु० ॥ सेठनेतोवुतना
रथातणीरे ॥ अतोपणिअनुमतिनवीसुणीरे ॥ सू० ॥ दृष्टांतकह्योउपनयसु
णोरे ॥ सृपतीसमश्रावकनेमुणोरे ॥ ७८ ॥ सू० ॥ पटपुत्रसमापटकायठे
रे ॥ सेठतुल्यमुनीवरथायठेरे ॥ सु० ॥ नृपविनतीसममुनीदेशनारे ॥ नवि
मुनीपणलिश्शुसवेशनारे ॥ ७९ ॥ सु० ॥ तवश्रावकव्रतउच्चरावतारे ॥ न
विअसजमअनुमतीसावतारे ॥ सु० ॥ कह्योअवधीदोपइणिपरेरे ॥ तिणेज्ञा
नपुर्वककिरीआकरेरे ॥ ८० ॥ सु० ॥ यत ॥ पढमनाणतउंदया ॥ एवंचि
ठईसवसजए ॥ अन्नाणीकिकाही ॥ किवानाहीछेयपावग ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥
धणऋद्धिसेठहरपीनेकहेरे ॥ उपदेशातुमसुणीचित्तगहगहेरे ॥ सु०॥ एक
अशोकचदनांमेवलीरे ॥ पुरवेआव्योनमेलक्षीलेलीरे ॥ ८१ ॥ सु० ॥ पुठे
प्रश्नयोनेपरमादथीरे ॥ दारुणविपाकविखादथीरे ॥ सू० ॥ स्वामीतेतिमकेव
लिअन्यथारे ॥ सुणिइनिश्लोकमाहियथारे ॥ ८२ ॥ सू० ॥ गुरुकहेजेआग
ममाकसारे ॥ तेतिमहिजाणोमाणीलसारे ॥ सु० ॥ जेआगमवासकहेघणा
रे ॥ तेतोपादर्छिकमाणीसुण्यारे ॥ ८३॥ सु० ॥ पणिजीनवरजुठबोलेनहिरे ॥
कहेअशोकचदसूणज्योअहीरे ॥ सु० ॥ केईजीवघणीहिंसाकरेरे ॥ पापथा
निकसघलांआदरेरे ॥८४॥ सु० ॥ तेहनेधनसपदासुदरुरे॥ वलीसोगआयुदी
रघघरुरे ॥सु०॥ नविअनुबधत्रुटेतेहनारे ॥ सक्रवचनतेमानेजेहनोरे ॥८५॥

करुणाधतकपाल ॥ २२ ॥ अवतीदेशेआविआ ॥ रेफवाहपुरसार ॥ सिस सपदासुगुणस्यू ॥ उधानेंअवधारि ॥ २३॥ एकांतेंजइआदस्यो ॥ अशोक वनेंअतीराम ॥ काउसग्गतिहांसावनकरें ॥ एकजआतमराम ॥२४॥ ढाल॥ ढोमरमलजोत्योजी ॥ एदेशी॥ एकांतेंकाउसग्गरसारे ॥ तिहांआव्योचमाल॥ मोहरायजीत्योजी ॥ जित्यों २ विर्यउल्लास ॥ मोह ॥ जीत्योजीत्योचरणवी लास ॥ मोह ॥ जीत्यो २ नाणप्रकास ॥ मोह ॥ एआंकणी ॥ गिरीसेनदुष्ट तेंचितवेरे ॥ कोपेंथईविकराल ॥ २५ ॥मो०॥ मुरुवड्डदिनरजनीवीजेरे ॥ आ जदिठोनयणेण ॥ मो० ॥ इहामारुंअवशरअछेरे ॥ जिममरेअतिदुःखेंण ॥ ॥ २६ ॥ मो० ॥ लाव्योजुनालुगमारे ॥ विट्युंरूपीनुंअंग ॥ मो० ॥ अलसी तेलवलीरेमीजें ॥ रौद्रध्यांनएकग ॥ २७ ॥ मो० ॥ अगनीप्रजाल्योतिहां किणेंरे ॥ मुनीवरध्यांनमांलिन ॥ मो० ॥ जाणयूपणिनहीचित्तमारे ॥ दाहथ योजवदीन ॥ २८ ॥ मो० ॥ ध्याननोंसक्रमथयोतदारे ॥ चिंतवेतवमुनीरा य ॥ मो० ॥ अहोएस्यूअनरथतणोरे ॥ हेतुथयोइणगाय ॥ २९ ॥ मो० ॥ दुरगतीकारणतेहनेंरे ॥ अहोदारुणपरिणाम ॥ मो० ॥ अथवाएचिंताकिसी रे ॥ समतानुंइहांकाम ॥ ३० ॥ मो० ॥ सामायिकछेमाहरेरे ॥ वलगानीर मलध्यान ॥ मो० ॥ महासामायिकउपनुंरे ॥ अपूरवकरणेंतान ॥ ३१ ॥ ॥ मो० ॥ रूपकश्रेणीतिहांउल्लशीरे ॥ वाध्योविर्यउल्लास ॥ मो० ॥ हणतो कर्मसत्रुप्रतिरे ॥ ससारीदूखतास ॥ ३२ ॥ मो० ॥ ध्यानअनलेंमोहइंधणा रे ॥ वालिकिधांराष ॥ मो० ॥ विविधलब्धितिहांउपनीरे ॥ जोगमहिमएदा षि ॥ ३३ ॥ मो० ॥ निरमलथयोनीजआतमारे॥ घातिकरमपपाय ॥ मो०॥ केवलनांणतेपामीआरे ॥ समरादित्यरीषीराय ॥३४॥ मो०॥ सफ्रप्रयासरसफ लोथयोरे ॥ कृतकृत्यथयाअणगार ॥ मो० ॥ उछवरगवरांमणरि॥ प्रगट्या निजआगार ॥३५॥ मो०॥ मुनिवरनामहिमाथकीरे ॥ तेहपेंअआसन्न ॥मो०॥ वेलधरकूमारनुंरे ॥ चलिउंतिहांआसन्न ॥ ३६ ॥ मो० ॥ अवधीनांणथी जोईनेंरे ॥ लेईकुसूमनीराशि ॥ मो० ॥ देवअनेकस्यूपरिवस्योरे ॥ आवेतिहा

णीकहेगुरुआज ॥ आपोजिमपुरुकाज ॥ ततषिण[illegible]
सहसपारगीमरदाम्यो ॥ गुगंधउम्णजलेम्हवराम्यो ॥ [illegible]
राम्योके ॥ ३ ॥ सखि ॥ दसमहसउम्यग्हनेंजाणे ॥ एतलो[illegible]
गे ॥ षिजीस्नेम्योधरीरागोके ॥ ४ ॥ सखि ॥ का[illegible] ॥
सयपानवलिसीधु ॥ जरुकर्दमनिपनकिधुके [illegible] ॥ सखि ॥ [illegible]
ककदोगे ॥ किधोवजीनेहनेनोहगे ॥ एतलोजउम्पमाहरेकोरोके [illegible] सखि ॥
लेखेपिससहसगणीउ ॥ मलिपिजीस्पणिस्मसणीउ ॥ आमूषणपीननुंरुणीउ
के ॥ ७ ॥ सखि ॥ तयोग्नआपेवलिगारो ॥ लावउम्यशणिउवारमो ॥ एटलुंगु
रुहेअवधारोके ॥ ८ ॥ सखि ॥ पटराणीनेंनृपतासे ॥ तुरुाईनविदिस्येआ
से ॥ साकहेकांयनमुरुपासेंके ॥ ९ ॥ सखि ॥ रायकहेतूपटराणी ॥ अबळा
धीकतुमुरुजाणी ॥ ताहरेसीवातनीहाणिके ॥ १० ॥ सखि ॥ जेमागेनेतूरुआ
पु ॥ ताहरुवयणरुदयथापु ॥ कहेनेहनाउखर्माकापुके ॥ ११ ॥ सखि ॥ सा
कहेकिघोसूपसाय ॥ आपुएहनेंमनसाय ॥ जिमसूषतिमकरोकहेरायके
॥ १२ ॥ स० ॥ साकहेचोरनेंसुणिसाई ॥ उग्याअकारयफूलआई ॥ बि
ठांकहोएचितलाईके ॥ १३ ॥ सखि ॥ पश्चातापथीकहेचोर ॥ नथिकरुएहथु
कोईठोर ॥ जिणथीउरुकहोयघोरके ॥ १४ ॥ सखि ॥ दिधुअसयकहेदेवी ॥
नृपकहेकोनकरेएहवी ॥ चोरकहेतूमाजेहवीके ॥ १५ ॥ स० ॥ राणीहर
पीततपेवा॥विजीलोहसतीहेवा॥दानदिधुबहुकरीसेवके॥१६॥सखि॥राणीकहेकि
मकरोहासी॥पूछेचोरनेंसुविलासी॥कहेचोरनेकहेविमासी॥१७॥सखि॥चोर
कहेम्हेंनवीजाण्यू ॥ मरणनासयथीसूखगाएयू॥ स्वरपयोहवेपरमाणके ॥
॥ १८ ॥ सखी ॥ सांसलीसहुराणीमाने ॥ एउपनयकसोव्याख्यानें ॥ हरम्यो
त्रिलोचनसुणीकानेंके ॥ १९ ॥ सखि ॥ स्वामीसत्यकसुएह ॥ एहमांकांय
नसदेह ॥ सहुउगयानिज २ गेह ॥ २० ॥ सखी ॥ नवमेखमेएढाल ॥ अ
ढारमीकहिसूधीथाल ॥ उत्तमविजयतणोबालके ॥ २१ ॥ सखि० ॥ ॥ ५ ॥
॥ दुहा ॥ देशवेगोस्मवेगना ॥ देतानेहवयाल ॥ कालकेतोउकअतिकम्यो ॥

वनाइमकरेरे ॥ हेस्वामीतुम्हनागेमोहनरिंदरे ॥ ५३ ॥ रीपी० ॥ जित्याक
र्मशत्रुकेअडरेगयारे ॥ कतारयऋग्रातुम्होसगवानरे ॥ त्रोमीतववलिशिव
पुरपामोत्रारे ॥ उग्योरवीजलहलनोकेवलज्ञानरे ॥ ५३ ॥ रोष० ॥ सांस
लीश्मस्तवनारायनेंदेवतारे ॥ तिमसामतश्मुखवदेमुनीनापायरे ॥ अहो
२ मुनीवरनांकारयनीपनरि ॥ अपछरानाचेकिनरसूरगुणगायरे ॥ ५४ ॥
रीपी० ॥ जनपदनालोकतेत्राव्यासासलीरे ॥ हरपीतराणावदे सुनोमहागज
रे ॥ गिरीसेनचितेमहानुसावनारे ॥ अहोएहनीम्हेंकिधुकामअकाजरे ॥
॥ ५५ ॥ रीपी० ॥ आरूप्युवीजकुशलपक्तनुरे ॥ मोहटानी नगतीनिष्फल
नविथायरे ॥ पक्षरमारतांआर्पेफलप्रतेरे ॥ अवादिकजेउत्तमवस्तुकहाय
रे ॥ ५६ ॥ रीपी० ॥ चदनकापताआपेवासनारे ॥ मुनीअपकारेपाम्यो
गुणनीराशिरे ॥ गिरीयेनचाल्योहवेनीजघरसणीरे ॥ मुनीवरेंजाण्योदेशना
नोअवकाशरे ॥ ५७ ॥ रीपी० ॥ जिवनेंकर्मनोजोगअनादीछेरे ॥ कनको
पलदृष्टांतेंतासविकाररे ॥ उपज्येवऋजोनीपार्मेकर्त्यनारे ॥ वलिसयोगवी
जोगतणोनहीपाररे ॥ ५८ ॥ रीपी० ॥ जरानेंमरणनीमाहटीआपदारे ॥ कू
पथ्यसेवेनलहेहितअहीतरे ॥ मूढताएमोतेकारणसणीरे ॥ तत्वविचारोकार्जेसऋ
जनमीत्तरे ॥ रीपी० ॥ ५९ ॥ पुजोदेवगुरूनेंदानविधेंदिउरे ॥ शाझोशीलकरोत
पजपअत्यासरे ॥ सावनाभावोध्याउसूसध्याननेरे ॥ ठामोक्तदापहकर्ममें
लकरोनासरे ॥ ६० ॥ रीपी० ॥ कर्मअसावेंनिरमलआनमारे ॥ तेहथीका
ईनथीपामेंविकाररे ॥ पामेंअव्यावाधसूखनिजपेत्रमारे ॥ निर्णउपमकिजे
निजतत्वविचाररे ॥ ६१ ॥ रीपी० ॥ देशनासूणिनेंगुणपाम्याघणारे ॥ वदि
पोहताश्रतेनीजआवासरे ॥ मुनिचदराजागुरूनेंविनवरे ॥ तूमउपसर्गक
रयोकहोसवधतासरे ॥ ६२ ॥ रीपी० ॥ हेतूतादिसेस्वामीकोनहिरे ॥ मुनी
बोल्यामोहटोअकूशलअनुवधरे ॥ गुणसेनअग्निसम्मीसवयकीरे ॥ मांमीनें
किधोसघलोसवधरे॥६३॥ रीपी० ॥ सासलिनेंराजासामतदेविउरे॥तिमवेलव
रलसासंवेगरश्लानरे ॥ चितेसऋअहो २ दोपअन्नाणनोरे ॥ अज्ञानेंदारुण

उलास ॥ ३१ ॥ मो० ॥ प्रणमीकुसमश्रदिकारे ॥ [illegible] ॥
मो० ॥ कादिनाप्याचुगारे ॥ कर्नोयलीपरणाम ॥ [illegible] ॥ मो० ॥ [illegible]
णोगगीसेननदारे ॥ एस्योचानथिचार ॥ मो० ॥ वेलधरकहेपापीयारे ॥ ते
डष्टआचार ॥ ३४ ॥ मो० ॥ रेपुरुपाधमनीचतुरे ॥ तुमहाओ[illegible] ॥
मो० ॥ मुग्नपिजोऽस्ताहरुं ॥ होवेपादमयोग ॥ [illegible] ॥ मो० ॥ एहकां
मतेस्यूकरयुरे ॥ नहिआरयनुकाम ॥ मो० ॥ इणअवसरतिहांआविओरे ॥
मुनीचदरायउदाम ॥ ३६ ॥ मो० ॥ नर्मदामुखवारोणिओरे ॥ सावेमहाका
मत ॥ मो० ॥ सक्तिसारपरीवदिओरे ॥ आणदअरप्रनत ॥ [illegible] ॥ मो० ॥
वेलधरनेप्रतिबुरे ॥ स्योन्वातवनाव ॥ मो० ॥ वेलधरकहेपापिनेंरे ॥ निम
आतमडखदाव ॥ ४२ ॥ मो० ॥ अमृतसूतसतुनहीरे ॥ मुनिनेंअननीम
योग ॥ मो० ॥ माणातअध्यवसायथीरे ॥ नहीएहनेंदेवलोग ॥ [illegible] ॥ मो० ॥
रायकहेमानुकरयुरे ॥ कारणकहोश्हाकाय ॥ मो० ॥ वाम्ह्यसङ्जतूतणरे ॥
मोदहेतूमुनीराय ॥ [illegible] ॥ मो० ॥ पिमानकरेकोयनेरे ॥ शीतलताजिमच
द ॥ मो० ॥ नविलहिश्कारणकीस्युरे ॥ कहेवेलधरइद ॥ [illegible] ॥ मो० ॥
नवमेखंमेएककहीरे ॥ उगणीसम वरढाल ॥ मो० ॥ विघनमयासविवेगलारे ॥
पद्मनेमगलमाल ॥ ४७ ॥ मो० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ दुहा ॥ जाणअशुलउदयजिके ॥ डखहेतडखरुप ॥ सवअनतकरवास
णि ॥ कारणडरगतीकूप ॥ ४८ ॥ नृपकहेजुनूनहीजरा ॥ पणिपुगेमुनीपा
य ॥ वेलधरकहेवरकसु ॥ सुणज्योसहूसमवाय ॥ ४९ ॥ ढाल ॥ [illegible]
मगिरी ॥ म्वोसत्रिमणनुमोतिऊगमगेरे ॥ एदेशी ॥ सोहमश्द्रोआवेशणिसमे
रे ॥ ऐरावणहाथीओरवेगेतेहरे ॥ केवलज्ञाननामहिमाकारणेरे ॥ देवसमु
हेपरवरीउंवलिजेहरे ॥ ५० ॥ रीषीजीचरित्रेंसहुजनमोहिउरे ॥ एआकणी ॥
किनरगायनेनाचेअपछरारे ॥ हरषेंआविकियोमयषीओघरे ॥ गघोदकसी
चीकुसूमेंपुजतरि ॥ कनककमलठवेकरताविघननिरोधरे ॥ ५१ ॥ रीषी० ॥
देवतानेंवेवीआणपासहूरे ॥ बेठापदमेंसमरावित्यमुणिदरे ॥ सोहमंश्वोस्त

नेंजीपे ॥ ७८ ॥ दे० ॥ दिव्यसरयानदिश २ प्रति ॥ निजकार्तेंअजुआलें ॥
आंपमिंचेनहितेकदा ॥ पूरवनोत्सवसत्ताले ॥ ७ए ॥ दे० ॥ गीतवाजित्रनित
२ होइ ॥ दिव्यलोगलोगवता ॥ रगमाकालकाढेसदा ॥ अपछरास्यूजोगवता
॥ ८० ॥ दे० ॥ धरणीथीच्यारआंगुलअदा ॥ अधरतेरहांचाले ॥ कूसूममा
लाकरमाइनही ॥ तूठवाछितआले ॥ ८१ ॥ दे० ॥ आहारनहींकवलनोतस
कदा ॥ नहींहामनेंचाम ॥ मथमावरणववझकरयो ॥ जोज्येतूम्हेतेहगम ॥
॥ ८२ ॥ दे० ॥ राणीसुलोचनातवकहे ॥ प्रसूसूरसूखएह ॥ सिद्धनेंसीसूख
एहथी ॥ किमछेअतिरेह ॥ ८३ ॥ दे० ॥ गुरुकहेधर्मशीलासुणो ॥ एहअत
सूमोटू ॥ देवलोकांईसुरवीआनथी ॥ सूरवतेपणिखोटू ॥ ८४ ॥ दे० ॥ जेह
नेंअंतमरवुपमे ॥ सूखतेकिमकहिइ ॥ वक्रकपायीपरवसपणू ॥ आर्त्तध्या
ननीतलहिइ ॥ ८५ ॥ दे० ॥ विपयतृष्नाअतिआकरी ॥ महामोहअज्ञान ॥
गर्वसीकूतरीप्रमुखना ॥ आवेगसनेंगान ॥ ८६ ॥ दे० ॥ पाइएकेंद्रीवलीपाध
रो ॥ ईरपाघणीतास ॥ इमडुखजेहथीपामीइ ॥ तेहनेंसुखकिमवास ॥ ८७ ॥
दे० ॥ यत ॥ कहतसन्नईसुक ॥ सुचिरणविजरसडरकमछि ॥ अईजचमर
णावसाणे ॥ सवसआराफलवधच ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ एहनुजेसुखदापीउ ॥
गाधर्वादिकगान ॥ तेहपरमार्थथीडुखलहो ॥ जेअमीरतामान ॥ ८८ ॥ दे० ॥
यत ॥ सव्वविलवियगीय ॥ सव्वनट्टविमविय ॥ सव्वेआभरणासारा ॥ सव्वेका
मडहावहा ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ खमनवमेएकवीसमी ॥ एहवरणवीढाल ॥
श्रीसमरादित्यरासमां ॥ कहेपद्मरशाल ॥ ८ए ॥ दे० ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
॥ दुहा ॥ परमारथथीपेपीशा ॥ सुंदरजाणोत्रीस ॥ सुखपणितेहनुसहजनु ॥ रतिजस
आतमऋद्धि ॥ ए० ॥ तेसुखथाइतपथकी ॥ जिरणमलक्षयजाय ॥ तपिश्त
पतेकारणें ॥ आनमद्धुद्धपाय ॥ ए१ ॥ ढाल ॥ तीरथपतीअरीहानमु ॥ एदे
शी ॥ तपपदसेवोइसवीजनां ॥ द्वादशभेदसुचगाजी ॥ अणसणनेंउणोदरी ॥
वृत्तिसंपेपमनरगोजी ॥ ए२ ॥ त्रु० ॥ मनरगथीरसत्यागकरीइ ॥ कायकिले
ससलिनता ६ पटभेदनपनाबाह्यजाणो ॥ किजीइविणदिनता ॥ ए३ ॥

डरकलहेपिशानो ॥ ६४ ॥ रीपी० ॥ वेनयरगुहेआगाम्रएहमेरे ॥ स्वोभिय जस्येस्वामीजीपरिणामरे ॥ केवलीसामेजास्येनरगमारे ॥ नीवरवेदनातेन वस्येनेगामरे ॥ ६५ ॥ रीपी० ॥ निहांभीअननोमजाएएहमेरे ॥ नरकदसाली सांभेकहोवसूनेहरे॥नरकोकेहथीकेहविवेदनाे ॥मुनिकहेसांसलिमांहिनोम नेएहरे ॥ ६६ ॥ रीपी० ॥ याढिरचउरसारोरअधाकुरे ॥ हेगमिलुरपप कारेमहाडरगपरे ॥ मेदनआनेकर्दमरूपीरनोरे ॥ अशुचिनेंकर्कशफरसत ययरे ॥६७॥रीपी० ॥यर्णयस्यादिकवक्रहेगातमारि॥ नेतोकहेतांयाइअतिवि स्तारेरे ॥ नारकीउपीअवेदनाअतीसहेरे ॥ आयिउयामेनहीसुस्वतेनिवारेरे ॥ ॥ ६८ ॥ रीपी० ॥ निरनरनिहनारोगघणानुरे ॥ तानातरूआनुवलोकरावे पानरे ॥ लोहनीपचाजीउप्नवार्येविश्रे ॥ केताकोजेंदूरवनांश्हांय्याल्यानरे ॥ रीपी० ॥ ६९ ॥ विजेरेअगेतापीउेघणीरे ॥ सांसलिसयलभूजेआपफक्रम गरे ॥ निहांपीजाएज्योसालसीयोलनीरे ॥ सलसमजरीराणीधरीमनरगरे ॥ ॥७० ॥ रीपी० ॥ केहवांविमानदेवनांदिवतारे ॥ केहवाड्रोयतेसांपोपरम दयालरे ॥ केवलीसांपेपय्यविजश्करिहे ॥ नवमेखमेएहविसमीढालरे ॥ ॥ ७१॥ रीपी० ॥ - ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ डहा ॥ मुनिकहेसांसलिधर्मिणी ॥ विचित्रसठाणविमान ॥ रतनमयीअति नीरमलां ॥ अमररन्हितअसमांन ॥ ७२ ॥ चदनहाथाचरचिआ ॥ तोरणढा रेंतढ ॥ चदनघटयाप्याचतुर ॥ ज्वलेधुपघटीजढ ॥ ७३ ॥ फूलविछायांफूठ रां ॥ माल्यवक्रमहेकाय ॥ अदसुतदिसेअपछरा ॥ शब्दत्रुटितसूखदाय ॥ ॥ ७४ ॥ ढाल ॥ वीरमाताप्रीतीकारणी ॥ एदेशी ॥ देवताअनोपमसूखधरा ॥ विचित्रचिह्नधरनारा॥रूपवतानेंमहर्धिका॥ मनेंकामकरनारा॥७५॥ दे० ॥ महावलीमहाप्रसावीकसा ॥ गलेपहेरीआहार ॥ बांहिबाजुबधवहिरखा॥ कटकजमितमनोहार ॥ ७६ ॥ दे० ॥ कुंम्लमुगटशिरसोहता ॥ मुक्तानेंवलि माला ॥ दिव्यवरवस्त्रपहिर्याजिणें ॥ घणकुंदयशिशाला ॥७७॥ दे० ॥ म ह्नलेपनदिव्यते ॥ तनुजष्टीअतिदिपे ॥ वरणगधफरससघयणते ॥ सक्रतेज

म ॥ रूपकश्रेणीमाचढे ॥ वज्रविर्यउल्लासेंकरीनें ॥ कर्मरीपुसाथेंवढे ॥११॥
घातीच्यारनोपयकरी ॥ पामेकेवलज्ञानोजी ॥ विहरीनेंमहीमण्डलें ॥ करे
उपगारजिमसानोजी ॥१२॥चु०॥ सानुपरेंउपगारकरीने ॥ आयुअंतप्रावेंज
दा ॥ योगरूधीध्यानतेहज ॥ शैलेसीआवेतदा ॥ १३ ॥ पांचलघुअ
क्षरसमो ॥ कालरहीकर्मच्यारजी ॥ वेदनीआयुनामगोत्रजे ॥ अंतसमयक्ष
यकारजी ॥ १४ ॥ चु० ॥ क्षयकरीसीधीवरयासमये ॥ नवमेखण्डेढालए ॥
वाविसमीएपद्मविजयें ॥ सुणतामंगलमालए ॥ १५ ॥ ॥ ९ ॥
॥ दुहा ॥ सिद्धसरूपवक्तव्यतामां ॥ वचनअगोचरवात॥तिहनोलवसापुतथा ॥
जेंहनुसुखनीजजाति ॥ १६ ॥ ढाल ॥ चांदलिउंनेंउग्योरेहरीणीआयमीरे ॥
एदेशी॥सवितुम्हेवदोरेसीद्धस्वामीसणीरे॥गुणप्रगटयाएकत्रीश॥ज्ञानावरणक्ष
येंपणगुणथयारे ॥ ज्ञानअनंतजगीश ॥ १७ ॥ सवि ॥ दरशनावरणक्ष्येंगु
णनवथयारे ॥ वेदनीनाशथीदोय॥ पायकदरशनचारित्रगुणथयारे॥ मोहक्ष
येंदोयहोय ॥ १८ ॥ सवी ॥ आयुअसावेचउगुणनीपनारे ॥ नामनेंगोत्रनो
नाश ॥ दोदोगुणपणअंतरायक्षयकरीरे ॥ इमइकत्रीसगुणराशि ॥१९॥स०॥
वरणगंधरसफरसअसावथीरे ॥ गुणपणदोयपणआठ ॥ पाचसठाणगयाथी
पणवलीरे ॥ एपणिआवश्यकेंपाठ ॥ २० ॥ सवी ॥ वेदगयाथीत्रणिगुणपा
मीआरे ॥ वलिअशरीरअसंग ॥ अरुहथयाइमएकत्रिशजाणीइरे॥ ध्यानक
रोरत्तरग ॥ २१ ॥ सवि ॥ अथवासामान्येंगुणआठछेरे॥ केवलज्ञानअनंत॥
केवलदर्शनअव्याबाधनेंरे ॥ क्षायिकसमकितवंत ॥ २२ ॥ सवी ॥ अक्षय
स्थितोनेंअरूपीजेथयारे॥ अगरूलघूअवगाह॥विर्यअनंतूविघ्नवीनाशथीरे॥
किजेएहजनाह ॥ २३ ॥ स०॥त्रणिकालसुरसुखसेलूकरीरे॥ ठविअनंतपदे
श ॥ इमअनंतदेशेंठवीतेहनोरे ॥ कीजेंवर्गवीशेष ॥ २४ ॥ सवी ॥ इणिप
रेंवर्गअनंतवेलाकरोरे ॥ करीइसकलसमुदाय॥ पणिअव्याबाधसुखअंशेनहीरे॥
जेहविजातीकहाय ॥ २५ ॥ सवि ॥ जिहांएकशीद्धतणीअवगाहनारे ॥
तिहारहेसीद्धअनंत ॥ फरसीतवलीनीजदेशप्रदेशनेरे ॥ असंखगुणासगव

अज्ञाननो पाग अणसणकसु ॥ नेहनादोयप्रकारोजी ॥ अनपकालिककर्नेयावत कथा ॥ इयदंउणोदरीधारजी ॥ ९१ ॥ त्रु० ॥ धारीद्रिणमेंवतेहना ॥ पहेली उपगरणातणी ॥ बिजीअज्ञाननीद्रव्यथी० ॥ सार्भेकोधादिकसणी ॥ ९२ ॥ द्रव्यादेमकारसायथी ॥ बृत्तिसंक्षेपनउतेयजी ॥ सेद्अनेकरसत्यागना ॥ विगयप्रमुखजेअभेयजी॥९६॥ त्रु०॥अनेकधीरासनादिकथी॥ लोचादिककाय क्लेशएऐ ॥ संलिनताचउसेदरसगका ॥ गुणोनेहविसेसणे ॥ ९७ ॥ ॥ इंद्रियनीसलीनता ॥ निगवलियोगनीजाणोजी ॥ एकांतवानिकसेववुं ॥ कषाय लिनतावषाणोजी ॥ ९८ ॥ त्रु० ॥ हवश्कअत्यंतरसेदषटतप ॥ प्रायश्चित दसजातीए ॥ विजाथीनयप्रकारसाप्यो ॥ सेदनेहनासानए ॥ ९९ ॥ ध्याननेदोयनेंवरजवा ॥ आरतरोद्रनामेंजी ॥ धर्मशुक्लदोयआदरो ॥ वेयाव च्चदशगमेंजी ॥ ७०० ॥ त्रु० ॥ सज्झायतेंमपांचेंप्रकारे ॥ काउसग्गहवेसा षीइ ॥ द्रव्यसावउसेदद्रव्यथी ॥ च्यारसेंदंआपोइ ॥ १ ॥ तनुउपधीगणआ हारनो ॥ काउसग्गद्रव्यथीजाणोजो ॥ कर्मकषायश्वसारथी ॥ त्रिविधसावम नआणोजी ॥ २ ॥ त्रु० ॥ आणोद्वादशसेदतपए ॥ कर्मतपावेतेतपकह्यो ॥ कर्मक्षयकारणेंकरीइ ॥ एहपरमारथलह्यो ॥ ३ ॥ इहलवपणिएहतपथ की ॥ विघनतेनाठांजायजी ॥ लब्धिथीरथईनेंरहे ॥ किरतीदशदिशथायजी ॥ ४ ॥ त्रु० ॥ यायक्रिरतीसहजगुणए ॥ पणिनतसअरथेंकरे ॥ चउनाणस जततिर्थपतिपणि ॥ कर्म्मखपवाआदरे ॥ ५ ॥ कर्मनीकाचितनविहोइ ॥ त सउपक्रमकसोधयेंजी ॥ जायनिकाचीतपणिजिके ॥ साधतासीवपथेजी ॥ ॥ ६ ॥ त्रु० ॥ शिवपथसाधेतेहजाणें ॥ मुक्तअणहारीधर्मए ॥ आहारकलक अनादीलगनु॥जेहथीबहुकर्मए ॥ ७ ॥ दृढप्रहारीनेंसोमजी ॥श्रीमांनदेवसूरी सोजी॥श्रीजगचद्रसूरीवली॥ गजसुकमालमुनीसोजी॥८॥त्रु० ॥ ढढणामुनी तीमधनाऋषीजी ॥ कूरगमूनीमजाणीइ ॥ केईवासअतरदोयकरता ॥ केईअ स्यतरगणए ॥ ९ ॥ केवलवासनफलकसु ॥ फलतेशमतासारोजि ॥ निरवां ढकताइजेकरे ॥ तेपामेंसवपारोजी ॥ १० ॥ त्रु० ॥ बहुलब्धिपामेंअनुकमेंइ

म ॥ रूपकश्रेणीमाचढे ॥ वज्रविर्यउल्लासेंकरीनें ॥ कर्मरीपुसार्थेंवढे ॥११ ॥
घातीच्यारनोषयकरी ॥ पामेकेवलज्ञानोजी ॥ विहरीनेंमहीमन्डलें ॥ करे
उपगारजिमसानोजी ॥१२॥त्रु०॥ तानुपरेंउपगारकरीने ॥ आयुअतआवेंज
दा ॥ योगरूंधीध्यांनतेहज ॥ शैलेसीआवेतदा ॥ १३ ॥ पाचलघुअ
क्षरसमो ॥ कालरहीकर्मच्यारजी ॥ वेदनीआयुनामगोत्रजे ॥ अतसमयक्ष
यकारजी ॥ १४ ॥ त्रु० ॥ क्षयकरीसीद्धीवरथासमयें ॥ नवमेंखमेंढालए ॥
वाविसमीएपद्मविजयें ॥ सुणतामगलमालए ॥ १५ ॥ ॥ ९ ॥
॥ दुहा ॥ सिद्धसरूपवज्ञ्चात्मर्मा ॥ वचनअगोचरवात॥तेहनोलवसापुतथा ॥
जेंहनुसूखनीजजाति ॥ १६ ॥ ढाल ॥ चांदलिउनेंउग्योरेहरीणीआथमीरे ॥
एदेशी॥सवितुम्हेवदोरेसीद्धस्वामीसणीरे॥गुणप्रगटयाएकत्रीश॥ज्ञानावरणक्ष
येंपणगुणथयारे ॥ ज्ञानअनतजगीश ॥ १७ ॥ सवि ॥ दरशनावरणक्षयेंगु
णनवथयारे ॥ वेदनीनाशथीदोय॥ पायकदरशनचारित्रगुणथयारे॥ मोहक्ष
येंदोयहोय ॥ १८ ॥ सवी ॥ आयुअसावेचउगुणनीपनारे ॥ नामनेंगोत्रनो
नाश ॥ दोदोगुणपणअतरायक्षयकरीरे ॥ इमइकत्रीसगुणराशि ॥१९॥स०॥
वरणगधरसफरसअसावथीरे ॥ गुणपणदोयपणआठ ॥ पाचसठाणगयाथी
पणवलीरे ॥ एपणिआवश्यकेंपाठ ॥ २० ॥ सवी ॥ वेदगयाथीत्रणिगुणपा
मीआरे ॥ वलिअशरीरअसग ॥ अरूहथयाइमएकत्रिशजाणीईरे॥ ध्यानक
रोरक्तरग ॥ २१ ॥ सवि ॥ अथवासामान्येंगुणआठछेरे॥ केवलज्ञानअनत॥
केवलदर्शनअव्यावाधनेंरे ॥ क्षायिकसमकितवत ॥ २२ ॥ सवी ॥ अक्षय
स्थितनेंअरूपीजेथयारे॥ अगरूलघूअवगाह॥विर्यअनतूविघ्नवीनाशथीरे॥
किजेंएहजनाह ॥ २३ ॥ स०॥त्रणिकालसूरसूखसेलूकरीरे॥ ठविइनसपरदे
श ॥ इमअनतदेशेंठवीतेहनोरे ॥ कीजेंवर्गवीशेष ॥ २४ ॥ सवी ॥ इणिप
रेंवर्गअनतवेलाकरोरे ॥ करीइसरूसमुदाय॥पणिअव्यावाधसूखअशेनहींरे॥
जेहविजातीकहाय ॥ २५ ॥ सवि ॥ जिहांएकसीद्धतणी अवगाहनारे ॥
तिहारहेसीद्धअनत ॥ फरसीतवलीनीजदेशप्रदेशनेंरे ॥ असखगुणासगव

त ॥ २६ ॥ सवि ॥ पणिनविसीकह्योऽनेपीकामहीरे ॥ एहनसकल
साथ ॥ अवीनासीआभनमरवनोधणीरे ॥ नरमेंजेपरसाथ ॥ [illegible] सवि ॥
अजरअमरअकलंकीजेमयारे ॥ सविगुणआगीसाथ ॥ मविनिकमाल
देगोंपरमाकरीरे ॥ रमताजेहस्वसाथ ॥ १८ ॥ स० ॥ अचलअमलअक्षेती
अरूजवलिरे ॥ जेहअजोगीअणाहार ॥ साध्यरूपसवीसवीजनवदवेंरे ॥ स
यग्रायरलसापार ॥ १९ ॥ सवी ॥ भोगवीयोगसयोगतेवेगलारे ॥ अनंतचतु
ष्टयीधार ॥ आतमगुणनीपूरणताजसारे ॥ प्रणमोतुम्हेवारवार ॥ २० ॥ सवी ॥
चीरतापणिनिजगुणमांहियदेरे ॥ तिणेंचारीत्रयीरूप ॥ अफूसमांणगतीलोका
येगयारे ॥ सादिअनंतसरूप ॥ २१ ॥ सवि ॥ वाच्यनहीसठाणतिणेंकरीरे ॥
कसुअनीठसठाण ॥ सिद्धअनंतरभयमसमयकसारे ॥ परपरपढेंत्रपाणि ॥
॥ २२ ॥ सवि ॥ चरमसर्वेंजेनीजअवगाहनारे ॥ तेहमांसुपिरीपुराय ॥ भि
जोसागघटामीघनकरयोरे ॥ प्रणमोतेहनापाय ॥ २३ ॥ स० ॥ बधनछेदादि
ककारणयकीरे ॥ जावुन्नमयेसातराज ॥ ज्योतीमाज्योतीमलीजसनीरमखी
रे।पाम्यानिजगुणराज ॥ २४ ॥ स०॥ व्यवहारेंलोकार्येपदेंरसारे॥निश्चयेंआ
तमखेत ॥ सूक्ष्मबादरत्रसयावरनहीरे ॥ कर्मतणाएसकेत ॥२५॥ स० ॥ सी
द्धशिलाथीजोजनछेहमेरे ॥ कोसीभणसेंतेत्रीस ॥ उतकष्टीजघन्यअवगाह
नारे ॥ अगुलजासवत्रीस ॥ २६ ॥ स० ॥ गुणअनंतअनंतछेजेहनारे ॥ कि
मकहीसकीश्रेतेह ॥ जाणेकेवलीपणिनकहीसकेरे ॥ सवमांसम्यपुरजेह ॥
॥ २७ ॥ स० ॥ नवमेंरवम्हेवीसमीढालमारे ॥ समरादित्यनेंराय ॥ समरादि
त्यसरूपकहेसीचतुरे ॥ पद्मकहेसुविलाय ॥ २८ ॥ स० ॥ ॥ ९ ॥
॥ दुहा ॥ सबरदृष्टांतईहांसूणो ॥ शुद्धकरीसरधांन ॥ नहिउपमभिणिसूषन
मां ॥ परगटकोपरधांन ॥ १० ॥ ढाल ॥ दिललगारेवादलवरणी ॥ एदेशी ॥
तुम्हेध्याउरिसाहिबध्यानमां ॥ एआंकणी ॥ जेहनागुणनसकेकहीवयणें ॥
ज्ञानिदेषेपणिम्यानमां ॥ १० ॥ तुम्हे० ॥ क्षितीप्रतीष्टपुरजितशत्रुराजा ॥
जयसीरीराणीप्रधानमां ॥ तुम्हे० ॥ एकदिनआहेडेंनृपचाल्यो ॥ अश्वहरी

गयोरानमां ॥ ४१ ॥ तुम्हे० ॥ अंगरखलायोविषमपरदेशें ॥ एकअवरति
एगाएमा ॥ तुम्हे० ॥ इमचितेकोईमोहटोनरए ॥ उखमांपमितअचानमा ॥
॥ ४२ ॥ तुम्हे० ॥ उचीतकरूउपचारकुकांयक ॥ चोकमुपहेतवषा
णिमां ॥ तुम्हे० ॥ जलतपकठेअश्वनेंलाव्यो ॥ नृपउतरयोतवसानमां ॥
तुम्हे० ॥ ४३ ॥ नृपन्हायोअश्वनेंन्हवराव्यो ॥ कदलीजबिरदिस्वानमा ॥
तुम्हे० ॥ पायप्रणमीनेंआहारकराव्यो ॥ नृपचितेनीजमानमा ॥ ४४ ॥
तुम्हे० ॥ सक्तीवतोनेंसज्जनसूपुरिस ॥ वश्यकरयोमुझवकुमानमा ॥ तुम्हे० ॥
सांजसमेकरयोंकुसूमसाथरो ॥ सूतोसूपतेटाएमां ॥ ४५ ॥ तुम्हे० ॥ घनु
पतिरखेईययोअगरकुक ॥ तुरगेंचक्योसवारमा ॥ तुम्हे० ॥ खोलतांसेना
आवीमीलीतव ॥ रायचाल्योअश्ववारमा ॥ तुम्हे० ॥ ४६ ॥ सार्थेसवरलेई
पुरआयो ॥ आदरमानअपारमा ॥ तुम्हे० ॥ न्हावुपहेरवुंजेठवुंसोजन ॥ नि
जरयूसवरश्रीकारमा ॥ ४७ ॥ तुम्हे० ॥ सामतादिकपुछेकुणए ॥ नृपक
हेसिरिउपगारमा ॥ तुम्हे० ॥ सकुभसस्योनृपेतसदीधी ॥ राणीउसेवा
कारमां ॥ ४८ ॥ तुम्हे० ॥ घूपघटिनेंमणीनीदीवीउ ॥ शय्याउसीसांसारमा ॥
तुम्हे० ॥ द्राक्षादिकआसववकुपाया ॥ नाटिकविविधप्रकारमां ॥ ४९ ॥
तुम्हे० ॥ पचविषयसूखसोगवेश्मनित ॥ एकदिनचितीवीचारमा ॥ तुम्हे० ॥
रायनेंकहेजास्यूनीजथांनिक ॥ नृपकहेसकुपरीवारमां ॥ ५० ॥ तुम्हे० ॥
जाउंवकुअश्ववारपहोचाव्यो ॥ सूखथीएहनीपालिमा ॥ तुम्हे० ॥ दिघोव
कुघन्यनेंवकुमुलां ॥ वस्तरथरमाआलिमा ॥ ५१ ॥ तुम्हे० ॥ पहोतोंअनुक
रमेंनिजपालें ॥ मिलिआवालगोपालमा ॥ तुम्हे० ॥ सवरसकुमिलीपुछेतेहनें ॥
किहांगयाताआजकालिमां ॥ ५२ ॥ तुम्हे० ॥ किमरसास्यूपाधुस्यूपाम्या ॥
कसुसघलूसूरसालमां ॥ तुम्हे० ॥ तवपुछेतेनयरकेहवु ॥ रायकेहवोसूपा
लमां ॥ ५३ ॥ तुम्हे० ॥ उपमाविणनसकेकहीरएमां ॥ तोपणिकहेनीज
चालिमां ॥ तुम्हे० ॥ दरिसमगेहसोजनवनफलसमा ॥ सिलमीजुवतीवालमां ॥
॥ ५४ ॥ तुम्हे० ॥ गुजाहारआसरणदेपामे ॥ गेरूलेंपनकणयरमालमां ॥

तुम्हे० ॥ नकहीगकेपणिजाणेमनमां ॥ पुरगुणअतिअविगालमां ॥ ॥ तुम्हे० ॥ तेमरवनरमरमांहिनक्यांहि ॥ जेराग्यसहजाणरमां ॥ तुम्हे० ॥ सणिपेलपरनहीसीअदिरप ॥ ऋस्वरत्तनहिदरमां ॥ तुम्हे० ॥ ५६ ॥ अ सचोरसपरीमनननांहि ॥ नहीरुप्नादिवर्णरदमां ॥ तुम्हे० ॥ सुगतीऽरसी नतिक्तादिकरस ॥ फरसनवेदनाअदमां ॥ ५७ ॥ तुम्हे० ॥ सन्नाउपमानही जेहरसूनी ॥ किमकरीकहीश्याणिमां ॥ तुम्हे० ॥ दाजचेविसमीनबमेरव में ॥ केवलीकहेलहीनाणमां ॥ तुम्हे० ॥ ५८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ नहीरुपीअरूपीनही ॥ गधअगधनगाय ॥ नहीरसअरसकहानही ॥ नहीफरसेंतरन्याय ॥ ५९ ॥ आचारसूत्रेआपीउ ॥ अपयनेंपयनहि ॥ स यलप्रपचरहीतसदा ॥ अनतज्योतितसअहि ॥ ६० ॥ पाम्यापरमाणदनें ॥ सालतीतेहसनाथ ॥ सामतराणीप्रमुखसवे ॥ सलोमुनीचदसूनाथ ॥ ६१ ॥ करकजजोमीनेंकहे ॥ अम्हनेंकस्योउपगार ॥ देईधर्म्मनीदेशना ॥ स्वामी जीओकार ॥ ६२ ॥ चरीत्रतूम्हारुचित्तधरी ॥ उपनोअम्हआलीलाप ॥ चारीत्ररसअम्हेचापोइ ॥ सलिवोलेश्मसाप ॥ ६३ ॥ ढाल० ॥ तेतरीआरे साईतितरीआ ॥ एदेशी ॥ तुम्हेतरियारेसाईतुम्हेतरीआ ॥ श्मसमरादित्यउचरी आरे ॥ सावयकीतूम्हेचरणतेवरीआ ॥ लवअटवीउतरीआरे ॥ ६४ ॥ तुम्हे ॥ जेकरवुंतेसघलूकरीया ॥ हवेद्रव्यथीकरोकिरीयारे ॥ तेकहेप्रसूअम्हनेंउप गरीआ ॥ आणिअम्हेशीरघरीआरे ॥ ६५ ॥ तुम्हे० ॥ वेलधरश्मचित्तअ नुसरीआ ॥ अहोधन्यएहनापरीआरे ॥ उचितउठवक्रहरपेंसरीआ ॥ वेल धरगाकरीआरे ॥ ६६ ॥ तुम्हे० ॥ समरादित्यशिष्यज्ञाननादरीया ॥ शील देवजेठरीयारे ॥ तेहनाशीशपर्येआदरीआ ॥ सगसयलपरीहरीआरे ॥ ॥ ६७ ॥ तु० ॥ कौतूकनेंअनुकपाइपूछे ॥ वेलघरसूरवरीआरे ॥ तेअधम्म निजउपद्रवकारी ॥ गीरीसेननीकहोचरीआरे ॥ ६८ ॥ तुम्हे० ॥ सव्यतयाअ सव्यअठशए ॥ विजलसोकेनांहिरे ॥ जेहेस्येकेनहितेपणिसाषो ॥ केवलीकहे सूणोआंहिरे ॥ ६९ ॥ तुम्हे० ॥ सव्यअंगेपणिविजनपांम्यो ॥ पणिलहेस्येतेस

एज्योरे ॥ असखपुद्गलपरावर्त्तअतिनें ॥ सार्दूलसेननृपमुणज्योरे ॥ ७० ॥ तुम्हे० ॥ तेहनोअश्वप्रधानएथास्ये ॥ तिहासमकितएलास्येरे ॥ क्षयउपसमीथ्यात्वलहेस्ये ॥ पातिकदूरपलास्येरे ॥ ७१ ॥ तूम्हे०॥ चितवीउमुक्तप रिणणि ॥ अहोमहानुलावएहरे ॥ गुणपक्षपातपरपराविजक ॥ समकीत लहोएहरे ॥ ७२ ॥ तुम्हे० ॥ तेअश्वसमकीतपामीअनुक्रमे ॥ लवअसख्यातासमस्येरे ॥ आखनामेब्राह्मणलवलहेस्ये ॥ तिहांचारीत्रपरणमस्येरे ॥ ॥ ७३ ॥ तुम्हे० ॥ क्षपकश्रेणीमाकेवललहीनें ॥ निजआतमक्रुश्रीवरस्येरे॥ निजगुणशकतीअनतीपरगट ॥ लावेंएहजकरस्येरे ॥ ७४ ॥ तुम्हे० ॥ इमसांसलीवेलधरहरष्या ॥ प्रणमीमुनीवरपायारे ॥ निजथानिकपोहतोह वेकेवली ॥ विचरेजेनीरमायारे ॥ ७५ ॥ तुम्हे० ॥ हवेएकदिनगिरीसेनपकमाणे ॥ चोरीमातवमारयोरे ॥ कुसीपाकेंकरीकरमेंपचारयो ॥ मुनिवरद्वेष जेधारयोरे ॥ ७६ ॥ तुम्हे० ॥ सातमीनरगेंतेहदोपयो ॥ उपनोदूखअपारो रे ॥ विचरताश्रीसमरादित्यजी ॥ पहोतासीद्धगिरिठारोरे ॥ ७७॥ तुम्हे०॥ करमविपमस्यतीजाणीकियो॥ केवलीनोसमुद्घातरे ॥ शैलेसीपमीवजीयामुनीवर ॥ जेहअयोगीविख्यातरे ॥ ७८ ॥ तुम्हे० ॥ लवोपग्राहितिहांकर्म्मख पावे ॥ वेदनीआयुगोत्रनामरे ॥ देहपजरठामीहवेमुलथी ॥ अफूसमाणगतीनामरे ॥ ७९ ॥ तुम्हे० ॥ समयएकेंलोकाग्रेपहोता॥ परमब्रह्मालयजे हरे॥ जनमजरामरणेंकरीवीरहित ॥ अचलअरूजयथातेहरे ॥८०॥ तुम्हे०॥ सुरवरमहोठवकरेशीवपदनो ॥ पूजेतेहशरीररे ॥ अगप्रधानमहेतततनुना ॥ पामवासवजलतिररे ॥ तुम्हे० ॥ ८१ ॥ देवलोकमांजईसुरनें ॥ ललावे अवदातरे ॥ तेपणिलक्तेंकरीप्रणम्या ॥ पुज्याहर्पलरातरे ॥ ८२ ॥ तुम्हे० ॥ निजआतमहेतेंनितपुजे ॥ सुरवरसमकितवताग ॥ समरादित्यगिरीसेनवखाण्या ॥ चमतकारचितदेतारे ॥ ८३ ॥ तुम्हे० ॥ समरादित्यगयाशिवपुरमां ॥ विजानेंसशारेरे ॥ तिणेंगुणीजनउपरिनवीमठर ॥ किजेंसुणिअधीकारेरे ॥ ८४ ॥ तुम्हे० ॥ एकपर्पवयरेंडखपाम्यो ॥ विक्रुपरवनीसीवातरे ॥

घलिअतानफटउखपामें ॥ एद्टांतपणिम्यानरे ॥ ८५ ॥ मुन्दे॰ ॥ बवने खमेंपघपिसमीए ॥ पचयीजयपकट्टिटानो ॥ श्रीसमरादित्यकेवलिरासें ॥ इ एनांमगलमानरे ॥ ८६ ॥ मुन्दे॰ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ९ ॥
॥ ढाल ॥ सद्देवेंएसयीकसो ॥ समरादित्यनोरास ॥ श्रवणेपणिहोयसांसम्यां आणदअगउलास ॥ ८७ ॥ टाळ ॥ गीहूआरेगुणनुम्हतणा ॥ एदेशी ॥ सम रादित्यगुणगाईआ ॥ आणीहर्षअपाररे ॥ मुजमीमदबुधितणो ॥ कांयघारी चित्तउपगाररे ॥ ८८ ॥ सम॰ ॥ शकतिनहीमुजएहवी ॥ पणिश्रीहरीभ्द्र सरीवयणेरे ॥ चालेयटीआलबनें ॥ जिमशकतीरहीतजुश्नयणेरे ॥ ८९ ॥ सम॰ ॥ हरपहतोवळदिनतणो ॥ नेआजचटयोशुभमाणेरे ॥ उछवरगवधाम णां ॥ कांयघरि २ कोमिकल्याणेरे ॥ ९० ॥ सम॰ ॥ पमीत्तजनकिरपाक री ॥ मुजउपरिगुश्वकरेज्योरे ॥ अलपबुधिमुजजाणिने ॥ मतचितमारीसघरे ज्योरे ॥ ९१ ॥ सम॰ ॥ शक्तीरहीतपणिमुजतणी ॥ मुनीगुणेंबोलाम्योमाणें रे ॥ अवमजरीशक्ते लवे ॥ कांयमधुरकोकिलमधुटाणेरे ॥ ९२ ॥ सम॰ ॥ सीतेंखलजननेंनमु ॥ जेअछताउखणकाढेरे ॥ वितेंसज्जननेंनमु ॥ जेमेरु गिरवरपरचाढेरे ॥ ९३ ॥ सम॰ ॥ अलपबुधीअणातोगयो ॥ कांयबोल्यूव चनविरुधरे ॥ मीछादूकम्मुजहज्यो ॥ जिणथीक्रयाउशुरुरे ॥ ९४ ॥ सम॰॥ सरसवछाहीतनवेंसर्ते ॥ मुनीसत्र २ समताचढतीरे ॥ नवमेंसवपूरणथई ॥ कांयसमताजेहनीवढतीरे ॥ ९५ ॥ सम॰ ॥ पेहेलेखमेंपनरकही ॥ बिजेभे वीसढालरे ॥ भिजेचौदचोथेंकही ॥ ढालअठावीसविशालरे ॥ ९६ ॥ सम॰॥ ढालपांचमेंछठेकही ॥ सलीचोवीसनेचोवीसरे ॥ शातमेभेवीसआठमे ॥ खमे साषीवाविशारे ॥ ९७ ॥ सम॰ ॥ नवमेखंमेएकही ॥ छवीसमीढालरशालरे ॥ सर्वमीलीनेंएकसो॥कहीनवाफवरढालरे ॥ ९८ ॥ सम॰ ॥ अढारउंगणप्या लमां ॥ कायमांम्योरासएवरषेरे ॥ लिखमीचोमासूरही ॥ कांयविन २ चढते हरषेरे ॥ ९९ ॥ सम॰ ॥ वोहराकसलाआविदे ॥ सिलोटासहसमझनामेंरे ॥ तसआमहेभारसीउ ॥ वलीनीजआतमहितकामेंरे ॥१०० ॥ सम॰ ॥ तिणेंव

रसैंतिहांसघमा ॥ तपकिथाघरि २ वारेरे ॥ पचोत्तेरमासखमणते ॥ यथा
जिनविवमाननहाररे ॥ १ ॥ सम० ॥ लुपकघरिपणिकीधलो ॥ पणितेऋ
ज्ञानमापेसेरे॥ अग्निशर्मानीपरें॥ आणावीणतपकूणकहेस्यरे॥ २ ॥ सम०॥
श्रीगुरूउत्तमवीजयनी ॥ किरपाशकियोरासरे ॥ पद्मवीजयकहेहोयजो ॥
कांयघरि २ लिलविलासरे॥ ३ ॥ सम० ॥ कलस ॥ तपगछनदनसुरतरू
प्रगटया ॥ एदेशी ॥ शासननायकशीववधुलायक ॥ वर्द्धमानजिनचदाजी॥
पचमगणधरसोहमपटघर ॥ जवुतासमुणिदाजी ॥ ४ ॥ प्रभवापटघरपूर
वधारी ॥ शय्यभवसुरिंदाजी ॥ मनकपीताजेपुत्रनेंअरथें ॥ दशवैकालिक
करदाजी ॥ ५ ॥ जशोभद्रसुरीतसपटघर ॥ पूरवचौदसणिंदाजी ॥ सभूतिवी
जयनेंभद्रवाहुगुरू ॥ एकजपाटगणिंदाजी ॥ ६ ॥ थुलिभद्रजसातमापटघरा॥
पूरवचौदधरिंदाजी ॥ ब्रह्मचारीशिरशेहरसणीइ ॥ कोशाप्रतिबोधदाजी ॥७॥
आर्यमहागीरीआर्यसुहस्ती ॥ दशपूरवघरइदाजी॥ अवतीशुकमालवुज्झ्यो॥
तिमसप्रतीनरिंदाजी ॥८ ॥ आठपाटलगेंश्रणीपरेंपहेलु ॥ निमयनामकहदा
जी ॥ सुस्थितसुप्रतीवधएहविज्ञ ॥ पटघरएकसुखकदाजी ॥९॥ कोडिवा
रसुरीमत्रजप्योतिर्णे ॥ कोटिकगणथप्यदाजी ॥ श्रीइद्रदिन्नसुरीतसपटघर ॥
श्रीदिन्नसुरीइवदाजी ॥१०॥ सिंहगिरीसुरीतसपटघर ॥ द्वादशमेगुणश्दाजी॥
जेहनासीसवीनीतसीरोमणी ॥ सघलाजेगतददाजी ॥११ ॥ तसपट्टेश्रीवयरमु
नीसर ॥ जिनशाशनशोहदाजी ॥ चौदमेपाटवज्रसेनसुरी ॥ निस्सगज्युअर
विदाजी ॥१२॥ पन्नरमेपटश्रीचद्रसुरी ॥ चद्रगछथयानामजी ॥ त्रिजुएपर
सीधुजगमा ॥ सामतभद्रतसगमजी॥१३॥वनवासीचोथुथयुअतीघा॥तसप
ट्टगुणमणीधामजी ॥ श्रीवृद्धदेवसुरीपरसीद्ध॥ पटघरतसअसीरामजी॥१४॥
श्रीप्रद्योतनसुरीविराजे ॥ मानदेवसुरीछाजेजी ॥ तसपट्टमानतुगआचारय ॥
उद्योतकअतीभाजेजी ॥१५॥ विरसुरीएकविसमेपट्टे ॥ जयदेवसुरीबावीस
जी ॥ देवाणदवलीवीक्रमसुरी ॥ श्रीनरसिंहसुरीसजी ॥ १६ ॥ पट्टछवीसमेंस
मुद्रसुरीवर ॥ मानदेवसुरीतासजी ॥ विबुधप्रभसुरीतसपाटें ॥ श्रीजयानद

मुवासजी ॥ १७ ॥ भिजामेपाटेग्वीसमगुरी ॥ श्रीजशोभद्रसुरीजाणजी ॥ प्रद्युम्नसुरीयभीसमेपाट ॥ मानदेवततपासजी ॥ १८ ॥ विमलचन्द्रउद्योतनसुरी ॥ तेहपांत्रिसमेगणेजी ॥ वडतलेआठसुरीपददिधां ॥ तिहांथीवडगछजाणेजी ॥ १९ ॥ पांचमुनांमेपाटत्रीसमे ॥ सर्वदेवसुरीसोजी ॥ बांत्रीसमेपाटदेयसुरी ॥ सर्वदेवअहमीसजी ॥ २० ॥ त्रिणगुरुसांमेहुवेएकपाटे ॥ जसोभद्रश्रीनेमीचदजी ॥ तेहनीपाटेमुनीचदसुरी ॥ निरमळकीरतीचदजी ॥ २१ ॥ अजीतदेवसुरीतसपटधारी ॥ विजयसिंहसुरीनमीइजी ॥ सोमप्रभसुरीमणीरत्नसुरी ॥ नमतापापनीगमीइजी ॥ २२ ॥ एहोयपाटेचौआलीसमे ॥ श्रीजगचन्द्रसुरीदीवोजी ॥ करीकिरीयाउधारदिपाव्यो ॥ मारगतेचिरजीवोजी ॥ २३ ॥ आघाटपुरेजिणेदिगपटजीत्या ॥ राणाससाहुजुरजी ॥ हिरलानामदियुतिहांराणे ॥ तपकीधोजिणेपुरजी ॥ २४ ॥ जावजीवआंबिलतपकीधो ॥ विरूदतपातिहांपायुजी ॥ तपगछनामबहुएहगुणथी ॥ नाहिकदापहेआयुजी ॥ २५ ॥ देवेंद्रसुरीपटोधरतेहना ॥ प्रकरणजिणेबहुकिधाजी ॥ धर्मगोपसुरीसरतेहना ॥ विद्यामत्रप्रसीधाजी ॥ २६ ॥ सोमप्रभसुरीसमतालीसमे ॥ पाटेअतीवयरागीजी ॥ सोमतीलकसुरीदेवसुंदरसुरी ॥ जसपचत्रीप्यसोसागीजी ॥ २७ ॥ सोमसुंदरसुरीतेहनापटोधर ॥ मुनिसुवरवसपाटेजी ॥ एकसोआगहायनोकागल ॥ लिखीमोकल्योगुरूमाटेजी ॥ २८ ॥ कालीसरस्वतीजेकहेवाता ॥ सतिकरजिणेकिधुजी ॥ पाटवितेहनारत्नसेषरसुरी ॥ बावनमेपरसीधुजी ॥ २९ ॥ लक्ष्मीशागरसुरीसुमतीसाधुसुरी ॥ हेमविमलपणपन्नजी ॥ आणदवीमलसुरीछपन्नमें ॥ पाटेतेहनीपन्नजी ॥ ३० ॥ बहुमारगलोपाणोजाणी ॥ क्रियाशिथलथयामाणीजी ॥ सवत्पनरब्यासीइकीधो ॥ क्रियाउधारमनआणीजी ॥ ३१ ॥ बहुश्रेष्टीसूतशतजिणेदिष्या ॥ स्यांस्यांकीजेंवषाणजी ॥ तसपद्देविजयदानशूरीइ ॥ करीपरतिष्टाबहुगणजी ॥ ३२ ॥ इमसत्तावनपाटवषाण्या ॥ शेषपाटहवेकहीइजी ॥ पन्नवीजयकहेपुरवसूरीना ॥ गुणगातांसुखलहीइजी ॥ ३३ ॥ वेश्रीइमचमीनी ॥ अग

वनमेपाटेंङ्क्रा ॥ विजयहीरसूरीराया ॥ मेघजीत्र्राचारयप्रतीवोधी ॥ लूपक
मतछेम्पायारे ॥ २४ ॥ हमचमी ॥ त्र्रगवीससजतस्यूदिक्षा ॥ लिधिजेगुरू
पासें ॥ पातसाहत्र्रकवरप्रतीवोध्यो ॥ जिवत्र्रमारिप्रकासेरे ॥ २५ ॥ हम०॥
सीरोहीनमुलाईपाटण ॥ राजनगरखसाति ॥ जिणेंवङ्कविवप्रतिष्टाकीधी ॥ ग
मि-२ विष्यातरे ॥ २६ ॥ हम० ॥ विजयसेनसूरीतसपाटें ॥ पातसाहनेंत्र्रा
गे ॥ पटदरीशणमाजयश्रीरीजेहनें ॥ वरीस्वयवरारागेंरे ॥ २७ ॥ हम० ॥ स
वाईगुरुविरुदलसातव ॥ गीतारथगुणरागी ॥ तसपाटिविजयदेवसूरीसर ॥
किरतीचिङ्कदिशजागीरे ॥ ३८ ॥ हम० ॥ विजयप्रसमूरीतसपट्टें ॥ सोसागी
सीरदार ॥ विजयरत्नसूरीपाटेंतेहनें ॥ विजयपीमासुरीसाररे ॥ ३ए ॥ हम०॥
चोसठिमेंपाटेंवलीङ्कत्र्रा ॥ विजयदयासुरीराय ॥ विजयधर्म्मसुरीजसराज्यें॥
प्रारत्तरासनोथाप्रेरे ॥ ४० ॥ हम० ॥ त्र्रढारएकतालेकातीवदिमा ॥ स्वर्गेते
हसिधाया ॥ तसपट्टेंश्रीजीनेंद्रसुरीश्वर ॥ पुण्येंपदवीपायारे ॥ ४१ ॥ हम० ॥
तसराज्येएपुरणकीधो ॥ त्र्रढारवेंतालावरसें ॥ श्रीकल्याणपासमुपसायें ॥ व
सतपचमीदीवसेंरे ॥ ४२ ॥ हम० ॥ श्रीवीजयदेवसुरीसपट्टोधर ॥ श्रीवीज
यसिहसुरीस ॥ सवतसोलएकासीत्र्रावर्षे ॥ सुरीपदेमुजगीसरे ॥हम०॥४३॥
राणोजगसिहजिणेंप्रतीवोध्यो॥ जसकिरतीजगव्यापी॥ जेहनीपरपदमांवङ्क
गीतारथ ॥ किधात्र्रादरत्र्रापीरे ॥ ४४ ॥ हम० ॥ वरसत्र्रगवीसत्र्राचारयप
द ॥ युवराज्येंजेपाली ॥ राजनगरमांस्वर्गपधारया ॥ डुखदोहगसविटालीरे॥
॥ ४५ ॥ हम० ॥ तेहनाशीशसमुहमांसोहे ॥ सत्यविजयपन्यास ॥ त्र्रा
चारयगुरुत्र्राणापामी ॥ करयोक्रीयात्र्रत्यासरे ॥ ४६ ॥ हम० ॥ कपूरवि
जयपन्यासतेहना ॥ षिमाविजयतसजाणो ॥ नदिषेणपरिदेशनाजेहनी ॥क
रेत्तविव्रतपचखाणोरे ॥ ४७ ॥ हम० ॥ सगीजगीवङ्कप्रतीवोध्या ॥ सोसागी
सीरदार ॥ तसजीनवीजयपन्यासकहाया ॥ करताबङ्कउपगाररे ॥ ४८ ॥ ह
म०॥ गीतारयसङ्कनघणसुदर ॥ लक्षणलक्षीतदेह ॥ जेहनीमुद्रादेषीपूरवामु
नीवरसात्तरेतेहरे ॥ ४ए ॥ हम० ॥ तासशीससमुदायमाजाणो ॥ उत्तमवी

मुवासजी ॥ १७ ॥ त्रिगामेंपाटेरयीग्रसगुरी ॥ श्रीअजोदेवसुरीजाणजी ॥ प्रधुम्नसुरीपघोसमेपाट ॥ मानदेवतसपासजी ॥ १८ ॥ विमलचंद्रेंउद्यो तनसुरी ॥ तेहपाविसमेंगणोजी ॥ वमनलेआठसुरीपददिधां ॥ तिहांथीवड गछजाणोजी ॥ १९ ॥ पांचमुनांमेंपाटछनीसमे ॥ सर्वदेवसुरीसोजी ॥ सा ग्रीसमेपाटदेवसुरी ॥ सर्वदनअमग्रीसजी ॥ २० ॥ विकुगुरुसांहेबेएकपा ट ॥ जसोतद्रश्रीनेमीचदजी ॥ तेहनीपाटमुनीचदसुरी ॥ निरमलकीरती चदजी ॥ २१ ॥ अजीतदेवसुरीतसपटधारी ॥ विजयसिंहसुरीनमीइजी ॥ सोमप्रसुरीमणीरत्नसुरी ॥ नमतापापनीगमीइजी ॥ २२ ॥ एदोयपाटिचौ आलीसमे ॥ श्रीजगचंद्रसुरीदीवोजी ॥ करीकिरीयाउधारदिपाव्यो ॥ मारगते चिरजीवोजी ॥ २३ ॥ आघाटपुरेजिणेदिगपटजोत्या ॥ राणासताहजुरजी॥ हिरलानामटिघुतिहाराणे ॥ तपकीधोजिणेपुरजी ॥ २४ ॥ जावजी वआंबिलतपकीधो ॥ विरूदतपातिहांपायुजी ॥ तपगछनामवतुएहगुणथी ॥ नाहिक्दायहेंआयुजी ॥ २५ ॥ देवेंद्रसुरीपटोधरतेहना ॥ प्रकरणजिणेंवहुकि धाजी ॥ धर्मगोपसुरीसरतेहना ॥ वियामत्रप्रसीधजी ॥ २६ ॥ सोमप्रसुरी समतालीसमें ॥ पाटेंअतीवयरागीजी ॥ सोमतीलकसुरीदेवसुदरसुरी ॥ ज सपचजीप्यसोतागीजी ॥ २७ ॥ सोमसुदरसुरीतेहनापटोधर ॥ मुनिसुंदरत सपाटिजी ॥ एकसोआठहायनोकागल। लिखीमोकल्योगुरूमाटेजी ॥२८॥ कालीसरस्वतीजेकहेवाता ॥ सतिकरजिणेंकिधुजी ॥ पाटवितेहनारत्नसेषर सुरी ॥ बावनमेंपरसीधुजी ॥२९॥ लक्ष्मीसागरसुरीसुमतीसाधुसुरी ॥ हेमवि मलपणपन्नजी ॥ आणदवीमलसुरीछपन्नमें ॥ पाटेंतेहनीपन्नजी ॥ ३० ॥ वहुमारगलोपाणोजाणी ॥ क्रियाशिथलययामाणीजी ॥ सवत्पनरब्यासीइ कीघो ॥ क्रियाउधारमनआणीजी ॥ ३१ ॥ बहुश्रेष्टीसूतज्ञातजिणेंदिष्या ॥ स्यांस्यांकीजेंवषाणजी ॥ तसपट्टेविजयदानसूरीइ ॥ करीपरतिष्टाबहुगण जी ॥ ३२ ॥ इमसत्तावनपाटवषाण्या ॥ शेषपाटहवेकहीइजी ॥ पन्नवीज यकहेपुरवसुरीना ॥ गुणगानांसुखलहीइजी ॥३३॥ देशीहमचडीनी ॥ अग

वनमेपाटेंऊन्प्रा ॥ विजयहीरसूरीराया ॥ मेघजीआचारयप्रतीवोधी ॥ लूपक
मतछोफायारे ॥ ३४ ॥ हमचमी ॥ न्प्रगवीससजतस्यूदिक्षा ॥ लिधिजेगुरू
पासें ॥ पातसाहन्प्रकवरप्रतीवोध्यो ॥ जिवअमारिप्रकासेंरे ॥ ३५ ॥ हम०॥
सीरोहीनमुलाईपाटण ॥ राजनगरखंसाति ॥ जिणेंवऊविवप्रतिष्टाकीधी ॥ ग
मि-२ विप्यातरे ॥ ३६ ॥ हम० ॥ विजयसेनसूरीतसपाटें ॥ पातसाहनेंआ
गे ॥ पटदरीशणमाजयशीरीजेहनें ॥ वरीस्वयवरारागेंरे ॥ ३७ ॥ हम० ॥ स
वाईगुरूविरूदलह्यातव ॥ गीतारथगुणरागी ॥ तसपाटिविजयदेवसूरीसर ॥
किरतीचिऊदिशजागीरे ॥ ३८ ॥ हम० ॥ विजयप्रसस्रीतसपट्टें ॥ सोलागी
सीरदार ॥ विजयरत्नसूरीपाटेंतेहनें ॥ विजयपीमासुरीसाररे ॥ ३९ ॥ हम०॥
चोसठिमेंपाटेंवलीऊआ ॥ विजयदयासुरीराय ॥ विजयधर्म्मसुरीजसराज्यें॥
प्रारसरासनोथायेरे ॥ ४० ॥ हम० ॥ अढारएकतालेकातीवदिमां ॥ स्वर्गेंते
हसिधाया ॥ तसपट्टेंश्रीजीनेंद्रसुरीश्वर ॥ पुण्येंपदवीपायारे ॥ ४१ ॥ हम० ॥
तसराज्येएपुरणकीधो ॥ अढारवेंतालावरसे ॥ श्रीकल्याणपासमुपसायें ॥व
सतपचमीदीवसेंरे ॥ ४२ ॥ हम० ॥ श्रीवीजयदेवसुरीसपट्टोधर ॥ श्रीवीज
यसिहसुरीस ॥ सवतसोलएकासीन्प्रावर्षे ॥ सुरीपदेसुजगीसरे ॥हम०॥ ४३ ॥
राणोजगसिहजिणेंप्रतीवोध्यो ॥ जसकिरतीजगव्यापी ॥ जेहनीपरपदमावऊ
गीतारथ ॥ किधाआदरआपीरे ॥ ४४ ॥ हम० ॥ वरसन्प्रगवीसआचारयप
द ॥ युवराज्येंजेपाली ॥ राजनगरमास्वर्गपधारया ॥ डखदोहगसविटालीरे॥
॥ ४५ ॥ हम० ॥ तेहनाशीशसमुहमासोहे ॥ सत्यविजयपन्यास ॥ न्प्रा
चारयगुरूआणापामी ॥ करघोकीयाअत्यासरे ॥ ४६ ॥ हम० ॥ कपूरवि
जयपन्यासतेहना ॥ पिमाविजयतसजाणो ॥ नदिपेणपरिदेशनाजेहनी ॥क
रेसविव्रतपचखाणोरे ॥ ४७ ॥ हम० ॥ सगीजगीवऊप्रतीवोध्या ॥ सोलागी
सीरदार ॥ तसजीनवीजयपन्यासकहाया ॥ करतावऊउपगाररे ॥ ४८ ॥ ह
म०॥ गीतारयसद्यानघणसुदर ॥ लक्षणलक्षीतदेह ॥ जेहनीमुद्रादेषीपूरवासु
नीवरसास्तेंतेहरे ॥ ४९ ॥ हम० ॥ तासशीससमुदायमाजाणो ॥ उत्तमवी

गुयातजी ॥ १७ ॥ त्रिगामेपाटेरथीसरागुरी ॥ श्रीजगोंदेवसुरीभातजी पदूजगुरीवमीसमेपाट ॥ मानदरतनतपामजी ॥ १८ ॥ त्रिमनचद्रनेंज्यो ननगुरी ॥ मेरुपात्रिरामेगाणेजी ॥ यम्नलेज्ञागुरीपदरियां ॥ नि । गरजाणेजी ॥ १९ ॥ पांचमुनांमेपाटज्ञीसमे ॥ सत्रदवमुरीसोजी ॥ सी ञीसमेपाटेदियगुरी ॥ सर्वदयत्रनम्नीसजी ॥ २० ॥ विक्रगुरूसांहेवेएकपा टे ॥ जसोसदश्रीनेमीचदजी ॥ तङ्गनीपाटेमुनीचदगुरी ॥ निरमलकीरती चदजी ॥ २१ ॥ जीनदेवगुरीनसपटधारी ॥ विजयसिहमुरीनमीदजी ॥ सोमप्रसगुरीमणीरतसुरी ॥ नमतांपापनोगमीदजी ॥ २२ ॥ एदोयपाटेचो आलीसमे ॥ श्रीजगचद्रमुरीदीवोजी ॥ करीकिरीयाउधारदिपाव्यो ॥ मारगते चिरजीवोजी ॥ २३ ॥ आघाटपुरेजिणेदिगपटजोत्या ॥ राणासताहजुरजी ॥ हिरलानामदियुतिहांराणे ॥ तपकीधोजिणेपुरजी ॥ २४ ॥ जावजी वआंबिलतपकीधो ॥ विरूदतपानिहांपायुजी ॥ तपगछनामगुरुएहगुणथी ॥ नाह्किदापहेंआयुजी ॥ २५ ॥ देवेंद्रसुरीपटोधरतेहना ॥ प्रकरणजिणेबहुकि धांजी ॥ धर्मगोपसुरीसरतेहना ॥ वियामत्रप्रसीधजी ॥ २६ ॥ सोमप्रससुरी समतालीसमें ॥ पाटेअतीवयरागीजी ॥ सोमतीलकसुरीदेवसुदरसुरी ॥ ज सपचओव्यसोत्तागीजी ॥ २७ ॥ सोमसुदरसुरीतेहनापटोधर ॥ मुनिसुंदरत सपाटेजी ॥ एकसोआठहाथनोकागल ॥ लिखीमोकल्योगुरूमाटेजी ॥२८॥ कालीसरस्वतीजेकहेंषाता ॥ सतिकरजिणेकिघुजी ॥ पाटवितेहनारत्नसेषर सुरी ॥ बावनमेंपरसीधुजी ॥२९॥ लक्ष्मीसागरसुरीसुमतीसाधुसुरी ॥ हेमवि मलपणपन्नजी ॥ आणंदवीमलसुरीछपन्नमें ॥ पाटेंतेहनीपन्नजी ॥ ३० ॥ बहुमारगलोपाणोजाणी ॥ क्रियाशिथलथयाप्राणीजी ॥ सवतपनरव्यासीए कीधो ॥ क्रियाउधारमनआणीजी ॥ ३१ ॥ बहुश्रेष्टीसुतघातजिणेंदिष्या ॥ ल्यांस्यांकीजेंवषाणजी ॥ तसपहेंविजयदानसूरीए ॥ करीपरतिष्टाबहुठाण जी ॥ ३२ ॥ इमसत्तावनपाटवषाण्या ॥ शेषपाटहवेकहीइजी ॥ पन्नवीज यकहेपुरखसूरीना ॥ गुणगातांसुखलहीइजी ॥३३॥ देशीहमचमीनी ॥ अग्रा

वनमेपाटेंहुन्त्रा ॥ विजयहीरसूरीराया ॥ मेघजी प्राचारयप्रतीबोधी॥ लूंपक
मतठेमानारे ॥ ३४ ॥ हमचमी ॥ अगवीससजतसूदिक्षा ॥ लिधिजेगुरु
पासें ॥ पानमाहअकबरप्रतीबोध्यो ॥ जिवअमारिप्रकासेरे ॥ ३५ ॥ हम०॥
सीरोहीनगुआरपाटए ॥ राजनगरखसाति ॥ जिणेंबहुबिंबप्रतिष्टाकीधी ॥ ग
मि २ विख्यातरे ॥ ३६ ॥ हम० ॥ विजयसेनसूरीतसपाटें ॥ पातसाहनेंआ
गे ॥ पटदरीजणमाजयचीरीजेहनें ॥ वरीस्वयवरारागेंरे ॥ ३७ ॥ हम० ॥ स
वाईगुरुबिरूदजसातव ॥ गीतारथगुणरागी ॥ तसपाटिविजयदेवसूरीसर ॥
किरतीचिहुंदिशजागीरे ॥ ३८ ॥ हम० ॥ विजयप्रससूरीतसपट्टे ॥ सोसागी
सीरदार ॥ विजयरत्नसुरीपाटेंतेहनें ॥ विजयषीमासुरीसाररे ॥ ३९ ॥ हम०॥
चोसठिमेंपाटेंवलीहुआ ॥ विजयदयासुरीराय ॥ विजयधर्म्मसुरीजसराज्यें॥
भारसर्गसनोथाएरे ॥ ४० ॥ हम० ॥ अढारएकतालेकातीवदिमा ॥ स्वर्गेते
हसियाना ॥ तसपट्टेंश्रीजीनेंद्रसुरीश्वर ॥ पुण्येंपदवीपायारे ॥ ४१ ॥ हम० ॥
तसराज्येंएपुरणकीधो ॥ अढारवेंतालावरसें ॥ श्रीकल्याणपाससुपसायें ॥व
सतपचमीदीवसेंरे ॥ ४२ ॥ हम० ॥ श्रीवीजयदेवसुरीसपट्टोधर ॥ श्रीवीज
यसिहसुरीस ॥ सवतसोलएकासीन्रावर्षे ॥ सुरीपदेसुजगीसरे ॥हम०॥४३॥
राणेजगसिहजिणेंप्रतीबोध्यो॥ जसकिरतीजगव्यापी॥ जेहनीपरषदमाबहु
गीतारथ ॥ किधाआदरआपीरे ॥ ४४ ॥ हम० ॥ वरसअगवीसआचारयप
द ॥ युवराज्येंजेपाली ॥ राजनगरमांस्वर्गपधारया ॥ डुखदोहगसविटालीरे॥
॥ ४५ ॥ हम० ॥ तेहनाशीशसमुहमांसोहे ॥ सत्यविजयपन्यास ॥ आ
चारयगुरुआणापामी ॥ करचोकीयाअत्यासरे ॥ ४६ ॥ हम० ॥ कपूरवि
जयपन्यासतेहना ॥ षिमाविजयतसजाणो ॥ नदिषेणपरिदेशनाजेहनी ॥क
रेसविव्रतपचखाणोरे ॥ ४७ ॥ हम० ॥ सगीजगीबहुप्रतीबोध्या ॥ सो[illegible]
सीरदार ॥ तसजीनवीजयपन्यासकहाया ॥ करताबहुउपगाररे ॥ ४८ ॥ ह
म०॥ गीतारथसज्जनघणसुदर ॥ लक्षणलक्षीतदेह ॥ जेहनीमुख[illegible]
नीवरसासरेंतेहरे ॥ ४९ ॥ हम० ॥ ताराशीसरागुदायमांजाले[illegible]

जयपन्यास ॥ ग्यानीध्यानीनेंनहीमानी ॥ दशदिशकिरतिजासरे ॥ ५० ॥ हम० ॥ पयमीपचसपहमुख्यपया ॥ जाणेतसआमनाय ॥ सद्गुरुउपगारीमुज मोहटा ॥ शातदांतगुणरायरे ॥ ५१ ॥ हम० ॥ मुजशरीरापहुरनवपल्लव ॥ किधाप्रतीहीतआणी॥स्योस्योकहुउपगारगुरूनो॥ वाणीजासप्रमाणीरा॥५२॥ हम० ॥ विसलनगरवीराजेरूडु ॥ जिहांजिनचैत्यछेदोय ॥ जिहांप्रतीसत्की वतारङश्रावक ॥ भक्तपूजावणीहोयरे ॥ ५३ ॥ हम० ॥ तेगुरुउत्तमवीजय पन्याद ॥ पद्मवीजयलघुशीसे ॥ विशलनगरचोमासरहीने ॥ साप्योविसवा विसेंरे ॥५४॥ हम०॥ जिहांलगेंपहगणतारामरू॥ चन्द्रसुरयपरकाश ॥ तिहां लगेएहरासथीररहेज्यो॥जयजयकारवीलासरे॥५५॥हम०॥समरादित्यनोरास एसएस्ये ॥ लिखस्येसागवीशाल ॥ तेहमहोदयपदवीलहेस्ये ॥ हास्येमगल मालरे ॥५६॥ हम०॥ इतिश्रीसंविज्ञपक्षीयपंडितप्रवरश्रीमदुत्तमविजयगणि शिष्यप० पद्मविजयविरचितेश्रीसमरादित्यचरीत्रेप्राकृतप्रबंधेसमरादित्यगि रीसेनयो नवमनरसव समाप्त तत्समाप्तौसमाप्तोयनवम खन तत्समाप्तोचस माप्त श्रीसमरादित्यचरीत्र ॥ नवमखमेसर्वगाथा ॥८५६॥ श्रीमुवईवदिरश्री शातिनाथजीप्रशादात् ॥ सुसत्तवतु ॥ कल्याणमस्तु॥ श्रीरस्तु॥ श्री ॥ ॥७॥

